GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY

CENTRAL ARCHÆOLOGICAL LIBRARY

417. 4354/I,D.A.

CALL NO.

Acc. No. 67367

D.G.A. 79. GIPN—\$1—2D. G. Arch.N. D. 57—27-9-58—1,00,000

, • \*\* • •

# Bobernment of Madras.

HOME DEPARTMENT.
(MISCELLANEOUS)



## G.O. No. 99, 29th August 1916

No. 12.63 ARSIE

4/7,435

destroy

Recording, with remark, the first tof the Age ant Arche widel but rintendent for Epigraphy, Southern Circle and the first land to the firs

केन्द्रीय पुरातत्व प्रत्व लय

### CONTENTS.

### PART I

| •   |                                    |   |              |           |           |        |           |      |             |         | PAGE.                       |   |
|-----|------------------------------------|---|--------------|-----------|-----------|--------|-----------|------|-------------|---------|-----------------------------|---|
| -   | Office routine.—                   |   |              |           |           |        |           |      |             |         |                             |   |
| 4   | Personnel                          |   | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 1                           |   |
| F   | Publication                        |   |              | • • • • • | •         | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 2                           |   |
| ľ   | Tours and diary                    |   | ,            | •         | endent    | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | "3                          |   |
| Ł   | Tours of the esta                  |   |              | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | ა<br>5                      |   |
| Ā   | The year's work<br>Conservation    |   |              | • •       | • •       | • •    | , •       | • •  | • •         | • •     | 5<br>6                      |   |
| 1   | O.M. 113                           | • |              | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | - •     |                             |   |
|     | Expenditure and                    |   | ••           | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | "7                          |   |
| ,   | Places examined                    | in 1915                                 |              | ••        | • •       | ••     | • •       | • •  | • •         |         |                             |   |
|     | Programme for 3                    |   |              | • •       | • •       | • •    | ••        | ••   | ••          | • •     | "8                          |   |
|     | Apppendix A.—                      | List of co                              |              |           |           |        |           | •••  |             |         | 9                           |   |
|     | " B                                | " Ston                                  | e inscript   | tions co  | pied in   | 1915   | ••        | • •  | • •         |         | 10                          |   |
|     | ", C                               | "                                       | •,           |           |           | 1916   |           |      | • •         | • •     | 63                          |   |
|     | ., D                               |   | ic and Pe    | rsian ii  | ascriptio | ns cop | ied in 19 | 15-1 | 16          | • •     | 93                          |   |
|     | ,, E                               | " Photo                                 | ographs t    | aken in   | 1915-1    | .6     | • •       |      | • •         | • •     | 94                          |   |
|     | $\mathbf{F}$                       | " Draw                                  | ings prep    | ared in   | 1915–1    | 6      |           | • •  |             | • •     | ,,                          |   |
|     | `,, G                              | " Dates                                 | calculat     | ed by     | Diwan     | Baha   | dur L     | D.   | Swamika     | nnu     | ) <sup>Q-</sup>             | • |
| P*  |                                    | Pil                                     | lai.         |           |           |        |           |      |             |         | €,                          |   |
|     |                                    |   |              |           |           |        |           |      |             |         |                             |   |
|     | -                                  |   |              | P         | ART II    |        |           |      |             |         |                             |   |
| 1   | he Andhras.—                       |   |              |           |           |        |           |      |             |         |                             |   |
|     | Palamāvi II                        | • • •                                   | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 112                         |   |
| 7   | Che Pallavas.—                     |   |              |           |           |        |           |      |             |         | \                           | \ |
|     | Vijaya-Skandava                    | rman (II)                               |              | • •       | • •       |        | • •       |      | • •         | • •     | 113                         |   |
|     | Simhavarman II                     |   |              |           | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | ,,,                         |   |
|     |                                    | • • • • •                               | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  |             | • •     | 114                         |   |
| 1   | Chandraditya .                     | ••                                      | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | "                           | • |
| {   | , Vayiramēgavarm                   | ian                                     | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 115                         |   |
| Ή   | he Chōlas.—                        | _                                       | _            |           |           |        |           |      |             |         |                             |   |
| - { | Rājakēsarivarma                    | n Aditya                                | Ι            | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 116                         |   |
| ,   | Madhurāntaka (                     |   | hōļa)        | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | , ,,_                       |   |
|     | Rājēndra-Chōla                     |   | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 117                         |   |
|     | Rājādhirāja I                      | • • • • •                               | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 118                         | ì |
|     |                                    | ••                                      | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | "                           |   |
|     | Vīra-Rajēndradē                    |   | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 119.                        |   |
| •   | A temple hospita                   | 11 · ·                                  | • •          |           | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 1197                        |   |
|     | Vikrama-Chola.                     | • • •                                   |              | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 3 <sup>24</sup> /           |   |
|     | Kulottunga II                      | • • •                                   | ••           | • •       | ••        | ••     | ••        | ••   | ••          | • •     | $\mathcal{A}_{\mathcal{A}}$ |   |
| _ ] | Kongu-Cholas.—                     |   |              |           |           |        |           |      |             |         | 10                          |   |
| !   | Abhimana-Chola                     |   | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | t                           |   |
|     | Vîra-Răjendrade                    |   | • •          | • •       | ••        | • •    | • •       |      | • •         | • •     | · I                         |   |
|     |                                    | • • • •                                 | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | ••   | ••          | ••      | 1                           |   |
| 1   | andyas.—                           |   |              |           |           |        |           |      |             |         | , (4                        |   |
|     | Maranjadaiyan                      | 11 1.1 .                                | • •          | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | " \                         |   |
|     | Chakravartin Sri                   | vanadda<br>Vanadda                      |              | • •       | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         |         | 122                         |   |
| i   | Jatavarman Kuls                    | iseenara 1                              | dra T        | • •       | • •       | • •    | ••        | ••   |             | • •     |                             |   |
|     | Māravarman Sun<br>Māravarman Vik   | mama. Pan                               | idaa<br>idaa | • •       | • •       |        | ••        | • •  | • •         |         | 123                         |   |
| •   | Jațāvarman Sund                    | Tama-Lau<br>Jara-Pand                   | va<br>v      |           | • •       |        |           |      | • •         | • •     |                             |   |
| l   | Jatavarman Vīra                    | -Pāndva                                 | ,,           | • •       | • •       |        | • •       |      | • •         | • •     | 1 <b>24</b>                 |   |
| ŀ   | Maravarman Ku                      | laśēkhara                               | I            |           | • •       |        | • •       |      |             |         | 125                         |   |
| 1   | Maravarman Vir                     | a-Pāndva                                | and Kar      | npana     | ΙΙ        |        | • •       |      | • •         | ••      | 126 - ~                     | - |
|     | Jotavarman Para                    | krama-l'ā                               | indya        | • •       |           |        | • •       |      | . •         | • •     | 3,9                         |   |
| Ż   | Sada gönavarman                    | Vikrama-                                | -Pāndya      |           | • •       | • •    | • •       | • •  | • •         | • •     | 127                         |   |
|     | Magavarman Vik                     | rama-Pān                                | dya (Řaj     | ākkaņā    | yan)      |        | • •       | • •  | • •         | • •     | 12                          |   |
| ٠.  |                                    | •                                       |              |           |           |        |           |      |             |         |                             |   |
|     | Later Pāṇḍyas.—<br>Alagan Perumāl  | Paräbram                                | a-Pāndv      | a         |           |        |           |      | ٠,          | • •     |                             |   |
| B   | Alagan Perumai<br>Maravarman Par   | akrama.P                                | and va       |           |           |        |           |      | • *         | • •     | 128                         |   |
|     | Maravarman 1 ar<br>Irandakalamedut | ta Śrīvall                              | abha         |           |           | • •    | • •       | • •  |             |         | 37                          |   |
| á   | Managamen Sur                      | idara-Pán                               | ava          |           |           | • •    | • •       | • •  | `\ ••       | -       | 2)                          | 1 |
|     | -1 1)                              |   | nissernar    | 9.        | • •       | • •    | • •       | • •  | 1           |         | ,,                          |   |
| ز   |                                    |   |              |           | aratungs  | rāma   | • •       | • •  | <b>\</b>    | • • •   | 20                          |   |
| :   | Šīvalamāra Vara                    | gunarāme                                | Kulasēk      | hara-D    | īkshitai  | :      | • •       | • •  | 1 30.00     | × •• ., | 129                         |   |
| ľ . | DITAGE TOTAL                       |   |              |           |           |        |           |      | <i>f.</i> . |         |                             |   |

CAL Acc

D.G.A GIPN

笺.

#### CONTENTS

|                        |  |                     |         |                | <b>P</b> . | ART II- | -cont. |       |       |                 |     |            |
|------------------------|--|---------------------|---------|----------------|------------|---------|--------|-------|-------|-----------------|-----|------------|
| The                    | e Rāshtrakūt   | as.—                |         |                |            |         |        |       |       |                 |     | PAG        |
|                        | ovinda III   |                     |         | •              |            |         |        |       |       |                 |     | • •        |
| I                      | Krishņa II   | • •                 | • •     | • •            |            | • • •   | ••     | ••    | • •   | • •             | • • | 12         |
|                        | dövinda IV   |                     | • •     | • •            |            |         | • • •  | • •   | ••    | • •             | • • | ,          |
|                        | Krishņa III  |                     | • •     | • •            |            |         | • •    | • •   | •     | • • •           | • • | 7          |
| The<br>V               | e Western Cl<br>Zinayāditya S  | hāļukya<br>Satvāšra | s of E  | Bādāmi<br>     |            |         | -      |       |       | •••             | ••  | ::         |
|                        | Western Ch   |                     |         |                | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 13         |
|                        | omēśvara I   |                     | •••     | ary airi       |            |         |        |       |       |                 |     |            |
| S                      | ōmēśvara II  |                     | • •     | • • •          | • •        | • •     | ••     | • •   | • •   | • •             | ••  | 97         |
|                        | <sup>7</sup> ikramāditya   |                     |         | • •            | • •        | • • •   | ••     | • •   | • •   | • •             | • • | 10         |
|                        | ōmēśv <b>ara II</b> I  |                     | _••     |                |            | • •     | ••     | •••   | • •   | • •             | • • | 13         |
| F                      | erma-Jagade  | kamall              | a II    | • •            | • •        |         | • •    | • •   |       | • •             | • • | 13         |
| , D                    | ōmēśvara IV  | D::-                | ,       | • •            | • •        | • •     | • •    |       | • •   | • •             | • • |            |
|                        | he Kalachur  | ya Bijja            | aia     | • •            | • •        | • •     |        |       | • •   | • •             | • • | "          |
|                        | Yādavas.—  |                     | •       |                |            |         |        |       |       |                 |     | "          |
|                        | ingana .   | • •                 | • •     | • •            | **         | • •     | • •    | • •   | ••    | • •             |     | 13         |
|                        | āmachandra   | Pallan              | <br>    |                | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   |                 | • • |            |
|                        | ainism in the  |                     | y cust  | rice           | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 31<br>33   |
|                        | nāṇḍu chiefe   |                     | n 1.    |                |            |         |        |       | 4     |                 |     | "          |
| . V                    | elanāņti Rāj<br>ulōttunga-Cl   | enura-C             | noga    | тт ••          | • •        | • •     | • •    | • •   |       |                 |     | 134        |
| The                    | Telugu Chōo  | goa —<br>roda ero   | пка т   | I.E            | ••         | • •     | • •    | • •   | 4 • • | • •             | • • | "          |
| <b>71</b> 0            | Kannāradēv   | ias.—<br>aand F     | Ralli-C | hāda           |            |         |        |       |       |                 |     | "          |
| The                    | Kākatīyas.—  |                     | -ux11-C | тофа           | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 135        |
|                        | napati   | ••                  |         |                |            |         |        |       |       |                 |     |            |
|                        | idrāmbā  | ••                  | • •     | • •            | • •        | • •     | ••     | • •   | • •   | • •             | • • | ,,         |
|                        | atāparudra a   | nd def              | eat of  | Pandy          | * *<br>798 | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 72         |
| $\mathbf{T}\mathbf{h}$ | ie Kondapad  | mati ch             | iefs    |                |            | • •     | • •    | • •   | •     | • •             | • • | 196        |
| ${f Th}$               | ıe K $ar{	ext{o}}$ ta chief  | s ; their           | gene    | alogy          | • • •      | ••      | ••     | • •   | • •   | • •             | • • | "          |
| Te                     | lugu Pallava   | ıs                  | ••      | ••             | • •        | • • •   | • • •  | • •   | • •   | • •             | • • | 137        |
|                        | e Reddis   | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 138        |
|                        | e Gajapatis  | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • • • | • •   | ••              | • • | >>         |
| The f                  | irst Vijayans  | agara d             | ynasty  | y. <del></del> |            |         |        |       |       | ••              | • • | Ï          |
| Ka                     | mpana-Udai   | yar                 | • •     | • •            |            | • •     | • •    |       |       |                 |     |            |
| Say                    | ana-Udaiyai<br>rihara II   |                     | . •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | ••    | • •             | • • | 139        |
|                        | kka II   | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   |       | • •             | • • | <b>))</b>  |
|                        |  | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • • . | • •             | • • | "          |
| ) Šrīs                 | girinātha  | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   |                 | • • | "          |
|                        | llikārjuna   | ••                  | · ·     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   |       | • •             | • • | 3)<br>3)   |
| Pra                    | udba Virūpā  | kshadē              | va-Ma   | hārāia         | ••         | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 140        |
|                        | āļuvas.—   |                     |         |                | ••         | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 1>         |
| Im                     | nadi Tiruma  | laidēva-            | Mahā    | irāia          |            |         |        |       |       |                 |     |            |
| Kōr                    | nēridēv <b>a-Ma</b> l  | iārāja              |         |                | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | , n        |
| Tel                    | ungarāya-Ma  | hārāya              | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | "          |
| The                    | Tuluva gen   | eral Na             | rasā-N  | Vāyaka         | • •        | • •     | ••     | • •   | • •   | * ), ,          | • • | ,,,        |
| The se                 | cond Vijaya  | nagara              | dynas   | sty.—          |            |         | •      | ••    | • •   | , • •           | • • | 141        |
| V īra                  | a-Narasimha  | • •                 | ••      | ٠.             | • •        | • •     |        |       | •     |                 |     |            |
|                        | shnarāya   | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | ••     | • •   | • •   | • •             | • • | 17         |
|                        | t Laureate<br>yutarāya   | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | "          |
|                        | āsiva  | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | ••    | • •             | ••• | 143        |
|                        | arnātas.—  | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | ••  | 144        |
|                        | ımala I  |                     |         |                |            |         |        |       |       |                 |     |            |
|                        | ga II  | • •                 | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   |                 |     | 146        |
|                        | kata I   | ••                  | • •     | • •            | • .        | • •     | • •    | • •   | • •   | ٠٠, ر           | • • |            |
|                        | 77 T   | ••                  | • •     | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | ካ               | • • | 147        |
|                        | l <b>an</b> eous.—   |                     | -       | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | t Wi            | • • | 148        |
| Pura                   | inic tradition   | abont               | Bezw    | aha            |            |         | -      |       |       | $\mathbf{s}d$ : |     |            |
| Pärt                   | hivēndrādhir   | oativarn            | aan     |                | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | "          |
| P√a wa                 | Tanan Pues   | 1                   |         | 1              | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             |     | 149        |
| Chie                   | fs er the R<br>ya-Capo pala<br>-Gandon con<br>s of Kaleran<br>ibu Sāda | ähuttar             | ninda   | <u></u>        | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | · ;        |
| Vija                   | ya-( nhopar  | alada VE            |         | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • •             | • • | 150        |
| Vira.                  | -dang da   | . <b>y</b> .        | •       | • •            | • •        | • •     | • •    | • •   | • •   | • • .           | • • | » \        |
| Naha                   | hn Sad Lab   | way.                | •       | • •            | • •        | • •     | • •    | ••    | • •   | • •             | • • | 177        |
| Arab                   | ibu Sādas (*)<br>ie inscription  | <b>.</b>            | Adom    | ·••            | ••         | • •     | • •    | • •   | ••    | ••              | • • | 1i\<br>15. |



#### GOVERNMENT OF MADRAS

#### HOME DEPARTMENT

(Miscellaneous)

READ—the following paper: -

Letter—from M.R.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Public Department (through the Superintendent, Archæological Survey, Madras).

Dated-Ootacamund, the 15th July 1916.

No.-415.

I have the bonour to submit my Annual Report for the year ending 31st March 1916.

In compliance with the orders conveyed by G.O. No. 531, Public, dated 21st March 1916, a table of contents has been added. Also in the column "Language and alphabet" of appendices B and C, indications are given, where necessary, of the probable palæ graphic period of those records in which are found only astronomical details and regnal years without further specification of the era and the cyclic year.

#### PART I.

#### OFFICE ROUTINE.

During my absence on privilege leave for three weeks and eight days (G.O. Nos. 708 and 834, Public, dated 5th and 28th May 1915, respectively) the current duties of the office were discharged by my Senior Assistant Mr. G. Venkoba Rao. The latter was granted a months' privilege leave for study in order that he might avail himself of the last cance of appearing for the B.A. examination under the old by-laws of the Madras University and complete the B.A. degree. The Tamil Epigraphical Student Mr. G. V. Srinivasa Rao, B.A., who had finished his probation of two years, was confirmed in his post on 3rd September 1915. Mr. T. Raja Rao, Kanarese Epigraphical Student, appointed on 25th August 1914 (page 2, paragraph 3 of G.O. No. 1260, Public, dated 25th August 1915) resigned his post on the

Mysape

(might regarde

from

12th November 1915 on the score of ill-health and hard work on tours. The place which has thus been vacated by him and which has to be filled up by a Kanarese graduate with a fair knowledge of Sanskrit still remains vacant though it has been advertised in the Fort St. George Gazette, the Bellary and South Canara District Gazettes and the Madras Mail. Evidently the Student Epigraphists whose pay is fixed at Rs. 50-5-75 are not satisfied with the emoluments and prospects offered by the department, compatible with the hard work which they have to do on tours extending from three to four months in a year and the strain to which they are subjected, of transcribing hundreds of inscriptions, putting up abstracts of contents, checking or entering corrections on proofs and often fair-copying manuscripts for the Press. The Government have been addressed on the subject of bettering the position of the Student Epigraphists (my letter No. 136, dated 21st February 1916). In order again, to relieve the senior staff of a part of their duty, viz., proof-reading and fair-copying manuscripts for the Press, by which more time and attention could be made available for the preparation of transcripts of inscriptions and collation of historical results, this office has recommended to Government the appointment of a proof-reader and a typist clerk (my letter No. 133, dated 19th February 1916). It is needless to add that in the interests of the office and the scientific nature of its work, the Government must relieve the senior staff from attending to duties which could easily be discharged by a reader.

The tour clerk was absent on privilege leave for three months from 30th September 1915 and an outsider was appointed in his place.

The special establishment sanctioned for drawing up the Ephemeris ceased to exist on 31st October 1915. Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai, under whose able direction this voluminous and useful work has been prepared and completed, has kindly promised to instruct my office personally, as to how to apply the Ephemeris in calculating the dates of inscriptions.

#### PUBLICATION.

2. The publication of South-Indian Inscriptions has been fairly progressing. The frequent changes in the personnel of the staff at headquarters during tours and privilege leave arrangements and the supply to scholars of historical notes collated from inscriptions, often requiring much reference and study, have partly contributed to the delay in the issue of Part V of Volume II which as stated on page 2 of my last report, was then already in galley-proof. The Index of Volume II (of 535 pages) which is included in it, is now under revision and it will be possible to submit the bound-proof to Government at an early date.

A good portion of the manuscript for Part III of Volume III has been made ready for the Press and it is hoped that this and the material for the volume of Telugu and Kanarese inscriptions referred to on page 2, paragraph 2 of my last report, will also be sent to the Press in 1916.

#### Tours and Diary of the Assistant Superintendent.

3. The Aśōkan Edict at Māski in the Hyderabad State mentioned in paragraph 6 on page 4 of my last report, was inspected by me (accompanied by the clerk and the photographer) in July 1915, with the permission of Government (vide G.O. No. 946, Public, dated 16th June 1915) and a detailed report with the full text and translation of the Edict was submitted on 10th August 1915. The Government of His Highness the Nizam having, however, desired to publish the report under its own auspices, the report was forwarded to that Government and has since been issued as No. 1 of the Hyderabad Archæological Series.

An Andhra inscription of great interest and importance has been discovered at Myākadoni in the Adoni taluk adjoining the Raichur district, where the Aśōkan Edict referred to in the previous paragraph was found. I started from Ootacamund on 25th December 1915 to decipher this ancient record in situ and availed myself of the opportunity for also securing copies of some inscriptions at Hulibīdu (Alur taluk, Bellary district), Sidhout and Joti (Cuddapah district) which had been brought to my notice by the Archæological Superintendent.

The following is the diary of my travelling for the year:-

#### 1915.

July 15th to 17th.—Octacamund to Raichur and thence to Hutti.

18th and 19th.—Hutti.

20th.—Hutti to Maski.

21st to 26th.—Maski.

27th and 28th.—Maski to Hutti.

29th and 30th.—Hutti.

31st —Hutti to Raichur.

August 1st.—Raichur.

Î

2nd to 4th - Raichur to Ootacamund.

December 25th and 26th.—Ootacamund to Bangalore.

27th to 3rd January 1916.—Bangalore.

#### 1916.

January 4th and 5th.—Bangalore to Adoni.

6th.—Adoni to Myakadoni. " 7th and 8th.—Myākadoni

" 9th.—Myākadoni to Adoni via Pedda Tumbalam. "

10th.—Adoni. 27

11th.—Adoni to Hulibīdu via Kammarchodu and back. 77

12th.—Adoni to Guntakal. 22

13th.—Guntakal.

14th.—Guntakal to Cuddapah.

15th and 16th.—Cuddapah.

17th.—Cuddapah to Sidhout via Joti and back.

18th and 19th.—Cuddapah to Madras. "

20th.—Madras. "

21st and 22nd.—Madras to Ootacamund.

Supplemental tour of the Assistant Superintendent to meet the Director-General.

#### 1916.

February 4th and 5th.—Ootacamund to Madras. ,, 6th and 7th.—Madras. ,, 8th and 9th.—Madras to Ootacamund.

#### Tours of the Establishment.

4. The Senior Assistant Mr. G. Venkoba Rao together with the office photographer, started on 8th September 1915, after the final proof of the report for 1914-15 had been passed, in order to examine a Pallava temple and inscription at Paṇamalai in the South-Arcot district. He thence proceeded to the Ambāsamudram taluk of the Tinnevelly district for conducting a regular villagewar survey but had, however, to be recalled on 3rd December 1915 on account of urgent work at headquarters before he had hardly finished two firkas of that taluk. A few inscriptions at Anniyūr near Panamalai were also secured by Mr. Venkoba Rao. Among these, it may be noted, is a Telugu document of the time of the Vijayanagara king Krishnarāya which mentions a gift by the famous Telugu poet Andhrakavitāpitāmaha Peddiraja, son of Allasāni Chokkarāja. Mr. P. Visvanatha Aiyar, the photographer, branched off from Panamalai and toured independently from 16th September 1915 to 24th October 1915 visiting some places in the Tinnevelly district noted in my programme for 1916. He brought with him 33 photographs, 4 sketches and 49 estampages of inscriptions. In addition to his legitimate office work on tours, either with the assistants or with myself or independently, the photographer was by request of the Local and Municipal Department permitted to accompany Mr. H. V. Lanchester the Town-planning adviser to Government on his tour (16th February to 8th March 1916) to Vizagapatam, Adoni, Guntur, etc., took 6.7 photographs and supplied that gentleman with two copies of bromide-prints of each of these photographs (G.O. No. 540, Local and Municipal Department, M. Mis., dated 18th March 1916).

Referring to Mr. Visvanatha Aiyar's work Mr. Lanchester writes to me "I take this opportunity of expressing my appreciation of Mr. Visvanathan's energy, intelligence and unfailing courtesy during my tour."

Mr. C. R. Krishnamachari, B.A., the Telugu Epigraphical Student, finished the villagewar survey of the Narasaraopet taluk in the Guntur district and during a period of nearly four months' touring in that taluk he has visited no less than 205 villages (including hamlets) and copied 185 inscriptions. He has further made an important discovery of two Sanskrit Pallava copper-plate records of about the 5th-6th century A.D. and of another of a family of chiefs who ruled at Amaravati in the 12th century A.D. After necessary correspondence with the owners and the Collector of Guntur I hope to acquire these ancient documents by gift or by purchase, for the Government Museum, Madras. On the information supplied by that ever enthusiastic student of Epigraphy, M.R.Ry. J. Ramayya Pantulu, Deputy Collector, Guntūr, Mr. Krishnamachari copied a very interesting inscription on the top of the so-called Telegraph Hill at Bezwada, which confirms the antiquity of the tradition that Bezwada with the surrounding forest tract was the spot at which the legendary combat between the epic hero Arjuna and the god Siva, related in the Mahābhārata, is believed to have happened. A few other inscriptions were also copied at the villages Kondanāyanivaram (Gannavaram taluk, Kistna district) and Santarāvūr (Bapatla taluk, Guntūr district), before Mr. Krishnamachari returned to headquarters on 8th January 1916.

As stated already the villagewar survey of the Adoni taluk, Bellary district, was started by Mr. T. Raja Rao who went there on 30th July 1915. He had finished two of its firkas by 11th November 1915, when he returned to headquarters and resigned his appointment. Later on, from 22nd January 1916 to 31st March 1916, the remaining firka of Yemmiganur was completed by the acting Kanarese Epigraphical Student Mr. G. V. Rangarajayya. The 192 villages and hamlets, visited by both of them have yielded but a poor collection of 78 inscriptions excluding scraps and damaged fragments. Still the discovery of the Andhra inscription already referred to and of an important Chālukyan copper-plate found by Mr. Rangarajayya, combined with the few interesting records of the Rāshtrakūṭa and the Western Chālukya dynasties are indeed valuable and the time spent in examining this corner of the Presidency has not proved altogether unprofitable.

5. It will thus be clear that most of the touring of the year under review, was directed to the villagewar survey of the taluks. Messrs. Subrahmanya Aiyar, Srinivasa Rao and Visvanatha Aiyar were the only three that were deputed to carry out the sanctioned programme of 1915–16. They had not sufficient time for completing the programme and have been able to examine or copy inscriptions at only 30 villages mentioned therein. Mahēndragiri in the Ganjām district was inspected by the Archæological Superintendent and excellent photographs of the important record on one of the temples there, have been supplied to this office. The remaining 24 villages of the programme of 1915–16 have been repeated again for 1916–17. Thus of the 40 villages and three taluks submitted herewith for the ensuing winter tour 16 villages are new. These latter were kindly brought to my notice by Professor Dubreuil of Pondicherry. Though it may not be possible to work out the programme entirely, still on finishing the inspection of the three taluks mentioned herein, it is hoped that as many places as time will permit, will also be visited. The object, however, in including more villages than could be worked out, is

apparently to collect together the important places with inscriptions brought to my notice from time to time, so that they may not be lost sight of. Three of the villages Nos. 21, 22 and 23 mentioned by Professor Dubreuil are situated in the French territory of Pondicherry and I request that the Government will be pleased to obtain the necessary permission of His Excellency the Governor of Pondicherry, for securing the inscriptions of those places.

#### THE YEAR'S WORK.

- 6. Apart from the South-Indian Inscriptions and the Report on the Aśōkan Edict at Māski referred to in the previous paragraphs, the main part of the work turned out by the office during the year consisted in the drawing up of the Annual Report, correcting and checking its proofs at the different stages and the final submission of the advance copy on 1st August 1915. The tours, as noted above, commenced early in July 1915 and closed with the end of March 1916, with the result that during the year under review about 450 villages were inspected and at 149 of these, inscriptions were secured. No less than 174 estampages of the collection had to be rejected (not being included in the appendices), owing to their very fragmentary nature. Further, two hundred and thirty-two inscriptions collected by Mr. G. Venkoba Rao in the Ambāsamudram taluk have been reserved for examination next year, until copies of all the remaining records of the taluk will have been secured.
- 7. Appendix A includes seven copper-plate records examined during the year and appendices B and C give detailed extracts of the 824 stone inscriptions examined and transcribed. Also eleven Arabic and Persian inscriptions collected in the Adoni taluk have been kindly examined for me by G. Yazdani, Esq., M.A., Epigraphist to the Government of India for Muhammadan inscriptions, and are included in appendix D. Mr. Visvanatha Aiyar's collection of photographs and sketches appear in appendices E and F and the usual contribution on the dates by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai forms appendix G. Three photo-litho plates, viz., one of the Andhra inscription at Myākadoni and two of the Pallava inscriptions at Mahābali-puram and Paṇamalai, are inserted in Part II for illustrating the writing of these old records.

Tentative transcripts of all the inscriptions included in the appendices A, B and C have been made and in some cases historical notes have also been prepared. Index tickets for the collection of the last year were drawn up; and the transcripts have been distributed into the several files, dynastically and chronologically.

Copper-plate No. 1 of 1913-14 from the Kistna district and Nos. 2 and 3 of 1914-15 from the Guntūr district have been deposited in the Madras Museum with the consent and permission of the owners, obtained, where necessary, through the respective Collectors. No. 12 of 1913-14 acquired by purchase has also been forwarded to the Superintendent, Government Museum.

8. While thus the work of the year mainly consisted of collection and publication on the one hand and the report on the other, a good amount of miscellaneous work was also accomplished. This included (1) detailed notes supplied to the settlement officer, Chittoor, on 25 bundles of inscriptions, of which he sent estampages to me prepared by his own special staff; (2) short accounts, based on inscriptions, of the constitution of village assemblies to the Hon'ble Mr. Kesava Pillai, of the history of Bezwada to Mr. D. V. Hanumanta Rao, Chairman, Bezwada Municipal Council, of the villages Tirukkāṭṭuppalli, Śendalai, Niyamam and Palamānēri to the Hon'ble Sir P. S. Sivaswami Ayyar; (3) translations of certain inscriptions to F. J. Richards, Esq., I.C.S., and Epigraphical notes to the Archæological Superintendent on the records brought to my notice by him and (4) the interpretation of a few 'Pyu' inscriptions and writings on votive tablets forwarded by Mr. Taw Sein Ko, Superintendent, Archæological Survey, Burma.

I am glad to submit that in the discharge of the work briefly described above the several members of my staff have rendered willing and intelligent help in their respective spheres. They have also contributed to the advance of Epigraphy in general, by preparing the following articles for the *Epigraphia Indica*:—Mr. G. Venkoba Rao on "the Dandapalle plates of Vijaya-Bhūpati", Mr. K. V. Subrahmanya

99, Home (Mis.)-2

Aiyar on "the Sendalai Pillar Inscriptions" (in Tamil poetry of about the 9th Century A.D.) and Mr. C. R. Krishnamachari on "the Penangalūru grant of Tirumala I". An article on the history of the Kākatīyas contributed by Mr. K. V. Subrahmanya Aiyar to the pages of the Madras Christian College Magazine is also of general interest.

My book on South-Indian Images of Gods and Goddesses was passed through the press finally and has been submitted to Government for printing and issue.

#### CONSERVATION.

- 9. Under this head I beg to bring to the notice of Government the following monuments with the request that they may be inspected by the Archæological Superintendent and included in the list of preserved monuments. (1) and (2) are early and interesting epigraphical records and their preservation may not involve any additional cost to Government. It is, however, expected that their inclusion in the list and their periodical inspection by the Superintendent would ensure their safety from the hands of mischievous people:
- (1) The Myākadoni boulder bearing on it an Andhra inscription of about\* A.D. 150 (appendix B No. 50) and plate I facing page 112 below).
- (2) Inscribed pillar with images (representing the scene of Arjuna's penance and fight for the Pāśupata weapon), planted on the top of the Telegraph Hill at Bezwada.
- (3) The Pallava temple of Tāļagirīśvara at Paṇamalai (South Arcot district), with the inscription of the Pallava king Rajasimha engraved on a belt of granite round its base (Plate III facing page 114 below).
- (4) The temple of Siva at Rayachūti in the Adoni taluk (Bellary district) and the Chandramauliśvara and Rudrakōtiśvara temples at Brahmadēśam (North Arcot district). The rock-cut temples, beds and Jaina images at Mēlachchēri, Kāvakādu, Toṇḍūr and Tirakkōl in the South Arcot district and at Sendāmaram, Malaiyaḍi-kurichchi and Tirumalaipuram in the Tinnevelly district deserve also to be inspected and included in the list of Monuments.
- 10. The following additions were made to the office library during the year under report:—

Indian Review, Volume XVI (3 to 12).

Do. Volume XVII (Nos. 1 and 2).

Indian Antiquary, Volume XLIV (March to December 1915).

Do Volume XLV (January 1916).

Epigraphia Indica, Volume XII (Parts III to VI).

Epigraphia Zeylanica, Volume II (Part III).

The Journal of Indian Art and Industry, 128 to 131.

Annual Report of the Director-General of the Archeological Survey of India for the years 1911-12 and 1912-13 (Part J).

Annual Report of the Archæological Survey for 1914-15, Southern Circle.

| Do.     | do. | Eastern  | •• |
|---------|-----|----------|----|
| Do.     | do. | Western  | ,, |
| $D_0$ . | do. | Frontier | ,, |
| Do.     | do. | Burma    | "  |

Annual report of the Superintendent of the Muhammadan and British Monuments, Northern Circle, 1915.

Annual Report of the Superintendent, Hindu and Buddhist Monuments, 1914. Reports of the Archæological Survey of India—Cunningham, Volumes I to XXIV.

Report on Indian Education for 1913-14.

The Madras Medical Register for 1915.

A descriptive Catalogue of the Telugu manuscripts in the Government Oriental Manuscripts Library, Madras.

A Catalogue of Prehistoric Antiquities at Adichchanallur and Perumbair-Alex. Rea.

List of Sanskrit and Hindi manuscripts for 1913-14.

Dο.

do.

for 1914-15.

List of photo-negatives prepared in the office of the Superintendent, Hindu and Buddhist Monuments, Lahore.

A Catalogue of the Museum of Archæology at Sarnath - Daya Ram Sahani.

Classified Catalogue of the Library of the Archæological Department, Frontier Circle.

The Elements of Hindu Iconography—T. A. Gopinatha Rao, Volume I (Parts I and II).

The Three Turki inscriptions from Kashgir.

Ancient India as described by Magasthanes and Arrian-McCrindle.

Indian Chronology-L. D. Swamikannu Pillai.

South Indian Bronzes-O. C. Gangoly.

Indian Prehistoric and Protohistoric Antiquities-Bruce-Foote.

Loan Exhibition of Antiquities-Coronation Darbar, 1911.

Kalidasa, Volumes I to IV-Dr. Foulkes.

- Sukranitisara, Volume I-Dr. Oppert.

Sankaracharya's Sarvasiddhanta Samgraha—M. Rangacharya.

Monumental Remains of the Dutch East India Company-Alex. Rea.

11. Subjoined is the statement under the main heads of expenditure of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy during 1915-16.

#### Expenditure.

|                  |         |         | •        | •                      |     |       |     | RS.    | A. | P. |
|------------------|---------|---------|----------|------------------------|-----|-------|-----|--------|----|----|
| Assistant Arch   |         | cal Sur | erinter  | $\mathbf{ndent}$       |     |       | ٠.  | 5,503  | 4  | 8  |
| Establishment    |         | ••      |          | • •                    | • • | • •   |     | 8,180  | 3  | 8  |
| Temporary Est    |         |         |          |                        | • • |       | • • | 560    | 0  | 0  |
| Assistant Supe   |         |         | travelli | $\mathbf{n}\mathbf{g}$ | • • | • •   |     | 701    | 4  | 0  |
| Establishment    | travell | ing     |          | • •                    | • • | • •   |     | 1,940  | 2  | 9  |
|                  | • •     | • •     | • •      | • •                    | • • | • •   | • • | 2,409  |    | 9  |
| Famine batta     | • •     | • •     | • •      | • •                    | • • | • •   | • • | 23     | 14 | 5  |
|                  |         |         |          |                        |     | Total | • • | 19,318 | 10 | 3  |
|                  |         |         | j        | Receipts.              |     |       |     |        |    |    |
| By sale of photo | tograph | 18      | • •      | • •                    | • • | • •   | • • | 20     | 0  | 0  |

- 12. Stone inscriptions copied at the following places are registered in appendices B, C and D:—
  - I. Anantapur district.—Konakondla.
- II. North Arcot district.—Brahmadēśam, Kaļattūr, Kīļpulam, Kīļputtūr, Kīļvīdi, Poyyanūr, Tirakkōl.
- III. South Arcot district.—Anniyūr, Kadattūr, Māmbalappaṭṭu, Mēlachchēri, Paṇamalai, Śrīmushṇam, Toṇdūr, Vikravāṇḍi.
- IV. Bellary district.—47\* villages in the Adoni taluk, Hulibīdu and Kammarchōdu.
- V. Chingleput district.—Mīħjūr, Mēlūr, Nāyar, Senganmāl, Taiyūr, Tirumukkūḍal, Tirppukkuļi.
  - VI. Coimbatore district.—Gucimangalam and Tirumuruganpundi.
  - VII. Cuddapah district.—Joti, Sidhout.
  - VIII. Guntūr district.—66† villages in the Narasaraopet taluk, Santarāvūr.
    - IX. Kistna district.—Bezwada, Kondanāyanivaram.
      - X. Kurnool district.—Cheruvu Belagallu.

<sup>\*</sup> One hundred and forty-five other villages were also examined but contained no inscriptions.

<sup>†</sup> One hundred and thirty-nine other willages were also examined but contained no inscriptions.

XI. Malabar district.—Cannanore, Kalpātti Agrahāram.

XII. Rāmnād district.—Śannavanam, Tirukkalākkudi.

XIII. Salem district.—Mallasamudram, Mangalam, Paruttippalli, Sittalundūr, Tiruchchengode, Tottipālaiyam.

XIV. Tanjore district.—Ettiyattali.

XV. Tinnevelly district.—Dārukāpuram, Eruvādi, Kārišāttān, Malayadik-kurichchi, Pāraippatti, Šāyamalai, Sugandalai, Tenmalai, Tirumalaipuram, Vallanād, Vallanād-Agaram, Valliyūr.

PROGRAMME of tour of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the field season of 1916-17.

| umber.       | Name of                   | villa  | ge.                                     |        | District.                |          | Nature of the archæological remains or the work proposed to be done. |
|--------------|---------------------------|--------|---|--------|--------------------------|----------|--|
|              | A Places repo             | rted t | to conta                                | in ins | riptions by the Arc.     | hæologic | cal Superintendent or other officers.                                |
| 1            | Alattūr                   |        | ••                                      | ••     | South Arcot              |          | Reported to contain old temples w.                                   |
| 2            | Brahmadēsam               |        |   |        | Do.                      |          | Reported to contain inscriptions                                     |
| 3            | Conjeevaram               | •••    | •••                                     | ••     | Chingleput               |          | Many inscriptions not copied in previous                             |
| ð            | Conjectaram               | ••     | •••                                     | • • •  | 0-1                      |          | years.   |
| 4            | Kalluppatti               |        |   |        | Madura                   |          | Reported to contain ancient inscriptions.                            |
| 5            | Dadapuram                 |        | ••                                      |        | South Arcot              |          | Reported to contain inscriptions.                                    |
| 6            | Ennoviram                 |        |   | •      | Do.                      |          | Do. do.  |
| 7            | Iyaimpalaiyam             |        |   | • •    | North Arcot              |          | Do. do   |
| 8            | Kandamangalam             | .•     | •                                       | ••     | South Arcot              | •• •     | Reported to contain old temples with inscriptions.                   |
| 9            | Kattuvappallaipa          | tţţi   | • •                                     | • •    | Salem                    |          | Stone in a field containing an inscription.                          |
| 10           | Kiliyanur                 | ••     | • •                                     |        | South Arcot              |          | Reported to contain old temples w                                    |
|              | ] -                       |        |   |        |                          |          | inscriptions.  |
| 11           | Kūhūr                     |        | • •                                     | ••     | Tanjore                  | ••       | Old temple containing inscriptions.                                  |
| 12           | Mahābalipuram             | • •    | • •                                     | ٠.     | Chingleput               |          | Copy a newly discovered inscription.                                 |
| 13           | Marakāņam                 | • •    | • •                                     | • •    | South Arcot              | •• •     | Reported to contain old temples w inscriptions.                      |
| _            | \                         |        |   |        | ъ.                       |          | - Do do  |
| 14           | Mannar                    | ••     | • •                                     | • •    | Do.                      | • •      | 1)0  |
| 15           | Olagapuram                | • •    | • •                                     | ••     | Do.                      |          | 10   |
| 16           | Ponnēri                   | • •    | • •                                     | ••     | Salem                    | •••      | Stone on the roadside contains an inscri-                            |
| 17           | Ramatirtham               |        |   |        | Vizagapatam              |          | Inscription on a Jaina image.  |
| 18           | Salem                     | ••     | ••                                      | ••     | Salem                    | •        | Old inscription on a boulder in the reserve                          |
| 19           | Śińgavaram                | ••     | ••                                      | ••     | South Arest              |          | To copy fully a Pallava inscription                                  |
| 19           | Bingavaram                | ••     | ••                                      | • •    | , and the same of        | •••••    | removing a wall.   |
| 20           | Śūnāmpattu-Vill           | livāk  | kam                                     | ••     | Do.                      |          | Reported to contain old temples wi                                   |
| 21           | Tirukandji                | • •    | ••                                      |        | French Territory Arcot). | (Sout    |  |
| 22           | Tiruvandarkoil            |        | _                                       |        | Do.                      |          | Do. do.  |
| 23           | Tribhuvani                | ••     |   |        | Do.                      |          | Do. do.  |
| 24           | Vipparu (west)            | • •    | • •                                     |        | Kistna                   |          | . Temple containing inscriptions.                                    |
| <b>B.</b> —P | laces taken from Mr.      | . Sew  | ell's Li                                | sts of | Antiquities or other     | vise exp | pected to contain inscriptions of historical value.                  |
| 1            | Ambal                     | • •    | • •                                     | • •    |                          |          | ]  |
| 2 .          | Avalur                    | • •    | ••                                      | • •    | South Arcot              | ٠        | · [  |
| 8            | Ayal .                    | • •    | ••                                      | ••     | North Arcot              |          | ··   <u> </u>  |
| 4            | Bhadrachalam              | ••     | • •                                     | • •    | Godavari                 |          | ••   |
| 5            | Korukkai<br>Kõvilpattu    | ••     | • •                                     | • •    | Tanjore .                |          | ••   }   |
| 6<br>7       | Kovil Tirumalan           | ••     | • •                                     | ••     |                          |          | ••   |
| 8            | Kuhaiyūr                  |        | • •                                     | ••     | South Arcot              |          | ••   |
| 9            | Nayināmalai               | ••     | ••                                      | ••     | Trichinopoly             |          | •• [[  |
| 10           | Paravipuram               | • •    | ••                                      | ••     | South Arcot              |          | •••  |
| ii           | Perumulai                 | • •    | ••                                      | ••     | Tanjore                  |          | ::   |
| 12           | Sembēdu                   | • •    | ••                                      | •••    | South Arcot              |          | ·  |
|              | Tirumakköttai             | •••    | •••                                     | ::     | Tanjore                  |          | ·  |
| 13           |                           |        | • | •      | Trickinopoly             |          |  |
| 13<br>14     | Tirumanur                 |        |   |        |                          |          |  |
|              | Tirumanur<br>Tirumakkūdal | ••     | •••                                     |        | Do.                      |          | 1 i  |
| 14           |                           | ••     |   | •••    |                          |          |  |

O .- Detail Survey of inscriptions talukwar.

Guntür district—Guntür taluk. Anantapur district—Madaksira taluk. Tinnevelly district—Ambasamudram taluk.

| 1915-16.      |
|---------------|
| during        |
| examined      |
| copper-plates |
| of            |
| -List         |

とうことと かんかん かんかんかん かんこうしょうしょう

|              | From whom received.   | Dynasty.             | King.  | Date.   | Language.                | Disposal of the original.                   | Where and by whom to be published. | Remarka.   |
|--------------|---|----------------------|--|---|--------------------------|---|------------------------------------|--|
| ·            | The trustee of the Venkatésvara temple at Nandyal (Kurnool district).                                       | Vijayanagara         | Virapratapa Śrirangaraya-<br>deva-liahataya, ruling<br>from Penugoņda.   | Saka 1569,<br>Sarvajit,<br>Vaisakha, su.<br>16.   | Telugu                   | Returned to the owner.                      | South-Indian<br>Inscriptions.      | Registers that, for the merit of Hazarati Khana Khana-Sahébuluvaru, the nadigeru, sthala-patlanu-reddis, töniu settis and kuranums of the Peda-Nandyala-sima included in Pedakaniu-sima, gruntel to a certuin Timmaya, the son of chapparam-disari Saruva, a, specified contribution of fees from the several professional communities of Nandyala and from about 70 villages of the same sima for conducting the chapparam-elevice of the good Ven- |
|              | Do. do.   | ъ.                   | Do. do.  | Do.   | Do                       | Ъо  | Do.                                | katesa.  This is a duplicate of No. 1 with a difference in the order in which the several villages are mentioned and in the amounts  |
|              | M.R.Ry. Jarubula Venkates-<br>varlu, village munsif, San-<br>taravuru, (Bapatla taluk,<br>Guntur district). | Pallava              | Maharaja Vijaya-Skandavar-<br>man (II).  | 33rd year of<br>reign; Hêman-<br>ta-pakeha,<br>tritigā trayē-   | Sanskrit<br>(in Telugu). | The plates will be acquired for the muscum. | Do.                                | of contributions.  Becords that the king gave to Gölasarman of the Kasyapa-götra, the village of Onigolu in Karmulla, rashtra as a brahmadöya with the 18 kinds of exemptions.   |
| <del>-</del> | Do. do.   | Do.                  | Fallava-Dharma-Mahārāja<br>Simbavarman.  | dass.  4th year of reign; Vaisa- kha, su[kla - paksha, pañ-   | Do                       | Do.   | Do.                                | Registers that the king gave on the occasion of the graham (eclipse), the village of Ongolu in Karmma-rashtra, to a certain Devasarman who was a resident of Kundur  |
| 9            | M.R.Ry. Javvadi Nagayya,<br>Edavalli (Naraaraopet<br>taluk, Guntur distriot).                               | Kōta                 | Mahāmaņdalēšvara Manma,<br>Manma-Ketu or Koţa-Keta,<br>(i.e. Keta III), 'lord of the<br>oity of Dhanyukaţaka.' | <b>₹</b>  | Sanskrit and<br>Telugu.  | Do.   | Do.                                | and belonged to the Kasyapa-gotra. Registers that the king made a gitt of the village Edavulli which was 300 khandu-kas in extent, dividing it equally autong the Brahmanas of both the Shatashasra country and the Véngi country. Ciffis of land in the village were also made to   |
| •            | The priest of the Mukhalingasvamin temple at Muktesvaram (same taluk and district).                         | :                    | <b>:</b>   | Saka<br>Saumya,<br>Asbadha,<br>su. 15.  | Telugu                   | Returned to the owner.                      | į                                  | oertain temples, to the daily worship and offerings of the god Fureavodeforareavimin at Chemupalle, the kiques and karanum of that village, with the sanction of the Mahārājasr Hanarabul-Kumpin (i.e. the Honourable East India Company) according to the Sunad of the prosperous Mr. Rao and with the consent of Rajasri Gunqupalli Narasingarayannigaru gave 4 gorrus of land together with their own   |
| 1~           | N.R.Ry. Rama Reddi, village<br>munsit of Dayyamdinne<br>(Adöni taluk, Bellary<br>distriot).                 | Western<br>Chalukya. | Vinayaditya Satyaáraya   | Śaka 614, expired; 12th year of reign ourrent; Ashadha, full- moon, summer solstioe (dak- shindyana). | Sanskrit<br>Kanarese).   | The plates will be acquired for the museum. | South-Indian<br>Inscriptions.      | Registers that, at the request of a certain Marddakar, the king while camping at Telpyshety-grains, made a gift of 200 misortanae of land on the castern and southern sides of the village of Ujohad in Nalavadi-ushaya, to four Brahmanas. Talayakheta is stated to have been situated near to the north bank of the river Tagara.  |

| •                             |
|-------------------------------|
|                               |
| *                             |
|                               |
| 8                             |
| ×                             |
| ≥.                            |
| Report                        |
| 0                             |
| 7                             |
|                               |
| ~                             |
| 9                             |
| -25                           |
| - 55                          |
| =                             |
| ~                             |
| ₩.                            |
| Ann                           |
|                               |
| -e-                           |
| 72                            |
| œ                             |
|                               |
|                               |
| đ                             |
| =                             |
| o                             |
| E                             |
| -                             |
| d from last                   |
| ~                             |
| ٠,                            |
| a)                            |
| (continue                     |
| 7                             |
| _                             |
| ::3                           |
| =                             |
| я                             |
| 0                             |
| ð                             |
|                               |
|                               |
| $\sim$                        |
| $\sim$                        |
| ,<br>D                        |
| 15 (                          |
| 915 (                         |
| 1915 (                        |
| 1915 (                        |
| ı 1915 (                      |
| n 1915 (                      |
| in 1915 (                     |
| l in 1915 (                   |
| d in 1915 (                   |
| ed in 1915 (                  |
| ied in 1915 (                 |
| pied in 1915 (                |
| ) <b>5161 in 1915</b> (       |
| ) <b>3161 in 1915</b> (       |
| copied in 1915                |
| e inscriptions copied in 1915 |
| e inscriptions copied in 1915 |
| e inscriptions copied in 1915 |
| e inscriptions copied in 1915 |
| e inscriptions copied in 1915 |
| e inscriptions copied in 1915 |
| e inscriptions copied in 1915 |
| copied in 1915                |

| No.   Place of inscription.   Dymaty.   King.   Disk.   Language and worth will of the normal and role the normal and role of the normal world.   Control |          |  |             |  |                           | of a coding amount        |   |
|--|----------|--|-------------|--|---------------------------|---------------------------|---|
| On the seath wall of the seath will of the seath of the seath will of the seath  | No.      |  | Dynasty.    | King.  | Date.                     | Language and<br>alphabet. | Remarks,  |
| Continue will   Do.   Baint in on the right side.  | 187      | On the south wall of the central shi<br>the Muruganatha temple at<br>muruganpundi (Avanasi | Końgu-Choja | :  | :                         | :                         | of a flower-garden to the rumuruganpundi-Nayanar  |
| 80   Do.   Do.   3+1st year   Do.   1,   | <b>8</b> | Coimbatore district). On the same wall   | :           | ::   | :                         | Do                        | Nayanar.<br>Built in on the right side. Records the gift of a   |
| 10   10   10   10   10   10   10   10  | <b>6</b> |  | :           | :  | :                         |                           | land and a house-sife to a private individual.  Built in at the end. Gift of a village in Viragola.   |
| 92 On the seast and north walls of the same abrine Bo Vi[ra*] Edia Essarivation alias Tribhuvanachakra and south wall of the same abrine Do Vi[ra*] Edia Essarivation alias Tribhuvanachakra and south walls of the same and south walls of the same and south walls of the same and south wall of the same marging Do Vi[ra*] Edia Essarivation alias Tribhuvanachakra and south walls of the same Do Vi[ra*] Edia Essarivation alias Tribhuvanachakra and south walls of the same marging Do Tribhuvanachakra and south wall of the same marging Do Tribhuvanachakra and south wall of the same marging Do Tribhuvanachakra and south wall of the same marging Tribhuvanachakra and south wall of the same marging Tribhuvanachakra and south wall of the same marging Tribhuvanachakra and south wall of the same margings Tribhuvanachakra and south wall of the same margings Tribhuvanachakra and south wall of the same margings  | 8        |  |             | :  | 3+1st year                |                           |   |
| 98 On the west wall of the same shrine.  98 On the west wall of the managapa in front Kongu-Chola . Rajakesarivaranan alias Tribhuvanschakru- 77th year . Do   | 81       |  | :           | :  | Dhatu, Purațța-<br>di, 6. | Do                        | iigasi)<br>for exe<br>tank ee   |
| 94 On the same shrine.  95 On the same shrine.  96 On the same wall  97 Do   | 83       | On the north wall of the same shrine   |             | :  |                           | Do                        | privilege   |
| 96 Do Do   | 89<br>O  |  |             |  | year                      |                           | (dewagigar).  Usmaged. Gift of money for providing 50 pots of water daily, for the sacred bath of the god in the same temple, by a native of Sevur in Vadapariskar.         |
| Do.   Clakravartin Virarajendradeva.   On the west and south walls of the same   Do.   Virarajendradeva.   On the west and south walls of the same   Do.   Virarajendradeva.   On the same walls   On the same wands   On the same walls   On the same wall   O | <b>*</b> | On the same wall   |             | :  | =                         | Do                        |   |
| 96 On the west and south walls of the same         Do.         Viraraljendradeva          + 9th year         Do.            964 On the same walls          Do.          Parakéssri-Abhimana-Chola          12th          Do.            97 Do.          Do.          Parakéssrivarman dica Tribhuvanachakra-         Do.          Do.          Do.          Do.          Do.           Do.   <   | 90       | Do   |             | chakravartin Virarajandrada  | Lost                      | :                         |   |
| Do Bo Bo Baiakesarivarman alias Tribhuvanachakra- Do. , Do Do  Do Bajakesarivarman alias Tribhuvanachakra- 29+6th year Do  Tribhuvanachakravartin Könerimaikondan 16+1st ,, Do  On the south wall of the same mandapa Kohgu-Chola Virarajendradeva 29+6th , Do   | 96       |  |             | radeva   | •+ 9th year               | Do                        | Same temple.  Damaged. Gift of money for oil with which to bathe the god and goddess on Saturdays Registers that some special privileges of honour                          |
| Do Bajakesarivarman alias Tribhuvanachakra- 29+6th year Do vartin VI:arajendradeva  Do Tribhuvanachakravartin Könstimaikondan 15+1st ,, Do   | 26       | :  |             | 0  |                           | :                         | were conferred on certain temple servants. Gift of money for offerings by Siruppuliyan alies Pugaliyendan, a merchant of Aiyyapolal in Vads.                                |
| Do Gift of the village of Teinhuvanachakravartin Köngrimaikondan 15 + 1st ,, Do Gift of the village of Teinkarai Ni Virarajendranalur in Vadynarisa vorelip and repairs, to the shrine of kötga-Wein and repairs, to the shrine of kötga-Wein in the same temple, of Andakkan.  Z9 + 5th ,, Do Unfinished. Kefers to (the temple of Aludakkan.   | 86       | :<br>:   |             | Kajakssarivarman <i>alias</i> Tribhuvanachakra-<br>vartin VI.arajéndradsva |                           | :                         | paristara-nadu, to the temple of Aludaiyar Tiru-<br>muruganpundi-Udaiyar.<br>Fragment. Mentions Muttasamakkatţu alias Amatţa-<br>margandan-terinda-Kaikkola and Ilayasamak- |
| 00 On the south wall of the same mandapa Konga-Chola Virarsjendradeva 29 + 6th., Do U  | 66       | :  | :           | Tribhuvanachakravartin Köngrimaikongan                                     | •                         | :                         | kattu alias Virarajendiran-terinda-Kaikkoja.<br>Gift of the village of Tenkarai Niyamam alias<br>Virarajendranaliur in Vadyparisara-nadu, for                               |
|  | 8 .      |  | Kongu-Chola | :  | l                         | ъ                         | worship and repairs, to the shrine of Tirukkamak-kotta-Naohdniyar in the same temple, for the merit of Andakkan. Unfinished. Kefers to (the temple of) Manniyar-Aludaiyar.  |

| 1915—cont.   |
|--------------|
| .크           |
| pied         |
| 8            |
| Inscriptions |
| 6 Stone      |

| No.      | Раво                            | of ins | Place of inserintion. | -     |    | Denoted to   |   |                  |                | -        |                          |  |
|----------|---------------------------------|--------|-----------------------|-------|----|--------------|---|------------------|----------------|----------|--------------------------|--|
|          | _ -                             |        | •                     |       |    | -yuasty.     | King.   |                  | Date.          | Laug     | Lauguage and<br>alphahet | Remarks  |
| 101      | On the same wall                | :      | :                     | :     | :  |              | Kondrimeibonde                                    |                  |                |          |                          |  |
| - 1      |                                 |        | ٠                     |       |    |              | ii phin or provide a                              | :                | [5]th year     | Tamil    | :                        | Begisters a gift of oorn (kanbu) by a native of Pallo-dam alias Adiradiras and last v.                     |
| 102      | <u> </u>                        |        |                       |       |    |              |   |                  |                |          |                          | for a flower-garden Sembiyan Uttaramantri is   |
|          |                                 | :      | :                     | :     | :  | Kongu-Chola  | Tribhuvanaobakravartin<br>Cholladava.             | Ku[lottunga-     | 3rd ,,         | Do.      | :                        | grain measu  |
| 103      | Do.                             | :      | :                     | :     | :  | Do.          | Ra ju kasariyarman alias Tribhuvanachakra.        | ribbuvanaobakra- | 18th           | <u></u>  |                          | also made for the yeurs containing an extra  |
| 104      |                                 |        |                       |       |    |              | vartin [Vira]-Oboladeva.                          |                  |                |          | :                        | Incomplete and damaged. Gift of land for offerings to the shrine of Kapatranal. Bill.                      |
| 105      | Do.                             | : :    | ::                    | ::    | :: | ::           | Konsrimelkondan<br>Konsrinmaikon[dan]             | ::               | ::             | <br>çç   | :                        | temple. Mentions Rajaparae Lightyar in the same<br>Incomplete. Seems to muk provision for offerings.       |
|          |                                 |        |                       |       |    |              |   |                  |                |          | :                        | thirds of the taxes levied from Ruldtungssola-   |
| 106      | Do.                             | :      | :                     | :     | •  | Kongn-Chala  | 17460 (11.51)                                     |                  |                |          |                          | mangalam were assigned to the temple of Avinasi-<br>yandarand one-third to the temple of Tirumurusan-      |
| 107      | Ď                               |        |                       |       | :  | etono nemo   | orams-Choiadeva                                   | :                | Lost           | Do.      | :                        | pungte Mahadéva, for offerings.  Built in at the heginning and domest                                      |
| •        |                                 | :      | :                     | :     | :  | Do.          | Kalottunga-Choladeva                              | :                | 13th vear      | Do       |                          | register a gift for offerings.   |
| <u>§</u> | Do.                             | •      | :                     | :     | :  | Kongu-Pandya | Vira-Pandyadelva*7                                | ;                |                | ;<br>    | :                        | Outrol money (pulanjalagai-uchohu) for a lump, by a native of Padakkonalli in Vadunavisa.                  |
| 109      | Do.                             | :      | :                     | :     | :  |              |   | :<br>:           | ord ,,         | -        | :                        | Gift of land by purchase, for offerings to the god   |
| 217      | Do.                             |        |                       |       |    |              | :   |                  | 4th + * ,,     | Do.      | :                        | Vuch damaged. Gift of money to Hosparia.   |
|          |                                 | :      | :                     | :     | :  | :            | :   |                  | 8rd ,,         | Do.      | :                        | Damaged Same to wood   |
| 11       | Do.                             | :      | :                     | :     | :  | Kongu-Chola  | Vivargiandrodano                                  |                  |                |          |                          | the people of Sittirameli-periya-nada and Puluva-  |
| 112      | On the north well of the second | 1,40,1 | 3                     |       |    |              | BAGINGTOFF  | :<br>:           | 29 + 3rd "     | Do.      |                          | Gift of money for a larm has donoise and   |
| 118      |                                 | :      |                       | mang. | :  |              | [Ra]jadhiraja Uttama-Chōja<br>k operimaiko[ņ*]daņ | : · ·            | * [2] + 1st ,, | Do.      | ::                       | at Kolumam.  Damaged. Gift of land in Vikramasõllavalanadu.  Before to the acting man at 1.                |
|          |                                 |        |                       |       |    | . —          |   |                  |                |          |                          | ്ഷ്യ   |
| 72       | Ď.                              | :      | :                     | :     | :  | :            | Könerinmaikondan                                  | :                | 20th year      | <u>-</u> |                          | Tarakesari.  |
|          |                                 |        |                       |       |    |              |   |                  |                |          | :                        | deducted from the dues which the assembly of   |
| -        | <i>.</i>                        |        |                       |       |    |              |   |                  |                |          |                          | in Virasija-vajanskoja nd the residents of Vellantr<br>hud to my to the time 'n.                           |
| 711      |                                 | :      | :                     | :     | :  | :            | <b>D</b> o.                                       | :                | :              | Do.      |                          | engraved at the top of the inscription.  |
| ž,       | Do.                             | ;      | :                     | :     | :  | Końgu-Choja  | Kal öttunga-Ch öjadara                            | :                | 9th year       | Do.      | :                        | outed to the assembly and the residuate concerned.  Built in at the end. Gift of gold for offerings to the |
|          |                                 |        |                       |       |    |              |   |                  |                |          |                          | god Kuttadundeva in the same temple.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No. | Place of inscription.   | nsoription           |                   |      | Dynasty.      | King.   |                                 | Date.    |        | Lang<br>alpl | Language and<br>alphabet. |             | Remarks.   |
|-----|---|----------------------|-------------------|------|---------------|---|---------------------------------|----------|--------|--------------|---------------------------|-------------|--|
| 137 | On the same wall  | :                    | :                 | :    | Końgu-Chola   | Rajakssarivarman <i>alias</i><br>kravartin Vl[ra*]rajsndra        | Tribhuvanaoha.                  | 27th ye  | year   | T'amil       | :                         | :           | (lift of money ( Anai-achehu Siriyakkipalihjalagai) for providing 60 pots of water for the sacred bath of  |
| 118 | Ω•.   | :                    | :                 | :    | <br>Do.       | Rajakesarivarman alias Virarajendradeva                           | ırajendradeva                   | 29 + 7th | :      | Do.          | :                         | :           | une god. Records that Vanarayadova one of the feudatories (Refranter) made provision for offerings to the  |
| 119 | Do  | :                    | :                 | :    | Do. :         | Vikrama-Choladeva   | :                               | 13th     | :      | Do.          | :                         | :           | god on the day of Stvarfer.  Records a gift of money for efferings by a native of  |
| 130 | Do.   | :                    | :                 | :    | Ъо            | Rajaksarivarman alas Tribhuvanaohakra-<br>vartin Virarājendradēva | ibhuvanaohakra-                 | 29 + 1st | :      | Do.          | :                         | •           | Argalyan-Adirkiittatum iii vadapunsaar-lagu.<br>Gift of money for cake-offerings to Tirumurugan-<br>pundi-Nayanar on Sundaya, by a mative of Raja-   |
| 121 | ou  | :                    | :                 | :    | Do            | (Vi)krama-Choladeva   | :                               | 4th      |        | Do.          | :                         | :           | rajapuram in Narajya nur -nadu.<br>Ajit of money for a twilight lamp by a native of  |
| 122 | Do.   | :                    | :                 | :    | ;             | Tribhuvanachakravartin<br>daņ.                                    | Konerim[e]lkon-                 | 3rd      | •      | Do.          | :                         | •           |  |
| 128 | Ď.  | ::                   | ::                | ::   | Konga-Chola   | Vi[ra*]rajendradeva<br>Tribhuvanachakravartin<br>dan.             | Konstinmaikon-                  | 44th     | :      | Ъ°.<br>Гр.   | ::                        | . :         | temple which they had lost during the time of<br>the king's younger brother (tambimār).<br>Gift of money for four lamps<br>Incomplete. Seems to refer to the setting up of an<br>image of the goddess in the temple of livu-<br>miruzannondi-Aludaivar for the merit of Andakkan   |
| 135 | Do  | :                    | :                 | :    | Kongu-Chōļa   | Vikrama-Choladeva   | :                               | 11th y   | year . | Do.          | :                         | :           | Jayangondasoli-Alviyar.<br>Gift of money for a lamp to the same temple by a<br>Brahmana named Salvapurandaru-bakrayartin,  |
| 126 | On a pillar of the same mandapa   | oe maņdas            | . :               | :    | Do∴           | Do  | :                               | 14th     | :      | Do.          | :                         | :           | attached to the temple of Vallapagandar at Ingaryor in Pondurai-nadu.  Damiged. Records a gift of money by Alagiyanach-  |
| 127 | On another pillar in the same place   | the same ]           | place             | :    | Do            | Virarajendradeva  | :                               | 29 + 5th | •      | Do.          | :                         | :           | ont. Alvi one of the lacts of the kings segum. Records the gift of the pillar by a native of Kirandevarical who was one of the puraeari officers of devangedia who was one of the puraeari officers of   |
| 128 | Do.   |                      |                   | :    | Do            | Vikrama-Choladeva   | :                               | 3rd      | :      | Do.          | :                         | :           | the king.<br>Gift of money for a lamp by a merchant of Sevur in  |
| 129 | Do.   |                      |                   | :    | Do            | Virarajendradeva  | :                               | 29 + 3rd | 2      | Do.          | :                         | :           | Variable in the properties of a merchant of Francis Additional and the public of a merchant of   |
| 130 | On the south wall of the enclosure round the same mandapa; inside.                        | the enolinside.      | osure 1           | puno | Końgu-Pandya. | Jațavarman alias<br>Sundara-Paņdya                                | Tribhuvanaobakravartin<br>deva. | 25th     | 2      | .o.          | :                         | :           | Damaged. Gift of land a not a house-site. Refere to the assembly of Aditkhiltalam and to an inscription of the assembly of Aditkhiltalam and to an inscription of the assembly of the formal of the second of the se |
| 131 | On the south and east walls of the Mayen-gupupmulaivalliyamman shrine in the same temple. | walls of numers, shi | the Ma<br>rine in | yen- | :             | <u>:</u>  |                                 | :        |        | Do.          | :                         | :           | um.<br>g girle<br>ne templo<br>dering o  |
| 132 | On the north wall of the same shrine  | the same             | ehrine            | :    | Końgu-Paņdya. | Jațăvarman <i>alias</i> Tribhuva<br>Sundara-Paņdyadēva.           | Tribhavanachakravartin<br>deve. | 4th year | :      | Dø.          | :                         | :           | specific services in the same tempts. Records that the paying of the floor of the Ardhamandape of the shrine of the goddess Iraganaupmids in the tempt of Trumurusan.  |
|     |   |                      |                   |      |               |   |                                 |          |        |              | -                         | <del></del> | punch-Audaiya Nayanar, was made by a native of Adippuliyurin the Chola country (Sola-mandalam).  |

| 1915cont |
|----------|
| п        |
| copied   |
| ptions   |
| 둺        |
| insori   |
| Stone    |
| Ţ        |
| <b>—</b> |

The state of the s

The state of the s

| No.         | Thos of inscription,   | Dynasty.                | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | and t. | Remarks.   |
|-------------|--|-------------------------|--|---|---------------------------|--------|--|
| 183         | On a pillar of the mandapa in front of the Madavisvara temple in the same village.   | <b>:</b>                | :  | :   | Tamil                     | :      | In modern characters. Registers the construction of the Mahs-mandapa and the renewing of the walls of the Madawi-favara temple by a native of  |
| 134<br>,    | On the north wall of the shrine of Kuppidu-Pillaiyar on a rock near the same   | Keńga-Choja             | Vikrama-Choladeva  | 12th year   | Do                        | :      | akkottai.<br>ged. Gift of money probably<br>dal paste.   |
| 135         |  | :                       | Tribhuvanachakravartin Könetipmaikop-<br>dan.                              | 15th year, Ādi  | Do                        | :      | Fragment. Seems to have registered gift of privileges to the Kanmalas of Ten-Kongu.  |
| 136         | Ō  | Vіјауапа <u>в</u> ага . | Virapratāpa Vira-Aohyutarāya-Mahārāya                                      | Śaka 1468,<br>Durmukhi,<br>Arpasi 27, dvd-<br>das, Wednes-<br>day, Uttara-          | Do                        | :      | Gift of the village of Palaippadikkalpalli alical Poriyamangalam in Ten Pohigalukka-nadu, to a chonlity for feeding Brahmanas, by the Chola Malkiandializaeura Valaiyandeve-Mahaisin, son of Channaiyaldee, Maharai chortha  |
| 181         | On a slab lying near a bridge in the same village.   | :                       | :  | Phalguni. Dundubhi, Kartti-gai, Thureday,   | Do                        | :      | In modern characters. Begisters the gift of a field to a Brahmana, by a private individual on the consion of his marriage.   |
| 1138        | On a slab set up in the courtyard of the Sirgalinatha temple at Sittalundur (Tiruchohengode taluk, Salem district).  | Vijayanagara .          | Virapratapa Krishnaraya-Maharaya, 'who was pleased to take every country.' | rashadha, 15 tēdi<br>Saka 1455 (mis-<br>take for 1445)<br>Svabhanu,<br>Kartiika 23, | Do                        | :      | Damaged at the end. Seems to register a gift of land at Sirrelundhe by Sama-Nayanar, an agent of Tripanbaka-Udalyar who was ruling over bying-   |
| <b>13</b> 9 | On four pillars of the mandapa in front of the Attanuramman temple in the same village.  | :                       | :  | Sunday. Dundubhi, Āṇi 22, Friday.   | Do                        | :      | choise and in maire, in changes regugatar-fundigate and in modern characters. Registers the gift of these pillars by private individuals who belonged to the pillares of Philipannatti. Olarapannalaran  |
| 140         | On a slab set up in the Kaikkola-street at Tiruchchengode (same taluk and district).   | Vijayanagara            | Virapratāpa Krishņarāya-Mabārāya   | Chitrabhanu,<br>Āvaņi 20.   | Do. ••                    | ;      | Develpalaiyam and Samappalaiyam. Sama-Nayinar, son of Manikka-Nayinar, an agent of Triyambaka-Udaiyar, son of Tippansa-Udaiyar, ayr, who was geverning Mulva, appears to have founded a quarter called Samasamudram at Tirn.   |
| 99 Mis.—4   | On another slab set up near the tank in the same village. On the west wall of the mandapa in front of the central shrine of the Bhanisyara temple at <b>Paruttippalli</b> (same taluk and district). | : :                     |  | Vyaya, Vajyasi<br>24<br>Nandana, Masi<br>19.  | . :                       | : :    | chobengodu and to have fixed the taxes payable by the outlivators and merchants that settled in it. Thrushohengodu is called the paddiniqu of Uburahmanya) the son of Attanarisuramudaiya-Tambiranar a sub-division of Elugarai-nadu.  In modern characters. Records the gift of a load-rest (sumai-tängi).  Do. Registers the devadana-gift of a tank for the merit of the agents of Tirumalai-Nayaka, to the temples of Vanisvara and Adinarayana-Perumal at Faritippaili. |

क्षेत्र (द्यांद्रमः

Wildridge S.

Majorimin

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No. No. 148 148 146 146 146 148 148 148 169 160 160 166 165 166 166 166 166 166 166 166 166 | Place of inscription.  On a pillar in the same mandapa  On another pillar in the same place  Do | Dynasty.  Saluva  Rohgu-Paṇdya  Do.  Do.  Do.  Do.  Hoysala  Hoysala  Koṅgu-Paṇdya  Vijayanagara  Koṅgu-Paṇdya | King.  Dharmaraya-Maharaya, son of Ŝaluva Nara- ŝingaraya-Maharaya.  [Sundara-Pandyadēva | Date.  Saka 1420, Kala- Yukta, Mesha, Pawnami, Hasta, Sunday.  24th year  Do  19th year  19th year  15 + 5th  Sarvadhari, Apii 3 3 1[9]th year | Language and alphabet.  Tamil  Do  Do | ef. : : : : : : : : : : : : : : : : : : : | Narasana-Nayaka-Udaiyar is stated to be an agent of the king and actually valing (privibaridy) amponentum) for him. Begisters a devading gitt of the village of Suviratapuram, for the merit of Narasana-Nayaka-Udaiyar by Vitamarasar his agent, to the temple of Bhanappisvara-Nayinar at Parittippalli in Parittippalli-indu in Kuinatthrypanu surrounding Mulvay, in Kongu alias Virasola-mandalam.  Registers the gift of the pillar by Tillai-alganambi of Paruttippalli alias Rajasirha-chaturvelimangalam.  Registers the gift of the pillar its capital and the boam, by a private individual of Minnamoli in Paruttippalli-nadu.  Begisters the gift of the pillar its capital and the panieve the gift of the pillar by a native of Paruttippalli.  Do.  States that Adiyaman Naduvilmangan, one of the Pandi-vettuvas, ruling Faruttippalli in Nadalvarnadu renovated the stone temple.  Begisters the gift of the stone temple of Srikailasanundya-chituvedinamanglan in Sela-nadu.  States the gift of the gate-post of the Ardhamanguapu of the temple of Sittiramali-Vinnagar alica Adikesva-Perumal at Paruttippalli alias Adikesva-Perumal at Paruttippalli alias Adikesva-Perumal at Paruttippalli alias Adikesva-Perumal at Paruttippalli of Valibanesed. Gift of land to the same temple by one of the madals of Paruttippalli.  Bagisters the gift of the entrance-posts of the central shrine of the same temple, by a native of Kachonippalli.  Danaged. Gift of land to the same temple by one offerings, to the temple of Vedanayaka-Ferumal at Tirunarayanapuram in Karai-nadu, by the resident at Tirunarayanapuram in Karai-nadu, by the resident of Pavaniya-nadu on the coosaion of Masi-dents of Pavaniya-nadu on the coosaion of Masi-dents of Pavaniya-nadu on the coosaion of Masi- |
|---|---|--|--|--|---|---|--|
|---|---|--|--|--|---|---|--|

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

|                 | No.     | Place of inscription.  | Dynasty.     | King.  | Date.                      | Lang   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-----------------|---------|--|--------------|--|----------------------------|--------|---------------------------|--|
| J. (me) 2 167   | 1167    | On a slab set up near the Alaganach-ohiyamman temple at Mangalam (same taluk and district).  | Ohoja        | [Parakésari]varman <i>altat</i> [Rajéndra]-Chóladova.                        | * 8th year                 | Tamil  | :                         | Damaged. Registers the gift of the village of Mangalam as a devadran to the temple of Rajaséshara-Isvaramudaiya-Mahadeva built by Kongilagdar of Mudalinayapalii alias Jayangondasolapuram in Vallavaraiyar-nadu. Proolaims that the property  |
| 189 ( June) 188 | 168     | On the south wall of the central shrine in the Choleswara temple at Mallasamu-drom came taluk and district.  | :            | :  | :                          | Do.    | :                         | of those who steal away the cattle from this devadara or otherwise cause any injury to the village shall become the property of the god. Fragment. Provides for offerings, lamp and worship. Mentions Paruttippalli and Mallaisamudram.  |
|                 | 159     | <i>5 c</i>   | Chota(Kf.    | [Rajendra-Chola]   | Lost Bahudhanya            | D. 00. | : :                       | Mentions the temple Ulagalandan-Vinnagar.  |
|                 | 191     |  | :            | :  | Kalayukta                  | Do.    | :                         | qapa) was (constructed by) a certain Krishpasetti.  Ofit of this (dheajastamhha)   |
| Grand (5m) 1183 | 7, 7163 | ō_   | :            | :  | Raudri, Purat-<br>țasi 21. | Do.    | :                         | by a private individual.  Refers to a gift by a private individual.  |
| <u>;</u> ;      | 168     | and district. On the north and west walls of the central shrine in the Svayambhunathasvamin temple at Kilputtur (Wandiwash taluk, North Aroot district). | Ohoja (Kr.f. | Kulottunga-Chōladeva   | 6th year                   | D9.    | :                         |  |
|                 | 164     | On the south, east and north walls of the same shrine and the mandapa in front   | Do           | Parakésarivarman <i>alias</i> Tribhuyanaohakravartin Vikrama-Chójadèva.      | <b>6</b> th ,,             |        | :                         | by Nalayaisiajaya[p]p<br>grant of li<br>deva, for  |
|                 | 165     | On the south wall of the same mandapa  | Do           | Rajaksanivarman alias Tribhuranachakra-<br>vartin Kulctranga-Chōladsva (II). | 7th "                      | . Do.  | :                         | Sale of land as devadana, to the same temple.  |
| الم الم         | 1167    | On the west wall of the central sh   |              |  |                            |        | : :                       | Lates onto Thippar set up the image of Darshing-murti for the merit of Adappa-Mallappa-Na[ya] kkar and made ngrant for its worship.  Registers a gift of 113 sheep to the temple of Vennelkkuttar at Tirumukkudal in or near Nirum.  |
|                 | 168     | mukkudal (Madurantakam taluk, Chingleput distriot). On the same wall   | Do           | Do.  | Do. :                      | Do.    | :                         | ram the northern hamle to i Madburantaka-chatur-vedimangelam a tenguar in Kalattur-kottam a district of Jayangondasola-mandalum, by a native of Akaramangalam.  Gift of 90 cheep for a lamp to the temple of Mahavishuu in the same village by a native of Vembarin allow Amaninarayana-chatur edimangalam |
|                 |         |  |              |  |                            |        |                           | a orannaaeya, in haanilhadu, a sub-aivision or<br>Vaqagarai Rajendrasinga-valanadu.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—conf.

| No. | Place of inscription.   | Dynasty.      | King.   | Date.                                 | Language and<br>alphabet. | ıd Remarks.   |
|-----|---|---------------|---|---------------------------------------|---------------------------|---|
| 169 | On the same wall C  | Chola         | Parakesarivarman alias Rajendra-Choladeva                 | 6th year                              | Tamil                     | Gift of 90 sheep for a lamp to the temple of Tirumuk-kndar-Afrar in Madurantaka-chaturvēdimanga-  |
| 170 |   | Do            | Do.   | 9th ,,                                | Do                        | iam which was a free village (sanguar) in Jayan-gondasola-mandalam.  Gift of 90 sheep for a lamp to the same temple, by the head-man of Kamavur Kilifalur which was the   |
| 171 | On the west and south walls of the same shrine.                               | . : Do.       | Rajaraja-Rajakesariyarman <i>alias</i> Rajaraja-<br>dêya. | 28th year and 141st day.              | Do                        | northern hamlet of Vanavamahadey-chaturvedinangelem a free village (tanjuur) in Amur-kottam.  Gift of gold and land for offerings to the same temple by the great assembly. The record is signed by the concentrate of the same temple. |
| 172 | On the same walls   | Do            | Parakésarivarman altas Rajendra-Choladeva                 | 7th year and                          | Do                        | for that year.  Gift of land for the flower-garden salled Rajendra-   |
| 173 | On the south wall of the same shrine  |               | Rajakêsarivarman alius Kulottunga-Chojadêva (I).          | 229th day.<br>5th year                | Do                        | Gilan.  Gift of land at Kndalür which was the northern hamlet of Tirunukhüdal. Mentions the Sangari Viranianal Mentions the Sangari Viranianal  |
| 123 | On the east wall of the same shrine   | Do            | Parakésarivarman <i>alia</i> s Rajéndra-Choladéva         | 9th year and<br>38th day.             | Do                        | rajeuria-Dualinapala and the 12 cheris of Little-<br>mukkūdal. Gift of 90 sheep for a lamp by Mandainangai the<br>senior wife of Ferundanan Rajarajan alias Vana.   |
| 176 | On the same wall  | Do            | Do  | 4th year and 352nd day.               | Do. :                     | van. Brahmadhirajan. Gift of paddy for offerings and festivals on the New-moon days. Mentions Rajaraja-Vadvamaharajar   |
| 176 | Do  | Do            | Do  | 3rd year                              | Do                        | and the officer Sembangudalyar.  Gift of gold for offerings on the cocasion of the  |
| 178 | Do.<br>On the west, south and east walls of the Ci                            | Chola         | Rajaraja-Rajakesarivarman alias Rajaraja-<br>deva.        | Chitrabhanu 28th year, and 141st day. | Do                        | Māsi. Makham fertival. Unfinished. Mentions Mangappa-Udaiyar. The great assembly of Madhurantaka-chaturrediman-galam, including the young and the old, met to-  |
|     |   |               |   |                                       |                           | gether in the big hall called Sembiyanmahadeviperumandiapam built by the king, and agreed to pay the taxes on certain temple lands from the interest on a specified quantity of gold which they had received from the temple treasury.  |
| 179 | On a slab supporting a beam set up in the inner enclosure of the same temple. | Ocher-Pallava | Vijaya-Nripatunga-Vikramavarman                           | 24th year                             | Do                        | Kndalur is ealled the northern hamlet of the village. One of the signatories was the accountant of the sameatern edityem committee.  Gift of gold for a lamp, to the temple of Vishnubatants by Ariganda Perumanar son of Kadunatti.    |
| 180 | On the south wall of the first prakara of the same temple.                    | Chola ••      | Parakésariyarman alias Chabravarlin<br>Vikrama-Chōļadēva. | [3]rd ,,                              | Do                        | Muttaraiyar. The assembly of Siyapuram in Urrukkatturkottam had the charge of the gift. Registers a sale of land to the temple of Tiruringagar-Alvar at Tiruringagar in Arrurnagau by the   |
| 181 | On the east wall of the same prakara I  | Do            | Rajak6sariyarman <i>alius</i> Virarajōndrad6va            | ÷                                     | Do                        | residence of Falsiyur assistant respectable in Palaiyur-nadu, a sub-division of Urrukkattu-kottam in Jayahgendssolla-mandalam.  The record begins with the introduction for ear for upfor eto, and stops with the name of the king.     |
|     |   | ,             |   |                                       |                           |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915 -conf.

The fact that the second of th

| Remarks.                  | Registers an order of the king assigning the taxes of Vayslaikkavhr in Kaliyur-kottam as a tax-free devadāna, to meet the requirements of the temple of Mahā-Vishpukkaļ at Tirumukkūdal in Madhurantaka-obaturvēdimangalam a free village in Kalattur-kottam a sub-division of Jayahgondasola-mandalam. Monttions a number of officers of the king and the seat oglled Rajendrašola-Mavalivanasiam in the palace Solakeraļan-tirumaļigai at Gangalkongasolapanas kondašolapuram. Postalis of the equipment of a homethal signi or susception of the control of salas kondašolapuram.  | pupils connected with the temple, are also given, agaisters an agreement entered into by certain Vaikhanseas of the temple to use the surplus paddy due by them which had been discovered by an enquiry into the accounts of the temple, for reciting the timppudiyum; in the temple, for the fine time. Mentions Sembiy anmahadevi-perumandatapam in the middle of the village of Madhunantaka- | twilight lamps to the<br>far, by a Bral mana<br>i Tiruvindalur-nagu ir  | only a portion of the                               | amk.<br>e individual.                        | f Tirumukkūd<br>ikatesvarasvan<br>instanos of   | sion of all ts   | amp to the ir the transle or the tra | illage is the s   | temple of l<br>krahmadóyam<br>falam a villi<br>tyangondagól<br>allavaragar V  |
|---------------------------|---|--|---|---|--|---|--|--|---|---|
|                           | Begisters an ovarialists of devoluing the devoluing take obstuntial the second of the | Pupils connected with the temple.  Registers an agreement entered Vaikhansess of the temple to use due by them which had been enquiry into the accounts of the ting the irrapparityon in the tem time. Mentions Sembia anach pam in the middle of the village  | ohaturvēdimangalam. Damaged. Gift of two twilight lamps to the temple of Tirumukrūdal-Aļvar, by a Bral mana lady of Marudur in Vadagarei Tiruvindaļūr-nādu in Sola. | mandalam. Built in at the end. Gives only a portion | Records the sadaséva of a private individual | Mutilated. Gift of the village of Tirumukkindal and taxes to the temple of Venkateévarasvanin, by Venkateépa-Nāyaka at the instance of Dodda- | Danaged. Registers the remission of all taxes on Tirumukkudal except the 300 payam of jödi and | Gift of gold for offerings and a lamp to the image of<br>Rishabhavahana set up in the temple of Pon-<br>dai-Perunainadigal at Rajamalla-chinivediman-  | Universe of the value of the village is the same as in N. 180 shows | of the of gold for offerings to the temple of Pondai-Nahadeva at Karaikkoţtu-Brihmadeyam alias Parakramas60ja-obaturvēdimangalam a village in Damar-kotṭam a district of Jayangondas60ja-man-dalam, by Indaladēvi, wife of Vallavarasar Vandya-devar. |
| and et.                   | :   | :  | :   | :   | :  | :   | :  | :  | :   | •   |
| Language and<br>alphabet. | :   | :  | :   | :   | n S  | :   | i  | :  | :   | :   |
| Lar                       | Tamil   | Do.  | .ou   | Do.   | Telugu                                       | Tanil   | Do.  |  | Do.   | Do.   |
|                           | and y.  | 6th year and<br>32nd day.  | :   |   | , is   | ji 20   |  | :  | :   | and day.  |
| Date.                     | skih day.   | n yeal   | 2nd year  | :   | Pramādicha,<br>Āvani 15.                     | Bhava, Ādi 20   | :  | 4th year   | :   | rd year au<br>[3] 60th day.   |
|                           | 5th<br>348  |  |   |   | Prai   | Bhā   | -  |  | 11th  | 8rd<br>[3]  |
|                           | rman <i>alias_</i> Virarajèndradēva ∴   | Parakssarivarman <i>alia</i> s Udaiyar sı1-Rajön-<br>dra-ohöļadēva.  | alias Udziyar srı-Vıra-   | :   |  |   | :  | :  | Rajarajak6garivarman, 'who destroyed the                            | iadēva.   |
|                           | jendra  | aar Sil.   | yar sı  | :   |  |   | :  | :  | destroy   | enips av Satat.<br>Parak <b>čes</b> rivarman <i>alias</i> Rajendru-Chōļadēva  |
|                           | /iraraj   | Udaiy  | Udai  | :   |  |   | :  | mam  | who   | ajendr  |
| King.                     | alias   | alias  | alias   | :   | :  | :   | daiya  | ati]var  | , ,usu  | ılias R   |
|                           | rman  | rman<br>éva.   | rman<br>17a.  | boļa I  |  |   | J-sús,   | adhip  | rivarn  | rmen (  |
|                           | 8a11va  | arakésarivarma<br>dra-ohóļadéva.   | ajaksarivarms<br>rājēndradēva.  | dra-C   |  |   | i-Buk  | <b>v</b> êndr[   | ajarajakésarivar<br>shing at Kalai                                  | 88.1178   |
|                           | <b>Кајак</b> еват <b>і</b> vаг  | Parakė<br>dra-(  | Rajakssarivarman<br>rajendradeva.   | [Rajendra-Chola I]                                  |  |   | Vırasri-Bukkana. Udaiyar   | Parthivôndr  adhipati]varman   | Kajara<br>shine   | Parakê  |
|                           | :   | :  | :   | :   |  |   |  |  | <del>-</del>  | •   |
| Dynasty.                  | :   | :  | :   | :   | :  | :   | Vijayanagara   | :  | :   | :   |
| D,                        | Chola   | Do.  | Do.   | Do.   |  |   | Vijay  |  | Chola   | Do.   |
|                           | •   | :  | :   | :   | pa in  | aple.   | вате   | ine in<br>e at<br>North  | :   | ;   |
|                           | :   | •  | :   | :   | <b>I</b> ap <b>ia</b> u                      | me ter  | f the  | tal shrin<br>temple<br>aluk, No  | :   | ;   |
| ption.                    | :   | :  | :   | :   | the ,  | тре вы  | rest c   | coutrara   | :   | :   |
| insori                    | :   | :  | :   | :   | one of                                       | bha of  | in a s   | of the<br>naults v<br>(Chey  | :   | :   |
| Place of inscription.     | wall wall   |  |   |   | hed st                                       | ijastam   | set up   | north wall of the con<br>Chandramaulisvara<br>madesam (Cheyyar   | e wall  |   |
|                           | On the same wall  | Do.  | °G  | Do.   | On a detached stone of the mandapa in        | On the dragastambla of the same temple.   | On a stone set up in a street of the same village.   | On the north wall of the courts shrine in the Chandramaulisvara temple at Brahmadesam (Cheyyar talak, North  | On the same wall  | D <sub>o</sub> .  |
| No.                       | 182   | 183  | 184   | 185   | 186  | 187   | <sup>7</sup> 188   | 189  | 180   | 191   |

alegain

| 1915-cont.   |
|--------------|
| .∄           |
| copied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |

|     | . 교<br> <br>                                    | Place of inscription. | msori    | tion.    |       |             | Ü     | Dynasty. |              | King.   | Date.                                   | <del>-</del> | Language and<br>alphahet. |                                | Remarks.   |
|-----|---|-----------------------|----------|----------|-------|-------------|-------|----------|--------------|---|---|--------------|---------------------------|--------------------------------|--|
| 192 | On the same wall                                | ₩H]]                  | :        | :        | :     | <u> </u>    | Chola | :        | :            | Rajaraja-Rajakégarivarman                                 | 18th year .                             | Ta           | Tamil                     | Gift Pare The                  | ift of gold for a lamp to the temple of Pondai-<br>Paramestrana at Rajamalla-chaturvetimangalam.<br>The members of the sanwatsara-vērtya who looked<br>after the ordan-darya were required to the                                  |
| 198 | Do.   |                       | ::       | ::       | ::    | ::          | •     | ::       |              | Parthivendradhipativarman 18<br>Parthivendravarman 18     | 13th year<br>13th year and<br>120th day |              | Do. :                     | mann Dama Gift o tor I It w    | paragraph in the power to fine them in default. Danaged. Mentions Pariyallur. Gift of 30 kalanju of gold for a lamp by the arbitrator Muvayiravan Trairajya-ghatika-madhyasthan. It was placed under the charge of the dayastriga. |
| 195 | Do.   | -                     | •        | :        | :     |             | ·     | :        |              | Parthivendravarman, 'who took the head of 2r the Pandya.' | 2nd year                                | <del></del>  | Do:                       | by the Beror were              | pervalaktat sungent to a nile, in case of untanily, by the StadMamatta.  Records that all the lands belonging to the temple were made tax-free by the village assembly of Airgiashiasam in lieu of the amount of gold which it     |
|     | Do.   | ٠                     | <u>.</u> | :        | :     | :           | •     | :        |              | :   | :                                       | - 6          | Grantha                   | Crai<br>Trai<br>Regist<br>the  | owed to the temple. The docubleth is signed by Trairalya-ghatika-madhyasthan Muvayiravan Registers the building of the temple in Rallyuga at the spot where Agni, Moon and Romsamuni werking of the cod Pondanatha in the Fitalia. |
|     | Ďō.   |                       |          | :        | :     | :           | •     | :        |              | Parthivendradhipati 18                                    | lsth year                               |              | 'Frantha an<br>Tamil.     | and Dama, Ponce sheke          | Treta and the Dvapara yugas.  Damaged. Registors a gift of gold to the temple of Pondai-Perumanadigal for performing the abbi-shēka, by Trairajya-gbatika-madhysethan  Muvayiravan of Bajamalla-chaturvedimangalam in              |
|     | Do.   | •                     |          | :        | ;     | :           | Choļa | :        | :            | [Madiraikonda Parakēsarivarman] Lo                        | Lost                                    | Tamil        | lin                       | Tiruvēg<br>Daniaged            | Tiruvégambapuram, a village in Damar-köttam.<br>Dannaged. Mentione Pondai-Ändar and Ganapperu-<br>mabal.   |
| 199 | Do.   | •                     |          | :        | :     | :           | Do.   | :        | :            | Rajaraja-Rajakèsarivarman 16                              | 16th year                               | <u> </u>     | Do.                       | Gift of                        | Gift of land for reciting the tiruppadiyam in the  |
|     | Do.   | •                     |          | :        | :     | - <u>-</u>  | Do.   | :        | :            | Parakésarivarman [alias Rajè]ndra-Chôla- 4th              | " u                                     | Do.          | :                         | Dama                           | Damaged and unfinished.  |
|     | Do.   | •                     |          | •        | :     | <del></del> | Do.   | :        | :            | neva<br>Parakôsariyarman alias Rajendra-Chōļadéya 8th     |   | 130.         | :                         | Damaged. [yar] at F            | ged. Mentions the temple of Penduiyudai-<br>at Karaikkottu-Brahmadeyam alias Parak-  |
|     | Do.   | :                     | •        | •        | :     | :           | Do    | :        | <del>-</del> | Madiraikopda Parakésarivarman 29th                        |   | Do.          | :                         | kiran<br>Gift ol               | kiramasola-chaturvedimangalam in Dāmar-nadu.<br>Gift of a gold dindem by a native of Naranamanga-<br>lam, to the temple of Pondai-bhattārakur at   |
|     | D <b>0.</b>                                     | :                     | •        |          | ,     | - :         | :     | :        |              | - Sa  | Śaka 83 <b>6</b>                        |              | :                         | Raja<br>Gift of                | Rajamalla-chaturvėdimangalam<br>Gift of gold 'or a lamp by Iladadittan a native of a<br>village in Vadagarai Innembar-nādu, a sub-divi-  |
| Ö.  | On the north and west walls of the same shrine. | and we                | st wal   | Is of ti | 76 Bu |             | Chola | :        | <del>-</del> | Rajarajakésarivarman <i>ulius</i> Rajarajadéva            | 27th year                               | <br>Do.      | :                         | Gift of temp                   | sion of Solganadu. Gift of 10 Kalanju or 90 sheep for a lamp to the temple of Pondai-Alvar in Karnikkottu-Brahma-deyam aliae Parakramseola-chaturvedimangalam a  |
| ě.  |   |                       |          | •        |       | <u>-</u>    |       |          |              |   |   |              |                           | villag<br>a sub<br>gift<br>who | village in Damar-nadu of Damar-kottam which was<br>a sub-division of Jayangondasolfs-mangalam. The<br>gift was left in charge of the Ganapperwaskiej<br>who looked after the Grikarya for the year.                                |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| shrine  |             | King.                                   | Date.                                   | Language and<br>alphabet. | Котаткв.  |
|---|-------------|---|---|---------------------------|---|
| Do  | :           | hipativarman, 'who took the             | [4]th year                              | Tamil .                   | Gift of land for offerings and a lamp by Kattumay ya  |
| Do  | Chola       | nead of the Faugya.<br>Rajakésariyarman | 17th .,                                 | Do                        | son of Chiniamity's refractor.  Son of Chiniamity's refractor.  Danaged. Registers a gift of land by one of the Chiniamits of Tirreform.            |
| Do  | `           |   |   |                           | members become no control of the control of the version burn at Kaohohippedu, for supplying sandal paste to the cod at Raumalla-chantuvedimangalan. |
| Do  | Rashtrakūta | Kannaradeva                             | Do                                      | Do                        | Cifft of gold for a lamp to the temple of Pondaip-narmagnafied, at Raismalla-chattivedimangulam   |
| Do  |             |   |   |                           | in Tiruvegambapurum a village in Damar-kottam,<br>by Maradanamai Viresuta Isbogavardhana  |
| Do  |             |   | *************************************** |                           | asimhayya. It was placed in wanerumakkal of the temple.   |
| Do  | ;           | Parthir endravarman                     | 6th year                                | Do                        | Gift of land for feeding one brahmana well versed   |
| Do  |             |   |   |                           | in the vegas. The great men of the assembly of Afjash besatan of liravegambapman in Rajamalla-  |
| Do  |             |   |   |                           | charity in charge of the members of the Gunardie  |
| Do  | :           | Lost                                    | 3rd ,,                                  | Do                        | yam Committee.<br>Damaged and incomplete. Mentions Tiruvogriyūr-<br>ši  |
| Do  | Събів       | Rajarajakosari[varman]                  | 30th ,,                                 | Do                        | Damaged. Gift of bold for a lamp by Indaladoviyar.  |
| Do  | :           | :                                       | Saka [8] 30                             |                           |   |
| Do  | :           | ::                                      | :                                       |                           | at Rajamalla-chaturvēdimarigalam, by Kaņakka-   |
| Do  |             |   |   |                           | yan Sattan Kanavadi (Ganapati), a native of Köttfürlin Sengattu-köttam.   |
| Do.  On the west and south walls of the same shrine.  On the south wall of the same shrine.  On the same wall | Chōļa       | Madiraikoṇḍa Parakésariyarman           | Doubtful                                | Do                        | Gift of 20 kaloniju of gold for a lamp by Solusikha-<br>mani-Pallavaraivan of Nelvēli in Frostradn. The   |
| Do  | _           |   |   | •                         | Erivaryopperumakkal were in charge of this gift.  |
| Do  | :           | :                                       | 20th year .                             | Do                        | Unfinished. Gift of faud for conducting worship four times a day.   |
| On the west and south walls of the same shrine. On the south wall of the same shrine On the same wall         | :           | Parthivendı[adbipati]varman             | Lost                                    | Do                        | Damaged. Seems to register a gift of land for a   |
| shrine. On the south wall of the same shrine On the same wall   | Chola       | Rajarajakesarivarman alias Rajarajadeva | 29th year and                           | Do                        | Do. Gift of 90 sheep for a lamp.  |
| On the same wall  | . Do.       | Madiraikonda Parakosarivarman           | tenth day.                              | Do                        | Unfinished. Gift of 14\frac{1}{2} kalanju of gold for a lamp  |
| On the same wall  |             |   | 3                                       |                           | by one of the members of the Aimigenatiar of Rajamalla-cheturvedinangalam in Thruvégambapuram,  |
| ć   | Do          | Do.                                     | 33rd                                    | Do                        | a village in Danar-köttam.<br>Gift of 12 lalanip of gold for a lamp to the temple of  |
| e C   |             |   |   |                           | Fondal-Perumanadigal, by Alagasarma-kramavittan, son of Kadal-kilar Manisivabhatta-   |
| Do  |             |   |   |                           | Sarvakrattukkal, one of the Alunganattar of Raja-malla-chaturvedimangalam.  |
|   | :           | Lost                                    | 26th ,,                                 | Бо                        | Damaged. Gift of gold for a lamp by a member of   |
|   |             |   |   |                           | the <b>A</b> jwigaņattār.   |

B.--Stone inscriptions copied in 1915-cont.

|  |                  |        |                       |      |     | -             |               |     | 4   |                                   | -              | 1           |           | -               |  |
|--|------------------|--------|-----------------------|------|-----|---------------|---------------|-----|---|-----------------------------------|----------------|-------------|-----------|-----------------|--|
| Š  | Place            | of ing | Place of inscription. | ٠ نے |     |               | Dynasty.      |     | King.   | Date.                             |                | dla         | alphabet. |                 | Remarks.   |
| 220                                      | On the same wall | :      | :                     | :    | :   |               | :             |     |   | :                                 |                | Tamil       | :         | <del></del>     | Gift of two kalanju of gold for feeding two Brah-<br>manas on New-moon days, by Nallulan Peruman a   |
| 122                                      | Do.              | :      | :                     | :    | :   | ·             | :             | -   | :   | :                                 |                | Kanarese    | 989       | -:              | native of Vullivayal.  Records that four stones were placed on the niyidi  |
| 222                                      | io.              | •      | :                     | :    | :   | Chola         | ;<br>:        | ;   | Madiraikoņda Parakssarivarman                             | 25th year                         | :              | Tamil       | :         | :               | (nisorif) of militable ker almost of Mangadu. Gitt of gold for a lamp by a native of Mangadu. The Ginapperumakkaj had to see to the burning of   |
| \$23                                     | 1)0.             | :      | :                     | :    | :   |               | :             |     | Maharaja 'who took the head of Vira-Paptya.'              | 2nd ,,                            | :              | Do.         | :         | · :             | it.<br>Gift of 15 kalañju of gold for a lamp by a merchant<br>of Tiuvegambachcheri in Rajamalla-chaturvedi.  |
| <b>8</b><br>42<br>4                      | Do.              | :      | :                     | :    | :   | Chola         | :<br>:        | :   | Madiraikonda Parakésarivarman                             | 17th ",                           | :              | 1)0.        | :         | <del></del>     | mangalam. Gift of 26 kufi of land for offerings and sundries to the shrine of Pondai-Dakshnamurti, by a resident of Sankurappadi in Rajamalla-chaturvedimanga-                                   |
| 225                                      | Ď.               | :      | :                     | :    | :   | Do.           | :             | :   |   | 40th ,,                           | :              | Do.         | :         | <del></del> :   | lam. Mentions the channel oalled Paramesvaravaykal.  vaykkal. Unfinished. Mentions Karkudi in Mula-nadu on the   |
| \$28                                     | Do.              | :      | :                     | :    | :   | Do.           | :             | :   | (Madura) and Ilam (Ceylon). Madiraikonda Parakésarivarman | 16th "                            | •              | Do.         | :         | <del>-</del>    | northern bank of the Kaveri.<br>Fixes remuneration to the Hocountant of the tank hy  |
| 227                                      | Do.              | :      | :                     | :    | :   |               | Ganga-Pallava | 8 4 | Vijaya-Kampavarman  | 2[0]th ,,                         | :              | Ло.         | :         | :               | the assembly of Amjashiwam. Gift of Il kalamiy of gold for supplying water to the Gift of Managard of Trunnondal-Permanalisal at Bais-   |
| <del></del>                              |                  |        |                       |      |     |               |               |     |   |                                   |                |             |           |                 | malfa-chaturvedimangalam, by a member of the Alunganatter of Kavadippakkam in Paduvur-   |
| 80 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 00 0 | Do.              | :::    | :::                   | :::  | ::: | Chola.<br>Do. |               | ::  | Madiraikonda Parakésarivarman]<br>Rajakésarivarman        | Saka 830<br>1[3]th year<br>27th " | :::            | Do.<br>Do.  | :::       | :::             | kowain. Danaged. Gift of 124 kalahin of gold for a lamp. Danaged and incomplete. Danaged. Gift of gold for feeding a Brahmana and for a lamp to the temple of Tiruppondai-Peru-                  |
| 231                                      | 9                | ::     | ::                    | ::   | ::  |               | ::            | ::  | Parakesariyarman  | 4th<br>Do. "                      | ::             | Do.         | ::        | ::              | manadigal. The denor is the same as in No. 224 above.  10. Gift of 15 kalañju of gold for a lamp.  10. The denor was a native of Vayinanlin.   |
| 283                                      | Do.              | :      | :                     | :    | :   | _<br>∪<br>U°. | :             | :   | [Madiraiko]nda Parakesarivarman                           | Lost                              | <del>-</del> : | Do.         | :         | — <u>—</u><br>: | y di   |
| 234<br>236                               | Do.<br>Do.       | ::     | ::                    | ::   | : : | D.<br>D.      | ::            | ::  | Madiraikonda Parakssarivarman<br>Do.                      | Do yes                            | year,          | <b>Do</b> . | ::        | <u> </u>        | Built in at the end. Gift of gold for a lamp. Gift of 15 kulanju of gold for a lamp to the temple of Ponda: Maladove-Bhattara at Baltamalla-ohetur-  |
|  |                  |        | •                     |      |     |               |               |     | ,   | •                                 |                |             |           | · · · ·         | vedimangalam in Tiruvēgambapuram in Damar-<br>kotķam, by Kiļinallur Kiļavam alias Sembiyam<br>Kiļarnatņukkom, of Kiļinallur in Kiļar-kūrsam, a   |
|  | ,                |        |                       |      |     |               |               | -   |   |                                   |                |             |           |                 | sub-ulvaiou of Sola-indu. The assentify and the residents (uron) of Vadiyur in Mrvelur-nadu a sub-division of Urrukkattu-kottam agreed to supply the oil for the lamp. Mentions Vallibavaruiyar. |
| ,  |                  |        |                       |      |     |               |               | 1   |   |                                   |                |             |           | -               |  |

nive Eggio MA.

| 1915-con     |
|--------------|
| ü            |
| copied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |

| No.                      | Place o  | Place of inscription | ption. |               |       | υyı      | Dynasty. | <del></del> | King. Date. Language and alphabet.   | Remarks.  |
|--------------------------|--|----------------------|--------|---------------|-------|----------|----------|-------------|--|---|
| 736                      | On the same wall   | :                    | :      | :             | :     | •        |          |             | Tamil  | Sale of land by the great men of the mahdeabld of Rajamalla-chaturvédinangalan in firuvégamba-  |
| 287                      | Do.  | :                    | •:     | :             | :     | Chola    | :        |             | Bajakssarivarman Do  | param. Mentions Unbula-nadu in [No] sanadu. Gift of land for feeding a Brahmana in the tomple of of Pondai-Perumanadigal, by one of the members of  |
| 28<br>8                  | Do.  | :                    | :      | :             | :     | Do.      | :        | :           | Madi[raikonda Paraksariyarman] [6]th ,, Do.                                  | ,   |
| 239                      | Do.  | :                    | :      | :             | :     | Do.      | :        | :           | Madiraikoņda Parakssarīvarman 1)0  | The right and of the inscription has been much damaged. Registers an agreement made by the village assembly for some service connected with   |
| 240<br>241               | Ď.   | ::                   | ::     | ::            | ::    | Do.      | :        | •           | Parakesarivarman [10]th year Do  | the femple.  Built in at the end. Gift of gold for a lamp. Gift of land by Visuddhamatı-Fanditar, for bathing the god. The great men of the köyil-väriyam had   |
| 242                      | Do.  | :                    | :      | :             | :     |          | :        |             | Parthivend[radhi]varman , , , 13th year   100                                |   |
| 243                      |  | :                    | ;      | :             | :     | Choia    | :        |             | Parakésarivarnun [alias] Rajendra-Chola- 6th year and Do.                    | ift of 90 sheep for a lamp to the temple fahadeva in Karalkkottu. Brahmadeyam ramasolu-chaturvediinaneslam in Tiru.   |
| <b>54</b>                | On the west wall of the mandapa in front of the same shrine. | l of the             | mand.  | <i>apa</i> in | front | Do.      | :        | :           | Farnkêsarivarman <i>alia</i> s Uquiyār str-Rajên- 5th year Do                | vegambapuram a village in Damar-kottam, Gamentions Mandaraganravanar Kundadeviyar (wife of J. Vallavaraiyar Vendyadevar.  Sale of land to the temple of Bhavarudrasemisvaradeva on the southern bank of the river Vehka (Vegavatt) by the assembly of Parakramasola-ohaturvedimningalm in Damar-nadu which was a subdivision of Damar-kottam in Javaringondasola- |
| 246                      | On the south wall of the same mandaga                        | કો) of ધ             | 10 Sam | ри́вш в       | apa   | Do.      | :        | :           | Parakésarivarman alias Udaiyār svī.Rājēn- 25th year and Do 330th day.        |   |
| 99, Ho                   | On the same wall   | :                    | :      | :             | :     | Do.      | :        | :           | 1)0. 3[0]th year Do  | oords<br>Yaha-  |
| <b>%</b><br>ome (!       | å  | :                    | :      | :             | :     | Do.      | :        | :           | Raja[k6sarivarman alias] Rajadhirajadeva 38rd ,, 110                         | ueve at laterial mass, relations which make the Built in at the end as the first and for a matha called Paylitriumanikkamadan situated in the temple.   |
| <b>3</b><br><b>4</b> is) | 9<br>Do.   | :                    | :      | :             | :     | 00       | :        | :           | alias Udaiyar 611-Rajen- 3[0]th ,,   |   |
| -6.                      | Do.  | :                    | :      | :             | •     | <u>.</u> | :        | :           | Raja kesarivarman <i>alias</i> ] Ud·iyar 6rt- 32nd ,, Do<br>Kajadhirajadeva. | Built in at the end and damaged. Introduction commences with Bandon-Capp serie. Mentions the Santanatrikas of the village   |
| 350                      | 100.   | :                    | :      | :             | :     | Do.      | :        | :           | Rajakesarivarman ahas Udaiyar éri-Raja- [3]1st ,, Do dhirajadeva.            | of land to the temple.  |
|                          |  |                      |        |               |       |          |          |             |  | 3   |

| 1915—cont. |
|------------|
| ä          |
| pied       |
| 80         |
| tion       |
| nsorit     |
| one i      |
| <b>1</b> 2 |
| æ          |

| Remarks.                  | In continuation of No. 250. Damaged. Seems to register a sale of land to a matha in the temple of Pondai-udaiya-Mahadeva at Parakramaséha- | ohaturvēdimangalam. Gift of a goldon diadem. Gift of land by purchase made in the 23rd year of the Gift of land by purchase made in the 23rd year of the first, for offerings to the temple of hibrahmanysday acies Solakoralanadar, by a native of Karikkudi hamlet of Verriyor in Sola-mandalam. | Mentions the vilages Sire-Neimali, the northern hamlet of Parakramagola-ohaturedimangalam; Ariyur and Mummadisolarburam in Karivedu-nadu, a sub-division of Damar-kohtam and Muffasikan-dalam a brahmadiso, in Paduvur-nadu, a subdivision of Paduvur-kohtam.  Mutilated at the end. Gift of gold (converted into land) for a lamp by a lady of Vayalur in Kayiland, for a lamp by a lady of Vayalur in Kayiland. | Fall to the transfer of the temple of Pondar J-yandpondasola-mandalam, to the temple of Pondar Mahadeva in Karaikkottu-Brahmadeyam alias Pa[ra]kki[ra]nasola-chaturvedimangalam in Dama-nadu, a sub-division of Damar-köttam. | hundreds of Sri-Vaishnava pilgrims coming in Dig<br>groups from Tiruvéngada-malai (*.4., Tirumalai).<br>portion of the inscription is covered by a tree.<br>Registers a public sale of land to the femple of | Unfourment of the same state of the source bank of Vehka at Parakramsóla-obaturvedimantegalam in Damar-nada, a sub-division of Damar-kotham in Jayangondasóla-mandalam, by the assembly of Venkulattor alias Paramésvarachaturvedimangalam in Kalumala-nadu, a subdivision of Kaliyur-kotham.  Taliated. Mentions the bank Rajamallapperuvadi and resords a gift of land. Another record in constant and season of the subdivision in the Sh wear and [6] 5th | day of Rajendraders combined with desidest, pleam and Thursday and provides for feeding Brahmanas.  Portions lost at the beginning. Registers a sule of land to the same temple by the assembly of Verkulatter in Kalumala-nadu, a sub-division of | Kaliyur-kottem which was a district of Jayak- goodsecla-mandellam. Registers a sale of land by the assembly of Karaik- koftu-Brahmadeyam alias Parakramasola-chatur- vedimangalam. |
|---------------------------|--|--|---|---|--|---|--|--|
| ge and<br>shet.           | In contraging Pond   | Chate of Gift of Gift of Gift of King  | Mention Maniet Ariyur e a sub-di dalam division Mutilated Isnah fo  | Jaya<br>Jaya<br>Mah<br>Pa[r<br>Dam  | bunc<br>grou<br>A por<br>Regi  | Ulfolings bank of glam in kottam in kottam in assembly chaturved division o Mutilated. and recor  | day<br>and<br>Portion<br>land<br>kula  | Kali<br>gopd<br>. Registe<br>kotte   |
| Language and<br>alphabet. | Tamil .  | Do.  | Do.   | Do.   | Do.  | Do.   | Do.  | Do.  |
| Date.                     | :  | :  | :   | :   |  | year and<br>3rd day.  | ;<br>;   | year and h day.  |
| Da                        | 31st year  | 31st ''.<br>26th ''.   | 22nd ,,   | :   | 5th year   | 3rd year e<br>158rd dwy.  | 4th year   | 30th year<br>165th day.  |
| King.                     | Parakésarivarman alias Raja[dhi-]rajadéva  | Rajarajadēva Parakssarīvarman alias Udaiyar srī-Rajsm-dra-Chojadēva.   | . Do. do.   | [Rajendra-Chola I]  | . Rajakesarivarman <i>alias</i> IIdaiyar érl-<br>Kajendradeva.   | Parakesarivarının alias Uduiyar Bajendra-<br>devo.  | Parakssarivarman aliae Uquiyar stt-Rajen-<br>diadeva.  | Rajakesarivarman <i>eline</i> Udaiyar éri-Rajadhi-<br>rajadeva.  |
| sty.                      |  |  | :   | :   | :  | :   | :  | :  |
| Dynasty.                  | Chola .  | Do   | Do.   | Do.   | Do   |   | Do   | Ъ  |
|                           | :  | ::   | :   | :   | :  | :   | <del></del>  |  |
| Place of inscription.     | :  | the sume   | :   | :   | :  | :   | the same   | •:   |
| Place of                  | On the same wall   | Do On the east wall of the sume mangapu  | On the same wall  | Do.   | Do.  | Do.   | On the north wall of the same mandapa  | On the same wall   |
| No.                       | 261  | 25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>25<br>2  | 254   | 29<br>20<br>20  | 256  | 267   | 258 C  |  |

suice Bypic (NA

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| : . |   | ì                   |                  |       | •     |          |      |             |  | otal m pada mandinam aran | orat m  | •                |   |               | -  |
|-----|---|---------------------|------------------|-------|-------|----------|------|-------------|--|---------------------------|---|------------------|---|---------------|--|
| No. | Place of inscription.   | f insor             | iption.          |       |       | Dynasty. | sty. | <b></b>     | King.  |                           | Date.   |                  | Language and<br>alphabet.                       | Pug.          | Remarks.   |
|     | On the same wall  | :                   | :                | :     | :     | Съоја    | :    |             | Rajakésarivarman <i>alias</i> Udaiyar<br>dhirajadéva.            | sri Raja.                 | 26th year 120th day.  | y.               | ßmil  | :             | Registers that the assembly which met under a tamarind tree, sold land for a water-shed for quenching the thirst of king Lidalyar fart-Rajendra-Ciboladeva and queen Viranahadeviyar. who were decessed, by the Sengori Madurantakan alias Parakésarivéjar who was the brother of the onean  |
| 261 | Do.   | :                   | :                | :     | •     | Do.      | •    | . Ba.<br>tt | Rajakesarivarman <i>alias</i> Chakravartin Kulottunga-Choladeva. |                           | 48th year, Masi,<br>\$4. di. Monday,<br>Sittirai<br>(Chitra). | Masi,<br>londay, | Tamil (of about<br>the 12th Cen-<br>tury A.D.). | tbout<br>Cen. | Registors an agreen ent made by certain Siva-Brah-<br>onintana of the temple of Pondai-udaiyar at Dina-<br>onintamani-chaturvedimangalam in Damar-nadu,<br>a sub-division of Damar-kottam, with the köşil,<br>maldesvara kangani-seyver köyıl-variyarperumakkal<br>and the karanatiar, for hurning two lamps from<br>the interest on gold reseived from a native of<br>Paruttiikudi a sub-division of Mi-Sengili-nadu in<br>Dinaohintamani-valamaqu of Sola-mandalim |
|     | Do.   | :                   | :                | :     | * ,   | . Do.    | •    | <br>Raj     | Rajakésarivarman <i>alias</i> Udaiyār éri-Rajadhi-<br>rajadéva.  | _~                        | .34th year  |                  | Tamil   | :             | Gift of gold for offerings to the image of Pasapatamutri when taken out in procession for sribali, in the temple of Pondai-udaiya-Mahadeva, by a native of Niyamam in Pular-kötpam which was a district of Jayangondasaila-manqalam.   |
| 263 | Do.   | :                   | :                | :     | :     | Do       |      | ••          | Do.  | do.                       | 82nd ,,   | :                | Do  | :             | Sale of land for offerings to the image of Tiruch-<br>obigumbalamudatyar in the same temple. Men-<br>tions the temple Tiru-Ayōtti-Alvar. The<br>introduction commences with the words SiraCat  |
| 264 | °°  | :                   | :                | ,p. • | •     | Do. ,    | •    | Par<br>du   | Parakesarivarman <i>alias</i> Udaiyar éri-Rajéndra-Choladeva.    | daiyar érl-Rajen-         | 27th ,,   | •                | Po  |               | Gut of money for mileyru by a native of Mivenam in Puliyur-nadu a sub-division of Arumoliddyn-valanadu in Sola-mandalam, for which a land granted to the temple of Pondaiyudaiya-Mahaddeva at Parakrananasha-harunadinamiyalam was made tax-free. Also recisiese e sitt of sola and  |
| 997 | On the north wall of a mandapa in a field<br>adjoining the same temple. | l of a "<br>ame ter | nandapı<br>mple. | in a  | fleld | Do       | •    | Trip<br>D   | Tribhtvanachaktavartin<br>Choļadēva (III).                       | Kulottungs.               | 3rd ,,  | •                | Do  | :             | Mentions the tanks Kundavaippereri and Sundara- 65 appereri. Unfinished. Registers the grant of a land from Karaitkothu-Brahmadesan alias Dinachintamani- chaturycdimangalau in Dama-nadu a sub-division of Damar-köttam in Jayangondascia-mandalam, was the Assista of Illians.   |
| 266 | On the same wall  | :                   | :                | :     | :     | До.      |      |             | Do.  | do.                       | 27th ,,   | :                | До,   | :             | raiyan. Mentions Kadapperi and Kannusin yanadararan. Blates that Ådavallan Gangeikondan alias Irungolan gave the village Irungölavilaga for göpura, offerings and lamp.  |

| •          |
|------------|
| ~          |
| ~          |
| 2          |
| 9          |
| O          |
| r          |
| 1          |
| - 1        |
| ìÀ         |
| 44         |
| -          |
| 915        |
| O3         |
| -          |
|            |
| _          |
| .9         |
| 멾          |
|            |
| ~          |
| ~          |
| oopie      |
| -          |
| O.         |
|            |
| 0          |
| 0          |
| _          |
| ZD.        |
| -          |
| •          |
| ~          |
| ٠.         |
| -73        |
| ≖          |
| -          |
| •=         |
| 2          |
| ~          |
| 2          |
| 40         |
| ◻          |
|            |
|            |
| an a       |
| ¥          |
| •          |
| ~          |
| ~          |
| ت          |
| 葩          |
| ~ <u>.</u> |
| 1          |
|            |
| •          |
|            |
| m          |
| _          |
|            |

|                | }           |  |                | Control instributes depict in 1910—cont.                                   | -cont.   |                        |  |                  |
|----------------|-------------|--|----------------|--|--|------------------------|--|------------------|
|                | I           | Place of inscription.  | Dynasty.       | King.  | Date.  | Language and alphabet, | Remarks.   |                  |
| By sic (M) 267 | 75 E        | 67 On stones built into the wall of the Kalyanavarada temple in the same   | Chola          | Bajakssari]varman <i>alias</i> Udaiyar sri-Raja-dhirajadèva (I).           | :  | · mil                  | Seems to register a gift of land. Another fragment   |                  |
|                | 8           | 268 On stones lying in the courtyard of the Selliyananan temple in the same  | :              | :  | :  | Do,                    | In the same place mentions an A Fragments. One of the fragmen  | _                |
|                | <b>26</b> 9 | On the west and north walls of the central shrine in the Rudrakotisvara temple in the same village.  | Chola          | Rajakssarivarman <i>alias</i> Chakravartin Kulot-<br>tunga-Chöļadera.      | 21st year  | Do. D. 2               | palakulakalapperunderu in Solakulavallinallur and seens to register a public sale of land. Sale of land to the temple of kudrasolai-Mahadeva at the demonstrate of the serventine of kudrasolai-Mahadeva at the serventine of pamer-kettem in Jamar-natula sub-division of hamer-kettem in Jamar-  | 10. 00,          |
|                | 270         | On the north wall of the same shrine   | :<br>:         | Parakésarivarman <i>alias</i> Udaiyar ért-Rajén-<br>dradéva.               | 9th  | Do. ::                 | gondasola-mandalam. Among the boundaries are mentioned Rajamallapperuvadi and Solapandies are peragu and the temples Kadhasamudaiya-Mahadeva and Perumandapatru-Mahadevahukkaj.  The assembly of Karaikkothu-Brahmadeyam alias Parakramasola-ohaturvedimandalam in Damar. Danda  | TIOMP (MI        |
|                | 271         | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.  | ;<br>;         | Bajakesari[varman <i>aliae</i> Chakravartin]<br>Kulöttunga-Choladeva (II). | 3rd ,,   |                        | gondasola-mandalam met in the tomple of Pondai-<br>Udaiyar and ordered the public sale of land to the<br>temple of Err-Rudrasolai-Manadeva situated on the<br>southern bank of the river Vehka.<br>Incomplete. Registers the grant of Anapayanallar<br>which was separated from Rajendrasolanallar, as a<br>devadana to the temple of Rudrasolai-udaiya.   | PODTITIVE        |
|                | 27.2        | On the east wall of the same mandapa   | Vijayanagara . | Virs-Kumsta-Kampspu-Uqaiyar, son of<br>Bokkapa-Uqaiyar,                    | Saka 1286, So-<br>bhakrit, Dhanas,<br>sw. di. 11,<br>Wednesday,<br>Punarvaan |                        | Dirachintaman-obatury edinangualam in Damarnadu a sub-division of Damar-kōtţam inJayahgonda-fola-mandalam. The order was made by the king when he was seated on the chrone below the pearl oanopy in the adhinke kamandapa of his palace at Vikramskolapuram, at the insteance of Kulottungustopis egit of taxes for maintaining lamps, to the temple of Rudrasolai-Udaiyar at Karaikkotţungrahmadssam in Damal-nadu, a sub-division of Damal-köţţam in Jayahgondasola-mandalam. The | , Zern August 18 |
| - 5            | 1273        | On the south wall of the mandaya in front of the central shrine in the Tiru-Agnifears temple at Radalur (Villupuran taluk, South Areat district) | Do             | Řízeirinatha   |  |                        | Bird was made on the order of Loyndarsser the agent of the <i>Haldgradhdni</i> Someya-llappayaka.  Mutilated. Provides for a lamp to the temple of Tiruvagnisvaramudaiya-Nayammar at Kadalur.  | 10               |
|                | *42         |  | Рацдуа         | Jays.arman <i>alig</i> e Tribhuvanaohakravarbin<br>Sundara-Pandyadeva.     | 17th year  | Do: ::                 | Fragments. Refer to a grant of certain taxes to the temple of Kulajega[ra]-Cholisvaramudaiya.Nsyanar at Pallavan-pattinam. Munayadaraiyan is the name of one of the signatories.   | ્રેક્રે,         |
|                |             |  |                |  |  | -                      |  |                  |

| 1915—cont. |
|------------|
| .Ħ         |
| opied      |
| 8          |
| ptions     |
| insorip    |
| -Stone     |
| H<br>H     |

| No.                | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.  | Date.     | Language and<br>alphabet. | Benarks.  |
|--------------------|---|--------------|--|-----------|---------------------------|---|
| 276                | On a stone built into the roof of the central portion of the same mandaga. On a stone lying in the confr. and of the same temple. | Vijayanagara | , Aohyutayadeva-Maharaya   | Vikrita . | Tamil                     | The stone was the gift of Vanavamadēviyudaiyan<br>Tennavadaraiyan.<br>Registere the gift of the village Attippiravadai alian<br>Namasikayanallar made for the merit of Trumadi<br>Trumulai Nambe to the former merit of Trumadi   |
| 277                | On another stone in the same place  | :            |  | Kalayukta | Tamil (verse)             | mudaiya-Tangara to one tempte of illuvarahatara-<br>mudaiya-Tambiranar at Kadalur on the occasion<br>of the Maha-enhramana.  Begisters the gift of 1,000 km/i of land by Pulavan<br>A kalankan for worchin in the temple of Abbi  |
| 278                | On a few detached stones in the same place<br>On some other stones in the same place  | Chōļa        | [Rajaraja I]   | <b>::</b> | Tamil                     | yandar. Fragments. Mention Ralampattanam. Registers gift of gold for a lamp to the temple of lirukkandisvaradeva. Mentions Palampattanam  |
| 280                | On five other detached stones lying in the same place.  | Vijayanagara | Aohyutaiya-Maharaya  | Vikŗita   | Do: ::                    | in Fathina-nadu. Another inscription provides for offerings to the temple of Tirukkandisvarattu-Adavallar.  Registere the gift (referred to in No. 276 above) made on the coersion of the Maha-sankramana under ordere from Namaśsiyaya-Nāvakkar, for the   |
| 281                | On five other stones lying in the same place.   | į            | Parthivendradhipativarman  | 11th year | Do                        | merit of Irumadi Tirumalai. Nayakkar, to the temple of Tiruvakkisvaranudaiya-Tambiranar. Registers the gift of a lamp by the magarattar. Other fragments relate to a gift of land for offerings to the temple of Tirukkandisvaranudaiva-  |
| 288<br>288         | <u> </u>  | <b>!</b> !   | : :  | Yuvan     | Do. ::                    | Mahadevu. Registers the gift of 200 kuli of land to the matha called Thruskagan-tirunadam. Damaged. Mentions Sengattu-parru.  |
| 284                | Våndi (same taluk and district).<br>On the same wall  | Vijayanagara | Sadasivaraya   | Śaka 14** |                           | Mentions Vaiyyappa-Nayaka, Timmappa-Nayaka and  |
| 286                | On the north, west and south walls of the same shrine   | Сьоін        | Rajakesarivarman alias [Kulötta]nga-Chō-<br>ļadeva.  | 32nd year | Do                        | Arishnappa-Nayaka and the village Vikhtrapandi. Fragments. Register the gift of land (?) for a lamp to the temple of Chedikulachintāmani-favara- muddirar. Relow this is markharing in the  |
| 286<br>287<br>2887 | On the same walls On a stone set up in the court-yard of the same temple.   | Do. : : : :  | Paraksarivarman a'ica Tribhuvana-chakravartin Vikrama-Chòladeva.<br>10. do.<br>8akalalokachakravartin kajanarayapan<br>Vikrama-Pandya. | 4th year  | Do. :: ::                 | records the gift of money to compensate the loss of utensils and to burn a lamp in the same temple which is stated to burn a lamp in the same temple which is stated to be in Buvanimanikapuram, a conformant in Purajur-nadu which was a subdivision of Gangarkondasola-valandu.  Fragments. Contain only the historical introduction and the dato.  Fragments Stop with the mention of the king.  Regieters the sarvandanya gift of the king.  Regieters the sarvandanya gift of the premises (tirumadivilagam) to the temple of Chédikulachints-man. |

99 Home (Mis.)-7

| 1915—cont.   |
|--------------|
|              |
| .되           |
| oopied       |
| inscriptions |
| S.—Stone     |
| -            |

| No.       | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
|-----------|---|--------------|--|---|---------------------------|---|
| 289       | On the north and west walls of the central shrine in the Varadaraja-Perumal temple in the same village. | Vijayanagara | Vira-Narasimharaya, son of Bhujahaladéva-<br>Maharaya. | Śaka 1431,<br>Śukla, Karka-<br>tuka, śu. di. 5,<br>Friday, Haste.     | Tamil                     | The king bears Saluva birudus. Begisters the gift of a village to the temple of Perumal Varadarishs at Vikremapandii in Vidur-puru a sub-division of Oyman,-valonadu in Palakunra-kottam which was a district of Jayangondasõha-mandalam, by the Mahāmandulösvara Pettiyadēva-Cholsmahārāja.  |
| 1290      | On the east and north walls of the central  |              | Immadi-Venkatapatideva-Maharaya                        | Tai, 11, Uttara-<br>shadha.   | Do                        | Built in both in the middle and at the bottom.  |
| 291       | őő  | : :          | : :  | August 1740   | Dutch Vattelluttu and     | Referred to in Mr. J. J. Cotton's List of inscriptions on tembs or monuments in Madras, No. 1437, page 258.  A copy of No. 205 of 1895.   |
|           |   |              |  | Śaka 10[8]8,  | Teluga                    | m p;  |
| හ<br>ර    | On a Naga-pular set up in front or use<br>Ramalingasvamin temple on the hill at<br>Ikkurru.             | <u>:</u>     |  | Asvayuja, su.<br>10, Thursday.  |                           | eara Kulöttunga-Rajendra-Choderals, a certain Malli-Nayaka gave 3 kha. of (dry) land and 2 martus of wet land, for offerings and 1 kha. of land with two cows and 55 thesp for a perpetual lamp, to the god Mallikharjuna consecrated by him on the hill at 1 khoru. Records also a gift to the same temple                               |
| 294       | On a broken slab in the court-yard of the Sankarésvarasvamin temple at Rompl-cheyla.                    | i            | :  | <b>:</b>  | Do                        | by the obief, Mahāmaņdalēšeara Mallayadēva-Mahāraja. The heginning of the inscription is lost. Begisters a gift of land to the god [Sam]kharēsvaradēva at Rompi[eherla] which had been given as a nāyainkartik by Salina Timmarusayyangāru, to a osrtain  |
| <b>64</b> | On a slab set up at the entrance of the same temple.  | :            | :  | Lost  | :<br>::                   | Ä   |
| 99<br>68  | On a second slab in the same place  | <u>:</u>     | :  | Saka 1479,<br>Pingala,<br>Magha, ba. 14,<br>Monday,<br>Mahasivaratri. |                           | it with some utensits used in worship, one of which being a (metallic) mirror weighing 8 palame. The donor's grandfather Fedda-Malle-Na[ya"]ka is also stated to have built the temple of Mallikarjums evidently at the same village. Gift of land to the temple of Sunkaralings by an agent of the Mahamandaleisears Komara Kondraliays. |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

|  | Mo.            | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and alphabet.   | Bemarks.   |
|--|----------------|--|----------|--|---|--------------------------|--|
| On a second piller in the same temple Kakattys Michamorgialiseurs Praisparudindova-Maha Saka 1242, Telugu Strategiesus Sata 1187, Phila. Saradia, Sata 1187, Phila. Sata Phila.             | 297            |  | :        | :  | <u> </u>  | Sanskrit<br>(in Telugu). | Much damaged. Refers to the consecration of the femple of (10):8la at Rombiderla by a member of  |
| On the broken Caruda-pillar of the same Kota Britma, hashand of Somainhaor Somaiadavi Saka 1187, Phal. Sanakrit and graps.  On the same pillar   | 298            | On a second pillar in the same temple                        |          | Mahamangalösvara Prataparudradeva-Maha-<br>raja. | 1242,<br>dri,<br>ana,                           | `<br>)                   | the Vadlamadifamily.  Begiebers that Kondapeddi-Marnoningaru, the controller of the palace [F], granded lands at Kompolohera and Gudinadu to the former.   |
| On the same pillar   | 6              |  |          |  | Suddha 1,<br>Monday.                            |                          | Ananta-Göpinathadeva of Rompioherla, for the merit of the king.  |
| On the same pillar   | 39<br>29<br>27 |  | :        | Bhima, husband of Somamba or Somaladevi.         | Saka 1187, Phal.<br>gupa, śu. 6,<br>[Thursday]. |                          | Beginning lest and much damaged. Registers the genealogy of a Brahnan family of ministers who served under the Kota kings of Dhanyakataka. Vallabha, the minister of Kota-Bhima established at Rompioberryu (Phikkatakanura) the temple of   |
| On a stone near the compound wall of the same temple.  On a stone near the compound wall of the same village.  On a stone near the culvert to the east of the same village.  On a slab set up on the bund of the Reddlecheruvu tank, in the same village.  On the monolithic description and the same village.  On the monolithic description and the same village.  On the monolithic description and page and p | <b>0</b> 0     | On the same pillar   | i        | :  | ÷   | Telugn                   | Ananta-Gopinatha in the name and for the merit of his deceased father Ananta. Giffs of lands, wells and tolls are also recorded. The first few lines state that the gifts were made for the victorious rule of Wallaya-Nayaka, son of Jayapa-Nayudu. Registers a gift of land made by a certain Vallabha-Preggada, in favour of Lakshmanadasn, the manager (wirkarya) of the temple of Ananta-Gopinatha. |
| On a stone lying on the road-side in the same village.  On a stone near the culvert to the east of the same village.  On a stab set up on the bund of the Reddiacheravu tank, in the same village.  On a pillar in the Sometaravamin temple  On a pillar in the Sometaravamin temple  On a pillar in the same village.  On a stab set up on the bund of the Reddiacheravu tank, in the same village.  Afgianeya temple at Santagudipadu.   | 301            | On a stone near the compound wall of the same temple.        | :        | : .  | :   | :                        | maintenance of lamps in the same temple. Mentions a certain Ramadasu, a disciple of the Srivainava teacher Nallandishakravarti.  This compound wall was the gift of Channaya, a servant of Veigula-Nāvudu.   |
| On a slah set up on the bund of the Reddlaoberuv tank, in the same village.  On the monolithic descinate and in the Somewars was in the Somewars willage.  On the monolithic descinate and in the Somewars was in the same village.  | 803            |  | :        |  | Śaka 1461, Vika-<br>rin, Chaitra, św.           |                          | Unfinished. Mentions certain $Rcdqis$ and the village [Rom]pieherla  |
| On a slah set up on the bund of the Reddlaoheravutank, in the same village.  On the monolithic devisate and the Sake 1649 Do Usedlaneya temple at Santagudipadu.  On a pillar in the Some evaras vamin temple in the same village.   | 303            | On a stone near the culvert to the east of the same village. | :        | :  | Lost. Utara-<br>yaņa-Samkranti,                 | :                        | Mutilated. The introductory passage is similar to what occurs in the records of the Kota chiefs. Mentions Gangapaddeva-Maharaja for whose merit  |
| On the monolithic devajustambha in the Ahjaneya temple at Santagudlpadu.  On a pillar in the Somestrasvamin temple in the same village.  | ×304           |  | :        | :  | Śaka 1746, Sva-<br>bhanu, Magha,                | :                        | a gift of land was made, evidently by his son, to the temple of Kesavadeva of Kondamutru. Unfinished. Refers to the tank at Rompioherla ori-finally constructed by the Raddis and to its wined.  |
| On a pillar in the Somedvarasvamin temple a plin, Magha, in the same village.  | 908            |  | :        | :  |   | :                        | condition.  Damaged. This pillar was made for the temple of Godilpadu by a certain merchant.   |
|  | 806            |  | :        | :  | Saka 1346, Krodhin, Magha,                      | Do                       | [Peda]-Venkataya.  Records that in this year a certain Tirumalu presented the stone [required for the making?] of three  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

|              |   |                          |   |  |                           | A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH |
|--------------|---|--------------------------|---|--|---------------------------|--|
| , Xo         | Place of inscription.   | Dynasty.                 | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Ветагка.   |
| 4807         | On another pillar in the same temple  | •                        |   | :  | Telugu                    | Gift of the pillar by Malana and Tirumalanata.   |
| 308          | On a slab set up in a field to the west of Santamagaluru.   | Kakatiya                 | Mahānaņģalēšvara Pratāparudiadova-Nahā-<br>rāja.                        | Kehaya (= Śaka<br>1248), solar<br>eclipse.                         | Бо                        | Damaged. Beems to record a gift of land to the temple of Gopinathadeva at the village whose name cannot be read with certainty on the stone. The donor was Kolani Budradeva, the mahāpradhāni  |
| 808          | On a slab lying in a field to the east of the same village.   |                          | :   | Saka 1187, Krodhana, Kartika, bahula<br>Puñohadasi (15),<br>Monday | Do. :                     | <u>5</u>   |
| '810<br>/811 | On a slab lying in another field to the east of the same village. On a stone lying in a field at Kamepalli. | Kakatiya<br>Telugu-Choda | Mahamandalesvaru Pra[taparudrade]va-<br>Maharaja.<br>Kamachoda-Maharaja | Lost   | Do                        | M M  |
| /812         | On the Garude-stambha in the Hanoman temple at Kakani.  | Kakatiya                 | Gapapati  | Saka 1168 (expressed by a chronogram), Vaisakha.                   | Sanskrit and<br>Telagu.   | Rétallys of Ramepalli.  Danaged Records that a certain Ramarya also calles Rama-Peddi, set up an image of Késava atithe Brahman village called Kakanda. Several gifts made to the temple are recorded; one of these, was for the merit of Changel maldet. Another was the rift of changel maldet.  |
| 818          | On a stone set up near the Gangadevi-<br>image at Vuppalapadu.  | :                        | •   |  | Telugu                    | - 5  |
| 814          | On a slab set up near the Hanuman temple at Minnakallu.   | Vijayanagara             | Virapratapa Vira-Sadasivadeva-Maharaya,<br>ruling at Vijayanagara.      | Saka 1468, Para-<br>bhava, Jyesh-<br>tha, su. [15],                | Do                        | 3  |
| /316         | On a slab set up in a street, in the same village.  | [Feluga-Chôda]           | Mahāmaņdalēsvara Kanbaradeva  | Monday.  | Do                        | Ö  |
| /816         | a-pillar set up in front of the<br>166kharaevamin temple at Tan-<br>111e.                                   | Telugu-Shoda             | Mahāmaņāajāsvara Kannaradeva-Choda, son<br>of Kama-Choda.               | Saka 1037, Juya,<br>Chaitra, solar<br>eclipse.                     | Sanskrit and<br>Telugu.   | _ <del>_</del>   |
|              | •   |                          |   |  |                           | brother of Kannaradeva, gave to that temple the village Bidopalli close to Koppara (i.e. Koppara mannioned above). A certain Rudraya-Nayaka, son of Gunasagara and the sindrai of Proflab is stated to have confirmed the grant of this village and to   |
|              |   |                          |   |  |                           | have established in the same temple a certain Kamaya-Pandita who was well versed in the Saiva-gama.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915--cont.

治學 江北 以軍職部 通過

| .vo.             | tlao+ of inscription.  | Dynasty.       | King.   | Date.  | Language and | Remarks.   |
|------------------|--|----------------|---|--|--------------|--|
| .317             | On a slab lying in front of the same temple.   | :              | : .   | Śaka 1360, Kala-   | relugu       | Dannuged. Seems to register the gift of a Nandi gard   |
| <b>318</b>       | On the top tier of basement, of the south wall of the Sambhusvamin temple at Edavalli. | Velanaņdu      | Mahdmangalösvara Kuldttunga-Chōda Goh-<br>karāja. | yukta, Magna,<br>Śaka 107[9],<br>Uttanayanu-<br>Sankranti.                 | Do           | the grant of a land for (the worship of) this Nandi-<br>kesia. Registers the construction of the temple of Sva[ya*]m-<br>dana-Bahms var at Edavalli, by a certain Bhan-<br>dana-Bhims Privetti   |
| 818              | On another tier of the same basement   | :              | :   | :  | Do.          | for a lamp, to the same temple.  Built in at the right end. Gift of land to the temple of Svayambhudeva by a certain Vankawais. France   |
| 320              | On a pillar in the Kalyana- <i>mandapa</i> of the same temple.                         | <b>:</b>       | :   | Śaka 1[1]79,<br>Durnati  | Do           | rajn, for the merit of the Mahamandaliseura Kota-Ketaraja.  Records the building of the Mukha-mandapa of the Syayan-thudova temple by Trimmalada.  |
| 321              | On a stone lying near the Kodandarama-<br>svāmin temple in the same villago            | <b>:</b>       | :   | (Wrong), Dang-<br>rapada, buhuja<br>2, Sunday.                             | Do           | agia for the agerit of his father the Mahaman-<br>lescent Vedugrinalis and a grant of land for main-<br>tenance, to the four musons who built the mandapa.<br>Fragment. Beginning lost. Mentions grants of<br>land made by private persons for the neef of Gana. |
| 822              | On a stone lying behind the same temple  | :<br>:         | :   | Saka 1343, Plava,  | Do           | Promova-Manaraja.<br>Damaged, Begisters that   |
| 1,223            | On a elab set up in front of the same temple.  | :              | :   | Vaisakha, św.<br>10, Thursday.<br>Śaka 1813, Khara,<br>Vesha. Chaitra      | i            | well and a flower-garden for the benefit of the goldens) Madhavidevimnangarn. Consecration of the new Vishin tomple of Kodandar.   |
|                  |  |                |   | sukla 7, Wed.<br>nesday, Punar-<br>yasu, Mithuna.                          |              | ramasyadni, by a merchant,   |
| +35 <del>+</del> | On the Garuda-stambha of the Venugopa-<br>lasvamin temple at Uppumaguluru.             | Telugu-Chóda . | Hahāmundalēseara Balli-Chōḍaraja                  | lagna = A.D.<br>1891 April 15.<br>Saka 1133,<br>Magha, su. 7,              | Do           | Broken at the bottom. Gift of land.  |
| 325              | In the same place  | :              | ·<br>:  | Andready.<br>Ashadha, ba. 11.<br>Thursday.                                 | Do           | Records, that Bolneningaru aluas Gopalavardhana returned from a viotorius campaign against the Pandya and granted evidently some land for worship, to the teamle, of chiefers  |
| 326              | On a pillar in the Kalyana-mandapa of the Kodandaramassamin temple at Kopparam.        |                | <u>:</u>  | Saka<br>Rudbirodgarın,<br>Chaitra, <i>la</i> , 3,<br>Mesha-Sank-<br>rānti, | Do.          | Registers the gift of voluntary contributions by the Konstinuction voluntary contributions by the potentials of Koppan, for the upke, pof westing in the Varade-Gophanta temple at the Village. The gift was made for the marit of the December.                 |
|                  |  |                |   |  |              | Rudradevn-Maharaja and his officers (18mku).   |

99, Home (Mis.)-8

B.—Stone inscriptions copied in 1915-cont.

| 1        | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.                                      | Date.  | Language and<br>alphabet. | lemarks.  |
|----------|---|--------------|--|--|---------------------------|---|
| O        | On the Naga-pillar set up in front of the Telugu-Choda same temple.   | Telugu-Choda | Mahāmaṇḍalēsbəra Kannaradbya. Դիծվա        | Saka 1037, Jaya, Saka Chaitra, solar eclipee.                              | Sanskrit (in<br>Telugu).  | Registers that Mare, som of ferura. Nayaka the here-ditary minister of the king, constructed two big tanks, built a temple for Somesara and a pond at Koppara-grama. The king visited the god Somesaran grama; so also prince Choda-Balli, the younger protein of the king, gave Bidopalli near Koppara. The grants were confirmed by the Madamadalstera Richard and Additivation, a subordinate of Vishquyardhana, eard Kadiyarah, a subordinate of Vishquyardhana, a the remest of Mare. The Kalamukha ascetic  |
| On<br>\$ | On a stone set up in front of the same<br>temple.   | <u> </u>     |  | Saka 1474, Paridaspi, Kartii-<br>ka, su. 11,<br>Thursday.                  | 'l'elugu                  | Mallikarjuma of Palaru was placed in charge of the Someévara temple. On another face of the same pillar are recorded gifts of lamps evidently to the same temple and of sheep required to maintain those lumps.  Records that the 18 custes (varius) of Koppara agreed to give to the Raghupati temple at that village, the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in one day in the grain consumed by each family in order to conduct the Datami- |
| O        | On a pillar in the Kalyana-mandapa of the Tripurantakesvara temple in the same village.   | Kakatiya     | <br>Mahamaṇḍalēsvara Gaṇapatideva-Maharaja | Paridhavin, Kartifika, suddha 1,<br>Monday.<br>Saku 1146, Uttarayana-Sank- | Do. :                     | 트 3   |
| ő        | Virabhadrasvamin temple, in the same village. On a slab lying in the same place   | Do           |  | fanti.<br>Śaka 1140, Utta-<br>rayana Sank-<br>ranti.<br>Śaka 10[6]0,       |                           | the Tantapala of the king.  The Tantapala of the king.  Registers another private gift of lands made by the same four sons of Prola-Rauta the Tantapala of the same four sons of Prola-Rauta the Tantapala of the king.  Damagud. Gift of land for offerings [to a temple].   |
| d o      | On a Naga-pillar set up in a grove at Lingamgunta. On a broken Nandi-pillar set up in front of the Ramalingasvamin temple at Ravipadu | Kakatiya     | . Kahámaṇḍaldévara Radradeva-Mahārāja.     | P - T - 8-E  | Do                        | by Kasi-Nayaku of Lingamuviqui for the inertic of Velanativi Godrandia.  Registers that for the merit of the king Budradeva Samanta Poti-Nayundu constructed the temple of Surcevera in the name of his tather at Raytu and built the rikain shrines and mandana.  Raytu and built the rikain shrines and mandana.  |
| ă        | On the Hanuman slab at Vipparia   | :            | :  | :  | Do                        | in a village in Anumakondi-nadu. A garden with various fruit trees and flower-plants was also presented. The inscribed pillar was set up at the instance of Potraya and Marrya the sone of Potrion and warrya the sone of Potrion and who receive a long list of birudas.  Beginning is lost or buried in the paved floor. Registers a gift of land to Chennakeskavadeva of Nadindla.   |

B.-Stone inscriptions copied in 1915-cont.

ことは情報を放射を持ちてはないのでは、一般には他のではない。

- 18gm

生成から こうし つめがりつきれてからいない

| Remarks.               | utly damaged. Wentions a gift by Salva-Timmarusayyingeru. Registers exomptions granted on the properties of temples and of Brahmanas who did service in them. The daily expenses for offerings incurred in the Kapoteserar temple are also recorded. | ightly damaged. Mentions the two chief ministers of the king, viz., Saluva-Timmarusuyya and Rayasan. Koqamarusayya. Ihe litter granied exemptions in the villagus Chēñjerla, Biţţalapura and Kapōtapura for the worship of Kapōtesara and constructed two [tanks?] mamed Timmasamudra and Kondasamudra respectively after his father and himself. | Registers that Jupalli Lingamanayaningaru confirmed the lands and the privileges enjoyed by the temple and its servants, after acquiring Chéruñjerla as has jóra.   | A certain Akkana granted a parasol, chauris and a banner (diecottam) to the temple of Tripurantaka at hagirakallu, for the merit of his falber. He | also set up the bull (Nandiseura).<br>Ihis pillar (garadagandhama) was set up for the<br>merit of his parcuts, by a certain Somana. | Records that at the request of Gopalayya of Pañchajipura, the king Budula, gave 50 fulfis of land to the temple of Santa-Narasinhadova at Nagarakallu, Singaribhu increased the grant to 100 and now the whole village Narasinhyapura onjoyed by the temple, is due to the meritorious act of king Ana-Verna.  | Registers the re-end-wment of the village of Nara-<br>timhyapura in Bellankonda-sima, which had been<br>lost during the past changes in rule (rigandaurum),<br>to the temple of Lakshini-Nrishina, by the<br>Mahamanduleseura Jillella Vengalaryadova-Alahā-<br>raja. It is stated that an able minister of tha king |
|------------------------|--|---|---|--|---|--|--|
| Language and alphabet. | Telugu Partly damaged. may may sing an on the propertie did service in the ings incurred i recorded.   | Do Slightly damaged. of the king, viz., san Kondamarustions in the villa Kapotapura for to constructed two and Kondasamud and himself.  | Dq Registers the second control of th | Do A certain A banner (a st ? ugire  | Do   Ilis pillar   merit of t   | Sanskrit and Records tha pura, the templ Singavibi whole, view to the part of the part of the part of the property of the part of the property | Registers the timby and lost during to the timbaran rajar.   |
| Date.                  | Saka 1440, fsva-<br>ra, Jysshtha,<br>ba. [30], (Fri-<br>day),<br>eolipse.  | Saka 1440, Isva-<br>ra, Magha, [ba].<br>14, Monday.   | Śaka 1 <b>6</b> 51, Śukla<br>Śravaņa, św.<br>16, Friday.  | Sarvajit, Āsha.<br>dha, ba. 2.   | Vis-<br>Vai-<br>hula,<br>(10),  | Saka 1254 Sika Saka 1254 Sika (in words), Srimukha, Srimukha, Sita (i.e., bright) paichemi, Sunday.  | Śaka 1476, Franadioha (i.e., Pra-madin), Magha, sadaha 7, Ratha-saptami.   |
| King.                  | Virapratapa Krishnadêvaraya-Msharaya   | Virspratapa Krishpadéva-Maharaya  | :   | :  | :   | ÷  | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya, ruling<br>at Vijayanagara.  |
| Dynasty.               | Vijayanagara .   | 00  | :   | :  | :   | ÷  | Vijayanagara   |
| Place of inscription.  | On a slab set up near a <i>mandapu</i> in the<br>Kapotesvara temple at Chejarla  | On a Nandi-pillar set up near the divaja-<br>stambla of the same temple.  | On a slab set up in front of the Mar-<br>kandeya shrine in the same temple  | On a pillar set up in front of the Tripurfanta kasvamin temple at Nekarikallu.   | On a pillar set up in front of the Nrisimhasvamin temple in the same village.   | On a slab set up in the same place   | On another slab set up in the same place.  |
|                        | 8885   | 338   | 337   | 838  | 388   | 840  | 14.8   |

| 1915—cont. |
|------------|
| ij.        |
| oopied     |
| iptions    |
| inscr      |
| -Stone     |
| 20         |

| Page of interplain.   Pyrady.   Elagachia.   Pyrady.     | •            |   |          |        |  |                           |   |
|--|--------------|---|----------|--------|--|---------------------------|---|
| On a sink set up mear the Poleri image in the same wilege.  On a same set up in front of the Rama.  On the bugs Nanitigilar set up in front of the Rama.  On the bugs Nanitigilar set up in front of the Rama.  Challagundla.  On the bugs Nanitigilar set up in front of the Rama.  Challagundla.  On the bugs Nanitigilar set up in front of the Rama.  Challagundla.  On the bugs Nanitigilar set up in front of the Rama.  Challagundla.  On the bugs Nanitigilar set up in front of the Nune set up in front of the N | No.          | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | itemurks.   |
| On a sinb set up in front of the Rama.  On the huge Nandi-pillar set up in front of the Children the same village.  On the huge Nandi-pillar set up in front of the Naniharayan temple at Rupena and provided the same lines are the small tank at Chindsharayan temple at Rupena and the Chindsharayan and the Chind | 34.2         | On a slab set up near the Poleri image in the same village.   | :        | :      | 1017,<br>ttri, Phal-<br>a, behula,<br>chamā (5). | Telugu                    | Much damaged. The titles of the king at the beginning of the inscription refer to him as born of the Mahar attal lamily and us the lord of Kalukaquura. Mentions his feudatory, a certain Kalikala-Chôdaganda and a gruit of land made by him to the godfess [Nurl]khanaman probably Poler, near wnose shrine the inscription on the slab, which is, however, completely damaged. It also mentions Kalikala-Chôdaganda and his minister mentions Kalikala-Chôdaganda and his minister |
| On the huge Nandi-pillar set up in front of the Majlikarjunasvamin temple at Challagundla.  On a broken stone lying near the Virababla.  Chinalagundla.  On a broken stone lying near the Virababla.  Chinalamarri.  On the Garada-pillar lying in front of the Valuablaryassamin temple at Mulaka.  Pamidipadu-Agrahanam.  On setone built into the narth wall of the Malaka.  On a stone built into the narth wall of the Malaka.  On a stone built into the narth wall of the Garada-pillar lying in the treehold of the Garada-pillar lying in the Ramailingassa.  Intu Majlostarasvamin temple at Mulaka.  On a stone built into the Ramailingassa.  Intu Majlostarasvamin temple at Mulaka.  On a stone built into the Ramailingassa.  Intu Majlostarasvamin temple at Mulaka.  On a stone built into the Ramailingassa.  Saka 1082, Do  | <b>,3</b> 43 |   | <u>:</u> | :      | i 4<br>rama,<br>gba, g                           | ъо                        | Chotappe-Seven. Registers that the temple of Mallesvara and Bhramarian bindika were established at Nakerakallu by a certain Kondalrayaningaru.  |
| On a broken atone lying near the Virabhadravemin temple at Rupena.  On a slab lying near the small tank at Chimalamarri.  On the Garuda-pillar lying in front of the Yallabharsyswamin temple at Pamidipadu-Agraharam.  On a stone built into the north wall of the Mallogvarasvamin temple at Mulaka.  On a stone built into the north wall of the Mallogvarasvamin temple at Mulaka.  On a stone built into the north wall of the Mallogvarasvamin temple at Mulaka.  On a stone built into the north wall of the Manalingasramin temple at Satuluru.  On a stone forming the threshold of the manalingasramin temple at Satuluru.   | 344          | On the huge Nandi-pillar set up in front of the Mullikarjunasvamin temple at Challagundla.                | i        | ·<br>: | adha<br>guni<br>ha<br>day,<br>habh               | :                         | Registers the repairs, etc., made to the temple of Kamalmgesvarasvamin at Challagundla in Bellankonda-vina, by the merchant Pasumarti Papays.   |
| On the Garuda-pillar lying near the small tank at Chimalamarri.  On the Garuda-pillar lying in front of the Valabharayusramin temple at Pamidipadu-Agraharam.  On a stone built into the n.rth wall of the Mallsgarasvamin temple at Mulaka.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.  On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasra.   | 846          | On a broken stone lying near the Vira-<br>bhadravamin temple at Rupena-<br>gundla-                        | :        | :      | i  | Do.*                      | Broken at the top. (Frant of land for the repair (maradāmattu) of the tank east of Ropenugundla.  |
| On the Garuda-pillar lying in front of the  Vallabharayasavamin temple at  Pamidipadu-Agraharam.  Pamidipadu-Agraharam.  On a stone built into the nrth wall of the Mallasavasavamin temple at Mulaka- luru.  On a stone built into the nrth wall of the Mallasavasavamin temple at Mulaka- luru.  On a stone built into the nrth wall of the Mallasavasavamin temple at Mulaka- luru.  On a stone built into the nrth wall of the Mallasavasavamin temple at Mulaka- luru.  On a stone built into the nrth wall of the Mallasavasavamin temple at Mulaka- luru.  On a stone built into the nrth wall of the min temple at Satuluru.  Saka 1082, Do Gi   | ,840         | On a slab lying near the small tank at Chimalamarri.  | :        | :      | hirodg<br>1a, św.                                | :                         | Mentions the Muharmadan<br>taji Mahamandu-khan Sahelu<br>bim for having constructed a<br>ri in Bellankonda-stma.  |
| On a stone built into the north wall of the Mulaka- Malledvarasvamin temple at Mulaka- luru.  On a stone built into the north wall of the Go[taka].  Go[taka].  Go[taka].  Go[taka].  Go[taka].  On a stone built into the north wall of the inner entrance into the Ramalingasva- min temple at Satuluru.   | 7847         | On the Garuda-pillar lying in front of the<br>Vallabharayusvamin temple at<br>Pamidipadu-Agraharam.       | :        | :<br>• | hthu,<br>Ia ő.                                   |                           | Gives an account of a Brahman family in which was born an aetremomer named Kandana or Gandiraju. He established a temple for Channskésavadéva at Pahindipadu and gave land for worship and laupe, for the merit of the kings Goirka and Rajandra-Chada. The latter also gravited the tolls of the child and the texton marriages.   |
| On a stone forming the threshold of the inner entrance into the Ramalingasva- min temple at Satulutu.  |              | On a stone built into the north wall of the Mallosvarasvamin temple at Mulaka-                            |          |        | :  |                           | Paringulation and the teacher benefit of the temple. Seems to record a gift of sheep for a lamp by a Reddi.   |
|  |              | luru. On a scone forming the threshold of the inner entrance into the Ramslingassamin temple at Satuluru. | :        |        | araya<br>krant                                   | :                         | Gift of £5 sheep for a lamp by a lady, to the temple of Rāmisvar.dova at Chañohalura.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.         | Place of inscription.  On the Nandi-pillar in front of the same temple. | Dynasty.      | King.<br>Vahāmaņģalēšvara Kulōttunga-Choga-<br>Goūkarāja. |  | Language salpnabet<br>alpnabet<br>Sanskrit<br>Telugu. | and Gifts of land and lamps to the temple of Ramesvarudents.  |
|-------------|---|---------------|---|--|---|---|
|             | On a stab set up near a well in the same village.                       | :             | :   | nava,<br>ha,<br>day.   | Ę-  | Becords the digging of the stone well and the planting of a garden.   |
| 853         | On a Nacsnillar lvine hefora a deserted                                 |               |   | tri,<br>idha,<br>rday  |   | 0   |
|             |   | e januaguta . | v 11 apracapa refishqausera-nanaraja                      | trabhi<br>śakba<br>Ionda   | :<br>•  | Incomplete. Gift of land for lamps and offerings to the temple of Purushoftnmadeva at Kundogru in Vinikonda atma, by Sarvayadeva-Chédamaharaja, son of the Mandalësvara Alamandala Yagasyadeva-Chédamaharaja who bore the 'litle Tribhuvanderudda vennu-sambeta. Salva-Timmarasaya the princministed (Mahāpradhām of the hing is also mantioned |
| £00         | On a size sec up in a neid in the same vilage.                          | :             | · :   | rabhi<br>akha<br>day,  | Do  | Gift of land by the same chief to a certain Somalingam Doddamallayya of Kunundunu.  |
|             | on a varoda-pinar 19118 in a channel at Elchuru.                        | :             | :   | Saka 1467,<br>Manmatha,<br>Bhādrapada, śu.<br>15 Full-moon.                          | Sanskrit<br>Telugu.                                   | and Registers that a certain Vobulayvangaru made a gift of all his possessions to the god Tinuvengalappa and built a tank called Venkatanatha at Brohuru in Vinikuda-sina.  |
| , 356<br>1  | On a slab set up in a field at Kopperg.                                 | :             | :<br>:  | Saka 1446, [Parthi] [va*], Magha, ba. 5, Saturday.                                   | Telugu  | Records the setting up of an image of Hanuman by a oertain Peddanāyaņdu of Tummala.   |
|             |   | :             | ::  | Saka 1142,<br>Vikrama,<br>Pushya.  | .:  | gift (?) for the merit of her parents.  |
| 808         | On a stone built in the same temple.                                    | :             | :   | :  | Do  | Built in at the bottom. Begins with a prusust of the [Kôta] chicfs of Dhanyakataka, who were the enemies of the samuntas of the Chôda-Chalukya  |
| a<br>e<br>e | On a sisb set up near the tank at Muktesvaram.                          | :             | :   | Saka 1601,<br>Kalayukta,<br>Vaisakha,<br>śulaldha, l'ull-<br>moon, lunar<br>eolipse. |   | Registers that at Muktosvaram the mokhāsa village of . Ajam Bahilu Ahammadu Alam-khān, the sluice of the tank was built by an agent of Tejukhān for the merit of the Hazaret.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

|                    |   |                | ~  |  |                          |  |
|--------------------|---|----------------|--|--|--------------------------|--|
| No.                | Place of unscription.   | Dynasty.       | Kin <sub>K</sub> .   | Date.  | Language and alphabet.   | Remarks.   |
| 360                | On a stone set up near the Kamasvamin<br>temple in the same village.                    |                |  |  |                          | Consists of a single line with symbols of sun and  |
| /361               | On a piece of a broken pillar lying near a Komati-merchant's house in the same village. |                | :  | Śaka 1031  | Sanskrit (in<br>Teluga). | moon carved below and states: "this is the manya-land of Teju-khan's massidu (masjid)," The kings name is lost. Kefors to Viaddanpura  |
| 362                | On a stone lying in a field at Chennu-palli-Agraharam.                                  | :              | :  | arthin, su.  | Telugu                   | Records that this is "the manya-land given by Ballula-Khan to the messal (money).  |
| 363                | On the Nandi-pillar set up in front of the Parasavedisvara temple in the same village.  | e Peragu-Choda | Nanni-Chods, son of the Mahāmaṇḍalēśṣṣara<br>Uribhuvananalladeva-Chods-Uaharaja. | <u> </u>   |                          | Records gifts of land to the temple of Somisvaradeva (evidently the one mentioned in the next inserption) by the king, for the merit of his mother   |
|                    | On the same pillar  | Do             | Mahāmandalēsvara Tribhuvanamalladēva<br>Pottepiehoda-Mahāraja,                   | Śaka 1073,<br>Viehuva-Eań-<br>krânti.                            | Do. ( Mar.).             | engulatater, by his brother Kannaradeva and by some merchants. Also registers service-grants made to the servants of the same temple.  The merchant (raisyu) Kosanava-Setti, son of Vasaya-Setti of the Kubëra family at Penagonia, constructed a tank on the western side of Kotyadona and at the further end of the tank-bund built, the famile of |
|                    | On a slab set up near the same temple   | Do             | Маћајтан фајејвата Канпагадвун-Сћода-  | Śaka 10[9]8,<br>Durmsti (mis-<br>take for Dur-<br>matha)         | Do                       | Somisvaradeva and consecrated it. He presented the tank and a village to the temple, for maintaining the usual services. Gift of land and tolls to the Kommisvara temple at Katépalli by a certain Suraparaju.   |
| )                  | On a pillar lying in the fank at iPeda-<br>Ambatipudi, hamlet of Guntupalli.            | :              | :  | Kartika, suk-<br>la 2, Sunday.<br>Saka 1227,<br>Krodhin, Palhula | Do                       | Registers gifts of land in various villages to the femple of Lakshmi-Gopinaths, at Ammalapundi,  |
| 0                  | On the same pillar  | Kakatiya       | . Mahamangulēsvara Rudraddva-Maharaja . 1  | 14, Saturday.<br>Saka 1208,<br>Parthiva,<br>Vishuyu-Sani-        | Do                       | by Loekralu, a servant of italyalghadapu Sripurushadevaraju.  Gift of land for the worship of Lakshmi-Göpinatha at Ammelapundi, for the merit of the king, of Chagiraja and of Lakmadevi.  |
|                    | Do  | :              | :  |  | Do                       | Registors that a certain Tipparaju of Katepalli repaired and reconsecrated the temple of Ganinatha   |
| o<br>T             | n the top beam of the entrence into   | :              | :  | Thursday.  | Do. :                    | at Amalampundi.<br>Seems to registers gift of lamma and monon ha   |
| ~ <sub>+</sub> 0 ) |   | [Telugu-Choda  | Mahāmaņļalēseura Chodamaharāja   | :  | Do G                     | private individuals to the temple of Sakalitevara-B[h]atara at Yeruvuru. Gift 'f goats for a lamp by the queen (f, Bolla[ma], 'c the temple of Samkbara-Mahadeva.  |
|                    |   | Į.             |  |  |                          |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915-cont.

| No.   Place of inscription.   Hymathy.   King.   Marks   Mar   |      |  |               |       |   |                        |   |
|--|------|--|---------------|-------|---|------------------------|---|
| same fumple.  Sink 187[6], Teluga  Sink 187[6], Teluga  State the same place  On another pillar in the same  Aliandvarvanian temple in the same village.  State and the same village.  State and the same village.  State and the same village.  Characteristic in the same village at [Velantadul] Machanian temple at [Velantadul] (Condensation temple at [Vela   | No.  |  | Dynasty.      | King. | Date.                                     | Language and alphabet. | Вепагка.  |
| Signal   1874   Do   | 371  | On a pillar in the Mukha-mandapa of the same temple.                 | <u>.</u><br>: | :     | nukh<br>ana                               |                        | 5   |
| 273 On the same pillar   ying in front of the same   Saka   1374,   Do   10  | 372  |  | :             | :     |   | :                      | Clift of land to the same temple by Vatisishtu-Gurudasu, for the merit of his parents.  |
| 774 On a slab set up at the foot of the ascent the same village.  The same village.  The same village.  The same village.  The same pillar lying in front of the comple on the complete at Chemnes stone pillar lying in front of the chemnes same village.  The sam | 373  | On a slab set up in front of Añjanêyasvamin temple in the s village. | :             | :     | jirasa,<br>lha, st<br>iday.               |                        | Records that Mudiveraula China-Tippa-Reddi exempted the taxes on stetriyam lands, marriages, etc. in Kottedona and other villages of Vinikondastma, which belonged to him.  |
| 776 On we stone lying near the Madigapalle Mahadha, Prabhava, top of the hill in the same village.  777 On a stone near the Kivat temple on the cop of the hill in the same village.  778 On a broken pillar lying in front of the Chanapdul Utharayuna and Chanakesevasvamin temple at Kolalapudi.  779 On the same pillar lying in front of the chanapdul Utharayuna and Chanakesevasvamin temple at Kolalapudi.  780 On the same pillar   | 374  |  | :             | :     | врнва,<br>в, ś <i>w.</i><br>day.          |                        | Registers that Bhandaru Gunguna a deputy of Sangannodeya issued a charter for markets (santa-säsana) and granted some rent-free land.   |
| 276 On the same pillar to the same the five temple on the cop of the hill in the same village.  Zonnatali.  Zonnatali.  Zonnatali.  Zonnatali.  Kolalapudi.  Kolapudi.  Kolalapudi.  Kolalapudi.  Kolalapudi.  Kolalapudi.  Kolapudi.  Kolapudi      | 376  | On a stone lying near the (quarter) in the same villag               | :             | ÷     | te di                                     | :                      | Much damaged. Registers that certain temple priests (\( \text{Ty}(a \)) of Ketyadena gave some land to certain other priests.   |
| 20nnatall.  Zonnatall.  Zonnatall.  Zonnatall.  Zonnatall.  Zonnatall.  Sankranti.  Bankranti.  Saka 1188, Do M.  Frabhava.  Kolalapudi.  Kola       | .376 |  | :             | ::    |   | :                      | Records that a certain Gundapaneni Prolinendu, constructed the temple (nagaru) of Papavināsadeva.   |
| On the same pillar   | 877  | <del></del>  | [Velanaņdu]   |       | Uttarayuna.<br>Sankranti.                 | :                      | Much demaged. Repleters the building of a tank by a Brahman and a gift of lamps by him to the temple of Tripurantake. The [1] 7th regnal year of a certain king is family visible in the 3rd line.  |
| On the same pillar   | 378  | <del></del>  | ;             | :     | bhava,<br>akha,<br><i>ha</i> 3,<br>reday. |                        | Rocken at the bottom. Registers that the temple of Komara-Gopinatha at Konalapundi in Kammanandu, was consecrated for the merit of Pandraju, Vallabharaju and others whose ancestors claim a long list of historically interesting birudus. They were of the Durjava race, lords of Kollipakapura and rulers of the Shajashhara country on the south side of the river Krishnavėni (i.e. Krishna). See Ephigraphia Indica, Volume VI, page 224. |
|  | 370  | On the same pillar   | :             |       | ha ya,<br>ha, śa<br>ay.                   |                        | Records that Singaraju of Kollapundi, built at that village for the ment of his parents insuvaraju. Mallamaraju and Gangamma, the central sbrine of the Adikésava temple and the connected pavilions, conscerated the godde-ses Bhu and Lakshmi, set up the Garuda-pillar and also constructed the Nilakanthésvara temple.  |

B.-Stone inscriptions copied in 1915-cont.

| mbi, ika, św. onday.  ika, św. onday.  Banya, bo  Do  107[7], Do  Byan-fat, bo  1316, bo  1417, Sra-fat, srw. likha, s               | su.   |
|--|---|
| Bahudhanya,   Do   Phalgpna, su.   Do   Phalgpna, su.   Do   Phalgpna, su.   Do   | time the three Virapurantakas, Kotavirayya and two others with the consent of the assembly two others with the consent. |
| Phalgupa, su.  Velananda  Wahamandalēsvara Kulottunga-Choda-Go-Šaka 107[7], Do.  Uttarāyana-Šaka 1316, Bhava, Jyg-shtha, ba. 7, Friday.  Vijayanagara Virapratāpa Mallikārjuna Saka 16, Sara 16, Sundaranda, su. 16, Sara 18(7), | Do B  |
| Velanandu Mahānandulēsvara Kulottunga-Choda-Go- Śaka 107[7], Do. Uttarayana- Śaka 1316, Bhava, Jye- Shaka 1316, Bhava, Jye- shiha, ba. 7, Friday.  Vijayanagara Virapratāpa Mallikārjuna Śaka 137 [6], Saka 137 [6], Śaka 137 [6], Śaka 1417, Śaka 16[3]3, Vi [krith, Śra- Io. Saka 1417, Śar- Io. Saka 1417, Śar- Io.  | iu. Do G  |
| Velanandu Mahamandulsivara Kulottunga-Choda-Go. Saka 107[7], Do. Uttarayaga-Takrānii. Saka 1316, Bahava, Jye-Shiha, ba. 7, Friday.  Vijayanagara Virapratapa Mallikarjuna Saka 137 [6], Saka 137 [6], Saka 16, Sun-Gay. Saka 16[3]3, Vi[krilb., Sra-Ib, Sun-Gay. Saka 16[3]3, Do Saka 16[3]3, Do Saka 16[3]3, Do Saka 16[3]3, Saka 1447, Sar-Saka 1447, Sar-                    | Do  |
| Saka   1316,   Do.   | Do  |
| Vijayanagara Virapratapa Mallikarjuna Struukka 137 [6], Do Srimukka, Bhadrapada, su. 15, Sun. day. Saka 16[3]3, Vi[kri]tt, Sra-[vana*], su. 1 [1]. Saka 1417, Sar- Do. Saka 1417, Sar- Do.   | 1316, Do Re Jye-ba. 7,  |
| Saka 16[3]3, Vi[kṛr]ti, Sra- [vaṇa*], św. 1 [1]: Saka 1447, Sar- yajit, Asha-  |   |
| [1].<br>Suka 14:7, Sar-<br>vajit, Asha-  |   |
| dha, [Sunda  |   |
| n a pillar of the Kalyana-inandapa in the Mulasthanesvara temple at Naden-the Mulasthanesvara temple at Naden-the Mulasthanesvara temple at Naden-the Sunday.  |   |

| 1915—cont.   |
|--------------|
| ä            |
| pied         |
| 8            |
| insoriptions |
| Stone        |
| æ            |

| Place of interchicles and a second plant   Dynach,   D   |                | :           |   |              |  |   |                        |  |
|--|----------------|-------------|---|--------------|--|---|------------------------|--|
| 90 On the same pillar  | ,              | No.         | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.  | Date.   | Language and alphabet. | Kemarke  |
| 331 On another pillar of the same manight Koth Koth Roth Ro   |                | 800         |   |              |  |   |                        |  |
| 39 On a soldine pullir of the same manietges. Kota.  30 On a soldine built into the platform of the publisher of the same built into the platform of the publisher of the same built into the platform of the publisher of the same built into the platform of the publisher of the same built into the platform of the publisher of the same built into the platform of the same built into the s | ~              | }           |   | :            | •  | r.  |                        |  |
| Tables France built into the platform of the same fumple.  182 On a scione built into the platform of the same fumple.  183 On a stone built into the platform of the same fumple.  184 On a stone brigging in front of the same fumple.  185 On a mutilated slub lying in a field in the same willaked slone in the same village.  186 On a mutilated slub lying in a field in the same village.  187 On a mutilated slub lying in a field in the same village.  188 On another matilated slone in the same village.  188 On another would she woul     | ***            | 391         | On another pillar of the same mandapa   |              | Mahāmaṇḍalēšvara Ingameohohuguṇḍa Gaṇa.<br>patidevatāju.         | rran<br>drap                                      | Sanskrit<br>Telaga.    | <u> </u>   |
| On a pillar set up in front of the Venne, Kondaraphalates, 10 and Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Condaraphalates, 10 and Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, a subor plants store bying in front of the National Colladaya, but the National Colladaya, but the same allows the National Colladaya, but the same plants such that the same of the National Colladaya, but the same plants such that the sa |                | 392         |   | :            | :  | :   |                        | <u>£</u>   |
| See on a pillar set up in front of the Venue. Koadapadmati in the same village.  Solutions that the same village.  Solutions that the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same side in the same village.  Solutions that the same village.  Solutions  |                | -           |   |              |  |   |                        | Somesvara-Mahadeva, for offerings; (2) the resolution of the Telika-thousand community the lords of Bejavada-regarding the jewellery of a deceased wife and (3) the gift by a merchant of 55 sheet for a larm to the control of the control of the control of the larm of the control of the contro |
| 1994 On a stone lying in front of the Nand:    Saka 1093, Vish Back temple in the same slab  |                | 863         | On a pillur set up in front of the Vemulumu temple in the same village.           | <u> </u>     | Nahāmaņdalēšvara Manma-Maṇda, a subordināte of Kulottunga-Chōda. | Saka 1061, Ās-<br>vija, dark half,<br>Indra's day | •                      | <del>.</del> 5   |
| System of the Nandi- Rutha-Vinayaka temple in the same village.  896 On a mutilated slab lying in a field in the same village.  897 On a mutilated slab (now used as a sarvey)  898 On another mutilated stone in the same  899 On another mutilated stone in the same  890 On another mutilated stone in the same  990 On another mutilated stone in the same  900 On another mutilat |                |             |   |              |  | Mo.   |                        | the distribution of land among numerous temple servants consisting of Sanulu, manulu and vidye mantily.  |
| 896 On a mutilated slub lying in a field in the same slab  |                | 394         | On a stone lying in front of the Nandi-kutta-Vinayaka temple in the same village. | Do.          | Mahāmaṇḍalēsvaru Buddharaju                                      |   | Teluga                 | F and 2<br>Gift<br>ja, son   |
| See On the same slab [Chalukya]-Vik- Telugu Mahamanjalötvara Budharaja Sahkranti. stone) in a field in the same village.  Son another mutilated stone in the same Do. Mahamanjalötvara Manna-Mandayaraja, field.  Do Gi  |                | <b>8</b> 06 | On a mutilated slab lying in a field in the same village.                         | :            | ÷  | ha, 1<br>5th                                      | vē<br>O                |  |
| 997 On a mutilated slab (now used as a survey stone) in a field in the same village.  997 On a mutilated slab (now used as a survey stone) in a field in the same village.  998 On another mutilated stone in the same bordinate of Kulottunga-Chōda.  999 Mahamandalēteara Manma-Mandayaraja, Grigatura Bordinate of Kulottunga-Chōda.  997 On a mutilated stone in the same village.  998 Do Grigatura Bordinate of Kulottunga-Chōda.  | . <b>9</b> 9 M | 9           | :   |              |  |   |                        | Note that I will a temple for Vistorara at Natinglas. Another inscription in continuation of this is deted in Saka 105(0], Bhadrapada, suddha 12, Thursday and records a grift of sheep for a limm by  |
| 897 On a mutilated slab (now used as a survey stone) in a field in the same village.  Same village.  Do Sankranti.  Mahdmandalöseara Budharaja Uttarayana-San- kranti.  Bo Ga kranti.  | lis.—1         | 988         | On the same slab  | :            |  |   |                        | the same Kami-setti. Much mutilated. Refers to the dandandycka Anantanala and evitte Release to the dandandycka Anan-  |
| On enother mutilated stone in the same Do. Mahāmandalīteara Manma-Mandayarāja, Do Grandalated.   | 0              | 268         |   | Koņdapadmaţi | :  | Sankranti.<br>Uttarayana-San-<br>kranti.          | :                      | Gift of land west of Nadindla for maintaining a feeding-house in which 15 Brahmanas were to be   |
|  | ۱ (            |             | On another mutilated stone in the same field.                                     | Do.          | seara<br>of Kulo   | :   | :                      | red every day.  Giff of land for offerings to the temple of Sakulisvara, conscorated on the hill in the tank Aluxu-cheruru, on the south-west of Nadingla.   |

B.-Stone inscriptions copied in 1915-- cont.

| No.           | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.   |
|---------------|---|--------------|---|---|------------------------|--|
| 658/          | _  5  | :            |   | Saka 139[9],<br>[Vi]lambi, Pu-<br>shya, ba. 1,                            | Telugu                 | Much damaged. Mentions Kessnipalle.  |
| 400           | palli. On a stone lying in a field in the same vilage.                            | :<br>:       | :   | Friday.<br>Saka 1551, Vik-<br>arin (wrong)<br>Visakha, su.                | Do. ::                 | Damaged, Mentions [Ya]llareddi, son of Mallarcddi.   |
| √ <u>4</u> 01 | On two etones built into the Poturaju shrine at Kanuparru.                        | :            | . :   | 7, Wednesday.<br>Saka 1189, Vai-<br>6akha, Suddha<br>13, Vadda            | Do                     | Gift of tolls by Maramaraju, Prolamaraju, [Jamu] Darapa-Nayudu and Marineudu to the temple of Gopinalia for the merit of king Prataparudradeva-  |
| /403          | On a pillar set up in front of the Āñjansya<br>shrine at Appapuram.               | <u>:</u>     | :   | 25. 25. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5. 5                             | Ъо                     | Registers that Katūri Vallabhi-setti of Varidala-götta and the lord of Ayyavajipura, built a tank called Govardhana-sanudram and constructing on its bund a temple for Kośava-Perumaj, got some land granted to the temple helow that tank, by king  |
| <b>√</b> €03  | On the slab called Bangarammarayi at Gordinds numen.                              | :            | :   |   | Telugu<br>(Archaio).   | Feda-Kômați-Vêma.<br>Mentions Challifvara.   |
| <b>7</b> 00   | <u> </u>  | :            | :   | Saka 105[9],<br>Uttarayaņa-<br>Sankranti.                                 | Telugu)                | Explanaged. Registers that a certain Reddi of the Kondapadnati country built a temple for the god Somesvardeva at Conjeapadi and gave some the conference of |
| 405           | On a Nandi-pillar standing in a street at<br>Purushottamapattanam.                | [Kakatya]    | Mahāmaṇḍalēsvaru Guņapatideva-Mahataya                          | Saka 11[71*],<br>Kilaku,<br>Paushya, suddha<br>10, Monday,<br>Uttarayana- | Do.                    | land to I below a tank built by himself. Its also gave sheep for a larry.  Gift of the village Oddspundi to the temple of Samkarisvara-Mahadeva at Kotyadona by Ekkaya, the younger brother of [Bha]shara who was the great minister (pradhāmi) of the king.   |
| ×408          | On the Garuda-pillar set up in the main street of the same village.               | :            | :   | Sankıanti.<br>Saka 1321,<br>Pru[ma]di,<br>Magha, og. 6,                   | Do                     | This pillar (Garuda gambha) of god Lakshmi-Narasimha was the gift of a native of Atukuru.  |
| 107,          | On a slab set up in front of the Mulles-<br>vara temple at Babbepalle.            | Telugu-Choda | Tiru[kali]dêva.Chôda-Maharaja, son of Tiru-<br>[ka*]lidêvaraja. | Friday.   | Do.                    | Registers that the king built at Pabbapalli a temple for Tirukaliss. Mahadéva in the name of his father and granted lands and a small tank to it.  |
| 1408          | On the Garuda-pillar set up in front of the<br>Vepugopalasvamin temple at Punuru. | :            | :   | Saka 130[9],<br>Prabhava,<br>Sravana, <i>ba</i> .<br>[8], Srijayanti.     | Do                     | Registers that a certain Nuhkareddi-Bukkarayanih-garu granted lands to the temple of Gopinathadeva at Pundru.  |
|               |   |              |   |   |                        |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.           | Place of inscription.   | Dynasty.                      | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Ветагке.   |
|---------------|---|-------------------------------|---|--|---------------------------|--|
| 607           | On the same pillar  | :                             | ·   |  | Telugu                    | <b>.</b>   |
| 410           | On a broken pillar lying in the compound of the Virabhadravamin temple in the same village. | Telugu-Choda                  | Mahamandalöserru Bhimadeva Kesavadeva-<br>Choda-Maharaja, son of Chodadeva-Maha-<br>raja and Kalyanamahādevi. | Śaka 1167,<br>Chaitra, śuddha<br>ô, Sunday,<br>Mesha-Saṅk-       | Do.                       | Kamaraja and Lakkamadovi.  Registers the apportionment of land in Punuru to the Mahajanas of that village which was granted [to them] by Anungudova-Maharaja with the cenent of Gapapatideva-Maharaja.   |
| 411           | On the door post of the entrance into the Tripurantakesvara temple in the same village.     | :                             | :   | Saka 1451,<br>Sarvadhari,<br>Pushya, ba. 3,                      | υο.<br>•                  | The temple of Tripurantaka-linga was built by a certain Basivinôndu for the merit of his parents.  |
| 412           | On a stone built into a well in the same  | Telugu-Choda                  | ::  | Mesha-[Sankran-  | Do                        | Mutilated. Mentions a Choda-Naharaja.  |
| 413           | village.<br>On a stone lying in front of the Vonugo-<br>palasvamin temple at Eddanapudi.    | :                             | :   | Saka<br>Raktakshin,<br>Ashadha, su.14,                           | Do                        | Giff of land to the temple of Ramachandra at Nuntulapadu by a certain Timmanayaningaru.  |
| <b>717</b> -  | On a stone lying in front of the Siva temple in the same village.                           |                               | :   | Monday.  | Do                        | Registers that a certain Anne[po]ggada granted<br>Edd:naphpdi as an agrahāra and fixed its<br>boundaries   |
| • <b>4</b> 15 | On a stone set up in front of the Medana-göpalasvamin temple at Enamdala. $\lambda$         | Vijayanagara                  | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya, ruling<br>from Vidyanagara.  | Śaka 14 87],<br>Kródhena,<br>Āsvija, śu.1[1].                    | Do                        | ift of land at Yanamadala in Vinikonda-<br>e merit of Kuwara-Venka[ka]rajaya,<br>Mahāmandalēsvara Venkatééva[ra]rāja,<br>U Daļuvayı Venkatésa. Mentiens the  |
| <b>4</b> 16   | On a stone set up in a street of the same village.  | ÷                             | :   | Saka 1810,<br>Sarvadi arin,<br>Chaitra, śudilia<br>9, Wednesday. | Telugu (vorse)            | M. chām. mādulēšeura Ramarāja-Tirumalarājaya-devi-Mahārāja. Registers that a certain Verhațamantii, consecrated the temple of Sitaramedeva at Yanamadala, Maddinēni Narasnihadasu presented the processional images and gave 3 acres of land. On some pillars of the temple of Sitarama at Enamadala the same donor under the name Bucholii Venkavya |
| 417           | On the door-post of the entrance into the<br>Mallegvarg temple in the same village.         | Vijayanagara                  | Пагіћагатаўа  |  | Felugu                    | is described as having established that temple. Records that Chimakurti Annama-Nayaningaru made a gift of land to the temple of Dodda-Malnathadeva of Kurundogu, for offerings.  |
| 418           | On a slab set up in front of the Grugant-<br>amma shrine in the same village.               | :                             | •   | Saka 1416,<br>Pran adicha,<br>Magha, bu. 3[0],                   | Do                        | Gilt of one adda on each pulli (of grain) for maintainaing the worship and festivals of Vorunganti-Amma at Pina-Yenumadala, by a certain Modaramethari   |
| <b>41</b> 9   | On a stonc set up in a street at<br>Gorffavolu.   | Vіја <b>уа</b> на <b>gага</b> | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya, ruling<br>from Vijayanagara.   | Monday. Saka 1468, Parabhava, Śravana, bu. 12, Thursday.         |                           | Fannayyanguru. Gift of the village Goranjavrolu in Kondavtti-etma to the Sir-Vaishnava teucher Tiruvcingalanathayyangaru, son of Tallapaka Tirumalayy angan at Svāmepushkarim tanh, in the presence of Tiruvengalanatha (i.e., the god Venkatésa at Tirupati).   |
| _             |   |                               |   | -  |                           |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.              |               | King.    |   |   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks,  |
|-------|--|-----------------------|---------------|----------|---|---|---|---------------------------|---|
| 420   | On a Hanuman slab at Vankayalapadu.  | Vijayanagara          | Vijayaraya    | :        | : | : | Śaka 1863,<br>Durmati,<br>Kārtika sú. 11,                           | l'elugu                   | Daraged. Registers the consecration of the image of Harmmanta. Perumal for the merit of the members of the royal family.  |
| 421   | On a slab set up near the <i>Ohalivendardāv</i> i<br>in the same village.                      | :                     |               | <u>:</u> |   |   | T. Inursday.<br>Sakr 1693,<br>Vikriti.                              | l'eligu verse             | Records that Krishnama-setti built the well, planted a garden and repaired the water-shed. Another slab set up in the same place also registers this fact in Telagu verse. A third stone lying there states that the post Nariasi-Pundita who composed the verses on the three slabs, was rewarded with a pair of golden-bangles by Krishnama-setti.  |
| 7437  | ()n a pillar set up near the Peddacheruvu<br>tank in the same village.                         | Vіј <b>ву</b> ападага | Aoh yutara'ya | :        | : | : | Śnka 1462,<br>Śarvarin,<br>Chaitra,<br>Full-moon.                   | Sanskrit and<br>Telugu.   | Registers that Chinnananha, the sister of Ramayamanti Bacha,—the minister of the Kernata king Achyuta and the wife of Pratana-Yalla, built a templa of Sive aelled Farvatunatha at Sahtaluu, converted Vankalapadu into an agrahara under the name Ramachandrapuura and constructed near it the tank, Göpinathasamudra. In the Telugu portion she is called the sister of Ramaya Bhaskaramatya. |
| / 428 | On a Naga-stone set up in front of the Addankamma temple at Edlapadu.                          | i                     |               | :        |   |   | Śaka 1458 (for<br>1478), Nala,<br>Magha, śu 15,<br>Sunday.          | Felugu                    | Registers that a dependent (?) of Basuvapatra got an image of Adisakti whose native name was Nancha-ramma, made and conscerated for the merit of his parents.   |
| 424   | On a stone lying near a well at Visvana-thuni-khandrika.                                       | :<br>:                | •             | :        |   |   | Vikrama, Vai-<br>sakha, su. Full-<br>moon.                          | Do                        |   |
| 1425  | On a pillar in the Mukha-mand.rpa of the Channa-Malles rara temple at Zaladi.                  | :                     |               | :        |   |   | Śaka 1428,<br>Kehaya, Magha,  | Do                        |   |
| 426   | On a pillar in the Mukha- <i>mandapa</i> of the Channakésavasvamin temple in the same village. | :                     |               | :        |   |   | Saka 1396, Jaya,<br>Chaitra, ba. 30,<br>Saturday, solar<br>eolipse. |                           | (ijft of land by a certain Kirtiraju-Immadraju to ude<br>temple of Göpinatbadeva at Jäladi.   |
| 7437  | On the Garuda-pillar set up in front of<br>the same temple.                                    | :                     |               | :        |   |   | Nandana, Nija-<br>Bhadrapada,<br>sw. 10, Monday.                    | Do                        | Registers the gift of the Garndagambhamu to the temple of Gopinatha at Jaladi by a certain Machinendu on behalf of Ko[ni]njoti Naginendu.   |
| 428   | On a rook in a field at Jaggapuram,<br>hamlet of the same village.                             | :                     |               | :        |   |   | Śukla, Śra[və*]<br>ņa, św. 1.                                       | Do.                       | Gift of land at Jaladi, to Bhagaratula Konerayya of Virivaru by the Mahamapidalsvara Ramaraja-Tirumalarajayyadova-Maharaja.   |
|       |  |                       |               |          |   |   |   |                           |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—con.

| Language and Remarks. | Telugu Mutilated. Registers a gift of land at V Kondaviti-sima to the temple of Chabhanjanesterra of that village by the A | Do Gi   | (a) 10 Registors that Latichchhedi Chikka-Bhimaraja of Vojuru made a gift of land to the temple of Mulasthana-Somanathadeva for offerings. | Sunskrit and M<br>Telugu.   | 1,0 M   | Telugu (di  | Do Gi  | Do                                       |
|-----------------------|--|---|--|---|---|---|--|--|
| Date.                 | Saka (mistake<br>for Kaliyuga)<br>4664 (mistake  | nor 4990) Sau-<br>mya, Jyoshtha,<br>ba. 2, Friday.<br>Do. | <del> </del>   | ly for \$220)<br>Uttaragana-<br>Sankranti.<br>Lost; solar<br>eclipse.               | Śaka 14[13]<br>[Vishu], Kar-<br>ttika, su. 15,<br>Monday. | Saka (mistake<br>for Kali-yuga)<br>4564 (mistake<br>for 4590), Sau-                           | mya, yesniyna,<br>ba. 2, Briday.<br>Do.<br>Śaka 1443,<br>Chitrabhanu.                          | Śravaņa, św. 11, Monday. Vyaya, Bhadra-  |
| King.                 | •  | : :   | :  | :   | Virapratapa Krishnadévaraya-Maharaya                      | :   | <u>:</u> :   | :  |
| Dynasty.              | :  | :   | :  | :   | Vijayanagara  | :   | ::   | :  |
| Place of inscription. | On a stone in the north wall of the Some-<br>svarasvamin temple at Eluru.  | On a stone in the wall to the left of the                 | on a Nandi slab set up near the same temple.   | On the Naga-pillar set up in front of the<br>Virabhadra temple in the same village. | On the same pillar  | On a pillar of the Mukha-mandapa in the<br>Channakésavasavamin temple in the<br>same village. | On another pillar of the sume mandapa On the left column of the entrance into the same temple. | On the right column of the same entrance |
| , N                   | 1429   | 430   | 184  | 4.82  | 433   | <del>*</del>  | 99 Mis. –1   | 437                                      |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| On a pullar lying near Várdevararstanin  On a Majes ad Golffauga.  On the Naga also design the control of a Velatarqui Madamanquiëreare Kuloitanga-Chodt God-  On the same stone  | 1 : |  | Dynasty.     | King  |   | Language and | The second secon |
|---|-----|--|--------------|---|---|--------------|--|
| On a pillar lying near Vivedovaraventin Co. 2 Volandapin Mandamenjelisters Kulotininga-Chota God. 10  |     | Place of inscription.  | Ly many.     | . Surve   | Date.   | alphubet.    | Кетагке.   |
| On a Naga-slone set up in front of a Volankylu Madawaquidideara Kubitunga-Chola. Gakin. 1018 100  |     |  | :            | :   | :   | reluga       | Gift of the pillar by a certain Malla of Bajama-bondrayarum, for the merit of his parents. He  |
| On the Same stone Do  | _   | On a Naga-stone set up in front of<br>Komati merchant's house at Chirum! |              | Mahāmaṇḍalēśvara Kulottuṅga-Choda Gon-<br>karāja, a subordinate of Rajendra-Choda,        | :   | но           | was a devotee of Kalikadevi and Kamatrévara. Danagod. Gift of land. A number of temple servants who received shares are enumerated.  |
| On the Niggs slab see on posar a Vinayaka  Do Choda (son of) Velanapti Gooka II Sika 1634, Tolnga (vovec Bairine at Tubadu.  On a slab set up in front of the Hanuman  Luge at Kondakgvura.  On a Naga-pillar set up in front of the Hanuman  Timmapuram.  On a Naga-pillar set up in front of the Toluga-Choda. Namioboda-Maharaja, son of Tribhuvana.  Saka 10[8]: Tolngu  On a stone in the wall close to the entrance  into the fort at Kondavidu.  On the monolithic lamp-column set up in Vijayanagara. Virapzatapa Vira-Stranggarayadova-Maha.  Saka 1199, Tolngu Galaga Galaga.  Tolngu verse Relating verse Re | _   | milla.   |              | Kulottunga-Chöda-Gon-   | huvu-<br>16i.   | :            | Seems to record a gift record on the same face of the is lest, mentions a gift of a apple of Amentisvacades at Chi   |
| On a slab set up in front of the Hanuman image at Kondakavuru.  On a Nage-pillar sot up in the street at Telagada  Timmapuram.  On a Nandi-pillar set up in front of the Hanuman into the fort at Kondavidu.  On a stone in the wall close to the entrance into the fort at Kondavidu.  On the monolithic lamp-column set up in Vijayanagara.  Virapratapa Vira-Striangaranda Saka 1499, Telugu Gaka 1683:  Telugu verse signification in the graph of the Gopinathasvamin temple in raya II.  Numphoda-Maharaja and Machala Saka 1499, Telugu Gaka 1684.  Telugu Gaka 1683:  Telugu verse Baka 1499, Telugu Gaka 1499, Telugu Gaka 1613.  Telugu Gaka 1499, Telugu Gaka 1613.  |     |  |              | of) Velanaņți Godka II  | rtika,<br><i>ha</i><br>day.                             | <u> </u>     | Begins with the eulegy of a certain Kapa of the fourth caste. Mentions Buddhavarma who conferred the insignia of reyalty on Sindepa-Napaka. The grandsons of the latter served under Manda and guined a viotery at Manneru on behalf of their  |
| On a slab set up in front of the Hanuman inage at Kondakavuru.  On a Naga-pillar sot up in the street at Telaga Choda Kulottunga-Choda Gonka Saka 10[8]2 Telugu (verse Siva temple at Degaramudi.  On a stone in the wall close to the entrance into the fort at Kondavidu.  On the monolithic lamp-column set up in front of the Gopinathaevamin temple in Pijayanagara Virapratápa Vira-Srirangarayadéva-Maha. Saka 1199, Telugu verse Rattika, su 1199, 1111.  |     |  |              |   | ·. '.   |              | overlord, and reserved from him this villages overlord, and Atukiru. Next came Kapana who served under Chodia (son of) Velanaphi Gohka and set up the temple of Mahfsvara at Tunhargu. He give to that temple, named Bhimesvara, land which included shares for the several services, the writer of the record, Brahmanas, etc.  |
| Velanandu Kulottunga-Choda Gonka Saka Saka and prosc).  Sankranti.  Telugu-Choda Nannichoda-Muharaja, son of Tribhuvana. Saka 10[8]2 Telugu (verse R devi Telugu verse R  Telugu verse Telugu verse R   |     |  | :            |   | Saka 1813, Ba-<br>budhanya<br>(wrong), Push-<br>ya, 14, | Telugn       |  |
| Telugu-Choda Nanniohoda-Maharaja, son of Tribhuvana. Saka 10[8]2 Teluğu Raliyanagara Virapratapa Vira-Śrirangarayadéva-Maha. Śaka 1499, Telugu Gisvana. Isya II. Kartiska, su. II.  |     |  |              | :   | nesd<br>rays<br>rant                                    | 8            | Suranaya, a favourite servent of the king, made<br>certain charities at the village of Jevavama for the<br>merit of the king and his wife Kamidevi, such as<br>the conscertion of the tamble of Goriktsvar, the  |
| Vijayanagata Virapratápa Vira-Śritrangarayadeva-Maha- Śaka 1499, Telugu G. Kartika, śu. 11.   |     |  | Telugu-Choda | Nannioboda-Maharaja, son of Tribhuvana-<br>mulladeva-Choda-Maharaja and Machala-<br>devi, | :   | Teluku       | construction of tanks, gift of lands, tte. Registers the gift of Dengarabadi east of Kotyadona in Kanmanada, to the temple of Tribhuyananalla- Mallikarjana-Mahadeya through the priest Malia-   |
| Vijayanagata Virapratapa Vira-Srirangarayadeva-Maha- Saka 1499, Telugu Grapa II. Kartika, su. Kartika, su. II.  |     | On a stone in the wall close to the entrance into the fort at Kondavidu. | :            | :   | :   | Telugn verse | jiya-Paṇḍita, for worship and lestivals. Begisters the eulogy of Kam.yn-Bhackara, tho minister of king Achyutadovaraya and the builder of the Göpinatha femple and town at the foot of   |
|   |     |  |              | Vira-Śrirangarayadóva-Maha.   | 1499,<br>trika, św.                                     | Telugu       | the hill.  Gift of the village of Gorijavelu alias Śritańga- rayaparam us a tax-free agrahāra to a certain Virāpāksha.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

|             |  | 1            |   |  |   |   |
|-------------|--|--------------|---|--|---|---|
| o.          | Place of inscription.  | Dynasty.     | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet.                                   | Кетагкв.  |
| L <b>77</b> | On a.pillar of a darga-pavilion in the same village.   | :            | :   | . —  | Təlugu  | Gift of this (central) pillar for the mukha-mandapa of the Nagaresvara temple at Kondavidu, by the  |
| <b>44</b> 8 | On another pillar of the samelpavilion   | :            | :   | Magna, sz. 10,<br>Saturday.<br>Do.                   | Do  | necessant Narahari-setti of the Puchchakola-götra and the chief of Penungonda. Gift of thus (central) pillar for the same mandapa, by the merchant Suggi-setti of Nudapanhadu who                                   |
| <b>64</b> 9 | On the third pillar in the same place  | :            | ***   | Do.  | Љо  | belonged to the Xerasetti-getra and was the chief<br>of Penuigonda.<br>Gift by Chavvi-setti of Bo[da]rukata-götra.  |
| €60         | On the fourth pillar in the same place   | :            | į   | Do.  | Do  | Gift of the pillar by hatakana-setti of Yendalpru.  |
| 461         | On a beam of the same pavilion   | :            | :   | Do.  | υ₀  | who belonged to the Venukula-götra.  (Hift by the merchant V na malli setti of Yanukola-  |
| 452         | On another beam of the same payilion   | :            | :   | Do.  | Do  | This bean (largelfe) was the gift of the merchant K & & C.  |
| ₹23         | On the third beam of the same pavilion   | :            | :   | Do.  | Do  | mukha mandapa ot the sime tempora, 16r 410<br>Gift by the merelson' Martin Polama setti of  |
| 7464        | On a boulder near the viguat Ellamanda   | Vijayanagara | Virapratapa Sadasivadeva-Malaraya                   | Saka 1477,   |   |   |
|             |  |              |   | Какянава,<br>Sravaņa, su.<br>11, Thursday.           |   | dents of the village Yalhamanda in Kondaviti-<br>sma, by the chof Siddivaja Timmarajayyadova-<br>Mahavaja on behalt of the Mahamandalisienra  |
| <b>3</b> 05 | On a stone lying in a field at Guravaya-<br>palem, a humlet of the same village.                               | :            | [ <i>Mahāma]ņģalēšvara</i> Kulo[ttuṅga-Chōḍa-ra]a]. | Śaka 1075,<br>Śrimukha,                              | Do  | Yara Thramalarajayyadova-Maharaja. Gift of a tank constructed by hin self at Petjara, to the temple of 'nikötisvarætevs, by a certain   |
| 456         | On a slab lying in a field at Munumaka.  | :            | :   | Sankranti.<br>Saka 1145,<br>Uttarayana-<br>Sankranti | Do  | Dudgaria.  Damaged. Seems to record a gift of land at Muln.  vumbaka to the temple of Anarekvara-Mahadeva.  |
| 467         | On a ctone built into the platform of the Hanuman temple at Ganapavaram.                                       | :            | :   | Durmukhi,<br>Chaitra,<br>św. 5 Thura.                | Do  | by a secular Sagamenja, for the meet of his parents and of Ganapatideva-Maharaja. Gift of this Caruda-pillar by the merchant Kamisetti.   |
| <b>4</b> 58 | On a mutilated stone lying near the Somesyarasvamin temple in the same village.                                | :            | :   | day.<br>Saka<br>Sravana, su. 3,                      | Do  | Secms to record a gift by Akkasala Kaniju, for the welfare of the people and for the merif of Kulot-twine-Rangedral Chodel  |
| 469         | On the Kitatarjuna-pillar set up on the top of the Indrakila hill at Bezwada (Bezwada taluk, Kistna district). | :            |   | ÷  | Sanskrit prose<br>in archaic<br>Pelugu (of<br>about the 9th | temple Chandra [pravide], stemblish the status of the macription has to be read from the lotton. Registers the setting up of the pillar by a certain Trikôţibôyi of Pechche[va da. See below page 148 paragraph 77. |
|             |  |              |   |  | century A.D.).  |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.         | Place of   | Place of inscription.                  | ·a                              |           | Dynasty.        |        | PE  | King.        |        |              | Date.   | Language and<br>alphabet. | A. Romarks.  |
|-------------|--|--|---------------------------------|-----------|-----------------|--------|---|--------------|--------|--------------|---|---------------------------|--|
| / 460       | On a pillar set up in front of the Brahmesvara temple at Kondanayani-                                      | set up in front<br>temple at Kondar    | ront of n                       | the int-  | :               | *      | Mahamandalesvara<br>Baddigadevaraja.                | Viranarāyaņa | аувра  | Съоди-       | Śaka 1183,<br>Karkațaka-<br>Sankranti.  | Sanskrit and<br>Telugu.   | Unfinished. The Sanskrit portion refers to a gift of land at Veleti-jamepada to the lemple of Brahmes-vara, by the king who, was the son of Chôdevara, or described of Vernandavina Baddigs. |
| 191         | On the same pillar   | :                                      | :                               | :         | <b>:</b>        | P      | Udaya-Manma 🕠                                       | :            | :      | :            | Saka 117[1],<br>Saumya, the<br>Sun being in   | Do.                       | Jones and 25 cows for maintaining a lamp in the temple of Brahmesvara.   |
| 462         | Do.  | :                                      | :                               | Pa        | rallava Pallava | :      | Narayana, brother of Naga of the Bharad-vaja-goira. | f Naga       | of the | Bharad-      | oonjunetion with Budha (Mercury). Saka Makara (Nakra). Sankranti.                                 | Do.                       | Gift of land and cows for the same purpose.  |
| 463         | Do.  | :                                      | :                               | :         | Do              | ;<br>; | Nagadēva  | · :          | :      | :            | Śaka 1167,<br>Uttarayana-<br>Sańkranti.   | Sanskrit (in<br>Telugu).  | Gift of land and cows for the same purpose. Traces the king's descent from Siva and refers to the founder Kadveţti, the donor of seven villages.   |
| 464         | Do.  | :<br>:                                 | :                               | :         | :               |        |   | <u>:</u>     |        |              | Śaka 1180, the<br>Sun being in<br>Mēsha.  | Sanskrit and<br>Telugu.   | Gift of land and cowe to the same temple by the nerohant Muppi-setti of Utakula-götra, for maintaining a lamp.   |
| 7465        | On the top beam of the inner entrance into the same temple.  | of the in<br>mple.                     | ner entra                       | <b>——</b> | :               |        |   | :            |        |              | Śaka 1165, Āsha-<br>dha, śu. 12.  | Do.                       | The beginning and the end are built in. Gift of 25 cows for a lump to the temple of Prasamavallabha-Kesavadeva at Gonton, by the merchant  |
| 7466        | On a stone set up in front of the Ramalingsavamin temple at Santaravuru, (Bapatla taluk, Guntür distriot). | in front o<br>nple at St<br>Guntur dis | of the Ran<br>antaravulitriot). |           | [Kakatiya]      | :      | Ganapatideva-Maharaja                               | ra.ja        | :      | :            | Śaka 1167,<br>Viśvāvasu.  | Telugu                    | Parnya Anni-setti of Fendilkula-30stu. Gift of land by Karonamu Maraya to the temple of Kananaithadöva at Ravuru, for the merit of his parents and the king.                                 |
| 467         | On a pillar of the Kalyana-mandapa of the same temple.   | Kalyana-m                              | andapa of                       | the       | <u>:</u>        |        |   | :            |        | <del>-</del> | Saka 1417, Anala,<br>Phalguna, 5.<br>(called Phani-<br>tithi) the Sun<br>having passed            | Sanskrit and<br>Telugu.   | Records that a certain Gandhe-Pôtaya set up a linga called Malloscara or Mallikarjuna in the Ramalinga temple at Ravara.   |
|             |  |  | •                               |           |                 |        |   |              |        |              | Vrisha (Taurus), Friday. The Telugu portion gives the same Saka year, but Rakshasa,               |                           |  |
| <b>46</b> 8 | On the same pillar   | :                                      | :                               | •         | :<br>:          |        |   | :            |        |              | Phalguna, $[\theta a.]$ 5, Friday. Saka 1418, Nala, Chaitra, $[\theta a.]$ 14, Monday. Sivaratri. | Telugu                    | Registors that a certain (tandhe-Nagama did the plastering for the temple of Ramésvaradeva of Raverain connection with its re-consecration.  |

| 1915—cont. |
|------------|
| ä          |
| pied       |
| .ŏ         |
| ptions     |
| insori     |
| B.—Stone   |

| No.         | Place of inscription,  | Dynasty.     | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-------------|--|--------------|---|---|---------------------------|--|
| 469         | On a pillar in the verandah of the Channakésavasvamin temple in the same village.                        | Gajapati     | Purushottamadova  | Śaka 1418, Nalo,<br>Vaisakha, śu.<br>[11].  | Telugu                    | The Chief Hinduravu-Surathani (i.e., the Sultan among Hindu kings) Sarveyalli Timmareddi made a grant of land for offernes to the condesses  |
| €70         | On a second pillar in the same place   | :            | :   | Saka 1575, Jaya,  | Do                        | Lakehmi and Bhu, on the occasion of their conse-<br>oration.  Damaged. Registers that on this day 'in the second   |
| 471         | On the same pillar   | :            | :   | Ashadha, ba.<br>30, Monday.<br>Saka 1[4]18,<br>Nala, Vaisakha,                          | Do                        | quarter of the night the earth shock and all temples crumbled. Hence at Santaravaru.  Records the consecration of the goddesses Takshur and Bhi in the Channel before the consecration of the goddesses Takshur  |
| <b>47</b> 2 | On the lamp-column set up in front of the same temple.   | :            | . :   | śuddha 11, [Friday].<br>Saka 1403, Plava,<br>Nija-Ashadhu,                              | Sanskrit and<br>Teluga.   | by Gandhe-Potaya for the merit of his parents, See No. 469, above. States that Suranu Tirumali-Reidi consecrated, for the first time, the god Chennek stangard at Barran   |
| 473         | On a stone built into the compound wall of the same temple.  | :            | •   | 11, (the first Ekādasi).<br>Saka 1366,<br>Raktakshi,                                    | Teluga                    | for the merit of his parents.  A certain Chennayya of Ravuru built the surrounding wall (of the temple) for the merit of Teluheur.   |
| <b>\$2</b>  | On another stone in the same place   | :            |   |   | Do                        | raya-Maharaya.  Gift of the stone (bāra) by a certain Attonta Immadi- Nayudu, for the merit of his warents.  |
| 4<br>7<br>6 | On a stone set up outside the same temple  | Vijayanagara | Virapratapa Sadāsivadēva-Maharāya, ruling<br>from Vijayanagara. | Fushya, ba. 7,<br>Thursday.<br>Saka. 1467,<br>Kilaka, Asha.<br>dha, su. 1,<br>Thursday. | Do. ::                    | Much damaged. Registers that Murti-Ramarajayya, the agent of Ramarajayya, who was "the agent for the whole empire of the hing," was ruling Kondavidu and under the command of the king and   |
| 476         | On the second stone set up in the same place.  | Sajuva       | Mahamandalesvara Kathari-Saluva Telungu-<br>rayadeva-Maharaya.  | Śaka 1350,<br>Kilaka, Aświja,   | Sanskrit and<br>Telugu.   | Ramarajayyu remitted the taxes on barbers in the four towns Vinikonda. Bellamkonda, Addanki and Ammanambrolu included in that country. Begisters that the king declared tax-free, the lands owned by the gods and Brahmanas at Raviru. for   |
| ,477        | On the third stone set up in the same place.   | Vіјауападага | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya                               | Saka 1477,<br>Rakshasa,<br>Macha 4, 167   | Telugu                    | the merit of himself and of his parents Semburays and Nagalidevamma.  Gift of tolls  in kind] and in coin collected at the village of Santa-Rayuru, to the temples of Channa-  |
| 87.4        | Bellary District, Adoni taluk. On a slab set up in the Courtyard of the Āfijansya temple at Bassarakodu. | [Yadava]     | Rāyanārāyaņa Praucihapratāpa[ohakravarti]n<br>Kamachandradsva.  | Saka 1200, Behudhanya, Jeshtha, sw. 1, Thursday.  | Калагеве                  | Rays and Kanaya-linga at that village by the Mahammadalsseara Ramaraja-China-Srirungaraju-Jaggarajayadeva-Maharaja.  States that the king was ruling at his capital Devagiri as a feudatory of [Saka]raya (i.e. the Muhammanalan king). A certain Mahammalalessara Bhinas-deva-Rane who was ruling over Sindavaji, Adavani and other districts, gave the village Basurukodu as a free grant to the Mahamanidalessara Vira- |
|             |  |              | ,   |   |                           | Doumariea,   |

|              |   | ;                      | B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont. | 915—cont.  |                           |   |
|--------------|---|------------------------|--|--|---------------------------|---|
| No.          | Place of inscription.   | Dynasty.               | King.                                      | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| 419          | On a rook in a field at Alasandigutti   | :                      | :  | Śaka 8 [9] 4, Fra[mo]da, Uttarayana, tuddha                    | Kanarese and<br>Telugu.   | Gift of 4 punnaar-muttary of land to the temple of Mahadéva at Alasandagurki, by a certain Mallaparans. One line in Telugu at the end of the inscription states that other private persons also cranted an Tembris for the same temple. |
| 7,480        | On a rook in a field at Sambukallu  | Yadava                 | Ramachandrado[va]                          |  | [Kanarese]                | Dainaged and mutilated.   |
| <b>/</b> 481 | On a stone set up in the Lingamayya temple at Balchageri  | ·<br>:                 |  | Saka 862, Vika-<br>rin, Magha,<br>suddha, 3,<br>[tadige], Mon- | Kanarese                  | While Bi[iye]na was ruling the Sindayau-one-thousand country, a son of Revarayya of Chanda-hoda gave 4 matta of land by the royal measure (rdjamana) to a certain Dechayya.   |
| 482          | On a stone in a field near the same village   | :                      | :  | day.<br>Yuvan, Magha,<br>su. 15.                               | Do                        | Damaged. Seems to record a gift of land at<br>Bayichagere by Channamarapa-Nayaka under  |
| <b>48</b> 3  | On a slab set up in front of the Chavagi  | :                      | :  | Śaka 1463,<br>Khara, Āśvija,<br>ba. [5], Saturday.             | Do                        | Registers that one half of the village Karpati dias Harharapura was granted to the temple of Tiruvengalanatha by the Mahajanas of that village for the ment of king Virapratapa Vira-Aohyuta-   |
| 484          | On a rook at Sultanapuram   | :                      | :  | e],<br>adha,   | Telugu                    | raya-Manaraya. Much damaged. Refers to Pesarlabunda included in Adaveni a province of Vijayanagara and the temple of Narasimhadoya.   |
| 7485         | On the east wall of the mandapain front of the central shrine of the Afrinaya temple at Kallubhavi. | Vijayanagara           | Virepratapa Vira-Sadasivadeva-Maharaya     | Saka 1481,<br>Siddharthin,<br>Asvija, św. 16,<br>[Sunday].     | Do                        | Seriously damaged. Mentions Kallabha[vi].   |
| / 486        | On a slab lying in a field near the same village.   | :                      | :  |  | Kanarose (in<br>Nagari).  | Registers that this is the field of Madhava-Bhatta son of Vishnu-Bhatta who was evidently the priest (?) of the temple of Murari-Resavadeva.  |
| 481          | On a slab set up in a field near the village of Isivi.  | :                      | :  | Saka 1623,<br>Vishu, Jy6-                                      | Капагеве                  | Unmaged, Seems to record a gift by the Desar<br>Demajiya of Yisibe.   |
| 488          | <u> </u>  | :                      | :  | Vaisakha, ba.  | Do                        | Mutilated. Registers that a certain Ereyanna-Nayaka the heggade of maha-nadu and "the mast elephant of "went to heaven.   |
| 7489         | halu.<br>On a slab lying near a catt'e trough in the<br>same village.                               | Western Chaluk-<br>ys. | Traijokyamalladėva (Somėévara I)           | Śaka 976, Jaya,<br>Phalgun, sud-<br>dhu, 5, Sunday.            | Do                        | ohief Virar<br>ing Sindayag<br>king, Gift   |
| 067,         | On a rook at Yerigen  | Vijayanagara           | Virapratapa Sadasiva-Maharaya              | νά<br>   | Do.                       | Unfinished.   |
| 7491         | On a stone set up in front of a well in the vilage of Guddada Hosahalli                             | :                      | :  | Partijha (i.e., Parthiva), Advija, [ba.] 18, Thursday.         | ъ.                        | Damaged. The obief (or prince) Vira-Mallappa-<br>Odeyaru entitled märurdyaganda and Bhitesgatappu-<br>rdyaraganda, seems to have granted land at Hiriya-<br>haralu, to one of his subordinates.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

|              |  | į                       | ביים במתולות שונים ביים ביים ביים ביים ביים ביים ביים ב | in talo—come   |                        |  |
|--------------|--|-------------------------|---|--|------------------------|--|
| No.          | Place of inscription,  | Dynasty.                | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.   |
| 492          | On the east wall of the Afrianeya temple at Kavutalam.                         | Vіјауапа <b>д</b> ага   | Virapratapa Aohyutaraya-Maharaya                        | Saka 1454,<br>Nandana,<br>Phalguna, ba.  | Kanarese               | Refers to the Mahamandaleseara Salakayadova Chika<br>Tirumalaraja-Mahasrasu and the charter given<br>by hin to the gavedas and people of Keratalada-<br>pinse who had comirmed to the distriction  |
| 408          | On a rook in front of the deserted Anja-<br>nêya temple near Kanayaram.        | :                       | :   | Śaka 1477,<br>Ananda, Ma.  | Do                     |  |
| 484          | On a hero-stone lying near the ruined Anjaneya temple in the same village.     | :                       | :   | gha, ba. 10.   | Do                     | Registers the death of a certain gavada who was the servant (adi) of Bannadava himself a devoted of  |
| 967          | On a rook near the Ohdvadi at Vuru-<br>kunda.                                  | :                       | :   | Haksha (i."., Akshaya), Kart-tiku, ba. 1.  | Telugu                 | Malla.  Registers that a tiger (pili) having entered the town, a certain Bayira-virunda attached it and died.  Remain Kondtaju granted his family 3 tims of regard 1000.   |
| <b>4</b> 96  | On the image of Hanuman in the same village.                                   | •                       | :   | Šaka 1828,<br>Taraņa, Mār-<br>gasira, šw. 15.  | Капагеве               | Damaged. Refers to the Mahāmandalēsvara Avabhaharaja and to the residents of the village Urukunde. These latter annear to have constructed or  |
| ~49 <b>7</b> | On a stone built into a platform in the baraar street at Kosgl.                | :                       | :   | Saka 1[6]18,<br>Dhatrì, Jye-<br>shtha, ba. 14,   | Do                     | repaired the temple of Hanamanta. Registers that the assembly of the village of Kosigepale, granted a bacaut to the Pañchalas, having properly repaired it.  |
| 867          | On a stone lying in a field near Devara-betta.                                 | <b>Т</b> ада <b>т</b> а | [Pra*]lapa-Singaņadēva                                  | Thursday. 6th year, Pramodotha (i.e., Pramoda), Nagha, suddha 2, cunday  | Do                     | Damaged. States that the king was ruling "after having acquired the whole earth." Bhillura-Nayaka the sole agent (sarvādlinkāri) of the Sindavādi-one-thousand province, under the Mahāpradlint algadala Somayay. Nayaka, made a grant of the the team,                                      |
| Ø.<br>6₩,    | On a slab set up in the compound of a ruined fsvara temple at Pedda-Tumba-lam. | Western Cha-<br>lukya.  | Bhulōkamalladēva (Sōméévara III)                        | Chalukya Vikra-<br>ma year 68,<br>Framadioha, 11<br>Pushya, ba. 11<br>(Ekadasi)<br>Sunday, Utta-<br>rayana-San-<br>kranti Vyati- | Ъо,                    | Mentions the Mahämandajaistara Trailokyamalla Mallideva-Mahäraja ruling the Sindavädi-one-thousand province and records a gift of land to the temple of Pañohalingadea at Tunbalabidu. Two visas on each daja in "the mint where coins were stamped (achohung taikasile)" were also granted. |
| 200          | On a slab built into the masonry wall of a well in the same village.           | :                       | :   |  | ъ                      | Registers that Kopparasa the sole agent of Khan-<br>doyansya Nagadéva-lane gaye su oil-mill for the  |
| 601          | On a slab set up in a field near the same village.                             | :                       | :   | :  |                        | use of the giant Hiranyakasipus, the giant Hiranyakasipus, the giant Hiranyakasipus, this is the tomb (nisidas) of Bhūtayya."  |
|              |  |                         |   |  | 7                      |  |

| •                 |
|-------------------|
| 4                 |
| -2                |
| 6                 |
| 9                 |
| •                 |
| 1                 |
| 1                 |
| •                 |
| S                 |
|                   |
|                   |
| 6                 |
|                   |
| _                 |
| _                 |
| ц.                |
| • ~               |
|                   |
| ~                 |
| <u>~</u>          |
| ۳.                |
| <u>'</u> '        |
| _                 |
| 0                 |
| ň                 |
| _                 |
| 70                |
| ~                 |
|                   |
| 0                 |
| ٠.                |
| 43                |
| 0                 |
| .=                |
| -E                |
| $\sim$            |
| $\simeq$          |
| 94                |
| •                 |
| •                 |
| -                 |
| ب                 |
|                   |
| $\overline{a}$    |
| -33               |
| =                 |
| $\omega_2$        |
| - 7               |
| •                 |
| 1                 |
|                   |
| $\mathbf{\alpha}$ |
| _                 |

| No.         | Place of inscription,   | Dynasty.                     | King.  | Date.  | Language and alphabet.         | Bemarks.  |
|-------------|---|------------------------------|--|--|--------------------------------|---|
| 602         | On a slab set up near the Kalkantharaya templo at Karakantapuram, a hamlet of the same village. | Western Cha.<br>jukya.       | Bhulokamalla (Someévara III)   | Chalnkya Vikra-<br>ma year 67,<br>Paridhavin,<br>Chaltra, sudahu,<br>6 (pañohami),<br>Thursday, Rô-<br>hin, Sôhana-<br>yoga, Balava-<br>kurana | Kanarese (prose<br>and vorse). | Registers that the Sinda chief, the Mahdmand albierra Bachiga or Bacharasa a feudatory of the orown prince (Yueardia) Tailipaddva, ruling the Sindatadi country gave to the temple of Karekanthadva at the capital town Tumbala the village of Ittage situated in Galru]de seventy, a sub-division of Adavani-five-hundred which was itself a district of Sindaxadi-one-thousand, for worship, countries  |
| <b>6</b> 03 | On a second slab sot up in the same place   | Do.                          | Pratēpsohakravartin Jagadēkamalladēva,<br>ruling from Kalyāņapura.                 | San-a. Yibha-haitra,   | Kanarese                       | Pander into the hands of the teachers Chandramauli-<br>Pandita and Va. adeva-Pandita.  Dandamayaka Rocharasa son of the Mahaprashima<br>Sendarati, Kulitavergade, Kanada-sandhiviyahi<br>Man-vergade and Hiriya-Dandandyaku Banmanay-<br>ya, was ruling the Sindavadi-one-thousand province<br>and granted the village Tohiya in Kavatala twelve,   |
| 504         | On a slab lying in the same place   | Kalaohurya                   | Bhujabalamalla, 'lord of Kalañjanapura the<br>best of cities' ruling from Kalyana. | year<br>ana,<br>sud-   | Kanarese (prose<br>and verse). | To the learned and plous in and gauss of Syanabhu-Karekanthadvarapura of Tumbulahidu, dividing it into seventy shares.  Barna or Kail-Barna the son of the general Kalidasa, was ruling the Sindavadi province from his capital Kirtmarayana-nagara Ercyana-setti the son of the obiof merchant (mahāvadāri)  |
| 505         | On a second slab! ying in the same place  | Western<br>Chaļ <b>ukya.</b> | Tribhuvanamalladeva (Vikramaditya VI),<br>ruling from Kalyaņa.                     | Saturday (vad-dawira), dawira), lunar eolipse.  Chalukya Vikrama year 31, Vaya, Srawana, Fullmoon (Fullmoon name), Wednes.                     | Капагеве                       | bamm-setti of the Kubera-vanis, Vaisya-kula and the Brotriya family, set up the god Brahmest vars and the Mandandandanguka Bammadevaras (i.e., Barma) gave for the worship, offerings and repairs, the village Köngeyahala included in Kandukur twenty-four. Other gifts were also made by makeras and other mercantile communities.  The missing top portion of the stone was discovered at Malakapuram 7 miles from Pedda-Tumbalam. Records that the Manhandalisieurs Mallarasa granted the taxes of Budagikuntu in Tumbula thirty, a sub-division of Adavani five hundred, in Sindavadi-radu, to the temple of |
| 506<br>C    | on the third slab lying in the same place   | Do.                          | Tribhuvanamalladova (Vikramaditya VI).   | day, lunar<br>eolipse.<br>Lost   | Do                             |   |
| 0   .       | On the same slab, second face   | Do.                          | Pratápashakrasartin Jagudékamalla, ruling<br>from Kalyapapura.                     |  | ъ.                             | land or of a vilage called Kisumoge. The road to Adavani is mentioned among the boundaries. Mutilated at the bottom.  |
|             |   |                              |  |  |                                |   |

| 1915—cont. |
|------------|
| B.         |
| bolio      |
| DB 00      |
| ptio       |
| insort     |
| Stone      |
| T<br>m     |

| Fine of maripidan.   Dynasty.   Employer and the lower plane of the property of a factor of the control of th   |                   | _           |  |               |   |   |                        |  |          |
|--|-------------------|-------------|--|---------------|---|---|------------------------|--|----------|
| Mykadoni.  Mykadoni.  Mykadoni.  On a rook near the Painblavi well at  Mykadoni.  On a score in the want place are place  (i) On a score est up in the Milassanswamin carried [Rashtrakthell  (ii) On a score est up in the Milassanswamin carried [Rashtrakthell  (ii) On a score est up in the Milassanswamin carried [Rashtrakthell  (iii) On a score est up in the Milassanswamin carried [Rashtrakthell  (iii) On a score est up in the Milassanswamin carried [Rashtrakthell   |                   | No.         | Place of inscription.  | Dynasty.      | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.   | •        |
| dott and belinds Eadaburu.  610 On a sich start with a low land between Myaka.  611 Andrea   |                   | 0           | ar the Palabhavi well  | •             | •   |   | Teluga                 | Begisters gifts of dry land, wet land and the low land of a tank bed, by a certain Krishnayya the brother-in-law of Nagati Nagapa-Nayudu of  |          |
| file on a stone set up in the Mallaterarseramin terms of the Mallaterary of the | '                 |             | ok in a low land between Myaka-<br>and Chinna-Kadaburu.        |               |   | 8th year, Hema-<br>[nta-pakha] 1,   |                        | Kandanavolu, to Tirumala-Tatayya of Adavani. Records the digging of a tank by a householder (gakapatika) of the village Val[p]ura.   |          |
| 611 On another stone in the same place Do A false at a same place Do A false at a boddinakela.  612 On a slab lying in a field near the rained [Rashtraktrate]. Goyindare Ballaha, 'ruling up to the sea.   Sake \$60, Kinker, Do Raining to the sea.   Sake \$60, Kinker, Do Raining trom boleyabilit.  | ,                 |             | one set up in the Mallesvarasvamin<br>de at Pedda-Kadaburu.    | :             | :   | . 4   |                        | Begistere that Salakaraja-Timmaraja gr.nted to<br>Vengalaraja the viliage Kadaburu as a Igodis.<br>The tax mignoconite was remitted on all the Azec.   | ,        |
| Goyindara Ballaha, 'ruling up to th. ee.   Ship \$62, Khara, Do Reference to please the Ahjaneya temple   Rajaohurys   Reference to please the Ahjaneya temple   Rajaohurys   Reference to the state of               | ,<br>-            |             |  | :             | :   |   | Do                     | mánya lande of this village.<br>A certein Badigavunda of Kadabūru made a gift of   |          |
| et Bapuram.  st Bapuram.  Challes.  st Babara.  Sale 900, Krlake, Do Tribuvanamala (Vikramaditya VI)  st Ball-mon  st Sale 900, Krlake, Do Tribhuvanamala (Vikramaditya VI)  st Sale 900, Krlake, Do Ra  st Sale 900, Krlake, Do Ra  st Sale 900, Krlake, Do Tribhuvanamala (Vikramaditya VI)  st Sale 900, Krlake, Do Ra  st Sale 900, Krlake, Do  | ,                 |             | lab lying in a field near the ruined ra temple at Doddimakala. | [Rashtrakuta] | Gôyindera Ball  | Saka 262, Khara,<br>Phalguna, su 5<br>(perhohams),<br>Friday.                           | Do                     | land to Kagarasijya. Registers that while the Mahäedmanta Kannara was Registers that while the Mahäedmanta province, while Jäanasiva-Bhatara was in charge of the devablagara hads and Appann was the yaewida, a certain kaga-esti of the Vasya-kula and the Balagara rage (?), made a gift of land to the temple of   | <b>(</b> |
| tomple at Chinna-Tumbalam.  Chalukya.  Saka 990, Kilaka, Do Tribhuvanamalla (Vikramaditya VI)  Chalukya  Chalukya.  Saka 990, Kilaka, Do Tribhuvanamalla (Vikramaditya VI)  Chalukya  Vaisakha,  Vaisak           | ı                 |             | lab set up near the Anjancya temple<br>Apuram.                 | Kalaohurya    | Rayamurari Bhujabalamalla Somesvaradera,<br>"Lord of Kalafijana, the best of cities,"<br>ruling from Soleyahalli. | ra, M<br><i>lha</i> ,<br>tday.  | .:                     | Kameérara. Registers that while the Dandanayaku Kariya-Kesi-rajayya was ruling the Sindavadi-one-thousand, as a feudatory of the king, the Sendive Bioharasayu of the Vasishthu-götra, consecrated a temple for Biyaja Somanathadeva on the western side of the holy tank at Chitrasele. On that coossion the mahdjana of Kirtinarayanapura allas Tumbuja, made gifts of land for offerings, lamps, repairs, etc.  | //       |
| temple.  Chajurya namalla (Vikramaditya VI) Chajurya Do Experimental of the same of t      | 99 Home (M        | · 6         | est up<br>Chinna-  |               | Bhuvansikamalladēva   | Saka 990, Kilaka,<br>Margasira,<br>Full-monn<br>(Pannama),<br>Friday, lunar<br>eclipse. | . Do.                  | The king's brother Trailokyamalla Nolamba-Pallaya.  Permadi Jayasinghadeva was ruling the Nolambavadi 32,000 and the Sindavadi-one-thousand, from his capital town of Kampilo. He gave to the Kalamukha teacher Chandrabhushaya-Pandita, well versed in Tarka and the other Sastraa, 250 mastar of land and 80 mastar to Narayanadeva, for   |          |
|  | lis).— <b>19.</b> | <del></del> | usb lying in a field near the same<br>ple.                     |               | Tribhuvanamalla (Vikramaditya VI)   | Chalukya Vikrama year 17, Angirasa, Vaisakha, Full-moon (Tunname), lunar eelipse.       | Do.                    | the purposes of education.  Records that the Maidmandalsteara Kaliga or Kaliyamarasa "the mast elephant of Chanduladeyt," who being evidently the ruler of the Panungal five-hundred district, was fordered to take charge of 'the Southern country." He built [at Tun.hula] a temple for Somestaradeva. The Chief Pottipi-Chola-Maharaja Ghateyana made a grant of the village of Piriya-Sogeyandru for offerings and worship. The mahajamas of Tun.hula also granted land at Belugali. |          |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| ,   |     |  |                      |  |   | London          |   |
|-----|-----|--|----------------------|--|---|-----------------|---|
|     | No. | Place of inscription.  | Dynasty.             | King.  | Date.   | alphabet.       | Remarks.  |
|     | 516 | On a broken slab lying near a bridge in the same village.                    | Western<br>Chalukya. | Tribhnyanamalla (Vikramaditya VI)                                  | Chalukya Vik-<br>rama<br>Margagira,<br>Full-moon<br>(tumname),<br>Sunday, lunar             | Капалеве        | Mutilated. Mentions the Mahamandaleseara Sigarasa ruling the Sindavadi-one-thousand province, from his capital Turbula and seems to record a gift to the temple of Dakshina-Someévaradéva in favour of the [Kajamukha] teacher mentioned in No. 614 above.  |
|     | 517 | On a slab lying near the Pete-Basappa<br>temple in the same village.         | Do.                  | [ Pra]tápachakravartin Jagadekamalladéva                           | Yuva, Pau shya]  ohami), Monday,  | Do              | Much damaged. Mentions the Mahamandalsevara<br>Trailekyamalla Bhujabala-Viranara[yana A]hava-<br>malladeva "the lion to the elephant—the Fandya",<br>and seems to record a grant of land for worship  |
|     | 818 | On a alab lying near Marisvami-matha in<br>the same village.                 | Do.                  | Tribhuvanamalladeva (Vikramaditya VI),<br>ruling from Jayantipura. | - <del>5</del>  | Do. :           | and offerings to the temple of Tripurantaka. Registers that the chief queen Maloyamatidevi, at the request of the Dandandayaka Studnarayu, gave to the 140 molajanas of Tunbula (in Sindavadi-nadu) which belonged to her, 30 gadyanas of gold from the Siddhaya of that village for the maintenance of   |
|     | 619 | On a slab set up near the manure-pit of<br>Rachappa in the same village.     | é                    | Tribhuvanamalladēva (Vikramaditya VI)                              | nami), Tuesday, lunar eclipse. Chalukya Vikrama year 4, Sideharthin, Jyeetthin, 84.         | Do              | the commentator (on Sastras), the reduce of the Puraina, the teacher of the Rig-Veda and the Yajur-Veda and of the Brahmana in charge of the Agniehtage.  States that when the Mahamanalestra Joyimayyarasa was ruling the Sindavadi-one-thousand province his officer Perggade [Kambana], built the temple of Kambesvara and got a grunt of land |
|     |     |  |                      | •  | 10, Thursday<br>and Chalukya<br>Vikrama year<br>11, Kehaya,<br>Uttarayana-<br>Sankranti.    | Renewrit<br>and |   |
|     | 920 | On a slab lying on the tank-bund in the same village.                        | fadava<br>           | Jaitagi (1)  | itra  | .08             |   |
|     | 621 | On a slab lying in a field near the same village.                            | Western<br>Chainkya. | Jagadékamalladéva (II)   | 6th year, Dundu-<br>bhi, Stavana,<br>Full-mon<br>(Funname),                                 | Капагеве        | Registers a gift of land by the 104 mahájanas, to the temple of Késavadéva at Tumbula, which had been constructed there by Arasiyakka. The merchents also made some contributions.  |
| · > | 692 | On the stone beams supporting a mandapa<br>in a field near the same village. | ло.                  | Traijokyamalladēva (Somēsvara I), ruling<br>from Kalyāņa.          | eolipse.<br>Saka 974, Nan-<br>dana, Pushya,<br>ba. 2, Thursday,<br>Uttarayana-<br>Sahranti. | . :             | Damaged. Vira-Nolamba-Ghattideva father of Vira-Nolamba-Pallava-Permanadi who was ruling the Sindavadi-one-th-usand province, made a grant to a certain teacher. Mentions also Tumbula and the temple of Bhogestara.  |
|     | -   |  |                      |  |   |                 |   |

| 15 -cont.    |
|--------------|
| o            |
| _            |
| ä            |
| copied       |
| insoriptions |
| B.—Stone     |

これの、これによって、一般の動物の影響の、これをいって、これの影響のとなっている。 かかれることをある。これをいることのできましているというと

|             |  |                       |                                       |  |                           | The second secon |
|-------------|--|-----------------------|---------------------------------------|--|---------------------------|--|
| No.         | Place of inscription.  | Dynasty.              | King.                                 | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| 523         | On a slab lying near the sluice of the Karim-saheb tank in the same village.                                 | Western<br>Chajukya.  | Tribhuvanamalladeva (Vikramaditya VI) | 7ik-<br>n,<br>n,   | Капагове                  | Seriously damaged. Mentions the Mahamandalösvara<br>Tribhuvanamulladeva. Pėsana-Garufa. Jöyimayya-<br>rasa, already referred to in No. 519, above.   |
| 634         | On a rook near the Tirumala cave-temple at Belagallu.  | :                     | :                                     | Thursday. Jaya, Chaitra, suddha, Sunday.                                       | Do                        | Damaged. Records a gift of land to the temple of Tirumaladova on the hill at Bedura Bejugallu, by a subordinate of the Mahāmaṇḍadēṣara Balagarāju ('hìtka-l'irumalaraiadova-Maharam.   |
| 525         | On a stone set up in Gaddam Kariah's garden near the same village.<br>On a stone lying in a field near Halvi | : :                   | : :                                   | Rakshasa, Śra-<br>vana, śu. 5.<br>Chalukya Vik-<br>rama year [3]3,             | Do                        | States that the well (in the garden) was constructed by four private individuals.  Mutilated. Mentions the Mahamandalösvara Mallarasa ruling the Sindavadige country and the   |
|             |  |                       |                                       | Sarvadharin, [Jyeshtha], New moon (Amaedee),                                   |                           | onets Chavundanalys, Sripsu-Dandanayska and<br>others of Hiriya-Haluve.  |
| 627         | On a stone set up in front of the village gate at Bhattarahommalapuram.                                      | Vіјаувпа <b>в</b> ага | Virapratapa Vira-Aohyutadéva-Maháraya | Inureday,<br>solar edipse.<br>Saka 1457, Jaya,<br>Pushya świdha,<br>3, Monday, | Do.                       | Gift of the agrahāra Bommalapura to a certain Bhatara-Nagaya. The village was situated in Satanura-sime in Ādavāni-rājya.  |
| 528         | On the west wall of the first fort gate at Adoni.  | :                     | :                                     | Sańkramapa.<br>Yuvan, Vai-<br>śakha, da. 3.                                    | Do                        | Registers a coul granted to the 18 classes of the town of Adalabata, by Khani Ajam Galiba-khana-Sahèba, exempting them from siddhäya, kal daya bi[t*] t and bajqāra, for a period of 12 years. Above   |
| 629         | On one of the pillars of a mosque on the hill in the same village.   | V іјаувпадаги         | Gajaddpiekār Praughadsvaraya-Maharaya | Śaka 1439,<br>Iśvara, Magha,   | Do                        | this is the Arabic inscription No. 1 noted below. Registers that Ramaga-Nayaka, son of Kathari Tippana-Nayaka established a temple for Prasanna- Ramayadeva on the upper fort at Adavani.  |
| .530        | <u> </u>   | :                     | :                                     | Krodbin, Vai-<br>sakha, sw. 10,  | Telugu                    | Registors that a certain Trivilishu, heroically met the five brothers of Kachi-Nayadu and died (?).  |
| <b>£81</b>  | On a slab set up in the court-yerd of the Afrian eyseramin temple at (Kalagotia) Naranapuram.                | :                     | :                                     | Ananda, Sravaņa,<br>ba. 10.  | Капатеве                  | Damaged. Mentions the Mahāmaṇḍaiēśwara Rāmaraja-Konetiraja-[Kondra]jayyadēwa-Mahāraja. Seems to record a couet granted to the Reddis and Kurnams of Narayanapura, by an agent of this ohief.   |
| <b>6</b> 82 | On a rock in a field at (Kulluru) Timmapuram. On a slab fying in a field at Kadimetla                        | <u> </u>              | : :                                   | Dhatri, Kartlika,<br>ba. 10 (deśami),<br>Plava, Jysshtha,<br>św. 2.            | Do                        | Mentions that Sambeta Timmaraja gave to two Reddis a piece of black cotton-land (ere-lola). Mentions the Maldimandal Escara Bhogaraju-Timmayadéva-Mabaraja and records a coul granted by this obief to the Reddis and other residents of the village of Kudametla.   |
|             |  |                       |                                       |  |                           |  |



6736.

| 5con t.              |
|----------------------|
| ~~                   |
| =                    |
| <u>S</u>             |
| •                    |
| in 1915              |
| opied                |
| `₩                   |
| •≡                   |
| opied                |
| ×                    |
| •                    |
| 9                    |
|                      |
| .~                   |
| 쓮                    |
| one inscriptions cop |
| 4                    |
| 2                    |
| ਰ                    |
| -=                   |
| 0                    |
| ø                    |
| J                    |
| <b>*</b>             |
| 4                    |
| 1                    |
|                      |
| paj.                 |

| ,        |  |                 |   | יו ומותפטעיני   |                           |   |
|----------|--|-----------------|---|---|---------------------------|---|
| No.      | Place of inscription.  | Бупавту.        | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| 789      | 4 On a slab set up near the Garuds-stambles in front of the Afriandyasvamin temple at Dayyamdinne. | :               | <u>:</u>  | Saka 14[82],<br>Kalayukta,<br>Āferija, św.   14],<br>lunar eolipse.     | Telugu                    | Beoords the gift of tolls due from the agrahāra Dayvamdinna alias Krishnapura to the hill fortness of Adavēni, in favour of the matha of Parahusa Sri-Sathus Copaliyanugāru, a Sri-Vaishnava teacher who held the titles sarvatantrasvatuntra and ubhayar vēdandahārya. The donor was Srirahgaraja (a   |
| £885     | On a slab built into the floor of the Āfia-nâyasvāmin temple at Yonigabala.                        | :               | Maharajadhiraju Immaqi Bapanayani-Ayya-<br>vatu.                        | Śaka 1[4]98,<br>Dhatri, adhika-<br>Jysshtha, su. 5.                     | Do.                       | Journal I of the managadeers Struggadees. Str-Venkațadritajayyadevs-Maharaja. Damaged, Mentions Tenngabala.   |
| 989      | On a rook in a field in the same village   | :               | :   | Vikarin, Mar-<br>gasira, św. 5.   | Do.                       | Much damaged. Registers that a certain Linging-yani-Potinayaningaru who styled himself a näywikardehärya and was the mokhdau chief of Yenungaba Pala village, gave a piece of land to a potter in compensation for a pond which the latter had dug. The grant is stated to have been made for the merit of Yedula-Padusaha whose name proper is not distinct on the impression. |
| 484      | On a rook in Ramappa's house at<br>Yemniganur.   | :               | :   | Saka 164[5],<br>Sobbakrit,<br>Sravana, \$\epsilon\text{c}\$,<br>Friday. | Kanarese                  | Refers to the temple of Kasi-Visranatha and Kamakashiamma, at Temsgantra-pe [fe] and to the well dug by some private individuals for the temple.  |
| 588      |  | :               | :   | Visvavasu,<br>Āshādhs. \$10.  | Telugu                    | Gift of the village Murnvani by Ramaraju-Koneți-<br>Timmarajugaru, to Kandaja Srirangacharya, for<br>the merit of his mother.   |
| 889      | On a broken pillar lying at the entrance into the Affianeyasvāmin temple at Halaharavi.            | :               | :   | Saka 143[6],<br>Prajapati,<br>Chaitra                                   | Капатсве                  | Damaged. Seems to record a gift of land by the chiefs Talavara Bhima-Nayaka and Tallapa-Nayaka.   |
| 040      | On a rook in a field in the same village , .   | [Rashtraküts]   | Nityavarsha [Indra III?]  | Saka 854,<br>Parthiva<br>(wrong).                                       | Do.                       | Mentions Chandiyabbe queen of Kaunars, who was ruling the Sindavadi-one-thousand country. She appears to have constructed a based (Jains temple) at Nandavana and to have made a grant of the Siddhdya taxes of Raiandru for its maintennes.  |
| 541      | On a rook on the way to Nandavaram<br>from the same village.                                       | Vijayapagara    | Virapratapa [Vira-Sada sivadevaraya-Maha-raya, tuling from Vidyanagera. | Śaka 148[3],<br>Durmati,<br>Māgha, św. 1.                               | Teluga                    | Mention is also made of a certain Padmanandi.  Before to the Mahdmandaleicera Tagaralaya son of Koluda juti 'lirumalarajaya of the solar race and to he grant of rent free land to a certain Ramakrisha. Mentione also Ramarais. Venkatadrira.  |
| <b>P</b> | On a stone lying to the east of Mantrala- [Bashtrak uta] Yellamma's temple at Manchala.            | [Rash trak uta] | Akalayarsha Subhatunga-Bhatara (Krishya II).                            | Śaka 815,<br>Pramathin.   | Kanarese                  | jayya the representative (kdryakaria) of the king.  Mentions the king's Mahdedmanta Matyenapus ruling the Sindavadi-one-thousand province.  |
|          |  | e               |   |   |                           |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| Ветатка.                  | Registers that the province Adavani-sime was granted as amaramigune to the Mahamandalefeara Venkatadring, of the lunar race. Gift of land to the temple of Ahobala-Narasimhadeva at Buduru which was an umbalige grant of the Mahamandalefeara | Goburi Avubhalarajaya.  Gift of land for the maintenance of the tank Chafndiyulyyana-kere at Bûyaranûru. | Incomplete. Mentions the Mahasamanta Bikki of the Chalakas family | Registers that the Mahapradhana Malaparasa who was ruling the Sindavadi one thousand province, gave I gadgana each month from the heijuinka of Galdirelle At to the femule of Mullilariuna at the | ঠ   | ₩  | Registers that under orders of Heritala-Sandhisigrahi Registers that under orders of Heritala-Sandhisati of Mana-Keimayy, the Hergude and Söndahigati of Manadadi-nadu, Miriti-nadu, Fosage-nadu, Galidizala-Kallakelaga-nadu Kollihake-nādu and Sindaradianda, his son (F) Chiyamarasa who was ruling Sindavadi one thousand province, gave the village Kakumhala to the temple of Ramesvaruddva at Gurindala, a village in Mañohalu 'thirty-six villages', a sub-division of Adavani-five-hundred. | While the rajaguru Anantasivadeva was in charge of the two villages Unakulu and Gurindalu, Peggade Nimhanayya made a gift of land to the temple of Ra[mésvara]deva. | Registers that the Mahasamana Kannaya made a gift of 26 mattar of land at Guriyindala to the temple of Lokana-Gavunda. Another portion of the record registers a gift of 12 mattar of land to Binayya-Mahadeva. |
|---------------------------|--|--|---|---|---|--|--|---|---|
| Language and<br>alphabet. | Kanarese   | Do   | Do  | Sanskrit and<br>Kanarese.   | Kanarese  | Do   | . Do.  | Do. :   | Do  |
| Date.                     | Šaka 1482,<br>Raudri, Vaisa-<br>kha, ba. 15,<br>solar eolipse.   | Solar eclipse  | :   | Saka 1108,<br>Parabhava,<br>Pushya, suddhu  | day, Uttaraya-<br>na-Sankramana.<br>Vikrama, corre-<br>sponding to<br>fash: 1170,<br>Nija-Sravana,<br>su. 12. | Svubhann, ('bai-<br>tra, <i>śuddha</i> , 6,<br>Sunday. | dubhi, Pushya,<br>śaddła 6, Fii-<br>day, Utlara-<br>yapa-Sabk-<br>renti.   | Chalukya Vikramu year 36,<br>Khais, Uttarsyana-San-<br>kianii,  | Otta[raya]ņa-<br>Sarikrānti.  |
| King.                     | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya  | :  | :   | Viransığyana Someśvaradova (IV), ruling<br>from Jayan'ipura.  | •   | :  | Praiāpachakravarim Jagadēkamalla (II),<br>ruling from Kalyāņapura.   | Tribhuvanamalladeva (Vikramaditya VI) ••  | :   |
| Dynasty.                  | Vijayanagara   | :  | •   | Western Chajuk-<br>ya.  | į   | <b>:</b><br>·  | Western Chaluk-<br>ya.   | Do.   | <u>:</u>  |
| Place of inscription.     | On a slab lying in the court-yard of the Kesavasvamin temple at Buduru.  | On a stone lying in the same place   | Ona viragal set up in a field (near a                             |   | On a slab lying in a field in the same village.   | On a slab set up near a well at Kanaka-<br>vidu.       | On a slab set up in the conrt-yard of the<br>Ramalingasvanin temple at Guruzala.   | On two other slabs set up in the same place.  | On a stone lying to the east of a Śiva<br>temple at Rayachutl.  |
| No.                       | 548  |  | 7 646   | 546   | . 547   | <b>648</b>   | ,249   | .550  | -651  |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| -                |  |                        |  |   |                                |   |
|------------------|--|------------------------|--|---|--------------------------------|---|
| No.              | Place of inscription.  | Dynasty.               | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet.      | Remarks.  |
| 1662             | On a broken stone lying near the Afijansyasvaamin temple at Peddakottaliki.                              | Yadava                 | Singapa Singapa  | Saka 1[12]6,<br>Dundubhi,<br>Pushya, iu. [8],<br>Thursday,<br>Uttu[raya]pa- | Sanskrit and<br>Kanarese.      | Much damaged. Begins with the genealogy of the king. Mentions Sindavadi-onc-thousand province and seems to record a gift of land.   |
| <b>J</b> 668     | On a slab set up near the Anjaneyasvamin temple at Gangavaram.   | :                      | :  | Sankranu.<br>Virodhin, Marga- Telugu<br>sira.                               | Telugu .                       | Registors a coul granted by the Mahamandalssara<br>Kaveti Rangurajayyadova-Maharaja, regarding<br>the cultivation of fields, to the Reddis, Karnama   |
| 7664             | 0  | Vijayanagara           | Virapratapa Vira-Sadasivadeva-Maharaya                                   | Lost  | Kanarese                       | a. d the people of Gangavaram.<br>Much damaged. Seems to record a gift of land.   |
| <sup>7</sup> 666 | kalu.<br>On a slab set up at the entrance into the<br>village of Malakapuram.                            | Western Chaluk-<br>ya. | Western Chaluk- Trailokyamalla Bhujabala Fira Rayamurari<br>ya.<br>para. | Saka 1106, Krōdhin, Karttika,<br>New-moon                                   | Kanarese (verse<br>and prose). | Evidently the slab belongs to the village of Pedda<br>Tumbalam. Gives a genealogical account of the<br>objects Brahms (Bammidova), his son Padmidova<br>and Vateratic the material male of the latter   |
|                  |  |                        |  | Monday, solar<br>eolipse.   |                                | Tadmidovarsas and Vatearaja were ruling the whole of the eastern country including Sindavadi. The village Kantarike in Bagi 12, a sub-division of Sindavadi—one-thousand, was granted to the temple of Brunhmésvaradéva, ex Karekapthapura in Kirtinarayampura, the capital of the Sindavadi province) which had been built by the merchant Srotriya Ereyama-eetti.   |
| , 556            | On a slab set up near the Rajarajestvarasvamin temple at Cheruvu-Belagallu (Kurnool taluk and district). | :                      | :  | Parsbhava, Mar-<br>gasira, sw. 14.  | Teluga                         | Damaged. Registers that the Mahamandaleseara<br>Ramaraja-Rangaiajayyndova-Maharaja, remitted<br>the tax on harbers (maigalia.ejyulu) in Beluganti-  |
| 799              | On another face of the same slab   | Vijayanagara           | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaja  | Sake 1482,<br>Raudri, Sra-<br>vaņa, św. 5.                                  | Do                             | sima which was parto the Advantation, Registers that the Mahamandessare Siddhursju Sirrangurahiyaba-Maharaja, having conferred the tolls of Kere-Beluganti-thányam on the chief Chennarasu, the latter granted & varáha, collected from the Baliyae of that city, for offerings, to the fample of Hajarajabara-hahadaba at Kere-Belugallu. Other gifte made in the following year Darmati, are else recorded. |
| 556              | On a piller in the Kesavasvamin temple in the same village.  | Do                     | Virapratapa Vira-Krishparaya.Muharaya                                    | Saka [148°] [6],<br>Bhava, Vaisa.<br>kha, ss. 16.                           | Капагово                       | Carelessly inscribed. Mentions the temple of Jalasayana or Jalasingadera at Keriya-Belugalla and records a gift of land by Karpam Basaparasa, son of Somarasa of Tirupattūru, to a certain Nathura-Nagaya whose father Chegaya was connected with the drama Isyikunda-mejada and to the daughter of Nathura-Timmaya of Potavara who was a getti.  |
|                  |  |                        |  |   |                                |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.               | King.  | Date.  | Language and alphabet.          | Ветатка.   |
|------|---|------------------------|--|--|---------------------------------|--|
| 7669 | On a pillar set up in front of the Virabhadrasvamin temple in the same village.   | Vijayanagara .         | Virapratapa Vira-Krishņādēva-Mahārāya  | Sarvajit (—Śaka<br>1449-50), Asha-<br>dha, świdika [6].  | Kanarese                        | Gift of land by Sunkana-Nayaka, son of Dadi-<br>Nayaka to the temple of Pete-Vicabhadradeva of<br>Kere-Belugallu (included in Adavani-durga) which   |
| 000  | On the Jains image of Vardhamanasvamin<br>(now worshipped as a Hindu idol) at<br>Kammarchadu (Alur taluk, Bellary<br>district). | :                      | :  | Sivaratri (?).   | Kanarese (verse<br>and prose).  | was granted to him as amara by the king. In characters of about the 12th century A.D. Registere the reconscoration (of this image) by Chandavve the wife of the merchant chief (mald-  |
| ,561 | p in the court-yard of the smple in the same village.   | Western Chalu-<br>kya. | Traijōkyamalladeva (Sōmesvara I), ruling Śaka 976, Jaya, from Kampile.  1 [5], Sunchya | Saka 976, Jaya,<br>Pauthya suddha<br>1[6], Sunday,   | Kanarese                        | easign of the many and see the see the first and an analysis of the first and an analysis of the temples of Mulusthanders and those everaders, at Kamma [ra] cheguva while the Mahāmandalēssaa Vira-   |
| 562  | On a pillar set up in a field at Hulibidu (same taluk and district),  | :                      | :  | Uttarayana-<br>Sankranti,<br>lunar eolipse.<br>4th year, Sarvajit  | Do                              | Nolamba-Gattideva of the Pattava family was ruling the Sindavadi-one thousand.  Mutilated at the top. Registers the death of a hero named Sirigupa when the latter opposed on behalf   |
| -683 | On a slab set up in the court-yard of the Jotinatha temple at Joti (Sidhout taluk, Cuddapah district).                          | :                      | Kakkasa-Gangarasadera-Maharaja   | Śaka<br>Plavarga,<br>Jyeshtha,<br>śwdaha, 13   | Teluga                          | of the hayes the army of transiga, whom attacked the village Chikuramhravi.  Registers that Chenti Rami-Nayaka, the servant of the Mahamandalëseura Rayideva-Maharaja, built the compound wall and the göpura of the temple of Jotinatha. He also constructed a temple for   |
| ,664 | At the entrance, on the east wall of the old fort at Sidhout (same taluk and district).   | Vijayanagara           | Vira-Venkataraya, ruling the Chandragiri-<br>sima.                                     | (trayōdasī),<br>Saturday.<br>Saka 1527, Višva-<br>vasu.  | Sanekrit and<br>Telugu (verse). | Irugalasani at Takaprolu and made other gifts at Chethuru. Registers that this stone fort was extended (?) by the Mathi chief Ananta of the solar race whose father Ellamaraja conquered Siddhavata after  |
| 997  | On a slab set up on the Kailasappa-gutta<br>(hill) at Konakondla (Gooty taluk,<br>Anantapur district).                          | Western Chāju-<br>kya. | Tribbuvanamalladeva (Vikramaditya VI),<br>ruling from Pottalakere.                     | Chalukya Vik-<br>rama year 6,<br>Durmati,<br>Pushya, bahula<br>[6], Thursday,<br>Uttarāyaņa-<br>Sankranti. | Капатеве                        | fighting the hattle of Utukūru.  Records that Navikabbe built a Jaina temple called Chatta-Jinālaiya at Kondakundeyatīrthu and [her husband] the Mahāmaṇdalēsara Joyimayyarasa who was entitled Pésaṇa-Ganda gave 30 mattar of black-soil land at Kiriya Koṇdakunde, to that temple.   |
| 500  | On a slab lying in a field near the sume village.   | ο̈́Ω                   | Tribhuvanamalladeva (Vikramaditya VI)  | Chalukya<br>Vikrama year<br>12, Vibhava,<br>Uttarayana-<br>Sankranti.                                      | Do.                             | Damaged. Mentions first the Mahamandalessura Ballaya-Chola-Mudaraha who was ruling the bindavadi-one-thousand province and whose prasiastic begins with the words Olarana-saroruha, sto.; then it mentions the Mahamajalessura Chikurasa of the Mahabali race whose prasiastive legins with the words Jagattragabhievadita, etc., and next the Maha samatas Chandarasa, Barmmarasa and Révarasa of Kondakunde, whose prasiastive hegins with the words articulaliara, etc., seems to record the grant of a land. |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.         | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet.                 | <b>Ветагка</b> ,  |
|-------------|--|----------|--|--|---|---|
| J. 201      | On the north and west walls of the central shrine and the west wall of the Mukhamandapa of the Madhyasthanatha temple at Darukapuram (Sankaranayinarkoyil taluk, Tinnevelly district). | Pspdya   | Frandakilumeduttu Perumai Śrivallabhadsva<br>Tirunelvēliperumai, 'who was born under<br>the asterism Asvati.'  | Śaku 1463, 7th<br>yeur, Plava,<br>Avani, 22, śu.<br>di. 7, luesday,<br>Rishabha. | Tamil                                     | Registers a gift of land in the village of Patta-kuriohohi in Ari-nadu for compiling a pailohdhea (calendar).   |
| <b>5</b> 68 | On the same walls  | ъ        | Parakrama-[Paṇ]dyadēva   | 5 X d  | ро:                                       | Incomplete. Mentions Muppakkudi in Śoja-map-<br>dalam.  |
| 669         | On the south wall of the same shrine   | :        | :  | yöge, 'lıru-<br>vönam.<br>Kanni, 1, sw.  | Do  | Fragment. Mentions Malaiyadikkuriohohi-Udaiyar.   |
| 670         | On the same wall   | Pandya   | Peramaj Ku[lug6kara-Perumaj Parakra]ua-<br>Pandyadeva, s.n. of Jatjavarman <i>alias</i><br>Tribhuvanaobakravartin Kōnērmaikoņdāņ<br>Abhirama-Parakrama-Paņdyadeva, | Saka 1471, 7th year, 13, ba. di. 7, Sunday, Dhri- ti-yoga, Bala- karana.         |   | Incomplete. Seems to mention prince Truncheliperunal who was born under the asterian Agenti and was the son of Abhirana-Parakrama-Parakrama.  |
| 671         | Do   | Do       | Jațilavarman <i>alius</i> Tribhuvanachakravartin<br>Konêrmalkopdan, [born under the<br>asterism] Vaisakha.   | Pushya 1462,<br>Saka 1462,<br>Sarvari, Tai,<br>12, su. di.,                      | :   | Built in at the end.  |
| 673         | At the entrance into the Mukha-mandapa in front of the same shrine; right side.  | Do       | Jatavarm-n <i>alias</i> Tribhuvanaohakravar[ti]n<br>Kulasekharadova,   | Karapa.<br>Lost  | Do  | Damaged. Registers the gift of a hanging lamp and 25 sheep. Mentions the southern hamlet of   |
| 573<br>574  | In the same place  | Do       | Jatavarman alias [Tribhuva]naohakravartin Kulasskbaradova.<br>[Jata]varman alias Ivi[bhuva]naoha[kvavarin] Vikrama-Paņdyadēva.                                     | 12th year 4th ,,   | Do. : : : : : : : : : : : : : : : : : : : | Fightaka-obsturvelumangulam.  10. Registers the gift of 50 sheep for a lamp by a octum Kandiyadeva.  1)0. Gift of sheep for a lamp to the temple of Pipakkagukkum-Nayagar.  |
| 676         | Do   | Ъо       | Jatavarnan <i>alias</i> [Tribhuvanachakrava]rtin<br>Kula[s6kha]rad <i>d</i> va.  | lith year  | Po. :                                     | Do. Gift of lamp and 50 sheep to the temple of Pinakaru[k* kum-Mahadeva at Malaiyadi-[kkngu]ohohi which was a hamlet of Pirantaka-  |
| 576         | In the same place; left side   | Do.      | Jatavarman <i>aiss</i> e Tribbu[vana]obakravartin<br>Kula[sêkharadêva].  | 13 + 3rd year  | Do  | onautyounnangalam.  On a native of Magapadaivida northern hamlet of Srivalavamangalam in Kilkarai-kunnan.  Gift of 50 sheep for a lamp to the temple of Pinakkarukku-liahadeva at Malaij yadi]kunjohohi, the southern hamlet of Pirantaka-ohatarvediumangalam which was a brahmadeya in Ari-nadu. |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.      | Place of inscription.                            |      | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and alphabet.           | Кепатка.   |
|----------|--|------|----------|--|--|----------------------------------|--|
| 577      | In the same place; left side                     |      | Paņdys   | Jatilavarman alias Tribbuvanschakravartin<br>Konermaikondan Alagan Perunal Att-<br>viruraman Grivallabhadova, 'who was born<br>under the asseriem l'unarvasu.' | Saka 1493, 9th year, Prajot- jatti, Uttara- yapa, Saisira- iitu, Kumbha- Ravi, 26, su. di. 10, Friday, | Granthy and<br>Tamil.            | Registers the sarvamanya gift of certain taxes to the temple of Pinakkaruttaruliya-Navinar. Bears the signature of Kodumajur-Udaiyan.  |
| 829      | . Do.  | :    | Do.      | Jata[varman] alias Pribhuvanachakravartin [13] + 1st year, Tamil (of about Kulasskharadeva.  | [13] + 1st year,<br>Karkataka, 27,   | Tamil (of about<br>the 13th ceu- | Gift of money (anastraction) for a lamp to the same temple, by a native of Mangottucheheri.  |
| 629      | 1)0.   | :    | Do       | Kulasekharadeva  | 16vati, Friday.  | tury A.D.).                      | Unfinished. Gift for a lamp to the same temple by  |
| 989      | Do.  | :    | Do       | Maravarman alias Tribhuyanachakravartin 11th   | 11th ,,  | Do                               | Gift of managers and a managers of a second of the seme temple, by a   |
| 581      | On the north wall of the same munidapa           | dapa | Do       | Dulluka-rampyaneva.<br>Japavarman altas Kulasekharadeva  | 13 + 4th .,  | ъ                                | Registers that the assembly of Pirantaka-chaurvedi-<br>motoria and the assembly of Pirantaka-chaurvedi-<br>motoria and and and and a semulad   |
| 90 M:    | On the same wall                                 | :    | O        | Maravarman alius [Tribhu]vana chu kravartin Sundura-Pāṇḍyadēvu, 'who was pleased to distribute the Chōļa country.'   | 13th ".  |                                  | under orders of the king, from the payment of taxes certain lands which they had sold to the temple of Pinakkarukkundeva Mentions Ulaguyavunda-Pandyappereri.  Records that as there was no uoney in the treasury of the temple of Pinakkarutta-Nayanar in Malaiyadikkuriohohi, the southern hamlet of Pirantaka-chaturvedimangalam a bruhmadeya in Arinadu, a certain Puliyar-kilavan Piralaya-Viduhgan Abhayampukkan living in the street called Knlasékharapperunderu, defrayed the expenses to be met in regard to the tax called vinigoun on the tank Ulaguyavanda-Pandyappereri and made a gift of his right to one-third of the income from the tank slong with some money to the temple, for offerings to Tiruppalliyarai-Nachehiyarand Turukkajanisvaramudajya-Naganar at Savadampattukurichohi which helonged to the tantiratturis. the Kaikkojas the Senapat is and Dandanayakas. |
| 00<br>10 | On the north and west walls of the sume mandapu. |      |          | Jatiluvarman adias Tribbuvanach d'krivar-<br>tin] Konemalkondan Trimelahiperu-<br>mal, born under the asterism A[sva]ti in<br>Vangasi.                         | Śaka 1467, Multana'ha, kalitigai, 23, su. di. 12, Monday, Söbhanayoga, Svati.                          | Ъо                               | Gift of land to a number of persons of various gotres and sature. Records that these lands and the tank called Manabharanapporeri included in Ari-nadu, were now joined to the village of Abhirams-Parakramapandiya-chatuvodimangalam. They were divided into 10 shares and given to 11 persons. Mentions the king's father (achehan?) Ahavaraman Srivaladeva.   |

99 Mis. - 15

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| Ì              |  |          |  |   |  |   |
|----------------|--|----------|--|---|--|---|
| Ho.            | Place of inscription,  | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet.                    | Rешатка.  |
| 187            | On the west wall of the same mandapa   | Рарфул   | Jațāvarmun <i>alias</i> Iribhuvanachakravartın<br>Vira-Paņģiadēva.   | 7th year, Monday, Hasta   | Tamil  | Begins with the introduction tirumgal valarmulai and records a sale of the kardimai right of land. Per-   |
| 68<br>68<br>68 | On the same wall   | Do       | Alagan Perumal farakrama-Pandyadéva.<br>'who was born urder the asterism Atdra.'   | Sake 1403, 2 + 6th year, Biebabhu 80, st. dt. :, Sunday, Siddha-yoga, Uttara- | Do   | haps built in at the right end. Incomplete. Registers a gift of land to a private individual for supplying oil to the temple, on ashiumi and pranfishu days. Refers to a previous gift of the village of Srivallabha-chaturvedimanershap king firvallabhadeva for the recitation of the Vēdas.  |
| 586            | Ou the south wall of the same mandapa  | Do       | Maravanman alica Tribhuvanachakravartin<br>Kulmécki araféra, 'who was pleased to<br>take all countries.'   | [1]2th year,<br>Sinha 14, su.<br>di. 3, Friday,<br>Uttura-Phal-               | Do. (of about<br>the 13th cen-<br>tury A.D.) | Much danaged. Begisters a sale of land to a certain<br>Vepavudalyar. Mentions Servirukkernagu.  |
| 587            | On the same wall   | Do.      | Maravarman <i>alias</i> Tribhuvanachakravartin<br>Vi <b>k</b> rama-Fandvadova.   | of thyeur.  | Tamil  | Begins with the introduction tirumalai mddu ste. Registers a gift of land by Sengodikkungan Sakrayudan alias Vikrauna-Pandyspanman of Malaimandalau, for the expenses of the temple of pipakkaruttsvaran-Udaiyar at Malaiyaqikkuyudoloh, which was the southern hamlet of Parantakachaturvedimangalum in Ari-nādu. The gift was made under the orders of the king when he was in his palace at Alliyar in Nattaruppokku at the request of his brother-in-law (machodiku) Vikrama-Choladeva. |
| 688            | Ло   | :        | Tribbavanachakravartin Konerinmaikondan  | 6th year and<br>225th day.  | Do   | Refers to the transaction mentioned in No. 687 above and fixes the rates of assessments to be paid on the several kinds of land.  |
| . 686          | On the second gopura of the same tem; le; right side.                          | Paņdya   | Jatavarman, olias Tribhuvanachakravartin<br>Kulusekharadsva.   | Makıra 25,<br>Sunday,<br>Mrigasirsha.   | Do. (of about<br>the 13th cen-<br>tury A.D.) | Gift of 7 achebu, for a lamp and a lamp-stand to the same temple by Karinambi Kottaduvan alias Uttama-Pandiya-Vilupparaiyan of Ponparri in Milalai-kurram.  |
| 691            | In the same place  | Do       | (Au)tavarman a/.ce Tribhuvanachakravartin<br>Kuliebekhuradeva.<br>Malgavarman alice Tribhuvanachakravar-<br>tin] Sundana-Papdyadeva, 'who distri-<br>buted the Chols country.' | 13 + 9th vear.  | Do.<br>Do.                                   | Gift of money for two lamps, to the same temple by two natives of Tiruvilimilalui. Gift of morey for a lamp to the same femple.   |
| 693            | On a pillar in the rook-out cave at Tiru-malaipuram (same taluk and district). | Do       | Chakravartin Śrīvallabhado[va]   | -   | J'amìl                                       | Damaged. Seems to register a gift of land. Mentions the seat called Idndingthy in Alagiya-Papdiyan-kudam in the palace at Solfantake johaturvedimengalem, a village in Palga Intr-künn.   |

B,—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.              | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and alphabet.                   | Вепатке.   |
|------------------|---|----------|--|--|--|--|
| 1693             | On the rook by the side of the road from Vasudevanallur to Sankara-nayinarkoyil.                                | Рапфув   | Maravarman alias Tribhuvanaohakravartin<br>Sundara-Pandyadeva. 1.  | th year  | Paril                                    | The introduction commences with the words gravet for all the residents (tivom) Kottukanjakkam alias Utamatonganullar remitted the taxes on certain lands granted to the temple of GunanalaryIstvaramudaiya-Nayagar in their village. Refers to the construction of the entrance to the temple and a gift of land for a |
| <sup>7</sup> 694 | On the west wall of the central shrine in the Umaiyorupagesvara temple at Sayamalai (sa.ne taluk and district). | Do       | Jatavarman odica Tribhuvanachakravartin<br>Konemai[ko]ndan Alagan odica Ativira-<br>raman Sivaladeva.  | Śнки 1500, 16th<br>year, Isvara,<br>Vaigasi.     | ъ  | lamp to it.  Registers a kift of land for offerings to the temple of Umaiyoupagisurumudaiya-Nayigar at Sayamalani, on Kartigai and Siyarati duye. Mentions   |
| 282              | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.   | :        | :  | 18th year  | Vattellutta                              | A.189.780.80m. And and a second and a second and a second and the temple of Formagashings-fsvaretunders, by Araiyan Uttama[sila]n alue Tennaran Solava-tayan, for the merit of three persons who belonged to Norkeharanda.   |
| <b>29</b> 6      | On the west and south walls of the same mnndapa.  | Раффун   | Jacavarman olica Tribhuvenachektavettin<br>Sundara-Papdyaddva.   | 8 + 1st year<br>Vrisonika 10<br>ba. di, 11, Sun- | Tamil (of about the 14th century A.15.). | Registors a gift of land for offerings to the temple of Udaiyar-Umaiyonupagisurmudaiya-Nayanar at Sayanalai. Mentions Kulasékhara-lévarmun-doise-Nayanar   |
| 169              | On a stone set up in the court-yard of the same temple.   | Do       | r<br>F   | Saka 15[6]5,<br>[2]3rd + *                       | Tamil                                    | days with the mention of the king.   |
| , 69 <b>8</b>    | - <u></u>   | Ло.      | gupun ahas Kulasskhara Dikshikar.<br>Maravarman alias Tribhuvanachakravatiin<br>Kulasskharndeva, 'who was pleased to<br>take all countries.' | y ear.<br>22nd year                              | Do                                       | Damaged. Mentions Alliyûr aleas Kêralakula[kâla]-<br>chaturvedinangalam in Națțârruppokku.   |
| 980              | On the same wall  | :        | [Maravarman] alias Trithu[vanachakra]-<br>vartin Kulasekhara[deva], 'who [was  | 27th   | :<br>â                                   | Fragment. Seems to record a sale of land.  |
| 009              | Do  | Do. :    | Freased J. C. cake   all Countries J. Kulstekharadevs, 'who was pleased to take all countries.'  | [4]7th ,,  | Do                                       | Damaged. Seems to register a gift of money to Tirukkaivelalagiyar for reciting songs in the temple at Alliyur alias Kerajakulalkalal-ohaturvelimangalam in Nattarrupnekku. Mentions Kl.  |
| 601              | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine.   | Do       | =  | 39th ,,  | Do                                       | _  |
| <sup>J</sup> 602 | On the west wall of the Amman-sbrine in the Sokkan temple in the same village.                                  | Do       | bukravartin<br>was pleased   | 14th ,, ·  | Do                                       | Begisters the gift of two gold tiruppädagam to the goddess.  |
| 608              | <u>0 5 </u>   | Pandya   | X .  | 43rd year  | Vatteluttu<br>Do                         | States that (the image below which the inscription is engraved) is the work of Ajjanandi. Mentions the assembly of I[rathalippa[tai]. Registers a gift of land as pullibolumium to the temple of Aruvalattu-Bhataraka of Tiruviruttalai in Natharruppokku.   |
|                  |   | -        |  |  | -  |  |

Chart war

B.—Stone inscriptions copied in 1915—cont.

| No.   | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet.   | Ветагкя,  |
|-------|--|----------|---|--|---|---|
| 909,  | On a rook in the hill near the village of Karisattan (Sankaranayinarkoyil taluk, same district).               | :        | :   | Koliam] 987,<br>Pramoduta,<br>Āvaņi.   | 987, <sup>r</sup> amil  | Records the construction of the steps by a Beddi of Karisattan.   |
| 209,  | On the south wall of the rock-cut temple Pandya of Mahadev. at Malniyadikkuri. chchi (same taluk and district) | Рапдуа   | Maravarman <i>allas</i> Tribhnyanachekravartin<br>Sitvallabhadéva   | 3rd your   | 10. (whout the Introduction 12th century general. RA.D.).  A.D.).  A.D.).  A.D.).  A.D.).  And the temple yaditkurious Vasa in his Mentions Vasa in his Mentions Vasa in his record date. | Entroduction commences with the words guest guard. Registers a gift of land by the king to the temple of Pinekknehku-Mahadeva at Maleiyadikkuriolohi, the southern hamiet of Furantaku-chaturvedumanalan, a bruhmadeya in Āri-nādu. When ordering the grant, the king was in his palace at Tirunclvellin Kilvemba-nadu. Mentione Viranpandiyan Pilayu and the seat called Eungayadaraiyan. Below this is an incomplete record dated in the 11th year, probubly, of the same |
| -7608 | On a slab set up norr a well in the same village.  | Do       | Jatararman <i>alius</i> Tribhuranachakrarartin Śaka<br>Sandara-Paņdyadēra,                                    | Saka 1236, and<br>12th year.   | Taml  | king.<br>Records that this well at Malaiyadikkuriohobi was<br>dug by Taniyanai Tiruvenkadudanyan alise  |
| 609   | At the entrance into the central shrine in the Tripuranathesears temple at Tenmalal (same taluk and district)  | Do       | Sendara-pandyadova.   | Lost   | Do  | tumigadarayan.<br>Fragment. Gift of sheep for a lamp.   |
| 610   | On the east wall of the central shrine in the same temple.   | Do       | [Ma]kavurman alias Tribhuvanachakra-4 + 4th year<br>vartin Sundara-Papdyadeva.                                | t + 4th year .   | ро  | Registers a sale of land to the temple of Tiruppattis-<br>varamudatya-Na, anger at Annyur in Ari-nadu,<br>by the transformation, i.e., the Sangrais and<br>the Dandradunka belonging to the scripture   |
| 611   | On the south wall of the same shrine   | Do       | [Maga]varman alise Tribhu[v.nachakra] 'vartin Sundarn-l'andyadeva.  | • + 1st year, funil<br>Vrischika 2[6], the<br>la. di. I.Sunday, tury.<br>Köhiņt. | famil (of atout the 13th century A.D.).   | (of at out Registers a gift of land for a lamp to the temple of Tiruppattisvaramuchiya. Nayanar, by the assembly of Sundarapandya. chaturvediniangalam which was a brahmadeya in Arrandtu.  |
| 612   | On the same wall   | Do       | Sundara-Paṇḍyadēva  | 8th year   | Do.   | A portion is missing in the middle. Seems to register a gift of land for the expenses of the temple   |
| -613  | On the east wall of the Sivaparipurant shrine in the same temple.  | Do.      | Jatavarman alias Tribhuvanachakravartin 6th year, Kanya,<br>Vita-Pandyadeva. Wednesday, Wednesday, Migasireba | th year, Kanya,<br>13, bu di. 7,<br>Wednesday,<br>Mrigasirsha                    | °   | of Tiruppattisvaramudaiya-Nayanar. Registers a sule of land by the assembly of Sundarapantity-chaiturvedimungalum, a brahmadeya in Ari nadu, for the requirements of the goddess of Sivanamulgudumundaiya Nachohiyar who was set un in the temble of Tirupundaffarara   |
|       |  |          |   |  |   | mudaiya. Nayanar by Tiruvanaikkavudaiyan Udayadiyakaran alias Venadudyan, a native of Kugur in Velavellan alias Sundarapandya-valanadu. Mentions the temple of Tirumolissi.   |

| 1915—cont.   |
|--------------|
| Ē.           |
| copied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |

| Contain the same rook onlied Eputatopasti at distribution of the same rook Radiya  | No.              | Place of inscription.                    | Dynasty.     | King.                             | Date.  | Language and<br>alphabet. | Ветатка.   |
|--|------------------|--|--------------|-----------------------------------|--|---------------------------|--|
| On the same rook   | <sup>7</sup> 614 | On the rook<br>Paraippatti<br>district). | :            |                                   | Sarvari, Pańguni,<br>25.   | :                         | Damaged. Registers a sarvamánya gift to a private<br>individual. Contains a long string of Vilayanagara<br>and Saluva birudas, two of which were, the capturer<br>of all countries and the cabturer of Madura, and   |
| Talapurisarian semple on the hill at Annald (Vilupuran talls, South Annald (Vilupuran talls))  618 In a cavern on the same hill Pallara Rajasimha (II) Pallara, 13, Friday.  619 On the north base of the central shrine in the same talls and district).  620 On the north base of the central shrine in the same talls and district).  621 Inside the Națarăja shrine in the same temple and annald (Vilayanagura Virapurata Sadasiradora-Maharaya Saka 1453.)  622 On the south wall of the mandaga in front talls and district   | /20              | On the same rook                         |              |                                   | Śaku 16[17],<br>Menmatha,<br>Vaigāši, 11.                        | Do                        | Yalpanam (Jafina). The rook is called Usipparai at Tattankinaru. Registers a sarvamanya grant of land to three private individuals. The grant was issued during whose saign of Vehkutapatraya of Vijayanagar whose ancestors Deveraya, Krishanaraya, Sadasiva. Jaya, Vira-Narasinharaya, Dharmaraya, and |
| On a slab set up in a server on the same hill Pallava Rajasimha (II) Pallava Rajasimha (II) Saka 1469, Tamil Servata shrine in the same bill Virapratapa Achyutadova-Maharayu Saka 1463, Famil Baraya-Grantha Paraya is abrine in the same both wall of the mandapa in front boo of the Tripurasundari shrine in the same define in the same of the south wall of the mandapa in front boo of the Tripurasundari shrine in the same define in the same of the south wall of the mandapa in front of the Familia in the same of the south wall of the mandapa in front of the Familia in the same of the central shrine in the same books are same than the same of the familia in the same of the familia in the same of the familia in the same than the same of the familia in t   | / 616            |  |              | :<br>:                            | :  | Pallava-Grantha           | ang<br>19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 19 1  |
| on a slab sct up in a stroat of the same hill Pallava Rajasimba (II) Prajapati, Tai, famil Se village.  **So On the north base of the central shrine in the same talluk and distriot.  **Inside the Naţarāja shrine in the same temple.**  **On the south wall of the mandagae in front temple.  **On the south wall of the mandagae in front temple.  **On the south wall of the mandagae in front temple.  **Do On the north base of the central shrine in the same temple.  **Do On the south wall of the mandagae in front temple.  **Do On the south w                          | 61;              |  | :            |                                   | nda,<br>Ārdre<br>lay.  | Tamil                     | Unfinished. The king receives the titles Mald-mandatesever, randalings and rapparameterer. Records the visit paid to the temple of Talgaris, var at Pannasa-negara, by a resident of Vepputtur   |
| village.  **On a slab set up in a street of the sume village.  **On the north base of the central shrine in the same tall be north base of the mandage in front temple.  **On the north base of the central shrine in the same tall shrine in the same tall be north base of the mandage in front temple.  **On the north base of the central shrine in the same tall be north base of the mandage in front temple.  **On the north base of the central shrine in the same to the same tall be north base of the mandage in front temple.  **On the south wall of the mandage in formation temple.  **On the south wall of the mandage  | <b>61</b> 8      | In a cavern on the same hill             |              | : : ::                            | :  | Pallava-Grantha           | In the Chola country, on his way from hamesvaram to Kasi (Benares).  Published in South-Indian Inscriptions, Volume I, No. 31.   |
| The north base of the central shrine in the same tally same tally shrine in the same tally same tal | 9                | On a slab set<br>village.                | <u>:</u>     | :                                 |  | :                         | Seems to register certain conditions imposed upon<br>those who resided or wished to reside in Nanjanap-<br>pottai.   |
| 1 Inside the Naţarāja shrine in the same Do Saka 1300 (mistrange 1300 (mistrange) and temple.  1 Inside the Naţarāja shrine in the same Do Virapratāpa Sadāsivadēva-Mahātāya Saka 1482 Do  |                  |  | Vіјауанадига |                                   | Śaka 14[63],<br>Khara, Kumbha,<br>ba. di. 14,<br>Śravaņa, Sunday | Do                        | Built in at the bottom. Registers evidently the gift of the village Thrukkunnun by Seg-tapi Nagarasar for the merit of Sani Singappa. Nayakkar, Mentions Anniyur in the Karavatohi-siman.  |
| On the south wall of the mandapa in front of the Tripurasundari shrine in the same temple.   |                  |  |              | :                                 | . – ≂  | :                         | Registers the gift of 6 villages including Annivar, Tirukkunnan, Vellerippatti and three others to the Tiruxtamishranndaive, Navenar of Annivar  |
|  | 957              |  |              | Virapratapa Sadasivadèva-Maharaya | Faurnamī,<br>Pushya,<br>Monday.<br>Saka 1482                     | Do. ::                    | in the Karuvakshi struai after having reconsecrated the temple for the merit of the chief Segatapi Magardsar. Gift of taxes on loons by Visvanatha-Nayakkar, son of Nagama-Nayakkar, for the merit of Aliya Hamarajayya, son of the Mahamandayya, son of the Mahamandayya,                               |

B.—Stone inscriptions copied in 1915—concld.

| Remarks.               | Registers the gift of land and a village by Andhra-<br>kusitäpitämalia Peddiraja, son of Allasani-Cholka-<br>raja to the temple of Varadaraja-Perumal com-<br>pleted and consecrated by himself at Anniru in | Karivachi-sima which was given to him by the king as a nayankara.  Records that the grain income of allu from the Friday fuir held [at this village] was restored to the temple |  |
|------------------------|--|---|--|
| Language and alphabet. | Telugu   | Tamil   | Brāhmi ••  |
| Date.                  | . Śaka 1442,<br>Pramathin,<br>Rartika,<br>suddhu, 15,  | Sunday, lunar<br>eclipse.   | :  |
| King.                  | Krishnadèva-Maharaya   | :   | . Devanam Piya Asoka   |
| Dynasty.               | Vijayanagara   | :   | •  |
| Place of inscription.  | 623 On a slab set up in the prakāra of the Vijayanagara Virapratāpa village.   | 624 On a slab set up in a field in the same, villag.  | Un the boulder at the entrance into a Maurya cavern on the south-western slope of the hill at Maski (Lingsaugar taluk, Raichur district, Hyderabad State). |
| No.                    | 623  | -624  | 625  |

APPENDIX O.-List of stone inscriptions copied in 1916.

| onter softwom the act to be supplied of the software and act white a state of the software of the son shirts.  Although the software and the software of the son shirts.  Although the software and the software of the son shirts.  Although the software and the software of the son shirts.  Although the software and the software of the son shirts.  Although the software and the sof | 1  | Place of inscription.   | <b>Dynasty.</b> | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet.               | Remarks,   |
|--|--|---|-----------------|---|---|---|--|
| Do.   Maravirman alias   Tribhuvanachakravartin   2 + 8th year,   Do.   Do.     Fangly   Pangly   Pa   | G. B.  | he north, west and south walls of the traisting of the Africaning Perutiferable at Vallanad-Agaram rivaikuntham taluk, Timicevelly strict).                                       |                 | alica Tribhnyanachaktavartin<br>andyadeva,                          | + 12th year,  | Tawil                                   | Fragments Mention Valla-nadu alius Jayangonda-<br>Pandiyanallur. Seem to allot shares of land and<br>house-sites to a number of Brahmanas of various<br>gotvus and sittus. Nefer to the 12th year of the   |
| Faqqya   Maravarman alias Tribhuvanachakravartin   2 + [2]8th year   Do B  | On of  | she east wall of the mardapa in front<br>the same shrine.   | Do              | alias] Tribhnyanachakravartin<br>mjákn Su[nda]ra.Paņdyadēva.        | + 9th<br>Saka<br>Plava, Dl<br>24, \$\vec{u}. d<br>Thursday  | Do. : ::                                | King s Feigh and mention Vikrama-Fäpdya-Viņ-<br>ņagar-Emberumān.<br>Much dinnaged. Seems to register a gift of land to '<br>a Biahmaņa.  |
| Fandya . Maravarman alias Tribhuvanachakravartin Saka 1[4]57, Mammatha, Nonetmaikondan Parakrama-Pandyadova. Mammatha, Saka 1[4]57, Mammatha, Sandhaga, Sa. di. b, Sunday, Saubhaga, Saubhaga, Saubhaga, Saubhaga, Jira-Pandyadeva. Tribhuvanachakravartun 11th year Do. (of about Ghay, Saudya, tury A.D.)  Tangararman alias Tribhuvanachakravartun 11th year, Risha Do. (of about Dha, 3, siz. di. the 13th een-bha, 3, siz. di. the 13th een-bha, 3, siz. di. the 13th een-bha, 3, siz. di. Do R  Sundla*Jira-Pandyadeva, who took the Cheja country. who took the Cheja country.  | 0n<br>0e<br>m  | the south, west and north tiers of the nortal shrine in the Chakrapani-Perual temple at Wallanad (same taluk district).   | :               | ÷   | ga, Vyagra-kar-<br>upa, Sudaiyam,   | :                                       | Fragments. One of these is dated in the fifth year of the reign of Chakravarin Vikrana. Fandyadgva. Anothor mentions the temple of Kulisagara. Vinnagar at Valla-nadu alias [Javan Londanandi.   |
| Tandya   | <u>.</u> 0   |   |                 | alias Tribhnvanachakravartiu<br>opdėn Parakrama-Fandyadova.         | 2 + [2]8th year,<br>Saka 1[4]67,<br>Manmatha,<br>Panguni, 30,<br>św. di. 5, Sun-<br>day, Saubhag- | Do                                      | Vapuram and Kanjanur alias Vikkramasoja-<br>chaturvedimangalam in Nallajing-raadu.<br>Built in. Registers a gift of land for offerings at<br>the service Parakrama-Pandiyam, sandi called after<br>the king, in the temple of Alingapperunal-<br>Nayinar at Vallanadu alus [Jayan]gondupandiya-<br>nallar. |
| Paṇdya Maravarman alias Tribhuvanachakravartin 5th year Do R Sund[a*]ra-Paṇdyad@va, 'who took the Choṭa country.'  | O. 0. 1. 2. 1. 2. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1.   | the four sides of the bali-pitha in front the same temple. the south wall of the central shrine the Idaivineititta-Perumal temple at 1gandalai (Tiruohchendur taluk, me district. | :               | alisa Tribhuvanachakravartın<br>İyadèva.                            | 7a-yoga, nom-<br>10th year<br>11th year, Risha-<br>bhe, 3, św. di.                                | Do Do. (of about the 13th eentruy A.D.) | Damaged and fragmentary. Mentions Vallanadu alias Jayangcondapan[diyapuram]. Gitt of land for offerings, to the temple of Tirunarayang-Vinnagar-Emberunan a Sivandalai alias Tirunarayana-chatarvedimangalam by a naive of   |
| Pandya Maravarman alias Tribhuvanaohakravartin 5th year Do R<br>Sund[a*]ra-Pandyadéva, 'who took the<br>Chôla country.'  | o<br>u   | ль same wa.]  | :               | <b>:</b>  |   | Do                                      | Kukkelür. Records that at the request of Kalingarayan, the king renovated the temple of Tirunarayana-Vinnagar-Emberuman which had gone out of repair and set up the image of Gajarokchanai-Alvar in it Tondaine.   |
|  | On the distriction of the distri | he north wall of the central shrine in a Salvavandsvara temple at Sanna-anam (Tiruppattur taluk, Ramnad strict).  |                 | alias Tribhuvanachakravartin<br>Pandyadeva, 'who took the<br>itry.' |   | :<br>:<br>O                             | among the signatories.  Records that a certain Sivanindakalan alias Malavachakrarti reconscerated the innege of Somavijaganudaiya-Nayanar, at Tirutiyin-Mutgum and gave lands to the Sivabrahmanas for worship.  Nayanar.  |

C.-List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

| Remarks.                  | Records that the right of worship for 15 days in the temple of Konavijagamudajar, belonged to a | certuin Nichchayiganda-Bhattan. Built in at the beginning. Seems to register a gift of land by a certain Gahgayan. Mentions Tirut-tivat-Matten. | yur-muygan<br>Fragment. Mentions Hrinya(Hiranya)simba-<br>mangalam. | Registers the gift of a village for the service callod Kanaviran-séndi, in the tample of Tiruchchammaraniansular linnyasingamnigalam which was the eastern hamble of Filar in Tirutiynr-Muttam by Cangeying who held the brudas Irvivilamniquan, Ekangariran, Urida-Näräyupan, Strinyamdar and Francerran, Urida-Näräyupan, Strinyamdar and Teneral rapperund! for warding off the evil effect of the | combination of Sittirai ('hitra) and Saturday, a Registera a gift of land made in accordance with previous grant of Mumundisolan Malavamank-kam aiwa Udana Malavanchukravarin, for a lamp to the same temple, by the chief mentioned in | <u>්</u>                                | dittyam.  Gift of land by a lady named Poyyamoli-Aludaiyal, to the same temple. Tirutifyur-Muttam is here to the lain Pandi-mandalam. | 9   | A few syllubles are missing at the beginning of each ine. Gift of land to the temple of linchohannavanamudaiyar, by the assembly of Sundarapathya-chaturvedinangalam, a brahmadeya in Mutulingur-kur] gam. | Records a sale of land by the residents of the village of Hahjeripage near Poyyill in Kilkundarn, a subdivision of Keralasinga-valanadu, to the same temple, for the requirements of the mandapa called tiruppa-mandapann. |
|---------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|--|--|
| Language and alphubet.    | Camil   |   | Do  | Do (of about<br>the 16th con-<br>tary A.D.).  | Tumil   | Do. ::                                  | Do  | Do. (of about<br>the 13th cen-<br>tury A.D.). | Tamil  | Do   |
| Date.                     |   | 2 + 29th ) car .  | :   | 2 + 28th year,<br>Vijaya, Āṇi,<br>9.  | 2 + 28th year,<br>Vijaya, Avani,<br>6.  | 13 + 10th year                          | 11th year   | 13 + 12th year,<br>Mesha, 11.                 | 23rd year, Vri- 6chika, 6a. di. 11, Monday, Hasta.   | 23. Car, Tai,  |
| King.                     |   | :   | Tribbuvanachakravartin Kula [sekhara. deva].                        | Jatavarnan <i>alias</i> Tribhuvarachakravartin<br>Parakra[ma*]-Tandyadova.  | Jatavarman alus Trithmvannchakravartin<br>Parakrama-Pandyadéva.   | Trithuvanachaktavartin Kulaséskharadéva | Tridhavanachakravartin Vibrama-Paṇdya-<br>ddva.   | Trithuvan-chakravartin Kulasekharadeva        | Magurafrinan] <i>alias</i> Tribhuvafnaobakravartin Kulasskharadova, 'who was pleased to take [ah.] countries.'   | Majavarman <i>aijas</i> Tribburanachukravartin<br>Kulasskbarudsva.   |
| Dynasty.                  | :   | :   | Paṇdya  | ро.   | Do  | Do,                                     | Po  | Do  | Do.  | Do   |
| No. Place of inscription. | 9 On the same wal:  | 10 On the east wall (inside) of the same shrine.  | 11 On the same wall (outside)                                       | On the south wall of the same shrine  | 13 On the same wall   | 14 Do                                   | OD  | 16 Do   | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.  | 18 On the same wall  |

C.—List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

| 20 19 19 01           | On the sume wall                      |          |            | - | Ly many. | ÷ | King.  | Date.                                     | alphabet.                                       | көшагка.  |
|-----------------------|---------------------------------------|----------|------------|---|----------|---|--|---|---|---|
| 20 80                 |                                       | :        | :          | : | Paṇdya   | : | Maravarman alias Tribhusanachakravartin<br>Kulssekharadeva, 'who was pleased to<br>take all countries.'        | 98th year, Vri-<br>schika, 13,<br>Sunday, | Tamil (of about<br>the 14th cen-<br>tury A.D.). | Utit of land for offerings to the same temple, by a native of Marittulagangattepändiyapuram in Marittulagangattapändiya-valanadu.   |
| 21                    |                                       | :        | :          |   |          |   | kravartin<br>'who was pleased to take all countries.'  | Agvadi.<br>1[8]th year                    | Tamil   | Damaged. Registers a gift of land for expenses to the shrine of Tirukkamakköttamudaiya-Nachehiyar in the same temple, by Malavaohakravartin. Sivanindakalan, Tirukkaninppendai[ya]n aitas Malavachakravarti figures as one of the |
|                       | Do.                                   | •        | :          | : | Ъ•       | : | Jatavarman alica Tribhuvanachakravartin<br>Vira-Paņdyadeva.  | 10th ,,                                   | Do  | signatories. Gift of money and land by Trukkanapperudaiyan Sivanindakalan alias Majavachakrayarin, for a special worship in the same temple to be conducted every year on his bitchlay. Mentious Sattaman,                        |
| g                     | Do,                                   | :        | :          | • | Do       | : | Parakra[ma]-Paņdyadeva   | [18]th year,<br>Ani, 22.                  |   | පි  |
| 93                    | Do.                                   | :        | :          | : | Do       | : | Maravarman <i>ulias</i> Tribhuvanachakravattin<br>Kulasskharadsva, 'who was pleased to<br>take all countries.' | 26th year<br>I anguni, 21.                | Do. (of about 13th century A.D.).               | ¥   |
| 2 <b>4</b> Or         | On the east wall of the same mandapa  | he same  | pd o pipu  | : | Do       | : | atus Tribhu[v.*]na-chakravartin Vira-l'andyadèvu.  | 10th year                                 | Tamil   | Built in at the beginning. Clift of land, by the chief mentioned in No. 21, for offerings to Subrahmanya-Pijlaiyar and Ksi otrapala-Pijlaiyar.  |
| 26 Or                 | On the sume wall .                    | :        | :          | : | Do       | : | Kulase]kharadeva   | 9th ,,                                    | 1)0   | Built in at the beginning Registers an order of   |
| 56                    | Do.                                   | :        | :          | : | Do       | : | Maravarman wine Tribhuvanachakravartin<br>Kulséékharadéva, 'who was pleased to<br>take all countries,'         | 17th ,,                                   | ро  |   |
| <b>5 9</b> , Home (Mi | Do.                                   | :        | :          | : | .:       | : | Tribhtvanachakravartin Sundara-frandya-deva, 'who was pleased to distribute the Chola country'.                | 20+1st ,,                                 | Do  | Rogisters the gift of a village for the expenses of the temple of Tinttiyur-Muttam, by Malavamanikkam Tinukkanapperdanyan alias Malavaohakuvartin. It was originally given to the donor by a Secatedianan of Sembonmari in        |
| 88                    | On the south wall of the same mandapa | the same | odnpiinu s |   | Do       | : | Mälis lvarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kullasskharadsval, 'who was<br>pleased to take all countries.' | 18th ,,                                   | Do  | Talayor-nadu.  A portion at the right end has not been secured bettien at two damaged. Registers the gift of taxes (kidemai) on a certain village. Mentions the temple of Sannavapamudaiya-Nayagar at                             |
| . O.                  | On the same wall                      | :        | :          | : | Do       | : | [Mā]gavaiman <i>alias</i> Tribhuvanachakravartin<br>Kalasekbaradeva.   | [8]th ,,                                  | Do. ::  | Lituriyur-Muygam. Sundarapandiya-chaturvodi. Records a sale of land by the residents of Illanjeri near Poyil in Kilkundaru, a subdivision of Kēraļasinga-vaļanadu, to the same temple.  |

| 5            |
|--------------|
| u            |
| 5            |
| ĭ            |
| 1            |
| 2            |
| 1916         |
|              |
| _            |
| H            |
| ~            |
| -ĕ           |
| pide         |
| ŏ            |
| 20           |
| 2            |
| -5           |
| ipt          |
| Ξ.           |
| ಶ್ಞ          |
| inscriptions |
|              |
| 9            |
| ston         |
| of stone     |
| -            |
| 0            |
| 42           |
| List         |
| ₩.           |
| 1            |
| <u>.</u>     |
| U            |

| No.        | Place of inscription.  | Dynasty.    | King.  | Date.                          | Language and                                  | Ветак  |
|------------|--|-------------|--|--------------------------------|---|--|
| 30         | Ou the south and east walls of the same                                  | Pandya      | Magavalman alias Tribhuvanachakravartin<br>Kulasékharadéva, 'who was pleused to<br>take all contries,' | 38th year                      | Tamil   | Gift of land, by the residents of Viyadarsiyankottai for offerings to the image of Tiruvadavur-Nayanar   |
| 31         | On the south wall of the same mandapa                                    | Do          | Ä  | 6 tiyadı, su. di.<br>Paurnamı, | Do. (of about<br>the 14th cen-<br>tury A D.). | set up in the same temple by a certain Sundara-<br>pandiya-Bhatta.  Registers a gift of land, by the residents of the<br>forunties belonging to Thruttiyar-Matta-nadu, for<br>opening to the image montions. No see  |
| 8321       | On a pillar in the same mandapa  | :           | :  | Friday, Punarvaeu. 11th year   | Tamil   | above, on the occasion of the Margall-Tiru vadirail festival.  Incomplete. Gift of land in Pilar, by a lady named Poyyamoliyaludaiyal, for the annual improvement of a land which she had brought under  |
| <b>89</b>  | On the same pillar   | Papdya      | Tri[bbuvana]obakıavartin Kulasskhara-<br>döva.   | Industinot                     | Do  | cultivation and given to the temple of Tiruohohannavanamudatya-Nayanar at Tiruttiyur-Muttam in Pandi-mandalam.  Damaged. Seems to register a gift of land by Mu[m*]mudisolan Malavamanikkam alias Malavan-   |
| 18         | On the west tier of the Darsanavalli shrine in the same temple.          | Do          | Mara varman alias Tribhuvanachakravartin Kulasekharadere, '[who was plezeed to take all] countries,'   | 18th year                      | Do  | chakravartin. to a Brahman-resident of Sund[a]ra-<br>pandiya-chturvedimangalam. Provides for worship in the shrine of lirukkanak-<br>kotyt-Naoholiyar, which was constructed in the<br>temple of liruchobannavanamudayu-layanarl, by                           |
| 38         |  | ъ           | Sundara-Papdyadeva   | 10 + 2nd ,, .                  | ро  | the king's (?) annt. Mentions Kandiyūradalivan and Vikramapandya-Muvendavelan.  Registers an order of Vikkiramseingadevan providing yar-tirumadan, and lamps to a matha called Mudaliyar-tirumadam.  |
| 90         | On a second pillar in the same cave                                      | Do          | Tribhu[va*]nachakruvartin Kulasekhara.<br>deva.  | 9 + 1st ,, .                   | До  | Gift of land for offerings to the temple of Siva-<br>dhelr missauemudaiya-Mahadeya at Tirukkolak-  |
| 87         | On the third pillar in the same cave                                     | Do          | Sundara-Papdyadsva   | . " puz + 0z                   | Do. : :                                       | kaqt in Lugamalal-naqu, by Kandan Sundaravilli alics Tivurapativalan of Kannanangalam in Solapandya-valanadu.  Registeris an order of Virkiramusingadevun assign-ving, for the welfare of the king (Ungudaiyu-Ndyanār), the taxes due by ocrtain shephends, to |
| 38         | On the same pillar   | Do          | Tribhuvanachakravartin Kulasekharadeva, 'who was pleased to take all countries.'                       | 7th ,,                         | Po  | the temple of Sivadharmiévaramudaiya-Nayanar of Tirukt Olakkudi, for Jamps and offerings.  Git of land situated in Solapandiya-valandul, for a maling in the sone temple. In malin, of Kamile.   |
| <b>8</b> 9 | On the fourth pillar in the same cave On the north wall of the same cave | Chôla<br>Do | Tribhuvanachakravartin Kulottun[ga-Cho]ladeva.<br>Tri[bhu]vanachakravartin Ku[lottu]nga-Cho]adeva      | 14th .,<br>Do                  | Do Do   | in Keralasinga-rajanadu. Damaged. Seems to register a gift of land to the same temple. Much damaged. Mentions Polnnamalrapati in   |
|            |  |             |  |                                |   | Fu re malai -nadu, a subdivision of [Rā i] 6 ndra-<br>sola-valanadu which was a district of Rajurāja-<br>Paņdinadu.  |

kalir Kuoli]

O.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

| ,          |  |          |  |                 |   |   |  |
|------------|--|----------|--|-----------------|---|---|--|
| وَ ا       | Flace of inscription.  | Dynasty. | King.                                  |                 | Date.   | Language and<br>alphabet.                     | Remarks.   |
| <b>=</b>   | On the east wall of the same cave  | :        | :                                      |                 | :   | Sanskrit (in<br>Grantha).                     | , is _   |
| 7          | On the south wall of the same cave   | Chola    | Tribhuvanaohekravartin<br>Choladeva.   | Ku[lo]ttuńga-   | 14th year   | Tamil   | Dadpara by Kritania (i.e., Yamu), Kumbhabhava (i.e., Agustyn), etc.  Damaged.  Branged in form the temple of Sivadharm-Isvaranudain-Mahade val at  Tiruk   koh   kku   di   li   Pu   jranne   lini   ku   di   ki   ku   di   li   li   li   ku   di   li   li   li   li   ku   di   li   li   li   li   li   ku   di   li   li   li   li   li   li   li  |
| 3          | On the west wall of the rock-out cell of<br>Malaimurti-Vinayaka, below the same<br>cave. | Do       | Tribhuvanaohakravartin Rajadhirajadsva | Rajadhirajadeva | 7th ,,  | Do  | Jendrasola-valandu, which was a district of Raja. raju-Pandinadu. Gift of land to the temple of Siyadharmisvara- [m*]udaiya-Nayanar by Foles. Tirukkodungunga-   |
| 4          | On the west wall of the mandapa in front of the same cave.                               | :        | :                                      |                 | Śaka 1[4]4[7",<br>Parthiya,<br>Masi, 7.   | Do:   | initialyan ains Mishadharajan of Ponnamarayati in Purumalan-nadu. Seems to refor to an assignment of land to the gold-semiths and blacksmiths of Attur and to the settlement of a dispute between them.  |
| <b>9</b>   | On the north wall of the same mandapa  | :        |  |                 | Śaka 161[9],<br>Dunmuki<br>(Durmukba),  | Do  | Unfinished. States that the sacred car of the temple having been dunaged, a new one was made in its place by the merchants of Thivattakhadi and that   |
| <b>4</b> 6 | On the same wall (inside)  | :        | :                                      |                 | Aṇi, 6.   | Do:   | the meome of the village of Perunallur, viz., 60 powered and 500 kalam of paddy, was set apart to meet the cest of the annual car festival.  Registers a grant made by the merchants (nagarattar) residing in the street called Sundarapandiyan perunden at Tirokkolakkudi in Puramalai-nadu and beloneine to  |
| 2          | On the east wall of the same mandapa;<br>right of entrance.                              | Saluva   | Naraea-Nayaka                          | : :             | Saka 142[4],<br>Dandubhi,<br>Uttarayana,<br>Kumbha, 6a.<br>di. 4, Vidirba.<br>ga-vara, Vyatt- |   | Rand-pattanan in Ten-Koodal, a subdivision of Ollaiyur-kugram in Kadaladajyadiladgalkondisolavalandau, tor receiving the privilege of the tirtha and sacred ashes in the temple.  Registers a devadam grant of the village of Kilmananallur together with limbalkurichthi in 1en-Konada, for efferings to the temple of Trunkkolakadu-dada-fada-nada noonsien of the Unda pujār in Pomanarapati-nada on the occasion of the Unda pujār in he gift was made for the merit of Tippansau-danyar, by his agent |
| 8          | On the same wall   |          | :                                      |                 | pata-yoga,<br>Tiruvopam.<br>Prabba[va*],<br>Tai, 15.  | Do. (of about<br>the 16th cen-<br>tury A.D.). | Tammaya-Nayaka. The inscription seems to state that Naraa-Nayaka was governing the country on behalf of Narasingu Bhajabuhaaya Danmaiaya. Built in at the right side. Registers a grant of land oridently by Saliva-Nayaka and Apya-Fijlai to two private individuals of Kudaniu for the service of padikaval and refers to the rebabitation of a village  |
| -          |  |          |  |                 |   |   | which had been once deserted.  |

| -cont.       |
|--------------|
| 0            |
| ヹ            |
| <u>оъ</u>    |
| _            |
| ü            |
| ied          |
| ıs copied ir |
| tions        |
| inscriptions |
| stone        |
| ij           |
| List         |
| 1            |

| No.   Place of Inscription.   Dynatey   King.   Date.   Laplacke.   Laplacke.   Date of Inscription of Low   |           |                       |          | •                         |   |                           |  |
|--|-----------|-----------------------|----------|---------------------------|---|---------------------------|--|
| On the same wall   | No.       | Place of inscription. | Dynasty. | King.                     | Date.   | Language and<br>aiphabet. | Нешагкя.   |
| Do   | 2         | .                     | :        | :                         | Śaka 1469,<br>Darmukbi,<br>Fanguni 10.          | :                         | Built in at the right side. Records an agreement made between the temple authorities and the tendarimar about the rehabitation by Sittema. Nayaka, agent of Tenmaya-Nayaka, of the place   |
| On the same wall; left of entrance   Saka 1(4)73, Saka 1(4)7, S | 90        |                       |          | :                         | Śaka 1423,<br>Darmati,<br>Purațtădi 20,         | :                         | referred to in No. 48, above. Registers a sale of had to the temple of Tirukkolak. Registers a sale of had to the temple of Velangudik kudi-Anda-Nayunar by the Maravas of Velangudi in Pungungu-nadu, in order to pay the taxes due by them on their holdings.  |
| Do   | 19        |                       |          | :                         | Śaka 1[4]73,<br>Sadharupa,<br>Vaigasi 10.       | -                         | Registers an agreement made between the temple authorities of Tirukkolakkudi and the merchants of Ilaiyattakudi near Kulasskharapuram in Kalvasal-nadu, who had made a oar for the temple and were thus entitled to certain temple honours.  |
| Do   | 92        | Do.                   | :        | :                         | Śaka 1429,<br>Kshaya,<br>Āvaņi 13.              | :                         | Registers an agreement made between the temple authorities of Tirukkolakkudi and certain residents of Ilaiyattakkudi aitas Kulséékharapuram in Kalvasal-nadu, regarding the celebration of festivals and other services for the image of Sambandapperumal which they had set up in the temple.                       |
| Do   | 68        | . Do.                 |          | :                         | Saka 1377,<br>Istara,<br>Artasi 6.              | : *                       | A singlar agreement regarding the celebration of festivals, etc., for the image of Chandrasekhara set up in the same temple by resident of Ilaiyattakkudi  |
| Do. Papdya Maravarwan akaa Tribhuvanachakravartin 26tb year, Kumbha, [su. P] the 11th centrolla [bia*]deva.  Monday, [sury A.D.).  Papdya Straalla [bia*]deva.  Monday, [sury A.D.).  Paka ! 437, Bhavaka (Bhava), Vaigasii 22.  | 2         | Do.                   |          | :                         | :   | :                         | Records that the mandapa was constructed by a certain Maliverrayan, a native of Tachchanur in Kilyemba-nadu.   |
| Do Saka 1437, Tamil Saka 1437, Tamil Bhava), Vaigadi 22 Manmatha, Do Re  | <b>29</b> | Do.                   |          | Maravarwan<br>Srivalla[bh | 26th year, Kumbha, [św. P] Monday, [Punaryasu], |                           | Damaged. Gifts of taxes to to the same temple by cortain trading classes.  |
| Do Do Purațțadi 18.  | 99        |                       | :        |                           | સં  | :                         | Do. Registers an agreement made between the temple authorities of Throkkolahkudi-Anda-Nayanar and the merchants living in the street called Sundarapandryanperunderu, regarding the oslebration of a testival o nducted in honour of the processional goddess (tirusidi-Nathorigat) presented by them to the temple. |
|  | 67        | Do.                   |          | :                         | Manmatha,<br>Purattadi 18.                      | :                         | Records that the merchants (nagarattar) supplied four tirusassigui, for four images in the same temple.  |

3× Drang By

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

| 58 On the s | Place of inscription.              |        | •        |   |  |   |   |  |
|-------------|------------------------------------|--------|----------|---|--|---|---|--|
| On the s    |                                    |        | Dynasty. |   | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet.                       | Remarks.   |
|             | On the same wall; left of entrance | nae    | <u>:</u> |   | Tribhnvanachakravartin Kõņeriņ naikoņdāņ                                   | 7th year  | Tamil (of about<br>the 13th cen-<br>tury).      | Gift of the city (nugaram) of Kunattakkudi in Ponnamaravali-nadu for offerings, at the service of Pavanangaran-sandi instituted by prince Parakramapandiya, Mavilivanadirayan in the temple of   |
|             |                                    |        |          |   |  |   |   | Stradharmisvaramudatya-Nayanar at Tirukkojak-<br>kudi in Puramalai-nadu. One of the signatories is<br>Venrumudisudinan Enakkunalla-Perumal alus<br>Sundarepandya i allavarayan of Śóvūr in<br>Arumhin-kuram  |
|             | Do.                                | •      | :        |   | :  | Šarupadi<br>(Sarvarin ?),<br>Puratțadi 10.                    | Do.   | Records that a certain Kanakurayar of Sundarasolapuram olius Desiyugandapattanam in Ten-Konadu, a subdivision of Olliyur-kurram, set up the image of Pallakku-Sokkar in the temple of Tirukkolak-  |
|             | Ď                                  | :      | :        |   | Rajākkaļ Tambirāų  | #2 (5%)<br>[Kollam*] 761,<br>Panguṇi 5.                       | Ъо.   | kudi-Anda-Nayinar and arranged for a festival<br>for which he received in return certain temple<br>honours.  Refers to the destruction of Suraikkudi and the<br>inclusion of the villages Viraiyachchilai and Kotti-<br>yur in Ponnananaputi-nadu.   |
|             | Do.                                | :      | :        |   | :  | Saka 1430,<br>Vubha[vu],<br>Sittirai 2.                       | Tamil   | Records the conferring of kaval rights of certain villages, on three persons.  |
| On the e    | On the same wall (inside)          | :<br>: | Paṇdya   | : | Jatavarınan <i>alius T</i> ribhuvanachakravartin<br>Sundara-Pāpdyadēva.    | 7th year, Tula, ba. di. 11, Monday, Uttirashadha.             | 'famil (of about<br>the 13th cen-<br>tury A.D.) | Registers a gift of land, by purchase, for celebrating a festival, to the image Machebiyar of Udaix andar set up in the shrine of Pidariyar Alagiyar. Nachlehyar, by a native of Kubasak karapuran, in [Ka]lvayil.   |
|             | Do.                                | :      | Do.      | : | Do.  | 10 + let year,<br>Kurkataka, ba.<br>da. 9, Friday,<br>Aévati. | Do.   | Registers the solute and advantaged. Among the signatories flower Ellandalaiyana Pandiya. Brahmatayan and Virapandiya. Brahmatayar. Registers the gift of the havinghal makhani right of the village of Mullikkadi aira Mudivalangu-perumatalur. Ranger of Mullikkadi aira Mudivalangu-perumatanativ of Kalyanasınduranallur which was a devadana of the temple at Tiruppuvanan in Andamadu. |
|             | Do.                                | :      | Do.      | : | Maravanman alias Tribhuvanachakravartin 31st year, Kanya, Vira-Pandyadova. | 31st year, Kanya,<br>su. di,, 3, Fri-<br>day, Svāti,          | Tamil (of about<br>the 14th cen-<br>tury A.D.). | Sale of the handle right, to a native of Kulaman-galam in Aleiai Inaniyamutta-nadu which belonged to the temple of Alagar. Refers to the disorder crassed by the Markings.   |
| On the      | On the south wall of the mandapa   | pd:    | :        |   | :  | Śaka 1464, Plava,<br>Puraţţadi, 10.                           | Tamil   | by Kampana<br>Gift of land to the same temple, for the merit of a<br>certain Periya Ramappa-Nayaka.  |

| - | 1916—cont.  |
|---|-------------|
|   | in          |
|   | copied      |
|   | iptions     |
|   | เอ เกลด     |
|   | ston        |
|   | } <b>of</b> |
|   | C.—List     |

| riace of inscription.  | 100      | Z in a   | 940  | Language and                                    | Descents   |
|--|----------|--|--|---|--|
|  | Dynasty. | Aling.   | Carte.   | alphahet.                                       | reliarrs.  |
| On the same wall (inside)  | Рафдув.  | Jatavarman <i>alias</i> (Tribhuvanaohaktavattin<br>Sundara-Paņdyadēva. | Karkataka, su.<br>di. b, Wednes-<br>day, Hasta.      | Tamil (of about<br>the 13th cen-<br>tury A.D.). | Registers a lease of land by the temple authorities to Uyyavandan l'andiyan alias Sundarupandiya Uyyavandan l'andiyan alias Sundarupandiya near Madarkulakhil-Madanuu. Fixes the rate of mëleërum to be paid by the donee to the temple. One of the signatories is Ellandalaiyana-Pandiya-   |
| ро   | Do       | Do.  | 10th year, Vriscohlan, sw. di. 14, Thursday, Asvati. | Do.   | Piramaditagan. Registers a Jense of temple lands to Uyyavandan aliae Bensimagadevin. Ellandalsiyana-Piramadirayan figure and Virapadiya-Piramadirayan figure among the   |
| On the south wall of the Chitrasabhapati shrine in the same temple (left of entrance). | ŝ        | Tribhuvanaohakravortin Köyerimelkondán<br>(kasazkssort)                | :  |   | signatorites.  Built in. Gift of the village called Kandiyadevan Suidt in. Gift of the village called Kandiyadevan Sundarapandiya-chatur vedimengalam. to 20 Brilmanus versed in the vedus and sistras and for builting Siva and Vishun temples, the latter under the name Kulasakhara-Vinnasar-Alvan. The runder  |
| On the same wall; right of entrance  | į        | :  | Śaka 1450,<br>Ananda, Tai<br>12.                     | Tamil   | was made at the instance of Kalingarayan. Refers to the construction of the mandapa and the setting up of an image in it. Mentions Sundara-solapuran, alias Desiyugandapattanam, which was a village in Ten-Konadu, a sub-division of Olligur-   |
| On a stone built into the same wall  | :        | :  | :  | Tamil (verse)                                   | Rugram.<br>States that the chief Alagiyassman worshipped Siva  |
| On the east wall of the same shrine  | :        | :  | 17th year and 185th day.                             | Tamil   | Refers to the grif by purchase of the village of Mañ-<br>janeer in Pengunga-nada for efferings, etc., to the   |
|  |          |  |  | ć   | image of Kuttaquvar which was set up in the temple of Sivadh emissaramudaiya. Nayanarat Tirukkolakkudah hy Somanquar, the younger brother of Akajankanadalyar and etaes that it the instance of Kajaningarayan the granted village was made taz-free by the king in the 11th year of his reign, when he was sneamped at Gangalkondapatana.   |
| :  | :        | nietii.  | Ith year   | :   | Registers the order of the king mentioned in No. (1 above.   |
|  | <b>:</b> | Tribhu[va*]nachakravardin Köngerimail-<br>kondån.                      | :  | :<br>:  | Records that the lands comprised in the village of Manashr alias Bundanquadya-chaturedinangalum, founded in the king's name by his son Kandiyadevu, excepting those belonging to the temple of Tiruk-kodungungamudaiya-Nayanar, were divided into 24 parts, 20 of which were assigned to 20 Brahmanas learned in the vedus and sästrus, 2 to the temple of Sundarapandya-Isvaramudaiya-Nayaniar and 2 to the temple of Kandiyadevar-Vinnagar-Alvar. Refers to the 14th year of the king's elder brother (annalis) (vide No 68, above). |

G.--List of stone inscriptions copied in 1916--conf.

|     |   |          | •  |   |  |   |
|-----|---|----------|--|---|--|---|
| No. | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and alphabet.                       | Иемагке.  |
| 7.  | On the north wall of the same shrine                                  | Paṇḍya   | Tribhuvanohakravartin Vıra-Paṇḍyadéva  | 3rd year, Vris-<br>ohika, su. di.<br>13, Thursday,<br>iruvonam. | Do. (of about<br>the 14th cen-<br>tary A.D.) | Registers a public sele of the village Mangudi, by the residents of Sevur, to the temple of Thukkolak-kudi-uduiya-Nayanar. It was set apart to meet the expenses of the shrine of Alugapperumal built have seen as  |
| 16  | On the west wall of the same shrine                                   | •        | :  | •   | Татії  | by one of the tagasens of the mains, in the same temple.  Sale of land to the temple of Tirukkelakkudi by the residents of Velamendi. The beginning of the  |
| 92  | On the same wall  | Paṇḍya   | Tribhuvanachakra[vartin] Vira-Pāṇḍyadēva   | :   | Do. : :                                      | inscription is lost. The land here sold is the same as that referred to in No. £0 of 1916, above. Fragment. Mentions Truckkolakkudi in Pugam slainadu.  |
| 77  | On the rook adjoining the same temple                                 | Do       | Mâravarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Sundara-Pândyadêva, 'w.co was pleased to<br>take the Chôja country.'  | 5th year and<br>628th day.                                      | Do   | Gift of land made tax-free, for the service called Mudivalangue erymal-sandi and for daily offerings to the temple of Sival-harmistariumudaiyu-Nayanar at frink kalabani harata.  |
| 82  | On the north wall (outside) of the Atmanagus temple on the same hill. | :<br>:   | M[ana*]varman alize Tribhuvanachakravartin Sundana-Pāṇḍyadēva, 'who, having taken the Chola country, was pleased to perform the ancintraent of heroes and victors at Mudigondasõlapuram. | 14th year and 328th day.  | . :  | his brother-in-law (marchine arm) A jugappen unail. The king, while issuing the order, was occupying the seat called **Argaratyum** in the **Pulliporark-kādum** of his palace at Voinjan-arapad in Funa-malar-nad and the instance of the king's nephew Kulašskharadow, certain lands situated in Kumattakuti, a village of Kama-radu, were nade axfree and given to the temple of Tirukkolakhudi for offerings to the goddess of Alquaya-Nachchiyarf Tirukkumakkottam set up in the temple, by a native of kajuavillipuram in Kilvenba-nadu. Mentions the royal seat called **In/lepridum** Malawa-rāyun place at Mudigondašoja puram in Kulottungašoja palace at Mudigondašoja puram in Kulottungašoja valanādu, a district of Sola-mandalm and the temples Tandomirasmudajar and Kajanakur. |
| 48  | On the same wall  | Do       | Tribbuyanacbakrayartin Könerinmaikondan  | 16th year   | Do   | Refers to the transactions mentioned in No. 78, Cabove.   |
| 98  | Do  | Do       | Kulasekharadeva  | 2nd "   | Do   | Registers an order of Gangaiynii issued to the temple authorities of Tirukkolaikudi recording the sale of the katanmar right of a land in Koramanigalam which was a village near Ilaiyattakkudi in Kulvayil-nadu, to a cortain Nekularaya and the grant of the several taxes on the land to the temple.   |
| (   |   |          | ***************************************  |   |  | •   |

No. 99, Home (Miscellaneous), 29th August 1916

| 1916—conf.  |
|-------------|
| 'n.         |
| copied      |
| nsoriptions |
| insori      |
| stone       |
| 늉           |
| List        |
| 0           |

| No.   | Place of inscription.                              | Dynasty. | King.   | Date.  | Language and alphabet.                     | Remarks.  |
|-------|--|----------|---|--|--|---|
| 81    | On the same wall                                   | Pandya   | Marsvarman alias Tribhuvanacha[kravartin] Kulasskharadsva, 'who was pleased to take [all countries].'                         | 22nd year,<br>Kumbha, ba. di.<br>3, Monday,<br>Uttara-Phal-<br>guni. | Tamil (of about 13th century A.D.)         | Registers a public sale of land to the temple of Tirnk- kolakkudi in Puramalai-nadu, a subdivision of Ponnamarapati-parru, by the residents of Viraiya-chohilai in Kana-nadu, a subdivision of Kananadu aitas Virudarajabhayathara-valanadu, in order to pay the taxes due by them. Mentions Ulagavidahgisvaramudaiya-Nayanar ard states that the original documents connected with the land were deposited in the temple. Befers to the oppression by Tirunelvöli-Udaiyar, a subordinate |
| ec ec | On the same wall (inside) Do.                      | Do. ::   | Maravarman alias Tribhuvanachukravartin<br>Sundara-Pangyadeva.<br>Maravarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Kulasekharadeva. | 11th year and<br>4[90]th day.<br>7th year                            | Tumil<br>Do                                | Kandiyadevan. Much damaged. Gift of land for offerings to the temple of Sivadhanmivaramudaiyar. Do. Seems to record a gift of land by some private individuals to the temple of I irukkolakkudi-daiya-  |
| 4     | On the west and south walls of the ssme<br>temple. |          | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Sulndara-Pandyadeval, "who was pleased<br>to distribute the Chôla country."        | Lost   | Do   | Nayanar at Tirukkolakkudi in Purmalar-nadu. Gitt of land in the 10th year of the king for offerings to the shrine of Aludaya-Nachobiyar of Tiruk-kamakkottam, built in the temple of Sivadharmisvaramudaiya-Nayanar by a native of Rajavallapuram in Kilvomba-nadu. Mentions the sent called Majavarayar [in the king's palace at] Madakkil-Madurni in Madurodaya-valanadu and  |
| 82    | On the west wall of the same temple                |          | Ja[tāvarman] aijas Tribhuvanachakravartin<br>Sundara-Pāṇdyadēva, 'who was pleased to<br>take the Chōla country.'              | 22nd year  | Do   | the king's brother-in-law Alagapperumal. Sale of land called Karikālasõla-Pallavaraiyan-kuģik-kāju to the same temple, by a certain Tribhuvana-singen, a native of Kunizattūrin Kalvāyil-nādu, a  |
| 98    | On the west and wouth walls of the same temple.    | Do. :    | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Kulasekharadeva, 'who was pleased to<br>take all countries.'                       | 15 + ist year<br>Karkataka, ba.<br>di. 3, Sunday,<br>Tiruv[onam].    | Do. (of about<br>the 13th<br>century A.D.) | subdivision of Keralasinga-valanādu.  Danaged. Registers a public sale of the village of \(\times\) Nathaneri to the same temple, by the residents of Viraiyachenilai under conditions similar to those mentioned in No. 81, above. The old documents nonneated with the land are said to have been   |
| 87    | On the south-wall of the same temple               | :        | :   | :  | Tamil                                      | deposited in the temple Provides for offerings and repairs to the shrine of Aludaiya-Nachchiyar built in the same temple by Tamilappallavadaraiyan. One of the sagnatories  |
| 88    | On the same wall                                   | <b>:</b> | Tribhuvanaohakravartin Köneriymai-<br>kondán.   | 13th year and 203rd day.   | Do   | is Gahreysaraja. Mentions (the king's?) brother-in-law Alagapperu-<br>mai and Tamilappallawaderuiyan. Registers an<br>order restoring to the donee of No. 87, osetain   |
| 68    | Do   | Рардув   | Sundara-Paņdyadēva  | * + 2nd year   | До   | rights which he had in the temple.  Built in at the right end. Registers an order of the residents of Kana-nadu aiss Virofdarshebhayan]-  Rana-valanadu regarding the gift of a land to the temple.   |

Jakons & 49.

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

| ž | D1 6  |              |  | ,  |   |  |
|---|---|--------------|--|--|---|--|
|   | riace of insoription.   | Dynasty.     | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet.               | Кетагка.   |
|   | On the same wall  | Paņdya       | Magayarman alias Tribhuyanachakrayartin<br>Sundara-Pangyadéya, 'who was pleased<br>to take the Chola country.' | 12th year  | Tamil                                   | Sale of water of the tank called Amaradiohohankudik-<br>kattukkulam, hy the chiefs of Viraiyachchilai  |
|   | Do  | Do .         | Maravarman <i>alias</i> Tribhuvanach <b>akrav</b> artin<br>Kulussekharadsva.                                   | 10th year, Vri-<br>schika, ba. di.<br>2. Friday, Ro- | Do. (of about the 13th century          | Kunatakkuli. Incomplete. Mentions the shrine of Akkasalai-Pil. stayar on the bank of the stank elide Pomniatuni  |
|   | On the east wall (inside) of the same temple.   | :            | Tribhuvanachukravartin Kōṇśriṇmaikoṇ-<br>ḍâṇ.  |  | Tamil                                   | Records that at the instance of Majavarayan, the village of Munnaikkudi in Puramalai-nadu which was purchased by the temple from the Maravas of Velangudi in Pungunga-nadu, was now made tax-  |
|   | On a pillar in the mandapa of the same temple.  | :            | :  | Sarvadhārin,<br>Tai 28.                              | Do                                      | ree. Signed by Mudivalangu-Volan Vikrama.<br>Pandya Uttaramantrin.<br>Gift of the pillar by one of the temple servants.  |
|   | On another pluar of the same mandapa  | :            | :  | Vikarin, Tai 2.                                      | Do                                      | The pillar was presented by a potter of Tirukkejak. kudi.  |
|   | On the south wall of the Subrahmanya shrine, near the same temple.  | : :          | : :  | Sarva(dhārin),<br>Tai 8.<br>Vijaya, Āņi 25           | Do. ::                                  | The pillar of the stops in front of the shrine of the goddess was presented by one of the tradizing, Records that the shrine, the stops and the images of Sulmanana. Deventing and Vall: Nachchina.  |
|   | On the rook to the south of the same temple. On the rook adjoining the spring, by the side of the temple. | Vijayanagara | Sayana-Uqaiyar   | Ávaņi 19<br>Dundubhi, Kart-<br>tigai.                | Do                                      | were made by Ticnvanaiyar Avudaiyar Alugar a native of Sundarasolapuram.  Built in at the beginning. In modern characters. Seems to record a gift of land.  States that the spring was built of stone and was cleaned by Pambaryurdaiyan lonnandar Tirnk.  |
|   | On the north wall of the Sivadharmapurje.  vara temple on the same hill.  On the same wall                | ganiya.      | Bluwanthquira.   | Viévayasu, Tai                                       | Do Do. (of about the 13th century A.D.) | kaivelalagiyar a native of Sundarasolapuran alias Desiyugandaputtanam in Ollaiyūr-kūram. In modern characters. Registers a sale of land to the tundaranār of Tirukkolukhudi. (of about Gift of land situ ded in the village of Sirukudi in Vadapinapu-nadu, to the shrine of Aludaiya-Pillai. A.D.)  |
|   | On the west wall of the same temple   | Ραράγα       | Sundara-Pandyadeva   | 20 + 1st year  | Tamil                                   | service called Buvanekaviran, sandi maned atter- the king. Refers to the 6th year of the king's brother amages. Popparri-adayan Uyyavandan Survadovan atus Ganedyan of Shunaradur in Vadavellaru atus Sundurapandya-valanadu, figures as a signatory. Registers an order of Gangayan making over to the temple of Sivadharmisvaranadaya-Nayanar at Tirnikolakkadi the taxas due on the lands called Vēitradikkādu and Karikālasõlappullardarayang- kadikkādu which were sold to the temple (vide No. 85, above). |

| 1916—cont.   |
|--------------|
| п            |
| copied       |
| inscriptions |
| _            |
| f stone      |
| o            |
| List         |
| U            |

|     |  |          | O.—List of stone inscriptions copied in 1910—con.   | In 1910—cone.   |   |   | _    |
|-----|--|----------|---|---|---|---|------|
| No. | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   | Date.   | Language and alphabet.                        | Remarks.  |      |
| 102 | On the west and south walls of the same temple.                              | Раџдуа   | Maravarman alias Tribhuvanaohakravartin Vira-Sundara-Pa[n°] dyadova, 'who having taken the Chôla country, was pleased to perform the anointment of heroes at Mudigondasolapuram.' | 20 + 1st year   | Tamil   | Begisters a sale of land of the village of Munnaiskudi in Jugamalai-nadu to the same templo. The lands were owned by the Maragua of Velangudi in Fünguing-endu. The order (élat) of Vikramusingan written in continuation of the record and signed by Tenjina adaranyan states that the gaft was to be  | 2.0. |
| 108 | On the north wall (inside) of the temple<br>kitchen on the same hill.        |          | [Mara]varman <i>alias</i> Tribiuvanaoha[kravartin Sundara-Paṇḍyadèva].  | [1]5th year,<br>Tula, ba. di.<br>[3], Friday,<br>Anuradha.  | Do. (of about 13th century A.D.)              | initised for the service of <u>Naturalizaris</u> some Registers the lease as kārāmi-kāmui-alizaukāni of a tearikalastoja-Pēratyan. Mentions the coin guduk-kulgui. Dilandalaryana-l'andya-Bruhmadarayan funtons as a signalory  | ,    |
| 104 | On the same wall   | Do. :    | Jatavarman alias Tribhuvanachakvavartin<br>Sundara-Paṇḍyadêva.  | 8th year, Mesha, ba. di. 13, Tuesday, Uttirattadi.          | 'Yamil .                                      | Records the sale of the <i>kārānmas</i> right of certain temple lands, to a native of Tiruppagalūr in Lama-yūr-nādu, a subdivision of Kulotungasoga-vaļunādu which was a district of Sola-mandalum. It was stipulated that the purchaset should bring into was stipulated that the purchaset should bring into  | (    |
| 105 | Do. (outside)  | Do. :    | [Ja]tava[rman <i>alias</i> Tribhuyanachakra-<br>var]tin Sundara-Paṇdyadèva.   | :   | Do  | cultivation the waster and in the name of the king's son (mukkenjayant) kurakrama-kapdya-king's son (mukkenjayant) kurakrama-kapdya-Mahabali-Vanadhurayan. Mahabali-Vanadhurayan. Damuged. kugusters an agreement given to the temple authoritaes by the residents of Fonnana-rayan-nadu, for meeting the cost of offerings at the service called Ponnavaravatinadan-instituted | //   |
| 106 | On the west wall of the same kitchen   | Do. ::   | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Kulséskharadèva, 'who was pleased to<br>take all countries.'   | 44th year   | Do  | in the temple from the tax called unipogum.  Giff of the village Ferunaliur to the temple of Syadhannisvaramudaya.Nayanar at Tirukkölakkuluji by the residents of Kana-nadu ahas Virudali by the residents of Kana-nadu ahas Virudali by the Nahalsogumiranar at the service Senthaga-Kulansogumiranar intention by   |      |
| 107 | One the south and west walls of the store-room attached to the same kitchen. |          | Maravarman <i>aitas</i> Tribbuvanachakaravartin<br>Kulasskharadsva.   | 4th year, Śaka<br>1239, Kanya,<br>ba. di, 11, Fri-          | Do  | the king and for the testival Linvagir-urinate. Refers to the 32nd year of the king.  Damaged. Ke-cords a sale of land to one of the servants of the temple of Tirukkolskudi-udaiya-Nayaga, by the Mara-mudaits of the place.   |      |
| 108 | On the north tier of the Saprahmanya temple on the same hill.                |          | Marayarman <i>alias</i> Tribhuyanaohakrayartin<br>Kulasékharadéya.  | day, Funarvaso 4th year                                     | Do  | Do. Provides for the conduct of the car festival.   |      |
| 109 | On the north and west tiers of the same temple.                              | :        | :   | :   | Do  | Records the names of persons who supplied stones, \ pillars and money to the temple.  | _    |
| 110 | On the south tiers of the same temple  | Раџдуа   | Maravarman <i>alias</i> Tirubhuvanachakravar-<br>tin Kulasskharadeva, 'who was pleased<br>to take all countries.'   | 2[2]nd year,<br>Mesha, su. di.<br>11, Friday, Ut-<br>tiram. | Do. (of about<br>the 13th cen-<br>tury A.D.). | Sale of the village Tiruvandiyeri to the temple of thaiya-Villaiyar. Kuppalur-Udaiyan figures as one of the signatories.  | _    |
|     |  |          |   |   |   |   |      |

Samo & 64.

C.—List of stone inscriptions copied in 1916 -cont.

| No.   | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and                         | Remarks.   |
|-------|--|----------|--|---|--------------------------------------|--|
| 111   | On the east wall of the cellar called Kodagarai on the same hill.  |          | Tribhuvanachakravartin Könerinmaikon.<br>dan.                | 18th year and<br>203rd day.                   | Tamil                                | Registers the gift of taxes due on ocrtain lands, to the temple of Sivadhanmisyaramudarya-Nayanar for the construction and ropains of Sindhanards.   |
| 112   |  | :        | :  | Śaka 1436, Ru-                                | Do                                   | van-erugarai, built in the nume of the king. Mentions the 26th year of the reign of the king's elder brother (annata).  Damaged. Mentions Timmanasayya. Apant of   |
| 113   | On the west wall of the same cellar  | Paṇḍya   | Maravarman alias T'ribhnvanachakravartin<br>Kulasekharadeva. | dhiródgarin.<br>12th year                     | Do                                   | yya.  by for lamps to the temple of Tirukkola.  native of Voltagman in Variant   |
| 114   | On the same wall   | :        | Tribhuvanachakravartin [Ko]ņeriņmaikoņ-,<br>dāņ.             | 4[1]st ,,                                     | Do                                   | valenda.  Damaged. Registers the order of king Kulasekharadova that the village l'erunallu: with its towns   |
| 115   | Do   | <u>:</u> | Tribhuvanachakravartin Könerimaikon-                         | 28th year and<br>1[4]2nd day.                 | Do                                   | must be set apart an a devantant for conducting the service called Senbagapperumal-sandt, See above No. 106.  Do Gift of land in Perunkungakudi aluse Sundarapandiyanallar in Olleiyur-kungan, a subdivision of Trur-konadu for the service called   |
| 116   | On the rook near the entrance into the same cellar.  | :        | :  | :   | Do                                   | Alyyunankakatan-sande matituted by king Kula-<br>sekharudova.<br>States that the tank and fields to the north of Tiruk-<br>köldsikudi-Navanar form the dömining Sittismali   |
| √1117 | On the east tiers of the Poyyamoli-Isvara temple, at the foot of the same hill.  | Paņdya   | Tribhuvanaohakravartin Vira-Paṇḍyadéva                       | 6th year<br>[5], Thursday,<br>Punaryasu.      | Do. (of about the 13th century A.D.) | nailur. Incomplete. Seems to register the grant of the village of Korgananigalant to the tunple of Poy-yanoul-fevarundanya-Navanar. Montons Alu-   |
| 118   | On the north and west walls of the central shrine in the Agastyésvara temple at Ettlyattall (Arantangi taluk, Tanjore district). | :        | :  | Manmatha, Āṇi<br>10.                          | Tamil                                | ರ ಮಾ≔್   |
| 119   | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.  | :        | :  | Śaka 1365, Rud-<br>hiródgarin,<br>Panguṇi 28. | Do                                   | rays, to the rightful holder, the temple accountant Tennard to the right of handler, the temple accountant Tennardamiyar, Registers the gift of hangafehi light of certain fields in the village of Mangudin Vadavellagu attas Sundarapandiya-valanadu to Nayanar Llakka-manaralamayaka-Londanadu, his son by Alagiya-manaralama-valanadu.   |
| 120   | On the same wall   | :        | . :  | Śaka 1366, Rak-<br>takshin, Pań-<br>guņi 24.  | ъ                                    | integrated of Attantainer, Topicalizing, who held the oblief of Attantainer, topicalizing, who held the taxes on thom and in hea of payment of paddy to the temple of Thravagattisvaramudaiyar.  Registers an order of Alagnyamanavalapperumal Topicalimanar issued to a native of Nathimanagalam, to measure a fixed quantity of paddy in fice of the taxes due by him on certain lands in the tomple of Agattisaramulaiya. Naymar. |
|       |  |          |  |   |                                      |  |



C.—List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

| No.  | Place of inscription.                 | ription.                   | Dynasty. | King.  | Date.                                       | Language and alphabet. | Remarks.  |
|------|---------------------------------------|----------------------------|----------|--------|---|------------------------|---|
| 121  | On the same wall                      | :                          | :        | :      | Śaka 1364,<br>Dundubhi,<br>Arpasi 20.       | Tamil                  | Registers the gift of the **idnivateht.right of oertain lands in the village of Mangudi in Ilango-nadu, a subdivision of Vadavelläru **alius Sundarapandiya-valanadu to Nayinar Ilakkappadannäyaka-Tondainanaga, by Alagiyamanavalapperumal Tondaimanar stipulating the remission of taxes on them and in lieu the uavment of nade to the semis |
| 123  | Do.                                   | :<br>:                     | :        | :<br>: | Śaka 1363, Dur-<br>mati, Purațțadi<br>21.   | Do                     | temple.  Registers a transaction similar to No. 121, above.  Kalingarayar figures as a signatory as in the three preceding numbers.   |
| 128  |                                       | :                          | :        | :      | Saka 1364, Dundabhi, Purat-                 | Do                     | Do. do.   |
| 124  |                                       | :<br>:                     | :        | :      | Saka [18]63,<br>Durmati, Puraț-<br>țadi 21. | Do                     | Do. do. The holder here was Menninga-Perumal.   |
| 125  |                                       | :                          |          | :      | Virodhin, Tai 12.                           | ро                     | <del>5</del>  |
| 97.7 | On the west wall of the same mandapa  | ө өкшө таңдара , ,         | i.       | :      | Saka 1364 (Dundabbi), Parattari             |                        | Valagiyar Kalingerayan, Becoris that Alagiyamanavalupperumal Tondai[mannar], who hold the chiefship of Arantang in Ilange-nadu, a subdivision of Sundarapandiyavalanadu, ordered certain lands in Nattumangalam which belonged to Menninga-Perumal Atisulra*].  Tama Indialnadiar, to be made tax-free. Signed has been an Arisulra*.           |
| 127  | On the same wall                      | :<br>:                     | :        | :      | Śaka 1365, Rud-                             | Do                     | Records that the chief mentioned in No. 126 above   |
| 128  | Do. :                                 | : :                        | :        | :      | Panguni 28.<br>Chitrabhanu,<br>Tai 10.      | Do                     | temple of Nayigar Tiruvagattisuramdaiyar. temple of Nayigar Tiruvagattisuramdaiyar. (lift of land in Nijalai-kurram, to the temple of Tiruvagattisuramdaiya-Näyinar at Ittiyurttaji by Tirunelvelipperumaj Tondeimana.  |
| 88   | On the south wall of the same mandapa | 10 8amo <i>maņģapa</i> , , | :        | ÷      | Vițambin, Sitti-<br>rai.                    | Do                     | (3ift of 12 md of land in Milalai-nadu, a subdivision of Vadavellarra-nadu, by the chief of Arantangi, for worship in the temple of Tiruvagattichohuramulaiva-Navanar. Signal hy Marcalarava.   |
| 180  | On the same wall                      | :                          | :        | :      | :   | Do                     | e of) Tiruvadavur-tambira,<br>itu-nagarattar, i.e., the fe  |

G.-List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

| to. Language and Remarks. | Tamil Gi   | r. Do Danaged and holf in all the end. Fixes the taxes by                          | Do Gift of land for feetivals, etc. in the temple of Solar-kulasundanga-Vapatyar-Afrar at Minjur in Nagagu- | dasola-mandalam. Montions the temple of Kalla-disolamudaiyar.  Do. (verse) States that the temple of Solah ulasandara-Vingagar was constructed in this year by a certain Kesiyan | Tannil At   | And year, Ri-  10. (of about Gift of the then current 100 payam for worship and shabha, su.di.7, the 13th Cen- Sonday, tury A.1).  Which was a distribute to the intege of Thrupphlatvanamudalya- Nayanar set up in the temple of trumanangavedai.  Nayanar vedai. | (Dun-Tamil R                                    | Karka. Do Gift of money for offerings to the shrine of Tiruk-<br>w.d. 5, kamakkottamudaiya Tirundai-Nadelehiyar in the<br>temple of Timmanoical Arabasa-Natarasa | Ma. Do Br                                       | thadi. Do Built in at the beginning and damaged. Gilt of in noncy for repairs, to the same temple. |
|---------------------------|--|--|---|--|---|--|---|--|---|--|
| Date.                     | :  | 42nd year  | 4th ,,  | 3rd "  | Damaged<br>12th year  | 32nd yea<br>shabba,<br>Sunday,<br>Pushya.  | Dunduwi<br>dubhi),<br>16.                       | bth year, Karka-<br>taka, św.di. – 5<br>Sunday   | ram.<br>[3]rd year, Iv<br>kara, św.di.          | Monday,<br>Uttira[tt]adi.<br>15th year   |
| Ring.                     | :  | Kulasekharade[va]  | • Parakésarivarman alias Rajéndra-Chôladéva   | Madhurantaka   | [Parakêsu]riyarman <i>alins</i> Rajêndra-Chêļa-dêva.<br>[Para]kêsariyarman <i>alias</i> Chakravartin<br>Vikrama-Chêļadēva.    | Tribhavanachakrayartin Vıjayaganda-<br>göpäladeva.   | :   | Tribhuvarachakravartin Vijayaganda-<br>gopaladeva.   | Do. do.   | dara-Pandyadeva.   |
| Dynasty.                  | :  | Рацдув   | Chola   | Do   | Do  | :  | :   | :  | :   | Рапсув   |
| Place of insription.      | On the east wall of the mandapa in front of the same temple. | On the west wall of the old Amman shrine in the second praktra of the same temple. |   | Chingleput district). On the south wall of the same shrine   | On both sides of the entrance into the same shrine.  At the entrance into the mandapa in front of the same shrine; left side. | On the north wall of the central shrine in the Sugandapurisyaru temple at Melur (same teluk and distriot).   | On the north and west walls of the same shrine. | On the west wall of the same shrine  | On the west and south walls of the same shrine. | On the south wall of the same shrine   |
|                           |  | 132  | 133   | 184  | 135   | 137  | 138   | 139  | 140   | 141  |

Segs in.

S Control

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

| 1                |  |              |   |  |                        |              |  |
|------------------|--|--------------|---|--|------------------------|--------------|--|
| No.              | Place of inscription.  | Dynasty.     | King.   | Date.  | Language and alphabet. | e and<br>et. | Remarks.   |
| √144             | On the west wall of the central shrine in the Pushparathésvara temple at Nayar (same taluk and district).  | Vijayanagara | Virapratāpa Dēvaraya-Maharaya 'who<br>levied tribnte from Ljam (Ceylon).' | Śaka 1360, Krō-<br>dhana, Mithuna,<br>śu di. 10, Mon                           | Tamil                  | :            | Danaged. Gift of a lamp to the temple of Puteri-<br>Andar at Nayar in Nayaru-nadu a subdivision of<br>Pular-katten in Javahamadasahamanaham  |
| 145              | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.   | Do           | Virapratapa Achyutaiyadevu-Maharay  | day, Tiruvôpam.<br>Saka 1448<br>(mistake for<br>Saka 1455), Vi-<br>jaya, Māši. | Do                     | :            | Records the gift of the village Patterivilagam to the temple of Putteri Appan, by Nagama-Nayaka, son of Ponnapa. Nayaka of Kandanavölu (Kurnool),  |
| 146              | On a stone in the ruined Siva temple in the same village.  | Рардув       | Japavarman Tribhuvanaobakravartin   | fri.   | Do                     | :            | tor the ment of the King.<br>Unfinished.   |
| 147              | <u>-</u>   | Chola        | Parakésariva[rman], 'who took Madura and Ilam (Ceylon).'                  | :  | Do                     | :            | Fragment.  |
| 148              | (Arkonam Baluk, North Aroot district). On a stone set up near the divajastambla of the same famule.        | Rashtrakūta  | Kalmpara Jdeva  | 17th year  | Do                     | :            | Much damaged. Mentions Kilaivali in Valla-nadu a   |
| .149             | ō  | Chōļa        | Parakésarivarman, 'who took Madura and Ilam (Ceylon)'.                    | 41st ,,  | Do                     | :            |  |
| <sup>1</sup> 160 | On a slab built into the north wall of the Agnstydsvara temple at Poyyanur                                 | Fallava .    | Vayiramègavarman  | " puz  | Do.                    | :            | kottam.<br>Damaged, Provides for offerings to the temple of  |
| Á161             | (same taluk and distriot.) On a slab built into the Poruin the same village.                               | •            | • !   | :  | Do                     | :            | Itturagacthval unindalya-managova jat Foylgaij-<br>nallur in Damar-köttam.<br>Gittof 500 kuli of land for offerings to the temples<br>of Mahuvahnn and Mahadova. Mentions Fedor in   |
| 162              | On the north, west and south walls of<br>the Kailasanatha temple at Kilpulam<br>(same taluk and district), | Pallava      | Vауітаіпедаvагшян   | 2nd year   | Do                     | :            | Ayirkadu and Tinuvindalar in Tiruvindalar-nadu, a sutdivision of Sola-nadu. Registers a gift of land for conducting Sribali with five persons including one for beating segands and  |
| 153              | On two fragments in the court-yard of the  | Chola        | Ковагічатава  | Lost   | Do                     | •            | ewe for blowing the frumbers, in the temple of<br>Tirukkujichoharattu-Ajwar ut Palakalam, in<br>Damar-kotpum, by Mujlikkudaiyan Adittanaji.<br>The second fragment registens a gift of sheep for a   |
| 154              | On the north wall of the central shrine in the Sukanathesara temple at Kalattur (same taluk and district)  | ро           | [Rajendra-Chōla I]  | :  | Do                     |              | lamp. Unfinished. Contains only a portion of the historical introduction of the king.  |
| 156              | On the north and west walls of the same shrine.  | Do           | Rajendra-Choladeva (I)  | 20th year  | Do                     | :            | gold to the temple of Kumbisva:<br>ova at Vikhiramasings-chaturve  |
| 156              | On the west and south walls of the same shrine.  | :            |   | 26th ,,  | Do                     | :            | narigalam in Damar-nadu a subdivision of Inmar-kettem in Jayangondskolu-mandalam. Mentions a number of persons of the divigangeter of the sabla of the village. Unfinished. Stops with the mention of a rumber of persons who belonged to the assembly of Vikramafinga-chaturvedimangalam. |

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cost.

| No. | Place of inscription.  | Dynasty.     | King.  | Date.   | Language and                      | Bonnah  |
|-----|--|--------------|--|---|-----------------------------------|---|
| 167 | On the same walls  | Choja        | Parakssarivarman alias Udaiyar sı1-Bajen-                          | 11th  | Tanil                             | Gift of land (made tax-free) by one of the samenteara-  |
| 158 | On the south wall of the same shrine   | Do           | Parakésarivarman <i>alias</i> Bajéndra-Chōjadéva                   | 6th .,  | Do. ::                            | singa-chaturvedimankalam, for the perum-dali offering on Sundays to the image of Pasuperamurigal in the temple of Tirukkumbisvaramudutya-Mahadéva. Mentions the coli. Madurantakudévan-madui. Gift of land for offerings, lamps, etc., to the temple of Kumbisvaramudalya-Mahadéva at Paniirai. |
| 169 | On the same wall   | Raehţrakūţa  | Каппитавоча  | 2*th ,,   | Do. :                             | Kajattur alias Viikirumasinga-obaturvėdiman.<br>galam. Mentions Kuitan Tiruvėngadadėvan an oliiecr (udhikāri) of Udaiyapirattiyar.<br>Begisteis a gilt of gold for a lamm to the tonest   |
| 160 | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine.  | Vijayanagara | V1ra-Bukkana-Udaiyar   | Durmati   | Do                                | Tatteri-Mahadeva at Pañjirai-Kajatturin bampie or<br>kottan, by one of the [ajungunat]tar of the village.<br>Incomplete. Provides for offerings and a lamp to the<br>trunk of Kunkwan   |
| 161 | On the east wall of the first prakara of the same temple.  | :            | ÷  | Saka 1467,<br>Parabbaya                                     | Do                                | tur alias Kaiakakharanallar in Rajattir at Kajatturada alias Rubdivision of Damar-kottam in Jayangondusolasmandalam.  Built, iv at the end and damaged. Mentions  |
| 162 | On a pillar in the inner enclosure of the same temple; south side.   | :            | :  | Karkataka, św. di. 5. 5th year                              | Do                                | Apsimination. Provides for offerings to the temple of Agathisarmundaiya-Nayinar. The king receives Saluva bindas.  Gilt of gold for a lamp to the temple of Fatteri-Maha.   |
|     |  |              |  |   |                                   | Kadopatti Vayiriyappa of So[la]-nadu in Paiyu-Ilangotunin Paiyur-Ilangottam. The money was entrusted to the assembly of Panjigai-Kalattur in Kadigai-nadu andus andus kangai-kangan of Damar-kôttam and the annual  |
| 16: | On the north wall of the central shrine in the Vijuverghava-Perumal temple at Thruppukkull (Conjecveram taluk, Ching lenut district) | Paṇḍya       | Tribhuvanachaktavattin Konetinmai[kon-<br>dan] Sundala-Pandyadeva. | 17th year, [Mithuna], św.                                   | No. (of about<br>the 13th Century | took to burn the lamp.  Damaged. Registers the gift of the village of Poygai.  Dallur for offerings to the temple of Vijayaraghan.  |
| 164 | On the west wall of the same shrine  | :            | Madhurantaka-Pottappiohcholan Vijaya-<br>gandagopaladeva.          |   | :                                 | refund at Interpreted in Damal-nadu, a subdivision of Damal-kottum. Registors the gift of the village of Vikramasolanallar (and its hambel) situated between Valumesi Value.  |
| 165 | On the south wall of the same shrine   | :            | Tribhuvanachakravartin V Iraganվa[gopəla]-<br>dova.                | s, Friday, Fü-<br>sam.<br>*th year, Kum-<br>bha, su. di. 7, | Do                                | nadu and Tenkarat Danad-köttam, for offering and festivals to the same teruple. Unfiniehed. Registers a gift of cows for a lamp to the temple of Thrupputkuli-Nayanar, by a native of   |
| 166 | On the north base of the mandapa in front of the same shrine.  | :            | :  | Punarpüsam.<br>Subakira (Su-<br>bhakrit), Kart-<br>tigai 2. | Do.                               | Malaimandalain.  Registers a gift of moncy for offerings to the templo of Poregru-Nayinar on the occasion of the Bladdisi days for the ment of Veriginnal Illia.  |
|     |  |              |  |   |                                   | erous a marina and a second   |

C.-List of stone inscriptions copied in 1916-conf.

| No. | Place of inscription.                                      | Dynasty.     | King.   | Date.                                   | Language and<br>alphabet.                                    | Remarks,  |
|-----|--|--------------|---|---|--|---|
| 167 | On the west wall of the same mandapa                       | •            |   | :                                       | 'famil   | States that the images of Perumal, Haiya-Perumal  |
| 89  | On the same wall   | :            | :   | :                                       | Do   | Gomethattu Arujalapperuma, alias Guppe, by the Gomethattu Arujalapperuma, alias Tyagapperu-majdasa of Mananür in Põsaja-rajya.  Beoorde that Devapperumaj Saranadovan of Nandam-majda.  |
| 169 | On the east wall of the same mandapa                       | Vijayanagara | Kṛishṇadeva-Maharaya, son of Narasingaya                                    | Śaka 1437,<br>Yuva, Karka-              | Do   | parkam in Perur-nadu, a subdivision of Puli-<br>yūr-kottam, set up the image of Tirumangai-<br>Alvar in this temple. Unfinished. Mennish Tirupputkuli in Damar-nadu,<br>a subdivision of Damar-battom.  |
| 170 | On the same wall   | į            | :   |   | Telugu   | Gift of land Nisanavandangal tor offerings to the   |
| 171 | Do   | :            | :   |   | Do   | tempte of vigy ragnera, at the occasion of the Masi festival, by a certain Menkala Tirumala-Somayajin.  |
| 172 | On the south wall of the sume mandapa                      | Vijayanagara | Virapratapa Devaraya-Maharaya   | Sadharana,<br>Vaigasi,                  | Tamil  | Brahmanas by the donor mentioned in No. 170. Records t fat, at the request of the temple authorities of Tirmunitali the bing issued on order in   |
|     |  |              |   | Paurņami,                               |  | the presence of Sri-Virapakshadeva on the banks of the Pampa, to his officer Srigirinatha at Chandragiri, regarding the assignment of the jogi (on Tiuppukknjj) due to Chandragiri-alya for offerings, festivals and repairs to the temple of Potegruperum) at Tirappukknji in Damar-kottem, which belumal at Tirappukknji in Damar-kottem, |
| 173 | Do.  | . Do         | Devaraya-Maharaya   | Sadharana,<br>Āreni ha d                | Ъо   | Str. Virtuals are engraved in Telugu at the ond of the record.  Relates to the transactions mentioned in No. 172  |
| 174 | On the south and east walls of the same manidapa.          | i            | :   | Saka 1563,<br>Vrisha, Tai               | Do   | above. The record is signed by Silgrinatha.  Registers the equal distribution (paguiyu) of land among themselves by the landholders of Timppuk-   |
| 175 | On the south wall of the same mandapa                      | Vijayanagara | Sadasiyadeya-Muharaya, son of ŚrIrangap-<br>payadeya-Maharaya.              | Saka 1495,<br>Sımukha,<br>Vula, św. di. | Do   | kuli at the instance of the agent of Kumara-Tirumalar Tatacharya of Ettur. States that the Alvars set up in the temple at Tirupputkuli had been destroyed by Muhacumadans and that Appalanmanavargel, a member of the   |
| 176 | On the north wall of the first prakara of the same temple. | Paṇḍya       | Sadagopavarman <i>alias</i> Tribhuvanachakra.<br>vartin Sundara-Papdyadeva. |   | Grantha and<br>Tamil (of<br>about the 18th<br>Century A.D.). | palace of the Mahāmaṇḍlēšenra Jillēdu Vengaļaiyya. deva-Mahānaja set up new images of 9 of them and repaired those of the three others.  Records the gift of Tuyirpākkun, a hamlet of Damar, for offerings to the Alvars set up in the temple by a certain Pallavarayan of Tuñjalar in Tirunnialalaikkūru-nādu.                             |
|     |  |              |   |   |  |   |

| **          |
|-------------|
| 16-00       |
| 91          |
| =           |
| ם.          |
| d           |
| .≘          |
| opie        |
| copie       |
| 9           |
| Ħ           |
| ٠ğ          |
| ם           |
| inscription |
| ₫           |
| 8           |
| .=          |
| 0           |
| stone       |
| 23          |
| ďΩ          |
| 4           |
| O           |
| æ           |
| •₹          |
| ۳           |
| -List of s  |
|             |
| $\bigcirc$  |
|             |

|  | ដ                         | On the same wall   | ğ f  |  | ÷   | Pô.      | °°  | ò.   |
|--|---------------------------|--|--|--|---|----------|---|--|
|  | Place of inscription.     | wall   | :  | :  | :   | ;        | •   |  |
|  | soriptio                  | :  | :  | :  | :   | :        | :   |  |
|  | ď                         | : •  | :  | :  | :   | :        | :   | :  |
|  |                           | :  | :  | :  | :   | :        | :   |  |
|  | Dynasty.                  | :  | :  |  | <b>Fa</b> ņdya  | :        |   | Pandya   |
| -  |                           |  | E+   |  | <del>[</del>  |          | <u>+</u>  | <u>vo</u>  |
| CList of stone inscriptions copied in 1916-con t | King.                     | Tribhuyanaohakravartin<br>gopåladøva.  | Tribhuvanachakravartin<br>gopaldera.                 | Do.  | Tribhuvanachakravartin<br>deva.   | :        | Tribhuvanachakravartin<br>gopaladèva.   | Sadagōp#mman <i>alias</i> Tribh<br>vartin Vikrama-Paṇḍyad6va.  |
| seriptions copied                                |                           | Vijaya-Ganda-  | Vîra-Gaņģa.  |  | Sundara-Paṇdya-   |          | Vijayaganda-  | <b>чапа</b> сћа <i>к</i> та-   |
| l in 1916—con                                    | Date.                     | 28th year, Kar-<br>kataka, św. di.<br>3, Saturday,<br>Mula.  | 2nd year, Tula,<br>su. di. 11,<br>Monday,<br>Asvati. | 2nd year   | lsth year,<br>Margaji 27.   | :        | 4th year  | 8th year, Kanni,<br>su. di. 3, Fri-<br>day, Aylliyam.  |
| *• .   | Language and<br>alphabet. | Tamil  | Do.  |  | Do  | Do       | . :   | Grantha and Tamil (of about the 13th Century A.D.).  |
|  | Remarks,                  | Records the sarvamanya grant of (a village in) Damar-köttam hy Madhurantaka-Pottsppichcholan Vilava-Gandagopalan for offerings to the temple of Vilaya-akhaya. Perumai | ~ 4 .  | Records that a dancing girl of the temple having secured sanction by the king for the gift of Kattannar to the temple shrough Nujuppiyagukijan Vajavandau Tiruvengada-Saranalayan, she was granted a sandnachāmam to the temple. | (Records the sale of the village of Puttagaram (part of Kattanur) alics Svamisantosha-chaturvēdinangalam, for arrears of revenue due by persons who owned shares in the village, to the temple of Visava. | <u> </u> | offerings and repairs to the temple of Poregrafters to the 19th year of the reign probably of the king mentioned in No. 186.  Registers an agreement made by the great assembly of Kattanut dies Utramasola-chaturedimangalam with expressivers of the temple of Sittiramali. | sion of Banar-koytem, that they shall not encumber by mortgage or conveyance, any of the lands of the village.  Duplicate of No. 52 of 1900. Gift of the village of Paduvur diese Virtohampanallur in Paduvur-koytem to the temple of Emberuman Vijayaraghava-Peruman, at Tirupputkuli for celebrating the service Virahampan-sexasi which Samburulottunga-Sambuvarayan Virachampan had instituted in the temple on the constellation Ayiliyam which was the star of his nativity. |

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

|   | 1916—cont.  |
|---|-------------|
| , | .5          |
| • | opied       |
|   | 8           |
| • | serriptions |
|   | Ħ           |
|   | Brone       |
| ٠ | 5           |
| 7 |             |
|   |             |

| No.            | Place of inscription.   | Dynasty.       | King.  | Date.                             | Language and          | Веталь  |
|----------------|---|----------------|--|-----------------------------------|-----------------------|---|
| 198            | On the same wall  | :              |  |                                   | · Constant            |   |
| 199            | ě   |                |  | :                                 | . Italia              | ž   |
|                |   | <u>:</u>       | :  | ÷                                 | Grantha and<br>Tamil  |   |
| 007            | Do  | · Vijayanagara | Dévaraya-Maharaya                                | Saka 1354,                        | Tamil                 | Senaturality to the temple.  Damaged. Seems to refer to the remain for the remains to the remains the |
| 201            | Do. : :   |                |  | (Virodijkri),<br>Mina, su. di. 1. |                       | a portion of the south wall, by Sakkarasar, son of Ayilu-arasar,  |
| -              |   |                |  | :                                 | Grantha and<br>Tamil. | Begisters a gift of land for the extension of shrine, offerings and worship, to the temple  |
| 202            | Do. : : :   | :              |  |                                   | :<br>E                | Subratumanya-rillayar at Kattanur by the assembly which is here stated to have met in the Galgaikondan-mandapa.   |
| ;              |   |                |  |                                   | ramıl                 | :8  |
| 80<br>80<br>80 | On the west wall (inside) of the second prakara of the same temple. | :              | :  | Saku 1483,                        | Do                    | Begisters an arrangement mode have the  |
|                |   |                |  | Su. di. 7, Wed-nesday.            |                       | the sthanatur of the lemple to provide offerings to the god and goddess when taken out in the streets   |
| 204            | On the same wall  | Sajuva         | Virapratapa saivadaya (who lawied to the factor) | radam.<br>Saka 1441, Pra-         | Do                    | In procession from the money granted for that a purpose by Sripadi Singarajayya.  Built in at the end.  |
| 202            |   | :              | naivar orr                                       | matnin, Asvati.                   | 4                     |   |
| 206            | 100.  |                | •  | _                                 | Do                    |   |
| 207            | D0.   | •              | :  | Subhann, Sit-<br>tirai 18.        | Do                    |   |
|                |   | :              | :  | :                                 | Do                    | States that this mandapa and the temple of Periva.  |
| 208            | ō   | Vijayanagra    | Virapratapa Vira-Venkatapatideva-Ma              | Śaka 1514,                        | Do                    |   |
|                | и съе вяте сепріе.  |                |  | Sunday, Me-                       |                       | providing offerings to the shrine of Maratagayalli.  Nachohiyar and an agreement given by the Jiyar, the manager. Fifth Tierment Street of the street.  |
|                |   |                |  | ABVati.                           |                       | obarya, and others of the temple of Poregu-<br>Navinar at Trupputkuli in Damar-kottam, a sub-<br>division of Damar-nada, situation  |
|                |   |                |  |                                   |                       | parry, which belonged to Chandragiri-ralya in Jayangondasola-mandalam, to Nagama-Nayaka, son of Timma-Navaka  |
| _              |   |                |  |                                   |                       | and great grandson of Vengalappa-Nayaka of Velur.   |
|                |   |                |  | -                                 |                       | <b>2</b>  |

|             |  |             | C.—List of stone inscriptions copied in 1.916—conf. | l in 1916—cont   |                        | :       | the same of the same of   |
|-------------|--|-------------|---|--|------------------------|---------|---|
| No.         | Place of inseription.  | Dynasty     | King.   | Date   | Language and alphabet. | and et. | Remarks.  |
| 80 <b>8</b> | On the south wall of the same mandapa  | Vijayanagra | Virapratapa Vira-Érirangayadéva-Maha-<br>raya       | Śaka 1499,<br>Bahudhanya,<br>Mesha, ba. di.            | Tamil                  | :       | Registers the sale of the right of supervising repairs (tiruppani-niruchakaniyakahi) by Ettur Tirumala Kumara-Tatachari and other trustees of the same  |
| 210         | Do.  | :           | Virapratapa Aobyutaraya-Maharaya                    | Sravana,<br>Saka 1468,<br>Durmukhi,<br>Mithuna, św.    | Do                     | :       | temple, to liruppullani Sri-Farankusan and his disoiples. Registers the gift of the village of Pattalam by Narasammangar, daughter of Gaddam 'lirumalar, Tattayyangar of Knram, for offerings to the.   |
| 211         | Do   | Do.         | Virapratapa Vira-Sadaáivadera-Maharaya              | di. 7, Sunday,<br>Hasta.                               | Do                     | :       | temple on the occasion of the swinging feetivel.  Built in at the end. Mentions the son of Timma-raisva of Mosslimaduru and Orthinskam.   |
| 218         | Do   | :           | :   | :  | Do                     | :       | Mentions the measuring rods Rajavidlagy kol and Gandaragundan-kol, which are out on the stone.  |
| 818         | On the north wall of the kitchen in the same temple.   | Vijayanagra | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya                   | Śaka 1466,<br>Śōbakira (Śo-<br>bbakrit), Sim-          | Do                     | •       | The king bears Saluva birudas. Refers to the gift of<br>the village of Ottippaskam to the tample by a<br>certain Damalanna-Navaka and to the crant of   |
| 214         | At the entrance into a vacent shrine on the western enclosure of the same temple, left side. | •           | :   | ha, su. di. 6,<br>Monday, Sōdi.<br>17+1st year         | Do                     | :       | house and food to a certain Vengappa-pillal of Injambadi. Records an order of Sambuvaraya, making a surver manya gilt of certain lands with taxes in the village of Tugavalur for offerings, to the images of Perra.  |
| 316         | At the entrance into the gopura of the same temple; left side.                               | Vijayanagra | :   | Yuva, Makara,<br>św. di. 8, Af.                        | Do                     | :       | Perumāļ and Nachchimār set up by the Jiyar of<br>Tirupputkuļi in the temple of Porema. Registera a gift of taxes of Tiruppukkuļi by a certain<br>Kafijikkuri Varadarāja for lamps and offerings to  |
| 216         | In the same place  | ро:         | Krishnadeva-Maharaya                                | Vrisha, Adi 31,<br>Monday,<br>Ekadasi,<br>Mrigasirsha. | . Do                   | :       | Librarias of Constitution of the Constitution |
| 217         | On the same gopura; right of entrance  | .:          | Vira-Haribaratâya                                   | Bahudhanya,<br>Rishabba, sw.                           | Do. :                  | :       | the month of Masi which was the Janmanakahatra of the king.  Registers the sarandnya gift of a part of idaigai-sari and other taxes for maintaining a lamp in the   |
| 218         | On a slab set up in front of the Gengon-dar-mandapa.   | :           | :   | Puparpusam.<br>30th year                               | Do. :                  | :       | same femple. Incomplete. Registers an order of Madhurantake. Pottappioholololan registering the grant of Kathana  |
| 219         | On the same slab; back side  |             | :   | :  | Do                     | :       | excepting Falaiyagaram and Puttagaram, to the temple of Vijayaraghara-Perumal at Tiruppukruli. States that this gittirameli of Tiruppukruli is the gift of the people of Malai-mandalam.  |
|             |  | ,           |   |  |                        |         |   |

inyaga.

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

| Bemarks.                  | Registers the construction of the Kalyana-mandapa, tank and the chlautram by Venkutapati-setti, son of Bali-setti and grandson of Mutyalu-setti of Tiruvidhi, a Vaisya of the Yali setti-gātra. | Registers a gift of land by six residents of Tinuvida-<br>vandai in Puduvar-nadu, a subdivision of Amur-<br>kettam in Jayangondasola-mundalam, for offerings<br>to the tomple of Nayanar Alagiya. Sok kanar | Gift of land for worship and ropairs to the temple of Nayinar Tirumarugl spanning language at Rajas Hajus language at Rajas Sauril mallur actions Tangur in [A]yiravelipparru a village of Kumili-nadu which was a subdivision of Amur-köţtam. The land was situated in Kumanallur in Irandayiravelipparru and was the egift of a native of Saundariyasolapuram in | Lugar Dupain a Suchivision of Layangolpda-<br>States that the temple of Sengannalisvramedayar<br>in Taiyur in Fraudayiravelippayin in Kumili-<br>nadus a subdivision of Amur-kothum was repaired<br>by a certain Mutuvalu-setti, son of Parasurama-<br>setti of Channapattanam. | By the side of an image. This is (the image of)<br>Vijaiyarafyalr of Korramangalam who remained | this (temple).  Records that a village separated from Araiyanserian Songalumryatut together with the proceeds on the near-pans were given for worship and repairs to the temple of Songanmalisuramn-laiya. Nayinar at Rajakesarinallur alus Taiyur in Anua-kottam, by Sellappar Viraj-Narasi[inha]-rayu-Nayakar, son of 1 aluvakkulumdan-Hahatra | Registers a surranding grant of certain taxes by the shing, for worship and repairs to the temple of Sengaramalcheluramondaiya-Nayanar at Taiyur alua Rajakesarinallar in Kumili-nadu a ubdivision of Amut-kottum in Jayangondasolar mandalam. The order regarding the grant was issued by Somya-Depnayaka in accordance with |
|---------------------------|---|---|--|---|---|--|---|
| Language and<br>alphabet. | 찚   | Tamii (of ahout hegisters a gift can 13th randai in Puc century A D.).  | Gift of land for Nayinar Tin Nayinar Tin at Rajuhosarli parru a villagi division of An in Kunranalli the gift of a balon better  | States that the temple of in Taiyur in Iraqdayin nadu a subdivision of Ary a certain Muturalusis setti of Channapattanam.   | By the side of a Vijaiyaru yalr   | this (temple).  Records that a village in Sengalumripathu ten salt pans were g to the temple Nayinar at Kajak Ayravolipparu a Amu-kottam, by s raya-Nayakar, son o   | Rogisters a surrel king, for worr Serigannalbehe aluas Rajakese division of a mandalam. This seued by Som the written   |
| Date. Langu               | aka 16[3]5, Telugu<br>Vijaya, Aévija,<br>suddha 10,<br>Friday, Sra-   | 191th year, Tamil (Kanni, su. di) (Muni, su. di) the 12, Monday, Gontun Robini.   | Saka 1458, Dur-<br>mukhi, Mosha,<br>su. di, 10,<br>Tiruvõņam,<br>Friday.   | Saka 1629, Sar-<br>vajit Vai-<br>yasi 25, su. di.<br>5, Briday,<br>Punarvasu.   | Do.   | aka 1442, Do. Vikrama, Makara, św. di. 7, Sunday, Hasta, Maha-Sartikramaņa.  | Sobbakrit, Karkataka, su. di. 7, Saturday, Sodi.  |
| King.                     | Saka Vija sudd sudd Frid  | Jațavanman Tribhuvanaohakravartin Sun- 1 (9)<br>dara-Pâṇdyadēva K   | Virapratapa Achohutayadeva-[Mahara]ya,<br>son of [Nara]simhadeva-Maharaya.   | Sak<br>va<br>ya<br>ya   | :   | Virapratápa Kriehņayadēva-Mahāraya Š   | Kampanna-Udaiyar, son of Vira-Bokkana. Sob<br>Udaiyar.  |
| Dynasty.                  | :   | Pāṇdya  | Vijayanagaru   | <u>:</u>  | :   | Vіја улпа gara   | Do.   |
| Place of inscription.     | On the north wall of the mandapu in Balsetti-chhatram near the same village.  | On the west wall of the Maragatavalli-<br>Amman shrine in the Maragesvara<br>temple at Talyur (Chingleput taluk<br>and district.  | On a stone in the Mukha. maṇḍaṇa of the same temple.   | On the south wall of the central shrine in the Sengannalisvara temple at Sengannal near Talyur (same taluk and district).   | On the same wall  | On the north wall of the mandapa in front of the same temple.  | On the west wall of the same mand apa   |
| No.                       | 7220  | 7221  | <b>1</b> 222   | . 223   | 224   | 99. Home (Mis  | 20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>20<br>2   |

99, Home (Mis.)-22

200

C.—List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

| Place of inscription.  On the south wall of the same mandupa  On the east wall of the same mandupa                       | ption. same mandupa | Dynasty. Papdya | King.  Magavarqan Tribhuvanachaktavartin Vira-Papdyadeva.  Tribhuvanachaktavartin Jatararman alus Sundvra-Papdyadeva. | Date.  11th year, Kar- kataka, sa. di. 7, Saturday, Södi. 13th Margali, 5.    | Language and alphabet.  Tamil (of about the 14th century A.J'.)  Tamil | Romarks.  States that the Vaisya and Vāniya merchants (nagarattom) of the 18 countries constructed the Alankara-maila.  Of Schuammalisuramudaiya-Na ana at Taiyur alias Rajukesarinaliar in Kamili-nadu whok was a subdivision of Amur-kothum in Jayangondasolumunandalam, and set a, art certain tolls to it for other connected works.  Fixes the rate of taxes to baid by those who accupy the tirumadar vilagum of the tenple of Schagamalisuramudaiya-Nayanar and mentions |
|--|---------------------|-----------------|---|---|--|---|
| Ou the north wall of the central shrine in the Nityesvara temple at Srimushnam (Chidambaram taluk, South Arcot district) |                     |                 | Magavarman Tribhuvanachakravartin<br>Konstigmankondan Vikrama-Pandyadov.  | 7th yerr  | Do. :  | Registers the gift of four villages in Rajendrasola-<br>purappagu, for festivals and offerings at the ser-<br>vice of Kajakknasyan sendi, instituted in the name<br>of she king in the temple of Thinunttamudaiya-<br>Nasagarat Trunuttam at the instance of Monjunt-<br>piran Stramadovar alas Sedirayan a native of<br>Karivur-Ponpagri in Naduvil-kügu a subdivision<br>of Miglaia-kügum in tandi-mandalam.  |
| On the same wall Vija  | Vija                | Vіјауапа gaла   | Virapratápa Dé[varaya]-Maharaya   | Saka 1365,<br>[Rudhi]rodgari,<br>Vrischika, su.<br>dt. 12, Monday,<br>Révati. |  | Registors a survamengu grant by the residents 'nattar-tandirmar') of the eighteen districts (pagra) of certain taxes payable by the ryots inhabiting the mattan lands within the premises of the temples of Tirunuttamudalya-Nayanar and Adivaraha-Nayanar at Tirunuttamun in Nayanar and  |
| On the west wall of the same shrine Chola  | Choļa               | i               | Bajak6sarivar[man] Kulôt-<br>tuṅga-[Chô]jadéva.   | 30th year   | Ъо   | bhayankara-valanadu, for offerings at the service called Feriyanattan-sandu. For offerings at the service called Feriyanattan-sandu. Unfinished. Registers the gift of the villages of Surgandavirtaso[lanullar*] and Adivarahanallar the temple of Tirumuttumodaiya-alahadava and the temple of Sirvaraha-Alaar respectively at Mudigondais@analuar in Vilanduiyir-kangam a sub-   |
| On the same wall Do.   | Do.                 | : '             | Kajarajadova  | 6th ,,  | De   | division of Iruñgölappati, by the king when he was easted on the throne called Scainglag in his palice at camp I trumaluvach in Poygai-nadu, a subdivision of Géyavinoda-vafandu.  Registeus a gift of pactikaval and other income of certain villages for worship in the same temple, hy Alappigandan Flifsainogan alias Kulottungasola-Kafavinavanayan for the merit of himself and his descendants.  |

of my to

C.-List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

| Кешы кв.                  | huilt in in the middle. At the instance of hulot- tungusola-Sauvaranadhiaja med another, the separation of the two villages Sungardavvittaola- nallar and Adivarrhamiltar was ordered by the king when he was scated on the throne called Sediräum in his palace at Aviratali alias Maravaninienkoqusolaparam. The former village was a dendan of lirumuttamudaiya- Mahadeva at Temamputtu aluas Mudigondasola- nallar in Vilandaiyii-kuyum a tubdivision of Irungolappadi and the latter a dendana of Adivarahamallar. Mentions the temples of Pidari, Tirumanayana-Isvaramadaya Mahadeva, the village of Kavanur aluas Viraalendramanigalam in Mokä-nädu, a subdivision of Virudaraja- | Physokara-valenadu and the big road leading to Penadgadam Unfinished. Seems to register a gift of lands in Sunganda rittasolanallar alias Themputam for maintaining the service called Rahnttamingan sand. Mentions Vettungai-Alagiyar Kachohiyarayar. | Pumaged. Registers a sarvamänya gitt of certain taxes for festivals and Kahuttan indan-sande in the same temple. Signed by Polligonda-Porumal alias Kachchiyarayan. | (iff. of three krisu for 11.14c lamps to the temple of innumtrundary ar. by Anantisan Adavallan of Suravalundur. | Gift of lands for the service called Rahuttamindan-<br>sande instituted by Sevagapi erunal Kachchiyarayar<br>yanayan, son of Hamainpertunal Kachchiyarayar<br>and grat dson of Vettungan-Alagiyar Kachchir-<br>yarayar. The temple is described as Tirumutta-<br>midaiya-Nayanar of Sunganal virtits foliamillur alias<br>Tirumuttami in Vilandan kungan in Iningolapapain-<br>nadan sublivision of Markanada. | Viridanga hayankara-valuadu Records that Nagaiya-Nayaka, ore of the servants of the king, assigned for the menit of the latter the taxes due from the viluge of Nedudjen situated in the district given to him for military service, for worship and repairs to the temple of Tirumutta- madaiya Nayanar. |
|---------------------------|--|--|---|--|--|---|
| Language and<br>alphabet. | Tamtl  | . Do   | ъо  | Do   | . :  |   |
| Dato.                     | 31 + lst ye.ı  | Уака 1396,<br>Јауа, Афі 5.   | Śaka 1413,<br>Paridāpi,<br>Śiltirei.  | 44th vear,<br>Aippasi-Vishu.   | Śaka<br>Paridapi:  | Visvavasn, Pana-<br>bhava, Ani 20.  |
| King.                     | Rajuk6sarivarman <i>alias</i> Chukravartin Kuldt-<br>tuńga-Chdjadova.  | -<br>:   | ÷   | Kulottunga-('hojadova  | ·<br>:   | Immadi Tirunalaidora-Maharaja   |
| Dynasty.                  | Chola  | • [  | :   | Сьојя  | <u>.</u>   | Saluva  |
| Place of inscription.     | On the south wall of the same shrine   | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine.  | On the same wall  | Do   | :<br>:<br>:  | Do:   |
| No.                       | C2 C3  | 234  | 285   | 286  | 2337   | 738   |

C.-List of stone inscriptions copied in 1916-cont.

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—conf.

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.   | Date.   | . Lauguage and |   |
|------|---|--------------|---|---|----------------|---|
| 249  | On the second and   |              |   |   | alphabet.      | Бератке,  |
|      |   | :            | Pattukkattari Konerideva-Mabaraja   | Kılaka, Adi 12<br>solar solipse.                | Tamil          | Records that Koneri-Nayakkar Nagaiya-Nayakkar, a servant of the king made a servandaya estit of the vila nade a servandaya estit of the vilace of Klainedneaville, single of the servandaya.  |
| 250  | Do:   |              |   |   |                | parru one of the eleven districts granted to him for military tervice, to the temple of Tirungraphs.  |
| 261  | Do.   |              |   | :   | Do             | Fragment (lift of 22 kasu to the temple for ghee to   |
| 9.59 |   |              | VIJKrama- hojadeva  | 8th year  | Do             | ne measured by vellarppanyt-nais.<br>bragment. Mentions a number of nersons in charge   |
|      | on the same temple; right side,   | Vijayanagarn | Virapratapa Devataya-Muharaya-Mullikar-<br>junurayar,                                       | Śaka 1386,<br>Chitrabhanu,                      | ъо             | of lamp gifts.  Begisters a sarvagaya gift of the taxes, payable by   |
| 253  | In the same place   |              |   | Dhanus, su. di<br>5, Friday,<br>Visakha.        |                | nully dies Thrumuttam for offerings and requirements of the service called Rahutamindan-sendi   |
|      | :   | :            | :   | Śнка 14[26],<br>Кактаквы,                       | Do             | instituted in the temple. Much damaged. Mentions [Trinetra]natha Kaohohi- yarayar, son of Palligonda.Pennal and seems to  |
| 254  | On the same gopwra; left side   | Vijayanagara | Devaraya-Maharay. Mallikar-   | Furațiaui.<br>Śaka 1383,                        |                | register a gift for the requirements of the temple of liminuthannelsys. Myanar  |
|      |   |              | Junataya .  | Vikrama,<br>Mithuna, su.<br>di. 11, Monday,     |                | formula of Trumuttamudaiyu-Nayanar, by the chief Ekelm be of Trumuttamudaiyu-Nayanar, by the chief Ekelm baranada Kachohiya-rayan of Vilandai who had the birudas Eshintamindan Ilasor-asa  |
| 255  | In the same place; above an image   | :            | :   | Kevatı.   | Do             | manavalan, Vayirtviragandan, Arasanarayanan, etc.   |
| 256  | On the south wall of the first prakara of the Bhavaraha-Peruma, temple in the | :            | :   | Śaka 1504,                                      | Do             | Manakkanjaran who recited the Truppadiyam of<br>this emple and took leave (i.e., died).<br>States that this wall of the Adivarahamnti at  |
| 267  | On the same wall  | Vijayanagara |   |   | Do             | Ulrumuttam was constructed by Kondama-Nayaka, son of Valyappa-Krishnappa-Nayaka, Do.  |
|      |   |              | raya, ruling itom Penugonda.  |   |                | Kuriohipattu, a subdivision of Pallikondapathan in sima to the temple of Advirtaha-Perumal by Avasaran Konappa, son of Timmaran and   |
| 259  | . : :   | Do,          | Virapratapa Vira-Venkatapatideva-Mahā-<br>rāya, uling from Ghanagiri (i.e. Penu-<br>goņda). | Saka<br>Vrisha (wröng),<br>Vaisakha, su.<br>16. | Do             | grandson of Handeriga-Gangadharaya to whom it had been given as an agrahara by Kondamana-yaningaru. Registers a gift of land for a feeding-house in the temple of Adivarchastramin by Rayasam Annaya, son of Venkataya and grandson of Kallappa-Putti-Bhatta of the Vishnarardhana-cièra. The |
|      |   |              |   |   |                | land is stated to have been situated in Arasar which was granted to the donor by Venkatappanayani-Ayyararu.   |

99 Mis.—23

| 1916—cont. |
|------------|
| in         |
| copied     |
| . DB       |
| inscriptio |
| stone      |
| oţ         |
| CList      |

|             |                                       |              | contract of stone insorptions copied in 1916—conf. | copred in 1916-                                       | -cont.       | į  |
|-------------|---------------------------------------|--------------|--|---|--------------|--|
| Mo.         | Place of inscription                  | Dynasty.     | King.  | Date.   | Language and | D L.   |
| 260         | On the same wall                      | :            | Viraptratapu Vira-Venkatapatideva-Maha-            | Saku  | Tel          | Registers a gift of and in the will as V. 1.   |
|             |                                       |              | 34400  | guna, su. 10.   |              | to the servants of the temple of Adminit at SII. mushuan and by Venkators on Kanaman 11.   |
| 261         | On the east wall of the same prakara  | :            | ;<br>:<br>:  | Subbana   | Tamil        | agent of Kondamanayani Krishnappanayanaya and the temple authornies.  Records that a certain Virisadairaman marfammed  |
| 262         | On the north wall of the same prakara | Vijayanagara | Virapratapa Śrirangadeva.                          | Śaka 1508,<br>Vysys, Tuls                             | Do           | severe penance and obtained the conch, discus and the bow from god Adivaragar. Mentions the time of Venkatapatraya.  Registere the gift of the village Arantangi surnamed                              |
| -           |                                       |              |  |   |              | Autvaranakoņāsanndram in Soja-Ūtemapura-<br>parņu belonging to Vajudalambeķtvāsavaj in<br>Vennatvūr-nādu, a sebdivision of Vadagarai,<br>Rajadhīrāja-vajanādu in Koja-mandalam for                     |
| 897         | On the same wall                      | Do. ::       | Śrirangadeva-Maharava                              | Kor.<br>1606  | ٤            | special worship and repairs of the temple of Adivarable Perumal by Kalanji-Mallappa-Nayaka, son of Marappa-Nayaka, for the merit of Valyappa-Rayappa-Kanduma-Nayaka,                                   |
|             |                                       |              |  | Chitrabhanu,<br>Vaigasi 13,<br>Karttigai,             |              | Registers the gift of the villages Samanattan and Kilavudaiya-nattan in Alambadi-parru of Buvaneguvitan-pattanan, by Rayusam Venkutayar, son of Konamanayar, a servant at the door of Kon-             |
| 264         | č                                     |              |  | Saturday.   | •            | danna-Nayaku, son ot Vajyappa-Krishnappa-<br>Nay ika, for supplying, offerings, lamps and garden<br>to the temple of Adiyarahu-Perunal, Valudaham-<br>battu-sayadi is stated to be in Nadusimmandahan. |
| 286         | : :                                   | Victoria     | ```  | Śaka 1504,<br>Chitrabhann                             | Do           | Same as Nos. 266 and 257.  |
|             |                                       | . Jakamokata | Stiiangadeva-Manataya                              | Saka 1504,<br>V[r*]isha,<br>Tula, treiya,<br>Visakha. | Do           | Registers the gift of the village Pirandurai situated in Runchen-parru belonging to Ettupparru in Padiella-parru, for the samed bath, offerings,   |
| 200         | Do. :                                 | Do.          |  |   |              | Adiversign-Perumal by Reyesum Venkutayar, son of Konamarusaiyan, a servant at the door of Kondama-Nayaka, son of Vanyappa Krishnappa-Nayaka, son of Vanyappa Krishnappa-                               |
|             |                                       |              | , ис-элгандагауасбек-Мећа.<br>1g from Penugonda.   | Saka 1506,<br>Svabhanu,<br>Magha, św. [3].            | Telugu .     | Records that Kondamanayanigaru son of Krishpappa-<br>nayanigaru of the Kakupa-gera, remitted the<br>lidi and virida on 38 villages of the temple in  |
| <del></del> |                                       |              |  | •   |              | Diffully thing which are mentioned by name at the intense of Achebyutapunayanite gare, son of Buyappanayaningaru. The latter also gave some villages and groves for building afternas                  |
| {           |                                       |              |  | •   |              | prakaras and mandapas and to provide ornaments to the god and construct tanks in the villages.   |

C.—List of stone inscriptions copied in 1916—cont.

\*

| 29 On the same will of the same yellor.  29 D. the same will of the same will be sa | No. | Place of inscription.                        | Dynasty. | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.   |
|--|-----|--|----------|---|--|------------------------|--|
| On the same will   | 267 |  | :        | :   |  |                        | Quotes from the Srimushnamahatunya in Vardha-<br>puran, the merit to be obtained in conducting the   |
| Do   | 268 | :  | •        | ;   | Xaba 13667   | T <sub>o</sub> m;      | to monuty resurans of the year and prescribes the processional vehicles to be used and offerings to be made, on these cocasions.   |
| Do   | 269 | :  |          | Virapratapa Praudha-Virapakshadeva. /<br>Maharaya, 'who was pleased to witness<br>the elephant hunt.' | Framadin.<br>Saka 139[8],<br>Vikrita,<br>Dhafnuel,                             | Do                     |  |
| Do.    | 270 | : :  | Do.      | Virapratapa Vira-Śrirangarayadeva-Muha-<br>raya, ruling from Penugoņda.                               | dwddsi,<br>Sunday,<br>Pura[tta]di.<br>Saka 1506.<br>Syabhanu,<br>Magha, św. 7. | Telugn .               | egisters a gift of 14 villages and the remission of the taxes jod; and errada or 28 other villages mentioned by name, in favour of the temple of   |
| Do   |     | ·  |          |   |  |                        | Adivaraha-Perimal, by Aohohyudappanayaningaru, son of Baiyappanayaningaru, and gramison of Udayagiri Timminayaningaru, for various offerings, processions, festivals, repairs, etc. The images of Maquvala, Sodiskuduttanachchivar and   |
| Do   | 271 | Do   | :        | :   | Śaka 1504,   | :                      | the Alvars are said to have been set up in the temple.  A Telugu copy of Nos, 256, 257 and 254.  |
| On a rook in the tank at Kilpattu near Manhalypeattu near tank in the tank at Kilpattu near same district.  On unother rook on the bund of the same tank.  On the east face of the boulder containing lains impres at Tirakkol (Wandiwash taluk, North Arool cistrot).  On the west face of the same boulder.  Do. Rajakésarivarman Bajakésarivarman Do Do Manickol  | 272 | Do. :  | :<br>:   | -   | Chitrabhann.<br>Kilaka,<br>Vaisakha, su.<br>15.                                |                        | Registers a gift of two garlands every day to Adversamens Advershes was mand of howers efficient to the transfer of the state of the st |
| On a rook in the tank at Kilpattu near  Manbalapsatu (Vilupuram taluk, Manbalapsatu (Vilupuram taluk, On another rook on the bund of the same tank.  On the east face of the boulder containing Chola taluk, North Arcol talrinot).  On the west face of the same boulder . Do Rajakésarivarman  | 872 |  |          | : :   | Śaka 1504,   |                        | ry a man of nonour attached to the harem of Kondamanayani-Krishnayna Nayaka. Copy of No. 271.  |
| On the east face of the boulder containing Chola [Parakésarivarman] Do. 10.  On the east face of the boulder containing chola [Parakésarivarman] Do. 10.  On the west face of the same boulder . Do Bajakésarivarman 22nd year Do  | 274 |  |          | :   | Cultrappand.   |                        | Mentions Kalpattu and the measuring rods of 30 ft.   |
| On the east face of the boulder containing Chole [Parakésarivarman] Do 170 On the east face of the same boulder Do Rajakésarivarman 22nd year Do M.  | 276 | On another rook on the bund of the same tank |          | :   |  | Do                     | Refers to the construction of a tank at Nelvayppak-kan, its sluter called Aguaiya lappyundan, the  |
| On it e west face of the same boulder . Do Rajakesarivarman  | 276 |  | Chola    |   |  | 100.                   | Waste-Wiel Kangamadanyan-falingu and the cauch Rajarkaltanbira-Ad by Kungumudaiyan Maliya-<br>kularyan and Kovalanayan Pamaged. Registers a gittoi sheep for whee to the Jahua temple (pails) at Tandapuram in Penjimeradu at subdivision of Veghunga-Keptum, by Framandi at se Naratonga-Pallavuraiyan who was a maina  |
|  | 23  |  |          | :   |  |                        | Nelvell in Nelvell: nadu a suhdivision of Tenkarai Panaiyur-nadu in Sola-mandalam.  Muoh damaged. Begisti is a gill to dangasimap-perumpalli at Raljendra punan.   |

| 1916—oons                 |
|---------------------------|
| #                         |
| stone inscriptions copied |
| to                        |
| .9                        |
| CI                        |
|                           |

| ì     |  |               |  |           |                        |  |
|-------|--|---------------|--|-----------|------------------------|--|
| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.      | King.  | Dute.     | Language and alphabet. | Вепатке.   |
| 278   | In the same place On a rook to the cast of the same boulder                      | Chole         | Ратакватічттап                                   | 12th year | Tamil                  | Much damaged. Registers a gift of gold for a lamp. 10. Ranakavitrasittadigal. Mentions Sembiyan Sembatiladanar, son of Videlvidugu Sembottiladanar, son of Videlvidugu Sembottiladanar.                |
| J 280 | On two pillars in the mandapa in front of  | :             | :  | :         | Do. :                  | alus Ganaperumanar.<br>States that the pillars were the gift of Idaiyaran<br>Atkondan Maviran of Arumolidevapuram.   |
| / 281 |  | Pallava       | (Vijaiya-Siyaparumar]                            | :         | Do                     | Much damaged.  |
| 282   |  | Choļa         | Parakosarivarman, 'who took the bead of 5th year | 6th year  | Do. :                  | <u> </u>   |
| 7283  | On a boulder in a field near the same rook Ganga-Pallava                         | Ganga-Pullava | Vijaiya-Dantivikramavarman                       | 0th ,,    | Do                     | Singapura-nadu.  Registere a gift of gold by Vinnagovaraiyar to (the temple of ?) Kunranar-Battari worshipped by Vippakovaraiyar, for the merit Udaradi and Vippakovaraiyar, for the merit Udaradi and |
| 1284  | On a pullar in the rock-cut cave at Melalch-<br>cherl (same taluk and district). | Pallava .     | Changdaditya                                     | :         | Pallava-Grantha        |  |
|       |  |               |  |           | -                      | TROUGHT O  |

मानितायिकार्यातिकार मन्द्रादियेन सार्वभीन्त्री मन्द्रीवनरिवातिकार्यस्य

APPENDIX D. -Arabic and Persian stone inscriptions copied in 1916.

| O <b>X</b> | Place of inscription.   | Dynasty. | King.                   |   | Date.                       | Language and<br>alphabet. | Кетагка.   |
|------------|---|----------|-------------------------|---|-----------------------------|---------------------------|--|
| 1 -        | On the west wall of the lowest Fort gate                                      |          | All 'Add Shab of Blavor |   | 982 A.H (= A.D.             |                           | Records the building of a house at Adoni and the   |
| 1_         | at Adoni.   | -        |                         | : | 1574-75).<br>1075 A.H.      |                           | remession of taxes paid by weavers and grocers. A well built by Mas'ud (Rhan' Ambar) governor of |
|            | near the same place.  | •        | •                       |   | (= A.1) 1664)               |                           | Adont Fort,  |
| _          | On a slab set up near the entrance into the Jami Masjid (originally belonging | :        |                         |   | 1087 A.H.<br>(= A.D. 1676). |                           | Records the building of a bastion by Siddi 'Ambar $(\underline{Khan}$ 'Mas'ūd).                  |
|            | to a lastion in the Fort) in the same   |          |                         |   |                             |                           |  |
|            | On a stone built into the wall of a well                                      | •        | :                       |   | 1091 A.H.                   | •                         | Records the building of a well by 'Ambar Mas'ad.   |
|            | in the same village. On a stone fixed into the wall of Beds-                  |          | • <del></del>           |   | $(=A.D.\ 1680).$            |                           | Text identical with 4  |
| ,          | gallu Rudrappa Bhavi (well) in the  | •        | •                       |   |                             |                           |  |
|            | same village. In the same place   |          | :                       |   | 1091 A.H.                   | :                         | Records the building of a well by Mas'nd 'Ambar.   |
|            | On a tomb-sione near the Fatimah Bi   | :        | :                       |   | $(= \Lambda.D. 1680).$      | :                         | Fecords the death of Bibi Walt in 1091 A.H A.D.  |
|            | Masjid in the same village.  At the entrance into the Ramanieri-              |          | Answer                  |   | 1113-14 A.H.                |                           | 1380.  |
|            | mandapa in the same village   | ·<br>-   | A unemparent            | • | (=A.D. 1710-2).             | •                         |  |
|            | On a slab built into the entrance to the                                      | :        |                         |   | 1176 A.H.                   |                           | Records the date of the erection of a mansoleum by   |
|            | On a stone near Usin Sahib Masjid in the                                      | ٠        |                         |   | (= A.D 1/02).               | :                         | Favourite Shiite prayer.   |
|            | same village  |          |                         |   | 1                           |                           | Burrando the dote of Imain dellanding to   |
|            | ontracted at the top of the coor way  |          |                         |   | (≠ A.D. 1766).              | :                         | ACCORDA (10 divo or Theiresta's Suigh B (OIII).  |
|            | (Addit think, Delialy distilly,   |          |                         |   |                             |                           |  |

## APPENDIX E.—List of photographs taken during 1915-16 \*.

| Number<br>(continued<br>from the<br>last report). | Locality.                     | Description.   | Size of negatives.    |
|---|-------------------------------|--|-----------------------|
| 379   | Māski (Hydera-<br>bad State). | Front view of the cavern with the inscribed boulder of the Aśōkan edict.   | Full plate.           |
| 380   | Do.                           | The inscribed boulder in the same cavern   | Do.                   |
| <b>38</b> 1                                       | Panamalai                     | South-east view of the Pallava temple on the hill  | $\mathbf{Do}$ .       |
| 382   | "Do                           | Back view of the same temple   | Do.                   |
| 383   | Do                            | Stone image of Durgā (Mahishāsuramardanī) in a cavern on the same hill.  | Do.                   |
| 384   | Kumbakōṇam                    | Do. in a niche on the south wall of the central shrine in the Nāgēśvara-svāmin temple.                                     | Half plate.           |
| 385   | Do.                           | Do. in another niche of the same wall  | $\mathbf{D_0}$ .      |
| / 386   | Do.                           | Do. do   | Do.                   |
| <i>;</i> ≈ <b>3</b> 87                            | Do.                           | $\mathbf{D}_{0}.$ do   | Do.                   |
| 388   | Do.                           | Do. do   | Do.                   |
| 389   | Do.                           | Do. in a niche on the west wall of the same shrine.  | Do.                   |
| <b>39</b> 0                                       | Do.                           | Do. in a niche on the north wall of the same shrine.   | Do.                   |
| 391   | Do.                           | Do. in another niche on the same wall  | $D_0$ .               |
| 392   | $\mathbf{Do}.$                | Do. do   | Do.                   |
| 393   | Malaiyadikku-<br>richchi.     | Front view of the rock-cut shrine (including the modern additions) called the Mahādēva temple, on the hill in the village. | Full plate.           |
| 394   | Do.                           | General view of the ruined Vishnu temple in the village.   | Do.                   |
| 395   | Tirumalai-<br>puram.          | Front view of the rock-cut temple on the north face of the Varadāchchimalai hill.  | Do.                   |
| 396   | Do.                           | Bas-relief of Brahmā, in the same rock-cut temple  | Do.                   |
| 397   | Do.                           | Do. Nataraja do.   | Do.                   |
| 398   | Do.                           | Do. Vishņu do.   | Do.                   |
| 399   | $\mathbf{D_0}$ .              | Do. Vināyaka do.   | Do.                   |
| 400   | Do.                           | Front view of the unfinished rock-cut temple on the south face of the same hill.   | Do.                   |
| 401   | Kalugumalai                   | Stone image of Šiva (Dakshināmūrti), on the south side of the rock-cut temple called Vettuvānkōyil.                        | Half plate.           |
| 402   | Do                            | Do. do.  | Do.                   |
| -403  | D <sub>0</sub>                | Stone image of Vishnu, on the west side of the same temple.  | Do.                   |
| - 404   | Do                            | Do. on the north side of the same temple   | Do.                   |
| 405   | $\mathbf{\tilde{D}}_{0}$      | Do of Sive on the same side  |                       |
| 406   | Sāyamalai                     | Back view of the central shrine of the Siva temple in a field.   | Full plate.<br>Do.    |
| -407  | Ēruvādi                       | View of the inscribed hill called Irattaipottai  | Half plate.           |
| <b>~ 408</b>                                      | Pāraippatti                   | General view of the hill and the Rājagōpālasvāmi temple.   | Do.                   |
| 409   | Do                            | Another view of the same   | $\mathbf{Do}_{\cdot}$ |
| 410   | Myākadoni .                   | Front view of the inscribed boulder  | Full plate.           |
| 411   | Kammarchödu.                  | Jaina image in a temple outside the village  | Do.                   |
| * Six   | rty uhotograche which         | were taken for Mr. Lanchester, the Town-planning Expert referror   | 1                     |

<sup>\*</sup> Sixty photographs which were taken for Mr. Lanchester, the Town-planning Expert, referred to in paragraph 4 above are not included in the list.

APPENDIX F.-List of drawings prepared during 1915-16.

| Number<br>(continued<br>from the last<br>report). | Locality.  | Description.   |
|---|--|--|
| 150<br>151<br>152<br>153                          | Dārukāpuram<br>Tirumalaipuram.<br>Do.<br>Āṇaiyūr | Outline sketch of the rock-cut cave.  Do. do.  Do. of the unfinished rock-cut cave.  Do. of the rock-cut cave. |

## APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16, calculated by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal, M.A., B.L., LL.B.

Note.—The following abbreviations have been employed in these statements:—
1. Su. and ba., respectively, for Suklapaksha and Bahulapaksha, the bright and dark fortnights of the lunar month.
2. The ending moments of tithis and nakshatras are expressed as decimal parts of the day, and in a normal date the first decimal shows the ending moment of the tithi and the second the ending moment of the nakshatra. Thus the

A.D 1510 Monday, Decr. 30 · 94 : 50 means that on the day in question the tithi quoted in the inscription ended at '94 of the day, i.e., 56½ ghatikas after mean sunrise, while the nakshatra quoted in the inscription ended at '50 of the day, i.e., 30 ghatikas after mean sunrise. A key to this decimal notation will be found in the book-marker supplied with "Indian Ephemeris" A.D. 1800—2000 by the author.

When only the tithi is quoted, its ending moment is shown by decimal figures next to the day of the month, thus, "A.D. 1289, Monday, Nov. 28, '70" is a convenient way of indicating the fact that a tithi ended at '70 of the day (42 ghatikas after sunrise) on 28 Nov. A.D. 1289, which was Monday

3. When a tithi or makshatra, that is, quoted in a record only commenced on the week-day quoted in the same record the fact is indicated by the symbols f at. or f.d.n. Thus:

"Wednesday 6 Ap. A.D. 1384; '68; f d.n. '29" means that the tithi quoted in the inscription ended at '68 (=41 ghatikas after sunrise) on Wednesday, 6 Ap. A.D. 1384, but that the nakshatra quoted in the inscription only commenced on Wednesday and came to end at '29 (= 17½ ghatikas after sunrise) on the following day, Thursday.

Similarly "Friday, Ap. 26; f.d.t. '08; f.d.n. '13" means that the tithi and nakshatra quoted were current for the greater part of Friday, but came to end next day at '08 (=5 ghatikas after sunrise) and '13 (= 8 ghatikas after sunrise), respectively, on Saturday.

4. An asterisk after the figure indicating a Śaka year (s.g. Ś 1235\*) means, as in Kielhorn's listlof dates, that the year is current, not expired.

5. When it is necessary to distinguish the name of a nakshatra from that of a month and generally, as a useful convention the name of a nakshatra from that of a month and generally, as a useful

5. When it is necessary to distinguish the name of a nakshatra from that of a month and generally, as a useful convention, the names of nakshatras are printed between inverted commas, thus "Magha" is the nakshatra, "Magha" is the month.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|------------|-----------------------------------|--|
|            |                                   | Сно́џа.  |
|            |                                   | Rājakēsarīvarman alias Chakravartin Kulöttunga-Chōļa.  |
| 1915       | 261                               | 48th year, Māśi. śu. di. Monday, Śittirai. A.D. 1118, Monday, Feb. 11; 77; 68, śu. di. mistake for ba. di. The tithi was chaturthi.  |
|            |                                   | Pāņņva.  |
|            |                                   | Māravar man alias Kulašēkhara 1.   |
| ••         | 586                               | 12th year, Simha, 14, su. di. [3]. Friday, "Uttara-Phalguni."  A.D. 1279, Friday, August 11; f.d.t. 20; 49. Tritīyā commenced 18 on  |
| 1916       | 17                                | Friday. 23rd year, Vrišchika, ba. di. 11, Monday, "Hasta." A.D. 1290, Monday, Oct 30; '48; f.d.n. '23. The Nakshatra "Hasta" com-  |
| ,,         | 19                                | menced at '14 on Monday.  38th year, Vrišchika, trayōdasi, Sunday, Aśvati.   |
| "          | 81                                | A. D. 1505, Sunday, Oct. 31; '19; 54 [2]?nd year, Kumbha, ba. di. 3, Monday, "Uttara-Phalguni."  A. D. 1290, Jan. 30, Monday; '27; 13.   |
| "          | <b>9</b> 1                        | 10th year, Vrišchika, ba. di. 2, Friday, "Rōhiṇi."  Vrišchika may be a mistake for Tulā. It so, the date corresponds to A.D. 1277.   |
| <b>2</b> 2 | 110                               | riday, Oct. 15; 52; f.d.n. 52. The day was the 18th of Tulā, not a day in Vrišchika. "Rōhiṇi" commenced at 42 on Friday.  2[2]nd year, Mēsha, śu. di. 11, Friday, "Uttiram".  A.D. 1290, Friday, April 21; 56; f.d.n. 63. The Nakshatra "Uttara-Phalguni" commenced on Thursday at 93, was current all Friday and ended at 63 on Saturday. |
|            |                                   | Māravarman Kulatēkhara II.   |
| **         | 107                               | 4th year, Saka 1239; Kanyā, ha. di. 11, Friday, "Punarvasu".  A.D. 1317, Friday, September 2. The tithi was Ēhādasī which ended at :40 but the nakshatra of the day was "Pushya" not "Punarvasu" which had ended on :47 on Thursday.   |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion.                          | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|--|--|
|       |  | Pāṇṇya—cont.   |
|       | 1  | Jaṭāvarman alias Kulaśēkhara.  |
| 1915  | 578  | [13] + 1st year, Karkataka, 27, Rēvati, Friday.  "23 + 6th" year is according to the Epigraphist, one of manyipossible readings of the regnal year. The regnal year, which the Madras Epigraphist was good enough to examine specially at my request is far from clear. But Karkataka 27 occurred in conjunction with Nakshatra "Rēvati" only once on a Friday between 1190 A.D. and 1299 A.D. and that was on Friday, 23, July A.D. 1266 when Nakshatra "Rēvati" commenced at 34 of day, ending next day at 39. This would be the end of the 29th year of Jatāvarman Kulašēkhara who according to my article in Ind. Ant. for June-August 1913 began to reign between 16th June and 30th September 1237. If correct, it would reduce limits of the reign to a period between 24th July and 30th September 1237 A.D. The fact that another inscription found in the same temple belonged to the earlier reign seemed to indicate, in the opinion of the Epigraphist, that this inscription also must be referred to the earlier Kulašēkhara. But it does not seem possible to find a date between A.D. 1190 and 1237 to suit the |
| "     | 589  | present details.  13 + 6th year, Makara, 25, Sunday, "Mrigasīrsha".  A.D. 1208, Sunday, January 18; the Nakshatra "Mrigasīrsha" ended '44. The day was the 25th of Makara.  Note.—The present details cannot be found in any regnal year that could possibly have belonged to the later Jaṭāvarman Kulaśēkhara (A.D. 1237) just as the details in No. 578 of 1915 could not be found in any regnal year that could have belonged to the earlier Kulaśēkhara (1190 A.D.).   |
|       |  | Māravarman alias Sundāra-Pāṇḍya.   |
| "     | 611  | + 1st year, Vrišchika, 2[5], ba. di. 1, Sunday, "Rōhiṇi."  The regnal year as well as the day of solar month being uncertain, it is not possible to say which of the three Māravarman Sundāra-Pāṇḍyas who reigned in the 13th century is referred to in the inscription. The only occasion between A.D. 1216 and A.D 1329, when Vrišchika 25 concurred with bahula 1, Nak. "Rōhiṇi" and Sunday was on Sunday, Nov. 21, A D. 1249 (= Vrišchika 25) when bahula 1 commenced at 86, and Nak. "Rōhiṇi" ended at 71: but the  |
| 1916  | 103  | tithi on such a day would be called paurnami or Sukla 15, not bahula 1.  [1]5th year, Tulā, ba di. [3], Friday, "Anurādhā."  Searches were made in 5th year, 15th year and 25th year of the three Māravarman Sundara-Pāṇḍyas who began to reign in 1216, 1238 and 1294 and the only positive result discovered is the following.  A.D. 1220, Friday, Oct. 2 (= Tulā 5). On this day Sukla 4 ended at 58 and Nak. "Anurādhā" at 04. This was the 5th year of the reign of Māravarman Sundara-Pāṇḍya who began to reign in A.D. 1216. In any case, the paksha must be sukla not bahula; and if the year intended was A.D. 1220, the tithi was the 4th not 3rd, as conjecturally read.  |
|       |  | Jaṭāvarman alias Sundura-Pāṇḍya.   |
| 1915  | 596<br> 3 <del>11                                   </del> | 8 + 1st year, Vrišchika, I0, ba. di. 11, Sunday, "Hasta."  = A.D. 1134; Sunday, Nov. 7 (= 10 Vrišchika): '53; '65. This would be the 9th year of Jatavarman Sundara-Pāndya whose limits of reign I would now   |
| 1916  | 62   | fix between March 31 and 16th May A.D. 1303. See note below.  7th year, Tulā, ba. di. 11, Monday, "Uttara-Āshāḍhā."  Nakshatra "Uttara-Phalguni" (Tam. Uttaram) and not "Uttara-Āshāḍhā"  (= Tamil Uttirāḍam) may join with a bahula 11th tithi, in Tulā month.  However, the Epigraphist was good enough to read the impression carefully with me, and there is no room to substitute anything for Uttarāḍattu-nāļ which is quite clear. We must therefore suppose an error in the inscription itself of "Uttara-Āshāḍhā" for "Uttara-Phalguni." Presuming such an error, I would suggest as the equivalent of this date. A.D. 1283; Monday, October 18 (= 20 Tulā); 16; 79 (Utt-Phalguni). This would fall in the 7th year of Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya who, according to the note below, may now be considered to have commenced to reign between 28th Feb. and 14th Mar. A.D. 12??   |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16—cont.

| Year.    | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details. Finalish conjugates and somethe   |
|----------|-----------------------------------|---|
| 1916     | 63                                | PĀṇṇya—cont.  Jaṭāvarman alias Sundara-Pāṇḍya—cont  10 + 1st year; Karkaṭaka, ba. di. 9, Friday, "Aśvati".  |
| "        | 66                                | A.D. 1287; Friday; July 4 (= 7 Karkataka). On this day bahula 9 commenced at ·72, ending next day at ·77 (such a day would ordinarily be called bahula 8 and not bahula 9). Nak. "Aśvati" ended on Friday at ·80. This would fall within the 11th year of the reign referred to in 62 of 1916.  1 [9]th year, Karkataka, śu. di. 5, Wednesday, "Hasta".  Read "1[1]th" year instead of "1[2]th year." There is no suitable date in the 19th year of any of the known Jat. Sundara-Pāṇdyas. I would therefore read "1[1]th year" so as to suit the following: A.D. 1287, Wednesday, July 16  |
| 79       | 67                                | (=19 Karkataka); f.d.t. '02: f.d.n. '58. This would be within the 11th year of the reign referred to in No. 62 of 1916.  10th year; Vrišchika, su. di. '14 Thursday, 'Aśvati''.  =A.D. 1286; Thursday, October 31 (=4 Vrišchika); f.d.t. '82; f.d.n. '06. It is not a very reliable date, since the tithi began so late on the day of com-  |
| 75       | 104                               | mencement but no better date can be found; and the date now suggested falls within the 10th year of the reign referred to in No. 62 of 1916.  8th year, Mēsha, ba. di. 13, Tuesday, "Uttiraṭṭādi."  A date cannot be found falling within the 8th year of the reign of any known Jai. Sundara-Pāṇḍya. I would therefore suggest A.D. 1258, Tuesday, April 2 (=9 Mēsha); f.d.t. 35, f.d.n. 54, which would fall within the 7th year, not the 8th of Jat. Sundara-Pāṇḍya of 1251.  A.D. 1309, Tuesday Ap. 8; f.d.t. 25; 99 is another equivalent, pointing to the   |
|          |                                   | 7th year of Jat Sundara-Pāṇḍya whose reign began in A.D. 1303.  Māṇavarman alias Sundara-Pāṇḍya.  |
| <b>"</b> | 185                               | 17th year, Mīna bu di. 13, Saturday, 'Śadaiyam."  A date can be found for these details in the 17th year of the reign either of Jat.  Sundara-Pāṇdya who came to the throne in A.D. 1277 or of the one who began to reign in A.D. 1303.  (1) A.D. 1293; Sat.; March 7; 54; 70.  (2) A.D. 1320; Sat.; March 8; 63; 71.   |
| 92       | 221                               | I may add that of 29 dates free from error examined by me in this connection, this and another (No. 418 of 1909) are the only two neutral dates I have been obliged to admit. All the other 27 dates can be assigned either to the one reign or to the other without making any correction in the inscriptions.  1[9]th year, Kanyā, śu. 12, Monday, "Rōhiṇi".  For Kanyā we must, for calendrical reasons, read Dhanus and 1 [9]th year, 1[7]th or 1[8]th would have to be read in order to find a reasonable equivalent. This would be either  (1) A.D. 1292, Monday December 22 (=26 Dhanus); '71; '89, or (2) A.D. 1319, Monday, December 24 (=27 Dhanus); '99; f.d.n. '08. |
|          |                                   | Dates like this which contained errors were rejected in the process of determining the dates of accession of the two Jatavarman Sundara-Pandyas, referred to in the note below.   |

Nors.—A fairly large number of new inscriptions of Jatavaranan Sundara-Pandya are available this year for examination. I took the occasion to review the whole question and I hope shortly to be in a position to clear up the matter in an article to be contributed to the Indian Antiquary. Briefly, I may state that there are clear proofs consisting of four dates referring to the Barhaspathya cycle and showing that a Jatavaranan Sundara-Pandya regined from A.D. 1276 or 1277 to A.D. 1293. These dates are Nov. 588 of 1907 "Nandana", 590 of 1907 "Virodhin", 592 of 1907 "Vyaya" and 594 of 1907 "Nandana." These four dates have been reported upon by Mr. R. Sewell, I.C.S. (Retired). On the other hand there are three equally clear dates, containing unmistakable references to days of the Tamil solar months, which show that a Jatavarman Sundara-Pandya must have begun to reign in A.D. 1303. These dates are No. 252 of 1901 (= A.D. 1317 Mond. August 29 = 1 Kanya); No. 575 of 1902 (= A.D. 1314, Wed. 28 Angust = 31 Simha) and the present No. 596 of 1915 (vide supra). In the first two of these cases. Kielhorn not knowing of a later Jatavarman Sundara-Pandya than the one of 1276 or 1277, supposed, quite contary to his own practice, that there were errors in the day of solar month. There is no such error in these three cases.

These facts being established, it has to be noted that there are 23 other dates, free from error, which being calendrically examined, can be referred either to the one Sundara-Pandya or to the other. This result is due to the fact that a period of 27 years separates the two reigns; and in 27 years, a tithi, edra and maksharra, unaccompanied by the day of solar month, will ordinarily be found to recur.

Fortunately, however, we have in the several inscriptions besides the calendrical details, also the regnal years. Hitherto Dr. Kielhorn and Mr. Sewell supposed that certain of the regnal years are found to be perfectly right. It would take me too long to set out the proofs in detail; but I may state the broad con

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16—cont.

| of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------------------------|--|
|                         | PāṇṇYA — cont.   |
|                         | Jaṭāvarman alias Vīra-Pāṇḍya.  |
| 613                     | 6th year, Kanyā, 13th, ba di. 7, Wednesday, "Mrigasīrsha."<br>= A.D. 1259; Wednesday; September 10 (= 13 Kanya); '80; '82. This is a clear date, showing that, according to the framers of this inscription, Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya began to reign on or after 11th September A.D. 1253.   |
| 6                       | 11th year, Rishabha, śu. di. 11, Monday, "Uttiram."  = A.D. 1265; Monday, April 27 (= Rishabha 3,; 63; 31. This date show that, according to the framers of this inscription, Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍyabegan to reign on or after April 28, A.D. 1254.  |
|                         | The first five dates examined by me under Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya of 1254 in Ind. Ant. June-August 1913 together with these two dates point to 1254 as the date of commencement of reign; whereas the 6th and 8th dates (435 of 1906 and 128 of 1908) examined by me in the same place and under the same reign together with No. 243 of 1901 and No. 174 of 1895 (examined by Kielhorn in Ep. Ind. Vol. VII, pages 10, 11) point to A.D. 1253. No. 402 of 1907, the 7th date examined by me in Ind. Ant. (loc. cit) points to either A.D. 1253 or A.D. 1254, Altogether there seem to be now seven dates for A.D. 1254 and four for 1253; one neutral—It is improbable that one Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya came to the throne in A.D. 1253 and another in A.D. 1254 and we may for the present suppose that in the four dates referring to A.D. 1254, the number of the regnal year is by error overstated by 1. |
|                         | Māravarman alias Vīra-Pāṇdya.  |
|                         | 31st year, Kanyā, śu. di. 3, Friday, "Svāti." In my article in the Ind. Ant. (June to August 1913) I placed the accession of Māravarman Vīra-Pāndya in A.D. 1253, a year carlier than that of Jaṭāvarman Vīra-Pāndya of Īļam and Kongu fame. In one recent case the Epigraphist thought the characters of this reign were later than those of Jaṭāvarman Vīra-Pāndya of 1254 and I am, therefore, tentatively suggesting dates 27 years later than those previously arrived at by me for Māravarman Vīra-Pāndya. In the present case I suggest, as a tentative equivalent A.D 1310, Friday, September 25 (= Kanyā 28); śu. 3 commenced at 67, ending next day at 66; while "Svāti" ended on Friday at 61.  |
| 221                     | 11th year, Karkataka, śu. di. 7, Saturday, "Sōdi."  For reasons stated above, I would suggest as the equivalent of this dat  A.D. 1290; Saturday, July 15 (= 18 Karkataka); on which day śu. 7 ended  at 49 while "Svāti" commenced at 14, ending next day at 5.   |
|                         | Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāṇḍya.  |
| 74                      | 3rd year, Vrischika su. di. 13, Thursday, "Tiruvōṇam."  = A.D. 1298; Thursday, August 21 (= Simha 24); 53; 19. No dates to sui week-day in A.D. 1255, A.D. 1256, A.D. 1282 which are the 3rd years of the other Vīra-Pāṇḍyas so far known in 13th century.   |
| 117                     | 6th year, 10, Thursday, "Punarvasu."  The only date in the years A.D. 1258, 1259 (which would cover the 6th year of Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya whether we reckon his reign from 1253 or 1254) is A.D. 1259. Thursday, November 6 ( = Vriśchika 10), on which day bahula 4 ended at 01 and Nakshatra "Punarvasu" at 53.  There is also a date in the reign of Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya, who began to reign in A.D. 1296; namely A.D. 1301, Thursday, July 6 ( = Karkataka 10), on which date Nak. "Punarvasu" ended at 31.  In A.D. 1286, Thursday, November 7, on which day bahula 4 ended at 19 and Nakshatra "Punarvasu" at 61 was 11 Vrišchika not 10 Vrišchika From this we may infer that the king referred to in this inscription was either Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya whose reign began in A.D. 1253 or 1254, of the one who began to reign in A.D. 1296, not Māravarman Vīra-Pāṇḍya                           |
|                         | 613<br>64<br>227   |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-cont.

| Year. | Number of inscription. | Agreenamical details English equipplents and remarks   |
|-------|------------------------|--|
|       | }                      | De   |
|       |                        | Pāṇṇya—cont. Saḍagōpavarman alias Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāṇḍya.   |
| 1916  | 176                    | 13th year, Makara, śu. di. 3, Monday, "Tiruvōṇam"  = A.D. 1250; Monday, December 26 (=Makara 1), on which day śu. 3 commenced at '78, ending next day at '79; while "Sravaṇa" ended on Monday at '67.  A tithi commencing on any day so late as '78 would not ordinarily be cited for that day; and the date might seem for this reason to be improbable; but no suitable date can be found in the 13th year of any of the other known Sundara-Pāṇḍyas. The following dates were successively examined and had to be rejected for reasons which will be apparent:  1228 Sunday; 1252 January 15 ("Śravaṇa" had ended on Saturday); 1253 January 4, Saturday; 1264 January 3, Thursday; 1283 January 3, Sunday; |
|       |                        | 1284 January, Saturday; 1288, Monday, December 27 ("Sravana" had ended on Sunday); 1315 Monday, December 29th ("Sravana" had ended on Sunday).   |
|       | <u> </u>               |  |
|       |                        | Māravarman alias Śrīvallabha.  |
| ,,,   | 55                     | 26th year, Kumbha, Monday, di. 12, [Punarvasu]. To this king I had assigned, in my articles in the Ind. Ant. for June—August 1913, the date of accession A.D. 1257. I am advised that the king reigned later than the middle of the 13th century and I am, therefore, now assigning to him a date of accession 27 years later. Accordingly, I suggest as the equiva- lent of the present date A.D. 1311, Monday, September 11 (= 14 Kanni); 27; f.d.n. 58. "Rēvati" commenced at 59 on Monday.   |
|       |                        | $T$ ribh $u$ va $oldsymbol{n}$ achak $rav$ ar $t$ in $K$ ōn $ar{e}$ rin $oldsymbol{n}$ aik $o$ n $d$ $ar{a}$ n $d$ $oldsymbol{v}$ a $a$ n $d$ $b$  |
| 97    | 163                    | 17th year, [Mithuna], śu. di 7, Friday, "Viśākha."  Mithuna is not a solar month in which śu. 7 can join with "Viśākha," The two may join in Simha. I suggest A.D. 1267 Friday, July 29 (= Simha 1) when śu. 7 ended at 38 while "Viśākha" commenced at 10 and ended next day at '06. This would be the 17th year of the reign of Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya I with the introduction Samastha jagat-ādhāra etc.   |
|       |                        | Māravarman alias Tribhuvanachakravartin Kōnērinmaikoṇḍāṇ<br>Sundara-Pāṇḍya.  |
| ,,    | 2                      | 2 + 9th year, Šaka 1463 Plava, Dhanus, Ž4, śu. di. 5, Thursday, Vyatīpāta-yōga, Vyāghra-karaṇa, "Śadaiyam." [Plava is A.D. 1541]; = A.D. 1541, Thursday, December 22, which was the 24th of Dhanus; śu. 5, ended at 63 and Śatabhishaj at 30.  |
|       |                        | $oldsymbol{P}arar{a}kraoldsymbol{m}a-oldsymbol{P}ar{a}ndya.$   |
| 1915  | 568                    | Śaka 1470, 5th year, Kīlaka, Āvaņi 17, śu. di. Saubhāgya-yōga, "Tiruvōṇam." = A.D. 1548, Thursday, August 16; f.d.n. 30. The tithi in the śukla-paksha which is omitted in the inscription was the 12th. Nakshatra "Śravaṇa" commenced at 23 on Thursday and ended at 30 on the following day.   |
| 1     |                        | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin-Könērinmaikoņdāņ Abhirāma-<br>Parākrama-Pāṇḍya.  |
| >>    | 570                    | Śaka 1471, 7th year,   |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16—cont.

| Year.         | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion.       | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|---------------|---|--|
|               |   | Pāndya—cont.   |
| 1916          | 183<br>(Identical with No. 52 of 1900). | Sadagōpavarman alias Tribhuvanachakravartin Vikrama-Pāndya.  8th year, Kanyā, śu. di. 3, Friday, "Āyilyam."  Solar month "Kanyā" is probably an error for "Mithuna", because śu. 3 and "Āślēsha" cannot combine in Kanyā month, but may in Mithuna month. If this correction is made, the date we are in search of is probably A.D. 1254, Friday, June 19 (= Mithuna 24) when "Āshāḍha" śu. 3 ended at ·64 and Nakshatra "Āślēsha" or "Āyilyam" at ·77 of the day. |
|               |   | Alagan Perumāl Parākrama-Pāṇḍya.   |
| 1915          | 585                                     | Saka 1403, 2 + 6th year, Rishabha, 30th, su. di. 9, Sunday, Siddha-yōga, "Uttara-Phalguni." = A. D. 1482, Sunday, May 24; su. 9 commenced at 05 of day and "Uttara-Phalguni" ended at 57 of day.   |
|               | }                                       | Jaṭilavarman alias Tribhuvanachakravartin Kōnērinmaikoṇḍān Ativīrarāman<br>Śrīvallabhadēva.  |
| 39            | 577                                     | Śaka 1493, 9th year, Prajotpatti. Uttarayana, Śaiśira-ritu, Kumbha-ravi, 16, śu di. 10, Friday, Śubha-yōga, Śubha-karana, "Ārdrā."  "Kumbha-ravi 16" should be "Kumbha-ravi 26." For on Friday February 22, A.D. 1571 (= Śaka 1493, Prajotpatti), which was a day of "Ardrā" and the 26th of Kumbha month, the 10th tithi in śukla-paksha commenced at 37 (ending next day at 42). The Nakshatra ended at 87 on Friday.  |
| 24            | 571                                     | Jațilavarman Tribhuvanachakravartin Könērinmaikoṇḍān. Śaka 1462, Śārvari, Tai 12, śu. di., Bhadra-karaṇa.  = A.D. 1541, Saturday, January 8, śu. 11 ended at .65. Bhadra-karaṇa is the 22nd karaṇa (see Ind. Chronology Tab. III) and therefore the second half of the 11th tithi [Ind. Chronology, section 55, p. (23)].  |
| **            | 567                                     | Irandakālamedutta Śrīvallabhadēva.<br>Śaka 1463, 7th year, Plava, Āvaņi 22, śu. di. 7, Tuesday, Rishabha-karaņa,<br>Vishkambha-yōga, Anusha.<br>In the year 1541 (= S. 1463 = Plava) śu. 7 and "Anusha" combined in Āvaņi<br>month on the 28th day, which was a Saturday (not Āvaņi 22, Tuesday).  |
| <b>99</b>     | 583                                     | Jațilavarman Tirunelvelipperumāl born under the asterism Hasta.  Šaka 1457, Manmatha, Kārttika, 23, śu. di. 12, (error for ba. 12), Monday Šōbhana-yōga, "Svāti."  = A.D. 1535, Monday, November 22; 31; 56.  The verification supposes the tithi to be ba. 12 for which śu. 12 in the inscription is a monifest orrer   |
|               |   | is a manifest error.<br>Териси-Сно́ра.   |
| n             | 316<br>and<br>327                       | Kannāradēva-Chōḍa.<br>Śaka 1037, Jaya, Chaitra, solar eclipse. There was no solar eclipse in the month<br>of Chaitra in A.D. 1114 or 1115. There was a solar eclipse at the end of<br>Adika-Chaitra at the beginning of Ś. 1036 current = A.D. 1113-14.  |
|               | }                                       | Kannara dēva-Chōḍa-Mahārāja.   |
| 27            | 365                                     | Saka 10[9]8, Durmati (mistake for Durmukha), Kārttika, śuhla 2, Sunday. If Saka 1098 = Durmukha = A.D. 1176-77 was the correct year, Kārttika (lunar) śu. 2 fell on Wednesday, Oct. 6 while Kārttigai (Tamil solar month) śu. 2 fell on Friday Nov. 5. In neither case was the week-day Sunday, as stated in the inscription.  Ealli-Chōlarāja.  |
| 21            | 324                                     | Saka 1133, Magha, su[ddha] 7, Thursday.<br>In A.D. 1201-02 Magha, su. 7 ended at 61 on Wed. Jan. 2, A.D. 1202. The week-day was not Thursday.  |
| <b>&gt;</b> 7 | 410                                     | Bhīmadēva Kēśavadēva-Chōḍa-Mahārāja, son of Chōḍadēva-Mahārāja.<br>Śaka 1157, Chaitra, śuddha 5, Sunday, Mēsha-Saṅkrānti.<br>= A.D. 1135, Sunday, Mar. 25, śu. 5 ended at 54. The day was that of Mēsha-Saṅkrānti.   |

## APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-cont.

S. 0

|            | Number                  |  |
|------------|-------------------------|--|
| Year.      | of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|            |                         | Western Chālukyas.   |
|            |                         | Pratāpachakravart <b>i</b> n Jagadēkamall <b>a</b> .   |
| 1915       | 503                     | 11th year, Vibhava, Chaitra New-moon Monday, solar eclipse. In A.D. 1148 on Tuesday; April 20; ba. 15 ended at 18. Ba. 15 commenced on Monday at 27. And it was a day of solar eclipse. Yuva, Pau[shya], 5 (panchami), Monday, Uttarayana-Sankranti.   |
| 57         | 91,                     | In A.D. 1155-56 = Yuva, Pausha śuddha panchami fell on Wed., Nov. 30; 98; and Pausha bahula 5 on Friday, Dec. 16; •14. In neither case was Monday the week-day.  Jagadēkamalla (II).   |
| >>         | 521                     | 5th year, Dundubhi, Śrāvaṇa, Full-moon, Sunday, lunar eclipse.<br>In A.D. 1142-43 ( = Dundubhi), Śrāvaṇa full-moon tithi ended on Sat.   |
| 97         | 549                     | August 8, A.D. 1142 at '48 of day; and there was a lunar eclipse on that day. It is not known why Sunday is referred to as the day of eclipse. 5th year, Dundubhi, Pushya, śuddha 6, Friday, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti. = A.D. 1142, Friday, Dec. 25; '55. It was a day of Uttarāyaṇa-Saṅkrānti.  |
|            |                         | $T$ raıl $ar{o}$ kyamalla ( $Sar{o}$ m $ar{e}$ svara $I$ ).  |
| "          | 489                     | Saka 976, Jaya, Phalgupa, suddha 5, Sunday.<br>= A.D. 1055, Saturday, Feb. 4; Su. 5 ended at 94. The week-day was  |
| ,,         | 522                     | Saturday and not Sunday.  Saka 974, Nandana, Pushya, hahula, 2, Thursday, Uttarayana-Sankranti.  In the year A.D. 1052-53 (= Saka 974 = Nandana), the month Pausha was kshaya, i.e., suppressed (vide Int. Chron. Tab. X, page 83) and the citation of a tithi belonging to a suppressed month deserves to be noted. Margasira month   |
| "          | 561                     | in this year is what would ordinarily have been called Pausha and Mārgašira ba. 2 in A.D. 1052-53 did fall on a Thursday, i.e., on Thursday, December 10; 73. For another instance of the citation of a suppressed month in an inscription see Report for 1914-15, page 82.  Saka 976, Jaya, Paushya, suddha 1[3], Sunday, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti, lunar eclipse.  The date intended is apparently either A.D. 1053, Sunday, Nov. 28, when Mārgašira, sukla 15 ended at 55, and on which day there was a lunar eclipse, or A.D. 1053, Sunday, Dec. 26 when Pausha sukla 13 (which of course could not be a day of lunar eclipse) ended at 19 of day. |
| <b>3</b> 7 | 565                     | Jaya in the inscription is apparently an error for Vijaya, since the former was A.D. 1054-55 and the latter A.D. 1053-54. Pausha may or may not be an error. The solar month and day corresponding to Pausha su. 13 were Makara 3, which was after Uttarāyaṇa-Saṅkrānti.  Chālukya Vikrama year 6, Durmati, Pushya, bahuḥi, [6], Thursday, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti.  A.D. 1081, Thursday, Dec. 23, when bahuḷa 6 commenced at 53 ending on  |
| ,,         | 515                     | Friday at 43. Uttarāyaṇa-Sankrānti in this year fell on Friday, 24 Deer. at 30 of day (by Āryaṣɪddhānta). Ch. Vik. year 17, Angirasa, Vaisākha, Full-moon, lunar eclipse. = A.D. 1092, (= Angirasa), Saturday, April 24, when there was a lunar  |
| ,,         | 516                     | eclipse, tithi ending at 57, Mārgaśira, Full-moon, Sunday, lunar eclipse. In A.D. 1053, Sunday Nov. 28; śu. 15 ended at 55 of day and there was a lunar  |
| ,,         | 518                     | eclipse. Ch. Vik. year 32, Sarvajit, Pushya, Full-moon, Tuesday, lunar celipse.  = A.D. 1107 (= Sarvajit), Tuesday, Decr. 31, when there was a lunar eclipse,  |
| "          | 519                     | tithi ending at '66.<br>Ch. Vik. year 4, Siddhārthin, Jyêshtha, śuddha 10, Thursday.<br>In A.D. 1079 (= Siddhārthin = Chālukya Vikrama year 4), Jyēshtha śuddha 10 fell on Monday May 13, so that Jyēshtha śuddha 6 was Thursday, May 9, when 6th tithi ended at '36.  |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-cont.

| Year.       | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------------|-----------------------------------|---|--|--|--|--|--|--|--|
|             |                                   | Western Chālukyas—cont.   |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Trailōky amalla (Sōmēśvara I)cont.  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1915        | 523                               | Ch Vik. year 4, Siddhārthir, Jyēshtha, śuddha 10, Thursday.<br>Same remarks as against No. 519.   |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Bhuvanaikamalladēva.  |  |  |  |  |  |  |  |
| **          | 514                               | Saka 990, Kīlaka, Mārgašira, Full-moon, Friday, lunar eelipse.  In A.D. 1068, Friday, Aug. 15; śu. 15 ended at 15 of day, and there was a lunar eelipse on this day. The month was Bhadrapada and not Mārgašira. In this year, Mārgašira śu. 15 fell on Wednesday. Mārgašira in the inscription is probably an error for Bhādrapada.  |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | ${\it Tribhuva}$ na ${\it malla}$ ( ${\it Vikramādity}$ a ${\it VI}$ ).   |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,          | 505                               | Chālukya Vikrama year 31, Vyaya, Śrāvaṇa, Full-moon, Wednesday, lunar   |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | eclipse.  A.D. 1106-07 = Ch. Vik. Era 31 = Vyaya. In this year Śrāvaṇa full-moon, when there was a lunar eclipse, fell on Tuesday, July 17, A.D. 1106: the tithi ended at 92. The inscription (like No. 521 of 1915) quotes however the next day Wednesday as the day of eclipse.   |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Bhūlōkumalladēva (Sōmē×vara III).   |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,          | 499                               | Ch. Vik. year 58, Pramādīcha. Pushya, bahuļa 11, Sunday, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti, Vyatīpāta, solar eelipse. In A.D. 1133-34, (= Pramādīcha = Ch. Vik. year 58), Pushya bahuļa 11 fell on Sunday, December 24, A.D. 1133 when tithi ended at 12 of day. Uttarāyaṇa-Saṅkrānti occurred on the same day at 75 of day; but solar eelipse did not occur till Saturday 2; January, A.D. 113; which was Māgha   |  |  |  |  |  |  |  |
| "           | 502                               | Amāvāsyā. Ch. Vik. year 57, Paridhāvin, Chaitra, suddha 5, Thursday, "Rōhiṇi," Śōbhana-yōga, Bālavā-karaṇa, and Vishu-Saṅkramaṇa. A.D. 1132. The day intended is apparently A.D. 1132, Wednesday, March 23, on which day Chaitra suddha 5 ended at '75 and Vishu-Saṅkrānti, or Mēsha-Saṅkrānti occurred at '84. But the week-day was Wednesday, not Thursday which must be an error.  |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Traslõkya $m{\cdot}$ nalla Bhujabalavī $m{r}$ a Rāyamurāri Sõmē $st$ caradēva ( $IV$ ).   |  |  |  |  |  |  |  |
| 19          | 555                               | Śaka 1106, Krōdhin, Kārttika, New-moon, Monday, solar eclipse.  = A.D. 1184 (= Krōdhin) Monday, November 5; (lunar) Kārttika ba. 15 ended at 18 But there was no solar eclipse on that day. In A.D. 1183 (lunar) Kārttika, new-moon was on Thursday and then there was a solar eclipse.   |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Vīranārāyaņa Bēmésvaradēva IV.  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,          | 546                               | Saka 1108, Parābhava. Pushya, śuddha 13, Wednesday, Uttarāyaṇa-Saṅkramaṇa. In A.D. 1186 (= Parābhava), Pushya śu. 13 ended on Friday at 07. In A.I). 1185, which was not Parābhava, Pushya śu. 13 ended on Sunday at 42. In either case the inscription must be wrong as to week-day.   |  |  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | V mayāditya Satyāsraya.   |  |  |  |  |  |  |  |
| 1915–<br>16 | 7 App.                            | Śaka 614, 12th year, Āshādha, Full-moon, summer solstice.  If the reference were to Śaka 614 expired (as in Kielhorn's No. 29—vide his List of Southern Inscriptions), the Āshādha full-moon would be that which fell on June 4 (Adhika Āshādha), which would be about the 76th day of the Indian solar year or that which fell on July 4, (Nija Āshādha) which would be the 105th day of the Indian solar year. Neither day would be the summer solstice, whether of the tropical or of the sidereal sun. But if we took Śaka 614 as referring to the current Śaka year i.e. to A.D. 691-2, then Āshādha full-moon would have been on June 16, A D. 692, which would be the 88th day of the Indian sidereal year and very near the tropical summer solstice. |  |  |  |  |  |  |  |

## APPENDIX G.- Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-cont.

| Year.        | Number of inscription.   | Astronomical details. English conjugatents and remarks   |  |  |  |  |  |  |
|--------------|--|--|--|--|--|--|--|--|
|              | Kāshīrakūja.   |  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Gōyindara Ballaha.   |  |  |  |  |  |  |
| 1915         | 512  | Saka 852, Khara, Phālguṇa, suddha 5, Friday.  = A.D. 931, Friday, February 25, on which day Phālguṇa suddha 5 ended at 67 of the day. Northern Khara coincided with A.D. 930-31 while the Khara of Southern India was A.D. 931-32. The inscription must be taken to refer to the Northern or true Bārhaspatya cycle of 60 years (see Indian Chronology, Chapter XIII) and not to the southern cycle  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Sāļuva.  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Mahāmaṇḍalēsvara Telungurāyadēva-Mahārāya.   |  |  |  |  |  |  |
| <b>5</b> >   | 476  | Śaka 1350, Kilaka, Āśvija, świdha 15, Sunday, lunar eclipse. In A.D. 1428 (= Kilaka) Aśvina św. 15 fell on Thursday and not on Sunday; but it was a day of lunar eclipse. In A.D. 1427 (= S. 1350 current) Aśvina św. 15 fell on Sunday, October 5; and  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | ended at 66 of day.  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Narasaṇa-Nāyaka.   |  |  |  |  |  |  |
| "            | In A.D. 1498 (= Kālayukta), Mēsha su. 15 fell on Filday and the was "Chitra".  But in A.D. 1497 (= \$. 1420 current, but not Kālayukta), Mēsha s |  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Sunday, April 16 and ended at '91 of day. The Nakshatra was "Svāti"; but it has to be noted that "Hasta" had ended on the previous day Saturday about sunrise. The Nakshatra "Chitra" which is between "Hasta" and "Svāti" having begun at sunrise and ended at '94 on Saturday.   |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Narasā-Nāyaka.   |  |  |  |  |  |  |
| 1916         | 47   | Śaka 142[4], Dandubhi, Uttarāyaṇa, Kumbha, ba.di. 1, Vidirbaka-vāra (?) Vyatipāta-vōga, "Tīruvēṇam". In A.D. 1502-03 (=Dundubhi) Kumbha ba 4 fell on Wednesday, February 15, A.D. 1503 when the Nakshatra was "Chitra"; but on Thursday, February 23, A.D. 1503 the Nakshatra was "Śravaṇa" ending at 78 and ba. 3 (not 4) commenced at 70 ending on Friday at 66. In A.D. 1501-02 Kumbha ba. 4 fell on Thursday 27 January A.D. 1502 and the Nakshatra was "Hasta". |  |  |  |  |  |  |
|              |  | VIJAYANAGARA DYNASTY, I.   |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Vīra-Kumāra-Kampaņa-Udaıyar, son of Bokkaņa-Udaıyar.   |  |  |  |  |  |  |
| <b>1</b> 915 | 272  | Śaka 1285, Śōbhakrit, Dhanus, śu. di. 11, Wednesday, Punarvasu.  In A.D. 1363 (= Śōbhakrit = Ś. 1285 expired), Dhanus śu. 11 fell on Sunday and the Nakshawa was "Bharani". In A.D. 1362 (= Ś. 1285 current),  |  |  |  |  |  |  |
| 1916         | 226  | Dhanus su. 11 fell on Monday and the Nakshatra was "Aśvini".<br>Śōbhakrit. Karkataka, su. di. 7, Saturday. Śōdi.<br>In A.D. 1363 (= Śōbhakrit), Karkataka, su. 7 fell on Tuesday.  |  |  |  |  |  |  |
| 10-5         |  | Hariharı 11.   |  |  |  |  |  |  |
| 1915         | 417  | Saka 132[2], Vikrama, Māgha, su. 10, Monday.  = A.D. 1401, Monday, January 24; su. 10 commenced at 28 and ended on Tuesday at 24.  |  |  |  |  |  |  |
|              |  | Harthard (?)   |  |  |  |  |  |  |
| 1916 +       | 215  | Yuva, Makara, su. dt. 8, Asvati, Monday.  = A.D. 1395, Monday, January 7; su. 8 commenced at 81 and ended on Tuesday at 73 of that day.  |  |  |  |  |  |  |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |  |  |  |  |  |  |
|-------|-----------------------------------|---|--|--|--|--|--|--|
|       |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY, I-cont.   |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Harihara.   |  |  |  |  |  |  |
| 1916  | 217                               | Bahudhānya, Rishabha, su. di. 3, Sunday, "Puṇarpūsam" = A.D. 1398, Sunday, May 19; 37; 75.  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Dèv <b>ar</b> āya.  |  |  |  |  |  |  |
| "     | 144                               | Šaka 1360, Krōdhana, Mithuna, śu. di. 10, Monday, "Tiruvōnam". The cyclic year quoted is correct according to northern cycle (vide No. 512 of 1915). The year in southern cycle was Kālayukta = A.D. 1438, Monday, June 2; f.d.t. 34. The Nakshatra was "Chitra" and not "Śravaṇa". Śaka 1360, Kālayukti, Mithuna, śu. di. Monday, "Punarpūśam". In A.D. 1438 (= \$ 1360 expired = Kālayukta), on Monday, May 26; (= 30 Vṛishabha; not a day in Mithuna) 11; f.d.n. 109. Mithuna in the inscription is apparently an error for Vṛishabha. |  |  |  |  |  |  |
| ,,    | 193                               |   |  |  |  |  |  |  |
| ,,    | 230                               | Saka 1365, Rudhirōdgārin, Vrišchika, šu. di. 12. Monday, "Rēvati".<br>= A.D. 1443, Monday, November 4; 70; 73.  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | $V$ ija $y$ ar $ar{a}y$ a.  |  |  |  |  |  |  |
| 1915  | 420                               | Śaka 1363, Durmati, Kārttika, śu. 11, Thursday.<br>= A.D. 1441, Thursday, October 26; '40.  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | $\pmb{Mallikar{a}rjuna}.$   |  |  |  |  |  |  |
| ",    | 386                               | Śaka 137[6], Śrīmu[kha], Bhādrapada, śu. 15, Sunday.<br>= A.D. 1453, Sunday, August 19; 29.   |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Vīrapratāpa Dēvarāya-Mahārāya Mallikārjunarāya.   |  |  |  |  |  |  |
| 1916  | 252                               | Śaka 1385, Chitrabhānu, Dhanus, śu. di. 5, Friday, "Viśākhā". Śu. 5 and "Viśākhā" cannot concur in the month of Dhanus. In A.D. 1463 (= S. 1385 expired = Subhānu not Chitrabhānu), śu. 5 commenced on Friday, September 16 at 86 and ended on Saturday at 76. "Viśākha" ended on   |  |  |  |  |  |  |
| "     | 254                               | Friday at '79. Śaka 1323, Vikrama, Mithuna, śu. di. 11, Monday, "Rēvati".  In A.D. 1400 (= Ś. 1323 current = Vikrama), Mithuna śu. 11 fell on Thursday and not on Monday. The Nakshatra was "Svāti". Śu. 11 and "Rēvati" can concur ordinarily only in Vriśchika, not in Mithuna. In A.D. 1400, such concurrence took place on Friday, October 29, A.D. 1400, when śu. 11 ended at sunrise and "Rēvati" began at '38, ending next day at '50.   |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY, II.   |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Vīra-Narasimharāya, son of Bhujabaladēvu-Mahārāya.  |  |  |  |  |  |  |
| 1915  | 289                               | Śaka 1431, Śukla, Karkataka, śu. di. 5, Friday, "Hasta".<br>In A.D. 1509 on Sunday, July 22; śu. 5 ended at ·21 and "Hasta" at ·35. The week-day seems to be wrong.   |  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Krishnarāya.  |  |  |  |  |  |  |
| 5,    | 138                               | Śaka 1455 (read Ś. 1445), Svabhānu, Kārttika, 23, Paurņima, Sunday.<br>= A.D. 1523 (= Ś. 1445 = Svabhānu) Sunday, November 22; śu. 15 com-  |  |  |  |  |  |  |
| לנ    | 335                               | menced at '03 and ended at '01 on Monday.<br>Saka 1440, Isvara, Jyështha, ba[hula *]  3]0, Friday, solar eclipse<br>= A.D. 1517 (= S. 1440 current = Isvara) Friday, June 19; ba. 30 ended  |  |  |  |  |  |  |
| "     | 336                               | at 17 of day; and the day was one of solar eclipse.  Saka 1440, Isvara, Māgha, ba. 1[4], Monday.  A.D. 1517, Monday, February 8; f.d.t. 16.   |  |  |  |  |  |  |
| "     | 353                               | Śaka 1445, Chitrabhānu, Vaisākha, ba. 3, Monday.<br>= A.D. 1522 (= Ś. 1445 current = Chitrabhānu) Monday, May 12; f.d.t. 69.  |  |  |  |  |  |  |

# APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915—cont.

| Year.         | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remark.   |  |  |  |  |  |  |
|---------------|-----------------------------------|---|--|--|--|--|--|--|
|               |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY, II-cont.  |  |  |  |  |  |  |
|               | •                                 | $\mathit{Krishnaraya}$ —cont.   |  |  |  |  |  |  |
| 1915          | 433                               | Saka 14 [43], Vishu, Kārttika, su. 15, Monday.  In A.D. 1521 Kārttika (lunar) su. 15 commenced at 02 and ended at 94 on Tuesday, October 15; so that no part of su. 15 touched Monday. Monday in the inscription seems to be an error for Tuesday.  |  |  |  |  |  |  |
| "             | 623                               | Saka 1442, Pramāthin, Kārttika, šuddha 15, Sunday, lunar eclipse.  = A.D. 1519, Sunday, November 6; šu. 15 ended at 68 of day; and it was a day of lunar eclipse.   |  |  |  |  |  |  |
| 1916          | 169                               | Saka 1437, Yuva, Karkaṭaka, Sōmagrahaṇa.<br>= A.D. 1515, Wednesday July 25 (= 26 Karkaṭaka) when there was a lunar  |  |  |  |  |  |  |
| <b>&gt;</b> > | 216                               | eclipse.<br>Śaka 1443, Vrisha, Āḍi 31, Monday, Ēkādasi, "Mrigasīrsha"<br>= A.D. 1521, Monday July 29; 80; 52  |  |  |  |  |  |  |
| · <b>,</b>    | 225                               | Saka 1442, Vikrama, Makara, su. di. 7, Sunday, "Hasta." In A.D. 1520 Makara su. 7 fell on Tuesday, January 15, A.D. 1521. The date intended is apparently Sunday, Dec. 30, A.D. 1520 on which day ba. 7 commenced at 27 of day, ending at 34 on the following day, while Nakshatra "Hasta" was current throughout Sunday, having commenced at 91 on Saturday and ending at 01 on Monday.  Sukla 7 in the inscription is apparently an error for bahula 7.   |  |  |  |  |  |  |
| ) <b>)</b>    | 246                               | Saka 1435, Śrīmukha, Kumbha, śu. di. 12, (Bhīmadvādaśi), Monday, "Punarvasu." = A.D. 1514 Mon. Feb. 12; on which day Māgha śu. 12 ended at 71 of day and Nakshatra "Punarvasu" at 55 of day. Māgha śu. 12 is called "Bhīshmadvādaśi"—vide Ind. chron. p. (51).  |  |  |  |  |  |  |
|               |                                   | $m{A}ch m{y} m{u} t a m{r} ar{a} m{y} m{a}.$  |  |  |  |  |  |  |
| 1915          | 136                               | Saka 1458, Durmukhi, Arpasi, 27, Dvādasi, Wednesday, "Uttara-Phalguni." In A.D. 1536 on Wed. Oct. 11; ba. 12 ended at '95 of day and Nakshatra "Uttara-Phalguni" commenced at '22 of day ending at '31 of the following day. The citation Aippasi 27, dvādosi appears to be a case of a curious lapsus calami for Aippasi 12, 27th tithii; for in reality the day was such. On Aippasi 27 in that year, i.e., Oct. 26, the tithi was no doubt dvādasi but the week-day was Tuesday, not Wednesday and the Nakshatra was not "Uttara-Phalguni" but "Rēvati." |  |  |  |  |  |  |
| >>            | 492                               | Śaka 1454, Nandana, Phalguna, ba. 7, Monday.<br>= A D. 1533, Monday, March 17; ba. 7 ended at 35.   |  |  |  |  |  |  |
| ,,            | 527                               | Saka 1457, Jaya, Pushya, Suddha 3, Monday, Sankramana.<br>= A.D. 1534 (= Jaya = Saka 1457 current), Monday, December 7; f.d.t. 19.  |  |  |  |  |  |  |
| "             | 620                               | Saka 14 [53], Khara, Kumbha, ba. di. 14, Śravana, Sunday, Śivarātri.<br>= A.D. 1532 (= Khara, Śaka 1453 current), Sunday, February 4; f.d.t. 22; 93.  |  |  |  |  |  |  |
| 22            | 621                               | Saka 1300 (mistake for 1464) Plava, Tai, Paurnami, "Pushya," Monday.  In A.D. 1541-42 ( = Plava, Saka 1464 current), Tai Paurnami tithi ended on Sunday, January 1, A.D. 1542 at '92: Nak. "Pushya" ended on Monday, January 2 at '78. In A.D. 1542-43 ( = Saka 1464 expired = Subhakrit), Tai Paurnami tithi and "Pushya" fell on Saturday, January 20, A.D. 1543, ending at '93 and '40 respectively on the same day.   |  |  |  |  |  |  |
| 1916          | 210                               | Saka 1458, Durmukhi, Mithuna, su. di. 7, Sunday, "Hasta."<br>= A.D. 1536 Sunday, June 25; 92; f.d.n. 14.  |  |  |  |  |  |  |
| זי            | 222                               | Saka 1458, Durmukhi, Mēsha, su. di. 10, "Tiruvōṇam," Friday. Su. 10 and "Śravaṇa" cannot concur in Mēsha but may do so in Kanyā. In A.D. 1536 (= Śaka 1458 expired = Durmukhi), Āśvina su 10 and "Śravaṇa" concurred on Sunday, September 24 but the week-day was not Friday. On Friday, March 31, A.D. 1536 (= Mēsha 5) Mēsha su. 10 commenced at 19, ending at 27 on Saturday but the Nak. for Friday was "Āślēsha," not "Sravaṇa."   |  |  |  |  |  |  |
| :             |                                   | Sadāśivarāya.   |  |  |  |  |  |  |
| <b>1</b> 915  | 314                               | Saka 1468, Parābhava, Jyēshtha, su. 15, Monday.<br>= A.D. 1545 Monday, May 25; f.d.t. 21.   |  |  |  |  |  |  |

## APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-con

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|------------|-----------------------------------|--|
|            |                                   | VIJAYANAGARA DYNASIY, II-cont.   |
|            |                                   | Sadāśivarāya—cont.   |
| 1915       | 419                               | Saka 1468; Parābhava, Śrāvaṇa, ba. 12, Thursday. In A.D. 1546 (= Saka 1468 expired = Parābhava) Śrāvaṇa, ba. 12 ended on Monday, 23rd August, at '07; and in A.D. 1545 (= Saka 1468 current) it ended on Tuesday, August 4, at '32. In neither case the week-day Thursday.   |
| "          | 454                               | Saka 1477, Rākshasa, Śrāvaṇa, śu. 11, Thursday.  In A.D. 1555 (= Śaka 1477 expired = Rākshasa), Śrāvaṇa śu. 11 fell on Tuesday  23 July. In A.D. 1554 (= Śaka 1477 current = Ānanda) Śrāvaṇa śu. 11  fell on Thursday, August 9, ending at 49 of the day. The latter is probably the intended date.  |
| >>         | 475                               | Saka 1467 Kīlaka, Ashādha, su. 1. Thursday. In A.D. 1548 ( = Kīlaka, Saka 1470 expired), Ashādha, su. 1 fell on Thursday, June 7, ending at '06 of day But this was Saka 1470 expired not Saka 1467 which must be an error.  |
| "          | 485                               | Saka 1481, Siddhārthin, Āśvīja, śu. 15, [Sunday].  = A.D. 1559, Sunday, October 15 f.d.t. 38.  |
| "          | 543                               | <ul> <li>Saka 1482, Raudri, Vaišākha, ba. 15, solar eelipse.</li> <li>A.D 1560 (= Saka 1482 expired = Raudri) Vaišākha, ba. 15 fell on Saturday, May 25; but there was no solar eelipse on that day. There was a solar eelipse on Srāvaņa, ba. 15 which fell on Wednesday, August 21, A.D. 1560.</li> </ul>  |
| 1916       | 191                               | Saka 1483, Durmati, Tulā, su. di. 7, Wednesday.  |
| "          | 213                               | = A.D. 1561; Wednesday, October 15; 23<br>Śaka 1466, Śōbhakrit, Simha, śu. di. 6, Monday, Śōdi (= Svāti).<br>= A.D. 1543, Monday, August 6; 27; 47.  |
|            |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY, III.   |
|            |                                   | Ranga II (Śrīranyarāya).   |
| ,,         | 209                               | Šaka 1499, Bahudhānya, Mēsha, ba. di. 10, Monday, "Śravaṇa."<br>(Śaka 1500 = A.D. 1578 = Bahudhānya).<br>= A.D. 1578, Monday, March 31; f.d.t. ·85; f.d.n. ·00.  |
| "          | 262                               | Saka 1508, Vyaya, Tulā, su. di. 12, Rēvati, Monday.  |
| "          | 263                               | = A.D. 1585, Monday, October 25; 26; f.d.n. 21.<br>Saka 1509, Chitrabhānu, Vaigāši 13, Kārttigai, Amāvāsyai, Saturday.   |
|            |                                   | Chitrabhānu = A.D. 1582 = Śaka 1504.  The date corresponds only to a day in A.D. 1583 = Śaka 1505. For in A.D. 1583 on Saturday, May 11; ba. 15, ended at 50 and the Nakshatra "Kārttigai" or "Krittikā" at 33.  |
|            |                                   | Šaka 1509 in the inscription is apparently an error for Šaka 1506 current or Šaka 1505 expired, and Vaigāsi 13 appears to be an error for Vaigāsi 14. To find an equivalent for Vaigāsi 13, "Kārttigai" Nakshatra, Saturday, and Amāvāsya, we must go back to A.D. 1556 (= Śaka 1478 expired = Naļa), when all these details concurred on Saturday, May 9. |
|            |                                   | Venkaṭapatidēva.   |
| <b>3</b> 7 | 208                               | Saka 1514, Nandana, Mēsha, śu. di. 2, Sunday, Aśvati.<br>In A.D. 1592 on Sunday, April 2; śu. 1 commenced at ·19 on Sunday and ended at ·09 on the following day. The Nakshatra "Aśvati" ended on Sunday at ·75. Śu. 2 in the inscription is apparently an error for śu. 1.  |
|            |                                   | Kākatīyas.   |
|            |                                   | Gaṇapatidēva-Mahārāya.   |
| 1915       | 405                               | Saka 11[71*], Kīlaka, Paushya, śuddha 10, Monday, Uttarāyana-Sankrānti.<br>In A.D. 1247 (= Śaka 1170 current) on Monday, December 9, śu. 10, ended at 19. As this day was the 13th of Dhanus, it was not Uttarāyaṇa-Sankrānti.   |

## APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-cont.

| Year. | Number<br>of<br>Inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |  |  |  |  |  |
|-------|-----------------------------------|---|--|--|--|--|--|
|       |                                   | Kākatīvas—cont.   |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Rudradēva.  |  |  |  |  |  |
| 1915  | 333                               | Śaka 1199, Bahudhānya, Vaišākha, świldha 3, Thursday.<br>= A.D. 1277, Thursday, April 8; 02.  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Pratāparudradēva.   |  |  |  |  |  |
| 29    | 298                               | Śaka 1242, Raudri, Śrāvaṇa, śuddha 1, Monday.<br>= A.D. 1320, Monday, July 7; śu. 1 ended at 60   |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Yādavas.  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Singana.  |  |  |  |  |  |
| 22    | 552                               | Saka 1[12]5, Dundubhi, Pushya, su. [8], Thursday, Uttarāyana-Sankrānti.  A.D. 1202, Thursday, December 26; su. 11 ended at 88. Uttarāyana-Sankrānti occurred on Wednesday, 25th December, at 61 of the day and was apparently kept on Thursday. Su. [8] in the inscription seems to be a wrong reading for [11].  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | $Jaitugi (\Pi).$  |  |  |  |  |  |
| 22    | 520                               | Śaka 1[151], Virōdhin, Chaitra, śuddha 10, Wednesday. In A.D. 1229, Chaitra (lunar) śu. 10 fell on Tuesday. But in the solar monor of Chittirai or Mēsha, śu. 10 commenced on Wednesday, 4th April (= 1 Mēsha) at '06 and ended at '04 the following day. The month of "Chaitra in the inscription may perhaps have been meant for solar month Chittirai Mēsha. |  |  |  |  |  |
|       |                                   | $Rar{a}$ machand $r$ ad $ar{e}$ $oldsymbol{v}$ a.   |  |  |  |  |  |
| ,,    | 478                               | Śaka 1200, Bahudhānya, Jyaishtha, śu. 1, Thursday.<br>In A.D. 1278, Jyēshtha, śu. 1 fell on Tuesday, 24th May, but śu. 10 was on Thursday, June 2; when the tithi ended at 19.  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Kalachurya.   |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Rāyamurāri Bhujabalamalla Sōmēsvara.  |  |  |  |  |  |
| - 77  | 513                               | Śaka 1093, Khara, Māgha, śuddha 5, Monday.<br>In A.D. 1171-2 (= Śaka 1093 current = Khara) Māgha śu. 5 ended on Sunday,<br>2nd January, A.D. 1172. Monday quoted in the inscription seems to be wrong.  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | $m{B}$ huja $b$ ula $m$ alla.   |  |  |  |  |  |
| "     | 504                               | Regnal year lost. Tāraṇa, Jyēshṭha, śuddha, Full-moon, Saturday, lunar eclipse. = A.D. 1164 (= Tāraṇa, Ś. 1086, expired), Saturday, June 6, '84. It was a day of lunar eclipse.   |  |  |  |  |  |
|       |                                   | • VELANĀŅDU.  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Velanāņţi-Gonka.  |  |  |  |  |  |
| "     | 441                               | Śaka 1054, Kārttika, śuddha 13, Sunday.<br>= A.D. 1132, Sunday, October 23; f.d.t. 47.  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | $\mathbf{K}$ о $\mathbf{n}$ р $\mathbf{n}$ р $\mathbf{m}$ $\mathbf{a}$ $\mathbf{T}$ $\mathbf{I}$ .  |  |  |  |  |  |
|       |                                   | Manma-Maṇḍa.  |  |  |  |  |  |
| ,,    |                                   | Śaka 1061, Āśvīja, dark-half, Indra's day (i.e., 12th tithi), Monday.<br>In A.D. 1138 (= Śaka 1061 current) Āśvina ba. 12 fell on Sunday.<br>In A.D. 1139 (= Śaka 1061 expired) Āśvina ba. 12 fell on Saturday.   |  |  |  |  |  |

APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16—cont.

| Year.       | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |  |  |  |  |  |
|-------------|-----------------------------------|---|--|--|--|--|--|
|             |                                   | Kōṭas.<br>Manmakēta or Kōṭakēta (Kēta III).   |  |  |  |  |  |
| 1915–<br>16 | 5 of<br>App.<br>A.                | Śaka 1162, Māgha, ardhōdaya.  Ardhōdaya [vide Ind. Chron. p. (53)] is defined to be a combination of Sunday with Nakshatra "Śravaṇa" by day time and Yōga-Vyatīpāta on amāvāsya day at the end of Pausha month.  In A.D. 1240-41 (= Ś. 1162 expired), on Sunday, 13 January A.D. 1241 all these phenomena concurred by day time, because on that day amāvāsya tithi at the end of Pausha month ended at ·72; Nakshatra "Śravaṇa" had commenced on Saturday at ·95, was current throughout Sunday and ended on Monday at ·02. Lastly Yōga-Vyatīpāta ended on Sunday at ·62 of the day. |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Jagamechchugaṇḍa Gaṇapatidēva   |  |  |  |  |  |
| 37          | 391                               | Śaka 1180, Bhādrapada, ba. 6, Friday.<br>In A.D. 1257 (=Śaka 1180 current) Bhādrapada śu. 6 fell on Friday, 17<br>August while ba. 6 in the same month commenced on Friday, August 31 at<br>57 and ended on Saturday, September 1 at 51.  |  |  |  |  |  |
|             | <u> </u>                          | $	extbf{	extit{Bh$ima.}}$   |  |  |  |  |  |
| ,,          | 299                               | Saka 1187, Phālguṇa, śu. 5, [Thursday].<br>In A.D. 1216 on Wednesday, February 24; śu. 5 ended at 51.<br>The week-day in the inscription should be [Wednesday] not [Thursday].  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Miscellaneous.  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Rakkasa Gangarasadēva-Mahārāja.   |  |  |  |  |  |
| **          | 563                               | Śaka 1169, Plavanga, Jyeshtha, śuddha 13, Saturday.  = A.D. 1247 Saturday, May 18; śu. 13 was current the whole of that day.  The tithi commenced on Friday at '94 and ended on Sunday at '01.  |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Tribhuvanachakravartin Vīra-Gandagōpāla.  |  |  |  |  |  |
| 1916        | 165                               | 4th year, Kumbha, su. di. 7, Monday, "Punarvasu." In Kumbha month su. 7 and "Punarvasu" cannot join, any more than in Tulamonth (see next inscription) su. 11 and Asvati can join. This is unfortunate since only two dated inscriptions seem to be available for this reign and both are intrinsically wrong. The king is referred in the famous introduction Samastha-jagad of the inscriptions of Jatavarman Sundara-Pandya I of A.D.  |  |  |  |  |  |
| "           | 178                               | 1251. 2nd year, Tulā, śu. di. 11, Monday, "Aśvati." See remarks against last inscription.   |  |  |  |  |  |
|             |                                   | Tribhuvanachakravartin Vijaya-Gandagōpāla.  |  |  |  |  |  |
| 79          | 137                               | 32nd year, Rishabha, su. di. 7, Sunday. "Pushya." One of the following dates is a possible equivalent, the solar month being an uncertain factor in nearly all the inscriptions of this reign which have been furnished for verification this year.  A.D. 1280, Sunday, Ap. 7 (= Mēsha 14), f.d.t. ·07; f.d.n. ·84 (Nak. commenced on Sunday at ·75).  A.D. 1281—Saturday, Ap. 26 (= Rishabha 2); ·80; ·14.  Week-day in A.D. 1282 was Thursday (Ap. 16 = Mēsha 22); and in A.D. 1283,  |  |  |  |  |  |
| ,,,         | 139                               | Monday, (April 5 = Mēsha 11).  A.D. 1284, Sunday, Ap. 23 (= Mēsha 30); '79; '37.  5th year, Karkataka, śu. di. 5, Sunday, "Uttiram." Karkataka is probably an error for Mithuna. In A.D. 1254, on Sunday, June 21 (= Mithuna 26), śu. 5 ended at '78, while "Uttiram" or "Uttiram Phalguni" commenced at '97, was current all Monday and came to end on Tuesday at '07. "Uttara-Phalguni" was the Nakshatra of Monday and Tuesday rather than of Sunday.  |  |  |  |  |  |

# APPENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16,—conf.

|       | <del></del>                      |   |  |  |  |  |  |  |  |
|-------|----------------------------------|---|--|--|--|--|--|--|--|
| Year. | Number<br>of<br>inscrip<br>tion. |   |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | Miscellaneous—cont.   |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | Tribhuvanachakı avartin Vijaya-Gandugöpāla—cont.  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1916  | 140                              | , Makara, śu. di. 7, Monday, "Uttirattādi."   |  |  |  |  |  |  |  |
| 1010  | 164                              | There are suitable dates in A.D. 1269, (Monday, December 30 = Makara 5; f.d.t. 42; 42); A.D. 1283 (Monday, December 27 = Makara 1; f.d.t. 00; 32) and possibly in one or two other years between 1249 and 1283. 15th year, Mēsha, su. di. 3, Friday, "Pūśam."   |  |  |  |  |  |  |  |
| >1    | 104                              | The solar month Mēsha is probably an error for Mithuna, in which alone  |  |  |  |  |  |  |  |
|       | 177                              | su. 3 can ordinarily concur with "Pushya". But even with this correction there is no complete equivalent in the years A.D. 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268.  |  |  |  |  |  |  |  |
| **    | 177                              | 28th year, Karkataka, su. di. 3, Saturday, "Mūla."  The solar month Karkataka, in which su. 3 and "Mūla" cannot concur is pro-  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1>    | 197                              | The solar month Karkataka, in which su. 3 and "Mūla" cannot concur, is probably an error for Vrišchika in which such concurrence can take place. With this correction, we may find an equivalent in A.D. 1277 on Saturday, October 30 (= Vrišchika 3) when Sukla 3 ended at '90 and Nakshatra "Mūla" commenced at '29. ending next day at '24.  30th year, Tulā, su. di. 7, Friday, "Punarpūšam." The solar month Tulā is a manifest error for, possibly, Mēsha. With this correction, we may find a base equivalent in A.D. 1278, Friday Ap. 1 (= Mēsha 7); on which day su. 7 ended at '35, while Nakshatra "Punarvasu" commencing at '60 on the same day |  |  |  |  |  |  |  |
|       | ]                                | ended next day at '65.<br>Nabôbu Sādāllēkhān Sāyapu.  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1915  | 617                              | Śaka 1596, Ānanda, Māśi, 19, Ārdrā, 13 (trayōdaśi), Friday.   |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | A.D. $1674-75 = S. 1596$ expired = Ananda.  |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | The date should apparently be Māśi 16, "Sravaṇa," 13 (trayōdaśi), Friday which would then be A.D. 1675, Friday, February 12 (= Māśi 16), on which   |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | day bahula trayodasi ended at .45 and Nakshatra "Sravana" ended at .62.   |  |  |  |  |  |  |  |
|       | :                                | Anonymous.  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,    | 137                              | Dundubhi, Kārttigai, Thursday, Pañchami, "Uttarāshāḍha," 15   |  |  |  |  |  |  |  |
|       | 293                              | = A.D. 1621, Thursday, November 8; 42; 55.<br>Śaka 10[8]8, Āśvayuja, śu. di. 10, Thursday.  |  |  |  |  |  |  |  |
| 37    |                                  | = A.D. 1166, Thursday, October 6; 32.   |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,    | 296                              | Saka 1479, Pingala, Māgha, bahula 14, Monday, Mahāsivaratri. In A.D. 1557 on Friday, January 29; Māgha, ba. 14 ended at 50; and Nak. "Śravaṇa" at 70. The week-day Monday seems to be wrong. Mahāsivarātri is the midnight nearest to Māgha, ba. 14, at which Nakshatra "Śravaṇa"   |  |  |  |  |  |  |  |
| Ì     | 306                              | is current.<br>Śaka 1346, Krōdhin, Māgha, su. 2, Monday.  |  |  |  |  |  |  |  |
| "     |                                  | = A.D. 1424, Monday, January 3; f. d. t. 08.  |  |  |  |  |  |  |  |
| "     | 309                              | Saka 1187, Krōdhana, Kārttika, bahula 15, Monday.<br>= A.D. 1265, Monday, November 9; 45.   |  |  |  |  |  |  |  |
| "     | 320                              | Saka 1179, Durmati (wrong), Bhādrapada, bahula 2, Sunday.   |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | Saka year is wrong as (Durmati = A.D. 1261 = Saka, 1184) current. In A.D. 1261, Monday, September 12; ba. 2 ended at 36. It commenced on Sunday   |  |  |  |  |  |  |  |
|       | 000                              | at ·37.   |  |  |  |  |  |  |  |
| "     | 323                              | Šaka 1813 (A.D. 1891, April 15), Khara, Mēsha, Chaitra, Sukla, 7, Wednesday, "Punarvasu."   |  |  |  |  |  |  |  |
| ]     |                                  | = A.D. 1891, Wednesday, April 15; 61; f.d.n. 10.  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,    | 326                              | Šaka 1245, Rudhirodgarin, Chaitra, ba[hula*] 3, Mesha-Sankranti.<br>= A.D. 1323, Saturday, March 26; 14. It was a day of Mesha-Sankranti.   |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,    | 328                              | Saka 1474, Paridhavin, Karttika, su[kla] 11, Thursday.  |  |  |  |  |  |  |  |
| "     | <b>32</b> 9                      | = A.D. 1552, Thursday, October 27; f.d.t. 16. Paridhāvin, Kārttika, suddha, I, Monday.  |  |  |  |  |  |  |  |
|       | 337                              | = A.D. 1552, Monday, April 18; f.d.t. 83.<br>Saka 1551, Sukla, Śravana, śu. 15, Friday.   |  |  |  |  |  |  |  |
| "     | ,,,,,                            | = A.D. 1629, Friday, July 24; su. 15 was current the whole of the day. It   |  |  |  |  |  |  |  |
|       | 1                                | commenced on Thursday at 96 and ended on Saturday at 05.  |  |  |  |  |  |  |  |
|       |                                  | Gu Mia 198  |  |  |  |  |  |  |  |

Appendix G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-conf.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | Anonymous—cont.   |
| 1915       | 839                               | Šaka 1347, Viśvāvasu, Vaišākha, bahuļa 10, Saturday.<br>= 1425 Saturday, May 12; f.d.t. 23.   |
| ,,         | 343                               | Saka 1802, Kali 4771, Vikrama, Māgha, śu. 5, Thursday.  = A.D. 1881, Thursday, February 3; 67.  |
| 19         | 851                               | Saka 1790, Vibhava, Māgha, ba. 5, Monday.<br>= A.D. 1869, Monday, February 1; 56.   |
| ٠,         | / 352                             | Śaka 1798, Dhātri, Āshādha, 2, Saturday.<br>Tithi bahula 2 is meant. The equivalent is A.D. 1876, Saturday, July 8; '72.  |
| 2)         | 354                               | Saka 1445, Chitrabhānu, Vaisākha, su. 3, Monday, solar eclipse.  A.D. 1522, Monday, April 28; 97. There was no solar eclipse on this day.   |
| *19        | 356                               | Saka 1446, [Premā]dhi, Māgha, ba. 5, Saturday. The cyclic year seems to be Pārthiva. In A.D. 1525, Saturday, February 11; f.d.t. 65.  |
| ,,         | 359                               | Śaka 1601, Kālayukta, Vaisākha, suddha, Full-moon, lunar eelipse.<br>In A.D. 1678, Friday, April 26; su. 15, ended at 66.   |
| <b>3</b> 7 | 366                               | There was a lunar eclipse on this day.  Saka 1227, Krödhin, Pushya, bahula 14, Saturday.  A.D. 1304, Saturday, December 26; 51.   |
| 1)         | <b>368</b>                        | Saka 1480, Kālayukta, Māgha, śu. 5, Thursday.  A.D. 1559, Thursday, January 12; f.d.t. '99.   |
| 17         | 371                               | Šaka 137 [6], Šrīmukha, Šrāvana, su. 11, Monday.<br>= A.D. 1453, Monday, July 16; 62.   |
| <b>»</b>   | 373                               | Saka 1374, Angirasa, Ashāḍha, śu. 15, Sunday.<br>In A.D. 1452, Ashāḍha, śu. 15, fell on Saturday, July 1; 96. Āshāḍha, ba. 15   |
| n          | 374                               | fell on Sunday, July 16; 87.<br>Śaka 1357, Rākshasa, Śrāvaṇa, śu. 10 Sunday.<br>In A.D. 1435 = Rākshasa, Śrāvaṇa, śu. 10 fell on Wednesday, August 3;<br>80. Āśvina śu. 10 fell on Sunday, October 2, 04. |
| **         | 375                               | Saks 1189, Prabhava, Ashāḍha, ba. 15, Friday.<br>= A.D. 1267, Friday, July 22; ba. 15 ended at 04.  |
| "          | √ 378                             | Šaka 1188, Prabhava, Vaišākha, šuddha 3, Thursday.<br>Šaka 1189 — A.D. 1267 — Prabhava. Vaišākha šu. 3 was on Wednesday,  |
| "          | 379                               | March 30; 36. Adhika Jyēshtha śu. 3 was on Thursday, April 28; 81. Śaka 1487, Akshaya, Māgha, śu. 12, Friday. Śaka year should presumably be 1488 = A.D. 1566 = Akshaya. The date is                      |
| , "        | 380                               | A.D. 1566, Firday, February 1; 60.<br>Hēmalamba, Kārttika, śu. 15, Monday.<br>= A.D. 1596, Monday, October 25; f.d.t. 01. The tithi commenced on Sunday   |
| 20         | <b>∂3</b> 85                      | at 93 and ended on Monday.  Saka 1316, Bhāva, Jyēshtha, ba. 7, Friday.  |
| . 39       | <b>38</b> 8                       | = A.D. 1394, Friday, May 22; ·34.<br>Saka 1447, Sarvajit, Ashādha, [śu. 3], Sunday.<br>Saka 1449 = Sarvajit = A.D. 1527. The date is A.D. 1527, Sunday, June 2; ·24.                                      |
| <b>))</b>  | 389                               | Saka 1 * * 8, Pārthiva, Vaišākha, śu. 15, Sunday.<br>  = Śaka 1448 = Pārthiva = A.D. 1525. The date is A.D. 1525, Sunday, May   |
| 2)         | √599                              | 7; 20.<br>Saka 133[9], Vilambi, Pushya, su. 1, Friday.<br>Saka 1440 = A D. 1418 = Vilambi. In this year Māgha, su. 1 fell on Friday   |
| >>         | 400                               | while Pushya su. I fell on Wednesday.  Saka 1551, Vikārin (wrong), Vaisākha, su. 7, Wednesday.  |
| ,,         | 401                               | In Saka 1189 current = A.D. 1266-67, Vaisākha, su. 13 commenced on Sunday,  |
| "          | 402                               | April 10 at '04 of day and ended on the same day at '99. No part of &u. 13  |

# AFFENDIX G.—Dates from appendices A, B and C to the Annual Report for 1915-16-cont.

| Year.    | Number<br>of<br>inscrip- | Astronomical details. English againslants and research  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|----------|--------------------------|---|--|--|--|--|--|--|--|--|
|          | tion.                    |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | j                        | Anonymous—cont.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1915     | 406                      | Śaka 1321, Pramādi, Māgba, ba. 5, Friday.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | = A.D. 1400, Friday, January 16; .64.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| "        | 411                      | Saka 1451, Sarvadhāri, Pushya, ba. 3, Sunday.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 413                      | = A.D. 1528, Sunday, December 27; f.d.t. 82.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| •,       | 410                      | Saka 1366, Raktākshin, Ashādha, su. 14, Monday.<br>= A.D. 1444, Monday, June 29; 21.                              |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ٠,       | 416                      | Šaka 1810, Sarvadhārin, Chaitra, śuddha 9, Wednesday.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| •        |                          | = A.D. 1888, Wednesday, March 21; f.d.t. 18.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| >>       | 418                      | Saka 1415, Pramādīcha, Māgha, ba. 3[0], Monday.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | }                        | = A.D. 1493, Monday, February 4; ba. 3 ended at 77 of day. Reading "ba.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 423                      | 3[0]" should be "ba. 3."<br>Saka 1458 (for 1478), Nala, Magha, su. 15, Sunday.                                    |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,.       | 10.5                     | = A.D. 1556, Sunday, January 26; 57.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| <b>)</b> | 426                      | Śaka 1396, Jaya, Chaitra, ba. 30, solar eclipse.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| •        |                          | = A.D. 1474, Saturday, April 16; 40. There was a solar eclipse on this day.                                       |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,       | 429                      | Saka (mistake for Kaliyuga) 4564 (mistake for 4590), Saumya, Jyeshtha, ba. 2,                                     |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | Friday.<br>In A.D. 1489 = Kaliyug. 4590 which was Saumya, Vaisāka, ba. 2 fell on Friday,                          |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 1                        | April 17; 39; while Jyeshtha ba. 2 commenced on Friday, May 15; 82, and   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | ended at '77 the following day.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,        | 436                      | Šaka 1443, Chitrabhānu, Śrāvana, śu. 11, Monday.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | S. 1444 = A.D. 1522 = Chitrabhānu. The date is A.D. 1521, Monday, July  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 442                      | 15; ·39.<br>  Şaka 1313, Bahudhānya (wrong), Pushya, śu. 14, Wednesday.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 37       | 110                      | $ \hat{S} $ 1320 = A.D. 1398 = Bahudhanya, $ \hat{S} $ 1313 current = A.D. 1390, Pramõ-                           |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 1                        | dhūta. The date intended was apparently A.D. 1390, Wednesday, December  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | 21; ·76.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ;        | 447                      | Saka 1326, Tāraṇa, Māgha, śu. 10, Saturday.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 467                      | = A.D. 1405, Saturday, January 10; 52.<br>Saka 1417, Anala, Phālguṇa 5 (Phaṇi-tithi), Sun passed Vrisha (Taurus). |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,       | 10.                      | Rākshasa, Phālguṇa, ba. 5, Friday.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | = A.D. 1496, Friday, March 4; '43.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,       | 468                      | Saka 1418, Nala, Chaitra, ba. 14, Monday, Sivaratri.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 470                      | = A.D. 1496, Monday, April 11; f.d.t. 56.<br>Saka 1575, Jaya, Ashādha, ba. 30, Monday.                            |  |  |  |  |  |  |  |  |
| **       | 1.0                      | $\hat{S}$ . 1576 = A.D. 1654 = Jaya = A.D. 1654, Monday, July 3; f.d.t. 03.                                       |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2>       | 473                      | Saka 1366, Raktākshi, Pushya, ba. 2, Sunday.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ,,       |                          | = A.D. 1444, Sunday, December 27; 16.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| - 99     | 474                      | Śaka 1366, Raktākshi, Pushya, ba. 7, Thursday   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 481                      | = A.D. 1444, Thursday, December 31; 70.<br>Saka 862, Vikārin, Māgha, Suddha 3, Monday.                            |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 3>       | 701                      | In A.D. 939 (= S. 862 current = Vikārin), Māgha, su. 3 fell on Wednesday and                                      |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | Pausha śu. 3 fell on Monday. The latter date is A.D. 939, Monday, December  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 100                      | 16; 82.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ŧŧ       | 483                      | Saka 1453, Khara, Aśvija, ba. 5, Saturday.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 497                      | = A.D. 1531, Saturday, September 30; f.d.t. 11.<br>Saka 1[6]18, Dhatri, Jyaishtha, $ba$ . 14, Thursday.           |  |  |  |  |  |  |  |  |
| - 17     | 10.                      | .= A.D. 1696, Thursday, June 18; 33.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| "        | 526                      | Chālukya Vikrama year 33, Sarvadhārin, Jyēshtha, new-moon, Thursday, solar  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | eclipse.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 1                        | = A.D. 1108 (= Sarvadhārin), Thursday, June 11; 15.   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 534                      | There was a solar eclipse on this day<br>Şaka 1482, Kālayukta, Āśvija, śu. [14], lunar eclipse.                   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 37       | , 551                    | $\hat{S}$ . 1482 = Raudra = A.D. 1560.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | A.D. 1558 = Kālayukta.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          | The date meant is perhaps A.D. 1558, Tuesday, September 27; 57, when there  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 537                      | was a lunar eclipse. Su. 14 in the inscription seems to be su. 15.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| "        | 001                      | Saka 164 [5], Sōbhakṛit, Srāvaṇa, śu. 5, Friday.<br>  = A.D. 1722, Friday, July 6; f.d.t. · 73.                   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | 538                      | Viśvāvasu, Āshādha, śu. 15, lunar eclipse.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| "        | [                        | = A.D. 1545, Wednesday, June 24; 51, when there was a lunar eclipse.  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          | <u> </u>                 |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|          |                          |   |  |  |  |  |  |  |  |  |

#### PART II.

According to Mr. Vincent A. Smith, the Āndhra dynasty occupied the deltas of the Gōdāvarī and the Kṛishṇā rivers on the eastern side of India and had for its capital Śrīkākulam on the lower course of the Kṛishṇā. Still, records of this dynasty are but rarely found in the Madras Presidency. The only Āndhra inscription at Amarāvatī in the Guntur district, is a fragment and belongs to the reign of Vāsithiputa Sāmi-Siri-Pulumāvi. Another at Kodavolu in the Gōdāvarī district is a record of Vāsithīputa sāmi-Siri-Chadasāta and is also much damaged. The Tālgund (Mysore State) pillar inscription of the Kadamba king Kākusthavarman makes reference to a Śiva temple at Sthānakundūra at which king Sātakarni had previously worshipped. Another inscription at Malavalli near Tālgund mentions Sātakarni of the Vinhukadda-Chutu family. Sātakarni according to Professor Kielhorn was a name or surname of several kings of the Āndhrabhritya or Sātavāhana dynasty who ruled over a part of Southern India during the first centuries of the Christian era.

A powerful king of this Sātavāhana line was Vāsithīputra Siri-Pulumāvi Record of Pulumāvi II at Myākadoni. (of about A.D. 135) in whose time the Andhra kingdom is stated to have extended far into Western India. It is evidently this same Pulumāvi, No. 24, in the list of the Āndhra kings given opposite page 212 of Mr. V. A. Smith's Early History of India (3rd Edition), that is evidently referred to in the newly discovered Āndhra inscription at Myākadoni in the Bellary district, already referred to (Part I, paragraph 3). It is an archaic record, inscribed in 4 lines, on a natural boulder lying halfway between the villages Myākadoni and Chinna-Kadabūru (No. 509 of appendix B). In view of its great importance as one of the earliest records of the Southern Presidency, I append below the text and translation and annex also a facsimile plate (No. I-A) for a comparative study of the inscription and its contents.

#### TEXT.

1 Sidham rañō Sātavahanānam Siri-Pulumāvisa sava 8 hēma 1 diva 1 2 ma[sa] mahāsēnāpatisa Khamda[nā]kasa ja[ni]pādē Satavaghani-hārē

3 [gu]mikasa Kumaradatasa gāmē Vaipurakē vathavēna gahapatikēna ātānam

4 . . . . . . . . . . tattākam khānitam.

#### TRANSLATION.

Success! (In) the eighth year of Siri-Pulumāvi, king of the Sātavahanas, in the first (month of) winter, on the first day, (this) tank was dug by the house-holder (gahapatika), a resident of Vaipuraka of the village of (i.e., belonging to) the captain (gumika) Kumaradata (and situated) in the country (janipāda) Satavaghanihāra of (i.e., belonging to) the great general (mahāsēnāpati) Khamdanāka, (for)... of himself (and) [all?] (living creatures).

The discovery is a valuable one for the history of the Andhras. The mention of the dynasty by the name Sātavahana occurs but very rarely in allied records. Pulumāvi's father Gautamīputra Sātakarni is eulogised in one of the Nasik inscriptions as the restorer of the fame of the Sātavāhana race. The territorial division Sātavahani-hāra mentioned in our record occurs in the later Hirehadagalli (in the Bellary district) copper-plate inscription of the Pallava king Sivaskandavarman, in the form Sātāhani-rattha. Evidently, therefore, it appears as if this territorial division comprised a good portion of the modern Bellary district.

2. A boulder on the Irattaipottai rock at Envadi in the Tinnevelly district contains a squatting Jaina figure usually found on rocks and caverns in the Madura and Tinnevelly districts and has below it the inscription (No. 603 of appendix Cavern at Envadi; mention of Ajjanandi.

B) "Work of Ajjanandi" engraved in the Vatteluttu characters of about the Vatteluttu characters of about the Sth century A.D. References to Ajjanandi and Jaina figures are found in the earlier

A .- Myakadoni Inscription of Satavahana Pulunavi II.

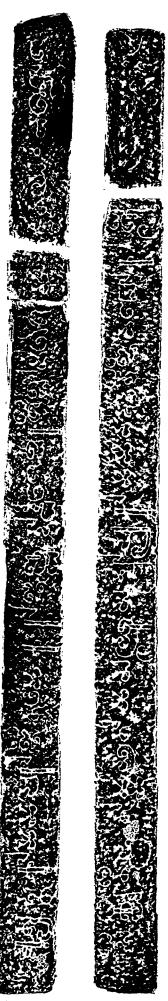
राजीसहो रणजयः



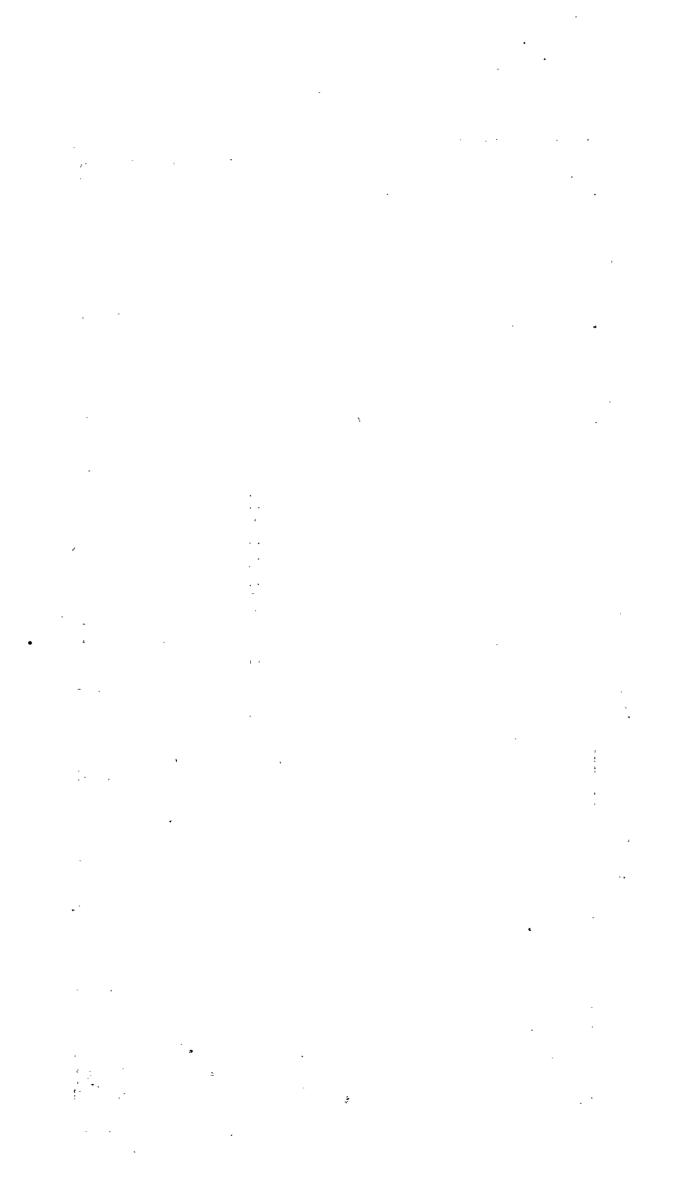
S.I.I.Vol. I, page 24. Scale one-fifteenth.

Scale one-twelfth.

C .- Mamallapuram Inscription of Rajasimha II.



Scale one-tenth,



Mamallapuram Inscription of Rajasimha II-cont.

Scale one-tenth.

| • |  |  | • |
|---|--|--|---|
|   |  |  |   |
|   |  |  |   |
|   |  |  |   |
|   |  |  |   |
|   |  |  |   |
|   |  |  |   |

reports for 1909, page 70 and 1910, page 78. This Jaina teacher is also referred to in the Tamil work Jīvakachintāmani. Two other inscriptions on Irattaipottai are also in Vatteluttu characters of about the same period, one of them mentioning a grant of land to a Jaina temple. Similar Jaina figures on boulders looked upon as the images of a shrine are found at Tirakkōl. In my Annual Report for 1908-09 page 71, paragraph 8, I made reference to a Jaina hermitage at Vedāl headed by a lady teacher. Tirakkol is not far from Vedal and consequently the grants registered in the four inscriptions Nos. 276 to 279 of appendix C must have been for the benefit of the temple (palli) attached to the hermitage at Vedāl.

#### THE PALLAVAS.

Örngödu grant of the Mahārāja Vijayaskanda-

3. Some valuable records which add to our knowledge of the Pallava history both in its earlier period and the later, are included in the report under review. Of these the most interesting are two sets of copper-plates discovered by the Telugu Assistant Mr. C. R. Krishnamachari, and noted above as Nos. 3 and 4 of appendix Like other Sanskrit Pallava charters of the 5th—6th centuries of the Christian era, the former which is palæographically the earlier of the two, is dated from the victorious camp Tāmbrāpa and registers the following genealogy:

Mahārāja Kumaravishņu, a Pallava of the Bharadhvaja-götra, who performed the Asvamedha sacrifice.

| | Mahdrdja Skandavarman Viravarman

Mahdrdja Vijayaskandavarman (the donor).

At this king's command (the residents) of Omgodu-grāma and the officers of the Karmmā-rāshtra were required to exempt with the eighteen kinds of exemptions the village Ömgödu which excepting the lands enjoyed by the gods, was given as a brahmadēya and a sāttvika-gift to Gōlaśarman of the Kāśyapa-gōtra.

Unlike the other Sanskrit charters, the date of the record under reference is given as the 33rd year (both in words and in numerals), the third (fortnight) of the

Hēmanta (winter) and the 13th day, as in the earlier Prākrit grants from Hīrahada-Identical with Skandavarman II.

galli and Mayidavōlu. The characters, too, which are archaic, belong to about the beginning of the 5th century A.D. These facts make it appear that the Omgodu grant is to be considered the earliest of the Sanskrit Pallava records examined so far. If this be so, the genealogy supplied by our grant takes us one generation further back than the Uruvupalli grant and would be the only record discovered hitherto, of Skandavarman II (here called Mahārāja Vijayaskandavarman), the father of the donor, Yuvamahārāja Vishnu-Gopavarman, of the Uruvupalli grant. Kumāravishņu, the first king mentioned in the Omgodu grant must then correspond to Kalabhartri, the grand-father of Vīrakūrcha (Vīravarman) of the Vēlūrpālaiyam plates (Annual Report for 1911, Part II, paragraph 7). Karmmā-rāshtra mentioned in the Ömgōdu record is undoubtedly the district Kammāka-rāshtra of the Chendalūr plates, the Karmma-rāshtra, Kamma-rāshtra or Kamma-nāndu of the Eastern Chalukya grants and includes roughly the Ongole and Bapatla taluks of the present Guntur district. The village Ömgödu must be looked for somewhere near Santarāvūr where the plates are reported to have been dug up. The victorious camp Tambrapa like Palakkada, Daśanapura and Mēnmātura mentioned in the Sanskrit Pallava grants, could not be identified.

4. The other set of copper-plates referred to, belong to the 4th year of the victorious reign of the Pallava Dharmamahārāja Simhavarman (II) to whose time also belong the Mangadur plates (Ind. Ömgödu grant of *Dharmamahārāja* Simhavarman II. Ant., Volume V, pages 155 ff). characters are, however, slightly different from those of Mangadur though they may probably be of the same age. The -eulogistic account also differs much from what we find in the Mangadur plates, 99, Home (Mis.)-29

excepting a few phrases here and there. The donor Simhavarman (II) is stated to have been the son of the Yuvamahārāja Vishnugōpa, grandson of the Mahārāja Skandavarman and great-grandson of the Mahārāja Vīravarman. Here, again, the village granted to Dēvaśarman of Kuṇḍūr who belonged to the Kāśyapa-gōtra, was the village Ōgōmḍu (Omgōḍu) in the Karmmā-rāshtra already mentioned. It was bounded on the east by the village Koḍikim, on the south by Narāchēḍu, on the west by Kadākuduru and on the north by Peṇukaparru.

The grant which was made on the occasion of an eclipse (1.22) appears to have been engraved on the copper-plates by the order of the king only on the 5th tithi of the bright half of Vaisākha of perhaps the same year. As the same village had been conferred on Gōlaśarman of the Kāśyapawas actually given.

Conferred on Gōlaśarman of the king's grandfather gōtra in the reign of the king's grandfather

Skandavarman II, it is not likely that its ownership would have passed on to another family within a single generation. We may accordingly presume that the donee Dēvaśarman of the second grant was a member of the same family as Gōlaśarman. Kundūr and Penukaparru which occur among the boundaries of Ōgōmdu, appear as the family names of some of the donees recorded in the Tandantōttam plates of Vijaya-Nandivikramavarman (Annual Report for 1912, page 58).

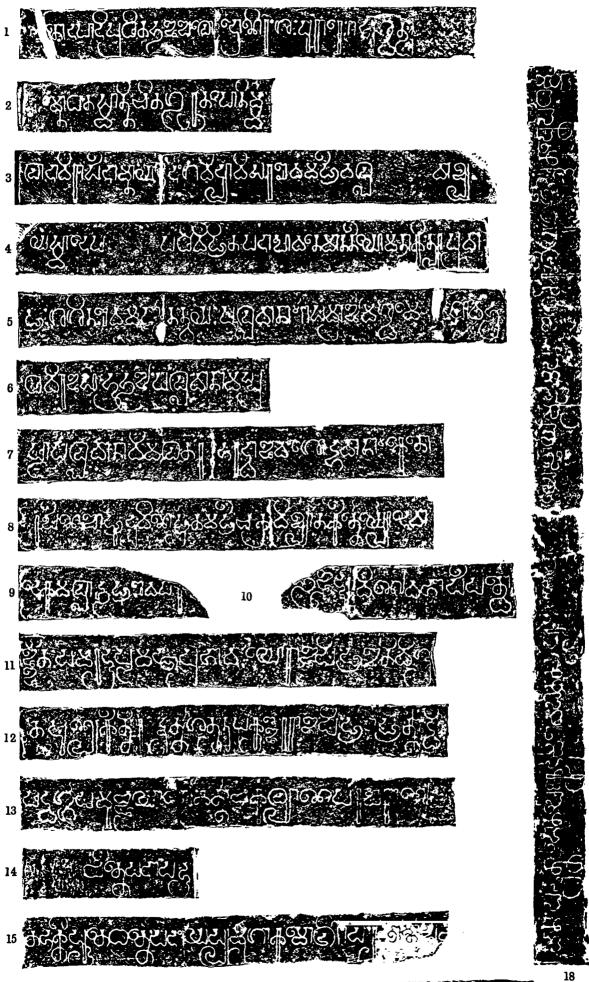
5. Coming to the period of stone inscriptions, we may notice at once the important discovery of a Pallava temple and inscription on the hill at Panamalai in the South Arcot district, by Professor J. Dubreuil of Pondicherry. He having kindly brought it to my notice I had the inscription copied and the temple photographed (Nos. 381, and 382, appendix E). The beginning and the end of this inscription (No. 616 of appendix B) are covered by the paved floor of a mandapa in front of the Talapuriśvara temple. The record consists of a single line in florid Pallava-Grantha characters (vide Plate 111) written over a belt of granite running right round the temple as in the case of the Kailasanatha inscription of Rajasimha II (South-Indian Inscriptions, Vol. I, No. 24) at Conjeeveram. The existing portion of the Panamalai record mentions the sage Aśvatthāman (Drōni), Paṇamalai stone inscription of Rājasimha II. a part-incarnation of Siva. His son was Vallava (Pallava) from whom came into existence the great Pallava family whose members, it is stated, "washed away their sins by performing the Asvamedhasacrifices", and belonged to the Bharadvaja-vamsa. A famous king among them was Rājasimha, "born from Paramēśvara (I) as Guha from Siva". He was a great devotee of Siva "and under his care the tree of Dharma thrived even though it was oppressed by the hot sun, viz., the Kali age." The record is thus only a prasasti of Rajasimha II and not a document intended to register the building of the temple. No further evidence is, nevertheless, needed to presume that the temple of Talapuriśvara at Paṇamalai was actually constructed by Rajasimha II. Another inscription in Pallava-Grantha characters from Panamalai, has been already published by Professor Hultzsch in South-Indian Inscriptions, Vol. I, page 24, and consists of a benedictory verse that Rajasimha II "whose crest jewel is Siva" might rule the

6. From Mēlaichchēri in the South Arcot district comes still another Pallava record (No. 284 of appendix C) also brought to my notice by Professor Dubreuil. It informs us that the rock-cut cave on the hill, on one of whose pillars this epigraph is engraved, was caused to be made at Pallavēśvara. Thus it brings to light Chandrāditya, a Pallava king whose name has been hitherto unknown. Simhapura is evidently identical with Singavaram which according to Mr. Sewell is close to Mēlaichchēri. It may have been the chief village of which Mēlaichchēri was only a hamlet.

earth long. This record which was not photo-lithographed at the time of its publication, is now included in Plate I-B. Facsimile of another Pallava-Grantha inscription of Rājasimha II which was discovered in 1913 engraved on the two platforms (balipītha) behind the Shore Temple at Mahābalipuram, unearthed by the Archæological Department is also appended (Plates I-C and II). The contents of this last record have been noticed in detail in my Report for 1913, page 88,

# PLATE III

Panamalai Inscription of Rajasimha II.





7. Some names of later Pallava kings who came into power immediately after the usurper Nandivarman Pallavamalla may now be noticed. Vayiramēgan as a probable surname of the Pallava king Dantippottaraśar was suggested by Mr. Venkayya in his

Vayiramēgavarman.

paper on the Triplicane inscription of Dantivarman (Epigraphia Indica, Volume VIII, pages 290 ff.). From two records copied at Poyyanūr and Kūlpulam in the North Arcot district which belong to the 2nd year of a king named Vayiramēgha (Nos. 150 and 152 of appendix C), it appears as if there was a king of that name also among the Pallavas. The characters of the two inscriptions under reference belong, however, to a somewhat later period than that of the Triplicane inscription. It now becomes therefore difficult to decide whether the Tondaiyar (Pallava) king Vayiramēgan mentioned by Tirumangai-Ālvār, who appears to have lived not long after the incidents connected with the reign of Nandivarman Pallavamalla, is a surname of Dantivarman of the Triplicane inscription or of king Vayiramēgavarman mentioned in Nos. 150 and 152 of appendix C. The latter of these records throws some light on the interpretation of the phrase of the series of the series in the minatory portion at the end of inscriptions and has been translated as "700 mūrders" (Epigraphia Indica, Volume III, page 284). As clearly indicated by the phrase of the series which occurs in this record, of the series as a suggested by Mr. Venkaya (ibid. foot-note 5) must denote the whole space between Gangā and Kanyā (i.e., cape Comorin) which was evidently supposed to be 700 to some or 7,000 English miles. It might be worth noting that the name Vayiramēgan was adopted by a son or a subordinate of Aparājita, the last of the Ganga-Pallava king known so far (Annual Report for 1913, p. 90). No. 283 of appendix C which is dated in the 6th year of Vijaya-Dantivikramavarman has

Vijaya-Dantivikramavarman, Vijaya-Nripatungavikramavarman and Vijaya-Kampavarman. perhaps to be assigned to Dantivarman, father of Nandivarman of the Vēlūr-pāļaiyam plates. Nos. 179 and 227 of appendix B, belong to the reign of kings i invasticam programs.

Vijaya-Nripatunga-Vikramavarman and Vijaya-Kampavarman who are generally classed under Ganga-Pallavas.

### THE CHOLAS.

8. By far a large number of the Chōla epigraphs in the collection under review, comes from Brahmadēśam, a village in the Cheyyār taluk of the North Arcot district. It contains many temples of which Rudrakōṭīśvara and Chandramaulīśvara deserve special mention. The latter is a fine specimen of ancient architecture, probably Pallava, and is entirely built of stone. Some of the sculptures placed in the niches of the walls of the central shrine are richly ornamented and the whole temple is covered with early records of great value.

The village is surnamed Rājamalla-chaturvēdimangalam of Tiruvēgambapuram, in its earliest records. The first part of this name, viz., Rājamalla frequently occurs among the Western Ganga kings of Tala-

kād and consequently, it is not impossible that the village owed its origin to one of those kings named Rājamalla. Inscriptions of the time of Rājarāja I and his successors sometimes mention the place under the name Parākramaśōla-chaturvēdimangalam and sometimes also as Keraļāntaka-chatur-

The village assembly.

Vēdimangalam where Parākramaśōla and Kēralāntaka are to be understood as surnames of Rājarāja I. In still later inscriptions we find the surnames Dina(or Śina) chintāmaṇi-chaturvēdimangalam and Karaikkōttu-Brahmadēyam (sometimes Brahmadēśam). The modern name Brahmadēśam must therefore, be presumed to be a contraction of the full form Karaikkōttu-Brahmadēśam. It was an ayrahāra with an organised village assembly called Ganapperumakkal Ganavāriyapperumakkal or Añjashtaśattu-sabhai, the sense of the latter being obscure. The records invariably mention the assembly and its activities. Many committees must have worked under its control as set down in the Uttaramallūr inscriptions (Annual Report for 1899, pp. 23 ff.). One of these was a committee to manage the affairs of the village (grāmakārya or ālum gana-vāriyam) and another to manage those of the temple (śrīkārya or kōyil-vāriyam). The accountant of the latter committee was named or

entitled Trairājya-ghatikā-madhyasta, "the arbitrator of the college (ghatikā) (named) Trairājya" (e.g. No. 204 of appendix B). The same title is given to Chaturan Mūvāyiravan (No. 194 of appendix B) who made a grant of 30 kalanju of gold "weighed by (the standard weight) some and accepted by law." Kalanju which often occurs in Tamil inscriptions has to be interpreted sometimes as coin and

Kalanju, coin or weight. sometimes as gold weight, of the proper standard and fineness (Annual Report for

1912, page 65, paragraph 21). In an early Pāndya inscription (No. 90 of 1908) it occurs as the equivalent of the Sanskrit krishnakācha and Mr. H. W. Codrington of Ceylon Civil Service informs me that in that island a coin of the kaļanju weight was called kahāpana. No. 197 of appendix B gives kaļanju as the equivalent of nishka. The grant recorded in No. 194 is stated to have been entrusted by the Mahāsabhā to the great people of the Gana-vāriyam doing duty in that year and if they failed, it was stipulated that the śraddhāmantas (i.e., those who interested themselves in the charity?) would collect a fine from each member of that committee on behalf of the king. The assembly also had evidently, under its control, a body of madhyastas (arbitrators) (No. 226 of appendix B), who wrote the tank accounts and received for maintenance (\$\Omega \pi \omega \ome

Punishment by ordeal of defaulting accountants.

pure, he would be presented with a bonus of one quarter of the surplus (pādaśēsha?). If, on the other hand, he burnt his hand

and hence in default, he would be fined 10 kalanju without of course further bodily punishment inflicted upon him. The Ganapperumakkal who formed the general body of the assembly appear also sometimes as the managers of the temple. In that capacity they once seem to have wrongly given an agreement that if they destroyed the gold that was assigned to the temple for a front-plate ornament of the god, they would each pay to the Mūhēśvaras of the temple a fine of 24 kānam (No. 202 of appendix B).

9. Of the early Chōla kings mentioned in the inscriptions of Brahmadēśam, Rājakēsarivarman of No. 230 of appendix B may be noted. He is evidently identical with Āditya I, the predecessor of Madiraikonda Parakēsarivarman (Parāntaka I), in-

Rājakēsarivarman Āditya I. asmuch as in this and in No 224 of appendix B of the 17th year of Parāntaka, mention is made of one and the same donor. Besides, the high regnal year 27 which is given to Rājakēsarivarman cannot apply to any of the kings with that title who succeeded Parāntaka prior to Rājarāja I. No. 211 of appendix B and three others from Brahmadēśam (Nos. 203, 212 and 228 of appendix B) are dated in Saka 830 and fall into the reign of Parāntaka I. It cannot definitely be stated why they do not mention Madiraikoṇḍa Parakēsarivarman who succeeded to the throne in A.D. 907 and was ruling the whole of the Chōla dominions together with Toṇḍai-maṇḍalam. No. 211 of appendix B mentions the fact that a donation of land was made by a certain Ilāḍādittaṇ to the local temple after purchasing it from the artisans (Kammāla) of that village. Evidently a corporate life also existed among the professional classes apart from that of the general village assembly. No. 134 of 1916 from Mīñjūr is in Tamil poetry and refers to the construction of the Vishnu temple at that place and to the

Madhurāntaka (Uttama-Chōla).

third year of Madhurāntaka by which
Madhurāntaka Uttama-Chōla, the uncle
and immediate predecessor of Rājarāja I, is evidently meant.

10. Gifts of land to a temple were generally made tax-free by the payment of an extra amount. It is stated in No. 171 of appendix B that the taxes on land were counted under two heads and and and a passon. These two terms occur also in

Two kinds of taxes collected during the time as of Rājarāja I

No. 178 of appendix B where the village assembly received a specified amount of money the interest on which fully covered

the taxes payable on the lands which were granted to the temple. The assembly in this case is stated to have consisted of the young and old of the village and to have met in the hall called Sembiyanmahādēvi-pperumandapam built by Rājarāja I evidently for the purpose of the meetings of the assembly.

11. Another place which has supplied a large number of Chōla inscriptions is Tirumukkūdal. It is a village in the Madhurāntakam taluk of the Chingleput district and is picturesquely situated at the confluence of the three rivers Pālāru, Veḥkā or Vēgavatī and the Cheyyār. The very name of the place which means the sacred meeting (point) of three rivers is derived from its position. The temple of Veṅkatēśa-Peru-

Tirum ukkūdal.

māl is the oldest in the village and must be traced to the time of the Ganga-Pallava

king Nripatunga whose record is found in that temple. The assembly of Tirumuk-kūdal also figures largely in its inscriptions. A record of the time of Rājēndra-Chōla I (No. 172 of appendix B) states that this assembly received seven pādagams of garden-land on behalf of the temple of Mahā-Vishņu at the place and arranged for its cultivation. The Vaikhānasas of the temple received the paddy from the wet lands accruing to the temple and arranged for the cultivation of the garden themselves.

Rājēndra-Chōla J. Vaikhānasas and temple lands. In order to do this they employed persons to lift water with buckets, dig the earth, fence the field and do all other connected

duties. They also agreed to have 7,000 baskets of manure spread on the field. Two conditions connected with this lease of the garden to the Vaikhānasas were (1) that the dēvakanmis, i.e., the priests of the temple were always to have the kīlbōgam right and the Vaikhānasas the lease (and of paddy each, were to be collected from every tenant of the village by the Vaikhānasas and used for the benefit of the garden only, not being sent out to Kachchippēdu nor sold for private purposes, and that the irrigation of wet lands from the channel was to be in the usual order, permitting the temple garden the first claim. No. 183 of appendix B is an agreement between the Vaikhānasas of the temple and the officers of puravuvari-tinaikkalam and varippottagam in the matter of the distribution of some income in paddy for temple service, under orders of the chief (adhikāri) Uvarkkudi-kilār.

12. Another record of Rājēndra-Chōla I (No. 176 of appendix B) supplies us with the information that the gold coin kāśu received as gift was weighed by the stone (\$\pi \omega \o

Rates of exchange and interest.

and 2 manjādi fetched an interest of 3 kalanju and 8 manjādi. The rate of exchange in paddy was  $13\frac{1}{3}$  kalans per kalanju.

13. Queen Indaļadēviyār, the wife of Udaiyār Vallavaraśar Vandyadēvar, is mentioned in inscriptions of Rājēndra-Chōļa I from Brahmadēśam. In No. 243 of appendix B, she is, however, called Mandara-gaura-

Vallavaraiyar Vandyadēvar.

vanār Kuntādēviyār (wife of) Udaiyār Vallavaraiyar Vandyadēvar, the chief of the Sāmantas (i.e., subordinate chiefs). The Tanjore records of the time of Rājēndra-Chōla I also mention Vallavaraiyar Vandyadēvar as the husband of Kundavaiyār, the elder sister of Rājarāja I. But here the queen is always called Parāntakan Kundavaiyār. It is doubtful if Indaladēvi or Kuntādēvi of the Brahmadēśam inscriptions has to be identified with Parāntakan Kundavaiyār. It may be noted that the title Mandaragaurava occurs in the Sinnamanūr grant as the attribute of the Pāndya king Rājasimha (III) Abhimānamēru. Nothing is known of Vallavaraiyar Vandyadēvar the brother-in-law of Rājarāja I and the maternal uncle of Rājēndra-Chōla. Perhaps the mention of Vallavaraiyar-nāḍu in No 157 of appendix B from the Kongu country suggests that he may have been a native of Kongu. Some of the nobles of Rājēndra-Chōla were Araiyan Rājarājan alias Vānavan Brahmādhirājar of the king's Perundanam, Rājarāja Vādya-mahārājar (evidently the master-musician), Sembangudaiyār, Vaippūr-kilavar and Madisūdan (evidently the master-musician), Sembangudaiyār, Vaippūr-kilavar and Madisūdan

(evidently the master-musician), Sembangudaiyār, Vaippūr-kilavar and Madisūdan Officers of Rājēndra-Chōla I. Adittan of Siruvayalūr "who settled (வகைசெய்த) the district Dāmar-kōṭṭam of Jayaṅgondaśōla-maṇḍalam."

14. The belief that the spirit of a dead man is consumed by extraordinary thirst and that it has to be appeared by charities of a water-shed, well or tank appears to have 99 Mis.—30

An instance of this was referred to in a record of the time of Rājarāja I been common. (Annual Report for 1913-14, page 90). A record of Rājakēsarivarman Rājadhirāja I. Another such instance is supplied by No. 260 of appendix B which is dated in the 26th year of Rājādhirāja I. It records a gift of land by the general (sēnāpati) Madurāntakan Parakēsarivēlar, for maintaining a water-shed in order that the thirsty spirit of his sister the deceased queen Vira-Mahadēvī (evidently the wife of king Rājēndra Chola I) might be appeased. It is stated that she entered the supreme feet of Brahmā i.e. died, in the very same tomb in which the body of king Rajendra-Choladeva was interred. This tomb in which the bodies of the two royal personages were buried might possibly have been at the village Brahmadēśam itself. The record is dated in the 26th year of king kājādhirajadeva which corresponds to A.D.1044. Rājēndra-Chōla's latest date being A.D. 1042 it is not unlikely that he died in A.D. Death of Rājēndra-Chōļa I and his queen

Death of Rājēndra-Chōla I and his queen referred to; charities of water-sheds and wells for the merit of the dead

Rajendra-Chōla's latest date being A.D. 1042 it is not unlikely that he died in A.D. 1044 and that his queen Vīra-Mahādēvī committed suttee and was buried with him. While Rājādhirāja I is generally known by

his title Rājukēsarivarman, No. 251 of appendix B adds the prefix Parakēsarivarman. Similarly No. 256 of appendix B makes the next king Rājēndradēva a Rājakēsarivarman while he is actually a Parakēsarivarman. This confusion in the titles may have been due to the usual overlapping periods of reign and the exercise of independent powers Confusion in application of titles Rājakēsariby by the crown princes during the last days varman and Parakēsarivarman.

15. In No. 257 of appendix B which belongs to the third year of Parakesarivarman Rājendradeva also appears the date 8th year 6[1]st day, dvādasi, Pushya and Thursday. Professor Kielhorn has fixed the initial date of the king to be 28th May 1052. With the help of Mr. Swamikannu Pillai's Ephemeris I find that the only date which

Rājēndradēva—his initial date. suits these details is 27th July, Thursday A D. 1060 on which day, however, dvā-after 83 of mean sunrise. The coincidence of the two elements on the same day is rather peculiar.

The ritual of śrībali in temples was a very important one. In this an image, a particular form of the god Siva or Vishnu was taken out in procession within the temple premises or right round the village. The ceremony was announced by beat of

Śrībali ceremony in temples. drums, the sounding of trumpets and other such musical instruments. In the Kumbhēśvara temple at Kaļattūr (North Arcot district), the figure of Pāśupatamūrti was taken round the village on Sundays in the performance of the śrībali ceremony and a special grant of 37 kāśu was made for that purpose (No. 157 of appendix C). It is stated that this amount was the equivalent of 10 kaļanju and 9 manjādi of gold whose fineness was equal to that of Madurāntakadēvan-mādai. This coin Madurāntakan-mādai is again mentioned in No. 252 of appendix B as the standard of fineness and purity in gold. Īļam, i.e., Īļakkāśu (?) is stated in this record to have been of the same fineness.

16. The most interesting and perhaps the biggest of the Chola records examined during the year is one of Vīrarājēndradēva (A.D. 1062 to at least 1067) from Tiru-

Wirarājēndradēva.

mukkūdal (No. 182 of appendix B). It begins with the usual historical introduction of the king American, etc., which has been published with translation on pages for south-Indian Inscriptions, Volume III, Part I. In the 5th year of his reign, the king being seated on his throne called Rājēndrasōla-Māvali-Vānarājan in the palace Śōlakēralan at Gangaikondaśōlapuram, it was declared by his eight executive officers thus: Whereas the 70 kālaāju of gold which the residents of Vayalaikkāvūr a dēvadāna village of the temple of Mahā-Vishņu at Tirumukkūdal used to pay for the śālā of that temple, had been stopped since the 2nd year of "the king who conquered Iraṭṭapādi seven and a half lakhs, saw the back of Āhavamalla twice (on the battle-field) and brought peace and prosperity to the world (i.e., Rājēndradēva)," the king had been pleased to grant as a rent-free temple-gift the 75 kalaāju (mentioned above) together with the taxes of that village (viz.), ūrkkalaāju,

kumarakkachchānam, vannārappārai, taṭṭārpāṭṭam and other fees classed under kāliraippāṭṭam; vēlikkāśu, tingalmērāmu, muttāvanam, tarippudavai, Valangai-Idangai-maganmai, daśavandam, mādaikkūli, vīraśēlai, etc., for meeting the expenses of the temple of Mahā-Vishnu at Tirumukkūdal. On this the six officers of the udankūṭṭam and the thirty-three officers of the vidaiyil communicated the order, there being present on the occasion ten officers of the puravuvari-tinnikkalam, the officer in charge of varippottagam, the mugaveṭṭi, terippu, taranuśāttu, palaniyāyam, variyilīdu and

Revenue officers and their offices.

others. The amount 75 kulanju of the vari-account, 72 kalanju and 9 manjadi of adangal including all pātṭams, total 147 kalanju and 9 manjādi converted into paddy at 16 kalam by the Rājakēsari-measure for each kalanju, and other income in gold under certain miscellaneous heads amounting to  $216\frac{1}{2}$  kōśu and 2 mā, were assigned for the several services in the temple some of these being, the festival once a year in the month Śrāvana on the asterism Āślēsha under which king Vīrarājēndradēva was surrounding halls and a mandapa of the Tirumukkūdal temple constructed by a Vaišya.

others. The amount 75 kulanju of the vari-account, 72 kalanju and 9 manjādi of vari-account, 74 kalanju and 9 manjādi of vari-account, 75 kalanju and 9 manjādi of

asterism Pūrvāshādhā under which was born the Vaisya Mādhava who revived the charities in the temple and constructed the surrounding halls and the Jananāthamandapa.

In announcing the sanction of the king in the matter of grants made to temples as done above, we often meet with the statement that the king was, at the time of making the grant seated on a throne named after some feudatory chief of his, in a hall of a temple or of a palace. This specification perhaps was meant to render the document more valid (Nos. 231 and 233 of appendix C and No. 271 of appendix B). This is quite common with Pāṇḍya inscriptions of the mediæval period.

17. In a record of Vikrama-Chōla, dated in his fifth year (No. 164 of appendix Vijayālaya referred to in a record of Vikrama-Chōla.

B), reference is made to an old inscription (கல் இவட்டு) of the fourth year of Vijayālayadēva which was recopied on the renovated stone temple of Kīlputtūr. Vijayālayadēva herein mentioned might possibly be the founder of the new line of Chōla kings referred to in copper-plate

records. It may be noted that a few inscriptions of a certain Parakesarivarman from Conjeeveram and Ukkal in Tondai-mandalam have been identified with this Vijayalaya.

18. From an incomplete inscription at Brahmadēśam (No. 271 of appendix B) we learn that the temple of Rudraśōlai-Mahādēva at Dinachintāmaṇi-chaturvēdimaṅgalam Kulōttuṅgaśōla-Savarṇādhirājaṇ, a subordinate of Kulōttuṅga II.

was without a dēvadāna land till the third year of Kulōttuṅga-Chōla II, and that land yielding 500 kalam of paddy was granted as a dēvadāna under the name Anapāyanallūr of which the first part, we know, was a well known surname of Kulōttuṅga himself. The chief Kulōttuṅgaśōla-Savarṇādhirājaṇ at whose request this grant was made also occurs as a subordinate of Kulōttuṅga I in No. 233 of appendix C where he likewise made the request that lands of two villages adjoining each other and enjoyed by two different temples at Śrīmushṇam (South Arcot district) might be demarcated in order to avoid confusion 'in accounts).

#### KONGU-CHOLAS.

19. Of the 30 inscriptions of these kings (tentatively so called) secured from Tirumurugaṇpūṇḍi in the Coimbatore district and Paruttipalli in the Salem district, nine belong to Vikrama-Chōla or Parakēsarivarman Vikrama-Chōla, one to Rājakēsarivarman Vīra-Chōla who in other inscriptions from the same part of the country receives the title Parakēsarivarman (Annual Report for 1910, page 102, paragraph 39), three to Kulōttuṅga-Chōla, 14 to Vīrarājēndra-Chōla, one to Rājēndra-Chōla, two to Rājādhirāja Uttama-Chōla and one to Parakēsari Abhimāna-Chōla. Accounts of these Koṅgu kings who were apparently wielding an autonomous power under the suzerainty of the imperial Chōlas, have been given in the Annual Reports for 1906 (pages 74 ff.), 1910 (pages 102 ff.) and 1911 (pages 76 ff.).

No. 96-A of 1915, which belongs to the twelfth year of Parakēsari Abhimāna
Abhimāna-Chōļa.

Chōļa, registers the special privileges (varišaigal) granted by the king, whose name is new, to a certain Abhimānaśōļa-Bhattan and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same as of the temple. It is stated that they were allowed to hoist (the flag?) rājādhirājan, to ride on(?) a horse and to sound drums (bhēri) and gongs (sēgandigai) evidently when going out in procession. In addition to the above, they were allowed for anting of privileges to temple servants.

Granting of privileges to temple servants.

The definition of Parakēsari Abhimāna
Chōla, registers the special privileges (varišaigal) granted by the king, whose name is new, to a certain Abhimāna
(varišaigal) granted by the king, whose name is new, to a certain Abhimāna
(varišaigal) granted by the king, whose name is new, to a certain Abhimāna
(varišaigal) granted by the king, whose name is new, to a certain Abhimāna
(varišaigal) granted by the king, whose name is new, to a certain Abhimānasōļa
Bhattan and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the temple servants including the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within the same and the tapusyas, dēvaradiyār (temple women) and drummers living within th

20. From the large number of inscriptions of Vīrarājēndradēva, the following few facts are noted. In his twenty-third year Vīrarājēndradēva. the chief of Paruttippalli named Adiyamān Naduvil-Nangan a member of the vēttuvar of Pāndi, rebuilt the stone temple of Śiva at that village (No. 148 of appendix B). Nos. 96 and 127 mention one of the king's revenue officers (puravariyar) and No. 118 of the same appendix, a samanta named Āndān Vānarāyadēvan. The coin Anai-achchu is mentioned often in inscriptions from the Kongu country. Anai-achchu and Undi-achchu as names of coins current in Malabar about the 13th century A.D. have been already noted on page 8, paragraph 13 of the Annual Report for 1912. Nos. 117 and 123 of appendix B seem to give Anai-achchu the alternative name Siriyakki palanjalagai-achchu where the first word Siriyakkı suggests the figure of a srī-yakshī on a face of these coins. Each of these achehu, it is stated, yielded an interest of The coin Āṇai-achchu or Śiriyakki-palañ-1 kunri per month (according to No. 117 jalāgai-achchu. of appendix B) or two tuni and 1 padakku of kambu grain (as stated in No. 94). It might be noted also that Akkittalam or

of kambu grain (as stated in No. 94). It might be noted also that Akkittalam or Karaiyān-Akkittalam, occurs as an ancient name of the village of which the modern Tirumuruganpūndi was a part. From No. 98, we learn that Adikkittalam (Akkittalam) was itself a suburb of Manniyūr which was surnamed Mēttalai Tanjāvūr.

21. From the way in which Ayyapolil is introduced in No. 97 which belongs to the reign of Vikrama-Chōla it is to be inferred that the name did not apply to any particular village but to a guild of merchants. The organisation extended almost

Vikrama-Chōla; throughout southern India and consisted of 500 members. One of the relations (urimaiyār) of Vikrama-Chōla was a certain Alagiya-Pāndiyadēvan who was a resident of Rājarājapuram. Alagiyanāchchi-Ālvi was one of the vēlappendugal mentioned in No. 126 of appendix B. Vēlam is translated in the Tanjore inscriptions as a particular street or quarter of a town. The reference here suggests, however, that it might mean a quarter within the king's palace.

22. Eleven inscriptions of Kōṇēriṇmaikoṇḍāṇ have been copied at Tirumurugaṇ-pūṇḍi and Guḍimangalam. These must refer to one or the other of the Kongu kings described above, inasmuch as the title Kōṇēriṇmaikoṇḍāṇ was held invariably by one and all of them. No. 99 of appendix B records the consecration of the

Kōṇērinmaikoṇḍāṇ; godde pūṇḍi identified with Vīra-Chōļa.

goddess in the temple of Tirumuruganpundi for the ment of Andakkan and the grant of a village for the maintenance of

oblations, worship and the thirty-two acts of charity (see Dr. Winslow's Tamil Dictionary sv. aram). The trustees of the temple (Pania ara) were required to take up the management of this village. All the taxes (irai puravu) such as, sirrāyam, elavai, ukavai, manrupādu, tendakurram, vēndukēl, eruttirai, sumai-sunkam, sārikai and others being thus granted to the temple the king declared: "None of our noblemen (sāmantas) must enquire into (the working of) the trustees (but) leave them to audit (the accounts) themselves." Again a reference is made to the same consecration of the goddess in No. 113 of appendix B which is not dated, and to a further grant for her worship. Still another incomplete record (No. 124 of appendix B) seems to register the order actually issued to the trustees of the Tirumurugaṇpūndi temple, to consecrate a shrine for the goddess for the prosperity of Āṇḍakkaṇ Jayangoṇḍaśōli-Ālviyār. These three records must consequently refer to the reign of Kōṇēriṇmaikoṇḍāṇ Vīra-Chōla whose daughter, as stated in the Annual Report for 1910, page 105, was Jayangoṇḍaśōli alias Ulaguḍaiya-Mukkōkkilānaḍi. The Tirumurugaṇpūṇḍi inscrip-

tions reveal to us her proper name which His daughter Andakkan Jayangondasoli. was evidently Andakkan. No. 114 of appendix B which is dated in the 20th year of Konērinmaikondan, may also be attributed to Vīra-Chōla since his signature at the end of the document supplies It records the remission of portion of taxes payable by the name Vīra-Chōla. the members of the assembly and by the cultivators (Quantum maran) of Nallūr alius Amarabuyanga-chaturvēdimangalam, in favour of the temple of Tirumuruganpūndi. It has to be noted that whereas Vīra-Chōla was a Parakēsari as stated in the report quoted above, we find the record under reference begin with the title Rājakēsari. One other record (No. 122 of appendix B) dated in the 3rd year of Könērinmaikondān may be noted. It is an order (olai) to two temple priests confirming on them the right of Sivabrāhmanakkāni which had evidently got out of their hands by the interference of a third person. One point of interest is that out of the tax of 15 achchu payable for securing the right in question, 5 were set apart for meeting the customary Tondainan-peruvari. This unexplained item of taxation has been noted under the contents of an inscription from Pariyur (Annual Report tor 1911, page 77, paragraph 37).

#### PANDYAS.

23. The year's collection includes a single inscription (No. 605 of 1915), dated in the 43rd year of the early Pāṇḍya king Mārañjaḍaiyaṇ. It comes from Eruvāḍi and is engraved in the Vatteluttu characters (see above paragraph 2).

24. Śrīvallabha of No. 592 of appendix B may have to be identified with JaṭāVarman Śrīvallabha noticed in my Annual
Report for 1909, page 79, paragraph 23.

He is here called a chakravartin and is stated to have been seated at the time of the

He is here called a chakravartin and is stated to have been seated at the time of the grant on his throne called  $P\bar{a}ndiyar\bar{a}jan$  in the  $A\underline{l}agiya$ - $P\bar{a}ndiyan$  hall at  $S\bar{o}\underline{l}antaka$ -chaturv $\bar{e}$ dimangalam which was a surname of Kuruvitturai (ibid). It may be noticed

that these names of the throne and the hall were the same as those in the king's palace No. 607 of 1915 begins with the historical introduction பூமகள் ஐயமகள்,

Māravarman Srīvallabha; a probable predecessor of Jatāvarman Kulaśēkhara I.

etc. (also found in No. 50 of 1896), and belongs to the 3rd year of Maravarman Tribhuvanachakravartin Śrīvallabha. this record the king is said to have been

ruling from his throne Munaiyadaraiyan in his palace at Tirunelvēli. In the Annual Report for 1908-09, paragraph 29, I have suggested that Maravarman Śrīvallabha may have been a predecessor of Jatāvarman Kulaśēkhara I. In a record of the 2nd year of the latter (No. 110 of 1907) Śrīvallabha is referred to as Periya-Nāyanār while another of Maravarman Srīvallabha himself (No. 49 of 1896) calls his son (pillaiyār) Kulaśēkharadēva.

A later Māravarman Śrīvallabha is introduced by No. 55 of appendix C from Tirukkaļākkudi. The details of date supplied by the record work out correctly for

Magavarman Srivallabha, who according A later, Māravarman Śrīvallabha. to Mr. L. D. Swamikannu Pillai (Ind. Ant. Volume XLII, page 171) began to reign between 4th and 10th September A.D. 1257 or according to Mr. Sewell between 26th June 1257 and 25th June 1258 (ibid. Volume XLIV, page 197). The characters, however, are later in appearance and have to be assigned to about the 14th Century A.D.

25. No. 581 of appendix B with the historical introduction pūvin kilatti, etc., distinctly belongs to the mediæval Pāṇḍya king Jaṭāvarman Kulaśēkhara I (A.D. 1190 to 1217) and records that 4 velis of land were, on receipt of the royal order

(śrīmukha) and tiruvāykēļvi, exempted Jaṭāvarman Kulaśēkhara I. from the payment of certain taxes by the great assembly of the village who in their turn granted the necessary permission to have the order engraved on stone and copper. Seven other inscriptions of Jatavarman Kulaśēkhara from Dārukāpuram in the Tinnevelly district are noted in appendix|B. is not impossible that Nos. 578 and 589 of these, which give details of dates suitable for astronomical calculation, may also belong to the time of Jatāvarman Kulaśēkhara The characters justify their being referred to the 13th Century A.D. remarks by Mr. L. D. Swamikannu Pillai on page 91, above).

26. To Māravarman Sundara-Pāṇḍya I (A.D. 1216 to 1239) must be assigned fourteen inscriptions which are dated between the 4th and the 21st years of his reign. Nine of these (Nos. 582, 591 and 602 of 1915 and Nos. 8,77,78,84,90 and 102 of 1916) give him the characteristic attributes 'who distributed or conquered the Chola

Māgavarman Sundara-Páṇḍya I. ment of victors at Mudigondaśolapuram.

country' and 'who having distributed the Chola country, performed the anoint-No. 77 of appendix C refers to his throne Malavarāyan in his palace at Pon-Amarāvati and speaks of a service called Mudi-

valangum-Perumāl-sandi instituted in the His surname Mudivalangum-Perumāl. temple of Tirukkōlakkudi. This service must have been evidently called after king Māravarman Sundara-Pāndya I himself. A grant of land was also made for maintaining this sandi at the request of the king's brother-in-law (machchunanār) Alagapperumāl. No. 78 of 1916, dated in his 14th year records the grant of land for worship and offerings to the goddess of the temple set up therein by Oruvārunarndān Tamilappallavadaraiyan, in the temple of Sivadharmīśvaram-udaiyār at Tirukkōlakkudi.

We are also told that the king made this grant at the request of his nephew or Two of his relations.

Two of his relations.

son-in-law (marumaganār) Kulaśēkharadēva (again referred to in No. 79 of appendix C dated in the 15th year of Kōnēriņmaikondan who must consequently be the same as Maravarman Sundara-Pandya I), while occupying the royal seat Malavarāyan in the Rājarājan-mandapa in his palace at Mudigondasolapuram. In still another record (No. 84 of appendix C), his throne in the palace east of Mādakkulam (suburb of Madura) in Madurōdaya-valanādu, his brother-in-law (maichchuṇaṇār) Alagapperumāl and the chief Tamilappallavadaraiyan are again referred to. One interesting document of this reign is No. 90 of appendix C which registers a sale of water (nirvilai), stipulating the method by which the water through a breached tank had to be carried to another tank for the purposes of irrigation.

27. No. 587 of 1915, dated in the 5th year of Maravarman Vikrama-Pandya, begins with the introduction தருமமேமாக பெருவரை, etc. Two other inscriptions of the same king copied in 1907 (Nos. 90 and 97A) begin with the introduction Ambasia Building, etc. As the details of the date are not given in No. 587, it is not possible

to say to which period this king has to be Māravarman Vikrama-Pāṇdya. The gift registered in the reassigned. cord was made by the king from his palace at Alliyur at the suggestion of his brother-ir-law (machchāļvi) Vikrama-Chōladēva. Certain lands were given away as tax-free devadana grants to the temple and it was stipulated that in assessing these lands the crops were first to be examined and after exempting waste land and chaff, the others were to be charged at 7 kalam of paddy on each  $m\bar{a}$  of land;  $\frac{3}{4}$  of this, on land on which the kuruvai paddy was grown;  $\frac{1}{2}$  on land grown with paddy sown in Tula; lands growing gingili, raragu and tinai must be charged 1 diramam for 16 mā of land; and dry-crop lands must be charged  $\frac{1}{2}$  diramam for each  $m\bar{a}$ . No. 588 of appendix C repeats the same transaction, but is dated in the 5th year of Tribhuvanachakravartin Konērinmaikondān. Hence it is evident that Maravarman Vikrama-Pandya bore also the surname Könerinmaikondan. It is not unlikely that this Maravarman Vikrama-Pāṇḍya has to be identified with Vikrama-Pāṇḍya who has been suggested in the his a last Annual Report (page 102, paragraph 32) to have been a contemporary of Maravarman Sundara-Pandya I.

No. 100 of appendix C refers to an order of the king and to a service instituted in the temple, called Bhuvanē [ka\*]vīraṇ-śandi after his own name. Evidently this king is identical with Bhuvanēkavīra-Vikrama-Pāndya noted on page 93, para-

graph 20 of my Annual Report for 1914. Bhuvanēkavīra Vikrama-Pāṇḍya. It might be noted that this record refers to the 6th year of the king's elder brother (annalyi) whose name, however, is not given.

28. No. 104 of appendix C of Jatāvarman Sundara-Pāndya mentions a certain

Jatāvarman Sundara-Pāṇdya and his son Parakrama-Pandiya Māvalivāņādhirāya surnamed Pāvanangakāra. (Mivanangokāra).

surname Pāvanangakāra. This prince is again referred to in No. 58 of the same collection which mentions the king by his title Tribhuvanachakravartin Könērinmaikondān. The prince is stated to have instituted the service called Pāvanangakāran-sandi in the temple of Tirukkaļākkudi and the record is signed by an officer named Venrumudiśūdinān Sundara-Pāndya Pallavaraiyan.

Venrumudisūdinān, a surname of Jaṭāvarman Sundara-Pändya.

the officer was a title of the king himself in which case it follows that this Jatāvarman Sundara-Pāndya bore the surname Venrumudiśūcinān, i.e. who crowned bimself after conquering. Still another record of Jatavarman Sundara-Pandya registers that certain people were ordered to reconsecrate an image which was shifted from its pedestal, due punishment having been meted out to those that were responsible for the

Evidently the first part of the name of

Parākrama - Pāndya - Māvalivānādhirāva

who is here called Makkanāyanār (i.e. the

son of the king). The latter had also the

grave offence (No. 221 of appendix C). Some other records of Jatavarman Sundara-Pāndya, of about the same period as the above, deserve to be noted. No. 66 of 1916 from Tirukkaļākkudi dated in the 19th year of Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya states that the Māhēśvaras, śrī-Rudras, dēvakanmis and the temple accountants granted certain temple lands as kānippidipādu to one Sundara-Pāṇḍiya Naraśingadēvan, stipulating that he shall enjoy them after repairing the tanks in disuse and bringing under cultivation such of the lands as are covered with jungle and that while the lands are being enjoyed in

this manner he shall pay to the temple Rates of mēlvāram on temple lands. for the paśān, a mēlvāram of one in three; for the cultivation of இணை, வாகு, என்று, பயறு, குறவை, கரும்பு, கொழுக்**த**ை, கருணே, மஞ்சன், இஞ்சி, செங்கழுநீர், வாழை, வழு**தலே**, பூசனி, etc., as well as the trees மா, பலா, நாத்தை, எ அமிச்சை, குளவிருளி, நெல்லி, இ அப்பை, etc., one in five shall be given; for cocoanut and areca-palms one in seven and for dry crops according to the yield, one in seven. In the case of the lands which had been brought under cultivation by clearing jungle he shall have to pay one-tenth in the first year, oneninth in the second year, one-eighth in the third year, one-seventh in the fourth year; and that for all subsequent years a permanent melvaram of one in three shall A similar document is No. 62 of 1916 which also comes from the same

a si leik ino a linger me rivate

It is signed by Ellandalaiyana-Pandiya-Brahmarayan who must have been an officer of Jatāvarman Sundara-Pāndya I one of whose surnames was Ellandalaiyāna-Perumāl (Annual Report for 1913, page 114, paragraph 44). The tollowing again are the rates of mēlvāram fixed in this inscription:—(i) For paśān, one-third (ii) for தின், வரகு and என்னு, one-fourth (iii) for கரும்பு, கொடிக்கால், கருணே, மஞ்சள், வாழை, வழுதவே, பூசணி and such other crops, one-eighth. In either instance it is distinctly stated that the donee should not keep the lands without cultivating them and that mounds and low-grounds should be levelled and the jungle removed. Another record which fixes the temple share of metvaram at one-fourth belongs to the same king and is signed by Ellandalaiyana-Pandiya-Brahmadhirayan (No. 67 of 1916). The variation in the rate of melvaram requires explanation. Perhaps the landlord's shares in these cases were fixed, regard being had to the quality of the soil. and the amount of lease money. From Mr. Swamikannu Pillai's calculations in appendix G it will be found that most of the inscriptions quoted in this paragraph work out correctly for Jatavarman Sundara-Pandya who succeeded to the throne in A.J., 1277.

No. 608 of 1919 which comes from Malaiyadikkurichchi in the Tinnevelly district combines Saka 1236 (= 1314 A.D.) Jatāvarman Sundara-Pāṇḍya with initial date with the 12th year of a certain Jatāvar-Sundara-Pāṇdya. As the initial man date of this king will be A.D. 1302 it is evident that he is identical with Jatāvarman Sundara-Pāndya IV the commencement of whose reign has been fixed by Mr. Swamikannu Pillai to be between 29th August 1302 and 5th July 1303. (Ind. Ant. Vol. XLII, page 166). One of the signatories in No. 596 of appendix B, dated in the 9th year of Jatāvaiman Sundara-Pāndya, is called Abhishēka-Perumāņ alias Silpapurandaran who had evidently constructed the temple from karshana 'ploughing the earth ' to pratish tha ' consecration '. The details of date given in this record work out correctly for Jatāvarman Sundara-Pāndya of A.D. 1302. In the reign of a certain Jatāvarman Sundara-Pāndya who cannot be identified the Kaikkōlars of Śrīmushnam 'who successfully practised the tenet's of the Idangai-creed which recognised the order of the king as equal to divine law (No. 248 of appendix C) together with Kaikkola-Mudalis unanimously declared that they would contribute a fixed fee on each loom whether working or not for the repairs and worship of the Tirunārāyanī śvara temple at that village.

Two records from Tirukkaļākkudi dated in the reign of Sundara-Pāṇdya mention the chief Vikramaśingadēvan issuing the ōlai on behalf of the king (Nos. 35 and 37 of appendix C). Another (No. 101 of appendix C) from the same village mentions Gāṇgaiyan. No. 180 of 1916 is dated in the 18th year of Tribhuvanachakravartin Other kings of name Sundara-Pāṇḍya.

Sundara-Pāṇḍya and refers to a grant of land previously made in the 17th year of Vijayagaṇḍagōpāladēva. As pointed out already (Annual Report for 1911, Part II, paragraph 15) Vijaya-Gaṇḍagōpāla began to rule in A.D. 1250 and his 17th year will carry us to 1267 A.D. (see also below, page 151).

29 Two records (Nos. 21 and 24 of appendix C) which belong to the reign of Jatāvaraman Vīra-Pāṇḍya refer to a chief called Tirukāṇappēruḍaiyāṇ Śivanīndakālaṇ alias Mālavachakravarti who has been mentioned in the following paragraph. Another (No. 584 of appendix B) begins with the introduction tirumagal valar, etc., and is dated in the 7th year of Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya. A record with the same

Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya. introduction was noticed in the Annual Report for 1912, page 72 and was attributed to Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya the conqueror of Īlam and Koṅgu. Two records (Nos. 613 of appendix B and 6 of appendix C) bear details of dates which point to Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya being identical with the conqueror of Koṅgu.

One of Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya, dated in the 3rd year of his reign (No. 74 of appendix C) registers that the residents of a certain village not being able to pay the taxes on Māngudi which was their kāmpparru sold it to the temple after inviting purchasers once, twice and thrice according to the practice in such cases. It is not impossible that this king is also identical with the Vīra-Pāndya mentioned in the previous paragraph. No. 117 of appendix C belongs to the 6th year of the same king and refers to the exchange of certain lands which were not yielding good crops.

30. Of Māravarman Kulaśēkhara I (A.D. 1268 to at least 1308) there are 16 inscriptions which attribute to him the characteristic biruda 'who was pleased to take Māravarman Kulaśēkhara I; his latest date.

We every country '. No. 106 of 1916 coming from Tirukkaļākkudi furnishes the year 44 the latest date found until now, which would extend his reign to A.D. 1312. We learn from No. 81 of appendix C that in the 22nd year of the king corresponding to A.D. 1290 a certain chief—one of the officers at the door of Dēvar-Kaṇḍiyadēvar—named Tirunelvēli-uḍaiyār who had captured the country around Virayāchchilai fixed the heavy sum of 4,000 as the tax to be levied from the inhabitants (\$\tilde{u}r\tilde{o}n) of

the said village including araisumakkal Oppression by one of his officers. and mudaligal, for the current year and the year before. As they were not able to bear the burden, they had to sell their property, cattle, etc., towards payment of taxes. Even then they could not raise the necessary amount and nobody would lend them a pie. But Tirunelvēli-udaiyar's pressure on them was all the same, great. It was thereupon decided by the araisumakkal and the mudalis of Virayāchchilai to make a sale of their lands to the temple at Tirukkolakkudi. No. 108 of 1916 copied at the same place registers a settlement between the residents of four districts  $(n\tilde{a}du)$  as to the order of precedence in which the sacred ashes had to be received, the ropes of the god's car had to be held in drawing it and the worship and breaking of cocoanuts before Vināyaka had to be done. Three inscriptions of Tribhuvanachakravartin Kulaśekharadeva (Nos. 14, 16 and 33 of appendix C) and one of a certain unnamed king who held the title 'who took all countries' (No. 20 of the same appendix) might be attributed to Magavarman Kulaśekhara I, since the first three mention his subordinate Mummudiśelan Malavarmānikkam alias Māļavachakravarti and the fourth Sivanīndakālan Tirukkānap-pērudaiyān alias Māļavachakravarti to whose family evidently also belonged Māļavamānikkam Tirukkānaippērudaiyān alias Māļavachakaravarti mentioned on page 81, Part II, paragraph 25 of the Report for 1909 as a subordinate of Maravarman Sundara-Pandya I.

31. The grant registered in No. 68 of appendix C is said to have been made at the instance of the officer Kālingarāyar to 20 Brāhmanas who were versed in the Vēdas and Śāstras and were able to write commentaries on them, and for building a Śiva and a Vishnu temple. The village wherein the land was granted to these Brāh-

Records of Kōnērinmaikondān; probably to be assigned to Māravarman Kulasēkhara I

manas was called Kandiyadēvan Sundara-Pāndya-chaturvēdimangalam and the Vishnu temple established therein,

Kulaśēkhara-Vinnagar-Āļvār. No. 73 of appendix C which also comes from Tiruk-kaļākkudi, refers to the same endowment and mentions the temples Sundara-Pāṇḍya-Īśvaramudaiyār and Kaṇḍiyadēvar-Vinṇagar-Āļvār. The record also states that Kaṇḍiyadēva was a son (makkaṇāyaṇār) of the king. Kāliṅgarāyar is known to have been one of the officers of Māravarman Kulaśēkhara I (Annual Report for 1910, page 99). Kāliṅgarāyar appears also in No. 72 of appendix C asking the king to make a grant of a village to an image of Kūttāḍuvār (i.e. Naṭarāja) in the temple at Tiruk-kaļākkudi set up by a certain Sēmāṇḍār brother of Akalankanādāļvār. The record is dated in the 11th year of Konērinmaikoṇḍāṇ. In the 17th year of his reign the king being at Gaṅgaikoṇḍapaṭṭaṇam, he was again reminded of this same gift (No. 71

His son Kandiyadēva Sundara-Pāndya.

of appendix C). It is not unlikely, that Konērinmaikondān of Nos. 68, 72 and 73 is identical with Māravarman Kulaśēkhara I. If this identification is correct Kandiyadēva Sundara-Pāndya as a son of this king would be known for the first time.

32. No. 107 of 1916 which is dated in Śaka 1239 (= A.D. 1317) couples with it Māravarman Kulaśēkhara II.

the 4th year of Māravarman Kulaśēkhara. It is therefore clear that this Kulaśēkhara must be Kulaśēkhara II whose initial date according to Professor Kielhorn is A.D. 1314.

33. From previous Epigraphical reports it is gathered that a certain Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya was living about the beginning of the 14th century, during the occupation of the southern districts by the Muhammadans. It is also known that it was the Vijayanagara king Kampaṇa who by his victorious campaign into the south brought to a close the temporary occupation of the Muhammadans. No. 64 of 1916

belongs to the 31st year of a certain Māravarman (not Jaṭāvarman) Vīra-Pāṇḍya and supplies the interesting information:

Māravarman Vīra-Pāṇḍya.

WiTho times were Tulukkan (Muhamatan)

magavarman vira-rangya. "The times were Tulukkan (Muhammadan) times; the dēvadāna lands of the gods were taxed with kudimai; the temple worship, however, had to be conducted without any reduction; the ulavu or cultivation of the temple lands were done by turns by the tenants of the village; at this juncture

Disturbance of the Muhammadans put down by Kampaṇa-Udaiyar.

Kampana-Udaiyar came (on his southern campaign), destroyed the Tulukkan, established orderly government throug-

hout the country and appointed many chiefs (nāyakkanmār) for inspection and supervision in order that the worship in all temples might be revived regularly as of old." It is further stated that some of the dancing girls of the temple (devaradiyar) died, some became very poor and many were ready to migrate to other distant places. Consequently with a view to keep up the original status of the temple, a temple land which was enjoyed as kāniyātchi by a certain Narasingadēvar was now sold to another person, the former having died without leaving any heir, in order to maintain 10 temple dancing girls, giving them food, betel-leaf, cloth and houses in the street Pāvanangakārantiruvidi evidently so called after Pāvanangakāra mentioned above, in paragraph 28 as a surname of Parākiama-Pāṇdya Māvalivāṇādhirāya, a son of Jatāvarman Sundara-Pāndya, probably the fourth of that name who succeeded to the throne in A.D. 1303. It is interesting to note that the mēlvāram was also fixed at one-third for the paśanam (harvest), garden crops māvadai and maravadai, at one-fifth and dry crops at one-seventh. It was also provided that in the case any heirs of the said Naraśingadēvar contested their claims to the said land, separate lands in lieu thereof may be given to them.

Kampana-Udaiyar mentioned in this record is no other than Kampana II of the first Vijayanagara dynasty whose dates range from Saka 1283 (= A.D. 1361) to Saka 1296 (= A.D. 1374). The earliest mention of the conquest of the Muhammadans in the Madura district, by Kampana is in an inscription at Tiruppukkuli (No. 18 of 1899), dated in Saka 1287 (= A.D. 1365) (Epigraphia Indica, Vol. VI, page 324).

Kampana II's conquest of Muhammadans in A.D. 1358 fixed by a record at Tirukkalāk-kudi.

But the statement (contained in this record) that "having taken possession of Rājagambhīra, he was pleased to conduct the rule of the earth on a permanent

throne "goes to prove that the driving away of the Muhammadans was an accomplished fact already in A.D. 1365; and it could not have been earlier than A.D. 1358, since according to Mr. Sewell (Lists of Antiquities, Vol. II, page 223) the Muhammadan chiefs of Madura ruled for 48 years from A.D. 1310 to 1358. Consequently the record of Tirukkalākkudi (No. 64 of appendix C) must be referred to A.D. 1358 or after. With the help of Mr. Swamikannu Pillai's valuable Ephemeris I have been able to find that the details of date given for this record work out correctly for A.D. 1358, Friday, September 7 on which day tritiya ended on a Friday at '03 and the nakshatra Svāti at '48. Hence the initial date of this king Māravarman Vīra-Pāndya I would tentatively place in A.D. 1326-27. No. 227 of appendix C evidently also belongs to the same king and works out almost correctly for A.D. 1337, July 5. It is thus a very important corroboration that is supplied by No. 64 of appendix C which refers in such vivid terms to the contemporaneous events that must have happened in that year.

34. Of the three records of Jatāvarman Parākrama-Pāṇḍya at Śaṇṇavaṇam, one, which is dated in the 30th year of the king's reign combines with it the cyclic year Viśaiya (i.e. Vijaya). The characters are of about the 14th century and might be of

Jaṭāvarman Parākrama-Pāṇḍya. the time of Jaṭāvarman Parākrama-Pāṇḍya whose initial date given by Professor Kielhorn is A.D. 1358. But the year 1388-9 will be Vyaya (Viya in Tamil) and not Viśaiya. This record (No. 12 of appendix C) introduces to us an officer named Śrīranganātha Raṇavīrapperumāl alias Gāṇgēyan who held the titles Ravikulamannan,

His officer Gāngēyan.

Ekāngavīran, Rūpanārāyanan, etc. The grant was made for removing the evil effects of Chitrā the asterism of his birth-day, falling on a Saturday in this year. Two other records (Nos. 13 and 22 of the same appendix) refer to the chief Gāngēyan. The

latter again registers a grant made to ward off the evil effects of light being extinguished at the meal time. This prejudice is still prevalent. The former mentions Mummudiśōlan Mālavamānikkam alias Mālavachakravarti who has been already mentioned under Māravarman Kulaśēkhara I.

record of Sadagopavarman (Jatavarman?) Tribhuvanachakravartin Vikrama-Pāndya (No. 183 of appendix C) at Tiruppukkuli near Conjeeveram, has been recopied this year. It is dated in his 8th year and records a gift of land for maintain-

ing a service called Vīra-Champan-śandı Śadagōpavarman Vikrama-Pāṇḍya. founded by Sambuvarāyan Vīra-Champan "the chief of Sambukula" in the temple of Vijayaraghava-Perumal on the day of Āślēsha in the month of Avani in which he was born. In his Annual Report for 1900, paragraph 14, Mr. V. Venkayya refers to a record of the 12th year of Māravarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya which also registers a gift by Vīra-Champanāyan alias Sambuvarāyan. From published inscriptions of Champa (Epigraphia Indica, Vol. III, page 70 f.) we learn that the latter called himself a son of Chola or of Vīra-Chola. It is doubtful if Sambuvarāyan Vīra-Champa of the Sambukula could be identical with Vira-Champa of the Tiruvallam inscription. Another chief of the Sambukula known from earlier reports is Sakalalokachakravartin Rajanarayana Sambuvarāya who succeeded to the throne in A.D. 1260-61.

36. No. 229 of 1916 dated in the 7th year of Maravarman Tribhuvanachakravartin Konērinmaikondān Vikrama-Pandyadēva registers a gift of land for maintaining the service Rājākkanāyan-sandi called after the king. In the Annual Report for 1908-09,

paragraph 30, I have referred to an in-Rājākkaņāyaņ, a surname of Jaṭāvarman or Māṇavarman Vikrama-Pāṇḍya. scription (No. 124 of 1908) in which the surname Rājākkaṇāyaṇ was borne by

Jatāvarman Vikrama-Pāndya, with the Saka date 1344 corresponding to his 22nd year. In the Annual Report for 1914 (page 94, paragraph 20) two records of Maravarman Vikrama-Pāndya with the surnames Rājākkal-nāyan and Rājākkal-tambirān have also been referred to. Consequently it looks as if Jatavarman and Maravarman were indifferently applied to this Vikrama-Pandya.

In connection with the titles Rājākkal-nāyan and Rājākkal-tambirān, it may be noted that these are mostly adopted by the Pandya kings. Maravarman Kulasekhara I appears to have been the earliest king that held the title. The next was Jatavarman or Māravarman Vikrama-Pāṇḍya mentioned above. In No. 60 of appendix C Rājākkaļ-tambirāṇār is applied to a certain rājādhirāja "the king of all kings." The record is dated in 761 without specification of the Era. If, however, the Kollam Era is meant, as is not unlikely, the date

A later chief with the title Rājākkal-tambirān

would correspond to A.D. 1586-87 and and his capture of Śūraikkudi. takes us into the time of the Nāyakas of In this year it is stated that the king Rājākkal-tambirān raided and destroyed Śūraikkudi with the help of the chiefs (?) Manjiliśu Eliśu Śā, Āśamadākkān, Mūvaśamkān Sā and Rāchattikān. After accomplishing his object the king ordered in the presence of the villagers that the village Virayachchilai which from much earlier times appears to have been a padaiparru (military village?) (Nos. 81 and 90 of appendix C) in which lived araisu-makkal and mudaligal (above, page 124) and Kottiyūr might thenceforth be annexed to the district of Pon-Amarāpati-nādu. The order was comthenceforth be annexed to the district of Pon-Amarapati-nadu. municated to the nāṭṭavar of Poṇ-Amarāpati-nāḍu and to Kondukān and was engraved on stone in the temple of Tirukkalākkudi. It cannot be definitely stated to what political disturbances the country round Virayachchilai, Kottiyur and Suraikkudi was subjected to at the end of the 16th century. The record plainly indicates the annexation of the whole country round Suraikkudi and particularly of the two villages which were evidently the centres of opposition. Mr. Sewell in his notes on the reign of the Madura Nāyakas, Periya-Vīrappa and Visvanātha II (Lists of Antiquities, Vol. II, page 201) states that in their time "a rebellion by a chief styled the Mahāvilivāṇarāja, probably a Pāṇdyan was quelled." Hence it appears that the Rājākkaļtambirān who destroyed Sūraikkudi might probably be the same Mahāvalivānarāja. The Muhammadan chiefs who joined him in the rebellion cannot be identified. deplorable condition of Viraiyachchilai under the Kannadian oppression has been already referred to.

#### LATER PANDYAS.

37. Twelve inscriptions of the later Pāndyas have been secured during the year under report. They are dated both in the Saka year and the regnal year of the kings to whom they belong. No. 585 of appendix B comes from Dārukāpuram in the

Alagan Perumāl Parākrama-Pāndya, born in the asterism Ārdrā.

Tinnevelly district and is dated in Saka 1403 (= A.D. 1481) corresponding to the 2+6th year of Alagan, Perumāl Parā-

the asterism Ardra.

2+6th year of Alagan, Perumāl Parā-krama-Pāndya who was born in the asterism Tiruvādirai (Ārdrā). Thus the initial date of Parākrama-Pāndya obtained from this record is A.D. 1473. No. 12 at page 47 of the Travancore Archæological Series, Volume I, belongs to the same sovereign with the same initial date; but in the latter it is stated that he was born in Avitta-nakshatra (i.e. Dhanishthā). Our record refers to a previous grant made by Srīvallabhadēva.

The next in chronology is Māravarman Kōnērinmaikondān Parākrama-Pāndya whose Vallanād inscription (No. 4 of 1916) is dated in Saka 1457 (= A.D. 1535) and

Māravarman Parākrama-Pāṇḍya. corresponds to his 2nd + 28th year, Manmatha. His initial date is therefore Saka 1427 (= A.D. 1505). The records of this king have not been obtained so far.

No. 583 of 1915 copied at Dārukāpuram is dated in Saka 1457 (= A.D. 1535) Manmatha, and belongs to Jaṭāvarman Kōṇēriṇmaikoṇḍāṇ Tirunelvēli-Perumāļ who is said to have been born in Aśvati in the month of Vaigāśi. The corresponding regnal year, however, is not given. No. 567 of 1915 which is dated in the 7th year corresponding to Saka 1463 (= A.D. 1541) Plava, of Irandakālamedutta Perumāļ Srīvallabha, refers to this king as Tirunelvēli-Perumāļ born in Aśvati. Probably Perumāļ Srīvallabha is identical with Jaṭāvarman Kōṇēriṇmaikoṇḍāṇ Tirunelvēli-

Irandakālamedutta Perumāļ Śrīvallabha, founder of the Pāṇdya-rājya, born in the asterism Aśvati. Perumāl of No. 583 of 1915 which must have been evidently engraved in the 2nd year of his reign. Thus these two records belong to the time of *Irandakālamedutta* 

Śrīvallabha, the founder of the Pāndya-rājya, whose initial date has already been ascertained to be A.D. 1533 (Annual Report for 1910, page 100). Reference is made in No. 583 of appendix C to the king's dear father Ahavarāma Śrīvaladēva and to the village Abhirāma-Parākrama-Pāndya-chaturvēdimangalam evidently so called

Reference to the compilation of calendars.

Reference to the compilation of calendars.

to note that provision was made by the

king for the compilation of calendars annually. Similar endowments by the Mahratta Rājas of Tanjore and the Mysore kings are still in force.

Māravarman Kōṇēriṇmaikoṇḍān Sundara-Pāṇḍya is represented by No. 2 of 1916

Māravarman Sundara-Pāṇḍya.

from Vallanāḍ-Agaram. It combines the regnal year 2 + 9th with Saka 1460,

The initial date of the king thus derived.

(i.e. A.D. 1531) enables us to identify him with a king of the same name two of whose records were noticed on page 75 of Annual Report for 1912. As stated there, he may be the same as No. 12 of the provisional list of later Pāndyas given on page 100 of the Annual Report for 1910. Nos. 563 and 570 of 1915 are dated in the 5th and 7th years respectively of Parākrama or Kulasēkhara, son of Jatāvarman Kōnērin-

Perumāl Parākrama or Kulasēkhara, born in the asterism Asvati.

maikondān Abhirāma-Parākrama born under the asterism Asvati and give also the corresponding Saka dates 1470

(= A.D. 1548) Kilaka and 1471(= A.D. 1549) Saumya respectively. This king has accordingly to be identified with No. 13 of the list given on page 100 of the Annual Archaelogical Series, Volume I.

Jatāvarman Konēriņmaikondān Alagan Perumāl Ativīrarāma Śrīvallabha (identi-Jatāvarman Alagan-Perumāl Ativīrarāma-Śrīvallabha.

Ativīrarāma- cal with No. 16 of the list on page 100 of the Annual Report for 1910) born under Punarvasu is represented by two records the 9th year of the king and the latter 15th year and Saka 1500 (= A.D. 1578),

Isvara. No. 577 gives the king the usual long list of birudas in the Sanskrit language beginning with Bhuvanekavira, His co-regent Alagiya Šokkaņār Abhirāmaetc. No. 594 incidentally refers to his Varatungarāma. co-regent Alagiya Sokkanar Abhirama-Varatungarāma. No. 615 of 1915 which begins with the usual Vijayanagara introduction gives a long list of birudas and enumerates in order the kings Devaraya. Krishnarāva Sadāsivarāya, Vīra-Narasingarāya, Dharmarāya, Śrīrangarāya and Venkatapatirāya. The date is given as Saka 1500, Manmatha, and is wrong by seventeen years. The grant was made by Perumāl Dhanma-Perumāl Alagapperumāl Ativīraraman Šīvalamāran Irandakālamedutta Ativīraraman who is styled as one of the kings who bore the titles Jatāvarman Konērinmaikondān Tribhuvanachakra-Evidently the record is one of Ativīrarāma Śrīvallabha noted above. The Vijayanagara king Venkatapatirāya (a.e. Venkata I) was actually ruling in Saka 1517, the correct date of the inscription as indicated by the cyclic year quoted. It might be noted that a certain Venkatarāja is mentioned in the Pudukkōttai plates of Śrīvallabha and Varatungarāma, of Śaka 1505 which falls into the reign of Ranga II (Travancore Archaelogical subordinate Ativīrarāma, a probable  $\mathbf{of}$ Series, Volume I, page 84). From the way Venkata I. in which the Vijayanagara kings are first mentioned in No. 615 and then the Pāṇḍya king Ativīrarāma, it may be presumed that the latter was a probable subordinate of the Karnata king Venkata I.

At Śāyamalai in the Tinnevelly district was copied No. 597 of 1915 belonging to Jațilavarman Kōnērinmaikondān Śīvalamāran Varagunan alias Kulaśēkhara-Dīkshitar. It is dated in Śaka 15[6]3 (=A.D. 1641) and the 23rd year of reign. The year opposite is not given. He is the same as Tribhuvanachakravartin Kōnerinmaikondān Perumāl-Sīvalamāra Varagunarāma alias Kulaśēkhara-Dīkshitar maikondān Perumāl-Sīvalamāra Varagunarāma alias Pāndya Kulaśēkhara-Dīkshitar of No. 268 of 1908 from Karivalamvandanallūr. As the initial date of this king is A.D. 1615 the opposite year omitted in No. 597 of appendix B must be 3.

### THE RASHTRAKUTAS.

38. The Rāshṭrakūṭa kings are represented in the current collection by Nos. 512, 540, 542 and 562 of appendix B (in Kanarese) and No. 207 of appendix B and Nos. 148 and 159 of appendix C (in Tamil). No. 562 which is dated in the fourth year of a king whose name is lost, may have, however, to be referred to the time of Govinda III. The pillar on which the Gövinda III. record is engraved was brought to my notice by Mr. Longhurst. It is a memorial dedicated to Siriguppa whose heroic death on the battle-field forms the subject-matter of the inscription. The occasion is stated to have been an attack organised by Dantiga with his whole army on the village Chīkurambrāvi. The king on whose behalf Siriguppa fought was the Ratta Ballaha (ll. 21 and 26). Dantiga evidently has to be identified with Dantiga of Kānchī mentioned in the British Museum plates of the Rāshtrakūta king Gövinda III. It is also possible, provided paleography permits, to identify this Dantiga with one of the enemies of Krishna III (also surnamed Vallabha, Ballaha) who is one century later than Govinda III. No. 542, dated in Saka 815, belongs to the time of Akālavarsha-Krishna II entitled Subhatunga-Bhatāra. His Mahāsāmanta Matye-.nanna is stated to have been ruling the Krishna II and Govinda IV.

Sindavādi country often mentioned in the Rāshtrakūta, Chālukya, Kalachuri and Yādava records of the Adoni taluk No. 512, dated in Šaka 852, refers to king Gōyindara Ballaha (i.e., Gōyinda IV) and speaks of him as ruling "right up to the sea." His feudatory was the Mahāsām inta Kannara, ruling the Sindavādi province. The same feudatory and his Jaina queen Chandiyabbe are referred to in No. 540, dated in Saka 854, where, however, the king is named Nityavarsha. This latter surname is not found applied to Gōyinda IV in the inscriptions examined so far. If it is no deliberate mistake of the engraver, Nityavarsha must also be presumed to have been a surname of Gōyinda IV as it was of his father Indra III.

The three records of Kannaradēva (Krishna III) who extended his conquests into the Chōla country, come from the North Arcot and Chingleput districts. The donor in No. 207 of appendix B is named Śrī-Narasimhayya, son of Lakshana (Lakshmana?), entitled Vīrasuta Bhōgavarddhana of Mārudānamai. Evidently he was a chief of some rank under Krishna III.

#### THE WESTERN CHALUKYAS.

39. The Western Chalukyas of Bādāmi are represented in the collection by No. 7 of appendix A which consists of three cop-Of Bādāmi. per-plates strung on a ring. They were discovered by my assistant Mr. G. V. Rangarajayya, in the possession of Rama Reddi, the village munsif of Dayyamdinne in the Adoni taluk of the Bellary district. ring which carries the plates was not cut when the document reached me. The ends of the ring are fixed into the bottom of an almost circular seal one inch in diameter bearing on its countersunk surface the crude figure of a standing boar facing the proper right as in the case of the Harihar grant of Vinayaditya Satyaśraya published in Ind. Ant., Vol. VII, pp. 300 ff. The plates measure between  $8\frac{7}{8}$  and 9" in breadth and between  $3\frac{3}{8}$ " and  $3\frac{1}{2}$ " in height. The ring which is oval in shape, measures  $4\frac{1}{8}$ " and  $3\frac{1}{2}$ " in its diameters and is about  $\frac{1}{4}$ " thick. The plates and the seal weigh 112 tolas. The inscription commences with the same introductory eulogy as the other published grants (Professor Kielhorn's List of Southern Inscriptions Nos. 27 to 30) of Vinayaditya Satyaśraya and supply the date, A copper-plate grant of Vinayāditya-Satyāś-Saka 614 corresponding to the 12th year of the king's reign. They record the grant of 200 nivartanas of land on the eastern and southern sides of the village Ulchad in the Nalavadi-vishaya, to four Brahmanas, on the occasion of the summer solstice which happened on the full-moon day of the month of Ashadha when the victorious camp of the king was located at Talayakhēṭa-grāma not far from the northern bank of the Tagara river. The grant is stated to have been made at the request of a certain Marddakāri and was written by Śrī-Rāma-Punyavallabha. The same person mostly

The victorious camp Talayakhēta-grāma on the northern bank of the Tagara river must be looked for on the Ternā on which also the ancient city of Tagara (identified with Tēr by Dr. J. F. Fleet) is situated. I am informed that Talayakhēta does not exist under that form, in the Osmanabad district of the Hyderabad State. It is per-Talaiyakhēta identical with Thairkadda haps to be identified with the modern

appears as the writer of the other published grants of Vinayaditya.

Talaiyakhēta, identical with Thairkedda.

Thairkedda on the north bank of the river
Ter (Thairna). I have not been able to identify the district Nalavādi-vishaya and the village Ulchad. It may be remarked that the writing on the plates is very carelessly executed and that the mistakes in the grant portion are numerous.

40. Many records of the Western Chālukyas of Kalyāṇi were copied in the Adoni taluk of the Bellary district. As stated already, Adoni and the adjoining country of Kalyāni.

formed a subdivison of 500 villages in

Sindavādi, Sindavādige or Sindhuvātivishaya one thousand, which must have been one of the eastern provinces of the Western Chālukya empire. The capital of this district is stated to have been Tumbalam, a village which is about 8 miles due west of Adoni, and is still full of ancient ruins. Karaikanthapura (now abandoned) was a suburb of Tumbalam in which lived many Brāhmaṇas of great learning and piety. One of the Nolamba feudatories of Trailökyamalla Sōmēśvara I, who was governing the Sindavādi one thousand country, was

Traiļōkyamalla Sōmēśvara I. Vīra-Nolamba-Pallava Permānadi (No. 489 of appendix B). His proper name Vīra-Nolamba Ghaṭṭidēva appears in another record (No. 522 of appendix B) which is dated in Saka 974, Nandana and in still another at Kammarchōdu (No. 561 of appendix B), dated in Saka 976. King Sōmēśvara I is stated in this last record to have been encamped at Kampile on the bank of the Tuṅgabhadrā, the southern Ganges. On this occasion he made some gifts to the shrines of Mūlasthānadēva and Bhōgēśvaradēva at Kammara-Cheruvu (Kammarchōdu).

41. One record (No. 514of appendix B) of Trailōkyamalla's eldest son Bhuvanai-kamalla (Sōmēśvara II) comes from Chinna-Tumbalam and is dated in Śaka 990 ( = A.D. 1068-69), Kīlaka, the full-moon day of Mārgaśira. The latest known record of Sōmēśvara II is dated in Śaka 990, Kīlaka, Chaitra śu di. 1 (Professor Kielhorn's List

of Southern Inscriptions, No. 173). Consequently, it follows that Bhuvanaikamalla must have actually ascended the throne some time between the months Chaitra and Mārgaśira of this year. The record from Chinna-Tumbalam under review, further registers that the prince, the king's younger brother, Trailōkyamalla-Nolamba-Pallava Permādi Jayasinghadēva was ruling the Nolambavādi 32,000 and the Sindavādi 1,000 provinces from his capital Kampile. A gift was made to a temple at Tumbula through the Kālāmukha teacher Chandrabhūshana-Pandita who was well-versed in

Kāļāmukha teachers. logic and other sciences and was the pupil of Anantaśakti-Paṇḍita, a pupil of Nirañjana-Paṇḍita (mentioned also in No. 516 of appendix B). Another grant was made at the same time to a certain Nārāyaṇadēva for vidyādāna, i.e., imparting education.

42. A powerful chief of Tribhuvanamalla Vikramāditya VI was the *Mahāmanda-*Vikramāditya VI.

lēśvara Mallarasa, whose eulogy (No. 505
of appendix B) supplies the information

that he was "a brilliant sun in dispelling the darkness, viz., the heroic enemy-forces of the Chōla camp crowded with hordes of elephants, horses and sturdy soldiers, (the hero) that cut off the heads of the Dravila-mandalīkas (i.e. the chiefs of Dravila), the destroyer of Pallikōta and the terror of the Gūrjara." The first two epithets clearly indicate the hereditary enmity and the conflict that existed between the Chōlas and the Chālukyas. No. 515 of appendix B mentions another subordinate chief Kaliga or Kaliyamarasa who held the title 'the mast elephant of Chandaladēvī,' a statement that reminds one of the intimate and personal interest which the Chālukyan queens must have displayed in the administration of the country, by allowing their names to be connected with such military honours. Padmaladēvī another queen of Vikramāditya VI, was referred to in the Annual Report for 1914, page 87 as 'ruling the Brāhmana village Māngola'. In No. 518 of appendix B, the chief queen (piriyarasi pattamahādēvī), Malayamatidēvī is stated to have owned (evidently as her private property) the capital town Tumbula itself and to have

Provision made by a Chālukyan queen for the teaching of the Vēdas and the recital of the Purāṇas.

granted it to the *Mahājanas* of that village so that they might therein maintain a feeding-house (sattra), recite the Purānas and teach the Rig-Vēda and the

Yajur-Vēda to students. As stated by Dr. Fleet on page 448 f. of his Dyn. Kan. Distrs. the queens of Vikramāditya VI owned villages and sometimes districts conferred on them for their pin-money. Some of the titles given to Malayamatidēvī in No. 518 suggest that Vikramāditya must have borne the surname Chālukya-Rāma and Rāya-Sarvajāa. The former of these occurs in his Nīlgunda, and Yēwūr inscriptions (Ep. Ind., Vol. XII, pages 154 and 278).

Nos. 519 and 565 of appendix B mention the chief  $P\bar{e}sana$ -garuda Mahāmanda-lēśvara Jōyimayyarasa (ruling the Sindavādi province) and the former, the  $r\bar{a}jaguru$  Sōmaśiva-Pandita. Jōyimarasa was also in charge of the divisions Edadore 2,000, and Kallakelage 500. The former has been identified by Dr. Fleet with a part of the modern Raichur district (see Ep. Ind. Vol. XII, page 296) and  $r\bar{a}jaguru$  was evidently a title conferred on a religious teacher for his proficiency and piety. No. 550 of appendix B mentions another  $r\bar{a}jaguru$ , who was the sole proprietor of two villages in the modern Adoni taluk and had as his subordinate a certain Peggade Nimbanayya. A few other feudatories of Vikramāditya VI. are also mentioned

Feudatories of Vikramāditya VI. in No. 566 from Konakondla. These were the Mahāmandalēśvara Ballaya-Chōla-Mahārāja of the Telugu-Chōla family (see also No. 350 of 1905), the Mahāmandalēśvara Chīkarasa of the Mahābali race and the Mahāsāmantas Chandarasa, Barmarasa, and Rēvarasa of Kondakunde whose prašasti coincides with that of the Chōlas of Cuddapah (Ep. Ind. Vol. XI, page 343, note 3).

43. No. 499 of appendix B of the time of Bhūlōkamalla Sōmēśvara III, which is Sōmēśvara III. and Yuvarāja Tailapa.

dated in the Chālukya-Vikrama year 58

(= A.D. 1133-34) mentions the Mahāmandalēśvara Trailōkyamalla-Mallidēva-Mahārāja, ruling the Sindavādi country and refers to a gift of two vīsa on each dala in the "mint" where coins were struck (achchina-tankasāle). No. 502 of appendix B dated again in the Chālukya-Vikrama Era refers to Yuvarāja Tailapadēva (i.e. Taila III). This indicates that Sōmēśvara III. evidently preferred his younger son to the elder, Perma-Jagadēkamalla II, as his crown prince. The Mahāmandalēśvara Bāchiga or Bācharasa of the Sinda family mentioned in this record was a direct subordinate of prince Tailapa. Jagadēkamalla

Parma Jagadēkamalla III is, however, known to have succeeded

Perma-Jagadēkamalla II. Somēśvara III on the Western Chāļukya throne and to have held the special title Pratāpachakravartin. His famous minister, commander, etc., was Bammaṇayya mentioned on page 457 of Dr. Fleet's Dyn. Kan. Distrs. His son was the Dandanāyaka Rēcharasa (No. 503 of appendix B), stated to have been ruling the Sindavādi province, in the 11th year of the king's reign. A mutilated record which comes from Chinna-Tumbalam (No. 517 of appendix B) and is dated in the cyclic year Yuvan corresponding to A.D. 1155-56, falls into the reign of Taila III. It mentions the Mahāmandalēśvara Trailōkyamalla Bhujabala Vīranārāyaṇa Āhavamalladēva, one of whose titles was 'the lion to the elephant Pāṇḍya.' This could be no other than prince Sōmēśvara IV whose titles were Trailōkyamalla and Vīranārāyaṇa. That he was also called Āhavamalla is a new fact. Another record

Prince Sōmēśvara IV Āhavamalla.

of Jagadēkamalla's fifth year (No. 549 of appendix B), corresponding to A.D. 1143-44 refers to Kēsimayya (see Dr. Fleet's Dyn. Kan. Distrs, page 458) as the Mahāpradhāna, Antahpurādhyaksha, Kariturayapattasāhini, Śrīkaraṇa, Sarvādhyaksha, Sēnāpati and Herelālasandhivigrahin, ruling the districts Manadadi-nādu, Miriti-nādu, Kōsage-nādu, Gāļidirāla-Kallakeļagu-nādu, Koļļihāke-nādu, and Sindavādi-nādu. Of these, Koļļihāke-nādu is evidently identical with Koļļipāke-nādu and suggests the probable position in the Hyderabad State of the ancient Koļļipāke of the Western Chāļukya and Chōļa records.

44. One record of Vīranārāyaņa Sōmēśvara IV (No. 546 of appendix B) comes from Nandavaram in the Adoni taluk and Someśvara IV. is dated in Saka 1108. It mentions the king's Mahāpradhāna and Dandanātha Māļaparasa and records a gift made through the Saiva teacher Rudrasakti-Pandita, a pupil of Sarvajña-Mahāvādi Trilochanadēva. An earlier record of the same king is No. 555 of appendix B, which is dated in Saka 1106 and gives to the king the titles Trailōkyamalla-Bhujabalavīra and Rāyamurāri. A genealogical account of the chiefs Brahma (Bammadēva), his son Padmidēva and of Vatsaraja, the maternal uncle of the latter, are also given. The two last are stated to have been jointly ruling the whole of the eastern country including Sindavādi, from Tumbula alias Kīrtinārāyanapura, the capital of the Sindavādi province. Bammidēva was known also as Ťumbula Bammidēva, being evidently a native of that His father was Lakshmideva, son of Kalidasa, who was again the son of Among the heroic feats of Bammideva are mentioned the capture of Harischandra. Allu-Mallanripa and 'the extension of the Chalukyan kingdom right up to the sea (in the east), after defeating the Chola king and raiding his country'. These events which must fall into the reign of the Chola king Kulottunga III are not, however, referred to in the eulogistic accounts of that king found in Tamil inscriptions. Perhaps Bammideva's conquests of the Chola country must, if true, indicate the defeat which he may have inflicted upon some of the Chola subordinates of the Telugu districts.

45. The temporary usurpation of the Western Chālukya throne by Bijjala, the Kalachurya feudatory of Taila III took place in A.D. 1162 (Dr. Fleet's Dyn. Kan. The Kalachurya king Bijjala, the usurper of the Western Chālukya throne.

Distrs., page 462). No. 504 of appendix B, dated in Tāraṇa (i.e. A.I). 1164-65), two years after the date-of usurpation, mentions Bhujabalamalla as ruling from Kalyāṇa. The title Bhujabala-chakravartin

appears to have been a distinguishing surname of the usurper Bijjala. The great general Barma, Kali-Barma or Bammi-devarasa, the son of the general Kāiidāsa, who subsequently revived the Chālukyan supremacy as the subordinate of Sōmēśvara IV, was also Bijjala's subordinate and was governing the Sindavādi province with his capital at Kīrtinārāyana-nagara, the modern Tumbulam (No. 513 of appendix B).

To Bijjala's son Rāyamurāri Bhujabalamalla Sōmēśvaradēva belongs No. 513 of Sōmēśvara, the son of Bijjala and his capital appendix B. One of the seats of Government in his time was at Soleyahalli. A feudatory of the king, who had charge of the Sindavādi province, was the Mahāpradhāna Dandanāyaka named Kariya Kēsirājayya, the ruler of many countries, the comptroller of all wealth and Antahpura-vergade.

46. From No. 520 of appendix B, we learn incidentally that in Saka 1115 (not The Yādavas; Jaitugi I.

The Yādavas; Jaitugi I.

Yādava king Jaitugi I was ruling the country, his minister Murāri-Kēśava built a temple at Hiriya-Tumbala in the Sindhuvāti-(i.e., Sindavāḍi)vishaya, on the southern side of the Tungabhadrā river.

Singana; his initial date.

Singana; his initial date.

His sixth year according to No. 498 of appendix B corresponded to Prāmōdōtha, i.e., Pramōda (=A.D. 1210-11). This gives the initial date A.D. 1205-6 for the king. Dr. Fleet (Dyn. Kan. Distrs., p. 522) considered A.D. 1210-11 Pramōda as his first regnal year while Professor Kielhorn carried it back to A.D. 1207. The record under review is clear on this point. It states also that the king was then ruling, 'after having acquired the whole earth (by conquest) 'and that his Mahāyradhāna was Jagadāla Sömaya-Nāyaka, evidently related to Jagadāla Purushōttama mentioned on page 523 of Dr Fleet's Dyn. Kan. Distrs.

The first attempt of the Muhammadans to turn their attention to the Deccan was Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmachandra.

Rāmacha

47. The history of Jainism in the Kanarese districts goes back to very ancient The early Kadamba kings of Banavasi were great supporters of that religion. The Western Chālukyas appear to have been as good advocates of Jainism as of Saivism and Vaishnavism. Relics of Jaina Jainism in the Bellary district. influence in the western part of the Bellary district are revealed by a few lithic records of that period copied during the year, and even to-day members of that community are found distributed over some of the At Kammarachōdu, a village about eight miles south-west villages and towns there. of Adoni is a small shrine which contains the seated figure of a Jaina Tirthainkara (No. 411 of appendix E, photographs) now recognised by the worshipping priests (who do not appear to be Jainas strictly so called) by some Hindu name. A merchant of Adoni, who is trying to get the possession of the shrine back into the hands of the orthodox Jainas, brought the existence of this image to my notice and informed me that the figure is one of Vardhamana. An image of the Jaina Tirthamkara Vardha-The label on the pedestal, which is in

Kanarese characters of about the 12th century A.D., registers the reconsecration of the image (name not specified) by Chandavve, the wife of the merchant chief (Mahāvaḍḍavyavahāri) Rāyara-Seṭṭi, a lay disciple of the Jaina teacher Padmaprabha-Maladhārisvāmin. The shrine (Chaityagriha) is stated to have belonged to (the members of the) Pustaka-gachchha, Dēśīyagana, Koṇḍakund-ānvaya, and Mūla-saṅgha. There is thus no reason for any doubt as

māna at Kammarachōdu.

to the Jaina nature of the shrine and its ownership. The right of worship, however, may have changed hands at some period when the Jaina community was in a decadent condition. A similar instance of a Jaina temple which has passed into the hands of the Brāhmaṇas, is that of the so-called Padmākshi temple on the hill at Anmakoṇḍa Wandshundānwaya and the village Konda. (Ep. Ind. Vol. IX, p. 257). Koṇḍakun-

Koṇḍakund-ānvaya and the village Koṇḍakundi. Koṇḍakund-ānvaya and the village Koṇḍadā-nvaya, one of the well-known lineages to which the southern Jaina teachers

belonged, has evidently to be connected with a flourishing village near Guntakal which is called indifferently Kōnakondla, Kōnakuntla or Kondakundi. If this is correctly so, it can be safely asserted that the western part of the Bellary district must have once been a powerful Jaina centre. No. 565 of appendix B which comes from the village Kōnakondla calls the place Kondakundeya-tōrtha and refers to the construction of a basadi there called Chaṭṭa-Jinālaya by Nāvikabbe, the wife of the Mahāmandalēśvara Jōyimayyarasa mentioned above as one of the feudatories of Vikramāditya VI (A.D. 1077-1125). A still earlier reference to Jaina influence in this part of the country is supplied by No. 540 of appendix B from Hālaharavi (Adoni taluk), which is dated in Śaka 854 (roughly equal to A.D. 932-33).

#### THE TELUGU DYNASTIES.

48. The taluk survey of Narasaraopet has brought to light a number of inscriptions which clear up certain difficulties and add fresh light to our knowledge of the many subordinate families of chiefs who had occupied the Telugu country south of the Krishnā river in the 12th century A.D., prior to the advent of the Kākatīyas. The

Velanāndu chiefs.

Welanāndu chiefs whose sway extended practically over the whole of the Āndhra country (see Annual Report for 1909, page 121). The earliest Velanāndu chief mentioned in the collection is Chōda or Velanānti Rajēndua-Chōda who appears as No. 16 on the genealogical table on page 35 of the Epigraphia Indica, Volume IV. No. 441 of appendix B supplies for him the

Velanāṇṭi Rajēndra-Chōḍa.

date Saka 1054 and mentions his subordinate a certain Kāpa of Tūmbarru.

The record calls him the head jewel of king Velanāṇṭi Goṅka (i.e., Goṅka II) of the
same table though Velanāṇṭi Rājēndra-Chōḍa is actually meant. The attributes given
to Chōḍa, viz., that he defeated a certain Siddhi-Bēta (perhaps Bēta I of Branch C of
the Telugu-Chōḍas, on page 17 of the Annual Report for 1900) and that he was a
subordinate of the powerful Western Chālukya emperor Vikramāditya VI, are

interesting.

49. Inscriptions of Prithvīśvara Rajēndra-Chōda (No. 18 on the genealogical table) range from Śaka 1085 to 1121 as noted in the Report for 1909 quoted already. It Kulōttunga-Chōda Gonka III and Prithvīśvara.

III in the latter part of his reign and his co-adjutor in the administration of the

III in the latter part of his reign and his co-adjutor in the administration of the kingdom. In No. 347 of appendix B dated in Saka 1077, we are informed that a grant was made for the merit of Gonka and Rājēndra-Chōda while the latter himself granted the tax on marriages for the Vishnu temple at Pamidipādu-Agrahāram. A wife of Kulōttunga-Chōda Gonka III different from Jāyāmbā, the mother of Rājēndra-Chōda mentioned in the Pithāpuram inscriptions, was Kāmāmbā or Kāmidēvī referred to in No. 443 of appendix B. It is herein stated that she was the

Kāmāmbā or Kāmidēvī, wife of Gonka III. daughter of a certain lady Sokkama who was herself the daughter of the chief Pōtaya-Nāyaka, the lord of Dūbavāḍa. Of this Sokkama, the inscription records the interesting fact that she surpassed the celestial nymphs Rambhā, Ūrvaśī and Mēnakā in beauty, was a dancer (nartakī) in the temple of Paṇdīsvara at Sanadavrōlu (i.e., Tsandavōlu in the Repalle taluk) and was the foremost among the Māhēšvara-maids (of service) in that temple. This Sokkama, as the result of a boon granted by the

The daughter of a maid-servant of the temple of Pandisvara.

god, begot two sons and a daughter. The former were Kāma and Saraņa and the latter Kāmidēvī. Kāma died in the battle at Chervulakōṭa after defeating the army of Gaṇapati, and Saraṇa pleased

the king Chōḍi, i.e., Kulōṭṭuṅga-Chōḍa Gonka III by chasing up to the sea an enemy chief named Chandarāya. It is doubtful if Gaṇapati, the enemy of Gonka III has to be identified with the famous Kākatīya king of that name.

50. Another family of chiefs who were powerful in parts of the Telugu country south of the Krishnā, immediately before the Kākatīya invasion, was that of the Telugu-Chōdas. Rai Bahadur V. Ven-Telugu Chōdas. kayya has given a complete account of these chiefs with their collateral branches, in his Epigraphical Report for 1900, pages 16 ff. Some of the inscriptions of the family copied during the year supply fresh names for the genealogy. The Mahāmandalēśvara Kannāradēva-Mahārāja and his brother Choda-Ballideva are mentioned in Nos. 316 and 327 of appendix B. as sons of Kāma-Chōda. In the genealogical table given by Mr. Venkayya these names do not appear. It becomes clear as Kannāradēva and Balli-Chōda sons of Kāma. suggested by No. 316 of appendix B that Balli and Kannāradēva must have been brothers of Tribhuvanamalla. The date Saka 1037 of both the seconds further indicates that they may have been the elder brothers of Tribhuvanamalla for whom we have the dates Saka 1059, 1064, 1069, 1070. The casual mention of a certain Rudraya-Nāyaka as the commander of the forces of Pro[la] (No. 316), may become important in case this Prola is identical with the Kākatīya chief Prola II, whose Anmakonda inscription of Saka 1039 has been published in *Epigraphia Indica*, Volume IX, pages 256 ff. No. 327 of appendix B likewise mentions the *Mahāmandalēsvara* Kadiyarāja, a subordinate of Vishņuvardhana and the lord of Kamma-vishaya as having ratified the grants made by Choda-Ballideva and his brother Kannaradeva. The necessity for this act of Kadiyarāja presupposes the subordinate position of the Telugu-Chōdas to the Chōda-Chālukya sovereign Vikrama-Chōda (Vishnuvardhana XI) who as his father's viceroy in the Vēngī country reigned between A.D. 1092-93 and 1118 (South-Indian Inscriptions, Vol. III, p. 180).

51. Of Nanni-Chōda and his broth r Kannāra-Chōda, the sons of Tribhuvanamalla and Māchaladēvī (or Mābaladēvī) we have records which are dated in Śaka 1075 to 1098 (Nos. 363 and 365 of appendix B) and of Tribhuvanamalla himself also called Other Telugu-Chōdas.

Tribhuvanamallad va Pottapi-Chōda Mahārāja, we have one, dated in Śaka 1073 (No. 364 of appendix B). Tirukalidēva-Chōda-Mahārāja, son of Tirukalidēva-rāja (No. 407 of appendix B) was a member of the Telugu-Chōda family, not known from other records.

Ōpilisiddhi II, the last member of branch B of the Telugu-Chōdas mentioned on page 17 of the Annual Report for 1900, is known to have been a dependent of the Kākatīya king Gaṇapati and to have been ruling over the Āruvēlu country. In No. 410 of appendix B we have a still later chief of this family, viz., Bhīmadēva Kēśavadéva-Chōda-Mahārāja, son of

A late member of the family.

Chōḍadēva-Mahārāja and Kalyāṇamahā-dēvī as the owner, in Śaka 1157, of a village grandtel to him by Anunguēva-Mahārāja, a subordinate of Gaṇapatidēva-Mahārāja.

This latter is also mentioned with the same date in No. 278 of 1905.

52. Five records in the collection belong to the time of the Kākatīya king Gaṇapati,

Kākatīya: Gaṇapati.

the earliest of which (No. 331 of appenddix B) is dated in Saka 1140 and the latest (No. 405 of the same appendix), in Saka 1171. The Tantrapāla of the king, Prōla-Rautu and his sons Ekki-Nāyudu, Rudri-Nāyudu, Pinna Rudri-Nāyudu and Prōli-Nāyudu are mentioned in No. 330 of appendix B. A great minister of the king was Bhāskara who appears as the donor in No. 405 of appendix B.

Rudrāmbā, the daughter of Gaṇapati, who ruled under the male name Mahā-mandalēśvara Rudradēva is represented in the collection by Nos. 333 and 367 of appendix B, which are dated in Saka 1199 and 1208 respectively. The former states that Pōti-Nāyuṇḍu one of her Sāmantas built a temple at Rāvūru and granted some land for it in a village in Anumakoṇḍi-nāḍu evidently so-called after Anumakoṇḍa, the capital of the Kākatīya kings in the Hyderabad State. The sons of Pōti-Nāyuṇḍu were Sūrapa, Pōtaya and Māraya of whom the two latter held a long list of birudas.

such as 'the ornament of the Durjaya family', 'the chief of the Valavuțla race', 'the protector of Kānchī', 'the demolisher of Kaṭaka,' 'the lion to the elephant Gajapati,' 'the bee at the lotus-feet of the Chālukyas of the Vēngī country' and 'the central pillar in the administration of the Chālukya kingdom.' It is difficult to explain the propriety of the last two titles at a period long after the disappearance of the Chālukya rule, except on the supposition that these titles were hereditary in that family. From No. 401 of appendix B, we learn that queen Rudrāmbā was sometimes called

Called Pratāpa-Budradēva-Mahārāja in a record of Śaka 1189.

also Pratāpa-Rudradēva-Mahārāja and that some of her chief officers were Māramarāju, Prolamarāju Dārapa-Nāyudu and

Mari-Nendu. No. 578 of appendix B, dated in Saka 1183 falls into the reign of Rudrāmbā but does not mention her by name. It refers to the chiefs Parichchhēdi Pandrāju, Vallabharāju and Peda-Kommarāju who held a long list of titles, similar to those of Nambha, Nambaya or Nambirāju noticed at pages 224 and 225 of Epigraphia

Parichchhēdi chiefs.

Indica, Volume VI. Nambirāju was a subordinate of the Chōla-Chālukya king

Vikrama-Chōla whereas the chiefs mentioned in No. 378 held the titles Parichchhēdin, Raṭṭakaṭa[ka]-raksha (i.e., the guards of the Raṭṭa camp) and "supporters of the kingdom of [Vēngī]-Chālukyas." It is not unlikely that these Parichchhēdis were among the chiefs who were opposed to and caused disturbance in the reign of Rudrāmbā (see page 80 of the Annual Report for 1906). Two other inscriptions of this same family of chiefs are Nos. 431 and 432 of appendix B, which mention them as belonging to the fourth (i.e., Śūdra) easte and their first ancestor as Bhīmarāja. The genealogy given in the latter is incomplete but supplies the names Guṇḍa and his sons Rāma and Bhīma of whom the latter is very likely the Parichchhēdi Chikka Bhīmarāja mentioned in No. 431.

53. One of Pratāparudra's officers was Kondapeddi Mañchingāru called in No. 298

Pratāparudra.

of appendix B, "the controller of the Palace" (nagari-adhikāri). The date obtained from No. 308 of appendix B, viz., Kshaya (corresponding to Saka 1248), is four years later than the latest date given for Pratāparudra on page 108 of the Annual Report for 1910. It mentions the prime minister (Mahāpradhāni) Kolani Rudradēva. A military officer of Pratāparudra was Bōlnēningāru alias Gōpālavardhana of whom No. 325 of appendix B, states that he had routed the Pāndya king in a compaign

which he had led against him. This is evidently a reference to the very same compaign against the Pāṇḍya which the general Muppidi-Nāyaka is stated to have led, in an inscription at Mallam (Annual Report for 1909, page 120). It must be hence presumed that Bōlnēningāru was like Muppidi-Nāyaka, another general of Pratāparudra, who was concerned in the fight with the Pāṇḍya army. The existence of a fragmentary record of Pratāparudra so far south as Jambukēśvaram in the Trichinopoly district (Ind. Ant., Vol. XXI, page 200) might be taken to prove that the victorious generals of Pratāparudra after defeating the Pāṇḍya forces at Kāṇchī may have followed up their victory right into the heart of the Pāṇḍya country. No. 326 of appendix B, is dated in Saka 1245 and mentions four lēṅkas of the king, three of whom were Māraya, [Pichchi]ya and Rudraya. The term lēṅka appears to denote a devoted servant or officer of the king and occurs also in early Kanarese inscriptions in this same sense (see Annual Keport for 1915, page 88).

54. The Shatsahasra (Telugu Āruvēlu) or 'the six thousand' country on the southern bank of the Krishnā river appears to have been held in the early part of the 12th century A.D. by a line of chiefs of the Durjaya family who called themselves

The Kondapadmati family.

'the lords of Kondapadmati' and then by another collateral line of chiefs who called pages 274 ff. of Epigraphia Indica, Volume VI and some information about the latter has been given above under the section Parichchhēdis. No. 393 of appendix B, Chōla-Chālukya king Kulōttunga-Chōla II and registers a gift of land to the goddess Karnamōtī (i.e. Chāmundā). The first chief of the family, Buddhavarman, is stated to have obtained the 'six thousand' country as a gift from Trinayana-Pallava who is known from the Eastern Chālukya grants to have been the opponent of Vijayāditya

of Ayōdhyā, in or about the 6th century A.D. The next king born in the family of Buddhavarman was Manda who was a military officer under the Velanāndu chief Rājēndra-Chōda and who on behalf of his master appears to have fought a battle with the Gangas of Kalinga. His son was Buddha II who married Gadiyamā and their son was Manma-Manda. This genealogy agrees with No. 1 of the dynastic tables given on page 274 of *Epigraphia Indica*, Volume VI, with the difference that in the printed table Manda of our record is called Erra-Manda.

A feudatory family of warriors who served under this branch of the Kondapadmati chiefs, is described in No. 441 of appendix B. Although the grant mentioned herein refers to the time of the Velanāndu chief Rājēndra-Chōda, still one A feudatory who fought a battle at Mannēru. of the immediate predecessors of the donor Kāpa, is stated to have received the feudal insignia such as the betal-pouch, the palanquin, different patterns of parasols, bugles, and presents from the Kondapadmati chief Buddhavarman, to have rendered valuable military service to Manda or Erra-Manda, [the son of Buddha I], in a battle fought near Mannēru (in the Nellore district) and to have hence earned the title Mandanagandhavārana (i.e., the masi-elephant of Manda).

No. 394 of appendix B, dated in Saka 1093 comes from Nādendla and refers to another branch of the Kondapadmati family. It mentions the chiefs Buddharāja and Manderāja (son of Mallerāja) referred to in No. 3 of the genealogical tables on page 274 of Epigraphia Indica, Volume VI.

55. The next rulers of 'the six thousand' country, after the Kondapadmatis, The Kōtas; Edavalli plates of Kēta III. were the Kōta chiefs of Dhānyakataka (near Amarāvatī, in the Guntur district), first brought to notice by Dr. Hultzsch in his paper entitled "Two pillar inscriptions at Amarāvatī" (Epigraphia Indica, Volume VI, pages 146 ff.). Prior to this publication, it was known that Gaṇapāmbā or Gaṇapāmbīkā, the daughter of the Kākatīya king Gaṇapati, had married the Kōta chief Bēta. At Edavalli in the Narasaraopet taluk has been discovered a set of plates (No. 5 of appendix A) which give a complete account of the Kōta ancestry and record the gift of the village Edavalli to no less than 404 Brāhmanas who were natives partly of the Shatsahasra country or Konnātavādi as it is called in the Yenamadala inscription of Gaṇapāmbā (Epigraphia Indica, Volume III, pages 94 ff.), over which these chiefs ruled and of the adjoining Vēngī country.

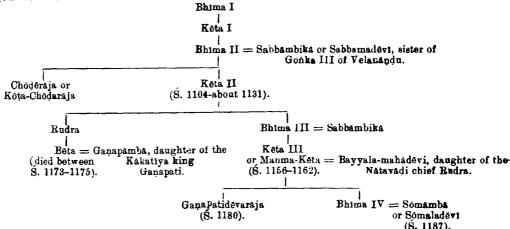
The genealogy given at the beginning of the inscription includes the names Bhīma I, his son Kēta I, his son Bhīma II, his son Kēta II, his son Bhīma III and his son Manma-Kēta (i.e., Kēta III) son of Sabbāmbikā. The date of the grant is given in the numerical words kara (2) tarka (6)  $bh\bar{u}$  (1) and sasi (1), (i.e., 1162). The Amarāvatī pillar inscription A referred to above is dated in Saka 1104 and

Their genealogy.

supplies the names of the first four of these kings mentioning Sabbamādēvī as the wife of Bhīma II; while, inscription B on the same pillar, is dated in Śaka 1156 and records a gift by Kōṭa-Bayyalamahādēvī, a probable queen of Manma-Kēta (III). Professor Hultzsch identified this chief Manma-Kēta with Kēta II. But from the Edavalli grant it becomes clear that Manma-Kēta was the name of a grandson of Kēta II. Further records of Manma-Kēta which would enable us to give the extent of his rule have not been obtained. From No. 299 of appendix B, however, we learn that in Śaka 1187 there was ruling a Kōṭa chief named Bhīma. Perhaps this Bhīma is to be considered as Bhīma IV, a son (?) of Manma-Kēta. An undoubted son of Manma-Kēta, however, was the Mahāmandalēśvara Jagamechchugaṇḍa Gaṇpati-dēvarāja who in No. 391 of appendix B, dated in Śaka 1180, is distinctly called the son of Bayyaladēvī.

The Kōta chiefs were related by intermarriage to the Kākatīvas and the Velanāndu chiefs. Bayyalamahādēvī was a daughter of the Nātavādi chief Rudra who had married Mailamāmbā or Mēlāmbikā, a sister of the Kākatīva king Gaṇapati (see No. 204 of 1905). It is noteworthy that this Bayyama, very like the queens of Kēta II, was a devotee of the god Buddha at Amarāvatī. We have already seen that

Gaṇapāmbā, the daughter of Gaṇapati was given in marriage to Bēta, a grandson of Kēta II. The Kōta genealogy derived from the inscriptions quoted above, may now be arranged as follows:—



From the eulogy with which their grants generally commence, it appears as if the Kōṭa chiefs were first the enemies of the feudatories of the Chōḍa-Chālukya sovereigns. By this it has to be inferred that the Telugu country about that period was divided into a number of principalities some of which were still attached to the

Characteristic titles.

defunct Chōḍa-Chāļukyas while others had become either independent or subor-

dinate to the Kākatīya conquerors. The Kōta chiefs bore the characteristic titles Jagamechchuganda and Gandabhērunda. The former was perhaps acquired for the first time by Kēta II who was evidently the most powerful prince of the family and was perpetuated by him by naming a village as Jagamechchugandapuram, after this title (Epigraphia Indica, Volume VI, page 147). The latter must have been even more characteristic; for, gandabhērunda the fabulous bird of two heads, was adopted by the Kōtas as their royal crest, as we find it represented on the seal of the Edavalli plates.

56. The genealogy of a line of chiefs, evidently a branch of the Telugu Pallavas, (see Annual Reports for 1906, page 63, Telugu Pallava and other chiefs who were paragraph 7 and for 1910, page 81, paragraph 8) is described in No. 463 of independent of the Kākatīya suzerainty. appendix B. These chiefs claimed descent from the mythical Kādvetti "who had a (third) eye on the forehead (like Siva) and had granted 70 agrahāras to Brāhmanas". În this family was born Nărāyana. His son was Udayana, whose flag was a bull and The date of the record falls into the reign of the Kākatīya king his son Nāgadēva. Ganapati. A brother of Nāgadēva was Nārāyana of the Bhāradvāja-gōtra whose record No. 462 of appendix B is dated in Saka 1173. Evidently these chiefs of the Kadvetti line held a portion of the Telugu country independently of the Kākatīya sovereign. The same will have to be said of Choda-Baddiga and Udaya-Manma mentioned in Nos. 460 and 461 of appendix B. It was noticed in one of the previous reports that a certain Trinētra or Isvara also called Mukkanti Kāduvetti was the donor of a village in Paschima-Pākanādu, in the Saka year 723 and that his predecessor Trinētra had granted 70 Brahman villages east of the Tripurantaka hill (Annual Report for 1908, p. 82 f.). It is not unlikely, therefore, that the Kāduvetti mentioned in the Kondanāyanivaram inscription must be presumed to belong to about the same period

Nallasiddharaśar, a member of the family of Mukkanna Kādvetti, with the usual The Telugu-Pallava king Nallasidharaśar. string of birudas figures in No. 192 of appendix C issuing an order in the 15th year of his reign to confirm as tax-free gifts, two villages on the temple of Vijayarāghava-Perumāl at Tiruppukkuli. Nallamsittarasan, probably an earlier chief of the same family, occurs as a feudatory of Kulöttunga Chōla III in his 26th year.

57. A record in the Narasimhasvāmin temple at Nekarikallu in the Narasaraopet taluk, referring to the history of the grants to that temple, speaks of an early king The Reddis: Ana-Vēma.

Buddha (probably the Kondapadmati chief Buddharāja) who gave 50 puttis of land to it; then of the king Singa who raised the grant to 100 puttis and then of the Reddi

king Ana-Vēma who gave the whole of Nārasimhyapura, i.e. Nagarakallu (?), to that temple. The record is dated in Śaka 1254 and falls into the reign of the Kondavīdu king Ana-Vēma-Reddi. Peda Kōmati-Vēma, one of the patrons of the famous poet 5rīnātha (see *Ep. Ind.*, Vol. XI., p. 315) is referred to in No. 402 of appendix B which is dated in Saka 1327 and records

Peda Kōmaṭi-Vēma. which is dated in Saka 1327 and records the construction of a tank by a merchant.

The localisation of Nādindla which occurs in the introductory part of the inscription is interesting. It states that Nādindla was in Kamma-nāndu in the Kōta province the ornament of the Trilinga country, extending by the side of the sea along the river Ōmkāra, overshadowed by the Śrīśaila hill. The inscription further add's that the god at Nādindla was worshipped by such kings as Krishna-Mādha-[va]varma, Buddhavarma, Chikka-Bhīma and other great kings. Krishna-Mādhavavarma is evidently the mythical king Mādhavavarman mentioned in one of the Bezwada inscriptions (Annual Report for 1910 page 81, paragraph 8) and the two others Buddhavarman and Chikka-Bhīma the Kondapadmati and the Parichchēri chiefs already referred to.

58. Subsequent to the Reddis the Gajapatis are known to have occupied portions of the Telugu districts long before they were ousted by king Krishnarāya. In Saka 1418 which is the latest date known for Purushōttamadēva, we are told in No. 469

The Gajapatis: Purushottamadeva. of appendix B, that a subordinate of his named Sarvepalli Timmā-Reddi and entitled Hindurāvu-Surathāṇi, made in this year a grant to the Chennarāya temple at Santarāvūru.

#### THE VIJAYANAGARA DYNASTIES.

59. Kumāra Kampaṇa-Udaiyar known as Kampaṇa II has been referred to already under the section on the Fāṇdyas as the famous son of Bukka I, who extended the

Kampaṇa-Udaiyar.

Vijayanagara kingdom far into the South.
One record of his at Brahmadēśam in the

North Arcot district (No. 272 of appendix B) gives him the date, Saka 1285 and mentions his prime minister Sōmaya-Dandanāyaka (Annual Report for 1913, page

Sāyaṇa-Udaiyar mentioned in an inscription at Tirukkalākkudi in the

Ramnad district (No. 98 of appendix C), which is dated Dundubhi (=Śaka 1304 expired) must be identical with Vīra-Sāvana-Udaiyar, noted as a son of Bukka I in the table given on p. 86 of the Annual Report for 1907.

One record of Harihara II which is dated in Saka 1321, Yuvan (No. 217 of appendix C) confers on the temple at Tiruppukkuli one half of the cess called Idangaivari and other connected taxes on the Idangai community which included the Kaikkōlas and others and stipulates that the Sankēta-Samaiyakkārar may not interfere.

No. 155 of appendix B gives to Bukka II a son of Harihara II, the date Sarvadhārin which corresponds to Saka 1330 expired and thus supplies a date one year later than what has been already known for him (Ep. Ind., Vol. VI, page 330).

60. Dēvarāya II was one of the most powerful kings of the first Vijayanagara dynasty. His kingdom is known to have extended right up to the southern ocean.

Dēvarāya II.

One of his ministers was Dandanāyaka-Lakkana who is stated to have gone on a voyage to the frontier of Ceylon. Nuniz says that the king of Ceyllao (Ceylon) paid tribute to Dēvarāya II (Archæological Survey Report for 1907-8, p. 249, foot-note 10). No. 144 of appendix C, perhaps rightly, gives to Dēvarāya the title fire appendix C is an order (nirupa, rāyasa or uttāra) by the king to Śrīgirinātha of Chandragiri, asking him to remit the jōdi of 131 pon (varāhan) and 6¼ panam or

Nirupa and Tiruvahichchittu.

1,316¼ panam at 10 panam per pon due to the Chandragiri-rājya from Tiruppukkuli, in order that that amount might be utilised for the temple of Pōrērrupperumāl of that place. The order, further, requests the viceroy to send his own tiruvahichchāttu

to the sthānikas of the village, to make copies of the king's order (rāya:a) in the four registers and to place the original document in the hands of the sthānikas as a sāsana. No. 173 of appendix C is the tiruvahichchīttu of Śrīgirinātha issued in compliance with the orders of the king to the sthānikas of Tiruppukkuli. The document is signed by Śrīgirinātha in Kanarese characters and language. This Śrīgirinātha may have been the younger brother of Dēvarāya II who is known from his Madras

His brother Śrīgirinātha.

Museum plates (Epigraphia Indica, Vol. VIII, p. 308), to have been the ruler of the district Maratakanagara-prānta in or about Śaka 1346. The present record suggests that about Śaka 1352 he was the viceroy of Chandragiri. From the Satyamangalam plates of Dēvarāya II (ibid, Vol. III, p. 35) we know that Pratāpa-Dēvarāya was a brother of Dēvarāya II governing this same part of the country about Saka 1349. It is not unlikely that Śrīgiri and Pratāpa-Dēvarāya are identical.

Lakkana-Nāyaka or Lakkana-Dandanāyaka, mentioned above, is again referred to as Lakkappa-Nāyaka in a record at Tiruppukkuli (No. 193 of appendix C) which is highly damaged, but registers the interesting fact that the lands concerned, which were service-ināms were neither to be sold nor mortgaged by the parties who received

them and that the lands being measured by the rod Rājavibhāṭan-kōl, this document was itself to be accepted as the royal order conveying the lands (🍎 🚊 🍎 🍎 🍎 🌣 (). He that sold or mortgaged the land would suffer the punishment that traitors to the king and to the community would suffer, and in addition be liable to a fine imposed by the officers of the temple treasury. Another of Dēvarāya's inscriptions from Śrīmushnam (No. 230 of appendix C) informs us that the nāttār tandirimār of the 18-parru district of Irungōlappāndi-nādu made a joint gift of certain taxes payable by the tenants living in the tirunadaivilāgam of the Śiva and Vishņu temples at that village for conducting a service called Periyanāttān-śandi in both of them. The taxes included nāttukkānikkai, nāttuvīniyōgam, pattīrai, pādagavari, palavari, puduvari, pulugupādu, porpādu, kāśupādu, pudavaippādu, nelpādu and mulaikkūli on the tenants, their cows, horses and goats.

Mallikārjuna

Nityēśvara Šiva temple at Šrīmushnam, the taxes amounting to 20 panam (?) collected from the Kaikkōlas living in the tirumadavilāgam of that temple (No. 252 of appendix C) in order to conduct a service in that temple, called the Rāhuttamindan-sandi. The name of the chief after whom this service was instituted occurs in No. 254 of appendix C, as Ēkāmbaranātha-Kachchiyarāyan who "built in that temple the Mahāmandapa, the hall in which the Nandi (bull) was installed "and the Nritta-mandapa "the dancing-hall". An account of the ancestors of this chief is given below on p. 150. The same chief or perhaps a near relation of his with the title Rāhuttamindan is mentioned in No. 269 of appendix C, dated Vikrita, corresponding to Saka 139 3

Praudha-Virūpākshadēva-Mahārāja. which belongs to the reign of Praudha-Virūpākshadēva-Mahārāya "who was pleased to witness the elephant hunt". The name Praudha-Virūpāksha and the title denote Virūpāksha, the son of Praudha (i.e., Praudhadēvarāya).

62. Of the Sāļuvas we have only very few records. Immadi Tirumalaidēva-Mahārāja of No. 238 of appendix (!, which is dated in Viśvāvasu, corresponding to Saka 1408, may be identical with Siru-Tirumalairāja whose gift to the temple on the Tirumalai hill is dated in Saka 1403 (Archæological Survey Report for remitting certain taxes through the agency of his feudatory Nāgaiya-Nāyaka. It threfore appears as if he must have been a ruler of the Vijayanagara kingdom or part thereof unlike Siru-Tirumalarāja who was only a petty chief of a collateral branch of the Sāļuva family (Annual Report for 1915, page 108, paragraph 46). Again, Dr. Hultzsch has published a record from Tanjore of king Tirumalaidēva-Mahārāja (South-Ind. Insers. Vol. II. p. 117 f) who bears all Sāļuva titles. The record is dated in Saka 1377, i.e., 26 years prior to the date of our grant.

Another of Saka 1385 from Srīrangam calls him Gopa-Timma-nripati. these adds the distinguishing title Immadi. Still it is not impossible that the king here intended is Saluva Tirumalaideva-Maharaja of the Tanjore and Śrīrangam He was evidently called Immadi being the second king of that name in the Sāluva genealogy given on page 168 of Archæological Survey Report for 1908-09. A successor of Sāluva Tirumalairāja in the government of the Trichinopoly country was Pattukattāri Konēridēva-Mahārāja (Annual Report for 1912, page 79,

paragraph 54). From Srimushnam comes Konēridēva-Mahārāja. a record (No. 249 of appendix C) of his time dated in Kīlaka (corresponding to Śaka 1410), which registers a grant of a village to the temple of Tirunārāyaṇīśuramuḍaiya-Nāyaṇār by the chief Nāgaiya-Nāyaka, son of Koneri-Nayaka, mentioned already as a subordinate of Immadi Tirumalaidēva-Mahārāja. It is interesting to note that no less than 66 items of taxation are mentioned.

- 63. To a different branch of the Sāļuvas belonged the Mahāmandalēśvara Kathāri Sāluva Telungurāyadēva-Mahārāya, son A collateral branch of the Saluvas; Telun-Samburāya and Nāgalidē ramma gurāya-Mahārāya. (No. 476 of appendix B). This chief appears to have been ruling (?) somewhere in the northern part of the modern Nellore The Telugu poet Śrīnātha refers to him in his Jaimini-Bhāratamu and this fact has been noticed already by Mr. J. Ramayya Pantulu in his article on the "Dēvulapalli Plates of Immadi-Nṛisimha" (*Ep. Ind.* Vol., VII, p. 76), where also he calls attention to another record of the same chief at Simhāchalam in the Vizagapatam district. No. 473 of appendix B, which is sixteen years later in date than the one mentioned above, registers a grant for the merit of this same Telunguraya-Maharaya.
- 64. Narasana-Nāyaka, the agent of the Sāluva king Dharmarāya-Mahārāva, son of Sāluva Naraśingarāya-Mahārāya is stated in No. 143 of appendix B, to have been actually ruling the kingdom (prithvīrājya) in the Saka year 1420 (= A.D. 1498-99). No. 47 of appendix C also states that Narasa-Nayaka was administering the kingdom for Bhujabalarāya Dharmarāya (son of) Naraśinga in Saka 1424. These furnish two other instances to prove the suzerain power actually wielded by this able minister Narasā-Nāyaka on behalf of the puppet The Tuluva general Narasana or Narasāsovereign Dharmarāya (Tamarao) Immadi Nāyaka and Dharmarāya-Mahārāya. Narasimha II. The latter of the records

mentions the chief Tipparasa-Udaiya, a subordinate of Dharmaraya (Archaelogical Survey Report for 1908-09, page 169, foot-note 2) and his agent Tammaya-Nāyaka. The condition of the people of the Ramnad district in the last days of the Saluva usurpation does not appear to have been satisfactory. No. 50 of appendix C registers a sale of land by the Marava inhabitants of Velangudi under very distressing circumstances. They had no means of discharging their revenue dues to Government; for, as significantly stated, "it was the period of occupation by the Kannadagas (Karnatakas)." Evidently the taxation was heavy and the people were much oppres-That this was also the case in other parts of the Vijayanagara empire about this period is proved by No. 247 of appendix C from Śrīmushnam which states that, in Saka 1426, a certain chief revised the rates of taxes "which had become exorbitant in the time when the country was in the

Oppression by heavy taxation during the time

hands of the Kannadiyas. The cultivaof the Kannadiyas. tors owing to the oppression had dispersed and the svarūpa (?) scattered." He ordered (1) that the lands might be measured year after year with the standard rod of 34 feet, (2) that 15 panam (including all items of taxation) be levied on 1 mā of dry land and 20 panam on 1 mā of wet land, (3) that towards araisupēru \frac{1}{8} panam be levied on each tenant, 3 panam on each loom of Settis, 2 panam on Kammāla agriculturists, 3 panam on Kaikkōla weavers, and (4) towards idaitturai be collected  $\frac{1}{4}$  panam on each cow,  $\frac{1}{2}$  panam on each buffalo and  $\frac{1}{4}$  panam on 8 sheep. If the rate of exchange suggested by No. 172 of appendix C (noticed under Dēvarāya II), viz., 1 pon or varāhan = 10 panum is accepted and 1  $m\bar{a}$  is, as at present,  $\frac{1}{20}$ th of a  $v\bar{e}hi$  the assessment fixed by Trinētranātha Kachchiyarāya can in no case be considered as mild.

65. It has been suggested that Vira-Narasimha actually succeeded to the Vijayanagara throne in or about Saka 1424 ( = A.D. 1501-2) or in A.D. 1504 (according to Mr. Sewell). He is stated in No. 289 of appendix B to have been the son of Misaraganda Katiari-Saluva Bhujabaladeva-Maharaya and to have been ruling in the Saka year 1431, Sukla ( = A.D 1509-10), Karkataka (Śrāvana-Bhādrapada). This reduces the period between the date of Vīra-Narasimha. Krishnarāya's coronation and the latest

date of Vīra-Narasimha to about one month. Bhujabaladēva thus appears to have also been a title of Narasā-Nāyaka though Nuniz applies Busbalrao (Bhujabalarāya) only to Vīra-Narasimha. Vīra-Narasimha's feudatory mentioned in No. 289 is the Mahāmandalēśvara Pottiyadēva-Chōla-Mahārāja (திரிபுவன வீசகுவ வென்றுசம்மட்டி) who was "the hedge-hammer on the back of the host of heroes of the three worlds." Another chief who held the same title is noted below under king Krishnarāya.

66. ()ne of Krishnarāya's chiefs, who was governing the Muluvāyi country, in the last days of his reign was a certain Tryambaka-Udaiyar, son of Tipparasa-Udaiyar (Nos. 138 and 140 of appendix B). He is probably identical with Trimbicara mentioned by Nuniz as one of the chiefs

Kṛishṇarāya; his subordinate Tryambaka-Udaiyar.

who commanded Krishnarāya's army in his campaign against Raichur (Archæological This statement,

Survey Report for 1908-09, page 182, foot-note 5). The second of these inscriptions refers to Tiruchchengodu from which it comes, as the padaividu (camping place) of [Skanda], the son of Ardhanārīśvaramudaiya-Tambirānār. perhaps, accounts for the fact that in the temple on the hill at Tiruchchengodu, the shrine of Subrahmanya claims equal importance with that of Siva Ardhanārīśvara. The record also refers to the colonisation of a suburb of Tiruchchengodu. panam on each cultivator (ulavukudi) using his plough. The professionals (Kāśāvargam) such as settis, merchants and Kaikkola-mudalis were exempted from paying any assessment for the first two years but were required to pay 3 panam from subsequent years.

Another officer of Krishnarāya was Adappattu Vaiyappa-Nāyaka, whose brother

Vaśavappa-Nāyaka provided for a special festival in the Vishnu temple at Tiruppuk-Adappattu-Vaiyappa-Nāyaka, another subordinate: Jyeshthā, the asterism of Krishņakuli on the day of the asterism Jyeshtha rāya's birth. in the month Māśi under which king Krishnaraya was born (No. 216 of appendix C.).

Sellappar Vīra-Narasimharāya-Nāyakkar who figures in Krishņarāya's inscriptions found in the Chingleput district, is mentioned in No. 225 of appendix C, from Taiyūr, as a son of Taluvakkulaindān-Sellappar Vīra-Narasimharāya-Nāyakkar. Bhattar who held some office in the Ekam. baranātha temple at Conjeeveram. Under orders of this Vīra-Narasimharāya-Nāyaka who as stated elsewhere, (Archaeological Survey Report for 1908-09, page 185, footnote 1) was an officer of the king that commanded much respect and was immensely endeared to him, a certain Dakshināmūrtiyār Tiyāgapillai granted a village to the Šiva temple of Šenganmālīsvara at Taiyūr.

The two famous ministers of Krishnaraya viz., Saluva Timmarusayya and Rāyasam Kondamurasayya are mentioned Krishņarāya's ministers Sāļuva Timmarusayya in No. 336 of appendix B. The former and Rayasam Kondamarusayya. is also mentioned in Nos. 294, 335 and The parents of the latter were Timmarusayya and Singāyamma 353 of appendix B. for whose merit the minister is stated to have founded some charities at Chējerla. These names were known to us already from Krishnarāya's record at Chōlasamudram under the forms Timmarasamantri and Sangamāmbikā (Annual Report for 1912, page 80).

A hitherto unknown subordinate chief of Krishnarāya is the Mahāmandalēśvara Ālamandala Sarvayyadēva-Chōda-Mahārāja who is mentioned in No. 353 of appendix B, dated in Saka 1445. He held the title Sarvayyadēva-Chōda-Mahārāja Alamandala 'Tribhuvanabirudula-vennu-sambeța, i.e., Alamandala and Kākolanidēva-Chōdathe hedge-hammer on the backs of the Mahārāja. titled chiefs of the three worlds.' An

earlier chief of the same family was Alamandala Kākolanidēva-Chōda-Mahārāja who is mentioned in four inscriptions from Elūru (Nos. 429, 430, 434 and 435 of appendix B) which are, however, wrongly dated. Evidently, this chief, whose date falls into the period of the Sāļuva usurpation of the Vijayanagara kingdom must have been quite independent of the Vijayanagara suzerainty. His grant to the temple of Telungurāya at Kākolanu, and his proper name Kākolanidēva suggest that he was a devotee of that temple.

A much damaged inscription (No. 433 of appendix B) refers to Krishnarāya's pillar of victory set up in the heart of the Kalinga country and mentions Nādindla. Gōpa, his Viceroy at Kondavīdu who was a nephew of Pratāpa Sāluva Timmarusayya.

Nādindla Gōpa, his Viceroy at Kondavīdu.

These facts were already known to us from the Kondavīdu inscription of Krishnarāya published in Ep. Ind. Vol. VI, p. 112 f. The title Pratāpa given to Sāluva Timmarusayya in No. 433 was evidently on account of his heroic capture of Kondavīdu in Saka 1437 (ibid.).

An officer at the door (வாசல்) of Krishnarāya was Ādiyappa-Nāyakkar who may be identified with Adapanayque of Nuniz Adiyappa-Nāyakkar or Adapi-Nāyaningāru and with the minister Adapi-Nāyaningāru identical with Adapanayque of Nuniz. mentioned at foot-note 5, on p. 182 of the Archwological Survey Report for 1908-09. His brother Sinnappa-Nāyakkar is stated in No. 246 of appendix C to have granted a nirūpa to the agriculturists of the 17-parru district who had migrated Heavy taxation. to other places on account of excessive The permanent settlement of kadamai, kānikkai, kudi, mādu-kānikkai, taxation. puravari and viniyōgam, now introduced by Sinnappa-Nayakkar fixed 28 panam on wet lands and 22 on dry lands for such residents as resided in the districts, 20 panam on wet lands and 15 panam on dry lands, for those who were going and coming, and again 15 panam on wet lands Revenue Settlement. and 10 panam on dry lands to those that lived outside (புறக்குடி). A similar settlement, but of land distribution, is recorded in No. 388 of appendix B, dated in Saka 1447 which falls into the reign of Krishnaraya. It supplies the interesting information that a certain Chennama-Nāyaningāru settled that three parts of the land under a tank at Kandlakunta be set apart for the Velamas, gods and Brāhmanas and two for the Kāpus who guarded the country. This affords some indication of a system of village Apportionment of lands to Velamas and autonomy which was in force in the Vijayanagara times. The cultivating classes held apparently equal rights with the Brahmanas and the gods in the apportionment of the village lands and the police duties known in Tamil inscriptions as  $\bar{ur}k\bar{a}val$  and  $p\bar{a}dik\bar{a}val$  were performed by the people themselves.

A curious reference is made in No. 553 of appendix B to the drama Tāyikunda-nāṭaka which appears to have been actually staged at the time. Naṭṭuva-Nāgaya and a daughter of Naṭṭuva-Timmaya who dancing girl took part.

A drama of Kṛishṇarāya's time in which a was a pāṭri (i.e., a temple dancing-girl) were connected with the performance of this drama and were rewarded with gifts of land.

Krishnarāya's Poet Laureate was Allasāni Peddana who speaking of Krishnarāya's liberal patronage says that the king used to grant him villages in whichever districts he desired to have them. His Poet Laureate Allasani Peddana, the haps Peddana was too modest to say that governor of a district. the king, in appreciation of his greatness, hesitated not even to confer the governorship of districts on him. No. 623 of appendix B which comes from the Vishnu temple at Anniyur in the South Arcot district, states that in Saka 1442, Pramathin (= A.D. 1520-21), while the great king Krishnarāya was ruling the kingdom, Peddirāja (i.e., Allasāni Peddana), son of Allasāni Chokkarā a of the Vasishtha-gōtra, Āśvalāyana-sūtra and Rik-sōkhā completed the building of the temple of Varadarāja-Perumāl at Annūr in Karivāchi- $\bar{sim}$  which had been granted to him by the king as a fief  $(n\bar{a}yankara)$ . This statement is a clear evidence of how a responsible position of nothing less than that of the ruler of a district was entrusted to the poet by his beloved patron, king Kṛishṇarāya. The Vaishṇava creed of Allasāni Peddana is known from his Manucharita where he claims the Vaishnava teacher Sathagopayati as his guru.

67. One of Achyuta's feudatories was the Mahāmandalēśvara VālaiyadēvaAchyutarāya his feudatory, the Chōla chief
Chennaya-Vālaya.

Mahārāja, son of Chennaiyadēva-Mahārāja
who holds a long list of birudas such as
'the right arm of the king,' 'the lord of

Uraiyūrpura,' 'the worshipper of the feet of Ponnambalanātha' and 'a member of the solar race' and is stated to have made a grant of a village in the southern Pongalūrkā-nādu for the maintenance of a choultry to feed Brāhmanas (No. 136 of appendix B). He signs his name at the end of the inscription in Kannada characters and language. Though his titles indicate a Chōla origin he appears to have adopted for his signature the State language which was evidently Kannada. Another record of this same Chōla chief at the Ranganātha temple at Śrīrangam (No. 56 of 1892) is dated in Śaka 1452 and has been noticed in the Annual Report for 1892, page 8.

Adappa Mallappa-Nāyakkar was another feudatory of Achyuta for whom the king appears to have had very high regard. No. 166 of appendix B registers

Other feudatories. the consecration of a Dakshināmūrti

shrine, by the king for the merit of this Adappa Mallappa. Jegadāpi Nāgarāja (No. 621 of appendix B), Jegadāpi Kondirāja (No. 276 of appendix B) and Kandanavölu (Kurnool) Nāgama-Nāyaka, son of Ponnappa-Nāyaka (No. 145 of appendix C) were other subordinates of Achyutarāya.

68. It was noticed in the Annual Report for 1915, p. 111 f. that the Gōpinātha temple at Kondavīdu was built by a certain Bāchaya, the son of Rāmamantri or Rāmaya. The same fact is related in No. 422 of appendix B which also states that this Bāchaya, as a minister of the Karnāṭa king Achyutarāya, was ruling the Andhra country that he captured alive many Muhammadan chiefs in battle and that he founded the town Gōpinātha-nagara with its temple of Gōpinātha. His brother Rāmaya-Bhāskara is also stated to have been the viceroy of the king at Kondavīdu. No 445 of appendix

His ministers Rāmaya-Bāchaya and Rāmaya-Bhāskara.

the town of Gōpīnāthapura (at the foot of the Kondavīdu hill) for the first time with its magnificent walls, set up therein an image of god Gōpīkāvallabha (i.e., Gōpinātha) in all grandeur, that he ruled the Āndhramandala and conquered all the Muhammadan armies with his valour and that he was the able minister of Achyutadēvarāya." Thus if the statement of No. 445 which is also repeated in the local chronicle viz., that Rāmaya-Bhāskara built the temple of Gōpinātha have to be reconciled with the statement of No. 422 of appendix B, we have to understand that the two brothers Bāchaya and Bhāskara held equally high positions under Achyuta and that the more popular of the two was Bhāskara, on the analogy of the famous brothers Mādhava and Sāyaṇa. The brothers Bāchaya and Bhāskara had a sister called Chinnamāmbā, who was the wife of Pratāpa Yalla.

Charities of their sister Chinnamāmbā.

No. 422 says that this lady made some

Charities of their sister Chinnamāmbā.

No. 422 says that this lady made some charities at Sātulūru, particularly eulogising the construction of the tank called Göpīnāthasamudra. This eulogy, it may be noted, is a very successful imitation of the description, by Śrīnātha, of the tank Santānasāgara given in the Phirangipuram record of Pedda-Kōmaṭi-Vēma (lines 99 to 134 of the text on p. 323 f. of Ep. Ind., Vol. XI).

69. The north-eastern districts of the Vijayanagara empire appear to have been oppressed by high taxation and official exactions, under the rule of Achyutarāya (see Archæological Survey Report for 1908-1909, p. 191). A record from Kavatālam in the Adoni taluk (No. 492 of appendix B) lends support to this statement. It is a Charter granted to the gavudas and other people of the Kavatālada-sīme, who being threatened by the injustice (avanāya) of

Government officers had obstinately migrated to the Māsaveya-sīme. The Mahā-mandalēśvara Salakayadēva Chika-Tirumalarāja-mahāarasu (also called Salagarāja Chikka-Tirumalarājadēva-mahāarasu in No. 524 of appendix B), who is known to have been the powerful minister and brother-in-law of Achyuta, came in the year

Redressed by the chief Salakarāja-Tirumalarāja by granting a kavulu to the inhabitants of Kavatāļa-sime. Saka 1454 to Ādavāni personally, pacified the people and induced them to re-occupy the Kavatāļa district by offering them favourable terms of cultivation and

B on the fortwall at Kondavidu states in

verse that Rāmaya-Bhāskara "founded

occupation. This interesting record, which is seriously damaged, seems also to register a number of village-services and service ināms. Salakarāja Timmarāja in this same year is stated to have granted the village of Kadabūru to a certain Vengalarāja (No. 510 of appendix B). A similar grant of a charter (kavulu) for inducing the people to re-settle in a village which had been deserted, occurs in No. 548 of appendix B. Similar kavulus granted to the reddis, karanams and residents of villages are registered in Nos. 528, 531, 533 and Other grants of kavuls in the 17th and 18th

centuries.

553 of appendix B and form a peculiar feature of the later records of the 17th

and 18th centuries in the eastern part of the Bellary district.

70. The death of Achyuta which happened in or about A.D. 1542 was followed by disturbances in the matter of succession to the Vijayanagara throne. The powerful Salaka Timmaraja, referred to in the above garagraph, the brother-in-law of Achyuta, is known to have been the cause of this disturbance (Archaeological Survey Report for 1908–1909, p. 194 f.). The consequent fight for the throne between Ramaraja on

Sadāśiva.

behalf of his brother-in-law Sadāśiva on the one hand, and Salaka Timmarāja on behalf of his nephew (a son of Achyuta) on the other, must have occupied sometime before eventually Sadāśiva was installed on the throne by the powerful Rāmarāja. It is evidently this success of Sadāśiva in being installed on the throne of Vijayanagara that is referred to in No. 213 of appendix C when it states that a certain Tāmailappa-Nāyaka made a grant of a village to the temple at Tiruppukkuļi 'on the

joyous occasion when the royal communication  $(r\bar{a}ya \circ am)$  reached him of Sadāśivarāya's capturing Vijayanagara.' It is not impossible also that the actual coronation of the king took place in this year, Saka 1466 Sobhakrit. From Dr. Burgess's Chronology of Modern India also, it appears

Probable date of his coronation.

as if in A.D. 1543 (September 2) Burhān

Nizām Shah entered into alliance with Vijayanagara and Golkonda against Bījapūr and Rāmarāja attacked Raichūr, a result, evidently, of the internal dissensions already referred to. Aliya-Rāmarāja is mentioned in No. 622 of appendix B as a son of Śrīrangarājayyadēva-Mahārāja, i.e., Ranga I. Viśvanātha-Nāyaka, the son of Nāgama-Nāyaka and the founder of the Nāyaka dynasty of Madura granted for the merit of this Rāmarāja an annual fee (to the temple) collected from each loom

Aļiya-Rāmarāja.

of  $_{
m the}$ Kaikkōla-Mudalis the residents living in the madavilagam of the temple at Anniyūr. Viśvanātha-

Nāvaka, we know, had received the Tiruvadidēśa from Rāmarāja as an Amaranāyaka grant (Archæological Survey Report for 1911-12, p. 194). Rāmarāja is called in No. 475 of appendix B, dated in Saka 1467 'the agent (kāryakartā) of the whole empire of Sadāśivadēva-Mahārāya.' It is stated herein that Rāmarāja granted to the barbers of Göpinātha-patņa at Kondavīdu referred to already, an exemption of taxes, and that this concession was extended by Rāmarāja's agent Mūrti-Rāmarājayya, to

the barbers of the 50 villages of the His remission of taxes on barbers. Kondavidu country and to others of

Vinikonda, Bellamkonda, Addanki, Ammanabrōlu, etc.

No. 175 of appendix C calls Sadāśiva, the son of Śrīrangappayadēva, i.e., Ranga, a son of Narasa by Obāmbikā already known to us from the British Museum plates of Sadāsiva (Ep. Ind., Vol. IV, p. 3) and mentions the Mahāmandalēsvara Jillēdu Vengalayadeva-Mahārāja and a lady of his harem, named Appalamma. It is stated

Jillēdu Vengalayyadēva-Māharāja.

that the old images of the Alvars installed in the Vishnu temple at Tiruppukkuli, having been 'lost during the disturbances caused by the Tulukkar (i.e., Muhammadans), 9 of them, viz., Poygaiyār, Pūdattār, Pēyālvār, Tirumalisaiyār, Madura-kaviyār, Periya-Ālvār, Tondaradippodiyār, Tiruppānālvār and Kulasēkharar, were renewed and provision was made for the reconsecration of the images of Nammalvar, Tirumangai-Āļvār and Sūdikkudutta-Nāchchiyār. Another subordinate of Sadāsiva

Rāyasam Venkatādri.

was Rāyasam Venkatādri, son of Mosali-

Annual Report for 1914, p. 101, as the

madugu Timmarāju, who is also mentioned in the Ūnamānjēri plates of Achyutanāya (Ep. Ind., Vol. III, p. 151).
No. 296 of 1915 refers to the Mahāmandalēsvara Komāra Kondrājayyadēva-Mahārāja who is mentioned also in the

Rāmarāja Konētirāja Kondrājayyadēva-Mahārāja

ruler of Vinikonda-sīma under Sadāśiva 99, Home (Mis.)-37

in Śaka 1484. This chief is evidently identical with Kondrāja mentioned in the British Museum plates of Sadāśiva (Ep. Ind., Volume IV, page 4). The same chief is again referred to as Mahāmundalēśvara Rāmarāja Kōnētirāja Kondrājayyadēva-Mahārāja in No. 531 of appendix B. His younger brother was Rāmarāja Kōnēti Timmarāja, a pupil of Kandāla Śrīrangāchārya (No. 538 of appendix B) (see also Rāmarāja Tirumalarāja (i.e. Tirumala I).

Ramarāja Tirumalarāja (i.e. Tirumala I).

Ramarāja Tirumalarāja (Tirumala I) as an officer of Sadāśiva in Śaka 1487.

In my last Annual Report (Part II, paragraph 17) reference was made to the Ahōbala-matha and to some events connected with it. Parānkuśa Vam (Man)-Śathagōpa-Jiyyangāru, was there mentioned to have played a prominent part in these affairs. Parānkuśa Śrī-Sathagōpa-Jiyyangāru who is stated in No. 534 of appendix Śrīrangarāja a near relation of Venkatādrirāja B to have secured in Śaka 1482, from Śrīrangarāja, a near relation of the Mahāmandalēśvara Venkatādrirāja (the youngest brother of the famous Rāmarāja and the kāryakartā, of Sadāśiva according to No. 541 of appendix B) a gift of tolls due to the fortress of Ādavāni, for the maintenance of his matha, is evidently the same as Parānkuśa Vam Śathagōpa Jiyyangāru who revived the matha at Ahōbalam.

- 71. No. 454 of appendix B which is dated in Saka 1477 mentions Yaga-Tirumalarājayya (1.e., Tirumala I Ÿeltumrāj of Ferishta and Siddhirāja Timmarājayya-Siddhirāja Timmarājayyadēva-Mahārāja, ruler of Kondavidu and a Telugu poet. dēva-Mahārāja, who is known, from other records, to have been a nephew of Tirumala I, the ruler of Kondavidu and the author of the Telugu work Paramayogivilasamu (Archaological Survey Report for 1905-09, page 201, foot-note 11). No. 541 of appendix B evidently refers to this same chief under the name Kondavīti Tirumalarājayya of the solar race and mentions his son the Mahāmandalēsvara Jagarājaya. The Mahāmandalēsvara Siddhirāja Śrīrangarājayadēva-Mahārāja mentioned in No. 557 of appendix B as a subordinate of Sadāśiva in Śaka 1482, was evidently a Siddhirāja Śrīrangarājayadēva-Mahārāja. member of the family to which also belonged Siddhirāja Timmarāja and is identical with Srīrangarāja mentioned in No. 534 above.
- 72. The Tāḷḷapākam family of Śrī-Vaishṇava teachers is already known to us from previous reports as one attached to the The Tallapakam family. temple of Venkatēśa-Perumāl on the Tirupati hill and supplied its hereditary songsters. Hundreds of songs composed by Annamāchārya and his son Tirumalāchārya are still preserved in that temple engraved on copper-plates (Annual Report for 1915, page 96). The poet Tallapaka Tiruvengalanātha who wrote the Telugu poem Paramayogwilāsamu, different apparently from the work of the same name mentioned in the previous paragraph, noticed by Rao Bahadur Veeresalingam Pantulu Garu in his Lives of the Teluyu Poets (page 304) is ascribed by him to about the end of the 16th century A.D. Tiruvengalanatha was the son of Tirumalarya and the grandson of Annayarya. It is doubtful if we could presume the poet to have been the son of the songster Tirumalarya one of the authors of the Tirupati copper-plate songs. In any case he was a distinguished member of the Tallapaka family. It is not impossible, that the Tiruvengalanathayyangaru, son of Tallapakam Tirumalayyangaru, who was the recipient of Goranjavrolu, at the hands of king Sadāsiva in Šaka 1468 (=A.D. 1546-47) as stated in No. 419 of appendix B, is identical with the author of the Paramayogivilasamu. The teacher Annamayyangāru of the same family mentioned in No. 314 of appendix B also as the recipient of a gift from Sadāśiva was evidently a brother of Tiruvengalanātha.
- 73. The Karnāta king Tirumala I is known to have served as a minister of Sadāsiva in Śaka 1476 (Archæological Survey Report for 1911-1', page 180). No. 341

  Tirumala I. of appendix B establishes this fact referring to Tirumala the Mahāmandalēsvara
  Rāmarāja Yaram-Tirumalarājayyadēva-Mahārāja, i.e., Yara-Tirumalarāja (Yeltumrāj)
  (the grandson of) Rāmarāja as the head of the Vijayanagara administration. Raṅga
  II, the son of Tirumala I, succeeded to the throne about Saka 1496 (Archæological

Krishnappa-Nāyakkar, who built the

surrounding wall (இரும் தின்) in the Saka

year 1504. Chitrabhānu (== A. D. 1582-

Survey Report for 1911-12, page 183). No. 446 of appendix B supplies for him the date Saka 1499 and records the grant to a certain Virūpāksha, of the village

Gorijavolu (Goranjavrolu) surnamed Śrīrangarāyapura which about 30 years before, king Sādaśivarāya had granted to the famous poet Tāḷḷapākam Tiruvengalanāthayyangāru. It is difficult to explain how its possession by the family of the latter could have been overlooked. During Ranga's reign a certain Rāyasam Venkatayya, a subordinate at the door (வாசனில் இருக்கும்) of Kondama-Nāyakkar son of Vaiyappa-

The chief Vaiyappa-Kṛishṇappa-Koṇḍama-Nāyakkar built the surrounding wall of the Śrīmushṇam temple.

83) (No. 256 of appendix C), made a grant of several villages to the temple at Tirumuṭṭam, i.e., Srīmushṇam (No. 263 of appendix C). No. 262 of the same appendix supplies the latest year Saka 1508, Vyaya, for the reign of Ranga II. The chief Vaiyappa-Krishnapa-Kondama-Nāyakkar figures largely in the inscriptions of this period from Chidambaram (Annual Report for 1914, paragraph 34, page 101). No. 266 of appendix C from Srīmushṇam also mentions this Kondama-Nāyaka, son of Krishṇappa-Nāyaka of the

Achyutappa-Nāyaka, a subordinate of Kāśyapa-gōtra, granting a charter to Achyutappa-Nāyaka, son of Bayyapa-Nāyaka. What Kondama-Nāyaka did

for the Chidambaram temple Achyutappa-Nāyaka seems to have done for Śrīmushnam. From No. 270 of appendix C we learn that he also belonged to the Kāśyapa-gōtra, was the grandson of Udayagiri Timmi-Nāyaka and son of Bayyappa-Nāyaka. He is stated to have established the shrine for the goddess in the temple of Ādivarāha-Perumāl, to have presented to that temple six villages in his own district (nāyankara), six villages newly established and two agruhāra villages purchased and to have secured exemption from payment of jōdi, virāda, karanika and talārika taxes on 28 villages owned by the temple, to have reclaimed several lands of the temple at his own expense clearing forests for fields, digging irrigation-canals, constructing tanks and planting groves. He also presented to the

His charities at Śrīmushnam.

god, golden jewels set with gems, silver vessels, golden vehicles for procession, chauris, torch-handles, parasol-staffs, and processional cars; built high towers, protecting walls, various pavilions and shrines in the holy circuit; set up images of Manavāla, Śūḍikkudutta-Nāchchiyār and the Āļvārs; arranged for the rich and luxurious offerings of varied dishes and purchased (!) and presented to the temple for service twelve musicians and 360 servants and revived all festivals. In return for all this service the members of the śrībhandāra of the temple gave him the office of a nirvāha and a samprati. permitting him to put a seal along with others on the store-room of the temple, to own the talārika of the town of Śrīmushnam and the villages belonging to it and to be the protector of the images of gods in the sacred bhandāra.

74. In Saka 1514 during the reign of Vīra-Venkaṭapatidēva-Mahārāya (i.e., Venkaṭa I) 'who levied tribute from all countries' the supervising Jīyars of the temple at Tiruppukkuļi together with the treasu-

Venkata I; his teacher Kumāra Tātāchārya rers the manager, Tirumala KumāraTātāchārya of Ēṭṭūr and the seven executive officers (nirvāham) made an agreement with certain Nāyaka residents of Vēlūr
regarding the worship of the goddess Maratakavalli-Nāchchiyār whom they had set
up in the temple (No. 208 of appendix C). Kumāra Tātāchārya of Ēṭṭūr is already
known to us as the religious teacher of king Venkata I and as the supervisor of the
Vaishṇava temples at Conjeeveram and also of some other temples in the Chingleput
district (Annual Report for 1913, page 124, paragraph 62 and Ep. Ind., Vol. XII, page

162 f.). The same teacher and other temple officials of Tiruppukkuli are mentioned again in a record (No. 209 of appendix C) of Ranga II, the elder brother of Venkata I in connection with the granting of the office of tiruppaninivāha in the temple, to a certain Srī-Parānkuśa-Tiruppanippillai of Tiruppullāni and his disciples. Still another inscription (No. 174 of appendix C) refers to Kumāra Tirumala Tātāchārya of Ētṭūr and his agent a certain Puṇyakōti-Ayyan, and supplies the interesting information that under the latter's orders the landholders of Tiruppukkuli including

information that under the latter's orders the landholders of Tiruppukkuli including those of the three assemblies (sērvai) and the 18 tūy and the 36 proprietors of the

village agreed unanimously to divide the whole land of the village into 36 shares and distribute the same among themselves. Kondama-Nāyani-Krishnappa-Nāyaka one of whose servants is stated to have made a translation of the village into 36 shares and Kondama-Nāyani-Krishnappa-Nāyani-Krishnappa- whose servants is stated to have made a translation of the village into 36 shares and the village into 36 sh

His subordinate Kondama-Nāyani-Krishnappa-Nāyaka.

Whose servants is stated to have made a grant to the temple at Śrīmushnam (No. 260 of appendix C) must be of the

same family as and perhaps a son of Vaiyappa-Krishnappa-Kondama-Nayaka mentioned under Ranga II.

75. A valuable inscription of the time of Venkata I at the eastern entrance into the old fort at Sidhout (No. 564 of appendix B), was brought to my notice by Mr. Longhurst. It consists of one Sanskrit verse, a Sīsamāla of 20 feet and a Tētagīla, in The record is of great interest as it gives us a detailed account of the Matli chief Ananta and his father Yellamarāja (Annual Report for 1913, page 124). states that "while Vīra-Venkatarāya (i.e., Venkata I) the sovereign of the whole Hindu kingdom was ruling the Chandra-The Matli chief Ananta and his achievements. giri country in the Saka year 1527, Anantarāja of the solar race and of the Dēvachōda family, who killed in the battle-field Veli go inda Venkatādri of the Rāvela family, who was victorious at the battle of Jambulamadaka (Jammalmadugu), who devastated Katakapurī (i.e., Cuttack), who threatened Nandyēla Krishnama by the strength of his arm, who was the right hand of the Karnata emperor (Venkata I), who defeated Kondraju Venkatādri, captured Chennūru. composed (Telugu) works of high literary merit such as Kākusthavijaya built the tank called Yellamarājacheru (in the name of his father), who led the campaign against the Dravida king of Madhura, who displayed his heroism in humiliating the Muhammadan sovereign ( $P\bar{a}dus\bar{a}$ ) in the battle of Penugonda and was the son of Rangamāmbā, who held the birudas, Aivaraganda, Mannehamvīra and Rāchabebbuli, who was the father of Matli Tiruvengalanātha, built a tank in his own name at Siddhavatam (Sidhout) which was won by his father Yella at the point of his sword after crushing Kondraju Tirupatiraju at the battle of Ütukūru and who constructed as a complemental protective wall of Siddhavatēśvara the fort round the town to last as long as the sun and the moon endure.

Reference to the family-name Dēvachōda and to the authorship of Kākusthavijaya has been already noted in the Report quoted above. The campaigns against the Dravida king of Madhura and the Muhammadan chief who attacked Penugouda must refer to the events connected with the internal disturbance during the latter part of Venkata's reign by Jaggarāya who befriended himself with the Nāyakas of Madura (Archæological Survey Report for 1911-1912, page 190) and to the attack of Penugonda by Adil Shah, which was the cause of the removal of the Karnāta capital to Chandragiri (Ibid. page 185). Maṭli Tiruvengala, the son of Ananta, is also known to us as the builder of the gōpura of the Gōvindarāja-Perumāl temple at Tirupati (Annual Report for 1913, page 124).

Ranga VI.

Ranga VI.

Ranga VI.

Ranga VI.

Ranga VI.

reign of Śrīrangarāya (i.e. Ranga VI) of the Karnāta genealogy and state that while he was ruling at Penugonda in Saka 1569 (= A.D. 1647-48), the several communities, both professional and commercial, agreed to raise annual subscriptions from among themselves for the chapparam service of the god Venkatēśa, in order to secure merit for Hazarati Khāna K

Sāhēbulavāru. It is also stated that these contributions had ceased for sometime on account of certain political disturbances of the nature of which we are not informed in the inscription. It is not unlikely that these were the stirring events mentioned in the Ahōbalam inscription noted on page 95 of the Annual Report for 1915. The documents bear signatures of the karnams, settis, etc., of the Nandyāla-sthala in Telugu and of the dēśāyis and other officials, in Nāgarī. The temple of Veńkatēśto must, accordingly, have been intended for the well-known temple of that name on the Tirupati Hill The chapparam service mentioned in these inscriptions like the vow of presenting a parasol to that temple even now mostly practised by its devotees, must ndicate the presentation of a covered processional seat or of the annual marriage

Made for the merit of Hajarati Khāna Khāna Sāhēbu.

The Muhammadan chief Hajarati Khāna Khāna Sāhēbulavāru for whose merit the grant was made, suggests that he must have been a local governor or chief whose sympathies were with the Hindus.

#### MISCELLANEOUS.

77. Two inscriptions of Bezwada (one of which in Telugu verse was assigned to about the 9th century A.D.) were noticed by me on page 81 f. of the Annual Report for 1910. The mythical origin of the name Puranic traditions about Bezwada, confirmed Malleśvara of the Siva temple at that by a record of about the 9th century. town was also described. The tradition that Arjuna's fight with Siva for the Pāśupata weapon happened on the hill at Bezwada is still current, the hill itself being known by name Indrakīla at which, according to the Puranas, that event occurred. This tradition, which is evidently very old, is mentioned in an early record of about the 9th century A.D. (No. 459 of appendix B); it is engraved on two sides of a red stone pillar on the top of the Indrakīla hill. The two other sides of the pillar as also portions of the written faces, contain sculptured scenes which illustrate the story of the Mahābhārata in which Arjuna is said to have fought with Siva disguised as a hunter, and after a severe hand-to-hand contest to have obtained from him the weapon Pāśupata.

This interesting inscription, as in the case of the earlier of the two records from the Malleśvara temple, has also to be Read from the bottom. read from bottom to top. It begins with a Sanskrit verse which consists of a string of synonyms of Arjuna popularly repeated by orthodox Hindus when they hear a thunder, in order perhaps to avoid the evil effects of it. Then follow a long prose passage in Sanskrit (ll. 3 to 18), an imprecatory verse and the name of the writer Vijayāchārya (1. 21).

The prose passage states that at the Dvana-vana forest, Arjuna seeing the Pāṇḍavas (his brothers) unable to fight with their enemy and desirous of securing success went to Indrakīla (hill) with the help of Vishnu (Krishna) and meditated upon Indra. Thereupon Indra (appeared and) instructed him to worship Mahēśvara (Siva) and to obtain from the latter the Trikōţi-Bōyi, a Yaksha in his previous birth. weapon Pāsupa'a. For this end Indra sent a Yaksha to guide Arjura to the impenetrable Indrakīla. This same Yaksha, we are told, as the result of curse, was born on the earth in this Kali age as Trikoti-Boyi, son of Kariyama-Bōyi of Pechchevāda (i.e., Bezwada). Trikōti-Bōyi is described to have been pious, heroic and liberal like Karna, possessed of all-round intelligence and loyalty to his master like Matali the charioteer of Indra, conscious of his former births

like Hanuman and the best of his race. He set up a pillar on the Indrakila hill. the set up a phiar on the Hadakha min.

Knowing his former lite of Yaksha, as the result of his friendship with Arjuna, this Trikōṭi-Bōyi set up the pillar under reference on the Indrakila hill at which was displayed (by Arjuna) the intelligence that secured for him the gift of the Pāsupata weapon. The imprecation at the end of the record expresses the wish: "May this gift of Trikoti-Boyi survive as long as this Indrakīla hill and this great river (Krishnā) exist." The story of Arjuna's fight with Siva as hunter (kirāta) is the subject of the Sanskrit poem Kirātūrjunīya of Bhāravi. Its popularity in the 5th century has been evidenced by some interesting sculptures from Chandimau in the Patna district published by Mr. R. D. Banerji in the pages of the Archwological Survey Report for 1911-12, pages 161 ff.

78. Records of Pārthivēndravarman or Pārthivēndrādhipativarman with or without the title "who took the head of Vīra-Pāndya" have been largely found in Tondaimandalam. Eleven inscriptions of this Pārthivēndrādhipativarman called Mahārāja. king have been copied during the year under review at Brahmadēśam in the North Arcot district. One of these No. 233 of appendix B calls him "Mahārāja who took the head of Vīra-Pāndya." In my Report for 1911, page 91, paragraph 64, it was suggested that Rāja-Mārāyar (i.e., Mahārāja of the inscription under review) is probably identical with Parthivendravarman or Parakēsarivēndrādivarman.

temple.

79. No. 240 of appendix C is an early record from Śrīmushnam and is engraved on a pillar of the Nityeśvara temple at that village. It registers that the name Vijayādittan was given to the central sluice (madagu) of the tank Vindamahādēvippērēri, constructed in that village by Nārāyanan Pugalvippavargandan, the king (kōn) of Irungolar. This record is dated Construction of a tank by Nārāyaṇan Pugal-(in words) in the Kali-yuga year 4060 vippavargandan, king of Irungolar. which corresponds to Saka 881 or A.D. 958-9. In identifying this chief, it might be observed that the title Irungolar-kon was evidently applied to him as the lord of the district Irungolappandi in which Śrimushnam was situated. The father of the Bana king Vikramāditya (II) Vijayabāhu of the Udayendiram plates (Epigraphia Indica, Vol. III, p. 75) is called Vijayāditya II, Pugalvippavarganda. It is not therefore unlikely that Nārāyanan Pugalvippavargandan who gave the name Vijayadittan to one of the sluices of Vindamahādēvippērēri was a member of this same family. But the Bāga chiefs do not anywhere receive the title Irungölar-kön. Again a Lata chief named Kajadittan with the title Pugalvippavargandan was ruling the country comprising the modern North Arcot and South Arcot districts and lived about this same period. Nārāyaṇan Pugaļvippavargandan was a relation of this Rājādittan of Ilāda (Lāta). I have noted in my Report for 1912, page 66, that a chief of the Chalukki family, named Vikkiyannan also held the title Pugalvipparagandan. A curious record from Srīmushnam states that the Tiruppadiyam in the Siva temple of Nityesvara at that village was recited by a certain Tambiran Tolan Manakkanjaran before taking leave of this world. His image is cut below the inscription (No. 255 of appendix C).

Some chiefs with the title Rahuttamindan have already been referred to under the Vijayanagara kings Mallikārjuna and Virūpāksha. A family of these appears to have wielded full proprietory rights over the district in which Śrimushnam was Pallikondaperumāl Kachchiyarāyan in Saka 1413, Paridhāvin (or correctly included. 1415 = A.D. 1492-93) assigned to the Siva temple of Śrimushnam, a village with all its income such as kadamai, viniyogum, nāṭṭukkānikkai, kudirai-kānikkai, karpūra-kānikkai and 22 other items, in A family of chiefs with the title Rahuttaminorder that the worship and the service called Rahuttamindan-sandi might be celebrated therein (No. 235 of appendix C). Another record of the same temple (No. 234 of appendix C) refers to the service Rahuttamindan-sandi. It is dated in Saka 1395, Jaya and mentions an earlier member of the family named Vettungai-Alagiyar Kachchiyarayar. No. 237 of appendix C is still earlier and is dated in Śaka 1294. It states that Śēvagapperumāl Kachchiyarāyan was the grandson of Vettungai-Alagiyar Kachchiyarayar and son of Ilamaipperumal Kachchiyarayar. No. 247 of appendix C, which is dated in Saka 1426, mentions Trinetranatha Kachchiyarāyar, son of Pallikondaperumāl. It appears from these that the members of the Kachchiyarāya family claim to have been chiefs of Tuvarāpati or Tuvārakāpurī (Dváravati or Dváraka) in the Kaśmira country (!) and held a long list of titles including Rahuttamindan.

The hymns of the Devaram, however, do not include any tiruppadiyam on this Siva

Perhaps Mānakkañjāran was the author of such a hymn.

80. The Māhātmya (or the local chronicle) of the Vishnu temple at Śrīmushnam, is stated to have formed part of the Māhātmya of the Vishnu temple. Varāhapurāna and with its sanction the 12 processions on the 12 days of the year, when the sun is in the different signs of the zodiac, are supposed to have been performed and the various dishes of food offered (No. 267 of appendix C). The greatness of the god Vishnu at Srimushnam seems to be the subject matter of a very curious record registered as No. 261 of appendix C. It is much damaged and refers itself to the time of a certain Venkatapatirāya probably the Karnāta king Venkata I. A certain Viriśadai Rāman is stated to have deeply meditated near a pond Viriśadai Rāman and his penance. in a forest for 18 months without food and sleep upon the god Vishnu of Śrimushnam. He asked for a boon which if not granted he avowed himself to enter fire. Then the god manifested himself before him and presented him with the Vaishnavite symbols of conch, discus and bow.

81. A number of records of the reign of Vijaya-Gaṇḍagōpāla come from Tirup-pukkuli in the Chingleput district. In the 4th year of his reign the assembly at Kaṭṭaṇūr which was a dēvadāna of the Tiruppukkuli temple gave an agreement to the

vijaya-Gaṇḍagōpāla.

temple authorities stating that the purambu of the village (in question) had not been sold by them to any and that they shall not under any circumstances sell, mortgage or present that purambu. If ever it be rumoured that they intended selling the lands instead of relinquishing them to the temple, they shall commit the sin of offending against god and be liable also to a fine (No. 182 of appendix C). In his 16th year a gift of cows for a lamp was made by Nāyaṇār Sambuvarāyar Vīraśōlan to the temple of Tiruppukkuli (No. 190 of appendix C). No. 137 of appendix C provides a late date i.e. the 32nd year, for Vijaya-Gaṇḍagōpāla with astronomical details. Madhurāntaka Pottappi-Chōla is known to have been a surname of Vijaya-Gaṇḍagōpāla (Annual Report for 1911, p. 66, paragraph 16). This is confirmed by Nos. 164 and 177 of appendix C from Tiruppukkuli. Madhurāntaka Pottappi-Chōla Vīra-Gaṇḍagōpāla is mentioned in No. 197 of appendix C which is dated in the 30th year of Vijaya-Gaṇḍagōpāla. But here, his relation to Madhurāntaka Pottappi-Chōla Vijaya-Gaṇḍagōpāla is not expressed. This unexpressed relationship is, however, cleared up by No. 179 of appendix C which also comes from Tiruppukkuli. It is dated in the 2nd year of Vīra-Gaṇḍagōpāla and regis—His son Vīra Gaṇḍagōpāla comes from Tiruppukkuli. It is dated in the

His son Vīra-Gaṇḍagōpāla.

ters a gift of land as சக்கானச்சாயம் (?) to one of its woman-servants who secured the royal order of Vīra-Gaṇḍagōpāla confirming the grant of the village of Kaṭṭaṇūr to the temple which had been already presented with libations of water by his father Vijaya-Gaṇḍagōpāladēva in order to celebrate the festival of the sacred bath on the asterism Uttiram under which he was born. The original grant by Madhurāntakaṇ Pottappi-Chōļa (Vijaya-Gaṇḍagōpāla) referred to, was perhaps recorded in No. 218 of appendix C which is fragmentary. No. 178 of appendix C which is dated in the 2nd year of Vīra-Gaṇḍagōpāla is the deed ratifying the grant of Kaṭṭaṇūr. It is thus evident that Vīra-Gaṇḍagōpāla was a son of Vijaya-Gaṇḍagōpāla. The former was one of the enemies of Jaṭāvarman Sundara-Paṇḍya I.

82. Many inscriptions collected during the year refer to charities made by merchants. A very early reference to the Vaisyas of the Kubēravansa is made in No. 504

Settis of the Kubēravansa.

of appendix B, of A.D. 1164 where it is stated that Ereyama-setti a great merchant (mahāvaddavyavahāri) of the Śrōtriya family, the chief of the Vaisyas, a Māhēśvara and a member of the Kubēra lineage established a Siva temple at Pedda-Tumbalam in the Adoni taluk of the Bellary district (see also No. 555 of appendix B). Nos. 364 and 395 of appendix B speak of the members of the Vaisya race born of Kubēra. The latter states that their chief object of life was the maintenance of 'Dharma', 'that they earned the blessings of the learned (by patronising them)', 'that their sympathy and love were universal', and 'that they practised self-denial and were famous' (see also remarks on page 113 of the Annual Report for 1915). Their original centre was Penugonda in the Kistna district and they were devoted both to Siva and Vishnu. The nagaras (nagarasvāmins) or merchants of a town also belonged to the Kubēra lineage (No. 513 of appendix B). It is not unlikely that the name Bēri-Sēṭti a sub-sect of Vaisyas (Thurston's Castes and Tribes, Vol. I, page 211 f.) has to be derived from Kubēra to whom their origin is apparently traced.

Vallabhi-Setti of the Varidāla-gōtra called the lord of Ayyāvalipura might perhaps have been a Setti of the Kubēravamśa (No. 402 of appendix B). This merchant is said to have built a tank wells as works of merit.

Their charities; construction of tanks and wells as works of merit.

Their charities; construction of tanks and called the Gōvardhana-samudram with the called the Gōvardhana-samudram with the object of quenching the thirst of the 84 lakhs of living creatures including birds, beasts, men, etc. In No. 422 of appendix B the same idea is quoted in the words of the Mahābhārata which state that the person in whose tank the thirsty cows, beasts, birds and men drink water obtains the fruit of performing the Aśvamēdha-sacrifice. In No. 421 of appendix B, dated Śaka 1693, figures a Vaiśya Krishnama-setti as the donor of a well, watershed and a grove. He is also stated to have patronised a poet. Nos. 447 to 453 of appendix B which come from Kondavīdu refer to merchants who called themselves the chiefs of Penugonda

and belonged to the gotras Puchehakola, Yerasetti, Bodarukula, Venukula or Yenukola, Vivarisitla and Appanangakula. In some Some of the Vaisya gotras. other records of this year we meet with the Vaisya gotras Mokkolakula (No. 305 of appendix B), Utakula (No. 464 of appendix B) and Pendlikula (No. 465 of appendix B). No. 220 of appendix C mentions gifts by Venkatapati-Setti of the Vaisyakula and Elisetti-gotra. No. 512 of appendix B mentions Kāgā-setti of the Vaisya-kula and the Balagāra race.

83. The trouble with the tenants leaving their villages and thereby causing the lands to lie waste seems to have been not an unusual one, especially where the villages

were the property of the temple. No. 49 Frequent troubles with tenants of temple of appendix C, dated in Saka 1459, Durmukhi (= A.D. 1537-38) provides an

instance, where such trouble existed and some definite terms of tenancy were granted by the temple authorities to the Tandarimār of Tirukkalākkudi.

We are informed in No. 48 of appendix C from the same village that a certain Sāļuva-Nāyaka and Appā-Pillai came and found a subarban village ruined, the tenants having dispersed and new tenants being unwilling to come and settle. There being none coming forward to resettle the village, they sent for Sakkadevar Vettuvakkattan alias Sāvapadaitāngi and his brother Sirukāttavan and also for the two agents of

Resettling of deserted villages and the reward for doing it.

Tammaya-Nāyaka and declared that as these had got tenants for the village and resettled it, the first two would be given

the right of pādikāval over the particular village surrounding the temple (tirumalai) receiving the customary donations and fees, after allowing common rights and cultivating and paying the usual dues to the temple such as kattumukkai, mīśam, āśupōdu, makkalpēru, etc. They were required further to give (to the temple) one tūni and padakku on each mā of harvested wet land, and receive one tūni on each plough for the valaiyar and one padakku for the punavan. They were also allowed the honour of receiving the sacred cloth (parivattam), tirtha and the sacred ashes from the temple. No. 61 of appendix C states that four landholders granted to the watchmen of three villages the right of kāval which consisted of one bundle (of hay) and one kuruni

(of paddy) on each mā of their holdings Terms of kāval or pādi-kāval right. group of these watchmen to each separately and of all other customary services (kāryakrama) due from their tenants. It might be noted that the coveted right of temple honours was reserved evidently for those that substantially helped towards the upkeep of the temple. The merchants (nagarattār) who constructed a processional car for the temple and deposited money for its equipment such as the golden pinnacle-pot, drawing-ropes, cloths, decorative mirrors, etc., were rewarded with similar honours (No. 51 of appendix C). So also another set of people who received honours had consecrated in the temple the image of the Saiva saint Sambandapperumāl i.e., Tirujñānasambandar (No. 52 of appendix Č).

No. 617 of appendix B introduces a certain Nabābu Sādālalēkāņ Sāyabu and calls him a Mahāmandalēśvara, rājādhirāja, Nabābu Sādālalēkān, with Hindu titles. paramēsvara and rājamārtanda like Hindu The record is dated in Saka 1596, Ananda (= A.D. 1674-5) and refers to a private individual of Veppattur in the Tanjore district, who having visited the island of Rāmēśvaram was on his way to Kāśi (Benares) and incidentally visited Tālagirīśvara on the hill at Pannasanagar (i.e., Panamalai). Pilgrims to Benares first visit Rāmēśvaram as a rule. Nabābu Sādālalēkān must have been one of the Muhammadan chiefs in charge of Gingee under the kings of Bijapur. The famous Sādat-Ulla Khān was created Navāb of Karnātic only in A.D. 1710. It might be noted also that it was just three years after the date of our record that Sivāji captured Gingee from a certain Ambar-Khān (South Arcot District Gazetteer, page 36f). The forces sent by Aurangazeb against Gingee under Zulfiqar Khan and one of the princes of the royal family were defeated by the Marathas in A.D. 1692. No. 619 of appendix B which is dated in the cyclic year Prajapati corresponding to A.D. 1692 registers certain facts Epigraphical evidence of the troubles in the which might evidently indicate these troublous times. South Arcot district in A.D. 1692. It states that "of those who being afraid

(of the enemy) seek refuge at Nanjanapēttai (in Panamalai?), the man that has pierced

(i.e., committed murder in battle) has no entrance (into this village). He that could enter will do so by one gate (open for him) and escape by either of the two gates (opened for that purpose). All  $K\bar{a}s\bar{a}yavargakkudis$  that enter, must pay  $4\frac{1}{2}$  panam per head including  $k\bar{a}s\bar{a}yavargam$  such as kadamai,  $k\bar{a}nikkai$ , etc., and the Ulukkudis three-fourths of the usual rate of paddy charged in the village." The classification of village inhabitants under the heads  $K\bar{a}s\bar{a}yavargakkudi$  and Ulukkudi (Ulavukudi) has been already noted above in the section on the Vijayanagara king Krishnarāya.

84. G. Yazdani, Esq., M.A., Epigraphist for Moslem Inscriptions in India, has very kindly examined the Arabic and Persian inscriptions copied during the year and included in appendix D. He informs Arabic inscriptions. me that five of these (Nos. 2-6) refer to Mas'ūd, 'Ambar or 'Ambar Mas'ūd who "was the Governor of Adonī under Sikandar 'Ādil Shāh of Bījāpūr (A.D. 1672-86) " and " retained this office until 1687 (one year later than the extinction of the Bijapur dynasty) when the conquering hosts of Aurangazeb under prince A'zam Shah and Ghaziu-d-Din Firoz Jang took possession of the fort (Adoni). The earliest of the Arabic records (No. 1) belongs to the reign of the Bijāpūr king 'Alī 'Ādil Shāh (1557-1579). It is dated in 982 A.H. (= A.D. 1574-75) and records the remission of The Bijāpūr king 'Ali 'Ādil Shāh. taxes on weavers and grocers by Khān-i-A'zam 'Adil Khān who had built in 975 A.H. (=A.D. 1567) the "'Ādilābād House" outside the town of (Fort) Adoni. It is stated from this year till 986 A.H. (= A.D. 1578) i.e., for 12 years the weavers and grocers should not be molested by any assessment made for the maintenance of the Court. A Kanarese inscription (No. 528 of appendix B) cut below the Arabic record just referred to (evidently) registering the same facts states that in the year Yuvan (=A.D. 1574-75) a certain Khān-i-Ajam Gāliba Khāna Sāhēba A cowl granted by his subordinate Khān-igranted a cowl to the 18 classes (?) of dēsāyins, Settis, weavers, kuļakaraņis, ā'jam Khāna Sāhēba to the residents of Adalabādiya-pēţe which was founded by him. banajıgas, oilmongers, etc., of Adalabādiyapēte (bazar-street) exempting them from payment of the taxes called  $siddh\bar{a}ya, ka[d^*]$  $d\bar{a}ya$ ,  $bi[t^*]ti$  and baigara for a period of 12 years. Those that transgressed this are declared traitors to the Padasa (Padshah). Thus the two inscriptions engraved on one and the same stone supplement each other and prove that a remission of taxes was granted for 12 years from A.D. Remission of taxes for 12 years. 1567-68 to A.D. 1578-79. This was evidently due to some political disturbance which necessitated the granting of a cowl. Such a political disturbance could have been none other than the capture of the fortress of Adoni by Ali 'Adil Shah and Probably due to change of Government on a consequent change of government. the capture of the fortress of Adoni. According to Brigg's Ferishta 'Ali Adil Shāh captured Adoni in A.D. 1568. The date of the record, i.e., A.D. 1574-75 in both the versions shows that the cowl was engraved on stone only in this year, i.e.,

#### Order-No. 99, Home (Miscellaneous), dated 29th August 1916.

about eight years after it was actually granted.

Recorded.

- 2. The Government observe that the number of inscriptions copied and examined rose from 620 in 1914-15 to 835 in 1915-16, which is satisfactory. The information furnished in the report regarding the work of publication is far from full and the progress made hardly appears to be sufficient, but this subject is under separate enquiry. The Government desire once again to impress on the Assistant Archæological Superintendent the importance of publishing the inscriptions which have been copied and are on record in his office.
- 3. The Superintendent, Archæological Survey, is requested to submit his views in regard to the conservation of the four monuments referred to in paragraph 9 of part I of the report.

Editors' Table.

4. The programme of work for the next field season is approved. It is hoped that the Assistant Archæological Superintendent and his staff will carry it outcompletely. The Assistant Archæological Superintendent should submit separateproposals for securing the inscriptions in Pondicherry, referred to in paragraph 5 of

(True Extract)

P. RAJAGOPALA ACHARIYAR, Secretary to Government.

To the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

the Superintendent, Archæological Survey.

the Superintendent, Government Museum.

all Collectors.

the Public (Political) Department.

the Government of India, Department of Education (C.L.).

the Government of Burma (C.L.).

the Government of Ceylon (C.L.).

the Director-General of Archæology (C.L.).



## Government



## of Madras

HOME DEPARTMENT (EDUCATION).

### G.O. No. 1035, 10th August 1917

#### **Epigraphy**

Recording, with remarks, the progress report of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the year 1916-17.

READ—the following papers :-

T

Letter—from M.R.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department.

Dated—Madras, the 13th July 1917.

No.—D 398.

I beg to submit herewith the advance copy (proof) of my Annual Report on Epigraphy for 1916-17. A duplicate copy with necessary corrections will be submitted to Government within a week through the Superintendent, Archæological Survey, Madras.

II

Letter—from M.R.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department (through the Superintendent, Archæological Survey, Madras).

Dated—Madras, the 20th July 1917.

No.—D. 409.

I have the honour to submit herewith the stitched proof of my Annual Report on Epigraphy with one set of photographs taken during the field season under review.

I request that I may be supplied with 20 spare copies of the report for distribution among my friends and scholars who are interested in Epigraphy.

#### Ш

Endorsement of the Superintendent, Archaeological Survey, Madras, No. 364, dated 21st July 1917.

Submitted.

2. The question of conserving the monuments referred to in paragraph 8, part I of the report will be taken up after personal inspection during the next field season.

A. H. Longhurst, Superintendent, Archæological Survey.

#### ANNUAL REPORT ON EPIGRAPHY FOR THE YEAR ENDING 31st MARCH 1917.

#### CONTENTS.

#### PART I

|                    |           |      |     |     |     |     |     |     |     |       | PAGB     |
|--------------------|-----------|------|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-------|----------|
| Office routine-    |           |      |     |     |     |     |     |     |     |       |          |
| Transfer of office | •         |      |     |     |     | • • | • • | • • | • • | • •   | 3        |
| ${f Personnel}$    |           |      |     |     |     | • • | • • | • . | • • | • •   | ,,<br>4  |
| Publication        |           |      |     |     |     | • • | • • | • • |     | • •   | 4        |
| Tours of the esta  |           | ent  |     |     | • • |     | • • | • • | • • | • •   | 57       |
| The year's work    |           |      |     | • • | • • | • • | . • | • • | • • | • • • | <b>5</b> |
| Expenditure and    | l receipt | s    | • • | • • |     | • • | • • | • • | • • | • •   | 6        |
| Places examined    | in 1916   | 3-17 |     | • • | • • | • • | • • | • • | • • | • •   | 7        |
| Programme for 1    | 1917–18   | 3    | • • | • • | • • | • • | ••  | • • | • • | • •   | "        |
|                    |           |      |     |     |     |     |     |     |     |       |          |

|   | ъ                                  | T            |   |        |         |       | PAGE                  |
|---|------------------------------------|--------------|---|--------|---------|-------|-----------------------|
| Office routine—cont.                                      | PAI                                | RT I—cont.   |   |        |         |       |                       |
| Appendix A.—List of coppe                                 | r-plates exami                     | ined during  | 1916-17                                 |        | . •     |       | 8                     |
|   | inscriptions co                    |              |   | • •    | • •     | • •   | 12                    |
| " C "   | <b>,</b>                           | 2)           | 1917                                    |        |         |       | 70                    |
|   | graphs taken i                     |              | • •                                     | • •    | • •     | · •   | 90                    |
|   | igs prepared i                     |              | Pahadaa T                               | D .    |         | • •   | 91                    |
| ,, r ,, dates<br>Pilla                                    | calculated by i.                   | Luwan 1      | anadur L                                | . D. S | wamika: | nnu   | "                     |
|   | I                                  | PART II      |   |        |         |       |                       |
| The Nolamba-Pallavas—                                     |                                    |              |   |        |         |       |                       |
| Annayya or Anniga   | ••                                 |              |   |        | • •     |       | <b>10</b> 6           |
| Dilīparasa or Dilīpa-Nolaml                               |                                    | •••          | • ••                                    | • •    | • •     | • •   | "                     |
|   | ••                                 | ••           | • • •                                   | • •    | • •     | • ^   | **                    |
| The Cholas  | ••                                 | • • •        | • • •                                   | • •    | • •     | • •   | 27                    |
| The Chōla-Pāṇḍyas—  | D- 1                               |              |   |        |         |       |                       |
| Jaṭāvarman Sundara-Chōļa-<br>Māgavarman Vikrama-Chōļa     |                                    | ••           | •                                       | • •    | • •     | • •   | 107                   |
|   | ·· ··                              |              |   | • •    | • •     | • •   | 108                   |
| Jaṭāvarman Śōḷa-Pāṇḍya                                    | ••                                 | • • • •      |   | • •    | • •     | • •   |                       |
| Māravarman Parākrama-Ch                                   |                                    |              |   |        | • •     | ••    | ))                    |
| Their sway over the Kerala                                | country                            |              | • • •                                   |        |         | • •   | 39                    |
| The Pāṇḍyas—  |                                    |              |   |        |         |       |                       |
| Jaṭāvarman Śṛīvallabha                                    | ••                                 | • • •        |   |        |         |       | 109                   |
| Māravarman Śrīvallabha                                    | ••                                 | ••           |   | • •    | ••      | • •   |                       |
| Jatāvarman Kulasēkhara I                                  | • • • •                            | •••          | •                                       |        | • •     | • •   | ;;<br><b>&gt;&gt;</b> |
| Revenue administration—so<br>Tiruvāykēļvi, tirumugam, u   |                                    |              | • • •                                   | • •    | • •     |       | 110                   |
| Māravarman Sundara-Pāņd                                   |                                    | -            |   | • •    | • •     | • •   | 27                    |
| Māravarman Vikrama-Pānd                                   |                                    |              | • • • •                                 | • •    | • •     | • •   | ,,<br>111             |
| Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya                                    | ·                                  |              | •                                       | • • •  | • •     | • •   | 111                   |
| Gift for enacting a drama                                 | ••                                 |              |   |        | • •     | ••    | "                     |
| The military classes of Tinn<br>Māravarman Kulasēkhara I  | . •                                |              | • • •                                   | • •    | • •     |       | 112                   |
|   |                                    |              | • • •                                   | • •    | • •     | • •   | "                     |
| The Western Chāļukyas and t                               |                                    |              |   |        |         |       |                       |
| Tribhuvanamalla Mallidēva                                 | -Chōla-Mahār                       | āja          |   | • •    | • •     |       | 112                   |
| Foundation of the Dēsīsvars<br>Chāļukyachakravartin Vikrs | temple at H                        | enjeru<br>:: |   | • •    | • •     |       | ",                    |
| Tribhuvanamalla Vīra-Somē                                 | im <b>a</b> deva ideni<br>Svara TV | icai mieu I  | alia III                                | • •    | • •     | • •   | 113                   |
| Irungöladeva-Chöla-Mahara                                 | ija                                | •••          | • | • •    | • •     | • •   | >2                    |
| Bommadēva-Chōla-Mahārāj                                   | a and Jagade                       | kamalla II   | •••                                     | ••     | ••      | • •   | "<br>114              |
| Jaina monuments in Madak                                  |                                    | • • •        | • • •                                   | • •    | • •     | • •   |                       |
| Vīragals  | ••                                 | ••           | • ••                                    | • •    | • •     | • •   | "                     |
| The Eastern Chalukyas—                                    |                                    |              |   |        |         |       | ••                    |
| Jayasimha I   | ••                                 |              | • • •                                   |        |         |       | 115                   |
| Vishnuvardhana II   | ••                                 |              | • • •                                   | • •    | ••      | • •   | 115                   |
| Vishnuvardhana III<br>Vijayāditya I                       | ••                                 | - • ·        | • ••                                    | • •    | • •     | • •   | 116                   |
| Vijayādītya I<br>Vijayādītya II                           | •• ••                              | • • •        | • • • •                                 | • •    |         | •     | 2)                    |
| Vijayāditya (VI) i.e. Amma                                |                                    | • •          | • | • •    | • •     | • •   | 117                   |
| Karpativrata  |                                    |              |   | • •    | • •     | • •   | "                     |
| Kulöttunga-Chōḍa II                                       |                                    |              | • | • •    | • •     | ••    | 118                   |
| Rājarāja II and the Velanā<br>Genealogy of the Velanāņḍ   | nau chiefs                         |              | • • •                                   | ٠.     | • •     | • •   | "                     |
| Comparative difference betw                               | een this and t                     | hat given i  | ·                                       | • •    |         | . • • | 119                   |
|   |                                    |              |   |        |         |       | 120                   |
| Velanandu chiefs mentioned                                | l in Telugu w                      | ork Kavnra   | hā hughanit                             | ramu   | • •     | • •   | "                     |
| Later Eastern Chalukya kin                                | ig Vishņuvard                      | hana Malla   | pa                                      | • •    | • •     | ••    | 121                   |
| Kākatīyas—  |                                    |              |   |        |         |       | 121                   |
| Ganapati  |                                    | ••           |   |        |         |       | _                     |
| His copper-plate grant                                    | ••                                 | ••           | • •                                     | • •    | • •     | • •   | 121                   |
| Rudramadēvī The Malkāpuram inscription                    | of hor time                        |              | • • •                                   | • •    | • •     | • •   | 122                   |
| Kākatīva genealogy  |                                    |              | •                                       |        | • •     | ••    | 73                    |
| Saiva teachers of the Gola                                | ki Matha in t                      | he Dahala    | · · · ·                                 | • •    | • •     | ••    | 123                   |
| V 15 V DS V GLG - DIV A CHAI V A A H                      | u nin enamma                       |              | _                                       | • •    | • •     | • •   | 22                    |
| Saivism in the Andhra ar                                  | id the Dravida                     | countries.   | •                                       | • •    | • •     | • •   | 124                   |

|                                     |           |           |                  | PART :   | II—co      | nt.           |         |        |       |       | PAGE       |
|-------------------------------------|-----------|-----------|------------------|----------|------------|---------------|---------|--------|-------|-------|------------|
| Kākatīyas—cont.                     |           |           |                  |          |            |               |         |        |       |       |            |
| Sadbhāva-Sa                         |           |           |                  |          |            |               | - •     | • •    | • •   | • •   | 126        |
| Sōma-Sambh                          |           |           |                  |          |            | ti            | • •     | • •    |       | •     | . : :      |
| Takkaṇa-Lāo                         |           |           |                  | Rāḍhā    |            | • •           | • •     | • •    | • •   | • •   | 127        |
| The Kōtas<br>Kēta II                | • •       | • •       | • •              | • •      |            |               | • •     | • •    | • •   | • •   | 19         |
| Kēta II                             |           |           | • •              |          | • •        | • •           |         | • •    | • •   | • •   | 128        |
| Kēta III                            |           |           | • •              |          | • •        |               | • •     | • •    | • •   | • •   | ,,         |
| Kēta III<br>His son Gaņap           | a         |           | • •              | • •      | . •        | • •           | • •     | • •    | • •   | • •   | 29         |
| Kõța queen Ve                       | nnaladēt  | vamma     |                  | • •      |            | • •           | • •     |        | • •   |       | >>         |
| Parichehedis                        | • •       |           | • •              | • •      | ••         | ·· .          | • •     | • •    | • •   | • •   | 27         |
| Building of the                     | e Agasty  | ēśvara (  | temple           | at Gun   | tur by     | Pand          | ya      | • •    | • •   | • •   | "          |
| Vijayanagara dy                     | nasties—  | •         |                  |          |            |               |         |        |       |       |            |
| Bukka I                             |           |           |                  |          |            |               |         | • •    |       |       | 129        |
| Harihara II                         |           |           |                  |          |            |               |         | , .    |       |       | ,,         |
| Dēvarāja I                          | • •       |           |                  |          |            |               |         |        | • •   |       | 22         |
| His son Rāmac                       | chandra,  | ruler of  | Kond             | lavídu   |            |               |         | • •    |       |       | ,,         |
| Sāluva Narasiri                     | ıgayyadē  | eva-Mal   | iā <b>-ar</b> as | a        |            |               |         |        |       | • •   | 29         |
| Sāluva Narasin<br>Rāmarāja Vitt     | haladēva  | -Mahār    | āja              |          | • •        |               |         | • •    |       |       | 27         |
| His brother Ch                      | inna Ti   | mmayad    | lēva-M           | lahāraja | <b>.</b> . |               |         |        | • •   | • •   | ,,         |
| Manubõlu fami                       | ily       |           |                  |          |            |               |         | • •    |       |       | <b>3</b> 1 |
| Disposal of an                      | outcaste  | Brahm     | an's p           | roperty  |            |               |         | • •    | • •   | • •   | 130        |
| The Travancor                       | e chiefs, | Vîra-U    | dayan            | artands  | avarma     | n and         | Vîra-B  | lāmava | rman  |       | "          |
| Ravivarman                          |           |           | • •              |          |            | • •           |         | • •    |       |       | 131        |
| The Nāyakas o<br>Rāmarāja-Tim       | f Madur   | 'a        |                  |          |            |               |         |        |       |       | ,,         |
| Rāmarāja-Tim                        | marāja c  | or Tirun  | n <b>ala I</b>   |          |            | • •           |         |        | • •   | • •   | ,,         |
| Tāḷḷapākam Ti<br>Śri-Raṅga (II)     | ruvenga!  | lanatha   |                  |          |            |               |         |        |       | • •   | 132        |
| Šri-Ranga (II)                      | • •       | • •       | • •              |          |            |               |         | • •    | • •   | • •   | , ,        |
| Miscellaneous—                      |           |           |                  |          |            |               |         |        |       |       |            |
| A new copper-                       | plate gra | int of th | ne 8th           | century  | A.D.       |               |         |        |       |       | 132        |
| Gānadēva                            | F 0       |           |                  |          |            |               | . •     |        |       |       | 133        |
| Gāṇadēva<br>Vaishṇava and           | Śaiva M   | fathas o  | onnec            | ted with | templ      | es            |         |        |       |       | ٠,         |
| Their educative                     | e influen | ce        |                  |          |            |               |         |        |       |       | 79         |
| Their educative<br>Disputes between | en Vella  | ilars an  | d the            | Vellai-l | Nādar      | comm          | unity ( | of the | Tinne | velly | • • •      |
| district                            |           |           | • •              |          |            |               |         |        |       | ••    | 134        |
| Separation of t                     | he five s | ubdivisi  | ons of           | Kamm     | āļars ir   | the s         | ame dis | strict |       |       | ,,         |
| Valangai Uyya                       | akkondā   | r comm    | unity            |          |            |               |         |        |       |       | "          |
| Valangai Uyya<br>Muhammadan         | occupati  | ion of tl | ae Pāņ           | dya cou  | intry      |               |         |        | • •   | • •   | 135        |
| The Golkonda                        | king Ib   | rahīm G   | lutb Ś           | hāh      |            |               |         |        | • •   |       | "          |
| Scheme of lane                      | d measui  | rement a  | and ta           | xation i | n the '    | <b>Felugu</b> | countr  | у      |       |       | "          |
| A land-dispute                      | decided   | by a M    | (uham:           | madan d  | hief       | , .           | • •     |        | • •   |       | "          |
| The Vāsireddi                       | family    | · •       |                  |          |            |               |         |        |       |       | 19         |
| The Vāsireddi<br>Vāsireddi Ven      | katadri-J | Nāyudu    |                  |          |            |               |         |        |       | • •   | 136        |
| The Manuri fa                       | mily      |           |                  |          |            |               |         |        |       | • •   | 77         |
| The Mānūri fa<br>The Honourab       | le Éast   | India C   | ompan            | ıy       |            |               |         |        |       |       | "          |
|                                     |           |           | -                | -        |            |               |         |        |       |       |            |

#### PART I

The chief event to be noted in the internal administration of the office is its transfer from Ootacamund to Madras. In bringing about this change it has been the chief object of the Government that the Epigraphist should not be cut off from the seat of the University and that the growing number of professors, scholars and students engaged in historical and philological research should come into frequent contact and co-operate with him for mutual advantage. From what has been noted in the sequel it will be seen that these objects have been fairly achieved and it is hoped that there may be greater co-operation and activity on more facilities being afforded by Government for this purpose. The office was opened at Madras on the 1st October 1916 as per G.O. No. 1121, Public, dated 10th June 1916.

#### OFFICE ROUTINE.

2. The junior assistant Mr. K. V. Subrahmanya Ayyar was granted privilege leave and furlough for one year and three months from 4th September 1916. The place of the Kanarese Epigraphical Student was left vacant as no competent candidate who has taken the degree with Kanarese as his second language was forthcoming until 1st February 1917, when Mr. K. R. Srinivasa Ayyangar who has passed only in the Kanarese branch of the B.A. Examination was appointed on

probation for one year. In G.O. No. 1008, Public, dated 24th May 1916, the Government was pleased to better the position of the three Epigraphical Students by fixing the starting pay of the appointment at Rs. 75, and by promising to raise the grade of their salary to Rs. 100—5—125 after five years of approved service. Messrs. Krishnamachar and Srinivasa Rao who were already confirmed as the Telugu and Tamil Epigraphical Students respectively on the old scale, signed the bond of service contract mentioned in the Government Order quoted above and were allowed to draw their salaries at Rs. 75 from the date of the above Government Order.

A typist having been newly sanctioned by Government (G.O. No. 1008, Public, dated 24th May 1916) Mr. K. Somasundaram Pillai who has passed the intermediate test in typewriting was appointed for the place on the 23rd September 1916.

#### PUBLICATION.

3. At the suggestion of F. J. Richards, Esq., M.A., I.C.S., the Government entrusted M.R.Ry. V. Rangachari, M.A., Assistant Professor of History in the Presidency College, with the work of preparing an alphabetical index of villages noting under each the brief contents of the inscriptions collected until now by the Epigraphical department together with bibliographical and other references wherever these were available. Sanction was also accorded for the entertainment of a temporary typist for seven months from July 1916 to January 1917 to help Mr. Rangachari (G.O. No. 1023, Public, dated 26th May 1916, and G.O. No. 1283, Home (Education), dated 1st December 1916), who has, I hear, just finished his work and submitted the voluminous manuscript to Government.

The final proof of Part V of South-Indian Inscriptions, Vol. II, was passed for printing and the part was issued. A good portion of the manuscript for Part III of Vol. III containing texts and translations of nearly 100 old Tamil inscriptions was got ready and despatched to the Press. The remainder of the manuscript still required to complete the part will be sent in due course to the Press. Materials for Part IV of Vol. III which will include the index of the volume, some more Chōla inscriptions and the Tiruvālangādu copper-plates are also taken up on hand. The Telugu volume of South-Indian Inscriptions which is progressing will be issued as Vol. IV of the series and will consist mainly of the inscriptions of Tripurāntakam and a few copper-plate grants from the Telugu country. As the place of the Kanarese Epigraphical Student was not filled up for more than a year, the work of preparing the Kanarese inscriptions for the Press could not be pushed through.

#### Tours of the Establishment.

- 4. Myself and my Senior Assistant did not undertake any tours on account of the pressure of the work at office in connection with the publication of inscriptions and the transfer of the office from Ootacamund to Madras and the other preliminaries connected therewith. Consequently Mr. Srinivasa Rao, the Tamil Epigraphical Student, was the only one of my establishment who was available to work out the programme in the Tamil districts. He left Ootacamund on 16th August 1916 and after securing copies of records in the Ambāsamudram taluk, the villagewar survey of which was begun last year by my Senior Assistant and only two firkas finished, and after examining a few places in Tanjore, Trichinopoly and South-Arcot districts returned to Madras on 6th January 1917.
- Mr. C. R. Krishnamachar, the Telugu Epigraphical Student, left Madras on 2nd December 1916 and finished the villagewar inspection of the Guntūr taluk collecting as many as 130 inscriptions. He returned to Madras on 14th March 1917.
- Mr. Rangarajayya, the acting Kanarese Epigraphical Student, proceeded on tour on his being deputed to copy the inscriptions of the Madakasira taluk in the Anantapur district, village by village. He finished two circles of the taluk and had to reserve the remaining one for next year as his presence was necessary at headquarters where he arrived on 25th February 1917. Thus it will be seen that the touring of the year under review was directed mostly to the villagewar survey. Mr. P. Visvanatha Ayyar, the photographer, was sent on tour independently to take some epigraphical photographs in selected temples and to prepare sketches and photographs of such other objects of archæological interest in these temples as had not already been tackled by the Archæological Superintendent. His sketches include fifty sculptural pannels in

1/4

relief representing the lives of the famous Śaiva devotees, decorating the niches in the basement of the Airāvatēśvara temple at Dārāśuram near Kumbakonam. The labels giving their names were noted by Mr. Venkayya in his Annual Report of 1908, paragraphs 66 to 68. I intend studying these sculptures on a future occasion along with the lives of the 63 Śaiva devotees and publishing them. During his absence from headquarters from 4th February 1917 to 31st March 1917 Mr. Visvanatha Ayyar has secured 28 photographs and 60 sketches.

#### THE YEAR'S WORK.

5. The Annual Report for 1915-16 kept me and my establishment engaged until the middle of July 1916. The tours commenced with August 1916 and closed with March 1917 with the result that during the year under review about 462 villages were inspected and at 130 of these were secured 668 inscriptions. The two hundred and thirty-eight inscriptions collected by Mr. G. Venkoba Rao in the Ambāsamudram taluk last year but which had been reserved for examination (vide Annual Report for 1916, Part I, paragraph 6) during this year, are included in Appendix B. To these are added the remaining records secured from Ambāsamudram by Mr. Srinivasa Rao, those of the Guntūr taluk and those of the Madakasira taluk (Anantapur district). Inscriptions copied from miscellaneous villages in the districts of Tanjore, Trichinopoly and South Arcot are reserved for examination next year.

Stone inscriptions examined during the year under review mostly consist of Pāṇdya epigraphs from the south and some are dated in the reigns of the Chōla-Pāṇdya viceroys, who were first appointed by the great Chōla conqueror Rājēndra-Chōla (I) for the protection of the Pandya country which was evidently then absorbed into the Chola empire. The Telugu inscriptions supply some further information over that of last vear about the local chiefs who ruled as Kākatīya subordinates in the Telugu country. A few of these records belong to the ruling family of the Kākatīyas and of these latter the one of great interest is that of queen Rudramba found at Malkapuram in the Guntūr taluk, Guntūr district. The charities recorded in this inscription, which among others included the founding of a college, a hospital, a maternity and a Saiva matha are noticed in extenso in Part II below. Two records from Penumūli in the same taluk, of about the 13th century A.D., are of some antiquarian interest inasmuch as these give us sketches of the standard cubits used in measuring fields and housesites (No. 131 of 1917). Also the standard span is referred to and marked in No. 1 of Appendix C. These standards of measurements thus sketched out on stone must have been the actual cubit and span of the ruling king or chief as often referred to in the Tanjore Chola inscriptions The Kanarese records in general are too fragmentary. But some of these are of historical value belonging as they do to the early Pallava-Nolamba and Chālukya periods. The kings of the former dynasty who were contemporaneous with the Gangas seem to have been good sportsmen and to have commemorated the death even of their hunting companions. No lambadhiraja it is stated erected a monument for his favourite dog called Punaga which hunted a boar and died in the fight (No. 755 of Appendix B).

6. Of the inscriptions examined for other departments one or two deserve specially to be noted. Mr. Longhurst, the Archæological Superintendent, examined the caves and stūpas at Guntapalli, Kistna district, and sent me for decipherment an inscription in Brāhmī characters of about the first century B.C. The accompanying



illustration is made from the impressions prepared by Mr. Longhurst. The record has been tentatively read by me—

Thērasa bhayata-Nadasa atēvāsikasa Nādasō(sa) [d]ānam sōvā[nam\*]. "(This) step (is) the gift of Nātha, the pupil of the venerable (bhayata) [Buddhist] monk Nanda."

Two other inscriptions received from the same officer were photographs taken by F. G. Butler, Esq., I.C.S., Special Assistant Agent, Koraput, Vizagapatam district, in connection with the antiquities of Kondakamberu in that district. They register the founding of a Siva temple called Nīlakantha in A.D. 1381 by Ambikā, the wife of Pāndu-Singa. An inscription from Udayagiri (Nellore district), not included by Messrs. Butterworth and Venugopaul Chetti in their volume of Nellore Inscriptions reters to the digging of a step-well on the road to Vijayanagara, by a certain Timmarasayya in A.D. 1570. This was also examined for the Archæological Superintendent. Iconographical notes on photographs from Srīśailam sent by the same officer may also be mentioned among the items of miscellaneous work done during the year.

. The chief interest however attaches to the large number of copper-plates of which the more important ones were secured through the kindness of Messrs M. Ramakrishnakavi, M.A., A. Rangaswami Sarasvati. B.A. M. Kalidasu, B.A., B.L., High Court Vakil, Guntūr, and Tarini Charan Rath, B.A. District Munsif, Aska. All these plates will be noticed in Part II with reference to their bearing upon the history of the Eastern Chāļukya kings. Nos. 17, 18, 20 and 21, however, which were secured through the Tahsildars of Madakasira and Dharmavaram are forgeries evidently of a period when the Anantapur district came directly under the British rule

Appendix A includes 24 copper-plates examined during the year. Appendices B and C give detailed extracts of the stone inscriptions examined and transcribed. The collection of photographs and sketches appear in Appendices D and E, while Appendix & contains the astronomical verifications of dated records and notes thereon by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai. Tentative transcripts of all the inscriptions included in Appendices A, B and C have been made. Index tickets for the collection of last year have been drawn up and the transcripts distributed into the several files dynastically and chronologically.

The Government in their Memorandum No. 4399/15-4, Public, dated 21st June 1916, asked me to take up the examination of the gold coins forming part of the Kodur treasure trove from 1st October 1916. The coins numbering as many as 16,586 were received on the 13th December 1916 and my report on them was sent to Government on the 10th February 1917. Mr. Srinivasaraghava Ayyangar, M.A., the Archæological Assistant in the Museum, was of very great help to me in sorting and identifying these coins.

- 5. As regards conservation I can only mention the Jaina images at Nidamarru and Vungutūru and a mound called Bhīma-lingam-dibba at Tādikonda, all in the Guntūr taluk of the Guntūr district. The only temple in the Ambāsamudram taluk which deserves the attention of the Archæological Superintendent on account of its sculptures and inscriptions is the one at Tiruvālīśvaram.
- 9. Subjoined is the statement under the main heads of expenditure of the Assistant Archeological Superintendent for Epigraphy during 1916-17—

#### Expenditure.

|  |     |       |     | RS. A. P.   |
|--|-----|-------|-----|-------------|
| Assistant Archæological Superintendent | • • | • •   | • • | 5,775 0 0   |
| Establishment                          | • • | • •   | • • | 8,932 2 5   |
| Temporary establishment for index      | • • | • •   | • • | 140 0 0     |
| Assistant Superintendent's travelling  | • • | • •   | • • | 154 4 9     |
| Establishment travelling               | • • | • •   | • • | 1,906 13 9  |
| Contingencies                          | • • | • •   | • • | 4,061 9 7   |
|  |     | Total | ••  | 20,969 14 6 |
| Receip                                 | ts. |       |     |             |
|  |     |       |     | RS. A. P.   |
| By sale of photographs                 | • • | • •   | • • | 2 0 0       |
| By sale of old furniture, etc          | • • | • •   | ••  | 137 14 0    |
|  |     | Total | • • | 139 14 0    |

- 10. Stone inscriptions copied at the following places are registered in Appendices B and C.
  - I. Anantapur district.—Thirty-nine \* villages in the Madakasira taluk.

II. North Arcot district .- Tirupati.

- III. Guntur district.—Fifty † villages in the Guntur taluk. Jatapalle and Mādipādu.
- IV. Tinnevelly district.—Thirty-eight ‡ villages in the Ambasamudram taluk.

Programme of tour of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the field season of 1917-18.

| Number.       | Name of th                    | ne vill | age.      |      | Distric                                     | et.        |           | Nature of the Archaeological remains or the work proposed to be done.             |
|---------------|-------------------------------|---------|-----------|------|---|------------|-----------|---|
| <del></del>   | AFlaces rep                   | orted t | o contain | 2 61 | necriptions by the                          | Ar         | chaologi  | cal Superintendent or other officers.   |
| 1             | Akumalla                      |         |           |      | Kurnool                                     |            |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 2             | Alattur                       | ••      | ••        | ••   | South Arcot                                 |            | • • •     | Reported to contain old temples with in-  |
| 3             | Avūr                          | • •     | • •       | ٠.   | North \rect                                 |            | ••        | Contains many inscriptions.   |
| 4             | Ayyampalayam                  | • •     | • •       | • •  |   | •          |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 5<br><b>6</b> | Bāradamangalam<br>Brahmadēšam |         | •         | ٠.   | Salem    <br>  South Arcot                  | •          |           | A stone with inscription.  Reported to contain inscriptions.                      |
| 7             | Chittoor                      | • •     | ••        | • •  | Chittoor                                    | •          | ••        | Rock inscription.   |
| ŝ             | Conjesveram                   | • •     | ••        |      | Chingleput                                  | • •        | 1         | Many inscriptions not copied in previous  |
|               | Conjourchan                   | • •     | ••        | •    | o-major-                                    | •          | • •       | years.  |
| 9             | Dadapuram                     |         |           |      | South Arcot                                 |            |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 10            | Erragudi                      |         |           | • •  | Kurnool                                     |            |           | Do. do.   |
| u             | Ghantasala                    | • •     | • •       | • •  | Kietna                                      |            | • • •     | Do. do.   |
| 12            | Ilavampatți                   | • •     | • •       | • •  | Salem                                       |            | • • •     | Do. do.   |
| 13<br>14      | Kalavai                       |         | • •       | • •  | North Arcot                                 | •          |           | Inscriptions on a sluice and in a mosque  |
| 15            | Kattuvappallaipa<br>Kilivanur |         | • •       | • •  | South Arest                                 | • •        | 1         | Stone in a field containing inscription. Reported to contain old temples with in- |
| 10            | Kiliyanur                     | • •     | • •       | • •  | South Areot                                 | •          | • • •     | scriptions.   |
| 16            | Kolimigundla                  |         |           |      | Kurnool                                     |            |           | Rejorted to contain inscriptions.   |
| i <b>7</b>    | Koyilkuntla                   | • •     | ••        |      | Do.   |            |           | Do. do.   |
| 18            | Madam                         |         |           |      | North Arcot                                 |            |           | Temple containing macriptions.  |
| 19            | Madura                        |         |           |      | Madura ,.                                   |            |           | Temple with inscriptions  |
| 20            | Mahabalipuram                 |         |           |      | Chingleput                                  |            |           | To cory a newly discovered inscription.   |
| 21            | Mahēndragiri                  | • •     | • •       | • •  | Ganjam                                      |            |           | Inscriptions in a temple.   |
| 22<br>23      | Mailavaram<br>Marakanam       | • •     | • •       | ••   | Guntur<br>South Arcot                       | •          |           | Reported to contain inscriptions  |
| 20            | Jarakanan                     | • •     | • •       | ••   | South Arcor                                 | •          | •••       | Reported to contain old temples with in-<br>scriptions.                           |
| 24            | Munnar                        | .,      |           |      | Do.   |            |           | Do. do.   |
| 25            | Nissankadurga                 |         | ••        |      | Chittoor                                    | :          |           | Reported to contain in emptions.  |
| 26            | Olagāpuram                    |         |           |      | South Arcot                                 |            |           | Reported to contain old temples with in-  |
|               | -                             |         |           |      | }   |            |           | scriptions.   |
| 27            | Pouluta                       | • •     | ••        | • •  | Ganjam                                      | •          | • • •     | Do do,  |
| 28            | Ponnëri                       | • •     |           | • •  | Salem                                       | •          | • • •     | Stone on the road-side contains an inscription.                                   |
| 29            | Prattapur                     |         |           |      | Ganjam ,.                                   |            |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 30            | Ramatirtham                   | • •     | • •       | • •  | Vizagapitam                                 | •          |           | Inscriptions on a Jaina image.  |
| 31            | Remata                        | ••      | ••        |      | Kurnool                                     | •          |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 3 <b>2</b>    | Sakkodi                       |         |           |      | Salem                                       |            |           | Do. do.   |
| 33            | Salem .                       |         |           | ٠.   | Do  |            |           | Old inscriptions on a boulder in the reser-                                       |
|               |                               | _       |           |      |   |            |           | voir.   |
| 34            | Russelkonda (Bor              | _       | -         | ).   | Ganjam                                      | • •        | • • •     | Reported to contain inscriptions.   |
| 35            | Singavaram                    | ••      | • •       | • •  | South Arcot                                 | • •        | ••        | To copy fully a Pallava inscription by re-  |
| 36            | Śińgaperomalkoy:              | 11      |           |      | Chingleput                                  |            |           | moving a wall.  Rock-cut cave with inscriptions.                                  |
| 37            | Sunampattu Villi              |         | •         | • •  | South Arcot                                 | •          |           | Reported to contain old temple with inscrip-                                      |
|               | Z-m                           |         |           | •    |   | •          |           | tions.  |
| 38            | Taduvayi                      |         |           |      | Gantur district                             |            |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 39            | Tirukandji                    |         |           |      | French territor                             | ŗy         | (South    | Reported to contain inscriptions by Mons.   |
| 40            | Ti                            |         |           |      | Areot).                                     |            |           | Dubreuil.   |
| 40<br>41      | 70:                           | • •     | • •       | ••   | North Arcot<br>South Arcot                  | • •        | •••       | Reported to contain inscriptions. Temple with inscriptions.                       |
| 42            | Tribhavani                    | • •     | • •       | ••   | l   | rv.        | (Seu'h    | Reported to contain inscriptions by Mons.   |
|               |                               | • •     | ••        | ••   | Arcot).                                     | <b>-</b> J | ( = = =   | Dubreuil.   |
| 43            | Tukkachehi                    | , ,     | ••        |      | Tanjere                                     | ٠.         |           | Reported to contain inscriptions.   |
| 44            |                               |         |           |      | Kurnool                                     |            |           | Do do.  |
| 45            | Veligonda                     |         | ••        |      | Nellore                                     |            |           | Do. do.   |
| 46            | Vipparu West                  | • •     | • •       |      | Kistna                                      | • •        |           | Temple containing inscriptions.   |
| BPk           | aces taken from Mr.           | Sewel   | l'a Liste | of   | antiquities or othe                         | ruu        | e expecte | d to contain inscriptions of historical value.                                    |
|               | Avajūr                        |         |           | •    | South Arcot                                 |            |           | )   |
| 2             | Āvai                          | • •     | • •       | • •  | North Arcot                                 |            |           | i   |
| 3             | Bhadraet alam                 | • •     | ••        |      | Gödavari                                    |            |           |   |
| 4             | Kuhainar                      | ••      |           |      | South Arcot                                 |            | ,         | '`}   |
| 5             | Sembēdu .                     |         |           |      | Do  |            | • •       |   |
| A :           |                               | • •     | • •       | • •  | Do  | ٠.         |           | !   |
| 7 '           | Vriddhāchdam                  | • •     |           | 1    | 1.0   | • •        | ••        | J   |
|               |                               |         | C.—       | Det  | tail survey of inscr                        | ipti       | one taluk | war.  |
|               |                               |         | G         | unt  | tür district — Tena                         | li t       | ıluk.     |   |
|               |                               |         | A         | nar  | ntap ir district — H<br>evelly district — T | lind       | apur and  | d the remaining firks of Madakasira.  |

One hundred and eighty-three other villages were also examined but contained no inscriptions.
 One hundred and two other villages were also examined but contained no inscriptions.
 Forty-even other villages were also examined but contained no inscriptions.

# APPENDIX

A.-List of copper-plates examined during 1916-17.

| No. | From whom received.   | Dynasty.                | King.                                       | Date.  | Language.               | Disposal of the original.           | Where and by whom to be published. | Remarks.  |
|-----|---|-------------------------|---|--|-------------------------|-------------------------------------|------------------------------------|---|
| 7   | The Sub-Collector, Bezwada<br>(Kistna district).  | Eastern Cha-<br>lukya.  | Ашпа (II)                                   | Uttarāyana   | Sanekrit                | Deposited in the Government Museum, | In the Epigra-<br>phia Indios.     | Records the gift of the village Mangallu in Nahavadi-vishaya to the Bribman, Pommana, at the instance of Rahartya-Gundyana, son of Eriya-Rashtrakuta and grand-son of Gundiya-Rashtrakuta of the Sama[ntx]voddi   |
| C3  | M.R.By. Velpula Raghavulu,<br>Yeddanapudi (Narasarao-<br>pet talak, Guntur dietrict).   | :                       | :   | Śaka 1637,<br>Manmatha,<br>Asbadha, śu.<br>5.              | I olugu                 | Returned to the owner.              | :                                  | family.  Registers the sale of their mirūši-inam lands by the brothers Viralettudu and Yalla- battudu of Yaddanapūdi, for ga, 276 (vara- balu). By this the services of blacksmith to the Siroar (government) were transferred to the purchaser Vēlpūri Musalabatjūdu in  |
| 67  | M.R.Ry. Niraganti Hanu-<br>mantappa, Islyl (Adoni<br>taluk, Bellary distriot).  | :                       | :   | Śaka 1716, Pra-<br>madin, Jy6-<br>shtha, ba. 7,<br>Sunday. | Капагеве                | Do.                                 | :                                  | the presence of 9 witnesses. Sale of Gaudita-mirasi lands by Timmana-Gauda and Gövinda-Gauda of Maddilinga-dahili, to Timmana-Gauda of Yisibe, together with pasiki, palyte, mulavis, sugadi-vilyavartane, ylige, piñ jarru, kadarambla, nirarambha, etc., belonging to those lands,  |
| *   | M. B. Ry. Achyuta Rac Partulu<br>B.A., Assistant-Inspector of<br>schools through M. B. Ry. Ra-<br>makrishnakavi, M.A., Oriontal | Kakati (Ka-<br>katiya). | Gадараtідбуя                                | Saka 1182, Ra-<br>udri, Chaitra,<br>ba.[15°] solar         | Sanekrit in<br>Telugu.  | Do.                                 | In the Epigra-<br>phia Indioa.     | for 25 ga (varaha).<br>Gift of the village Garavapadu to 50 Brah-<br>mapas by Tikka-Chamiputi, son of Dévaraja<br>who was a minister of the king.   |
| 40  | Manusoript Library, Madras.<br>M.B.By. Ramakrishnakavi,<br>m.A., Oriental Manusoript<br>Library, Madras.                        | Fastern Cha-<br>lukya.  | [Narêndra-Mrigaraja] Vijaya-<br>ditya (II). | Solar Eolipse  | Do. :                   | Do.                                 | Do.                                | Registers the grant of the village Tandivada<br>in Komura-nandu-vishaya to the two Brah-<br>manas Vriddhamanda and Dona of the<br>Gautama-gótra, grand-sons of Vriddha-   |
| •   | Do.   | :                       | Prithivi-Maharaja                           | 48th year,<br>Karttika, l'a-<br>urpamsei.                  | Do                      | Do.                                 | Do.                                | mandasarman of Vangipagu. Gift of the village Traditation in Fagunzra- vishaya, to bhavasarman of the Kamaka- yana-gotra who had studied the trienhasar- yidya and was a resident of the village  |
| ^   | Do.   | Eastern Cha-            | Jayasimba-Vallabba-Maharsja                 | Karttika, Paur-<br>ņamāsi.                                 | Do                      | Do.                                 | Do.                                | Ropamanoni. Gift of the village of Niduparu in Ganderuvani (province) to a certain Kathsarman of  |
| 00  | Curator, Oriental Manusoripts<br>Library, Madras.   | Vijayana-<br>gara.      | Venkatapati-Maharaya                        | Śaka 1612, Vikrit, Dha-<br>nus, su. 12,<br>Friday.         | Sanskrit in<br>Nagarli. | Ď.                                  | :                                  | The first plate is missing and the writing is very carelessly excouled. There are many omissions and the writing is omissions and mix-spellings. Registors the gift of a village surnamed Venkatesepure in the Konadu district, a sub-division of Uttukksfdul-Kottam, to the Sri-Vaishnava teacher Tataya the grand-son of Etur-Tatarya and son of Srinivass. |

A.—List of copper-plates examined during 1916-17-cont.

A-List of copper-plates examined during 1916-17-cont.

| No. | From whom received.   | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language.               | Disposal of the original. | Where and by whom to he published. | Ветатка.   |
|-----|---|--------------------|--|---|-------------------------|---------------------------|------------------------------------|--|
| 16  | M.R.Ry. A. Rangaswami<br>Sarasyati, B.A., University<br>Research Student, Madras. | Vijayana-<br>gara. | ::   | :   | Nagari (Sane-<br>krit). | Returned to the owner.    | :                                  | Incomplete. These two plates strung on, a plain ring stop with the description of Srirahga (II) of the third dynasty. His residence at Uddagni is referred to.   |
| 17  | Tabsildar ) of Madakasira<br>(Anantapur district).                                | :                  | :  | :   | Nagari (Kana-<br>rose). | Ď.                        | :                                  | In Salivahana-Saka 1230, Plavanga, Karttika<br>fu. 16, solar edlipse (P), the gaudike of the<br>village Devarayapura to Sadara Muddumalla<br>was made by Tirumah-Somayajin. The<br>latter had received it as diksharamakshetra   |
|     |   |                    |  |   |                         |                           |                                    | from the king Gaddada Devaraya. The ayagaras for the new village were appointed in the presence of the residents of four villages. The village seems to have been surround Date.   |
| 38  | Do.   | :                  | :  | :   | Капатеве                | Ď.                        | į                                  | Registers that, in Saka 1120, Bhava (wrong) a certain Bomna-Nayaka with the permission of Harihara-Bukkaraya appointed kanachigaras (i.e., village servants) in the village in which he had founded. Then in Soka 1923, Wale calso wrone) in the seion   |
|     |   |                    |  |   |                         |                           |                                    | of Bupatings, son of Harbara-Bukkaraya, Bomma's son Kama-Nayaka founded to the south of Malligemad u the village Gövindapura Which he renamed Rorje.   |
| 6   | :   | Vijayana-<br>gara. | V trapratapa Vira-Sri-Ranga-<br>rayadèva-Maharaya. | Śaka 1678,<br>Vijambi<br>(wrong), Ma-<br>gha, śu. 15. | Do.                     | ϰ.                        | In th' Epigra-<br>phia Indioa.     | A quarrel regarding the gaudike of Roje between Annadani-Gauda and Chiga. Mudhaiya was submitted to the (village) court (dharmasane) consisting of the chief men of the village and the twelve village servants (ayagara). They decided in favour of the latter and the chief Sarajarasapparaja of Hughi concrete their decision and conferent   |
| 30  | . :   | :                  | :<br>:   | :   | Telngu                  | 1)o.                      | i<br>i                             | Regit ters that in Saka 1429, Ananda (wrong) during the reign of Praudhadevarayala-Bukkaraya, the reign of the four villages Makodiki, Lakshamamanalle, Yara-Aranganalle, Sarakanalle, Sara |
|     |   |                    |  |   |                         |                           |                                    | jya, a par<br>conferre   |

A .-- List of copper-plates examined during 1916-17.

| No. | From whom received.   | Бупавту.              | King.                     | Date.                               | Language.                              | Digposal of the original. | Where and by whom to be published. | Kemarks.  |
|-----|---|-----------------------|---------------------------|-------------------------------------|--|---------------------------|------------------------------------|---|
| 21  | Tabsidar of Dharmavaram (Anantapur district).                                 | :                     |                           |                                     | Telu; u · · ·                          | Returned to the owner.    | :                                  | Registers that in Saku 1273, Ananda (wrong) during the reign at Vidyanagura of Virapridga Bheksangyadova-Maharaya, a certain P.da. Chodannareddi was granted the gaudirike of the villages Nasana, Muttava-   |
| 23  | M.R.Hy. K. Venkatmaraya.<br>nappa, Schoolmas'er, Tenali<br>(Gurtar district). | Bastein<br>( haļukya, | Vijnyad itya-Maharaja (1) | Uttarayana<br>and lunar<br>eclipse. | Nanskrit (in<br>Telugu).               | Do,                       | In the Epigra-<br>plus Indica.     | kula, Gauragiri, Kandankunja, Valuru, Ketakunja, otc. The shares given to the other village officers, servants, temples and Brahmanas are also mentioned. Grant of the village Sakharambu in Vilanandur-vishaya to Bhattaraka Devasarman of the Hariti-gotha and the Apastamba-sütra, a resident of Karañohein. |
| 23  | 23 The Tahsildar of Bapatla<br>(thuntur district).                            | Do                    | Rajaraja (11)             | Saka 1091, and<br>23rd year.        | Do,                                    | Do. ::                    | Do.                                | Forme plates are missing both at the bogin ning and at the end. Givee agenealogical account of the Eastern Chalukya kings and the Velananduchiefs. Records the gift of the  |
| 24  | M.R.By. Malladi Venketus<br>varolo, Schoolmasler,<br>Bapatla (same district). | Vij vyana -<br>gara.  | Sadasiyaraya              | Lost                                | Sanskrit and<br>Telugu (in<br>Nagari). |                           | :                                  | village of Inningaru by the Velanandu chief Rajendra-Choda, to a Brahmana. Plate or plates after the second missing in the middle. Gives a genealogy of the Tuluva kings of the Turvasu line.   |

| <u>~</u>                                      |
|---|
| ž   |
| 2   |
| - <del></del>                                 |
| Repo  |
| <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , , </u> |
| 꾟   |
| ☶   |
| 耳   |
| ⋖   |
| +2  |
| ड   |
| _   |
| Ħ   |
| 2   |
| 44  |
| ~   |
| ž   |
| .∄  |
| <b>E</b>                                      |
| 3   |
| ಲ   |
| 9   |
| =   |
| <b>≕</b>                                      |
| iptions copied in 1916 (                      |
| •   |
| ਲੂ  |
| ·ā.   |
| 2   |
| 9   |
| 8   |
| .໘  |
| ₹.  |
| -ਵਾ   |
| <u>ភ</u>                                      |
| ă   |
| ٠   |
| Ħ   |
| 2   |
| ďΩ  |
| Stone   |
| B.—Stone inscription                          |
|   |
|   |
|   |
|   |

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and | Ветатка   |
|--|---|----------|--|--|--------------|---|
|  | TINNEVBLLY DISTRICT,<br>AMBASAMUDRAM TALUR.   |          |  |  |              |   |
| in 4.285   | <u> </u>  |          | :  | Śaka 1669,<br>Kollam 824,<br>Sarvadharin,<br>Āvaņi 3 tedi,<br>Thureday,<br>Rohiņi, dašami, | Tamil        | Gift of the village Vayiravikuļam, west of Kalladaikurichohi<br>in Mulli-valanadu to the Tirujffanasambanda-fundara-<br>madam at Madura for the merit of Visvanatha-Nayukkar<br>Tirumalai-Nāyaka and of Emberumāṇ-Piļļai  |
| . 286  | On a slab set up near a water-course in the same village.                             | :        | :  | Amrita-yoga.   | Do           | In modern characters. Records a gift of land to the temple of Servandi-Vinayaka at the confluence (of the two vivers).  |
| 783  | on the south have of the central shrine in the Venkatachalapati temple at Pallak-Kal. | :        | :  | Kollam (?) 790,<br>Vaigāsi, 16 tedi.   | Do :         | Mentions Peryanayakkar-Ayyan. Records that Mallarafas-Iradi, a native of Uraiyar in Rajagambhira-valandu, a sub-division of Vada-mandalam (i.e., Cholamandalam), who belonged to the family of Karikala-Chola and who was employed in the teasury of Tiravadi (i.e., the temple?) presented a palanquin, a gold namam, white channis and a formin in provided for the procession of Sellar in the temple of Tiravengalathly provided for the procession |
| 298<br>200<br>200<br>200<br>200<br>200<br>200<br>200<br>200<br>200<br>20 | On the south wall of the same shrine  | <u>:</u> | :  | Kollum 716, Āṇi,<br>7 têdi.  | Do. :        | Age.  Agreement granted to Trangaohchinambi Vrrakeralakutti of Maratsinganaliur in Mel-Vembunadu by the managers of the temple of Udayamarttanda-Vinnagar-Emberunan appliektal alias Udayamarttanda-ohaturvedinangalam included in the Bruhmadesam (i.e., the Bruhman villuge) of Kajuaija-chaturvedin angalam in Mulli-nadu, for maintaining off-rings and festivals during the Senlparahmun.samli   |
| 788  | On the west and south walls of the same shrine.                                       | :        | :  | Kolkm 716, Ani,<br>tedi, su. di.<br>11, Svati,   | Do. :        | in their temple.  Gito fpaddy to the same temple through the same Virakeralskutti for maintaining offerings at Senbaguraman;-sandi by Sankaranarayana Vengumanskonda Bhatalanias San-Ramavarna of Jetunga-nadu. Pallakkal alias Udayamartanda obakurvedinaangalam is here stated to be a hamlet of Kaja-valo-chaturvedinaangalam is here stated to be a hamlet of Kaja-valo-chaturvedinaangalam is here stated.   |
| 067y-  | On the north wall of the same shrine  | :        | :  | Kollam 678, Vai-<br>gasi, 12 tedi.   | Do           | Multi-nadu. Gift of land for the supply of paulty and other requisites for feeding Brahmans and maintaining festivals, in the same  |
| 201  | On the north base of the central shrine in the Tennalagar temple at Kovilkulam.       | Рарфув   | Мадачагшап alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Vikrama-Pandyadova. | 7 + 3rd year   | Do.          | centure. And great was made by king (Udayamartanda) while he was in his palace at Kalakkad-il [Jam]. (Hit of money for a lamp to the temple of Sripati-Vinnagar-Emberming at Rajaraja-chafurvodimangalam a brahmadaya in Mulli-radu, by a certain Sinndarattol. Korriga manoi   |
| 667  | On a slab set up near a channel at Aladi-   | :        |  | Vijaya, Sittirai<br>3 tedi.  | Do           | In modern characters. Registors that the Ekk k Jannammai-<br>madam was the gitt of Tirnmalsi-Nayaka.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| -               |  | ,        |  |   |                        |  |
|-----------------|--|----------|--|---|------------------------|--|
| No.             | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.   |
| <b>89</b><br>66 | On a slab set up near the Siva temple in the same village.                         | i<br>i   |  | Kollam (?) ki[9],<br>Svabhann, Adi<br>I [5], tedi.                              | Tamil                  | Gift of the village of Aladiyur through the agency of Puvnatha-Pandarum for the repairs of the big gopura and the temple) of Sokumathasvami, by Visvanatha-Nayakkar irumala-Nayakkar   |
| ,294<br>,295    | On a rook called Tay-vidu-Maga-vidu at Singampatti.<br>In the same place           | Para     |  | :   | Vațțejattu             | Mentions Pandiyan. Seems to record the death of a hero.  |
| 967,            | On the west wall of the Clagamma shrine in the Papansseara temple at Papanssem.    |          |  | Indistinct Naudans, Arp. pasi.  | Arp- Tamil             | In modern characters. Records the building of the shrine by a certain Vadamalaiyappa Pillai for the merit of Tiru. malai-Nayakkarayyan.  |
| 282             | On a pillar set up in the east street at<br>Vikramasingapuram.                     | <u>:</u> |  | Subhakrit, [Kollam]<br>lam] 838.<br>Purațtădi, 13<br>tedi, Uterum,<br>Seturday. | Do.                    | Registers that Sevandinadain and others of the Valungai Uyyakkondar community of Vikramasingapuran in Mujlinada having become reduced in circumstances. Vadamakiyappu Pijlai, Tanappa-Mudaliyar and others fixed the lax (pagudi) at 64 poin for each kar and 62 for each paga. Future each paga the community were also to act of     |
| 800             | Within the Erichoha-Udaiyar shrine in the Erichoha-Udaiyar temple at Ambasamudram. | <u>:</u> | :  | 36th year   | Vatjejutta .           | same rules.  Gitt of 60 sheep for a hump to the temple of Tirappottudai.  yalvar at Hangoykkudia, brahmadeya in Mulli-nadu, by a Brahman of Papparirukkai in Velganadu   |
| 399             | In the same place  | Pandya   | Sadaiyava[r]man  | 2 + [1]1th  | Do                     | Incomplete. Mentions the brahmadova Hangeovkkndi in  |
| 300             | On the west wall of the same shrine  | Do.      | Māgawarmun allas Tribhuvanachakra-<br>vartin Vikrama-Paņdyadova. | year.<br>2nd year   | Тяші                   | for a lamp to the temple of Tirappottadar  |
| 301             | On the south wall of the same shrine   | Do.      | Śadalyamaran   | :   | Vatjejuttu             | un Mulli-nadu.<br>Incomplete. Mentions llangôyskudi in Mulli-nadu and the<br>temple of [Po]ttudaiya-Bhatara.   |
| 302             | On the south wall of the Kasisvara-shrine in the sume temple.                      | :        | :  | Kollam, 720,  | Tamil                  | Built in at the end. Registers a gift of land for offerings of sirbal, in the temple of [Truppott]-udaya.Nayanar ut in Majli-iada, (by) Ramavarma of Lucina.   |
| 803             | On the west wall of the same shrine  |          | :  | :   | Ъо,                    | [nadu]. Golft of land to the priests of the temples of Tiruppotrichohu- ramadaiye-Nayanar, Erichoha-ndaiya-Nayanar and Kariya- manikka-Aivar at Velakurichohi a hamlet of Rajaraja-oha- turvedimangalam, by Sankarangasara, Venesimana-  |
| 708             | On the north wall of the same shrine   | :        | :  | [Kollam] 694,<br>[Lai, 11 ted1,<br>su. di. ashta.<br>mi, Saturday,              | Do.                    | Bhütaluvira Vira-Udayamärtandavurunun of jenniga-nonga WLo was the senitor (mūttavar) of Siraivay (fumily).  Gift of land in Naduvirkarai Vadakoda and Ilangökkudi to the same three temples for offerings and worship, by king Sankarantarayana Vengu-nan-konga Bhūtalavira Udayamartāndavarunan of Jēlonga-nadu from his camp in the |
|                 |  |          |  | Pülkun.   |                        | temple at Vadaséri in Naňji-naðu.  |

| 1916-cont    |
|--------------|
| Ë.           |
| copied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |

| No. | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and alphabet. | Вешатка.   |
|-----|--|----------|--------|--|------------------------|--|
| 305 | On the same wall   | :        | •      | Kollam 700,<br>Padguni, 29<br>tedi.  | Tamil                  | Udayanartandavarunan of Jetunga-nadu bearing the titles mentioned above, having become the senior of Sitalvay, presented three groves of trees for maintaining lamps in the same three temples.  |
| 308 | On the south wall of the mandaka in front of the same shrine.                  | :        | :      | Kollam 721, Tai,<br>I tétii, ba. di.<br>dasawi. Mon-<br>day, Visakha.  |                        | Bhitelayna Vina-Rama similarly entitled give to Annidak-kuttar-Mudaliyar the leacher of Kavi[ra]-matha at Tirunelvoli in Kil-Vembu-nadu, the proprietury right over the mathas of centain specified temples in Naduvirkarai-paggu, exoluding Mannarkoyil, while he was encamped at Senpagaranaualiar.  |
| 307 | On the north wall of the same mandaps  | :        | :<br>: | Rotham 6[92], Parguni, 27 tedi, 6u di. dviliya, Monday, Aśvini.  | <br>Do.                | Mentions Vina-Udayamartandavarinan of Jayatuiga-nadu. Gift of land for offerings to the three temples mentioned in No. 303 above, while the king was encumped at Fadiyavidu in Kalakkadu.  |
| 308 | On the first gopura of the same temple, left of entrance.                      | :        | į      | Kollam 989,<br>Arpasi, 10 todi.  | Do                     | In modern characters. Refers to the Honourable the Bast<br>India Company.  |
| 308 | In the same place  | :        | ÷      | Saka, 1545,<br>Kollau, 799,<br>Rudhirodgaim,<br>Winter-Sols-<br>tice (Dakshin-<br>ayana), Vacin-<br>tariu, Kartii-<br>tariu, Kartii- | Do.                    | The priest of the Egiobcha-Udaiyar temple at Velakurichchi in Mulle-natu decercul that the five and-divisions of Eugnalar (i.e., Kammalur?) be prohibited from communal fellowship, in the presence of Udan-köttunanaitijan Kulasfakhurasarı, and in accordance with the general orders of Visvanātha-Nayaka Virappa-Nayaka Muttuvirappa-Nayaka. |
|     |  |          |        | di. p<br>Suldhi-<br>ha-ka<br>trash   |                        |  |
| 310 | On a slab set up in front of the Agastyes-<br>vara temple in the same village. | :        | :      | Saku 1698, Kollan, 862 Nahi, Margeili, 80. di. ohaturdasi, Friday, Kohini, Sabha, yoga, Gajir, Rarana.                               | Ę                      | Records a grunt of assurance (saidsos utimes) given by Sivaramanathar[to] the aduvimar of Velakuriohohi regarding the rate of tax to be lovied on each loom possessed by the Kaikkolas residing in the village.  |

B .- Stone inscriptions copied in 1916-cont.

B.—Stone inscriptious copied in 1916—conf.

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.    | Kıng.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks  |
|------|---|-------------|--------|---|---------------------------|--|
| 818  | On the east wall of the mandapa in front of the central shrinc in the Manendiyuppar temple in the same village.         | :           | i<br>i | Kollam 773,<br>Margali 13<br>(tadi, sir, di.<br>dvitiya, Satur-<br>day, Uttara            | 'Yamil                    | Gift of 10 pagam on each loom and \$panam on cach cooly at Vijachcheri by the Mudali-Nayinars, the district people of Kallidaikkurichchi-nada and the village professionals for conducting festivals in the temple of Mancahiyappar. The gift was made for the merit of Natlagerumal-Pillai, the   |
| 818  | On the north wall of the same mandapa   | :           | :      | Phalgunt.   | Do                        | agent of Tittayappa-Fillai and of Virappa-Nayaka. Unfinished. Seems to register the rent-free lands in the enjoyment of the temple of Manendisvaram-udaiya-Nayana, excluding the temple premises and the villages.   |
| 320  | On the south wall of the mandapa in front of the central shrine in the Kulasekharam. Udaiyar semple in the same vilage. | :           |        | (Kollam) 701,<br>Panguni, 2<br>tedi.  | Do                        | Registers that the services of Kaliyugattu-meyyan, the former accountant of Kulisfekharan-udaiya-Nayniar and other temples at Kallidaikurichebi being dispensed with, the right of secountancy in these temples was granted to the   |
| 321  | On the same wall  | :<br>:      | ·<br>: | Kollem 70[7]<br>Vaigasi, 1 teet.<br>63. di dyadasi,<br>Friday, Hasta                      | Do                        | Käikköla Udayakutti. Damaged. Gift of land for oblations in the temple of Kulasckharam-ndaiya-Nayinar at Kallidaikkuricho: i, a kuniet on the southern side of kujurija-chaturvedmaniga-lam in Aulth-nadu, by the chief Sankaranarayana Vennuman-komda Bhatalavira Vira-Udayamartandavarnan of Jetuńga-nadu while he was staying at Vadascy. |
| 855  | Do  | <u>:</u>    | :<br>: | Saka 1463 (expressed by a chronogram Lakshmavan-dyam), Kollam 706, Vaigasi, 1 tedi, su di | Do.                       | Damaged. Gift of land evidently by the same chief or his queen to the temple of Kulasekhara-lavara in the same village.  |
| 328  | Above the entrance anto the shrine of the temple of the goddess in the same tennile                                     | :           | :      | dey, Hasta.   | Do.                       | [This is the gift by] Rolunjeri Pillai-Perumal and his brother, for the merit of Sijina Vasavappa-Nāyakkar.  |
| 824  | On the gopura of the same temple  | <del></del> | :      | Kollam 610,<br>Panguin, 26<br>tedi.   | Do.                       | Unfinished, Cifft of land for lamps to the temple of Kulasekbarun-udaiya. Nayanar at Madukkurichchi, a southern hamlet of Rajaraja-chaturvedumangalam by the servante and chiefs at the door of Rayanaraman Martanda-  |
| 7828 | On a slab set up near the market in the same village.   | <u> </u>    | ·      | Kollam 628,<br>Sittirai, 9 tedi,<br>and 628,<br>Sittirai,                                 | Do.                       | Istured. Refers to two stone inscriptions of Kollam 556 Kumbha, 14 Refers to two stone inscriptions of Rollam 591, Mina 29 Refi, and Kollam 591, Mina 29 Refi, are engraved. The object of these is to record an ostracism placed by the Vellalas against the Vellai-nadar community.  |
|      |   |             |        |   |                           |  |

· j.

B,-Stone inscriptions copied in 1916-cont.

| No.               |   |                   | man of the contract of the con | 10.45           |       |                           |  |
|-------------------|---|-------------------|--|-----------------|-------|---------------------------|--|
|                   | l'lace of inscription.  | Dynasty.          | King.  | Date.           | !     | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| the               | of the central shrine in temple at Tiruvalis-                 | Pandya            | Jatavarman alias] Tribhuvanachakra-<br>vartin Srivallabhadeva.   | 9th year        |       | Yamıl                     | Built in at the end. Refers to a past tirumugam of Sundana-Pandyadeva.   |
| 327 On the        | Variant.  | Chola-<br>Paρdya. | Uquiyar srt-Sandara-Chol <b>a-P</b> andya-dova   | [1]7th          | :     | Bo                        | Giff of 6 velts of land by purchase to the temple of Tiruvalisteranudaiya-Mahadeva in Rajaraja-chaturveli manigulam a brehmadeya in mulli-hadu, in Mudigondatsoli-valannalu a district of Rajaraja-pandinadu for conducting festivals, feeding Brahmanas and reading the Sivadharma, by the king while he was seated in a mandapa outside his palace at Rajoudrasolapuram. The king's ammain (i.e., madernal uncle) was picased to cotter that the moone from the band with he made for the nurnesses stated above |
| 828 On the        | On the west wall of the same shime                            | Do                | Maravarman alias Udaiyar srt-Vik-rama-Chola-Pandyadeva.  | 25th ,,         | :     | Do.                       | Danaged. Oift of 13 cows for a ½ lamp.   |
| 329 On the        | On the same wall  | Do                | Maraverman alias Udaiyar 6rt-Para-<br>krama-Chola-Pandyadova.  | 3rd             | :     | Do,                       | Gift of 25 sheep for a ½ hamp to the temple of Tiruvallchelaramudaiyar, by Raman Keni alias Naduvirukkai Tanam-Seții.  |
| 330               | Do  | Do                | [Ja]tavarmanalias Udaiyar sri-Bundara-<br>Chōja-[Pandya_deva.  | 21st ,,         | :     | Do                        | Gift of cows for a lamp by a certain Pattargal-Pandaram one of the palace women belonging to Ulagudayapirattiyar-yelam, The lamp was in change of the military officer   |
| 331 On the        | On the north wall of the same shrine                          | Радиуа            | dova. abus Udaiyar Śrīval'abba-  | 761             | :     | Do.                       | (paralitianized, The historical introduction at the beginning cannot be identified. Refers to the village Simeharma-sekharmallur which was registered as a rent-free devadana in the 17th year of a king not specified. This same gift was now confirmed by the king on the terns settled by Umaryanman and given as a kent to Manabharma Vaikunda-Nadajaan and his successors under orders of the Schapach Rajaraja-Vellappanadalyaar. Mentions a number of officers connected with the older grant.              |
| 332 On the        | On the same wall  | Chola-<br>Pandya. | Udaiyar sti-Sundara-Chola-Pandya-<br>dora.   | 66th day.       | and   | 100.                      | The inteription opens with the words <b>a. 12.</b> 10., registerentry. The king being at dinner in the Statharkudam in his pleasure-garden (salled) Puttan on the north side of Madura which was itself to the cast of Madakkujam, was seated (?) on Rajendrasola Atimurkkachehengirai. The order of unman was received an at the order for variyihal  |
| 383 On the of the | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine. | Pundya            | Chakravactin sri-Kula-<br>66kharad67a.   | Lost            | :     | Do.                       | was passed. Cornected what No. 251. Mullated and stones missing. Begins with the introduction growt_ssp. etc. Gift of moncy (unal-schelu) for offerings.   |
| 834 On the        | On the same wall  | Do                | Bundara-Pangyadora   | Sth<br>Margaji. | year, | Do.                       | Registers a gift of paddy for securing water from the Tapporundar (i.e., Tamrayarni), for bathing the god on Sundays.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|                    |   |          |  |   |                           | The second section of the second section of the second section of the second section s |
|--------------------|---|----------|--|---|---------------------------|--|
| No.                | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date.   | nangnage and<br>alphabet. | Вепал'кя.  |
| 90<br>90           | On the north buse of the same mandapa                                       | Papdya   | Jatavurman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasekharadeva.  | 2nd year, Āṇi   | Tannil                    | Registers an agreement given by the Siva-Brahmana Udaiyappilaifolan alias Tirthondanaubi that he would measure the populated quantity of paddy for the Kartrika festival, as interest on one acheba which he had received out of the gift of money made to the temple of Tiruvalisvaramudaryar by Ammai-Namhar of Rajaraja-Erivirupakhanan.  |
| ස<br>හ<br><b>න</b> | On the same hase  | <u>:</u> | :  | <u>:</u>  | Do                        | Incomplete Registers that while the Mabésvarus, Śri-Rudrus and the inmates of the five gulas had met together in the surred hall called Kulasékharani in the temp'e of Tirunelveli in Kilvémba-nadu, it was veli-Ulaiyar at Tirunelveli in Kilvémba-nadu, it was reported by the Mahosvaras, Śli-Kulrus and others of Suttamahinanigalam the western suburb of the Tirunadu-vijagam of Tiruvaliávaramudaiya-Nayanar, that the god and godde se were without food offerings.  |
| 887                | On the north wall of the same mandapa                                       | Paṇdya   | Jatavarman alias T'ribhuvanachnkravartin Kulasékharadéva.  | 3 + 4th year,<br>Karkatika, 13<br>tedi, su.di.<br>dvadasi, Mon-<br>day, Jyèshtha. | Βο,                       | The introduction begins with the words gamelots of the Registers the sale of the Tirumandaiviliague land to the temple at Tiruvallsvaram, by the assembly of Rajarajachatureatimangalam. Mentions the third year of the king and his camp at Tirumanikkayal.   |
| 88<br>88<br>89     | On the south wall of the verandalı of the first circuit in the same temple. | :        | Tribhayanachak ravartin Konstimslikopdagi.   | 8th year and 271st day.   | Po                        | Rofers to the king's birth-star Avittan (i.e., Dhamshtha) in the month Purattadi. (Hift of land to the same temple for bathing the god on the birth day of the king and to conducting on the same day a festival instituted by Ornvaranarmaling fluoring and the document is signed among others by Malavarayan and the document is signed among others by Nakkan Irattai alias Sundarapada, a Sundarapada,  |
| Ø.<br>⊖            | On the same wall  | Рацфул   | Jatavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Vira-Pandyadova.  | 3rd year, Āvīni   | Do. :                     | Giff of Jand in the devadance village of Sivacharanasekharanallar with includran and kilyaram made payable to a certain. Pangawadutan, Srhansha-Bhalta, of Tulukkilimangalam one of the suburbs of Rajaraja-chaturvedimangalam, for reciting the Rig-Voda in the temple. It is stated that the dones a ancestors were cetting for the same   |
| 0                  | Do  | . :      | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to distribute the Chola country.' | sth year  |                           | reotal & nah of paddy overy day Regins with the introduction we date scate from the king being seated the throne epollippedam) Mahavarayain the bed-room hall of his pulses at Madura cast of Malakkulam, ordered that the land referred to in No. 338 may be granted to the god at Tiruvalisveram for conducting his birth day festival on Avittam (i.e., Panishtha) in the mouth Parattadi. Mahavarayan and Oruvarungendan Temilappulararaiyan are mentioned.  |

Whi to

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.    | Place of inscription.                                | Dynasty.  | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Ronarks.  |
|--------|--|-----------|---|---|------------------------|---|
| 341    | On the west base of the same verandah                | Рапдун    | Magavannan alias Tribhuvanachakurvartin Bundara-Pandyadeya, who   | 5 + 1st year  | Tamil                  | Refers to the building of a mandapa and the consecration of Subrahmanya (Kunnam-eriuda-Pijjayar) by a Brahmena.   |
| 342    | On the wall of the inner gopura, left of entrance.   | 1)0.      | country. alias Trithuvanachakra-vartin [Kulsselhara] deva.  | 13+[14jth "   | Do.                    | Built in at the beginning. Gift of one nehobu by a dancing  |
| 848    | At the same sutrance                                 | Do        | Magavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Sundara-Pandyadeva.  | Lost  | Do                     | Do. do.   |
| 374    |  | Do        |   | 4th year .  | Do. :                  | Records an agreement given by a Brahman to the temple, on his receiving one achrhu from a certain Vikkiranun Adichohadevan alius Aghéradéva of l'alliohebey in Mulaiyamandalan for conducting an annual festival on the nakshatra Dhanishtha in the mouth of Example. |
| 345    |  | Do. :     | Do. do.   | 6th year,<br>P.thguṇi.  | Do                     | Gift of six achehu by the dancing girl Bhuvani-Pandi aline Atkondu-Nayakamanikkam for offerings to the god Alalasunacan-Nayanar set up in the sume fomple by a certain Kulasokhuru-Bhatta and his consort Parvai-Natchehiyar set up by herself.                       |
| ©<br>7 |  | Do. :     | Do do,  | 6th year  | Dc                     | Agreement given by three Brahman servants of the temple to receive one scholin from a native of Malai-mandalum and to conduct from the interest thereon a procession of the god and goddess on the day of the nakshatra Rohini in Karttika.                           |
| 347    | On the south wall of the prakara of the same temple, | .:<br>Do: | Magavarman alisa Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadéva.   | 4 + 1 + 1st<br>year, Avani, 2<br>téil, Thursday,<br>Uttara-Bhadra-<br>pada. | Ъо                     | The characters may be of the 13th entury. Registers the circumstances under which the god of this temple was reconscented and two handers(t) re-habilitated at the instance of a certain Tirumagijkuţţa-Pijai.  |
| e +    | On the same wall                                     | Do. :     | Magwarman alias Tribbuvanachakravattin Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to take the Choja country.' | 5th year,<br>Purațțadi.   | Ъо                     | Begins with the introduction good of Bool to Buy etc. Sale of Karamai-lani by a octain Srivallablum Alagan alias Malayarayan, of Virakarajakkottai in Rajmaja-Erivira-putunam to Akkondavillabomayaji Gangadhara-lijjai of Padrakarajakantahi, ha saar                |
| 2      | Do   | Do        | :   | :   | ъ                      | mangalam in Mulli-map, for 120 agai-achohn. The detuils of dues payable to the temple as kadamai are cumerated. Mentions the coin tiramam (dramma).  Unfinished. Contains a greater portion of the historical introduction beginning with we worked etc., of Jatüvar- |

1035 Home (Edn.)—6

th'

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| 7.0°  | Place                                 | Place of insoription. | ption. | '      |                   | Dynasty. |  | King.  | Date.   | Lan      | Language and<br>alphabet. | Reman ks.  |
|-------|---------------------------------------|-----------------------|--------|--------|-------------------|----------|--|--|---|----------|---------------------------|--|
| 360   | On the same wall                      | ;                     | :      | :      | :                 | Рарфун   | Jatavarnan 8                               | tavarman alias Tribhuvanachakra-   | :   | Tamil    |                           | Unfinished. Begins with the same introduction.   |
| . 361 | Do.                                   | :                     | :      | :      | :                 | Dυ       |  | vattii Kujasohiiardisva.<br>Maravarinan alias Tribhuvanachaltra-<br>vartin Sandəra-Päņdyadēva.           | 8 + 1 + 1st year,<br>Sittirsi.                                    | ear, Do. | :                         | Gift of betel leaves, nuts and (plantain) fruits to the tome le.   |
| 352   | On the west wall of the same prakara  | of the s              | тие рт | Akara  | :                 |          | Sundara-Pand<br>to take the                | Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to take the Choja country'.   | Lost  | Bo.      | :                         | (utumes). Stones missing in the middle. Gift of one achehu for feeding the Mahesvarus on the day of the Sivaratri festival.  |
| 353   | On the same wall                      | :                     | •      | :      | :                 | Do       |  | Maravarmen alias Tribhuvanachakravarhin Sundann-Pandyadeva, 'who was pleased to take the Chola country'. | 5th year, Makara<br>4 tedi, su. di.<br>2nd (pakkam ?),<br>Monday, | ara Do.  | :                         | Gift of 3 achehu by Ariyal Buvani alias Ātkoṇḍa-Nayaka-<br>maṇikam a dancing girl of Ulagaḍai-Mukkokki anaḍi-<br>láyaramuḍai, at temple at Tirumukkuḍ-d for feeding filteen<br>itinerant tupaevins in the temple.  |
| 854   | ů                                     | :                     | :      | :      | :                 | Do       |  | Sundara-Pandyadeva, ' who was pleased<br>to take the Chéia country',                                     | billingtha.   | :<br>D°  | :                         | Grift of one achebu by Adancing girl, for feeding Mahésvaras on the day of the Svarārri festival. The money was received by a Brahman who agreed to measure out the paddy accruing year after year, on the day previous to Sivarātri.  |
| 865   | Do.                                   | •                     | :      | :      | <del></del>       | Do       |  | țavarman alias Trikhovanachakra-<br>vartin Kulusekharadeva.  | 9 + 1st "   | Do.      | :                         | Registers a grant of 10 acholiu by a native of Malai-mandalmi for freding 50 people cach month, in the matha called (Framarajan-tirumadam in which the devote s of the temple of Tiruvalisvaramudalya. Nayanar resided.  |
| 866   | Dō.                                   | :                     | :      | •      | <del>-</del><br>: |          | Do.  | do.  | 3rd "   | <br>Do.  | :                         | Gift of 2 acholm for feeding 10 Mahosyaras on each amavasyaday in the Bramarajan-tinumajam in the faixh   sori of Rajaraja-chaturvedimangalam. The money was received by Udaiyapıllaiyar alias Aghoradeva, Netrudeva, Sadasivar deva and others of this meths.                                   |
| 867   | Do.                                   | :                     |        | :      | <del>-</del><br>: | Do       | Z  | agavarman aliaa Tribhuvanachakra-<br>vartin [Sundara]-Pandyadeva, ' [who<br>took] the Chola country '.   | 6th "   | Do.      | :                         | A stone missing in the middle. Registers a gift of 6 aobehu for feeding in the Viapandi tan-tranadam] 30 itmerant tapasyms on the day of the Rohint-makshatra. The matha was situated within the temple premises.  |
| 358   | Do.                                   | :                     | :      | •      | <del></del> -     | Do.      | Maravarman<br>vartin Sund<br>took] the Che | agavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Sundara-Pandyadora, '[who<br>took] the Chola country'.       | 3rd "   | Do       | :                         | Gift of 4 schehn by Aghoradeva of Pallichchai in Malaiya-<br>mandalam for feeding the Mahosvaras on each day of the<br>Bharani-nakshatra, in the matha called Gramarajan-tura-<br>madum. The money was received by Tatpurushadova.   |
| 360   | On the north wall of the same prakara | of the s              | ame pr | akara. | Do.               | ċ        | Jatavarman alias<br>vartin Vira-Paņd       | alias Tribhuvanachakra.<br>-Մերվyadeva.  | 31d year, Avaņi   | . Do.    | •                         | Agreement given by the cight Siva-Brahmanaa of the temple to a certain Pugali-Parmad helonging to the lineage of Janeag middled middle of Janeag of Holindes, Coloki-matha, for reading Timijaana in the temple, on preciving some land of the temple in the dovadana village Sivaloba ranashar. |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|      |   |          | OTAT WE DOWN STONE STONE STONE  | to to the tour                   | •                      |   |
|------|---|----------|---|----------------------------------|------------------------|---|
| No.  | Place of inscription.   | Dynasty. | King.   | Date.                            | Language and alphabet. | Romarks.  |
| 900  | On the same wall  | Рапдуа   | Magavarman alias Tribbuvanachakravarin Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to distribute the Chola country'.             | 7 + 1st year                     | Tamil                  | Agreement given by the temple priests to a resident of Rajaraja-frivtrapaths named a temple of a second a temple through in the shrine of Kangamerinda-Philaiyar alias Dégnayaka-Pijjaiyar (i.e., Subrahmanya) in the same temple.  |
| 361  | . : : :   |          | Jatavarman alias Tribhuvanachakravartin Vira-Pandyadeva.  | 3rd year, Puraț-<br>țadi.        | Do                     | Land granted by the Siva-Brahmanas of the temp's to Aghoradova of Jianamritachayya-santhua of Golaki-mutha for maintaining the dowor-garden called Pandradaraiyanitutunandaranun, victing flowers and trying them towather  |
| 363  | On the east wall of the sume prakara, right of entrance.            | Do       | Magavarman alias Tribhuvanachakravartin Sundara-Paṇḍyadsva.   | 11 + 3rd year,<br>Arpasi.        | Do                     | into a garland.  Gift of 14 achelu by a temple dancing girl named Sembon-Tyagi, for the annual festival of pavitia. The Siva-Brahmans fook charves of the money and contract the siva-Brahmans fook charves of the money and contract.  |
| 363  | On the same wall  | Do. :    | dara-Paņdyudēva.  | 2nd year                         | Do                     | agreement to conduct the festival year after year.  The beginning is built in. kefers to an earlier grant made in the time of Peryunayanar Kulasékharadova. It consisted of 12 achelu from the interest on which offerings and worship were to be conducted in the tample on the Sivaratri day. Four of the achelu were the unpaid interest due to the temple four period when, on account of some internal trouble (nattakalahan), the only had been stonned |
| 36£  | On the same wall, left of entrence                                  | Do       | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin bundara-Pandyadeva, 'wbo<br>was pleased to distribute the Chola<br>country.' | 6 + 1st year,<br>Paṅguṇi.        | Do                     | Gift of 8 achehu for conducting a procession every annivasya day by a certain Solvin Siyan alias Aghoradeva of the Japar-santana of the Goldardish-matha. The Bathmana servants of the tennile received the amount and construction of the servants.  |
| 366  | Om the same wall  | Do       | Do. do.   | Lost                             | Do                     | agreement to conduct the said procession.  Built in at the end and unfinished. Gift of namy for corducting the festival of Nathigalthirmal by a resident of   |
| 366  | Do  | Do       | Maravarman alias Tribhuyanachakravartin (Sundara-Panjldyadeva.  | До                               | υо                     | Evidently refers to the same gift and states that a servant of the temple took charge of the money and agreed to conduct  |
| 367  | On the south base of the Saundaryanayaki shrine in the same tempie. | . Po     | Maravarman alias Tribbuvanohakra-<br>vartin Sundara-Paṇḍyadōva.   | 15 + 16t your,<br>Masi.          | Do                     | the festival.  Gift of one good agai-schehu, for a twilight lamp to burn in the shrine of the goddess, by a resident of Rajaraja-Erivirerapatjann A Brahmana as usual took charge of the gift.  |
| 8998 | On the same base  | Do       | :   | 26th year and<br>346th day, Äni. | Do                     | order to the assembly of Rajaraja-chaturvolimangalum stating that in the hamlet newly tounded to the south of that village the right of kadamai was to be held by the temple of Triunclycli and the right of karajamai by a certain their chapter of the right of karajamai by a certain  |
|      |   |          |   |                                  |                        | The hambet was thus to be entered in accounts as a rent-free devadance. The document was signed by Unipegri-utilities Kulasokhara-Vanadara; and others. The word $\mathscr{A}(\mathbb{S})$ \g at the end indicates that the record may have been a copy.  |
|      |   |          |   |                                  |                        |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont

|       |  |                              | Line inscriptions copied in 1916-conf.                            | ed in 1916co  | 1¢.          |  |
|-------|--|------------------------------|---|---|--------------|--|
| χο.   | Place of inscription.  | Dynasty.                     | King.   | Date.   | Language and | Ветагкя  |
| 369   | On the west hase of the same thrine  | :                            | Tibbuvanachakravartin Konerinmai-<br>[ko*]ndan.                   | oth year and 20th day.  | - La         | Another similar gift to the temple of Tirunclyeli, The land was situated in the village required etc.  |
| 370   | On the north base of the same shrine   | Pandya                       | Jațavarwan alias Tribhuvanuchakravar-<br>tin Kulasskharadsta.     |   |              | forest overgrown with age-rectained alter cutting down the vedimangulam. This decument is also marked $\mathcal{G}(\mathbb{Q})$ \( \vartheta\). Begins with the introduction $\mathcal{G}(\mathbb{Q})$ \( \vartheta\) order of the king to the temple authorities that they should get the rice required for effectings, by giving addy to be hussked by the denoing girls. The order was made at the  |
| 371   | On a slab used for spreading cooked nice<br>in the kitchen of the same temple.   | ::                           | Magayarman alias Tribhuyanachukra-<br>yartin Vikrama-Pandya:18va. | and days 2690.  | Ъо           | Ē  |
| 373   | On a slab need for preparing flower garlands in the same temple. On the east wall of the mandapa in front of the central shrine in the Kailasanatha temple at Brahmadesam. | •••<br>Vіјауапа <u>в</u> ята | Virapratāpa Sadāsivadēva-Mahātāya                                 | Saka 1472,<br>Sadharana,<br>Kami, 6 tedi,<br>ba, di. navami,  | Po. :        |  |
| . 24  | On the north base of the same mandaps  | :                            | ÷   | Friday, Puparta (i.e., Punarpasa, Variyana. yoga, Rarana. Rollam 691, Kartigai, 5 tedi, ba. di. tra- yodasi, Sunday, Saubhagya. | . :          | légvara Vithalégvar-Maharaju in the same manner as it had been granted in Kollum 723, Av.ni, 13 tedi, by Siraivay Mutta-Thravaqi.  Gift of the village of Veppangulam alias Viramarttandappereri for worship and offerings during the 366 days of the year including the adhiku-days in the temple of Kayilayamudaiya-Nayinar at the Brahmadesa village of Rayilayachatuvedinangulam in Mulli-madu, k Sankaranarayana Vengrumankonda Bhutal, vira Udaiva-Mariamarayana |
| 0 0 0 | On the north wall of the prakara in the same temple. On the same wall  | : :                          | :   | Kollam 667,<br>Pangumi, 6<br>tedi.<br>Kollam 749,<br>Margali, 17  | Do. :        | Jotunga-nadu the senior member of the Signiasy family, while he was encamped on the east eige of Velakurichehi in Mulli-nadu. Mentions Tangachehi Sephagarana.  Gift of moncy by the mer hants [of Rajataja-chaturvedimangulam] for conducting the festival on the 7th day of Pungunittirunal.  Gift of money by a merchant for offering tituohchandu during the [Panguni]-festival.   |

B.-Stone inscriptions copied in 1916-cont.

| No.                  | Place of inscription.   | Dynasty. | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|----------------------|---|----------|---|---|---------------------------|--|
| 877                  | On the inner gopura of the same temple  |          |   | :   | Tamil                     | Records the building of the gopura by Ayyangara-Nayaka   |
| 878                  | On the first gopura of the same temple  | •        | :   | Saka 1547, Kollam 798, Rud-   | Do                        | Virappa-Nayaka son of Visvanatha-Nayaka Krishnappa-Nayaka. Rayaka the royal writ granted by Visvanatha-Nayaka Virappa-Nayaka that the members of the 5 sub-divisions of  |
|                      |   |          |   | Vaigasii, 15<br>Vaigasii, 15<br>tedi, ba. di. Ut-<br>tirațiadi (Utta-<br>ra-Bhadrapada)                             |                           | artisans (kannalar) should not intermingle (   |
| 879                  | On a slub set up in a street in the same village.   | :        | :<br>:  | dasani, Sobha-<br>na-yoga and<br>Singa-karanu.<br>Sika 1644, Kol-<br>lam 797, Pari-<br>dhavi (wrong),<br>Panguni, 3 | Do. :                     | Danaged. Registers a pidipadu granted by the authorities of the temple treasury to the Adavimar of that village.   |
| 088                  | In the Raja-mundapa in the same village   | :        | :   | Śaka 169 [0],<br>Kollam 840,<br>Viśykyału<br>(wrong).   | Do                        | Registers the gift of Periyanattu-madam to Meyganda-Nayngar of Nallur, by the temple authorities and states that all the property of the matha seen or unsten, was hereditary to the matha.  |
| 381                  |   | Choja    | Rajaraja I  | :   | Vattejuttu                | fragment. Neoms to refer to a sale of land.  |
| 382                  | On the south wall of the mandapa in front of the central shrine in the Gôpāla-svamin temple at Mannarkoyil. | :        | :   | [Kollam 7] 4 [3],<br>Āṇi, [6] tedi.   | Tamil                     | Damaged. Mentions that the residents of Kakkalar moluding Manne-Piljai and Matta-Panikkar, agreed to replemsh the loss of 150 kottin of paddy which had been mortgaged by the temple. The document is signed by Nalayira-Mavēndiravējan.   |
| ∞<br>or<br><b>ec</b> | On the same wall  | :        | :   | Kollam 764,<br>Sarvadharin,<br>Margaji, 3 tedi,<br>ba. di. asht-<br>uni, Sunday,<br>Subhra-yoga,<br>Uttaru-Phai-    | Do                        | Records the appointment of a certain Sankaranayinar as the dharmakarta and accountant of the temple by the god and his servants assembled together in the Kulasekaramaçidapa underneath the canopy called Ifdayanarttandanpandal. The document is signed by Nalayira-Muvendarvelan alias Devapillai. |
| 384                  | Ъо  | Papdyn   | Sivaladeva alias Pattiraraya, 'who took all countries and claimed the three crowns by right.' | gunt.<br>Kollam 688, Tai,<br>13 tedi.   |                           | Being encamped in his new mansion at Velakkurichchi, the king granted as a taragu-pidipadu the right of flusking paddy?] etc. by appointing [the temple dancing girls?] as second kudi. See above No. 370.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| 1                     | Registers a guft of land by the god, his tervants and the big assembly of Rajaraja-chaturvedimengalum having assembled together in the Kulaseskara-mandapa, underneath the pandul called Udayamartandan, to a certain Perayiramudayan Anantakrishnan of Talaichchengadu for his services as kudavar in the temple. It is stated that the god was ended on the pitha called after Visvanatta-Nayakar who was the agent of [the Karnata king] Kamarajadeva- | Gift of land, house and certain temple privileges, under similar circumstances, to a certain Veigumalaiyutta-Perumal of Idaiagukhudi near Salagamam, who belonged to the lihatadvaja-götra and Jaimini-eutra on his being appointed for the service of kudavar in the same temple. | Unfinished. Gift of turagu-pidipadu as in No. 384 above, to Ayyikkudi and others who were appointed as the 9th kudi in the temple, while the king was encamped in his new mansion at Agara-simai in Kalakkadu alias Solakulavallipurain. | Ordered that Anandavalli [was to be appointed 3rd kudi] in the temple of Alagiya-Mannanar of Rajaraja-ohaturvedinangulam a Frahmadésum in Mulji-nadu, in place of Valli-Manikkamalai and her set who formerly occupied the 3rd kudi but were now transferred to the 4th. | Sunheranarayana Venrumapkonda Bhotalavus Vine-Udayanasi tandavarmun having become the chief of Sigaivay, and being encamped at his rew mansion in the Brahman quarter (agura-sirmai) called Vinunaitanda-chaturvédimangalam of Kadakkadu alias Sol, kulava-huram in Pachchagguppokku a sub-division of Vanava-nadu, gave seven tanks including all income to the temple of Alagiya-Maninsilar as tiruvidaryattam. | Hegisters that Natumpunkondan Tandaryumkalumahegiyan Viraketalan Virudarayan and bis party were to take up the nattuva-tunavu and talakara-turavu in the temples of Alagiya-Nannara and Kanlasa-Mudayar at Bajaraja-chtalurvedimangalam, and those at Tiruppudaimarudur, Attalanallar, Adisobamanlor and other places. These services are stated to have hear till then half hy orverdara |
|-----------------------|---|--|--|--|---|---|
| Langua                | Tammil  | Do.  | Do.  | Do.  | Do.   | Do.   |
| Date.                 | Saka 1480. Kolam 734, Kalayukti, Margaji 6 fedi, ba. di. ashtami, Suturday, Saubhagya- yoga, Uttara-  | Do.  | Kollam 699,<br>Panguni, 14<br>tedi.  | :  | Kollam 698,<br>Masi, 10 tedi,<br>ba. di. pañ-<br>ohami, Thurs-<br>day, Svati.   | Kollam 662,<br>Maéi, 2 teoji.   |
| King.                 | <u>:</u>  | <u>:</u>   | :  | <u>:</u>   | :   | :   |
| Dynasty.              | :   | :  | :  | :  | :   | :   |
| Place of inscription. | On the same wall  | Do   |  | Do.  | On the north wall of the same mandapa   | On the same wall  |
| No.                   | 10<br>00<br>00  | <del>\$</del>  | 287  | 86<br>80<br>80   |   | 390 On  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—conf.

| ,           |  |                    |  |   |                        |  |
|-------------|--|--------------------|--|---|------------------------|--|
| No.         | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language and alphabet. | Кетатка,   |
| 391         | On the east wall of the same mandapu   | Рапруя             | Jațavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Vira-Paņdyadeva.  | 30th ser,<br>Purațțasi.   | Tanil                  | Gift of land and a tank, by Hauyatvar Devachchilai-Perumal alias Vikruna-Pandya Kalingarayar, to the temple of Parpanaba-Perumal at Tinuvanandanuran. The assembly   |
| 368         | On a step of the same mandala  | Chōla-Paņ-<br>dya. | Տաոdaru-Choju-Paṇḍյadova   | 14th year   | Ъо ::                  | of Rajaraja-ohaturvēdimangalam deolared these to be rent-<br>free and deducted them from the vari register.  Gift of half a lamp, lamp-stand and 16 cows, by Śerajan-<br>Madēviyar Ādi[chchi] queen of the Chera king Rasingadevar<br>to the templo of Rajendrasoja-Vinnagur-Ajvār at Mudigonda  |
| 893         | On the east wall of the prakara of the same temple, right of entrance.         | :                  | Tribhuvanachakravartin Kõngeling-<br>malkongan.  | 8th year, Mās   | Do .                   | Unfinished. Registers an order to the residents of Pumangud; states Vikramapandyankliar in Mulli-nadu and refers to land Riven in Pillaylia is ins. Kinsakhamania.   |
| 700         |  |                    |  |   |                        | side of Rajaraja-chalur edimengalam, on the Boutnern Kulasékhara-chalur edimengalam, and to 12 hattas of Nalasira-Vinnagar-Emberuman, for the recitation of the Tiruvaymoli.   |
|             |  | :                  | :  | Kollam 721  | Do                     | Built in at the end. Revers to the appointment of danaing  |
| ଦ୍ରନ୍ତ<br>ଅ | On the inner gopura, right of entrance   | :                  | <u>:</u>   | Saka 1510, Kol. lam 763, Agpasi, 1 tedi, śu. di. daśami, Sunday, Sunday, Sobbana-voga | Do                     | grils for turavu (service;) etc. Appointment of two dancing girls for the 12th kottu in the temple. The document is signed by Nalayira-Mavenda-volam alias Devappiljai.  |
| 396         | 396 On the same gopurs, left of entrance                                       | :                  |  | niebthā.  |                        |  |
|             |  |                    | :  | Kollam 7[22],<br>Āvaņi, 6 tēdi.   |                        | Regueters that the king from his camp at Kalladaikurichchi ordered that a certain l'intkurught, daughero fhagammai and her followers wene to annived and att.  |
| 208         | 897 'On the west wall of the Kulusekhara-<br>Alvar shrine, in the same temple. | Рордун             | Maravannen alias Tribhuvanachakravertin Sundara-Pangyadeva, 'who was pleased to distribute the Choja country.' | lth year  | 1)ο.                   | Aggisters an agreement given by the Sirvaishnavas of the Rajendra-Vinnagar temple of Rajaraja-chaturvedinaningalam, to Ajvar Sri-Parańkusamamuni one of the  |
| &<br>&<br>& | 338 On the north wall of the same shrine                                       |                    | Мадачатпап аliaa Tribbuvanachakra-<br>vartin Sundara-Раդдуадбуа.   | 4 + 1st year,<br>Vaigāgi.   | Do. ::                 | Drainha livans of that place, stating that they would obey him inastrach as he had been appointed to look after the service in the shrine of Alvar Rulséckhara-Perumal set up and endowed by Sendalangaradasar (Mulsappalli in Malai-mandalam.  Gilfo the village of Velanjolar to the same shrine by the Karanavans of the tantra headed by the chief military chiesrs, in the imperial service (serigol velaikkarar) of Parikkiragam Devendravallabha of Urimanyalagiyan in Vadavazi-nadu. |
|             |  |                    |  | _   | _                      |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.                                   | Place of inscription.                                 | Dynasty. | King.   | Dute.   | alphabet.                             | Кепватка.   |
|---------------------------------------|---|----------|---|---|---------------------------------------|---|
| 399                                   | On the north and west bases of the same Pangyashring. | Paņģya   | Marsyaiman alias Trithuvanachakravartin Sundara-Paņdyadēva.   | ra-   4 + 1st von:  | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | The villagers of Puliyat alias Nripuchalamaniuallar in Tenvari-nadu having assembled together as ar granted the flow of excess water of their tank, to other tanks.   |
| 00₹                                   | On the north and west walls of the same shrine.       | :        | :   | :   | Ω                                     | Sengalangaradasar of Mulkaippalli in Malar-mandalam who set up the shine of Kulaskharap-Porumal declared the village Vindandrin Kurmarai-nadu as a truvidaiyathan and settled its boundary disputes (************************************   |
| <b>\$</b> 01                          | ♣01 : On the east wall of the same whrme              | Pandya   | Maravarman alias Tribhuvanacha-kravartin Sundara-Pandyadevu who having taken the Chola country was pleased to perform the ancintment of heroes at Mudigonda-Cholapuram. | a. 20th year, 7 todi, blanus, 7 todi, blanus, 7 todi, blanus, 01a Monday, Uttara-da-Phalguni (Uttiram). | . :                                   | volumingular in Magnurantaka-vajanagu, s. kun-urvinom of Bajarája-Pagdinadu. Sale of garden land belonging to two childless widows of Rajarája-cheturvódinarigalam for 12½ anai-achohu to the ehrme of Kulasökharu-Poruma) by their representatives (mudukkunna), one a son-in-law and the other the father. It is stated that hefore doing this the widows appealed to their jinatis for hely; but failing to get it other jüütis karacitated than to disnes of the lands as they likel.                                 |
| 405                                   | 402 On the same wall                                  |          | . Jutavarman alias (Pribhuvanao)<br>kravattin Kulasekharadeva.  | Tribhuvanacha- 13 + 6th ; ear   | :<br>                                 | The Struatships of Rajondra-Vingagar in Rajaraja- cunturvedimangalam granted to Sendalangaradasar a pidipadu under the following circumstances. The latter having got the release of certain lands in Vindanur alias Avanimartandapuren the ownership of which was disputed by the residents of Puli, ur in Tenyari-usdu and of Srivallabut-chaturvedimangalam in Kurumarai-nadu in the hobundary dispute already referred to in No. 400 above the nagarattar of Vindanur granted the haramma of these lands              |
| £ <b>0</b>                            | On the east base of the same shrine                   | :        | :<br>:  | <u>:</u>  | . Do.                                 | to Sendalangaradasar of the Kulasökhara-Perunal birne. The king on the occusion of his presence at the Nalayiravan- tirunandapam to hear the tiruppaya, remitted all the taxes on the elands including kadamai and antarayam. Seems to register an order of the clief god Gopalneyamin of the temple, granting the kadamai of Nadalaya,kulam for meeting the expenses of offerings, etc., on the day of Ardra in the month of Makara when he went on procession and in the month of Makara when he went on procession and |
| • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | On the east wall of the prakara of the same shrine.   | :        | Tribhuvanacha kravartin Konériu-<br>maikondan.  | iii- 6th year and<br>47th day.  | 110.                                  | Econ in 1701 of the suffice of Autogeofacian.  Inde to Soudaling and acts, at the suggestion of Tiruvarangs- Narayana.  (Aife of two ma of hand including all taxes, to the matha of Scondaling are including 12 Brahmavidyans and himself every mouth on the day of Satabhishaj which was the birthday star of the king. Kalingaraya instituted  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|   | Place of incoription.   | Dynasty. | Ring.  |   | Date.  | Language and | Remarks.  |
|---|---|----------|--|---|--|--------------|---|
|   |   |          |  |   |  | alphabet.    |   |
| .11 of  | On the south wall of the same prakara .   | Pandya   | Maravarmen aliae Tribhuvan<br>ohakravartin Sundara-Paṇḍyadeva. | Tribhuvana- 11<br>Bndyadeva.                  | + 3rd year,  | Tamil        | The residents of Paliyūr alias Nripachalamaninallar having met in assembly as ur, geauted to the temple of Kulasskhara-Perunal, certain privileges for carrying the water from their tank to the newly constructed tank called Sendalanga-ran-padukkuļam.                             |
| On the same wall  | :   | Do.      | Do.  | بره.  | 11 + 1st year,<br>Ani.   | Do           | Refers to a similar gift by the residents of Vindanar alias Avanimartandapuram to the shrine of Kulusskhara-Perumal.  |
| •   | :   | Do.      | who was pleased to distribute the Chola country.               | Sundara-Pandyadéva,<br>180d to distribute the | 1)0.   | Do.          | Built in at the beginning. (dift of a tank by the revenue subordinates of the chief Majarkadirmohan, to the temple of Krishna (Tiruvaykula'tu-piljai) at Rajendra-Vinnagar. The taxes on the tank, if imposed, were agreed to be paid by the villagers.                               |
| •   | :   | Do       | Кија векћи га де у а   | :   | 11th year, Masi<br>25 tedi.  |              | Registers an order of the village assembly under the instruction (niyoga) (of the king). Certain private houses which were required in constructing the second prakan of the tem-   |
| n a slab set up neul<br>the samo village.   | On a slab set up near the Teppakkulam in<br>the same village.   | :        | :  | •   | Saka 1526, Kollam 781, Visva-<br>[vasu], Tai, 25<br>[tddi, Anura-  | 1)o.         | ple according to the Sastras, were (acquired and) granted. Gift of land by a certain Pottimayakar for conducting the Tepputizinual festival of Alagiya-Mamnanar.  |
| n the east wall of th<br>of the central shrin<br>rura temple at T<br>right of entrance. | On the east wall of the mandapa in front of the central shrine in the Putarjunes-vara temple at Thuppudamarudur, right of entrance. | ;        | :  |   | Kollam 696,<br>Aryasi, 26 tedi,<br>su. di. chatur-<br>dasi, Bunday,<br>Siddha-yôga,                        | Do.          | Gift of land by Martandan Viraköralakutti one of the Vishnudaris of the temple of Alagiya-Mannana at Sirvalavannengalam a brahmado, a in Kilkaha-kurran, for meeting the expenses of worship and offerings and for feeding devotees. The mother of the dancing girl here called Pita. |
| ull, lef<br>Do.   | Or the same wall, left of entrance Do.  |          | <u>:</u>   |   | Agvini.<br>Kollam [6]59, Sit-<br>tirai, 13 tedi.<br>Saka   | Do           | sur Parvati was also to receive food from the temple daily. Much damaged. Refers to the Sittirai festivities of the god Narumpungondaruliya. Navymar.   |
|   |   |          |  |   | am<br>pi, 1<br>bhis<br>fi. th  | and prose).  | the Tamil Poet who sang of Marudar, by king Perumal Martands-Papalikharan.  |
| Do.   |   | :        |  |   | Saka 1475,<br>Kollam 732,<br>Margulji, 23<br>tedti, ba. di.<br>pañohami, Mon-<br>day, Uttara-<br>Phalguni. | .0.          | Gift of food from the temple, daily, to Ramanathan the<br>Tamil poet of Marudavanam, for having sung the praise of<br>the god of that temple.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|             |  |          | 4   | ,   | •                      |   |
|-------------|--|----------|---|---|------------------------|---|
| ž.          | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Remarks,  |
| 71,         | On the south wall of the same mandapa  | :        | :   | Kollam662 Purattadi, 20 tedi, ba. di. saptami, Tuesday, Mrigaeiraha.                                  | Tamil                  | Gift of the tank Ayppan-kulam and its outlying lands (puram), situated north-east of Rajarāja-chaturvēdinangalam, to the temple of Narumpünkondaruliya-Nayanar of Tiruppudai-marudur in Mulli-nadu, for offerings, lamps, repairs, gardens, etc. The grant was made by the king while he was encamped at Aypillai-Puttur in his new palace (pudu-   |
| 416         | On the same wall   | :        | :   | Saka 1617,<br>Kollam 871,<br>Adi, 11 fedi,<br>su. di. dasami,<br>Thursday,                            | Do                     | idam P), Gift of the village Iluppaikuricholi asa parivattunai-kaiyidu to the same temple, for worship. The donors were Venkatadri- nayakar-Ayyan, Dinasari Vengappayyan and Ananta- padmanabha-Fillai.   |
| 416         |  | Pāņdya   | Marevarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasskharadeva, 'who was<br>pleased to take every country.' | Anuradha. 32nd year, Rish- abha, 13 tedi, ba. di. tritiya,  | Do                     | Registers an agreement granted by the Siva-Brahmanas to the trustees of the temple that they would burn a perpetual lamp regularly every evening for the 100 panam received   |
| 417         |  | Do       | Do. do.   | Saturday, Mula.<br>32nd year,<br>Mma, 23 tedi,<br>ba. di. 6k&desfi,<br>Thursday,<br>Dhanishtha.       |                        | from a Brahmana lady of Rajara, la-chaturvedimungalam. A similar agreement given by the Siva-Brahmana of seven shares to the trustees of the temple, promising to burn a perpetual lamp day and night for the 100 panan received from the Brahman Tillamayakan Dovapiran-Bhatta of Señalur, a humlet of Sundara-Pandya-ohaturvedimangalam.  |
| <b>4</b> 18 | On the north wall of the same mapdapa  | :        | •   | _Kollam] 662,<br>Masi, 2 tedi.  | Do                     | Order (taravu i.e., uttaravu) to the trustees of the temples of Alagya-Mannanar (at Mannarkovil), Kailayamudaiya-Nayiiar, Natumpungondaruliya-Nayiiar at Tiruppudaimarudur, Anaikattapperumal-Nayiiar at Attananallur, Velschenramudaiya-Nayiiar at Adichenallor and others that the services (?) of nattuvatturam and talagiritturam held till then by puradesis were granted to Virakonalayiruda- |
| 419         | On the same wall   |          | :   | Śaka 1485, Kollam, Tdo, Magi, 14 todi, su. di. navami, Friday, Varaha-karana, Vishkambha-yoga, Mriga- | Do.                    | No. 300 about the party from the date of the record. Compare No. 300 about 300 about the date of land in Nambantițiai alias Narumpunkondanallur and of daily food, by the temple, to the dancing girl Kalattinatha-Manikkatial and her descendants for their services in the temple.  |
| 420         | On the east wall of the mandapa in front of the Gonati-Aoman shrine in the same temple, right of entrance. | :        | :   | fireha.<br>Saka 14[6]8,<br>Kollam 7 [2] 2,<br>Tai, 10 tedi.   | D° ·                   | Order of king Sankaranarayana Venrumankonda Butalavira Udayamartandavarman of Jetunga-nadu the tenior member (muttavar) of the Simivay family, conferring in the specified year the appointment of temple-accountant on a ceruin Peruman and his descendants, from his camp at Kungattar.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.          | Place of insoription.  | Dynasty. | King  |                       | Date.  | Lar                          | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
|--------------|--|----------|---|-----------------------|--|------------------------------|---------------------------|---|
|              | On the same wall, left of entrance   | :        | :   |                       | Saka, 14' Kallam 7 Rakensas, Purattadi, 6d.; 6d.; 6d.; 6d.; Ansurattadi, Saturday, Apsemara, yoga, | 1477, Tamil 731, 231, a. di. |                           | Damaged. Registers that the temple appointed a certain Ramanathan as the poct of the temple, conferring on him the halo Marudavanakkavirayan and granted to him certain lands and a hoase, tax-free. He had evidently to attend on the two days of the [Ke]ttai-festival and to compose some poems for the occasion. Mentions Vasavappa-Nayaka; see Nos. 412 and 413 above. |
| <b>42</b> 2. | On the margin of a slab used for making flower-garlands, in the same temple.               | :        |   |                       | Jy <b>e</b> shtha  | <u>-</u>                     | Do                        | Records the gift of the slab by the Siva-Biahmana Devan Uyyavandan sliss Tya ga vanda-Bhatta.   |
| /423         | On the south wall of the central shrine in the Munnara temple at Attalanallur.             | Раціуа   | Vira-Pandyadeva                                   | :                     | 2 [0]th ye<br>Margali.   | year, D                      | Во                        | Built in at the and. Seems to record the gift of a house to the temple of [Vi]navaka-Pijlaiyar (called affer) Jagatappa gapda, by men 'who had supervision over the army.'  |
| 424          | On the gopura of the same temple, right of entrance.                                       | Do.      | Jatavarnan aliae Trib<br>vartin Kula66kharadêve.  | havanobakта-          | 21.d увнг  | <u>:</u>                     | Do                        | Registers the gift of three sohchu for two evoning lumps to the temple of Mügrukai-Ikvaramudaiya-Mahadeva of Attaminallar in Mulli-nada, by a native of Alliyur in Vontaiyar-nadu (a sub-division) of Sola-mandalam. The money was received by a Siva-Brahmana of the temple.   |
| 425          | On the same gopura, left of entrance   | Do.      | Maravarman alias Tribb<br>vartin Srivallabhadeva. | m <b>va</b> naobakra- | 16+1+1st year  |                              | Do                        | Gift of an oil-will to the same temple by a certain Pattis-varamulatyan of Vada-Kongu, in accordance with the oral orders (Secesal of and written orders (Secesal) of   |
| 426          | On the base of the central shrine in the Gajendravanda-Perumal temple in the same village. | Do.      | . By  | Op                    | Kumbha, 10 tedi, fu. di. Prathamai, Saturday, Prorettadi (i.e., Porretsali (i.e., Porre-Bhadra.    |                              | Do <sub>2</sub>           | the king.  Seems to be a copy of an earlier grant. Begins with the historical introduction generals for the found in the records of Jatavarnan Sryallabha. Gift of land for conducting the service called Srivalavan, sandi in the temple of Anaikkarulseydapiran at Attaninaliar on the hirth-day asterien Purathadi, of the king. Signed by Tacholai Remainal-Janyan.     |
| 427          | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.                               | :        | •   |                       | peda). Kollam [8]2 Adi, te ba. di. ohaturdesti. Wednasday  | ]20,<br>e1i,                 | Do                        | Gift of prasada (sacred food) to a certain Senbagamattanda-<br>kutți of Karandayarpajaiyam in Kallidaikurichohi, on the<br>occasion of the mid-day service instituted by Adityavarman,<br>in the Angliskarulischipaja temple, at Attaninallar   |
| <b>428</b>   | On the south wall of the same mandapa  | :        | <u>:</u>  |                       | Svati. 727,<br>Rollsm 727,<br>Paridhavin,<br>Adi, 31 tedi,<br>Friday,<br>Anuradha.                 |                              | Do                        | the inscription).  Gift of land for conducting the Chitra-festival cach month in the same temple, by Ramappa-Nayaka, the agent of Vitthaladeva-Maharaja, under the orders of the king.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—conf.

|             |  |          | 2000-0181 III nardibutons copied in 1810-001                                   | Die(1 111 1210C      | nt.                    |   |
|-------------|--|----------|--|----------------------|------------------------|---|
| No.         | Pluce of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.                | Language and alphabet. | Remarks.  |
| <b>(</b> 59 | On the south wall of the verandah of the first circuit in the same temple. | Choļa    | liājakēsarivarman alsas Tribhuvana<br>obakravartin Kulottunga-Chōļadēva<br>(I) | 30th year            | Tamil                  | Begins with the introduction usince etc., but the characters are of a later period. Registers that a portion of the fields of Attanhallar, the castern hamlet of Rajarajar-chaturreding the gram, a bribhandsky in Mulli-nalu, a subdivision of the actions.  |
| 480         | On the west wall of the same verandah                                      | Pandya   | Vira-Pandyadeva  | 16th ., .            |                        | soporated under the mone Diparaty varieties of Moynam-<br>as a tax-free devadana land to the temple of Moynam-<br>phubolil-Ayar. Mentions the tirumandiravolai Virafola-<br>Pallyarayan and other officers.   |
| <b>4</b> 31 | On the same wall   | Do       | Magayarman alias Tribhuyanachakra-<br>yarin Kulasekharadeya.                   | 9th year, Tai        | До                     | varayan, by the his assembly of Rajaraji-ohaturvodinangalam.  Registers the grant of prasada (sacred food) to a certain Ramanuja-Jiyar in return for A anai-solohu which the  |
| 432         | ъо.  | Do       | Kulasekharadeva  | 9th year, Āvaņi      | Do                     | Srivaishnavas of the temple had received from him  Gift of prastda (sacred food) to two gardiners for rearing  the flower-garden called Randamian-times-decision  |
| €38         | Do. : : :  | Do       | Magayarman alias Tribhuyanachukra-<br>yartin Kulasékharadéva.                  | 8th year             | Do                     | They were exempted from the tax prassda-vari and had to grow flowers, pick them and string them together into garlands.  (sitt of land by the members of the big army (Quaestone Cura) including the ten commends, to a cortain Malaikfa Fadasa.  |
| <b>4</b> 34 | Do   | :        | ÷  | Mithana, 13<br>todi. | Do                     | who cultivated the Vindandy on-tiranandavanam. The document is signed by Parakanar-Pandya Pallavaraiyan, Vira-Pandya Pallavaraiyan and Hattaraiyan, to Radamai on certain lands, by the temple, for providing maintenance to the gardeners of the Lindarayan flower-  |
| 435         | Do   | Рапфув   | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin Kulasékharadéva.                       | 6th year             | Do                     | gardens – The gut was approved by Solakon.<br>Sale of garden lands to Hadarayar by two individuals.   |
| <b>430</b>  |  | :        | :  | :                    | Do                     | The Silvaishnavas of the secred temple of Moynampumpolil on highest of social produced the city of social parts of  |
|             |  | Paṇdya   | Marayarman alias Tribhuyanachakra-<br>yartin Kulasèkharadéya.                  | 8th year             | Do                     | Solar to Malaika egot, cruered the gill of certain lands of Solar land and solar solar land solar land solar land solar land solar land solar land of the Viral salar land land solar land to the same person by the se embly of Solar land solar |
| ¥88         | On the west wall of the prakara of the same temple.                        | До       | Maravarmen alias Tribhuvanachakra- vartin Sundars-Paṇḍyadeva.                  | 4+1+1st ,,           | Do                     | Matilated and damaged. Registers that the assembly of Rajaraji-ohaturvelinanged on the Srivaishnavas of the   |
|             |  |          |  |                      |                        | temple Moymampunapolil met tog ther and arranged for the five sacred offerings each day. The land originally held by the temple for this purpose was evidently lying waste owing to some party quarrels.  |

| *             |
|---------------|
| ~             |
| 2             |
| ્ર            |
| Ÿ             |
| - 1           |
| - 1           |
| Ф             |
| Ξ             |
| =             |
| C)            |
| _             |
|               |
| Ξ.            |
| -=            |
|               |
| ס             |
| - é           |
| - =           |
| Ω             |
| 0             |
| copied        |
| _             |
| <b>a</b>      |
|               |
| $\overline{}$ |
| .≃            |
| حد            |
| seriptions c  |
| -=            |
| €-            |
| 0             |
| . 00          |
| •             |
| •             |
| inser!        |
| <u>~</u>      |
| ໘             |
| 0             |
| <b>جَ</b>     |
| ന             |
| 77            |
| - 1           |
| 1             |
| ~             |
| ш.            |

| No.      | Place of inscription.  | Dynasty.       | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet, | Ветагкь.  |
|----------|--|----------------|--|--|---------------------------|---|
| 68       | On the north wall of the same prakara  | <b>թ</b> որվոր | Jafavarman alias Tribhuvanaohek <b>ra</b> -<br>vartin Vira-Pandyadeva. | Hth year,<br>Kanni, ba. di.<br>4 tédi, pañ-<br>ohami, Sunday,<br>Uttara-Phalgu-<br>ni. | Tamil                     | The characters are of about the 13th century A.D. Incomplete. Gift of land to the temple by the big army including the ten commands, for maintaining the garden called Adittadevan-tirunandavanam.  |
| <b>*</b> | On the same wall   | :              | ÷  | :  | Ъо.                       | Gift of one plate (kalam) of food by the temple, for feeding the men in charge of the Ramanujan flower-garden. This gift was approved by Solakon.   |
| 3        | Do. :  | Рацдуа         | Marayarman alias Tribhuyanaobakra-<br>yartin Kulasekbaradeys.          | 9th year, Avaņi,<br>6 tēdi.  | Do                        | Gift of one achehu by a certain Emberumanar-Ammai for providing offerings to the god and providing food from that presedam to the sevents and worshippers of Emberimanary in the famile. The Estevishment of the termines.  |
| #3       | On a slab used for making flower garlands, in the same temple.   | :              | :  | :  | Do                        | received the achobu and agreed to maintain the chanity. Records the gift of the slab by Tuppan Narayanan of Karpagachoheri.   |
| 443      | On stones built into the floor of the same prakara.  | :              | Tribhuvanachakravartin Konstimelkou.<br>dan.                           | :  | Do                        | Stones missing and incomplete. Seems to record grants of land to the temples of Srikailasam Srivailabha-féveramudéiyar and Inskratha-Rama-Vinnegar-Ajvar at Kulasséekhara-chaturvédimengalam in Mulji-nadu.   |
| ***      | On a slab set up in a field of the same village.   | :              | :  | :  | Du                        | This is the boundary stone of Rajanarayannunallur the devadana village of Moymampumpolil-Ajvar.   |
| 446      | On the east wall of the mandapa in front of the central shrins in the Viravino-destrar temple at Vellanguli. | <u>:</u>       | ÷  | Saka 1447, Kollam 701, Masi, 7 tedi, ka. di. Salaryoga Thureday, Hasta.                | Do                        | Unfinished. Gift of land in Adiyanur a village of Canga-<br>nadu in Malaiya-mandalam, to Parasavan for doing treasary<br>service in the temple of Viravinodisvaran-adaiya-Nayinar<br>at Vellangolli in Rajaraja-chaturvedimangalam.   |
| 448      | On the south base of the Krishpasvamin temple in the same village.   | Pandya         | Jațavaraman alias Tribhuv-nachakravartin Kuladekharadeva.              | 9+1+1st year   | Do. :                     | Sale of land to the temple by a Brahmana lady of Rajaraja chaturvedimangalam for providing 8 lamps in the temple of Tirunarayana-Vinagar-Emberuman of Salakulamanik-ka-chaturvedimangalam in Mulli-nadu. She was represented in the transaction by her adopted son, the son of her hushand's brother. |
| ***      | On the same have   | Do             | Do. do.  | 2nd ,,   | Do                        | Unfinished. Mentions the hereditary worshipper Karimanik-ka-Bhatta of the same temple and a land sold to him by a resident of Rajaraja-ohaturvēdimangalam.  |

1035 Home (Edn.)-9

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| Mo. | Place of inscription                                     | Dynasty.         | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Ветагке.  |
|-----|--|------------------|---|---|---------------------------|---|
| 87  | On the same base   | Рафдуя           | Jetavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Kulasekharadeva. | 18+ 10th year   | Tamil                     | Unfinished. Refers to the temple of Tirunalayana. Vinnagar-<br>Alvar at Solakulamanikka-obaturvetimangalam in Mulli-<br>nadu.   |
| 077 | On the west base of the same temple                      | Do               | Do. do.   | 4+1+1st.,   | Do. :                     | Begins with the introduction Lewelless etc. Giff of land to the temple of Tirunarayane-Vinasgur-Emberuman at Solakulamanikka-chaturredimangelam conveyed loth by the verbal and written orders of the king. A large number of signatories appear at the end of the record.  |
| 9   | On the north base of the same temple                     | Ď.               | . Do.   | 1)0.<br>Мабі, нећцадві.   | ; Do.                     | The king being seated on his throne called Municipadaraiyan in his pulace at Erikithta alias Srivallubhapathicam in Kil-Sembil-nadu, ordered the grant of 4 veli of land at Kudurai-chti after making the necessary entries in the revenue registers (ulvari). The land was also exempted from antaraya as per verbal orders passed in the 4th year and the 992nd day, by the king when he was seated on his throne Munaiyadaraiyan in the Srivallabhan-hall within the plance at Madura east of Madakkhum. The entries in the parties recarding the arrenaver. |
| 194 | On a slab set up in the same villege                     | :                | :<br>:  | Doubtfal .  | · · · · ·                 | next entered. The triple form of the document is thus interesting.  Darninged. (ijit of land by a certain Attaluri Venketadri-Bhayta, son of Timmanasar, for the worship of god Krishna newly extablished by him in the village. This land had been originally granted to him by Vistvanatha-Nayaka Krishnapa-Nayaka.   |
| 5   | On the same slab   | Vіја у ипи gara. | Vira-Venkatapatiraya, 'ruling at Vija-<br>yanagara.'          | Saka 1685, Kollam 789, Isi, 1 tedi. Pemadidha Uttara. yana, Puthya 13, Wednesday, Mula. | Tolugu                    | Begisters that a certain Venkatadiri-Fhatta, son of Timmarasa set up at Vellanprdi alias. Viralhupalasamudra, the images of Krishna and Kamésvari and granted land for their worship. The country was directly under the rule of Visvanatha-Virappa and the land granted had been obtained as a grant from Visvanatha-Krishpapa-Nayaka.   |
|     | On the east wall of the ruined temple at Manaramangalam. | :                | :   | Kollam 696, Pań - Tamil<br>guṇi, 19 tedi.   | :                         | Gift of land in Tenkagai Manamangalam attached to Rajaraju-<br>chaturvēdinangalam for mairtuining the service called<br>Ravivanman-sandi in the temele of Fer-Arulalapperumal in<br>that village.   |
| Ö   | On a slab set up in the street at Harike-savanallur.     | :                | :   | Kollam 689,<br>Avani, 17 tedi.  | Do                        | Damaged and unfinished. Refers to the Kankholas who had settled themselves in the street. Sephagnaritands-ruvu in Anjur-toppu and registers a charter permitting them to live there without fear.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|            |   |                          |          |  |   | -                         |  |
|------------|---|--------------------------|----------|--|---|---------------------------|--|
| No.        | Place of inscription.   | ion.                     | Dynasty. | King.  | Date  | Language and<br>alphabet. | Rешатка.   |
| 466        | On the south wall of the prakara of the Arikesanatha temple at Girlyamba-puram. | prakara of t<br>Girlyamb | Papdyr   | Tribhuvanachakravartin Könermel-<br>kopdan Vira-t'apdyadeva.   | 1- 9324 (Ogravit<br>La gadete<br>Oguberti<br>9th year is<br>given in the<br>body of the<br>inscription. | Tumil                     | Gift of the village Sokkankulam the eastern hamlet of Rajaraja-chaturvedimangalam, for maintaining lamps in the temple of Arikesistaramudaiya-Nayanar at Arikesarinalihr in Mulli-nadu. The gift was made at the enggistion of Kalingarayar, by the (king's) younger brother Tirunelveli Bhagavati Alagapherumal alias Kulasekhara-Kandiyasis in signed by Tirunelveli-udaiyan aluas Tondaimäin and two others. The assembly of Rajaraja-chaturvedimangalam in the presence of Nalayira-Muvendavelan und Rajanarayana-Muvendavelan und Rajanarayana-Muvendavelan und Rajanarayana-Muvendavelan und Rajanarayana-Muvendavelan und Rajanarayana-Muvendavelan und Rajanarayana-Muvendavelan out the royal orders fixing the assess- |
| <b>4</b>   | On the same wall  | :<br>:                   | :        | :  | 20th year and<br>343rd day.   | Ъо                        | ment at a solution per year and excluded the granted lands from the rani-register.  Order (sirumuri) to Vira-Pandya Kandiyadevar stating that the land purchased by him from the assembly of Rajaasja-ohaturvedimangalam in the name of the temple of Arikesar Ifevaramudaiya-Nayanar, might be enjoyed as karanmai on payment of 2½ varahan every year.   |
| 467        | :<br>Do:  | <b>:</b>                 | :        | Tribbuvanschakravartin Köneriumsi-<br>kondan.  | ii- 14th year and 120th day.  |                           | Order to Chandesvara of the temple of Arkesari-Isvara-<br>mudana-Nayanar, that the said Vira-Papdya Kandiyadevar<br>was to enjoy the karaman and the temple to receive some  |
| <b>468</b> |   | :                        | :        | :  |   | Do. :                     | money) for the Vrischika-festival.  The assembly of Rajaraja-chaturvedimangalam issued the olai regarding the same fransaction herein specifying that the kalanma was to be enjoyed by Vira-Pandyadeva and   |
| 459        | Do  | :                        | Pandya   | Maravarman alias Tribhuvanachakru-<br>yarin Kulasskharadsva, 'who was<br>pleased to take svery country.' | u- 14th year  | Do. :                     | the Rudamal by the temple. Registers that in this year the assembly registered as tax-free a piece of land of specified extent (4 mā + kāṇi + 4 mā + kāṇi + nundirigai) purchased by Vira-Pāṇdya. Kaṇiyadēya as a dēvadāna for the temple, from the resi-  |
| 09₩        | Do.   | :                        | . Do.    | Maravaraman alias Tribhuvanachukra-varin Kulasekharadeva, 'who was pleased to'                           | ae 20th year,<br>fighnan, fur,<br>di., sehtami,<br>Friday, Hasta.                                       | Do. ::                    | dents of that village. Sale of land as karapmus by a certum Dombarai Stranganathan of Sora vamanahafovi-chalurvedinumgalam to the temple of Arikesari-Tsvaramudaiya-Nayanar of Arikesari-Isvaramudaiya-Nayanar of Arikesari-Isvaramudaiyas from Tirunelveli Alagupperumatalias Vra-Pandya Kandiyadeva. The assembly of Serayamunhafadi-chafurvadima-tembra.  |
| 100        | . :   | :<br>:                   | :        | Tribhuvanachakravactin Könerinmai-<br>kondan.  | i. 42 + 1st year  | Do. :                     | so to fix the boundary stones, and for the maintenance of the garden den founded by himself and for provil god during festivals when he proceeded. The document is signed by Palls ordered that these two ma of land be exerce devadan might he excluded fi  |
|            |   |                          |          |  |   |                           | LDO Viti-tegistor.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.                                     | Place of inscription                                     | ription  |          |        | Dynasty. |          | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet.          | Вешатке.   |
|---|--|----------|----------|--------|----------|----------|--|---|------------------------------------|--|
| <b>462</b>                              | On the same wall   | :        | •        | :<br>B | Paņdya   | :        | Magayarman alias Tribhuyanaohakra-<br>vartin Sundara-Pandyaddya, 'who<br>was pleased to take all countries.'               | 12th year, Mina, 30 tadi, ba. di. chittari(chaurth), Tuesday, Andradha. | Tamil (of about the 13th century). | Gift of land by purchase at Naduvilkurichohi to a shrine of Sūryadeva set up in the temple of Arikėsai-levaramudaiya. Nayanar, by Aligapperumal alias Tondaiman one of the devavaraputras of that temple.  |
| <b>\$</b>                               | Do.  | :        | :        | :      | Do.      | :        | Do. do.  | lzth year,<br>Vaigasi.  | ['amı]                             | Gift of 4½ ma in the same village by a member of the Agapparivarattar residing in the tirumadaivilaga of this temple for feeding the Mahesvaras on the festival days of Margali-tirunal. Signed by Vijayasingadevan, Butalattarasan and another.   |
| *************************************** | Do.  | :        | :        | :      | Do.      | :        | Jakavarman alias Tribhuvangohakra-<br>vartin Kulasskharadsva.  | 4th year and 50th day.  |                                    | The mutilitied part of the inscription contains portions of the historical introduction there are ever. Registers that 14 ma of land at Naduvilkurioheli the western hamlet Seravannahaderichakurredinashgalam was purchased and given to the temple for feeding the Andar who came to serve the god at the festival of Vaignét-tirunal. This land was declared tax-free under orders of the king while he was scated on his throne called Munayadaraivan. |
| 19<br>4                                 | On the east wall of the same prakara, right of entrance. | the sai  | me praka |        | Do.      | :        | Do.  | 16th year   | Do                                 | Giff of 60 kalam of paddy by the Brahm in Sakala-Šivan Sarkaranatayany alias Kulasekhara-Bhathan for feeding 30 tapasvins on the occasion of the Utinuthadi feetival (each month). The interest on this paddy was fixed at 3 turni on each kalam per year. At the bottom of the inscription is a fragment which refers to Selvajñanasambandar, Manabhashar-terinda-Kaikkolar and Minavan-Marayan.  |
| 466                                     | In the same place  | :        | :        | :      | Ло.      | :        | Jakararman alias Tribburanachakra-<br>rartin Kulu[sekharadeva].  | +1st year,<br>Masi, 19 tedi,<br>Thursday.                               | Do                                 | Built in at the beginning. Contains partion of the historioul introduction <b>Late Docks</b> etc. Gift of N achohu for a perpetual lamp by a lady. Another gift of 2 achohu for the goddess Periyanachchiyar is also recorded.   |
| 467                                     | Do   | :        | :        | :      | Do.      | :        | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Bundara-Pāņdyadeva.   | 11 : 1s' year,<br>Arpasi.   | Do                                 | Registers that the trustees of the temple of Arike-Isvarann-daiyar, Sundarapandya-Anukkar and Abhimanabhushanar-terinda-Kaikkolar being together, granted 100 kalam of paddy every year from the devadana lands of the temple of Annivalattisvarannudaya-Nayanar establishet at Khiar-Kadeni, through Kuitan, Selvan alias Savaianasan bandar of Valvalabandan van timmadur of Valvalabandyan tunitumadum.   |
| <b>80</b>                               | On the same wall, left of entrance                       | of entra |          | :      | Do.      | <u> </u> | Maravarman alias l'ribhovanaohakra-<br>vartin Sundara-Pandyadéva, 'who<br>was pleased to distribute the Chola<br>country.' | 13th yeur, Āģi  | D0.<br>:                           | ⋖  |

| ·              |
|----------------|
| ~              |
| ~              |
| 0              |
| ਹ              |
| - 1            |
| - 1            |
|                |
| 16             |
| _              |
|                |
| 19             |
| _              |
|                |
| in             |
| •              |
|                |
| ਚ              |
| ക്             |
| .≍             |
| Ö              |
| oopied         |
| $\overline{c}$ |
| O              |
| -              |
| <u>w</u>       |
| Д              |
| 0              |
| ښ.             |
| 45             |
| inscriptions   |
| •              |
| -              |
| 0              |
| <b>T</b>       |
| •              |
| •—             |
|                |
| 0              |
|                |
| $\overline{}$  |
| ~~             |
| <del></del>    |
| Ston           |
| 1              |
| -              |
|                |
| ~              |
|                |

| tone inscriptions copied in 1916—cont. | Date. Lauguage and Romarks. | 12 + 1st year, Thunil B   | 11 + 1 + 166 110 Pr  | 12th year 110 A  | akra- 7 + 1st ., Do Begins with the introduction Bgasse genesa, etc. The king being sented on his throne call-d Munistyndarniyan in his palece at Madua east of Madukhulam, ordered that the managers and the devakanmis of the temple of Alibeants. Varamaddiyar should point 1,200 kalams of paddy from the accumulated antaraya income of each year, on repairs to the tomple. | Salka 1488 Do Rocords that a certain Penappan a Kaikkola of the temple of Malgily16varannolaby-Nayinar at Fadmanabhaner in Pachelarannolaby-Nayinar at Fadmanabhaner in Pachelarannolaby of the three temples of Anikeswarannolaby Nayinar Armanlattichohurannolaiya-Nayinar and Sirvaga.  Arpasi, 20 tedi. deva-Virquegar-Emberman. Mentions Dilayar Ramanno- | 17th year Do. Be   |
|--|-----------------------------|---|--|--|---|--|--|
| BStone inser                           | Dynasty. King.              | уя Макатигілап alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Stivallabhadeva, | Maravarman alias Tribhuvana hakra-<br>vartin Sandara-Papayalèva. | Maraverman alias Tribhuvanachakrevatin Sundara-Pandyadova, 'who was pleused to distribute the Chole country. | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Vikiama-Pandyadova.  | :  | уя Jatavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vaitin Silvallabhadeva.                         |
|  | Dy                          | •• Рапдуя   |  | Do.  | he Do,  | :  | in Paṇḍya<br>n-  |
|  | Place of inscription.       | In the same place   | e<br>:<br>:  | Do   | On a pillar of the mandapa in front of the same temple.   | On the gopura of the same temple   | On the south wall of the central shrine in the Pushpavanésvara temple at Ten-Tibhuyanam. |
|  | No.                         | 689   | 470  | 12.5   | 472   |  | 143,   |
|  |                             |   |  |  | 1035 Hom  | e (Edn.)—10  | •  |

| -            |
|--------------|
| ű            |
| Ş            |
| 9            |
| 1916         |
| 6            |
| <u> </u>     |
| in           |
|              |
| pje          |
| 0            |
| oopie        |
| scriptions c |
| ã            |
| .≘           |
| *            |
| =            |
| - 5          |
| ŏ.           |
| ñ            |
| · ·          |
| ă            |
| Q            |
| $\mathbf{z}$ |
| 7            |
| 1            |
| മ്           |
| _            |

| No.   | Place of inscription.   | Dynasty | Kıng.    | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.  |
|-------|---|---------|----------|---|------------------------|---|
| 475   | On the west and south bases of the same shrine.   | i       | •        | Kollam, 661,<br>Masi, 29 (edi.  | Tamil                  | Gift of the field called Nachchiyarparu included in Afijurparu for conducting the service (Vira)kēraļaņ-sandi and the Bharaṇi-festival of three, days celebrated, each month on the day of Bharani which was the birth-day stift of the king, in the temple of 'len-livarparamantaiya-Napanarand Tirupparamateliya-Nachchiyār. The grant was made by the king while he was encamped in the house of Anantanafa, and Blattha of Sembagarana-chauryedimangalam in Tirukkurungandi. Signed by Vetţai-Alagiyar. |
| 924:  | On a pillar of the verandah of the same shrine.   | :       | :        | <u>.</u>  | Do                     | This is the mandapa constructed in the seored verandah (tirunadaimāligai) of the temple, by Nityabharana of Manabharananallur.  |
| 414   | On the south wall of the central shrine in the 'Irukkaduk kan-Munrisvara temple at Pappakudi, | :       | <b>:</b> | Kollam, 704,<br>Sittirai, 29 tedi,<br>su. di. shash-<br>thi, Friday,<br>Salla-yoga,<br>Vardha-katana,<br>Funarvasa. | ъо                     | Gift of a tank (and lands) at Pūšinaiščii alias Kollangulam in Karuvunallūr-parru, to the templo of Tirukkalnkkaimungaiya-Nayinār at Pappakudi in Mulli-nadu, ly three residents of Palaikkal in Mulii-mandalam. The record seems to etate that three three had taken up the temple repairs and received as acharya-dakshina the said tank and lands; but having quarrelled (?) among themeslves they had decided to give them back to the temple.  |
| * 7 × | On the east wall of the mandaps in front of the same shrine.                                  | :       | ÷        | Šaka 1492,<br>Kolam 745,<br>Ani, 30 tedi,<br>ba. di., Tuce-<br>day, Svati,<br>dafamı.                               | Do                     | Registers that Ariyanayinar-Modaliyar, Vicaraghavu-Mudaliyar, and Silkityom Ramappa-Nāyaku the agents of Vistvanatha-Nāyaka Krishaappa-Nāyaku and Virapsa-Nayaka, who were themselves the agents of the Mahamandulosvara Ramatan-Tirumalaraju, appointed a certan Karumugilan Korplahtyadeva as the hereditary accountant in the temple of 'linumanischeburamudalara at Pappakudi aliva Adittavanma-chatureddimangalam.   |
|       | On the north wall of the Ritchen in the same temple.  | :       | ÷        | 171[9] A.D.<br>Vılambi, Tai,<br>18 tedi.  | No                     | In modern ohar-oters. Registers that Tandavammal the wife of Sandaralingam Pillai of Pappakudi, repaised with the sanction of the temple Committee the kitchen attached to the abrine of Sivakami-Amman in the temple of Tirakkadukkai-Mangifevara and gave land for feeding Brahmanas on the dvadasi days and conducting daily worship.  |
| 480   | On a slab set up at the snicut in the same village.   | :       | •        | [Kollam] 839,<br>Avani, 19 tedi,<br>Thursday,<br>trayodasi,<br>Pushya.  | Do. :                  | Tambirantola-Pillai Śidanubaranatha-Pillai completed this aniout for the merit of Tirumalaikollundu-Pillai, the agent of Vedamalaiyappa-Pillai.   |

B.-Stone inscriptions copied in 1916-cont.

| On the same temple Do Adavarman alias Tribhuvanachakar [2] and Babalahas An Babalashar Babalashar An An Babalashar Babalashar An An An Babalashar Babalashar An .   | N.           | Place of inscription  | Duna    | . 44   |  | Language and |  |
|---|--------------|---|---------|--|--|--------------|--|
| On the same temple Do Adaptarman alias Tribhuvanachakra. [3 2ad , wer Tamil Banishtiff a hamlet of the same temple Magavarman alias Tribhuvanachakra. [415 year and bear temple Magavarman alias Tribhuvanachakra. [161 year and bear temple Banish ham the Chole soulty was a soult and the same temple Magavarman alias Tribhuvanachakra. [161 year and bear temple Magavarman alias Tribhuvanachakra. [161 year and bear temple Magavarman alias Tribhuvanachakra. [161 year and bear temple Magavarman alias Tribhuvanachakra. [161 year lint. Banish lint. Banish lint. [161 year lint. Banish lint. B |              |   | Lymany. | King.  | Date.  | alphabet.    | і⁄6тагkв.  |
| On the same rook Do Jetavarman slins Tribhuvanachakra (th year and north wall of the Agnisvar temple 10 Magavarman slins Tribhuvanachakra (th year and north wall of the Agnisvar temple 10 Magavarman slins Tribhuvanachakra (th year and north wall of the Agnisvar temple 10 Magavarman slins Tribhuvanachakra (th year and north wall of the same temple Do Jetavarman slins Tribhuvanachakra (th year, Punat north war the cast base of the same temple Do Jetavarman slins Tribhuvanachakra (th year, Punat north base of the same temple Do Jetavarman slins Tribhuvanachakra (th year, Punat north base of the same temple Do Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south base of the same temple Do Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south base ) The Avingale Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south base ) Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south base ) Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south base ) Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south validation of the same temple ) Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south base ) Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south same species ) Magavarman slins Tribhuvachakravartun (the south same species ) Magasin (the south same   | 481          | ()11 a rook called Nambanpagai at Nam-<br>bantattal a bamlet of the same village. | Paṇdya  | Magavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Vira-fandyadeva.  | l ——   | Tamil .      | Begisters an order of queen Enskunallaperumal alias Ulaga-<br>muludumudaiyar to remit taxes on a certain land in the<br>north-castern hamlet, which was meant for feeding (?) the  |
| On the same rook Do Jetavarman alias Tribhuvanachakra (th year and a yearin Kuleschharadeva.  On the north wall of the Agnisvara temple Do Magavarman alias Tribhuvanachakra. Ich year and Do Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Ich year and Do Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Ith year, Purat. Do Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Ith year, Purat. Do Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Ith year, Purat. Do Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Johnsen. Johnsen. Johnsen Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Johnsen. Johnsen. Johnsen. Johnsen. Jetavarman alias Tribhuvanachakra. Johnsen. Johnsen. Jetavarman alias Jribhuvanachakra. Jetavar, Do Jetavarman alias Jribhuvanachakra. Jetavar Do Jetavarman alias Jribhuvanachakra. Jetavar Do Jetavarman alias Jribhuvanachakra. Jetavar Do Jetavarman alias Jribhuvanachakranachakra. Jetavarman alias Jetavarman alias Jribhuvanachakrananachakranachakranachakranachakranachakranachakranachakranachakran  | ~            |   |         |  | di. obaturdasi,<br>Saturday,<br>Uttiram, i.e.,<br>[Uttaru- |              | Mahesvaras on the occasion of the snor-d food-off-ring to god Tondanayanaar at Kapalippagni. The grant was made to a certain Ulagamulandumudaiya Pichohar. Signed by Kodumolutiyahan.  |
| On the same base Do Magavarman slias Trithuvanachaltra. 16th year and Do B. Do Jakavarman alias Trithuvanachaltra. 16th year and Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 19th year, Punathy and here sat base of the same temple Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 19th year, Punathy and the same temple Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 19th year, Punathy and the same temple Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 19th year, Punathy and here of the same temple Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 19th year, Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 19th year, Do Jakavarman alias Trithuvanachakravartun [3+13th year, Do Bakavirman alias Trithuvachakravartun [3+13th year, Do Bakavirman alias [3+13th   | <b>48</b> 87 | :   | Do.     | Jajavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulesekharudeva.  | thangami.  |              | An agreement given by a certain Vadakongan-Pattilsvara-<br>nudaryan that he would use, for improving the village<br>Salaikkulam (which was the jivita of the miliary officer<br>Jagadopparkanda of Attaninallar), the moone from that  |
| on the east base of the same temple Do Jakavarman alias Trithuvanachakra. 16th year and 10 Buving that the the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform the anointment of the country was pleased to perform a line Trithuvanachakru- (th year, Plust- 100 But year, Do Ruses but year, Do But   |              |   |         |  |  |              | Villige and trat from the intended be would construct a mandapa called Jagadoppakanda tirumaligai in the templo of Kalpi jaranndaiyar.   |
| On the east buse of the same temple Do Jakavarman alias Tribhuvanachakra. (4th year, Puiathous, 100 B. Naravarman alias Tribhuvanachakra. (4th year, Puiathous, 100 Goldst, Puiathous, 100 B. Avani.  On the same base Do Jakavarman alias Tribhuvachakravarm 13 + 13th year, 100 B. Kulssekharadeva. Avani.   |              |   |         | Maravarman shas Trithuvanachakra-<br>vartin Sundara-Pandyadeva, 'who<br>having thefor the Chola country was<br>pleased to perform the ancietment of<br>herces at Municondustannan. | 16th уенг and<br>542nd day.                                | Ъо           | Begins with the introduction thrown Boxelogy etc. The king being seated on his thier hadrawayan in his pulace at Madura east of Madakkulam in Maduradya-ralandad, ordered in the request of Majavarayan that some builds to consider the constants.  |
| On the east buse of the same temple Do Jatavarman alias Tribhuvanachakra- (1th year, Punathorman Do Do Do Do Do Do Do Do Magavarman alias Tribhuvanachakra- (1th year, Punathorman Do Magavarman alias Tribhuvanachakra- (1th year, Punathorman Do Jatavarman alias Tribhuvachakravartun Naturi Do Jatavarman alias Tribhuvachakravartun Naturi Vaigasi.  |              |   |         |  |  |              | tringle of Tirunakhistarannidaiyar at Vajudiyor, the north-<br>eastern hamlet of Rajudi-ebaturvedimaigalam. It was<br>also ordered by Tribhuvanachakiavartin Konerimaikondan<br>(i.e. the emperor in good health) in the 16th year and 405th   |
| On the east base of the same temple Do Jatavarnan alias Tribhuvanachakra-  Do Do Do. do. do. do. Meha, 14 tedi, hura- chap, Svali.  On the south base of the same temple Do Maxava.man alias Tribhuvanachakra- chap, Svali.  Varian Varian Varianan alias Tribhuvanachakravartun (13 + 13th year, 10 B. Kulssekharadeva.  On the same base Do Jatavarman alias Tribhuvachakravartun (13 + 13th year, 10 B B B Vaigasi.  |              |   |         |  |  | ,            | duy that the grant may be registered in the books and (a copy of) the order furnished cannow see gosts. Let a dealth of canaly see gosts. Let a dealth of canal see gosts and the record was engisty was also made in the same year and the record was engived evidently on; the 542nd   |
| Do. d   | <b>787</b>   | On the east base of the same temple   | Do.     | Jatavarman alins Tribhuvanschakra-<br>vartin Kulasskharadsva.  |  | :            | day after the 15th year.  Begins with the introduction years speed, etc. Gift of land to the temple of Truvailibearamedatar, by a Restrance  |
| On the south base of the same temple Do Magava man alias Trithuvanachakru- day, Svai.  On the same base Do Jatavarman alias Trithuvanachakravartm [3 + 13th year, Do Kulasokharadeva.   | 485          | Do.   | Do.     | Do.  | 3 + 1st year,<br>Mesha, 14 tedi,                           | Do           | resident of Rajaraja chaturvedimangalam. Gift of land to Kahetnapala-Pillanjar of the same temple by two Prahmana residents of Rajaraja-chaturvedimangalam,  |
| On the same base Do Jatteriman alias Tribhuvachakravartın 13 + 13th year, Do Kulasékharadéra.   | . 788        | On the south base of the same temple  | Do.     | Magava man alias<br>vartin Vikrama-Pa  |  | Do           | [Note. Inscription No. 489 18 writen in continuation of No. 484. The vegawing was evidently done at some later date and no chron-legical order was observed.]  Begins with the introduction Society graves, etc. Sale of the tanks Sunkarnofer and Umannaigneer with all the contained.  |
| Solva Lanning one of the tapagying agreed to burn a twilght lamp in the moon and the sun endure.  | 487          | On the same base  | Do.     | Jataverman alias Tribliuvachakravartin<br>Kulassekbaradsva.  |  | Ъо.          | Nayaniar ly the seconds of transparent and all seconds and all seconds of training and all seconds of the families of the fami |
|   |              |   |         |  |  |              | Selvajnallade one of the tapasylls of Vadatalajkajam and agreed to burn a twilight lamp in the temple as long as the moon and the sun endure.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.          | Place of inscription.  | Dynasty.       | King.   | Pate.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|--------------|--|----------------|---|---|---------------------------|--|
| <b>488</b>   | On the west wall of the same temple  | . Рапфуа       | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadeva, 'who having taken the Chola country was pleased to perform the anointment of heroes at Madigopdasolapuram.'                             | 15 + 1st year   | Tamil .                   | Begins with the introduction gogse gogse gogse etc. Registers that the assembly of Rajaraja-chatorvedimenger and gave a katifacti document to the temple of Tira-Agnistarandalasi at Valludiyar in obedience to the orders and   |
| <b>48</b> 89 | On the west wall of the mandapa in front of the same temple.   | ъ              | Marvarman alias Tribhuvanachakravatin Bundara-Pandyadova, 'who having taken the Chola o untry was pleased to perform the anciniment of heroes and the ancintment of victors at Mudigondesolapuram.' | 17 + 1 + 1st<br>year, Vrischika,<br>10 tefi,<br>Monday,<br>Karttigai.                               |                           | the rate by the king by which they conferred on the temple the right of karaman on some operation lands.  The Siver Erahmanas of the temple received 7½ nehebu deposited by a certain Vijayapannan of Vajudiyar for borning a lamp and agreed to maintain it.  |
| 06\$         | On the west and south bases of the central shrine in the Kailsonatha temple at Vadakku Ariyanayagipuram. | Ъо             | Tribhuyangohukravartin Köngrinmi-<br>kondan Kolnsekharadeva alnas Kaņdi-<br>yadeva.   | 28th year,<br>Pańguņi.  | Do. ::                    | Registers a gift of land as tax-free devadana, by the king, to Verpunudigonal-Pandffsvirunudigiy-Nayanar which he  |
| 491          | On the north wall of the central shrine in the Tyagarajasvamin temple at                                 | :              | :   | :   | Do                        | ing see up at a trickerhiternaliur in Anjii-nadu, for worship and offerings.  In modern obtacters. Seems to register the lands owned as dividing and serving any the formula of any and serving and se |
| 76           | On the south wall of the same shrine   | :              | :   | Kollam 739,<br>Pańguni,<br>Uttiram.   | Tamil Verte.              | formulation and the variation of the benither of the variation of the begins and seven verified a verses that a certain Perumanayan Kalingan o celebrated the Panguni-Uttiran festival of god Amhilain festival of Fourthynamic construction of the co |
| 86\$         | On the same wall   | :              | :   | Pramadi, Adi<br>f. di. pañoh-<br>ami.   | Tamil                     | occasion and set up a fing-staff.  Demaged and mutilated. Gift of the three villages [daika],  lungkkulau, and karuchgulan to the temple of linvanbi- kei-Kurennulaiver at Theires for the more of the temple of   |
| 494          | Do   | Vijayanagara / | Aohyutadeva-Maharaya Sadasivadeva- S<br>Maharaya.   | Saka [1484], Durmati, Vailgasi, 5 tedi, ba. di. ohaturdasi, Friday, Müla.                           | . :                       | 65vara Ramaraja-Vittinala-Isvara-Naharaja. Gift of land (?) by Krishnappa-Nayaka son of Visvanatha- Nayaka to the same temple, for worship and repairs.  |
| 496          | .: .: .:   | :              | :   | Rollam 730,<br>Buktakshi,<br>Margali, su. di.<br>dvitiya, Sun-<br>dvitiya, Amrita-<br>võra, Hitara- | Ъо.                       | Gift of land to the sume temple by Sima-Vessvappe-Nayaka for the merit of Vasappa-Nayaka, son of Visvanatha-Nayaka,  |
| 496          |  | :              | :   | 739   | Pamil verso               | Registors that Peruman Kahûgan instituted the Panguni-<br>Uttivam festival in the temple; sec No. 492 above.   |
|              |  | :              | :   | Saka 1475, 7<br>Kollum 729,<br>Wednesday,<br>Uttara-Phal-   | Tamil                     | Dumaged and mutilated. Gift of land by Krishnat pa-Nayaka son of Vikranatha-Nayaka for worship and repairs in the same temple.   |
|              |  |                |   | _   | _                         |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.                 | Place of inscription.  | Dynasty.     | Ring.  | Date.  | Language and alphabet. | Remarks,   |
|---------------------|--|--------------|--|--|------------------------|--|
| <b>8</b> 6 <b>1</b> | On the same wall   | Vijayanagaru |  | Śaka 148[2],<br>Randri Kol-                  | Tumil                  | Damaged and mutilated. Gift of land, Meutions king Krishnarages and Ramarajayon  |
| 66                  | Do   | :            | :  | lam 736.<br>Saku 14[75]                      |                        | 10. Mentions the Manaraja.Vitthaladeea.Maha[raja] and Ramanna.navaba   |
| 200                 | On the base of the mandapa in the same temple.   | Later Papdya | Alaganperumai-Ativiran alias Šivalade-<br>va-bisharaja.            | :  |                        | Records that this Kanakasikhura-mandapa was built by a certain Anjeluttu-udaiyavar (i.e., Namassivaya?) for the merit of the king.   |
| 201                 | On the gopura of the same temple   | :            | :  | :  | Гатіl verse            | Registers that Kalingan constructed according to rules prescribed in the Agamus, the big mandapa, gopura, a  |
| 209                 | On the north wall of the central shrine in the Kariyamspikks-Perums; temple in the same village. | Pandya       | •<br>Jatavarman alias Pribhnyanaohakra-<br>vartin Kolasekbaradeva. | 18th year,<br>3090th day and<br>13+8th year. | Temil                  | jewelled car and the circuit wall, for the temple of Traggar at Truit-Aron.  Begins with the introduction was select. Registers the gift of the vell of land at Mckupparakudite the chines of Manavala-Alvar, alias Nilaimai-Alagiya-Perumal and Narasinha-Alvar, in the temple of Jayatchga-Vinnagar-Alvar, at Vadalalikkulam, the north-easten hamlet of Rajaran-duravalinangalam. The king's order to make  |
| 203                 | On the same wall   | :            | Tribhuvanachakravartin Kogerimel-<br>kondag.                       | <b>~</b>                                     | . :                    | the giff was executed and the document engraved on stone. The first of the shrines was built by Padiyani-Bhagavati alias Kandiyadova of Tiranelveli. Ordered that the above document be duly registered and reported.  |
| 504<br>505          | On the south wall of the same shrine On the west wall of the same shrine                         | ::           | : :<br>: :   | day.<br>13+8th year<br>100.                  | Do                     | Acknowledgement of the royal order referred to above. Refers to the same transaction and records the actual entry in the revenue register (a) went of the section.   |
| 209                 | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.                                    | :            | Tribbuvanachakravartin Köṇerimel-<br>kondaṇ.                       | 3+7th ,,                                     | <br>                   | naikkaj<br>eportu<br>the sh  |
| 507                 | On the same wall   | Pandya       | Ja¢avarmen aliae Tribhuvanaohakra-<br>vartin Kula66kharad6va.      | 3rd year and<br>2766th day.                  |                        | hamlet of Rajaraja-chaturedimangalam. The gift is stated to have been actually made on the 2786th day after the third year of his reign. Signed by Atkondavilli alias Kaohchiyarayam. Begins with the introduction assemble of the Combine with the introduction assemble of Tirunelveli in Kil-Vonbarnadu the king promised in accordance with the request made by Malavarayam, that he would grant 7 ma of land to the temple of Jayatonga-Vinpagar-Ajvar. The record is left unfinished; see No. 506 above. |

| 1             |  |          | D.—Stone inscriptions copied in 1916—conf.                    | pied in 1916—   | cont.                                   |  |
|---------------|--|----------|---|---|---|--|
| No.           | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   | Date.   | Language and                            | Remarks.   |
| 809           |  | :        |   | 3 + 7th year  | <u> </u>                                | Registers the order of the assembly of Rajaraja-chaturvedinangellanguage on the temple anthorities after receipt of the king's charter its registry and report, handing over the land and asking them to fix the boundary stones marked with chakra.                                   |
|               | On the same wall   | Paņdya   | Jatavarman aliss Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasskharadsva. | 1,416th day.  | Do. ::                                  | Begine with the introduction postering etc. The king being on his throne Majavarayani in his palace at Madura, ordered the issue of a charter exempting from all taxes contain lands purchased by the temple from the assembly of Bajaraja-chakurvedimangalan, commencing with the 1st |
| 610           | On the south wall of the same mandaps  |          | :   | 13 + 3rd year   |   | 3rd year of his reign. Signed by Valudinant, warm are 1st velan and the minister Adityadovan shae Pullavarayan. This registers the entry in the lonks (nivari) with reference to   |
| 511           | Do.  | :        | :   | :   | . Do                                    | the above transaction and is signed by many officers.  The king's chatter, the report thereon, the register entry, the kadsiyidu of Malavarayer and Künakarayer being all reseive.   |
| 613           | Do.  | ;        | Tribhuyangchakrayartin Konerimel-                             |   | 5                                       | ed through Tirukkudandai Tennan Solaidasan, the assembly of Rajaraja-obaturvedimangalam issued their order to the temple authorities to utilize the income on the said lands for the various services mentioned.   |
| 613           | Do   |          |   |   | :<br>}                                  | This is the order issued on the 1,592nd day after the 13th year to register and report upon the exemption communicated in No. 509 above.   |
| ,614          | On the base of the north verandah in the<br>first circuit of the same temmile                                  | Pandya . |   | <br>2nd year, Âui   | Do                                      | Communication from Majavarayan to the temple authorities informing that orders have been passed and received on the above transaction.   |
| . <b>61</b> c | In the north wail of the mandapa in front of the central shrine in the Kiddhañjarte vara temple at Papangulam. | :        | Valuii In uirsok drīgadēva.                                   |   | Do                                      | Scraputi-Alvar at the temple of Javatonga-Vingagar-<br>Emberuman of Vadatalaikalan. Unfinished and mutilated. Ale of land to the temple by the<br>residents of Kagkurjohchi alias Vikranandya. The amount  |
| 616           | On the east wall of the eccond prakars of the Ramssvamin temple in the same village; right of entrance.        | :        | :   | Saka 1562,<br>Kollam 816,   | Do .                                    | paid was 320 kuligai panum. Prior to this sale the land was mortgaged to Vikhirapandiyasolakonar and to Narasinga-panuur and Mananankakaran. This was constructed by a certain Krishnappayyar for the merit of Valdynanavar Ramanawar.   |
|               |  |          |   | Avaņi, 31 tēdi,<br>ba. di. <b>eka</b> dast,<br>Wednesday,<br>Punarvasu, | *************************************** | ayyar.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|            |  | _        |  |   |                              |   |
|------------|--|----------|--|---|------------------------------|---|
| o<br>Z     | Place of inscription,  | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and alphabet.       | Remarks.  |
| ,617       | On the same wall; left of entrance   | :        |  | Saka 1562,<br>Kollam 815,<br>Vikrama, Adi,<br>23 tedi, su. di.<br>Paurnai, Wed-<br>nesday. Sraya. | Tamil                        | This was constructed for the merit of Krishnappayyer.   |
| \$18       | On a rock at Pachcharkulam at Kil-Ambur.   | :        | :  | na.   | Vațțe]uttu<br>(Tamil verse). | Mutilated. Mentions Ravivarman, the king of Venadu.   |
| 619        | On a slab set up near the tank at Pungurichchi, a hamlet of Mel-Ambur.                                       | :        | :<br>:   | Saka 1660, Kollam 813, Bahudhanya, Vaigasi, 16 tedi, suldir, suldir, Hasta.                       |                              | Refers to the gift of certain taxes by the Nathwar of Anbar, Alvarkugiobehi, Kittinapuram, Kadaiyam and other villages to the temple of Sivasailanathasvamin. These were levied on traines residing in the eastern corner of Anbar Porankutichohi ains Pudukrajam, for the merit of Nagaiya-Viseanatha Nayaka-Tinunalai-Nayaka and of Vaidyappayar, Ramappayyar and Krishnappayyar. |
| ,520       | On the west wall of the mandaps in front of the central shrine in the Sivasailse. vara temple at Sivasailam. | :        | :<br>:   | Śaka 1509, Kollam 763, Farvajit, Āvaņi, 2 (6] tedi, ba. di, trayodasi, [Monday].                  | Do                           | Registers that Applygondanayinar, the pupil of Umayoungaga-Mudalivar-pundaram and his party were appointed to do the services of maybatya (keeping accounts), firmilabahobanai and general supervision in the temple of Sivasailamudaiya. Tambirana at Sivasailamudaiya. Tambirana at Sivasailamudaiya.   |
| 159        | On the gopura of the sume temple ; left of entrance.   | :        | •  | Kollam 823,<br>Kartigai, 22,<br>tedi.   | Do. :                        | Food to paradesis was regularly distributed in the time of Ramappayyan. In the time of Sokkalinganayakkarayyan it continued with a break of 5 or 6 days. This defect was rectified by Raghunathagiri-tapasi ou representing it to Sokkalinganayakkarayyan and the 12 padis of cooked rice to the paradesis was received.  |
| <b>623</b> | On a rock at Kil-Kadayam   | . Раџдуа | Maraverman alias Tiibhuvanaohakravarin Kavinarapslan Vikrama-Paṇḍyadēva. | 3rd<br>Purattādi, 19<br>tedi.   | :<br>:                       | Having come to Madakantchi in Mulli-nadu, the king was pleased to make a grant of land at Kadayan alias Vikrama-Pandyangullur in Konadu to maintain the service called Vettum-Scentrinlardyangulant to maintain aome servants in the temple of litukkunglanudaya-Nayinar in Ienyarinadu. The grant, it is stated, took effect from Kollam 692.                                      |
| 623        | On the west and south walls of the central shrine in the Kalyani-Amman temple at Mel-Kadayam.                | Do.      | Jatavarman alias Fribluvanachakra-<br>vartin Strallabha.                 | 18th year   | Do                           | Built in at the bottom. Begins with the introduction Fountaine Mentions Rajuraja-chatur-vedimangalam.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.           | Place of inscription.  | Пупавту.         | King.   | Date.                              | Language and alphabet. | Remarks.   |
|---------------|--|------------------|---|------------------------------------|------------------------|--|
| 753           | On the south wall of the same shrine   | Pandya           | Majavarman alias Tribhuvanaobakravartin Sundara-Pandyadova, 'who was pleased to distribute the Chola country'.  | 18th year                          | Tamil .                | Built in at the bottom. Begisters the sale of the Udaiyaneri sank with the lands below it, reolaimed and built by a certain Senapati-Udaiyai, Valevam alias Viraman of Pannangudi in Milli-inadu, to the temple of Kaliyaga-Ramsovan-mudaiyar at Könadu-Kadayam alias Virama-Pandyanallar, by the karanawar and the tandirattar of the pariktiragam of that village. It was stipulated that Viranam retained the right of possession (Rani) while the temple aniowed the   |
| <b>\$</b> 26  | On the west and south walls of the mandaps in front of the same shrine.  | D <sub>0</sub> . | Maravarman alias 'Pribhuvanachakra- vartin Sundara-Pandyadeva, 'who being pleased to take the Chola country was pleased to perform the anontement of heroes and victors at Mudigondafolapuram'. | 20 <b>— 18t у</b> маг,<br>Valgasi. | Do.                    | kadanai.  The members of the village (ar) who performed the Senapatitation and dandensykan and the landirattar who belonged to the parikiragem of Könadu-Kadayam alias Vikrama-Pandyanallur, gave their maintenance (jivita)-lands under Andarkulam to Dasaratha-Ramisraramudaiyar in the temple of Str. Kailasam of that village in order that the worship and efferings to the several yods and godesses set up by them in that temple may be conducted. In doing this, the temple was required to pay some money to three different mortgagees and to get the release of the lands. The donors agreed to pay injudu and carrifyidad on these lands by rescoving for themselves I kalam of paddy, neach ms of wef-land on which grops had been |
| 228           | On the north and west walls of the unadapa in foot of the central shrine in the Varadaraja-Perumaj temple at Vadakku-Karakkurichchi. | Do:              | Magavarman alias Tribhuvanaohakravartin Su[nda]:a-Pandyadeva, 'who having taken the Chôla country was pleased to perform the ancintment of heroes at Mudigondasolapuram.'                       | 20th year and<br>556th day.        | Do. :                  | nd stones or coduction king at the free in ord   |
| 527           | On the west wall of the same mandapa   | :                | Tribhuvanachakravartin Könerinmai-<br>kondan.   | :                                  |                        | <u>ن</u>   |
| 88.           | On the same wall   | :                | :   | 20th year                          | Do                     | Fragments. It is not unlikely that this and the above fragmentary inscription are connected with No. 526, containing as usual the orders of the executive officers and of the assembly.  |
| 238           | On the east wall of the mandapa in front of the central shrine in the Kulasekharunatha temple in the same village.                   | <u>:</u><br>:    | Tribuvanachakravartin Kongrinmai-<br>koņdaņ.  | :                                  | Do                     | Built in at the end and much damaged. Seems to register an order of the king to make certain lands tax-free for the benefit of the temple of Kulaisekhara-Israramdaiya-Navanar at Karikuriohdii alias Sundara-Pandyanallyr   |
| <b>6</b> 30 C | On the same wall   | :                | :   | Saku 1477 and<br>Kollam 7 • •      | Do                     | (a hamlet of) Seramadevi-chaturvedimangalam. Built in at the beginning and damaged. Registors a gift of land by Ekambara-Mudaliyar, the agent of krishnappa-Nayaka, for a flower-garden to the temple of Kulaisekara-mudaiya-Nayinar.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|                               | 210. 20.   | \  | (   | deallon, 1011  |   | - 101                         | , 10  |
|-------------------------------|--|--|---|--|---|-------------------------------|---|
| Кетатка,                      | (tift of land by Sigaikkavudanyan (surmamed) Nalla Madurakayi for offerings, lamp-oil, etc. on Pradúsha days in the temple of Kulskekaramudaiya-Nayinar at Karukurichchi alias Sundara-Pandyanallur the western hamlet of Keravanmadévi a brihaadéya m Mulli-nadu. | Damuged. Registors that the Siva-Brahmanas, Sri-Rudra, Sri-Mahesvana and the military chasses (padaikkanavar)s traobed to the temple of Sasta at Karikmighchi, granted some privileges in the temple to a certain Saivan Panchananan alias Vijayadeva. | Seriously damaged.  | Incomplete. Begins with the introduction general scenarios feeglisters the agenrance that 6 na or land in Scenariomahulevi-chatavvelmanigalam might be made tax-free for the daily offering, of Aynattenma-Vinnagar-Alvar at Pattalandar the esstem han be of Scenariomahadevi-chatur-veltimungulam in Mulli-nadu by the king while he was seated on the throne called Majavarayam in his palace (?) (Serda) at Solakulantaka-chaturvedimangalam in Paganarkangan. | Portions missing. Records the entry in the revenue registers (alvani) of the grant and on No. 631. (dift of one achebu by a bahuean lady for a twilight lamp. |                               | Similar gift by Sattair Tudan one of the nattu-Saliyar, to the same truple.  Begins with the introduction Bower gwarf etc. Registers that the assembly of Scraviinudevi-chaturvedimangalam assigned a portion of a land shready in the enjoyment of the temple in lieu of another which they had grunted to the temple on the cocasion of its foundation, the land contain the same village, called Srivallabha-Vinnagar. In consideration of this new transaction and exclaunge the assembly gave some money to the temple and declared that the land now given was to be a devadance of the temple. |
| I.anguage<br>and<br>alphabet. | [ami]  | Do   | До  | Po. :  | Do  | Do. :                         | Do. 0   |
| Date.                         | Saka 1463,<br>Kollam 717,<br>Purathadi, 25<br>tedi, sin. di<br>pafichami,<br>Saturday,<br>Saubhagya-<br>yoga, Kettai   | (Jyentha).<br>3rd year, Ādi  | [1]2th ,,   | 4th year and 1746th day or 4 + 4th year.   | 4 + 4th year  13 + 9th year,  | 13 + 7th year,<br>Utturayana. | 13 + 12th year,<br>Sittirai-Vishu.<br>18th year   |
| King.                         | :<br>:   | [Jata]yarman aliae Tribhuvanachakra-<br>vartin Tira-Paudyadova.  | Jațavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Bundara-Paṇḍyade[va].    | Jatavarman alias Tribhuvanachakravartin Kulasskharadsva.   | : :   | :                             | Magawarman alias Tribhuvanaohakravartin Vikrama-Pandyadewa.   |
| Dynasty.                      | :  | Pandyn   | Do  |  | : :   | :                             | Pandya  |
| Place of inacription,         | On the south wall of the same mandaps  | On a rook by the side of the Sasta temple, in the same village.  | On a slab built into the wall of a private house in the same village. | On the east wall of the mandapa in front of the central strine in the Kariyamanikka-Perunal temple at Pattamadal.  | 6 On the same wall 6 Do   |                               | On the same wall  |
| No.                           | 631  | 583  | 633   | 88 99  | 686<br>636  | 537                           | 22 OS<br>25 OS<br>26 OS   |

## No. 1635, Home (Education), 10th August 1917

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| 540 On the same wall  541 On the same wall  543 On a slab set up in front of the same temple.  544 On the north wall of the central shrine in the Bilvavananatha temple in the same village.  545 On the same wall |             | ,  | Date.                              | alphabet. | Кспяткв.  |
|--|-------------|--|------------------------------------|-----------|---|
|  | os Pandya   | Jatavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulabekharadeza.    | 3rd year and'<br>291st day.        | and Tunil | Begins with the introduction gave gods etc. Registers the gift of income from an oil mult for unraing a perchallamp in the same femple, by the king while he was scated on the throne called Kalingarayan in his palace (?) at Madura east of Madakkulam, in Madurodaya-valanadu.   |
|  | em6         | : :  | 13 + 12th year,<br>Sittirai-Vishu. | Βο        | Giff of one achchu for a twilight lamp by one of the Arya-bhattas who was a dependant of the temple.  This temple of Nyirattenma-Vinagar-Embergman is placed under this order two of Manamerica.  |
|  | e in Papdya | Jatavarman [alias*] Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasskharadsva. | 18th year                          | Dο        | tion are culptures of two lamp-stands.  Regislers a sale of land by a Brahmana resident of Alvar-Manahlarunamangulam to the temple of Sivalla-Ichchuramudaiyar which had been built by a certain Penma-Nayan  |
|  | Do          | Kulasekharadeva  | 13 + 8th year                      | Do        | alits Irungolan, a rative of Patternsdai the castern hamled of Seravanunadevi-obsturvedimentes am in Mulli-nadu. Gift of Sanai-achehn by Ganaphur Sadanyan alias Jayapalan, a Saliya resident of Possinkudi alias Varaganapadi-nagara in Partessi-nadu. for a nevestual lann to the cennie of   |
|  | ::          | : :<br>: :   | 18 + 1st уевг                      | Do.       | Sivallava-fsvaramudaiyar at Pattanmadai alias Seyapadainaliu, the castern hamlet of Seravaimahadevi-chaturvodinangalam in Mulli-nada.  Fragment. Becords the gift of one achobu for a laup. This is the ulvarientry of the gift of land made tax-free by royal out for the daily offerings of the god and goddes in the temple of Strealla-fehelmanuduiyar consecrated by Penma-Nayan alias Iruigolau at Pattaimadai. |
| _  | Pandya      | Jațavarman alius Tribhuvanaohakravur-<br>tin Kulasekharadeva.    | 13 + [1]st year                    | ···       | Gitt of mot ey for worship to the temply of Sivallavichchuvara-<br>nudaiya-Nayanar by Vikramashingadevan, a native of<br>Thravindalor in Miglat-kapram.   |
|  | Do.         | [Kula]sekharadova  | 18 + 1 + 1st<br>year, Adi.         | Do        | Gift of 8 achelin by a lady resident of Solakulantaka-chatur-<br>vodiniangalini, for providing offerings to the image of<br>Pillaiyar set up by her in the temple. Another gift made<br>by her sister is recorded in the same inscription.  |
| On the south wall of the same shrine   | :           | Tribhuvanacbakravartin Könsrinmel-<br>kopdagi.                   | 13 + 15t yoar                      | Do        | Registors that at the request of Majavanayan the king issued an order to make read-free a gift of land for daily offenings to the god and goddess in the temple of Sivallava-Isuram-adaiyar at Pattamadai, which was set up by a certain Pennang-Nayakanar Irungojan; see No. 546 above.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| ₩o.         | Place of inscription.                |         | Dynasty. | • | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | <b>Метак</b> и.  |
|-------------|--------------------------------------|---------|----------|---|---|---|---------------------------|--|
| 550         | On the                               | :       | Pandya   | ; | Jațavarman alias Tribhuvanaohakravar-<br>tin Kulas6kharadeva.   | 13th year and<br>148th day.   | and Tamil                 | Incomplete. Begine with the introduction acts were etc. The king trum his throne called Malayarayan in his pulate at Madura east of Madakkulam, gave at the request of Malayarayan, his assurance that the land, granted as karaman by the assembly of Savan nimahadevi-chalurvedinangulam for the daily worship in the temple of Grivallatohoburamudaiyar at Pattamadai, would be made tax-free; connected with Nos. 546 and 519. |
| <b>.</b>    | Do                                   | :       | Do.      | : | Do. do.   | 9 + 3rd year, Mesha, 4, 6u. di. dvadasi, Monday, Rohi- pi.                    | Do.                       | Begins with the same introduction. Gift of hand by the big assembly of Seravannahadevi-chaturedinnangalam for the daily offerings in the temple of Sivallava-Isvaremudaiya-Paramasvanin and in the shrine of Ayirattenna-tiruppalliyarai-Nachchiyar at Pattumadai.   |
| 552         |                                      | n front | Do.      | : | Maravarm alias Tribhuvanachakra- avartin Kulasskharadsva, 'why was pleased to take all countries.'              | 3[3]rd year,<br>Vrisohika, 2[7],<br>su. di. ekadasi,<br>Wednesday,<br>Asvini. | Do. :                     | Daniaged. Gift of 4 notichu for a lamp to the temple of Srivali-Isvaranudaiya-Nayanar by one of the merchants of Ulaguy, yavandapandyanaliar. The Siva-Biahmanas of the temple agreed to meintain the lamp from the accraing interest.   |
| <b>8</b> 08 | On the                               | •       | Do.      | : | Magavarman alias Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to distribute the Cholin country'. | 1[1] + 1st year   | Ъо,                       | Unfinished and damaged   |
| 654         |                                      | :       | Do.      | • | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin  | :   | Do. :                     | Built in at the end and damaged. Seems to record a gift of money for a lamp. Signed by Sivalla-Brahmadharayan.   |
| 999         |                                      | ніфара  | Do.      | : | Kulasekhara   | :   | Do                        | Fragmentary. Contains portions of the introduction of Jatavarman Kulasokhara I which begins with the words   |
| 556         | On the west wall of the same mandapa | sq.     | Do.      | : | Sundara-Paṇḍya  | :   | Do                        | <u> </u>   |
| 567         | On the same wall                     | :       | Do.      | : | Jatavarman alna Tribhuvanachakravar-<br>tin Vira-Paṇḍyadeva.  | 3rd<br>Margaļi.   |                           | loyarals in the temple. The santanash-damma was granted by the Sri-Rodras and the Mahesvaras of the temple.  Damaged Registers that the Sri-Rudras, Sri-Mahesvaras and the Devakumis of the temple of Syahikusrammalay at at Patamada granted I ma of land and certain privileges in the temple to the temple, danoing girl Uyyavandal Alagiya.  |
| 999         | Do                                   | :       | Do.      |   | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin [Konérinmai]kopdan Kulu-<br>66kharadéva.                                | 9th year,<br>Saturday,<br>Viéakha.  | Do                        | Sour alles of transfer than angal, for enacting the drama on gone festival days.  Built in at the end and bottom. Seems to record a gift of land.  |

| 1916-cont. |
|------------|
| Ξ.         |
| copied     |
| ne         |
| iptio      |
| inscri     |
| BStone     |

| ,           |   | Dynasty    | Kine   | Date.   | Language and | Remarks.   |
|-------------|---|------------|--|---|--------------|--|
| Ö           | riace of insoription.   | e y many . | .00  |   | alpasper.    |  |
| 669         | On the south wall of the same mandapa   | :          | Tribhuvanachakravartin Könörinmel-<br>kopdan.                    | Könörinmel-   11 + 1 + 1st year   | Tamil        | Registers the royal order usened at the request of Majavarayan to grant some land at Seyapadainalliar and Desimanikkanalliar with all means as tax-free devadans, to the temple of Syrallianramadaiyan, to register the same in the nivari and to serve the same in the nivari and   |
| 660         | On the same wall  | Paņģya     | Mapavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Suntara-Paṇdyadova. | Ö   | Ъо. ::       | offerings and maint things the festival of Panguni-Uldaram, his birth-day asterism, instituted in that temple by Virara-jendrasola-Vallavandalvar; compure No. 566. The actual order was issued on the 1919th day after the 11th year.  Begins with the infreduction [game ; **Bottu-, ctc. The king heigh setted on the throne called Malavanayan in his pulace at Madurai eact of Madakkulam is stated to have promised the gift of the hards mentioned in 559 above. The festival Panguni-Litiram was instituted to celebrate the birth-day star Uthram of Virualfondar-Vallavanadalvar and the handen given at the two villages formed part of the maintenance of the padiyilar of those villages. |
| 199         | Do  | :          | :  | 1)0.  | Do           | Registers the entry malvare of the grant of hand made by Irasingan Vikkiraman alias Virarajandrasola Valluvanadal.   |
| 862         | Do. : :   | Paṇdya     | Maravarwan aliaa Tribhuvanaohakra-<br>vartin Sundara-Pandyndova. | 11th year   | Do           | van of Kanituran in Malai-inangalam.<br>Gift of Luchchu for a lamp by a private individual. Quotes<br>the 6th year of Periyanayanjar Kulasékharadévar.   |
| <b>56</b> 3 |   | :          | :  | •   | Do           | This secred flower-slab is the gift of Saryadovan Ambalavar alias Kuluisekhura-Muvendavelur.   |
| 7664        | same temple. On the north wall of the central shrine, in the Vorketachalapati temple at Karlsulndamangalam. | <u>:</u>   | :  | Kollam 677,<br>Āvani, 10 tēdi,<br>śu. di. Frīday,<br>daśami, Sru-<br>vana.    | Do           | Registers the consceration of certain persons, men and women, as servants in the temple of Ten-Timuvengadaa-Vinnagar-Enhermman in Ten-Timuvengadam alias Amararajapuri-chaturvedimangalam in Mulli-nadu (Tuese had also to deservice in the magha attached to the temple) under orders of the assistant manager (strikarya-sishyan).   |
| 565         | On the same wall  | :          | :  | :   | Do           | Incomplete. Records the appointment of a certain Ten-Tiruvenigadamanikkan as the nucleian of the temple, stipulating that herself and her two brothers should be the hereditary servants of the temple.  |
| න<br>භ      | On the west wall of the same shrine   | :          | :  | Kollam 674,<br>Mesha, [1]<br>tedi, ba. di,<br>pañohami,<br>Thursday,<br>Mula, | Do. :        | Unfinished. Refers to the repairs and reconsecration of the temple of Ten-Tirovengads-Vinnagar-Emberaman at Bhavandsini-tretha on the southern hank of the tag river Tap-Porundam (i.e. Tambraparam), wershipped (in early times) by the enge Romass-maharshi. The lands belonging to the temple when placed in the hands of a certain Mukundamada-Sripada and the chief Markanda Adigal of Jayashihanada, for being managed and used for the temple and the mathatemple sulve to three women-servants to do service in the temple and in the matha.   |
|             |   |            |  |   |              | AND  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No. | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet.           | Romarks,  |
|-----|--|----------|--|--|-------------------------------------|---|
| 292 | On the south wall of the same shrine   | :        | :  | Saka Nariloka<br>(i.e., 1320),<br>Mithana.                                       | Grantha                             | Regreters the repairs and the reconsecration of the temple of Venkatapsti by the yati Mukundananda.   |
| 999 | пе wall  | Paṇḍya   | Kulasskhurassva, 'who was pleased to take all countries.'  | 2 <sub>(</sub> 9]th year   | Grantha and<br>Tamil.               | Neords that the vimana (central shrine) was repaired by the Lata. Pittust-Rabuttar son of Kalist-Rabuttar. The Sanskrit portion says that in the 30th year of Kulasekhars the temple of Venkatésatman on the bank of the Mauktikavahini (i.e., the Tämraparni) was rebnilt.   |
| 694 |  | i.       | :  | Kollam 693,<br>Tai, 3 tedi, ha.<br>di. shashthi,<br>Wednesday,<br>Hasta.         | Tamil                               | Registers that seven persons, both men and women, were appointed for hereditary service under the orders of silkaryseishya in the tample and in the matha of Ten-Tiru-vengada. Vingagar-Embermani in Ten-Tiruvengadan alias Amerarajapuri-ohaturvedinankulan in Mulli-nadu  |
| 029 | On the east wall of the mandapa in front Pandya of the same shrine.                          | Рапфуя   | Maravarman alnas Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to distribute the Chola country.' | 14th tedi,<br>su.di.<br>Rohipi.  | ;<br>°a                             | Incomplete fragment.  |
| 671 | On the west wall of the same mandapa.  |          | Jațavarman aliss Tribhuvanachaktavar-<br>tir Kulakêkbaradêva.  | 9 + Srd year,<br>Makara,5 tedi,<br>sn. di. tritiya,<br>Monday, Utti-<br>rațtadı. | Tamil (of about the 13th centrury). | Giff of 3 anai-achehu by a merchant residing in the street called Ulagnyyavanda-Pandya-perunderu, in Kalisayamun-galam from providing the kifehen requisites in the temple at Ten-Tiravengadam the eastern handet of Seravaimahadevidanting alam in Mulli-nadu.   |
| 673 | On the south wall of the same mandaps  |          | Maravarwan alias T[ribhuvanachak]ravartin Sundara-Paņdyadēva.  | year, Simba, 55 tedi, di. chaturdasi, Friday, Dha-                               | l'amil                              | Fragment, Mentions the temple of Ten-Tiruvengadam in<br>Kalisayanangalam.   |
| 813 | On a side wall of the verandah to the right of entrance into the prakara of the same temple. | <u>:</u> | :  |  | Telugn                              | Built in at the end, Mentions the sons of the Mahamanda-<br>lesvare Rameraja-Timmeraja, viz., Timme [la jetova-Maha-<br>raja, Vithelesvaredova-Maharaja, China-Timmayudeva-<br>Maharaja, Papa-Tim [mayadeva-Maharaja]. Records that<br>a cortain Narayanapa son of Chikaran visited the termlo  |
| 674 | In the same place; left of entrance  | :        | :  | Śaka 1[46]7,<br>Kolłam 730.  | Tamil                               | of Thruvengalalatha at [Karucher]mangalam, sot up a shrine of Lakshmil-Narayana in that temple for the merit of his wife and his master Kamaraja-Timmaraja and provided for offerings.  Built in and damaged. Mentions the Mahamandalesvara Ramaraja-Vithalesvara [deva] Timmaya [raja], and records a gift of land for daily offerings to the temple of Ten-Tiru-vengadanatha. |

| 1916-cont      |
|----------------|
| Ξ.             |
| copied         |
| 00 8           |
| ption          |
| e inscriptions |
| Stone          |
| В.             |

|      | •   |                          |     |                  |          | -  |                        |  |
|------|---|--------------------------|-----|------------------|----------|--|------------------------|--|
| No.  | Place of inscription                                | ription.                 |     | Dynast <b>y.</b> | King.    | Date.  | Language and alphabet. | Кепнаткв.  |
| 57.6 | ()n a slab built<br>satue temple.                   | at the entrance into the | the | ;                | <b>:</b> | Viévavasu,<br>Sravana,<br>[su.] 10,<br>Kollam 720,<br>Ādi, 20.   | Vamil and<br>Telagu.   | Refers to the worship of Tiruvengalanatha at Kulasskhara-mangalam by Chikkanayyar Naranappan. The Telugu portion calls the sense person Narayapas son of Chikarasa and states that we visited the temple of Tiruvengalanatha as the tenselee (stardput) appointed by Yera-Timmaraju.   |
| 916  | On the cast wall of the prakara of the same temple. | the prakara of 1         | the | :                | ÷        | Kollam 688, Makara, 10 tedi, su. di. ttilitya, Thursday, Satabhishaj.  | Tamil                  | Incomplete. Registers that Mukundananda-Sripada, a teacher in the line of Faramahaina Parivrajakacharya Dovendrapuri, appointed one of his capable pupils to manage the business commeted with the terripe of Ten. Tiruvengada-mudaiya-Nayagar and his own matha. The circumstances under which the new appointment was made are given in full detail and suggest that the recommendations of a sabha  |
| 713  | On the same wall                                    | :<br>:                   | :   | :                | ÷ .      | Kollam 720,<br>Sittinai, 21<br>tedi, ba. di.<br>saptami,<br>Friday,<br>Sula-yogu,<br>Gaja-karana,<br>Pushya. | l'euga.<br>Feluga.     | supersedent the enotice of an introducing as prepared that a certain Appai-Ayyangar came to Ten-Timevenjadern allaw Amararaja-chaturvedimengalam as the sthanapati of the temple on behalf of king Egen-Timmaraja, planted the dhvajadambh, (oovered it with oopper, presented the garada-vehiele, stor inneges of 11 Ajvare and gave at silver vessel. A Tehugu inscription of three lines, lelow supplies the date Visvavasu, Ashadha ba. di. 12 and refere to the same facts. |
| 678  | Do  | :                        | :   | :                | :        | Kollam 522,<br>Panguni, 11   | Temil                  | (lift of two washermen to the same temple. V   |
| 679  | Do.   | :                        | :   | :                | ÷        | Kollam 6[8]6,<br>Karttiga, 27<br>tedi, su. dı.<br>[tra]yodası,<br>Sunday,<br>Robini.                         |                        | Gift of paddy for providing offerings on special festival days in the month of Kattigui in the temple of Ten-Tiruvengudamudaiya-Nayanar in Ten-Tiruvengudam alias Amararasapuri-chaturvedimangalum, a brilinadeya in Mulli-nadu, in the presence of Sit-Sankarananda-Sitpada of the matha and the temple servants.   |
| 680  | :<br>:  | :                        | :   | :                |          | Kollam 574,<br>Mina 21, śu.<br>di. daśumi,<br>[Modday],<br>Duchary   | Do.                    | Frigmentary Montions the reconsecration of the templo of Ten. Tiruvengadam on the south lank of the river Tapporundapperaru (i.e., Tanraparul).  |
| 1899 | Do  | :                        | :   | :                | :        | Kolam 74. Ani, 1[9] tedi, ba. di. dvitiya, Surha-yogu Simha- karana, Pür- vaehadha.                          |                        | Gift of paddy for conducting worship on the days of Samkranti in the temple of Ten-Tiruvengadamudaiya-Navanar, by a resident of Kalisekaramangalam.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.     | Place of inscription.   | Dynasty. | King   | Date,   | Language<br>and<br>alphabet. | Kemarks.   |
|---------|---|----------|--|---|------------------------------|--|
| 582     | On the same wali  |          | :  |   | Tamil                        | Built in at the end. Gift of money by a native of Malai-man-dalam for providing offerings in the temple of Ten-liruven-gadamudalya-Nayanar.  |
| 583     | Do. : : : .   | :        |  | Mr.gastrsha.<br>Sabu Masa.<br>Iōka (i.e.<br>1375), Kollum<br>629, Vrischi-<br>ka, 9 tedi, | Camil and Grantha.           | Registers that the saint Mukundananda-Puri the pupil of Puramahames Purivaliakacharya Amararajapari-Sripada was pleased to declare that all the property of the matha be amalgamated with that of the temple and that these together with the jewel of gold and silver, vessels, soins, utensila, valuable of the amatha, he in the aniogeness of  |
| 48<br>4 | Do. : : : :   | :        | :  | Wednesday,<br>Sravana.<br>Saka 1468,<br>Kollam 722,<br>Parabhaya,<br>Margali, 8           | famil                        | the temple. Some stipulations were also made for the auditing of accounts and providing maintenance for the dishyns of the mathn.  Singarayyan son of Ayalur-Tata-Appaiyangar, the sthanapair of the temple under the Mahamandaleyara Ramanan Chinna-Limmayadeya-Mahanaya viaited the temple and gave to Ten. I interplacementally Mananaya viaited the temple and gave to Ten.  |
|         |   |          |  | bett, su. at.<br>paurtami<br>(fullmoon),<br>Monday,<br>Śobhana,<br>yoga, Kohiņt.          |                              | at Multippellian manusammarum actis, vintedepty-chaturvelimatigalum the exesten hamlet of Sitvaherumankalam m Kilveinbarnadu and the taxes of Kalisekhurennangulam which he had obtained as a gift from Ramavarmattiruvadit pandaram of Jayasiiiha-nadu. The taxes are all enumerated.   |
| 685     | On the north wall of the same prakara   | į        | :  | Kollam [609]<br>Avaņi, 18<br>tedi, su. di.<br>pañohami,                                   | Do                           | Registers the assignment of certain persons, men and women, as temple servents.  |
| 586     | On the north wall of the central shrine in the Sundarcevara temple in the same village. | Pandys   | Jațavarman alias 'fribhuvanachakra-<br>vartin Vira-faṇḍyadeva. | Monday, Pushya. 9th year, Sittirai.   |                              | Gift of 2 achebn by a merebant residing at Kottagu in Malaimandalam, for naintaining a lamp near the inniges of the goddess and of Vinayaka set up by himself in the temple of Kana-Iniya-Pandifevaraundalya-Nayanar in Kaliseyaman-milamathanar the section of the formula of the f |
| 289     | On the same wall  | Do. ::   | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasékharadéva.  | 3rd увят  |                              | garan are cassern framed or Schwannandevi-onituryeninantigalam. Unfinished. Seems to register a gift of land to the image of Kshetrapala-Fillaiyar in the temple of Kanavniya-Pandis-varamudaiya-Nayanar at Kalisayumangalam set up by a certain Immelytaniyan Nambi alias Virusola-Mavendavalan   |
|         |   |          |  | :   | -                            | of whathu rear Kalbayanangalam.  |

B.—Stone insoriptions copied in 1916 -conf.

| Remarks.                    | Gift of paddy from the fields of kudimakkal, in pura-pagu, vettakkara-pagu, lirahmana-pagru, padai-pagu and nagrangal of the village, by he amembers of the vissembly) of this village, for repairs (timphani) to the tample of Kanavinys-l'āṇāl-lsaaramudaiya-Nāyaṇār at Kalijayamanga-lam in Mulli-nadu. | Built in in the middle and unfinished. Gift of land for offerings to the inage of Vighna-Vinayaku-Fillaiyar in the temple at Kalisemangalan by the big assembly of Seravanmahadevi-chaturvedimangalam. | Unfinished. Refers to the same gift and states that the image of Vighna-Vina, aka-Pillaiyar was set up in the temple of Kapwiniya-Pandi-Yisvananudaiya-Nayanan by a certain Udalyandal one of the servants of Agappariyaram. | In modern characters. Gift of 64 cents of land in the village of Karistilndamangalam and Késvasamudrum by daryamanitya. Pillas son of Starenna. Fillas the latter village, the milling son of Starenna. Fillas of the latter village, | Much damaged. Refers to the celebration of the ceremonies of kershanged, kumbhabhishēka and byappratishiha. | Danuged. Registers that the villagors of Kalisayamangalam assembled as ut a greed to give 3 [kalam] on each ma of harvested land in licu of the taxes (inst) extent to be | the king in awour of the temple of Ka<br>or worship and offerings to the temple of Ka<br>Hoholuuranudaiya-Yayanar in Kalisekara-m<br>eastern hamlet of Servanmahadevi-chaturve<br>Mentions the asterism Bharani in the mor | of Sittirai, on which the donor was born. Signed by Mattandan Sivindiranudayan. Danaged. Registers that a certain porson the son of Sanasi Danaged. Registers that a certain porson the son of Sanasi Virappa built a shrine for Alagija. Jya (f) in the temple of Kanal andésvara, repaired the sikham and other parts of the temple, secured for it 3 ma of land at Charumabadévi with the permission of (king) Udayamartanda-Girāpapura (Sri-Ramavarman P), gave a perpetual lamp and servants and arranged for worship. |
|-----------------------------|--|--|--|---|---|---|--|---|
| Language<br>and<br>alphabet | Camil  | Do. :  | Do.  | D3. :   | Do.   | Do  | Ds   | Капатево  |
| Date.                       | 10th year  | )rd year,<br>Āvaņi.  | Ρο.  | Kollam [9]90,<br>Sittirai, 16<br>tedi.  | Saka 1609,<br>Krodhana J.<br>Masi, Mina-<br>tedi, Mina-   | l 4 th year,<br>Sittirai.   | [Kollam] 617,<br>Sittirai, 16.   | Kollam 616,<br>Raudri, Chai-<br>tra, fu. di.<br>16, Svati,<br>Sunday,<br>Rishabha.  |
| King.                       | Jatavarman alias Tribhuvanachakra-<br>varim Vra-Łandyadeva, 'who was<br>pleased to take the Chola country,<br>Jam (Ceylon) and the crown and the<br>orowned head of Savagun,'  | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartiu Kulasekhara.  | Do. do   | :   |   | Jatavaman aliss Tribhuvamechakra-<br>vartin Sundara-Paņdya  | ;  | :   |
| Dynasty                     | Рацдуя   | Do   | Ъо.  | :   | :   | Paṇdya  | :  | :   |
| Place of inscription.       | On the west wall of the same shrine  | On the south wall of the same shrine   | On the same wal!   | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.  | On the same wall  | 1)n the north wall of the Sundara-Nayaki-<br>Amman shrine in the same lemple.   | On the east wall of the mandaps in front of the same shrine.   | On the north wall of the same mandapa .   |
| Ä.                          | 80<br>90<br>10   | 589  | 690  | 69  | 592   | 593   | 169  | 0 - 208 -   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|                               | Кешатка,               | gins with the introduction gagedou Sgreenses etc. Damaged Stones missing at the end. Records that at the request of Srikeilasanundaiyān, a native of Tiunelveli in Kil. Vembai-nādu, the king mada a rent-free grift of land in  | "Pownship Kanallar in Anth-madu for the daily offerings and worship in the temple of Madurai-udaiva-favara-mudaiyar built by tim at that village.  Built in at the end. Seems to record the gift of kadurai on an oil-mil. for mantaning a farm in the abrine of the   | goddess in the temple at Desamanikanallar in Mulli-nadu. Gift of land for conducting offerings and working on the two festivals in the months of Sitting and Avani in the temple of Adittavannutchchurannutaiya-Nayinar at Seval alias Virakaralnusllur a brahmadéya in Mulli-nada, by Murtti- | Mayaka, an agent of Rannapa-Nayaka and Kadaikkuttu-Sayaka pperunal, (on behall) of the king.  Gift of a devidena hold (pattayam) of lant in Desi, Serval and other places in hieu of an annual inc me of paddy to the temple of Aditya, and nohuwarannudaiya. Nayanar at Sevval alias Virakonalanulur in Mullimadu, by Visvanatha-   | Nayaka, the agent of the Mahamandale-vara Ramaraja Vitthalayadeva-Mahamaja, for the merit of the latter. Built in by a coose well at the beginning. Gift of land in Tryagaphija vaneri-para neer Sevval for conducting special offerings and worship on Sittrai Furadam and Blarani. | festivals in the temple of [Adi]tyavannisvaramidarya-<br>Nayinar. Gives minute details of land-extent in symbols,<br>Partly built in at the beginning and meomplete. Gift of land<br>in Kodanur and other villages for conducting worship to | the god on the Sva'i day in the month of Adi and on Sivaltri, and the worship of the goddess Tirunia-Sundari-Nachchiyan in the temple, on the Tiruvadirai day in the month of Margali.  Records the reconscention of the temple of Udaiyavar at Serval alms Kanaviniya-Pandyn-chiture edinarigalum, on its being leserted during the occupation of the Mahamadans for some time, by Mutfachchau Kandan Koralan of Madiyur-Illam | In Aurakkont-Nothim. He is stated to have renamed the village as Viralegraluallin; to have started the repairs in Kolkun [65] for and to have constructed the whole temple from upana to stupi, to have fourded a shrine for the goddess commencing with the karshana ceremony and to have built the other portions such as the maha-mandapa, sopana etc. He also appointed temple accountants, servants setc, With certain privileges and provide for the data |
|-------------------------------|------------------------|--|--|--|--|--|--|---|---|
|                               | Language and alphabet. | Tumil Begins with Damaged Frquest of Frquest | Proyection of the control of the con | goddess in Do. Gift of land festivals i  of Adittor Virakova la  | Do. Gift of temple the temple the temple tem | Navaka, 1 Vitthalava Do. Built in Vitth  | festivits i<br>Nayinar.<br>Do Partiy built   | Straatri, and the Straatri, and the Nachchiyar in the Month of Margali.  Do. Records the reconscorrables Eanwiniya-Heserted during the time, by Mugach  | village as village as Kolhum (6) from upar goddess e. have bulk sopana etc., vants etc.,  |
|                               | Date.                  | 5 + 1et your   | :  | Sadharanu, 11<br>Avaņi, 11<br>tedi, and<br>[Kollum   726.  | Śaka 1472,<br>Sadharana,<br>Kanya, fu.<br>di. dyadasi,<br>M. dyadasi,  | Kollum [6]90,<br>Puratṭadi, 27<br>tedi.  | [Kollam P] 690   | Kollam 691,<br>Puruttadi, 2<br>tedi Saka<br>142[8], Kol-  | 15 tedi, ha<br>di. trayodasi,<br>Monday, Pur-<br>vashadha   |
| mordo annad transition of the | King,                  | Magavarman ahas Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadeva, 'who was pleased to take the Choln country.'  | ÷  | Mahamandalogvara Ramuraju-Vijthidu-<br>dova-Maharaja Chima-Timmayu-<br>dova-Maharaja.  | Viragratapa Sadasivadéva-Maharava  | :  | :  | Vira Kirda(?)   |   |
|                               | Dynasty.               | Рапдуа   | :  | Vijaya-<br>nagara.   | Do,  | :  | :  | Transacture et.   |   |
|                               | Place of inscription.  | On the west wall of the central shrine in the Adityavaranésvara temple at Melachchevval.   | On the south wall of the same shrine   | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine.  | On the same wall   | On the wall of the west verandah in the first prakara of the same temple.  | On the same wall   | On the wall of the south verandah in the same prakara.  |   |
| -                             | No.                    | 2596   | 269  | 869  | 60.9   | 000  | 100  | 809   |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| Photo of incerption.   Dynaty.   King.   Date.   Language and   Remarks.   Language and   Remarks.   Language and   Language   |             |   |          | •                                 | 0.01   | cone.                  |  |
|--|-------------|---|----------|-----------------------------------|--|------------------------|--|
| Columb and wall   Columb and   | No.         |   | Dynasty. |                                   | Date.  | Language and alphabet. |  |
| Do.    | <b>6</b> 03 |   | :        | :                                 | lam<br>, 15  | Tamil                  | <u>~</u>   |
| bo Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do  | 909         | Do  | :        | :                                 | di. †<br>r, Ma<br>vash<br>ram  | Do.                    | Of Aditynvarmisvaramudaiya-Nayinar at Serval aina Virakeralamallur, with all privileges by Kandan Keralam mentioned in No. 602 ahove.  Repeats the facts mentioned in No. 602 and registers the appointment of Sattakkutti the daughter of Ennashedium.  |
| Do. Do. a slab set up in the cast veranduh of the same prakara.  On a pillar set up behind the central temple at Desama in them in the pravestvanin temple at Desama.  On a pillar set up behind the central temple at Desama.  On a pillar set up behind the central temple at Desama.  On a pillar set up behind the central temple at Desama.  On a pillar set up behind the central temple at Desama.  On the pillar temple at Desama.  On t | 605         | Do  | -        | :                                 | tedi, ba. di<br>trittya, Sat-<br>urday, Hasta.<br>Saka 1432,<br>Kollam 686,<br>Masi 20 tedi            |                        | danoing girl of Vira-Pandiohobuvaramudalysa-Naymar at Katkanamangalam in Amudaguna-valanadu, and her party to the first kudi preseribing certain duties and specifying the emoluments.  Do. Registers the appointment of a daughter of Sattakutti and others us the second kudi in the same tomple.  |
| On a slab act up in the cast verandah of the same prakara.  9 On the north wall of the kitchen in the same triange.  10 a pillar set up behind the central and the prayavésvurasvámin temple at Desamanite. Roman temple at Desamanite. Sokranáthavámin temple at Desamanite. Roman te. Romanite | 909         | :<br>:  |          | <b>:</b>                          | ba. di. tritya.<br>Saturday.<br>Hasta.<br>Kolam 690,<br>Masi. 20 tadi.<br>6u. di. tritya,<br>Thursday. | .:<br>:                | Registers the order of the temple, that the first kudi Ayyana-<br>yingl should receive 4 nall of cooked rice each day. Also<br>registers the order of the king to assign 4 nall of cooked  |
| Prakara.  Prakara.  On a pillar at the entrance into the same prakara.  On the north wall of the kitchen in the same railage.  Navanita-Krishna temple in the same railage.  Virapratapa Sadativadeva-Maharaya Saka 147[2], Tamil village.  On a pillar set up behind the central shrine in the Pranavésvarasvamin temple at Omanallur.  On two pieces of stone preserved in the Sokkanathasvamin temple at Desama-nikam.  On two pieces of stone preserved in the Sokkanathasvamin temple at Desama-nikam.  | 409         | On a slab set up in the cast verandah of<br>the same prakars.                                     | :        | :                                 | Siddba-yoga,<br>Uttara-Bha-<br>drapada.  | Do                     |  |
| On the north wall of the hitchen in the same range.  Navanita-Krishqa temple in the same range.  Vijayanaga. Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya Saka 147[2], Tamil Kanya, eu. di. dasemi, emple at On a pillar set up behind the central shrine in the Pranavésvarsavamin temple at Ontwo pieces of stone preserved in the Sokkanathasvamin temple at Desama.  On two pieces of stone preserved in the Sokkanathasvamin temple at Desama.  IKollam] 818, Do Inikam.   |             | On a pillar at the entrance into the same<br>prakara.   | :        | :                                 | , ,<br>, , ,   | Tamil verse            | Munaiyadaraiyattattan, a [gold]-smith of this village. Reovds that Kayilayan Mattandan, son of Marigai-Anantan, had a maha-torana tamp deet and set the teams of the teams of Marigai-Anantan, mandana At the teams of the teams o |
| On a pillar set up behind the central shrine in the Pranavéévaraevamin temple at Omanallur.  On two pieces of stone preserved in the Sokkanathasvamin temple at Desamanian inikam.   |             | On the north wall of the kitchen in the Navanita-Krishna temple in the same village.              |          | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya | , Pushya.<br>147[2],<br>harana,<br>ya, su.<br>dusemi,<br>iay, Ut-                                      | Tamil                  | Records the remission of certain taxes due to the king on land, in Tiyagapan javanéri and other villages belonging to the temple of Sri-Krishna on the east side of Sevval alias Virakerala-chaturevdinningalan in Mulli-nadu, for offering cakes daily to the most here also between the temple.  |
| Sokkanathasvamin temple at Desama- nikkam.  Valgasi, 10  tedi.   |             | on a pillar set up behind the central<br>shrine in the Pranavésvarasvamin<br>temple at Omanallur. |          | :                                 | 48 C   | :                      | that Nayaka, for the merit of the latter.  Modern. Records a sarvamanya gift of two tanks to the temple of Piranavésvarasvami.   |
|  |             | Sokkanathaavamin temple at Desama-<br>nikkam.   |          | •                                 |  | :                      | Records a gift of land for conducting the Vilapusai in the temple of Sokkanathasvamin at Desamanikanallur.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.    | Place o  | Place of inscription. | ption.            |                    |          | Dynasty.          | King.   | Date.                                  | Lan                      | Language<br>and<br>alphabet. | Remarks.   |
|--------|--|-----------------------|-------------------|--------------------|----------|-------------------|---|--|--------------------------|------------------------------|--|
| - R19- | On the north wall of the central shrine in the Ammanathasvamin temple at Sermanderi. | of the                | oentral<br>1 temp | shripe<br>lo at Sa |          | Chola-<br>Pandya. | Jetavarman alias Sundara-Chola-Pan-dyadeva.                   | 13th year                              | Tamil                    |                              | Sale of land by the big assumbly of Nigarilisola-chaturvedi-<br>mangalam to the temple of Srikailasan-Udaiyar of this  |
| 613    | On the same wall   | :                     | :                 | :                  | :        | Do.               | Magavarman alias Udaiyar éri-Parakra-<br>ma-Chòla-Paṇdyadeva. | 4th ,,                                 | Do.                      | •                            | village.  Damaged. Gift of money by a certain Yegudeva and (his wife) Somadevi of Kasimi[ra* jdess for maintaining a lamp in the temple of Kailayamudaiyar at Nigarniseja-chuturvedimangalam a brahmadeya in Mulli-indu a sub-division of Utamaséola-valanadu in Rajaraja-Pandinadu.             |
| *19    | Do.  | :                     | :                 | :                  | :        | Chole             | Parakesari varman alisa Kajendra-Oboja-<br>deva.              | • 6th                                  | · vatt                   | Vațtelattu .                 | Begins with the introduction Bendraleur sto. Gift of the right of hereditary karamun over a dovadana tank to the morchant Mannerkajan alias Tiruniakanda setti, of Nagaram Rajendrasolapuram, by the assembly of Nigariisaja, obaturvednianakajan a brahmadaya of Majirnada.                     |
| ļ      |  |                       |                   |                    |          |                   |   |  |                          |                              | Rajaraja-mandulam. The merchant was required to pay 2 kas to the temple of Kailayamudaiyar as ulavukūšu on   |
| 916    | Do.  | :                     | :                 | :                  | :        | Chola.            | Jaka Jvarman aleas Udaiyar firi-Sundara-                      | 1[0]th,,                               | Tamil                    | :                            | each vell of land. Incomplete, and stones missing. Mentions the temple of  |
| 919    | Do.  | :                     | :                 | :                  | :        | Do.               | [Mara]varman alias Udai, ar eri-<br>Vikrama-Chola-Paņdyndeva. | 26th                                   | Do.                      | :                            | Solenarsanga-lavaramugaryar.<br>Damaged. Tift for a lamp in the temple of Kuilasamudaiya.<br>Madovar at Nigarilisola-chaturvedimangalam.   |
| 617    | Do.  | :                     | :                 | :                  | :        | Do.               | Jahavarman alias Udaiyar éri-Sundara-<br>Chöla-Pandyadéva.    | 23rd ., .                              | Do.                      | :                            | Incomplete and damaged. Records a sale of land by the assembly of Kajaraja-chaturvédimangalam a brahmadéya in Mulji-nadu a sub-division of Mudigendaséda-valanadu of   |
|        |  |                       |                   |                    | <u>-</u> |                   |   |  |                          |                              | Rajaraja-Pandinadu, to the temple of Kailasanudaiyar in Nigarilisola-chaturvedimangulun a brahmadoya in Mullinadu a sub-division of Utanasola-valandu. In the heginning of the record  |
| 618    | Do.  | :                     | :                 | :                  | :        | Do.               | [Jatavarman] alise Sundara-Chola- 14th Pandya.                | <b>:</b>                               |                          | :                            | duction of Rajondru-Chola.  Registers the gift of half a lamp by a lady to the same temple. Two other fragmentary records of the same king are found   |
| 619    | On the north, west and south walls of the same shrine.                               | rest and              | south             | walls of           | f the    | Do.               | Udaiyar érl-Sundara-Chola-Pandyadova                          | 17th year and 7th day.                 | id Do.                   | :                            | on these stones. Stones missing at the end. Seems to record the remission of taxes with effect from the 16th year of reign, on some  |
|        |  |                       |                   |                    |          |                   |   | ······································ |                          |                              | lands at Kallur in Mol-Vomba-nadu in Mudigondasola-vala-<br>nadu, in favour of the temple of Kailasamudaiya-Mahadeva,<br>by the king when he was seated in the [western] hall of<br>his palace at Rajionduseloglyuram, at the instance of his<br>material uncle (annum). Masticus in the         |
| 620    | On the west wall of the same shrine  | ll of the             | <b>18.</b> me     | shrine             | :        | Do.               | Magavarman alias Udaiyar éri-Vikrama-<br>Chola-Pandyadeva.    | [2]2nd year                            | Do.                      | :                            | income, viz., algerudu-kattohikkasu, katohierudu kasu and urkkalahju and refers to a number of officers of the king. The lands received the new name of Sivanedaschuaranaller. Incomplete and damaged. Records the cuft of sheep for half a lamp in the temple of Sir-Kailasunalayr. Mandewa, hy |
|        |  |                       |                   |                    |          |                   |   |  | <del></del> <del>-</del> |                              | a certain Kuditangi Sen[go di a resident of the (quarter) Seramanar-velam.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| Contine scate will   Chicker   Chi | Z O         | Place of inscription. | inscripti | on.      |   | Dynasty.           | King.                                     | ప                            | Date.     |   | Language<br>and<br>alphabit | Вешаткв.  |
|--|-------------|-----------------------|-----------|----------|---|--------------------|---|------------------------------|-----------|---|-----------------------------|---|
| Do.    621         |                       | не калю   | shrine   | · | Chola-<br>Pandya.  | Jatavarman alias Uds<br>Chōla-Pāṇdyīdēva. |                              | 12th year |   | amil .                      | Same as No. 193 of 1895 Registers that the Siva-Brahmanas of the Aganaligai received 36 kasa from a certain Srikantha Damodarabatha and agreed to burn a lamp in the femple of Kayilayamudanyar. Mentions the temple of Sõlendira- singa-Isvaram.   |
| Do.   1.0  | <b>6</b> 22 | On the same wall      | :         | :        | : | Do.                | . Do.                                     |                              | 1[7tհ] "  | : | Po                          | Beginning and end lost. (lift of 50 shoep for a perpetual lamp and a twilight lamp to the temple of Kayilāsamudaiya-  |
| Do.   1.   Chola   Lagaraman alias Waiyar   Chola   Lagaraman alias   Chila   Lagaraman alias   Chila   Chola   Lagaraman alias   Chila   Chola   Chola | 025         |                       | :         | :        | : | 110.               | Magayarman alfas Uda                      | ıiyar                        | :         |   | Бо                          | Frigmentary, Records a gift of 50 cows for two lamps by Ulagudated  |
| Do.     Chola   Jagavarnan alias Udaiyar     Timil     Pandyal     Pandyal     Do.   Do.     Do.   D   | 624         |                       | :         | :        | : |                    |   | :                            | 24th year |   | 'nttoluttu                  | o took 'Jar<br>De,  |
| Do   | 625         |                       | :         |          |   | [Chola-            | Jațavarunn alias (dai                     | iyar                         | :         |   | limil                       | Do Records a gift of 60 sheep for a lamp to the temple of Kavilavanudaiva-Mahafdéval.   |
| Do   Chola-   Wikrimaj-Choka-Pandyndeva.   Do   Do.   Pandya.   Vikrimaj-Choka-Pandyndeva.   Do   Do.   Maravarman alias Udaiyār fri-   25th Do   Do   Do.   Wikrimaj-Choka-Pandyndeva.   Do   Do.   Wikrimaj-Choka-Pandyndeva.   Pandyndeva.   Pa   | 626         |                       | :         | :        | : | Fandyaj.<br>Chola  | _   | :                            | 23rd year |   | 1)0                         | 10. Records a gift of sheep for a lamp to the temple of Kailayattalvar and mentions a village by mane   |
| Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Hayavarman alias Udaiyar fri- 21st   Do.   Do.   Chola - Pánd   Rajarájuk-Geativarman alias Rajaráju   27th   Do.   Do.   Chola - Pánd   Do.   Chola - Pánd   Do.   Do | 627         |                       | :         | :        | : | Chōja-<br>Pandya.  | [Mara]varman aliae<br>Vikrama]-Chola-Par  | ir [sri-                     |           |   | . :                         | Idaiyarruman[galam].<br>(4.ft of 26 cows for a lamp by a certain [Danda]nayakam<br>Pankarana-Narayana-Brahm[ā/h1]-rajāṇ, to the temple of<br>Rollacomadarya, Mahadaya   |
| Do   | 628         |                       | :         | :        | : | Dο.                | Marayarman alias                          | Udaiyar fri-                 |           |   | Do                          | hamaged. Giff of cows for a lamp by a Brahmana lady.  |
| Do Chola-Pand- Jafavarman alias Udaiyar 6r1-Sundara- 1[9]th Do On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.  On the same wall Do   | 629         |                       | :         | ÷        |   |                    | Rajarajakesarivaruan<br>dove (I).         | alias Bajarāja-              |           | • |                             | The Aganajjgai Siya-Brahmanas of the Solondrasinga-Isyara temple gave an agreement on receiving 12 old kasu that they would burn a perpetual lamp in the temple of Kayilasattalyar.   |
| On the same wall Do Jutavarnian alias Tribhuvanachakra- 4th ,, Do On the same wall Do   | 680         | Do.                   | :         | :        |   | Chola-Pand-<br>ya. | Jatsvarman alias Uda<br>Choja-Pandyadova. |                              | 1[9]th ., |   |                             | Orden of the revenue officers (puravavari-timaikkalattar and varipportagamidarya) stating that the ten individuals who had the kapi of the 2 velis of temple-lands at Kullur, ander name Sivapadasékharamaliur had relinquished them infavour of the temple servants and that these latter would themosovarial collivate them. The term Manavara-Parantaka cocurring in the inscription appears to have been a surmane of the king. |
| On the same wall Do Do. do. Do Do  | 631         | of the same shrine.   | տոոժա     | pa in fi |   |                    |   | ribhuvanachakra-<br>aradova. |           | : | Do                          | Gift of 25 sheep for a flamp to the temple of Kankasanadaiyar at Soravannahadev-chaturvédinangalun by a daucing grif attached to the temple of Tiruvidaikkétjanndaiya-Alaba-déva at Kunguttar in Kij-Vémba-nadu   |
|  | 88          |                       | :         | :        | : |                    |   | do.                          | Do.       | : |                             | Gift of 50 sheep for a lamp and of a lamp-stand to the temple by a dancing girl. Mentions the weight: 3 scale (tulakkol) called kayilasamudaiyan.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916-cont.

|     |                              | of money<br>unducting<br>the com-  | s for sup-  | a flower-<br>by one of<br>rt of the   | ovide for<br>te festival<br>g at the  | ft of land   | lam alias<br>od by the<br>uppappur<br>d kudi in   | •   | ga-Isvara<br>dimanga-<br>nd agreed<br>iple, and  | f a lamp-<br>idēva at   |
|-----|------------------------------|--|---|---|---|--|---|---|--|---|
|     | Bemarks.                     | Damaged and stones out of order. Records a gift of money to a certain Naratonga-Vachchiyamarayan for conducting offerings and worship in the temple. Mentions the community called Abhimanabhushnam-terinda-Kaikkolar. | Records the gift of taxes (kadamai) on certain lands for supplying one stone daily towards alaiyere in the ford of the god's sacred hath. | Stones out of order. Gift of land by purchase for a flower-garden to the femple of Kailasamudaiya-Nayanar by one of the Andars of the temple. The land formed part of the udira(rudhira?)ppatti of the Kaikkola-sonapatis, at Idaigal on the north hunk of the river. | Assignment of certain taxes on temple-lands to provide for offerings, saidal and clothes to the goddess, on the festival day of Sittirai. This was done by the king at the instance of Nayanar Svanideeur | Stones misplaced and missing. Seems to record a gift of land (made tax-free) for offerings, worship and repairs in the temple. | Records that five danoing girls, natives of Pulam alias Rajarajapuram in Tenkarni-nadu, were appointed by the managers of the temple with the approval of Tiruppappur Mutta-tiruvadi at Vellangolli as servants of second kudi in | the temple of Kaliásamudalya-Náyiṇar.<br>Incomplete.              | The Aganaligai Śiva-Brahmanas of Śolendirasinga-Isvara and Kayilaan temples (?) at Nigarilisola-ohaturvedimnigalan, received 12 achohu from a Brahmana lady and agreed to serve in the Rajadhirajachchurra, is of the temple, and to burn a perpetual lamp in the shrine of Dakshnramari in the same temple. | Records a gift of 50 sheep by a lady for a lamp and of a lamp-<br>stand to the temple of Srikayilasmudaiya-Mahadeva at<br>Seravammadevi-chaturvedimangulam. |
|     | ft.                          | :  | :   | <u> </u>  | <del></del>   | · 2  | :   |   | :  | :   |
|     | Language<br>and<br>alphabet. | (Yamil   | De.   | Do.   | Do.   | Do   | Do.   | Tamil (of about the 14th century A.D.)                            | Tanil.   | Do.   |
|     |                              | etr.<br>23<br>di.  |   | year,<br>1i.  | ar -  | :  | 624,<br>da]ŝa-<br>irday]  |   | :  | :   |
|     | Date,                        | 18 + 3rd ye<br>Kanni,<br>tedi, su<br>panohumi,<br>Monday,<br>Jy sehtha.  | 3+4th year  | 11th ye<br>Purattadi.   | Könerin   20+1st year .   | - m5<br>- m2<br>- m2   | Kollam 624,<br>Āvani iba. di. [da]sa-<br>mi, [Saturday]   | Funarvasu. 21st year, Vri- sohiku [3], su. di. eka- dasi, Monday, | [26]th year  | 6th ,   |
| • ; |                              |  |   |   | nerin   | Koneri-  |   | hakси-  | krama-   | Śrivallabhn-  |
| •   | :                            | Tribhuvanachakra-<br>ndova (I)   | do.   |   | ₩<br>O  | ĸ  |   | lias Trib <b>huva</b> nuohakra-<br>apdyudova.                     | r 6r1-Vil  | Śrīva   |
|     | King.                        | s Tribhuva<br>haradêva (I)   |   | <b>:</b>  | avartin   | wartin   | :   | ıs Trib<br>idyadev  | . Udaiya<br>ıdëva.   | avaıtin   |
|     | ;                            | n alia9<br>ula <b>90kh</b> :   | Do.   |   | ноћа <b>к</b> тя<br>І <b>а</b> п.   | nchekre<br>Ian.  |   | ر <del>م</del> م  | áravarman alias Udai<br>[Chola]-Pandyadeva.  | nacha kr  |
|     |                              | Jatavarman alius<br>vartin Kulas6kh  | •   |   | Tribhavanuchakı<br>ınelkopda <u>ı</u> i.  | Tribhuvanachskravartin<br>maikondan.   |   | Jațăvarman<br>vartin VIr  | Maravarman alias Udaiyar 6r1-Vikruma-<br>[Chola]-Pandyadeva.   | Tribhuvanachakravatin<br>deva.  |
|     |                              | :  | :   |   | <u> </u>  |  |   |   |  | :   |
|     | Dynasty                      | Рапцуя   | Do.   | :   | :   | :  | :   | Pandya  | Своја-<br>Рардун.  | Paṇḍya  |
|     |                              | :  | :<br>d  | :   | •   | :<br>eg 6  | :<br>:  |   |  | •   |
|     | i.                           | :  | լութուգույ  | :   | :   | On the west wall of the same mandapa On the south wall of the same mandans   |   | :   | On the east wall of the Dakshinamurti<br>shrine, in the same temple.   | :   |
|     | Place of insoription.        | :  | ne <b>same</b>  | :   | :   | e same   |   | :   | the D<br>temple.   | :   |
|     | ce of in                     | :<br>E   | all of th   |   | :   | all of th  |   | :   | i the east wall of the D<br>shrine, in the same temple.  |   |
|     | Pla                          | ын ме  | north w   | same w  | Do.   | west w   |   | On the same wall  | e east   | On the same wall  |
|     |                              | On the same wall   | On the north wall of the same mandapa   | On the same wall  | -   | On the   |   | On the  | On th<br>shrii   | On the  |
|     | No.                          | 6833   | <b>78</b> 9   | 636   | 636   | 638  |   | 639   | 640  | <b>5</b>  |
| •   | ~                            |  |   |   |   |  | 1085  | Home (Ed  | n.)—15   |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| No.         | Place of inscription.   | Dynasty.          | King.   | Date.  | Language<br>and<br>alphabet. | Ветаткя,  |
|-------------|---|-------------------|---|--|------------------------------|---|
| 8<br>9<br>9 | On the west and north walls of the same shrine.   | Choja-<br>Ραμάγα. | Jatavarman ains Widaiyar ér<br>Pandyadésa.  | sti Soļa- 3rd year and<br>380th day.   | Tamil                        | The king from his throne in the bathing hall of his palace at Rajendrasolaphram declared tax-free certain devadana lands at Kallur (including 2 volis already granted under name Sivapadasokharanallar) and mid them entreed in the register under the orders of his father the Challe.   |
| 2.78        | oils to some all the fact that the other state of the   |                   |   |  | :                            | enlogy commences with the words of the peror with a property with the temple is stated to have been situated on the southern bank of Mudigoodasolap-peranu (i.e., the Tannapara). The revene officers.  |
| •           | ou a nower-sand fixed find the floor of the east verandah of the same temple.                                   | :                 | :   | :  | ;<br>G<br>                   | This is the flower-slab made by Knadan Firuvikkiraman alias Nathunambip-Pallavadarai, an at the instance of Narayanan Yajinavaraha-Bhaitar of Manaburunamangalam.   |
| 844         | At the right of entrance into the first prakara of the same temple.   | Рапруя.           | ~   | labhu- oth year  | :<br>                        | Records a gift of 50 sheep for a lamp to the temple of Kaila-   |
| 645         | On the north tier of the mandapa in front of the central shrine in the Naduvulappar temple in the same village. | Do.               | Maravarman alias Tribbuvanuchakra-<br>vartin Sriva labhadova.                                       | hakra- 5th year and 80th day.  |                              |   |
| 646         | On the same tier  | Dα.               | stavurmen ales Tribhuvanachakravar-<br>tin Kulasekbaradeva.   | гариг- 9 + 1 + 1st   | Do.                          | In the centre' of Stravagmehadovi-chaturedimangalam in Mulli-nadu, for the daily offerings of the god.  Records the gift of certain taxes on the lands belonging to the temple of Suvalinhha-Vinnagur-Emberunan by the assembly of Shravangmahadovi-chatureddimningham to provide oil for burning seared hums, on the feative lands considered. |
| 647         | On the west tier of the same mandapa  | Do.               | Do. do.   | 16th ,,  | Do. :                        | honour of the king.  Records a gift of 1 acheltu for a lamp by a Brahman lady residing at Manainilainallur-clutury ddimangalam a brahmadoya in Kajakkudi-nadu to the temple of the Pranmarya, min at Tuvaravadi in Schwannahadowi-chaturavadi.  |
| 648         | On the west and south tiers of the sume mandaps.  | Do.               | Maravarman alias Tribhuvanachakru-<br>vartin Vikrawa-Pandyadsva                                     | nakru- 7 + 1st year<br>Karkataka,<br>Karkataka,<br>obs-<br>turkhi, Wed-<br>needay,<br>Makha. |                              | nd of the inscription of the inscription of Rama, Sita and Srivallabha-Vigna, fior round the villag and was unade evillag and was unade evillag.  |
| 679         | On the west, south and east tiers of the same mandaps. On two fragments of stone built into the                 | Do.               | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Sirvallabhadeva.<br>Maravarman alias Tribhuvanachakra- | akra- 16th year  | 110<br>Do                    | totion grade grussic oto, Giffern I lamps by different persons,   |
|             | כחבר לימהטוב אמון כו שנס ממנוס (מנוון)נס.   |                   | varun Sundara-Falpdyadeval vwho was pleased to take the Chōla country.'                             | <del>,</del>   |                              |   |

B.-Stone inscriptions copied in 1916-conc.

| Nemarks.              | r the as   | 1,600 families.      | The record is interrupted below by two images. Begisters a gift of land mude tax-free, for maintaining the Saivappear. usl-madam in the stivet Vadaku-tiruvidi of lirunedveli, to a certain fugappavala-Sivar-Mudaliyar a member of the Kilaimada-suntanam. | Incomplete and mutilated. Registers a gift of 24 schohu for the firstpalli-eluchchi of the god Daviceron | hy Kolari-udaiyan alias Vonsvidaiyan Nafra Jananar Raikkola of Boravannahadovi-ohatureddinanigalam. Stones out of order. Begins with the introduction and selection of Jatavarnan Kulashanar Regislers the hands the kantendar of the Janda the kantendar. | to Rottadumdevar and his consort for offerings and worship. | Highly damaged and end built in. Evidently this record contains the first of the proceedings connected with the grant of the lands referred to in No. 664. The minister at whose |            | Registers the or Kalingarayar, for the daily offerings of god Kuttagal and his comport set up by Sattyay pavent satisfied days. The order was issued on the 1370th day a granted to selving in this temple of Deviyam might get year.  Fragmentary and stones out of order. Registers a granted to a certain (Tribhuvanasingadeva who ind by 6 persons who belonged to the community of Saintan. | madam.  Damaged and stones missing. Records a crift of more     | periaps to left the devotees in the Tirniavukkarsar-tiru-<br>madam attached to the temple of Doviyammai-Ichchuramu-<br>daiyar, on feetival days.  Fragmentary. Refers to the images of Kuttadumdeva and<br>his consort which had been set up by a certain Sirudaiyan<br>Tiribuvanasingadevan. |
|-----------------------|--|----------------------|---|--|--|---|--|------------|--|---|---|
| Language              | Tamil  | É                    | Š   | Do.  | Do,  |   | Do.  | Do.        | O  | Do  | Do  |
| Date.                 | 3rd year   |                      | :   | 8th ,,   | • + 3rd ,  |   | • + 3rd  | 9 + 3rd ,, | 6th year, Mina, 9 ted; ba. di. tritiya, Tuesday  | 13 + 15th<br>year.  | :   |
| King.                 | Parakésarivarman alias Kajendradéva  | Kulasekharadeva      | :   | :  |  |   | kondan ].  | :          | Jafavarman alias Tribhuvanachukravar-<br>tin Vira-Papdyadera.  | Jazavarman alisa Tribhuvanuchakravur-<br>tin [Ku]lasakharadova. |   |
| Dynasty.              | Choja  | Pandys               |   | •  | Pandya   |   |  | :          | Pandya   | Do  | :   |
| Place of inscription. | On the north wall of the central shrine in the Deyvisvaramadaiyar temple in the anne villace | the mandapa in front | ;   | :  | Do   | Do  | -  |            | On fragments of stone built into the north wall of the same mandapa.   | On the south wall of the same mandapa                           | On the same wall  |
| No.                   | 921  | 299                  | 653   |  | 994  | 666   | 4  | 9          | 657  | 658   | 699   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—conf.

| No. | Place of fuscription.   | Dynasty.                         | . King.   | Date.  | Language and alphabet. | Ветагке,  |
|-----|---|----------------------------------|---|--|------------------------|---|
| 660 | On the same wall  | Рапсув                           | Tribhuvanachakravartin Kulssekhara-<br>deva.  | 14th year and 34fith day.  | Tan il                 | Stones misplaced in re-building. Portions of the historiaal introduction general sets of Jatavarman Kulasekhara I are found. The king while seated on his throne called Muniatyadaraiyan in his palace at Madurai [cast of Madakulam] in Madurodaya-valanadu, promised the remission of faxes on certain lands belonging to the templo, for the daily offerings of the god Devi vannisaral.   |
| 661 |   | Do                               | ndyadeva  | 4 + 3rd year,<br>Tai, 2.   | Do                     | mudaiya-Mahadeva. Registers that this is the kaittadi for a gift of land already made to the shrine of Kuttadumdeva.  |
| 682 | On the south wall of the garbhagriha in the Brihannayaki-Amman shrine in the same temple.       | Do                               | Mara[varman alias Sandara-Paṇd]ya-d6va ([who was pleased to orown him-self] at Mudigoṇdasolapuram." | 17th չթար  | . :                    | Mentions that under orders of Atsaya-Pandya the assembly of Seravammahadevi-chuturvedimangalam made a gift of oertain lands and taxes for the night offerings of the goddess in the temple of Deviyammistvaram-Udaiyar, at the service called Atisaya-Pandyadevar-sandi.  |
| 899 | On the east wall of the mandaps in front of the same shrine.                                    | V і ја <b>у</b> вна <b>g</b> ага | Śrirangadēta-Mahatāja   | Saka 1600, and Kollam 75[3], Bahu-dhanya, Utarayani, Vasanta-ritu, Vaigasi, 19 tedi, su, di. Friday, Siddha-yoga, Siddha-yoga, Galia-karaya, | Do.                    | Gift of land by Virappa-Nayaka Visvanatha-Nayaka son of Visvanatha-Nayaka Krishpappa-Nayaka who was an agent of the king, to the temple of Devisvaramudaiya-Nayinar for conducting festivals.   |
| 799 | On the wall of the south verandah in the first prakara of the Appan temple in the same village. | :                                | Tribhuvanachakravartin Kondrintani-<br>kondan.  | 3 + 7th year   |                        | Records that at the suggestion of his brother-in-law Kodai Raviga-Panmar (i.e., Ravivarnan), the king ordered that the land in Karungulappagu the eastern hamlet of Seravanmahadevi-chaturvedimangalam be made completely tax-free for daily offerings, the recital of the Vodas and Puranas and for singing, dannong, etc. at the service instituted in the name of the former in the temple of Tuvarapatizat. The order was actually issued on the 2638th day after the 3rd |
|     | ne wa <i>il</i>   | Рардуя                           | Jetavarman alias Tribhuvansohakra-<br>vartin Kulasekbaradeva.                                       | 3rd year and<br>2638th day.  | Do. :                  | year.  Begins with the introduction generales etc. The king while seated on his throne at Kupakarayanallar in Tenkarai-nadu, promised a tax-free gift of the land mentioned in No. 664 for the service instituted in the name of the king's brother-in-law Kodai Ravivarman, in the temple.   |
| 999 | Do  | :                                |   | 3 + 7th year   | Do                     | Registers the ulvari connected with the above gift.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916-cont,

| of inscription. Dynasty. King. King. Date. Language and alphabet.                          | year Tanil A year 135th                               | Do. :   | : :                             | :        | At the request of Manabharanyamangs lattu-Nambi the king ordered that Ayyanur alias Kôralasingamanigalam by granted as a tax-free devadana to the temple of Threarsputi. Alar for conducting a service onlied Kulassekanan-sandi instituted in his own (i.e., the king's) name and for previous offerings during festival days. The decument is signed by Vikrama-Choladova. | Bagins with the introduction the analog etc. Registors the promise given by the king while he was scatted on his throne in his pulsee at Trunchveli in Kil. Venba-nada in connection with the grant noted in No. 672.  This is the ulvari of the above grant |                                       | Offit of an annuity of paddy and a portion of the daily offered food to the smith Seraimargui-Silpasari for doing stone work in the temple of Tuvarapati-Appan |
|--|---|---|---------------------------------|----------|--|--|---------------------------------------|--|
| of inscription.  Date. Language are alphabet.  Inspiration Könerinm ii. 4 + 8rd veer Tanil | year Tanil<br>336th                                   | Do.   |                                 |          | :  | :  | •                                     |  |
| of inscription. Dynasty. King. Date.  Tribhuyanachakrayartin Könerinm i. 4 + 8rd year      | year<br>year<br>735th                                 |   | <u>.</u>                        |          |  |  | •                                     | :  |
| of inscription. Dynasty. King. Date.  Tribhuyanachakrayartin Könerinm i. 4 + 8rd year      | year<br>235th   |   |                                 | ;<br>    | <br>   | Do.  | Do.                                   | Do.  |
| of inscription.  Dynasty.  King.  Tribhuvanaobakravartin Könerinm ii. 4 +                  |   | year and<br>10th day.<br>3rd year                                 | t [23],<br>ai, 25.              |          | d year<br>d year<br>the<br>3rd   | 2594th   | year<br>i.                            | year,<br>ını.  |
| of inscription.  Dynasty.  King.  Tribhuyanachakrayartin Könerinm ii-                      | 4 + 3rd year<br>and 8th year<br>and the 236th<br>day. | 4th year an 1110th day.   | Kollam 4 [23],<br>Kattigai, 25. |          |  | 3rd yet<br>the<br>day.<br>3 + 7th  | 4+1st<br>Sittirai.                    | 7th year,<br>Pańguņi.  |
| of inscription. Dynasty.   | Konstrinm i   | nchskrs-  |                                 |          | Koṇðriṇmai-  | Tribhuvanachakravar-<br>adova.   | Sundara.                              | Kulasekhara-   |
| of inscription. Dynasty.   | Tribhuvanachskravartin<br>koņdsņ.                     | Ma <u>r</u> ayarman alias Tribhuvar<br>yartin Suodara-Paṇḍyadeva. |                                 | :        |  | Jatavarman alias Tribhu<br>tin Kulasekharadeva,  | Tribhuvanachakravartin<br>Paṇḍyadèva. | Tribhuyanach akrayartin<br>deva.   |
| of inecription.  | Ë -   | -   |                                 |          | :  | :<br>:   | :                                     | :  |
| of inscription.  | :   | Paṇdya  | :                               | :<br>:   | Faņdya   | Do.  | Paṇdya                                | Do.  |
| e of inscription.  | :   | : :   |                                 | :        | •  | : :  | :                                     | :  |
| e of inscription.  | :   | : :   | : :                             | <b>:</b> | :  | : :  | :                                     | : {  |
| e of inseri  |   | : :   | :                               | :        | :  | : :  | :                                     | :  |
| 2 1 7  | :   |   | ::                              | :        | :  | : :  | :                                     | :  |
| Plac   |   | • •   |                                 | <b>;</b> | j<br>G   | <b>Do</b> .  | Ď.                                    | Do.  |
| No.  | On the same wall                                      | Do  | D. D.                           |          |  | 67.4   | 949                                   | 929  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|             |  | ,        |   |   |                              |  |
|-------------|--|----------|---|---|------------------------------|--|
| No.         | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   | Date.                                   | Language<br>and<br>alphabet. | Кепатка.   |
| 67.7        | On the side walls of the same verandah                                 | :        | :   | 13+5th year                             | Tamil                        | Registers the ulvari for the remission of taxes on certain temple lands granted as tax-free devastance in the 3+5th year of the kine. It is noted that the others in weared section down till  |
| 678         | In the same place  | Paņdya   | Jatavarman alisa Tribhovanachakta-<br>vartin Kolasskharadsva. | 13th year and<br>the 2230th<br>day.     |                              |  |
| 679         | . : :  | :<br>:   | Tribhuvanachakravartin Konérinmai-<br>kopdan.                 | 13+5th year and 13th year and 13th year | ро                           | Registers the written order (Secosis) for the remission of taxes on lands given to the temple for efferings in the 3+6th year of the ling, as stated in Nos. 677 and 678.  |
| 089         |  | :        | :   | 2312tn day.<br>13+6th year<br>Marga ji  | Do                           | Registers the ulvari of a grant made in the 9+1+1st year, of money (drammas) derived from the padikkaval and uludankudi on the devadana lands for providing scented  |
| 681         | On a pillar set up in the west verandah in the same prakāra.           | :        | :   | 13+8th уенг                             | Do                           | unguents in the temple of Tuverapatis Alvar.  Gilt of money by a nutive of Thunchveli alias Kulnif 66- heral-chaurvedinangalnen in KII-Venba-nadu, for burning a lean, in the templo of Pennal Tuverantis Annan  |
| 683         | On the side walls of the same verandah                                 | Рапоря   | Jatavarnan alina Tribhuvanachakravartin Kulasekharadeva.      | 13th year and the 2230th day.           | Do                           | Begins with the introduction galaxie and the king being scated on his throne called Majavarayan in his palace at Madurai gave his consent to the assignment of the 133+6/20-4/80 drammas on the dovadana lands of the temple, for sandal, camphor and other requirements, mentioned in No. 680.            |
| 683         | In the same place  | :        | Tribhuvanachakravartin Köndrinmai-<br>kondän.                 | 13th year and the 2312th day.           | Do. :                        | Registers the actual order of the king to issue the tiruvay kelyinand to enter in the ulvari, the gift mentioned in No. 682. It may be noted that the first consent of the king given in 9+1+ 1st year had not been given effect to till Margali of  |
| 684         | On the side walls of the west and north versndahs in the same prakara. | :        | :   | 13 + Eth year,<br>Margali.              | Do. :                        | the 13+5th year.  The gift of land given as tax-f.ee devadana from the 13+1-1st year of the king, for the daily offerings in the temple of Tuerrapati-Alvar, having not been given to, evidently for want of written authority, the temple trustees reminded the office of the collection of taxes and the |
| <b>18</b> 8 | On the side walls of the north *erandah in the same prakara.           | Pandya   | Jatavarman alisa Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasskbaradsva. | 13th year and<br>2230th day.            |                              | hetter d-clared that the ulvari was accordingly entered and that no other ulvari beside this would operate. Begins with the introduction <b>udebleps</b> etc. The king seated on his throne Malavarayui, in his palace at Madurat, gave his consent to the grant mentioned in No. 684.                     |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|             |                                      |           |             |   | 1        |  |  |                                | Language         |  |
|-------------|--------------------------------------|-----------|-------------|---|----------|--|--|--------------------------------|------------------|--|
|             | · moradi recursione                  |           | .           |   | Jynasty. | King.  |  | Date.                          | and<br>alphabet. | Remarks.   |
| the s       | e place                              | :         | :           | : | Pandya.  | Jatavarman alias Tribh<br>vartin Kulasskharadeva.  | alias Tribhuvanachakra<br>sekharadeya. | 10 + [1]st<br>year.            | Tamil            | Damaged. Gift of 10 achchu for two lamps in the temple of Tuvarapati-Appan.  |
| 7 -         |                                      |           | :           | : | :        | Pribhuwanachakrawartin<br>maikondan,   | [Ko *]nerin-                           | 13th year and the 2,315th day. |                  | <  |
| <b>.</b>    |                                      | :<br>:    | :           | : | :        | :  |  | :                              | Do               | Built in in the middle and the end lost. Seems to register a gift of land as tax-free devadans for providing worship and offerings in the temple, on the festival day in the month of Ani.   |
| 5<br>0<br>2 | Do.                                  | :         | : ;         | : | es .     | Tribhuvanachakravartin déva.   | Kulasskhara-                           | 1[4] + 14th<br>year, Āģi.      | Do               | Damaged. Gift of money for providing six offerings to the god on newmon days.  |
| # :         | ou a pinar in the Bame Verandah      | ine veran | 8<br>4<br>4 | : | Do.      | Kulasékharadéva  | :                                      | 18 + 11th year<br>Āvaņi.       | Do               | Built in at the bottom. Provides for a lamp.   |
| ត<br>ភូ     | On the east wall of the same prakara | the same  | prakara     | ; | Do.      | Sundara-Paṇdyadova   | :                                      | 4 + 3rd year,<br>Margali.      | Do:              | Damaged. Gift of money by Dynavandan Viradamudittan alias VIrasingudova belonging to the agapparivars of Virudamudioheha-Dryumal, for providing garlands of flowers grown in the gardon, Sonandrayanan-diramunda vanam so called after the donee. The latter received in return some prasada from  |
| n th        | ne wa]]                              | :<br>:    | :           | : | Do.      | Magavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulaséskharadéva, 'who was<br>pleased to take all countries.' | navanachakra-<br>a, 'who was<br>ries,' | 20th year, Adi.                | Do               | Records a gift of 3 anai-achabu for a lamp, by the pupils of Pingeniavilla-Jyar of Mudivelaction.  |
|             | Do.                                  | :         | :           | : | Do.      | Jatavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Vira-Pandyadova.  |  | sth year, Puret-<br>tadi.      | Do               | Registers an agreement (pidipadu) given by the temple authorities to a certain Pillai Vijayarayan with reference to the 8 achebu given by him for maintaining the flower-garden euphlying garlands to the temple,  |
|             | •                                    | :         | :           | : | :        | :  |  | :                              | Do               | Damaged and fragmentary. Seems to record a gift of land on the north lank of Taylogunda-aru (i.c. Tanremers)   |
|             | Do.                                  | :         | :           | : | :        | Tribhuvanachakravartin<br>kopdan.  | Konerinmai                             | the 377th day.                 | Do.              | by a private individual of Ameradakkinningalam in Nadu-<br>vilkurru a sub-division of Mijalaikkūrrau, to the tennle of<br>Dvantpati-Appan.  Order to the assembly of Séravamabadovi-chaturvediman-<br>galam to deduct from the revonue register 2 ma of land<br>grantced tax-free to the Sarasvati-Bhundara in the temple of<br>Tuvarapati-Appan, by a certain Kaichchikku-vaohoba |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|            |  |                   |  | A TANK TO A TANK  |                              |   |
|------------|--|-------------------|--|---|------------------------------|---|
| No.        | Place of inscription.  | Dynssty.          | King.  | Date.   | Language<br>and<br>alphabet. | Ветагке,  |
| 969        | On a slab set up at the entrance into the same prakara.                              | :                 | ;<br>:   | 4991,<br>dhi,<br>tigai, 25,<br>lay, Mri-<br>sha,                | Grantha and<br>Tamil.        | Modern. Records the reconsceration of the temple of Appan<br>Venkatachalaputisvamin by the people of Serammadevi at<br>the instance of Veruda Rac son of the Honoundle Raja-<br>Rama Ruc.   |
| <b>269</b> | On the north wall of the same prakara  | Рардуя            | Kulnsekha a[deva]  | idin 1066 (=A.D. 1883).   | Tamil                        | Stones rebuilt and missing. Seems to register a gift of land for maintaining the flower-garden called Venadudaiyan-tirunandavanam founded by a certain Vonadudaiyan of Anandur alias [A]yikarasundaramallur in Tirukkanapper.   |
| 80         | On the same wall   | Do. :             | Maravarman alias Tribbuvanaohakra-<br>vartin Kulasekharadeva, 'who was<br>pleased to take the Malai-nadu, the<br>Choja country, the two Kongu<br>oountries, Jam (Ccylou) and Tondai- | 11th year   | Do                           | Reupram.  Begisher the remission of all kinds of taxes by the assembly of Sciuvannades the remission of all kinds of taxes by the service and I daigal for conducting the service called Kulasekharan-sand instituted in the temple by Venadudaiyan mentioned in No. 497. |
| 669        | On the gopura at the entrance into the same temple.                                  | Vijayanagara      | , mandalam.'<br>Srirangadeva-Maharaja  | Śaku 1541<br>Kollam 774<br>(wrong),<br>Tai, 10 tedi,            | Do                           | Damagcd. Mentions the king's agent Visvanatha-Krish-<br>nappa-Nayaka.   |
| 100        | On the east wall of the central shrine in the Ramasvamin temple in the same village. | Choja.<br>Pandya. | Jatavarnan alius Sund <b>ara</b> -Chola-<br>Faṇdyadsva.  | dasami,<br>Vriddhi-yôga,<br>Thursday,<br>Anirsdha.<br>16th year | Do. :                        | Incomplete. Records a gift of land for tirumeykkappu in the temply of Nigarilisola-Vinnagur-Alvar at Nigarilisola-chaturvedimangulm to a certain Parantakan Nirainjän alias Tisai Ayrrattu-annongura Dasamadi Palavasi-Viran.   |
| 701        | On the same wall   | :                 | :  | :   | Grantha                      | The Brahman named Vatuka an agnichit, praises the Vaikhanasas who look after the lamps in the temple of Vishnu as they do their own body.   |
| 402        | On the north wall of the same shrine   | Chola             | Rajakasarivarman alius Raja-<br>rajadeva (I).  | 24th year   | Vattelut la.                 | Begins with the introduction square Curw etc. Registers the gift of 75 gaws for 3 lamps to burn in the temple of Nigarilisola-Vinnagar-Alvar, by Divakaram Vasudevam.   |
| 703        | On the west wall of the same shrine  | Do                | :  | :   |                              | Unfinished. Contains only part of the historical introduction of Rajuraja I commencing with the words Ague & Cure etc.  |
|            |  |                   |  |   |                              | والمقيوري والاتبادات عائمة ومائقة فالمنطقة مشاقي بالأقوادة فيستناه والمناور والمناور فيقرون والمناور ويناور   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916 -conf.

| No.                | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language<br>and<br>alphabet.                       | Кепатка,   |
|--------------------|---|--------------------|---|--|--|--|
| 104                | On the same wall  | Раффув             | Magavarman aliaa 'Uribhuvanaobakra-<br>vartin Vikrama-Pandyadova. | 12 + 1st year,<br>Karkataka 3<br>tedi, su, di.<br>pañobadasi,<br>Thureday. | Tamil (of<br>about the<br>18th oen-<br>tury A.D.). | Begins with the introduction Screen, guesch etc. (tift of 404 anai-sachchu for providing offerings etc., in the shrines of Singupperumal and his consort set up in the temple of Vandural and subsequents, by Antipan, Uyyanından, Sevanorandan, Branchanal Charles Sevanorandan, Branchanal   |
| 106                |   | . Do               | Maravarman alias Tribhuvansohakra-<br>vartin Krivallahbadasa      | :  | Tamil  | Matthirukungum. Unfinished. Mentions the temple of Vauduvarapadi-Alvar   |
| <b>106</b>         | On the  | Do                 | Do. do.   | 1[1]th year  | Do   | Gift of money for two lamps and four food offerings to the shrines of Tiruvaykulattalvar and his consort within the temple of Vanduvarapadi-Alvar.   |
| 404                |   | :<br>Do:           | Jatavarman alias Tribhuvanaohakra-<br>vartin Kulasskharadsva.     | 4 + lat.,  | Do. :  | Begins with the introduction Historians etc. Registors that two of the temple priests being held responsible for the femile some temple jessels borrowed three achern from the femile.   |
| **                 |   |                    |   |  |  | would conduct the same from the interest accuraing from these three achohu. This amount had been originally deposited there by Padmanähhan Mungan of Malai-manda lum for conducting worship on festival days in the month of Sittirai, of the god Tiruvaykuinttalyar and the goddress in the temple of Vanduvardapadi-Emberuman at Servanmaha-devi-chautuvedinangalam. |
| 208                |   | . Choja            | Parakésarivarman alias éri-légjéndra-<br>Choladeva.               | 4th year   | Vațțeluttu   | Registers the deposit of 6 hasu in the hunds of the Vaikhana-sas for burning ½ lamp in the temple of Nigarilisola-Vippa-gar-Alvar in Nigutilisola-turvedimangalum, hy a Baah.  |
| 1036               | Do.   | Paņdya             | Tribbuvanachakravartin Śrivallabha-deva.                          | 22+1st year  | Tamil  | mann lady.<br>Unfinished. Mentions Soravanimedevi-chaturvedimangalam.  |
|                    | of the morth wall of the mandapa in front of the same abrine. |                    | •   |  | Vatțeluttu   | Built in at the beginning. Seems to register a gift of money for a lamp.   |
| me ( <b>Ed</b> n.) |   | Chole              | Rajarajakesarivarman alias árr-Raja-<br>rájadéva (I).             | 26th year  |  | Begins with the introduction Bose Curs etc Gift of land by purchase to maratain two lamps in the temple of Nigarilisola-Vinnagar-Alvar at Nigarilisola-chaturedinanagalam in Mulli-nadu a subdivision of Rajaraja-u andalam, by a certain Vellaivadugapungi-Siddhar.   |
|                    |   | . Chola<br>Paṇdya. | Jațăvarmun alias 6ri-Sundura-Chola-<br>Păndyadeva.                | 14th year and the 320th day.   | Tamil  | Built in at the end and damaged. Seems to provide for offerings in the shrine of Uynkkondan-tiruchohennadai within the temple of Nigarilisole. Vinnagar.   |
| 718                | On the same wall  | Chola              | Rajarajadora (I)  | 2[3]rd year  | Vațțeļuttu   | Built in at the end. Begins with the introduction <b>Scient</b> Gure etc. Gift of 25, cows for a lamp. Schwaimaha-dori-chatury-dimanahamans situated in Mulli-nadu a subdivision of Rain-kin-vel and mass situated in Mulli-nadu a sub-  |
|                    |   |                    |   |  |  | 'ningarana'a angarangana'a   |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

| Remarks,                     | Built in at the end. Records a gift of money for providing rose-water to the god on the festival day in Sittlirai, by a native of Rajastraya-chaturvedimangalam in Kolari-Singal-van-nadu. | Records a gift of money for conducting a special featival every menth on the asterism Punarvasu in the temple of Sri-Rama | Gift of money through Śrtrangam one of the Andis (andilar) from Solamandelam to the temple, for providing | namackarams (p) Damaged. Seens to register the appointment of an accountant at the instance of Murti-settiyar agent of Visranatha-Nayaka Krishnappa-Nayaka. | Registers that Golla Ramappa-Nayudu and Basavappa-Nayudu sgents of the Mahamandalesvara Ramaraja Vithaladeva-Maharaja, the Mahamandalesvaru Velunapati Vengaladeva-Maharaja, the nagaris of the Mahamandalesvara Ramaraja-China-Timnayudova-Maharaja, and the learned men of Cheramahadevi, Flapuram and [Na]rasapuram met together and usagned the lands and the house of a certain Yeruvaqi Timnaya an out-caste of the Brahmana community, to the temple of Tiruvengulanatha, for the merit of the Mahamandalesvara Manumbolu Chennayadeva-Cholamaharaja. | Order to the trustees of the temple of Vikramapändisvaramudaiyar in Mullvalatigu-Pandiya-ohuturvedimangalan shrahmadoga in Mulli-indu, etating that one out of the two achchu due as house-rent from the merchants of Struallavan, madigni in Ayyanur the western hamlet of Struallavan, devi-chaturvedimangalan, has been granted to the temple for the sacred cloth, in accordance with the request of Kulasékharn-Brahmadhirayan one of the servants (Padukkalaiyar) of Akkan, Signed by Tuñjanurudaiyan alias Vikramapandaya-Vilupparaiyan. |
|------------------------------|--|---|---|---|--|---|
| Language<br>and<br>alphabet. | Tamil  | Do.   | Do  | Po. ::  | Telugu   | Temil   |
| Date.                        | 9 + 3rd year   | Kollam 676,<br>Āṇi, 25.   | Kollam 685,<br>Tai, 9.  | Saka 1522, Kol-<br>lam 77[4].<br>Vikarin,<br>Vaigańi, [2]6<br>tedi, śu. di.<br>daśami,<br>Wednosday,<br>Uttara-Phal-<br>guni.                               | Śaka 1466,<br>Plata, Mar-<br>gafira, ba. 30,<br>Monday.  | 20th year   |
| King.                        | Jutavarman alias Tribhuvanachakravartin Kulasekharadsva.   | :   | :   | :<br>:  | :  | :   |
| Dynasty.                     | Рапфуя   | ÷   | :   | :   | :  | :   |
| Place of inscription.        | On the same wall   | Do  | До  | On the east wall of the mandapa in front of the central shrine in the Vaidyanathasvamin temple in the same village.   | On the south wall of the central shrine in the the Chennarajasvamin temple in the same village.  | On the south wall of the central shrine in the Vikramapandisvara temple at Virg. Vanallur.  |
| No.                          | <b>\$12</b> .  | 716   | 716   | 717   | 718  | 0   |

B .- Stone inscriptions copied in 1916-cont.

| No.  | Place of inscription.  | Dynasty.                   | King.  | Date.  | Language<br>and<br>alphabet. | Kemarks.  |
|------|--|----------------------------|--|--|------------------------------|---|
| 720  | On the same wall   | Pandya                     | Jatavarman alias Tribhuvansohakravartin Kulasskharadsva. | 2nd year, Mina,<br>22 tedi, su,<br>di. seami,<br>Wednesday,<br>Pushya. | Tamil                        | that one of the agaparivare made in the palacel at Madurus cast of Madakulam set up the goddese in the temple of Vikramanahadye-favarundains-Nayanar in Stranlasm and named her Sokkanachchiyar after her daughter. She presented also lands and houses through Stramadovan Periyanaunbi alias Kulakokhara Brahmadhara, an and herself gave the jewels kalvedam, padagam, tiruchchari, mungakkara, mulantadam, haram, mangilyan, puttaik kaga, todu, vali, pafichafarun, okavadam and talvedam. |
| -481 | On the east wall of the mandapa in front of the central shrine in the Bhuminathasvamin temple in the same village.               | :                          | :  | [K llum] 726,<br>Avaņi, 30.  | Do                           | Registers that the dovadana and the brahmadeya lands in a number of villages sourrounding Seravammadevi having been abandoned by the dispersing kudi and the padai, Viérunatha-Nagakkar, the agent of Ramarajayra Vitthaladeva-Maharaja, remitted all taxes (including ulavu and papalaravadai) on these lands, charging only I kani per me of land.  |
| 722  | On the south wall of the mandaps in front of the central shrine of the Sivakami-Amman temple at Kelakkulam, hamlet of Pudukkudi. | :                          | :  | [Kollam] 698   | Do.                          | Damaged and incomplete. Grant of land as devadana to the temple of Puraverichchuramudatya-Nayinar at Kilakkulam, the western hamlet of Seravanimadevi.  |
| ~723 | On a mutilated stone built into the verandah of the Puranathesivara temple at Terku-Arinayakipuram.                              | :                          | :  | Saka 15[99].<br>Kollam 863,<br>[Priga]ja,<br>M[argaji],                |                              | Provides for offerings of superior rice (sunds) in the temple of Vengumatkonda-Pandisuranndaiyanatha for the merit of Sinna-Boumana-Nayaka, his wife and his chief agents (karabhari).  |
| 124  | the Kaikkolapadikkaval-göpura of the Görindaraja-Perumal temple at Tirupati (Chandragiri taluk, Chittoor                         | :                          | :  | Liojrean<br>Chitrabhan<br>Sittirai. 6<br>tedi.                         | Do                           | Records an agreement between Kandadai Madhavayyangar and the managers of the temple by which the former etipulated to furnish cake offerings thrice a year in lieu of the lands granted for the maintenance of the Kamanujakuttam.  |
| 726  | <u>5</u>   | Vijayan <b>a.</b><br>gara. | Vira-Achyutaraya-Maharaya                                | Lost   | Do                           | Gift of 160 panum for offering cakes to the five images of $A_k^{\rm i}$ vars on a special festival day in the temple of Tiruvengadamudaiyan.   |
| 9    | On a slab set up in a tope to the north of the Chölaraja temple at Madakasira.   | Nojamba<br>(Fallava).      | [1]giva-Nofamba  | Śaka 8[7]2   | Капагеве ,.                  | Registers that 3 kanduga of paddy field was given to gaving Kathyuna and to Pallikara. Tuvanna by the residents of the four villages Chirupi, Chintakunie, Chiriyavolau and Vuduvaţiu, for their having constructed a tank at Sivari, a village in Chir[u]pi twelve; Mr. Rice in his Epigraphia Carnatica XII, p. 163, No. 36, gives a tentative text of this inscription.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|       |   |                       | 1   |   |                              | And the second s |
|-------|---|-----------------------|---|---|------------------------------|--|
| No.   | Place of inscription.   | Dynasty.              | King.   | Date.   | Language<br>and<br>alphabet. | Кетатка.   |
|       |   |                       |   |   |                              |  |
| 787   | On a slab in a field, west of the same temple.  | :                     | :   | Saka 907, Ta-<br>rana, Phal-<br>guna su. di.  | Kanares C.                   | Registers that in the battle of Ballare between the son of Nolamba Chindayya and [Bira]-Nolamba, a certain Kaladi Man. Ketu died and went to heaven. The record  |
| 8£4,* | On the slab in the temple worshipped under the name Cholaraja.                              | Nolamba<br>(Pallavu). | Iriva-Nolamba Diltparasa                        | 5, Tuesday.<br>Saka 870, Kila-<br>[ka.]   | Do                           | was written by vayya, the senabova of tolls. Registers that a certain Ponnayya died on the occasion when and a reders from Ballaha he marched an army against Gajan[kusa]-Chōla, joined the forces of Dilipa-Nolamba   |
| ¥729  | On a slab set up in front of the Añjansya-<br>ersmin temple at <b>Anantapuram.</b>          | Vijayana-<br>gara.    | Virapratapa Aohyutataya-Mahataya                | Saka 1466,<br>Jaya, Āsva-<br>yuja, ba. di.<br>12.   | Do. :                        | (on his way) and organised an attack.  Damaged. Seems to record a grant of land to the temple of Hiriya-Tirevengalanatha, at Mudananike and mentions Timmappa of the treasury (bhandara)   |
| 130   | On a slab set up near the village munsiff's obavadi at <b>Karesemudram</b> .                | į                     | :   | Vikarin, Bha-<br>drapada, ba.<br>di. 5, Thurs-  | Do                           | Much damaged. Mentions the gaja-nayaka of Salakaraja<br>Piriya-Tiremalaraja-Maharaja and his gift of the village of<br>Hiriyasamudra.  |
| 781   | On the back of the same slab  | <u>:</u>              | :   | Kilaka Chaitra, fu. di. 1.  | Do                           | Registers that Varaduppa, the agent of the Mahamandalesvara Ramaraja Nala-fiunnaraja[yya], gave a nambuge-sasana deed of trust' to the gavudas and senabovas stating that the debt which was evidently due by them to his brother  |
| 732   | On a stone fixed into the floor of the tank-<br>bund in the same village.                   | Vijayana-<br>gara     | Virapratspa Vira-Šrirnūgarayadēva-<br>Mahārsya. | , tu,<br>geseire  | Ė                            | Nagayya would not any more be demanded. Fragment. (ives the date and mentions that the king was ruling at Penagonde.   |
| 783   | Un a rook at the Révanna temple near the<br>same village.                                   | <b>:</b>              | :   | ba. di. 30,<br>Wednesday,<br>Rolar eolipse.<br>Saka 1472,<br>Sadharupa,<br>Maghu, ba.<br>di. 7. | Do                           | Much damaged. Registers that Nagaya-Nayaka of Saguru the agort of the Mahamandalesvara Ramaraja Nala-Timmadéva Maha-arasu made a gift to the gavudas and senabóvas of Hirjassamudra. The mature of the gift could not be clearly   |
| 784   | On another rook near the same temple  | Vijayana-<br>gara.    | Vira-Haribararaya                               | Saka 1318,<br>Isvara, Kart-<br>tika su. di.<br>12.  | Do<br>:                      | made out. Registers that a certain Dhuleya-Nayarha son of Basareya-Na- Registers that a certain Dhuleya-Nayarha son of Basareya-Na- yarhana-Channquipps, gave in his village Kodaiyanahalli some paddy fields below a tank, to the gods, Brahmans and hhaktas.   |
| 786   | On a slab at Gollavarigudi situated<br>between Asvattharayani Roppa and<br>Mazara Bamagiri. | :                     |   | Manmatha,<br>[Pn]shya, su.<br>di. dvadasi,<br>Tuesday.  | Ъо                           | Dumaged. Refers to a raid (havali) by some dunnayaka and mentions Madi-Nayaka of Hajavantiyahalli, the son of Varadai-Nayaka.  |
|       |   |                       |   |   |                              |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|    | Place of inscription.  | Dynasty.              | King.                              | Date.  | Language<br>and<br>alphabet.     | Кепатка,   |
|----|--|-----------------------|------------------------------------|--|----------------------------------|--|
|    |  |                       |                                    |  |                                  |  |
|    | On a pillar which now serves as a footstep leading into the entrance of the Anjandyasvamin temple at Gaudans.    | :                     | :                                  | Yuvan, Magbu,<br>su. di. 2.                              | Кипатеве                         | This is the entrance gate with tiger's face (palimukhada-<br>urubagalu) of the village Gaudanabali, constructed by<br>Natura Mudapa under orders from Mura[ri]rao Ghorpade.                          |
|    | On a slab set up in a field in the same village.   | :                     | :                                  | Saka 1[5]10<br>Sarvajit,<br>Karttika 6u.<br>di. 15, Mon- | Do.                              | Danaged. Seems to be a memorial tablet.  |
|    | On a rook in a field of the same village   | :                     | :                                  | day.<br>Тагапн, Луевh-                                   | <b>D</b> e                       | Damaged. Mentions Madukesire and the senabhoga of the  |
|    | On a slub set up near the eastern entrance into the Ranganathasvamin temple at Kodihallia hamlet of Yerrabom-    | <b>:</b>              | :                                  | tha su. di. b<br>Saka 1466,<br>Krōdhi,<br>Bha 'rapada,   | Do                               | bordering (villages). Registers the grant of the village of Pulumachi to the temple of Tirumaladeva of Kodi by the Mahamandulesvara Ramaraja Eraja Era-Timmadeva for the merit of king Sadasivarayu. |
|    | On a rock in a field at Mallinaya-<br>kanahalli.   | :                     | :                                  | Saka 1468,<br>Plavanga,<br>Karttika, su.                 | Do                               | Much damaged. Gift of a field west of Kudorekunte for offerings to the temple of Naga[rē]ēvara,  |
| 11 | On a stone in a field at Xellotti  | :                     | :                                  | есприе.<br>•••   | Do.                              | This (1s) the village Volloti-grams granted for offerings to the temple of Lakshmi-Narasinhaders at Penugonde.   |
|    | '742 On a slab set up near the Narasimha-svamin temple at Uppadinalli.   | Vіјауа-<br>падаги.    | Vira-K rishqudevaraya-Maharaya     | Saka 1434, Ån-<br>gira, Vaisa-<br>kha, su. di.           | Do.                              | Records the grant of the village [Uputi]halliin Roda-nadu a subdivision of Maratura-sime, by Ellaga a servant of the king, to the temple of Abobala-Narasinihadean of Hiriya-                        |
|    | "748 On a stone found in the middle of the villege of Manuru.  | :                     | :                                  | :<br>:   | Do<br>(in archaic<br>churacters) | Muliated. Seems to register a gift of 5 kanduga of wet land (kalani) below the tank Periya keye, 4 kanduga of black cotton-soil, (ege) and 4 kanduga of red-soil land (kesukadu).                    |
|    | 744 On another stone in the same place   | :                     | :                                  | ;<br>;   |                                  | The document was written by [Tiā]ndikāla Domamman, Muhilated. Gift of land below Konnaklaru-kere and two other tanks. A flower-garden was also granted to the  |
|    | '746 On a rook near the Ranganathasvanin temple at Melavay.  | Vijaya-<br>nagara.    | Virapratapa Aohyutudovu-Mahara[yu] | Śaka 1456, Vi-<br>јауа, Абуы-<br>уија, ba. di.           | Kanaresc                         | Durgary. Seriously damaged. Seems to record a gift of three villages to the god Tiruvengalanathadova.  |
|    | 746 On a hero slab at Nallariyula-matha near Narasingarayani Ecoppa. 747 On another hero slab in the same place. | ::                    | : :                                | : :  | Ъυ.<br>Do.                       | Mentions Lokaditya and his cattle-litting raid. Records the death of a hero on this cocasion. Seems to record the death of the hero Gaviyanua-Maranna the  |
|    | 748 On the third hero slab   | Nolumba<br>(Pallava). | Illegible                          | Illegible  | Do                               | Kuch damaged,  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—conf.

| 749 0       |  | _                     | Aing.                              |   | and alphabet.                      | Remarks.   |
|-------------|--|-----------------------|------------------------------------|---|------------------------------------|--|
|             | On a slab set up near the tank at<br>Jammulabanda.   | :                     | :                                  | Playa, Chaitra,   | Капатече                           | Registers a grant (ummali-patte) of land measuring vakkala by the Harati chief Nafijarayana-raja to a cortain Kekaha   |
|             | On a broken slab lying in front of<br>the Afrjaneyaavamin temple near<br>Asvattharayani Roppa. | :                     | :                                  | Plavan ga,<br>Chaitra, eu.<br>di. Surama-                               | <br>.:                             | Nagaya of Jambulahanda for services rendered during one or two invasions (avantra).  Gitt of a village by Ramarajayya to the däsas. The doorment was engraved at the instance of Krishanpa-Nayaka.   |
| 761 Or      | On a slab set up in a field at Gudibanda   | :                     | :                                  | Saka 1752,<br>Vikriti,<br>Phalguna, su.<br>di. 10. Mon-                 |                                    | Gift of land to a ocrtain, aradbya of Gajunodu by the gavudus and conabovas of Gudubande with the permission of the obief Rahutta-mahārays.  |
| 762 On      | On a slab set up at the f.ot of the hill in<br>the same village.                               | :                     | :                                  | day. Nandana, Ma- gha, su. di. 5, Sunday, oth, chulity,                 | Do                                 | Registers that Hobanus son of Jayadevarasa built the steps.  |
| 763 On G    | On a hero-stone lying at Iralakatta rear<br>Gollaradevarahatti.                                | :<br>:                | :                                  | after sunrise   | Do.<br>(in archaio<br>obunactere). | Refers to the death of Vira-Kuilasa son of Nolamba-Kuilasa in the battle of Polada, on attacking Prahhurama. So also died Nolamba-Kuilasa on ettoking Prahhurama.  |
| 764 On      | On another hero-stone set up in front of<br>the Mallitarium temme near the seme                | :                     | :                                  | :   | Капагене                           | of Ka[li]yakallu. Mentions the (memoris) stores of the these hand of the these transitions the transition of the transit |
| 765 On G    |  | Nolemba<br>(Fallava). | Nolun badhiraja                    | :   | Do.                                | Madiyanna and Valamnya the brothers of Masaraya, son of Niparattha, the son of Desarattha. Registers that while the king was ruling Tannura and Chora-   |
| 768 On a    | On a slab set up in the same place   | :                     | :                                  | Saka 881, Sid-  | charateis)<br>Do.                  | erri with aphyantarasiddhi, his dog called Papaga ran after<br>a pig and died.<br>Seriously damaged.   |
| -757 On a   | On a stone set up in a field at Konkallu   | :                     | :                                  | Thursday.   |                                    |  |
| .758 On a   | On a Naga-stone near Mallinamadugu   | :                     |                                    | Krodhin, Chai-  | Nahidrese<br>Do.                   | Registers that thus is the rent-free field of Hirs-Parvataradhys of Gujunodu; see No. 751 above.  This temple and Ponunagaru were caused to be made by Nagava (our ci) Bavira-and  |
| 759 On a mo | On a broken pillar in a field at Gunl- nmorubagal.   | Nolamba<br>(Pallava). | Апрауундеге, [son of] Bira-Nolamba | Saka 869. Dun-<br>mukha j. Ashadha, ha<br>di. f. Vadda.<br>vara (Fatur- | io.<br>(in charac-<br>ters).       | The muhajana consisting of certain gavundus and the uru consisting of a few others and the Saiva teacher Varuna-Siva-Bhatara of the temple of Nolambesvara being together brought about a settlement of distribution of lands below certain s; coified tanks.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1916—cont.

|                               | Ianguage and Bemarks. | e (in<br>c<br>tters).  | Do. Records the order given by the king that the worship in the Goyndaraja-Perunal temperate it Tirupati must be conducted on the same lines as that of Tiruvengalanatha on the Tirunahe hill and that Kandala Ramanujaya and his pupils should supervise the distribution of prasada to the Srivaishavas, both foreign and local, in the Goyndarajasanidhi and in the Ramanujakuja (feeding house) newly constructed by him at Tirupati. The king also instituted a Ramanujakuja (feeding house) another king and fixed the scale of worship of god Tiruvengalanatha to be unaravisad its the same Kandala Liamanujawa Kome | Fried in the temple were rendered by the Chatada (P. Sri-Vaishnavas. Alagija-Perunal of Tirnehohannr is also mentioned.  The above images represent) Matla Tirnvengalanatharaju | 1)o. Records that the Mahananahara Anantarajayya, son of Matji Tiruvengajanatharajayyadeva-Choda-Maharaja, constructed this gopura. |
|-------------------------------|-----------------------|--|--|---|---|
|                               | Date.                 |  | aka 1389, Su-<br>rvajit, Push-<br>ya, su. di. 1,<br>Sunday.  | <del>!</del><br>:   | :   |
| To come action in 1919 - come | King.                 |  | Mahanangalesvara Narasingayyadeva- Suka 1389, Su-<br>Maha-arasu. rvajit, Fush-<br>rvajit, Push-<br>ya, su. di. 1, Sunday.  | :   | :   |
|                               | Dynasty.              | : :  | <br>Saluva   | :   | :   |
| 4                             | Place of inscription. | On a slab in a field in the same village On a hero-stone lying in a field in the same village. | On the north wall of the central shrine in the Govindaraja-Perumal temple at Tirupati (Chandragiri taluk, Chittoor district).  | Below 5 images in the northern wall of<br>the big gours of the same temple.   | Below 7 other images in the same place  |
|                               | No.                   | 760  | N<br>O   | 763   | 764   |

APPRIDIX C .- Stone inscriptions copied in 1917.

| Remarks.                     | <u> </u>   | Mentions Kenolupya-Nayaka the mudre-officer of Gutti-<br>lirumalarajayyudeya-Nayaka the mudre-officer of Gutti-<br>lirumalarajayyudeya-Maha-usau evidently the same as<br>Ramaraja-lirumalarajayyadeya mentioned above.<br>Damaged. Registers that Immadi Timmana-Nayaka of<br>Nidugalu gaye the kanachi of the tunk Narasambudhi-<br>kunte to a certain samani Papaya with the permission of<br>the god Tiruvengalanatha of Feyakonde, since this Fapaya<br>was regularly every year treating a pundal chapara) in the | inches or regulational can gain and was going on pugrinage to Trumale every year and was repairing the chapara at his own cost.  Unfinithed. Mentions a certain Valavadaraium of Seyyor in Trans. | This portion of the roof at the northern entrance, was built by Tinmana-Nayaka of Nidugal | Damaged. Sale of a share in the temple of Ramanatha by a priest of that temple, to a certain Appa-Siva in the presence of several people of whom the tapôdhana of Nonabéévara at Hejjeru, was one. | This portion of the roof of the yagasala of the Ranganatha temple at Poynhakonda was built by Hayasam Ramana an officer of Immadi Timmana-Nayaka of Nidugal. | Fragmentary. Seems to record a gift of cows for maintaining a lamp in the temple of Mahadeva. | The Nahamandalesvara Bammadova-Chojamaharaja the chief of Ogeyüru, etc, ruling Gövindavadi, the whole community (kottali) being uresent sesional for a normetual lease of the | temple of Kammatesvirs, one was per data on such hidige-<br>kammata and I haga per month on each bidi-kammata. This is the rent-free field (manyada hols) of the Vitaraga-<br>pattamevami Tammi-settii. |
|------------------------------|--|---|---|---|--|--|---|---|---|
| Language<br>and<br>alphabet. | Калагове   |   | Tamil   | Капагеве  | Do. :  | Do.  | Tamil   | Kanarese  | Do  |
| Date.                        | Śaka 1478, Naja<br>Pushyn, śn.<br>di. 8.   | Svalhano,<br>Magha, su.<br>di. 1.   | :   | :   | Mannatha,<br>Magha,<br>Friday.   | Parthiva,<br>Magha, su.<br>di. 6.  | Lost 1  | :   | :   |
| King.                        | Virapratâpa Sadâğivarâya-Mubarâyu  | :   | į   | :   |  | :  | Parakbanrivarman alias Kajondra-()hoja- 🖰 dova.   | Jagadekamalladeva 'ruling from his ospital Kalyaņa.'  | •   |
| Dynasty.                     | Vijaya-<br>nagara.   |   | •   |   | :  | :  | Chola   | Western<br>Chalukyn.  | :   |
| Place of inscription.        | ANANTAPUR DISTRICT, MADAKASIRA TALUK. On a pillar set up in the court-yard of the Ranganathasvamin temple at Paila- banda. | On another face of the same pillar  | On one of the pillars of the front mandapa of the same temple.  | On a pular at the northern entrance into the same temple.                                 | On a stone supporting the beam of the entrance into the Garuda-shiine of the same temple.  | On the beam of the entrance into the matha-room in the same temple.  |   | of the  | On the ospital of a pillar in the Vira-<br>bhadrasvämin temple in the same<br>village.  |
| ₩o.                          | 7  | a ·   | <b>8</b>  | •   | <b>5</b>   |  |   | <b>.</b>  | 00  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917--cont.

| 10 On a stone in a field at Mattern   11 On a benevitore in a field at Mattern   12 On a benevitore in a field at Mattern   13 On a benevitore in a field at Mattern   14 On a benevitore in a field at Mattern   15 On a benevitore in a field at Mattern   15 On a benevitore in a field at Mattern   15 On a benevitor in the search will be a first   15 On a benevitor in the search will be a first   15 On a benevitor in the search in the search will be a first   15 On a benevitor in the search in the search will be a first   15 On a benevitor in the search in the search will be a first   15 On a benevitor in the search in the search will be a first   15 On a benevitor in the search will be a first   15 On a benevitor in the search will be a first   15 On a benevitor in the search will be a first   15 On a benevitor    | o Z              | Place of inscription.  | Dynasty.               | King.                            | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.   |
|--|------------------|--|------------------------|----------------------------------|---|------------------------|--|
| 11 On a bencetone in a field at Pedda Mayindamma (Mahandararman) Saka 865 (in a broken piller in the contribute of the same piller Chalue be same pilder Chalue a broken here-atone in the same pilder Chalue a broken here-atone in the same pilder   | 01,              |  | į                      |                                  | Bahudhanya,<br>Jyeshtha. [ha].                                | Felugu                 | Under orders of the Mahamandalesvara Sammeta Rangaparnjadova-Maharaja, a certain Pedasingama gave one tumo of field to a private individual who due a tink at Rahaa.   |
| 119 On a broken pillar in the coart-yard of the same pillar  120 On a stone built into the south wall of the same temple.  13 On a stone built into the same temple.  14 On a pullar set up at the couthern Western Chajukya.  15 On the same pillar  16 On the same pillar  17 On a broken here-stone in a field to the Nojumba (Fallara) and the same place.  18 On another baro-stone in the same place.  19 On a stone built into the same place.  10 On the same pillar  11 On a broken here-stone in a field to the Nojumba (Fallara) and stone place.  12 On a broken here-stone in the same place.  13 On another baro-stone in the same place.  14 On a profession of the same place  15 On a profession of the same place  16 On the same pillar  17 On a broken here-stone in the same place  18 On another baro-stone in the same place  19 On the same pillar  10 On the same pillar  10 On the same pillar  11 On a broken here-stone in the same place  12 On another baro-stone in the same place  13 On another baro-stone in the same place  14 On another baro-stone in the same place  15 On another baro-stone in the same place  16 On the same pillar  17 On a broken baro-stone in the same place  18 On another baro-stone in the same place  19 On the same pillar  10 On the same pillar  10 On the same pillar  11 On a broken baro-stone in the same place  12 On another baro-stone in the same place  13 On another baro-stone in the same place  14 On another baro-stone in the same place  15 On another baro-stone in the same place  16 On another baro-stone in the same place  17 On a broken baro-stone in the same place  18 On another baro-stone in the same place  19 On another baro-stone in the same place  10 On the same pillar  11 On a broken pillar  12 On a broken pillar  13 On a brok   | =                | On a bero-stone in a oragiri.                                    | :                      | :                                | Saka 4592, Sad-<br>harana, Kart-<br>tika su. di. 15,          | Капатеке               | puram.<br>Damaged. Mentions a certain B[a]chamaleya.Nayaka and<br>his son.   |
| 14 On a stone bailt into the south wall of the same temple.  15 On a pullar sed, up at the same pillar and | \$1r             | <del></del>  | Nojamba<br>(Pallava).  | Mayindamma (Mahéndarvarman)      | Monday.   | <u> </u>               | Mentions Ayyabba and [No]kmbadhiraja. Seems to record the grant of a tents. Mentions Tirangrangoadeys Kileppalji and the [Saiva] teachers Anntu-Sira, Lagnij-16vata. Kamalaurabha-dorses and Poseman.  |
| 16 On a perforated window let into the western wall of the same temple.  16 On a pillar set up at the southern Western Chalukyan Chalukyanhakravartin Vikramadeva Saka 108 (4), 10   | 13               | On a stone built into the south wall of the seume temple.        | :                      | :                                | :   |                        | Nakaregeare.  Damaged. Mentions Varuna-Sivn-Bhatara pupil of Rudia-[Siva]charya and a certain Madayya of Molra Rev. li.  |
| on a pillar set up at the same temple. Chalakya. Chalakya. On the same pillar set up at the same pillar set up at the same pillar  | <del>-</del> '   | On a perforated window let into western wall of the same temple. | :                      | :                                | :   |                        | Damaged. Registers the building of the mands in hy Marayya son of La[kshma lyys.   |
| 16 On the same pillar  | =                | On a pillar set up at the entrance of the same temple.           | Western<br>Chaļukya.   | Ohalakyaohakravartin Vikramadeva | Saka 108[4],<br>Vrisha, Pushya,<br>Uttarayana-<br>Samkramina. |                        | The Mahamandalosvara Tribhavananalle Mall deva-Chola-Maharaja lord of Oreyura who was a subordinate of the fing, ruling at He[m]jaya widened the well that was dug at the cupital town of He[m]jeyu in Stranadu by a Siduke Periyalayasetti son of Alahiva-Mannya, and   |
| west of the village.  (Fallava).  (Fallava | -                | On the same pillar   | :                      | <b>:</b>                         | <u>:</u>  |                        | Andamme of the brahmadoya village Akura in Rajarajavalandau on the southern bank of the river Käven, in the Chola country, consecrated near that well the temple of Desistera with the consecrated near that well the temple of Desistera with the consent of all the 19si merohants and gave for offerings, lumps and worship 3 khandugu of land below the tank of Sivura.  The Desi-merohants of the Kubera family 'of four different languages,' and the nakaras of the town, also assigned certain specified tells on prack(?)—horses, musk, saffron, yak-hair, panchavanige, ous-cus grass, etc., for worship, offerings, lamps, enjoyment and ropairs of the well and the temple, mentioned in No. 15. |
| On another hero-stone in the same place. Do. Lost  | ~ <sup>^</sup> ~ |  | Nolamba<br>( Fallava). | :<br>:                           |   |                        | Refers to prince Ayyapadova the son of the king by queen Pariyabarasi, and his fight. Also Ereyamma is mentioned as one of the party at whose command the hero Erega died and became famous.   |
|  | I,               |  | Do.                    | : : :                            |   |                        | Highly damaged.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| No.      | Place of inscription.  | Dynasty.             | King.  | Date.                              | Language<br>and<br>alphabet. | Ветатьв.   |
|----------|--|----------------------|--|------------------------------------|------------------------------|--|
| ~19      | On a stone lying in a field at Dasarahal-  | :                    | :  | Vikari, Magha,                     | Капагеви                     | Registers that Harati Sarajarayapa-raja gave some land to  |
| ° 20     | On a pillar of a dilapidated mandapa at the entrance into the village of Kotta-                                    | :                    | :  |                                    | Do                           | Ortulatar-Conventify of Locatabath as nessars-scotage.  Alpaderi the queen of king Irungaja and a lay disciple of the Kannt-cana of Kondakundawawa modowod this! Jaina   |
| 21       | Slvaram On another pillar in the same place  | :                    | :  | :                                  | Do.                          | oharity while it was in a ruined condition. Registers that this basedi (Jaina temple) was built by   |
| 88 .     | On a pillar in the Änjaneyasvamin tem-<br>ple of the same village.   | :                    | :  | :                                  | <br>                         | Davapadud-Acolarya pujul of Pushpanandi-Maladharideva of Kanur-gana and the Kondakundanvaya.  In modern characters. One portion of the insorption says that the insee of Sanjiya (Hanuman) was out, by Chennanga,  |
| 23       | On the second pillar of the rame temple  | Cho∤a                | Rajendra-Choladeva (I)   | 10th year                          | Kanarese and<br>Panil.       | son of Kammara Krishnappa and another that the temple was huilt (?) by talavara Yaraga, son of Kanakayya.  This mandapa was ercoted by Areyam Rajarajam alias Vikramachola-Chōliyavaryam, the check of Chattaman.  |
|          |  |                      |  |                                    |                              | gardin in tremiterinary and superior commenter or in the tops of this year). Below this on a separate section of the pillar are engraved the titles Nalmadi-Bhima, Chôpuna-chakru and Samanfabharanum in Kanarese and Nanmadi-Bhimap, Samantaraparanam in Tranil. These may have been the titles of the chief who built the mandare.   |
| 34       | On the third pillar  | :                    | :  |                                    | <del>.</del> .               | Contains the titles Edirtavarkalan and Ahidarottalivan in Kanaresc soript and Veririnarayanan and Vire-Bhiman in Tamil of about the same period as No. 23. A much later tecord of Saka 1733, Priotpatti, Vaicakha, ba. di. 6, Wed-   |
| 26       | On the same pillar   | :                    | :  | :                                  | Kanari 86                    | needay, states that the Africandry temple was conscended by a sambhoga of Sivera.  Not intelligible. Refers to a certain Kalimagan, also perhaps and the first of the contains and the contains the cont |
| 27       | On a broken here-stone lying near the Siva temple in the same village. On a nillar set in at the entrance into the | Vijeve               | Mahamanda 186 vara Vira-Bukana   | Saka 1287.                         | Kanarese                     | Cauled Muni-Cuagh. Not inhalligible. Soems to record the death of a certain Bajeya-Hegade in a cattle-[raid]. Refers to a certain Buchava-Navaka, son of Bennkevn-Navaka   |
|          | main shrine of the Siva temple.  | nagara.              | at Ho  | iva var<br>rttika<br>10,           |                              | ruling at Siverada-pattana the chief town of Nidugala-<br>rajya and states that this chief gave the village of<br>Godassamudra north of Sivara (?) to the god Gopmathadeva   |
| .28      | On a pillar set up at the southern entrance into the village Patasivaram.  | Western<br>Chaja kya | Tribhuvananalla Vira-Somesvaradeva the destroyer of the Kalachurya race. | day.<br>Saka 1107, Vis-<br>vāvasu. | Do                           | of Hircyagrahara for worship, offerings, etc. Danaged The king's subordinate Tribhuvananalla Bhogadeya Chola-Maharaja was ruling at the city of Heñjega. The Jaine teacher Virapandi-Siddhantuchakravartideva and his  |
| 50       | On a stone set up in the courtyard of the Mailaresvara temple.   | Vіјчув-<br>пи даги.  | Virapratapa Sadasívaraya-Maha[raya]                                      | Saku 1473, Vi-<br>rodhikrit, As-   | Do                           | son Padmaprabha-Maladharideva are next mentioned. Much damaged. Secus to record a grant of land made at the presence of Vithaladeva.   |
| <b>2</b> | On a pillar of the mukha mandapa of the<br>Siva temple eituated between Kottasiva-<br>ram and Pstasivaram.         | :                    | •  |                                    | Tamil (verse)                | Mentions Naumadi-Vima (Bhima) and Telungar, On the same pillar in old Kannada characters are registered the titles Jayasinghakulakala and Samuntatalarrahari.  |

O.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.        | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.                             | Date.   | Language<br>and<br>alphabet.            | Компаткв.   |
|------------|--|--------------------|-----------------------------------|---|---|---|
|            | On another pillar in the same mandapa  | :                  | :                                 |   | Tamil<br>(verse).                       | Mentions the battle with Kalingas, Oddas, and Telungas, On the same pillar are engraved in Nagari the titles Ahitaretitaiva etc.  |
| ,82        | On a slab set up at Doddakatta-cheruvu<br>near Halukur.                                      | Vijayana-<br>gata. | Viraptatapa Sadasivadova-Maharaya | Śaku 1473, VI-<br>rodnikrit,<br>Sravaņa, su.<br>di. I.              | Капитове                                | Bogisters a gift of land as kathagodagi to certain gaudas for their having repaired the tank at Iodagata, by Manuboli Tiruma layadova-Maha-arasu who held under mara-tenure tho village of Dodagata in Nidugala-nadu under orders of the Mahamandalesvara Ramaraja-Vithalayadeva-Maha-arasn.  |
| ස<br>ර     | On a slab set up (near the road) on the way from Halukur to Amarapuram.                      | :                  | :<br>:                            | Śaka [13]69,<br>Kebaya,<br>Phalguna,<br>[sa.] di. 10,<br>Sunday.    | .:                                      | Registers the victory gained by a certain Sulaya who out off the bows of Made-N[aya]ka and dangavati Nila on the occasion when his father Phas-Papeya-Nayaka of Halukuru was attacked by Jannapa-Odeya and Bonme-Nayaka of Gosikere with a lakh (?) of men and one thousand horses. It is also stated that Papi-N[aya]ka himself cut off 500 heads and 200 horses and that his eon-in-law Binnasaniya-Gude-N[aya]ka jinnasaniya-Gude-N[aya]ka jinnasaniya-Gude-N[aya]ka jinnasaniya-Gude-N[aya]ka |
| ***        | On a broken stone lying in the village munsiff's chavadi at Amarapuram.                      | :                  | :                                 | Saka 114[8],<br>[Parthiva]<br>Jyeshtha, su.<br>dt. 10, Fri-<br>day. | Do                                      | Mentions the Mahamandalesvara Tribhuvanama[Ila] Irni-<br>golade[va-Chola-Ma]haraja son of Bammideva-Chola-<br>Mahataja and hisorowned queen Bachaledevi, ruling at<br>Nidugalla-paţtana. Seems to register a gift of land in<br>connection with the marriage (kanyadana) of [his danghter]  |
| <b>8</b>   | On a stone set up on the tank-bund in the same village.                                      | :                  |                                   | :   | Kanarese (in<br>archaic<br>characters). | While [Solyayyarasa was ruling the Nolambavadi thirty-two ihousand (country), the watchman of Peñjeru called Batti Rochayya built a tank called [Doda]-kere, provided it with a stone shule and made a gift of 2 khanduga of land for the maintenance of the sluice and the man who was in  |
| 98         | On a hero-stone lying in front of the Kerekatte Malleéverasvamin temple in the same village. | :                  | :                                 | :   | Кипагеве                                | charge of it.  (This is) the (memorial) stone of the hero (viragalla) who went to honve in the fight that ensued on the constains when the glorious Bolli-setti Safigaya-Nayaha raided the cillare of   |
| <b>8</b> 7 | On a broken stone lying in the same place  | :                  | :                                 | :   | De                                      | Tanmadiyahajji.<br>Gift of land.  |
| & .        | On a stone set up near the Virabhadrasva-<br>min temple in the same village.                 | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa Sadahivadeva-Maharaya | Śaka 1456, Krodhi, Karttika,  | Ъо                                      | Registers that under orders of the king the Mahamandalésvara<br>Ramarajayya-Vithalésvaradéva-Maha-arasugaju remitted<br>the taxes on barbers.   |
| 8          | On a hero-stone lying near the same<br>temple.   | :                  | :                                 | :   | Do                                      | This is the memorial stone of the hero Munding Bommaya the son of Talavara Bommaya-Nayaka of Tailangere who died on the cocasion when Kulrulleya-Nayaka captured the cows.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| <b>%</b> 0.   | Place of inscription.   | Dynasty. | King.   | Date.   | Language<br>and<br>alphabet. | Remarks.  |
|---------------|---|----------|---|---|------------------------------|---|
|               | On a pillar set up in the courtyard of the laina temple in the same village.                  | :        | Mahamandalegvara Tribhuvanamalla<br>Nissankapratapaohakravarti Virada-<br>nava-Murari, Irungonadeva-Chola<br>Maharaja of the Chola raos 'ruling at<br>the capital town of Nidugallu.' | Saka 1200, is. dha, sa. di. pañchami, Monday. | Капитеве                     | Registers that Mallisetti son of Sangayana-Bommisetti and Melavve and the favourite lay disciple of Bajendu-Maladharideva who was the senior pupil of Tribhuvanaktritavula of Ingalesvara, of Müla-sangha, Desiya-gana, Kondakund-anvuya and Pustaka-grehchha, gave at Tanumajihalli the 2,000 area trees which belonged to his share, to Prasunna-Parsvadava of the besadi of Tailangere known as Brahma-Jinalaya. The priest of thus temple was Challapille a Jina-Brahmana of Buvaelokanathanallar in Bhuvalekanathari-share, north of Dakshina-Madhura in the southern Paudya country. From the produce of this garden land were to be constructed of stone, the basadi from its upana to stepi; the inda-mandapa, bhadra, Laktshumanahan, Wanstambha sampurnavakhana and makaratorans. |
|               | On another stone in the same place  | :        | :   | Śarvari, Āsvija,<br>śu., di. 15               | Do.                          | This is the tomb (nisidhi) of Sambisetti son of Berisetti.  |
|               | On a pedestal lying in the courtyard of<br>the same temple.                                   |          | :   | Friday.                                       | Dο.                          | This is the basedi caused to be made by a pupil of Balenda-Maladharidova, a disciple of Tribhuvanakhtriravula of high-fewara, belonging to Müla-sangha, Desiya-gana, Kondakund-anvaya and the Pustaka-gachchha. The vritti here was held by Challapiledeva.   |
|               | On a stone lying in the tank to the south of the same temple.                                 | <u>:</u> | :   | :   | Do.                          | This is the tomb (nishiddh) of Bommis-thiyara Bashaya, a lay disciple of Prabhachandra-Bhatfaraka of Ingalesvara who belonged to the Mula-sangha etc.   |
|               | On a second stone in the same place   | :        | :   | :   | Do.                          | This is the tomb (nishidhi) of Bhavascua-Traividya-chakravarti who was a terror to disputants and belonged to the Mula-sangha and the Some-gagu.  |
|               | On the third stone  | :        | :   | :   | Ď                            | This is the nisiddi of Virupaya and Maraya the lay disoiples of Balendu-Maladharideva of the Mula-sangha and the Desiya-gana.   |
| _             | On the fourth stone   | :        | :   | :   | Do.                          | This is the nisidi of Potoja and Sayabi-Maraya, father and son.   |
| $\overline{}$ | On the fifth stone  | :        | :   | :   | Do.                          | This is the nikidhi of Komm[a-]setti a lay disciple of Prabha-  |
| _             | On a stone lying on a platform in the courtyard of the Anjaneyasvamin temple at Tammadahalli. | :        | :   | :   | Do.                          | This is the nisiddi of Chandra[n]ka-Bhattaraka, [pupil] of Charuhirti-Bhattaraka of the Mula-sangha and the Desiya-gana.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| No.      | Place of inscription.   | Dynasty.              | . King.                           | Date   | Language<br>and<br>alphabet,            | Вепляткв.  |
|----------|---|-----------------------|-----------------------------------|--|---|--|
| <b>3</b> | On a stone set up on the tank-bund in the same village.                           | Vijaya.<br>nagara     | Virapratāpi Aohyutadēra Mahārsiya | Saka 1463,<br>Plava, Kart-<br>tike, b. di.<br>2, Satarday      | Капагене                                | The ant of this village Tammadihalli having kreached at thee places, the residents of the village, viz., Chemiagaunda and Timma-gaunda, repaired the breaches at their own cost. They were granted I khapinga of kattugalgifor purpetual enjoyment, by Tipparaja-Maha-ansau, agent of Venkatadri-Nayaka. |
| 9,       | On another stone set up in the same place   | :                     | :                                 | Do. [ the tithi is by mistake given as 7 while it should be 2] |   | Refers to the gift of I khanduga of paddy-land to the same two gaundas as kattugodagi. Venkatadri-Nayaka's fither is here mentioned to be Setrppa-Nayaka and his agest, Tipparajayys.  |
| 5        | On a hero-stone lying in a field at Kana-<br>janahalli.                           | :                     | :                                 | Paridhavi<br>Margasiru,  | 1)0                                     | Records the death of certain gaundas, the sons of the headman of Kanaja[go]dahalli, in the battle of Kundelalli,   |
| 62       | On a stone built into the platform in the courtyard of the Añjaneyasvämin         |                       | :                                 | Vikriti, Mar-<br>gasira, su. di.                               | Do                                      | (41ft of the juliar by Mudu-gauda son of Tippe-gauda of Role,  |
| \$3      | On a sto e set up in the courtyard of the African Sevanin temple at Tubina-kunta. | :                     | :                                 | Saka 1668,<br>Nala.  | Do                                      | Damaged. The fort, tank and the inigation canal of Tübina-<br>kunte was the gift of Ramaj pays. Records other charities<br>made by his son and grandson.   |
| 25       | On a stone in a field atiHullkunta  | ÷                     | :                                 | :  |   | (This) Hulikunte surmaned Sirumapura is the village granted to god Samkaradova.  |
| <br>3    | On a hero-stone in a field at Honnerall-<br>halli.                                | Nolamba<br>(Pallava). | Iriva-Nojamba No[lil]payya        | Śaka 885, Ru-<br>dhirodgarin,<br>Āshādba, śu<br>di. pañohami   | Карагеве (in<br>archaio<br>olaracters). | Seems to record the setting up of (this) sword-stone (balassanddakallu) in memory of the gold-emith (akkasale) Sa[r]bbachari who closed in and fell in a fight with the thieves at Rollo   |
| 999      | On a boulder in a field at Kodlihalli (Kodihalli).                                | :                     | :<br>:                            | Sarvani.<br>Sarvani.<br>Bha-<br>drapada,<br>ba. di. 10.        | Капагене                                | The writing is very faulty. Refers to the reign of Schunganaya and records the grant of the village of Kodalihalli in Roje-sthalu, in Agali-schula, in Sirehada-sine belonging to Rayadurgada-venje, as a kanachignama-patte to a certain Krishnayya by king Harati Sarajara, appa-raja.                 |
| 67       | On a pillar set up infront of the Mall-   | :                     | :                                 | Śaka 1+20,<br>Kajayukti,                                       | Do                                      | Highly danuged.  |
| /58      | On a stone in a field at Muttenahalli   | :                     | :                                 | Jost   | Do                                      | Fo. Mentions a chief of Harati and his agent Kenchanna. To Chikaya, the son of the latter, was given some land as rent-free nesara-kedagi for his service (*) (kapata bilalikagi; at Sirya.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917-cont.

| No. | Place of inscription.  | Dynasty.            | King.  | Date.   | Language<br>and<br>alphabet.       | Remarks.   |
|-----|--|---------------------|--|---|------------------------------------|--|
| /89 | GUNTUR DISTRICT, GUNTUR TALUK. On a stone set up before the Vehugopala- svamin temple at Ainavolu. | Vijnya-<br>naghra.  | Sadasivadeva-Maharaya 'ruling at<br>Vijayanagara.'           | Śaka 1482,<br>Pingala,<br>Puhya,<br>i.a. di. 10,<br>Thursday                    | Telugu                             | Registers that while the Mahamandalesvara Siddhiraja-Timmaraja was gevenning the Konda vid-sima, the Dommari chiefs Chinku-Reddi, Narasanequa and Komara-Viraya with the permission of all the samayas made a gits of the Dommari-panna (tax) due from the people of Ayana-  |
| 99  | On a stone with the Hanuman-image in front of the Rama temple at Ananta-varam.                     | :                   | :  | Śaku 1163,<br>Magha,<br>śu. di.<br>pañehum,                                     | Do                                 | voin, to the temple of dopinaths of that village. Records that [Po] uningoil Revis Readil gave for the merit of his father Bet-Reddi, or tann shares of land in the village of Vaddam[a hu, to the mahājanas (of that village).  |
| 19  | On a stone built into the platform of the dhvaja-stambha of the same templo.                       |                     | :  | Saka isa<br>kabasa Ra-<br>kabasa, yai-<br>sakka, su di.<br>3, Ihursday.         | Do                                 | Rannichandra, the son of Göparaja and grandson of Timmaraja of Vilapaluru in the Ammanabroli-sima, raired the garudalhvaja of the temple of Channaraya at Bhagavatula-Anavotavarum for the merit of Vallama-raja, son of Ganapa-raja, and grundson of Virana-raja of Koniki in   |
| 200 | On a stone hearing two foot-prints near<br>the same dhvaja-stambhu.                                |                     | :  | Saka 1734,<br>Anghasa<br>Chuitta,<br>60. di. 7,                                 | Po                                 | the Addinki-sma. Records that Ganganna, son of Basvanna and grandson of Incords alone Verkannedu, founded the temple of Sitaranassanni at Amantevaram in the talinka belonging to Raja Manuri-Venkaramanavugaru, in the Kondavtti-   |
| 168 | On a stone lying near a well at Atmakur  |                     |  | Sunday. Seka 1160, Chaitra, sin. di. 8, Thursday, Mosha -Saiikrarti             | Sanskrit<br>(verse) and<br>Telugu. | elina.  Palakolani Koti-Nayaka founded the temple of Lakshnifsvara- Alabadeva at Atukoru iv Doddi-Kandravadi in the nume of his father (culled Kakati Lakshmanu in the Sanskrit portion), raised the vimana and granted 25 oows for a perpetual lamp. Gifts of land made to other shrincs and  |
| *   | On a side of the big hill at Badepuram (hamlet of Tadikonda).                                      | V іјаул.<br>падита. | Virespratata Eudasiva deva-Maharaya 'ruling at Vidyanagara,' | Śaka 1476,<br>Ananda,<br>Adhika-<br>Ashadha, śu.<br>di. 1[4],<br>lunar eclipse. | Telugu .                           | Diahmania are also recorded.  Mentions the Mahamandaleyari Kamanaja-Timmarajayya- deva-Maharaja na nagastas a gift of 1 kh; of land to Bhayayyangaru, son of Jille yyangaru and grandson of Kakandi Tippayyangaru, by the Mahamandalesyara Timma- rajs, son of Vohajaraja and grandson of Siddhiraja of Harita-gotra, Apustamiya-sotra and Yajus-sakha, at Kama-   |
| 997 | On a Nandi-stone set up near the tank at Bejatpuram.   | Kota                | Mahan andalogvara (รัตถุลpatidova-Maha-<br>baja.             | Saka 11690,<br>Utt. rayun-<br>Sankranti.  | Ъ0.                                | onnidapurum in Kogalinuni-sthain in the Kongavit-stmar. Records that Uddama-Rayakalroh. Nayaka, the Mahapradhani of the king. founded and built the temples of Kamistavita (uneles), Kulmarasva]min and the goddess at Pulipadu for the morit of his father Uddanda. Nayaka. mother Gundassai and elder brother Danianaska Keti-Nayaka. His younger brother Dasi-Nayaka and built shrines for Kesavadeva and kulpua-Vinsyaka. The gifts of land made to the temples, the sthanapati and to Brahmans are also recorded. |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|          |  |            |                                 |  | de de la constante de la const |   |
|----------|--|------------|---------------------------------|--|--|---|
| No.      | Place of inscription.  | Dynasty.   | King.                           | Date.  | Language and alphabet.   | Remarks,  |
|          |  |            |                                 |  |  |   |
| 99 (     | ō  | :          | :                               |  | Telagn   | This is the houndains will a of the cities of the   |
| , 67     | ()na Hannman-nillam built into the conf                                      |            |                                 |  |  | belongs to the temple of Angadi Goomesthe of Konderida  |
|          | of the Venugopalasvamin temple at  | :          | :                               | Saka 1316, Kro<br>dhi, Phalguna                  | Jo.  | Damaged. Mentions Bayyannu son of Lakkana of Proluce.   |
| , e      | -porabani:   |            |                                 | 6u. di. 11,                                      | <del></del>  |   |
| Ž.       | On a stone set up neura well at China-<br>Kakani.                            | :          | :                               | Saka 1246, Rak-<br>takshi, Magha                 | Do.  | Gift of a flower-garden to the temple of Chema-Wallikar-<br>junadova at Kakandi, by Nagrisatti and Vallahdi. desti of   |
| 09/      |  |            |                                 | su. di. 1[5],<br>Thursday.                       |  | Kranja.   |
|          | On a small boulder in the amb place  | :          | :                               | Saka 1477, Rak-<br>shasa, Karttika,              | Do   | Registers a gift of land for the up-keep of the wells, gandens tank and water-sheds, to the Jiyya, who had founded these in   |
| 7        | :  |            |                                 | m1, Thursday,<br>Rohim                           |  | connection with the temples of Chenna-Malijkarjuna and Gopinath at Purushottumapura in Kakandi.   |
| <b>0</b> | On a Hanuman-pillar set up near the new<br>temple at Chintapallipadu.        | [Gajapati] | Ganadeva-frantaraya Mahayatrulu |  | Sanskrit (verse)<br>and Telugu.  | Mentions the temple of Raghavesvane at Chadeluvada and (the towns) Adumki, Vinikonda and Kondavidu.   |
| 14,      | On a broken Garuda-pillar lying in a field at Dondanadu.                     | :          | :                               | Thursday.<br>Saka 1724, Dun-                     | Do.  | Records the setting up of the Garada-villar and the Samus.  |
| 1        |  |            |                                 | guna fu, di. 3,                                  |  | pillar near the shrines of Vighnesvara and Anjaneya hy a private person.  |
| 62       | Afriancya temple at the same village.  | :          | :                               | Saka 1651, Kila-<br>ka, Margasira<br>su. di. 14, | Telugu   | States that (an image of) the god Ånjaneys at Dondapadu was born in the tank, that it was set up (\$i in a garden and that the boots as the Boots and                         |
|          |  |            |                                 | Wed, esday.                                      |  | minding Kondappa and sons of trinvappa founded a tank   |
| 178      | On the plinth of the inner entrance into the Virabhadra temple at Enamadala. | :          | :                               | :  | Do   | the gods Siva and Resava.  The gods Siva and Resava.  Thanged and built in. Heires to a sarvananya gift of land made by two private individuals to a sarvananya gift of land. |
| 74       | On a pillar lying in a field near the Sita-                                  | :          | :                               | Śaka 132/7].                                     | e d  | san, daughter of Yangmadala Gaurasani naturaling raised on the same and for her ment.   |
|          | ramsvamin temple at the same   |            |                                 | thr.   | :  | coaces that this phase of the abdulua-magidapa of the tample of Raghavestrara at Kondavena was the gift of Chenna-[Tippana] a Vaisya of the Chenna-chenticoches and lond of   |
| 46       | _ <u> </u>   | :          |                                 | [Thursday].                                      | į.   | Penungonda. It was made for the ment of his father Kommi-setti and mother Gangasani.  |
|          | temple.  |            | :                               | hava,<br>gha, s                                  |  | States that a sale (1.6., weaver) (named) Tunnmalachemvu Rami-setti, a devotée of Kulamu Mallıkarjunadeva gave this central pillar to the ranga-[mundana] of the tenmile of   |
|          |  |            |                                 | o, inursday,<br>Makara-masa.                     |  | Mulasthann-Mailaradova at Kondavidu together with some cows for a perpetual lamp, for the merit of his parents. The same fact is repeated on another face of the pillar.      |
|          |  |            |                                 |  |  |   |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.             | Place of inscription.   | Dynasty.               | King.                           | Date.  | Language<br>and<br>alphaliet.      | Кеплатка,   |
|-----------------|---|------------------------|---------------------------------|--|------------------------------------|---|
| 48              | _ <b>_</b>  | :                      | :                               | :  | Telugu                             | Cut by Dhanyamanna Gökachari. The characters are of about the 12-13th century A.B.  |
| 7.1             | compress Errabatem. On the proper left column of the same entrance.                         | :                      | ÷                               | Śaka 116[7],<br>Karttika,<br>ba. di.<br>pońobami.            | Telugu (verse<br>and prose).       | Registers the grit of 25 cows for a perpetual lump made to the god Amantas.yamdeva at Undavelli by Veligandla Egrama-Reddii (Errama-Raddal) for the merit of his perents Mageddi and Polasani.  |
| 4               | On the proper right column of the same entimpoe.  | [ V elun <b>a</b> ṇժև] | Rajendra-Kulottunga-Choderaju   | Thursday.<br>Saka 1089,<br>Uttarayanı-<br>Sankrantı.         | Telugn .                           | Registers the gift of the village of Krapagua[r]gapuri to the mahajanas of Undavelli by a certain Jillya-höynudu, for the userit of the king.   |
| 22              | In the same place   | Kota                   | Mahamandalesvara Ketiraja       | Saka 1136,<br>Vaisakha,<br>ku. di.<br>dasami,<br>Monday.     |                                    | A[ma]rama and Ketama, the concubines of the king, together with their father Versema-Nayaka, presented for the merit of their lord a processional image to the temple at Undavelliand granted one khanduva of land to the north of Kommalaket, for offerings to this image.   |
| 08              |   | :                      | :                               | Śaka 1142,<br>Phalguna,<br>prathama-<br>1 adyami,            |                                    | Refers to a gift of lamp by a certain Kamana-hōyudu son of<br>Cho[d]apa Amarebōyudu.  |
| 186             | On a stone lying by the side of the Koritepadu road at Cuntur.                              | :                      | :                               | Saka 17[4]3<br>Chitrabhana<br>Vaisakba, ba.<br>di. 7, Sunday |                                    | Damaged. Mentions the temple of Saketapura-Samrajya-Pattabhiramasvamin at Koritepadu and seems to record a gift made by a member of the (former) Zamindar of the Suttempalle taluk who was the son of Raja Manuru-Appaji.   |
| 88              | On a pillar of the Afijaneya temple in the same village.                                    | :                      | :                               | Saka 1172,<br>Āsvayuja,<br>ba. di. ashţamı,                  | Do                                 | I mindulu i majurint of the mindunmagar-Barkar. Registers the provision for I folicity of gheen day, for a perpetual lamp in the temple of Ayyakulatilaka Chōdiferane Mahadéve at Chembrolu.  |
| <b>80</b><br>SX | On a white marble Naga-stone set up in the Agastyssarasvamin temple in the same village.    | ohbodin].              | Mahamanda lesvara [.'a]nd yrāja | Saka 10(8j),<br>Uttarhynn.<br>Sankrantı.                     | Sanskrit<br>(verse) and<br>Telagu. | The Sanskrit portion gives the genealogy of the king's family. Records that the king built for the god Agalstyelstare. Mahadeva at Gunthdaru in Origenumarga, the temple, mandepu, subsidiary shrines, compound wall and the gopura and granted the village (addippard to the sanis, manns, danoing masters, drummers, flutists, artisans, conchlowers and other servants of the temple and for havis, ball and werehip. Gifts of land made to a number of Brahmanns are also recorded. |
| <b>3</b>        | On a pillar in the göpura of the Lakshmi-<br>Nrisinhasvar in temple in the same<br>village. | :                      | :                               | Saka 1826,<br>Tāraņa,<br>Magha, su. di.<br>10, Saturday.     | Telugu                             | Records the gift of the pillar for the mukha-mandaps of the god Nagaresvaradeva at Kondavidu, hy Sakalaya-setti, a Vaisya of the Venukula-gotra and lord of Penungonda-pura, for the merit of his parents.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| Копагья.                     | Records a similar gift to the same temple by Vempalli-setti a<br>Vaisya of the Silakula-gotra and lord of Penuhgopda-pura. | Registars a share (writti) of kha I to Boggarapu Göpaladasu in the village of Görantta. Gift of one kha of land for offerings to the god Amaresvara-Maha.dova. | Registers the gift of about 26 shares (vrittis) granted to temples, Brahmanas and temple servants at Ipatam, by the Mahamandalosyana Kota-Mummedidovaraja, son of Ganda-bhapati, for the merit of his parents. The temples of Mahlkariuma, Ramanatha, Vinayaka, and Devata are | Records a gift of 2 knoholala of land at Kondepadu in the Kondaviti-sma, made by Vernula Raghavayvanigaru of the fourth easte, to the god Göpinayak of that village. Another gift of land for the maintenance of a water-shed and a grove is also recorded. | Registers the gift by the king of the village of Kurnantular, to the god Dasarthi (i.o., Raum) at Erdyara puri. The king is given the epithet Sarvajia-ohakravartin.  Mentions Lambu (i.e., Lam) and seems to record the tolls payable by certain classes (?). | Damaged. Records a gift of land made to the god Bhimss-vara-Mahadeva at Lamu by an officer of the king's body- | Registers an agreement on land measurement arrived at by the people of Raripundi-sthala under orders of the king. About 19 villages and their areas are given. The Kampu oultivators had to pay a tax of 1 samasga and furnkavaru asmasga on 1 ku of land. The Brahmanas paid no tax. | Describes the greatness of the Śaiva teacher Viśveśvara- Siva-Deśika, the diksha-guru and the rajaguru of the queen's father Ganapati. Registers the gift of the village of Mandaram in Kandruvaţi in Veli-nadu-vishaya, to the teacher Viśveśvara-Śambhu together with the village Vels- gupthi. The teacher is stated to have consecrated therein a. Siva temple, founded a monastery and a choultry and naming the village Viśveśvara-Colaki, allotted shares in it to the temple, to the Śuddha-Śaiva monastery, to the mater nity, hospital and a feeding-house also founded by him. |
|------------------------------|--|--|--|---|--|--|---|---|
| Language<br>and<br>alphabet. | Teluga Reco  | Regi<br>in<br>Telagu Gift  | Tr-lugn (verse and proме). Вы ргоме).  | Do. Redii   |  | Daracters). Telugu Dar   | Do Reg. 1   | Sanskrit De (Yerse) and Telugu.   |
| Date.                        | Га-<br>Ба,<br>10,  | Saturday.  | Saka 1133 T. Pushya, ba. di. pañ-chadasi, Sundany.   | Saka 1498,<br>Dhatu,<br>Asvija, su. di.<br>15, Monday,<br>lunar eolipse.  | Saka 1326, Sravana,<br>lunar edipse.   | Dhanus-  | Saka 1499,<br>Dhatu,<br>Kartika, su.<br>di. 6, Friday.  | Śaka 1183,<br>Durmati,<br>Chaitra, ba.<br>di. 8, Friday.  |
| King.                        | :  | : :  | Ganaputidera-Maharaju  | Virapratapa Śri-Rangarayadova-Maha-<br>raya 'ruling at Vidyanagara.'  | Peda Komați. Vêma  | Mahamandalesvara Rudradeva-Muha-   | Rajaddiraja Maharaja Yibhuram-Saha-<br>Vodalumgaru.   | Rudradevi   |
| Dynasty.                     | :  | : :  | Kaketa (i.e.,<br>Kakatiya).  | Vіјвуяпа <b>д</b> ага   | Reddi  | Kaketiya   | [Gölkopda]  | Kakutiya  |
| Place of inscription.        | On a second pillar in the same place   | On a stone in a field to the west of Gorantia. On a stone lying before the Mallesvara temple at Ippatam.   | On a stone set up in the same place  | On a stone lying near the tank at<br>Kondepadu.   | On a Garuda-pillar set up before the Lakehmi-Nrisimha temple at Kurunutala. On a rock near the Dargi-Bhairava shrine at Lam.   | On a stone set up in front of the Malles-<br>varasvamin temple in the same village.                            | On a stone set up near the Karnam's house at Malkapuram (hamlet of Mandadam).   | On the huge Nandi-pillar lying near the ruined temple in the same village.  |
| Z,                           | 29   | 88   | 88   | 88  | 90   | 26<br>1  | ,%<br>,035 Home (   | <b>5</b><br>Edn.)—21  |

C .- Stone inscriptions copied in 1917-cont.

| No.         | Place of incription.  | n.                            | Dynasty. | King.    | Date.  | Language<br>and<br>alphabet.       | Remarks.   |
|-------------|---|-------------------------------|----------|----------|--|------------------------------------|--|
| 96          | On the same pillar  |                               |          | :        | Vibbava, Chaitra, fu. di. 1, Friday.   | Telugu                             | Faintly engraved and partly muthlated. Registers the gift of sax perpetual lamps to the temple of Visvesradova at Visvanathe-Goleguri on the bank of the river Krishnavent by Rajagurudovara, (i.e., the royal preceptor) Visvestara Sivanharya and of 2b cowe for each lamp. The artisan (slip: acharya and of 2b cowe for each lamp. The artisan (slip: acharya experient of the complete of the of the complete of the comp |
| 90          | .:  | :<br>:                        | :        | :        | Śaka<br>Kartika,<br>l'ūrņinā.  | Sanakrit<br>(veree) and<br>Telugu. | from the rajuguru. The temples of Somanathadera and Gangesaradera at Velaikapingdi, and the masons (kase) Anoju, Nannapoyu, and Ponnōju attached to the Visranatha temple also received gifts.  Records a gift of 25 cows for a perpetual lamp in the temple of Visranatha, made by Rasisvara-Sivacharya of the Strustas-gotra the (spiritual) son of Rajaguruderarya of the Strustas-gotra the (spiritual) son of Rajaguruderarya of the strustas-gotra the (spiritual) son of Rajaguruderarya of the strustas-gotra the (spiritual) son of Rajaguruderara for the kainpu that kept the cows and supplied the ghee.   |
| 76          | Do  | :                             | :        | <b>:</b> | Saka 12[0•]4,<br>Chitrabhann,<br>Sravana,<br>Wednesday,<br>solar selipse.                            | Do.                                | Records the gift, of 50 sheep made for a perpetual lamp to Pasupati (i.e., Siva) in the temple of Visvesvara at Mandarapura on the hank of the Krishna, by Mahadeva-Chathopadhaya, son of [Modali]pila-Pandita of the Bharadvajagotra. Isana-hoyi also gave 50 sheep for a perpetual lamp, for the merit of his master Kaáskvara-Sivaoharya.   |
| æ           | Do  | :<br>:                        | :        | :        | Saka 12[0*]4,<br>Chitrabhanu,<br>Āsvayuja,<br>ha. di.<br>trittya.                                    | Do.                                | Registers the gift of 50 sheep for a perpetual lamp in the temple of Visyanutha, by Kottaravn Mallaya-Preggada, son of Kommana-Preggada of the Bhanadvaja-gotra, for the merit of his master Rajagurudovara Visvosvara-Siva-196sika, whose officer he was in charge of the granary (dhanyadhiya).  |
| 6. <b>G</b> |   | :<br>:                        | <u> </u> | :        | Saka 1204,<br>Chitrabhann,<br>Paushyn,<br>ba, di.<br>skudasi,<br>Saturday,<br>Makara-<br>Sarikranti. | Do.                                | Records that liant setti the son of Nami-setti of the Chennsella-gotra gave 25 cows for a perpetual lamp in the temple of Visvanathadeva, for the ment of his parents.   |
| 7.00        | On a Naga-stone set up in front of the<br>Afijansya temple at Mallayapalem. | in front of the<br>Ilayapalem |          | :        | Saka 16[48°],<br>Visyavasu.<br>Asvija, su. di.<br>14, Thure-<br>day.                                 | Do.                                | States that [Va]pukuri Anki-Reddi set up a Nagendra-pillar for the merit of his father Nagi-Reddi and mother Bach-chamma.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.          | Place of inscription.  | Dynasty.    | King.   | Date.  | Language<br>and<br>alphabet. | Remarks.  |
|--------------|--|-------------|---|--|------------------------------|---|
| 701          | On a Nandi-stone set up near the Rama-<br>lingasvamin temple at Mandadam.                    | :           |   | Śaka 1201,<br>Pramadin,<br>Chaitra,<br>śu. di. 13,                               | Telugu                       | Records that Amari-sctti, a Vaisya of the Surukoli-gotra and lord of Penungonda gave 25 cows for a perpetual lamp to the temple of Ramisvara-Mahadeva at Mandaram on the bank of the Krishnaveni river in Dodi-Kandravadi.  |
| 103          | On a second Nandi-stone set up near the same temple.   | :           | :   | Sahrahi,<br>Saka<br>Saddharthin,<br>Siddharthin,<br>Chaitra, éud-<br>dha-padyami | Do                           | Registers the gift of 25 cows for a perpetual lamp in the temple<br>of Ramisvara-Mahadeva by Strapa-Reddi, son of Pomi-Reddi<br>Reti-Reddi.   |
| 103          | On a Nandi-stone set up behind the same temple.  | Kōţa        | Mehamandalosvera Genepatideveraja   | (prathama), Wedneedsy. Saka 1184,Dundubhi, Sra-                                  | Do                           | Damaged. Seems to register a gift of land made by the king<br>to the illustrious Rajagurndevara (i.c., the royal preceptor<br>Visvesvara-Desika).   |
| 104          | On the south wall of the shrine of the goddess in the Mallkarjunasvamin temple at Mandapadu. |             | :   | 13, Sunday.  | Telugn<br>(verse and prose). | Fragment, Registers gifts of land made to the god Ganesvara by Prola, son of Vidde-Nayaka and Vennamadevi. Mandudi Kolandu, a favourite servant of Godka and the  |
| 105          | On a Naga-slab set up near the tank in the same village.                                     | [Velanaņdu] | Mahamandalésvara Kulottuńga. Bajendra-Chödeyaraja.                                      | Śaka 10*<br>Uttarāyaņa-<br>Sarbkrānti.   | Telugu                       | ornament of his sabha, is also mentioned.  Records that Mandadi Proli-Nayaka, son of Nami-Nayaka, lord of Sirivolu, and his younger brother Malli-Nayaka gave I kha of land for a perpetual lamp to the god Malli-karjuna-Mahadeva at Mandavuram, for the merit of the  |
| 106          | On the same slab   | :           | •   | Śaka 1090,<br>Uttarayaņu-<br>Samkranti.  | Do                           | king. Surya-Tapodhana who received this land agreed to supply one maneto of ghee daily. Records a gift of 55 sheep for a perpetual lamp in the temple of Mallikarjuna-Mahadewa at Mandavuram, by Narayana, son of Pedda-Froli-Nayaka, the lord of Sirivrolu, and younger brother of Mandadi Proli-Nayaka.         |
| 107          | Do. : : :  | [Velunaņdu] | Mahamandalesvara Kulottunga-Rajen-<br>dra-Chodoyaraja.                                  | Do.  | Do                           | Registers the gift of 55 sheep made for the merit of the king for a perpetual lamp in the temple of Mallikarjuma-Maha-deve at Mindaymen hy Marmadanette (the land of C.   |
| ,10 <b>8</b> | Do. ::   | Do.         | Rajendre-Choda-Maharaja, son of<br>Mahamandalsévara Kuldtunga-Choda-<br>Gonka-Maharaja. | :  | Dο                           | dipure, of the Apastamba-lula and the Bharadvaja-gotra.  Records that, for the merit of the king, Mandadi Nami-Nayaka, his younger brother. Proli-Nayakand his other relations granted certain day and wet landle for lamps and effectings in the temple of Mullikarima-Mahadaya, at Mandayaram                   |
| 109          | On a stone lying in a field at Mukka-<br>mala.   | :           | :   | Saka 1130  | Do                           | in Kondupadunati. Surya-Tapodhana is mentioned as one of the donese.  Mutilated. Records gifts of land made to the gods Malli-karjuna, Tripurantaka and Gansésura and to a number of Brahmanas, by Vippayula'Kondapa-Nayundu and Gundapa-Nayundu, for the merit of Ketaraja, probably the Kota king of that name. |
|              |  |             |   |  |                              |   |

O.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Describes the glory of the goil Raunchundru at Kondingara and mentions Narana-Muntri, son of Bhimana of this doify.  Dimaged. Securs to register the gift of a garden-land for trees, to the temple of Lakkhur-Narayana by Mange mayaru, wife of Stramayyangaru of Parasara-götra, taniha-suku and Yajnf-sakha.  Much danuaged. Securs to register a gift of an agral the temple of Göpinatha at Nallapadu.  Rayanihagaru, son of Stranga-Nayaka and grand Rayanihagaru, son of Stranga-Nayaka and grand Bandarupalli Amma-Nayaka of fisri planti-götra.  Unfinished. Refers to a perpetual lump set up in the of Saktisvara-Mahadova at Nudenkki, by Yangi-Rson of Saktisvara-Mahadova at Nudenkki, by Yangi-Rson of Pulikranda Egiyana-Rathadi.  Built in. Registers the gift of cows for a perpetual lathe temple of Saktisvara-Mahadova at Nudenkki, by Yangi-Rson of Pulikranda Egiyana-Rathadi.  Built in. Registers the gift of cows for a number of swomen attached to the temple of Saktisvara-Mahadova at Nudenkki in the temple of Saktisvara Kendravath [Bhi]maraja.  Bumaged. Records gifts of land to a number of women attached to the temple of Saktisvaradova at by the Mahamandalesvara Kendravath [Bhi]maraja.  Sates that Mara-Nayaka son of a certain Romi-Neonwe for the perpetual hump. Contains a descripte to 600 mahajanas of Mallyajana.  Damaged. Mentions the temple of Göpinatha and made to it by Bhaskara, king of Chandragiri.  Rocords that the king made tax-free certain lands at Fpadu in Kondapadumati, which had been grante temple for offerings. Uiffte were also made by the vto Gapsévara, the village goddess and the temple actor the merit of vininiodanju. Registere also a gifor the merit of vininiodanju. Registere also a gifor the merit of vininiodanju.  | No. | Place of inscription.  | Dynasty.            | King.  | Date.  | Language and                              | Remarks.   |
|--|-----|--|---------------------|--|--|---|--|
| the Sinchman servinn length at Nella  The same reliage.  On the fourth will of the Goghavatain temple at Nella  On a stoon in the north wall of the Coghavatain temple in the same reliage.  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparing Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1488  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparingura Sirkanganyadova, Maharaja.  Sinch 1489  On a stoon lying in a street at Midmulk. Vijeyungura Vineparingura Vijeyungura Vijeyun | 110 | On a nillar of the Kalvana-mandana in  |                     |  |  |   | 1  |
| On the front wall of the considerated and the front wall of the consideration of the front wall of the consideration of the front wall of the consideration of a state of the front wall of the consideration of the front wall of the consideration front wall was to be considered with the consideration front wall was to be considered with the consideration front wall was to be considered with the consideration front wall was to be considered with the consideration front wall was to be considered with wall was to be considered with the consideration was to be considered with the consideration wall was to be considered with the consideration wa |     | the Staranasvamin temple at Nalla-   |                     |  | кзћа   | (verse).                                  | Describes the giver of the goal islandchandra at Kondervial negare and mentions Narana-Martri, son of Bhimanamatys of the Kasyapa-götra and Lakkamba, who was a devotee of this doify.   |
| Due atone wall of the content wall of the Laboration and the same tiles and street at Nidumuk:  Laboration Night and Strike and the same tiles and tile | 111 | On the front wall of the Göpalasvamin<br>temple at the same village.                   | :                   | ÷  |  |   | Damaged. Seems to register the gift of a garden-land for fruit-<br>trees, to the temple of Lakshunt-Narayana by Mangamam-<br>mayaru, wife of Sriramayyangaru of Parasara-goire, Apas-  |
| On a stone lying in a street at Nidumuk. Vijeyanegars Vineprateps Sr-Raagerdore-Maha-Saja-Walla and Chair of Raja-Walla Saja-Walla and Grand Raja-Walla Saja-Walla and Grand Raja-Walla Saja-Walla Saj | 112 | wall of<br>temple in   | :                   |  | abbra<br>kdra<br>di                          | Sanskrit and<br>Telugu.                   | tamwa-suora and tajmsastna. Much damaged. Seems to register a gift of an agrahara to the temple of Gopinatha at Nallapadu.   |
| On a pillar of the madiyarangem of the following the same place  Sakan 1080 and the same place  On a second pillar in the same place  Sakan 1080 and the same tomple at Wutgakii.  On a stone set up near the autrance into Chola.  On a stone set up in a field of the pin a field of the pin a field of the pin at the same village.  On a Hanuara pillar set up in a field of the pin front tenple at Malikarjmavamin temple at Malikarja.  Samakria (D. 10 Samakria  | 113 |  | Vijayanagara        |  | 14[99] 14[99] 1. di. 15, day,                |   | Records the gift of # kha of land at Nidumukkula in Konda-vidu to the temple of Gopinatha of this village, by Kondama-Nayaningaru, son of Sifranga-Nayaka and grandson of Bandarupalli Amma-Nayaka of [Sri]hari-gotra.   |
| On a second pillar in the same place  On a stone edu puncture the antrance into Chalukya- Chola (II) Saka 1040  On a stone set up near the midigapalli of the long and the same village.  On a Hanuman-pillar set up in front Velanandu Rajandra-Cholaria solution and the barn family of the part of the          | 114 |  | Chalukya-<br>Chola. | :  | Saka 1080 and 13th year, Dakshi nayana. Sam- |   | Unfinished. Refers to a perpetual lump set up in the temple of Saktisvara-Mahadova at Nudwikki, by Yangi-Rattadi, son of Pulikranta Eriyama-Rattadi.   |
| On a stone bying near the entrance into Chelaukya.  Chola.  Ohola.  Oh | 115 |  | •                   | :  | Saka 1080 and the 1[3]th year.               |   | Built in. Registers the gift of cows for a perpetual lamp in the temple of Saktisvara-Mahādova at Nūdenkki, by a [Re]ddi of the Jonithnrii inmily.   |
| On a stone set up near the Madigapalli of International December of Leaves for the perpetual lamp. Contains a descriptant Bonie. Samkranti.  On a Hanuman-pillar set up in front Velanandu Pamandu Pamulapadu.  On a Nandi-Naga-pillar set up in front Velanandu Pamandu Pamulapadu.  On a Sankranti December of the temple of Kešavadeva at Natekki ar Natek Nate also made by the village goddess and the temple of Gopinatha and nate of the Nate also made by a Reddi for n perpetual lamp.   | 116 | On a stone lying near the entrance into the same temple.                               | Chalukya-<br>Ohola. | Kulottunga-Chöda (II),   | 44.45  |   | Damaged. Records gifts of land to a number of dancing women attached to the temple of Saktisvaradova at Nuteki, by the Mahamandalesvara Kandravani [Bh] maraja.  |
| On a Hanuman-pillar set up in a field of  Con a Hanuman-pillar set up in front Velanandu  Anaharaja.  On a Manamanda-  Sanskrit  Sanskrit  Pamulapadu.  Do Damaged. Mentions the temple of Göpinatha and made to it by Bhaskara, king of Chandragiri.  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Pamulapadu.  Pamulapadu.  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Focords that the king made tax-free certain lands at Forger and the ben granter padu in Kondupadumati, which had been granter prope of Gandragalumaty, which had been granter prope of Chandragiri.  Sanskrit  Sanskrit  Sanskrit  Focords that the king made tax-free certain lands at Forger and the ben granter padu in Kondupadumati, which had been granter prope of Chandragalumaty were and the temple set for the merit of Yininjodraju. Registers also a gi  | 117 | On a stone set up near the Madigapalli of the same village.                            | :                   | :  | arây<br>ıkra                                 |   | States that Mara-Nayaka son of a certain Boni-Nayaka, founded the temple of Keśnyadeyn at Natekki and gaye 25 cows for the perpetual lump. Contains a description of the 600 mahajanas of Mallyajna.   |
| On a Nandi-Naga-pillar set np in front Velanapdu Rajendra-Chōḍeraja son of Mahamanda Sanskrit of the Mallikarjunasvamin temple at Pamulapadu.  Pamulapadu.  Pamulapadu.  Pamulapadu.  Pamulapadu.  | 118 | On a Hanuman-pillar set up in a field of<br>the same village.                          | :                   | :  | :  |   | Damaged. Mentions the temple of Göpinaths and a gift made to it by Bhaskara, king of Chandragiri.  |
|  | 719 | On a Nendi-Naga-pillar set up in front of the Mallikarjunasvamin temple at Pamulapadu. | Velanaņdu           | Rajendra-Chöderaja son of Mahamanda-<br>lekvara Kulottungachoda-Gonka-<br>Maharaja . | :  | Sanskrit<br>verse and<br>Telugu<br>prose. | Records that the king made tax-free certain lands at Pamula-padu in Kondapadumet, which had been granted to the temple for offerings. Uifts were also made by the villagers to Ganescara, the village goddess and the temple servants, for the merit of Yininjodraju. Registers also a gift of 55 cows made by a Reddi for a perpetual lamp. |

| *           |
|-------------|
| ~           |
| ~           |
| ્ર          |
| Ö           |
| - 1         |
| - 1         |
| $\succeq$   |
| ~           |
|             |
| 61          |
| بب          |
| -           |
|             |
| i.          |
| Ξ.          |
|             |
| ~           |
| ~~          |
| ب           |
| •=          |
| ğ           |
| _           |
| ≍           |
| •           |
| 770         |
|             |
| $\Box$      |
| 0           |
| -,          |
| tion        |
| à           |
| .=          |
| -           |
| ~           |
| ×           |
| ==          |
| $\sim$      |
| •~          |
| -           |
| a,          |
| •           |
| 8           |
| $\approx$   |
| <del></del> |
| <i>U</i> 2  |
| ī           |
| ı           |
|             |
| - •         |
| L)          |
|             |

| 4                     | No.        | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.                                    | Dute.  | Language<br>and<br>alphabet.    | Remarks.  |
|-----------------------|------------|---|--------------------|--|--|---------------------------------|---|
|                       |            | On the same pillar  | <u>:</u>           |  | Suka 1094,<br>Kartika,<br>punnema<br>(i.e., punnema),      | Teluga<br>(prose and<br>verse). | Records a gift of 55 sheep for a perpetual lamp to the god Dharjati (i.c. Siva), by Kondana, grandson of Pamulapati Kondapa-Beddi, for the morit of his father Bhimi-Keddi and mother Kamusani.   |
| -                     |            |   | :                  | :  | Do.  | Do.                             | Records a similar gift by Bollana for the merit of his father Vennapa-Reddi and mother 110lasani, to the god Parva-   |
| -                     | 122        |   |                    | :  | Do.  | Do.                             | Hegisten at Pamulapadu. Registen a gift of \$6 sheep for a perpetual lamp to the god Siva by Kommana the con of Pamulawati and the control of the sheep to the perpetual lamp to the control of the sheep that the control of the contro |
| E '                   | 128        |   | :                  | :<br>:                                   | Śakt 1094,<br>Uttarayana-<br>Sadikranti.                   | Po.                             | Teryantanha for their merit. Reco da a gift of 55 sheep for a perpetual lamp to the god Mulasthane-Mallikarjunadeva at Pamulapadu, by Veminayaka, son of Yeggama-Reddi and Chamasani.   |
| 7' \                  |            | Do  | •                  | :  | Do.  | Do,                             | Records a similar gift to the god Kapardin (Siva) at Panula-<br>padu by Kommana for the merit of his grand-father Sara, a-<br>Reddi and his parents, Ketr-Reddi and Kotasni,  |
| >                     | <b>125</b> | On the Hannman-pillyr set up in front of<br>the Vishnu temple at <b>Paturu</b> .                  | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa Deveraya                     | Śaķa 1344,<br>Sarvatin,<br>Pralguņa 611,<br>di. 15, Thurs- | Sanskrit<br>(ve.se).            | Demaged. Seems to register a gift of land at Pranturu made<br>by prince Razachandra through (his agent) Chenukalı<br>Kosava, to a ortain Konduri Ramanuja.  |
|                       | 126        | On the rock near the Nrisimhasvamin cave shrin e on the bill at Peda-Palaka. luru.                | :                  | :  | day.<br>Saka<br>Jaya, Magha,<br>su. di. 6.                 | Teluga :.                       | Do. States that Madenagopala, son of Govindaya and grands in of Vunnuva Tirumalaya of the Kasyapa gotra reconsecrated the image of Amentasayin in the shrine of Narusimha at Peda-Palakaluru and grunted land for the   |
| ,<br>5 <b>Ho</b> me ( | 127        | On a mutilat d stone built into the east wall of the Venugōpalasvāmin temple in the samè village. | :                  |  | :  | Ю                               | bodily and festive enjoyments of the god and other services. Fregment. Mentions Rajondra-Choderaja and seems to record grunts of land made for offerings and services in a temple, the name of which is lost.   |
|                       | 128        | On a pillar lying in a dothsa to the south of Peda. Parimt.                                       | [Golkonda]         | Saidu Abdulla Saidu Muhammadu<br>Sahibu. | Saku 1686,<br>Krodhi, Āsh-<br>adha, su. di.<br>2, Wednes-  | ъо                              | The people of Tandikonda (the mokhasa village of Saidu Abdulla) together with those of Parimi came and represented to the chief authorities (Injuru) that the enjoyment of a purticular land (in diepute) belonged to Tandikonda and that the Parimi people were causing unnecessary ruch for its   |
|                       | 429        | On a stone lying in front of the Venu-go, slasvamin temple in the same village.                   |                    | •  | Śaka 1726  | Telugu (versø).                 | possession. The dispute was head and decided in favour of the former and new boundary stones were ordered to be put up in places not accessible to people.  Much damaged. Begins with a sulutation to dorala and mentions Parimi in the course of the description of a procession.  The author of the record is Nagam Mallaya.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| ,        |  |                    |   |  |                    | A DATE OF THE PROPERTY OF THE |
|----------|--|--------------------|---|--|--------------------|---|
| No.      | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and       | Remarks.  |
| 130      | On a pillar set up hefore the Vallesvars-<br>svamin temple at Ponumäka.      | Kakatiya           | Rudramahadévi                                     | Śaka 1210,<br>Barvadhari,<br>Karttika, śu.<br>di. 1, Thurs-<br>day.          | Telugu<br>(vorse). | Much damaged. States that while Paravata-Nayundu was raling under orders of the queen, certain vrittis were granted. Mentions the mahajanas of Tradopali. Also states that Kannada Mallaya and Buddaya-hahttundu were required to do certain services in the temple with the consent of the devotees of Penumbaka, and enjoy the income   |
| /131     | On a broken pillar lying in front of tho<br>Gokarpssvara temple at Penumuli. |                    | Mahamandalegvara Pratapa-Rudradevu-<br>Maharaja.  | Saka 1236,<br>Anenda,<br>Ashadha, su.<br>di. 6, Thurs-<br>day.               | Do.                | states that Fraya-Lenkangaru employed at the gate of the royal paace remitted for the merit of the king, all unlawful collections like kanika and gadduga-mada on lemple vrittis and putti-puhindi, putti-koluvu, upakriti, sankamu, pasulapullari and känika on the vritis of the mahajanas, in the 22 villages (named) of his nayankaram, and put up this sasana-stambba hefore the Ghurikvara-Mahadeva temple at Fonumbuluvu. Mentione Svayambhunathadsva of Orungallu. On the third face of the pillar are given sketches of the two standard oubit measures used in measuring lands.   |
| 183      | On a stone lying behind the same temple                                      | Choļa              | Tribhuvanachaktavartin Kajarajaddva               | Śaka 1087,<br>lunar celipse.   | Telugu             | Dannaged. Registers a gift of land by the Mahamandales ara Kullotanga-Rajen Jdrachodenaja for offerings, to the tomp'e of thannadidor, at Kolumbaliana.   |
| 3        |  | Parichehkedi       | Mahamundalesvara Salreparaja)                     | :  | Do                 | Mutilated. Contains the usual cu'ogy of the kings of this   |
| <b>*</b> |  | D <b>o</b> .       | Bhimarája   | Śsku 1152,<br>Vaiśskha,<br>śu. di. 3,<br>Thursday.                           | Do                 | Records, the gifts of dry and we tlands usue by the king to the temple of Gopdadeva, which was founded and built by a certain Senama-sett for the merit of the king's parents Mahamandalesvara Parichehota Kommaraja and Suralamandadevi. Gift of land to the temple of Mallideva is showned.   |
| 135      | On the same pillar   | :                  | :   | Śaka 1199, Śrā-<br>vaņa, śu. di.   | Do                 | States that a certain Egapotada set up a hamp (ara-dipa) for the merit of his parents in the temple of Gopsladevs at Destina and account to a contain at  |
| 186      | Do   | Parich-<br>obhødi. | Mahamandalesvarus Bhmaraja and<br>Uttam-Bhmaraja. | <b>-</b> ∞   | Do                 | Records the gift of a   lamp ench, by Vensans-boyundu and Nara-bondu, the attendants of the kings.  |
| 187.     |  | Jo.                | Mahamandoldévara Bhimaraja                        | day, Makara-<br>Samhranti.<br>Saka 119(4],<br>Sravana, ba.<br>di. 11, Satur- | Do.                | Damaged. Registers a gift of sheep made for a perpetual lamp in the temple of Gopaladera by Mage boyundu, an attendant of the king.   |
| 38       | On the stone lying in front of the same temple.                              | Do.                | Do. do  | Saka 1168,<br>Pashya, sudi, b, Thureday, Makura-Bamkranti.                   | Do                 | Do The chief with his younger brothers Uttam-Bhimarajs, Dévaréja and Ganapadévarája seems to have given some land to a Siva temple for the merit of his parents Kommaréja and Súraladévi.   |
|          |  |                    |   |  |                    |   |

C.—Stone inscriptions copied in 1917--cont.

| No.        | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.                                   | Date.   | Language and alphabet.             | Remarks.  |
|------------|---|--------------------|---|---|------------------------------------|---|
| 189        | On the same stone   | :                  | :                                       | Saka 1216,<br>Jaya, Push-<br>ya, shu di. 8,<br>Sunday, Ma-<br>kara-Sam- | Telugu                             | States that Malneni ketinendu bought some land from Bhimana-Pogada Pochiraju and granted it to the temple of Somanathadeva, for the merit of his parents and of Ayyaraja and Devaraja.  |
| ~140       | On a second pillar of the madhyaranga of the Dandéévarasvamin temple at Prattipadu. | Pariohoh-<br>hødi. | Mahamandalosvara Kusmırıja              | kranti.<br>Saka 1144,<br>Chaitra, su.<br>di. dasami,                    | Do                                 | Records that the king founded the temple of Gandisvara-<br>Vahidova and gave two marius of wet land for offerings for<br>the merit of his queen Sabbamadevi.  |
| <b>151</b> | On a second pillar in the same place  | Кођа               | Nahamandalesvara Ganapatideva-Maharaja. | Sankrauti.<br>Sankrauti.  | Sanskrit<br>(verse) and<br>Telugu. | States that the king who was the son of Manma-Geta and Bayyamam's gave seven vrittis in Trattipadu and six vrittis in [Penu]hamu to Brahmanas among whom was Nara-litha, an ubhayakavi.   |
| 142        | On the third piller in the same place   | :                  | •                                       | Śaka 1435, Śrt-<br>mukha, Śra-<br>ruņa, ba, di.                         | Telaga                             | tates that Gifijupulli Annamanayaningaru had the temple and the mandapa of Gundisvara-Mahadeva plaetered with chunam for the merit of his parents Potinendu and   |
| 148        | On a pillar of the pertico of the same temple.                                      | :                  | :                                       | 13, Friday. Saka 1450, Sar- yadhari, Ma- gha, śu. 5, Thureday.          | Telugu<br>(prose and<br>verse).    | Chittenna. State that for the merit of his parents Potinayudu and Chittena, Gifippalli Abbinayandu built the southern portion (mukhabhadra). In the lower section of the pillar is given in a verse the name Dasoja of the architect that built the |
| 144        | On a second pillar of the same portico  | :                  | :                                       | Saka 1476,<br>Ānanda, Šra-  | Do.                                | portioo. Reoords that Tummipundi Chilttchhattundin made and presented the image of Parvatidovi to the temple of Papilsyara-<br>Anhadovi, at Prattinade, for the merit of his merents Talla-   |
| 146        | On the same pillar  | :                  | :                                       | 16, Sunday  | l'clugu                            | nu and Naga-bhattudu.  The measure of the ghada (pole) as shown here and determined by Purushottamaya, the rayasam of Rayapanayanivaru, is 32 spans. The record states that 112½ kuntas measured by this ghada would make a kosaripati-tumu.        |
| 146        | On the Nandi-jillar set up in front of the same temple.                             | •                  | :                                       | Śaka 1596,<br>Ananda, Ma-<br>gha, śu. di.                               | Do                                 | States tha! Kūkamānu Parvatu-bhaktuņdu built the boll-plat-<br>form (ghanța-vēdi) m the temple of Gandesvara-Mahadeva<br>for the merit of his parents Ayyama and Pera-bhaktudu.   |
| 147        | 7 On a stone set up in the same place   | :                  | :                                       | Ja, Friday.<br>Saka 1079,<br>Uftara-<br>Samkramapa.                     | Sanskrit<br>(versc) and<br>Telagu. | Records the gift of 55 sheep for a perpetual lamp in the temple of Gandesvara, by Narayana, a Valsya of the Dhanada-(i e, Kubera)vamsa and the Mulya-gotra, who was lord of Penugonda.  |
| 148        | On the lamp-column set up in the Venu-gopaleavamin temple in the same village.      |                    | :                                       | Śaka 1202,<br>Vaiśakha,<br>Sunday.                                      | υ°                                 | Records the setting up of this Garuda pillar in the temple of Gopinatha at Prattipadu by Pedmanabha, minister of king Kannara.  |
|            |   | -                  |   | ,   |                                    |   |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.  | Place of inscription.  | Dynasty. | King.                                     | Date.  | Language and alphabet.          | Remarks.  |
|------|--|----------|---|--|---------------------------------|---|
| 7149 | On the left column of the entrance into the Vresvaru temple in the same village.         | :        | :   | -£ 3 - i   | Telngu                          | Records the gift of the bull (samukhapu-nandi) to the temple of Virabbadra by Peddi-Reddi son of Voddipati Linga-Beddi, for the merit of his paternal uncle Pôti-Reddi and his mother   |
| 7160 | On a stone in the north wall of the Venu-gopalssvamin temple at Ravela.                  | :        | :   | Saka 1352,<br>Virodbikrit,<br>Margasira,<br>bu. di. 7,   | Гelugu<br>(verse and<br>prose). | Thumasani. S'ateathat Sishtla Ramanarya (1180 called Sishtla Rama-Jiyyalu) of the Stratsa-götra, son of Peddanarya and husband of Vallabhamba, constructed a tank at Pulipaga, raised a grove of trees near it and built the temple of Gopinatha at |
| /161 | On a mutilated stone lying in front of the Virabhadra temple at Rayapudi.                | :        | :   | ау.<br>Jaya,<br>iha, śu.<br>, Thurs-                     | Telugu                          | Ravelanura.<br>Mutilatuf. Registors a gift of 25 cows for a perpetual lamp<br>to the god Gopinatha at Ravipandi. Gifts of land are also<br>recorded.  |
| 162  | On the same stone  | :        | :   | gaku 120*,<br>Maghu, su.di.                              | Do                              | Do. Records a grant of land made to the god [Gopin]atha at<br>Ravipandi by a certain Amarinêndu of the Mandadi  |
| 163  | . Do   | :        |   | Saka 1211,<br>Sravana,                                   | Do                              | family. Do. Registers gifts of land by purchase at Nirukonda, Ravipundi, etc.   |
| 164  | До,  | •<br>:   | :   | Śaka 1183,<br>Magha, śu.di.<br>5, Thuredey.              | ъ                               | Registers that Ravi-Reddi son of Rovi-Reddi Ganapi-Reddi<br>the 1 rd of Ponnigodu and a worshipp or of the feet of the<br>god Kakalisvaradeva, made a gift of 1 kha of lanka-land   |
| 165  | 1)0  | Kakatiya | Mahamandaleévara Rudiadera-Nuha-<br>raja. | Śaka 1191,<br>Karttika, śu.<br>di 16. Phors-             | Ðo                              | to the god Gopinatha. Mutilated. Scenis to register a gift of land by Parrata-Najuka, the nide-de-camp and the minister of the king.  |
| 156  | On a mutilated Nandi-pillar set up in front of the Sômésvara temple in the same village. | Do. :    | Do.                                       | day.<br>110.   |                                 | Seriously damaged. Records gifts of land made to the god<br>Mülisthana Somesware, Mahaders, at Ravipund, by the   |
| 167  | On the same pillar   | :        | :   | Saka 1191,<br>Asvayuja, su                               | Do                              | ring 8 and de-coint and minister invaria in years. Multiled. Gift of an oil-mill to the temple of comosavaradova by Paruvita-layska, for the merit of his parents and of  |
| 168  | Do   | :        | :   | di. 6, Sunday.<br>Saka 1200, Sra-<br>vana, su. di.       | Do                              | Marna-Preggada.<br>Gift of an oil-mill by a private individual.   |
| 4169 | ъъ   |          | :   | Saka 1596,<br>Ananda Magha, ba.di.                       | Telugu<br>(verte and<br>prose). | States that Yarramraju the son of Madiraju Abbaraju, and his elder brother Abbaraju the son of Linguraju, who belonged to the Kasyapa-gotra and were the stheightenname   |
| 780  | On a stone lying near the tank at Reddipalem.  | :        | :   | Šaka 1726,<br>Raktakeli,<br>Pastakeli,<br>Oli 15, Thore- | Telugu                          | of Kavipundi re-constructed inc. Spring of a diagonature. Mahador- at Ravipundi. Damaged. Records the foundation of a grove and a well by a octain Buchchilaju.   |
|      |  |          |   | day.   |                                 |   |

C.--Stone inscriptions copied in 1917-cont.

| .   ~ | No.    |   | Dупавtу.             | King.   | Date   |  | ,   |
|-------|--------|---|----------------------|---|--|--|---|
| •     |        | On a siab sat up in front of the venu-gopalasvaroin temple at Sekuru.   | Vijaya-<br>nagara.   | Virapratapa Achyutadéva-Maharaya                            | <b>`</b> 02                                  | Śaka 1454,<br>Nandana,<br>Margasira,<br>su. di. 2.   | 146<br>ndana,<br>rgasira,<br>di.                  |
| ÷ •   | 162    | On a pillar lying near the same templa  | Do                   | Virapratapa Vica-Śri-Ruńgarayadova-<br>Maharaya             | Thu<br>Saka<br>Bha<br>Mag<br>di.<br>Thu      | rsday.  14: hu, s                                    | rsday,<br>ha,<br>ha,                              |
| - •   | 163    | On a stone lying in front of the Som-<br>osvarasvamin temple in the same village.                             | Do.                  | Virapratapa Sadakivadova-Maharaya, 'ruling at Vidyanagara.' | Saka<br>Kaudr<br>Magha<br>di. 11             | kn 1482,<br>Kandri,<br>Magha, śu.<br>di. 11          | · <del>·</del> · ·                                |
| •     | 164    | On another stone lying in the same place  | :                    | <u>:</u>  | Saka<br>Krôdhan<br>Makera-<br>Samkran        | ka 1187,<br>Krôdhana,<br>Makara.<br>Samkranti.       | 1187, 100   |
| 1     | 165    | in a field of the same  | Vijaya-<br>nagara.   | Virapratapa Sadasivadsva-Mahalaya                           | Saka<br>Kandri,<br>Magha,                    | 1482,<br>i, sn.                                      | 1482, Do This is almost an exact copy of No. 163. |
| 1035  | 166    | On a stone with Siva-inage set up in a field at Selapadu (bamlet of Sektru).                                  | :                    | :   |  |  | Telugu (in archaic oharacters).                   |
|       | 167    | On the left (proper) column of the inner entrance into the Chandrasekharusva. min temple in the same village. | Kakatiya             | Ganapatidera Maharaja                                       | Saka<br>Tarana.                              | 1146,  | 1146, Feluga                                      |
|       | 168    | On the south wall of the same temple  | :<br>:               | :   | Saka 15<br>Pramadi,<br>Āsvija,<br>di.11, Thr | ka 1502,<br>Pramadi,<br>Āsvija, su.<br>di.11, Thurs- | 1502, Do di, su. Thurs-                           |
| /     | ~169   |   | Eastern<br>Chalukya. | Sarvalokasraya Vishnuvardhana-Maha-                         | day.<br>33rd year                            | :  | <u> </u>  |
| >     | ۰170 · | On the top beam of the northern entrance of the Mulasthanssvara temple at Tadikonda.                          | :                    |   | Svabhanu,<br>Māgha, śu.<br>di. 5, Friday.    | śu.<br>riday.  | characters).  Su. Felugu riday.                   |

C.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.          | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language<br>and<br>alphabet.       | көтағке.  |
|--------------|--|--------------------|--|---|------------------------------------|---|
| 171          | On a mutilated Nandi-pillar lying near the tame temple.                      | [Koha]             | Propesiu and Bayaraju, grandsons of Venuanadevi. | :   | Telugn                             | The chi-fs call themselves the lords of Dhanyakatakapura and worshippers of god Amarošvara. On a shoond side is mentioned a grant of land at Nrukonda by Pina-Kommaraju son   |
| 172          | On another Nandi-pillar set up in the same place.                            | :                  | :  | Śa <b>ke</b> 1188,<br>Vaisakha, śu.<br>di. 13, Thurs-<br>day. | Sanskrit<br>(verse) and<br>Telugu. | of Profr]gaju and Amalideva son of Peggaju.  The Sanskrit portion supplies a genealogy of some chiefs of the Sontan control custe and states that Fundambika, wife of Manuar-Pota, succeeded to the kingdom after the death of her husband and anised a temple of Siva for his merit. The Telugu prefigure that the finds were granted to the |
| <b>V178</b>  | On another Nandi-sione set up in the same<br>place.                          | Kakatiya           | Mahamandalesvera I'ratapa-Kudradeva-             | Śaka 1225, Śobbakrit, Phal-<br>guņa, su. di.                  | Telugu                             | anma-Potīsvar<br>the king [So]!<br>he dry and Y   |
| <b>√17</b> ⁴ | On a stone set up near a potter's house in the same village.                 | :                  | :  | Saha 1183, Chaitra, su. di.                                   | Do                                 | and made them sarramanya. Registers a gift of land by Vennaladévamma to the god Mailaradèva at Tandikonda.  |
| 176          | <u> </u>   | [Ко̂фа]            | Irmadi-Ganupayaraja                              | Saka 1169,<br>Kulaka,<br>Samkranti.                           |                                    | Registers a gift of land made by the king to the temple of Channa-Mallosvara, for the merit of his parents.   |
| 7116         | On a mutilated stone set up opposite to<br>the choultry in the same village. | Vijayana-<br>garu. | :  | :   | Do                                 | Much damaged and mutilated. Mentions Gutti Yagam-Tirumalaraja.  |
| 111          |  | :                  | :  | Saka 1223,<br>Phālguņa,<br>fu. di. l,                         | Do                                 | Damaged. Registers a gift of land for offerings to the temple of Gopinatha.   |
| 178          | On a boulder near a tunk to the west of Vaddhamanu.                          | :                  | :  | Thursday.<br>Saka 1596,<br>Raksbase,<br>Ashacha, éu.          | Do                                 | States that Ornganti Angenka constructed a tank at Vadhamanu and prohibited the levying of pullari for the cattle that drank its water.   |
| 479          | On a slab setiup in front of the Rudres-<br>eara temple at Vaddhesvaram.     | Kakatiya           | Rudre[madevi]                                    | Saka 1196,<br>Vajsakha su.<br>di.1, Monday,<br>Uttarayana-    | Do                                 | Much damagod. Mentions a ocrtain Malli-Nayańkulu  |
| 180          | On a stone in the cast compound well of<br>the Venugopalasvamin temple at    | •                  | :  | Samkra ntil. Plavanga, Kartika, du di. 15,                    | Dο                                 | Registers the survamanya gift of 6 kuchchala of land, to the temple of Gojinatha at Venfella, by Jadi Machinendu.   |
| 181          | the west of  | Koța .             | Mahamundelesvara Betaraja                        |   | Do                                 | Hecords that Kuna-Löyundu. con of Bandanuvu Chöda-böyi, and a servant (banyu) of the king, went with Parvadi-Reva to the open ground of Garalapadu, threatened Romma-Reddi, hilled Bhimaraju and died after fighting with great prowess.  |
|              |  |                    |  |   |                                    | * derivating mains , min ,  |

| • | ٠.    |
|---|-------|
|   | =     |
|   | ~     |
|   | 9     |
|   | O     |
|   |       |
|   | 1     |
|   | •     |
| 3 | •     |
| _ | _     |
| 3 | =     |
| ζ | ъ     |
|   | Ŗ     |
| • |       |
|   | _     |
|   | Ξ     |
| ۰ | _     |
| ı |       |
| ۰ | ਢ     |
|   | ō     |
|   | =     |
|   | 0     |
|   | =     |
|   | 0     |
|   | 0     |
|   | _     |
|   | 8     |
|   | ~     |
|   | =     |
| _ | ·     |
| - | 3     |
| 7 | ≍     |
|   | -     |
| • | ₽     |
|   | necri |
|   | 0     |
|   | æ     |
|   | •     |
|   | =     |
| _ | _     |
|   | •     |
|   | ă     |
|   | ☱     |
|   | 0     |
| 4 | •     |
| ì | n     |
| ۰ | ~     |
|   | 1     |
|   | 1     |
|   | •     |
| ۲ | ~     |

|     | Place of inscription.   | Dynasty.  | King.  | Date.   | Language<br>and,<br>alphabet.      | Romarks.  |
|-----|---|-----------|--|---|------------------------------------|---|
| 182 | On a boundary stone lying to the west of the same village.                    | •         | :  | :   | Telugu                             | (This is the boundary stone of) the agrahara of Gundavaram, belonging to Tallapaka Tiravengalanathayyavaru. Marked with sun and moon and the figure of Vamana. Gundavaram   |
| 188 | On a alab set up near the Awar66vara<br>temple at Zonnalagadda.               | Vefankņdu | Mahamandalesvava Kulöttunga-Rajen.<br>dra-Chödayaraja. | Śaka 10[9]6<br>Dakshina-<br>yana-Sam-<br>kranti.  | .Do                                | states that Valyagan wife of a certain Churya (for Juriya) States that Valyagan wife of a certain Churya (for Juriya) Ammana-Preggada built the temple of Vallabhéévara or Juriya-Ammana-chéqa-Vallabhéévara at Jonnalagadda, and gave 3 kha of land to Kuryabharana-Pangdia the priest of this temple, for the merit of the sing. She also gave 1 kha to the concel-blower and 2 kha and 10 na' of land for per- |
| 184 | On the same slab  | :         | :  | :   | Sanskrit<br>(verse) and<br>Telugu. | petual lumps and daily offerings.  Describes the valour of Ammana who was [the son] of Tikkana secribes the valour of Ammana who was Bhua of the Huritagotra, a resident of Amittapura in Velanandu-vislaya. He is said to have been a have warrior of the Choda king. This Ammana gave a jayaghanty, dhuparati (incense-waver)   |
| 186 | On a pillar of the Venkatéévarasvamin<br>temple at Chintapalli, (Satienapalli | :         | :  | Śaka 1766,<br>Krodhi, Ma-   | Do.                                | and a diparuti (light-waver) to the temple. Registers that Raja Vasi-Reddi Aobehamuagara built the kulyana-mantapu of four pillars  |
| 186 | <u> </u>  | :         | :  | Saka 1766, Sō-<br>blakrit,<br>Margasirsha,<br>ba. di. 5,<br>Nonday.   | Teluga                             | Records that the same lady renewed the flag.staffs) in the temples of Venkatesivanasvanin, Ramalingesivarasvamin and Visvosivarasvamin, built the sikhara of the first of these and that on Thursday su die of Åsvayuja in Krodhi, she consecrated the image of Ammar aru and presented metallic  |
| 187 | Ona slab set up near the Siva temple at Madlpadu (same taluk, same distriot). | :         | <b>:</b>   | Saku 1582, Sarvarin, Magha, Sivarratri.   | Teluga and<br>Sauskrit             | <u> </u>  |
| 188 | ene villege.  | :         | :  | Sake 114[3], Vrishu (i.e., Vrisha), Karttika — Mondayi, (i.e., Mondayi, falls on the falls on the the bright half). | Telugu                             | 3   |

APPENDIX D.—List of photographs taken during 1916-17.

| Number<br>(continued<br>from the<br>last report). | Locality.  | Description.  | Size of negatives.    |
|---|--|---|-----------------------|
| 412 &<br>413                                      | Anniyūr  | Inscription of Krishṇarāya ,.   | Full plate.           |
| 414<br>415  |  | Copper-plates of Kēta III   | Do.<br>Quarter plate, |
| 416   | Ennaviram  | Stone image of Udaiyavar in the Vishnu temple   | Half plate.           |
| 417   | Tiruviśalūr  | Sculpture in relief of a king and queen worshipping the linga, in the Sivayoganāthasvāmin temple.   | Do.                   |
| 418   | Do.  | Sculpture in relief of Brahmā and Vishņu adoring the linga, in the same temple.   | Do.                   |
| 419   | Do.  | Sculpture of Ananta-Sivan, the builder of the man-<br>dapa, in the same temple.   | Do.                   |
| 420   | Do.  | Stone image of Vīṇādhara-Dakshiṇāmūrti, in the same temple.   | $D_0$ .               |
| 421   | Konerirājapu-<br>ram.  | Sculpture in relief of Chandikēšvara worshipping the god Tirunalam-Udaiyār, in the Siva temple.   | Do.                   |
| 422   | Do.  | Metallic image of a female, in the same temple  | Do.                   |
| 423   | D <sub>0</sub> .   | Metallic image of Kalayana-Sundara with Parvatī and Vishņu, in the same temple.   | Do.                   |
| 424   | Tiruvi-Rāmēś-<br>varam.                                      | Stone image of Ardhanārī in the Siva temple  Stone image of Vishņu (Kūrmāvatāra), in the Siva   | Do.                   |
| 425   | Kudumiyāmalai  | temple.   | Do.                   |
| 426<br>427  | Do.<br>Tiruvālīśvaram  | Stone image of Möhini, in the same temple Stone images of Vrishabhärüdha and Gangadhara on the south side of the central shrine of the Siva temple. | Do.                   |
| 428   | Do.  | Stone images of Natarāja and Dakshināmūrti on the same side.  | Do.                   |
| 429   | Do.  | Stone images of Ardhanārī and Siva blessing Nandi (?), same side.   | Do.                   |
| 43C   | Do.  | Stone images of Kalahara and Kiratarjunamurti on the west side of the same shrine.  | Do.                   |
| 431   | Do.  | Stone images of Kankālamūrti, Dakshināmūrti with Manmatha and Rati on either side and Lingod-bhava.   |                       |
| 432   | Do.  | Stone images on the north side of the same shrine   | $\mathbf{D_{0}}$ .    |
| 433   | Do.  | Stone image of Indra over the top of the central shrine on the east side.   | Do.                   |
| 434   | Do.  | Back view of the top of the central shrine of the Siva temple.  | Full plate.           |
| <b>43</b> 5                                       | Brahmadēsam, (Ambāsamud- ram taluk, Tinnevelly district).    | Front view of gopura of the Siva temple   | Do.                   |
| 436   | Brahmadēšam,<br>(Cheyyār<br>taluk, North<br>Arcot district), |   |                       |
| 437   | Do.  | Stone images of Dvarapalakas in the above temple.   | Do.                   |
| 438   | Gangaikonda-<br>śōlapuram.                                   | Lion's well   | Half plate.           |
| 439   | Ďo.  | Stone image of Siva in sitting posture in the sam temple.   | Do.                   |
|   | 1  |   |                       |

APPENDIX E.—List of drawings prepared during 1916-17.

| Number<br>(continued<br>from the last<br>report). | Locality.       | Description.   |
|---|-----------------|--|
| 1544  | Dana            | Fifty sculptural panels in relief representing the lives of the  |
| 154 to<br>203                                     | Dārāsuram       | Saiva devotees.  |
| 203<br>204  | Kōnērirājapuram | Sculpture in relief of queen Sembiyan-Mahadevi with attendants, observing from a distance her (departed) husband |
|   | -               | Gandarāditya worshipping the Siva-linga.   |
| 205   | Kunnāndārkoil   | Sculpture in relief of a Dvarapālaka.  |
| 206   |                 | Sculpture in relief of a king.   |
| 207   | Kunnakkudi      | standing with folded hands), in the rock-cut temple called Kīlakköil.  |
| 208   | Do              | Plan of the three rock-cut temples called Kīlakkōyil.  |
| 209   | Tirukkalākkudi  | Sculpture in relief of sage Agastya.   |
| 210   | Nāmakkal        | Sculpture in relief of Vaikuntha-Nārāyana with his attendant gods, in the rock-out temple of Narasimhasvāmin.    |
| 211   | Do              | Sculpture in relief of Ugra-Narasimha in the same temple.  |
| 212   | 1               | Soulpture in relief of Varaha with attendants, in the same rock-cut temple.                                      |
| 213   | Do              | Sculpture in relief of Bāla-Narasimha in the Ranganāthasvāmin temple.  |

#### APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17, verified by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal, M.A., B.L., LL.B., I.S.O.

Note.—The following abbreviations have been employed in these statements.—

1. Su. and ba., respectively, for Suklapaksha and Bahulapaksha, the bright and dark fortnights of the lunar month.

2. The ending moments of tithis and nukshatras are expressed as decimal parts of the day, and in a normal date the first decimal shows the ending moment of the tithi and the second the ending moment of the nukshatra. Thus the

A.D. 1510. Monday, Peer. 30: 94: 50 means that on the day in question the tithi quoted in the inscription ended at 94 or the day. s.e., 56½ ghafikus after mean sunrise, while the nakshatra quoted in the inscription ended at 50 of the day. s.e., 30 ghafikus after mean sunrise. A key to this decimal notation will be found in the book-marker supplied with "Indian Ephemeris" A.D. 1800—2000 by the author.

When only the tithi is quoted, its ending moment is shown by decimal figures next to the day of the month, thus, "A.D. 1289, Monday, Nov. 28, 70" is a convenient way of indicating the fact that a tithi ended at .70 of the day (42 ghafikus after sunrise) on 28 Nov. A.D. 1289, which was Monday.

3. When a tithi or nakshatra that is quoted in a record only commenced on the week-day quoted in the same record the fact is indicated by the symbols f d.t. or f.d.n. Thus:

"Wednesday 6 Ap. A.D. 1384; 68; f d.n. 29" means that the tithi quoted in the inscription ended at 68 (= 41 ghafikus after sunrise) on Wednesday, 6 Ap. A.D. 1384, but that the nakshatra quoted in the inscription only commenced on Wednesday and came to end at .29 (= 17½ ghafikus after sunrise) on the following day, Thursday.

Similarly "Friday, Ap. 26; f.d.t. .08; f.d.n. .13" means that the tithi and nakshatra quoted were current for the greater part of Friday, but came to end next day at .08 (= 5 ghafikus after sunrise) and .13 (= 8 ghafikus after sunrise), respectively, on Saturday.

4. An asterisk after the figure indicating a Saka year (s.g. S. 1235\*) means, as in Kielle rn's l.st of dates, that the year is current, not expired.

year is current, not expired.

5. When it is necessary to distinguish the name of a nakshatra from that of a month and generally, as a useful convention, the names of nakshatras are printed between inverted commas, thus "Magha" is the nakshatra, Magha is the month.

| Year.                                   | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks  |
|---|-----------------------------------|--|
| *************************************** | ,                                 | Pāņņya.  |
| 1916                                    | 347                               | Māravarman alias Sundara-Pāndya.  4+1+1st year, Āvaṇi, 2nd tēdi, Thursday, Uttara-Bhadrapadā (characters of about 13th century).  The only occasions between A.D. 1184 and A.D. 1384 when "Uttara-Bhadrapadā" joined with Thursday on 2nd Āvaṇi were—  (1) A.D. 1276, Thursday 30th July: "Utt-Bhad." began at '08 and ended next day at '19. This was ?rd Āvaṇi by Ārya-Siddhānta, but 2nd Āvaṇi by Sūrya-Siddhānta, since Āvaṇi Sankrānti was, by Ārya-Siddhānta, March 25·10 + 125·40 = 28th July, and by Sūrya-Siddh. March 25·16 + 125·48 = March 125·64 which would shift to 29th July the 1st day of Āvaṇi. |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17-cont.

| •   | Year.                       | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|---|-----------------------------|-----------------------------------|---|
|   |                             |                                   | Pāṇṇya-cont.  |
| •   |                             |                                   | Mārvar man alias Sundara-Pāndya—cont.   |
|   | 1916                        | 353                               | (2) A.D. 1371, Thursday 31st July when "Utt-Bhad" began at '01, ending at '00 next day. This was 2nd Āvaṇi by both Ārya and Sūrya Siddhānta. According as either of these identifications is correct the commencement of the reign of Māravarman Sundara-Pāṇdya, which I had assigned to A.D. 1294 (vide my articles in Ind. Antiq. 1913, June and August) would have to be placed either in A.D. 1271-72 or in 1366-67 A.D. 5th year, Makara, 4 tēdī, su. di. 2nd (pakkam?), Monday, Dhanishthā.   |
|   | > <b>,</b>                  | 401                               | = Monday, 28th December A.D. 1220, which was 4th Makara, and sukla 2; "Dhanishthā'' commenced at 40, ending at 41 next day.  20th year, Dhanus, 7 tēdi, ba. di. Saptamī, Monday, Uttara-Phalgunī (Uttiram).   |
|   |                             |                                   | = Monday, 3rd December A.D. 1235 = 7th Dhanus; ba. ·7 ended at ·80 and Nak. "Uttiram" (i.e., Uttara-Phalguni) commenced at ·44, ending next day at ·53.   |
|   | **                          | 462                               | 12th year, Mīna, 30 tēdi, ba. di. Chittati (chaturthī?), Tuesday, Anurādha. There is no date that answers the details between A.D. 1216 and A.D. 1315. But in A.D. 1315, on Tuesday 25th March (= 30th Mīna) ba. 4 ended at 70 and Nakshatra "Anurādhā" at 63.  This would no doubt have been the 12th year of Jatāvarman Sundara-Pāṇḍya whose reign began between 31st May and 13th May A.D. 1203 (vide last   |
|   |                             |                                   | year's notes), but the surname in the present case is reported as Maravarman not as Jatavarman.   |
| •   | "                           | 489                               | 17 + 1 + 1st year, Vrišchika, 10 tēdi. Monday, Kārttigai.<br>= A.D. 1234, Monday, 6th November (= 10th Vrišchika), Nakshatra "Krittikā" commenced at 33, ending next day at 40. This was the 19th year of   |
|   | "                           | 572                               | Mār. Sundara-Pāndya whose reign began in A.D. 1216.  11 + 1 + 1st year, Simha, 15 tēdi, di. chaturdasī, Friday, Dhanishthā.  = Friday, 12th August, A.D. 1250 = 15 Simha, su. 14 ended at .79 while Nak. "Dhanishthā" commenced at .08, ending next day at .13. This was the 13th year of Māravarman Sundara-Pāndya whose reign began in A.D. 1238.   |
|   |                             |                                   | Māravarman alias Vīra-Pāṇḍya.   |
|   | .)<br>A ~                   | 481                               | [2]2nd year, Ka[rkaṭa]ka, [2]2nd tēdi, śn. di. chaturdaśī, Saturday, Uttiram [Uttara-Phalgunī.]   |
| Suito also. 71, July 26. Por idi is 28 nor. J.D. t. 26; | 4.D.<br>ATCe<br>22.<br>.84. |                                   | Reading doubtful at many points. Su. 14 can combine in Karkaṭaka month with Uttarāḍattunāļ (Uttarāṣhāḍhā) not with Uttirattunāļ (Uttara-Phalgunī). Even with this correction, it has not been possible to find a suitable date. The nearest is July A.D. 1354 in which (1) Saturday 5 July was śukla chaturdaṣī and Uttara-āṣhāḍhā (f d.n. 34) but it was 8 Karkaṭaka not 22 Karkaṭaka and (2) Sat. 19 July A.D. 1354 was in deed 22 Karkaṭaka, but it was bahuṭa not śukla chaturdaṣī und a day of nakshatra "Punarvasu" (ended 35), or Pushya (f.d.n. 29). A.D. 1354 could have been only the 21st, not the 22nd, year of a reign beginning in A.D. 1334.  N.B.—For reasons stated by the Epigraphist at page 126 of report for 1915–16, the reign of Māravarman Vīra-Pāṇḍya, who was contemporary with Kampaṇa-Uḍaiyār, has to be dated from A.D. 1334–35, which is 8 years later than A.D. 1326–27 then assumed by the Epigraphist. |
|   |                             |                                   | Jatāvarman alias Vīra-Pāṇḍya.   |
|   | 27                          | 439                               | 11th year, Kanni, ba. di. 4 tēdi, and pañchamī, Sunday, Uttara-Phalgunī (characters of the 13th century).  There is a mistake apparently in the solar month as well as the paksha; because ba. 5 cannot combine with "Uttara-Phalgunī" solarly in the year as Kanni month; but śu. 5 and "Uttara-Phalgunī" may combine in Karkataka month. There was such a combination on Sunday, 1st July, A.D. 1291 which however, was not the 11th year of any beautiful and the sunday.  |
|   | <b>»</b>                    | 639                               |   |

## APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | PāṇṇYa—cont.  |
|            |                                   | Jatāavarman alias Vīra-Pāṇḍya—cont  |
| 1916       | 657                               | Sukla must be an error for bahuļa, since the ēkādasī that can combine with "Hasta" Nakshatra in Vrišchika month must be bahuļa, not šukla. There is no suitable date in the reign of Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya whose reign began in A.D. 1254, but during the reign of his namesake who ascended the throne in A.D. 1296 there is a date on Monday, 31st October 1317, which, however, was in the 22nd, not in the 21st year of the reign. This was 4th Vrišchika by Ārya-Siddhānta but 5 Vrišchika by Sūrya-Siddhānta; on this day bahuļa ēkādasī ended at 60 and "Hasta" began at 19 ending next day at 25. It may be inferred from this that Sūrya-Siddhānta, not Ārya-Siddhānta was followed in this reign for determining days of solar months.  6th year, Mīna, 9 tēdi, ba. di. tritīyā, Tuesday, we have the following possible dates by Ārya-Siddhānta:—  (1) A.D. 1260, 8 Mīna = Tuesday, 2 Mar.; ba. 3 ended at 14.  (2) A.D. 1287, 9 Mīna = Tuesday, 4 Mar.; ba. 3 ended at 47.  (3) A.D. 1314, 10 Mīna = Tuesday, 5 Mar.; ba. 3 ended at 77.  In A.D. 1314, Tuesday 5 Mar. was 9 Mīna by Sūrya-Siddhānta, which would agree with the presumption raised by No. c39 of 1916. But A.D. 1314 was not the 6th year of the reign of any known Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya  In A.D. 1260, Tuesday 2 Mar. was 8 Mīna by Sūrya-as well as Ārya Siddhānta and it is possible that this was the intended day, with an error in the day of solar month, since A.D. 1260 was the 6th year of a known Jaṭ. Vīra-Pāṇḍya the one who conquered Īlam and Kongu. |
|            |                                   | Jaţāvarman alias Kulaśēkharadēva.   |
| 77         | 3 <b>3</b> 7                      | 3 + 4th year, Karkataka, 13 tēdi, śu. di. dvādaši, Monday, Jyēshthā.  = A.D. 1196 (which was the 7th year of the reign of Jat. Kulašēkhara who ascended the throne in 1190), Monday 8 July (= 13 Karkataka) on which day su. 12 ended at 89 and Nak. "Jyēshthā" at 14 of the day.   |
| "          | 370                               | 3 + 7th year, Mārgali, 20 tēdi, Sunday, raptamī, Uttara-Bhadrapadā, and days 2690 (for + 7th year)  = Sunday, 16th December A.D. 1246 (= 20 Mārgali); ·83; ·98.  The Epigraphist says that the introduction is that of Jaṭāvarman Kulašē khara I but the day of solar month which is a characteristic indication points only to the later reign, that of Jaṭāvarman Kulašēkhara II of A.D. 1237.  |
| ,,         | 485                               | 3 + 1st year, Mēsha, 14 tēdi, ba. di trayōdaśī, Thursday, Svāti.  No suitable date in the reign beginning with A.D. 1237.  On Thursday 7th April A.D. 1194 (= 14 Mēsha), "Śvāti" ended at '95 of the day; but the tithi was śukla paūchadaśī or full-moon ending at '36 of the day not bahuļa trayōdaśī which indeed is not possible.   |
| <b>7 7</b> | 551                               | 9 + 3rd year, Mēsha, su. di. dvādašī, Monday, Rōhinī.<br>Šu. 12 and "Rōhinī" cannot combine in Mēsha but may combine in Makara.<br>It is not possible to say whether the error is in tithi, nakshatra or solar month.   |
| •          | 571                               | 9 + 3rd year, Makara 5 tēdi, šu. di. tritīyā, Monday, Uttiraṭṭādi (characters of 13th century).  Makara is apparently an error for Kumbha in which month alone we should look for a combination of su. 3 with "Uttiraṭṭādi" (Uttara-Bhadrapadā): and in this case we would not look in vain, for on Monday 28th January A.D. 1202 (which fell in the 12th year of Jat. Kulasēkhara whose reign began in A.D. 1190), and which was the 5th day of Kumbha or Māsi (not Makara or Tai), su. 3 ended at '43, and "Utt. Bhad." at '83.  The Epigraphist thinks that the characters are later than those of A.D. 1200. Notwithstanding the error in solar month, which, it may be remarked, is a common error. I think the identification leaves little room for doubt so long as we have the characteristic day or month,—an indication of the highest value   |
| •          | 633                               | in such dates.  13 + 3rd year, Kanni, 23rd tēdi, su. di. paňehami, Monday, Jyēshṭhā.  = Monday, 19th September A D. 1205; 39; f.d.n. 31.  Nak. Jyēshṭhā began on Monday at 32 and was current practically the whole of that day.  |

## APPENDIX F .- Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17-cont.

| Year.      | Number of inscription. | Astronomical details, English equivalents and remarks   |
|------------|------------------------|---|
|            |                        | Pānpya—cont.  |
|            | ;                      | Jatāvarman alias Kulašēkharadēva—cont.  |
| 1916       | 720                    | 2nd year, Mīna, 22 tēdi, su. di. dasamī, Wednesday, Pushya. On Wednesday 16th March A D. 1239 (= 22 Mēsha) su. dasamī ended at '53 and "Pushya" at '19 of day. This was the 2nd year of the same Jat-Kulasēkhara as the above   |
|            |                        | Māravarman slias Kulašēkhara.   |
| ,,         | 416                    | 32nd year. Rishabha, 13 tédi, ba. di. tritīyā, Saturday, Mūlā.  = Saturday 7th May A.D. 1300 (= 13th Vrishabha) ba. 3 ended at '90 and Nakshatra "Mūlā" at '53.   |
| 3)         | 417                    | 32nd year, Mīna, 23rd tēdi, ba. di. ēkādasī, Thursday, Dhanishthā.  = Thursday 17th March A.D. 1300 (= 23rd Mīna) ba. 11 ended at 96 and Nakshatia "Dhanishthā" at 19.  |
| <b>,</b> , | 460                    | 71 . 1  |
| "          | 552                    | 33rd year, Vrišchika, 2[7], šu. di. ēkādašī, Wednesday Ašvati.  = Wednesday 23rd November A.D. 1300 (= 27 Vrišchika) šu. 11 ended a 66 and "Ašvati" ended at 96.  |
|            |                        | Māravarman alias Érwallabha.  |
| 33         | 426                    | 37th year, Kumbha, 10 tēdi. śu. di. prathamai, Saturday, Pūrattādi, (i e., Pūrva  |
| ••         |                        | Bhadrapadā). With reference to the Epigraphist's remarks at page 107, below, paragraph 7, would identify this with Sunday. 1 Feb. A.D. 1169, which was 10 kumbha on this day Nakshatra Pūrva-Bhadrapadā ended about 9½ ghaṭikas after sunrise, but the tithi was śu. 2 not śu. 1 which had ended at 4 ghaṭikas after sunrise on Friday.   |
|            |                        | N.B. at page 99 of Report for 1915-1916, in the last two lines of the entragainst No. 55 of 1916, for "1311 September 11, etc." read "A.D. 131 Monday February 1=8 Kumbha; 54; 66."   |
|            |                        | Māravarman alias Vikrama-Pāndya.  |
| ,,         | 648                    | 7 + 1st year, Karkataka, śu. di. chaturthī, Wednesday, Makhā.  Little is known at present of the reign of Māravarman Vikrama-Pāṇḍya, beyon the palæographic evidence that it must have been about the middle of the 13th century A.D. The details of the present inscription are not per se ver informing, but coupled with those of No. 287 of 1902 (Kōṇeriṇmaikoṇḍā Vikrama-Pāṇḍya—Karkaṭaka śu. 5, Friday, "Hasta") they seem to furnish a clust the data of accession of Mār Vikrama Pāṇḍya. The two datas at |

+ 1st year, Karkaṭaka, śu. di. chaturthī, Wednesday, Makhā. Little is known at present of the reign of Māravarman Vikrama-Pāṇḍya, beyond the palæographic evidence that it must have been about the middle of the 13th century A.D. The details of the present inscription are not per se very informing, but coupled with those of No. 287 of 1902 (Kōṇeriṇmaikoṇḍāṇ Vikrama-Pāṇḍya—Karkaṭaka śu. 5, Friday, "Hasta") they seem to furnish a clue to the date of accession of Mār. Vikrama-Pāṇḍya. The two dates are presumably from the same year, of the same reign, and refer in the one case to Wednesday as śu. 4, Wednesday, "Maghā" and in the other case to Friday, the next day but one, as śu. 5, "Hasta." Such a collocation of the given tithi and the given nakshatra happened in A.D. 1188, 1215, 1242, 1276, 1320, 1347, 1391 and A.D. 1418. The alternatives to A.D. 1276 being, palæographically, 1242 and 1320, we may with probability fix on A.D. 1276 in which the collocation was as follows:—

| <b>9</b> at |                  |         |       | T | ithi.         | Ending mont.       | Nak.                  | Ending momt.  |
|-------------|------------------|---------|-------|---|---------------|--------------------|-----------------------|---|
| A.D. 1276—W | <b>Vednesday</b> | 15th Ju | ily . | • | 3             | ·74                | Maghā.<br>Pūr. Phalg. | $egin{array}{c} \cdot 04 \ \cdot 97 \end{array}  brace$ |
|             | bursday<br>riday | 16th ,  | ,     |   | <b>4</b><br>5 | ·64<br>· <b>54</b> | Utt. Phalg.<br>Hasta  | ·91<br>·84  |

If the 8th year was A.D. 1276, the first year must have been A.D. 1269-70.

12 + 1st year, Karkataka, 3rd tedi. su. di. panehadasi, Thursday (characters of 13th century).

We have the following possible alternatives by Arya-Siddhanta:—A.D. 1257, Thursday, 28 June, was su. 15, but 2 Karkataka. A.D. 1284, Thursday, 29th June was su. 15 (ending at 35) and 3 Karkataka. A.D. 1311, Thursday, 1st July was su. 15 but 4 Karkataka.

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|-----------------------------------|--|
|       |                                   | Pandya—cont.   |
|       |                                   | Māravarman alias Vikrama-Pāndya—cont.  |
|       |                                   | The solar month days by Sūrya-Siddhānta were the same. The only date that suits exactly is Thursday, 29th June A.D. 1284 but this would be the 16th year, not the 13th, of a reign beginning in 1269-70 (vide notes on last date). It is not unlikely that the regnal year in this inscription is capable of a different reading [Not possible, since same with it is expressed in words—Ep.] No. 410 of 1909 (6th year of Mār. Vikrama-Pāṇdya, Kaṇṇi, śu. 1, Sunday, Hasta) is on the 1269-70 hypothesis, Sunday, 2nd September A.D. 1274, f.d.t. '03; f.d.n. '53; and No. 251 of 1901, 5th year, Mīna, ba. 11 Monday "Sravaṇa" = Monday 5th March A.D 1274; f.d.t. '04; f.d.n. '03. For these two inscriptions, as well as for No. 287 of 1902 (vide last entry) I had suggested, in the Ind. Ant., June-August 1913, a different initial year, viz., A.D. 1283: but the present identifications now seem more probable. |
|       |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY I.  |
|       |                                   | Vīra Bukkaņa-Vodeya "ruling at Hosapattaņa."   |
| 1917  | 27                                | Šaka 12c7, Viśvāvasu, Kārttika, śu. 10 Friday.<br>= Friday 24th October A.D. 1365; śu. 10 began at '00 and ended on Saturday   |
|       |                                   | at $\cdot 05$ . $Dar{e}v$ a $rar{a}y$ a $I$ .  |
| ,     | 125                               | Śaka 1344, Śārvarin, Phālguna, śu. 15, Thursday.<br>Ś. — 1344 is Śubhakrit and not Śārvarin which is = Ś. — 1342 = A.D. 1420.<br>In A.D. 1420, on Thursday, February 29, śu. 15 ended at 50. Even this was not Śārvarin, since 29th February A.D. 1420 fell in the year A.D. 1419–1420, and not in A.D. 1420-21 = Śārvarin.  |
|       |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY II.   |
|       |                                   | Achyutarāya.   |
| 1916  | 494                               | In A.D 1561 ( Durmati), on Friday 2nd May (= 5 valgasi) su. 4 was current, beginning at ·23 and ending next day at ·14. Su. 14 in the text   |
| 1917  | 49                                | seems to be an error for su. 4.<br>Saka 1463. Plava, Karttika, ba. 2, Saturday.  |
| ,,    | 161                               | = A.D. 1541, Saturday, November 5; 73.<br>Saka 1454, Nandana, Mārgasira, su. 2, Thursday.<br>= A.D. 1532, Thursday, November 28; 89.   |
|       |                                   | Sadāśivarāya.  |
| 1916  | 373                               | Saka 1472, Sādhāraṇa, Kaṇṇi, 6 tēdi. ha. di. navamī, Friday, Puṇarta (Punar-<br>pūśa), Variyāna-vōga, Gaja-karaṇa.<br>= A.D. 1550 (= Sādhāraṇa) Friday, September 5 (= Kanyā 6); ba. 9 ended at<br>33, while "Punarvasu" began at 15 on Friday and ended on Saturday   |
| "     | 599                               | at 11.<br>Śaka 1472, Sādhāraṇa, Kanyā, śu. di. dvādašī, Monday, Śatabhishaj.<br>= A.D. 1550 (= Ṣādhāraṇa), Monday, September 22 (= Kanyā '23); śu. 12<br>ended at '61 and "Śatabhishaj" ended at '97.  |
| >>    | 609                               | Saka 147[2], Sādhāraṇa, Kanyā, su. di. dasami, Friday, Ottarashaḍda.<br>In A.D. 1550 (= Sādhāraṇa), on Friday, September 19 (= Kanyā 20); śu. 9<br>(not 10) ended at 41 and Uttarāshāḍhā ended at 69.  |
| 1917  | 38                                | Saka 1466, Krödhin, Kārttika, su. 1, Monday.<br>In 1544 (= Krôdhin), Kārttika su 1 fell on Friday, not on Monday, and the tithi ended at .50.  |
|       | 1                                 | 10 35 Home (Edn.)—25   |

### APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|-----------------------------------|--|
|       |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY II—cont.  |
|       |                                   | Sadāsiearāya—cont.   |
| 1917  | 59                                | Śaka 1482, Pingala, Pushya, ba. 10, Thursday.<br>Pingala = Ś. 1479 = A.D. 1557.<br>In A.D. 1557, on Thursday December 30, śu. 10 began at '08, ending next day at '02.   |
| 21    | 64                                | Saka 1476, Ananda, Adhika-Ashāḍha, śu 1[4], lunar eclipse.<br>= A.D. 1554, Friday, June 15; śu. 15 ended at 51 and there was a lunar   |
|       |                                   | eclipse. VIJAYANAGABA DYNASTY III.   |
|       |                                   | Érīraṅyadēva-Mahārāya (Raṅga II).  |
| 1916  | 663                               | Śaka 1500, Kollam 75[3], Bahudhānya, Uttarāyaņa, Vasantaritu, Vaigāśi, 19, śu. di. daśamī. Friday, Siddha-yūga, Gaja-karana, Uttiram.  = A.D. 1578 (= Bahudhānya = Kollam 753), Friday, May 16 (= 19 Vai-  |
| 10    | 732                               | Saka 1[5]0[5], Svabhānu, Mārgaśira, ba. di. 30, Wednesday, solar eclipse.  = A.D. 1583, Wednesday. December 4; ba. 15 or the 30th tithi ended at ·15   |
| 1917  | 89                                | Saka 1498, Dhātu, Aśvīja, śu. 15, Monday, lunar eclipse.  In A.D. 1576, Āśvīja śu. 15 ended at '88 on Sunday (not Monday), October 7, and there was a lunar eclipse. The week day Monday seems to be an error for Sunday. There are other cases on record in which the day following that  |
| *,    | 113                               | of Amāvāsyā is cited as eclipse day.  Saka 14[99], Īśvara, Chaitra, śu. 15, Tuesday, lunar eclipse.  A.D. 1577, Tuesday April 2; 80, and there was a lunar eclipse.  |
| "     | 162                               | Saka 1496, Bhāva, Māgha, śu. 11. Thursday.  In A.D. 1574-75 (= Bhāva) Māgha śu. 11 fell on Saturday (not Thursday)  2nd January A.D. 1575. The week day seems to be wrong. [It is gu. (i.e. Guruvāra = Thursday) in the original.—Ep.]   |
|       |                                   | Ranga IV.  |
| 1916  | 699                               | Śaka 1541, Kollam 774, Tai, 10 tēdi, ba. di. daśamī, Thursday, Vriddhi-yōga, Anūrādhā.  The only date that suits the details of month, day, tithi, vār, and nakshatra is Thursday 7 January A.D. 1602 (= Ś. 1523, Kollam 777). This was 10 Makara: on this day ba. 10 ended at 88, while "Anūrādhā" began at 33 ending next day at 41. |
|       |                                   | $v_{e \dot{n} k a t a p a t ir ar{a} y a}$ .   |
| 77    | 452                               | Saka 1535, Kollam 789, Tai, 1 tēdi, Pramādīcha, Uttarāyaņa, Pushya, 13<br>Wednesday, Mūlā.<br>= A.D. 1613 (= Pramādīcha) Wednesday, December 29 (= Tai. 1); ba. 13<br>ended at :33 and the nakshatra "Mēlā" -1 :22   |
|       |                                   | ended at ·33 and the nakshatra "Mūlā" at ·82.  |
|       |                                   | Rājādhirāja-Mahārāja-Yibhurām-Saha-Voḍalumgāru.  |
| 1917  | 93                                |  |
|       |                                   | Saidu Abdullā Saidu Muhammadu Sāhibu.  |
| "     | 128                               | Śaka 1585, Krödhin, Āshāḍha, śu. 2, Wednesday.<br>In this the Śaka year quoted must be 1586 = Krödhin = A.D. 1664;<br>on Wednesday, June 15, A.D. 1664, śu. 2 ended at '55.  |

### APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17-cont.

| ₹ear. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-------|-----------------------------------|---|
|       |                                   | Nolamba (Pallava).  |
|       |                                   | Aṇṇayyadēva, son of Bīra-Nolamba.   |
| 1916  | 759                               | Śaka 858, Durmukha, Āshāḍha, [ba]. di. 5. Vaḍḍavāra (Saturday).<br>In A.D. 936 (= Durmukha), Āshāḍha ba. 5 fell on Monday (not Saturday),<br>July 11, and the tithi ended on the same day at .87; but su. 5 began at .78<br>on Saturday, June 25, ending next day at .84. |
|       |                                   | Iriva-Nolamba Nollipayya.   |
| 1917  | 55                                | Śaka 885, Rudhirōdgāri, Āshāḍha, śu. pañchamī, Sunday.<br>A.D. 963 (Rudhirōdgāri), Sunday, June 28; śu. 5 ended at 95.  |
|       |                                   | GAJAPATI.   |
|       |                                   | Gāṇadēva-Rautarāya-Mahāpātra.   |
| ,,    | 70                                | Śaka 1376, [Bhāva], Vaisākha, śu. 15, Thursday.<br>In A.D. 1454 (= Bhāva), Vaisākha, śu. 15 fell on Friday (not Thursday), April 12, and ended at 94.   |
|       | }                                 | Kōṛa.   |
|       |                                   | $m{M}$ ahāmaṇḍalēsvara $m{K}$ ētirāja.  |
| ,     | 79                                | Saka 1135, Vaiśākha, śu. 10, Monday.<br>In A.D. 1213, Vaiśākha śu. 10, fell on Wednesday (not Monday) May 1, ending<br>at 57 on that day.   |
|       |                                   | Mahāmandalēśvara Ganapatidēvarāja.  |
| 29    | 103                               | Śaka 1184, Dundubhi, Śrāvaṇa, ba. 13, Sunday.  = A.D. 1262 (= Dundubhi) Sunday Aug. 13; ba. 13 began at 27 and ended on Monday at 34.   |
|       |                                   | Kāratīya.   |
|       |                                   | Gaṇapatidēva-Mahārāja.  |
| 1917  | 88                                | Saka 1133, Pushya, ba. 5, Sunday.<br>= A.D. 1211, Sunday December 25; ba. 5 began at 24 and ended on Monday at 23.  |
|       |                                   | Rudramadēvī or Rudradēva-Mahārāja.  |
| ,,    | 94                                | Saka 1183, Durmati, Chaitra, ba. 8, Friday.<br>= A.D. 1261 (= Durmati) Friday, March 25; ba. 8 ended at 69.   |
| **    | 130                               | Šaka 1210, Sarvadhāri, Kārttika, śu. 1, Thursday.<br>In A.D. 1288 (= Sarvadhāri) Kārttika śu. 1 ended at 73 on Wednesday 27th   |
| 23    | 155 &<br>156                      | October.<br>Śaka 1191, Kārttika, śu. 15, Thursday.<br>In A.D. 1269, Kārttika śu. 15 fell on Sunday. But śu. 5 fell on Thursday,<br>October 31st A.D. 1269 ending at 46 on that day. Śu. 15 seems to be an<br>error for śu. 5.   |
| -53   | 179                               | In A.D. 1287 (Sarvajit) Kārttika śu. 1, ended at '70 on Thursday 9th October.<br>Śaka 1196, Vaiśākha, śu. 1, Monday, Uttarāyaṇa-Sankrānti.<br>= A.D. 1274, Monday April 9; śu. 1, ended at '37.   |
|       |                                   | Pratāpa-Rudradēva.  |
| ,     | 131                               | Saka 1236, Ānanda, Āshāḍha, śu. 6, Thursday. In A.D. 1314 (= Ānanda), Āshāḍha śu. 6 fell on Wednesday, June 19, ending at '98, but in local time the end of the tithi may have been brought up  |
| 13    | 173                               | to Thursday.  Saka 1225, Sōbhakrit, Phālguṇa, śu. 1, Monday.  = A.D. 1303, Monday, February 18; śu. 1, ended at 55. A.D. 1302-03 = Sōbhakrit.   |
|       | <u> </u>                          |   |

## APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|-----------------------------------|--|
|       |                                   | Сно́џа.  |
|       |                                   | $T$ ribhuvanachakravar $t$ in R $ar{a}$ ja $t$ a $ar{d}$ ē $v$ a.  |
| 1917  | 132                               | Saka 1087, * * * * * lunar eclipse.  Details not enough for verification. There was a lunar eclipse on Friday,.  November 19, A.D. 1165.   |
|       | ,<br>  :                          | Parichehhédins.  |
|       |                                   | Mahāmaṇḍalēśvara Bhīmarāja.  |
| 1917  | 134                               | Šaka 1152, * Vaišākha, šu. 3, Thursday.<br>In A.D. 1229 (= S. 1152 current), Vaišākha šu. 3 ended at '52 on Thursday,<br>March 29.   |
| >7    | 137                               | Šaka 1194, Šrāvaņa, ba. 11, Saturday.<br>In A.D. 1272 (= S. 1194 current), Šrāvaņa ba. 11 ended at '84 on Saturday,<br>August 20.  |
| 97    | 138                               | Saka 1168, Paushya, śn. 5, Thursday, Makara-Sańkrānti.<br>Neither in A.D. 1245 nor in A.D. 1246 Pausha śu. 5 was a Thursday. In the former year Pausha śu. 5 fell on Monday, December 25, which was Makara Sańkrānti. In the latter year Makara-Sańkrānti took place on Tuesday 25th December on which the tithi was ba. 1.  |
|       |                                   | Mahāmaṇḍalēśvara Bhīmarāja and Uttama-Blīmarāja.   |
| "     | 136                               | Šaka 1199, Pushya, śu. 5, Monday, Makara-Sańkrānti. In Śaka 1199 proper = A.D. 1277-78 the month Pausha was kshaya or suppressed, and Makara-Sańkrānti in that year fell on Sunday 26, December 1277 A.D. which was Mārgušira ba. 15, corresponding to ordinary Pausha ba. 15. But in Ś. 1199 current = A.D. 1276-77, Makara-Sańkrānti fell on Friday 25th December, A.D. 1276; the 1st Makara was Saturday 26 December on which day Pausha bahula 5 (not śukla 5) commenced at 47; it ended next day at 38. [The inscription has śudha (i.e. śukla) 5 — Ep.]  |
|       |                                   | Mahāmaṇḍalēśvara Kusmarāja.  |
| 1917  | 140                               | <ul> <li>Śaka 1144, Chaitra, śu 10, Monday.</li> <li>Monday, 13 March, A.D. 1223 (= 19 Mīna); śu. 10 ended at 92. This date illustrates the triple meaning of a citation of Chaitra, referred to in Indian Chronology, section 111.</li> <li>(1) Chaitra śu. 10 at the beginning of Ś. 1144 current = Friday, 5 Mar. A.D. 1221.</li> <li>(2) Chaitra śu. 10 at the beginning of Ś. 1144 expired = Thursday; 24 Mar. A.D. 1222.</li> <li>(3) Chaitra śu. 10 at the end of Ś. 1144 expired = Monday, 13 Mar. A.D. 1223.</li> <li>The last is the Chaitra śu. 10 referred to in the inscription.</li> </ul> |
|       |                                   | Miscellaneous.   |
|       |                                   | Irungona-Chola-Mahārāja 'ruling at Nidugallu.'   |
| 1917  | 40                                | Śaka * 1200, Īśvara, Āshāḍha, śu. pañchamī, Monday.  = A.D. 1277 (= Īśvara = Ś. 1199 expired) Monday June 7; śu. 5 ended at 94.  |
|       |                                   | Anonymous.   |
| 1916  | 285                               | Śaka 1569, Kollam 824, Sarvadhārin, Āvaņi, 3 tēdi, Thursday, Rōhiṇī, Dāśamī,   |
|       |                                   | Amrita-yōga.  = A.D. 1648 (= Kollam ·824 = Ś. 1570 = Sarvadhārin), Thursday, Aug. 3 (= Āvaṇi. 3) ba. 10 ended at ·98 and Nak. "Rōhiṇī" at ·22.   |

### APPENDIX F.—Dates from Appendices A. B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Ashmanaria I deletto de 193 a como a   |
|------------|-----------------------------------|--|
|            |                                   | MISCELLANEOUS—cont.  |
|            |                                   | Anonymous—cont.  |
| 1916       | 289                               | Kollam 716, Āṇi, [19] tēdi, [Wednesday], śu. di. 11, Svāti.<br>In A.D. 1540 (= Kollam 716) Wednesday June 16, (= Āṇi 12); Śu. 12 (not śu. 11) ended at 16 and the Nakshatra was "Anūrādhā" (not "Svāti")   |
| ,,         | 297                               | which ended at '59.<br>Śubhakṛit, [Kollam] 858, Puraṭṭādi, 13 tēdi, Uttaram, Saturday.<br>Kollam 858 was not Śubhakṛit. Kollam 838 was Śubhakṛit = A.D. 1662.<br>In A.D. 1662 on Saturday, Sep. 13; (= Puraṭṭāśi 13) the Nak. was "Śravaṇa" (Tiruvōṇam).   |
| "          | 306                               | Kollam 721, Tai, 1 tēdi, ba. di. dašamī, Monday, Višākhā.  = A.D. 1545 (= K. 721) Monday, Dec. 28 (= Tai 1); ba. 10 ended at ·81 while the Nakshatra "Višākhā" began on Monday at ·01 and ended on the next  |
| ,          | 307                               | day at '05. Kollam 6[92], Panguni, 27 tēdi, su. di. dvitīyā, Monday, Asvini.  = A.D. 1517, Monday, March 23 (= Panguni 27). Su. 2 began at '28 and ended   |
| ,,         | 309                               | at 34 on the following day, while "Aśvini" ended at 74 on Monday.<br>Śaka 1545, Kollam 799, Rudhirōdgārin, Summer-solstice (Dakshiṇāyana) Vasantaṛitu, Kārttigai [1]6, śu. di. pañchamī, Sunday, Vṛiddhi-yōgā, Simha-karaṇa, Uttarāshādhā.   |
| ,,         | 310                               | = A.D. 1623, Sunday, Nov. 16 (= Kārttigai 16). Su. 5 ended at 83 and the Nak. "Uttarāshāḍhā" euded at 38. Saka 1598, Kollam 852, Naļa, Mārgaļi, 10 tēdi, su. di. chaturdasī, Friday, Rōhiṇī, Subha-yōga, Gaja-karaṇa. = A.D. 1676, Friday, Dec. 8 (Mārgaļi 10); su. 14 was current the whole day |
| ,,         | 312                               | ending next day at '04 and Rōhiṇī ended at '70 on Friday.<br>Śaka 1429, Kollam 683, Paṅguṇi, 13 tēdi, śu. di. saptamī, Thursday, Mṛigaśira.<br>Ś. 1429 = A.D. 1507 = Kollam 683.<br>= A.D. 1508, Thursday, March 9 (= Paṅgunī 13) śu. 7 ended at '24 and   |
| ,,         | 316                               | " Mrigašira" ended at 28.<br>Kollam 698, Purattādi, 3 tēdi, šu. di. dvādašī, Tuesday, Šravaņa.<br>= A.D. 1522, Tuesday, September 2 (= Purattādi 3); šu. 12 ended at 82  |
| <b>,</b> , | 318                               | and "Sravaṇa" at ·55.  Kollam 773, Mārgali, 13 tēdi, śu. di. dvitīyā, Saturday, Uttara-Phalgunī.  In A.D. 1596, on Saturday, December 11(= Mārgali 13); śu. 2 ended at ·23 and the Nakshatra was "Uttarāshāḍhā" not "Uttara-Phalgunī". [The  |
| ٠.,        | 321                               | impression shows உ意思可言是意可一Ep.] Kollam 70[7], Vaigāši, 1 tēdi, šu.·di. dvādašī, Friday, Hasta.  = A.D. 1531, Friday April 28 (= Vaigāši 1); šu. 12 ended at ·26 and "Hasta" at ·20.   |
| >>         | 322                               | Kollam year quoted must be 706 not 707.<br>Śaka 1453, Kollam 706, Vaigāśi, I tēdi, śu. di. dvādaśī, Friday, Hasta.   |
| ,,         | 374                               | Same as 321 of 1916.<br>Kollam 691, Kārttigai, 5 tēdi, ba. di. trayōdasī, Sunday, Saubhāgya-yōga,<br>Svāti.  |
|            |                                   | = A.D. 1515 Sunday, November 4; (= Kārttigai 5); ba. 13 ended at 16 and "Śvāti" ended at 83,   |
| "          | 378                               | Śaka 1547, Kollam 798, Rudhirōdgārin, Vaigāsi, 15 tēdi, ba. di.<br>Uttiraṭṭādi (Uttara-Bhadrapadā) and daśamī, Tuesday, Śōbhana-yōga Śiṅga-<br>Karana.   |
|            |                                   | Rudhirōdgārin = Kollam 799 = Ś. 1545.<br>In A.D. 1623 (= Rudhirōdgārin) on Tuesday May 13 (= Vaigāsi 15); ba. 10 ended at ·85 and Nak. Uttara-Bhadrapadā began at ·01; it ended at ·05 on the following day.   |
| ,,         | 383                               | Kollam 764, Sarvadhārin, Mārgali, 3 tēdi, ba. di. ashṭamī, Sunday, Śubhra-yōga, Uttara-Phalgunī.  = A.D. 1588, Sunday, December 1 (= Mārgali 3); ba. 8 ended at ·51 and "Uttara-Phalgunī" ended at ·64.  |
|            |                                   | 1935 Home (Edn.) - 26  |

# APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-------|-----------------------------------|---|
|       |                                   | MISCELLANEOUS-cont.   |
|       |                                   | Anonymouscont.  |
| 1916  | 385                               | Saka 1480, Kollam 734, Kālayukti, Mārgaļi, 5 tēdi, ba. di. ashtamī, Saturday, Saubhāgya-yōga, Uttara-Phalgunī.  = A.D. 1558, Saturday, December 3, (= Mārgaļi 5); ba. 8 ended at ·02 and "Uttara-Phalgunī" at ·05.  |
| **    | 389                               | Kollam 698, Māši, 10 tēdi, ba. di. pañchamī, Thursday, Svāti.  = A.D. 1523, Thursday, February 5, (Māši 10); ba. 5 ended at '03 and "Svāti" at '84.   |
| . "   | 395                               | Saka 1510, Kollam 763, Arpasi, 1 tēdi, su. di. dasamī, Sunday, Sobhana-yoga and Dhanishthā.  = A.D. 1087, Sunday, October 1 (= Aippasi 1); su. 10 ended at '34 and "Dhanishthā" at '86.   |
| 77    | 409                               | Saka 1526, Kollam 781, Viśvā[vasu], Tai, 25 tēdi, Anūrādhā.  Details not enough for verification. In A.D. 1606 (= Kollam 781, Ś. 1527 expired, not Š. 1526) on Wednessday, January 22 (Tai 25); the Nak. "Anūrādhā" began at 13; it ended on the next day at 06.  |
| >>    | 410                               | Kollam (96, Arpasi, 26 tēdi, su. di. chaturdasī, Sunday, Siddha-yōga, Asvini. In A.D. 1520 on Thursday, October 25 (= Aippasi 26); su. 14 ended at 37 and "Asvini" ended at 39. The week-day Sunday seems to be an error for Thursday.  |
| "     | 412                               | Śaka 1481, Kollam 735, Kanni, 14 tēdi, Śatabhishaj, śu. di. trayōdaśī, Thursday.  A.D. 1559, Thursday, September 14 (= Kanyā 14); śu. 13 ended at 48 and  |
| 3>    | 413                               | "Śatabhishaj" ended at 53.<br>Śaka 1478, Kollam 732, Mārgaļi, 23 tēdi, ba. di. panchami, Monday, Uttara-Phalgunī.<br>— A.D. 1556, Monday, December 21 (= Mārgaļi 23); ba. 5 ended at 22 the Nak. "Uttara-Phalgunī" began at 51 and ended at 55 on the following   |
| ,,    | 414                               | day. Kollam 662, Purattādi, 20 tēdi, ba. di. saptamī, Tuesday, Mṛigaśīrsha.  A.D. 1486, Tuesday, September 19, (= Purattāśi 20); ba. 7 began at 34 and ended at 25 cn the following day, while the Nak. "Mṛigaśīrsha" ended   |
| 37    | 415                               | at ·76<br>Śaka 1617, Kollam 871, Āḍi, 11 tēdi, śu. di daśamī, Thursday, Anūrādhā.<br>= A.D. 1695, Thursday, July 11 (= Āḍi 11) śu. 10 ended at ·47 and "Anūrādhā" ended at ·99.   |
| "     | 419                               | 16  |
| ,,    | 421                               | Saturday, Apasmāra-yōga, Jyēshṭhā.  = A.D. 1555, Saturday, September 21 (= Puraṭṭāsi 21); śu. 5 ended at '07  |
| ,,    | 427                               | and "Jyeshthā" ended at 88.<br>Kollam [8]20, Ādi, * tēdi, ba. di. chaturdasī, Wednesday, Svāti. The combination of ba. 14 and "Svāti" in Ādi is not possible.   |
| "     | 428                               | Kollam 727, Paridhāvin, Adi, 31 tēdi, su. di. ashtamī, Friday, Anūrādhā.<br>= A.D. 1552, Friday, July 28 (= Ādi, 31) su. 8 ended at 08 and "Anūrā   |
| **    | 445                               | dhā" at '96. Śaka 1447, Kollam 701, Māśi, 7 tēdi, ba. di. chaturdaśi, Śūla-yōga, Thursday Hastā.  In A.D. 1526, on Thursday, February 1 [= Māśi 6 (not 7)] ba. chaturth (not chaturdaśi) ended at '39 and "Hasta" ended at '35.  Māśi 7 and chaturdaśi seem to be errors for Māśi 6 and chaturthi respectively [The solar day and the tithi are correctly quoted—Ep.] |

APPENDIX F.- Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17-coni.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | Miscellaneous—cont.   |
|            |                                   | Anonymous—cont.   |
| 1916       | 477                               | Kollam 704, Śittìrai, 29 tēdi, śu di. shashṭhī, Friday, Śūla-yōga Varāha-karaṇa,<br>Punarvasu.  |
|            |                                   | = A.D. 1528, Friday, April 24, (Chittirai 29) su. 6 ended at 86 and "Punarvasu" at 36.  |
| "          | 478                               | Śaka 1492, Kollam 745, Āṇi, 30 tēdi, ba. di. Tuesday, Svāti, daśamī.<br>In A.D. 1570 on Tuesday, June 27 ( = Āṇi 30); ba. 10 ended at 91 but the Nakshatra was "Bharaṇi" and not "Svāti."   |
| "          | 480                               | Kollam 839, Āvaņi, 19 tēdi, Thursday, trayōdašī, Pushya.<br>= A.D. 1663, Thursday, August 30 (= Āvaṇi 19); ba. 13 ended at 85 and<br>"Pushya" ended at 31   |
| **         | 495                               | Kollam 739, [Raktākshi], Mārgaļi, su. di. dvitīyā, Sunday, Amrita-yōga, Uttarāshādhā.   |
|            |                                   | Raktākshi = A.D. 1564. In A.D. 1563, on Friday, December 6; su. 2 ended at 34 and Uttarāshādhā ended at 19. Sunday seems to be an error for Friday.   |
| "          | 516                               | Saka 1562, Kollam 816, Āvaṇi, 31 tēdi. ba. di. ēkādašī. Wednesday, Punarvasu. In A.D. 1640, on Monday, August 31 (= 31 Āvaṇi) ba. 11 and "Punarvasu" began at '90 and '10 respectively and ended on Tuesday at '91 and '16 respectively.            |
| **         | 517                               | Saka 1562, Kollam 815, Vikrama, Adi, 23 tēdi, su. di. Paurņai, Wednesday, Sravana.  |
|            | <b></b>                           | = A.D. 1640, Wednesday, July 22 (= Adi 23) su. 15 ended at .81 and "Śravana" ended at .95.  |
| ,,         | 519                               | <ul> <li>Saka 1560, Kollam 813, Bahudhānya. Vaigāśi, 15 tēdi, śu. di. daśamī, Friday, Hasta.</li> <li>Bahudbānya = K. 813-814 = Ś. 1560 = A.D. 1638.</li> <li>In A.D. 1638, on Sunday, May 13 (= Vaigāśi 15) śu. 11 ended at 81 and Nak.</li> </ul> |
| **         | <b>52</b> 0                       | "Hasta" ended at ·59.<br>Śaka 1509, Kollam 763, Sarvajit, Āvaṇi, 2[6] tēdi, ba. di. trayōdaśī [Monday],<br>Gaja-karana, Pushya.   |
| <b>5</b> > | 581                               | = In A.D. 1587 (= K. 763 = Sarvajit) on Monday, August 21 (= Avaņi 21 not 26) ba. 13 ended at ·83 and "Pushya" at ·12.<br>Saka 1463, Kollam 717, Puraṭṭādi, 25 tēdi, śu. di. pañehamī, Saturday, Sau-   |
|            |                                   | bhāgya-yōga, Kēṭṭai (Jyēshṭhā).  — A.D. 1541, Saturday, September 24 (Puraṭṭāśi 25) śu. 5 ended at 50 and "Kēṭṭai" ended at 97.   |
| 76         | 569                               | Kollam 593, Tai, 3 tēdi, ba. di. shashthī, Wednesday, Hasta.  — A.D. 1467, Wednesday, December 23 (= Tai 3); ba. 6 ended at 46 and  |
| 39         | 573                               | "Hasta" began at 16, ending next day at 09. (Vij. III) ? Śaka 1407, Viśvāvasu, Āshādha, bahula 10, Friday. In A.D. 1545 (= Viśvāvasu) ba. 10 was Friday, July 3; 72.  |
| - 51       | 576                               | Kollam 588, Makara, 10 tēdi, śu. di. tritīyā, Thursday, Śatabhishaj.<br>= A.D. 1413, Thursday, Jan. 5 (Makara 10) śu. 3 ended at 44 and "Śatab-   |
| "          | 577                               | hishaj" ended at '74.<br>Kollam 720, Šittirai, '21 tēdi, ba. di. saptamī, Friday, Šūla-yōga. Gaja-karaņa,<br>Pushya.<br>In A.D. 1545 on Friday April 17 (=21 Chittirai); ba 7 and "Pushya"  |
|            |                                   | began at '43 and '56 respectively and ended on Saturday at '51 and '66 respectively.  |
| "          | 579                               | Kollam 6[8]5, Kārttigai, 27 tēdi, śu. di. [tra]yōdasī, Sunday, Rōhiṇī.  In A.D. 1509 on Sunday, November 25 ( = Kārttigai 27) śu. 14 (not 13) ended at 47 and Nak. Rōhiṇī commenced at 09; ending next day at 14.                                   |
| ,,         | 580                               | Kollam 574, Mīna, 21, su. di. daśamī, [Monday], Pushya.  = A.D. 1399, Monday, March 17 (= Mīna 21); su. 10, ended at .74 and "Pushya" at .43.   |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|------------|-----------------------------------|--|
|            |                                   | Miscellaneous—cont.  |
|            |                                   | Anonymous—cont.  |
| 1916       | 581                               | Kollam 747, Āṇi, 1[9]tēdi, ba. di. dvitīyā, day, Śubha-yōga, Simha-karaṇa, Pūrvāshāḍhā.  |
|            |                                   | In A.D. 1572 on Thursday, May 29 [= $\hat{A}_{ni}$ 1 (not $\hat{A}_{ni}$ 19)] ba. 2 ended at 34 and "Pūrvāshāḍhā" ended at 51.   |
| *>         | 582                               | Kollam [6]59, Māsi, su. di. dasamī, Friday, Mrigasīrsha.<br>In A.D. 1484 (K. 659) Friday, February 6, (= Māsi 11) su. 10 ended at 45 and "Mrigasīrsha" at 14.  |
| <b>3</b> 7 | 583                               | Śaka 1375, Kollam 629, Vrišchika, 9 tēdi, śu. di. Wednesday, Śravaņa.<br>= A.D. 1453, Wednesday November 7 (=Vrišchika 9); śu. 7 ended at ·91 and Nak. "Śravaņa" ended at ·10.   |
| "          | 584                               | Saka 1468, Kollam 722, Parābhava, Mārgaļi, 8 tēdi, Paurņai (Full-moon) Monday, Šōbhana-yōga, Rōhiņī.  = A.D. 1546, Monday, December 6 (= Mārgaļi 8) su. 15 began at 53 and ended on the next day at 47, while the Nak. "Rōhiṇī" ended at 39 or Monday.                                 |
| ,,         | 585                               | Kollam [609], Āvaņi, 18 tēdi, su di. Panchamī, Monday, Pushya.   |
| 93         | 595                               | The combination of su. 5 and "Pushya" in Avani month is not possible.<br>Kollam 615, Raudri, Chaitra, su. 15, Svati, Sunday, Rishabha.   |
|            |                                   | On A.D. 1440 in the month of Chittirai (not Chaitra) su. 15 and "Svāti" fel on a Sunday, April 17 (= Chittirai 22) ending at 50 and 41 respectively. In the inscription solar Rishabha is wrongly cited for lunar Vaisākha and per contra, lunar Chaitra for solar Chittirai or Mēsha. |
| ,,         | 602                               | Saka 142[8], Kollam 682, Tai, 15 tēdi, ba. di. trayōdasī, Monday, Pūrvāshādhand Kollam 691, Puratṭādi, 2.<br>= A.D. 1507, Monday, January 11 (= Tai 15) ba. 15 ended at 26 and   |
| ,,         | 603                               | "Pūrvāshādhā" ended at '74.<br>Šaka 14[28], Kollam 682, Tai, 15 tēdi, ba. di. trayōdasī, Monday<br>Pūrvāshādhā.  |
| 17         | 604                               | Same as 602 of 1916.<br>Šaka 1432, Kollam 686, Māši, 20 tēdi, ba. di. tritīyā, Saturday, Hasta.  |
| ,,         | and<br>605<br>606                 | = A.D. 1511, Saturday, Feb. 15 (= Māśi 20); ba. 3 began at ·00 and ended o the following day at ·08; while "Hasta" ended on Saturday at ·83.  Kellam 690, Maśi, 20 tēdi, śu. di. tritīyā, Thursday, Siddha-yōga, Uttara  |
| ĺ          |                                   | Bhadrapadā.<br>In A.D. 1515, on Thursday, February 15 (= Māśi 20); śu. 3 began at 90<br>ending at 97 the next day, while Nak. Utt. Bhadrapadā began at 01 o  |
| "          | 608                               | Thursday and ended at 11 the next day.  Kollam 754, Ani, 27, Bright-half, Thursday, Pushya.  = A.D. 1579, Thursday, June 25 (= Ani 27); su. 1 ended at 18 an Pushya" ended at 98.  |
| 31         | 638                               | Kollam 6[2]4, Āvaṇi, ba. di. daśamī, [Saturday], Punarvasu.  A.D. 1448, Saturday, August 24 (= Āvaṇi 26); ba 10 ended at ·04 an "Punarvasu" ended at ·78.  |
| ,,         | 696                               | Kaliyuga 4991, Kollam 1065, Virodhi, Karttigai, 25, Sunday, Mrigasīrshi<br>Dhanus (= A.D. 1893)<br>= A.D. 1889, Sunday, December 8 (= Karttigai 25); 45. Citation A.D. 189   |
|            |                                   | and Dhanus is wrong—vide author's Indian Ephemeris under year 1889.  |
| 3;         | 717                               | Śaka 1522, Kollam 77[4], Vikārin, Vaigāši, [2]6 tēdi, šu. di. dašamī, Wednesda Uttara-Phalgunī. In A.D. 1599 on Wednesday, May 23 [Vaigāši 25 (not 26)].   |
| 7,         | 718                               | Su. 10, began at 50, ending next day at 58, while nak. "Utt. Phalgunī ended at 38 on Wednesday. Saka 1466, Plava, Mārgasīra, ba. 30, Monday. The date is irregular.  |

### APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year. | Number<br>of      | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-------|-------------------|---|
| 1001. | inscrip-<br>tion. |   |
|       |                   | $\mathbf{M}$ is cellaneous — $cont$ .   |
|       |                   | Anonymou*-cont.   |
| 1916  | 727               | Šaka 907, Tāraṇa, Phālguna, śu. di. 5, Tuesday.<br>A.D. 986 = Vyaya, while Tāraṇa = A.D. 984.<br>The date is irregular.   |
| 29    | 737               | Šaka 15[1]0, Sarvajit, Kārttika, śu. di. 15, Monday.<br>A.D. 1587 = Sarvajit.<br>In A.D. 1588, Kārttika, śu. 5 (not 15) fell on Monday at .75.  |
| "     | 740               | Šaka 1468, Plavanga, Kārttika, šu. di. 15, lunar eelipse.  A.D. 1547 = Plavanga.  In A.D. 1547 on Friday, October 28 (= Aippasi 28); su. 15 ended at 61 and it was a day of lunar eelipse.  |
| "     | 751               |   |
| 1917  | 11                | Saka 1592, Sādhāraṇa, Kārttika, śu. 15, Monday.<br>In A.D. 1670 on Monday, October 17 (= Aippasi 16); śu. 15 began at ·53 and ended at ·43 the next day.  |
| ,,    | 33                | Śaka [13]69, Kshaya, Phālguṇa, śu. 10, Sunday.<br>= A D. 1446, Sunday, February 6 (= Māši 12); śu. 10 ended at ·74.   |
| "     | 34                | Saka 114[8], [Pārthiva], Jyēshṭha, śu. 10, Friday.<br>  In A.D. 1226 (= Vyaya), Jyēshṭha, śu. 10 fell on Friday, May 8; 69.   |
| "     | 60                | Pārthiva is an error for Vyaya.  Saka 1153, Māgha, śu. 5, Thursday  In A.D. 1231, Māgha, su. 5 fell on Friday, 10th January (= Tai 16).   |
| "     | 61                | In A.D. 1232, Māgha, śu. 5 fell on Thursday, 29th January (= 5 Māśi).<br>Śaka 1537, Rākshasa, Vaišākha, śu. 3, Thursday.<br>= A.D. 1615, Thursday, April 20 (= Chittirai 20); śu. 3 ended at 95.  |
| ,,    | 62                | Saka 1734, Angīrasa, Chaitra, śu. 7, Sunday.  In A D. 1812-13 (= Ś. 1734 = Āngīrasa) Chaitra śu. 7 at the beginning of the solar year fell on Thursday, March 1812; while Chaitra śu. 7 at the end of the same Solar year fell on Wednesday, 7th April A.D. 1813. |
| "     | 63                | Date is irregular.<br>Śaka 1160, Chaitra śu. 8, Thursday, Mēsha-Sankrānti.<br>= A.D. 1238, Thursday, March 25 (= Mēsha 1); śu. 8 ended at 05. It was a day of Mēsha-Sankrānti.  |
| ,,    | 67                | Saka 1436, Krödhin, Phālguṇa, śu. 11, Pushya.<br>The date is irregular.   |
| ,,    | 68                | Šaka 1246, Raktākshi, Māgha, su. 1[5], Thursday.<br>= A.D. 1324, Thursday, January 12 (= Tai 17); su. 15 ended at 14.   |
| "     | <b>6</b> 9        | Saka 1477, Rākshasa, Kārttika, su. Paurņamī, Thursday, Rōhiņī.  In A.D. 1555 on Thursday, November 28 (= Kārttigai 29) su. 15 ended at £9 and Rōhiņī at 01.  The month Kārttika seems to be an error for Margasira.   |
| ,,    | 71                | Saka 1724, Dundubhi, Phālguṇa, śu. 3, Thursday.  = A.D. 1803, Thursday, February 24; śu. 3 ended at 56.   |
| ,,    | 72                | Saka 1651, Kīlaka, Mārgasira, su. 14, Wednesday.<br>= A.D. 1728 (= Kīlaka), Wednesday, December 4 (= Dhanus 5); su. 14,   |
| 59    | 74                | ended at '48.<br>Śaka 132[7], Pārthiva, Śrāvaṇa, śu. 10, Thursday.<br>In A.D. 1405 (Pārthiva) Śrāvaṇa, śu. 10 fell on Wednesday (not Thursday)<br>August 5 (=7 Avaṇi) and ended at '75 on that day.   |
| 2)    | 75                | Saka 1310, Vibhava, Māgha, śu. 5. Thursday, Makara-māsa. In A.D. 1388, Māgha, śu. 5 fell on Tuesday, January 14 (= Makara 19) and ended at 69.  |
| ۶۰    | 77                | Saka 1153 Kārttika, ba. 5 Thursday. In A.D. 1231 Kārttika ba. 5 fell on Sunday (not Thursday) 16th November (= Vrišchika 20) and ended at 21.   |
| 37    | 80                | Śaka 1142, Phālguṇa, Prathama-pāḍya, Thursday.  = A.D. 1220 Thursday February 6 (= Kumbha 14); śu. 1 ended at .95.  |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|-----------------------------------|--|
|       |                                   | Miscellaneous - cont.  |
|       |                                   | Anonymous—cont.  |
| 1917  | 81                                | Śaka 17[8]3, Chitrabhānu (?) Vaišākha, ba. 7, Sunday.<br>Reference is apparently to A.D. 1822 (which was Chitrabhānu) but Ś. 1744, not Ś. 1737; In A.D. 1822 Vaišākha ba. 7 commenced on Sunday May 12 at 50 and ended next day at 51. |
| 2,5   | 82                                | Saka 1172, Aśvayuja, ba. 8, Thursday.  = In A.D. 1250, on Thursday October 20 (= Aippaśi 23); ba. 8 ended at 45.   |
| "     | 84 &<br>85                        | Saka 1326, Tāraṇa, Māgha, su. 10 Saturday<br>In A.D. 1405 Māgha, su. 10 fell on Saturday, January 10th (= Tai 15) and<br>ended at 52.  |
| ;;    | 97                                | Saka 12[0*]4, Chitrabhānu, Śrāvaṇa, Wednesday, solar eclipse.  = A.D. 1282, Wednesday, August 5 (Simha 8); ba. 15 ended at 07. There was a solar eclipse on that day.  |
| ,,    | 99                                | Saka 1204, Chitrabhanu, Paushya, ba. 11, Saturday, Makara-Sankranti.  = A.D. 1282, Saturday, December 26 (= Makara 1); ba. 11 begun at 22 and ended on the next day at 29. Makara-Sankranti fell on Saturday 26th December.            |
| **    | 100                               | Saka 16[48*], Visvāvasu, Asvīja, su. 14, Thursday.  In A.D. 1726, Asvina su. 14 fell on Thursday 29th September (= Kanyā 28); and the tithi ended at 12. This probably is the date intended.   |
| "     | 101                               | Śaka 1201, Pramādin, Chaitra, śu. 13, Vishuvu-sankrānti, Sunday.  In A.D. 1279, on Sunday, March 26 (= Mēsha 1); śu. 13 began at ·70, ending on the next day at ·72; Mēsha-Sankrānti fell on Sunday.                                   |
| "     | 102                               | Saka 1181, Sidhārtin, Chaitra, śu. pādyami, Wednesday.  = A.D. 1259. Wednesday, March 26 (= Mēsha 1); śu. 1; ended at 60. (The month was Nija-Chaitra).  |
| 73    | 112                               | Saka 1468 Parābhava, Bhādrapada, su. 11, Monday.  = A.D. 1546 Monday September 6 (= Kanyā ?); su. 11 ended at .51.   |
| "     | 120                               | Saka 1094, Kārttika, punnama, Thursday.  = A.D. 1172, Thursday, November 2 (= Vrišchika 7); śu. 15 ended at 48.  |
| **    | 135                               | Saka 1199, Srāvaņa, śu. 15, Friday.  =A.D. 1277, Friday, July 16 (= Karkaṭaka 20); śu. 15 ended at 45.   |
| >3    | 100                               | Saka 1216 Jaya, Pushya, su. 8, Sunday, Makara-Sankranti.  = A.D. 1294, Sunday, December 26 (= Makara 1); su. 8 ended at .75. It was a day of Makara-Sankranti.   |
| ;;    | 140                               | Saka 1435, Śrīmukha, Śrāvaṇa, ba. 13, Friday. In A.D. 1513 (Śrīmukha), Friday, July 29 (Karkaṭaka 31), ba. 13 began at '40 and ended on the next day at '30.   |
| ,,    | 143                               | Saka 1450 Sarvadhāri, Māgha, su. 5, Thursday. In A.D. 1528-29, Māgha, su. 5 fell on Thursday, January 14. A.D. 1529 (= Makara 18); and the tithi ended at 88.  |
| "     | 144                               | Saka 1476, Ananda; Srāvaṇa, su. 15, Sunday.<br>In A.D. 1554 (=Ānanda), Sunday, August 12 (= Simha 13); su. 15 began  |
| 29    | 146                               | at ·20 and ended at ·10 on Monday.<br>Śaka 1596, Ānanda, Māgha. śu, 13, Friday.<br>A.D. 1674-75 = Ānanda.<br>In A.D. 1675 Māgha, śu. 13 fell on Friday, January 29 A.D. 1675 and the tithi ended at ·40.                               |
| "     | 149                               | Saka 1492, Sukla, Māgha. ba. 11, Sunday. In A.D. 1569-70 (=Sukla) ba. 11 fell on Wednesday, February 1 and not on Sunday.  |
| "     | 150                               | Saka 1352, Virôdhikrit, Mārgasira, ba. 7, Monday. Virôdhikrit = ś. 1353 = A.D. 1431. In A.D. 1431 (= Virôdhikrit) on Monday November 26 (Vriśchika 28). ba.  |
| 73    | 152                               | t ended at 41.   |

## APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1916-17-cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | Miscellaneous—cont.   |
|            | <br>                              | Anonymous—cont.   |
| 1917       | 154                               | Saka 1183,* Māgha, śu. 5, Thursday.<br>In A.D. 1260-61 (= S. 1183 current) on Thursday January 6 A.D. 1261  |
| ,,         | 157                               | (= Makara 12); su. 5 began at .58, ending at .57 on the next day.<br>Saka 1191, Asvayuja, su. 5, Sunday.<br>In A.D. 1269, on Sunday September 1 (= 4 Sinha); su. 5 began at .70 ending at .60 on the following day. |
| 77         | 158                               | Śaka 1200, Śrāvana, śu. 11, Monday. In A.D. 1277 on Monday July 12 (= Karkataka 16); śu. 11 ended at 67.  |
| <b>3</b> 7 | 159                               | Saka 1596, Ānanda, Māgha, ba. 5 Thursday.  In A.D. 1675 on Thursday, February 4 (= Kumbha 8); ba. 5 ended at '79.   |
| ,,         | 160                               | Šaka 1726, Paktākshi, Phālguṇa, śu. 15, Thursday.<br>= A.D. 1805, Thursday, March 14; śu. 15 began on Thursday at 38 and  |
| ,,         | 168                               | ended next day at 35.<br>Śaka 1502, Pramādi, Āśvija, śu. 11 Thursday.<br>In A.D. 1579 (= Pramāthi) Āsvija śu. 11 fell on Wednesday (not Thursday)   |
| ٠ ور       | 172                               | September 30 ending at 84.<br>Śaka 1188, Vaiśākha, śu. 13, Thursday.<br>In A.D. 1265 śu. 13 fell on Wednesday, April 29; ba. 13 fell on Thursday<br>May 1914.   |
| <b>,</b> , | 174                               | Saka 1183, Chaitra, śu. 1, Thursday.  = A.D. 1261, Thursday, March 3 (= Mīna 9); śu. 1 ended at .78.  |
| 7;         | 177                               | <ul> <li>Šaka 1223, Phālguṇa, śu. 1, Thursday.</li> <li>In A.D. 1300-01 (= S. 1223 current) on Thursday, February 9, A.D. 1301</li> </ul>   |
| 3)         | 178                               | (= Kumbha 17); su. 1 began at '67 ending at '68 on the following day. Saka 1596, Rākshasa, Āshāḍha, su. 9, Friday. In A.D. 1674 (= Ānanda) Āshāḍha su. 9 fell on Wednesday while ba. 9 fell on Friday.              |
| "          | 186                               | In A.D. 1675 (= Rākshasa) Āshāḍha śu. 9 fell on Monday.<br>Śaka 1765, Śōbhakrit, Mārgaśīrsha, ba. 5, Monday.<br>= A.D. 1843, Monday, November 11; ba. 5 began on Monday at 03 and                                   |
| ,,         | 188                               | ended on Tuesday at .00.<br>Śaka 114 [4], Vishu (Vrisha), Kārttika-Monday (i.e., 15th day of Bright-half).<br>= A.D. 1221, Monday, November 1 (= Vrišchika 5); śu. 15 ended at .60.                                 |

#### PART II.

#### NOLAMBA-PALLAVAS.

Eight old Nolamba-Pallava records were copied in the two firkas of the Madakasira taluk (Anantapur district) which were completely surveyed for inscriptions during the current year. These are dated in the reigns of kings Nolambādhirāja, Mayindamma (Mahēndravarman), Annayya, Iriva-Nolamba Dilīparasa and Iriva-Nolamba Nollipayya. Of the dated records the earliest is that of Annayya son of Bīra-Nolamba (No. 759 of Appendix B). The date Saka 858 given to this king shows that he must be identical with Anniga son of Ayyapadēva-Nanniga whose only

Annayya or Anniga. available date known so far is Saka 841 (Epigraphia Indica Vol. X page 62).

This identification further suggests that Bīra-Nolamba must have been a probable surname of Ayyapa. The Bīra-Nolamba with whom Chindayya of the Nolambas is said to have fought a battle at Ballare (i.e. Bellary?) as stated in No. 727 of Appendix B, must be different from Bīra-Nolamba Ayyapa, since the date of this record is more than fifty years later than the date available for Ayyapa. The Dharmapuri record of Saka 853 which mentions prince Irula son of Anniga (Annual Report for 1911, page 65) is also one of Anniga's reign.

Nos. 728 and 726 of Appendix B belong to the time of Iriva-Nolamba Dilîparasa and are dated in Saka 870 and 872 respectively. The former records the interesting fact that a certain Ponnayya younger brother of Sivaya "the foremost archer in the 32,000 country (i.e., Nolambavādi)" and of Bikiyana and son of Chikkayya, died in a battle with Gajānkuśa-Chōla after joining, under orders from king Ballaha, the army of Dilīpa-Nolamba, in the battle at Ipili. Ballaha or Vallabha is a general

Dilīparasa or Dilīpa-Nolamba. surname of the Western Chālukya and

for Dilīparasa already known from a Hēmāvati record is Saka 864.

Rāshṭrakūṭa kings and at this period of Rāshṭrakūṭa supremacy it is not possible that any Western Chālukya king could have been meant. The Rāshṭrakūṭa king that was ruling about this time was the famous Kṛishṇa III whose occupation of the Tondai-maṇḍalam of the Chōla country, is well known. By Gajānkuśa-Chōla we have perhaps to understand Rājāditya the son of Parāntaka I who was killed by a feudatory of Kṛishṇa III. Another date

Iriva-Nolambādhirāja or Iriva-Nolamba Nollipayya of Nos. 17 and 55 of Appendix C was a later member and perhaps a son of Dilīparasa since his dates Saka 885 and 888 follow those of Dilīparasa. On page 62 of *Epigraphia Indica* Vol. X, I have referred to a different Nolipayya, a son of Nolambhādhirāja and a step brother of Mahēndra. The later Nollipayya must have been as stated already a son of Iriva-

Iriva-Nolamba Nollipayya.

Nolamba Dilīparasa. No. 17 mentions his queen Pariyabarasi and her son prince

Ayyapadēva. Thus, from the Nolamba records of this year we obtain two generations of the Nolamba-Pallavas, later than those given on page 58 of Epigraphia Indica Vol. X. It might be noted that the Karshanapalle record referred to on page 91, Part II of my Annual Report for 1912-13, also gives three generations after Iriva-Nolamba Diliparasa, but with different names. Evidently the two sets of names have to be looked upon as connected with each other, being direct issues of Iriva-Nolamba Diliparasa.

#### CHOLAS

2. Very few Chöla inscriptions were copied during the year as prospecting for lithic records was mainly confined to the Tinnevelly district which lay in the Pāṇḍya kingdom. Of these 6 belong to Rājarāja I who held the titles Nigarili-Chōla and Chōlēndrasinha and range in date between the 23rd and 27th years of his reign; three belong to his son Rājēndra-Chōla I and are dated in his 3rd and 4th years; one is of Rājēndradēva of his 3rd year and another belongs to the 30th year of Kulōttunga I. The existence of these records in the Pāṇḍya country, all dating from the time of Rājarāja I, go to prove that the suzerainty of the Chōla sovereigns in this part of the country must have been actually established only from the time of Rājarāja I,

though before him many Chola kings such as Parantaka I, Sundara-Chola Parantaka II and Uttama-Chola may have had successful contests with the Pandyas and even invaded their country. This is also made evident from the surname Rajarajamandalam applied to the Pandya country in these inscriptions. No mention is made in the historical introductions of Rajendra-Chola I, to the conquest of the Paudya dominions. The kingdom must have devolved on him as heir-apparent of Rajaraja I under whose iron rod the Pandyas were thoroughly cowed down. This is apparent from the political step adopted by Rājēndra-Chōla I to rule over the Pāndya country through viceroys, soon after the demise of his father Rajaraja. Rajendra-Chola I appears to have taken possession of that country not later than the 3rd year of his reign and in the 5th and 6th years to have turned his attention to the conquest of It is worthy of note that in No. 400 of Appendix B we have a document of the 9th year of Rājēndra-Chōla, in which minute details of the land survey of a village conducted under royal writ and the direct supervision of four important officers of the king with the standard measure called Rajarajankol are registered. The annexation also of the Kanarese provinces of Nolambavadi and Gangavādi by Rājarāja is quite well known from his Tamil inscriptions. No. 7 of Appendix C from Pailabanda in the Anantapur district, is a Tamil fragment containing the historical introduction of Rajendra-Chola I. Nos. 23 to 25 of the same Appendix from Kotta-Sivaram the first of which is written in the Kanarese I knim has alphabet and the Tamil language and is dated in the 10th year of Rajendra-Chola I, refers to a mandapa which was built on the 200th day of that year, by the general Araiyan Rājarājan alias Vikrama-Chola Choliyavaraiyan chief of Sattamangalam in Tiraimūr-nādu, who appears to have held also the other epithets Nālmadi-Bhīma, Chōlana-chakra, Sāmantābharanan, Edirtavarkālan, Ahitarottalivan, Vairinārāyanan and Vīra-Bhīman and according to Nos. 30 and 31 the titles Jayasinghakulakāla, Sāmantatalaprahāri and Katakapravahana (?). The title Jayasinghakulakāla death to the race of Jayasimha indicates the strong enmity which the Chōlas entertained against the Western Chalukyas. Jayasimha was the great enemy of hājēndra-Chōla and called himself 'the lion to the elephant Rajendra-Chōla'. There are two villages of name Sattamangalam mentioned in the Tanjore inscriptions. These were in Pattina-kūrram of Kshatriyasikhāmani-valanādu and Punrir-kūrram of Pāndi-Tiraimūr-nādu or Teņkarai Tiraimūr-nādu was a subdivision of kulāśani-valanādu. Uyyakkondān-valanādu (see South-Indian Insers. Vol. II. Introduction pages 22 to 26). The general Araiyan Rājarājan alias Vikrama-Chōla Chōliyavaraiyan the chief of Sattamangalam is not known from the Tamil records of Rajendra-Chola I. It may be noted that Vikrama-Chōla was a surname of Rājēndra-Chōla I, as stated in the Tiruvālangādu plates (Annuai Report for 1906, page 67, paragraph 17).

3. Chōla princes serving as viceroys in the Pāṇdya country are largely re-Chōla-Pāṇdyas.

Pāṇdyas presented by about 25 inscriptions. Chōla-Pānd vas. They are already known to us from previous reports (Annual Report for 1905, Part II, p. 56). At Tiruvālīśvaram in the Ambāsamudram taluk was copied in the year 1905 only one record of Jatāvarman Sundara-Chōla-Pāndyadēva a son of Rājēndra-Chōla I, dated in his 13th year (No. 115 of 1905). In the year under report ten other records of this same king have been copied. That he was the son of Rājēndra-Chōla I has been mentioned by Rai Bahadur V. Venkayya in his Annual Report for 1905, Part II, paragraph 25, and by Mr. K. V. Subramanya Ayyar in his contribution on Jatāvarman Sundara-Chōla-Pāndyadēva in Epigraphia Indica Vol. XI. No. 30. No. 617 of Appendix B Jatāvarman Sundara-Chola-Pandya surnamed Mānavīra-Parāntaka. begins with the historical introduction of his father Rājēndra-Chōladēva commencing with the words Amunion, etc. A probable surname of the prince was Mānavīra Parāntaka as could be inferred from No. 630. Seven inscriptions of another prince Maravarman Vikrama-Chōla-Pāṇḍya have also been secured. No. 623 of Appendix B which is probably also to be attributed to this prince, mentions the queen Ulagudaiyāl . . . of Rājēndra-Chōla I the conqueror of Gangai, Kidaram and Māravarman Vikrama-Chola-Pāndya. the eastern country. Another (No. 640 of Appendix B) refers to the inner circuit of a temple named Rājādhirājan-śurrālai.

Can it be inferred that Māravarman Vikrama-Chola-Pāndyadēva was another son of

Tamil Sw Timpper kimran Imes in 599-1 1 emple in rn425)1 cay ~ ) .

introductions of Rājēndradēva a younger brother of Rājādhirāja I the former is stated to have conferred on one of his royal younger brothers the victorious Mummadi-Sōlan the title, Sōla-Pāṇḍiyan. It is not unlikely also that our Māravarman Vikrama-Chōla-Pāṇḍya is identical with this Mummadi-Sōlan the younger brother of Rājēndra-

Sundara-Chōla-Pāndya. dēva and Rājādhirāja I. The next prince that ruled the Pāndya country must have been a Sundara-Chōla-Pāndya without any distinguishing epithet. Four records of his reign have been copied. He appears to have been ruling at Rājēndraśōlapuram

of his reign have been copied. He appears to have been ruling at Rajendraśolapuram (No. 327 of Appendix B). This record refers to a gift of land by him after purchasing it from the sahhā of Rājarāja-chaturvēdimangalam, i.e., Ambāsamudram. The income from the land included paddy given by the cultivator (vellan) as owner's share and money called uruvukol-nilan-kasu and kakshi-erudu-kasu. No. 619 of Appendix B of the 17th year of the same king's reign refers to similar items of income under the heads alagerudu-kātchi-kāśu, kātchi-erudu-kāśu and ūrkkalañju. The order sanctioning the transfer of the land from the brahmadeya-register to the devadanaregister, in No. 327, was communicated to the Viceroy, the document being signed by not less than 22 officers of the emperor. The uncle (amman) whose sanction is invariably mentioned in the records of Sundara-Chola-Pandyadeva must have been the Chola emperor whose identity however cannot be definitely settled in the absence of the exact year which corresponded to the 17th year of Sundara-Chōla-Pāndva. That the latter must have been different from Jatavarman Sundara-Chola-Pandyadeva, the son of Rajendra-Chola I, is evident because, while the one was a son of Rajendra-Chola I, the other was the nephew of the ruling king. Perhaps he was a prince who succeeded Māravarman Vikrama-Chōla-Pāṇdya mentioned above and was a nephew of Rājādnirāja I. No. 642 of 1916 from Shērmādēvī in the Tinnevelly district describes a certain Jațāvarman Śōla-Pāṇḍyadēva as the son of Vīrarājēndra-Chōla I and mentions his palace at Rājēndraśolapuram. He must be identical with prince

Jatāvarman Šōla-Pāṇḍya.

Gangaikoṇḍaśōlaṇ on whom Vīrarājēndra is stated to have conferred the title Šōla-Pāṇḍyaṇ (Epigraphia Indica, Volume XI, page 293). It is not unlikely also that two other inscriptions of Jatāvarman alias Uḍaiyār Śōla-Pāṇḍyadēva copied at Śuchīndram and referred to in the same journal, have to be identified with Jaṭāvarman

Sōla-Pāṇdya of No. 642. Still another Chōla-Pāṇdya prince mentioned in the year's Māravarman Parākrama-Chōla-Pāṇdya. collection is Māravarman Parākrama-Chōla-Pāṇdya (Nos. 329 and 613 of Appendix B) of whom nothing definite is recorded to indicate his relationship to the other princes that preceded him or to the Chōla emperors.

4. The sway of these princes also over the Kērala country which was annexed by Rājēndra-Chōla I (page 294 of Epigraphia Indica, Volume XI) is indirectly established by Nos. 392 and 620 of Appendix B. The former, dated in the 14th

Their sway over the Kēraļa ccuntry.

year of the third prince Sundara-Chōla-Pāndya, mentions a gift by Ādichchi, queen of the Chēra king Rāśingadēvar, to the temple of Rājēndraśōla-Vinnagar (i.e., the present Gōpālasvāmin) at Maṇṇārkōyil, which according to another record copied in 1905 (No. 112), was constructed by Rāśinga (i.e., Rājasimha) himself. No. 620 of the 22nd year of Māṇavarman Vikrama-Chōla-Pāndya mentions the quarter called Śēramāṇār-vēlam.

#### PANDYAS.

- 5. Early Pāṇḍya inscriptions (in the Vatteluttu character), of kings Kō-Mārañ-jadaiyaṇ and Śadaiyamāraṇ (called Śaḍaiyavarman in No. 299 of Appendix B), have been secured at Śingampatṭi and Ambāsamudram in the Tinnevelly district. The ancient name of Ambāsamudram in the Pāṇḍyan times was Ilaṅgōykkuḍi and that of the modern temple of Erichchā-Udaiyar was Pōttuḍaiya-Bhaṭāra (Nos. 299 and 301 of Appendix B). The Ambāsamudram record of Varaguṇa-Pāṇḍya published by Mr. V. Venkayya in Epigraphia Indica, Volume IX, pages 84 ff, gives the same two names for the town and the temple.
- 6. Jatāvarman Śrīvallabha who with the title "chakravartin," was referred to in my last year's report, page 121, paragraph 24, appears in the collection under review, as Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Śrīvallabha or as Jatāvarman Udaiyār Śrīvallabha. The historical introductions of his inscriptions begin as usual with the

Jatāvarman Śrīvallabha.

Jatāvarman Śrīvallabha.

It was inferred by circumstantial evidence (ibid.) that he must have been a contemporary of the Chōla king Kulōttunga-Chōla I. No. 331 of 1916 from Tiruvālīśvaram in the Ambāsamudram taluk which may have to be attributed to Jatāvarman Śrīvallabha seems also to confirm this same period for him by making reference in the body of the inscription to an earlier grant by a certain Umai-ammai. It is not known who this Umai-ammai is. A certain Umai-ammai of about the end of the 10th century A.D. was a contemporary of the Travancore king Śrīvallavan (Śrīvallabha) (Epigraphia Indica, Volume IX, pages 234 ff). If this identification is correct, it may not be wrong to suggest that the 11th century would approximately be the period of Jatāvarman Śrīvallabha. It is interesting to learn from No. 331 that

a general (sēnāpati) of Śrīvallabha was Rājarāja-Vellappanādāļvān.

7. Nos. 469, 645 and 649 of Appendix B which are dated in the reign of a certain Māravarman Trībhuvanachakravartin Śrīvallabha, begin with the historical introduction பூம்கள் ஐயம்கள், etc., as already noted at page 122 of the Annual Report for 1916. In one of these (No. 645) the king is stated to have been seated on his throne Muṇaiyadaraiyan in his palace at Tinnevelly. No. 426, begins with the introduction ஐயம்டக்கையும் etc., and is dated in the 37th year of the same king. The introduction it might be remarked is almost similar to that noted against Nos. 474 and 523 of Jatāvarman Srīvallabha of the previous paragraph without however the

mention of queen Ulagamuludumudaiyal. Maravarman Śrīvallabha. coincidence inthe historical The introductions of the two Śrīvallabhas - Jaṭāvarman and Māravarman, indicates that at least these two must have been very near to each other in point of time if not contem-We have seen that Maravarman Śrīvallabha was a predecessor of Jatāvarman Kulaśēkhara I. ruling in A.D. 1160-61 (Annual Report for 1909, page 79 and 1916, page 122). No. 426 quoted above gives Pūrattādi as the birth-day asterism of the king and supplies details of date for Maravarman Srīvallahha which calculated by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai yield 1st February 1169 A.D., for the 37th year of the king and thus help us to fix his initial date at 1132 This takes us back a few decades behind the time of Jatavarman Kulasekhara I. whose initial date was fixed by Professor Kielhorn at 1190. If this gap of about 60 years could be filled up by further discoveries and if Jatāvarman Śrīvallabha's date could also be fixed, the Pandyan chronology of the medevial period would be materially advanced. A slight hint in this direction is derived from No. 326 of Appendix B of Jatavarman Śrīvallabha commencing probably with the historical introduction இரும்டக்கையும், etc., which makes reference to a royal order (tirumugam) of Sundara-Pāndya.

8. The major portion of the Pāṇḍya inscriptions copied during the year belongs to the reigns of Jatāvarman Kulaśēkhara I. and Māravarman Sundara-Pāṇḍya I, 'who distributed (or took) the Chōla country' and begin with the historical introductions

Jatāvarman Kulasēkhara I.

Jatāvarman Kulasēkhara I.

and ysomulisēs etc., in the case of the former and ymmesume is supposed in the case of the latter (see Annual Report for 1909, page 81, paragraphs 24 and 25). These include a number of documents repeating one and the same transaction thrice or sometimes even four times, but with a different purpose each time. The king in his royal camp at some place is approached either by a minister or by a private person or body of persons and requested to make gift of a particular land to a temple or oftener to make a land which had been already granted, tax-free. The submission of the request (vijāapti) was perhaps a customary procedure and was done while the king was comfortably seated in his palace. There appears to have been in the South-Indian courts a regular officer called Vijapati whose business it was to communicate such requests. The king promises to do so right solemnly and orders that the necessary dai and the ulvari from the Revenue department may be duly issued. This forms the first document of the triple series and was called evidently śrīmukha or tirumugam being signed by one or two of the king's officers. The executive order (ōlai or

kēlvi) which is issued sometime after,—often some years (e.g., see No. 682 of Appendix B)—is addressed to the Revenue administration—some aspects of. authorities at the spot where the land-gift is made, with instructions to make the land tax-free in favour of the specified temple, and generally begins with the title Konerinmaikondan of the king and not with his proper name. A demi-official note called kaittadi, ōlai or kadaiyīdu is sometimes also sent direct to the temple committee or the village assembly, one or more ministers intimating to them the issue of the order. The officers of the Revenue department (varivilar or puravariyar) now issue the document called ulvari, enter the same in the Revenue registers thereby effecting a decrease in the total revenue to Government but an increase to the temple emoluments. The items of taxation Tiruvāv kēļvi, tirumugam, ulvari and kaittadi documents. documents. under different heads \* are mentioned evidently for being collected and transferred to the temple. The document is signed by a very large numbers of revenue officers and ministers (see e.g. Nos. 502 to 505). The village assembly, as in No. 511 of Appendix B, meets together, receives the tirumugam and other documents and proclaims the particular land to be tax-free by an executive order (olai) and sometimes fixes the boundaries. A typical instance of this series of triple documents is supplied by Nos. 664, 665 and 666 of Appendix B. where the gift was made by king Jatavarman Kulaśekharadeva I. to a temple, in the name of his brother-in-law (machchunanar) Kodai Ravivarman. This name sounds very much like that of the Travancore kings (tiruvadi) but it is difficult to understand how one of these could be meant here. In an inscription of Magavarman Śrīvallabha copied in previous years (No. 53 of 1896), the Travancore king Vīra-Ravivarman appears as the donor and in No. 370 of Appendix B of the time of Jatāvarman Kulasēkhara I. (but supposed by Mr. Swamikannu Pillai-see his remarks in Appendix F-to be a second king of tha name whose initial date is 1237 though the historical introduction clearly indicates him to be the first) the Tiruvadigal of Jētunga-nādu without reference to his proper name is mentioned. From these it may become clear that the Tiruvadi kings were subordinate to the Pāudyas but their connection with the royal family which is hinted by No. 665 has yet to be established by further discoveries. This will be the earliest epigraphical reference to the chiefs of Jeyatunga-nādu, referred to under the Vijayanagara section below. The royal camps of Jatāvarman Kulaśēkhara mentioned in his inscriptions were generally Tirunelvēli in Kīl-Vēmba-nādu, Erikkittūr alias Śrīvallabhapattinam in Kīl-Sembilnādu, Madura in Madurodaya-valanādu, Solakulantaka-chaturvedimangalam in Pāgaņūr-kūrram and Kūpakarāyanallūr in Tenkarai-nādu. Sõļakulāntaka-chaturvēdi-

Valluvanādālvān. 9. Nos. 338 and 340 of Appendix B are documents similar to the series described in the previous paragraph and relate to the time of Maravarman Sundara-Pāndya I. They state that a subordinate of the king instituted a festival in the temple of Tıruvālīśvaram on the day of Māravarman Sundara-Pāṇḍya I. Dhanishthā which was the star under which the king was born. No. 662 of Appendix B seems to furnish the title Atisaya-Pāndyadēva for king Māravarman Sundara-Pāndya. No. 572 which gives the necessary astronomical details for calculation has been found to be correct only for Māravarman Sundara-Pāndya II. (see Appendix F). No. 363 which is dated during the reign of Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya and which on paleographical grounds might be referred to Māravarman Sundara-Pāndya I. mentions a nāttukkalaham—a communal dispute in the district by which the worship in the local temple had to be suspended. The record refers to a predecessor of Sundara-Pāṇḍya called Periyanāyanār Kulaśēkharadēva by which evidently Jatāvarman Kulaśēkhara I. was meant. The same person is referred to again in No. 552. It is not however impossible that this latter Sundara-Pandya is a much later king of that name whose accession has been fixed at A.D. 1294. Nos. 399, 405 and 406 refer to a gift of water which overflowed from the tank of a certain village, for the benefit of the

mangalam is identical with Kuruvitturai in the Madura district (Annual Report for 1909, p. 80). No. 555 of Appendix B mentions the king's maternal uncle (ammān)

<sup>\*</sup> The following are mentioned for example in No. 507 of Appendix B :—(money income) kadamai, antarayam, karyayaratéchi, vettippattam, panjupti, sandhivigrahapperu, uludankudi, arisittundam, danapperu, ponyari, manai-rai, teriirai, sekk-irai, tattolippattam and others.

temple. No. 401 registers the sale of land by two Brāhmaṇa widows with a written permission obtained from their co-parceners (jnātis). From Nos. 559 to 561 of Appendix B we learn that Uttiram (Uttara-Phalgunī) was the asterism under which the chief Vīraśingaṇ Vikramaṇ alias Vīra-Rājēndra-Valluvanādālvāṇ was born. A festival on this account was instituted in the Siva temple at Pattamaḍai by the chief Vīraśingaṇ Vikramaṇ alias Vīra-Rājēndra-Valluvanādālvāṇ. No. 556 of Appendix B also refers to the same festival. Kaliyugarāmēśvara mentioned as the name of a shrine in No. 524 of Appendix B suggests that the title Kaliyugarāmaṇ must have been held either by Māṇavarman Sundara-Pāṇḍya himself or by one of his predecessors. No. 42 of 1893 gives the title Kaliyugarāmaṇ to a Pāṇḍya king who is there referred to by the general epithet Kōṇēriṇmaikoṇḍāṇ (Annual Report for 1893, page 6). In later times the same title was adopted by Māṇavarman Vīra-Pāṇḍya a contemporary of Arikēsari Parākrama-Pāṇḍya of the 15th century (Annual Report for 1912, page 75).

10. Māravarman Vikrama-Pāndya with the historical introduction Activation, etc., is represented by four records (Nos. 472, 486, 539 and 704 of Appendix B). No. 472 refers to the king and his throne Muṇayadaraiyan at Madura and Nos. 648 and 704 supply the details of date from which Mr. Swamikannu Pillai derives (see Appendix F) A.D. 1269-70 as the probable initial year of Māravarman Vikrama-Pāndya. From No. 539 we learn that the assembly of Śēravanmahādēvi-chaturvēdi-

Māravarman Vikrama-Pāṇḍya. mangalam had to give in exchange a new land for what they had already granted during the consecration ceremony of the Vishnu temple of Kariyamāṇikka-Perumāl at Pattamaḍai,—it being proved by earlier documents that the land in question was originally the property of the Vishnu temple of Śrīvallabha-Viṇnagar at that village.

No. 522 which comes from Kadayam is dated in the third year of Māgavarman A later Māgavarman Vikrama-Pāṇḍya.

Wikrama-Pāṇḍya who bears the attribute Iravi-narapālaņ. The record quotes [Kollam] 592 = A.D. 1416-17 and must therefore belong to a later king. We may not be far wrong in identifying this king with Māgavarman Vikrama-Pāṇḍya who was joint ruler in about A.D. 1433-34 with Arikēsarin the founder of the Teṇkāśi temple (page 74f. of my Annual Report for 1911-12).

11. Jatāvarman Vīra-Pāndya is represented by a dozen inscriptions in the collection. Three of these, viz., Nos. 439, 639 and 657 supply details of date which have been discussed by Mr. L. D. Swamikannu Pillai in Appendix F. But as the citations are technically wrong in certain respects the records do not help us to

identify the king. No. 588 of 1916 is dated in the tenth year of Jatavarman Jațāvarman Vīra-Pāṇḍya. Vīra-Pāṇdya, "who was pleased to take the Chōla country, Ceylon, and the crown and the crowned head of the Śāvaka." To identify this king with Vīra-Pāṇdya the conqueror of Kongu whose initial date has been fixed as 1254 A.D. we find that the record under review omits "Kongu" among the conquests of Vīra-Pāṇdya. ever he is to be identified with the conqueror of Kongu as the paleographical evidence tends to prove, it is interesting to note that the epithet "who took the crown and the crowned head of the Savaka" is found for the first time among his records. It is doubtful whether the word Savaka has to be taken to refer to the Śravakas, i.e., In this case the epithet must indicate that he successfully carried on a crusade against that community. But the phrase as it stands means "one who cut off the crown and the crowned head of the Savaka (king)." Probably the land of Sāvaka (i.e., Java?) or a king of name Śāvaka might have been intended. villagers (ūr) of Kalijayamangalam, the modern Kariśūlndamangalam, having met together, decided to make a communal gift of produce, from each cultivated field of pura-pparru, vēttaikkāra-pparru, Brāhmana-pparru and padai-pparru. In this transaction it is worth noting that in communal gifts the lands owned by the Brāhmanas did not claim any exemption.

The fact recorded in No. 557 is of more than ordinary interest inasmuch as it Gift for enacting a drama.

Gift for enacting a drama.

registers a grant to a dancing girl for enacting a drama—not specified—on certain festival days. The village god Sāstā, now largely worshipped in Malabar, is mentioned in No. 532 and reference is also made here and in several other records

The military classes of Tinnevelly.

The military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar). In some cases the big community of military classes (padaikkāṇavar).

No. 455 refers to Tirunelvēli Bhagavati Alagapperumāļ alias Kulašēkhara Kaṇḍiyadēvar, the younger brother of Vīra-Pāṇḍya, as the donor of a lamp. The grant was made at the request of Kālingarāyaṇ and hence the king may be identified with Jatāyarman Vīra-Pāndya II who ascended the throne in 1254 A.D.

12. Of Māravarman Kulasēkbara I who appears in inscriptions with the title "who took all countries" we have many records of which No. 692 of App. B refers to the monastery called Mudivalangum-perumāl-madam. It was suggested that

Mudivalangumperumāl was a probable surname of Māravarman Sundara-Pāṇdya I (Annual Report for 1916, page 122, paragraph 26). It may however be noted that the name Mudivalangum-Pāṇdya-chaturvēdimangalam already occurs in an inscription of Jaṭāvarman Kulasēkhara I who preceded Māravarman Sundara. The same matha and the tridaṇḍi (i.e., the Śrīvaishṇava) sannyāsin Alagiyamaṇavālajīyar who was in charge of that matha and was supervising the temple, are mentioned in No. 675 of App. B. In No. 698 of the same Appendix the king receives the title "who was pleased to take Malai-nāḍu, Śō-nāḍu (the Chōla country), the two Koṅgus, Īlam (Ceylon) and the Toṇḍai-maṇḍalam" which perhaps explains his usual title "who took all countries."

### THE WESTERN CHALUKYAS AND THEIR CHOLA FEUDATORIES.

13. Feudatory chiefs who traced their descent to the Chola ancestor Karikala and held the title "lords of Uraiyūr (the ancient capital of the Cholas)" are known to have had a settled dominion in the Telugu country under the name Telugu-Cholas. Earlier Cholas of the Cuddapah district with similar ancestry and the title Cholamahārāja, have been noticed in *Epigraphia Indica*, Vol. XI, pages 339 ff. Members
Tribbuvanamalla Mallidāva-Chōla-Mahārāja of a collateral branch of these Chōlas Tribhuvanamalla Mallideva-Chola-Maharaja. appear to have served as Western Chālukya feudatories, ruling under the Chalukyan suzerainty the country round Nidugal The relation of these to the Tamil Cholas of the south has not hitherto been satisfactorily made out. Nor is it possible even to state whether these chiefs were at all of southern extraction. But No. 15 of App. C of the time of the Chālukyan emperor (Chālukyachakravarti) Vikramadēva mentions the Chōla feudatory Tribhuvanamalla Mallideva-Cholamaharaja who was ruling from the capital town of Heñjeru, and registers the improvements made by him to a well and the foundation of a temple near it with the consent of all the desi-merchants of that place. It is interesting to learn that the well thus improved was originally dug at Henjeru as an act of water-gift by a certain Periyaluva-setti son of Alahiyamanavala and Andamme of the village Siduke, who belonged to the Kundinagotra, and was a resident of Akūr a brahmadēya in Rājarāja-valanādu a district situated to the south of the river Kāvērī in the Chola country. Tenkarai Rajaraja-valanadu is not known from Tamil inscrip-It may possibly be identical with the division Uyyakkondan-valanadu situated between the rivers Arasil and the Kāvērī. The latter included in it the subdivision Akkūr-nādu (South-Indian Insers. Vol. II. Introduction, p. 25) evidently so called after the village Akkūr identical with the modern Akkūr Pandāravādai in the Mayavaram taluk of the Tanjore district. Siduke might likewise be the Sīdakkamangalam of the Nannilam taluk. The

Foundation of the Dēsīsvara temple at Heñjeru and gifts to it by the Dēsī-merchants of the Kubēra lineage.

Rājarāja on his conquest of the Gangapādi country must have been quite natural and the well dug by a merchant of the Tamil country in the heart of the town of Heñjeru could not therefore be a matter for surprise. To the temple of Dēśiśvara of the mercantile community constructed by Tribhuvanamalla Mallidēva-Chōlamahārāja, the merchants (dēśi) of the four dialects (Tamil, Telugu, Kanarese and Malayalam) and of the Kubēra lineage "who enjoyed the pleasures of the three objects of mankind, viz., dharma, artha and kāma by the sale and purchase of articles, who never feared nor were avaricious, whose sole delight was distribution of food to the needy, the orphans and the suppliant beggars,

advent of the southerners into the Mysore

country during the time of the great

who looked upon other's wives as their mothers, whose (wide spread) fame threw brilliant lustre on all the worlds as if it were on a mansion, who were like bees at the lotus feet of Īśvara, were great Māhēśvaras, loved gods and the twice-born, and were possessed of innumerable good qualities such as honesty, personal purity, good manners, career and conduct," (No. 16 of App. C) together with the nakaras of Heñjeru, made a communal gift of a fixed fee on all the articles with which they traded, such as musk, saffron, yak-tail, cus-cus, cotton and cotton-thread, beads, sealing wax, areca, rock-salt, wax, resin, hemp, wool, camphor, sandal, silk-thread, tiger-skin, women's cloths, lead and tin. This long list of articles put into the market and the volume of exchange that such a trade should have involved in order to make the merchants endow a part of the profits thereon, evidently indicates an advanced state of commercial progress and economic prosperity. The merchants of the lineage of Kubēra (i.e., god of wealth) appear to have well deserved that name on account of their wealth. The Settis of the Kubēra-vamśa and their charities have already been noted in my last year's report (p. 151, paragraph 82).

14. To go back to Tribhuvanamalla-Mallideva-Chōlamahārāja, two inscriptions of this chief from Hēmāvati were copied in previous years (Nos. 117 and 121 of 1899). The latter is dated in Saka 1090, and refers to a Chālukyachakravartin, evidently the king Vikramadeva mentioned in No. 15 of App. C. The former which is dated in the 2nd year Vyaya of a certain Tribhuvanachakravartin Kulōttunga-

His overlord Chālukyachakravartin Vikramadēva identical with Taila III. Chōla appears to mention this same chief as "lord of Uraiyūr" and is written in the Tamil alphabet and language.

The over-lord of Mallideva viz., the Chālukya-chakravartin Vikramadeva with date Saka 1084 (= A.D. 1162) must be identical with the Chālukyachakravartin Taila III (Dr. Fleet's Kanarese Dynasties p. 459f). The date corresponds to the last year of Taila's reign and to the first of Kalachurya Bijjala's usurpation. Evidently the chief Tribhuvanamalla Mallideva-Chōlamahārāja threw off the yoke of the Chālukya sovereign immediately after the Kalachurya usurpation and accordingly we find No. 121 of 1899, dated in Saka-Samvat 1090, Sarvajit (= A.D. 1168), making only an incidental mention of the Chālukyachakravartin. The name Vikramadēva given to Taila III occurs in inscriptions for the first time. Both the title and the surname may have been adopted by him after the names of his famous grandfather Vikramāditya VI. The king Tribhuvanachakravartin Kulottunga-Chōla in the 2nd year (Vyaya) of whose reign Tribhuvanamalla Mallideva-Chōla is mentioned, could not be identified. If he is the same as the Chōla king Kulottunga-Chōla III, the initial date as derived from No. 117 of 1899, viz., A.D. 1165, would be 13 years earlier than the initial date, viz., A.D. 1178, derived from Tamil inscriptions.

15. After a short usurpation by the Kalachuryas, the Chālukya throne was regained and occupied by Tribhuvanamalla-Vīra-Sōmēśvara IV, called in No. 28 of Appendix C"the uprooter of the Kalachurya race." His feudatory was Tribhuvana-

Tribhuvanamalla Vīra-Sō.nēśvara IV. malla Bhōgadēva-Chōla-Mahārāja ruling at the city of Heñjeru. Although this chief does not receive the characteristic titles—"the lord of Uraiyūr", "born in the race of Karikāla," etc., still there could be no doubt that he was a member of the very same family as that to which Tribhuvanamalla Mallidēva-Chōla belonged. Sōmēśvara's rule and with that, the dynasty of the Western Chālukyas came to an end in or about Saka 1111. Accordingly we see a certain Irungōladēva-Chōla-Mahārāja ruling at Nidugalla-pattana, independently

Irungoladeva or Irungonadeva-Chola-Maharāja.

(No. 34 of App. C). The same chief Irungonadeva-Chola with the epithets "born of the solar race," "lord of

Uraiyūr," "protector of the Rodda country" and Niśśańka-Pratāpachakravartin was according to No. 40 of App. C ruling from his permanent residence at Nidugallu, in Śaka 1200. The record is of some interest as it refers to the grant of 2,000 areca palms by a Jaina merchant to the temple of Brahma-Jinālaya, into the hands of two Jainas one of whom was a Jina-Brāhmaṇa of Yajurvēda, Aitarēya-Śākhā, Vasishtha-gōtra and the pravara Kaundinya-Maitrāvaruṇa-Vasishtha. The Brahmanical gōtra and the Vēdic śākhā adopted by the Jaina Brāhmaṇa deserves special attention. The income from the grant was to be used for reconstructing with stone from the "foundation to the pinnacle" the temple of Brahma-Jinālaya with the mahā-maṇḍapa, Bhadra-maṇḍapa, Lakshmī-maṇḍapa, gōpura, parisūtra, vandanamālā, mānastambha

and makara-tōraṇa. This list of buildings gives us a definite idea of the details of architecture observed in a Jaina temple. It is further interesting to learn from the record that the donee mentioned above was a resident of the village Bhuvalōkanātha in Bhuvalōkanātha-vishaya, a district of Poṇṇamarāvati-sīme to the north of "the Southern Madhurā" in the southern Pāṇdya country. This gift made to a Jina-Brāhmana of the south shows the affinity which the Chōla chiefs of Nidugallu had to the country of their origin as already observed in the case of Mallideva-Chōla-Mahārāja. The chief Irungōladēva appears also to have been a Jaina by faith and No. 20 of App. C from Kotta-Śīvaram refers to Ālpadēvī the queen of king Irungōla who was a lay-disciple belonging to the Kāṇur-gaṇa and the Kondakundānvaya.

16. Still another chief of the same family who was, however, ruling Gōvindavādi, was Bammadēva-Chōla-mabārāja a subordinate of the Western Chālukya king Jagadēkamalla (No. 8 of App. C). The record is not dated; yet Jagadēkamalla the Chālukya overlord herein mentioned, could be no other than Perma-Jagadēkamalla Bammadēva-Chōla-Mahārāja and his overlord Jagadēkamalla II; for, it is not likely that these Chōla chiefs could have settled in the Anantapur district as early as the time of Jagadēka-

malla I. (A.D. 1018 to 1042). If this identification of Jagadēkamalla is granted, it follows that Bammadēva-Chōla is very probably the same as Bammidēva-Chōla-Mahārāja, the father of Irungōladēva-Chōla-Mahārāja. This record also supplies the interesting information that the whole community (kottali) being assembled together, declared the gift of one dala-vīsa on each kammata within the house and one hāga per month on each kammata in the street. Kammata is the small moveable furnace used by goldsmiths for melting gold and silver. On page 117, paragraph 49 of my Annual Report for 1913 are given some names of the ancestors of Irungōla-Chōla-Mahārāja one of whom Irungōla I. was a subordinate of the Western Chālukya Jagadēkamalla II.

17. Pāta-Śīvara, Kotta-Śīvara and Amarapura in the Madakasira taluk of the Anantapur district, appear to have once been strong settlements of the Jainas with Jaina basatis in them. No. 40 from Amarapura just quoted refers to the teacher Jaina temples and Jaina tomb-stones in the Madaksira taluk.

Padmaprabha-Maladhāridēva. The dilapidated mandapa at Kotta-Śīvara was originally a Jaina basti built by Dāvanandi pupil of Pushpanandi-Maladhāridēva and repaired by Ālpadēvī mentioned above (Nos. 20 and 21 of App. C.). No. 42 of App. C refers to the basati mentioned in No. 40 and says it was built by a lay disciple of Bālēndu Maladhāridēva, pupil of Tribhuvanakīrti-Rāvuļa. Nos. 41 and 43 to 48 are tomb-stones (niśidhi or nishidhi) of Jaina teachers and their lay disciples.

18. Cattle-raids, hāvalis, fights, sieges and the incidental deaths of heroes commemorated on vīragals, are frequently mentioned in the inscriptions from the

Madakasira taluk. These range over a Vīragals of Madakasira. long period from the early 9th century down to the 17th and show the high sense of honour which the people uniformly entertained for the village patriots and their heroic sacrifices on behalf of the village. Some of these records are quite interesting in their details. The Harati chief Nanjarāyapparāja gave an ummali-grant of a field to a certain Kenchanagamaya of Jambulabanda for having successfully protected the village from enemies during 2 or 3 destructive raids (avantra) (No. 749 of App. B.) An early record (No. 753 of App. B) states that Vīra-Kailāsa, son of Nolamba-Kailāsa attacked Prabhurāma in the battle of Polalu and died; and the father Nolamba-Kailasa himself died on attacking Jagapa in a battle near Kaliyakallu. About A.D. 966, Erega or Ereyamma a servant of Ayyapadeva, son of Iriva-Nolambadhiraja seems to have fought with the Choda (Chōla) successfully, so that all the people of Penjeru (Henjeru-Hemavati) praised him (No. 17 of App. C). A heroic fight is described in No. 33 of App. C, dated in Saka 1369 (= A.D. 1447). Jannapa-Odeya and Bomme-Nāyaka of Gōsikere with one lakh of infantry and a thousand horse appear to have attacked Era-Pāpeya-Nāyaka of Halukūru. The latter dispersed the attacking army and killed 500 men and 100 horse. On this occasion Pāpi-Nāyaka's son-in-law Bīmasāniya Gude-Nāyaka and Sulaya, scored a victory over Mosage Māde-Nāyaka and Gangavati-Nīla, by breaking their bow. A rent-free grant, nesara-kodagi or udirappatti as it occurs in a Tamil inscription No. 635 of App. B connected with the spilling of blood in the cause probably of protecting a community or a village, is mentioned in Nos. 19 and 58 of App. C.

The apparent reason for such a gift is stated in No. 58 to be "the giving up of life in kapāṭu (?)"—a word whose meaning is not intelligible to me. In this connection it may also be worth noting that the modern town of Ambāsamudram, which under the name of Rājarāja-chaturvēdimangalam comprised a number of hamlets, was entitled an erivīra-paṭṭaṇa whose significance has been explained by me on page 100 of my Annual Report for 1913.

### THE EASTERN CHALUKYAS.

19. An early grant of the Eastern Chālukyas is No. 7 of App. A which was sent for examination by Mr. Ramakrishnakavi, M. A. The record is written on three copper-plates of which the last is slightly injured at its proper left margin. They measure 7" × 2" and are strung on a circular ring on which is fixed a round seal as in the case of the other Eastern Chālukya copper-plates. The latter bears in relief on its surface, the legend "śrī-Sarvvasiddhi" in the middle, with the crescent above and an expanded lotus-flower below. The characters are old enough to be referred to the time of Jayasimha I. (A. D. 633-663) who was entitled Sarvasiddhi and correspond

Jayasimha I. regularly with those of No. 5 of App. A in my Annual Report for 1913-14.

in my Annual Report for 1913-14. Dr. Fleet refers to only one inscription of his time from Pedda-Maddāli in the Kistna district but questions its authenticity on account of the many inaccuracies in the language of that record. Consequently the present inscription which is above suspicion would be the second of Jayasimha's records hitherto brought to light. It is issued from Asanapura and mentions in order the kings, Kīrtivarman, Vishņuvardhana-Mahārāja surnamed Makaradhvaja and Jayasmhavallabha-Mahārāja. Makaradhvaja, the surname of Vishņuvardhana (I) will be seen from the sequel to have also been a surname of Vishņuvardhana (IV), the father of Narēndra-Mrigarāja Vijayāditya. The surname "Sarvvasiddhi" of Jayasimha I. which is found on our seal is also found on the seal of the Pedda-Maddāli plates. The grant registered is that of the village "Nidubaru or Niduparu" two gavyūtis to the east of Gaṇḍēru-rājadhānī on the bank of the river Mannēru and to the north of the river Vyāghranadī, in the Gaṇḍēruvāti (province). The grandfather of the donee Kāṭiśarman was a resident of Asanapura, a member of the ghaṭikā (college) of that place who had studied the two vēdas with pada, krama, and anukrama and was well versed in kalpa, upanishads, purāṇas, itihāsas, and many dharma-śāstras. Kāṭiśarman himself was equally learned in the Yajāa-ritual, upanishads, mantras, itihāsas, purāṇas and the dharma-śāstras, belonged to the Hārīta-gōtra and was a student of the Taittirīya-śākhā.

Asanapura er Asanapura-sthāna the place from which the grant was issued and to which the donee's grandfather belonged is also mentioned in No. 5 of App. A of the Annual Report for 1913-14, as the place of the donee therein mentioned. Gaṇḍēruvāṭi and Gaṇḍēru-rājadhāni must be connected with the later Kaṇḍēruvāṭi-vishaya which again seems to have derived its name from the modern village Kantēru in the Guntur taluk of the Guntur district. It may be noted that one of the stone inscriptions copied in this taluk (No. 94 of App. C) states that this province was a part of Velināḍu-vishaya and was situated to the south of the river Kṛishṇā. Niḍuparu or Niḍubaru the village granted can be identified with the modern Nidamarru in the Guntur taluk which is actually about 2 gavyūtis (i.e., 8 miles) to the east of Kantēru.

20. Nos. 14 and 15 of App. A were discovered by Mr. Rangaswami Sarasvati, Vishnuvardhana II.

Ristna district), where they are reported to have been dug up by a private person. Both the records, consist of three plates each and are strung on a ring bearing a seal with legend "śrī-Vishamasiddhi." Those of No. 14 roughly measure  $6\frac{1}{2}$ "  $\times 2\frac{1}{2}$ " and the seal is partly broken. Those of No. 15 are roughly 7"  $\times 2\frac{1}{6}$ " and show below the legend on the seal an expanded lotus flower and above the same the crescent and the sun, also partly broken. The rings were uncut when the plates reached me.

The records are written in very corrupt Sanskrit and refer themselves to the reign of Vishnuvardhana (II), the son of Indra-Bhattāraka according to No. 15 and the son of Jayasimha-Vallabha according to No. 14. Evidently we have to understand that he was treated as an adopted son by Jayasimha-Vallabha. Vishnuvardhana bore the surname Vishamasiddhi as stated by Dr. Fleet in his account of the Eastern Chālukyas and also as confirmed by the legend on the present seals. Another probable surname of his as suggested by both these records was Pralayāditya. One

of the grants viz., No. 15 is dated in the 3rd year of the king and both register grants of land at Pantimuku (i.e. Pamidimukkala) in Vara-nāndu-vishaya (Velanāndu?) to two Brāhmaṇas.

21. Another Eastern Chālukya record examined during the year is a set of five plates (No. 9 of appendix A) with raised rims strung on a ring fixed into the ornamental bottom of a circular seal which bears the legend 'śrī-Vishamasiddhi' in the centre, with an ankuśa laid flat immediately below it, a lotus flower further below, and the running boar with sun and crescent at the top of the legend. The inscription records a grant of the village Musinikunda in Tōnka-Nātavādi-vishaya, to the Jaina temple Nadumbi-vasati at Bījavada (i.e. Bezvāda) [built by?] Ayyana-

Vishņuvardhana III.

Mahādēvī queen of Kubja-Vishņuvardhana teacher Kālibhadrāchārya of the Kavurūri-gaṇa and the Saṅgh-ānvaya. The ājñapti of the grant was the queen Ayyaṇa-Mahādēvī and the seal was marked with the legend of Kubja-Vishṇuvardhana-Mahārāja. The king however who issued the order was Vishṇuvardhana-Mahārāja son of Maṅgi-Yuvarāja and grandson of Vishṇuvardhana II. It is difficult to reconcile how Ayyaṇa-Mahādēvī could be mentioned as the ājñapti unless it be by supposing that the queen lived to a very old age or that the present charter was the renewal of an old grant of Kubja-Vishṇuvardhana. The latter supposition is perhaps the more probable since it explains the statement at the end of the grant that Ayyaṇa-Mahādēvī was the ājñapti of the original grant and that the charter was marked with the seal of Kubja-Vishṇuvardhana I.

The language of the inscription is very corrupt and the date which appears to be expressed by the chronogram svadita (?) would correspond to Saka 684 and would fall into the reign of Vishņuvardhana's son Vijayāditya (I). The characters are identical with those employed in No. 9 of Appendix A of the Annual Report for 1913–14 which was also a grant of the time of Vishnuvardhana (III). The ājñapti of the latter was the chief queen Vijaya-Mahādēvī. The reference to the Jaina teacher Kālibhadrāchārya and the Nadumbi-vasati at Pījavada is, so far, the earliest mention of Jainas and Jaina temples in Eastern Chālukya records.

Very few stone records of the Eastern Chālukyas are known. At Selapādu, in A stone record of either Vishņuvardhana III the Guntur taluk (No. 169 of Appendix C) has been discovered a record of the thirty-third year of Sarvalōkāśraya śrī-Vishņuvardhana-Mahārāja. From the established genealogy of the dynasty we know that only Vishņuvardhana III and Vishņuvardhana IV had long reigns of thirty years and above. The inscription in question may therefore be safely assigned to either of the two kings and paleography does not militate against this assignment.

Vijayāditya I. plates were secured for my Telugu Assistant while the latter was touring in the Guntūr taluk, Guntūr district, by M.R.Ry. M. Kalidasu Garu, B.A., B.L., High Court Vakil, Guntur. It consists of three plates measuring 6½" by 2½". The plates are strung on a ring whose ends are fixed into the bottom of a circular seal which is split in the middle. On the surface of the seal are the crescent at the top, the legend 'śrī-Tribhuvanāmkuśa' in the middle and what looks like an elephant goad (aṅkuśa) on the side and an expanded lotus flower at the bottom. The ring was not cut when the plates reached my office. The first king mentioned is Maṅgi-Yuvarāja with the title Vijayasiddhi. His son was Sarvalōkāśraya Vishņuvardhana-Mahārāja and his son was Vijayāditya-Mahārāja who granted the village Śakharambu in Vilānāṇḍu (i.e., Āpastamba-sūtra, a resident of Kārāmchēḍu.

This is the first of the grants of Vijayāditya I brought to light. The biruda Tribhuvanāmkuśa found on the seal has hitherto been seen only on the seals of his grand-son Vijayāditya (II) Narēndra-Mrigarāja. Other titles of Vijayāditya I are Vijayasiddhi and Vikrama-Rāma mentioned by Dr. Fleet. The date of the grant though it is briefly stated allows of verification since the Uttarāyana-samkramana generally occurs in the month of Pushya. Mr. Sewell's List of the Eclipses of the moon in India mentions one on December 25 Sunday of A.D. 763 which falls into grant intended.

23. The next Chālukyan plate represented in the collection is No. 5 of Appendix A. It consists of three plates with high rims measuring  $8\frac{3}{3}" \times 3\frac{1}{3}"$ . The plates are strung on a ring the ends of which had originally been secured in the bottom of a seal but have now got loose. The plates could consequently be taken out for purposes of decipherment and printing without actually cutting the ring. The seal

Vijavāditya II. too which must have been completely

round has been altogether damaged and become hollow evidently on account of the lead that filled the hollow space, having run out. It bears the legend 'śrī-Tribhuvanāmkuśa 'followed by a floral design (?) or an ankuśa with the crescent and star above it and an expanded lotus flower below.

The plates belong to the reign of Vijayāditya, son of Vishnuvardhana-Mahārāja entitled Makaradhvaja and grandson of Vijayāditya. They record the grant of the village Tāṇḍivāḍa in Kōnūru-nāṇḍu-vishaya to two Brāhmaṇas, Vriddha-Maṇḍa and Dōṇa on the occasion of a solar eclipse. The executor (ājñapti) of the grant was Niravadyēśa-Vatsala and the writer Aksharalikhitāchārya. The title Niravadyēśa-Vatsala borne by the ājñapti indicates that his master, king Vijayāditya may have held the title Niravadya which was a well known surname of the Western Chāļukya king Vijayāditya (II). From the genealogy of the Eastern Chāļukya kings given at page 283 of *Indian Antiquary* Vol. XX, it will be seen that Vijayāditya of our record must be identical with Narēndra-Mrigarāja Vijayāditya II, whose seal bears the legend 'śrī-Tribhuvanāṃkuśa'. It may be noted that this king as stated by Dr. Fleet called himself Vijayāditya in his own grants.

24. A set of copper-plates (No. 1 of Appendix A) received from the Sub-Collector of Bezwada, supplies some interesting information about the kings of the Eastern Chālukya dynasty. The plates were dug up in the Nandigama taluk and have been treated by this officer as treasure trove. They are 5 plates with high rims, measuring  $9\frac{1}{3}'' \times 4\frac{1}{6}''$  and are strung on a ring which had not been cut when the plates reached me. The edges of the ring are deeply set in an ornamental base supporting a circular seal whose rim all round is shaped like a lotus-creeper with a full-blown lotus proceeding from one of its ends and represented flat on the surface of the seal. To the proper right of this lotus is an elephant-goad (ankuśa), and above these symbols is the legend śrī-Tribhuvanāmkuśa in Chālukyan characters. Above the legend is the running boar facing the proper left flanked by the sun and moon and two chauris.

The record is throughout in Sanskrit except in the few lines where the description of the boundaries is given in Telugu. The engraving is done pretty carefully, but the language is very corrupt. The usual genealogy from Satyāśraya-Vallabhēndra's younger brother Kubja-Vishnuvardhana down to Vikramāditya II has been given with the few following changes: (1) that Narēndra i.e., Narēndra-Mrigarāja-Vijayāditya (II) ruled for 48 years (see remarks by Dr. Fleet in *Indian Antiquary*, Vol. XX, page 100 f); (2) that Gunakenalla occurs as a variant of

Gunaga or Gunaka in the name Gunaga-Vijayāditya (VI) Amma II. Vijayādītya III; (3) that Vikramādītya III the son of Chālukya-Bhīma I ruled for one year instead of 11 months as adopted by Dr. Fleet; and (4) that Vijayāditya V (Bēta-Vijayāditya), by an erroneous spelling, appears as Bēka-Vijayāditya. After the short reign of Vikramāditya (II), Dr. Fleet's table mentions Bhīma III. who reigned for 8 months being succeeded by Yuddhamalla II, son of Tadapa, who killed him. Yuddhamalla, also sometimes called Malla, is actually omitted in some inscriptions though he had a rule of seven years, while in others he is placed immediately after his father Tada. Dr. Hultzsch suggested that the omission might be due to his conqueror and successor Chālukya-Bhīma II. probably ignoring his name. This suggestion seems to receive some support from what is stated in ll. 19-21 of the inscription under review. We are told that the feudatory Sabara chiefs, the commanders of the Vallabha (i.e., the Rāshṭrakūṭa) forces and others apportioned among themselves the (Chalukyan) territory for seven years; and king Bhīma, i.e., Chāļukya-Bhīma (II) the son of Vijayāditya, treating with insult Mallaparāja who had put on the crown at this juncture, ousted the usurpers and reigned for 12 years. The next king Amma II, the son of Chāļukya-Bhīma II, is stated to have reigned for 11 years after succeeding to the throne and to have then proceeded to the Kalinga country 'in wrath against Krishna? (Krishna-kō-pāt). At this time the inscription states, the kingdom was ruled to the great joy of the people by Danarnava the son of Bhīma (i.e., Chālukya-Bhīma II) and Ankidēvī,

\* Andrews

with the consent of his step-brother (Amma II). It was perhaps during the reign of this Dānārṇava that the grant recorded in the inscription was made, the order however, being issued in the name of the Mahārājādhirāja Paramēśvara Parama-Bhatṭāraka Vijayāditya (i.e., Amma II) and addressed to the residents of the Nātavādi-vishaya. The chiefs of a subordinate family called Sāmantavoddi are here mentioned. The first of these was Guṇḍya-Rāshṭrakūṭa. His son was Eriya-Rāshṭrakūṭa and his son by Vandyanāmbā was Guṇḍyanārya also called Kākatya-Guṇḍyana. At the instance of this chief was granted to the Brāhmaṇa Dommana, the village Māngallu on the occasion of the summer solstice. The particular reason for making

the grant was that this Dommana observed the Karpatīvrata in order to please the chief Kākartya (i.e., Kākatya) Gundyana. This religious observance of avowed poverty according to the inscription, consisted in bathing early every day, observing continuous celibacy, speaking truth, preserving purity, compassion, liberality and ritual and practising forbearance and kindness. Māngallu the village granted must be identical with one or the other of the two villages Mangollu and Māgallu, in the Nandigama taluk of the Kistna district. The ājāapti (executor) of the grant was Katakarāja and the composer Pōtana-Bhaṭṭa.

25. The Chellur plates of Kulottunga-Choda II dated in Saka 1056 (= A.D. 1134) but corrected by Professor Kielhorn Kulottunga-Choda II. to Saka 1065 for purposes of calculation (Epigraphia Indica, Volume VII, Appendix No. 574), have been published in Indian Antiquary, Volume XIV. From a number of Tamil and Telugu inscriptions Messrs. Sewell and Swamikannu Pillai have clearly shown that the initial date of this king must be Saka 1055 or A.D. 1133. No. 116 of Appendix C, confirms the result of their calculations by combining Saka 1059 with the fourth year of the king. later Eastern Chālukya copper-plates excepting those of Chellur, mention the fact that the Vengi country became devoid of a ruler subsequent to Vikrama-Chola's departure to the South and Dr. Hultzsch surmised that this statement only suggested that the king's absence resulted in political troubles brought about by the growing influence of the Velanandu chiefs and the ambitious invasion of the Western Chalukya king Vikramāditya VI. The political troubles could not, however, have been of a very serious nature, for we find that the Chalukya-Chola kings continued to assert their sovereignty, though perhaps in a lesser and more limited degree. A large number of inscriptions dated in their reign mention the Velanandu subordinates Gonka and his son Rājēndra-Chōda.

26. The continuation of the Eastern Chālukya suzerainty in the Vēngī kingdom after Vikrama-Chola and its rule by the Rājarāja II and the Velanandu chiefs. local Velanandu chiefs, is supplied by the set of copper-plates (No. 23 of Appendix A), which was kindly lent for examination by the Tahsildar of Bapatla. The plates are 5 in number and are hung on a big ring the ends of which are fixed into the bottom of a seal which bears the legend 'srī-Tribhuvanāmkuśa' between two lines with the symbols of the sun, the moon and star, two parasols, the Chōla-Tiger, ankuśa, lotus and the svastika (?) above, and the Chālukyan boar, the disc (chakra), sandals, drum, double-conch, lamp stands and a few other unintelligible symbols below. The ring was not cut when the plates reached me. It is curious how despite this the set is incomplete commencing as it does with No. 3, marked on the second side of the existing plate and stopping abruptly with the mention of the donee, omitting the usual imprecations, etc. Evidently the plates had been examined sometime before this and the now-missing plates were lost on that occasion. less the information conveyed by the existing plates is very interesting, giving us, as they do, an account of the later Chālukya sovereigns who held sway over the Vēngi country down to the time of Rajaraja (II) and of their subordinates the Velanandu chiefs down to Rājēndra-Chōda.

The historical genealogy of the Eastern Chālukyas mainly agrees with that given by Dr. Fleet. Some serious differences may, however, be noted. The reign of Vishnuvardhana IV is altogether omitted and a new Vishnuvardhana, a son of Vijayāditya (11), is mentioned with a rule of 50 years, followed by Kali-Vishnuvardhana. Kollabhiganda Vijayāditya who ruled for 6 months after Chālukya-Bhīma (I) is stated to have died in a battle at Virajāpuri. Dānārṇava is stated to have ruled for 30 years and the interregnum that followed his rule,

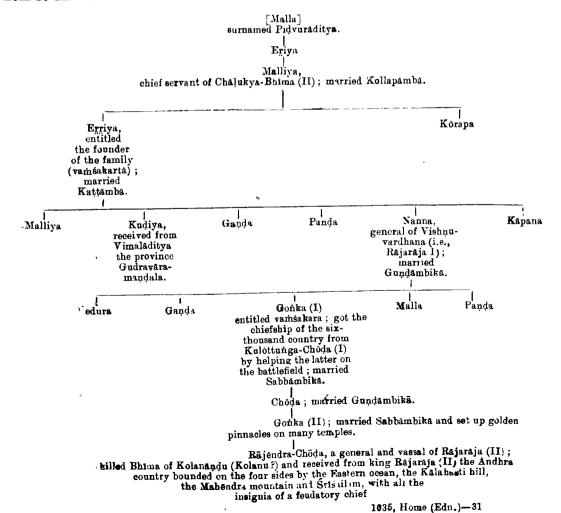
to have extended over 27 years. Vikrama-Chōda ruled for 17 years and his son Kulōttunga (II) for 15. He was succeeded by his son Rājarāja (II). The three last items of information are new and deserve to be noted inasmuch as the Chellūr plates of Kulōttunga-Chōda II, the latest of the £astern Chālukya plates published so far, give only 15 years for Vikrama-Chōla. According to the Tamil inscriptions the reign of Vikrama-Chōla does actually go up to 17 years. The approximate correctness of this statement will be clear when it is found that the accession of

Length of reign of Vikrama-Chōla, Kulōttunga-Chōla II and Rājarāja II. his son Rājarāja (II) as fixed by Professor Kielhorn from other inscriptions is A.D. 1146. i.e. two years earlier than the last year of his father Kulōttunga

(II) during which Rājarāja might have ruled as crown prince. The reign of Rājarāja over the Vēngī country was not an established fact hitherto, but was only inferred from a number of Telugu inscriptions which yielded for him the initial date A.D. 1146 (see also No. 114 of Appendix C). Tamil inscriptions of the reign of Rājarāja II are generally dated not beyond his 19th year, only one record of a doubtful date referring to his 27th. The date of the copper-plates under review which give the Saka year 1091 combining with it the 23rd regnal year of the king, not only proves the correctness of Prof. Kielhorn's calculation of the date of accession of Rājarāja, but also shows that his rule must have extended beyond 19 years and perhaps right up to his 27th (see Annual Report for 1913, p. 107). Another doubtful point cleared up by this record is the relation that existed between Kulōttunga (II) and Rājarāja (II) which had been hitherto nowhere definitely mentioned (ibid.).

27. The account of the Velanāṇḍu chiefs which follows, has not been found Genealogy of the Velanāṇḍu chiefs.

possible to make out completely on account of the bad preservation of the plates here. The following genealogical table, however, gives the information about them so far as it could be made out:—



This last chief Rājēndra-Chōḍa while he was staying at Dhanadapurī (i.e., the modern Tsandavōlu in the Repalle taluk of the Guntūr district) made a gift of the village Inungarru to a Brāhmaṇa, on an auspicious day in the Saka year 1091 which was the 23rd year of Rājarāja's reign.

This account of the feudatory chiefs of Velanandu differs in some respects from that given by the Pithapuram inscription of Prithviśvara (*Epigraphia Indica*, Volume IV, page 32f.) as may be seen by comparing the table given above with the one printed

Differences between this and the genealogy given in the Pithāpuram inscription.

at ibid. page 35. From Nannarāja or Nanna both the tables agree, the plates under review supplying the fresh infor-

mation that Nanna was the general of the Chālukya king Vishņuvardhana (i.e., Rājarāja I) and that he married Gundāmbikā. The Piṭhāpuram plates also differ in stating that Nannarāja was not a brother (as our plates state), but a grandson of Kudiya or Kudiyavarman, the vassal of Vimalāditya. It might also be noted that the grandfather of Kudiya was a certain Malliya, a vassal of Chālukya-Bhīma (II); and Malliya's grandfather was [Malla] alias Pidvurāditya—a surname applied in the Pithāpuram plates to a certain Malla the father of Kudiya.

Further, according to the tabular list of inscriptions given by Dr. Hultzsch at page 39 of Epigraphia Indica Volume IV, the date of our record, viz., Śaka 1091, would fall into the reign of Rājēndra-Chōda Prithvīśvara who is also stated to have been a subordinate of Rājarāja II. This Prithvīśvara as described in the Pithāpuram pillar inscription was the son of Kulōttunga Manma-Gonka III and Jāyāmbikā. The donor of our grant was, on the other hand, the son of Gonka II and Sabbāmbikā and a sukordinate of Rājarāja II. It suggests to me therefore that most of the dates given for the chiefs Gonka III and Rājēndra-Chōda by Dr. Hultzsch from stone records where parentage is not generally specified may have to be assigned to Gonka II and his son Rājēndra-Chōda, in the light of the present record.

28. Seven stone inscriptions in the collection also refer to the Velanandu chief Rajendra-Chāda. These range in date between Saka 1089 and Saka 1095. No. 103

Their subordinates—the members of the Mandadi family. which is not dated registers gifts by certain members of the Mandadi family among whom were Nāmi-Nāyaka and his younger

brother Proli-Nayaka. On page 89 of the Annual Report for 1908, are mentioned three chiefs of this family, viz., Nāva, his younger prother Prola or Mandadi-Prola and his younger brother Matta a subordinate of the Velanandu chief Gonka (II). In an inscription of Saka 1060 (No. 11 of 1908) Pedda-Kondapa-Nāyaka is stated to be the son of a certain Nāvi-Nāyaka. This latter chief might be identical with Nāva, the elder brother of Prola referred to above and with Nami-Nayaka of No. 108 of Appendix C. Mandadi Proli-Nayaka and Narayana are two other members of the same family appearing in No. 107 of Appendix C, as sons of Pedda-Proli-Nayaka. In No. 105 of Appendix C, are mentioned Mandadi Proli-Nayaka and his younger brother Malli-Nāvaka as sons of Nāmi-Nāyaka and subordinates of Kulōttunga-Rājēndra-Chōdeyarāja. Prola or Peda-Prola of the Mandadi line calls himself the lord of the Giripaschima (i.e., Kondapadumati) district in No. 7 of 1908. He was a subordinate of the Kondapadumati chief Manda (II), a contemporary of Velananti Rajendra-chōda, son of Gonka (II) (Epigraphia Indica Vol. VI, page 269f). The family title of the Mandadi chiefs was 'lord of Sirivrolu' in the case of some and 'lord of Tanarumbariti' in the case of others. Another member of this same family, named Kōta is described as a favourite servant and an ornament among the councillors of Gonka (No. 104 of Appendix C). The chiefs of this family thus appear to have been the hereditary servants of the Velanandu kings.

Speaking of the Velanāndu chiefs it may not be out of place to note that the work Kēyūrabāhucharitramu of the Telugu poet Manchana was dedicated to Nandūri Gundanna-mantri, the grandson of Kētana-mantri a minister of Prithvīśvara, the greatgrandson of Kommana-Preggada a minister of Velanānti-Chōda or Kulōt-

The Telugu work Keyūrabāhucharitramu and the ministers of the Velanāndu chiefs therein mentioned. tunga Rājēndra-Chōda son of Gonka and the great-great-grandson of Gōvinda-Preggada of the Kausika-gōtra, a minister of Velanānti-Gonka (Lives of the Telugu

poets by Mr. Viresalingam Pantulu, page 95f).

29. A set of seven copper-plates of which the fifth and the sixth are broken were received from the Superintendent, Government Museum, Madras, for examination. They measure  $\xi \frac{1}{2}'' \times 5''$  each and have raised rims. The last plate which ends with the description of the boundaries of the village granted, shows that the inscription was not completely written. The usual ring-hole found near the right margin of each plate proves the existence of

a ring which is now lost.

The plates register a long inscription of the later Eastern Chālukya king Vishnuvardhana Mallapa who according to the Pithapuram pillar inscription was crowned at Pithāpuram on the 16th June A.D. 1202 (Épigraphia Indica, Volume IV, page 229). A few points in the genealogy which differ from that given in the Pithapuram inscription are: (1) Vishnuvardhana IV is stated to have ruled 33 years instead of the usual 36 years; (2) we are informed that Narendra-Mrigaraja ruled for 48 years, fought 300 battles and built as many Siva temples, tanks and villages other inscriptions mentioning only 108 such battles and temples; and (3) Kollabhiganda-Vijayāditya ruled for 6 years while correctly it must have been 6 months as noted by Dr. Fleet from other inscriptions. It has been observed already that Dānārnava ruled the kingdom while Amma (II) had gone to the Kalinga country. Danarnava's rule is here stated to have lasted only for 3 years. "After him the earth seemed as if it were running about penitent for 27 years, not being able to obtain a suitable lord.". This period of interregnum agrees with what has been stated of the same in the Ranastipundi plates of Vimaladitya (Epigraphia Indica, Volume VI, page 349). Then came to the throne Saktivarman who ruled for 12 years; his brother Vimaladitya who married the daughter of the Chola emperor ruled for 7 years; and then came Rājarāja who ruled for 40 years. His son Rājēndra-Chōda (Kulōttunga I) ruled for 50 years, which is correctly so, as derived from his stone inscriptions (Annual Report for 1913, page 106). The inscription next states that Kulōttunga's son Vikrama-Chōda went to rule the Chōla country. By this, we have to infer that the Vengi country was till now, under the direct suzerainty of the Chola emperors, Kulöttunga I, and Vikrama-Chola but that afterwards either the deputies appointed by the Chola kings or those who usurped that position for themselves, ruled that country.

The inscription then mentions a collateral branch of the Eastern Chāļukya chiefs who were descended from Bēta-Vijayāditya V, down to Malla-Vishnuvardhana, in the very same terms as the Pithapuram inscription, the only difference being that the mother of Vishnuvardhana is here called Lakshmi, while in the other she is named It also adds that Vishnuvardhana bore the surname Karavāla-Bhairava. subordinate, of this king, who belonged to the solar race was Mahādēva whose father was another Vishnuvardhana and grandfather, Bhīma. These latter are stated to have ruled over a province watered by the Gautamī (i.e., the Gōdāvarī) and called Malayāvani. Their eulogy makes them the lords of Madduripura, descendents of the solar race. supporters of the Chālukya dominion (whose flags were) decorated by a row of Garuda birds and who patronised the Brahmanas of Vengipura. The chief Mahādēva, is stated to have granted in the Saka year 1127, Phālguṇa, a village surnamed Chandravuri in Chenguru-nanti-vishaya to 130 Brahmanas, whose names are given in detail. The titles borne by these Brahmanas are rather peculiar and occur again in a stone inscription from Nütakki, in the Guntur district (No. 117 of Appendix C). They were the special devotees of (an image of) Hanuman given to them by Rāma himself and established in the agrahāra of Māshāpurī on the western bank of the Gödāvarī.

### KAKATIYAS.

30. Of king Ganapati of this dynasty who is known to have ruled for no less than 62 years (Annual Report for 1906, pge 79, paragraph 3) we have inscriptions ranging in date from Saka 1133 to 1172. His earliest known record was copied in 1905 and was dated in Saka 1131 (No. 204 of 1905). No. 88 of Appendix C comes next in order. It mentions the kings subordinate, the Mahāmandalēśvara

Kōṭa-Mummadidēva, son of Gandabhūpati. The genealogy of the Kōṭa familv

obtained from known records and given on page 138 of the Annual Report for 1916, does not mention either of these two chiefs. In a record of Saka 1145 (No. 167 of Appendix C) Jāyapa-Nāyaka the famous general of Gaṇapati appears as a donor of land to a Siva temple raised by a private individual. From the Chēbrolu and the Gaṇapēśvaram records (Epigraphia Indica Vol. VI, pages 38ff. and Vol. III, pages 82ff.) we already know that Jāya was not only a general of Gaṇapati but also his brotherin-law. No. 82 of App. C refers to the temple of Ayyakulatilaka-Chōdīśvara at Chembrōlu which must be the same as the temple of Chōdēśvara built by this general in the name of his father, and which was also known as Ayyavamśa-tilaka (Epigraphia Indica, Volume VI, page 39).

The first Kākatīya grant on copper-plates (No. 4 of App. A) hitherto discovered, which belongs to the time of Ganapati Kākatīya copper-plate grant of Gaṇapati. was kindly placed in my hands by M.R.Ry. Ramakrishnakavi, M.A., of the Oriental Manuscripts Library, Madras. No information regarding their discovery has been received. The plates are three in number and measure 9" by 5". They are strung on a circular ring which was cut before the plates reached me. The ends of the ring are fixed into the bottom of a circular seal. On the latter on a countersunk surface are seen the figures of a boar and a cow facing the proper left. In front of these is a dagger and above them are the crescent and the sun. The plates supply the genealogy of the Kākatīyas and state that in the solar race was born king Manu who "prescribed the duties for the several castes." In that family was born king Karikala-Chola who, wandering about on a hunting expedition reached the southern country (Dakshinapatha) and there pitched his camp at a place called Kākatipura. This mention of Kākatipura supplies us with a new derivation of the dynastic name Kākatīya, different from those hitherto put forward. Durjaya who was next born in this family was so powerful that from his time the Kākati kings who came after him were called Durjayas. This story of Karikāla is rather difficult to believe in face of the well-known fact that Karikāla-Chōla is the famous Tamil king of the South, who is also claimed as ancestor by the Telugu-Chōda chiefs. After Prōla, Rudra and Mahādēva in succession, came Ganapati whose minister was Dēvarāja. This minister had four sons Rāma, Tikka, Manchaya and Bēta. The second of these, Tikka or Tikka-Chamūpati, made a grant of the village Garavapādu to 50 Brāhmanas, in the Śaka year 1182, Raudra.

31. Of the time of Rudramadēvī, the daughter and successor of Ganapati, we have seven records which range in date from the second year of her accession, viz.,

Rudramadēvī.

Saka 1183 to Saka 1210. A very influential officer of hers was one Paruvata-Nāyaka who is described as the queen's angaraksha (aid-de-camp) and stated to have been governing in her name (Nos. 130, 155 and 156 of App. C).

32. The huge pillar inscription at Malkāpuram in the Guntūr taluk of the Guntūr district, also belongs to the reign of Rudramadēvī. It was brought to the notice of the Archæological Superintendent by Mr. J. Ramayya Pantulu in 1915 and a short note on its contents by the same scholar appears in the report of the

The Malkāpuram inscription of her time.

Archæological Superintendent for 1915—16, page 44f. The ruined temple before which the pillar is set up is now known as Pichchigullu to the people, and it will be seen from the sequel that it was once a flourishing big temple dedicated to god Viśvēśvara (Śiva) in which were also instituted a matha and a feeding-house. The inscription is of very great interest both for the historical information it supplies regarding the Kākatīya kings and for the detailed account which it gives of the famous Pāśupata teachers who preceded Viśvēśvara-Śivāchārya of the Gauda country who was himself the royal preceptor and a highly learned scholar.

Svayambhu, the god Siva at Warangal, who was the tutelary deity of the Kākatīya kings, as stated in the Sanskrit work Pratāparudrīya, is invoked at the beginning of the inscription. In the family of the Durjaya-Kshatriyas, i.e., the unconquerable (Kākati) kings, was born the powerful Prola whose son was Rudra. His younger brother was Mahādēva who ruled after him. The son of the latter was the famous

Ganapati. His daughter was Rudradēvī in whose time the record under review is dated. The succession of Rudrāmbā to the Kākatīya throne under the male name

Rudradēva-Mahārāja has been frequently referred to in earlier epigraphical reports. In praising the greatness of Rudradēvī the inscription makes the statement: "What greater prosperity of the illustrious Rudradēvī could be described than that her son was the glorious Rudradēva, a pearl of the Kākati dynasty (vamśa) whose birth announced the destruction of the enemies, who devastated the empires of the three sovereigns and the strength of whose arm was blessed by the holy hand (śiva-hasta) of the illustrious teacher Viśvēśvara." This statement that Rudradēva (i.e., Pratāpa-Rudra) was the direct son of Rudrāmbā is not consistent with what the Pratāparudrīya has to say on this point. Pratāpa-Rudra according to the latter was the daughter's son of Rudrāmbā and was adopted by his grand-mother as her own son, being appointed to succeed her on the Kākatīya throne. It must be noted that the reference to the birth of Pratāpa-Rudra in this inscription of his mother of date Śaka 1183, shows that he was already born in that year. Thus the genealogical portion of the inscription supplies the interesting fact of the relationship of Pratāpa-Rudra to Rudrāmbā which plainly interpreted would be that of a direct son and not one adopted as the Pratāparudrīya puts it.

33. Of greater interest is what follows of the history of the Saiva teachers and of their influence on the royal families of that period. There was the country known as the Dahala-mandala situated between the rivers Bhāgīrathī (i.e., Ganges) and Narmadā and in it was a line of Saiva teachers whose founder was Durvāsas. In this line appeared Sadbhāva-Sambhu who received from the Kalachuri king Yuva-rājadēva as a maintenance gift (bhikshā) the Three-Lakh province (i.e., one in which there were three lakhs of villages). This teacher founded a monastery (matha) called Gōlakī-matha and transferred the province for the maintenance of the teachers of

Saiva teachers of the Golaki-matha in the Singal Dahala country.

that matha. In the same line was born Soma-Sambhu who composed in his own name the work called Somasambhupad-

Then came Vāma-Sambhu whose feet were also worshipped by the Kalachuri He had thousands of desciples who by their mere sight were capable of blessing or cursing the lords of the earth. In due course appeared Sakti-Sambhu and his pupil was Kīrti-Sambhu. Then came the revered Vimala-Siva born in the Kērala (country) who was highly respected by the Kalachuri kings. His pupil was Dharma-Siva or Dharma-Sambhu. The pupil of this Drarma-Sambhu was Viśvēś. vara-Sambhu who administered the dīkshā (i.e., initiation) to king Ganapati and was himself a vedic scholar and a resident of the village Pūrvagrāma in the province Rādhā of the Gauda country. His other royal desciples were the Chōla and the Mālava kings as also the kings of Kalachuri. Ganapati actually styled himself the son of this teacher, evidently after receiving the Saiva initiation. Viśvēśvara-Śiva's influence with king Ganapati appears to have been very great. Numerous teachers of the Saiva faith from the Gauda country and numberless poets were rewarded by the king at the teacher's instance, while the teacher himself initiated a number of kings into the Saiva faith by cutting asunder their pasa (attachment to the world). 'With hanging ear-ornaments and a high tuft of gold-coloured matted hair, a brilliant face and necklaces, the teacher Viśvēśvara-Sambhu seated in the hall of instruction (vidyā-mandapa) of Ganapati's palace was indeed an object worthy of sight.'

In the Śaka year 1183, which corresponded to Durmati, on Friday the 8th of the dark half of Chaitra and the first day of Mēsha (corresponding to 25th March A.D. 1261), queen Rudradēvī gave to the teacher Viśvēśvara-Śambhu, the village Mandara together with the lanka-lands of the river, situated in Kandravāṭi a district of Velanāṇḍu-vishaya on the southern bank of the river Kṛishnavēnī, in accordance with the desire of her father who had already orally made a gift of it to the teacher. She also gave on this occasion, as a subsidiary gift the village of Velangapūndi (Velagapūdi) to the same teacher. Among the boundaries of the village are mentioned Fenumbāka, Uppalapādu, Rāvipūndi, Penumbadi, Perakamma and Inungālu, the first four of which correspond to the modern Penumāka, Vupalapādu, Rāyapūdi, and Penumūli (?).

34. At Mandaram (the present Mandadam) the teacher established a temple for the god Viśvēśvara, built a monastery and a feeding-house, settled many Brāhmanas, and gave the village the name Viśvēśvara-Gōļaki. In this village Mandaram coupled with Valancapāndi ha gave to 60 femilies

The donee Viśvēśvara-Śivāchārya and his charities. with Velangapūndi he gave to 60 families of Drāvida-Brāhmanas, 2 puttis of land each, measured by the well-known

rod of Penumbāka, with full power to sell, exchange or mortgage. The remaining land he divided into three parts and gave one for the maintenance of the Siva temple. another for the maintenance of the students and the matha of the Saiva Puritans (Suddha-Saiva) and the third for the maintenance of a maternity, a hospital and a Brāhmana feeding-house. There were three teachers appointed for teaching the Vedas, Rig, Yajus, and Saman and five teachers for teaching logic, literature, and the agamas; one capable doctor and one accountant (kāyastha). Each of these ten received two puttis of land. In the temple were ten dancing-women and eight drummers including two pipers (mukhari) who received 1 putti of land each. One Kaśmirian (songster), 14 songstresses, 6 dancing-women and karada-drummers, 2 Brahmana cooks and 4 servants, and likewise 6 Brahmana servants for the matha and feeding-house together, 10 village-guards called Vīrabhadras, who, coming from the Chola country wore matted hair, belonged to one of the four castes and did such acts as cutting off their scrotum, head or stomach, for the protection of the village, 20 other Saiva devotees who were also servants of the village and were known as Vīramushti-servants and had to do the duties of goldsmith, copper-smith, mason, bamboo-worker, black-smith, potter, architect, carpenter, barber and artisan. Thus were given to 73 servants, 1 putti of land each. For the garden all round (the temple), Viśvēśvara-Śivāchārya gave one-sixteenth of a nivartana of land. The preceptor moreover, gave to 30 Brāhmanas of the Śrīvatsa-gotra and the Sāmavēda, the natives of Pūrvagrāma in the province of Dakshina-Rādhā of the Gauda country, 1 putti each and appointed

them to supervise the income and expen-

Their regulation.

diture of the village and keep accounts of these in writing. Thus the total of 150 puttikas was given for the maintenance of the several services so as to last as long as the sun and the moon exist. Women held hereditary rights in the above arrangement and were permitted, when they had no sons, to enjoy their shares, provided they kept their āchāra and arranged through their agents for the proper discharge of the services for which the grants were made. Other lands of the village were allotted for the enjoyments of the gods and for feeding and clothing the itinerant Saiva mendicants of the Kālānana (i.e., Kālāmukha) school who were Pāśupatas and had devoted themselves to study. Arrangements were also made for feeding at all times without any obstruction, all (poor) people from the Brāhmana down to the Chandāla who came and asked for food. In the presence of hundreds of Saivāchāryas, Viśvēśvara-Sivāchārya ordered that the chief of the temple, the feeding-house, the monastery and the whole village was to be the one who was installed by a preceptor of the Golaki-line and was an adept in the mysteries of the Saiva faith, well-versed in the Saiva doctrine, the protector of the Saiva-Santāna, pure, resigned, merciful, learned, the foremost among virtuous Brāhmanas and a great naishthika teacher. For this work of supervision of the above-mentioned charities the presiding teacher was given 100 nishkas as his fee. If the teacher happened to be negligent of his duties or otherwise misbehaved the whole Saiva community (Santanika) was empowered to appoint another in his place. On the occasion of the solar eclipse (on 1st April A.D. 1261) which evidently followed the above date, Viśvēśvara-Śivāchārya bathed in the Krishnavēnī river along with numerous Brāhmanas and after sipping water according to rule, pronounced a curse upon those who obstructed his charities, or destroyed them.

The inscription before closing mentions a few other charities of Viśvēśvara-Śivāchārya which were made in various other places. At Kālīśvara he founded a Other charities. The inscription of Viśvēśvaramonastery called Upala-matha (cf. Kal-

Other charities.

Including the control of the control of the charities.

Other charities.

Including the control of the control of the charities.

Included the control of the control of the charities.

Included the control of the

Ānandapada a town called Viśvēśvaranagara after himself, he set up a linga and gave to it the villages Ānandapura and Munikūtapura. In Kommu-grāma he established a linga called by his own name and gave for its enjoyment 30 khāri of (highlevel) land and 5 khāri of low land. At Elīśvarapura, north-east of Śrīśaila he founded a matha to which his disciple Gaṇapati granted for the feeding-house (there) the village Avāri (?) and as āchārya-dakshiṇā 'the fee of the teacher' the village Kaṇḍrakōṭa in the Palli-nāḍu-vishaya. Having set up a linga at Nivritti he gave it the village Pūnūru which was included in Vellāla and formed part of the forest of Dudyāla. Having set up at Uttara-Sōmaśilā the linga called Viśvēśvara, he gave to it the village Aitaprōlu.

35. The charities of Viśvēśvara-Siva were so varied that they deserve some attention. In the first place it is curious to note that the 60 families settled in the village were Drāvida-Brāhmanas while Andhra-Brāhmanas of whom there must have been many, are not mentioned. Saivism in the Andhra and in the Dravida Evidently the Pāśupata creed at this countries. period was not quite so popular with the Andhra-Brahmanas as with the Dravidas though, however, it is known that the Pāśupata religion of the Kālāmukhas was in existence in the Telugu country even as early as the time of the Eastern Chālukya king Amma II (A.D. 945-970). it does not appear to have exercised much influence over laymen as did the advent of the famous Saiva saints of about the 8th and 9th centuries, in the south. Also at the beginning of the 13th century at Tiruvārūr in the Tanjore district, there was a Saiva monastery called the Krishna-Golaki-matra (Annual Report for 1910, page 97) which was evidently connected with that founded by Sadbhava-Sambhu in the Dahala country. A similar matha is mentioned in Nos. 359 and 361 of Appendix B which provided for the reading of the Tirujñāna in the temple and the maintenance of a flower-garden respectively. No. 364 also mentions Gölaki-matha and a certain Aghöradeva of that matha. The Chöla kings Rajaraja and Rajendra-Chöla and the later Kulottunga-Chola III are well known to have taken active interest in the propogation of this creed.

36. The provision for a maternity, a hospital and a college, add further epigraphical evidence for the intimite connection of these establishments with a well-organized temple. Music and The nature of Viśvēśvara-Śiva's charities. dancing also received due patronage and some special songsters and songstresses from Kāśmir were maintained. In my report for 1916, page 93, paragraph 15, reference was made to a class of Saiva extremists called Konga-Vīras who used to cut off their heads and tongues in a mandapa specially erected for that purpose, in the Śriśaila temple. The purpose for their doing so was not, however, then quite clear. The Malkapuram inscription states that for the protection of the village, Viśvēśvara-Śivāchārya appointed ten village-guards called Vīrabhadras who either cut off their own head, stomach or scrotum in performance of this duty. As in the case of the Brāhmana settlers, these also came from the Chola country. Another class of village servants who were called Viramushtis were the professionals of the village and performed the duties of the smith, artizan, carpenter, potter, and barber. Vīramushti is a Saiva term and occurs in inscriptions frequently in connection with a fee raised from the followers of the Saiva faith. Konga-valas (Konga-Vīras?) are mentioned along with Eri-Vīras, Muņai-Vīras and Ilanjinga-Vīras as the followers of various Saiva religious denominations (Annual Report for 1913 p. 100). The accountants and managers of the temple as well as of the village were imported from Pūrvagrāma in Rādhā, as already referred to. A feeding-house, in which the hungry of all classes from the Brāhmaṇa down to the Chandāla were fed, was a special feature of the charities instituted by Viśvēśvara-Śivāchārya; and this catholicity of the teacher is quite in conformity with the Saiva creed of which he was a great exponent. A verse in this connection taken from the Skandakūlottara says-

> पाषाणिश्शवसंस्कारात् मुक्तिमुक्तिप्रदो भवेत् । पाषाणिश्शवतां याति शृद्धस्तु न कथं भवेत् ॥

"The stone by purificatory ceremonies enjoined by the Siva (-śāstra) grants worldy happiness and salvation and the stone (thus) becomes Siva. Why then could not a Sūdra become one?" The last item mentioned in the inscription is the qualifications and the remuneration of the presiding teacher who, if he misbehaved was to be replaced by another man appointed by the community of Saivas. This same strict behaviour has been enjoined in other inscriptions also where Saiva teachers were appointed as heads of mathas (Epigraph ia Indica, Vol. XII, page 290 f.).

37. A few remarks on some of the Saiva teachers mentioned in the above abstract of contents may not be out of place. The founder of the line who is stated to be Durvāsas, frequently occurs in many Tantra works as a preceptor presiding over the Āmardaka-matha (see Dr. Hultzsch's report on Sanskrit manuscripts, No. 2 introduction, page XVI f.). A commentary on Aghōraśivāchārya's Kriyākramadyōtikā, called Laghuprabhā, written by Nirmalamaṇiguru, a Śaiva Brāhmaṇa of Tiruvālūr in the Tanjore district, says that the Tantra literature came into the world from Durvāsas. Parāśaktimahiman is a small work in praise of the goddess Parāśakti also supposed to have been composed by Durvāsas. Dr. Aufrecht mentions in his Cutalogues Catalogorum other similar works of the same author.

Sadbhāva-Śambhu or Bhāva-Śambhu one of the teachers of this line was a contemporary of the Kalachuri king Yuvarāja and received from him a part of the Sadbhāva-Śambhu and the Kalachuri king Dahala country which consisted of three lakhs of villages. Among the Kalachuri-Chēdi kings there are two with the name Yuvarāja. The one here referred to must evidently be Yuvarāja I, whose wife Nōhalā and son Lakshmaṇarāja are stated to have made some gifts to the Saiva teachers of the Kadambaguha family (Epigraphia Indica, Vol. I, page 267 f.). Yuvarāja I, has been assigned to the end of the 10th century A.D., or more correctly to the beginning of the 11th. Dahala the country in which these Saiva teachers flourished is identified with the Chēdi country in Central India of which Tewar (Tripurī of the inscriptions) was the capital. It was a Nine Lakh country of which three lakhs must have been given to the teacher Bhāva-Sambhu by Yuvarājadēva as a maintenance gift (bhikshā). Some of the Tripurāntakam inscriptions, of the time of Ganapati, refer to the Dahala country, its capital Tripurī, and the three lakhs of villages given to the Saiva teachers of the Gōlaki-matha founded by Bhāva-Sambhu whom the Kalachuri king patronised.

The next teacher Soma-Sambhu and his work Somasambhupaddhati appear to be quite well-known among the writers of Soma-Sambhu the author of Somasambhu-Saiva works. Dr. Aufrecht, makes him paddhati. the pupil of Sa-Siva and states that he flourished about A.D. 1073. It is not unlikely that this Sa-Siva of Dr. Aufrecht is a mislection for Sadbhāva Śiva. The Sarvadarśanasangraha of Vidyāranya quotes his work and the Laghuprabha already referred to, frequently mentions the Somasambhupaddhati. The last three teachers referred to in the inscription are Vimala-Šiva of Kēraļa, Dharma-Šiva and Viśvēś-Vimala-Šiva, Dharma-Šiva and Visvēsvara. vara-Dēśika. These three mentioned in the Tripurantakam inscriptions; the first in a record of Saka 1169 (= A.D. 1247) as Bimala-Śivāchārya of Golagiri in Tripurī which was situated in the nine-lakh country of Dāhala and the third in very high terms of respect as the teacher of Ganapatideva-Maharaja established on the episcopal seat of Golagi-matha of three lakhs of villages, famous in the three worlds, and as the disciple of Dharma-Sivacharya the family preceptor of the kings of Tripuri (i.e., the Kalachuris). It might be noted that the intervening teachers between Vimala-Siva and Soma-Sambhu who wrote about A.D. 1073 as already stated, must have been at least seven, of whom the Malkapuram record mentions only three. In the Tripurantakam record of A.D. 1247, which falls into the reign of Ganapati, Bimala-Siva (i.e., Vimala-Siva) does not appear as the royal preceptor, evidently because Ganapati, as the next verse of the Malkapuram inscription informs us, was initiated into the Saiva creed by Viśvēśvara-Śivāchārya, the pupil's pupil of Bimala-Śiva in or a little before A.D. 1252.

38. The province Rāḍhā which formed a portion of the Gauda country, to which Viśvēśvara belonged, has been identified with a part of Bengal by Mr. R. D. Banerji, M.A. The village Pūrvagrāma has to be looked for somewhere in southern Rāḍhā. Further, among the donees of Mandada and Velangapūndi, are mentioned 30 Brāhmanas

Takkaṇa-Lāḍam same as Dakshiṇa-Rāḍhā in the Gauda country.

of the village Pūrvagrāma in the Dakshina-Rādhā province who were evidently of the same community as that to which

Viśvēśvara-Dēśika belonged. Dakshina-Rādhā is the southern Rādhā and corresponds to the Tamil Takkana-Lādam of the inscriptions of Rājēndra-Chōla I, as pointed out by Mr. Banerji (Journal of Royal Asiatic Society of Bengal, Vol. V, page 71 f.). The epithet royal preceptor (rājaguru) given to Viśvēśvara is more than justified by the statement that the Chōla, Mālava and the Kalachuri kings were also his lay disciples. As the date expressly indicates, the teacher Viśvēśvara whose advent into the Kākatīya court was in the time of Ganapati, must have continued to exercise his influence and position as a great Saiva teacher and scholar also in the court of Rudrāmbā. It may further indicate that Viśvēśvara may have also initiated Pratāpa-Rudra into the Śaiva creed. Five other inscriptions engraved on the same huge pillar (Nos. 95 to 99 of Appendix C) record other gifts made to the temple of Viśvanātha at Malkāpuram and supply the name of Kāśīśvara-Sivāchārya a direct pupil of Viśvēśvara and evidently also his successor on the pontifical seat of the Golaki-matha. Viśvēśvara's officer who was in charge of the grain stored for various charities, was Kottaruvu Mallaya-Preggeda son of Kommana-Preggada of the Bharadvaja-gotra. No. 95 mentions as donees of land-grants the Silpacharya-Guddoju, the smith (akkasāla) Proloju and three other masons who were evidently connected with the building of the Visvanātha temple at Mandaram.

39. Of Pratāpa-Rudra we have only two records (Nos. 131 and 173 of Appendix C) in the collection which are dated respectively in Saka 1225 and Saka 1236. The former of these mentions a hitherto unknown officer of the king named Sōmaya-Gannaya. This officer must be distinguished from Nāgaya-Ganna, another officer and commander of the king, who received the dedication of the Telugu poem Mārkaṇḍēyapurāṇamu written by Mārana, a pupil of the famous Telugu poet Tikkana-Sōmayāji (Lives of the Telugu poets, p. 90). If Pratāparudra patronised the Sanskrit poet Vidyànātha the author of the Pratāparudrīya, his subordinates, Māraya-Sāhiṇi (or Sāhiṇi-Māra) and Nāgaya-Gannaya gave their patronage to Telugu literature, having respectively been the patrons of Bhāskara-Rāmāyaṇamu and Mārkaṇḍēyapurāṇamu.

40. A tentative genealogy of the Kōtas appeared on page 138 of the Annual Report for 1916. No. 109 of Appendix C, dated in Saka 1130 and coming from

The Kōtas, originally subordinates of the Kākatīyas.

Mukkamala within a few miles of Dharnikota the site of the ancient Dhanyakataka the capital of the Kota

chiefs, records a gift made for the merit of Kētirāja who is evidently no other than Kēta II of the genealogical table quoted above. Inscriptions of the chiefs of this line between the Saka years 1131 and 1156 have not yet been found. This want is partly supplied by a few records of the year's collection. In Saka 1133 we are introduced to a certain Mahāmandalēśvara Kōta-Mummadi-Dēvarāja, son of Ganda, figuring as a vassal of the Kākatīya king Gaṇapati (No. 88 of Appendix C). What his relationship was to Kēta II or Bhīma III of the genealogical table, is not known. Mr. Sewell's Lists of Antiquities, Vol. I, p. 65, refers to an inscription dated Śaka 1082 at Pedamakkena in the Sattenapalle taluk Guntur district) which mentions the Mahāmandalēśvara Kōta-Gandapa-Rāja and his wife Bhūtamadēvī. These might have been the parents of Mummadi-Dēvarāja mentioned above. If the date was correctly read it would be the earliest date known so far, for the chiefs of the Kōta line. No. 79 of Appendix C which is perhaps also one of the Kēta II extends the period of his rule to Šaka 1135. Mummadi-Dēvarāja of Śaka 1133 who would thus

Kēta II and his long rule.

be his contemporary, was evidently a member of a collateral branch. No. 79 supplies the names of two mistresses of Kēta II viz., Amarama and Kētama daughters of a certain Yerrama-Nāyaka. The king is already known to have had two other concubines in Gasavi-Sūramadēvī and Bhaṇḍārvu Prōlamadēvī (Epigraphia Indica, Vol. VI, p. 156). No. 261 of 1897 mentions five queens of Kēta. From

Paṇidem in the Sattenapalle taluk, Guntur district, Mr. Sewell notes an inscription dated Śaka 1153 (= A.D. 1231) which records a grant by Prōludēvī, a rāṇi (wife) of Śrīman-Mahāmaṇḍalēśvara Kōṭa Doḍḍa-Gēta Rāja (Lists of Antiquities, Vol. I, p. 65). As observed above Kēṭa (II) had a mistress named Prōlamadēvī of which Prōludēvī may be a possible variant. Besides Doḍḍa-Gēṭa must refer to Kēṭa II, this appellation being evidently applied to him to distinguish him from his grandson Kēṭa (III), who was perhaps born already in Śaka 1153. It is doubtful if Bhīma (III) of the genealogical list ruled at all. In this case the rule of Kēṭa II would extend not only up to Śaka 1135 according to No. 79 of Appendix C, but also to Śaka 1153, i.e., very close upon the beginning of the reign of Kēṭa III.

41. We have seen that the copper-plate record No. 5 of Appendix A in the Annual Report for 1916, was dated in Saka 1162 in the time of Manma-Kēta or Kēta III. But No. 141 of Appendix C of this year's collection states that Ganapa or Ganapatidēva-Mahārāja, son of Manma-Kēta and Bayyamāmbā, made a grant in Saka 1156. This apparent difficulty has evidently to be explained by supposing that

Kēta III and his son Gaṇapa.

Gaṇapa was already in this year the crown prince of his father Kēta III.

This supposition is further corroborated by No. 65 of Appendix C which is dated in Śaka 1160 in the reign of the Mahāmaṇḍalēśvara Gaṇapatidēva-Mahārāja. Nos. 175 and 103 of Appendix C which are dated in Śaka 1169 and Śaka 1184 respectively, also belong to the time of the Mahāmaṇḍalēśvara Kōṭa-Gaṇapayarāja.

From Tādikoṇḍa in the Guntūr taluk of the Guntūr district, come two records one of which (No. 174 of Appendix C) is dated in Śaka 1183 and registers a gift by a certain Vennaladēvamma. No. 171 of the same Appendix which is mutilated, refers again

A new Kōta queen named Vennaladēvamma or Vennamadēvī.

to Kōṭa-Vennamadēvī who called herself 'lord of Dhānyakaṭakapura' and 'worshipper of the feet of god Amarēśvara'—

the two well-known epithets of the Kōṭa chiefs. If the latter were identical with the former this lady-chief will have to be connected with the time of Kōṭa-Gaṇapati. What her position was with reference to the royal family is unknown.

42. The subordinate family of chiefs known as Parichchhēdis appears to have held sway in the Telugu country to the south of the Krishnā from about Šaka 1049 to about Šaka 1199 (*Epigraphia Indica*. Vol. VI, page 224 f. and No. 136 of Appendix C).

They are represented by seven inscrip-Parichehhēdis entitled 'lords of Virajāpuri.' tions in this year's collection. earliest chief of the line known hitherto was Nambaya or Nambirāja, a subordinate of the Chola-Chalukya king Vikrama-Chola. From Nos. 140 and 141 of Appendix C dated in Saka 1144 and Saka 1156 respectively, it appears that the chiefs of this family were contemporaneous with, but evidently independent of, the Kōta chiefs who called themselves 'the lions to the elephants, viz., the sāmantas (i.e., subordinates) of the Chola-Chalukya kingdom. The Parichchhēdis on the other hand styled themselves 'the main pillars of the Chālukya kingdom.' From the inscriptions of this family obtained hitherto we are not in a position to frame any connected genealogy. No. 140 of Appendix C noticed above, gives them the title 'lord of the town of Virajapuri' in addition to the epithets noticed in paragraph 52 of the Annual Report for 1916. Virajāpurī might be the same as that town, the conquest of which is attributed to the Eastern Chālukya king Kollabhiganda Vijayaditya (IV) in No. 23 of Appendix A already noted. The Mahamandalesvara

Paṇḍya's building of the Agastyēśvara temple at Guṇṭūr.

Pandyarāja of this family (No. 83 of Appendix C) is stated to have built and endowed in Saka 1080 (A.D. 1158) the

Agastyēśvara temple at Gunttūru (modern Guntūr) in the Ōmgērumārga, the district over which Nambaya held sway (*Epigraphia Indica*, Vol. VI, page 224). The genealogy given in this inscription is incomplete on account of the bad preservation of the stone. Six generations are given. Pandya's relationship to Bhīma who is mentioned immediately before him is not certain. If it is presumed that these were son and father, the antiquity of the family and its lordship over the Ōmgērumārga (district) would date at least from about Śaka 900. We have to await discovery of further records to establish Nambaya's relationship to Pandya.

### THE VIJAYANAGARA DYNASTIES.

43. The earliest Vijayanagara record in the collection (No. 27 of Appendix C) belongs to the reign of Bukka I called in the inscription Vīra-Bukkana-Vodeva. He is stated to have been ruling from Bukka I ruling at Hosapattana Hosapattana which has not yet been According to some inscriptions in the Chitaldroog district the town identified. Hosapattana was in the Hoysanadeśa, i.e., the Hoysala country. For some remarks on Hosapattana see *Epigraphia Carnatica*, Vol. XI, Introduction, page 24. The next record in chronological order is No. 734 of Appendix B which is dated in the reign of Harihara II. It registers a gift of land Harihara II. to gods, Brāhmanas and Bhaktas in the year Šaka 1318 (= A.D. 1396). The distinction here made between Brāhmanas and Bhaktas is exactly what was perhaps intended in the so-called Rāmānuja record at Śravana-Belgola (Mr. Rice's Epigraphia Carnatica, Vol. II, page 100, No. 136) (see also Sir R. G. Bhandarkar's "Vaishnavism", page 54). The last year of Dēvarāya I, is known to have been Saka Dēvarāya I. 1344 (Archæological Survey Report for 1907-8, page 246). To this year belongs a record at Patur in the Guntur taluk (No. 125 of Appendix C) which mentions as donor the prince Ramachandra who as we know already was the governor of the Udayagiri province in Saka 1338 (Indian Antiquary, Vol. XXXVIII, page 91 f.). The fact that he made a grant of a land in this part of the country which belonged His son Ramachandra, probably ruler of to the Kondavīdu-rājya shows that Rāma-Kondavidu. chandra subsequent to his rule over Udayagiri, may have been deputed to rule over the frontier province of Kondavidu. 44. The only Saluva record copied during the year comes from the Govindarājaperumāl temple at lower Tirupati (No. 762 of Appendix B). It was copied at the instance of Mr. J. Ramayya Pantulu in the hope that some further information about the Sāluvas would be found in it. It Sāļuva Narasingayyadēva-Mahā-arasu. registers that in Saka 1389 (= A.D. 1457) king Naraśingayyadēva-Mahā-arasu ordered certain procedure to be adopted with respect to the distribution of the sacred tood offered to the god in the Tiruvengalanātha temple on the Tirumale hill, the Govindarājaperumāl temple at Tirupati and the Alagiya-Perumal temple at Tiruchanur and refers also to the two feeding houses (Rāmānujakūta) established by the king at Tirumale and Tirupati. 45. Nos. 718 and 573 of 1916 dated respectively in Saka 1466 and 1467 fall into the reign of Sadāśiva. The former belongs to Mahāmandalēśvara Rāmarāja Vitthaladēva-Mahārāja who had con-Rāmarāja Viṭṭhaladēva-Mahārāja a subordiquered the Tiruvadi (Travancore) country nate of Sadāsiva. (Annual Report for 1900, paragraphs 78 to 81) and during whose governorship was issued the copper-plate grant (No. 6 of Appendix A in the Annual Report for 1906), by king Sadaśiva in Saka 1459, the Vitthala seems to have enjoyed a quasiearliest date known so far for this king. independent power in the south as evidenced from the title Rajadhiraja assumed by him both in the copper-plate mentioned above and in No. 140 of 1905. Appendix B refers to the younger brother of Vitthala, viz., the Mahāmandalēśvara Rāmarāja-China-Timmayadēva-Mahārāja. His brother China-Timmayadeva-Maharaja. The fact that, in the resumption of land registered in this inscription the local officers of Chinna Timma as well as of Vitthala took part, suggests that the province to which the record relates must have been held jointly by these brothers who are together known to have conquered the southern country (Annual Report for 1915, page 111, paragraph 50). No. 598 of Appendix B mentions the ruling king as Rāmarāja Vitthaladēva-Mahārāja China-Timmayadēva-Mahārāja. But from No. 443 of 1905 we know that this same Chinna-Timmayadēva-Mahārāja was ruling the Chandragiri-rājya as his own province (uammida-śīrmai) in Saka 1467 (Annual Report for 1911, page 86, paragraph 56). The record under review mentions the Mahāmandalēśvara Apratīkamalla Manumbōli Chennayadēva-

Halukūru in the Madakasira taluk of the Anantapur district (No. 32 of Appendix C)

Feudatory chiefs of the Manubolu family.

Chōla-Mahārāja as a subordinate of the

Vijayanagara crown. A record from

supplies the name of another chief of this same family, viz., the Mahāmandalēśvara Apratīkamalla Manubōli Tirumalayyadēva-Mahā-arasu who was also a subordinate of Rāmarāja Vitthalayyadēva. It states that this chief was in possession of the Nidugalnādu and gave in that capacity a grant of land as kattuqodage to two gaüdas for having repaired one of the breaches in a tank. Grants of kattugodage to private persons for repairing tanks at their own expense, also occur in Nos. 49 and 50 of Appendix C of the time of Achyutarāya. A still greater interest attaches No. 718 inasmuch as it mentions that a Brahman of Chēramahādēvi (i.e., Shermadevi in the Ambasamudram taluk) having fallen from his original high caste, his land and

Disposal of an outcast Brahmana's property in the 16th century.

house-site were confiscated to the local temple of Tiruvengalanatha, with the income whereof four measures of rice were

cooked for the god's offerings and used for feeding four Brāhmanas. The adjudging body that sat over this case of caste-degradation was composed of the two local agents of Vitthala, the Mahāmandalēśvara . . . Nārāyana Chauhattamalla Ranavijaya Velumapāti Vengaladēva-Mahārāja, the kāryakartā (i.e., the agent) of (Vitthala's younger brother) Rāmarāja-China-Timmayadēva-Mahārāja, the karanam and the learned great men (vidvan-mahājanas) of Chēramahādēvi, Ēlāpuram and Narasāpuram. The other record No. 573 of 1916 dated in Saka 1467 mentions like No. 191 of 1914 the first four sons of Timmarāja as per table given on page 201 of the Archæological Survey Report for 1908-09. Vitthala's record at Amarapura in the Madakasira taluk (No. 38, Appendix C) is dated in Saka 1466 and registers the remission of the taxes tere, kānike and betti on barbers.

46. Another feudatory of Vitthala was the chief Bhūtalavīra Rāmavarman of Jeyatunga-nādu. The reference to Rāmavarman Tiruvadi in No. 584 of Appendix B of the time of Chinna-Timma the brother of Vitthala, must be to this same Bhūtalavīra Rāmavarman of Jeyatunga-nādu (see also No. 302 of Appendix B).

A large number of inscriptions copied during the year belong to the kings of Travancore entitled Tiruvadi. The names Udayamārtāndavarman and Vīra-Rāmavarman occur alternatively and seem to have been quite popular in the family. An early king mentioned is Rāvaṇarāman Mārtānda Tiruvadi with date Kollam 610 (No. 324 of Appendix B). Another unnamed chief (Tiruvadigal) of Jeyatuṅga-nādu was, as already stated, a contemporary and perhaps also a relation of the Pāṇḍya king Jatāvarman Kulaśēkhara I (No. 370 of Appendix B). Records of Vīra-Udayamārtāṇḍavarman, Vīra-Rāmavarman and a second Udayamārtāṇḍavarman come from the villages Brahmadēśam, Pallakkāl and Ambāsamudram in the Tinnevelly district and range in date between Kollam varman and Vīra-Rāmavarman.

678 and 723. The full titles given to these chiefs are Śankara-Nārāyaṇa, Veṇru-

mankonda and Bhūtalavīra. Mr. T. A. Gopinatha Rao, in his first volume of Travancore Archæological Series (p. 55) also refers to a certain Travancore king Udayamārtāndavarman, a contemporary of the Vijayanagara king Achyuta, who taking advantage of the weakness of the later Pandyas began to encroach upon their Udayamārtāndavarman is found in most of his records to have adpeted the title Siraivāy-Mūttavan which means "the senior (member) of the Siraivāy (branch)"; and Siraivay has been referred to as the name of a military stronghold or a province with military strongholds, in No. 373 of Appendix B. His dates range from about Kollam 653 to Kollam 707. No. 374 of 1916 registers a gift of the village of Vēppangulam alias Vīramārtāndappērēri by the king to the temple at Brahmadēśam. Vīra-Mārttānda appears to have been one of the king's surnames since in another inscription (No. 389 of 1916) mention is made of the village Vîramārtānda-chaturvēdimangalam as having been founded in the name of the king. Nos. 311, 288 and 289 of 1916 mention a service called Sanbagarāmansandi and Rāmavarman is stated in one of his inscriptions (No. 306 of Appendix B) to have been encamped at Sanbagarāmanallūr and on that occasion to have conferred certain rights on Vidyāpati Anandakkuttar Mudaliyar, the head of a matha at Tinnevelly. We may not be wrong in taking Sanbagarāma to be another probable surname of Udayamārtāndavarman. The other Travancore chief Vīra-Rāmavarman (Nos. 289, 302 and 306 of Appendix B) has been already noticed to have been a subordinate of the Vijayanagara chief Vitthala (Archæological Survey Report for 1908-09, p. 196). The relationship that existed between Rāmavarman and Udayamārtāndavarman is not very clear.

No. 671 of 1916 is dated in the 3+6th year of one Ravivarman and it is a question whether this can be the same as the Bhūtalavīra Ravivarman mentioned in No. 79 of 1896 and is stated to have Ravivarman. belonged to the Siraivay family.

47. Annan Basavanna-Nāyakkar and Rāmappa-Nāyakar already known to us as Vitthala's officers (Archaeological Surve, Report for 1908-09, page 195 f.) are mentioned in No. 373 of Appendix B, which registers a gift by Rāmappa-Nāyaka, son of Gaula Vasavaya-Nāyaka. This same Rāmappa-Nāyaka is again mentioned in

Two other officers of Vitthala.

having made a gift for the merit of Vitthala's brother China-Timmayadeva-Maharaja. The interest of the record No. 373 of Appendix B lies in the various heads of income with which the grant was made to the temple. These were melvaram, upadhi, inibogam (i.e., viniyogam), the dues to the king (சோமுறைப்பாடாயம்), viz., tīrvaikkānam, lakkābōgam including (the fee for the maintenance of) the hill-forts of Jeyatunga-nādu and Siraivāy, tirigaikadamai, tarikkadamai (tax on looms), ūttaipāttam, pāśivilai (fishery) and (taxes on) the idangai and valangai classes. The impost levied for the military defence of the conquered country deserves particularly to be noted.

48. The famous Viśvanātha-Nāyaka of Madura who followed Achyuta in his campaigns and got the Tiruvadi country from him as an amaranāyaka, was another officer of Vitthala in the south. He calls himself an agent of Achyuta in No. 599 of 1916 and an agent of the Karnāta king Rāmarāja in No. 385. No. 609 records a gift by one Uddanda, a subordinate of Viśvanātha. Viśvanātha and his successors who are represented in the collection almost without a break up to Tirumala-Nāyaka, acknowledged the Vijayanagara suzerainty while in reality they were ruling

independently. The dates for the reigns The Nayakas of Madura. of these chiefs differ sometimes from those given by Mr. Sewell in his Lists of Antiquities, Vol. II, p. 200. Kumāra Krishnappa-Nāyaka, son of Viśvanātha, appears with the dates Saka 1475 and Saka 1477 (Nos. 497 and 530 of App. B) which are about ten years earlier than the earliest date given for him by Mr. Sewell. The latter record refers to a certain Ekāmbara-mudaliyār who was the agent of Krishnappa-Nāyaka. His son Vīrappa or as he is called in the inscription Viśvanātha-Krishnappa-Vīrappa, the agent of the Karnāta king Tirumala I., appears under the date Saka 1492 which is three years earlier than that given for him by Mr. Sewell. His younger brother Viśvanātha-Nāyaka who was a joint ruler with him calls himself the agent of Śrī-Ranga II. in No. 663 of App. B which is dated in Śaka 1500. The titles which this Nāyaka bore are rather interesting. These were: Keduvanniyargandan, Araiśūr-Rāman, Vīra-Vikramādittan and Irandumuga-Virabhadran. For the chief Virappa, No. 318 supplies the date Saka dated in 1521 which, according to Sewell, falls into the reign of the next king Vīrappa- Krishņappa or Kumāra-Krishņappa II. to whom belongs No. 717, dated in Saka 1522. Muttukrishnappa is not represented in the collection. To his son Muttu-Virappa belong Nos. 309 and 378 of dates Saka 1545 and 1547 which refer to a caste wrong. Sant settlement in the Kanmala community noted below under the miscellaneous section. Nos. 285, 293 and 519 are dated in the reign of the famous Tirumala-Nāyaka. last of these mentions among his ancestors Nāgaya-Nāyaka and Viśvānatha-Nāyaka. Chokkalinga-Nayaka mentioned in No. 521, dated Kollam 823 (=A.D. 1648-49) may have to be identified with Chokkanātha-Nāyaka of Sewell's genealogical table.

49. Of Rāmarāja-Timmarāja (i.e., Tirumala I.) who was for sometime minister of Sadāśiva, mention is made in No. 64 of App. C, dated Saka 1476. He is stated

Rāmarāja-Timmarāja and his subordinate Timmarāja, son of Ōbaļarāja and grandson of Siddhirāja.

to have given as nāyankaram the Kondavīṭi-sīma to the Mahāmandalēśvara Timmarāja, son of Ōbaļarāja and grandson of Siddhirāja. Siddhirāja-Timmarāja

another inscription (No. 598 of 1916) as

also mentioned in paragraph 71 of the Annual Report for 1916, as the ruler of Kondavīdu about Saka 1477. The Telugu poem Paramayogivilāsamu composed by him and noted on page 201 of the Archaeological Survey Report for 1908-1909 describes him as the son of Obalaraja, the grandson of Ananta and the great-grandson of Siddhirāja. Nos. 59, 163 and 165 of App. C, show that Siddhirāja-Timmarāja continued to be the ruler of the Kondavidu province till Saka 1482. The grant of the

fee called Dommari-pannu to the local temple, registered in No. 59, is interesting. It states that with the consent of the various samayins the Dommara agents met together and decided the grant of the fee which was their due, for the merit of the 24 sub-castes of their community. The right of the Dommaras to collect such a fee, is known to have existed in the Nellore district even in the British period (Thurston's Castes and Tribes, Vol. II p. 187). The mention of Jagarāja, son of Siddhirāja-Timmarāja in a record of Śaka 1483 (No. 541 of App. B in the Annual Report for 1916) seems to suggest that Jagarāja succeeded his father in the charge of the Kondavīdu province. Tirumala (I.) under his well-known name Gutti-Yaram-Tirumalarājayyadēva, Era or Yeran-Tirumaladēva or Gutti-Tirumalarājayya, is mentioned in Nos. 1 and 176 of App. C and Nos. 575, 577 and 739 of App. B. Of a well-known poet of this time of the Tāllapākkam family named Tiruvengalanātha (paragraph 72 of Annual Report for 1916) we have an indirect mention in

Tāllapākkam Tiruvengalanātha.

No. 182 of Appendix C which states that Gundavaram in the Guntur taluk was an

agrahāram belonging to this personage (see Annual Report for 1916, page 14 f).
50. To the reign of Śrī-Ranga (II.) the son of Tirumala (I.) belong Nos. 162,
89 and 113 of 1917, dated in Saka 1496, 1498 and 1499 respectively. A record of

Śri-Ranga (II.). the same king, dated in Saka 1499 was copied last year at Kondavīdu. The existence of these records in the country on the southern side of the river Krishnā proves that the authority of the Vijayanagara crown over the Kondavīdu province did not suffer by the battle of Tālikōta. The viceroy at Kondavīdu at this period was a certain Rāmarāja-Jagarājayya, different from Jagarāja, son of Timmarāja mentioned in the previous paragraph.

51. The high gopura of the Vishnu temple at lower Tirupati was stated in my Annual Report for 1913, page 124, to have been constructed by the Matla chief Tiruvengalanātha. This does not appear to be quite correct. Two inscriptions copied from the gopura during the year (Nos. 763 and 764 of Appendix B) clearly state that the gift of the gopura was made by Anantarājayya, son of Matli Tiruvengalanātharājayyadēva-Chola-Mahārāja and that certain figures cut on the stone walls of the same gopura are those of Matla Tiruvengalanātharāja and his queen Chennamma. Evidently these figures were cut on the walls by the son in honour of his parents and not by the latter in memory of their building the gopura as was supposed in my earlier report.

#### MISCELLANEOUS.

52. No. 6 of Appendix A belongs to a king whose inscriptions have not hitherto been discovered. It consists of four plates of six written sides, measuring  $6\frac{1}{3}$  by 2". They are strung on a circular ring to which had been attached a seal which is now broken. The bottom of the seal which held the ends of the ring is however still seen.

The alphabet is of the Western Chālukyan type and may be referred to the beginning of the 8th century A.D. The grant is dated from Pishtapura (i.e., the modern

A new copper-plate grant of about the 8th Century A.D.

Pithāpuram in the Gōdāvarī district). The first king mentioned is Mahārāja Raṇa-Durjaya. His son was Vikramēn-

dra; and his son was Prithivi-Mahārāja of the Rama-Kāśyapa-gōtra (evidently a mistake for Kāśyapa-gōtra). In the 46th year of his reign, on the full-moon day of Kārttika, the king gave the village Tāṇḍivāḍa in Pāgunāra-vishaya to Bhavaśarman, who was a student of the Chhandōga-sūtra and belonged to the Kāmakāyana-gōtra. The donee was the son of Prithiviśarman and the grandson of Vishnuśarman both of whom were great Sanskrit scholars. The donee who was a resident of the village Konḍamañchi, was well-versed in the Trisahasra-vidyā and had written (?) twenty commentaries on the śāstras. He had studied the Vēdas, the six Vēdāngas, Logic, rituals. The ājñapti of the grant was Śri-Rāmabhrurāja.

The king and his two ancestors mentioned in the inscription cannot be identified. The Pithāpuram pillar inscription of Prithivīśvara of the 12th century A.D. mentions a certain Rana-Durjaya among the early ancestors of the Velanāndu chiefs of the



fourth caste. Perhaps this name was borrowed by the Velanandu panegyrists from the line to which the donor Prithivi-Mahārāja of our grant belonged. Pāgunāravishaya in which the granted village Tāndivāda was situated has perhaps to be identified with the Pāvunavāra or Pāgunavāra-vishaya of the Eastern Chālukya copperplates.

53. Of Gāṇadēva, a subordinate of the Gajapati king Kapilēśvara, we have had hitherto only one copper-plate record dated in Śaka 1377 (Indian Antiquary, Vol. XX, Gāṇadēva, subordinate of the Gajapati king.

p. 390 f.). In this year's collection we have a stone record of his, of the Śaka year 1376 (No. 70 of App. C), which is one year earlier than the copper-plate record. The chief is here called Gāṇadēva-Rautarāya-Mahāpātra.

54. The Venkatāchalapati temple at Kariśūlndamangalam contains some records which refer to a line of teachers presiding over a matha in that temple. This temple is stated in No 566 of Appendix B to have been situated on the southern bank of the river Tan-Porundam (i.e., Tāmraparnī) and to have been in former ages worshipped by the sage Rōmaśa-Mahāmuni. It was repaired and reconsecrated in Śaka 1320 (No. 567 of Appendix B) by Mukundānanda-śrīpāda and evidently in consequence of it, its property was handed over for management to himself and his pupils and the then ruling Tiruvadi chief Mārtānda-adigal of Jayasimha-nādu. Mukundānanda was

Vaishnava and Saiva mathas connected with temples.

چ پوچىرى

> one of the teachers in apostolic descent from the Paramahamsa-Parivrājakāchārya Dēvēndrapuri — His intimate connection

Dēvēndrapuri. His intimate connection with the temple is established by No. 576 of Appendix B which gives some details about the mismanagement of the temple property and the property of the matha by one of his disciples, the subsequent enquiry and dismissal of the offender concerned and the new appointment of some other pupil in his place. Another teacher in the line was a second Mukundananda, Mukundananda-śripada or Mukundanandapuri who was a direct pupil of the Paramahamsa-Parivrājakāchārya Amararājapuri-śrīpāda after whom the village Kariśūlndamangalam or Ten-Tiruvēngadam was called Amararājapuri-chaturvēdimangalam. This Mukundānanda II. transferred the whole property of the matha with its lands, valuables, cloths, coins and vessels to the temple of Venkatāchalapati in Saka 1375 stipulating certain conditions regarding the auditing of accounts and the maintenance of disciples representing the line, that resided in the matha. Sankarānanda-śrīpāda of No. 579, dated in Kollam 685, i.e., Saka 1431, was evidently a much later teacher of the same line who presided over the matha of Dēvēndrapuri. It is not clear who these teachers were but the suffix śrīpāda or puri which these added to their names may show their connection with one of the probable orders of sannyāsins whose names ended in puri. From Mādipādu in the Sattenapalle taluk of the Guntūr district, comes a record (No. 187 of Appendix C) which gives a list of teachers whose names ended with the suffix śrīpāda similar to those of the Dēvēndrapuri line mentioned above. One of these teachers named Raghurāmāśramaśrīpāda declared as stated in the inscriptions, that the river Krishnā which flows close to the spot where the inscription is found, was highly sacred on account of its legendary connection with the Bhagirathi (i.e., the Ganges).

Other flourishing mathas connected with temples in the south, which were both teaching institutions as also resorts of itinerant mendicants, are mentioned in numerous other records copied during the year. The Gōlaki-matha at Tiruvālīśvaram has been already referred to. The teachers of that matha belonged to the lineage (santāna) of Jñānāmritāchārya and explained tirujñāna (i.e., Śivajñāna) to the people who visited the temple. Another line of teachers of the Jīyar-santāna of the same matha, is also mentioned. In the Tiruvālīśvaram temple were two other mathas called Vīrapaṇḍitaṇ-tirumaḍam and Grāmarājaṇ-tirumaḍam. In Brahmadēśam was a matha called Periyanāṭṭu-maḍam. At Maṇṇārkōil was the Vaishṇava-matha of Śeṇḍalaṅgāra-māmuni. At Shermadevi, in the temple of Appan, was the matha called Mudivalaṅgumperumāl-tirumaḍam in which provision was made for feeding the Their educative influence

Their educative influence.

sastras. The Saiva mathas, viz., Saivapperumāl-madam, Kīlai-madam, Mēlai-mamda and the Tirunāvukkaraśar-tirumadam

also existed side by side with the Vaishnava matha at Shermadevi. The Saiva matha of Vālvalapāndyan-tirumadam was situated in the temple of Giriyāmbālpuram in the Ambāsamudram taluk of the Tinnevelly district and there was the Kavira-matha in the town of Tirunelvēli itself. Besides these mathas, the temples were also sometimes the centres of education inasmuch as they employed teachers of Vēdas, Šāstras, Purānas, etc., and encouraged singing and dancing (Nos. 390, 418, 565, 664 and 671 of Appendix B). The Malkāpuram inscription already noticed under the Kākatiya section has been found to describe a model institution of the kind. No. 695 refers to the gift made by a Brāhmaṇa to the Sarasvatī-Bhaṇḍāra of a temple by which we have to understand the library of books preserved in the temple for public study and reference or to a fund set apart for the advancement of education. Nos. 412, 413 and 421 of Appendix B, refer to the poet Rāmanāthaṇ Marudavanakavirājaṇ of the 16th century who was patronised by the Śaiva temple at Tiruppuḍamarudūr, for eulogising the greatness of that god. The enacting of dramas on festive occasions in temples has been already noted.

55. Inscriptions dealing with social legislation are always of some interest. One such record is No. 325 of Appendix B which quotes two earlier records of Kollam 555 and Kollam 591. These latter refer to an ostracism placed by the Vellālars on the members of the Vellai-Nāḍar community who it is stated earned their livelihood generally by service. A few Vellai-Nāḍars having, in their service as accountants,

Disputes between Velļāļars and Velļai-Nādārs. agents, etc., committed some unspecified offence against their employers of the Vellāla community, the general public, the

heads of families, accountants and all other members of this latter community in the district, met together and resolved; (1) that the three specified offenders be killed and (2) that it was beneath the dignity of the community to employ in future any Vellai-Nādars even in cooly service and much less to permit them to be agents, accountants and officials. At the time of the record under reference, Kollam 628, further additions were made to the restrictions already registered. The Vellai-Nādārs were not to take girls in marriage from the Tamil villages nor take up service in the Tamil country. The 23 listed offenders of the Vellai-Nadar community were to be killed wherever they were found. No Vellai-Nādan was to be permitted in future to enter the Tamil districts. This social legislation of the Vellalars and the dubious reasons given for doing so, describe the conditions under which intercaste divisions and sub-divisions generally came to be rigorously enforced. The resolution was on the very face of it a very severe one and it is not possible to explain why the ruling king did not interfere in such a social legislation even when it concerned breach of public peace and ultimate loss of lives. The natural hatred which the Vellālars of the present day still entertain for the Nādārs or Šānārs in the Tinnevelly district could possibly receive some explanation in the light of the facts revealed by this curious record. The restrictions imposed on the Vellai-Nādar community that they should not enter the Tamil villages nor take Tamil girls to wife, indicate that these Vellai-Nadars were not of Tamil origin but were evidently natives of the bordering land which was Chēra or Kērala.

Two other records on social legislation are Nos. 309 and 378 which are dated in Saka 1545 and Saka 1547. They register a royal writ granted by Vīrappa-Nāyaka of Madura to the five sub-sects of the artizan community, facilitating their separation from each other and consequent dismemberment of the community. The reasons for

Separation of the five sub-divisions of Kammālars. this separation are not stated as in the case of the Vellālars and the Vellai-Nādārs.

It has to be noted that the order does not seem to have proceeded from the king himself but to have been the result of an initiative taken by the sub-sects themselves. This is inferred partly by the statement that the writ was a privilege granted in the presence of Udankūttam-anaiñjān or Udankūttam-pādagaṇaṇaiñjān Kulaśēkharaṇ-āśāri who was evidently the leader of the Kanmāla community. This spirit of exclusiveness which was sought for in the 17th century, has happily given place to quite the opposite feeling in the present day. The non-interference of the Brāhmaṇas in this connection is significant.

Another community known as the Valangai Uyyakkondārs—evidently merchants

Valangai Uyyakkondār community.

—is mentioned in No. 297 of Appendix B.

Being much reduced in circumstances this

community was allowed certain concessions which consisted in a reduction of the communal tax (pagudi), viz., 64 pon for kār and 62 for paśānam.

56. The Muhammadan occupation of the country ( and the consequent ruin of the temples mentioned in Nos. 602 and 604 of Appendix B prior to A.D. 1488, must evidently refer to the interregnum in the Pāṇḍya country Muhammadan occupation of the Pāṇḍya country referred to.

Muhammadan occupation of the Pāṇḍya caused by the Muhammadans who, we know, were in possession of the Madura kingdom for nearly fifty years till they were ousted by the Vijayanagara prince Kampaṇa-Udaiyar (Annual Report for 1916, page 126).

57. It has been noticed above that records of the Vijayanagara king Śrī-Ranga II dated in Saka 1499 are found at Kondavidu and Nidumukkula (No. 446 of 1915 and No. 113 of Appendix C to this report). But No. 93 of Appendix C also dated in Saka 1499 (= A.D. 1577), refers to The Gölkonda king Yibhuram Śāha (Ibrahīm the rule of the Gölkonda king Ibrahim Qutb Shāh). Qutb Shāh (A.D. 1550–1580) and seems to suggest that about Saka 1499 the Muhammadan expansion south of the Krishnā river was either beginning or had begun already. It is also possible that the existence of the records of Srī-Ranga II side by side with the one of the Qutb Shāhi king in the Kondavidu country has to be explained on the strength of the statement made in the Telugu poem Yayāticharitramu that Śrī-Ranga II and the king of Golkonda were on friendly terms at about this period though but temporarily (Archæological Survey Report for 1911-12, page 185, foot-note 2). According to Brigg's Ferishta (Vol. III, page 437 f) Kondavidu was actually taken by the forces of Ibrahim Qutb Shāh in A.D. 1579.

The record No. 93 of Appendix C registers an agreement arrived at by the people of the villages attached to the Rāvipūndi-sthala, regarding the land-measurement of the villages included in that sthala (revenue circle?) and the taxation. The measurement referred to was thus fixed. One paggamu was understood to consist of Scheme of land-measurement and taxation.

Scheme of land-measurement and taxation.

(sowable?) with na 3 (i.e., three tūmus) of grain. With the kuchchala or 360 kuntas (sowable?) with na 3 (i.e., three tūmus) of grain. With the kuchchala thus fixed the inscription next records the extents of land in each of the villages named above including the virigattus (correctly viridattu = isolated portions). The kāpus had to pay on each kuchchala of land one samasya (?), as tax; the Turukavāru (i.e., Muhammadans), ½ samasya and the Brāhmanas were to be sukhavāsins (i.e., to live in happiness without any payment of taxes). On cows and bulls the cultivators (kāpus) paid 1 samasya, while the Brāhmanas and Muhammadans enjoyed exemption. The other residents of the village paid ½ samasya for the same.

58. No. 128 of Appendix C which is another inscription from the Telugu country belonging to the Muhammadan times is dated in Saka 1585 (A.D. 1663). Though written in Telugu it is full of Hindustani terms and seems to register that the people of Parimi (i.e., the modern Peda-Parimi) having raided (certain) lands of Tandikonda claiming them as their own, the residents of both Parimi and Tandikonda represented their case to the Huzūru (king). The people of the (neighbouring) villages gave evidence that the A dispute decided by a Muhammadan chief. bhogavatta (i.e., possession-deed) belonged to Tandikonda and not to Parimi and that the people of the latter village were causing unnecessary disturbance. Thereupon Valī Mahammattu-Dastigaha Saidu Abdullāgāru who had the mokhāsa of that village, ordered that the bhogavatta should take effect in favour of the people of Tandikonda, that the Parimi people had no right (?) (hajītu) to cause any disturbance (garakasā) and that henceforward inscribed stones must be put up in unseen places—the reasons for doing so not being stated—in accordance with the bhogavatta relating to the Tandikonda lands.

59. Of a local tamily of Zamindars known as Vāsireddi in the Guntur district and referred to by Mr. Sewell on page 64 of his Lists of Antiquities. Volume I, we get two inscriptions at Chintapalli, in the Sattenapalle taluk of the Guntur district. An inscription of Venkaṭādri-Nāyudu of this family is also found at the Amarēśvara temple at Amarāvati in which temple, in the mukha-maṇḍapa, stands a statue of this

, j

chief, wearing a crown. Inscriptions Nos. 185 and 186 of Appendix C dated in Saka 1765 and 1766 respectively record gifts of Achammagaru who from local information is learnt to have been the wife

Vāsireddi Venkatādri-Nāyudu. information is learnt to have been the wife of Venkatādri-Nāyudu. A few miles north of Krōsūru in the Sattenapalle taluk is the village Achchampet (i.e., Achchammapēta) which also is stated to have been founded and named after this lady. Venkatādri-Nāyudu himself is known in the folklore of this part of the country as the builder of 108 linga shrines to all of which he is stated to have granted lands. This story seems to be confirmed by the fact that in almost every temple in the part of the district near and about Amarāvati the mantrapushpam is recited even now for the prosperity of the Vāsireddi chiefs, the only alternative mention made being that of the

The Manūri family.

Rājā-Mānūri family. Two inscriptions of this latter family of Zamindars of the British period whose present seat is at Chilakalūrpet in the Narasaraopet tuluk, Guntūr district, have been found at Anantavaram, Guntur taluk (No. 62 of Appendix C) and Koritepādu (now part of Guntur town) (No. 81 of Appendix C). From the latter of these it is seen that the chiefs were probably originally the Muzumdārs (chief accountants) in the sarkāru of Mūrtijānagar (i.e., Kondavīdu) (see p. 71 of Sewell's Lists of Antiquilies, Volume I) and later on became the Zamindars of Sattenapalle taluka.

60. Two other records of this early British period may also be noted here.

The Hon'ble the East India Company.

No. 308 of Appendix B refers to the Honourable East India Company and to its officers "who were protecting the charities" of the Kāśīnāthasvāmin temple at Ambāsamudram. No. 696 of Appendix B records the repairs caused to be made to the Appan (Venkaṭāchalapati) temple at Shermadevi by the resident mahājanas of the village at the instance of M.R.Ry. Varada Rao, son of the Hon'ble Rajaram Rao, while evidently he was the Head Assistant Collector there.

#### Order-No. 1035, Home (Education), dated 10th August 1917.

Recorded.

Editors' Table.

- 2. The Government observe that the number of inscriptions copied and examined fell from 835 in 1915-16 to 668 in 1916-17. Part V of Volume II of the South Indian inscriptions was published during the year under review. The Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy is requested to push forward more vigorously the work of systematic publication of the inscriptions collected.
- 3. The Superintendent, Archæological Survey, is requested to submit after personal inspection his views in regard to the conservation of the monuments referred to in paragraph 8 of part I of the report.
- 4. The programme of work for the next field season is approved. The Government trust that the Assistant Archæological Superintendent will carry it out completely.

(True Extract)

R. RAMACHANDRA RAO, Secretary to Government.

```
To the Assistant Archwological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

"the Superintendent, Archwological Survey, Southern Circle.

"the Superintendent, Government Museum.

"all Collectors.

"the Home (Miscellaneous) Department.

"the Government of India, Department of Education (with C.L.).

"the "of Burma (with C.L.).

"the ", of Ceylon (with C.L.).

"the Director-General of Archwology (with C.L.).
```

HOME DEPARTMENT (EDUCATION).

## G.O. No. 1172, 6th September 1918

### **Epigraphy**

Becording, with remarks, the progress report of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the year 1917-18.

READ—the following papers :-

I

Letter—from M.B.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department.

Dated—Madras, the 17th July 1918.

No.—383.

I have the honour to submit herewith the advance copy (proof) of my Annual Report on Epigraphy for 1917-18. A duplicate copy with the necessary corrections and Appendix E containing the dates calculated by Mr. L. D. Swamikannu Pillai, which has not been received yet from him, will be submitted to Government within a week through the Superintendent, Archæological Survey, Madras.

Part II of the report was exclusively drawn up by my Senior Assistant Mr. G. Venkoba Rao while he acted for me during my absence on leave for three months.

#### TT

Letter—from M.R.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant—Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department (through the Superintendent, Archæological Survey, Madras).

Dated—Madras, the 31st July 1918.

No.—D. 415.

I have the honour to submit herewith the stitched proof of my Annual Report on Epigraphy with one set of photographs taken during the field season under review. I request that I may be supplied with twenty spare copies of the report for distribution among my friends and scholars who are interested in Epigraphy.

#### Ш

Endorsement of the Superintendent, Archaeological Survey, Madras, No. 414, dated 3rd August 1918.

Submitted.

A. H. Longhubst, Superintendent, Archaelogical Survey.

# ANNUAL REPORT ON EPIGRAPHY FOR THE YEAR ENDING 31st MARCH 1918.

#### CONTENTS.

#### PART I.

|  |   |     | PAGE    |
|--|---|-----|---------|
| Office routine—  |   |     |         |
| Personnel  |   | • • | 5       |
| Distribution of work                                   |   | • • | 5       |
| Progress in publication                                |   |     | 5       |
| Tours of the establishment                             |   | • • | 6       |
| Tours of the Assistant Superintendent                  | ••                                      | • • | 6       |
| The year's work  |   |     | 7       |
| Conservation   | • • • • •                               |     | 8       |
| Expenditure and receipts                               |   | • • | 9       |
| Places examined during the year                        |   | • • | 10      |
| Programme for 1018-10                                  | ••                                      | • • | 10      |
| Appendix A.—List of copper-plates examined during 1917 | '_18                                    | • • | 11      |
|  | -10                                     | • • |         |
| 1010   | ••                                      | • • | 16      |
|  | ••                                      | • • | 89      |
| T Politica con and a second                            | ••                                      | • • | 108     |
| ,, E.— ,, dates calculated                             | ••                                      | • • | 109     |
| PART II.   |   |     |         |
| An inscription at Phulta in early characters           |   |     | 129     |
| The Pallayas—  |   | • • |         |
| Kōpperuñjiṅga  |   |     | 129     |
|  | ••                                      | • • | • • 120 |
| The Eastern Chālukyas—                                 |   |     |         |
| Jayasimha I  | • • • • •                               | • • | 130     |
| Chālukya-Bhīma I                                       | • • • •                                 |     | 131     |
| His surname Vishnuvardhana                             |   |     | 131     |
| His gift of land to a songstress                       | • •                                     |     | 131     |
| His inscription at Bezwads                             | • • • • • •                             |     | 101     |
| Vijayaditya III; his enemies                           | • | • • | 132     |
| His pillar of victory at Viraja                        | ••                                      | • • | 132     |
| Dānārṇava  | . ,                                     | • • |         |
| Saktivarman I  | ••                                      | • • | 132     |
| Vimalāditya; his inscription at Rāmatīrtham            | ••                                      | • • | 132     |
| TT T T T T T T T T T T T T T T T T T T                 | • | • • | 133     |
| The Western Châlukyas—                                 | ••                                      | • • | 133     |
| ,  |   |     |         |
| Vinayāditya Satyāśraya; his spurious grant             | ••                                      | • • | 134     |
| Taila III, Jagadēkamalla                               |   |     | 135     |
| The Bhanjas-   |   | ••  | •• 100  |
| Nētribhanjadēva  |   |     |         |
| His surname Kalyāṇakalasa                              | ••                                      | • • | 135     |
| The later branch of the Bhanjas                        | ••                                      | • • | 135     |
| Vāsudēvakhandavishaya                                  | ••                                      | • • | 136     |
|  | ••                                      | • • | 136     |
| Vidyādharabhanjadēva                                   |   | • • | 136     |
| Yasabhanja   | • • • •                                 | • • | 137,    |
| The Khiñjali country                                   | ••                                      | • • | 137     |

| ]                                  | Vo.                        | 1172,          | Hone          | (EDUCA                  | tion), | 6 <b>TH</b> | SEPTE | MBER       | 1918 |       | 3                          |
|------------------------------------|----------------------------|----------------|---------------|-------------------------|--------|-------------|-------|------------|------|-------|----------------------------|
| The Eastern Gang                   | <b>9</b> 8—                | _              |               |                         |        |             |       |            |      |       | PAGE                       |
|                                    |                            |                | a ta          |                         |        |             |       |            |      |       | 1 07                       |
| Rājēndravarman<br>Anantavarman-    |                            |                |               | щап                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 137                        |
| His Kadamba si                     |                            |                |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 138<br>1 <b>3</b> 9        |
| The Panchapatr                     |                            |                | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 139                        |
| Relationship wit                   |                            |                | <br>. m ha a  | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 139                        |
| A Chandella Sā                     |                            |                |               | man                     | • •    | • •         | ••    | • •        | • •  | • •   | 139                        |
| Anantavarman (                     |                            |                |               | •, •<br>III <b>G</b> IX | • •    | • •         | • •   | ••         | • •  | • • • | 139                        |
| Indravarman, lo                    |                            |                |               | • •                     | ••     | • •         | ••    | ••         | • •  | -     | 140                        |
| The Western Gang                   |                            |                |               | ••                      | • 3    | • •         | •••   | • •        | •••  | • •   | 140                        |
|                                    |                            |                | • •           | ••                      | • .    | •••         | • •   | • •        | ••   | • •   |                            |
| The Nolamba-Pall<br>Nolambādhirāja | ava                        |                |               |                         |        |             |       |            |      |       | 140                        |
| "The Cholas—                       |                            | • •            | ••            | • •                     | • •    | ••          | ••    | ••         | • •  | •     | 110                        |
|                                    |                            |                |               |                         |        |             |       |            |      |       | 1.41                       |
| Parakēsarivarma                    |                            | of D.          | • •<br>= +-   | , <del>,</del> ' '      | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 14 <b>1</b><br>14 <b>1</b> |
| Dānatonga, a su                    | rna                        | me or Fa       | arantak:<br>f |                         | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 141                        |
| Conquest of Kor                    | _                          | •              | -             | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 141                        |
|                                    |                            | Dandro         |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 141                        |
| His conquest of                    |                            |                |               |                         | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 141                        |
| Corporation of M                   |                            |                |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | ••    | 142                        |
| Rājakēsarivarma<br>Parakēsarivarma |                            |                | Thāle         | • •                     | • •    | • •         | e . • | • •        | • •  | • •   | 142                        |
|                                    |                            |                | •             | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 142                        |
| His mother's gif<br>Rājarāja I     |                            | • •            |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | ••   | • •   | 142                        |
| Revenue survey                     | in b                       | ie time        | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        |      | • •   | 142                        |
| Penalty for levy                   |                            |                | orizad d      | nties                   | • •    | ••          | • •   | ••         | • •  | • •   | 143                        |
| Payment of reve                    |                            |                |               |                         | •      | ••          | ••    | • • •      | • •  | ••    | 143                        |
| Vatteluttu as cu                   |                            |                |               | ••                      |        | • •         | • •   | • •        | • •  |       | 144                        |
| Rājēndra-Chōļa                     |                            |                |               | ••                      |        |             | • •   | ••         |      |       | 144                        |
| His palace at Ma                   |                            |                | • •           | • •                     |        |             | • •   |            |      | • •   | 144                        |
| Temple as educa                    |                            |                |               | • •                     | • •    | •           |       |            |      | • •   | 145                        |
| His expedition t                   |                            |                |               | ••                      | ••     |             | • •   |            |      | • •   | 145                        |
| A vêdic college r                  |                            |                |               |                         | • •    |             |       |            |      | • •   | 145                        |
| Rājādhirāja I, h                   |                            |                |               | • • •                   |        |             |       |            |      | • •   | 147                        |
| Rajēndradēva, l                    |                            |                |               | • •                     | • •    |             | • •   | • •        | • •  | • •   | 147                        |
|                                    |                            | ٠              |               | • •                     | • •    |             | • •   |            | • •  |       | 148                        |
| Kulöttunga I                       |                            |                |               | • •                     | • •    |             | • •   | • •        | • •  |       | 148                        |
| Punishment for                     | acci                       | dental n       | nurder        | • •                     | • •    |             | • •   | • •        | • •  |       | 148                        |
| New verses of th                   | $\mathbf{e} \; \mathbf{D}$ | ē <b>vāram</b> | in an e       | pigraph                 | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  |       | 149                        |
| Vikrama-Chōla                      |                            | • •            | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 149                        |
| Kulottunga II                      | • •                        | • •            | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 150                        |
|                                    |                            | • •            |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 150                        |
| Rājādhirāja II                     |                            | • •            | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  |       | 150                        |
| Disposal of uncla                  |                            |                | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | <b>.</b> • | • •  | • •   | 150                        |
| Kulottunga III,                    |                            |                |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 150                        |
| Civil war in the                   |                            |                |               |                         | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 151                        |
| Sambuvarāyas fe                    |                            |                |               | ļas                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 151                        |
| Kulöttunga's bu                    |                            | -              |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 151                        |
| Conquest of Kon                    | $\mathbf{g}\mathbf{u}$     | • •            | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 151                        |
| 3 3                                | ••                         | . : •          | • •           | ,. • •                  | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 152                        |
| Some administra                    |                            |                |               |                         | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 152                        |
| Kāniyāļan's sorv                   |                            |                |               |                         | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 152<br>15 <b>3</b>         |
| Rājēndra-Chōla                     | 111                        | ••             | • •           | • •                     | ••     | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 100                        |
| "The Paṇdyas—                      |                            | ,              |               |                         |        |             |       |            |      |       |                            |
| Mārañjadaiyan a                    |                            |                |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 153                        |
| Maravarman Su                      |                            |                | ya I          | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 153                        |
| Assembly of 512                    |                            |                | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 153                        |
| Māravarman Vi                      |                            |                |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 154                        |
| Jatavarman Vik                     | ram                        | a-Pāṇḍy        | 7a            | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 155                        |
| Jatavarman Vīr                     |                            |                | <b></b> .     | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 155                        |
| Tribhuvanachak                     |                            |                | a-Pāṇd        | y <b>a</b>              | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 155                        |
| Jatavarman Srīv                    |                            |                | •••           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 155                        |
| Jatāvarman Sun                     |                            |                |               | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 155                        |
| His contemporar                    | yΛ                         | inbbidi-       | -             | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 156                        |
| Jatāvarman Kul                     |                            |                | • •           | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 156<br>156                 |
| Māravarman Ku                      | 1188ē                      | KDATA I        | -4            | • •                     | • •    | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 157                        |
| Māravarman Par                     | LYRL                       | ama-1'a        | iri ya        | • •                     |        | • •         | • •   | • •        | • •  | • •   | 101                        |

| r i De J.   |          |        |                        |       |       | PAGE |
|---|----------|--------|------------------------|-------|-------|------|
| Later Pāṇḍyas—  |          |        |                        |       |       | 157  |
| Parākrama and Kulasēkhara   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 157  |
| Śrīvallabha, brother of Arikēsari-Parākrama                                   | • •      | • •    | • •                    | ••    | ••    | 158- |
| Maravarman Vîra-Pandya  | ••       | • •    | • •                    | ••    | •••   | 158  |
|   | • •      | ••     | • • •                  | ••    | • • • | 158  |
| A 11 = 4 1 =  | ••       | • •    | • •                    | ••    | • • • | 158  |
|   | ••       | ••     | • • •                  | ••    | ••    | 159  |
| Parākrama 'born in Avittam'<br>Parākrama alias Kulasēkhara 'born in Krittikā' | ••       | ••     | • • •                  | ••    | ••    | 159  |
| Śrīvallabha alias Kulasēkhara 'who revived the ol                             | ld time  | ,      |                        | ••    | • • • | 159  |
| Tirunelvēlipperumāļ 'born in Aśvati'  |          | ••     | • •                    | • •   | • •   | 160  |
| Kulasekhara alias Parakrama, son of Abhirama-Pa                               | arākra   |        | • •                    | • •   | • •   | 160  |
| Tiranelvēlipperumāļ Kulasēkhara   | • •      |        | ••                     |       | • •   | 161  |
| Ativīrarāmaņ Šrīvallabha  | • •      |        | ••                     |       | • •   | 162  |
| Varaguṇa Śrīvallabha  | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 162  |
| 5 -   | • •      | • •    |                        |       |       |      |
| Vijayanagara Kings—   |          |        |                        |       |       |      |
| Bukka I   |          | • •    | • •                    | • •   | • •   | 162  |
| Bukka II  |          | • •    |                        | • •   | • •   | 163- |
| Viruppaṇṇa II   |          | • •    |                        | • •   | • •   | 163  |
| Dēvarāya I  | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 163  |
| Dēvarāya II   | • •      | • •    | • •                    | • •   |       | 163  |
| Coorcive measures of taxation in his time                                     |          | • •    | • •                    | • •   | • •   | 163  |
| Sāļuva Narašingerāya and his subordinates                                     | • •      | • •    | • •                    | • •   |       | 164  |
| Revision and remission of taxes   | ••       | • •    | • •                    | • •   | • •   | 165  |
| Immadi-Narasimha  | • •      | • •    | • •                    | • •   |       | 166  |
| Eramañchi Tulukkana-Nāyaka  | • •      | • •    | • •                    |       | • •   | 166  |
| Krishnaraya   |          | • •    |                        | • •   | • •   | 166  |
| Prince Tirumala   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 167  |
| Vīrabhadra  | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 167  |
| Achyutarāya, his conquests and subordinates                                   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 167  |
| Sadāsiva and his subordinates   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 168  |
| Tirumalai Tāttayyangār and Tātāchārya   |          |        | • •                    | • •   | • •   | 168  |
| Dalavāyi Krishnappa-Nāyaka and other subordin                                 |          |        | $\mathbf{n}\mathbf{g}$ | • •   | • •   | 168  |
| Tirumala I  | • •      | • •    | • •                    | • •   | • • . | 169  |
| Harati chiefs   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 169  |
| Srīranga VI   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 170  |
| Miscellaneous-  |          |        |                        | _     | •     |      |
| Chālas  |          |        |                        |       |       | 170  |
| Dantiyamma Mangu-Chōla and Chōla-Mahārāja                                     | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 170  |
| A Chala shief in the Tolmen country   | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 170  |
| Gamble Oktile and his amen  | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 171  |
| Samonu-Unoqa and his queen His sons Agastīšvara-Chōḍa and Shaṇmukha-Chō       | ida<br>i | • •    | • •                    | • •   | • •   | 171  |
| His subordinates  | .,       | • •    | • •                    | • •   | • •   | 171  |
| The Hoysalas  |          | • •    | • •                    | • •   | ••    | 171  |
| The Travancore Chiefs Udaya-Mārttāṇḍavarman                                   | and I    | Rāmava | rman                   | • •   | • •   | 172  |
| Undiraja of the solar race  |          |        |                        |       | ••    | 172  |
| Chenji chiefs, their emigration from the north                                | • •      | • •    | • •                    | • • • | • •   | 173  |
| Akkanna and Mādanna   | • •      | • •    | • •                    |       |       | 174  |
| Bhagnagar, the ancient name of Hyderabad                                      | • •      |        | • •                    | ••    | • •   | 174  |
| Prithivisetti Rayani-Bhaskaranna and Bhaskara                                 | chārya   |        | •                      | • •   |       | 174  |
| The eighteen phanas   | • •      |        | • •                    |       | • •   | 174  |
| Hero-stones of Anantapur  | • •      |        | • •                    |       | •     | 175  |
| Dhanañjaya, a Bāṇa chief  | • •      |        | • •                    | • •   | • •   | 175  |
| Ganga-Trinetra Ani-Bhīma and Apimana-Gang                                     | u        | • •    |                        | • •   | • •   | 175  |
| Provision for flower service to a hero-stone                                  | • •      | • •    | • •                    | • •   |       | 176  |
| A Hoysala invasion and the battle at Hoyikunt                                 | a.,      | • •    | • •                    |       | • •   | 176  |
| An instance of sati in the 15th century                                       | • •      | • •    | • •                    | • •   | • •   | 176  |

#### PART I.

#### OFFICE ROUTINE.

As directed in G.O. No. R. 180, Home (Education), dated 13th August 1917, I was in charge of the current duties of the office of the Superintendent of Archæological Survey from 22nd August to 11th September 1917. Mr. K. V. Subrahmanya Ayyar returned from his long leave of one year and three months, on 4th December 1917. The two Epigraphical Students Mr. C. R. Krishnama Achari and Mr. G. V. Srinivasa Rao were also granted privilege leave—the one for two months and fourteen days from 4th December 1917 to 18th February 1918 and the other for one month and seven days from 3rd January 1918 to 9th February 1918. Mr. K. R. Srinivasa Ayyangar, who was appointed on probation for one year from 2nd February 1917, has been given an extension of probation for still another year.

#### DISTRIBUTION OF WORK.

- 2. The three Epigraphical Students and one of the Senior Assistants are generally deputed for tour work from three to four months in the year by turns, the tours commencing from the first week of August and closing with the last week of February. Every one of these, after his return to headquarters, is engaged for about two months in arranging and pasting—a process which has to be scientifically attended to in putting together the several pieces, often hundreds, of an inscription, to enable one to handle it completely. They next transcribe the records and draw up a preliminary list of the collection made by them severally. The average collection of the four assistants together in a year comes to about 600 stone inscriptions. The transcripts are carefully checked and reviewed in the Annual Report drawn up between March and June, part of June and July being taken up in reading through and correcting the proofs of the report.
- 3. The publication work which consists mainly of the issue of the South-Indian Inscriptions and also sometimes of such special work as may be assigned to this office by the Government, is attended to by me assisted only by the other senior assistant at headquarters, since the rest of the staff is almost always occupied with the current work of collection and transcription. Often too, it is found necessary that my senior assistant at headquarters and I have also to go out on short tours to inspect personally some important monuments. Such absence from headquarters combined with the long leave availed of by the assistants clearly accounts for the delay in publication or the shortage in collection and it is easy to see that in a scientific department like mine a trained hand absenting himself on long leave could not be readily replaced and as such the outturn of work must in one form or other suffer.

#### PROGRESS IN PUBLICATION.

- 4. Since writing paragraph 3 of part I in my Annual Report for 1917, I sent to the press Volume III—Part III of South-Indian Inscriptions consisting of 479 manuscript pages including texts, translations and introductions of 116 Tamil inscriptions, on 21st December 1917. The whole of the manuscript was returned by the Superintendent, Government Press, for revision and was re-submitted on 19th February 1918 after careful reading, together with material for six facsimile plates. Volume III—Part IV, which is taken up on hand, has advanced to 100 pages of clean manuscript of the Tiruvālangādu plates. About fifty pages still remain. A general index and introduction to Volume III will also go into this part and would, when completed, comprise about 350 pages of manuscript. The six facsimile plates that go with the Tiruvālangādu inscriptions are also ready. Volume IV of South-Indian Inscriptions has also advanced to 125 pages of clean manuscripts and about 250 pages more, including an introduction and index, have to be added, to issue the volume.
- 5. Scholars appear to be somewhat concerned with the delay in the publication of South-Indian Inscriptions by this office. In a separate communication I have explained to Government that so long as I am held directly responsible for the regular issue annually of the report on the collection in its present form and the issue simultaneously of South-Indian Inscriptions on the lines laid down by Doctor Hultzsch, the first editor of the series, no higher rate of progress is possible but that with a revision of the staff, the re-distribution of collection and publication work and the conversion.

of the series of South-Indian Inscriptions into a quarterly journal—for securing also the co-operation of outside scholars—could alone expedite the progress of publication of these inscriptions.

Tours of the Establishment.

- 6. Mr. K. R. Srinivasa Ayyangar, the probationary Kanarese Epigraphical Student with Mr. G. V. Rangarajayya, the then acting Telugu Epigraphical Student, went to inspect certain villages in the Kurnool district to which the Deputy Collector of Koilkuntla had drawn my attention. They started on 3rd July 1917 and after working together for some time they started for the Madakasīra taluk of the Anantapur district to finish the remaining firka in the villagewar survey of that taluk. Mr. Rangarajayya was asked to proceed to Teṇkāśi and Mr. Srinivasa Ayyangar finishing the villagewar survey of the Hindupur taluk returned to headquarters on 30th December 1917. Mr. Rangarajayya joined the Tamil Epigraphical Student Mr. G. V. Srinivasa Rao at Teṇkāśi, who left Madras on 5th September 1917, and both working together for about three months in that taluk finished the survey of two firkas and 3 villages of the third firka and returned to headquarters on 2nd December and 19th December 1917 respectively.
- 7. The Senior Assistant Mr. G. Venkoba Rao accompanied me on my special tour (vide next paragraph) and was deputed to finish the other places of the Tamil districts. He started on 11th January 1918 and copied inscriptions in about a dozen villages, five of which were not included in the printed programme but were brought to my notice by the Archeological Superintendent and required my immediate attention. He also examined between the 2nd and 11th of November 1917 with Mr. C. R. Krishnama Achari, the faintly visible Nagari, Grantha and Telugu inscriptions in the dark interior of the vimana over the Yudhishthiresvara shrine on the Mahendragiri hill in the Ganjam district. These inscriptions written on a very rough surface almost as with the point of a pin are altogether impossible to copy on paper and the attempts of Mr. Venkoba Rao and Mr. C. R. Krishnama Achari to read them direct from the stone in strong Kitson lights have also been unsuccessful inasmuch as there was absolutely no space for the adjustment of the eye so necessary in reading The flash-light photographs of these taken by Mr. Longhurst did not help us any way better in deciphering the characters. The Raja Sahib of Mandasa very kindly secured for my assistants when these were there two sets of copper-plates, one of which is clearly of the Ganga king Anantavarman Vajrahasta who was crowned in 1033 A.D. The other plates are very faintly written. Both the sets will be noted below in Part II. Mr. Venkoba Rao further examined the date-portions of certain Tamil inscriptions in the Pudukkottai State which are in the possession of Diwan Bahadur T. Desika Achariyar, P.A. B.L., Trichinopoly, at the special request of Mr. L. D. Swamikannu Pillai.

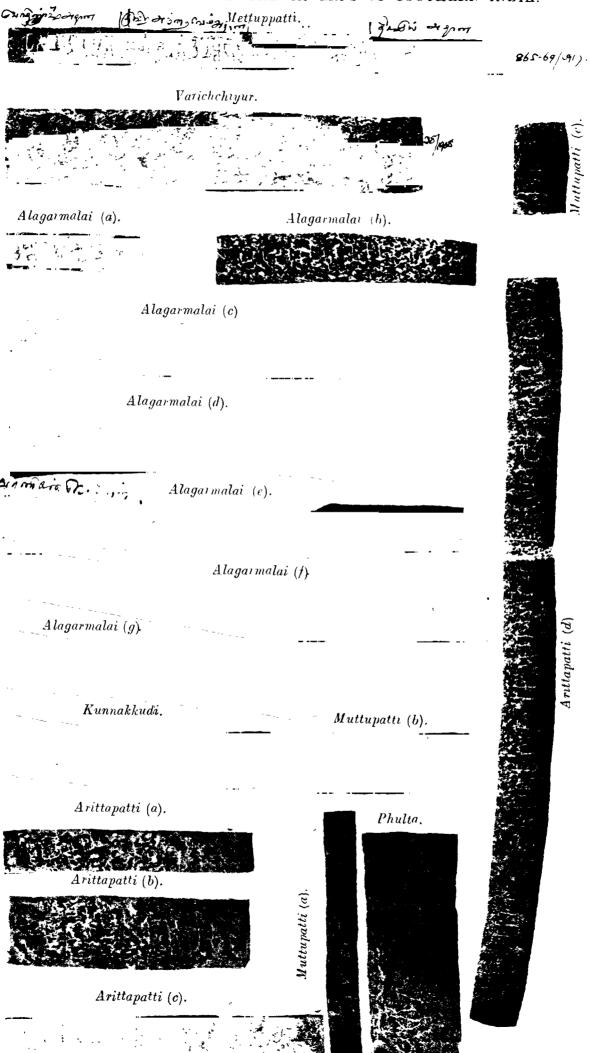
#### Assistant Superintendent's Tour.

- 8. The Brahmi cave inscriptions of Southern India which were brought to the notice of scholars about ten years ago and which were also submitted to some for critical study, still remain uninterpreted. I published a facsimile plate of a large number of them in my Reports for 1912 and 1915. Scholars engaged in the study of South-Indian history of the first centuries of the Christian era and earlier, have not paid to these ancient records the attention they deserve. In order to stimulate fresh inquiry in this connexion, I took advantage of the presence in my office of Mr. Ramaprasad Chanda, B.A., Honorary Secretary of the Varendra Research Society, Eastern Bengal, and a brilliant scholar of ethnology, who was specially deputed by the up these curious Brāhmī documents of Southern India for study and make an attempt, however slight it may be, to interpret them. We accordingly started together with the Senior Assistant Mr. G. Venkoba Rao on 4th September 1917 for the caves near Madura and Tinnevelly, incidentally visiting also the Pallava cave at Trichinopoly, the Nellivappar temple at Tinnevelly and the rock-cut sculptures and inscriptions at Kalugumalai.
- 9. Some fresh Pallava writings on the upper cave at Trichinopoly were discovered, which further confirm the excavation of the cave by the Pallava king Mabendra I in the 7th century A.D. The lower cave at the foot of the hill has two cellars on either side of a rock-cut hall as in the case of the upper cave but has on



#### PLATE I.

ANCIENT INSCRIPTIONS IN THE CAVERNS OF SOUTHERN INDIA.



its back wall huge sculptures of Ganapati. Siva, Durgā and the Sun-god in place of the Tamil inscription which we see in the upper cave. No Pallava-Grantha inscriptions are seen in the lower cave. The signatures of three private individuals in later Tamil of about the 13th century on one of the pillars, the sculptures noted above, and some details of architecture suggest a much later origin of this cave. One or two fresh inscriptions not copied in previous years were also discovered at Kalugumalai and all the labels in Vatteluttu characters beneath the magnificent rows of Jaina images on the rock were directly read from the stone in order to facilitate publication at some future date.

- 10. To go back to the Brāhmī inscriptions: eareful readings directly from the stone and from the estampages were prepared on the spot of almost all such records as had been hitherto collected by the department and a few fresh ones were also discovered on the Siddharmalai cave at Mēṭṭuppaṭṭi. A facsimile plate of these fresh inscriptions and of others not already published, is appended hereto. Mr. Ramaprasad Chanda is shortly going to publish a monograph on these inscriptions which is expected to throw some fresh light on these hitherto obscure documents.
- 11. I returned to headquarters from this short southern trip on 25th September 1917, and started again on 5th October 1917 for Berhampur at the request of Mr. T. C. Rath, B.A., a very earnest scholar much interested in the Epigraphy of the Uriya country. Mr. Krishnama Achari also accompanied me and we together visited all the places of the Ganjām district noted in the printed programme together with some others mentioned by Mr. Rath; but, to our great disappointment we found that this tour yielded no interesting results except certain indications as to the spread of influence of the Telugu kings of the Ganga line of Mukhalingam far into the interior of the Uriya country almost as far as Rambha on the outskirts of Orissa. Mr. Rath, however, secured for us five sets of valuable copper-plates, four of which belong to the Bhanja line of Uriya kings and one to Indravarman of the Ganga dynasty of the 9th century A.D.

On returning to Bezwada from Berhampur I again examined with Mr. Krishnama Achari the antiquities of the place and discovered close on the south side of the Kanaka-Durgā temple a rock with sculptures of about the 17th century with labels indicating the names of gods and goddesses cut below them. Most of the figures are forms of Durgā, the very popular deity of Bezwada at present. A facsimile plate of these figures also is published with a view to give an idea of what fantastic forms the goddess Durgā was capable of assuming according to the Mantrasāstra. Many rock-cut caves on this same side of the Indrakīla hill point to their Chālukyan origin by the writings in distinct Chālukyan characters which they bear here and there. At one such cave called Gōvinda-Bāvāji matha was discovered a record of the early years of the 9th century A.D. which confirms the remarks made by me already about the antiquity of Bezwada in paragraph 77, page 149, of the Annual Report for 1916. I returned to headquarters on 30th October 1917.

12. Mr. Krishnama Achari before proceeding to Mahēndragiri with Mr. G. Venkoba Rao—vide paragraph 7 above—to examine the inscriptions there, visited Pedaua near Masulipatam and copied an Arabic inscription kindly read for me by Mr. Yazdani of His Highness the Nizam's Government in whose opinion the record is not of any epigraphical or historical importance. After returning from Mahēndragiri he copied some more inscriptions at West Vipparru, Ghantasāla and Masulipatam securing also a set of copper-plates of a local chief who was probably a Reddi subordinate. His further tour for the villagewar survey of the Tenali taluk was suddenly stopped on account of his ill-health and he went on leave from camp on 4th December 1917.

#### THE YEAR'S WORK.

13. The Annual Report for 1916-17 was submitted to Government on 20th July 1917 and the tours described above commenced on the 3rd July 1917 and extended over a period of nearly seven months, during which period 490 villages were visited and as many as 687 inscriptions were collected. One hundred and eightynine inscriptions copied in the last touring season from sixteen villages in the Tanjore, Trichinopoly and South Arcot districts and a village in the French Settlements, Pondicherry, but not included in the report for 1917 have also been examined. The total number of the inscriptions included in Appendices B and C thus comes to 876,

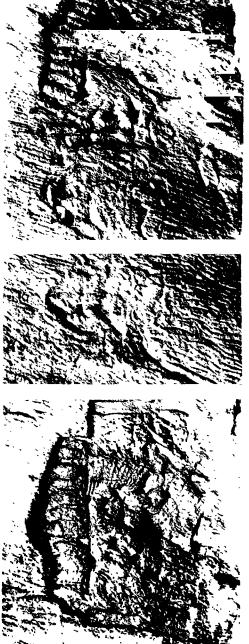
the highest number on record. Tentative transcripts of all these inscriptions have been prepared and index tickets have been drawn up for the listed collection of last year.

- 14. Appendix A contains a list of twenty-two copper-plate inscriptions examined during the year. In addition to the few already acknowledged I have to express my thanks to M.R.Ry. J. Ramayya Pantulu, M.R.Ry. M. Kalidasu and Professor V. Rangacharya for six sets of copper-plates secured by them for my examination.
- 15. A single copper-plate with two written sides in modern Tamil characters has been sent for examination by the Superintendent, Government Museum. It is a forgery similar in contents to the one described on page 11 of the Annual Report for 1910. The Anju-panchālattār, i.e., the five sects of the artisan class, viz., black-smiths, carpenters, workers in brass and copper, masons and gold and silversmiths, constructed a bronze car for the goddess Kāmākshi Amman of Conjeeveram and in the course of taking it round in procession the car was obstructed by some vicious magical influence by a member of the weaver class. A certain Vegalitētiyan Marudaśinganāyakkan of Kochchi-Malayālam came to the rescue and detecting the persons who had obstructed the running of the car offered them up in sacrifice to the evil spirits whom they had invoked. In return for this service he was granted in the presence of Appurāja Kaśirāja and others a fee of rupee 1 per head on the artisan community and an annual income in grain.
- 16. An interesting fact which is recorded in the copper-plate inscription (No. 2 of Appendix A) is that prior to the claim of the Srī-Vaishnava Brahman the image of Hanumanta in the village was worshipped by a shepherd (kuruba) called Madale Horaka. The Brahman reconsecrated the image according to the Pāncharātra ritual and took possession of all the property belonging to the temple. Among the other copper-plates examined during the year under review are some (Nos. 19 and 21) which are evident forgeries, and appear to have come into existence under circumstances similar to those of the copper-plates from the Madaksira and Dharmavaram taluks mentioned in the Annual Report for 1917.
- 17. Two sets of copper-plates noticed already in the previous Annual Reports (viz., No. 11 of 1914-15 and No. 12 of 1916-17) have been acquired for the Madras-Museum and deposited there.
- 18. Of the miscellaneous work done at the request of the outside public I have only to mention a short note on the work accomplished by this office in Epigraphy in this Presidency since its inception, and furnished to His Excellency the Governor of French Settlements, Pondicherry. Another note on the worship of Sati in Southern India was also sent to the Director-General of Archæology for the information of the Hon'ble Mr. Walsh (Member of the Board of Revenue in Behar and Orissa) for a paper to be written by him on that subject. A palm-leaf Sanskrit manuscript in Telugu characters was read for Dr. Sukthankar. Assistant Archæological Superintendent, Western Circle, which deals mostly with stotras like Lalitasahasranama, Navaratna-mālikā, Bagalāstavarāja, etc., and some curious mantras like Sarabhasālva-Pañchamukhi-Hanumatkavacha-mantra, Bagalamukhi-Brahmastra-mantra and Bagalā-mālā-mantra, etc. Mr. Narasimha Rao, a vakil of Tenali, sent me a few palm leaves impressed with stamps ("annas four" on the right side and "treasury து குற்ற on the left back of the palm leaf) which I transcribed and translated for him. The contents reveal a hopelessly forged tradition expressed in a most confused style regarding the acquisition of a gold image of Vitthala by Rāghavēndrasvāmi, one of the pontiffs of the Dvaita school of Madhvas.

#### CONSERVATION.

- 19. As regards conservation I have to mention only the two temples noted below:--
- (1) The temple of Punyanāthēśvara at Tiruvadavāyil in the Nannilam taluk of the lanjore district contains many inscriptions and is epigraphically important. One of these records contains the eleven verses in Tamil of the Dēvāram hymns of the Saiva saint Tirujfānaśambandar cut on stone. Printed editions of the Lēvāram do not make mention of this temple nor do these verses find a place in them. This is the first

CARVINGS IN RELIEF ON THE HILL-SIDE NEAR THE KANAKA-DURGA TEMPLE AT BEZWADA. PLATE II.





Vanahu.

Chintamani-Durga.



Some faint careengs.



Randra-Mahakali.



instance in which the Devaram verses are found engraved on the walls of a temple. The temple whose existence was brought to my notice by Mr. Jagadisvara Ayyar, Manager, office of the Archæological Superintendent, is very much neglected and richly deserves the subvention of Government.

- (2) The temple of Brahmēśvara at Brahmadēśam, one mile south-west of Mandagappattu in the Villupuram taluk of the South Arcot district, is also epigraphically important. The central shrine is covered all round with Chola records of the first quarter of the eleventh century A.D. Many other inscriptions were found buried below the earth and could not be copied for want of time and convenience. The temple deserves early conservation.
- 20. Subjoined is the statement under the main heads of expenditure of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy during 1917–18:—

#### Expenditure.

|                 |              |         |        |      |       |     | RS.    | A. | P. |
|-----------------|--------------|---------|--------|------|-------|-----|--------|----|----|
| Assistant Archa | eological Su | perinte | endent | • •  |       |     | 6,000  | 0  | 0  |
| Establishment   | ••           | • • •   |        |      |       | • • | 9,059  | 7  | 5  |
| Temporary esta  | blishment    |         | • •    |      | • •   | • • | 94     | 3  | 1  |
| Assistant Super |              | travell | ing    | *• • | • •   | • • | 717    | 13 | 0  |
| Establishment   | ravelling    | • •     | • •    |      | • •   | • • | 1,906  | 6  | 6  |
| Contingencies   |              |         |        | • •  | • •   | • • | 4,261  | 12 | 8  |
|                 |              |         |        |      | Total | ••  | 22,039 | 10 | 8  |

#### Receipts.

5 12 8 Sale of garden produce

- 21. Stone inscriptions copied at the following places are registered in Appendices B and C:
  - I. Anantapur district.—Twenty-three \* villages in the Madakasira taluk and forty-nine + villages in the Hindupur taluk.
  - II. South Arcot.—Panaiyavaram, Ennayiram, Kandamangalam, Vriddhachalam, Kugaiyūr, Tiruvarangam and Brahmadēśam.
  - III. Ganjam district.—Athogodo, Pratāpūr, Pālūr, Phulta and Mahēndragiri.
  - IV. Kistna district.—Bezwada, Pedana, Dondapādut, West Vipparru, Ghantasāla, Ghantasālapālem ‡, Dharmaghōshtam ‡, Ennammapādu ‡, Pennērammapādu ‡, Kōṭadibbalu ‡, and Masulipatam.
  - V. Kurnool district.--Kolimigundla, Kotapadu, Perusomula, Yerragudi. Hanumantagundam, B. Uppalūru, Kovelakuntla, Akumalla, Ardavidu and Rēmata.
  - VI. Madura.—Kalluppatti ‡, Tirupparangungam and Mettupatti.
  - VII. Ramnad district.—Lakshmīpuram (Ramnad).
  - VIII. Tanjore district.—Perumuļai, Korukkai, Ambaļ, Kōyil Tirumāļam, Tirukkollambūdūr, Tirumakkottai, Kūhūr, Tukkachchi, Tiruvidavayal, Mādarvēlūr and Tiruvādi.
    - IX. Tinnevelly district.—Kalugumalai and Marugaltalai and sixteen § villages in Tenkāśi and Kadaiyanallūr firkas and three villages in Alangulam tirka of the Tenkāśi taluk.
    - X. Trichinopoly district.—Tirumāņūr ||, Tirumukkūdal, Somūr, Nayināmalai and Kadambarkōyil.
    - XI. Vizagapatam district.—Rāmatīrtham.
  - XII. Pondicherry, French Settlements—Tiruvāndārkōyil.

Thirty-nine other villages were also examined but contained no inscriptions.

Two hundred and sixty-six other villages were also examined but contained no inscriptions.

Visited but contained no inscriptions.

Fifty-four other villages were also examined but contained no inscriptions.

Visited but contained no inscriptions.

## Programme of tour of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the field season of 1918-19.

| amber.       | Name of                  | the ville        | age.     |       | District.                       |   | Nature of the Archæological remains or the work proposed to be done.   |
|--------------|--------------------------|------------------|----------|-------|---------------------------------|---|--|
|              | AFlaces re               | ported to        | o conta  | in in | nscriptions by the A            | rchæolog                                | ical Superintendent or other officers.   |
| 1            | Ālattur                  | ••               |          |       | South Arcot                     |   | Reported to contain old temples with i   |
| 2            | Àvūr                     |                  |          |       | North Arcot                     |   | Soriptions.  Contains many inscriptions.   |
| 3            | Ayyampāļayam             | • •              | • •      | ••    | 1                               |   |  |
| 4            | Baradamangalan           |                  |          | • • • | 0.1.                            |   |  |
| 5            | Chittoor                 | ••               | •••      | .,    | Other                           |   | Rock inscription.  |
| 6            | Chōdavaram               |                  |          |       | /1.3                            |   | - 10   |
|              | ,                        |                  |          |       |                                 |   | houlder on the bins of the river Godava  |
| 7            | Conjesveram              | • •              | ••       | • •   | Chingleput .                    |   | Many inscriptions not copied in previous   |
| 8            | f) - d =                 |                  |          |       | Caust Same                      |   | yeare.   |
| 9            | Dādāpuram                | • •              | ••       | • •   | 1 1-1                           | • ••                                    | Reported to contain inscriptions   |
|              | Ganalavaram              | ••               | • •      | • •   | Kistna                          | • | Inscriptions in the ouvarnesvarasvam temple.   |
| 10           | Ilavampatți              |                  |          |       | Salem .                         |   | in far in the second   |
| 11           | Kalayai                  |                  |          | • •   | North Arcot                     |   | The Contract of the Contract o |
| 12           | Kattuvappallaip          | atti             |          | ••    | 101-                            |   | - 1 ear - 7 4 - 14 4 - 2 - 2 - 2 - 2 - 3 - 3 - 7   |
| 13           | Kiliyanur                | •••              |          |       | 10 11 4 1                       |   | Demonstrate and the self-terminate the fi  |
|              |                          |                  |          |       |                                 | • •                                     | scriptions.  |
| 14           | Lokanahalli              | • •              | • •      |       | Coimbatore .                    |   |  |
| 15           | Madam                    |                  |          |       | N741 A4                         |   | ported by L. A. Cammiade, Esq.   |
| 16           | Madam<br>  Madura      . | • •              | • •      | • •   | 34. 3                           | ••                                      | (n) 1  |
| 17           | Mahabalipuram            | • •              | • •      | • •   | 1.00                            | ••                                      | 1 m 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1  |
| 18           | Mailavaram               |                  |          | • •   | Carlina                         | • |  |
| 19           | Marakanam                | ••               |          | • •   | South Arcot                     |   | 17) - 4-3 4 4 13 7   |
| ĺ            | •                        |                  |          | • •   |                                 | •••                                     | scriptions.  |
| 20           | Munnür                   | ••               | • •      |       | Do.                             |   | The de   |
| 21           | Nelakota Ava ne          | ar (Põl          | avarar   | m).   | Godavari                        |   | "A Buddhist stopa" and mecriptions.  |
| 22           | Niśśańkadurga            | • •              |          |       |                                 |   | Reported to contain inscriptions.  |
| 23           | Olagāpuram               | • •              |          | • •   | South Arcot                     | ••                                      |  |
| 24           | Ponņēri                  | ••               |          |       | Salem                           |   |  |
| 25           | Pulal                    |                  |          |       | Chinalana                       |   | tion.  |
| 26           | Šakkodi                  | ••               | ••       | • •   | Calc.                           | • • •                                   | Reported to contain old inscriptions.  |
| 27           | Salem                    | • •              | • •      | ••    | Do                              | •                                       | 1014   |
|              | 4                        | • •              | ••       | ••    | 100.                            | ••                                      | voir.  |
| 28           | Singavaram               | ••               | • •      | ••    | South Arcot .                   | • ••                                    | To copy fully a Pallava inscription by moving a wall.  |
| 29           | Singaperumalko           | yil              |          |       | Chingleput .                    |   | Rock-cut cave with inscriptions.   |
| 30           | Sūņāmpaţţu Vill          | ı <b>väkka</b> r | 11       |       | Do                              |   | 1 Douglas and a state of the first term of the important   |
| 91           | Tadmus                   |                  |          |       | a .                             |   | tions.   |
| 31<br>32     | Taduvayi                 | • •              | ••       | • •   | Ohi                             |   |  |
|              | Tennër                   | ••               | ••       | • •   | Chingleput .                    | • • •                                   |  |
| 33           | Tirukaņģji               |                  |          |       | French territory                | (South                                  |  |
| 34           | Tirumalpādi              |                  |          |       | Arcot).                         |   | scriptions.  |
| 35           | Tribhavani               | • •              | ••       | • •   | North Arcot<br>French territory | (South                                  | Reported to contain inscriptions. Reported by Mons. Dubreuil to contain.   |
| 1            |                          | • •              | ••       | ••    | Arcot).                         | (South                                  | scriptions.  |
| 36           | Trichinopoly             | ••               | ••       | •     | Trichinopoly                    |   | To copy the lallava Grantha inscription  |
| 37           | V eligoņķa               |                  | ••       |       | Nellore                         |   | newly discovered. Reported to contain inscriptions.  |
| B.— <i>I</i> | laces taken trom I       | ur. Sein         | ell'a lä |       | •                               |   | cted to contain inscriptions of historical value.  |
|              | Avalur                   |                  | # ***    | 0)    |                                 | cape                                    | now to consule their specions of historicus value.   |
| 1 2          | Avajor                   | • •              | ••       | • •   | South Arcot<br>North Arcot      | ••                                      | 1 }  |
| 3            | Bhadrachalam             | ••               | ••       | ••    | Godavari                        | ••                                      | 1  |
| 4            | Sembedu                  | ••               | ••       | ••    | South Arcot                     | ••                                      |  |
| 5            | Velluru                  | ••               | ••       | ••    | Do.                             | • | ••••   |
| ,            |                          |                  |          |       |                                 | • | ' I J  |

Guncar district—Tenali taluk. Tinnevelly district—Tenkasi taluk (Alangulam firka). Tanjore district—Shiyali taluk. Bellary district—Harpanahalli taluk.

APPENDIX.
A.—List of copper-plates examined during the year 1917-18.

| 1         |  |                      |   |  |                     | ,                                   |                                    |  |
|-----------|--|----------------------|---|--|---------------------|-------------------------------------|------------------------------------|--|
| No.       | From whom received.  | Dynasty.             | King.   | Date.  | Language,           | Disposal of the original.           | Where and by whom to be published. | Remarks.   |
| -         | The Superintendent, Government Museum, Madras.                                       |                      | :   | Saircahana-<br>Saka 431,<br>Sarvadharin,<br>Pirattasi 13.                      | ramil               | Returned to the owner.              | ·                                  | The date is wrong. But Kali 4631 ouriously enough corresponds to the cyclic year Sarvadharin. This is evidently another forgery of the type of No. 1 of Appendix A to the Annual Report for 1999 and No. 6 of Appen-   |
| C1 .      | The Reddy of Siveram, through<br>the Tahaildar of Madukasira,<br>Anantapur distriot. | :                    | :<br>:  | Śaka le66,<br>Rudbirōd-<br>garin, Sra-<br>vaņa, su. di.<br>prathama,           | Кяпатеве            | 130.                                | :                                  | dix A to the Annual Report for 1910. See above part 1, paragraph 15.  Refers to the foundation of a village called Chandrasékharapura by Medakert-Nayaka son of Mahanayaka Kamageti Karturi Barananna-Nayaka, on which occasion the right of worship in the temple of Hamumanta at Chilirapuri was claimed by a certain Ranga.   |
| <b>60</b> | M.B.y. J. Ramayya Pantulu<br>Garu, Retired Deputy Col-<br>lector, Madras.            | Western<br>Chalukya, | Vinayāditya - Satyāsraya<br>Narendradēva.                           | Śaka 512,<br>Sadbaraņa,<br>Maghu, św.<br>4s. trayodasi,<br>Monday.             | Sanskrit<br>(Nagari | Will be acquired<br>for the Muscam, |                                    | charys, the pricest of the Pombolala-Gopalas-vanni temple, which the Nayaka granted. Similar to Ny. 12 of Appendix A to the Annual Report for 1906. The inecription is evidently a forgery. The name of the village granted is not clear, three to four lines at this phase heirs writted.   |
| *         | M.R.Rv. M. Kulidasu Garu,<br>High Court Vakil, Guntur.                               | Telugu-<br>Choda.    | Sambhu-Chòdadeva of the<br>Kusa family, residing at<br>Velluhapura. | 50th year  | Do.                 | Returned to the owner.              |                                    | below Part II, paragraph 7.  Incomplete. Registers the gift of the village Kurmaduru on the bank of the Tungabhadra by the king on the occasion of the installation of his two sons Agastigara Choda and Shamuukha-Choda as yvaralias The village was divided into four shara two  |
| •         | Do.  | Vіјауаля ga-<br>r-   | Sada siva-Maharaya  | Saka 1478,<br>Nala, Sra-<br>vans, ba. di.<br>jashtmi,<br>jayanti.<br>Thursday. | Do.                 | Do.                                 | :                                  | of which were given to the gods Agastyésvark at Mandhara and Kumarasramin at Tamrapura. The third was given to his own purchit and the fourth to the worshippers, servants, -tc., of the two temples.  These are the missing third and fourth plates of No. 24 of Appendix A, to the Annual Report for 1917 with which the grant is complete. Registers the grant, with all the incomes, of the village Marripundi surmamed Raghunaldhapuram situated in the Valandadu division of the Kondardu. |
|           |  | -                    |   |  |                     |                                     |                                    | weholar and astronomer Sarva-Burta, who belonged to the Yaska-gotra and Apastamba-sutra and was a Yajurredin. He was the son of Knodu-Bhatta and grandson of Sarva-Bhutta and was a resident of the village Penumpusli as also a devotee of the god Gokaranadeva. The gift was made on the representation of the king's minister Rama-raja.  |

A.—List of copper-plates examined during the year 1917-18-cont.

| No. | From whom received.   | Dynasty.            | King.   | Date.                                       | Language.             | Disposal of the original. | Where and by whom to be published. | m Remarks.   |
|-----|---|---------------------|---|---|-----------------------|---------------------------|------------------------------------|--|
| 80  | M.R.Ry. larini Charan Rath,<br>B.A., District Munsif, Aska,<br>Ganjam district. | Bhaṇja              | Netribhanjadéva alias Kalyanakalasa.                    | :   | Sanskrit<br>(Nagari). | Returned to the owner.    | :                                  | Registers the tax-free gift of the village Arataha in the Vasudevekhanda-vishaya by the king to some Brahminas some of whom were of the Vajasaneys:-charana and Kanya.   |
|     | Do.   | 1)0.                | Maharaja Vidyadharabhanja-,<br>deva alias Avayyakalusa. | :   | Dø.                   | Do.                       | :                                  | gakhā while the others were of the Vateagotra. The king was the son of Bapahhanja-deva, the great-grandson of Satrubhanjadeva. Shakes that the king granted, tax-free, the vilage Mula-Machhada in the Machhada named [tta]-Parandara, son of Devadasarman and grandson of Harbissarman of the Vajasanjeva, the Brandara, the Brandara of the Vajasanjeva, the Brandara the Brandara of the Vajasanjeva, the Brandara the Brandara the Brandara of the Vajasanjeva, the Brandara the Bran |
| œ   | Do.   | Do                  | Netribhanjad <b>e</b> va<br>Kalyapakulasa.              | :   | Do.                   | Do.                       | :                                  | was the son of Silabhanjadew, granden of Digbhanjadew, granden of Digbhanjadew, granden of Ranabhanjadewa and the great-grandson of Records the tax-free gift of the village Macholhada in the Machhakhanda-vishaya hy the king to Bhafttal Rudada, the son of Kesuva and the grandson of Charamya.vamin   |
| o,  | Do.   | [Eastern<br>Ganga]. | Muharaja Śri-Indravarmadeva                             | :   | 30.                   | Do.                       | :                                  | of the Vajusandya-charana and of the Vater-gotra. The king's ancestry is the same as in No. & above. Registers the grant of some land in the village Amershings of the Julamvora-vishaya by the king to Svamisarman, son of Bhathaputra, of the Vajasana. (1.c., Vajasaneya), charana,   |
| 10  | Do.   | Bhañja              | Yasabhamjadèva, ruling over<br>the [Khi]njalidésa.      | [3]rd year<br>Karttika, śu.<br>di. ekadası. | Do.                   | Do.                       | :                                  | kanma (e., Kanva)-gakha and Jaukarna-<br>gōtra. The king is said to have been the<br>lord of Kalinga; and Svetakadhishana is<br>mentioned.  Records the grant of the village Komyana in<br>the Voda-rushaya with all its income to the<br>Dikshita Jagadharafarman, of the village<br>Padhuradapadhaka in the Kortanarénga-<br>vishaya. The donee belonged to the Bharad-  |
|     |   |                     |   |   |                       |                           |                                    | vaja-gotra and Madhyandinyu-sakha ahd was a student of the Yajur-veda. He was well-versed in the Srauta and Sumarta rituals and was strong in astronomy ([iy]dis-tastra.] The grant was made on the uchohayana-skadasi day in the bright half of the Kartika month when Vishpu is believed to wake up from his tour-months' sleep.   |

A.-List of copper-plates examined during the year 1917-18-cont.

| 1   A.B.F., V. Bengelbary   Date)   Parady   Expension   Parady   Paradon    |            |  |                      |  |   |                                |                          |                                    |  |
|--|------------|--|----------------------|--|---|--------------------------------|--------------------------|------------------------------------|--|
| 1   1   1   1   1   1   1   1   1   1  | Xo.        | From whom received,  | Dynasty.             | King.  | Date.   | Language.                      | Disposal of the original | Where and by whom to be published. | · emarks.  |
| 18   Sri Raja Sahib of Mandess, Gardern   Anantavatrnaddva   Saka (nave Sanekrit in Bo   | =          | V. 1, w.A.,  | Eartern<br>Chalukya. | Jayasithhavallabha-Muharaju<br>(i.e., Jayasithka I).                     | Karttika,<br>Paurpame-<br>sya, Viebu-<br>vadina.                                    |                                | Returned<br>owner.       |                                    | States that the king grantel the village Kombaru lying one gayyuta to the south of the vishage Vlenturu in the Kanthafu lyativishaya, to a scholar in the Vedas and the Sastras named Somasarman, who was the son of Svamisarman and grandson of Devasar.  |
| 14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 The Andria Salitya Parishat.  12 The Andria Salitya Parishat.  13 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 Do.  12 Do.  13 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 Do.  12 Do.  13 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 Do.  12 Do.  13 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 Do.  12 The Andria Salitya Parishat.  12 The Andria Salitya Parishat.  13 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 Do.  12 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 The Andria Salitya Parishat.  18 The Andria Salitya Parishat.  19 The Andria Salitya Parishat.  10 Do.  11 Do.  12 The Andria Salitya Parishat.  12 The Andria Salitya Parishat.  14 The Andria Salitya Parishat.  15 The Andria Salitya Parishat.  16 The Andria Salitya Parishat.  17 T | 81         | Sri Baja Sahib of<br>Ganjam district.                              | Eastern<br>Gunga.    |  | (nava-<br>ika-sapta-<br>i) 9[76]<br>h year.   | ol<br>s<br>rr,<br>1 a<br>lua). | Do.                      | :                                  | man. The last was a Taithriya Brahmsoharin of the Gargya-gotra and a master of the four Sastus.  Registers the gift of the village Machipatharakhanda [in] the Maljenten-bib., a to a certain Ulapase by Rapa Sir-Dharmakhedi, son of Mahamapdakefevara Kanaka Sir-Bhamakhedi of the Kadamva (i.e., Kudamba) fumily, the old of five vishayas (pairchaylayadhipath). |
| The Andhra Sahitya Parishat - Chalukya.  Patrika office, Madras  Do. Barvaloksáraya Vishnuvar - Chalukya.  Do. Barvaloksáraya Vishnuvar - Chalukya.  Do. Barvaloksáraya Vishnuvar - Mithum.  Do. Do. Barvaloksáraya Vishnuvar - Mithum.  Ilé The Deputy Tahaildar of Poptira je of the Solar race and Saha 1304, Do. Do. Br.  Kistaa district.  Kistaa district.  Kistaa district.  Kistaa district.  Nallapareddi, son of Vijayanaga Virapurtapa Ranaraja Saha 1566, Taluga Do. To. Tr.  Hindapar taluk, Anandapar raya.  Ad. Parisha ha.  Kistaa district.  Kistaa dis | <b>89</b>  |  | Do,                  | 8071   | ~   | . <b>:</b>                     | Do,                      | :                                  | and people of the Parhohapatra-vishaya.  The plates are so very faintly engraved in characters of about the 9th century that it is almost impossible to read them. Resister the grant of the village Tampaudi in [Saint Lvishaya. The dones's name is not clear.   |
| 16 The Deputy Tahaildar of the Bolar race and Saha 1304, Do.   | <b>4</b> . |  | Eastern<br>Chaļukva. | Sarvaldkekraya Vishnuvardha<br>na-Maharaja alias Chalukya-<br>Bhuna (I). | Śaka 814 manu-<br>vasu, Mesha,<br>Chaitra, ba<br>di, dvitlys,<br>Monday,<br>Maitra, | Do .                           | Do.                      |                                    | The grant was issued from Kalinganagara. Records the gift of a land growing 1,000 are cannt trees, another land sowable with 50 khandhas of paddy-seed and a house-ste in the village Attili in the Attili-vaslays, to the songstress Challava who was the daughter of Mallana, the son of Thundaka  |
| The Deputy Tahaildar of Fentapadu, Tannku taluk, Anuntapur taluk, Anuntapu |            |  | Do.                  | Sarvaldkästraya Vishnuvar-<br>dhana-Maharaja. sak firms                  | Mithuna.  |                                | Do.                      | :                                  | who was no less than an apsaras in beauty. Much mutilated and incomplete. One or two plates missing. The order of the gift made to allahusan (name lost) of the Bhastardyalus offers is addressed to the committee of the contraction.   |
| M.R.Ry. Venhataroddi, son of Vijayanaga- Virapratapa Ramaraj., Suka 1666, Telugu Do. Nallapareddi, Buohepalli, ra. Venketapatirayadova-Maha- Srimuvha, Chaitra, su, distriot.  |            | The Deputy Tahsildar<br>Pentapadu, Tannku talu<br>Kistna district. | :                    | Undiraja of the Solar race and<br>the Hurita gotra.                      | ndu]<br>gha,<br>da<br>urada   |                                |                          |                                    | Registers the grant by the king of the village Ravulaparti, surnaming it Undisapuran, to a number of Brahmans as an agranare. It also records the names of a dozen other villages similarly granted by him to Brahmans.  |
|  | 11         |  | V јауапада-<br>га.   | Ramara)<br>ntirayulova-Maha  | 1666,<br>ou'bha,<br>itra, <i>śu</i> ,<br>aŭcham1.                                   |                                | Do.                      | :                                  | Suravaram. This is a sale-deed executed by three individable of the village Potalapari to two other individuals weiving permanently the right of collecting certain taxes payable to them, for the consideration of 60 ghati-varabalu received as the commutation amount.  |

A.—List of copper-plates examined during the year 1917-18-cont.

| 1  |  |                    |        |   |                     |                              |                                    |   |
|----|--|--------------------|--------|---|---------------------|------------------------------|------------------------------------|---|
| ¥° | From whom received.  | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language.           | Disposal of the<br>original. | Where and by whom to be published. | Remarks.  |
| 18 | M.R.Ry. Rama Rao, Contractor, Lepakhi (same taluk and district).           | :                  | •<br>• | Saka 1602<br>Durnati,<br>Vaisakha,<br>su. di tritiya.                               | Telugu              | Returned to the owner.       | :                                  | States that, while Lingoji-Pandita was governgoid the Karnataka kingdom from Penugonda-pattana as a subordinate of Akhanna-Pandita, the younger brother of Madanna-Pandita, the younger brother of Madanna-Pandita who was the heat of Brahmans and the chief officer of the King of Bhagnagar, Nañjuppa of the Kamakayana-Viskamitragotra, Asvalayana-sutra and Rikesakha who was the sthaja-karnam of Lepakshi in the Roddhanati-sthaja in Penugonda-rajya gave some land in that village to Kumaraya of the Bharadvaja-gotra, Apastamba-sutra and Yajus-śakha, who was the aradhya at Lepakshi. It registers also the gift of rates on pack-bullocks, shops, looms and murriages to the same Kumaraya by the samayins of Ayyavaji, otc., the Vaisyas of the 102 gotras, the representatives of mathas the Yajamanas of the Lepakshi-sthala, etc., assembled in the temple mandapapa ot that place for dajly offerings and lamps to the god |
| C. | The Village Munsiff of Some-ghatta, (Hindupur taluk, Anantapur distriot).  | :                  |        | Saka 1416,<br>Bahudhanya<br>(wrong),<br>Karttika,<br>śu.<br>Paurņima,<br>Wednesday. | Do. :               |                              | :                                  | Nafijundesvara. States that a cortain Pedda Ahöbalareddi who was a divan under Mahamandalesvara Krishnadsvaraya who was ruling at Penugond built a temple to Ahöbala Madhugiri. Lakshmi Nrisinhasvamin at comagnativa in accordance with the direction given to him by the deity at Ahöbalam in a dream. Begisters the gift of the village Kinirallalallalishin the Goranțla-samutu by the Kinirallapallo in the Goranțla-samutu by the kinirallaged and come gold for lamps to the god and of certain contributions by the   |
| 90 | The Shrotrlysmdar of Yajnasettipalli (Hindupur taluk, Anantapar district). | Vijaya-<br>nagara. | :<br>: | :   | Banekrit in Nagari. | ;<br>O                       | :                                  | karnam of Somaghatta.  The record is incomplete, only the first 3 plates of the set remaining. It stops with the partial description of the qualities of king Strianga, the son of Pedda Venkatapati who was the second son of Strianga, the son of the great Ramaraja who was the minister of Sadasiya. See the genealogical table, Epigraphia Indica Vol. III, page 238. The king is stated to have been crowned by Takayarya.  |

| No. | From whom received.                                    | Dynasty. | King.   | Date.   | Language.                     | Disposul of the original.  | Where and by whom to be published. | Кетагкв   |
|-----|--|----------|---|---|-------------------------------|----------------------------|------------------------------------|---|
| 21  | The Tahaildar of Madakasira (same taluk and district). | i        | Maharaja Bukkaraya  | Śaka 1306,<br>Prabhava,<br>Phalgupa,              | 1305, Kanarese and va, Nagari | and Returned to the owner. | :                                  | The Saka date falls into the reign of Virunak-<br>sha I predecesor of Bukka II. Registers<br>in detail the incomes that the guarding<br>officers (kavulu-doregalu) of Madakasirya   |
|     |  |          |   |   |                               |                            |                                    | were to get from the several classes of people, residing in the village. Also specifies the incomes that the ayagaras (i.e., the village servants) of cortain villages were to  |
| 22  | The District Judge, Madura                             | :        | Baya Vijaya-kaghunatha<br>Tondaimanar, ruling over the<br>Madurai-nadu. |   | Tamil                         | Do.                        | :                                  | Begisters the grant of land at Karaippatti, hambet of Palentwidan made by the king for certain services and charities to be con-  |
|     |  |          |   | Tai, 4,<br>Friday, św. di.<br>pańchami,<br>Uttara |                               |                            |                                    | duoted at the time of the festivals of the god<br>Bala-Suhrahmanya on the Palani-hill on the<br>bank of the Shapmukhanadi in the Vaigavur-<br>nadu. The grant was executed in favour                                      |
|     |  |          |   | Phalguni),<br>Antitayoga,<br>Balaya-ka-<br>rana.  |                               |                            |                                    | of Subrahmanya-Udanyar, son of Fulittolu<br>Mallikarjuna-Udaiyar, residing at the Palmi-<br>shetotra. A certain Dalhr Vehkatarayar was<br>given land and entrusted with the charity.<br>The coin Rajagopali is mentioned. |

B.—Stone inscriptions copied in 1917 (continued from last Annual Report).

| · o      | Place of inscription.  | Dynasty.          | King.  | Date.                          | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
|----------|--|-------------------|--|--------------------------------|---------------------------|---|
| \$<br>\$ | On the north wall of the central shrine, in the Agasty 6 frara temple at Thrumukkudal. (Karur taluk, Trichinopoly district). | ral<br>Il.<br>is- | :  | 26th year                      | Tamil .                   | Records a sale of land as a tax-free dovadana by the residents of llangar, a village in Adaintradus aubdivision of Kelira "llantake-valandus to the temple of Madurantaka Isvaramudaiyar at Naguram Madurantakupuram in the same nadu. The vendors agreed to pay the taxes on the   |
| 160      | On the same wall   | :                 | :  | :                              | Do. :                     | Beginning and end lost. Seems to register a sale of land. Mentions Kehariyasikhamani-chaturvedimangalam and the channel Matru-vaykkal.  |
| 191      | ъ  | :                 | :  | 25th year                      | Do                        | Built in in the middle obtunts (nagaratton nadu which was a   |
| 192      | Do. :  | :                 | <u>:</u>   |                                | Do                        | to the temple of Madurantaka-Isvaramudajyar at Madurantakapuram in the same nadu.  Beginning lost. Seems to record that the assembly of Kshatuyasikhawani-chaturvadimangalam agreed to pay the taxes on certain lands sold by them to the same temple from the interest on the money received by them.  |
| 193      | On the west wall of the same shrine.   | eu                | <u>:</u>   | 25th year                      | Do                        | i i   |
| 40       | On the same wall   | Chola             | Parakbsarivarman [ <i>alias</i> ] Udaiyar<br>Kajôndra-Chôladôva I. | 6тг. 15 + 22nd (kij.)<br>усяг. | . :                       | subdivision of Korala-nadu, apportioned the tax-free devadana lands of the temple of Maduranta-Isvara-mudayar which were situated in Kshatrisikhamani-olaturvēdinanigalum, Sattanjur, and Ilanagar in Adajūrnadu, Isvardinanigalum, Sattanjur, and Ilanagar in Adajūrnadu, Strikaranavitėnka und Unapurumėsvali.  Incomplete. Resords a sale of land to the temple of Madurantaka-Isvarutu-Mahadėvas & Madurantakapurem by the great assembly of Kshatriyasikhamani-chaturvėdimangalam, abrahmadėva in Tattaigaja-nadu, a subdivision of Keralantuka-valanadu. Thie fragment below it seems to register a gift of land to a private individual who was found on examination fit by the odioer (adhikaria) Irunandišėja-Mivoluduslaka to conseoration of the cod |
| 1998     | Do.<br>On the south wall of the same<br>shrine.  | Chola             | Parakekarivurman aline Rajendra-Chola-deva.                        | 27th year 3rd                  | . :<br>Do. :              | properly.  End lost. Gift of gold for a lamp.  End lost. Gift of gold for a lamp.  End lost. Brilt in at the end. Heens to register a grant of 25 veli of land, by Rajarajadva who was pleased to take his sent in [Raja]strya, unade at the instance of Damo[darahhav]; ian of Radalangui who was the madhyaeta (nadavirukkum), to the temple of Mahadéva at Tirumukkudal in Tajtaiy-nadu, a subdivision of Kérajantaka-valanadu.  |
| -        |  | -                 |  |                                |                           |   |

| 1917—cont    |
|--------------|
| Ë            |
| opied        |
| -            |
| inscriptions |
| -Stone       |
| m            |

| Date. Language and alphabet, | huvana- 15th year Tamil  | 21st ,, Do R   | 17th Do Becords the gift of a gold diadem to the temple of Thrunom-bannessune at 106 temple of Thrunom-balar-ferametware at 106 temple of Thrunom | made out of the fines collected from the defaulting templo gervants, by the survey officer (ulagalavitta) Tiruvadigal Sattan who inquired into the expense of the temple.  Gift of land by a private individual to the temple. | :                | Do Gift of gold for a day-lamp to the temple of Tirunounbalur-Paramétera, by a lady of Dovanappelli in Keralantaka. | Kilaka, Tai, 16 Do Registers the sale of a temple land, by the residents of Dévagapapalli in Inthalya-nadu, a subdivision of Kera- | Mecords that a certain Nutralaivayan Tennishanan Ejuvan alias Davaganning History Arizan Conserved to the control of the contr |  | added to those already belonging to the temple and the managers of the temple agreed to take care of them and | Do Unfinished. Mentions the devadana lands of the same | 6th year Do Gift of gold for a lamp to the same temple, by Pirantakan | Prajotpatti, Vai. Do: Much damaged. Mentions Ramachandia-Nayarkar-Ayyan. Seems to record the privileges of the Panchalapattargal. | Saka 1439, Isvara, Do Bu Puehya, su. di. Paurajima.  |
|------------------------------|--|--|---|--|------------------|---|--|--|--|---|--|---|---|--|
| ty. King.                    | Rajakésarivarman alias<br>ohakravartin Vira-Pandyad                            | •• Rajaraja-Kajakdsarivarman (Rajaraja I).   | <br>Do.   | :  | alias            | <br>Do.   | :  | :  | Parakésariyarman                               |   | •  | Farakésariwarman  | :   | Virapratapa Vira-Krishnade[varaya]   |
| Dynasty.                     | Kongu-<br>Pandya.  | Choļa  | Do.   | :  | Chola            | ,<br>10,  | :  | :  | Chola  |   | :  | e cuois   | : (   | Vijaya.<br>nagara.   |
|                              | alls of the<br>shrine in   | the central<br>raramudaiyar<br>une taluk, and  | :   | wall of the same   | :                |   | :  | On the west wall of the mandapa in front of the same shrine.   | wall of the same                               |   | •  | On the south aide of the race   | the Varadardias and the hear the hill at Naylnamalai (Namakkai taluk same district).  | On the north and west walls of the Svaysmbhunathasvamin temple at Perumulal (Mayavaram taluk, Tanjore district). |
| Place of inscription.        | On the north and west walls of the Afjalakshi Amman shrine in the same temple. | On the south wall of the central shrine in the Somesevaramudalyar temple at Somur (same taluk, and | on the same wall  | On the east we   | On the same wall | G   |  | On the west we front of the  | On the south wall of mandapa. On the same wall | <u> </u>  | Š Š  | On the south ai   | the Varadara<br>the hill<br>(Namakkal ta  | On the north and west wall Svayambhunathasvamin at Perumulai (Mayavara Tanjore district).                        |

B.-Stone inscriptions copied in 1917-conf.

|      | •   |                                    |                            |                      |     | TO THE PROPERTY OF THE PROPERT | opied in rotal   | •                         |                |  |
|------|---|------------------------------------|----------------------------|----------------------|-----|--|--|---------------------------|----------------|--|
| No.  | Place of inscription.   | ription.                           |                            | Dynasty.             | y.  | Ring.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | ge and<br>set. | Кетатка.   |
| 211  | On the south wall templo. On the same wall  | of the                             | <b>98</b> €:               | Chola                | :   | Tribhavanaohakravartin Rajarajadevu  | 3rd year   | Tamil<br>Do               | : :            | States that this temple (tirumalai) was built by Edirilisolar alias Pallavarayar, the headman of Ukkal.  Records gift of 1500 kash by the wife and the daughter of Tirunattapperunal, the beadman of Kedal in Tondai. mandalam for offerings to the image of Dukchinamuri set up by them in the temple of Mulaitac Aspañar at Bournalis was a kernedata.   |
| 913  | Do.   | : :                                | : :                        | . Do.                | : : | Tribhuvanachaktavatún Tribhuvanavíradéva.<br>Kulöttunga-Choladeva  | 37th year and 129th<br>day.<br>15th year and 175th<br>day.                 | Do                        | : .            | refullight which was a challengue, in Vigiriatit, a purdivision of Jayangondasola-valanadu.  Gift of 500 kasu by the wife of the chief mentioned in No. 212 above for a lamp to the temple of Mulaittadevar.  Fragments. Registers gift of land free of taxes to the temple of Vikamachölisuranndaiyar at Perumulai which was a brahmadeya of Vilai-nadu in Jayangondasola-mandalam.   |
| -216 | On the west wall of the mandapa in<br>front of the central shrine in the<br>Virattesvara temple at Korukkal | the maps<br>al shrine<br>de at Kol | dapa ii<br>in the<br>rukka | :                    |     | :  | :  | Do                        | :              | Beginning built in. Gives a list of lands probably belonging to the temple and mertions Rajanarayan-chaturvedimangalam in Viradarajabhayankara-valanadu.   |
| 216  | <u> </u>  | listrict).<br>1 of the             | 9 <b>8</b> 8m9             | е Vijayn-<br>nagara. | œ.  | Virapratapa Devaraya-Maharaya  | Saumya, Karttigai,<br>15.  | Do                        | :              | Built in at the beginning. Seems to refer to a settlement between the Valangai 98 and the Idangai 98 oast a regarding the transfer of twee nearble by them   |
| 217  | On the same wall  | :                                  | •                          |                      |     | Vira-Bukkaraya, son of Vira-Ariraya (i.e.,<br>Harihara II).  | Śaka 1327, Par-<br>tbiya, Mina, śu.di.<br>ashtami, Friday,<br>Mrigasirsha. | Do                        | :              | Records the sale of the village of Knottungs solars. Records the sale of the village of Knottungs solars. Karupen to Tiruyambahamudaiyan Tondaimanar by Sellappillai alias Sembiyan Konar, the headman of Kilifijalur in Kunukkai-nadu, a subdivision of Vadagarai-  |
| 218  | Do.   | :<br>:                             | :                          | :                    |     |  | Parthiva, Panguni<br>10.   | Do                        | :              | Nindars, incorrest the village mentioned in No. 217 above, for worship and repairs to the temple of liruvirate and the second of |
| 219  | Do.   | :                                  | :                          | Chōļa                | :   | Tribhuvanachakravartin Kulöttunga-<br>Chöjadera, 'who was pleased to taka<br>Madurai (Madura), Ijam ('eylon),<br>Karurur and the orowned head of tue<br>Pandya.'   | 2[9]th year  | Do                        | :              | Industriant in the form of the form of the form of the form of maintaining the servants of Tiruppalliyarai, the configuration of a cave (guhai) called Tirunavukkarasii-tirukkuhai, for feeding the destitute aphrvins who visited it and the Mahesearas who attended the testival of Liruvaigasitinal at Kurukai alias Vikramasola-chauradimangar.  |
| \$20 | Do.   | :                                  | :                          | Do.                  | :   | [Tribhuvana]ohakravartin Kajarajadeva  | 12th ,,  | Do. :                     | :              | lam in Kurukkai-nadu, a subdivision of Virudarajabhayan-kara-vajanadu. Refers to the recitation of tiruttandagam in the temple. Fragments. Register a gift of money for five lamps.  |
| 221  | Do  | :                                  | :                          | Do.                  | :   | Tribhuvanachakra[va]rtin Ra[ja]raja-<br>deva (III).  | [1]3th year, Kanni,<br>ba. di. dvadasi,                                    | Ð. :                      | :              | Registers a gift of money for a lamp to the temple of TiruvIrattanam at Kurukkai, by a native of Kavanur in  |
| 232  | å   | :                                  | :                          | D°.                  | :   | Tribhuvanacha[kra]vartin Rajadhiraja-deva, 'who took Madura and Ceylon.'   | Thursday, Dvati.   | Do. :                     | :              | Forgruft-nadu, a sundivision of Oyyarkonder-valendu. Damaged. Seems to record a gift of land to the temple of Tiruyirstifanam-Udaiyar at Kurukkai in Kurukkai-nadu, a subdivision of Virudarajabhayankara-valenadu.  |
|      |   |                                    |                            |                      |     |  |  |                           | -              |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

|         |                            |          |             | - |          | - | •  |   |             |                           |  |
|---------|----------------------------|----------|-------------|---|----------|---|--|---|-------------|---------------------------|--|
| ,<br>,  | Place of inscription       | oription |             |   | Dynasty. |   | King.  | Date.   | Lang<br>alp | Language and<br>alphabet. | Вешагка.   |
| 223     | On the north wall mandapa. |          | of the same |   | Chola    | : | Tribhuvanachakravartin Kajarajadeva  | 19th year   | Tamil       | ·<br><u>:</u>             | Becords the names of a number of temple servants obtained by purchase and free gift by the same temple during the reign of this king and that of Tribhuvanachakravartin Kulottunga-Choladéva and Tribhuvanachakravartin Rajadhirajadéva. Mentions also Vagur alias Jayasinga-kulakala-chaturvedimangalam, Agint alias Rajanatayana ohaturvedimangalam in Kugukkin-nadu a subdivision of Virudurajahahayankara-valanadu and Vilainagar alias Nittavinoda-chaturvedimangalam in Vilai-nadu, a subdivision of Jayangonda [80]a-valanaqu.              |
| 224     | On the same wall           | :        | :           | : | Do.      | : | Tribhuvanachakravartin Bajadhirajaddva.  | a. [6]th year, Mithuna su. di. tritlya, Saturday, Puna r. vasu. | D9.         | :                         | Registers a gift of land, free of taxes, for offerings and flowers, to the temple of lituvitathanamudaiyar at Kurakkai alias Vikramasõla-chaturvedimabgalam in Kurukkai-nadu, a subdivision of Virndarajabhay-nikaravalanadu, by purchase from the village assembly of Korukkai who owned it for a period of 50 years as it had  |
| 22.     | Do.                        | :        | :           | : | Do.      | : | Tribhuvanaobakravartin Tribhuvanaviradeva, 'who having taken Madura, Madura), Ilam (Gevion), Kauuvirand the crowned head of the [Pa]pdya, was pleased to perform the anointment of the crows and the anointment of | a- 32nd year  | . Do.       | :                         | neither claimants nor cultivators.  Gift of money for two lamps to the same temple.  |
| 22.6    | Dø:                        | :        | :           | : | Do.      | • | iohakravartin Kulottung<br>ra, 'who was pleased<br>dura and the orowned he   | to tami, Monday, rand tami, Monday, Uttirathadi.                | Do.         | :<br>:                    | Records a gift of land for lamps to the same temple. These lands were variously situated and included those purchased during the 5th and 7th years of the king.  |
| 227     | Š                          | :        | :           | : | Do.      | : | Tribhuvanachakravartin Kulotunga-<br>Chōladeva, who was pleased to take<br>Madura, Ilam (Ceylon), Kongu,<br>alias Virasõjamandalam, and the  | a- 26th year, Simba,<br>te ha, di. dvittya,<br>n, Monday,       | Do.         | :                         | Unfinished. Records the sale of a house to the temple. Provision was made for the baling of water from an adjoining well and for taking water by digging a channel.  |
| æ<br>eq | Do.                        | :        | :           | : | Do.      | : | Tribhusal adbakusattin daya, Rajadhirajadesa, 'who was pleas d to take Mudura and Ijan (Ceylon).'  | a. 13th year  | Do.         | :                         | Gift of money by a lady named Araiyan Umaiyalyi belonging to the Periya-Agapuarivaram for offerings to the temple of Tiruohohannundisvaramudaiyar and to the images of Tiruohohannundisvaramudaiyar and Atkondanayakadeva set up by her in the temple at Panaiyur which was adevadana of Gangaikonducholisvaramudaiyar and was situated in Knrukkai-nadu, a subdivision of Virudarajabhayankara-valanadu. The supply of paddy for the said purpose by the lady was discontinued and the Sivabrahmanas received the amount and revived the obarity. |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| and Remarks.              | Records that the servants of the temple of Udaiyar Tiruvrațțanumudaiyar at Tirukhurukkai nn Kurukkai-nadu, a subdivision of Virud-rajabhayarikara-vajanadu, ratified the grant by which they had paid into the temple treasury in the 19th year of Periyadevar Kajarajadeva 60 kasu and agreed to burn cumphor to the image (?) of Abhimanabhūshana from the interest accruing on it. | Unfinished. Registers a gift of land by purchase, for lamps to the same temple, by a lady of Kaduvangudi who | pant 2,000 Kasu for the purenase of the sand land.  Unfinished. Records that a certain Sivadavaju-Perunal alias Kalingurayaji, mude a gift of land in Kulottuniga-sojanallar which was separated from Kulvikkaj alias Vikranasoja-ohaturvelijuangalam, for the requirements of the service called Sivadavajaperunal sandi to be conducted in the interval of the early morning and | Damaged and incomplete. The introduction is the same as in the inscription No. 79 of South-Ind. Inscs., Vol. II, | Records a gift of money by Neumalikilan Tiruvegambamudaiyan Kandaiyaharanan of Vidaiyur, a villege in Palaiyandr-nadu, a subdivision of Manavil-köttam which was a district in Jayangondasõla-mandalam, for the purchase of land free of taxes for Tirujfanasamlandar monastery (guhai) and for meeting the expenses of the | monastery out of the interest accuming on it.  Seems to register a gift of land for lamps to the temple of Tiruvira itanianudaiyar.  | Incomplete. Mentions the conquests of the king and the Siva and Vishau temples in the Chola-mandalam to which he granted tempseion of taxes. | Fragments. Mentions Melur alias Aristava-Nerkunram in Amba-nadu, the tank Paliyanji-eri and Kaluppa-larayan.                | Fragments One of the pieces mentions the conquests of Kulöttungs III viz. Madura, Ilam (Ceylon), Karuvur and the crowned head of the Pandys. |
|---------------------------|---|--|--|--|---|--|--|---|--|
| Language and<br>alphabet. | Tamil   | Do   | ъо   | Do. :  | ъо  | Do. :  | Do   |   | Do   |
| Date.                     | 2nd year  | Lost   | 14th year, Mina,<br>śu. di. ohatur.<br>dasi, Wednes-<br>day, Makha.  | :  | 38th year, Makara,<br>su, di. ekadasi,<br>Saturday,<br>(Rohini).  | Lost   | Śaka 1409 (mistake<br>for 1489), Iśvara,<br>Pushya, [śu. di.]  | paul rūs jmi.   | :  |
| King.                     | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Choļadēva.  | Tribbuvanachakravartin Kajarajadeva  | Do.  | Parakssarivarman <i>alias</i> Tri[bhuvana]-<br>ohak[1ava]rtin Vikrama-[Choladsva].                               | Tribhuvanachakravartin Tribhuvanaviradeva, 'who having taken Madura and Ilam (Ceylon), Karuvir and 'he orownch head of the Pandya, was pleased to perform the anointment of heroes and the anointment of victors.   | Tribhavanachakra[vartin] Thibhavana-vara[de]va, 'who having taken Madura, [Jiam] (Geylon), Karuvor and the orowned head of the [Paṇdya], was pleased to perform the ancintment of heroes and the ancintment of | Virapratapa Vira-Kriebpadevaraya-<br>Maharaya.   | :   | •  |
| Dynasty.                  | Chōla   | Do   | Do   | Do   |   | Do. :  | Vijaya-<br>nagara.   | :   | :  |
| Place of inscription.     | On the same wall  | ъ  |  | On the east, north and west walls of the Chandesvara shrine in the   | same valls  | On the west wall of the same shrino  | On the north wall of the Ganapati shrine in the same temple.   | On the west and south walls of the central shrine in the Brahmapurfeyara temple at Arnbal (Nannilaen taluk, same district). | On the north wall of the mandapa<br>in front of the same shrine.   |
| No.                       | 229   | 230  | 231  | 232  | 233   | 234  | 7235   | 1236  | 237  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

|       | Diese of translation   |          |  | !                                    |  |                           |  |
|-------|--|----------|--|--------------------------------------|--|---------------------------|--|
|       | t ikue ut itteripuon.  | Lynasty. |  | King.                                | Date.  | Language and<br>alphabet. | Кепагкв.   |
|       | On the left entrance into the Somasskanda shrine in the same temple.                 | Chōļa    | . Rajarajadeva                         | :                                    | 10th year  | Tamil                     | Gift of money for two lamps by a merchant of Amhar, to the temple of Edirilioholisvaramudaiyar at Vaigavur   |
|       | On slabs built into the east wall of the first prakara of the same temple.           | :        |  | :                                    | :  | Do                        | state currensola-verguingm in Ambar-nada, a subdivi-<br>sitio of Uyyakkondar-valanada. Fragmenta. Refer to gifts of land for worship made in the<br>fifth and nith years of Rajardaday.  |
| . 240 | On the south wall of the first prakara of the Magaies vara temple at Koyil Tirumalam | :        |  | :                                    | •  | Do                        | Þ  |
| 241   | (sme tauk and district). On the same wall  | Chōļa .  | Tribhuvana oh                          | Tribhuvana ohaktavartin Rajarajadeva | 4th year   | Do                        | Records that certain lands in Iramudisolanallur which was a devadana of the temple of Tirumagalamudaiyar at Ambar in Amb |
| 242.  | Do   | Do       | Tribhuvanaohakravartin<br>[Ohō]ļadēva. | ikravartin Knlottunga.               | 9th year, Rishabha<br>8, Saturday,<br>Pushya.                            | Do. :                     | valandd, were purchased for the requirements of the monastery (guhai) ealled Pelisattalagisan and that Prince (villa) Kalingarayar ordered that the taxes on the said lands be assigned to it.  Regords that certain garden lands, previously given to (god?) Savuri of Kannapuram free of all taxes, were now sold to the temple of Tirumagalamudaiyar for the festival of the god, by the assembly of Korniamadevi-chairuryodimantalam, as the said Savuri was disnessed of the  |
| 243   | Do   | Do       | <del></del> :                          | Do                                   | loth year, Dhanus,<br>ba. di, Wednes-<br>day, Hasta.                     | Do                        | ĕ  |
| 244   | Do   | Do.      | Tribhuvanachakravart                   | kravartin Rajarajadéya               | 21st year and 80th day.  | Do.                       | In accordance with the order of the king issued on the 20th year and 348th day of his reign, that the lands held by persons who proved treacherous should be sold in public auction (Rajaraha-peruvila) for prince to he eved hyperetics.  |
| 246   |  | Do:      | <u>-</u>                               | Do. :                                | 6 + 1st year,<br>Dhanus, ba. di.<br>chaturdasi,<br>Wednesday,<br>Anusha. | Do.                       | revenue officers, and that the sule-deeds should be given to purchasers eigned by the officers of the taxation department, the holdings of two individuals at Gunaganantalimantgalan in Panaivurnadu were forfeited. Mentions the temple of Gunatafagisaramudaiyar. Records that the assembly of Mudigondasola-chaturvedimangalan which was a brahmadoya in Panaiyar-nadu, a subdivision of Kalottungaséala-valanadu, made provision for offerings to the goddess Ayyannadévi-Nachchiyar in the temple of Tirungagalanduyar for the welfare of the tring illuminalized.  |
| 246   | On the north wall of the same prakara.   | Do       |  |                                      | 21st year and 80th day.  | Do                        | Refers to the order of the king as recorded in No. 244 above and registers the sale of land so forfeited.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| On the north wall of the same Ohola . Tribhuvamedakravartin Edjartjadeva . 21st year, Tubia. Tendi . Recents a sale of lined by Parkera.  Do. Hapayan Edgard Children and Chil | No. | Place of inscription.   | Dynasty. | Name of king.  | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.  |
|--|-----|---|----------|--|---|------------------------|---|
| Do. 1 Jakawaman Trithurananhakwaratin 18th year, Kumbha, hite bengalo of tiran make loaded in manible loaded in make loaded of tiran make loaded the same wall of the same of the same of the same wall of the sam | 14. | the north wall of   | ·        | Tribhuvanaohakravartin Rajarajadova  | year,   | :                      | _   |
| Do. 1 Jakavaman Trithuvanahakravartin 111 year, Kumbha, Do. 1 Grea the loundaries of the set of the seath of  |     | Printed   | •        |  | Wednesday,<br>Pushya.   |                        | Avūr-kūgram, a subdivisiom of Nittavinoda valanādu, to<br>the temple of Tirumagaļamudaiyar. States that Vaļa-<br>vaņ-Aņņiyūr and Irumudišolanallur in Ambar-nādu were   |
| Do   | 848 | Do.   |          | .latsvarman<br>kajarajan Sunc  | 13th year, Kumbha,<br>Su. di. tritiya,<br>Wednesday,<br>Sadayam (Sata-<br>bhishaj). | :                      | the devadanas of the same temple.  Gives the boundaries of lumudisõlanallur and hamlets included in Ambar and registers the sal number of lands situated therein. Mentions pad devaredigar and the temples of Avinuttisvaramud Nandisvaramudalyar. Sonanalltha devar and  |
| On the same wall of the mandapa   Chöp   Chibuvanachakravartin Rajarajadeva   Choideva   Chibuvanachakrav   | 349 | Do  |          | Jatavarman<br>Sundara-Paṇḍy  | rishika]<br>risohika),<br>shashti, l  | :                      | _ <u>~~</u> .   |
| and district).  On the same wall.  Do [Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva] 20th year Do Damaged. Essens to rathe same wall.  Do Tribhuvanachakravartin Rulottunga- Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Damaged. Refers to Rajarajade Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Damaged. Gift of lax No Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Damaged. Gift of lax No Do Do Do Damaged. Gift of lax No Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do  | 250 | (in the couth wall of the mandapa<br>in front of the central chrine in<br>the Bilvanatheévara tempie at<br>Tyrukkollambudur (same taluk |          | Tribhuvanaohakravar  | + 1st<br>Mesha,<br>chaturdasī<br>day, Sitti   | Do                     | Records that Aruvandai Araiyan Svetavanapperumal alias Kalingarayan of Ambar purchased gertain lands from the temple at Tirukkollambūdūr in Segrūr-kūggam, a subdivision of Arumolidēva-vaļanādu and gave other lands   |
| Do Tribhuvanachakravartin Kulottunga-  Do Tribhuvanachakravartin Kulottunga-  Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Do Do Do Do Baniged. Gift of lar No Do Do Baniged. Gift of lar No Banigas of Tirunllah Lost the same tample.  Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Baniged. Gift of lar No. 250, shove.  Corlon the east, north and west walls of the Padya performed the ancintment of the Saundaryanayaki-Amman vidtors.  On the same tample.  Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Baniged. Gift of lar No. 250, shove.  Corlon Karuvtrand hadrara, Who having been pleased to the Padya performed the ancintment of victors.  On the same tample.  Do Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva Lost Do Baniged. Gift of lar no. 250, shove.  No. 250, shove.  Timages of Tirunllah magniyar set up in the manitum to the Radya performed the ancintment of victors.  Villages, for offerings and out panitument of victors.  The first-mania in the same temple.  Do Baniged. Bigg and out to first panitum and the commont. All the first-mentioned udaryan gand his consort, and Aving banidaryanachaki. All the first-mentioned udaryan gand and an interpretationed udaryan gand panitum dayan gand and an interpretationed udaryan gand and an interpretation of the gand and an interpreta  | 761 | :   |          |  | :   |                        | Damaged. Zeems to register a gift of paddy for services in<br>the temple of Tirukkollambadarudanyar. Mentions the<br>temple of Rajarajósvaramudanyar and Abimuttisvara-   |
| Do   | 252 | :   |          | Tribhuvanacha<br>Choladeva,<br>Madura and  | year<br>3th day.  | Do                     | Damaged. Refers to a grant made in the 29th year of Kulöttunga-Choladeva who abolished the tolls'.  |
| On the east wall of the same  On the east wall of the same  On the east wall of the same femple.  On the east, north and west walls  of the Saundaryanayaki-Amman  shrine in the same temple.  On the sat, north and west walls  of the Saundaryanayaki-Amman  of the Saundaryanayak | 523 | :   |          |  | Lost  | :                      | Damaged.  |
| On the east, north and west walls of the Saundaryanayaki-Amman shrine in the same temple.  | 54  | wall of the   |          | [Tribhuvana] ohakravartin [Kulott Choladeva], who having been I to take Madurai (Madura), (Ceylon), Karuvūr and the crowne of the Pandya performed the ament of [heroes] and the anointm | year  |                        | Built in at loth ends. Seems to provide for offerings to the images of Trunnlakandattuppananar and Sivalohada-maniyar set up in the temple.   |
|  | 99  | On the east, north and west walls of the Saundaryanayaki-Amman shrine in the same temple.   | :        | V100.018.  |   | Do                     | Stones missing and out of order. Gift of lands in several villages, for offerings to the images of Kulnganda-Madeva and his consort. Nirajittamenmulai-Nachohiyar, Attampeniya-Alagar and his consort, Alkkondanayakaddva and his consort, and Aviumultisvaran-Udaiyar and his consort. The first-mentioned goddess was set up by Ferumurudaiyan Sangan alias Amerakōnār. |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|             |   |                    | The more than a second trees.  |   | •                         | The state of the s |
|-------------|---|--------------------|--|---|---------------------------|--|
| No.         | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Romarks.   |
| 256         | On the north wall of the central shrine in the Janapuriévara temple at Tirumakkottai (Mannargudi taluk, same dietriot). | Chola              | [Tri]bhu[vana]ohakravartin Rajarajadéva<br>(III).                    | 10th year, Simha,<br>sn. di. trayodasi,<br>Sunday, Sravana.               | Tamil                     | Records a gift of land free of taxes to the temple of Tiru-<br>maiy[a]nam-Udaiyar at Tirumaiyana Mummudisela-<br>nallur, the western handet of Kulöttungusela-chaturvedi-<br>mangalam, a hrahmadeya of Purangarambai-nadu, a sub-<br>division of Kajendraséoja-valanadu.   |
| 257         | On the same wall  | :                  | <u>:</u>   | Sabbanu, Karttigai,<br>10, su. di. ash-<br>tami, Monday.                  | Do                        | Incomplete. Records that Timmappar, son of Mallu-Ravutlar built a shrine for Periyanachohiyar, in the temple of Meykku-Nayinar at Tirumérkottai in Vandayunatu, set up an image of this goddess and made provision   |
| 258         | On the north and west walls of the same shrine.   | :                  | :  | İsvaru, Parațțadi,<br>15.   | Do                        | States that a certain Stragapperumal-Pillai appointed a person to look after a lamp.   |
| 259         | On the same walls   | :                  | :  | Virodhikṛit, Tai, 2   | Do                        | Registers an order to the mahajanas of Palaiyur alias Bhupatirayapuram, that the old method of levying taxes in grain for the protection of the country must be revived, instead of the then prevailing outton of collecting both in grain and money. Mentions Manali in Tirumelkoţţai-  |
| 260         | On the west and south walls of the same shrine.   | Paņ <b>dy</b> a    | Maravarman Tribhuvanachakravartin<br>Bhuvanêkavîran Kulasêkharadêva. | 22nd year, Karka-<br>taka, su. di.<br>prathama,<br>Thursday, Pusam        | Do                        | nadu a subdivision of Vandali-nadu. Registers a gift of land to the shrine of Sokkavinayaka-<br>Pilliyar at Avisčttai by Meykundadovan Sokkanayan<br>alua Vijaya-Gandagopalan of Arasavagur, a village in<br>Vandalai-nādu which was a subdivision of Rajendrasola-  |
| 261         | On the same walls   | Vijaya-<br>nagara. | Achyutadeva-Maharaya   | (Pushya). Dunmukhi, Tai 20, Makara, su. di. prathama, Monday, Sahkranana. | Do                        | valanadu. Giba to the temple of Mekku-Nayaṇar at Tirumer-Gift of land to the temple of Mekku-Nayaṇar at Tirumer-Gift of Parasaṇa-Muda-liyar of Koyaṇ-peḍu for the merit of the king.   |
| <b>3</b> 62 | Do :  | Choja              | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva                                  | 31st year   | Do                        | Gift of land to a matha on the southern side of the temple of Tirumayanam-Udaiyar by one of the mudaliyars of the Vadakkilmadam at Tiruwarar. The order registering the grant was issued by Tribhuvanakkaduvetti.  |
| 263         | Do  | Pandya             | Maravarman Tribhuvanacbakravartin<br>Bhuvanekaviran Kulasekharadova. | 22nd year, Karka-<br>taka, su. di. pra-<br>thama, Thurs-<br>day, Pushya.  |                           | Built in at the bottom. Seems to register a gift of land. ontents almost similar to that of No. 260 above. The record gives full power to the donee to alienate the land as he chooses. Mentions Vijaya-Gandanga.  |
| 797         | On the south wall of the wane shrine.   | :                  | ::   | Śaka 147[6],<br>Ānanda, Tai 30.   | Do                        | Gift of land for offerings to the temple of Meykku-Nayinar by a certain Nayinar-Pillai.  |
| 265         | On the same wall  | Chōļa              | Tribhuvanaohakravartin Rajarajadéva                                  | 31st year   |                           | Records an order of Karnagapperumal alias Rafja]rafjalkaduvetti remitting the taxes on certain lands granted to the mutaling role for matha on the southern side of the temple of trumeyyanan-Udaiyar (vide No. 262 above).  |
|             |   |                    |  |   |                           |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Ž              | Place of inscription.  | -   | Dynasty.  |   | King.  | Date.   | Language and | pur | Remarks.   |
|----------------|--|---|-----------|---|--|---|--------------|-----|--|
|                |  | -   | •         |   |  |   | and an       |     | And the state of t |
| 266            | On a pillar set up in of the same temple.  | the mandapa                                     | Chola     | : | Rajaraja-Bajakesarivarman'who destro-<br>yed the ships at Salai.'  | 13th year   | Tamil        | :   | The pillar is set upside down and the beginning of the inscription is built in. Records that the assembly of Palatys-Sembiyannahadevi-chaturvedinangalam, which was a brahmadeya on the southern bank (of the Kaverl), issued, in place of an old document which was lost, a new sale-deed to a certain Parakesari-Vilupparaiyan, the headman of Puravar-Uiliur for certain lands which were irrigated by Kulamanikappereri in Korganallar and which they had purchased from him. Refers to about the which they had purchased from him. Refers to about the which they had purchased from him. Refers to about the was pleased to mount a wall (madijeri alundaralina), who   |
| 267            | On the same pillar   | :   |           | : | Kulottunga-Choladeva   | 3rd ,,  | Do           | :   | Gift of money for a lamp. Mentions Kulöttungasõla-<br>chaturvedimangalam a brahmadeya in Purangarambai-  |
| 268            | <u>5</u>   | th walls<br>in the                              | Paṇḍya    | : | [Magayarman Kula]60kharad6[va.]                                    | :   | Do           | :   | nadn, a subdivision of Kajendrasoja-vajanadu.<br>Fragment.   |
| 698            | tanganatha-rerumat cemple in the same village.  On the same walls                              | ur endum  | :         |   | :  | Kalayukta, Avapi,<br>5.                               | . Do         | :   | Seems to record a gift of land, free of taxes, by the order of Saluva Rafia-Nambiyar to the temple of Tiruvarangap-<br>forumal at Tirumorkof thall in Vandali-nadu, a subdivi-   |
| 270            | Do.  | :   | :         |   | ;  | Vyaya, Arpasi, 9                                      | Гю           | :   | sion of Rajaraja-vajanādu. Damaged. Seems to record a gift of land by Vira Narasin-garāya-Nāyaka to the same temple for a lamp.  |
| . 971<br>. 972 | On the east wall of the mandapa in front of the same whine. On the east and north walls of the | ņģapa in<br>lls of the                          | Vijayana- |   | Aohy utaraya   | Manmatha, Masi,<br>20.<br>Śaka [1]46[8],<br>Durmukhi, | Do           | : : | Becords that a certain Pirumalai-Settiyar constructed a new oar to the same temple and conducted festivals.  Damaged. Records a gift of land for offerings to the same temple for the merit of Achyutaraya by a native of  |
| 7273           | = <u>₽</u>   | of the central<br>Amrayanésyara<br>(Kumbhakonam | Chola     | : | [Tribhuvanachak]navartin Kulottunga-<br>Chojadeva.                 | Purațțasi, 6.<br>3[4]th year                          | Do           | :   | Tondai-mandulam.  Built in at the beginning. Records a gift of land to the temple of Trumanbalamudaiya-Mahadeva at Kugur in Trimagaiyur-nadu a subdivision of Kulottungasola-valendu, hy a nativo of Vahoanassar in Purabagasanbal-  |
| 274            | taluk, same district).<br>On the same wall   | :   | Do.       | : | Chakravartin Kulottunga.Chojadeva                                  | 38th ,,   | Do.          | :   | nadu, a subdivision of Rajendrasola-valunadu. Gift of land for expenses connected with the shrine of Tiruppalliyerei-Nambirattiyar in the same temple by the merchants of Virudarajabhayankarapuram in Tirunagai-  |
| 275            | Do.  | :   | Do.       | : | Ra[ja]ra[ja]kesarivarman, 'who destroyed<br>the ships [at Salai].' | 12th ,,   | Do.          | :   | yur-nadu, a subdivision of Kehatriyasikhamani-valanadu. Built in at the beginning. Gift of land by the residents of Kuhur in Tirunagaiyur-nadu to (the image of) Pillai Nambi-Aruranar who sang (i.e., composed) the Tiruppadi-  |
| 276            | Do   | :   | Do.       | : | Rajaktsarivarman alias Rajarajadeva                                | 36th ,,   | Do.          | :   | yam hyrrus. Built in at the beginning. Gift of money for a lamp to the temple of Adityesvaramudaiyar at Kaller.  |

## No. 1172, Home (Education), 6th September 1918.

| So the same will Chies   Date of inscription   Date of inscription   Date of the same will Chies   Date of the same will   D | Ì  |             |           |          | ٠           |         | B.—Stone inscriptions copied in 1917-cons.    | copied | in 191 | 7-00 | 2¢.                       |  |
|--|----|-------------|-----------|----------|-------------|---------|---|--------|--------|------|---------------------------|--|
| 277 On the same wall Obda Rajawajakesari[varnan] [Ežjaraja I] 9th yest Tamil   | N  |             | Heription |          | <del></del> | ynasty. | King.   | I      | Date.  |      | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| 270 Do Do Rajakesarivarman alias Kalottunga. 27nd ,, Do Do   | 27 |             | :         | •        |             |         | Rajarajakesari[varman] (Rājaraja I)           | 9th    | увиг   |      | [kmi]                     | Records sale of land to the temple of Aditavisvaramudai-<br>ya-Bhashjarakar at Kurur by certuin persons who were<br>unuble to raise the money for paving the finas imposed   |
| 280 Do   | 27 | <del></del> | :         |          |             |         | Rajakesarivarman alias<br>Chojadeva.          |        | •      | :    |                           | on them.  Enumerates the lands made tax-free and given to the temple in the 20th, 21st and 22nd years of the king's r ign and mentions Vijayarajendra-obaturyedimangulan a hashman   |
| 281 On the north and west walls of the Do Rajarajakesarivarman alias Adhirajandadeva Srd ,, Do Bajarajakesarivarman (Rajaraja I) . 7th ,, Do Do  | 2  |             | :         | •        |             |         |   | 14th   | 2      | :    |                           | déya in Tirunaraiyur-nadu which was a subdivision of Uyyakkondar-valanadu.  Records a gift of land by purchase for a lamp to the temple of Aditta-favaramudaiya-Mahadeya ut Kurur by a marchant residing in (the street called) Tribhuyanamaha-  |
| 282 On the same walls Do Kulottunga-Chojadova 19th .,, Do  284 On the same walls Do Kulottunga-Chojadova 19th .,, Do  285 On the same walls Do Kajakesarivarman[alias] Tribhuvanachak- 49th .,, Do  286 On the west wall of the same shrine.  286 On the west wall of the same shrine.  286 On the west and south walls of the Do Rajakesarivarman alias Raja- 22nd ., Do  287 On the same wall Do Rajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ., Do  288 On the west and south walls of the Do Rajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ., Do  289 On the same wall Do Uttama-Choja 2nd ., Do  | 88 |             | :         | •        |             |         |   | 8rd    | :      | :    |                           | Dentiperanged, outside ranjavur in lanjavur-kurgam. Mentions Videlvidugin Tukkachohi-ohaturvedimengelam a brahmadeya in Tirunagaiyur-nadu. Damaged. Kegisters a gift of land to a certain individual who had daily to regite the Tiruppadiyam twice hefore   |
| On the same walls Do Kulottunga-Chojadeva 19th ,, Do Balatavartin Kulottunga-Chojadeva 18th ,, Do Britable of the same shrine.  286 On the same walls Do Rajakesarivarman[lias] Tribhnvanachak 49th ,, Do Britable of the west wall of the same shrine.  286 On the west wall of the same shrine Do Rajarajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ,, Do Rajarajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ,, Do Rajarajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ,, Do Go  | 88 |             | vest wal  | le of th |             |         | Rajarajakesarivarman (Rajaraja I)             | 7th    | :      | :    |                           | Mambalamudalya-Manaddya for (the recovery of the healthjof?) the king. Mentions Vilekkolimangalam. Gift of land for lamps to the temple of Adityesvaramudalya-Paramaswamin at Kururin Tirunapain nadu by Nambam Pranagangan at Manadangan Paramaswamin at Kururin Tirunapain nadu by Nambam  |
| 284 On the same walls Do Rajakesarivarman alias Tribhnvanachak-49th ,, Do 285 On the west wall of the same shrine. 286 On the west and south walls of the book of the same shrine. 286 On the west and south walls of the book of the same shrine. 287 On the same wall Do Rajaraja-Rajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ,, Do 287 On the same wall Do Uttama-Choja 2nd ,, Do   |    |             | :         |          |             |         | Kulottunga-Choladeva                          |        |        | :    |                           | the measure called Mapsiavan, in righerial gut. Mentions the measure called Mapsiavan, the village Videlvidugues Tukkaohchi-chaturvédinangalam a brahmadéya in the same radu and refers to the 7th year of the reign of Parakeariyarman. Records a sale of land to the temple at Kurur by a native of Sattangudi in Tirunarai. Vorrandu a subdivision of Kahariyasikhamany-valanadu. |
| 285 On the same walls Do Rajak6sarivarman[alias] Tribhuvanachak- 49th ,, Do 1285 On the west wall of the same shrine.  286 On the west and south walls of the Do Rajaraja-Rajak6sarivarman alias Raja- 22nd ,, Do 1286 On the west and south walls of the Do Rajarajak6sarivarman (Rajaraja I) 7th ,, Do 1287 On the same wall Do Uttama-Choṭa 2nd ,, Do   |    |             | and sou   | th wall  |             |         |   | 18th   | 2      | :    |                           | revenue survey.  Built in at the beginning. Begisters a gift of land by a private individual for worship in the shrine of the  |
| 286 On the west wall of the same shrine Do Rajaraja-Rajakesarivarman alias Raja- 22nd ,, Do 286 On the west and south walls of the Do Rajarajakesarivarman (Rajaraja I) 7th ,, Do 287 On the same wall Do Uttama-Choja 2nd ,, Do   |    |             |           |          |             |         | Rajakssarivarman<br>ravartin Kulottu          |        | 2      | :    |                           | iruppalliyagai-Numbirattiyar.<br>Much damaged.   |
| On the same wall   |    |             | the same  | 9 shrine |             |         | Rajuraja-Rajaksanivarman alias<br>rajadeva I. |        | :      | :    |                           | Gift of land to the temple of Aditta-İsvaramudaiyar at Kurür<br>in Tirunagaiyür-nadu a subdivision of K-hatrivasikha-  |
| On the same wall Do Uttama-Chola 2nd ., Do   | শ  |             | outh wal  | la of th |             |         | Rajarajakosarivarman (Rajaraja I)             | 7th    | 2      | :    |                           | muni-valanddu. Refers to a revenue survey of land. Relates to the gift of land for 3 lamps by the same individual mentioned in No. 281 above and refers to gifts of  |
|  | 28 | .~          | 1         | }        |             |         | Uttama-Chola                                  | 2nd    | =      | :    | Do                        | land made in the 7th, 8th and 9th years of king Parakeserivarman. Gift of land by purchase for offerings and worship to the same temple.   |

## B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| :          |                       |          |        |                      |         |          | <b>1</b>  |              |              |                           |          |  | , |
|------------|-----------------------|----------|--------|----------------------|---------|----------|---|--------------|--------------|---------------------------|----------|--|---|
| №.         | Place of inscription. | f insori | ption. |                      | γ.<br>- | Dynasty. | King.   | Date.        |              | Language and<br>alphabet. | and .    | Ветагка.   |   |
| 288        | On the south shrine.  | wall of  | of the | <b>68</b> m <b>6</b> | ()bola  |          | Rajakesarivarman aliss Chakravartin<br>Kulottunga-Chojadeva.                          | Damaged      |              | Famil                     | :        | Incomplete. Seems to register a gift of land to Kulottume gasolapporumpalli at Kurenr alias Kulottumgasolanallur in Tirunagayur-nadu a subdivision of Kulottumgasolav valandadu, and the devadana of Tiruvallamkitsaranna  |   |
| 289        | On the same wall      | :        | :      | :                    | Do.     | :        | Kajurajaksari [varman] (Rajaraja I)   | 6th year     | :            | Do                        | :        | dalyar, and lirumannbalanundalyar.  Damaged. Frovides for off-rings to the temple of Aditta- Iévaramudalya-Paramasvanin at Kürür in Tirunagalyur-  |   |
| 290<br>201 | Do.<br>Do.            | ::       | ::     | ::                   | Do.     | ::       | Do  | 7th "<br>Do  | ::           | Do<br>Do                  | ::       | nadu.<br>Gitt of 90 sheep for a lamp to the same temple.<br>Gift of 90 sheep for a lamp to the came temple. The donor<br>was Raierbin-Pullavarniyan of Kuvalalan one of the  |   |
| 282        | Do.                   | :        | :      | :                    | Do.     | :        | Parak68arivarman  | 9th year     | :            | Do                        | :        |  | ~ |
| 293        | Do.                   | :        | :      | :                    | Do.     | :        | Tribhavenachakravartin Kulo[ttunga]-  | ga]- 49th ,, | :            | Do:                       | <u>:</u> | a certain Astrasiva. Gift of land for a Hower-garden. Mentions Mudigonda-  |   |
| 762        | Do.                   | :        | :      | :                    | Do.     | :        | Coopadea.<br>Rajarajakésarivarman <i>alias</i> Rajarajadéva<br>(1).                   | 27th ,,      | :            |                           | :        | soft pperstu and rentainsofte-1894 annuallys-managers. Unfinished.  Trumam balanudalyst at Knur by ihree lidies one of whom was the wife of Vayiri Kuttferan alias Solavijjadira   | 1 |
| 296        | Ď.                    | :        | :      | :                    | Dø.     | :        | [Rajaraja-Rajakssarivarman] (Rajaraja<br>1).  | ., dj[e]     | <u>-</u>     |                           | :        | [Pallavaralyan] one of the officers of the lorundaram of king Rajarajaddwa.  Ring Rajarajaddwa.  Refers to a gift of land in exchange for lands already given for feativals to the temple of Aditte-favaramudaiya-Bha-   |   |
| 200        | Do.                   | :        | :      | :                    | Q       | •        | ,<br>Parekēsarivarman alias Rajendra-Choļa-<br>dēva,                                  | (7]tb "      | :            | Do                        | •        | shtaraka. Mentions the cannel ealled Kalidran-vaykkal. Much damaged. Registers a sale of land by the assembly of Tirupperundural which was a brah-madeya in Tirunaral yurnadu a subdivision of Kshatriyasikhaman-valanadu.   |   |
|            |                       |          |        |                      |         |          |   |              |              |                           |          | to the temple of [Aultyesvaram]-uduiyu-Muhadeva ut<br>Kurir. Refers to a revenus survey.   |   |
| 297        | Do.                   | :        | :      | :                    | ů.      | :        | Chakravartin Ku[15]ttungaChoļadeva  | 2[2]nd ,,    | :            | Do                        | :        | Gift of a land by purchase to the temple of Trumambala-<br>mudaiya-Mahadeva for feeding a certain number of persons  |   |
| 60<br>61   | Do.                   | :        | :      | :                    |         | :        | :   | :            |              | Do                        | :        | during Sunday festivals.<br>States that this stone templo was built by Madamudaiyar-<br>Varaguņa-to[ndar] whose figure is sculptured above the   |   |
| 66         | Do.                   | :        | :      | :                    | O       | :        | Rajarajak6sariyarman, 'who destroyed<br>the ships at Salai.'                          | [10]th year  | <u></u>      | υ <b>.</b> .              | :        | inscription.  Built in at the end, Gift of land and a house-site to the temple of Addite-Isvaramudalyu-Bhashfaraka for conducting the festival called Sittirai-tiruvila in the shrine of Nambi-Ardran.   |   |
| 300        | Do.                   | :        | :      | :                    | ů.      | :        | Rajakesarivarman alias Tribhuyana.  | 23rd ,       | <del>-</del> | Do                        | :        | Incomplete. States that certain land granted to the temple   |   |
| 108        | Do.                   | :        | :      | :                    |         | :        | Unkravarun Rujovanga-Luquueva.<br>Rajabseri[varman] alias Ku[lottu]nga-<br>Choladsva. | 2]2nd ,,     | <del>-</del> | .:                        | :        | Bailt in at the end and damaged.   |   |
|            |                       |          |        | -                    | -       |          |   |              |              |                           |          | Tradition designs and the contract of the cont |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| 808   Do.   | of the me shrin wall of                    | spdapa in  | Chola<br>Do.       | : | Baises to Rais becomine mon (Daises is 1)       | -                    |   | _             |       | ,  |   |
|---|--|------------|--------------------|---|---|----------------------|---|---------------|-------|----|---|
|   | Il of the massame shrine.                  | ni sqs pp  | Ď.                 |   |   |                      | 16th year   | :<br>E        | Tamil | •  | Built in at the end. Gift of land, by purobase, for a lamp to the temple of Aditta-Iévaramudaiyadèva by the wife of Vrasikhanamir-Pallavaraiyar. Menions the brahmadèya villa or Vidaiyalaidami. Takkadahainanamailmani.  |
|   | il of the ma:<br>same shrine.              | ui sąsba   |                    | : | Udaıyar sıt-Rajendra-Choladeva 1                | eva I                | 20th ,,   | :             | Do    | :  | galam. Built in at the end. Registers a gift of land by purchase by Maduiantakandevi, for feeding the persons who attendary.  |
|   | il of the max<br>same shrine.              | odspa in   | Do.                | : | Rajarajakésarivarman alias R                    | alias Rājarajadēva I | Lost  | _ <del></del> | Do. : | :  | ued the interfaces restrict in the completor Autroparase undealys. Mahadeva.  Dannsgad. Regreters a gift of land, by Vayirikuttégan alias Solaviljadira-Pallavaraiyan the headman of Kurur, for offerings to a shrine constructed by him in this  |
|   | il of the man<br>same shrine.<br>wall of f | pdspa in   | Ď.                 | : | Pa]rakesarivarman alias Kajendra-Choja          | jendra-Choļa-        | 5th year  | :             | Do    | :  | village which is stated to be extunted in Tirunagalyur-<br>nadu a sub-division of Musmadischa-valanudu.<br>Built in at the end and damaged. Gift of money for a   |
|   | wall of                                    | A. Borne   | Vijayana-<br>gara. | 3 | .uova 1.<br>Virapra tapa-Krishnadeva-Maha[18ya] | aha[raya]            | Saka 1426, [Bha]-va, fula, su. di.                          |               | Do    | :  | Jamp.<br>Built in at the end. Mentions Mambalamudaiya-Nayinar.  |
|   |  |            | :                  |   | :   |                      | [dssi].<br>27th year, Makara,<br>ba. di. Monday,<br>Pushya. |               | Do    | :  | Stones missing and out of order. Scems to register a gift of a house for a monastery (guhai).   |
|   |  | :          | Chola              | : | Tribbuvanaohakravartin [<br>Choladeva.          | [Ku]lottunga-        | 10th year   | <u>:</u>      | Do    | :  | Incomplete. Gift of land for a lamp to the temple of Tirumambalanudaiyar at Kūrūr by certain residents of Polymin dies Kilsbanland Ilur in Themspiritersadu a   |
|   | :  | :          |                    | : | Vikrama.Choladeva                               |                      | 8rd .,  | :             | Do    | :  | subdivision of Kulottungskola-valuadu.  Records that Madurantakan Sendan alias Virudaraja-bhayankura-Vayunatturayan of Puliuryur in Tirunarai-  |
|   |  |            |                    |   |   |                      |   |               |       |    | yurning the superpression of hence the same and and satisfactions as a state of satisfaction of Sattanguda in the same nadu sold lands in Arumolidevanallur to meet the expenses of the festival on the new-moon days and for feeding the devotees who attended the temple on the day of Sitting.   |
| 310 Do.   | :  |            | Ď.                 | : | Tribhuvanachaktavartin<br>Choladsva.            | Kulôttuṅga-          | 38th ,,   | :             | Do    | :  | Intury a tentral and the protection of a minimum in a compression of interests. If a manufaly a state of the |
| On the north and west walls, of the same mandapa. | and west wa<br>pa.                         | lls, of th | Do.                | : | V ikrama-Chôļa dēva                             | : .                  | [5]tb "   | :             | Do    | .: | unvision of renocularisations of the same temple by the assembly of Vijaiyarajendra-chaturvediusingalam a brahmadéya in Tirunanyi Trangu who met together in the temple of Ten-Tirukkajatti-Mahadé v  |

B.-Stone inscriptions copied in 1917-cont.

|  |   |            | <b>3</b>   |  |                           |  |
|--|---|------------|--|--|---------------------------|--|
| No.  | o. Place of inscription.  | Dynasty.   | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| တ  | 312 On the west wall of the sumspideps.   | same Chola | Tribhuvanaohakravartin Kulottunga.<br>Chöladeva.                           | 17th year  | Tamil                     | Gift of land for lamps to the same temple by a native of Sirralattur in Tirunaraiyur-nadu, a subdivision of Kahatriyasikhamani-vajanadu.   |
| တ်   | On the south wall of the same mandaps.  | ате Do.    | [Tribhuvana]chakravartin Ra[jarajadeva]                                    | 20th ,,  |                           | Fragmentary and stones out of order. Seems to record a gift of land for a flower-garden. Refers to Periyadevar Tribhuvanaviradeva and mentions Sirvarkadu in Ark.  |
| ø  | 314 On the same wall  | . Do.      | Rajakésarivarman alias Tribbuvana-<br>obaktavartin [Ku]lottunga-Chojadeva. | 6th ,,   | ъ:                        | <b>#</b>   |
| တ  | 316 Do  | Do         | Parakesarivarman alias Tribhuvana-<br>ohakravartin Kajarajadeva.           | *  | Do                        | Records a gift of land by purchase to provide for a processional image of the god set up in the temple.  |
| -\$°   | -816 Do   | :          | [Raja]ra[ja]   | trayotasi. 9th year, Mithuna, fu. di. prathama, Thursday, Punar- |                           | Unfinished. Gift of land by purchase for offerings to the temple of Tirumambalamudaiyar at Kurur in Tirumaraty raiyur-nadu, a subdivision of Kulottungasé)la-rajanadu. The land was sold by the assembly of Tukkachchi alias Vijaiyarajéndra-chaturvédimangalam in the same nadu |
| Se (4) Se | -317 On the south, east and north walls of the central shrine in the Netroddharakayamin temple at Panajvayayam (Villingam | the Chola  | Parakesarivarman alias Udaiyar 611-<br>Rajendra-Choladeva I.               | :  | Do                        |  |
|  | taink, South Aroot district).  318 On the south wall of the se shrine.  | ввше До    | Parakésarivarman alias Rajéndradéva  | 6th year   | . Do                      | Built in at both ends and incomplete. Begins with the introduction Boneshorely, etc. Gift of paddy for a lamp to the itemple of Paravail for a mundaire.   |
| 81   | 819 On the same wall  | Do         | Rajendradeva   | Do   |                           | native of Tandalam in Jayangondakola-mandalam.<br>Built in at the beginning. Gift of paddy for a lamp temple of Paravai-Isvaramudaiya-[Maha]deva in the of Paravaipuram in Purai[ynt]-nadu a subdivisio  |
| 320  | Do  | :          | :  | 8th уевт   | Do                        | Panaiyur-nadu which was a district of Rajendrasola. valanadu. Characters similar to that of No. 318 above. Built in at the beginning. Provides for offerings and lamps to (the images of ?) Rajendrasoladevar and Pare.  |
| 321  | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine.   |            | . :  | :  | Do.                       | <del></del>  |
| 833  | On the east wall of the same mandaptar.   | me Chola   | Parakésarivarman alias Udaiyar éri-Adhi-<br>rajendradeva.                  | 3rd year   | Do. :                     | <u> </u>   |
|  |   | 7          |  |  |                           |  |

| 7—cont.  |
|----------|
|          |
| Ö        |
| =        |
| .E       |
| ,,,,     |
| pie      |
| ٦.       |
| ~        |
| 8        |
| 90       |
| 8        |
| Œ.       |
| ם        |
|          |
| 8        |
| gó       |
| 8        |
|          |
| 9        |
| ₽        |
| 2        |
| m        |
| Ī        |
| $\infty$ |

| , o         | i          | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Кепатке.   |
|-------------|------------|---|--------------------|--|--|---------------------------|--|
|             | 88         | On the same wall  | :                  |  | :  | Tamil                     | Fragmentary. Mentions the temples of Paravai-Isvaramudaiyar and Rajendrasola-Vinnagar-Alvar. Makes provision, for maintaining a tencher in a free school, for watersbeds in front of the above-mentioned two temples and the mandaps called Rajendrasolain and for one who   |
| GG 99       | 824        | On the south wall of the first prakars of the same temple. On the same wall   | Рарфун<br>Do       | Magaverman alias Tribhuvanachakravartin Vikrama-Pandyadeva.<br>Vikrama-Pandyadeva                            | [5]th year 6th   | Do Grantha and 'tamil.    | Z Õ  |
| ~ w         | 826        | On the east wall of the same prakara.   | vijayana.<br>gara. | Kampupa-Udaiyar, son of Bokkapa-<br>Udaiyar.   | [Pira]ba (Frabha-<br>va), Panguni, 3.  | Tamil Do                  | And other requirements of the same temple.  Seems to record a gift of a garden for the merit of Muddu-Krishnappa-Nayagit of a garden for the merit of Muddu-Insertights edie of this inscription is obstructed by the images of the Nayagimar. Seems to record a gift of land.  Mentions Puravur Panangathur and Senbui in Vanagappadi-addu on the northern bunk of Pennii (Pennar).  Abyer it of framewort of on inservition in early character.  |
|             | 878        | On the south wall of the Batyam-<br>bika shine in the same temple.  | Do.                | Viruppaņa-Udziyar, son of Ariyaņa-<br>Udaiyar (Haribara II).   | Śaka 1312, Śukla.<br>Rataku, su. di.<br>Sunday, Mula.                                | Do. ••                    | ters which provides for various requirements of the temple of Maduratuka-Isvaramudaiyārat Paravaipuram in Puraiyūr-nādu, a suhdivision of Paṇaiyūr-nādu which was a district of Rajendrasõia-vuļanādu.  Resords a tox-1703 gift of the village of Kuṇṇalūr in Koliya-puranallūr-paṇu for worship, is estvals and repairs to the temple of Udaiyār-Kaṇṇamanda-Nayaṇār at 'lirupurravur Paṇaingattur alias Paravaiņurum in Poṇaiyūr-nādu, a subdivision of Paṇaiyūr-nādu which was a district of   |
|             | 329        | At the entrance into the second pra-<br>kare of the same temple, left side.<br>On the east, north, west and south<br>walls of the central shrine in<br>the Alagiya-Naradinga-Perunal<br>temple at EnnayIram (same | Do.<br>Chola       | Venkațapatideva-Maharaja<br>Rajakesrivarman alias Udaiyar éri-<br>Rajadhirajadeva.                           | Hevijambi, Arpasi<br>Soth year, Mna, éu.<br>di. Friday, Tiru-<br>vadirai (Árdra).    | Do                        | Rejaraja-valanadu.  Damaged. Mentions Muddukrishnappra- Nayakka.  Beginning lost. Bugins with the introduction Becords that the assembly of the free village etc. Records that the assembly of the free village (taniyur) Rajaraja-ohaturvedinangalam, a brahmadaya in Panajutr-nadu, a subdivision of Rajandasoka-valanadu met in the mandapa called Munmadisolam with  |
| ne (Edn.)—8 | 1 <b>8</b> |   | Vijayana-<br>gara, | Aobyutadeva-Maharaya, son of Virapra-<br>tapa Narasingadeva-Maharaya, 'who<br>instituted the elephant hunt.' | Śaka 1461, Vikari,<br>Mi[thu]na, su.<br>di. pufichami,<br>punarvaeu, Wed-<br>nesday. | Do                        | Arangan Viritundan alias Ni upendrasola-Muvenda- velar who was governing the vilage, and ordered the lands belonging to the temple of Triuvaypaddevar to be taxed according to the lowest scale as in the case of the lands of the temples of Rajaraja-Vinnagar-devar and Kundavar-Vinnagar-devar.  Records the gift of Nallalam as a vada-tyukanippagu by Strangarajar, son of a certain Venrumalar-ittar, to a private individual. The free vilage of Engayiram Raja- raja-chaturvedimangalam is said to be situated in Panai- yur-nadu, a subdivision of Palakunga-kottam which was a district of Jayangonda-Cholamandalam. |

\* South ( ) ( ) ( ) ( )

B.—Stone inscriptions copied in 1917—con

| <b>K</b> 0. | Place of tueoription.              | ij.         | Dynasty.           | :           | King.  | Date.   | Language and | I St. marks  |
|-------------|------------------------------------|-------------|--------------------|-------------|--|---|--------------|--|
| . 8332      | On the same wall                   | · •         | Vijaya-<br>nagara, | <del></del> | Sadadiva-Maharaya, son of Achyutadeva-Maharaya,                    | Saka 1467, Visva-<br>vasu, Rumbha,<br>fu. di. dasami,<br>Friday, Hastu. | Tam          | Unfinished. Under the orders of Surappa-Nayakkar-Ayran, provision seems to have been made for presenting betel-leaf offering in the temple of Alagiyasinga-Perumal at Finnaviran in Pancing and Pancing and Pancing and Pancing and Pancing and Pancing Pancin |
|             | 3 Do.                              | •           | Choja              | :           | Parukesarivarman alias Udaiyar éri-<br>[Rajendra-Choladeva] I.     | :   | Po           | raja valanada, a district of Pelakunga-kottan in Jayan-gonda Cholamandalan. The introduction commences with the words Becamenar, etc. Records that at the order of the bing, a get of 45 valid land it.  |
|             | `.                                 |             | · .                | <del></del> |  |   | ,            | to the fromple of Rajaraja-Vinnagar by the assembly of the free village (tanyan) Kajaraja-Chaturvehiman galan for offenings, festivals, recitation of liruvaymoli and the maintenance.   |
| 24          | On the west and south walls of the | s of the    | :                  |             | :  | Saka 1465, Sõbbи-<br>krit, Maghn 7.                                     | Telugu       |  |
| 888         | On the same walls                  | : .         | Chols.             | •           | Parak 6sarivarman alias Udaiyar sri-Ra-<br>jendra-Chōļadeva I.     | 25th year and 112th day, Kanni, ba. di. Thursday, Punarvasu.            | Tamil        | Alagiyasinga-lerumal at Equaturam which was built by Rajendra-Chola and had become dilapidated Records that on the order of the king, the assembly of Rajara-ja-chaturvedimangalam which was afree village in Jayah-gonda-Cholamangdalam met together in the hall called Mummaddisolam-numher according to the second which was afree village in Jayah-Rubmanddalam met together in the hall called Mummadisolam-numhera along with Natura in the last called  |
|             |                                    |             |                    | <del></del> |  | ٠.  |              | udaiyar who governed the village, and made a settlement (vyavasthai) regarding the incomes derived from lands belonging to a number of shrines and set apart for various services. Among the temples and delines mentioned are Rajavalia, vinnagar-Alvar, Kundagai-Vinnagar-Alvar, Kundagai-Vinna  |
| <b>SC</b>   | On the south wall of the shtine,   | the same    | Do                 |             | Parakésariyarman alias Tribhuyanachak- 1<br>rayartin Rájarájadóys. | 11th year   | Ъо. ••       | Sarasvatt, Sri-Blashkarakiyar, Juhamodiyar, Bovendra, deva, Saptamatris, Mahasata, Durgaiyar, Subuhmanyar, Jyeshkaiyar and the village gods.  Records that at the order of the king, the assembly of Rajaraja-chaturvodnamigalam in Rajaraja-chaturadamangalam in Rajaraja-valanadu, was a devadan, of Tiruvitanisaramudaiyar et Erde.   |
|             | :                                  | <del></del> | :                  |             |  | :   |              | a hamlet of this village, to Uyakkondan Punchan, vana, vana, vana, vanan of Vanohiyor in Puliyu-nadu, a subdivision of Arumolideva-valanadu and his decendants, a a januakkani, The village granted was ronamed Rainenia. Vanoh  |
| 282         | On the same wall                   | P           | Vijaya-<br>nagara. | 8           | Sadasiva-Maharaya S  | Śobhakrit, Tai, 2   | Do           | yur and entered in the Revenue accounts. Mentions the Chief Secretary (tirumendinavolai) Chōlondragings. Mayendavolān. Registers the gift of the villago Periya-Asar to the temple of Alagiyasinga-Perimal at Emar.  |
| $\cdot$     |                                    | -           |                    | _           |  |   | ,            | Nayaka, for the merit of the king.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| 839 On the same wall Vijaya-  139 Do Chola Mahamandalestara Ra  130 Do Rajakesarivarman alias  131 Fo Do Rajakesarivarman alias  132 Tribhuvanachakravartii  133 On the east wall of the same  134 On the south wall of the same  134 On the south wall of the same  134 On the south wall of the same  135 On the south wall of the same  136 On a pillar in the some mapdapa. Tribhuvanachakravartiin  136 On a pillar in the some mapdapa. Tribhuvanachakravartiin  136 On a pillar in the some mapdapa. Tribhuvanachakravartiin  | No.                      | Place of inscription.      | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language<br>and alphabet. | Вепаткя.  |         |
|--|--------------------------|----------------------------|--------------------|---|--|---------------------------|---|---------|
| Do Raja kearlvarman alia tunga-Choladeva Do Raja kearlvarman alia tunga-Choladeva Do Parakesarivarman alias front of the same shrine.  On the east wall of the same or the same on the north wall of the same on the south wall of the same of the sa              | (C)<br>(C)<br>(C)<br>(C) | On the same wall           | Vijaya-<br>nagara. | :   | Saka 1467, Visya-<br>vasu, Kanni, su.<br>di. dasami, Fri-<br>day, also Sunday. | Tamil                     | Records the grant of Madaputtiyam right and certain privileges to Sodi-Kondaum-Nayakkar by the treasurer and manager Strangardjar-pillai of the temple of Alagiya-singa-Perumal situated in the centre of the 24 sacred shines (tirumugram) of Engayiram which was a free-village in Panayur-nadu, a subdivision of Rajaraja-valandu, in the district of Palakunga-kottam in Jayah-gondu-Diolamandalam. |         |
| Do Rajak6earivarman aliae tunga-Choladéva.  Fo Do Parak6earivarman aliae Choladeva.  On the east wall of the mandapa in mandapa.  On the south wall of the same mandapa.  On the south wall of the same mandapa.  On the south wall of the same Choladeva I.  Ch | \$8.6                    | Do                         |                    | Mahamandalesvara Rajarajendra-Chola-<br>deva. | Sika [1°] 268, Jaya,<br>Rishabha, su. di.<br>dasamt, Friday,<br>Hasta.         |                           | Gift of the villages of Niganu, Muttakkur, Viravannllür and Sattanur which were the hamlets of Ponnan in Singamporuda valanadu, a subdivision of Palakungakottan, to the same temple.   | s 1     |
| Fig Do Parakesarivarman aliase on the east wall of the mandapa in mandapa.  On the north wall of the same mandapa.  On the south wall of the same Tribhuvanachakravarti mandapa.  On the south wall of the same Tribhuvanachakravarti deva.  | <b>9</b>                 | Do.                        |                    |   | 7th year   |                           | The introduction commences with the words 4showbetweb, etc. Gift of 10 cowe for a lamp to the temple of Rajaraja-Vinnagar-Alvar at Rajaraja chaturvedinangalam by Ulagajandai Tiruvarangadevan of Kujattor.   |         |
| On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.  On the north wall of the same mandapa.  On the south wall of the same mandapa.   | 341                      | F                          |                    |   | 30th year and 27th day, Karketaka, ba. di. dasami, Thursday, Krittika.         | Do                        | Gift of land by the assembly of Rajaraja-chuturvedimangalum for the festivals of Sittizai-sudaiyam called after Rajaraja and Māši-Punarpusan for Raghavnehakravartin in the tempto of Rajaraja-Vinnagar-Āļvar. The assembly is suid to have med in the tempto of Rajaraja-fsvaramudaiyar.   |         |
| On the north wall of the same On the south wall of the same mandapa.  On a pillar in the some mandapa Ghola 'Iribhuvanachakravarti   | 8                        |                            | Do.                | Tribhnyanachaktayattin Rajarajadeya           | 6th year   | Do                        | Stones out of order. Seems to register a gift of land for offerings.  | £.      |
| On the south wall of the same mandapa  On a pillar in the some mandapa Ghola 'Iribhuvanachakravarti  | 845                      | On the north wall mandapa. |                    | :   | :  | . :                       | Built in at the beginning. Gift of land for offerings, festivals, recitation of the Tiruppadiyam and the three Vodas as well as for feeding Brahmanas in the Rajendra-60lan. Mentions urvariya-perumakkal.  |         |
| On a pillar in the some mandapa Chola Tribhuvanachakravarti  | 3 <del>4</del> .         | On the south mandapa.      | -                  | :   | :  | Do                        | Contains only a part of the introduction commencing with the words 4ster selection. On the tame wall is another unfinished introduction commencing with the words germ year   | <b></b> |
| 248 On another willow of the second  | 341                      | On a pillar in the same r  | Chola              | Tribhuvanachakravartin Virarajendra-<br>deva. | oth year   |                           | <b>-</b> 72 ±   | _       |
| - inandapa.  | <b>.</b> \               | - inandapa.                | ·                  | ; ;   | •  | Do. :                     | Much damuged. Mentions Vira-Narasingaraya-Nayakkar.   |         |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.  | Place of insoription.   | Dynasty.    | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | nd Remarks.   |
|------|---|-------------|--|--|---------------------------|---|
| 347  | On the south wall of the first pra-<br>kara of the same temple. | Ohela       | Rajakeszivarman aliss Tribbuvanachak-<br>ravartin Kulóttuńga-Choładeva.      | 3[9]th year and 204th day, Kum-bha,ba.di.dviiiya, Thureday, Uttiram. | Tamil                     | Rajaraja-chaturvedimangalam, a free village and brahmadeya in Panjaryur-nadu, a ubdivision of Gangesitondas6ila-valanadu, in company with prince Kulottungas6ila-walandayain bediann of Sembiyan-Puliyur-Voftadu in Puliyur-Voftadu in Puliyur-Voftadu in Puliyur-Voftadu organization organization organization organization organization consecration corrected |
|      |   | <u> </u>    |  |  |                           | (deyva-prathisthai) of the God and opened water-works (jala-pratishthai), for the spiritual merit of the king and for destruction of the worked and the presperity of the good, and ordered (the gift of lands in ?) Anahgur in Anahgur.  |
| *    | On the same wall  | Do.         | Rajakésarivarman alias [Tribhuvansoha-<br>kravartin] Kulöttunga-Chola[déva]. | [3]8th year and foth day, Karkaka, ba. di. shashti, Satur-           | :<br>å                    | Demarted. The introduction commences with the words upbers ward. Records a settlement similar to that in No. 347 regarding the gift of a land by purchase made by a native of Sattangudi in Kilappuliyurnadu (a sub-  |
|      |   |             |  |  |                           | division of?) Iringolappadi, to the temple of Srivar- gundattalrar at Arasir in Tirununaippadi-nadu. At the time of making the settlement the assembly met in the temple of Rajaraja-Vinnagan-Alvar at Ikajaraja-   |
| 349  | On the west wall of the same prakara.                           | :           | :  | [3]8th year  | D 0                       | Records an order of the assembly exempting certain lands in Pully alias Parakésarinallar from payment of taxes from the 30th year   |
| 350  | On the west and north walls of the same prakara.                | Chela       | Rajakssarivarman alias 'Iribhuvanachak<br>ravartin Kulöttunga-Choladsva.     | 42nd year and [60]th day, Sim-ha, ba.di. ekadasi, Thursday,          | Do. :                     | Damaged. The introduction commences with the words using the introduction commences with the words using the introduction of Rajaraja-Vippagar-Alvar.   |
| \$61 | On the north wall of the same prakara.                          | . Do        | Do. do.  | Pushya.  | Do                        | Built in at the right side and damaged. The introduction commences with the words 4.6001674. Gift of land for offerings and festivals by the assembly of Rajaraja-oba-  |
| 382  | On the south wall of the ruined                                 | Kashtrakota | Ka[nº]naradēva   | 20th ,,  | . Do                      | turedimangalam and the settlement (nadur-kuru) officer Adittachniamani-Brahmamarayar at the instance of the king. In certain respects the record is similar to No. 347 above.   |
| 863  | (same taluk and district). On the same wall                     | Choja .     | Rajarajukesarivarman, 'who destroyed the ships at Kandajur'.                 | 11th   | Do:                       | beens to record a gift of lamp to the temple of Sentangi-<br>Vinnegar-Paramars and Tribburananahadou-chatur-  |
| 98   | On six slabs built into the walls of the same temple.           | Do          | Rajakesarivarman elias Rajarajadēva I  | 2[6]th ,,  | Grantha<br>Tamil.         | and Fragments. Soem to register a gift of land constituted as an agrahata called after Tribhuvanamahadevi, to the temples of Jayantangi-Vinnagar-Paramasvamin and Srikayilasam.   |

mangalam

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.          | Place of inscription.                            | Dynasty. | King   | Date.  | Language and<br>alphabet.             | Кешнгке.  |
|--------------|--|----------|--|--|---------------------------------------|---|
| 355          | On seven other slabs built into the same temple. | Chola    | Rajakésarivarman alias Rajatajadéva [                                | 26th year  | Tamil                                 | cer a sale o<br>7 the asser<br>galam, a 1   |
| 356          | On two other slabs built into the same temple.   | Do       | Rajurajak6sarivarmu<br>ships ut Kandaļar-                            | i, 'who destroyed the 10th year, Risha hha, 'Thursday, Visa-kha. | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | gonda-Cholamandelam. Mention Viranalayanappereri. Begisters a gift of land to the temple of Setangi-Vinnagar-Parmaevamin by the assembly which met in the link kavapam in front of the temple of Viranarayana in front of the temple of Viranarayana-Vinnagar at Tribhuvanamahadevi-chaturvedimangalam. Another fragment relates to a gift of land by Gandaradittan |
| 357          | On six other slabs built into the same temple.   | Do       | Parakssarivarman alias Uduiyar [Rajendra-Choja].                     | Lost   |                                       | Madaranta kan. Fragments. The infreduction commences with the word social man war and the grant portion after the name of the   |
| 898          |  | Do       | Rajukesarivarman alias Udsiyan srl<br>Rajendra-('holadeva II.        | 2nd year   | Do                                    | King dunof be traced.  Fregments. The introduction commences with the words forced and are a Seem to register a gift of a lamp.   |
| <b>4</b> 359 | <u> </u>   |          | Каја је бекті уатшал   | 6th ::   |                                       |   |
| 360          | On the same wall                                 | :        | :  | Siddharthi, Pangu-   |                                       | or rath made it the retir year of the reign of manifitation-da Parakésarivarinan. Records the Phintogruttapilla, son of Appanna-Pijlai built the shrine of Kumarsawanin   |
| 361          | On the north and west walls of the same shrine.  | Choja    | Rajakomrivarman altas Rajarajadeva I                                 | 27th year  | . Do                                  | Giff of sheep for two lamps to the temple of inruvarsi-<br>udaiya-Paramasvamin at Tribhuvanamahādēvi-chatur-<br>vēdimingalam, u brahmadēva in Javangomda-Chala  |
| 362          | On the west wall of the same shrine.             | ,        | Hajarajakesarivarman, 'who destroyed the ships at Kandajur-salai.'   | 12th year, Dhanus,<br>Tuesday, Áslesha.                          |                                       | mandalam. Marndur alias Parakéssrinalur was the eastern hamlet of this village. Records that the assembly of Irribuvananahadevi-chaturvodinangalam having met in the mandapa built by Mumnudisolar, unbahnattuvélan, remitted the taxes on the hamlet of Muniquy Vallaippäkkam which was purchased ard given to the temple by Immadisóla Muvend-                    |
| 363          | On the same wall                                 |          | Parakesarivarman alias Kajendra-Chōļa- 10th year deva I.             | 10th year  | Do                                    | average and interference of the pain by those who imposed or realised taxes on it.  Unfinished. Stops with the montion of Tribhuvananahadevi-chaturvedimangalam a brahmadeya in Jayangondar Cholamangalam. The introduction is slightly different and states that he built a palace at. Madura and amointen   |
| 364          | Do   | . Do     | . Bajatajakosurivarman, 'who destroyed the ships at Kandajur-sajai.' | 12th   | Da,                                   | his son as Ghola-Pandya. 'i he conquests extend up to the destruction of Salai.  (sift of land by purohase for offerings and lamps to the temple of Tiruvagaiyalum-Paramasvamin, by Peruñjaman, Nakam Kanichoban alias Irumadisola Mrvendavelan of Sikkil.  |

## B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Remarks.               | Gift of 96 she p for a lamp to the temple of Truvajyaru-<br>datya-Mahadéva at Prihhuvananahadévi-chaturvédinan-<br>galam in Vilnanani nada | Schart Market and Assembly of Kalendrian a subdivision of Kalendrian walangku by Kili Nangai a Brahmana lady of Virafikha-mukhachoheri-Sattunangalam. Gift of a house sike to the temple of Tiruvayai-Nakka i koyil-Paramasvamin at Tribhuvananunhadevi-chatory dilmani-  | galam s brahmadeys on the north bank. Mentions the temple of Parameyers Bhatharas at Turunalaru. Built in in the middle. Seems to register a gift at land for | lamis and offerings to the same temple Geords that Ambildanakkijavan Aranvajarita-Nayana agent of Narsas-Nayaka bostowed certain privileges on the fisikojus of Tribhuvanamadavimura. Nadavimusas | parru and Neumalipparru.<br>Unfinished. Mentions Narayanacheheri in Tribhu ana-<br>mahadevi ohaturvedimangalam, a brahmadeya on the | northern bank.  Records gift of a village as a kaniyakshi to Alavandan. Bhattar allas Ulagudaiya-Perumal of Perumbarrappuliyur in Sh'amarigalam, which was a hushmadeya in Kilar- kurram s guldiyasion of Nitayinoda-valanada in Sola-   | mandalam, by the assembly of 4,000 men of Tribhu-<br>vanannahadevi-chaturvedimangalam a brahmadeya in<br>Naduvil-mandalam a subdivision of Viravatara-valanadu | iii rajjaunraja-va,anadu.<br>Registers the grunt of a dandigan umbajigai to Kinguma-<br>ranningar Majavarayan the agent of the karanikka Maba | ganapati Ayyan.<br>Gift of land in Neilyanallur belonging to the temple of<br>Tiruvaiyāruḍaiya-Nayinār to a dancing girl named. | n.<br>ers the<br>  by th                             | Incomplete. Mentions Timfmi-Nayaks, the agent of Annancorse the [Mmister] of Saluva Narasingaraja and the temple of Tivn valitandar at Timhn vanomahadari in | Havaji Arabidonavadi. Built in at the right side. Records an order of the pradhani Nanjapaning a remitting in favour of the temple all kinds of terres on its lands. | villages for conducting morehin and accused in SCVOI |
|------------------------|--|---|---|---|---|--|--|---|---|--|--|--|--|
| Language and alphabet. | Tamil Gift of 96 a daya-Ma   | valenation of the property of | galam e l<br>temple of<br>10 Ruilt in in  | lamis and Do Records the agent of the Kaik)   | Paira and Lio. Unfinished. mahadevi   | northorn bank.  Nevords gift of a Baytar alias will be better a baytar alias will be better a barrana a suldir kurrana a suld | mandalan<br>vanamaht<br>Naduvil-r  | Ivo. Kegisters the reningar   | ganapati Ayyan. Do   Gift of land in Nei Tituvaiyārudaiya   | Saluva-Timman No Built in in the mi right to a priva | Teluga Incomplete. Annanur   | Haveli Art tanil Built in at tanil Nanjanat  | villages for conducting worship and repairs.         |
| Date.                  | 20th year T  | 16th ,,   | :   | Śaka 1425, Rudhi-<br>rodgari, Arpasi,<br>15.  | 16th year   | Saka 1328, Vyaya,<br>Simba, su. di. tri-<br>tiya, Tuesday,<br>Hasta.   | -  | Saka 1448, Chitra-<br>bhanu, Tai, 30.   |   | Khara,<br>di. sha-<br>arvasu,                        | Saturday.<br>Vikriti, Phalguna, Te<br>su. di. prathamä.  | Bhava, Panguni, la   | _  |
| Knig.                  | Rajak 69arivarman 11 jas Chakravartin<br>Kulottunga-Choladeva,   | Parakécarivarman  | :   | Narasingayadeya-Mahataya  | Рагаћевагічатнан  | Vira-Bukkazaya, son of Haribara  |  | Vitapratapa Krishņadova-Maharāya  | :   | :  | Narasingaraja  | Vira Viruppanna-Udaiyar, son of Haribara who levied tribute on Ceylon.   |  |
| Dynasty.               | Chola .  | 110.  | :   | >ajuva  | Chōļa .   | Vijayana-<br>gara.   |  | По  | :   | :  | Saluva   | Fijayana-<br>gara.   |  |
| Place of inveription   | On the west and south walls of the same shiine.  | Un the south wall of same shrine  | 367 On the same wall  | Do  |   | 370 On the east and north walls of the mandapa in front of the same shrine.  |  | On the north wall of the same mandapa.  | On the same wall  | On the south wall of the same mandaps.               | On the south and east walls of the same mandapa.   | On the same walls  | 0.44   |
| No .                   | 36.  | 366   | 387   | 368   | 369   | 370  |  | 371   | 372   | 373  | 470  | 376  | _  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.                     | Place of inscription.   | Dynasty.      | King.  | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.   |
|-------------------------|---|---------------|--|--|------------------------|--|
| 4877                    | On a slab lying in front of the same<br>temple.   | :             |  | Bahadhanya, Vai-<br>gasi, 15.  | Vai- Tamil             | Mentions Nayyankara-Appar, the agent of Rayasum Tirn-<br>malaiyar and Mandalatiarpillai, the agent of Bommu-   |
|                         | TINNEVELLY DISTRICT,<br>TENKASI TALUK.  |               |  | -  |                        | Nayakkar-Ayyan.  |
| 6378                    | On a slab set up in front of the Vinayaka temple at Melagaram.  | :             | :  | Kalay  | Do.                    | Registers a tax-free gift of land at Melaiyagaram for daily<br>worship in the temple of Kuttalanathassamin.  |
|                         |   |               |  | (Pushya), Subha-<br>yoga and Subha-<br>karana.   |                        |  |
| 978                     | On the ceiling at the southern entrance into the ['daeimadam in the same village.                                       | :             | :  | A.D. 1854, January<br>3rd, Kolian:<br>1029, Fai, 21,<br>Thursday.                                      | Do. :                  | A servandanya grant of hand by a certain Nababu-Sayabu to a matha of Kujiyur, one of the descendents of Grakamathasvami of the Punjab which was also entered in the accounts of the Government (circus) during the lime of the Kuchinyar, e.g. the Rast India Company. In A.D. 1854 the mathalwhich was a tiled building till then |
| <b>98</b> 8,            | In the same place   | :             | :  | [Kollam] 973,<br>Hijra 1212.   | Ъо                     | was constructed of stone. Refers to the repair of a tank in Kodikurichebi and a cowl to Vira-Kumar-lala. Mentions Hazzat Bande Khan  |
| 381                     | On a slab huilt into the east wall of<br>the Muttiyam-pandaram-nadam<br>at Nannagaram, a hamlet of the<br>same village. | :             | :  | Kollam, 1072,<br>Vaigasi, 26, A.D.<br>1903.  | Do.                    | Alli,  Records that Muttaiva-/andavan, son of Palani-Pandavan built a mandapa, set up in it the images of Kuttala-linga and Kujalvaymoji-anniaj and provided for daily worship and offerings to them. Also states that in the samadi- mandana, built for himself daily offerings worship.  |
| 382                     | On the sides and top of a quadrangalar stone set up in a field at Piranur.  | Pandya        | Jatilayarman aijas Tyibhuvanachakravartin Konermaikondan Alagan<br>Perumal Actriesama  | Suka 1505, 15th<br>year, Tarana,<br>Āveni  | Jo.                    | had to be conducted from the fonds provided.  Demaged Seems to register a gift of land for worship to the temple of Trinkkurralsmudsiya-Nayinar.   |
| 3883                    | <u>-</u>  | Chola         | Rajaraja (I)   | 28th year  | Grantha .              | Panaged  |
| 384                     | 5<br>——   | 1)0.          | Rajakesarivarman   | 3rd ,,   | Vatteluttn             | Much damaged. Mentions Mannay ir in Nemuell-nady, a<br>brightadeys on the guithern bank in Societies   |
| 25 88<br>80 88<br>80 80 | Do. On the north and west walls of the central shrine in the Rajagojulasvamin temple at Melappavur.                     | Ро.<br>Гарауя | Rajarajakésari[varnan] (Rajaraja I) Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konennaikondan Ferumal Kulasékharadéva alias Parakrama-Pandyadéva, son of Abhrama-Pandya-Pandyadéva. | Saku 1467, 2nd<br>enr. Vistavasu,<br>Dakshirayanu,<br>Kartataka 9,<br>amavasya, Wed-<br>nesday, subba- | Do                     | Mentions Rajaraja-Pandmadu<br>Registers a gift of land for worship and tepairs to the<br>fample of Navijan Alagysmanjanar of Pagur Rajar-<br>kul traina chatorvédmangalam in Kurumana-padur. The<br>king calls himsolf Firmedrelipperuraaj as well.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cent.

| Remarks                   | Built in at the right side. Gift of land to the same femple for feeding Brahmanas.  | Gift of land to the temple of Alpriyasokhanar at Pagur.  | Built in in the middle. Gift of land for worship and repairs to the temple at Hajakularama-chaturvedimatigalam.               | Dunaged and mifinished. Gift of land by purchase for offerings to the temple of Tirakhavalı svaru/mudaiya-Nayanar. Mentions Munai-edir-mogar of Pa[gn]r alian Kshati i yasikha mapinallur in   Ku rumayai-nadu | Registers a gift of land to a matha called Saivapperumaninaadam situated in the north street at Tirunelveli | States that the south wall of the central shrine having fallen, Kattun Valattarayan of Kuruchohi in Kil-nadu, a sahdivision of Ventral-nadu, had it rebuilt. | Built in in the middle and the end. The introduction commences with the words Bgellesque guellesque. Gift of land in Puttumainedam, south of Kurniganam alias Tehigahakanaharahan underings to the temple of Timkhavalfaveramudasse. Najvanarahadan. The king is said to have been seated on the throne (pallipidam) Kalingattavenyan in the hall known as Alagiyapandiyan Kalingattavenyan in the hall known as Alagiyapandiyan of his palace at Madura cant of Madakkulam. |
|---------------------------|---|--|---|--|---|--|--|
| Language and<br>alphabet. | Tanil   | Po   | Do  | Do   | Do  | Do   | ં લે   |
| Date.                     | 4th year, Suku 1475, Pranadicha, Duk-shingayana, Rafr-kajaka 9, bu. di. trayodasi, Seturday, subhu-yoga, subha-karana, kuba-karana, Andra             | Saka 1468, Rishn-ha 23, bu di. pañchami, Thuis-day, Varaha-karan, karana, man (Kranan, man (Kran | Saka 1467, 3rd year, Visvavasu, Karkataka 9, amayavsya, Wed- nesday, Harsha- yögs, Chatush- pada-karana,                      | 20th year  | 76հ ,,  | Kollanı 500  | :  |
| King.                     | Tribhuvanachakravartin Konstrustkondan<br>Viravenbanalai alias Tiranelvelipperu-<br>mal [Kulasekharaldeva, son of Aldi-<br>rama-Farakrana-Pandyadeva. | Jatilavarman alias Triphuvanuchakra-<br>vartin Konernaikendan Perunai Kula-<br>sekharadeva alias Parakrama-Pandya-<br>deva Shuvanekarira, sen of Perunai<br>Abhirana Parakrama-Pandyadeva.   | Jatilava[rman aliaa] Tribhuvanachakravartin Ko[nêri]nmaikoṇdan lirunelvelipperumāl, son of Abhirana Parakra[ma-Pa]ṇḍya¦dēva]. | Maravarman alias Tribhuvanach kravartin Sandara Pandyadéva, who having taken the Chôla country was pleased to perform the anointment of heroes at Mudigondasoliaparam.   | Tribhuyana oha kravartin Kulasekhara-<br>dyan, 'who was pleased to take all                                 |  | :<br>:   |
| Dynasty.                  | Pandy:  | Do   | Do.   | Do.  | Do  | :  | Рардун   |
| Place of inscription.     | On the east wall of the mandapa in<br>front of the same shrine.   | On the west and south walls of the central shrine, in the Mnekehi-Sokkanāthasvāmin temple in the same village.   | On the same walls   | On the north wall of the central shrine in the Tirovalitivars temple at Kilappavur.  | On the north and west walls of the same shrine.   | On the west wall of the same shrine  | same shrine.   |
| No.                       | 387   | 00<br>00<br>75   | 386   |  | 391   | 895  | 868  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917--cont.

| No.        | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date,   | Language and alphahet. | Ветагке.  |
|------------|---|----------|--|---|------------------------|---|
| 394        | 4 On the south wall of the same shrine.   | Paṇdya   | [Maravarman alias] Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandyadéva, 'who having taken the Chôla country was pleased to perform the ancintment of heroes and the ancintment of victors at Mudigondardan | 2[2] + 1 + 1st  | Tamil                  | Built in at the end. Registers a sale of land.  |
| 395        | on three slabs built into the walls and floor of the underground cellar in the Verkatachalapati templo in the seme rellunce |          | Maravarman alias Tribhuvanachak ravartin<br>Vikrama-[Pandyadeva].  | Lost  | Do                     | Fragments. The introduction commences with the words focused gausse. Mentions Telingakulakala-chaturvēdimangulam end the army of Manaivadumógar also called   |
| 2968       |   | Do       | Marsvarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Srrallabhade[va].   | znd year  | Do. :                  | lenninvallabatindavigat. Fragments. Gift of land for daily expenses to the temple of Munaikadimögar-Vinnagar-Alvar  |
|            |   | :        | <u> د</u>  | Saka 1469, ith year, Playanga, Mithena, 12, [ba. di.] Saptami, Thursday, sautha- gyayoga [Finut-      | :<br><del></del>       | Damaged. Scenis to register a gift of land by the assembly of Puliynr alias Vira-Pandya-chaturvedimangslam in Tennari-nadu.   |
| 399<br>399 | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.   | Paṇḍya   | Ja   | Saka 1530, Kiluka,<br>Ani, 20.<br>Saka 1526, 42nd<br>Year, Krodhin,<br>Avani, 15.                     | Do                     | Registers a gift of land in Sengottal for worship and repairs to the temple of Chidamharesvara.  do.  |
| 007        | 00 Do   | :        | va[1]kbhadeva.   | Śaka 1529,<br>Plavańga,<br>Vojeccj  | Do                     | Registers the grant of the right of worship in the Chidamba-<br>registars temple at Puliyur to a certain Johobakuţţi-jfani.   |
| 1172, Home | On the west and south walls of the Krishnasvāmin temple in the same village.  | Рацфуя   | Jațilavarman alias Tribhuvanschakravartin Perumal Ponnin-Perumal Pangra.<br>krana-Pangya.  | Saka 1202, 5th year,<br>sim1202, 5th year,<br>sebtam1, Wednes-<br>day, Sidha-yôga,<br>Vyaghra-karaṇa, | Dυ.                    | yar. Gift of lands and houses situated at Puliyūr in Ten-Āri. v nādu, a subdivision of Sigaganigarsipokku to 24 Brahmanus of Parakruma-Pandya-chiturvēdimangalam which was founded in the name of the king. |
|            | 602 On the same walls   | :        | :  | Kalayukta, Sittirai,<br>15.   | 1)0.                   | Gift of land to the temple of Krishna. Mentions Vikrama-Pandy-Isvaramadaiya Nayinar and Nayinar-Tiruvi-   |
| .)—10      | 03 Do   | Ραμάχα   | J.   | Saka 1480, 8th year,<br>Kalaynkta, Mesha,<br>8, ba. di dvitiya,<br>Menday, sidha-<br>yoga, gaja-      | .:                     | Alagun-Perumal Ativiraranan ordered the remission of tax-s on oerlain lands granted to the temple of Sri-Krishna at Puliyur alias Parakrama-Pandya-ohaturvedimangalam in Ten-Āri-nādu.                      |
| -404       | Ou the north wall of the central shrine in the Kuttalanathasvanin temple at Kuttalam.                                       | :        | Paṇdyadêva.  | karaņa, [Sv]ati.<br>Visvāvasu, Āvaņi,<br>25.  | Do. :                  | Built in at the end. Records that the bathing of the goddess Am[m]ai Kululvaymoli-Am[m]ai and another were provided for by a number of ladies.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No. | Place of inscription  | tion              | ļ           | Dynasty. | , i | King  | Date.  | Language and<br>alphabet. | and | Kemarks.   |
|-----|---|-------------------|-------------|----------|-----|---|--|---------------------------|-----|--|
| 405 | On the same wall  | :                 | :           | Раџфул   | :   | Jatilavarnan alias Tribhuvanachakravartin Konèrinaikondan Perumal<br>Alagam Perumal Afryraraman alias<br>Srivallabha.   | 4 2 4 2  | Grantha<br>Tamil.         | pun | Demaged. The introduction commences with the words Bhuvanaikavira Madhuramahendra. Senus to register the grant to a private individual of the right of presenting the offerings to the god.  |
| 406 | On the south wall shrine.   | of the same       | ame         | Do.      | :   | Do. do.   | Saka 1499, 5th year, favara, DakshinayanaGajarkarana, Uttirat,                                     | Tamil                     | :   | Built in at the right side. Gift of land and houses to a resident of Arur in Kuda-nagu for performing worship in the temple of Kuthalanatha.   |
| 407 | On the south and cast walls of the mandapa in front of the same shrine. | walls of of the s | the<br>Ruie | Do.      | :   | Do. do.   | Saka 1492, 7th year,<br>Vibhava, Uttara,<br>yana, Mma, ba.<br>di. pañoham,<br>Monday, venta        | J)o.                      |     | Gift of land as a kaniyakshi to the accountant of Tirukkur-<br>ralam in Fennari-nadu.  |
| 408 | On the east wall of mandapa.  | the               | same        | Do.      | :   | Jatavarman alias Tribhuvanachaktavartın<br>Parakrama-Paṇḍyadēva.  |  | Do.                       | :   | Records that the king constructed the central shrine (vimana) from its foundation (upana) to the pinnacle (stupi) as   |
| 409 | On the east and north walls of the same mandapa.                        | walls of          | the         | Do.      | ;   | Jațilavarnan alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Könérmalkondăn Perumâl<br>Alagan-Perumâl Ativiruranan alias<br>Śrivalla bhadeva,                                     | `ø   | Do.                       | :   | wen as the annuaring ways and the management of Gift of land to a certain Muti Ativirarayar-Majavarayar of Melagaran in 'feg-Ari-nadu for wervice in the temple of Kuttalamudaiyar as accountant.  |
| 410 | On the north wall tampdapa.   | of the same       | вшв         | Do.      | :   | Jatilavarman alias Tribhuvauachakra-vartin Konernaikondan Perumal Alagan-Perumal Ativiraraman alias Sirvallabhadeva, son of Perumal Dharma-Perumal Kulasékharadéva. | Saka 1607, 23rd<br>year, Varthiya,<br>year, Viscohika, Sa.di.<br>əsbiqami, Friday,<br>Satathisbaj. | Do.                       | :   | Gift of land for worship to the shrine of Ekkaladevi<br>in Tenkasi in Tennari-nadu, Montions a number of officers<br>of the king among whom figures Sivala Munaiyadaraiyan.  |
| 411 | On the same wall  | :                 | :           | :        |     | :   | Durmukhi, Masi 25  | Do.                       | :   | Gift of money for a lamp to the temple of Tirukkurrala-<br>undaiya-Tambiranar as a charity of Vayiradarayar  |
| 412 | Do. :   | :                 | :           | Рапруз   | :   | Maravarman alius Tribhuvanaohakravartin Kulasskharadova.  | [4]th year, Panguni  | Do.                       | :   | Mattanda-Friffan. Registers an agreement made by the assembly of Tirukkur-<br>ralam in Ten-Vari-nadu with a Kaikkôla resident of<br>Kadunyalar in Vadavarinadu for conducting the service<br>called Kalamukkaltólan-sandi in the femple of Tirukkur- |
| 413 | Do  | : :               | :           | Do.      | : . | Dο, do.<br>Do, do.  | 4th year, Masi 4th year. Panzuni   | Do.                       | : : | relamu[dai]yn-Nayanar.<br>Records an agreement, similar to the one mentioned in<br>No. 412 above with Iravidevar alias Kandiyadevar.<br>Records a similar agreement,   |
|     |   | : :               | <br>:       |          |     |   |  |                           |     |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Remarks.                  | scords another sinnlar agreement with a resident of<br>Tiruohohingambelim neer Vengumudisüdiya-Sundara-<br>Pandiyapattanam in Parantaka-vajanadu. | Mentions Tirukkurralam in Ten-[vlare-nadu. There is a genall fragment above this, which mentions Sri- | Kurralan. Gift of three buffaloes for half a lamp by Phyalankattan, a merchant of Idavai in Manni-nadu to the temple of | Agnetic of the same temple by a native of Natherlands. In the same temple by a native of Nathr-Pandikindi in Tenverande. | Incomplice the other face of the inscription being built in. Stones out of order. Seems to record a gift of land to a cortain Vaidyanadan alias Vaundévan for having repaired (the town) | Gift of land to certain Brahmanus for service in the temple. | uilt in in the middle. Relates to the appointment of men for conducting worship in the temple of Trukkuralamudaiyar and for the celebration of a special worship on the king's birth day, i.e., the day of Jyeshtha in the | month of rundigual.  Halli in in the middle. Relates to the renovation of the same temple and to the appointment of persons to conduct worship in it, the old temple having been dilapidated and | the persons doing services there having died. amaged. Registers a gift of land for offerings to the same temple. | Records that a merchant numed Kulssekhara-chakravartin<br>presented certain silver vessels to the temple of Thruk-<br>kurgalimudaya-Nayinar and was given a written agree-<br>ment trained in the comment. | near (printpaid) by the assembly of the village, of land in Surdara-Pandyupuan a village in Kurumyar-nadu, to Lakkumanin Devinayakan and Lekkumanan Andapillai two of the Tamil-Ariyas of Trunkumyan. The assignees were required to ouldivate the land and our the tassignees | (kadumai) to the temple.  Beginning inaccessible. Contains a portion of the introduction which commences with the words Beginster etc. of Manayama Vikrama-Pandya. Secure to register a sale of land to the temple. |
|---------------------------|---|---|---|--|--|--|--|--|--|--|--|---|
|                           | Records another<br>Tiruchchirram ba<br>Pandiyapattanan  | Mentions Tirukkui<br>small fragment   | Gift of three buffal a merchant of 1  | Gift of six buffaloes  | Incomplete the oth<br>Stones out of order<br>certain Vaidyana  | Gift of land to cert   | Built in in the middle. for conducting worsh mudaiyar and for the the king's birth day.  | Built in in the mid<br>same temple and<br>worship in it, the   | Damaged. Registe temple.   | Records that a mer<br>presented certain<br>kurgalamudaiya-   | Records an assignmin Sandars-Pand Lakkumanan United Tamil  | (kadamai) to the temple. Beginning inaccessible. (the which commences waterwarman Vikrama-Pand to the temple.   |
| Language and<br>alphabet. | Tamil .   | Vattejuttu .  | Do.   | Do.  | Tamil<br>Do.   | Do   |  | Do.  |  | Do.  | Da .   | Do .  |
| Date.                     | ear, Kumbha,<br>su. dt. ashta-<br>Friday, Rõbi-   | m.<br>2 + 7th year  | 2 + [9]th .,  | 2 + 9th ,,   | 34th year, Pañoha-<br>mı, Uttirațțadi.   | Śake 4323, Risha-<br>bha, su,di. Wed-<br>necay, pañohami,    | [2]3rd year, Risha-bha, fu.di. pañ-chaml, Wednes-day, Pushya.  | Saka 432[3]<br>(Wrong), Risha-<br>bha, su.di. Wed-   | nesday.  | [20]+ 1st year .   | 5th year, Kartigai 2, ba.di. trituya, Thursday, Röhm.  | fth year, Aippasi,<br>30, su. di.<br>Paurnai, Tucs-<br> day .   |
| King.                     | aravarman alias Tribhuvanachakravartin Kulasekharadeva.   | : :   | :   | : :  | ivarman alias Rajendra-Chola I<br>n alias Tribhuvanaohakra-<br>Perumal Parakra[ma-Pandya-  | :  | alias Tribhuvansohakra-<br>Рапдувабога.  | jan Parakrama-Pandyadéva   | bakravartin Könerimai-   | aravarman alias Tribhuvanaobakravartin Kulaséskharadéva, 'who was pleased to take all countries.'  | Maravarman alias Tribhuvanaohakravar-<br>tin Vikrama-Pandyadeva,   | и <b>д</b> өр ••••••••••••••••••••••••••••••••••••  |
|                           | N.  | Śadaiyamana   | Do.   | 1ο.  | Parakésaraivarman al<br>Jatavarman alias<br>Vartin Perumal   |  | Marvarnan alius<br>vartin V Ira-Paņdya   | Viramarttandan Para  | Tribhuvanaobakravartin<br>koņdāņ.  | Magavarman alias<br>vartin Kulaéékha<br>pleased to taku all  | Maravman<br>bin Vikran   | Maravarman  |
| Dynasty.                  | Pandya  | Do  | Do.   | Do   | Chóla<br>Paṇdya  | :  | Paņdya .   | Do.  | :  | Pandya   |  | Do.   |
| Place of inscription.     | :<br>:  | On a pullar built into a wall in the east verandah of the first prakara                               | or the same templo, On another pillar in the same verandah,   | hird pillar in the same  | On the same pillar On the esst and south walls of the Pillaryankathalai room in the  | On the south wall of the same room                           | On the same wall   | Do   | south wall of the same   | On the same wall   | Do. : : :  | :   |
| No.                       | 415 On the same wall  | 416 On a pilli  | of the sam of the sam verandah.   | 418 On a third   | 419 On the se<br>420 On the eq<br>Pilaiy   | 421 On the so  | 422 On the s   | 423 D  | 424 On the sprakara.   | 425 On the   | 426 L  | 427 I   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|           |                                   |            |          |          |      |  |  |                           | 1             | The second secon |
|-----------|-----------------------------------|------------|----------|----------|------|--|--|---------------------------|---------------|--|
| No.       | Place of inscription.             | ription.   |          | Dynasty. | ety. | King.  | Date.  | Language<br>and alphabet. | nge<br>1rbet. | Remarks.   |
| 428       | On the west wall prakara.         | of         | the same | •        |      | libbuvanachakravartin Könerimai-<br>kondân.  | 4th year and<br>30th day.                                    | d Tamil                   | :             | Built in in the middle. Registers a tax-freegift of land in Urrappankurichebi alias Kolseshharanallur in Neohoburanada to the temple of Tirukkuralamudaiya-Nayanar at the instance of Aivan Malayaran Martana Manana at Aivan Malayaran  |
| 429       | On the same wall                  | :          | :        | Paņdya   | :    | Maravarman alias Tribhuvanachakravartin Sundara-Paņdyadeva.  | Lost   | Do.                       | •             | = 75   |
| 430       | On the west wall prakara.         | of the     | 687700   | Do.      |      | Magavarannan alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Sunda[re-Paṇḍyadeva].                                   | 4 + 1st your   | . Do.                     | ;             | anguda in Lift-Fornbi-nadu.  Built in the middle. Refers to the settlement made by the assembly of Tirukkuralam that taxes should be levied only on oultivated lands. Refers to the transaction  |
| 431       | On the same wall                  | :          | ;        | Do.      | :    | Maravarman alias Tribhuvanachakravar-  | * + 1st ,,   | Do.                       | :             |  |
| 432       | On the north wall prakara.        | <b>*</b> 0 | the same | 1)0.     | :    | La Sundare- and sugeve.  Ja[ta]varr an alias [Tribbuvana]obakra- vartin Vira-Pangliya]deva.            | 3rd year, Vrié-<br>chike, 13 be.                             | Do.                       | :             | ence<br>ain  |
|           |                                   |            |          |          |      |  | di. shashti,<br>I'hursday, [Ā]-<br>slesha.                   | _1 .                      |               | merchants (negarattar) of Sundara-Pandiyapuram, n<br>village in Kurumarai-nadu for the tumple of Tirukkur-<br>ralumudaiya-Naynar and lensed to Andapillai and his<br>descendants on condition that he shall outtivate them and   |
| 408       | On the same wall                  | :          | :        | :        |      | :  | :  | Do.                       | :             | pay the taxes to the temple. Relates to the restoration of the right of enjoyment of 2st shares of land to a certain Sattisivan Uyyavandan alias Ekanayaka-Bhattan for conducting worship in the temple  |
| <b>#3</b> | Do.                               | :          | :        | Paṇdya   | :    | Jatavarnian alias Tribhuvanachakravartin   | 2nd year, Puratt-  | - Do.                     |               | of Kuțhialanatha.<br>Gift of land in Agarayur alias Ilakkumaņanallūr for a   |
| 436       | Do                                | ::         | ::       | Do.      | :    | Do   | Ladj.<br>Do.   |                           | ::            | James of Relates to the grant registered in No. 434 above. Records gift of land to a certain temple accountant for managing the temple property such as houses, gardens,   |
| 437       | Do                                | :          | :        | Рапруя   |      |  | 16th year, Vr-<br>isobika, 6a. di.<br>pañobami, Mon-<br>day. |                           |               | conc. Connected with No. 136 above. States that services in the comple were not conducted property owing to the default of a previous dones from whom the lands were now transferred to a certain Mulaimel Maradu Senbagavanap-  |
| 438       | On the east wall of the same nra- | he same    |          | Chol:    |      | presect to perform the anomanne of performent of periods at Period barrapuly or.  Period barrapuly or. | 0[7](4) v.o.v  | Vetteluttu                |               | perimaj alias Aindurrava-Brațkan.<br>Gift of 96 (shear) //, for o long to the tours), of Willem.   |
|           | kara.<br>On the same wall         | :          |          | . Jo.    |      | Do   | 2) st. ,,  |                           | : :           | lattumadens. Unfinished and damaged. Gift of 26 cows for a lamp to the temple of Kurralattu Perumanadigal by Dharmagetti   |
| 440       | D6                                | :          |          | Рапфув   | :    | Sadaiyamaran   | [2] + 15th ,,  | Do.                       | :             | alias Sadaiyangavaiyan of Manikkiramam a resident of.  intrin Tenvara-nadu. Near this is snother much damaged fragment of the inscription of the same king.  Fragment. Mentions Tirukkurgalam in Tenvara-nadu.   |
|           |                                   |            | !        |          |      |  |  |                           |               |  |

| B.—Stone inscriptions copied in 191' | 7cont.  |
|--------------------------------------|---------|
| inscriptions copied in               | _       |
| Stone inscriptions copied in         | ത്      |
| Stone inscription                    | =       |
| Stone inscription                    | .¤      |
| Stone inscription                    | pied    |
| Stone inscription                    | 8       |
| Stone inser                          | lons    |
| Stone inser                          | 73      |
| Stone                                | inscrip |
| m<br>L                               |         |
|                                      | m<br>H  |

|                | Place of inscription.                      | necript  | ion.    |         | Dynasty. | ty. | <b></b>   | King.                           |  |                | Date.  | Language<br>and alphabet.             | Remarks.  |
|----------------|--|----------|---------|---------|----------|-----|---|---------------------------------|--|----------------|--|---------------------------------------|---|
| ļö.            | On the same wall                           | :        | :       | :       | Chola    | :   | Parakésarivarman .  | :                               | :  | :              | [2]2nd year  | Vatteluttu                            | Gift of land for a lamp to the temple at Kurralam in Ten-   |
|                | Do.  | :        | :       | :       | द्र      | :   | Do.   | :                               | :  |                | 2[4]th ,,  |                                       | eclipse. Damaged. Gift of cows for a lamp by a certain Araiyam- [podu] viyar the wife of a certain rana Palla-  |
|                | Do.  | :        | :       | :       | D.       | :   | Do.   | :                               | :  |                | " 17gth  | . Do                                  | varaiyar to the same temple.  Built in at the end. Gift of money for a lamp to the temple of Tirukkurralattu-Madevar. Mentions Tirukkamanjur  |
|                | Do.  | :        | :       | :       | Ď.       | :   | Do.   | :                               | :  | <del>~</del> : | 20th ,,  | Do                                    | in Kalakkudi-nadu.<br>Damaged, Grif of cows and sheep for lamps to the temple   |
|                | Do.  | :        | :       | :       | Ď.       | :   | Parakss[riva]rman   | •                               | :  | :              | 25th ,,  | . Do                                  | Danaged and built in at the end. Gift of lamp to the  |
| 977            | Do.  | :        | :       | :       | Do.      | :   | Madiraikoņda Parakssarivarman   | <b>esari</b> varms              | :<br>:                                       |                | 24th .,  | Tamil                                 | Girly of the lamp to the same temple by Pirantakan . Tiffenessii;   |
|                | Do.  | :        | :       | :       | Do.      | :   | Parak 66arivarman   | •                               | :  | <del>?</del>   | 35th ,,  | Vațțejuttu                            | Gift of six buffalors for a lamp to the same temple by a native of Vellammem in Mala-nadu.  |
| 448.           | Do.  | :        | :       | :       | Do.      | :   | Madiraikopda Parakdearivarmun   | deariyarm:                      | :  | <u>-</u>       | " us[98]   | Do                                    | Gitte of transfer of the same temple by the headman of Traineller in (Traitinelle brane).   |
| 649            | Do   | :        | :       | :       | Do.      | :   | [Bajara]jakesarivarman, 'who [destroyed   | nan, 'who                       | [destro                                      |                | Lost   | Do                                    | Danaged and built in. Mentions Tenvari-nadu.  |
| 720            | Do.  | :        | :       | :       | Pandya   | :   | the snips at J. Kandajūr. Jajilavarcen slias Tribhuvanachakra- vartin Könermaikopdan Kulasekhara- | daļūr.<br>18 Tribbu<br>kopdāņ K | ır.<br>fribhuvanachakra-<br>dan Kulasskhara- |                | Saka 1474, 8th year,<br>Virodhikrit, Kar-              | 'ramil                                | 8   |
| <u></u>        |  |          |         |         |          |     | deve mine furkkrame-fangyu<br>Abhirama-Panakrama-Fandya.  | sına-Papd<br>sına-Papd          | дув, воі<br>7а.                              |                | di. dvitlya, Sun-                                      |                                       | looking after the accounts of the temple at Tirukkur-   |
| 461            | On the north wall of the same pra-         | all of t | he sean | ne pra. | Do.      | * • | Tribhuvanaohakravartin Kodan Tirunelveli-Perumaj .  |                                 | Konerimaikon-                                |                | day, Avittan.<br>Saka 1470, Kilaka,<br>Dhanus, 5, Mon- |                                       | Eastern. Stones out of order. Seems to register a gift of land for offerings and worship to the   |
| <b>4</b> 62    | Ω  | Do.      |         |         | Do.      | :   | or Abbirama Vira-Paṇdyadeva   | :                               | :  | :              | day, Uthram.<br>Saka 1368, Mesha<br>15 Chedurdest      | B Do.                                 | Registers gift of money and land to a certain Kuttan beine. Required Rudradevan for singing (igaipadal) in the temple   |
| - <del> </del> | On the west wall of the sume pra-<br>kara. | n of t   | he sun  | as pra  | <br>Do.  | :   | R ulasekharadeva  | :                               | :  | :              | Sunday, Hasta.  2 + Soth year, Rishabha, 27 ba.        | Do. :                                 | during the 1st ten days of each month.  Built in in the middle. Gift of land to a private individual for service in the temple.   |
| . 0            | On the same wall                           | a        | :       | :       | . Chola  | •   | Sociemya Rajarajak6sarivarman [1].  |                                 | alias Rajarajaderu                           | фев            | di. pahohami<br>Saturday,<br>[Tiruv]oham<br>2 • year   | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |   |
|                | ;  | ,        |         |         |          |     |   |                                 |  |                |  | · -                                   | engraved in Tamil on (the new) stone (wall). The introduction commence with forestedure etc. The word Stdaiyan is prefixed to the name of the king. Becords a Stdaiyan is prefixed to the name of the village of Vinnandal alias Vikrama-Pandyanallar in Kottur-nadu subdivision of Ila-nandalan for a lamp to the temple of Tirek- |
|                |  |          | -       |         | :        | ,   | •   |                                 |  |                |  |                                       | Ku Walatul-Dua jyatoooi.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Fig.   Place of templotes.   Dyna.   Edgardy I   Tanal   Ingiliary of the same wall   Tanal   Tanal   Ingiliary of the same wall   Tanal   Tan |             |                     |           |                 |     | ,        |   |  |                        |   |
|--|-------------|---------------------|-----------|-----------------|-----|----------|---|--|------------------------|---|
| 155   On the same wall   Chola   | No.         |                     | soriptio  | ė               |     | rnasty.  | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Bemarks.  |
| Do.  | ÷ 65        | [ <del></del>       | :         |                 |     |          |   | :  | Tamil                  | Built in in the middle and unft isked. Refers to the re-<br>engraving of the Vettelutu records in Tamil, contains a<br>partian of the historical introduction commencing with   |
| Do.   Do.   Do.   Bank Virgestran   Do.    93          |                     | •         | •               |     | :        | :   | Saka 166[6] 4, su. di. dvittya, Monday, Migasi-  | Do                     | the words Boxes Curs etc.  Do. itsultes to the distribution of services in the temple among a number of persons and fixing their remoneration. Refers to an earlier grant by king Kula.   |
| Sake 1833, Kurr   Pactor   P | 197         | å                   |           |                 |     |          | Maravarman alias  | sha (Mrigasirsha).<br>[3]2nd year  |                        | sakharadeva.  Built in n the nuiddle. Seems to register a gift of land for services in the turn of  |
| Do   Do   Do   Do   Do   Do   Do   Do  | 468         | ,                   | :         | •               |     | :        | ייייי אמרוון פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון אמיייין פון פון פון פון פון פון פון פון פון פו | Śaka 1833, Kum-<br>bha, 13, ba. di.<br>dasami  | Po                     | Built in in the middle. Registers gift of land to 11 persons for the registrin of the Velus (adhyayane) in the temple and for the investiture of the sacred thread on all. Fridays  |
| Do   Do   Do   Servatin Strallabhadeva.   Saka 1355, Risha   Do   Do   Branch   Saka 1355, Risha   Do   Do   Branch   Saka 1356, Risha   Do   Do   Branch   Saka   Branch    | <b>69</b> : |                     | :         | •               |     | :        | :   | Mals.<br>Śaka 1351, Mesha,<br>ba, di. prethama,<br>Siddhe-yoga,  |                        | (to the god) (?). Mentions Kulasskharadsva and Tiru-kuthalaya-chuluredinangalam.  Built in in the middle. Gift of land to 12 persons for the recitution of the four Vedas. Mentions [] raman Srivallabhadsva.   |
| Do   Do   Do   Servallabhadeva   Saka 1355, Risha   Do   Do   Do   Do   Do   Do   Do   D   |             | •                   | :         | •               |     |          | Maravarman alias<br>vartin Srivaliabbade  |  | Do                     | Built in in the middle. Records that as the number of persons performing worship in the temple of Tiruhkuranlamudatyn-Nayinar was not sufficient, additional men ware anyointed for the purpose. Mentions the shrines   |
| Con the south wall of the same pre-   Agra.   Con the same wall    Ē           | á                   | :         | , <b>:</b><br>• |     |          |   |  | Do                     | of Kellalvaymolimangai, Champakadevi and Manzumadi-<br>ehaturvediming-lann in Vadaveriinada.<br>Bailt in the middle. Kocorda a gift of land to one of<br>the additional servanta reference to in No. 460 alove, for<br>unveilin the temple of Kuralinatha. Mentions the |
| Solution  | <b>79</b>   | On the south wall o | of the su | me pra          | ·   |          | :   | Saka 1[2]53, Tula,<br>1, sa. di. dvillya,<br>Monday, LVrijti-  | Do.                    | Much damaged.   |
| Jețilavarman alias Tribhuvanaobakravar.  Do. Do. Do. Do. Do. Do. Baka 1471, 6th year, Do. Ramas-Pandyadora.  Anilya, Ihursday, Siddha-yoga, Gaja-karana, Gaja-karana, Asreeba (Asleeha).   | 897         | On the same wall    | •<br>•    |                 | •   | · .      | :   | yoga Vyagina-<br>karna, yyati.<br>Saka 1463, Kollam<br>707, Makara, 17,<br>6u. di. Saptami,<br>Hunday, Aévati. | Do.                    | Gift of land by the Brahman of Melai-agaram alua Triku-talaya-chaturvedimungal-in to Narayanan Kuilasanathu-Bhutta of Padagam a resident of Mananilairallur alias Aranimulandahiya-chaturvedimang-luna brahmadéya in  |
| Jațilavarman alias Tribhuvanaobakravur- Saka 1471, 6th year, Do. tin Kondrmalkondăn Abhirama Para. Saumya, Mithukrama-Pandyadera. Saumya, Mithukrama-Pandyadera. Saumya, Iburaditya, Iburadity, Sidha-yoga, Gaja-karana, Astecha (Asilesha).   | 797         | Do.                 | :         | :               |     | :        | :   | Do.  | D                      | Gervice (alled Parakrama-Pandiyan-sandi alias Usha-puja. Gift of a lamp to the temple of Tirukkumslanndaiya-Rayi.   |
|  | 997         | ê                   | :         | :               | · . | <b>:</b> | Jațilavarman alias Tribhuvanaobakravurtin Konsrmaikoņdsņ. Abhirama Parakrama-Paņdyadēsa.  | Saka 1471, 6th yest,<br>Saumya, Mithu-<br>12, 30, 6u. di.<br>dvittya, lhure-<br>day, Siddba-yoga,              | Do.                    | Her in the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the second of the Amardassem in Iraqha-Varendi |
|  |             |                     |           |                 |     |          | ,   | Gaja-karana,<br>Āsresha (Āsiesha).   | •                      | grāma.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|             |  |          |   | -  |                           |  |
|-------------|--|----------|---|--|---------------------------|--|
| 0           | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| 997         | On the same wall   | Papdys   | [Jaţilava]rman alias Tribhuvanachakra-<br>[vartin Könermai]koṇḍâṇ [Kulaéekha-<br>radewa lalias Parakrama-Paṇḍya, son of<br>Abbirama-Parakrama-Paṇḍyadewa. | Saka 1473. 8th year,<br>Viodahikrit Kan-<br>ya, 3. 6u. di. 1 ri-<br>tiya, (Thursday)<br>Mahendra-Yoga, | tami]                     | Gift of land for the recitation of the Vedas by the order of prince Tirunslvelipperums! Viravenhamalai.  |
| 467         |  | Do.      | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Perumal Paral rama-Paptyadeva.   | Gola-Karana,<br>Sodi (svati)<br>3[1] + 2nd year,<br>Mina, [1]8, du. di.<br>shashti. Monday.            | Dο.                       | Records the appointment of some additional hands to conduct worship in the temple of Tinkkurralamidatys.   |
| 468         | Do. ::   | Do       | Magavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Peruma! Śrīvallabhadeva.   | Nriguéireha. 42nd year, Risha-bha, su. dt. dvi-tiya, Monday, Mrigaéireha.                              | 130.                      | Nayagar at Uttsakokamangai. Dam-god and built in at the end. Similar to No. 467 above. The king was encauped at Maggamangi-obatur-vedimangalam when making the appointment.  |
| 697         | On the west and south walls of the kitchen in the same prakara.  | Do. :    | . Magavarman alias Tribhuvangohaktavur-<br>tin Vikrama-Papdyadeva.  | :  | Do                        | Fragments Begin with the introduction Bosewies. States that Satabhishaj was the birth-day asteriam of Vikrama-Lkoja who is stated to be the brother-in-law   |
| 470         |  | :        | Tribhuvanachakravartin Könstinm i-<br>kondan.   | 32 + 1st year,<br>Purațţasi 17.  | 1)0.                      | (machchalvi) of the king and that at his instance a grant of lund was made for certain special services. States that a number of men and women were presented to the temple of lirakkuralamudaiya-Nayanar as servants. |
| <b>4</b> 21 | O.: the south wall of the Kulalvay.<br>moli-Amman el rine in the second<br>prakara of the same temple. | Paṇdya   | . Maravarman alias Tribhuvarnchakravartin Percmal [Kulasékharadéva].  | 2 + 3 [5]th year,<br>23 ba. di.<br>Thursday,   | Do.                       | Damaged. Mentions Sundara-Pand, a and registers a gift of land for mid-day offerings to the same temple.   |
| . 478       | On the west and south walls of the mandapa in front of the same shrine.                                | Do       | Perumal Parakrama-Pandyadeva  | Makha.<br>Saka 1470, Kilaka,<br>Kumbha 18, ba.<br>di.  | Do                        | Muob damaged.  |
| 478         | On the south wall of the same mandapa.   | Do.      | Tribhuvanacha kravartín Perumaj Ajagan<br>Perunaj Parakrama-Pandyadeva.   | Gaja-karapa.   | Do                        | Much damaged. Seems to register a gift of land.  |
| 474         | (h the same wall   | Do.      | Parakrama-Pandyadeva  | Śaka 13*9, * + 5th<br>year.  | Ъ₀•                       | Much damaged. Records a gift of land and houses to persons performing worship in the shrine of Gaurt Related.  |
| 476         | On the couth and east walls of the same mandapa.   | Do.      | Jațilavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Könermalkondan Kullaselkhara-<br>deva, son of Abhirama Parakrama-  | Śaka 1467, 3rd year<br>Śravena.  | Do                        |  |
| 478         | On the east wall of the same mandapa.  | Do.      | Papdyadova.<br>Jațilavanman alias Kulasekhar  | 2 + 3[4]th year,<br>10, su. di. Pratha-<br>ma.   | Do.                       | Damaged. Gift of land for worship and offerings to the goddess Nachohiyar Kulalvaymollimafingail.  |
|             |  |          |   | H .  |                           |  |

No. 1172, Home (Education), 6th September 1918

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| · · ·       | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  | Date.   | alphabet.             | Bemarks.   |
|-------------|---|----------|--|---|-----------------------|--|
| 11.4        | On the west wall of the same<br>mandapa.                                  | Pandya   | Kulaáskharadsva  | 2 + 36th year<br>Tula, 3, 6u. di.<br>s.ptami, Friday,<br>Anilam (Anura-   | Tamil                 | Much damaged and incomplete. Records that Adaikkalan-gattan Solilyadaraiyan was appointed to manage the temple business and allowed certain renumeration.  |
| 478         | On the same wall  | Do.      | Jatilavarman alias Tri[hhuvana]ohakra-<br>vartin Könermaikondan, Kulasekhara-<br>dova alias Parakrama-Pandyadava, son<br>of Abhira[ma]Parakrama]-Pandya  | dha). Saka 1473 [Sadha]. ranu, Kunya, 28 [su] di. dagi, Wdnesday, Subha-yogu, [Si]mha-karana,   | Do.                   | Much damaged and incomplete. The king gets herein the epithet Tirunel[veliperumaj] Viravenhamalai.   |
| £79         | On a pillar set up on the north side of the same shrine.                  | Chols.   | Parakésarivarman alias Rajéndrasimha   | Anuradha].  | Do                    | Gift of a lamp by a certain Vellandsvan Pattalagan a native of Pagar to the temple of lirukkuggalattu-Ajvar in Tenyari-nadu.   |
| . 084       | On the same pillar $(\dot{\nu}^t)$  | Рапрув   | Maranjadaiyan  | 4th year and 360th day.   | Vațțeluttu            | Gift of a lamp to the temple of Tirukkurralatta-Bhatara in<br>Tenvara-nadu by Maranachohan, the chief of Pollyur, and App  |
| <b>4</b> 81 | On the south wall of the Kurum-<br>balk shrine in the same prakkra.       | D.:      | Jațilavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Konstmikondan Perumăl<br>Tirunelvelipperumăl Viravendamalai<br>alias Dhanma-Perumal Kulassekhara-<br>deva son of Abhirama Parakrama-<br>Paņdyadeva. | Saka 1479, 7th<br>year Pingala,<br>Mesha, su. di.<br>ashtami, Tues-<br>day, Subha-yōg.,<br>Subha-karana,                                      | <b>Ta</b> mil .       | Badly damaged. Seems to register a gift for reading the purana on spread days before the grd. Mentions that the order was passed at the instance of Alagan-Perumal Ativirara an and Ativirarams.   |
| 68          | On the north wall of the Svaminathasvamin shrine in the same prakara.     |          | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konstmaikoņdāņ, Aļagaņ-Polumāļ Ativirarāma alias Sivallabhadēva, son af Peramāļ Kulašēkharadēva.   | Saka 1613 2.th<br>year, Mithuna<br>16, su. di. [pafi-<br>cha]mi, Sunday,<br>Subha-yoga,   | Do. :                 | Records that the kings Abhirana Varatungarama alias issued an order for the grant of certain lands and tanks situated in Gunaramanallur a village of Tennationadu for the sacred bath and worship of the innages of Syamanatha and Nagesari set up in the temple by Pachonaiyappa- |
|             | On the east wall of the Somalinga<br>shrine in the same prakara.          | Do. :    | Maravarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasskharadeva.  | (Fushya'. 4th year, Simha, ba. di. Navani, Friday, Röbiņi.  | Do                    | Rayaka. Gift of land by purchase for a lamp to the temple of Tiruk-kurralemudaiyar at Tirukkurralem in Temari-nadu.  |
| <del></del> | On the north wall of the Dharani-<br>pitha shrine in the same<br>prakara. | Do. :    | Jațilavarman alias Tribhnvanachakravartin Konsrinmalkopdăn Ferumal Alegan Perumal Ativirarama alias Srivallabbadeva.   | Saka 1519, 34th<br>year, Dunmukh,<br>Titarayana<br>Sisira-ritu, Mina,<br>29, 4u. di. 118hta-<br>mi. Wedinesday,<br>Sub'a-yoga,<br>Sub'a-yoga, | Granths and<br>Tamil. | The introduction commences with the words Bhuvanukkavira' handrakula-predipt, etc. Becords that Alagan Peruma! Alivirytana alias Abhirama born in the saterism Sravishtha madea gift of land for worship in the temple and the feeding of Etalmanas.                               |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|   |                           | nallūr, a<br>offerings<br>uudiayar  |   | on of the   | Shuvanai-<br>vho oalls<br>mbamalui<br>d to have<br>r of the<br>for con-  | the king,<br>tion with<br>ted in the<br>he month   |
|---|---------------------------|---|---|---|--|--|
|   |                           | amaged. Registers a gift of land in Gunaramanallur, a village of Tennari-nadu for the sacred bath and offerings to a Sahasralinga, in the temple of Tirukkungalamudiayar set up by a native of Iduttuveli in Vembar-nadu. | Seems to register a gift of land.   | Records a gift of land by the king for the recitation of the Vedas (adhyayana) in the temple.   | The introduction commences with the words Bhuvansi-kavtra Chandrakulapu lipa etc. The king who calls himself the ron of Tirunelvelipperunal Viravanbanalui alias Dharma-Perunal Kulusékharudéva, is stated to have remitted the taxes on certain lands in favour of the temple of the Tirukkurralamudaiya-Nayanar for conducting the sacred bath.  | Registers a gift of land at llafiji in Temada, by the king, for the same purpose. Below this is an inscription with the hottom portion built in of the same king dated in the l[3]th year, with the same details excepting the month which is Kurkataka and not Simha. |
|   | Кетатки.                  | of land in<br>the sacre<br>nple of Tri<br>rveli in Ve   | gister a gi   | king for temple.  | ss with that a sto.  a leto.  a sto.   anji in To<br>elow this is<br>of the sa<br>e details e<br>et Simbs.  |
|   | æ                         | ers a gift irinadu fo<br>v, in the te<br>e of Idatti  | Reems to re   | and by the na) in the t   | commence<br>kulepralip<br>of Tirune<br>of Tirune<br>of Tirune<br>seed bath.  | land at 11 prince. Blow laid in pail in pail in pailt in pailt in pailt in pailt in pailt in the sam in paks sud no  |
|   |                           | d, Regist<br>s of Tenna<br>thesralings<br>by a nati   | Muoh damaged,   | ssords a gift of land by the king f<br>Vedas (adhyayana) in the templo.   | kaving commensury of The Chandrakulapul bimself the con of Tiru alias Dharma-Perumal Kemitted the taxes on temple of the Tirukku ducting the sacred bath.  | rs a gift of<br>the same protection port<br>tyear, with  |
|   |                           | Damaged. village of to a Sahe   | Much d  |   | £  | Registe<br>for the<br>the h<br>1[8]th<br>whiel   |
|   | ge and<br>bet.            | :   | :   | :   | and .  | :  |
|   | Language and<br>alphabet. | Tamil   | Do.   | Do.   | Grantha<br>Tamil.  | Tamil  |
|   | ٠                         | 2, 28th<br>Vikriti,<br>19, Mina<br>II. dva-<br>Friday,<br>(Sravi-   | Sa[rvajit], ligayana, ligayana, lihaj, su. Trittya, Trittya, Itara, Uttara- | imukha, 'ana, 'y Vris- su, di. londay, Sa, 'sa,   | tu, tu, yana, u, Sim- Trayo, nesday, ga, trapa,  | ramadi,<br>yana,<br>u, Sim-<br>ba. di.<br>Friday,  |
|   | Date.                     | Saka 16[1]2, 28th<br>year, Vikriti,<br>Uttarayana,<br>Sisira-ritu, Mma<br>15, ha. di. dwa.<br>dasi, Friday,<br>Avittam, (Sravi-<br>satha).  | Sa<br>Sa<br>Shina<br>shina<br>hma-<br>hma-<br>hraa-<br>rda-y<br>lguiil      | Saka 1496, 11th year, Srimukha, hakshinayana, Sarad-ritu, Vris- oliika 7, su. di. Fikadasi, Monday, Subha-yoga, Subha-karana, Revatt. | Saka 1498, 14th<br>year, Dhatu,<br>Dakahinayana,<br>Varsha-ritu, Sim-<br>ha, fu. di. Trayo-<br>dasi, Wednesday,<br>Siddha-yoga,<br>Vibhra-karana,<br>Tirnvonam<br>(Sravapa).   | 17th year, Pramadi, Dakshinayana, Varsha-ritu, Sith- ha [25], ba. di. tritiya, Friday, Ayilyam (Asle- sha).  |
|   |                           | <u>'Sc</u>  | Śaka<br>Year<br>Dak<br>Gris<br>Ásh<br>di.<br>Satu                           | <u>'@</u>   | ies — — — — — — — — — — — — — — — — — — —  |  |
|   |                           | Tribhuvanaobakra-<br>opdan Perumal<br>Mivirarama alias  |   | Tribhuvanaohakra-<br>ondån Perumal<br>.] Ativiraraman   |  | of Perum<br>venhäms<br>sva.  |
| • | شد                        | Tribhuvana<br>kopdan A  | ę,  | n alias Tribhuvanachakra-<br>Konêrmikondân Perumâl<br>Perumâl Ativirarâman<br>ha  | do.  | Perumal Śrtvalla hładova, son of Perumal<br>Tiunol velipperumal Viravoplamalui<br>alias Perumal Kuluśekharudovu.   |
|   | King.                     | anik  |   | alias<br>Onērmail<br>Perums   |  | ullu bhad<br>pperuma<br>iaj Kulu   |
|   |                           | 8 T 12  | D0.   | 108<br>(1018)   | Do.  | as Sriv<br>unelvėli<br>is Perum  |
|   |                           | Jațilavar<br>Vartin<br>Alagai<br>Srivali  |   | Jatilavar<br>varin<br>Alagin<br>Srivali   |  |  |
|   | Dynasty.                  | ;   | •   | :   | :  | :  |
|   | Dyn                       | Раџдуа  | Do.   | ล์<br>  | , G  | Do.  |
|   |                           | •   | :   | temple<br>janap-  | e jesme  | :  |
|   | ption.                    | :   | :   | wall of the temple<br>called Vyanjanap-<br>iame prakara.  | near th  | :  |
|   | Place of inscription.     |   |   |   | On a pillar set up near the same temple.   | On the same pillar   |
|   | Place o                   | On the same wall  | Do.   | n the north store room porsi in the   | temple.  | 9 KB KITO 6  |
|   |                           |   | ····  | <u> </u>  |  |  |
|   | Mo.                       | 987   | 987   | 187   | 20 Home (Edn.)—1   | 7,89   |
|   |                           |   |   |   | 1172, Home (Edn.)—1  | •  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Z,   | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Кешатка,  |
|--|--|----------|--|--|---------------------------|---|
| 0.0  | On the north wall of the central shrine in the Kuladekhararauda-yar temple at Tenkasi. | Papdya   | Jatilavarman alias Tribhuvanaohakravartin Konstmaikopdan Perumal Alagan. Perumal Ativitaraman alias Sivaliabhadeva.  | Sak. 1489, 5th year, Prabhava, Uttarayana, Ile manta-ritu, Ma- kara 80, ba. di trayodasi, Tues- day, Subha-yoga, Subha-karara,   | Grantha and<br>Tamil,     | The introduction commences with the words Bhavanaikurive etc. The king is said to have been born in the saterism Punarvan. Becords the construction of the temples of Kuluséekranatha, Kulalvaymolimangai. Nachchiyar and the partitura devatus situated on the eastern side of Dakhling. Rasion the north bank of the Chira river, renewal of the sarvices and festivals and the grant of lands in Vadavatinadu to meet the exponess of worship etc. |
| 491  | On the south wall of the same shrine,  | •        | Do. do.  | Saka 1488, 3rd year,<br>Kehaya, Uttura-<br>yara, Grishma-<br>rita, Mithuna 9,<br>su. di. dasami,<br>'Ihursday, Subba-  | Do                        | The introduction commences with the words Bhuvanaikasiva etc. Gift of a village in Vadavarinadu, excepting the dévadana and brahmadeya lands in it, for conducting worship thrice daily, for Bhūtubali-cfferings, and for festivals in the same temple.   |
| 492  | On the west and south walls of the mandapa in front of the same shrine.                | Do       | Do. do.  |  | Tami)                     | Records gift of two gardens to the same temple for the vasarate festival, by the officer Ködendaramen Sivala Kalingaraysn and another to the temple of Kulzéskharanatha.  |
| \$ 0.0<br>\$ 0.0 | On the south wall of the same mandapa.   | Do:      | Do. do.  | Subha-yoga Subha-<br>karana Uttiram.<br>Saka 1495, 11th<br>year, Srimukha,<br>Karttika 2 [7],<br>ba. di trayodasi,<br>Tuesday, Subha-                                  | Do. :                     | Gift of land and a honse-site to a certain Tirunelvelipperunal Vallavarayar for keeping the accounts of the servants (kanmi) in the same temple.  |
| <b>*</b> 6*  | On the same wall   | Do       | Do. do.  | yoga, Subha-kara-<br>na, Mula.<br>Saka 1489, Sth year,<br>Prabhava. Avani<br>20, ba. di. trithya,<br>Friday. Ganda-<br>yoga, rrittisha.                                | Do. :                     | . Dumaged. Gift of land and a house-site as a kanigutehis to another individual for keeping the accounts of the devotees (4 ppdur).   |
| 90   | On the north and west walls of the same mandapa.                                       | ъ.       | Jatilavarman alias Tribhuvanaobakravartin Konsmaikondan Perumal Alagan Perumal Ativiraraman alias Srivallabhadeva, son of Perumal Tirunelrelipperumal Vravenhamalai alias Dharmav Perumal Kulasekharadeva. | rapa, Collected Cuttara - Bbadra- pada). Saka 1492, 8th year, Pramodnta, 12nk- shinayana, Saradriu, Margali 16, su. di. diritya, Thureday, Subba-kara- yag, Punaryasu. | Grantba and<br>Tamil,     | d Commences with the worde Threansikastra, etc. Becords gift of land in Marudangulum in Tennari-nadu for the objects stated in No. 491 above.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|             |   | *************************************** |  |  | owner from a   | and the total ordered to the total  |                           |        |   |
|-------------|---|---|--|--|--|---|---------------------------|--------|---|
| No.         | Place of inscription.   | Dynasty.                                |  | King.  | sin.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | and E. | Romarks.  |
| <b>4</b> 96 | On the same walls   | Pandya .                                | Jahil<br>Etin<br>P.<br>P.<br>de                            | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravar,<br>tin Konsrmaikoņdan, Perumst Alagan<br>Perumā   Ativirarama alias Sivallabh-<br>deva.    | ribhuvanaohaktuvar.<br>ii, Perumal Alagan.<br>ma aliae Siivallabh- | Saka 149[0], 6th year, Vibhaya, Uttarayana, Ho- manta-ritu, Ma- kara 1[1], ba. di. panohami, Fri- day, Kutha, Ara-  | Tamil                     | :      | Gift of lands as padaividu to Kulaseknara-Nayinar. Mentions Kulasekharanallar in Tennari-nadu and Puliyar-Parakramapandya-chatnrvedimangalam.   |
| 707         | On the south, east and north sides of a platform in front of the same mandapa.  | °°a                                     | Jack L   | Jațilavarman aliss Tribhuvanaobakrava-<br>[rtin] Ativiraraman;<br>alias Srivallabhadeva.   |  | Sabha-karan, U.  tiram (Uttara- phalguni). Saka 1489, 5th year, Prabhara, Dak- shingyana, Var sha-ritu, Sinha 13, su. di. chadesi, Monday, Sutha-         |                           |        | Gift of land called Jagaviraramanturuttu as kaniyatohi to a<br>private individual for writing the temple accounts. Men-<br>tions Parakramapandiya-poreri in Vadavari-uadu.  |
| 88          | On the north wall of the Vimpavar-<br>am-Peruma, temple in the same<br>village. | Do                                      | Jakil<br>Eriti<br>P. P.  Jațilavarman alias Tribbuva, achakravar-<br>tin Kondrmalkopdan Peromal Alagan-<br>Perumal Ativitaraman alias Srivalla-<br>bhadeva. |  | Saka 1488, 3rd+4th<br>year, Akshaya,<br>year, Akshaya,<br>Uttarayana, Dha-<br>nus 9, su. di. da-<br>fanu, Sunday,<br>Subha-yoga, Su-<br>bha-karana, visa- | Grantha<br>Tamil.         | and    | Commences with the words Chuvanaikavira, etc. Records the building of the temple called Srivala. Vinnavar-Emberuman alias Alagar by the king and provides for worship and offerings to the same. The village granted is called Kuntidevi-chaturvédimangalam a brahmadéya in Vélor in Madurai-Udaiya-valanádi.   |
| 667         | On the west wall of the same temple.  | Do.                                     | :  | Do.  | do.  |   | Tamil                     | :      | Records gift of lands to Brāhwaņas and Śudres for doing service in the temple of Śrivinnagaram. Mentions Kulaseékharanaliur in Temari-nadu and the temple of Kulasekharamudaiyar.   |
| 000         | On the west and south walls of the same temple.                                 | 0                                       | :  | 90   | do.  |   | Grantha<br>Tamil.         | Puq —  | Commences with the words Bhuvanaikavira, etc. The king is also called Sivalanaran. Records a tax-free gift of land for Sriball and festivals to the temple of Naynar Sivalavinavar-Emberoman at Puliyns a lies Kulasekharanallur in Tennari-nadu. Mentions Marudurkettain Vadavarinadu. Eccords also a gift of land at Vindanurin Kuntenarinadu, made for the Amanuja-kūdam puilt in front of the attrine of the Amanuja-kūdam puilt in front |
| 109         | On the south wall   |   | :  | 190.   | op   | Saka 1488, 3rd year,<br>Kahaya, Uttara-<br>yana, Mithuna 5,<br>su. di. dasami,<br>Sunday, Subha-<br>yoga,Subba-kara-<br>na, Visakha.                      | Do.                       |        | gardyan. Commences with the words Bhuvanaikavira, etc. Records the gift of the village of Idaikal in Vadavarinadu and lands under the tank Kinla6sharar-perori exoluding the de vadanas, tiruvidayattam, agarappegra, madappugan, etc., for worship thrice daily, feelivala, offerings and other the name & Navala-Vinna temberories in the Vishnu temple constructed by the king under the name & Landau Landau.                             |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.         | Place of inscription.   | Dynasty. | r. King.   | Date.  | fanguage and alphabet. | Remarks,   |
|-------------|---|----------|--|--|------------------------|--|
| 203         | On the north wall of the central shrine in the Vifranathasvamin temple in the same village. | Paṇdya   | Jatilavarman alias Parakrama-Pandyadeva<br>alias Kulasekharadeva, who was born in<br>the asterism Krittika.  | yaa Saka 1419, 18th<br>in year, Simha 2,<br>su. di. trittya,<br>Tuesday, Utti.   | Tamil                  | <u> </u>   |
| <b>6</b> 03 | On the same wall  | Do.      | Do. do.  | Saka 1412, 11th<br>year, Kumbha,<br>18, su. di. pañ-   | Do                     | <u>e</u>   |
| 504         | Do  | Do.      | Parakrama-Pandyadeva alias Kulasekha-<br>radeva.   | Asvati.<br>Saka 1419<br>yoar, Sir  | Do                     | and recovor the rights of their parents and render service in the temple.  Refers to the transaction mentioned in No. 502.   |
| 909         | Do.   | Do.      | Do. do.  | Tuesday, Utirian. Saka 1421, 20th Year, Vrischika 16, ba. di. trittya, Wednesday, As-                                      | Do                     | Records that the service duc in the temple by the second kanmi having stopped from the 19th year by the death of the permanent incumbent Visvanatha-Bhattan without a legal olsimant, the lands pertaining to it were assigned to new individual second Keilasmed.   |
| 508         | On the north and west walls of the same shrine.   | :        | <b>:</b>   | Kolları 685, Sithha<br>9, ba. di. ashkamı,<br>Kohini.  | Do                     | mudaiyan. Mentions the street called Vitaragavinodan. Perunderu and Kunrakkudi in Tennari-nadu. Records that Arikesarideva alias Farakrama-Pandyadeva built the temple of Vieranatha and Gauri at Dakshina-Kasi on the worth hank of the Chitra river and appointed men for various services. The holder of half a share of the 10th service having complanned that he was not nut |
| 209         | On the west and south walls of the same shrine.   | Pandya   | Arikesari Parakrama-Pandyadeva horn  |  | ъ                      | in possession of his lands etc., they were now ordered to he restored to him.  Built in in the middle. Gift of land for the daily expenses in the same temple which is here stated to have been  |
| 809         | On the same walls   | Do.      | Kulasekharadeva  | Monday, Mula. Saka 1416, 16th Poar, Panguni 16,  | Do                     | Built in in the middle. (lift of land in Kunrakkudi a village of Tennari-nadu and garden and house-sites (at   |
| 609         | 1)0.  | Do. :    | Do   |  | Do.                    | Tenkasi) to a number of dancing girls for service in the same temple.  Refers to a gift of land, house and readen to a mivete indi-  |
| 610         | On the south wall of the same shrine.   | Do. :    | Parskrams-Pandyadeva alias Kulase-   | - SS   | ъ.                     | vidual for mentaval.  Built in in the middle. Records the assignment of lands as archanai-kaniyatchi belonging to the eighth share of the  |
| 611   C     | On the north wall of the mandapa<br>in front of the same shrine.                            | Do. :    | Jatilavarman alias Tribhnvanachakravartin Konérmaikondan Tirunelvé-<br>liperuma! Virsvenhamalai alias<br>Dhanmaperuma! Kulaéékharadèvn, son<br>of Abhirsma Parakrama-Paṇdyadéva. | Tuesday, Uttiran.<br>Saka 1481, 9th year,<br>Sddharthi, Uttara.<br>yana, Mithuna 15,<br>fu. di ashkami,<br>Tuesday, Hasta. | Do                     | service in the same temple to a private individual under circumstances similar to that noticed in No. 502 above.  Records an order of prince Alagan-Ferumal Atviraraman assigning lands to a private individual who was newly appointed to do the duties of the fourth kapkani in place of one who had defaulted.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.         |                   | Place of inscription,                            | inscript | tion.   |   | Dynasty. | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-------------|-------------------|--|----------|---------|---|----------|---|--|---------------------------|--|
| <b>6</b> 12 |                   | On the same wall                                 | :        | :       | : | Paṇdya   | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konernaikondân Perumal 1.runelveliperunal Viavaphamalan alias Kulasekharadeva, son of Abhirama Parakrama-Pandyadeva.              | Śaka 1476, 4th year, Pramadioba, Dakslinayana, Vrischika 18, śu. di. dvadasi, Friday, Variyana, yōga, Balava- karana, Punar-               | Grantha and<br>Tamil      | Commences with the words Bhuvanaikavirs, etc. The king is said to have been born on the asterism Asvati. Gift of land as devadant to the temple of Visvanasha for worship and offerings to the tuages of Nayamar set up in it.   |
| 613         | <del>ه</del><br>۳ | :  | :        | :       | : | Do       | Jațilavarman alias Tribhuvanaohakravarın Konernaikoṇḍan Perumal tirunolvelipperumal tiha Kulasekharadeu, son of Perumal Abhirama Parakraustandyadeva.                       | Saka 1474, 2nd year, Paridapi, Meha 29, su di. dvittya, Monday, Subha-yoga, Subha-yoga,  | Do.                       | Commences with the words Buuvanaikavira, etc. The king is said to have been lorn in the asterism Asvati. Records a git of land for the sacred beth, worship, offerings, etc., to the god on the day of the asterism Asvati of the king in each month and for the Vaigasi-Visakham festival to be conducted in the abhisheka-mandana built by him in the  |
| 614         | .g                | :  | :        | :       | : | Do. :    | Varuguņa Šrīvailabha  | Kohigi.<br>Śaka 1637   | Do.                       | sume temple. Records that the king who is also called Papdya Kulasse. khara is said to have a sacrifice porformed and set up during the sacrifice an image called Yajñés t-Vighnésvara and granted an agraphara under the man Abhishôkapura for the control of the co |
| <b>6</b> 16 | Do.               | :  | :        | :       | : | Do. :    | Jațilavarman alius Tribhnvanachakravartin Konstmaikondan Penumal Trunelveliperumal Viravenbamalai alias Dharmaperumal Kulasekharndva. son of Abhirama Parakrama-Pandyadeva. | Šaka 1486, lith<br>year, Rudhirod-<br>gari, Uttarayana,<br>Vasanta-ritu,<br>Rishavha 26, su.<br>di. prathana,<br>Saturday, Subha-<br>voga, | Tamil .                   | Becords an order of prince Alagan Perunal Ativirasaman Records an order of prince Alagan Perunal Ativirasaman for the grant of land to a certain Tativaprakasa for the benefit of a matha.   |
| 1172, Home  | , Do.             | :  | :        | :       | : | Do       | Kulasekharadeva   | Karapa, Rohipi.<br>Saka 1422, 21st<br>year, Tula 3, sin.<br>di. dasuni, Pri-<br>day, Avittam<br>(Sravishtha).                              | Do.                       | Records gift of lands and house-site to a certain Sevraiyir-ohudinan Thukkurralamidaiyan Vulasekhara-Kalingalayan a native of Molai-Koduniajur alias Utama-Paudiyanalim in Vudatalaichchenkirnada for writing accounts in the temple of Visvanatha. One of the lands given was originally held by Krishnan Parakramapandiya-   |
| 617         | 7<br>             | :  | :        | :       | : | <b>:</b> | :   | Śaka 1447, Kollam<br>701, Kunn 15,<br>ba. di. dvadusi,<br>Thursday,<br>Makha.  | Do.                       | Brahmadirayan who died without any isane. Records that the worship and service rendered in the temple of Visyanatha by the holder of the second share having viopped owing to his death the lands, house, etc., belonging to it in Kumakkudi, a village of Tennafur, were transferred at the instance of prince Viramarttandan.  |
| 818         |                   | On the north and west walls of the same mandaps. | west w   | ralls o |   | Pandys   | Arikesarideva alias Parakrama-Pandya-deva.  | Śaka 1385, Mina 10,<br>śu. di. navami,<br>Friday, Truva-<br>dirai (Ārdrā).   | Do.                       | alias Sifal'ay-mutavar to anciner individual. Relates to the appointment of six persons for performing worship (numbu) in the temple of Viévanatha und registers gift of lands, houses, etc to them. Refers also to the construction of the temple by the king.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Č<br>Z   | Place of inscription.                            | ecriptio | ë.     |          | Dynasty. |             | King.   |   | Date.   | Language and alphabet. | Bemarks,  |
|----------|--|----------|--------|----------|----------|-------------|---|---|---|------------------------|---|
| 619      | On the same walls                                | :        | :      | . Pa     | Рардув   | :           | Kulasekbaradsva   | :   | Saka 1390, 2 + 87th<br>year, Tula 13, ha.<br>di. ekadasi, Wed-<br>nesday, Utüram.                                   | Femil                  | Records that, as the lands granted originally by king Parakrama-Pandyadeva to Sivandaperumal-Pandya and others for service in the Gauri shrine and in the shrine of the god, were found to be insufficient, additional lands were given by king Kuladeshara in Rumakkudipparra alias Jayaviraramapperen for the employment of more hands for service such as holding chautis, pounding turmerio, burning incense, preparing scented powders, etc. |
| 20       | ٠  | :        | :      | <u> </u> | Do.      | :           | Parakrama-Paņdyadēva  | :   | Saka 1406, 2 + 9th<br>year, Karttigai 28,<br>su. di. ashtemi,<br>Friday, Uttirat-<br>tadi.                          | Do                     | Becords that as the female servants appointed for singing, danoing, etc., in the temple and constituted as the 16th kottu in the time of Kulasekhara were doing the service receiving the privileges allotted to them, without however being given the written order (olai) the omission was now simpled and they written order (olai) the omission was   |
| 631      | Do.  | :        | :      | :        | Do.      | :           | Do.   | :   | Do.   | Do                     | house in the street called Nilakandanperunderu.  Records a transaction similar to that of No. 520 above in  |
| 522      | Do.  | :        | •      |          | Do.      | <u>-</u>    | Do.   | :   | 31 + 9th year   | Do                     | l favour of an individual appointed for watching the temple. Becords a gift of land in Viévanathanallur free of all taxes   |
| 623      | On the west wall of the same mandapa.            | the sar  | ne ma  |          | Do       | :           | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Konermaikondan Kulasekharadeva<br>son of Abhirama Parakrama-Pandya-<br>deva.                           | Tribhuvanachakravar.<br>1dan Kulasekharadeva<br>1 Paiakrama-Pandya- | Śaka 1467, [23]rd<br>year, Sarradhāri,<br>Rishabha 22, śu.<br>di. ssbkami, I'ues-<br>day, Wijra-yoga,<br>Vvār-toga, | Do.                    | to a certain Kasikhuvayttap-ruman, by the king.<br>Records gift of land for a matha, and its maintenance to a<br>certain Satyajhanadajisani who was required to read the<br>agamas, puranas and Saivasiddhanta.   |
| <b>5</b> | On the same wall                                 | :        | :      |          | Do       | P           | Parakrama-Paņdyadēva alias Kulašekhara-<br>dēvs.  | as Kulasekhara-   | Uttiram.<br>Saka 1412, 11th<br>year, Kumbha 18,<br>su. di. pañohami,<br>Sunday, Aśvati.                             | Do.                    | A copy of No. 503 above, the only addition being the statement that the resumption of the grant was made in the presence of the king.   |
| 626      | Do.  | · :      | :      | <br>D.   | :        | <del></del> | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>iin Konsrmaikondan Kulasskharadsva<br>alias Parakrams-Pandyodsva, son of<br>Abhirama Parakrams-Pandyadsva. |   | Saka 1469, 5th year, Plavanga, Sinha 28, 6u. di. trayo- dasi, Sunday, Adigandha-yoga, Tiruyonam (Sra-               | Do. :                  | Records that the king conferred the appointment of claiselutu on Abavarama-Kalingarāyan Ulagudiyaperumalanative of Melsi-Kodumallar alas Utennapandy-mallar in Vadaraichem-bi-naquand granted lands, house etc., to him. The appointment was originally held by a certain Kulasékhara-Kalinganayan Papanaba-Perumal Sivala-Kalingarayan, Tarkkuggalam.  |
| 626      | On the west and south walls of the same mandaps. | walle    | of the | D9.      |          |             | Jațilavarman alias Tribl<br>vartin Kulasekharadova.   | Tribhuyanachakra-<br>6va.   | 2 + 37th year, Tula,<br>paffohami, Thurs-<br>day, Mrigaeireha.  | Do                     | Obstructed by pillurs. This inscription is connected with<br>No. 519 registered above. Mentions annaly i farakrams-<br>Pandyadevar.   |

| 1917—cont. |
|------------|
| ä          |
|            |
| sopied     |
| 18 60      |
| iption     |
| inscri     |
|            |
| -Stone     |
| H.         |

| No.         | Place of inscription.                            | Ω D3   | Dynasty.      | King.   | l)ate.   | Language and alphabet. | Вешатке,   |
|-------------|--|--------|---------------|---|--|------------------------|--|
| <b>6</b> 27 | On the same walls                                | Papdys | :             | Kuls66kharad6va   | Saka 1424, 23rd<br>year, Simha 12,<br>fu. di. ashkani,<br>Thursday, Anu-<br>sham (Anuradha).   | Tamil .                | Refers to the construction of the temple and the appointment of persons for various services in it and registers a gift of land eithered in Kungekkudi in Tanari-nadu and a house to Natusuanuduiyan and Dikkelampugalumperuman for providing secred cloth, gar ande, and orna-  |
| 80          | On the south wall of the se<br>mandaps.          | вать   | :             | :   | Saka 1469, Kollam<br>722, Sittirai 17,<br>ba. di. ashtami,<br>Wednesday,<br>Subha-yoga, Tivu-  | Do                     | ments to the god. Registers gift of land in Pappan-kulam, the north-western hamlet of Mulli-nadu for worabip in the festival called Senhegaraman-sand in the temple of Visvanatha by Sankaranarahanutti Venrumankonda Bhutalaviraranavarman the Muttavar of Jayatunga-nadu.  |
| 528         | On the same wall                                 | Pandya | 1ув.          | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konsmaikondan irunelvelipperumal Viravenbamalai alias Kulasekharadeva, son of Abbirama Parakrama-Pandyadeva.                        | Vonam (Sravana). Saka 1479, 7th year, Pingala, Dakshi- nāyana, Griehma- ritu, Korkataka 28, ba. di. éka- dasi, Thureday, Harshana-yoga, Balava-karana,           | Grantha and<br>Tamil.  | The introduction commences with the words Bhuvanaisavira, etc. Records gift of lands and tanks in Sundarapandivappeter; which was a hamlet of Malaiyadikkurichchi in Arimadu as devadana to the temple of Viernasha at Dakshina-Kasi by prince Alagan Perumal Ativirarama hun in the asterism Punsrvasu.   |
| <b>68</b> 0 | ъ  | :      | Do.           | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartu Kongrmaikondan Tirunelvelipperuna! Viravenbamalai alias Dharmapperuma! Kulasekharadeva, son of Abhiramaparakrama-Pandyadeva.         | Arragafraha,<br>Saka 1480, 8th year,<br>Kalayuka,<br>Uttarayuna<br>Grishma-ritu, Mi-<br>thuna 6, ba. di.<br>dvittya, Thure-<br>day, Brahma-yoga,<br>Gaja-karana, | . :                    | The introduction commences with the words Bhuvansikavira etc. Records that the prince mentioned in No. 529 above constructed a shrine for Verriudaiyar Sokkanatha on the northern side of the second prakars in the Visvanatha temple at Dakehina-Kasi and granted land in the hamlet of Kulssekharapporeriin Ari-nadu for its daily requirements. |
| 531         | Do. :  | :<br>: | ;<br><b>0</b> | Japilavarman alias Tribhuvanachakravartin Könemaikondan Perumal<br>Kulasekharadeva alias Parakrama-<br>Pandyadeva, 1000 Perumal Ablirama-<br>Parakrama-Pandyadeva.            | Saka 1470, 6th yaar, Klaka, Vrischika 28, ba di dvadasi, [Monday], Sobhana-yoga, varaha-karana, Sodi   | 'Camil .               | Records the remission of certain taxes in favour of the temple for worship and offerings by Tirunelvelipperumal, son of Abhirama Parakrama-Pandya at the service called Viravephamalai śandi after him and for a special festival on the day of his asterism Aśvati which fell in the month of Avani.  |
| 683         | . :  | :      | :             | Bhuvanaikavira Jațilavarman alias Tri-bhuvanachakravartın Konermaikondan l'erumai Kulaséekharadova alias Para-krama-Pandyadeva, son of Perumai Albirama Farakrama-Pandyadeva. | .202   | Do                     | Records that prince Abhiramavarnan son of Perunal Kulasekharadeva alias Parakrama. Landya gave lands at Tenmalai a village of Ariya-nadu, to the temple for the mid-day stibal offerings to the god Visevanatha and the goddess Ungumuladumndaiya. Nachohiyar. The title Bhivanaik vira is prefixed to the name of the king.                       |
| 633         | On the south and east walls of the same mandapa. |        | Do            | Jațilavarman alins Tribhuvanachakra-<br>vartin Parâkrams-Pandyadêva.  | (Āslēsha<br>31 + 6th<br>Mithuna<br>di. t<br>Wednosc<br>sham (A)  | Do                     | . Registers a gift of land in Pagur, a village in Kurmarai-<br>nadu as a devadana to the temple of Visranatha.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Do Jatilavarman alias Tribhu-anobakus same mandapa.  On the same walls  | _        |                      |            | -    |      |   |   |                           |       | And the construction of th |
|---|----------|----------------------|------------|------|------|---|---|---------------------------|-------|--|
| 94 On the wouth and east walls of the Pandya Jațilavarman alias Tribhu araohakua same mandapa.  10 fațilavarman alias Tribhu vanaohakua alias por in the asteriar Erithaus-Pandyadeva.  10 Konérmaikondan alias Tribhu vanaohakua parafirama-Pandyadeva.  11 Jațilavarman alias Tribhu vanaohakua parafirama-Pandyadeva.  12 Jațilavarman alias Tribhu vanachakua paramal Musebaharadeva alia paramal perunal Virreptanal alias Tribhu vanachakua perunal Virreptanal Musebaharadeva.  12 Jațilavarman alias Tribhu vanachakua perunal Virreptanal Abhirā alia Dhorman perunal Virreptanal Abhirā alia Dhorman alias Tribhu vanachakua artin Konermaikondam Trimel Pelipp perunal Virreptanal Abhirā in alias Tribhu vanachakua artin Konermaikondam Trimel Virreling alias Shinaradeva, son of Perunal Abhirā in alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua arakuman alias Tribhu vanachakua alias Baramaparumal Kulasekhara-vartin Konerman alias Tribhu vanachakua alias Baramaparumal Kulasekhara-bandala alias Baramaparumal Kulasekhara-vartin Konerman alias Tribhu vanachakua alias Baramaparumal Kulasekhara-vartin Konerman alias Tribhu vanachakua alias Baramaman alias Tribhu vanachakua alias Baramama arakuman alias Tribhu vanachakua alias Baramaman alias Tribhu vanachakua alias Baramama arakuman alias Tribhu vanachakua alias Baramama arakuman alias Tribhu vanachakua alias Baramama alias Tribhu vanachakua alias Baramama arakuman alias Tribhu vanachakua alias Baramama arakuman alias Tribhu vanachaku | No.      | Place of inscriptio  | ij.        | Dyna | ety. | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | pu    | Remarks.   |
| Do Konermaikondan slins Tribhuvanaohahra Parkiniaa.  Do Konermaikondan Kulasekharadeva alian Parakrama-Pandyadeva.  Do Jarilavarman alias Tribhuvanachakra varin Konermaikondan Trinbuvanachakra varin Konermaikondan Trinbuvanachakra varin Konermaikondan Trinbuvanachakra varin Konermaikondan ilias Ibhunan perunal Viravephanialei sliss Ibhuvanachakra varin Konermaikondan ilias Tribhuvanachakra varin Konermaikondan ilias Tribhuvanachakra varin Konermaikondan ilias Kulasekhrama alias Tribhuvanachakra varin Konermaikondan ilias Kulasekhrama alias Tribhuvanachakra varin Konermaikondan ilias Kulasekhrama alias Tribhuvanachakra varin konermaikalia ilias Iliamal Abhirana alias Tribhuvanachakra varin konerma ilias Tribhuvanachakra varin konerma ilias Tribhuvanachakra varin konerma ilias Tribhuvanachakra varin konerma ilias Tribhuvanachakra alias Brivallabhadva, son of Perunal Viravenbanalai alias Iliama-Yandyadeva.  Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra varin Konermaikondan Kulasekhrandeva.  Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra varin Konermai Abhirana-Yandyadeva.  |          | e south and east wie | ills of th |      |      | Jațilavarman alias Tribhu:anaohakıa-<br>vartin Parakrama-Pâudyadêva aliaa<br>Kulatétharadêva, born in the asterism  | \ <u>0</u> 0  | Tamil                     | :     | Unfinished. Refers to the construction of the temple of Viewanatha by Farakrama-Pandyadeva and mentions the  |
| Do   Do   Constraint or the same   Do   Jatilavarman alias   Tribhavanachakranaranaranaranaranaranaranaranaranara   |          | same walls           | :          |      | :    | нJias<br>krama∙l  | Punarvasa. 31 + 7th year, Makara 9, sa. di.   | Do.                       | :     | Gift of land in Sengotțai, a village in Rugulaiñai-nadu, for worshin and offerings in the township and offerings in the township.  |
| Do Jaţilavarman alias Tribhuvanachakra- rarin Konerimaikondân Tirunelyelip- perumal Kulasekburadeva, son of Abhirana perumal Kulasekburadeva, son of Abhirana perumal Wiravenbanara- rama Parakrama-Pandyadeva.  Do Jaţilavarman alias Tribhuvanachakra- rarin Konermaikondân Tirunelyelip- perumal Viravenbamalai alias Kula- sekharadeva, son of Perumal Abbirārun arakrama-Pandyadeva.  Do Jaţilavarman alias Tribhuvanachakra- varin Konerim ikondam Palias Aliagan-Perumal Abirana- varin Konerim ikondam Palias Aliagan-Perumal Aliv roraman alias Aliagan-Perumal Viravenbamalai alias Do Jaţilavarman alias (ribhuvanachakra- varin Konelimalakondam Kulasekhara- deva alias Kulasekhara- deva alias Kulasekhara- adeva alias Rulasekhara- deva alias Rulasekhara- deva alias Rulasekhara- son of Abhirana-Pandyadeva, and Abhirana-Pandyadeva, and Abhirana-Pandyadeva.  |          | :                    | ·<br>:.    |      | :    | Konermaikondan Kulasekharadera alias<br>Para[krama-Pandyadera], son of Abbi-<br>rama Parakrama-Pandyadera.  | [dvadasi].<br>Saka 14[71], 6th<br>year, Saumya,<br>Mithuna 20,<br>[sap]tami, Mon-   | Do.                       | :     | Damaged and built in. Records that the prince Viravenba-<br>malai alias Tirunelvelipperumal granted certan lands in<br>Tenkarai-l'arakanama-Pandiyanallat to a private individal<br>after the death of the retractions to hilds.   |
| Do. Jaţilavarman alias Tribhuvanachakravarinin Sohemaikondan Trinnelvelipperumal Viravendamalia alias Kulasekharadeva, son of Perumal Abhirārna arakrama-Paṇḍyadeva.  Jaṭilavarman alias Tribhuvanachakravarin Konemin ikondan Perumal Ahagan-Perumal Abhirārna Alias Srivallabhadeva, son of Perumal Aliase Srivallabhadeva, son of Perumal Ifiranelvelipperumal Viravendamalai alias Brivallabhadeva, son of Perumal Ifiranelvelipperumal Kulasekharadeva.  Do. Jaṭilavarman alias Tribhuvanachakravarin Koneinmaikondan Kulasekharadeva, son of Abhirāma-Paṇḍyadeva, son of Abhirāma-Farākrama-Paṇḍyadeva, son of Abhirāma-Farākrama-Paṇḍyadeva, son of Abhirāma-Farākrama-Paṇḍyadeva.   | <u>6</u> | ast wall             |            |      | :    | Jațilavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Konêrinaliondăn Tirunelvedip-<br>perumal Viravenbamalai alias Dhanina-<br>perumal Kulasekburadeva, sou of Abbi-<br>râma Perakrama-Pândyadeva.                                  | day. Saka .484, 12th year. Dundubii, Dakshipāyana, Varsha-ritu, Kanyā, 6, šu di. saptami, [Wed- nesday], [Jeelsh-   | Å                         | :     | Records that the prince Alagan Perumal Ativiraraman appointed a private individual to be in possession of the fifth share of the service in the temple, on the death of its previous holder.   |
| Do Jatilavarman alias Tribhuvanaobakra- vartin Konstranikondan Perunal Alagan-Perumal Ativ raraman alias Srivallabbadeu, son of Perunal Ifiru- nelvelipperumal Viravenbanalai alias Do Jatilavarman alias Tribhuvanaobakra- vartin Konstimaikondan Kulasekhara- deva alias Perakrama-Pandyudeva, son of Abhirama-Pandyudeva,  |          |                      |            | **** | :    | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konêrmaikondăn Tirunelvelip-<br>porumăl Viravendâmalai alias Kula-<br>66kharadeva, con of Perumâl Abhirārna<br>arākrama-Pāņdyadeva.   | sakai 477, 5th year, Rakehasa. Utarrayana, Vasentarritu, Mesha 9, su. di. Ohalurdad, Gaja-karana, Har ishana-yoga,  | Grantha<br>Tamil.         | and . | The introduction commences with the words Bhuvanaikavira, etc. Records that prince Alagan lerunal Gunarams, born in the astrism Mula, gave lands including Arifijarpiratti in Kurumarai-radu to the temple of Vistanatha for a festival to be conducted on his birth-day every year. Refers to a devadana belonging to a Muhammadan mosque (ulukkan-palli).  |
| Do. Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Koneliunikondăn Kulasekharadeva alias Patâkranua-Paṇdyadeva, son of Abhirama-Farakranna-Paṇdyadeva,   |          | ·•                   |            |      |      | Jațilavarman alias Tribhuvanaobakra-<br>vartin Konstim alkondăn Perunal<br>Alagan-Perumal Ativ raraman alias<br>Srvallabhadsu, son of Perumal Tiru-<br>nelvelipperumal Viravandanalai alias<br>Dharmaporumal Kuladskharadsva. | Saka 1493, 8th year,<br>Prajapani, Utta-<br>1ayana, Vasanta-<br>ritu, Rishabha<br>15, 8ta di. pancha-<br>mi, Monday,<br>Subha-yega,<br>Subha-karana,<br>Rohini. | Tamil                     | :     | Registers a gift of land and a house to a Brahmana under the orders of the king.   |
| Mala  |          |                      | :          | Do.  | •    | Tribhnyansobakra-<br>kondan Kulasekhara-<br>18krann-Pandyadeya,<br>Abbirana-Farakranna-   | Saka 1473,9th year, Virodhikrit, Saradittu, Tula 5, 8u. di. Sashti, Monday, Adikanda-yoga, Taitula-karana,  | D <b>o.</b>               | :     | Gift of land in Tenkasi alias Virapandiya-ohaturvedi-<br>mangalam in Tenvali-nadu to a Brahman named Yajha-<br>narayana- Uhutta by the order of the king who is styled<br>Tirunclvelipperuma! Viravenbamalai.  |

B.—Stone, inscriptions copied in 1917—cont.

| No.          | -   | Place of inscription.  |                 | Dynasty. |     | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | pu  | Кетатке.   |
|--------------|-----|--|-----------------|----------|-----|--|--|---------------------------|-----|--|
| 641          |     | On the south, east and north sides of the platform in front of the sume mandapa. | sides<br>of the | Рапфув   |     | Japilavarman alias Pribhuvanachakra.<br>vartin Arikegvaradeva  | Saka 1[3]90, 2 + 30t" year, Simba 21, 26. di. dvi-   | Tamil                     | :   | Fuilt in in the middle. Gift of land in Sendaneripagua a village of Kuguunggi-nadu to the temple for worship, offerings and other requirements.  |
| 642          |     | On the south wall of the first pra-<br>kara.                                     | t pra-          | Do.      | :   | a'ias Tribhuvanachakra-<br>maikopdan Perumal Tiru-<br>nal Vtravenhamalai alias<br>nalson of Parakrama-   | ыра.<br>Sara 1486  | Do.                       | :   | Fragment. Ends with the mention of the king.   |
| <b>54</b> 3  |     | On the same wall   | :               | Do       | :   | Papdyadora. Japidyadora. Japidyadorana alias Tribhuvanachakra- nelvelipperumal Virux-phamalai alias Kulasekharadoya, son of Abbirana Parakruma-Fandyadova. | Saka 1476, 6th year,<br>Ananda, Uttara,<br>yana, Grishma-<br>ritu, Mithana,<br>30, ba, di. trayò-<br>dagi, Vicidhi-yogu,<br>Ga ia, krahda-                 | Ро.                       | •   | Fragment. Begisters a gift of land and a house to a Brahmana Sakalyakutti Sundarabahabhatta for the recitation of the Anandavalli in the temple of Vistanatha.   |
| 54           | 544 | . :  | :               | Do.      | •   | Jațilavarman alias l'ribhuvanachakra-<br>vartin Kulasekharadeva.   |  | Do.                       | •   | Unfinished. Registers a gift of land in Pagurparu in Knrumarainadu to Annamalainatha one of the disciples of linnvenkathumudalijar.  |
|              | 245 | Do.  | :               | Do.      |     | Jațilavarman alias Konêrusikondan<br>Parakrama-Pandyadeva, son of Abbi-<br>ramaParakrama-Pandyadeva.   | day, Ufbratțadı.<br>Saka, 1717, 7th<br>year, Suurya,<br>Karkațaka 21,<br>br. di. ekadeai,<br>Saturday, Vāra-<br>vaka-yoga, Sim-<br>ha-karana, Ro-<br>hiņi. | Grantha<br>Tamil.         | нид | The introduction commences with the word Bhuvanaika-<br>vira, etc. Records that under orders of the prince Vira-<br>vendamalai alias Tirunclyelipperunal certain lands and<br>houses were granted to two persons for keeping watch in<br>the temple of Visvanatha. Refers to the temple of<br>Kannimar at Tenkasi, |
| 1172, Home ( | 979 | . :  | <b>:</b>        | Da,      | :   | [K5]nermaikondan Tirunelvelip-<br>perumāļ Viravenbarmālai alias Kula-<br>66kharmdeva, son of Abhirama<br>Parakrama-Pandyadēva.                             | Saka 1484, 12th year, Du[ndubh], hakshiṇayana, Varsha-ritu, Kaṇ-   | Tamil                     | :   | Built in and damaged. Registers a transfer of land belonging to the second share in Kunnakudi, a village of Tenniari-nadu by the order of prince Alagamperumal Ativiraramani to two individuals.   |
|              | 647 | . :  | •               | Do.      | :   | Arikesarideva alias Parakrama-Pandya-deva.   | Saka 1385, 31 + 11th year, Kar-<br>kataka 30, su. di.<br>trayodasi, Thurs-<br>day, Uthiradam.  | Do.                       | :   | Built in in the middle. Gift of land to Brahmanas for the reditation of the Fēdas (adhyayana). The land was situated in Vin-Pandya-chaturvēdīmangalam founded in the name of prince Vira-Paṇdya.   |
| ~            | 848 | . :  | :               | Do.      | : ` | Parakra[ma-Paṇḍya] . Vira-<br>Paṇḍyadēva.  | Śaka 1402, 13th<br>year, Vrisobika,<br>ba. di. dasami<br>Sunday, Ilasta.   | Do.                       | :   | Built in in the middle. Records a supplemental gift of a piece of land for the purpose mentioned in No. 547 above.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Place of inactivities   Dynaty   King   Date of inactivities   Date of Abitrary and the same wall  |     |                            |             |        | -     |    | 1   |  |                        |   |
|--|-----|----------------------------|-------------|--------|-------|----|---|--|------------------------|---|
| Por the same wall Protys Protys Protys Protys  | No. | Place of in                | 186ription  |        | Dynas | ty | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.  |
| On the same year   On the same paragrams are larged between the same paragrams and ships are larged between the proposition of the same year   Do  | 649 | On the same wall           | :           | :      |       |    |   | year, Mesha 27,<br>gu. di. chaturthi,<br>Tiruvadirai                         |                        | <u> </u>  |
| Do.   [Ph.]rikrama Pagiyndère   Saka 1406 2 + 9th   Do.   Parikrama-Pagiyndère   Saka 1406 2 + 9th   Do.   Parikrama-Pagiyndère   Saka 14   1   Do.   Parikrama-Pagiyndère   Saka 14   Do.   Parikrama-Pagiyndère   Saka 14   Do.   Parikrama-Pagiyndère   Saka 14   Do.   Parikrama-Pagiyndère   Saka 14   Do.   Pagintar a simular grant of late order of prince Vira-Verghandin and a house in Tapikasi   Saka 14   Do.   Pagintar a simular grant of late order of prince Vira-Verghandin and a house in Tapikasi   Saka 14   Do.   Pagintar a simular grant of late order of prince Vira-Verghandin and a house in Tapikasi   Saka 14   Do.   Pagintar a simular grant of late order of the carindon of the Velar   Saka 14   Do.   Pagintar a simular grant of late order of the carindon of the Velar   Saka 14   Do.   Pagintar a simular grant of late order of the carindon of the Velar   Do.   Pagintar   Pagintar   Do.   Pagintar   Pagintar   Pagintar   Do.   Pagintar   Pagintar   Pagintar   Do.   Pagintar   P | 550 |                            | of the same | e pra- |       | :  | alias<br>obakravart<br>onelvėlipės<br>Kulasõkha   |  |                        | Ä   |
| Do.   Parakrama-Paodyadova   Saka   H.   2   Do.   Farity built in. Gift of land free of taxes to a certain Krishing 24, as a Katigur 25, as a radio of the same pratagram of  | 651 | On the same wall           | :           | :      | Do.   | -: | [Pa]rakrama Paṇḍyudōva  | Śaku 1406, 2 + 9th<br>year, Vrišchika<br>28, śu du ashtami,<br>Friday, Utti- |                        | Avapi.  Avapi.  Built in. Gift of additional lands for the recitation of the Vedus (adhyayana) in the temple. Mentions Vira-Pandya.   |
| Do. 1. Jepilerarman slies Tribhuranchakra   Saku 147, 7th   Do. 1. Jepileranchakra   Saku 147, 7th   Do. 1. Jepileranchakra   Saku 147, 7th   Do. 1. Jepilerana   Jepilerana | 552 | Do.                        | :           | :      | Do.   | :  |   | <br>ai 28,<br>am1, [   |                        | Partly built in. Gift of land free of taxes to a certai<br>Krishqan Parakrama-Pandya-Brahmadiraya, as<br>Vrishabha-landhanai-kaniyatchi.  |
| Do Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra Saka 1479, 7th Do Registers a simular grant of land and a house in Tephkasi alias Unicharana alias Tribhuvanachakra Saka 1479, the Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra Saka 1479, the Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra Saka 1479, the Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra Saka 1479, the Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra Saka 1479, the Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakra Saka 1479, the Do Damaged Revords a tax-free gift of land and houses in Ilahiji, a village of Tengahai alias Charaghanala alias Universalia Saka 1479, the Do Damaged Revords a tax-free gift of land and houses in Ilahiji, a village of Tengahai alias Charaghanala alias Universalia Saka 1479, the Do Damaged Revords a tax-free gift of land and houses in Ilahiji, a village of Tengahai alias Charaghanala alias Charaghanala alias Charaghanala alias Charaghai. Adersa Saka 1479, the Do Damaged Revords a tax-free gift of land and houses in Ilahiji, a village of Tengahai alias Charaghai. Adersa Saka 1479, the Do Damaged Saka Ilahija Aliahai  |     | On the north wall<br>kara. | of the same | e pra- | Do.   | :  | _±  | Saka 1471,<br>ye-r, Sau<br>Kanni 8, I<br>nai, Uttirațț                       |                        |   |
| Do Jațilavarman alias l'rithuvanachakra- vartin Ko-neg[maikondani] Perumal Ativiraraman Sivallabhadeva.  Ativiraraman Sivallabhadeva.  Bui, di. dasaui, Bui, Mithuna 23, dari danaged.  Bui, di. dasaui, Bui, Mithuna 23, dari danaged si tax-free gift of land and houses in laranelvelity perumal parumal perumal alias (Utarayana alias Kumbha ason of Abhirama Parakrama-Fāṇḍya- Amavagyai, Sravaṇa.  Do Jațilavarman alias (Tribhuvanachakra- vartin Konemaikonda, liranelvelity peur, Pingala, perumal parama-Pāṇḍya- Amavagyai, Sravaṇa.  Do Jațilavarman alias (Tribhuvanachakra- vartin Konemaikonda, liranelvelity peur, Pingala, perumal parama-Pāṇḍya- Amavagyai, Vyaṭtpāta-yoga, Sravaṇa.   |     | On the same wall           |             | :      | Do.   | :  | ·   | 1472.<br>', Sadbar<br>ara 7, ba<br>odasi,<br>day, Mule                       | Do                     | Registers a similar grant of land and a house in Tenkasi alias Virapandya-chaturvėdimangalam to a certain Višvanatha-lihatta for the recitation of the Vedas (adhyayana) in the temple for four days (in a month). The gift was ordered by prince Viravenbamalai alias Tirunelvėlipperuma). |
| Do Jațilavarman alias Tribbuvanachakra- Śaka 1479, 6th Do Damaged. Records a tax-free gift of land and houses in year, perumăți Viravenbămâlai alias Utarayana, Bhanmapperumăți Viravenbămâlai alias Son of Abhirama Parakrama-Păpdya- Amavaspai, deva.  | 99  | De.                        |             | :      | Do.   | :  | alias<br>-nēŗ[mail<br>an Srīvall  | year,Grish<br>, Mithuna<br>di. dass  |                        | Seems to register a gift of land for<br>to the image of Vitrumarinoda-  |
|  | 99  |                            |             | •      | Do.   |    | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konermaikondăn liranelvelițperumăl Viravenbămălai alias Dhanmapperumăl Kulusskharadeva, son of Abhirama Patăkrama-Pāņdyadeva. | .a. '  | Do. :                  | Records a tax-free gift of land and houses in vilage of Tennali-nadu under the orders of lagung Lennal, Aiviranaman for conducting a ninected with the fifth kettu in the temple.   |

b.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.        | Place of inscription. | nsoripti | on. |          | Dynasty.    |   | King.  | Date.   | Language and alphabet. | Вепатки.   |
|------------|-----------------------|----------|-----|----------|-------------|---|--|---|------------------------|--|
| 567        | On the same wall      | :        | :   | :        | Раџдуа      | : | Jațilavarman alias fribhuvanachakravartin Köndrmaikondan Virwenba-mallai alias Tirunelvelipperumai Kulagekharadeva, son of Abhirama Paiskrama-Pandyadeva.                              | ard<br>madhi,<br>ha. di.<br>friday,   | Tamil                  | Damaged. Seems to record the transfer of the tax-tree gift of an unclaimed hand and houses originally given to a person for locking after military accounts (senapatya-kanaku).  |
| 658        | Do.                   | :        | :   | :        | <b>D</b> 0. | : | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Kôndrmaikoṇdăṇ Perumaļ<br>Alagaṇ-Perumaļ Ativīrarāmaṇ alias<br>Stīvallabhadēva.  | , ŠŠ  | Grantha and<br>Tawil.  | Mach damaged and unfinished. The introduction commonoes with the words Bhuvanaikavira, etc. Seems to sefer to the death of pers ms belonging to the eighth kottu and to the transfer of the lands assigned for it to other persons.  |
| 659        | °°a .                 | :        | :   | <u>.</u> | Do.         | : | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konsrmaikrıdan Perumal<br>Tirunelvelipperumal Viruvenbamalai<br>alias Kulasékharadeva, son of Abhirama-Parakrama-Parakrama.                  | Śaka 1476, 4th<br>year, Pramadi-<br>ota, Margaji 20,<br>be. di. dvittya,<br>Friday, Vajyya-<br>dizwon, Tattula.                       | Tamil                  | Records gift of land in Tanjavurparru in Tennari-nadu and a house to a certain Padmanabha-bhatta for the recitation of the Vedes by the order of the king.   |
| 999        | Do.                   | :        | :   | :        | Do.         | : | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konêrmaikondăn Perumal<br>Tirunelvelipperumal alias Viravenba-<br>mâlat alias Uhamma-l'erinual Kula-<br>Bêkharackas, son of Abrirama, Poebra | karana, lushya.<br>Saka 1481, 9th year,<br>Siddharthi, Utta-<br>rayana, [su. di.]<br>nehtumi, luesday,                                | До                     | Records that at the order of prince Alagan-Paramal Ativira raman, the temple lands situated at Parakrama-Pandiyanallu, near Tenkasi in Tennari-nadu and enjoyed by Kandiyadêyan who had died without any heir, were trans-   |
| 561        | Do.                   | :        | :   | :        | Do.         | : | ma-Pangpadera. do.   | Śaka 1481, ęt<br>Śaka 1481, ęt<br>year, Siddharthin<br>Vpiśchika 6, su<br>di. shashţī, Sun  | Do.                    | ferred to Umayorupagamudaliyar as a tiruvvalikkani-yatohi. U.finished. Seems to record a transfer of land belonging to the fourth kottu which was in the enjoyment of a certain Sondapperunal.   |
| 562        | .00                   | :        | :   | :        | Do          | : | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Kotormukondan Kulasekharadeva alias Parakrama-Pandyadova, sorof Abhiraua Parakrama-Pandyadova.   | day, Vriddhi<br>yoga, Taitule<br>karana, Sravana.<br>Sala 1470, 6th.<br>year, Kllaka.<br>Dhanus 10, 6v.                               | Do                     | Registers a gift of land under the orders of prince Tirunelvelliperun.al for the recitation of Anandavalli in the temple of Viévanatha during the first four days of the month.  |
| <b>999</b> | Do.                   | :        | :   | :        | Do.         | : | Do. do,  | Sakuruay, Uth<br>rattadi.<br>Saka 1472. 8th<br>year, Sadharana,<br>Simha 21, su. di<br>dasemi. Thure-<br>day, Ayushman-<br>yoga, Gaja | Do                     | ttecords that at the order of the prince Viravenhamshai aliasa Trinelvelipperumal, the temple lands situated in Puliyur, a village of Temari-nadu and enjoyed by Parpanabha-Bhatta who had died without any heir were transferred to a certain Tiruvengadahattair-Tirunagesevara-Bhattain for the recitation of the Anandavalli. |
|            |                       |          | İ   | -        |             | - |  | karaņa, Mūlā.   |                        |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No. | Place of inscription.   | oription.                                  |              | Dynasty. |  | King.   |  | Date.   |                                       | Language and | Pu       | Remarks.  |   |
|-----|---|--|--------------|----------|--|---|--|---|---------------------------------------|--------------|----------|---|---|
| 998 | On the same wall  | :  | :            | Paṇdya . | [Jutilava]r<br>vartin<br>Kulasekl<br>Pandyad | Jatilava]rman aliaa Tribhuv<br>vartin Könernaikondan<br>Kulasekharadeya nlias<br>Pandyadeya, son of Abhir       | Tribhuvanaohakra-<br>ikoņdān Perumāļ<br>nlias Parākrama-<br>of Abhirāma-Parāk- | Śaka 1471, 7th<br>year, Saumya,<br>Tula 23, fu. di.<br>tritiya, Wednes-   | -                                     | Tamil        |          | Damaged. Records that at the order of prince Viravenha-<br>malsi alias 'litunelvelippermus! the temple lands belong-<br>ing to the second kotta and enjoyed previously by Nalli<br>and others were now transferred to new owners.   |   |
| 565 | Do.   | :  | :            | . До.    | Jațilavarman<br>vartin Kula                  | alias<br>60kha[ra   | Tribhuvanachakra-<br>deva].  | yoga, Tantili<br>karana, Ketw<br>(Jyeshths).<br>2 + 2nd yea<br>Makara 7, Monday, Punarvasu.                                     | 1 d 2 d d                             | Do.          | :        | Obstructed by pillars, and incomplete. Records that the king granted to 31 Brahmanas of various gotras and entres, 31 shares of land and houses and two shares to the temple of Kulsisikhara-Vippagar-Emberuman in Kuls-  |   |
| 266 | On the west wall of the Karuvelam<br>(treasure room) in the same<br>temple. | wall of the Karuvėlam<br>room) in the same | elam<br>same | :<br>Do: |  | alias<br>6rmaiko  | Tribhuvanaohakıa.<br>ndan Parakrama.   | Saka 1470, 6th year, Kilaka, Sirha 16, su. di. 6kadasi, Wednes- day, Avanaman.  |                                       | Do.          | :        | Sekhahr-chaturvedumangalam which was formed into a vilage in Urimaiyagiam. The king is said to have been born in the asterism Punaranau. Registers a grant of land, by the order of the king, to four persons forming the twelfth kottu for keeping watch in the temple.  |   |
| 199 | On the same wall  | :  | :            | Do       |  | ·   | do.  | yoga Bhadra-<br>karana, Purat-<br>tadi.<br>Saka 1471, 6th<br>Year, Saumya,<br>Rishabha 17, ba.<br>di. trjinya, Tues-            |                                       | Do.          | :        | Relates to the grant mentioned in No. 666 above.  |   |
| 888 | Do.   | :  | :            | . :      | Jațilavarme<br>tin Parak<br>the asteri       | Jațilavarman alias Tribhuvanaohakravar-<br>tin Parskrana-Paṇḍyadēva, ' born under<br>the asterism Mrigasiraha.' |  | day, Subha-yoga,<br>Rishabba-karana,<br>Mola.<br>31 + 8th year,<br>Vrischika 3,<br>ba. di tritiya,<br>Saturday,<br>Mrigasiraha. |                                       | Do.          | :        | Hecords that the king granted in his 2 + 28rd year corresponding to Meshu 24, su. di. Chaturthi, Wednesday and Mrigssirsha, the village of Manakawacha-chaturvedimangalan in Sendameri in Kurumagainadu aculdivision of Suramagainadus cub-division of Suramagaintous sub-division.   | 1 |
| 699 | On the west and south walls of the same room.                               | ath walls of                               |              |          | Jatilavarms<br>tin Kulo<br>the asteri        | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravar-<br>tin Kulottunga-Pandyudeva, 'horn in<br>the asterism Jysshţha.'       |  | 2+ 41st yest, Śaka<br>1388, Vysya,<br>Mithuna 29, śu.<br>di. trayodasi,<br>Thursday, Ketęsi<br>(Jyeshtha).                      | saka<br>aya,<br>bu.<br>sasi,<br>iţţai | <b>.</b>     | <u>¤</u> | Brahmans and that in the year 31 + 8th Re gave an additional share. Mentions the names of recipients of these shares.  Beoords that the king granted to Navinar Mahaganapati Navinar Vameders-Navinar of the lineage of Amard-dasramacharys of Varendragrams a village in Gaudharashtra, on the north bank of the Ganges in Uttarapaths, a piece of land and had it included in Manakavacha-chacker willing mass previously bestownd by Dard her Dard her and the dard had it included in Manakavacha-chacker will manakavacha-chacker will manakavacha-chacker willing was previously bestownd |   |
| I   |   |  |              |          |  |   |  |   |                                       |              |          | by I are a come I apply a cover on Drainman as an agaram. The grant was made in the presence of the god Alagiya- 60kkanar.  |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|   |                       |  | No.  | 1172, Ho   | •  | 1  | 6тн Se   | PTEMBER  | 1918   |  |
|---|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|   | Ramusha               | Records that in accordance with an order of prince Alagua-                 | Tennari nadu wore given to a certain Visyanatha for looking after the accounts of the matha. | (dift of land in Hanji a village in Tennari-nadu to a certain Venuvananātha-Bhatța of Serupilli for the recitation of the Vedus (addyugana) by the order of the king.                        | Records that at the instance of prince Alagan forums!  | Busha of Vangipuran as a pernanent holding for writ-ing the military accounts (sendpatriya-kapakku). | Built in at the beginning and damaged. Registers a gift of land made at the instance of prince [Viravenba]malai slias Tirunelvelipperuma].   | Much damaged and partly built in. Seems to register a gift of land made at the instance of prince Varatunga- | Registers a gift of land and a house to Narayana-Bhatta at the instance of prince Gunaranan Alagan-Forunal, for adhyayana.   |  |
|   | Lauguage and          | Tamil .  |  |  | Do. :  |  | Do   | Do. :  | . :  |  |
|   | Date.                 | Saka 1481, 9th year,<br>Siddharthi, Dak-                                   | shipayana, Barad. fitu, Tula 17, b. di, Dratha- ma, Tuesday, Vyailpata-yoga, Kaulava-karapa, | ຸດຊື້<br>  | Thursday, Sul-ha-yoga, Pushya. Saka 1479, 7th year, liftgala, Dakthindyana   | Grishma-ritu, Kar-<br>krtaka 29, ama-<br>vasya, Saturday,<br>Vyatipata-yoga,<br>Naga-karana, Pu-     | , narvasn.<br>Saka 1471, 7tb<br>year, Saumya,<br>Mina 29.  | Śaka 1495, [10]th<br>year, Śrimukha,<br>Uttarayana, Śrii-<br>sara-ritu, Kumbha,<br>6. Srati.                 | Saka 1476, 5th<br>year, Ananda,<br>Utarayena, Si-<br>sira-ritu, Mina<br>23, ba. di. da-<br>dasi, Wedneday,<br>Subba-yoga, Tai-   |  |
|   | King.                 | Jațil.varman elias Tribhuvanach. kr., vartin Konstinaikondan Tirunslvellt. | perumaj Kuladekharadev., son of Abhirama-Parakrama-Papayadeva.                               | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konerimaikondăn Perumai Ativirarăman alias Stivallabhadeva, son of Perumai lirunelvelipperumai Viravebamălai alias Dharmaperumai Kulaseskharadeva. | Jatilavarman alias Fribhuvanachakra-<br>vartin Koherimaikondan Tirunelvelip-<br>perumal Viravenhamalai alias Kula- | sekharadera, son of Abhirama-Parsk-<br>rama-Pandyadera,  | Jațilararman alise Tribhuvanachekravartin Konerimaikondan<br>Vartin Konerimaikondan<br>Pandyadera, son of Abbirama-<br>Parakrama-Pandyadera. | huvanachakra-<br>Porumaj<br>18 Srivallabha-  | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konstinuikondăn Perumal Tirunelvedipperumal Vtraventemalai ulus Dharmapperumal Kulasselbaradeva, son of Abhirama-Parakrama-Pandyndeva. |  |
|   | Dynasty.              | Pandya   |  |  | : ,00;   |  | .:   | Do. :  | Do.  |  |
| 3 | Flace of insoription. | On the south wall of the same shrine.                                      |  | on the same temple. Sarya shrine in the same temple.   | On the north wall of the kitchen in<br>the same temple.  |  |  |  | At the entrance into the same kit-<br>oben, right side.  |  |
| Ä | 9                     | 670  | ;  |  | 672  | 7  |  | #<br>  | <b>6</b> 27  |  |

1172, Home (Edn.)—15

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Page of the sack will of the first bear of the sack will be s   |     |  |          | The more of the state of the st | Programme and a contract of the contract of th |                           |   |
|--|-----|--|----------|--|--|---------------------------|---|
| On the sout well of the Sobrab.  On the sout will of the Sobrab.  On the sout will of the Sobrab.  On the sout will of the Sobrab.  On the south wall of the fart practical state of the south wall of Sobrabilings.  On the south wall of Sobrabilings.  On the south wall of the Loke.  On the control of the Loke.  On the control of the Loke.  On the control of the Loke.  On the control of the Loke.  On the Coke Manage of the Loke.  On the Coke Manage of the Coke Manage of the Coke Manage of the Coke Manage of the Coke Manage of the Coke Manage of the Coke Manage of the Cok | No. | Place of inscription.                      | Dynasty. | Ring.  | Date,  | Language and<br>alphabet. | Вопатка.  |
| On the same well of the Subrah.  On the same well of the same well of the same well of the same well of the same well of the same well of the same well of the same well  On the same well of the same well  On the same we  | 929 | On the north and store-room in th          | Pandys   | :  |  | Tamil                     | Records that the temple of Vieranatha constructed by king Arikesarideva alias Parakrama Fandya having kone out of repair and the Gestivals and services provided for not having been conducted the temple was reconsecrated in Kollam 700 Makara 4, by Viranattandan alias Siraivay mutlayan who performed the Biahmakalasabhishèka.  |
| On the north wall of the fint practice in the control wall of the same wall Do 1 Jayliavarnan alias Tribhuvamochakravar Saka 1482, 5th year, or the same wall Do 1 Jayliavarnan alias Tribhuvamochakravar Saka 1482, 5th year, or the same wall Do 1 Jayliavarnan alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 12 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 1487, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 148, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 148, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakravar Saka 147, 17 year, 18 Jah Charman alias Tribhuvamochakrav                               | 677 | On the east wall of<br>manys shrine in the | Do. :    | alias Tribhuvanachakra-<br>ieinnaikopdan Perumal Str-<br>ra, 'who revived the old<br>ida-kalam-edutta).  | Saka 14[5]9, 3rd<br>year, Hevilambi,<br>Vrischika 22,<br>ba di. pañohemi,<br>Wednesday]<br>Pushya.   | Grantha<br>Tanil,         | notes to sport a commence with the words. Chromatika-<br>tiva, etc. Registers a gift of land at Poliyar and a house<br>at Tenkas made at the instance of the king to Padua-<br>nabla. Bhatta of Somadevimangalam for adhyayana.   |
| On the south wall of forkellings.  Minakhi-Amenan shrine in the content wall of the rame shrine in the content permual Knieskharadeva, son of Parkrama-Parkr | 879 |  | :        | :  |  | :                         |   |
| On the north wall of the loke-  On the same wall | 679 |  |          | alia<br>maik<br>na!<br>ma!<br>Para   | Saka 1482, 9th year,<br>Raudri, Uttara-<br>yana, Hemanta-<br>[ritu, dw][Jiya, Gil-<br>dwy, Subha-yoga,<br>Subha-karana,  | D°.                       | Worn out here and there. Grant of land made at the instance of prince [A]tivirantanan to Tirunelvelipperumal Kulasekhara Kalingarayan for doing the duties of a Dharmakaria of the same temple.   |
| On the same wall Graves and the south wall of the same Pandya Latilavarman alias Tribhuvannohakravar.  Saka 1604, [2]5th Grautha and Independent Alagan.  Perumal Atvirarama alias Tribhuvanachakravar.  On the same wall Do. Jatilavarman alias Tribhuvanachakravar.  Samuya, Karinday, Saka 1471, 7th year, tin Konerimaikondan Parakrama-Vandyadéva, Sinha karana, Karinday, Braharana, Karinday, Braharana, Karinday, Braharana, Karinday, Braharana, Karinday, Braharana, Karinday, Braharana, Kettai (Jyeah.   | 580 |  |          | Japilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konérimaikondha Ajagan Pérumal<br>Atlatraraman alias Sirallabhadéva.   | Saka 1527, [42]nd year, Visvaean, Ani Sonday, dasami, Sidha- yoga, Suvadi  |                           | Registers a gift of land made at the instance of the king for offerings and worship to the goddess Ulagamuludumqaiya. Nachchiyar as an abhishleka-kuitalqi in a shrine newly constructed by a certain Tadi Saquichohi.  |
| On the south well of the same Pandya fun Konerinaikondan Parumal Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 100's (2)-out Orannia and Aliagar. Saka 10's  581 |  | :        |  | Ġ  |                           |   |
| On the same wall Do. Jațilavarman alias Tribhuvanachakravar Sala 1471, 7th year, Do In Salumy, Kartin Konêrimaikondan Pand Salumy, Kartin Kartin Konêrimaikondan Pand Salumy, Kartin Kartin Konêrimaikondan Pand Kartin Gireh Kartin (Jyesh Kettai (Jyesh tha.)  | 682 | On the south wall of<br>shrine.            | Pandya   |  |  |                           | =   |
|  | 683 |  |          | Jațilavarman alisa Tribhuvanachakravar-<br>tin Konerimaikondan Parakrama-Pand-<br>yadova, son of Parakrama-Pandyadova.   | Saka 1471,7th year, Saumya, Far, kataka 7, su. di, dvadasi, Saturday, Brahya-yoga, Simha-karana, Kettai (Jyesh- tha.)  | Do                        | Introduction commences with the words Bhuvanaikavira, etc. Records the appointment of two persons for kreping watch in the temple of the goddess Ulagamuludumudaiya-Nayaki and transfer of a house and land to them which were previously enjoyed by Nalli and others who had died without leaving any heirs and which had been the temple property made at the instance of prince Viravendamslaialias Tirunelvelipperumat. |

B.-Stone insoriptions copied in 1917-cont.

| e and   Kemarks.          | Much damaged. Gift of land in Kunrakkudi a village of Tennari-nadu and a house, made at the instance of prince A bhirameandaravarman Varatunga. Pandya for adhyayuma in the temple. | Confirmation of a grant of land in Ilanji a village of Tenniarination and a house in Tenkasi alias Vira Bangandhalurusedinangalam as addywyoninga to a certain Venkatanatha-Bhatta, made by the king in the year Prajapati. | Built in in the middle. Begins with the introduction Bhuvanaikavira, etc. Records the appointment of certain individuals for keeping watch in the temple of the goddess Ulagamuludumudulya-Nayaki and the grant of land and | a nouse to them.  Registers gift of money for daily offerings and worship to the temple of Visyanatha and Ulagamuludumudatya-Nachohiyar, by Tirunelvelipperumal, son of Abhirama-Farakrama-Farakrama-Parakrama | End lost. Srems to register a gift of land made at the instance of prince Abhiramasanndara Varatungarama to a certain Kaliyan Kavirayan for keeping watch in the temple. | Unfinished and damaged. Seems to record a gift of land and a house to a certain Puluguanga for the temple watch (tirumānikkāval). | Hight end missing. Seems to record transfer of a temple land and a house which had been assigned to a private individual who had died without issue and claimants to another for service in the temple. |
|---------------------------|---|---|---|--|--|---|---|
| Language and<br>alphabet. | Tamil   | Do.   | Do.   | Do.  | Do.  | Do.   | Do.   |
| Date.                     | Saka 1496, 12th year, Bhava, Uakshinayana, Karkataka, [ba. di.] pafigham, Tuesday, Subba.   | yoga, Subha-<br>karana, Ukiram.<br>Saka 149[4], 10th<br>year. Angiran,<br>Jakshinayana,<br>Sara[d];ritu,Tula<br>7, ba. di. saptami,<br>Monday, Subha-   | yoga,<br>karana, Pushya.<br>7th year, Saumya.   | Saka 1470, 5th year,<br>Klaka, Mesha I,<br>ba. di. chaturthi,<br>Wednesday,<br>Vyattpata-yôge,<br>Simba-karan,<br>Anisham (Anu-  | radha).<br>23rd year, Parthi-<br>yaj,<br>Siddta-yòga,<br>Subha-karapa,   | Afrati. Saka 1490, 5th year, Vibhava, Uttara. yana, [sa. di.] trayodasi, Monday, Subha.yoga, Subha-karana.                        |   |
| King.                     | Jațilavarman alias Tribhuvanaobakravar-<br>tin Konstraikondan Perumāl Alagan-<br>perumal Ativirarāma alias Šrivaliabha-<br>deva.  | Jațilavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Konernaikoņdāņ Perumaļ Aļa-<br>gaņperumaļ Ativīrarāmaņ alias Šīīval-<br>labhadēva.   | Jațilavarman alias Tribhuvanaobakravartin Könermaikondan Parakrama-Paṇdyadeva, son of Abhirama-Parak-rama-Paṇdyadeva,   | Jatilavurman alias Tribhuvanaohakravartin Konêrmaikondan Kulasékharadeva. Parakrama-Pandyadeva, son of Abhirama-Para[krama-Pā]ndyadeva.  | Konermaikondan<br>Perumal Alagan Perumal Ativirana-<br>man alias Srivallahadeva.   | Jațilavarman alias Tribhuvanaobakravartin Könermaikondăn Perumaj Alaganperumaj Ativitarama alias Srivallabhadeva.                 | Perumal Abhiramasaundera Varatungarama.   |
| Dynasty.                  | Рацдув  | :   | Do  | .:<br>Do.  | Do   | Do  | . Od  |
| Place of inscription.     | On the south wall of the mandapa<br>in front of the same shrine.  | On the same wall  | On the south wall of the same mandaga.  | On the east wall of the same mandapa.  | On the same wall   | On the north wall of the same   | On the north and west walls of the same mandapa,  |
| No.                       | ₹8g   | 58  | 588   | 282  | 588  | 6.<br>82<br>93  | 989   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|     |  |             |      |                |          | 1000  | oo amaaa i haama aa  | 2000—1121 III III III III III III III III III  | . 22                      |  |
|-----|--|-------------|------|----------------|----------|---|--|--|---------------------------|--|
| No. | Place of inscription.                                | oription.   |      | Dynasty        | <u>.</u> | King.   |  | Date.  | Language and<br>alphabet. | d Remarks.   |
| 591 | On the west wall mandaps.                            | of the      | ва В | Рвифув         | :        | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Könermalkondan Peromal Tirunelvelipperumal Viravenbanaliai alias Dharmapperumal Kulasekharadeva, son of Abhirama-l'arakrama-Pandyadeva. | n alias Tribhuvanachakra-<br>nermaikondan Peromai Tiru-<br>erumai Viravendanalai alias<br>perumai Kulaséskharalévu,<br>Abhirama-l'arakrama-Pandya- | Śaka 1481, 9th year,<br>Siddhārthi,<br>Dakshināyuna,<br>Varshartitu,<br>Katakr, 29, ha. di.<br>ekadasi. Friday,<br>Bohini.   | Тявьй                     | isocords that at the instance of prince Alaganperumal Ativirarama the house originally occupied by Nalli who had died without issue was now transferred to a certain Urudaiyamudali who seems to have repaired and reconsecrated the shrine of the goddess for service in the temple of Ulagamulandadaiya-Nachohiyar.    |
| 600 | On the south wall of the prakara of the same shrine. | of the prak |      | Bo.            | •        | Do.   | do,  | Saka 1481, 9th year,<br>Siddbarbhi, Mina<br>24, be. di. navumi,<br>Wednesday,<br>Siddha-yôga,<br>Taitali-karana,   | Do.                       | Records that at the instance of prince Alaganperunal Ativirutaman, a portion of land in Ilanii and a house which had been previously enjoyed by Sundarapandia temple watchman who had died without leaving any issue was now ordered to be given to Picholan Vanadhirayan as one of the three Tiruvilanjanai-kaniyatchi. |
| 598 | On the same wall                                     | :           | :    | Do.            | :        | Do.   | do.  | Uttiradam.<br>Do.  | Do.                       | The inscription is similar to No. 582. The second re-  |
| 594 | Do.  | :<br>:      | :    | Do.            | :        | Do.   | do.  | Do.  | Do.                       | oppent of one-third share of the land for Unruvilshipped handy atchinistated to be a certain Sirangam. Venavudatyan. Similar to No. 592. The third recipient of the Ilahingapperu, kaniyatchi is stated to be Ichohakutti Ativiraramach.   |
|     | Ď.   | :           | :    | D <sub>0</sub> | <u>.</u> | Jațilavarman alias Tribhu<br>vartin Konermaikondan<br>Alagan Perumal Ativīras<br>Srīvallabhadeva.   | vanachakra-<br>Perumaj<br>aman alias   | Saka 1494, 10th year, Angiras, Dakshināyana, Hemanta-ritu, Margadraha 21, Full-moon, Friday, Subha-yōga, Subha-karana,   | Do.                       | obedirayan.  (iift of land free of all taxes under the tank called Segaviratamapperint of land free of all ower-garden to the temple of Vistanatha at the orders of Abhiramasaundarayarman and Alagan. Perumal Ativiraraman.   |
| 99  | Do.  | :           | :    | ρ.             | :        | å .   | do.  | Arotta, Saka 1495, 10th year, Srfmuka, Uttarayana, Vasenta-ritu, Mesha 15, gu, di. pañohami, Mon-day, Subba-yoga, Subba-karana,  | ъо.                       | Gift of houses and garden land at the crder of Abhiramasandaravarman to four persons for doing the service of Tirumenikaval and tiruvandikkappu in the temple of the goddess Ulagamuludumudaiya-Nayaki.  |
| 69  | . До.  | :           | :    | Ď.             | :        | Do.   | do.  | Konna, Ko | Do.                       | Records a grant of tax-free land under the tank Kulase-kharappereri in Ari-nadu and a house at the order of Abhiramasaundararaman and Alaganperumal to Abhiramasaundararaman sad Alaganperumal to Abhiramatohokkanar Sévagadéva and others as ilafijinaikaniyatehi in the tempie.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|                         | Place of inscription.                     | Dyn              | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Romarks,  |
|-------------------------|---|------------------|----------|--|---|---------------------------|---|
| On the same wall        | me wall                                   | Paņdya           | ув.      | Jațilavarman alias Tribbuvanaohakravartin Konêrmaikoņdan Peruņal Algan-Perumal Ativīraraman Srivallabhadeva. | Śaka 1494, 10th<br>year, Āngiras,<br>Dakahinayana,<br>Varsha-ritu,<br>Sinha 5, Pa. di.<br>pañohami, Mon-<br>day, Śubha-yoga,<br>Śubha-karana,     | Grantha and Tamil.        | The introduction commences with the words Bhuvanai-kavira, etc. Registers a tax-free gift of land made at the order of Abhiranasaundaravarnan son of Kulasakharadeva alias Parakrana-Pandyadeva to the temple se a tiruvali-kaniyatchi.   |
| H                       | Do  |                  | :        | Do. do.  | Saka 1496, 12th<br>year, Bhava,<br>Dakshinayana,<br>Grishma-pitu,<br>Karkataka 23, su,<br>di. padohani,<br>Thuraday, Subha-<br>yoga,              | Tamil                     | Much damaged and incomplete. Records gift of land made at the instance of prince Abhirtanesanıdara Varatunga-Pandyadava to a certain Meykkumperumal Parakrama-Pandya-Mudali for conducting the vasunta festival of the goddess Ulagamuludumudaiya-Nayaki.   |
| On the west<br>prakara, | west wall of the same<br>ra,              | D <sub>0</sub> . | :        | Do. do.  | Karana, Hasta. Saka 150[4], 20th year, bhana, Dakshi- nayana, Varsha- ritu, Kanni 21, śu. di. ashtami, Friday, Sibha- yoga, Subha- karana, Purat- | Do. :                     | Registers a grant of land and a house at the instance of Abhinama Varatungardma to a certain Ayyanayinan and others for the service of Tirumenikaral and tiruvandirkappu.   |
| On the n<br>prakāru.    | On the north wall of the same<br>prakara. | Do.              |          | Do. do.  | tadi. Saka 1494, 10th year, Ariginasa, Uttarayana, Vasanta-ritu, Mesha 15, sir. di, pañohami, Thurs- day, Subha-yoga, Subha-kurana,               | .: Do.                    | Records that Meykkumporumal Parakramapandya-mudali constructed the mandapa in front of the shrine of the goldless and gave lands for offerings, etc., required on the 6th day of Masi-tirmal when the ceremony of the goldless giving her milk to Sambanda was boing celebrated, for Avan festival and for the vasanta of the gove lands to Umaiyorupaga-mudali for the maintenance of a matha. The lands were made tax-free by an order of |
| On the s                | On the same wall                          | . Do.            | :        | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Köngumaikondan Perumal Ativiraranan Srivallabbadova.               | Pushya. Saka 1495, 11th year, Sirmukha, Dakshinayana, Grishma-ritu, Mna 15, su. di. pañohami, Monday, Subha-yoga, Subha-karana, Robint.           | Grantha and<br>Tamil.     | the prince A The introduction of etc Gift of prince Perun 66kharadeva Perunal Pahis Kankanil  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|                           |   | •   | •  |  |  |       |   |  |
|---------------------------|---|---|--|--|--|-------|---|--|
| Встагкя,                  | Relates to the grant registered in No. 602 abovo. The land is stated to be situated in Malajyadikkurichchi in Aiysnadu. | Grant of a house, etc., to Tillaiyuljādi Unudulya-Mudali by<br>the order of prince Poumal Alagiyasokkaṇar Varatunga-<br>rama. | Much damaged. Seems to register a gift of land at the instance of the king for repairs to the temple.  | Modern. States that with the money raised by subscription from the villages in the circuits of Shunkothe and Tenkski the construction of the bridge was begun in A.D. 1862, February 12, and completed in A.D. 1862, October 24, when the Collector of the district was Mr. Bird, the Civil Tend of the district was Mr. Bird, the Civil | <u> &gt;</u>   |       |   | One of them dated in Nandanu, Kartigai 22, states that a certain Savaripperuma! Pichchakkonan had the image engraved and the other which is dated in, Vijayu, Purattasi 30, that Ichchakutji engraved the image. The two stones are probably sets stones as the images are stated to represent women who were never separated from their husbands. |
| Language and<br>alphabet. | 'l'amil   | Do. :   | ъ.   | .:   |  | Do. : | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·   | Do.  |
| Date.                     | [9]6, [11]th Srimukha], hii] nayana, ma-ritu, [1]6, [1]6, [1]6, [1]6, [1]7, Anura-ry, Anura-ry,                         | 80 ∞ ~.   | yoga, Bulua-<br>karuja, Rohijai.<br>Saka 1612, 4th<br>year, Vikite,<br>Jakshinayena,<br>Sarad-rita, Tula<br>9, bu. di. septami,<br>Subha-yōga, | Subba-karapa,<br>Punarvasu.  | (Śaku] 162[1], 36th<br>yoar,<br>Uttarayaw,<br>Vasantu-ritu,<br>Kishabha, ba. di-<br>dyadash, Satur-                              | dam.  | tih year, Masi  | į  |
| King.                     | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konormaikondan Perumal Alagan-Porumal Ativiraraman Srivallabhadeva            | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Könermarkoņdan Perumal Alagun<br>Perumal Ativiraraman alias Stivallabadadeva.       | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Kondrnakondan Abhiranasandara<br>Varatuńga[rama alias] Vira-Paņdya-dova.                             | :<br>:   | Jațilavarman alias Tribhuvauachakravar-<br>tin Konérmaikondan Perumal Alugun-<br>porumal Ativirarăma alias Srivallabha-<br>dôva. | :     | Maruvarman alias Tribhuvanachaktavar-<br>tin Kulasokharadova.   |  |
| Dynasty.                  | Pandya  | Do.   | Do   |  | Pandya   | •     | Pandys  | ъ.   |
| Place of inscription.     | On the same wall  | On the east wall of the same<br>prakara.  | on the north wall of the kitchen built in the same prakara.  | On a slab set up near the Mukkudal bridge on the south side of the Shenkotta-road in the sume village.   | On a slab set up in a private compound in the Semba Street in the same village.  |       | west of Kollamparambu hill, near<br>the same village.<br>On the west margin of a rock called<br>Taffarappagal near the same hill. | On the top of two slubs with seated male and female figures below set up by the side of the Railway station in the same village.   |
| Xo.                       | 603   | <b>8</b> 04   | 605  | 909  | 607  | 808   | 909   | 610  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| · ·          |   | •        |   |   | •                         |   |
|--------------|---|----------|---|---|---------------------------|---|
| No.          | Place of inscription.   | Dynasty. | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| 611          | On five tomb-stones set up in the compound of the old mosque in the same will are           | :        | :   | :   | Persian and<br>Tamil.     | Records the names of persons who were interred under each of the tombs.   |
| 612          | On the south wall of the Ganapati shrine in the Anaikkarai street in same village.          | :        | :   | :   | Sanskrit in<br>Grantha.   | Copy of No. 514 above.  |
| ×613         | On a slab built into the east wall of the Madanköyil near the Vaniyakkudi at Melappuliyur.  | :        | :   | [Kollam] 1037   | Tamil                     | In modern characters. Records that the temple of Angala-<br>parameters constructed in the year 166 (M.E.?) became<br>dilauldated and was removated in 1037 (M.E.) by the  |
| √61 <b>4</b> | On a pillar set up on the side of the old road, to the north east of Krishnapuram.          | Paṇdya   | Perumaj Alaganperumaj Ativirurama<br>Srivalladevu.  | Saka 1607, 19th<br>year, Viya<br>(Vysya), Tai 13,<br>Gu. di saptami,<br>Sanday Siya-vo.                         | Do. :                     | people of Molappuliyar. Damaged. Registers a gift of land for a water-shed (f) at Arinapatiksha-chaturvedimangalam in Kallagu-nadu, by a certain Lakshminarayana.   |
| <b>6</b> 15  | On a pillar lying near the Madas-<br>vâmin temple at Urmenlajagi-<br>yan.                   | :        | :   | ga, Utirațtadi.   | Vațțejuttu                | Registers gift of a segandi and two kalam, by Viragal Sin-gam slias Karayil to the temple of Dôsavalamallurdova. At the top of the inscription is engraved Disai Ayiratin-  |
| 616          | On another pillar in the same place.  | :        | :   | :   | Do                        | Annurrowan. States that the (temple?) shall be under the protection of  |
| 617          | On the north wall of the central shrine in the Sokkalingasvamin temple in the same village. | Paņdya   | kra-<br>maj<br>nel-<br>alias  | Śaka 1483, 3rd year,<br>Kahuya, Tui 27,<br>Friday, Saubha-<br>gya-yoga, Sainha-<br>kuranu, obidur-              | Crantha and<br>Tamil.     |   |
| 618          | On the south wall of the same shrine.   | Do       | Abbirana Parakrana-Pandyadeva. Jatilavarman alias Tribhuvanaohakra- vantin Parakrama-Pandyadeva alias Kuladekharadeva, 'who was born in the asteriam Kartika.'    | 8 6 4 P   | Tamil                     | Records the construction of the temples of Alagiya-Kokka-<br>nar and Varandarum-Perumal Nayinar at Urimai-<br>Alagiyan alias Kulaskharanallar and the gift of the<br>latter villaceus a devalana to them by the king. |
| 619          | On the same wall  |          |   | Rohini. Saka 1478, 6th year, Nala, Vareha- ritu, [Maka]ra [29], fu. di. ekadasi, Monday, Subha-yoga, Su-        | Do                        | Relates to the transaction mentioned in No. 617 above. The order for making the grant was issued by prince Abhiruma Parakraman Alagiyasokkanar.   |
| 620          | Do. ::  | Do       | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Koncrinmikordăn Perumal Tirunclycli Ferumal Viravenhamalia alias Kulasekharadeva, son of Abhirama Parakrama Pandyadeva. | bha-karura, Pushya. Saka 1478 (Sh year, Nala, nayana, Tula 1, ha, di. trayddagi, Thursday, Varii ja-karara, Ut- | Do. :                     | Registers a gift of land by the order of prince Abhirana Farakrama Alagiya Sokkagar to a certain Nailanayinan Nambiyan for worship in the two temples (i.e., Varadaraja and Svarganatha).                             |
|              |   |          |   |   |                           |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty. | King,   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks,  |
|------|---|----------|---|--|------------------------|---|
| 621  | On the same wall  | Paṇdya   | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konérmaikondán Perunal Tirunelvölipperunal Viravenbámalai alias Danmaperunal Kulasékharudóva, son of Abhirána Parákrana-Pandyadéva. | Saka 1482, 9th yoar,<br>Dunmati, Varsha-<br>rito, Kanni 20,<br>su. di. Eska-<br>desi), Monday,<br>Siriha-kanan,<br>Saubhagya-yoga, | Grantha and<br>Tamil.  | The inscription commences with the words Bhuvanaikavira, etc. Registers an assignment of temple land in Urmeni-Alagyan alias Ativiraramanallur in Vadavari-nadu and a house to a certain Tirumenipiramdarayan for writing the accounts of both the Visingu and the Siva temples by the orders of Alaganperunal Ativirarama who is described as the son of the king.   |
| 885  | On a stone lying near the same                                      | :        | •   | Funarvasn.<br>Kollam 962, Para-  | Tamil                  | Gift of land to the temple of Sokkalings and Minakahi-  |
| -623 | On the east and north walls of the central shrine in the Kadagalis- | :        | :   | bhava, Tar 15.<br>[Kollam] 687,<br>Arpasi 25.  |                        | amman, for a festival to be conducted on Fridays. Gift of land at Kadaiyalar in Vadavari-nadu for worship, sacred bath, etc., to the temple of Tirukkamalleholura.  |
| 624  | On the north and west walls of the same shrine.                     | Pandya   | _≌<br>  | Saka 1420, 19th<br>year, Margali 1.  | Do                     | mudaiya-Nayinar.  Gift of land for lamps to the same temple, by a native of Parantakanallur in Naduvir-kürru. a subdivision of  |
| 625  | On the same walls   | Do       | Kulusekharadéva.<br>Jațāvarman alias Tribhuva   | :  | Do.                    | соттепен м  |
|      |   |          |   |  |                        | the words gus guyear, etc. Gift of land for offerings, etc., to the temple of Tirukkamalikaramudaiya. Mahadeva at Kadaiyalur. The king was easted on (the throno) Budiyarayan in the hall called Alagiyapadiyan-tirunandapam within the palace of Vayiothiyanatha at nilamallar. Mentions the high roads called Kalangattur-Peruvali and  |
| 626  | On the north wall of the same shrine.                               | Do       | Marwarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Sundaru-Paṇḍ yadova.  | 4 + 1st year, Tai  | Do.                    | Kallaganattu-Peruvaji and Ganggya Kulakalapuram.<br>Records that a dancing girl of the temple of Tirukkama-<br>liévaramudaya-Navanar at Kadaiyalur in Vadavari-   |
| 627  | On the same wall  | Do       | Tribhuv-Pandya[Choja]   | Lost   | Do                     |   |
| 628  | Do  | Do       | uram].'<br>an alias   | 5th year, Āvani  | Do                     | Assignment of a temple land to a private individual for   |
| 629  | Do  | Do       | Sundara-Paņdyadeva  | 11th year, Purattasi   | Do.                    | making a flower-garden for the same temple.  Gift of land for feeding ten strangers (dégandiri) who resided in the month of the flower of the first the many of the first the flower of the first the flower of the |
| 630  | On the west wall of the same  | :        | :   | Kollain 703, Vai-  | Do                     | in the meyin cannot 1 yegawanthian and worsuppouting god in the vedigat and two servants in the same tomple. Unfinished. Seems to provide for repairs to the same   |
| 681  | est and south walls of the rine.                                    | Pandya   | Jațilavarman alias Tribhuvanashakra-<br>vartin Konërmaikondan Srivallabha.<br>deva, 'who revived the old times.'  | gası.<br>Saka 1463, 7th year,<br>Plava, Tula 23,<br>su. di. panchami,<br>Sundav, Sobhana-  | ъ                      | tomple. The introduction commences with the words Bhuvanatkavira, etc. Gift of land as a Pañchangaviitti to a certain Isvara-Bhatța of Kañchikkudi.   |
| 632  | On the south wall of the same                                       | Do       | anaohakra-  | yoga, Simha-<br>karuna, Mula.<br>11th year, Avani  | Do                     | Gift of money to the same temple for lamps and oil for the  |
| 633  | On the same wall  | Do       | vartin Sundari-Paņdyadova.<br>Maravarman alius Tribhuvanachakra-<br>vartin Sundara-Pāṇdya[dōva].  | Lost   | Do                     | anointment of the god. Built in. Gift of land in Marudurköttai for offerings to the image of Paravai-Nachchiyar set up by a certain Deviyamunai. Mentions Nandiyarayan.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Remarks.               | Built in in the middle. Assignment of some of the lands belonging to the temple of Tirukkamalisvaramudaiya-Mahaddeva to a Sirabrahmana of the temple of Kodavar-misvaramudaiya-Navanar of neartein vilnes is Friend | ≥   | _ <del></del>  |  | <u> </u>          | of Pandi-nadu, to the temple of Tirukkamalisvara, mudaiya-Mahadeva, Built in in the middle. Gift of land in Kilavarkurichchi for offerings to the shrine of the goddess Ulagudaiya. | Vapkkali ja mentioned among the boundaries.  Gift of land to the temple of Kariyamanikka-Alvar alias  Kulasékhara-Vinnagar-Emberuman, for worship. | <u>_</u>   |  | Gift of Alagan Perumal Parakrama-Pandyadeva. Gift of land and taxes by the kind for offerings to the tomple of [Kariyamanik]kalva at Marndink Act. |   | daily in the presence of the god the hymns of Sadagopan (i.e., Nammalysar). |
|------------------------|---|---|--|--|-------------------|---|--|--|--|--|---|---|
| Language and alphabet. | Tamil   | Do  | Da   | ou   | . :<br>:          | Do ::   | Do   | Do. ::   | Do   | Do   | Do  |   |
| Date.                  | 86th year, T  | Saka 1[7*]11,<br>Kollam 966,<br>Sanmya Tai 93 |  | <del></del> -  | 10 + 1 + 1st year | 9 + 1 + 1st year  | 2 + 38th year,<br>Mosha 22, ha. di.<br>dvitiva. Tuesday  | m. year,<br>ka 6, su.<br>ekadasi,                                    |  | Thursday, Asvati. 2 + 36th year, Mina 21, ba. di.  | baptami, Mula.  4 + 2nd year, Margaji 22, su. di. trayodasi, Monday, Rohin. |   |
| King.                  | Jatilavarman alias Tribhuvanaohakravartin Konsrinmaikoņdaņ Parakramsvaņdagaga.  | :   | Magayarman alias Tribhuyanaobakravarlin Kulasokharadoya. | Jatavarman alias Trijbhuj vanajchakra-<br>vartir Kulasekharadena.<br>Jatavarnan olice in in in in in in in in in in in in in | la6               | Jakavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Ku[lasskharadeva].   | Jahlavarman alias Tribhuvanachakra.<br>vartin Kullasekharadeva.  | Majavarnan alías Tribhuvana[ohakra-<br>vartin Patákra]ma-Paṇḍyadéva. | Jațilayarman alias Tribhuvanachukravartin Kulasekharadeva. | Juțilovarman alias Tri[bhu*]vanacha-<br>[kra_jvartin [Ku]]asckharadcva.  | Japilavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Kulasekharadéva.             |   |
| Dynasty.               | Paṇdya  |   | Paņdya   | D9.  | •                 | Do.   | Do   | Do   | Do   | Do   | . : :   |   |
| Place of inscription.  | On the same wall  | into the north wall                           | On one north wall of the same mandips.                   | On the south wall of the same mandapa. On the same wall  |                   | On the north base of the Amman shrine in the same temple.   | On the north wall of the Kariya-<br>manikka-Poramal temple in the<br>same village.   | On the   | Do   |  | :<br>:  |   |
| No.                    | 634   | 635   |  | 637  | -                 | 633   | 9<br>6<br>11   | \$ 172, Home (1  | <b>3</b><br>Idn.) -  |  | <b>9</b>  |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|                        | of Nayinar Kula-   | aṇikka-Âļvar for<br>g the tirumugam,  | ابن معناانهم مؤ                                  | Arriago          | vikulam for daily<br>of Kariyamaņik-  | with the words  | ٧.                                 | was the charity of Sammana-<br>Lituvetpur,<br>par Litumalaikkolundu Piliai,<br>istued a sankotapattayam for | no people of the as formed into a   | lamaga who revived<br>lara-agrahara to 66<br>sutras residing in  | lam whose sking. Becords   lift were divided tas, four to the runan, six to the   | r and two to  | mal]   |
|------------------------|--|---|--|------------------|---|---|------------------------------------|---|---|--|---|---|--|
| Кешат кв.              | Gift of land for worship to the temple                     | Gift of land to the temple of Kariyamanikka-Alvar for being assigned as a kaniyatohi for writing the tiramugam. | Damaged. (Fift of land in Vrestikhamen; a willow | ÷ ⊆              | Gift of land under the tank called Nochobikulam for daily worship and offerings to the temple of Kariyamanik- | Unfinished. The introduction commences with the words<br>Bhuvanaikavira, etc.   | Rananda that the same              | toudaiyan of 'Vadamulaiya   | the occupation of Sivaramapettal by the people of the fe countries.  Records that a portion of Kilangattur was formed into a new illustration of the countries. | the off times.  Records that the king granted Kulaséskhara-agrahara to 66 Brahmanus of various götras and sutras residing in | Augitum direction of the state of the king. Records that the lands grant of Nos. 663 and 654 were divided into 76 shares 54 shares to Brahmans, four to the temple of Rejakularama, Vinnagas, four to the temple of Rejakularama, Vinnagas, Emberuman, six to the | temple of Kulasekharesvaram-Udaiyar and two to<br>savarnas.<br>Fragments. Gift of land to the temple of Tyaganohiriya-<br>Virusers. | Records that prince Tirunelveli[pperums1] born in the asteriem Asvati who was the son of Abhirams-Parakramadeva assigned certain lands to a private individual for addhyayana. |
| ge und                 | :  | :   | :  | : :              | :   | •   |                                    | , :   | :   | and  | :   | :   | :  |
| Language and alphabet. | Tamil  | До,   | Do.  | Do.              | Do.   | Do.   | ć                                  | Do.   | Do.   | Grantha<br>Tamil.  | l'amil  | Do.   | Do.  |
| [)ate.                 | 24   | daśami, Pūs<br>2 + 40th<br>Mēsha 2 * 6<br>pañohami,   | radam. Utti-<br>Lost                             | 2 + 6th year     | 2 + 36th year,<br>Vrischika 30, su.<br>di. dvittya, Satur-  | duy, Mula.<br>Śaka. 1466, Jayu,<br>Vaigasi 2, ba. di.<br>prathama,  | Agvati.<br>Saka 1426, [29]th       | year, Vaigasi 24.<br>Saka 1689, Kollam<br>843, Plavanga,<br>Karttirai 29.                                   | Śaku 1522, 38th<br>voar, Pila (Plava).  | Tai 10.  | 3.rd year, Tula 13,<br>fu. di. tritīyā,<br>Monday, Anu-<br>sham (Anurādha).   | 6th year  | [Saka 14]67, 3rd year, Viévávasu, Kanni 80, ba. di, dasami, Tuesday,   |
| King.                  | Jatilavarman alias Tribhuvanachakruvartin Kulasokharadeva. | Jațilavarmat alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Perumâj Kulasckharadeva.   | Jațilavarn                                       | <u> </u>         | - <u>-</u>  | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konermaikondan Perunaj Kula-<br>sekbaradova, 'who revived the old<br>times' and son of Ahavarama. | Porumaj Kulasokharadova            | Visvanatha-Nayakkur-Sokkanathu Nayak-<br>kar.   | Perumal, Alaganperumal Alivuanaman elias Srivallabhadova.   | Parakrama-Pandya alias Śrivallabha   | Jațilavarman alias Tribhuvanachakra-<br>varbin Kulasêkharadova.   | :   | Jațilavarman alias Tribhuvangobakra-<br>vartin Könstmaikopdăm Perumaļ<br>Parakrama Paņdyadēva  |
| Dynasty.               | lya  | :   | :  | :                | :   | :   | :                                  | . 82  | :   | :  | :   | :   | :  |
| Dy                     | e Pandya   | Do.   | e Do.  | ·•<br>           | Do.   | Do.   | Do.                                | Nayaka  | Pandya  | Do.  | D0.   |   | Paṇḍya   |
| Place of inscription.  | On the west and south walls of the same temple.            | On the same walls   | On the south wall of the same temple.            | On the same wall |   | On the east wall of the Vishvak-<br>sens shrine in the same temple.   | On the stone built into the outer- | On a slab known as Garginpottar at Sivarama ppettal, hamlet of Kodikurichohi.                               | On a stone set up on the roadside at Idalkal.   | On the north wall of the Kula-<br>66kharasvamin temple at Nayi-<br>naragaram.  | On the west and south walls of the same temple.   | On stones built into the walls of<br>the Venkatschalapati temple in<br>the same will and  | of the central garistaramudai-   |
| No.                    | 919  | 910   | 279  | 819              | ě   | 099   | 651                                | 662   | 2653  | -(654<br>-   | 999   |   | 0 499,   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

|              |  |                |          |      | 4   | •  |                           |  |
|--------------|--|----------------|----------|------|---|--|---------------------------|--|
| No.          | Place of inscription.  |                | Dynasty. | ety. | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| 658          | On the north wall of the mandapa<br>in front of the same shrine. | naņdapa<br>10. | Pandya   | :    | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravarbin Konérmaikondan Srivallabhadeva, 'who revived the old times.'  | Saka 1466, 10th year, Krodhi, Kumbha 6, ba. di. pafichami, Sunday, Subha- yoga, Kolava-                                    | Tamil                     | Records transfer of an assignment of land by the order of prince Tirunelvelipperums, born in the asterism Asvati, for worship in the temple of Nagarisvara at Panpulippattanam in Vadavari-nadu. The original holder is said to have died without leaving any olaimant.                        |
| 629          | On the same wall   | ;<br>;         | Do.      | :    | Jațılavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Perumal Parakrama-Paṇḍya-<br>dêva.   | Karana, Hasta. Saka 14[72], 7th year, Sadharapa, Sittirai Sid, ba. di. saptami, Wed- nesday, Gaja- karana, Subba-          | .:                        | Records gift of land to a private individual for writing the accounts of a metha. Mentions the temples of Nakultoh-oluramudaiyar, Müngumudipilaiyar, Tiruvagmlohohuramudaiyar, Edirilapperumal, the village Parakrama-Pandyanallur and prince Turuncivolipperumal born in the asterism Asvati. |
| 099          |  | :              | og       | :    | Do. do.   | yogu, Fusam.<br>Saka 1469, 6th year,<br>Plavanga, Kartti.<br>gai 7, ba. di.<br>ekadasi, Monday,<br>Priti-yōga,             | Do                        | Records transfer of an assignment of temple land to a native of Temkasi for writing the accounts of the temples mentioned in No. 659 and few others at the instance of the prince Tirunclvelipperunal born in the asterism Asvati.   |
| 661          | On the west wall of the mandapa.                                 | the same       | Do.      | :    | Jațilavarman alias Tribhuvnnacha <b>kra</b> -<br>vartin Kônêrmaikoṇḍaṇ Perumal<br>Alaganporumal AtivIrarama alias <b>Sri</b> -<br>vallabhadêva. | Saka 1496, 17th<br>year, Pramadi,<br>Ani 3, ha. di,<br>pañohami, Subha.<br>yoga, Subha.                                    | Do                        | Begisters a gift of land to a certain Tondaiman of Tirnnelveli in Kilvemba-nadu made at the instance of prince Peruma Abhiramasanndara Varatungarama for writing accounts (tavanai kanakku).   |
| 868          | On the south wall of the same mandapu.                           | іће вап        | Do.      | :    | Jațilavarman alias Tribbuvanaohakravartin Konermaikondan Srivallabhadeva, 'who revived the old times'.  | karana, Uttiram.<br>Saka 1466, 10th<br>year, Krodhi,<br>Kumbha 6, ba.<br>di. pafighami,<br>Sunday, Subha-<br>voga, Kolava. | Do. :                     | Registers transfer of assignment of a temple land on the death of the previous holder made at the instance of 'l'irunelvelipperunal born in the asterism Aévati for conducting worship in the temple of Negariévara.   |
| 899          | On the same wall   | :<br>:         |          | :    | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Perumal Srivallabhadeva, 'who revived the old times'.   | karaņa, Hasta.<br>Do   | Do                        | Refers to the transaction recorded in No. 662 above.   |
| <b>2</b> 664 |  | :              | . Do.    | :    | Jațilavarman alias Chakravantin Alagan-<br>perumal Parakruma-Paṇḍyadēva born<br>in the asterism Avițțam.  | Śaka 1425, 2 + 28th year, Kumbha 2, śu. di. dvadasi, Sunday,   | Do                        | The inscription reads from bottom upwards and records gift of land to Alangariand others as kaniyatch for doing service in the temples of Nakultohcharanudaiyar and Nagarichchuranudaiyar-Nayanar at Gangeyakulakala-  |
| 665          | .:<br>Do:  | :              | D        | :    | Jatavarman alias Tribhuvanachakra-<br>vartin Vira-Paņdyadēva,   | Tiravadirai.<br>Lost   | Do                        | 3 3 7 3  |
|              |  |                |          |      |   |  |                           | sundara in the temple of Nagarisvara.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|      |  |                    | •   | •   |                        |   |
|------|--|--------------------|---|---|------------------------|---|
| No.  | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Кетагкя.  |
| 999  | On the same wall   | Իձդ <b>վ</b> չա    | Jatilavarman alias Tribhuvanachakravartin Konemaikondan Perumal Srivallalbha]deva, 'who revived the old times', | Śaka 1467, 10th<br>year, Vikvāvasu,<br>Yula 13, sir. di.<br>pañohami, Mon-<br>day, Siddha-yoga,<br>Hasta. | Tamil                  | Mentions Tirunolvelipperumal lorn in the asterism Aévati and records gift of land for éribali offerings to the same temple.   |
| 7887 | On the north wall of of Sundara-raja-Perumal temple in the same village.                         | :                  | :<br>:  | Śaka 167 [4], Nandana, Āvaņi 20,<br>Friday, ba. di.<br>[dvādaģi], Pushya                                  | Do                     | Damaged. Seems to retord a gift of land to the temple by two private individuals.   |
| 668  | On a slab known as Śańkara-Vina.<br>/ yakar at Kanakkœpillaivalasai.                             | i                  | :   | Śaka 16 [9]4, Kollam 847, Paridhsvi, Adi 6, Bunday, Paurnamavasi, Vaidhritiyoga, Subharana, Uttiradam.    | Do.                    | Much damaged. Seems to record a gift of land for the sacred bath and offerings to Sankaranarayanasvami for the merit of Achyutappa-Nayakkar. Mentions Sokkalingupuram.  |
| 1669 | On a slab sot up near the public well at Tachchankudlyfruppu,                                    | :                  | :   | [Kollam] 878, Chitrathana, Sittirai   | Do.                    | Gift of land for maintaining a matha hy the agente of Tiru-<br>mugappanditaralyan.  |
| 670  | On a slab set up in a fleld called Attanakkalvelui at Alagappa-puram, hanlet of Kuttukalvalasai. | Pandya             | Jațilavarman alias Tribhuvennohakravartin Konermaikondan Perumal, Alaganperumal, Ativrarama alias Sivuludosa.   | Śaka 1508 (mistake<br>for 1518), 34th<br>year, Dunmukhi,<br>Furttasi [1]8.                                | Do. ::                 | Records the giff of the village of Sambandanallar for the festival called Chittiraibarani of the god and for the sacred bath of the goddess Ulagammai, by the king.   |
|      | KURNOOL DISTRICT,<br>KOILKUNTLA TALUK.   |                    |   |   |                        |   |
| -671 | On a slab near the eastern wall of<br>the Afrianeysavamin temple at<br>Kolimigundia.             | Vijaya-<br>nagara, | Viraprataps Sadasivadova-Maharaya,<br>ruling at Vijayamıgara  | Saka 1466, Krodhi,<br>Kartika, ba. di.<br>12.   | Telugu                 | Records that the Mahamanqulešvara China-Timmayadeva-Maharaja, son of Timmaraja, grandson of Eanaraja and great-grandson of Āraviţi Bukkaraja of the Ātrēya-gotra and born in the lunar dynasty (söma-vanis) granted, under orders of the king to the anabajanas of the agrahara of Kolimigndla in the Avuku-sima, the taxes, śrotriyam, kaţnam, kānika, vetţi and vomi in that village. |

B.-Stone inscriptions copied in 1917-cont.

|              | 1   |                      |  |   |                           |   |
|--------------|---|----------------------|--|---|---------------------------|---|
|              | Place of inscription.   | Dynasty.             | King.  | Date.   | Language<br>and alphabet. | Bemarks.  |
| <b>629</b>   | On a stone built into the floor of the same temple.   | :                    | :  | Saka 1803, Vishu,<br>Sravana, ba. di.<br>5.                                 | Tolaga                    | Begisters the construction of the garbhagrina of the temple<br>by Bala-Subbayya, son of Patnam Chinna Verakalayya<br>and Venkatamma,  |
| 673          | 73 On a slab lying in the court-yard of the four temples, (nalku-gudi-gaļu) in the same village.            | Western<br>∪bajukya. | Bhùlòkamalla ' ruling at Kalyaņa'                                  | Chajukya-Vikrama<br>year [5°] 8,<br>Ananda, Utta-<br>rayana-san-<br>kranti. | Kanarese                  | Slightly damaged. Records the grant of 2 matta of land on the road to Kalukuṇt[e], a flower-garden and an oil-mill, for worship and offerings to the god Kesava set up at Kolmigudi by the village headman (prabhu) Muppi-Raṇi.   |
| 674          | 74 On a slab set up in front of the chavadi at Kotapadu.  | Vijaya-<br>nagara.   | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya,<br>'ruling at Vidyanagara.'     | Śaka 1466, Krodhi,<br>Kartika, śu. di.<br>12.                               | Telugu                    | Registers that the Mahamandalesvara China-Timmayya-deva-Maharaja, son of Timmaraja, grandson of Rama-raja and great-grandson of Arertu Bukkaraja of the-Atega-gotra and the Soma-vamisa remitted the taxes, sroturyan, katnam, kanika, vettu and vemi, payable to the palace by the mahajanas of Kotapadu and Kesinenipalle in the Avuku-sima and granted those villages as sarvamanya. |
| <b>6</b>     | 676 On a stone set up in the same place.  | :                    | :  | Saka 836 .,   | Do.                       | In archaic characetrs. Much damaged; the last two or three lines alone are preserved. Mentions the name Prolama-Kaţţcţi of which the second part corresponds to rattcţi (Epigraphia Indica, Vol. XI, page 342 f).   |
| \$ 1172, 1   | 76 On a broken slab lying in the court-<br>yard of the Siva temple in the<br>same village.                  | :                    | :  | <u>:</u>  | Капатеве                  | Highly damaged. Begins with the usual eulogy of the Bana kings : Sakala-jagattraya, etc.  |
| Home (Edn.)- | /a77 On a slab bailt into the platform of the mukha-mandapa in the Chennakeiaveavemin temple at Perusomula. | <u>:</u>             | :  | Visvavasa, Pushys,<br>bs. di, 10.   | Tolugu                    | In modern characters. Damaged. Mentions Permasani<br>Timma-[Naya]nigaru and seems to register an agreement<br>with Vonkatadri-Nayanigaru.   |
|              | 678 On the east face of a stone set up at the entrance into the same temple.                                | Vijaya-<br>nagara.   | Vrepratapa [Sada]sivadeva-Maharaya,<br>'ruling at Vijaya[nagara].' | Śaka 1466, Krodhi,<br>Kartika, śu. di.<br>12.                               | Do                        | Damaged. Mentions a certain [Ra]maraja.   |
| 29           | 679 On the south face of the same stone.  |                      | •  | [Virodhi]krit,<br>A śvija,  | Do. ::                    | Damaged. Mentions Mahamandalesvara , Rama-<br>rajayya and Perusomala.   |

the second of th

| 1917-cont.   |
|--------------|
|              |
| copied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |

| No.            | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language<br>and alphabet. | Hemarks.   |
|----------------|---|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| 680            | On a slab set up in the court-yard of the same temple.                              | Vijaya-<br>nagara. | Virapratāpa Aobyutadēva-Mabarāya                                    | Śaka 1460, Vijambi,<br>Ashadhs, bs. di.<br>13.           | Telugu .                  | States that the Mahamandulesvara Hanumayadeva-Maha-raje, or or of Chintakunta Siddhayadeva-Mahatula of the Atieya-gotra, granhod to the gods, Virayya, Chenna-keivara-Perumal and Mahalinga in the Brahman village of Perusanda which Saulararaja Naghupatrirajayadeva-Maharais had eranhod to him as unibali, the taxes eadi  |
| 7681           | On a stone lying in front of the karnam's house in the same village.                | :                  | :   | Śake 1299, Pińgale,<br>Margasira, śu. di.<br>5, Tuesday. | Kanarese                  | grain and in coin for the worship in the above-said temples. It is stated that these taxes had been unjustly imposed by previous rulers on tax-free lands.  Records the grant of (the village) Perulealn to the teacher, Akasawasi Samavediguru, by the Mahamandalesvara Singanna-Vodeyar, son of Savanna-Vodeyar, on receiving from him the initiation (upadess) of Buvaness-vari.  |
| -682           | On a pillar of the mukha-mandapa<br>in the Venugopalasvamin temple<br>at Yerragudi. | Vijeya-<br>nagara. | Virapratapa Vira Sadasivadeva-Maharaya,<br>'ruling at Vidyanagara.' | Seka 1474, Paridha, dhayi, Veliskha, su. di. 11.         | Telugu                    | States that Paruvatayya, Anantayya and Nallarayya, sone of Vallabhayya and grandsons of vipravinodi hisliayya of the Kasyapa-golra, Apustumba-sutra and Suhla Yajué-sakha and born in the Gobbrikondu-kula, granted for the merit of the vipravinodi commonity the vartana for the merit of the vipravinodi commonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinodi summonity the vartana for the merit of the vipravinos vipravino |
| 80<br>80<br>80 | On another pillar in the same<br>mandapa.   | :                  | :   | Saka 1474, Viroddi-<br>krit, Åshadda, su.<br>di. 16.     | Do.                       | to that community, for conducting the Valiakha festivals of the god Gopinata.  Dameged. Registers the grant of lands to two masons (viz.) Bassavoja, son of Vallahoju and the son of Thumashatta by Vithalaraja, son of Nagaraju-Bastraraja under the orders of the Mahamandulésvera Yaragudi Tirumal-[a]yadova-Maharaja.  |
| <b>6</b> 84    | On a pillar of the mukha-mandapa<br>in the Siva temple in the same<br>village.      | :                  |   | Nandana, Vaisakha,<br>sn. di. 3, Thurs-<br>day.          | Do.                       | Records the construction of the southern stone wall of the mukha-mandapa in the temple of Bhogadova, by Bukkana, son of Kesama-Reddi and grandson of Hemanari-Beddi.   |
| 685            | On the base of a water-trough in the same village.                                  | :                  | :   | Plavanga, Ashadha,<br>su. di. 11.                        | Do.                       | Registers the grant of one dry and one wet field to the men who filled this trough with water, by Anamantayye, son of the Mahamandalés una Abbaraja, for the merit of  |
| 989            | On the outer surface of the same water-trongh.                                      | :                  | :   | Sarvari, Chaitte,<br>sa. di. 2, Wednes-<br>day.          | Do.                       | States that Anumentarya, son of Abbaraja constructed the water-trough for the merit of Tirumalraja, son of the Mehamandalosteara Terragudi Kachiraja.  |
|                | h serves as a foot-<br>the Afriancya-<br>tin temple same                            | :                  | :   | di. 18.  | Do.                       | Damaged, Seems to mention [Varagu]di Tirumala and a malassaana put up by him at Taragudi. Refers to internal disputes and their settlement by the elders of the village.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

|       |  | _                  | 4  |   |                           |  |
|-------|--|--------------------|--|---|---------------------------|--|
| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language<br>and alphabet. | Remarks.   |
| 889,  | On a slab set up in front of the Chennakssavasvamin temple at Hanumantagundam.   | :                  | :  | Saka 15 [3] 0, K1-<br>laka, Kartika, su.<br>di. 11.                 | Telugu                    | Records the grant of lands for providing breakfast for Brahmanas on the Dvadasi day before god Raghunayaka in the tample of Hanumantanya at Hanumanigundam, hy the Mahamandalsévara Jileja Rangapatirajaya, for the merit  |
| -f889 | On a stone set up in front of the<br>Chemakésavasvamin temple at<br>B. Uppaluru. | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Sadasivadēva-Maharaya, ' ru-<br>ling at Vijayanagara.'     | Saka 1469, Para-<br>bhave, Magha-<br>ba. di. 3, [Mon-<br>day].      | Do,                       | States that Anautayya and Paravatayya, sone of vipra-<br>vinodi Yallabhuya of the Kasyara-gotra, the Katya-<br>yana-sutra and the Sukla-Tajus-sakha and some others<br>granted for the merit of the vipravinodi community, the<br>varana (customery toll) due to them for the construction<br>of a mundapa in front of the temple and for ampitapadi<br>of the god Chemushesvara at Malamindi-Uppalara alia<br>Somalasamudra in the Chundikota-sima, the amara fick<br>of the Mahamandalesvara Nandela Timmayadeva-Maha-                             |
| 7690  | On a slab set up in front of the Ankajamman temple at Kovelg.<br>Kuntia.         | D.                 | Do. do.  | Saka 1465, Sobba-<br>krit, Nija-Sra-<br>vapa, ba. di. 10.           | Do. :                     | raja. The names of a few other members of the community rar also mentioned.  Rere also mentioned.  Rere also mentioned.  Rere also result of the income derived from svamyata on numerous festive occasions (?) in the Kövilakuthasima by Avubhalesvaradeva-Maharaja, son of Singarayadeva-Maharaja, son of Singarayadeva-Maharaja, son of Singararyara Nandyala Marasingayyadeva-Maharaja of the Atreya-gotta and born 10 the lumar race. The country of Kövilakunţla-alma was enjoyed under feudal tenure by these chiefs as a gift from the king. |
| 169   | On a slab set up in the Gapesa temple in the same village.                       | Do.                | Virapratapa Vira Éritangarayadeva-<br>Maharaya, 'ruling at Penugonda.' | Saka 1665, Chitra-<br>bhanu, Magba,<br>ba. di, 30.                  | Do                        | Registers an order of Siddharamappa-Nayunigaru, son of Immedi-Denappa-Nayunigaru and grandson of Hende-Donappa-Nayunigaru, declaring that the mortgagees of the manya-lands of Gods and Brahmanas should, in the 13th year after possession, restore them back to the owners with documents without receiving back any money.  |
| 692   | On a broken slab lying in the courtyard of the Siva temple in the same village.  | :                  | :  | :   | Do                        | Broken and damaged. Registers a gift of land for a temple after building it, on a day of solar sclipse.  |
| 800   | On a slab set up in front of the Virabhadrasvamin temple in the same village.    | :                  | <b>:</b> .   | Śaka 1744, Chitra-<br>bhanu, Margu-<br>gira, śu. di. 10,<br>Monday. | Do                        | Belates that Basuvalingayya, son of Maraiyya and Baramua, the sharcholder of a moiety in the manya-lands of the mathas, Fedgomatha and Dornipati and other villages, repaired by raising alms the temple of Virabhadrésvara at Kovelakuntha which was in ruins. The merchant classes, on being approached, give for worship and offering a chittedu of rice and one ruvu-weight of lamp-oil. And on Friday fairs, those who sold by scale, set apart a gavagulu (?) and those who sold by measure, one chittedu, evidently for the same purpose.     |

B.—Stone insoriptions copied in 1917—cont.

|                           | on year for the for the ratayya, ratayya, ravinôdi na sutra farandai Piriyana athama-of the o | , and garden<br>enance of the<br>abamandales.<br>ingaraja and<br>Atreya-gotra   | on the case on the case of the | a, son of ingaraja ee Yajus- llages of ces oalled for the Control of the Control | stivals of illage. damaged. rajudeva. grandson a grant   | im ss a tackached to sayaikara of lands, i Panda-i by the ja, son of als Nara-setamba-   |
|---------------------------|--|---|--|---|--|--|
| Remarks.                  | Begisters the grant of the vartans paid to them year after year by the mahajanas of Kövilakupula for the Stramar-jayanti festivala of the god Pandarangi Vithaleisvara at Kövilakupula by Changalamarri Parvatayya, son of Vallahayya, and grandson of vipravinodi Mallayya of tho Kasyapa-gotra, the Kayapana-entra and the Prathama-sakha, Madharayya, son of Varanasi Vallahayya and grandson of the vipravinodi Piriyana of the Vasiebta-gotra, Katyayana-athra and cher vipravinodi Piriyana sakha and other vipravinodi ommunity in Vidvanasara. Bedadakta   | Kataka and the Dravida-desa.  Damaged. Records the grant of a house, land, and garden at Kövilakuntla and money for the maintenance of the Emanuja-kuta and a matha there by the Mahamandsles vara Timmayadva-Maharalia, son of Narasingaraja and grandson of Nandyala Naraparaja, of the Atteya-gona | and Apastamba-sutra and born in the lunar race.  The top portion is broken. Registers the grant, on the banks of the Krishap, of lands and flower-gardens for the vasant/cava and other festivals of the god Pandarahgi Vithalès'va-, by Krishamanais, een of Murtirals and grandson of Ramaraja of the Atréya-gôtra and born in   | the lunar race.  Extess that the Mahamandalesvara Venkatadrirals, son of Krishmanarals and grandson of Nandela Narasingaraja of the Afreya-gotra, the Apastamhs-sutra and the Yajussakha granted as sarvamanya, lands in the villages of Chintakunta, Vithalapura, Chinakūperla and, the vartana (oustomary tax) on kahētras and the taxes called manakutta, and kāpayatas oblected at Kogilakuntis for manakutta, and kāpayatas oblected at Kogilakuntis for parasing tax hand kāpayatas oblected at kāpayatas oblected at kāpayatas oblected at kāpayatas oblected at kāpayat     | nuja-kruba, the palm and restrict and other feetivals of the god Pandaranga Vithaleivara at the latter village. The bottom portion of the grant is seriously damaged. Slates that the Mahamandaleisvara Narasingarajudeva. Maharaja, son of Timmayadeva-Maharaja and grandson of Nardyala Narasingarajudeva-Maharaja made a grant to the god Pandaranga Vithaleévara at Kogilakupta in | Angliakuniya-sima whom was granded to him se a nayankara by Sirranpaddya-Maharaya. Records the grant of the village Chinakoperla attached to Kogilakuniya in Renadu, granted to him as nayankara by Tirumaladdya-Maharaya with its forests, wet lands, tolls, money-income and fruit trees to the god Pandaranga Vithaledyara-Perumal at Kogilakuniya by the Mahamadalefyara Narasingarajudgya-Maharaja, son of Timmayadeya-Maharaja and grandeon of Nandyala Narasingarajudgya-Rotra, Apastamba-singarajudgya-Muharaja, of the Atreya-gotra, Apastamba- |
|                           | :  | :   | :  | :   | :  | :  |
| Langusge<br>and alphabet. | 'Felugu  | Do.   | Dø.  | Do  | Do.  | . Do.  |
|                           |  | bitra.  | ·• esd   | faraņa,<br>su. di.<br>eolipse.  | Śri-<br>rtika,   | jo[t]-<br>.a, su.  |
| Date.                     | .ka 1476, Ananda.<br>Chaitra, su. di. 10.  | .ka 1533, [Chit.<br>bhanu],   | Solar eolipse  | ka 1506, Tarana<br>Kartika, su. di<br>16, lunar eolipse.  | .ka 1495,<br>mukha, Kū<br>su. di. 10.  | 193, Pra<br>, Kartil<br>,  |
| ~                         | Šaka 1476, Ānandē,<br>Chaitra, su. di. 10.   | Saka 1533, [Chitra-<br>bhanu], · · · · ·  | Sol  | Saka 1506,<br>Kartika,<br>16, lunar   | Śaka 1496, Śri-<br>mukha, Kārtika,<br>su. di. 10.  | Saka 1493, Prajö[t]-<br>patti, Kartika, éu.<br>di. 12.   |
| King.                     | Virapratapa Sadasivadēva-Mahāraya'ru-<br>ling at Vijayanagara'.  | :   | :  | Virapratapa Vira Śriran garāyadēva-Ma-<br>hārāya, 'ruling at Fenugoṇḍspaṭṭṣṇa'.   | Virapratapa Tirumaladeva-Maharaya,<br>'ruling at Penugonda.'   | Do.  |
| Dynasty.                  | Vijaya.<br>nagara.   | :   | :  | Vijaya-<br>nagara.  | Do.  | Do.  |
| Place of inscription.     | On a slab set up near the Afriancya-syamin temple in the same willage.   | On a pillar in the mukha-mandapa of the Rangasvamin temple in the same village.   | On a broken slab set up in the court-yard of the same temple.  | On another slab set up in the same place.   | On the third slab set up in the same place.  | On the fourth slab set up in the same place.   |
| No.                       | 694  | 989   | 969  | 269   | 869  | 0 669  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.              | King.                  | Date.  | Language and<br>alphabet.               | Кепакке.   |
|------|---|-----------------------|------------------------|--|---|--|
| 709  | On a beam of the mukha-mandapa<br>in the same temple.                   |                       | <u>:</u>               | :  | Kanarese                                | Refers to the manifestation of the god Ramachandradeva before the "Fleven Rudras" and to his having received worship at the hands of Chōjaraya Registers the construction of the gopuras and the front-mandapas, the soveral repairs and the performance of sacrifices by Kavinaria, the orandam of the head of sacrifices by  |
| 710  | On the south base of the same temple.                                   | . [Вајита]            | Narasingartya-Maharaya | Saka 1407, Visva-<br>vasu, [Aévija],<br>ba. di. ** solar<br>eolipse. | :<br>°G                                 | ed to the god Ramachandra the Unique, the says gran-<br>pura, fevarapura, Rayasagara, Komadenahali, Nirukalu<br>in Midigeal-sime and Maddagiri in Bijavarada-sime and<br>lands under the tamks of Aguli, Maduvidu, Ravidu,<br>Kntavalalu and Kaki.<br>Registers that kayapparaja, son of Ba[yi]rajadeva-Chola-<br>Maha-arusu gave a vulley after purchasing it, a field of 15<br>honnu (tax) and the channel Sakharadevara-kaluve to the<br>god Ramachandra and to the individuals Narasimhas<br>Somayaji, Frasanna-Somayaji and Lakshmana-Somayaji,<br>sons of Dasagranthi Narasimha-Somayaji of Madhu- |
| 711  | On the south wall of the same temple.                                   | :                     | :<br>:                 | Śaka 1406, Krodhi,<br>Vaisekha, su.<br>di. 5.                        | .:                                      | summapura, of the Asvalayani-entra, Kasyapa-gotta and Rik-fakha. The valley was converted into the tank called Narasabudhi in the name of the king and the four khanduge of land below it was equally divided between the three brothers and the god Kamaohandra. Incomplete. States that Rayaparan, grandson of Chola-Maharaya to whom the god Sri-Ramachandra had made himselt manifest, constructed the manapapa, the prakara and the gopura, celebrated the car-festivals of that god  |
| J712 | On a slab set up by the side of the road on the west side of Agali.     | :                     | :                      | Vilambi, Åshadha,<br>su. di. 7.                                      | Do                                      | and granted the villages of Ramachandraphra, lévarapura, and Rayasagara and also a tank built in his name. Registers the Ranachi grant of a manya land of five kolegas below the Agali tank for an arecentur garden to kolegas.  |
| 713  | On a slab set up on a vacant site in<br>the middle of the same village. | :                     | :                      | Pushya, su. di. l,<br>Friday.  | Do                                      | Astrophys. Camps, son or mongophys. Cange of Again, by the Mahanaya kacharya Harati Rangapa. Nayaka.  Registers that Alappa, the brother of Addiri Devana and the brother-in-law of the Mahaprachana Jatiya.  Datanayaka [commenced] the repuirs to a breach in the  |
| 714  | On a stone lying in the court-yard of a Jains hasti in the same         | :                     | :                      | :  | Do                                      | bund of the Agelitank, 60 marulong, 12 maru broad and 12 men deep and completed it on Monday the 10th of the dark half of Phalguna.  [This is] the mislah of Krish[ni]-Sotti, son of Betti-Setti, a lay disciple of Devachandera of the Mola-sampha  |
| 716  | On a pillar set up in a field north-<br>east of the same village.       | :                     | :                      | Saka 1621, Vikari,<br>Pushya, ba. di. 7,                             | Do                                      | and the Dosiya-gaun. Registers the survamenty grant of a gauden-land to the niraganti Kannati Banaviravya by the gauda (headman)   |
| 716  | On a beam supporting the roof of<br>the choultry in the same village.   | Nolamba<br>(Pallava). | Nojambadhira ja        | Friday.  | Kanarese (in<br>arghaic<br>characters). | and the senabova (kurmam) of Agali. Danaged. Records the grant of wet, dry and areca-nut garden lands by Kotaya, the danganayaka of Ballaha to a temple of Vishne (Vishnu-griha) built by himself.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| The contraction of materialism.   Dynaty.   Editors      |                  |   |                    | •                      | •  |                           |   |
|--|------------------|---|--------------------|------------------------|--|---------------------------|---|
| On the couth wall of the Sankare Pijayre are very eventual temple in the same vall   | No,              | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.                  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Вешилкя   |
| On the east wall of the same of the village of Ratingfirt, hands of the village entrance bying in a field hands.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a boulder in front of the Aija.  On a plant supportance bying in a field hander of Eaking antrance a Byadi.  On a plant supportance by the village entrance a Byadi.  On a plant supportance by the vest of the same  | 717              | On the south wall of the Sankare-<br>syarsayamin temple in the same | Vijaya-<br>nagara. | :                      | 1432,<br>da, Afvija                                      | Капагово                  | Dataged. Norms to register the remission of taxes on marriages in the several provinces of the Vijayanagara   |
| On the east wall of the same the vilage of Ratingth.  On a slab set up in front of a may viger.  On a boulder in front of the Afgis.  On a pillar supporting the root of the same south of Latings are supporting the root of the same set up in front of the same of the village of Ratingth.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the Afgis.  On a boulder in front of the ame in a field to the village entrance at Bygdi.  On a pillar supporting the root of the same in a determine the pillar supporting the root of the same in the village entrance at Bygdi.  On a boulder in front of the same in f | 718              | :   | :                  | :                      |  | Do                        | Registers that Kachapa-Vodeya granted the tajavarike of Agali to fainvara Dodda, son of Chanda-Navaka of  |
| On the east well of the same temple.  On a slab set up in front of a max— Vijeys— Truling at Penugond-pura daps on the south-western side of the village of Ratnagiri.  On a boulder in front of the African and the south of the same vert of Tigalerabatti hamlet of Rahin where to Tigalerabatti hamlet of Rahin and the village entenace at Byadl-south of the same village.  On a proper of Rangarian through and the the same south of Lakkappanahalli and the village entenace at Byadl-south of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same of the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the west of the same of the same grows to the west of the same grows to the same grows to the same grows to the west of the same grows to the west of the same grows to the same grows t | 719              | :   |                    | Narasingaraya-Maharaya | Śaka 1420, Pińgaja,<br>Chaitra, śu. di.<br>15. Saturday. | Do                        | ore. the grant of the village of Palliganaballi all the grant of the village of Palliganaballi all all addresses and Vagalisabalas Asvaka and Kachana-Asvaka  |
| On the east well of the same temple.  On a slab set up in front of a man.  Vijaya.  On a slab set up in front of a man.  On a slab set up in front of the Anja.  On a slab set up in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the Anja.  On a poulder in front of the same village entrance at Byadi.  general a hamlet of the same village entrance of the wast of the same village.  On a here-stone lying in a date-stone lying i |                  |   |                    |                        |  |                           | Adavani, for offerings to the god Sankaradeva and the sahadevatae (attendant deities) at Aguli in the presence of the god Ramesvara at Schubandha-Rāmesvana whither he had gone with Narasana-Nayaka. It is started that had  |
| On a slab set up in front of a man. days. days. days. of the village of Ratnagiri.  On a boulder in front of the Anjanary structure of the Anjanary  | 720              | On the east wall of the temple.                                     | :                  | :                      | Śaka, 1513, Khara,<br>Pushya, bu. di. *                  | Do                        | Radinapa-Nayeka nood the district Kayadurgu-chayadilas a first from Narasinganaya-Mudhataya and Narasingana-Nayaka. Records the grant of wet lands under the fariks of Togatagere, Patigere and Agalikere as servamanaya to talayata Madapa of Agali, by the Mahninayakacharya Harati |
| On a boulder in front of the Anjanessamm temple, south of the Sanjanessamm temple, south of the Sanjanessamm temple, south of the Sanjanessamm temple of Rannessam at some eat up in a field to the west of Tigalerahatti, hamlet of Rakkappanahalli, hamlet of Raki.  On a pillar supporting the roof of the same village entrance at Byadlege.  On a pillar supporting the roof of the same village entrance at Byadlege.  On a hero-stone lying in a date-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a date-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a date-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a date-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  On a hero-stone lying in a fate-grove to the west of the same village.  | 721              | ర   | Vijaya.<br>nagara. | Pen                    | Lost   | Do                        | Rangapa-Nayaka.  Damaged. Records the gift of Bhuttensha[]]! surnamed Rangapura, a village in Leatnagiri-schala in Agali-sine belonging to Rayadurga-rajya, to Bhadrappadevaru, son of Kachchuhadadevaru and grandson of Namhivannadevaru.  |
| On a boulder in front of the Anja- neyawamin temple, south of the seme village. On a hero-stone lying in a field south of Lakkappanahalli, hamlet of Kaki. On a pillar supporting the roof of the village entrance at Byadi- singlet, a hamlet of the same village. On a hero-stone lying in a date- series of the same village. On a hero-stone lying in a date- series of the same south of the same village. On a hero-stone lying in a date- series of the same series of the sam |                  |   |                    |                        |  |                           | of Nagazahavi of the Atrèva-gotra and Asvalayana-shira by the Mahanayakacharya Rangupa-Nayaka, son of Lakshmipati-Nayaka, a pupil of Bhadrappadèva and grandson of Harati Gundappa-Nayaka of the Yanumala   |
| west of Tigalerahatti, hamlet of Rannrese  of Ratnagir.  On a hero-stone lying in a field south of Lakkappanahalli, hamlet of Kaliar supporting the roof of the village entrance at Byadl slope.  On a pillar supporting the roof of the same the village entrance at Byadl slope.  On a hero-stone lying in a field  On a pillar supporting the roof of the same slope.  Village entrance at Byadl slope.  On a hero-stone lying in a date-grow to the same slope.  On a hero-stone lying in a date-grow to the same hamlet.  On a hero-stone lying in a date-grow to the same slope.  Con a hero-stone lying in a date-grow to the same slope.  Rannarese (in archaic characse (in archaic characse).  Isomorphism to the same slope in front of the same hamlet.  | .722             | <u> </u>  |                    | :                      | :  | Lelugu                    | race and the Vannika (Vannika Predicts. This (temple?) was the work of the son of Kasi Periyanna and grandson of Chavandi-Achari.   |
| On a hero-stone lying in a field south of Lakkappanahalli, hamlet of Kaliarese (in arohaic chahamlet of Kaki.  On a pillar supporting the roof of the village entrance at Byadie gera, a hamlet of the same village entrance at Byadie gera, a hamlet of the same village.  On a pillar supporting the roof of the same since the vest of the same hamlet.  On a slab set up in front of the same hamlet.  Sadharana, Áśvija, 10.  | 728              |   |                    | :                      | :  | Капагове .                | Timma-Gaundu is the holder of the kanachi-gaudike in the agrabara of Sallra J-Bhata.  |
| On a pillar supporting the roof of the same at Byadl-gera, a hamlet of the same grove to the west of the same hamlet.  On a ble set up in front of the same hamlet.  Sadharana, Áśvija, Do  Sadharana, Áśvija, Do  | 124              |   |                    | :                      | :  | ં .                       | Mentions Supportyur, a servant of Kavali-Atasa and the assault of Karatikailu. Some gifts were made to this Sappariyar in the newly acquired country.   |
| Villago.  On a hero-stone lying in a date- grove to the west of the same hamlet.  On a slab set up in front of the  Kariyamman temple at Modderi.  | <sup>7</sup> 725 | <u> </u>  |                    | :                      |  | Kanurose                  | States that this stone entrance was constructed by [Ma]-laive of Bedageri.  |
| On a slab set up in front of the Sadharana, Ásrija, 10.  Kariyamman temple at Dodderi.   | 726              |   |                    | :                      | :  |                           | Damaged.<br>Refers to   |
| The proposal content of the content  | 727              |   |                    | ÷                      | Sadharana, Ásvija,<br>su. di. 5, Monday.                 |                           | Records the construction of this temple by Malamma, wife of Pajari Vadustiya.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Language and Remarks. | Kanarese Do[d]deri surnamed Venkatésvarasamudra in Agah-sime by the Mahanayaikacharya Bangapa-Nyaka, son of Harati Lukshmpati-Nayaka of the Kasyapa-götra. Mentions Singara-Bhata of the Kasyapa-götra. Mentions Singara-Bhata of the Kasyapa-götra. Ash-sritra and Xajus-sakha and his desendents who were establishers of the Vedamargaparatishtha- | Do. Damaged. Reirrs to the gift of the village of Kerrys-<br>ketamahallins a kodge to Kall-Nayka of Kaidala by the<br>big merchants (maha-vaddavevalari, ubhayananadesi)<br>and the gaudus of Aguli, Na[dhu]vadi and Nidugalla-<br>nadu. Mentions incidentally Vira Ballaladava. | Do. Registers, the sale of the manya' land attached to the gaudike of the village of Kereyaketandudji for 7 valra" has by Bolaya, son of Basavi-Gaunda of Kereketanahalli to a cartein Basavi Basavi Caunda | 1)o Registers a grant of land to a temple of Vishnu (Vishnu-griha).   | Do. Registers that Buchnya, son of Yerako-Ganda of Madhuvadi, tell fighting in a Hoyisana (Hoysala) raid which happened during the reign of Maynannadova and that a garden and a wet field measuring 100 ha were given. | Do. While Jagadokamalla Mallideva Chola-Maharaja, son of Irungola was ruling at Hefüljeru, the Mahapradhana Hinya-Tantrapaja Naunaya, son of Edimayya and Mudab[b]o and younger brother of Banmana, granted a wet land, a gaden land and an oil-mill for a perpetual lamp, rice offerings, bodily enjoyments, repairs, the Chaitra-pavitra festival, and the feeding of Brahmanas and ascetics, in the temple of Nagestra at | Madhavadi.  Damaged. Refers to a cattle raid and the village Madivadi; also to the death of a hero. | Do In archaic characters. Danaged. Mentions Sirigutti. | Do. Damaged. Records the grant of the village Rayadir.surnamed Immediranguammedra in Madavida-Ahala in Agalisime belonging to the Rayadurga-vênțe to Umapati-Aresu, son of Eankapayya and grandson of Kôţeya, Ramarasayya of the Bharadyala-gôtra, the Ásvalayana-cûtra and the Rik-fakha by the Mahanayakacharya Immadi Kangapa-Nayaka, son of Lakshmipati-Nayaka Rangapa-Nayaka of |
|-----------------------|---|--|---|---|---|--|---|--|--|
| Date.                 |   | Kilaka, Phalguna,<br>su, di. 10,<br>Monday.  | Śaka 15 [22], Śar-<br>vari, Āshāḍha, śn.<br>di. 1.  | Saka 881, Siddhar-<br>thi.  | Sarvari, Āshadha,<br>śu. di. 10.  | Saka 1091, Virodhi,<br>Sravaņa, su. di.<br>Trayodasi, Ihura-<br>day, Uttarayaņa-<br>rankramaņa.  | Saka 934 su.<br>di. pañohami,<br>Saturday.  |  | Saka 1626, Krodhi,<br>Pushya, ba. di.<br>[3],<br>Sankranti.  |
| King.                 | Virapratspa Vira Veńkatapatideva-Maha. Śaka 15[0]8, Vyaya, raya 'ruling at Penugoņde.' 12, Utthana-dvādas.'   | :  | :   | Nolambadhiraja  |   | Prstapaobakravartin Jagadekamulla,<br>'ruling at Kalyaņa.'   | :   | :  | Vira Venkatapatidēva-Maharaya  |
| Dynasty.              | Vijaya-<br>nagara.  | :  | :   | Nolamba<br>(Pallava).   | į   | Western<br>Chalukya.   | :<br>:  | :  | Vijaya-<br>nagara.   |
| Place of inscription. | On a boulder at the entrance into the same village.   | On a slab lying near the Afijandya-<br>svamin temple at Sarajammana-<br>halli, a hamlet of Kotagarala-<br>halli.   | On a slab set up in a field to the north of Badigegondanahalli, another hamlet of the same  | village. On a pillar set up in the court-yard Nolamba of the Mallesvarasvamin temple at (Fallaya). Madhudi. | On a hero-stone set up near the Anjanêyasvâmin teuple in the same village.  | On a pillar set up in the bazar in the same village,   | On a hero-stone set up in a field to<br>the north of the same village.                              | On a hero-stone set up on the tank                     | bund at Rayudi. On a pillar lying near the Afijane- yasvamin temple in 'he same village.   |
| , X                   | 1728  | /729   | 730   | 731   | 732   | 733  | 734 (   | 735 (  | 736  |

| 1917—cont.        |
|-------------------|
|                   |
| =                 |
| <u>.</u>          |
| ~                 |
| opied             |
| ٠.                |
| 24                |
| Ö                 |
| 0                 |
| riptions          |
| -                 |
| ineorij           |
| *                 |
| a                 |
| -=                |
| •                 |
| ă                 |
| 8                 |
| **                |
| ŧ.                |
| Ţ                 |
| $\mathbf{\alpha}$ |
|                   |
| - 1               |

| No.                  | Place of insoffption.  | Dynasty.   | King.                               | Date   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|----------------------|--|------------|-------------------------------------|--|---------------------------|--|
| 184                  | On a slab set up near the village entrance at Aludi, a leamlet of the same village.  | •          | :                                   | Saka 1694, Nandana, Margasira,                                 | Капатеве                  | Registers an unball grant of the village Aluvadi belonging to Maduvidi, with all its forests, wet lands, income in money and grain, for perpetual enjoyment to Sahe. Ishana Khalila, by Harati Kangapparaja [son] of Sara-   |
| 788                  | On a slab set up near the Anjane-<br>yesvamin temple in the same<br>hamlet.  | Hoysala    | Pratapachakravarti Vira Ballaladeva | Śaka 1238, Nula,<br>Phalguna, su. di.<br>5, Thursday.          | Do. :                     |  |
| 1789                 |  | :          | : :                                 | :  | Do                        | grant. [This is] the boundary of Maddaluru surnamed Virabrah-mapura.   |
| 740                  | Mysore tate and Aludi. On a slab set up in the backyard of a house at Komarenahalli, a hamlet of the same village.             | :          | :                                   | Vikrama, Nija-Āé-<br>vija, śu. di. 11.                         | Do                        | <u> </u>   |
| 4741                 | On a slab set up in front of the Anjaneyasvanin temple at Paduvala Byadigera.  | :          | :                                   | Śaka 1684, Chitra-<br>bhánu, Ásvija,<br>śu. di. <sup>6</sup> . | Do.                       | Harnti Sarajarayaparaja. Registers the sale of the village of Paduvana Byadagere in Maduvidi-sthala with its forests, wet lands, moneyincome, grain-income, efc., for 500 Padasahi varahas to Raida Yakuba-Bokari, son of Saida Mirana and grandson  |
| 742                  | <u>5</u>   | Nojumba    | Nojamba[dhi] sa                     | :  | Kanarese (in              | of Saida. Yakuba-Bokari by the Mahamandalebrara kan- gapparaja, son of Vira-Rayapparaja and grandson of Harati Saratia. Sammeta-Rayapparaja of the Atreya- gotra, Apastamba-sutra and Yajus-sakha for the daraga also called the matha of the teacher at Sirya.  (in Danaged, Records that this stone was put up in memory at the order of the control of the c |
| ្ន                   | halli, hamlet of the same village. On a slab built into the fort well at Vadaguntanahalli, another hamlet of the same village. | ( FRIBAB). | :                                   | Saka 1685, Byabha-<br>nu, Bhadrapada,<br>su. di, 16.           | racters.) Kanarese        |  |
| ‡<br>72, Hon         | <u> </u>   | :          | :                                   | Yuva, Kartika, su.   | Dø.                       | Begisters the gift of a tank (kunte) to the god Tiruven-<br>galantha of Sire by the Gajapati prince Virabhadraraya   |
| 2<br>2<br>20 (Edn.)  | On a hero-stone set up in a field to the north of the village of Nara-sambudhi.  | :          |                                     | :  | Do.                       | In archaic obstractors. Registers the death of Madappa, son of Keradara Belli-Gavunda of Piri-Yingaluru, in after causing a thousand (of his enemies ?) to be  |
| 9 <del>1</del><br>20 | On another hero-stone lying in the   | :          | :                                   | :  | Do.                       | Mayinda-Gavunda who was the younger brother of Belli-  |
| 741                  | 7 On another broken hero-stone lying in the same place.  | :          | :                                   | :  | D).                       | Gavunda, son of Akka-Gavunda and grandson of Berikalla Briftle in Vre-Gavunda, in a courte and grandson of Berikalla Briftle in Vre-Gavunda, in a courte and   |
| 748                  | On a stone lying beneath the tank-   | :          |                                     | :  | Do.                       | 10. Becords the death of a hero, the son of [U]mappair-Arasa in the oattle-lift at Malajavara-Marimefichi.   |

B. Stone inscriptions copied in 1917 - cont.

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.          | King.                          | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.  |
|------|---|-------------------|--------------------------------|---|------------------------|---|
| /749 | On a stone lying in a field in front of the Afijaneyasavamin temple at Hullikeredevarahalli,              | :                 |                                |   | Kanarese               | Registers the grant of the village of Hullakere belonging to Agali-grams as a sarvamanya to Brahmanas, by Timmanya-Nayaka for the merit of Krishmaraya-Malakaya ma the soluke of the Gantami in vacance of the cond   |
| 720  | On the four slabs of the parapet wall of a well in a house at Madakasira.                                 | :<br>:            | :                              | :   | Do                     | Markandsware, or are Caucaini, in presence of the gou-<br>Markandsware.  Three of the slabs bear the name Lakshmanatirtha engrav-<br>ed in Grantha, Nagari and Kanarese characters. The<br>fourth which is in Nagari is much damaged. It men-<br>tions Machasira and its alternate name (not leathle on |
| 751  | On a pillar of a dilapidated man-<br>dapa in the court-yard of the<br>Venucopalasvamin temple in the      | :                 | :                              | :   | Таті! (тегы)           | the impression) and a religious teacher.  Kegisters that the king of Vengi ran away on hearing that the Chōla (king) had ordered (his general) Soliyavarisan to conquer that country; see No. 23 of 1917.   |
| 1752 | same village.<br>On another pillar in the same place.   | Chola             | Udaiyar Srt-Rajendra-Choladeva | 10th year   | Tamil                  | Begisters that the mandapa (in which these pillars originally were) was commenced on the 160th day of this year and   |
|      |   |                   | -                              |   |                        | finished in 40 days by the genoral Arayan Eslarsjan alias Vikramasola-Soliyavaraiyan of Sattamangalam in Tiraimur-nadu. Below the inscription are engraved the titles Edirthavarkalan and Samantakesari; see ibid and No. 24.   |
|      | Anantapur district, Hindupur taluk.   |                   |                                |   |                        |   |
| 753  | On a hero-stone set up in a vacant site at Sante-Bidanuru.  | Western<br>Ganga. | Rachamalla-Permanadi           | :   | Капагеве               | Refers to a fight between the king and Ayyakutti in which some heroes appear to have died. The end of the record  |
| 422  | On a hero-stone set up in a field to<br>the south of the village of Tun-<br>gepalli, a hamlet of the same | :                 | :                              | :   | Do                     | Seriously danaged. Mentions a chief who was entitled Pallsvabhumalia.   |
| 755  | village. On a stone lying in a field to the west of the village of Karudipalli, a hamlet of Chauluru.     | :                 | :                              | Saumya, Margasira,<br>ba. di. 1.                      | Do                     | Becords the katukodagi grant of a land to a private individual of Darnvadahali by Abdula Hussenu babeba ruling the Penugonde-taya, for his having constructed the new miles a selled Hasse, the   |
| ,756 | On a stone lying near the Añja-<br>neysawamin temple at Moda.   | :                 | :                              | :   | Do                     | Registers a gift of a manya land by Virapanna to Hi[ra]- Preventaradhya of Gujunodu for conducting the worship  |
| 787  | On a sisb set up near the ohavadi<br>at Srikanthapuram.   | :                 | :                              | Śaka 1425, Kro-<br>dhana, Chaitra,<br>su. di. 1, Wed- | Do                     | Much damaged. Seems to record the grant of the village [Srikantha]pura surnamed Vôbasanudra, to a certain Narasinha-Dikshita of the Ásvalsyana-sútra and the  |
| 758  | On a broken stone lying near a  | :                 | :                              | Saka 959,   | Do.                    | Kasyapa-gotra.<br>Mentions a certain Nojam[ba]-Gamuņda.   |
| 4269 | 3   | [Baņa]            | Pra[bhn]meru                   |   | Do                     | The stone is broken and the characters visible are highly damaged. Seems to refer to a cattle-raid and the gift of a kalnadu.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| Вепатка.                  | Begistere the grant of Yarsgunto, a village between Utakinn and Herine to the god Virabhadra as a pura by the Mahamandelevara Igunadeva-chola-Maharaja. Several items of income are mentioned, such as, cash, oran, abon, cows. noticer's fee, forced labour, etc. | Registers the death of Madesakada-Khapanapa, son of Ohdabova.  Broken. States that Venkatapatirayadeva-Maharaya granted a wet field as a sarvamanya to the spearman | Vobalesa.  In arohaio characters. Registers that a certain Palage In arohaio characters. Registers that a certain Palage Nagiyana, son of Nagi, died in the battle of Edmadi (a village in Agali-nadu) in which were engaged Nitimarga- Venmadi and Bira-Nolamba. This stone (kulisagallu) was set up hy Basaka, the wife of the hero and the | daughter of Ayva of the Regardess. The engraving (f) was done by Konga.  Relates that this temple of Safjivaraya of Kotnuru was constructed by Narapa-Redyli for the merit of his mother.  Records the remission of the marriage tax on all castes at Kotapi. The curious benediction at the end states that the married people who go round this Nandi (bull), will be bleased with many children. | Bears the sentence 'Svasti sirl Mandachariya bhasani sandudu': 'Hall ! the speech of the blessed Mandachari has proved true.' On another part of the stone are three lines of writing not quite legible. The first line seems to contain the name Chârurasibhandirar for Chârurasi-Pandita, the title of a particular order of Jaina monks (see the contain the title of the string and the title of the particular order of Jaina monks (see | Records the   | States that a certain Sangapa constructed the temple of Mailaradeva.  Damaged. Mentions Rama[ra]ja.            | Damuged. The date portion alone is legible. Refers to the victory gained by the Mahapradhana Ajiya. Macheya-Damayaka over a certain Rachaya-Nayaka of Tumbeyakallu. Also records the death of a hero evident- ly on the same occasion. |
|---------------------------|--|---|---|---|---|---|--|--|
| Language and<br>alphabet. | Kanarese   | Do  | . :   | Telugu<br>Kanarese  | Do. :   | Do  | Do   | Do   |
| Date.                     | Ananda, Magha, bu.<br>di. 5. (at the end<br>of the record is<br>given ba. di. 3).  | : :   | :   | Saka 1686, Tarana,<br>Kartika, b., di.18,<br>Saka 1354, Pari-<br>dhavi, Kartika,<br>su, di. 1, Friday.  | ŧ   | Bribaspati in<br>Makara, in<br>suddha Pausha                                  | Ananda, Phalguna,<br>Pañchumi,<br>Sunday.<br>Saka 1458 (mistake  | for 18 (0), Athreshap, Absh (a), ba. di. 10. Saka 1466, Krodhi, Kariika, su. di.   3]. Saka 1246, Rudhi. rodgari, Chaitra, su. di. dasami, Monday.   |
| King.                     |  | : :   | •   | Vira Devaraya-Mahârāya  | :   | Nogambadhiraja  | Virapratāpa Badātivarāya   | Sadāsivaraya-Maharsya  |
| Dynasty.                  | :  | : :   | :   | Vijaya-<br>nagara   | :   | Nojamba<br>(Pallava).   |  | nagara.<br>Do.<br>Hoyeala  |
| Place of inscription.     | On a Nandi-pillar set up near the Adjaneyasvamin temple at Terragunta.   | On a hero-stone lying in a field<br>under the tank bund at Parigi.<br>On a stone lying in the same place.   | On a hero-stone set up in a field to to the north of the village of Utkuru.   | On a slab set up in the Añjaneya-svamin temple at Kotnuru. On a Nandi-pillar set up near the Añjaneyasvamin temple at Kotipi.   | On a boulder in a field below the tank bund in the same village.  | On a broken pillar lying in front of<br>the Isvara temple at Golla-<br>puram. | On a slab set up in front of the Afianeyasvamin temple in the same village. On a slab set up in the court-yard |  |
| No.                       | 7,60   | J 761   | 763   | 764   | 991,  | 792,  | 769  | 770  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| No.  | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.                               | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|------|--|--------------------|-------------------------------------|--|---------------------------|--|
| 773  | On'two pleess of a broken herostone lying in the same place.   | Ноува,             | Vira-Baļaļadēva                     | . Śaka 1243, Raudri,<br>Bhadrapada, ba.<br>di. 13, Monday.             | Капатеве                  | Records the death of the Mahasavantadhipati Hiriya Bommeya-Nayka, son of Gangeya-Nayka of Holakallu, in a fight against the cavalry of the chiefs of Yellumavu, the prime-minister of the king, who was ruling at Penugunde granted are to a conditional and conditions.   |
| 473  | On another hero-stone lying in the same place.   | :                  | :                                   | Saka 1238, Nala,<br>Magha, ba. di. 5,                                  | :                         | Records the death of Mali-Nayaka, son of Banadoya-Nayaka, in a raid.   |
| 7.17 | On a hero-stone set up in the courtyard of the Anjaneyasvamin temple at Kanchisamudram.                          | :                  | :                                   | Saka 1255, Srr-<br>mukha, Ashadha,                                     | Do                        | States that Perumalo, son of Gangoja of Kafiohisamudra, fought with the thieves in the "hill-pass in which kings had follen" and without being robbed had died a hear  |
| 776  | On a boulder near the dilapidated Isvara temple in the same village.   | Vijaya.<br>nagara. | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya   | day.<br>Saka 1476, Pramadi,<br>Sravaņa, bn. di. 5.                     | Do                        |  |
| 77.8 | On a stone pillar set up in front of<br>the Anjaneyaavamin temple at<br>Madipi, a hamlet of the same<br>village. | :                  | :                                   | Saka 1624, Chitra-<br>bhanu, Vaitakha,<br>fu. di. 1, Monday.           | Do                        | Pratapadevarayapura. Damaged. Refers to the construction of the temple of Hanumantadeva by a gauda for the merit of the Mahannayakaoharya Sarabhaya-Nayaka.  |
| 777  | On two broken pieces of a slab<br>lying near the dilapidated Isvara<br>temple at Demiketapalli.                  | : :                | :                                   | Pingaļa, Vaisakha,<br>su. di. 16.                                      | Telugn                    | Registers that a tulari of Demiketépalli was named after<br>Narasinhunayadu, son of Manginayani Vasanta-Nayudu<br>and accordingly received the major nari of the talari's  |
| 778  | On a slab set up in a field to the east of the village of Naganapalli, a hamlet of Cholasamudram.                | :                  | ÷                                   | Śaka 1418, Naja,<br>Magha, su.<br>di. Paurname,<br>Thursday, lunar     | Kanarese                  | share. Registers the gift of the village of Tipapura for offerings to the temple of Chennakeiavadeva at Cholassanudra, hy the Mahapradhana Tipparasu-Vodeya of Penugonde.  |
| 924  | On a slab built into the waste weir of the tank at Chilumutturu.   | Vijaya-<br>nagara. | Mahamandalbévara Vira Bukkaraya , . | eolipse.<br>Saka 1289, Plavan.<br>ga, Prathamash-<br>adha, su, di. 14, | Do                        | Becords the construction of a kallumanchige by Irugappa-<br>Odeya, son of the Mahapradhana Bayicheya-Dannayke,<br>while he was ruling at Chelumutara.  |
| 780  | On a slab set up in a field near the Afjaneyasvamin temple at Sanjivarayanipalli, a hamlet of the same village.  | Hoyeala            | Prstapsobakravsrti Vira Baļļaļadsva | _v2å<br>   | Po,                       | Records the kodege grant of Valagalakunteyahaji by Vissama-Dannáyaka, son of the Mahaprachana Ajiya Maohaya-Dannáyaka, to Gópa-tiaunda, son of Chavala   |
| 781  | the west of the akuntapalli.   | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Achyutadéva-Maharaya    | Saka 1459, Hevilandi, Afvija, su.                                      | Do.                       | Bomma-Gaunda.  Records the grant on copper-plate of the village of Kanoha-karahali for offerings and the bodily anjoyments of the good Persinals.  |
| 482  | On a boulder below the tank bund at Bhupasamudram, a hamlet of Hussenpuram.                                      | :                  | <b>:</b>                            | Saka 1456, Jaya,<br>Chaitra, ba. di,<br>10.                            | Do. :                     | Solutions, treever and regninashs at Lepäzehi by Penugunde Virupanna, son of Nan[di] Laki-Setti. Records the kodagi grant of a wet land by the learned mahijanas of Bhnpasamudra euramed Melapura, to a certain Gadada Basava-Me[d]di, for his having executed some work in connexion with the his fank of the till.   |
|      |  | -                  |                                     |  |                           | The state of the s |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

| 788 /784 /785 | Place of inscription.  On a stone set up in the court-yard of the Chennakésavasvámin temple at Kallufu.  On a slab lying in the reserve forest at Konduru.                   | Dynasty. Nolamba (Pallava.) | King.  Nokambadhiraja  Viradratada Achvutaraya-Maharaya | Date.  Nandana, Vaisakba, su. di. pañchami, Wednesday Saka 1453. Khara.  | Language and and alphabet.  Kanaresco      | Remarks.  Registers that [a part of] the paddy grown under the tank of Kallajuru should be reserved for [the repair of] the tank.  States that this tank and the channel, yarakalve, a ere constructed by Halayya, son of Mallayya of Navil[i]kere.  Gives like the conner-plates a long enlogy in Sanakrit and   |
|---------------|--|-----------------------------|---|--|--|---|
| I O           | min hill at Challvendla.  In the same place  | ладата.<br>падата.<br>Do.   | Virapratápa Vira Achyutaraya-Maharaya.                  | Sarania, Goku-<br>Sarania, Goku-<br>Iashtami.<br>Khara, Śravana, ba.<br>di. 12.<br>Saka 1[4]34, Pari-<br>dhavi. (wrong), |  | registers the grant of Chalivindla with its adjoining mountain and a number of other villages to the Siva temple at Lopakshi unde at the instance of Virupanna. See helow Part II, purugruph 74. A marginal note is added to the inscription at its right top corner which calls Virupanna, the tajaraka of the town of Vijayanagara. Registers the 10yal order granting the village Chelurindla surnamed Komara-Venkatadrayapura to Penugonde Viri apana, the tajarara of vidyanagara. Mentions the songster Lakha[y]yana Iloluya.  The last taoe of the pillar is highly damaged. Mentions Cheluvindla. |
| ō             | On a slab set up in the Añjaneya-svanin temple at Arumakula-palli, a hamlet of Tekulodu.  On three pieces of a broken slablying near the Añjaneyasvamin temple at Chagaleru. | Vіјаун-<br>павага.          | Virapratapa Achyutaraya-Maharaya                        | Naruka, su. di. I. Plava, Ashadha, su. di. 12. Saka 1456, Vijaya, Margashira, ba di. 3, Monday.                          | Kanarese mixed<br>with Telugu.<br>Kanarese | Records the grant of one fourth of the achebakattu land as dasabanda under the tank of Balirddihalli by Krishparatyu to a certain Bali-Reddi, son of Chiku Tata-Baddi of Tekaloda, for his having built a new village, temple, tank and wells there. The done was expected to keep the tank in good repair. The characters are not so old as those of the time of Krishparatyu.  Damaged. Records the grant of a wet land at Chegaleru in Lefpakahi sethalu in the fenugonde-vente to the god Avubaja of Chegaleru, for the menit of the king.  |
| <u> </u>      | On a slab lying near the Isvara temple in the same village. On a stone thrown across the supplychannel to the tank at Sanaganapalli, a hamlet of the same village.           | : :                         |   | Saka 1689, Pingala,<br>Kartika, ba. di.<br>12.<br>Śaka 1261, Pramadi,<br>Śravana, ba. di. 5,<br>Monday.                  | felogu<br>Kanarese ,                       | Much damaged. Refers to a Muhammadan chief whose name begins with Alam and ends with Nijanudina-Padushahi and to his minister. Also mentions Gorantla.  States that [Ga]hgideva-Damagaha, son of the Mahaprachana Aliya-Machaya-Itannayaka, while ruling at Penugonde, granted as servamanyu, the village of Senagavudanahali to the goldsmith Sedoja-Pötója, on his making a wristlet set with diamonds and rubies.  |
| <u> 5</u> 6   | On a boulder by the side of the road from Budili to Gorantla.  On a slab set up near a pond south of Budili.   | Chola                       | Śoļa-Maharaja[pa]                                       | <u>:</u> :   | Do   | In archance characters. Seems to record a grant of land for the maintenance of those who live by asking (i.e., by begging). The exact meaning of 'keldu bervvarige' is not clear.  "This is the well of Madevi, wife of Rayarasa. No one except those born in the family of Madevi could resume (?) the charity."   |

1172, Home (Edn.)-21

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|      |   |                            | nondinseni succe  | come meetiping copied in 1911 - cont.                           | contr.                       |   |  |
|------|---|----------------------------|---|---|------------------------------|---|--|
| ¥o.  | Place of inscription.   | Dynasty.                   | King.   | Date.   | Language<br>and<br>alphabet, | . Кешяткь.  |  |
| 784  | On a boulder under the tank bund to the south-east of the same village.   | Vijaya-<br>nagara.         | Virapratapa Aobyutaraya-Maharaya                          | Śaka 1469, Vilpunbi,<br>Magha, śu. di. [2],<br>Wednesday.       | Капигево                     | Damaged. States that a wet field had been granted for the worship and offenings of the god Kesava at Budall. Mentions Narasananayaka-Ayya. Also a field was granted for services to the Rod as before, for the merit of the   | had been granted for the Kesava at Budali. Men-<br>lso a field was granted e, for the merit of the   |
| 736  | On a boulder to the west of Reddi-<br>cheruvupalli, a hamlet of the<br>same will ge.                              | :                          | :   | Vijaya, Āshāchu   | Telu <b>g</b> u              | king.   Mentions Bhandaram Timms[ppa]-Kondapangaru and the gift of the village of Kondaparam.   | -Kondapamgaru and the  |
| 406  | <u> </u>  | Hoysaļu                    | Vira-Ballajadevaraen                                      | Saka 1246, [Ru]dhi-<br>[ro]dgari, Sra-<br>vaņa, su di. 5.       | Kanarese                     | Slightly damuged. Registers the kodagi grant of the whole village of Madurekunteyahalli in Ramadi-nadu to Mali-Reddi, son of Boni-Reddi of Endali, by the Mahapradhans  | odagi grant of the whole<br>n Ramadi-nadu to Mali-<br>sli, by the Mahapradhana   |
| 797  | On a hero-stone set up to the north-<br>east of Budidigaddapalli, still<br>another hamlet of the same<br>village. | :                          | <u>:</u>  | :   | Teluga<br>Teluga             | Aliya Macheya-Dannayaku.  In archaio characters. Mentions the hero (magangu) Danti- yamma who died piereing Ma[m]gu-[Chol]a. Dantiyam- ma is stated to have been the ruler of Fudali, (i.e., the nodern Badili). Mentions also a Mutturaju. The record may be referred to about the end of the eighth   | be here (magangu) Danti-<br>lgu-[Cho]la. Dantiyam-<br>ler of Fudali, (i.e., the<br>so a Mutturajn. The   |
| 708  |   | :                          | :   | :   | Do.                          | century.  Seems to record the death of another here called Ara[va]la- Mabendra Rattagudi, a subordinate of Chola-Maharaja.  | er hero called Ara[va]ļa-<br>ste of Chola-Maharaja.  |
| 799  | On a stone lying in a field near<br>the tank bund at Puleru.  | :                          | :   | :   | Do.                          | Becords the gift of one kha of wet land at Éingasamudram for providing one plate of food-offering, to the god Allalananthadeva at Kañchi by a certain Avubalaraju, son of Narasimhyaraju.   | land at Śińgasamudram<br>ood-offering, to the god<br>oertain Avubalaraju, son  |
| 0087 | On a boulder near the deserted Chennakésavasvámin temple at Kondapuram.   | V јаув-<br>пи <b>даг</b> и | Virapratapa Vira Śri-Sadasivadeva-Mahāraya.               | Śaka 1466, Śobna-<br>krit. Vaisakha,<br>su. di. 15.             | Kanarose                     | States that Dulavayi Krishpspps-Nayaka, son of Dalavayi Chemmana-Nayuka the agent of the king, gave in gratitude for the fulfilment of his prayer that the king's accession to the throne of Vijayanagara must be a pernanent one, the village Chemura surnamed (hemnakesarapura for amritapadi and other festivities of the temple of Chema-kesarabaa in the Yeramañchi-bagilu at Fenugonde for the merit of the king. | ayaka, son of Dalavayi<br>the king, gave in grati-<br>yer that the king sacces-<br>na must be a permanent<br>ed Chennak Essangura for<br>of the temple of Chenna-<br>bagilu at Penugonde for |
|      | On a slab lying near the Affigungya-<br>svamin temple in the same<br>village.                                     | :                          | :   | Saka 1474, Paridha-<br>vi, Pushya, ba.<br>di. 30, Saturday.     | Telugu                       | Registers the grant of one idum (two tums) of wet land for the tirumalige of Kundala Srirangaoharlu, by a certain Ka[lva] Tipparaja.  | wo tume) of wet land for<br>figscharlu, by a certain   |
| 803  | On a broken slab set up near the Afjaneyasvāmin temple at Gaunivaripalli, a hamlet of the same village.           | Vijaya-<br>nagara.         | Virapratapa Vira Narasimba Aohyuta-<br>rsyadeva-Mahataya. | Saka 1449 (mistake<br>for 1452), Vikriti,<br>Jestya, su. di. 5, | Do.                          | The grant is stated to be made for the merit of Ayyapara-sayya.   | the merit of Ayyapara-   |
| 808  | On another elab set up in the same place.   | Do.                        | Virapratapa Hiriya Devaraya-Maha[ra-<br>ya].              | Sarva-<br>ng), Mar-<br>n. di. 7,                                | Kanarese                     | 1)amaged. Records the grant of a village for the bodily and festive enjoyments of the god [Hire]-Anumantadeva.  | a village for the bodily d [Hire]-Anumantadeva.  |
|      |   | -                          |   |   |                              |   |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—cont.

|   | Place of insoription.  | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Кетатке.   |
|---|--|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| - | On a slab lying in a field to the east of the same hamlet.   | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Davaraya-Maharaya, son of<br>Harihara-Maharaya who was the son of<br>Bukkaraya. | Saka 100303 (P),<br>[He]malambi,<br>(wrong), Phal-<br>guna, 6n. di. 10,<br>Thursday. | Kanarose                  | Damaged and broken. Montions seventy-four subdivisions of the Pañohala community and states that in the presone of Bhikshavritti Tatayya, the [Å] rudarisanas and the eighleen samayas. Harihara granted several privileges to the Pañohalas for their having made the throne in the   |
| _ | On a hero-stone set up by the side of the road to the west of the                                      | :                  | :   | :  | Telugu                    | pavilion (hajāraninhāsana). Damagrd. Mentions Gangarā Puligallu (?) and refers to the death of a hero.   |
| _ | eans named. On another hero-stone lying in the same place.   | :                  | :   | · :  | Do.                       | Ganga-Trinetra Ani-Bhima Ari meru fonght with the Kurumas that lurked about Ayyapasaseseguru (tank?)   |
| _ | On a rook near the Madhavara-yasvamin temple at Bayana-guntapalli, another hamlet of the same village. | Vijaya-<br>nagara  | Virapratapa Vira Verikatapalirayadéva-<br>Mahataya.   | Бака 1660, Bahu-<br>dhanyu,  | Do                        | and fell.  Damaged. Records the grant of the villages Adinesttipalliand Bayanagunta included in the Mallele-sthala which together with Vonavolu formed the agraham called Kamalajapura in [Penu]konda-rajya, to Appaya, son of [Peda]-Nagappa and grandson of Mallela Bhaskara-Achutayya of the Bharadvagla-gotra, the Asvalayana-entra and the Rik-sakha by the Mahanayakaniarya Narasinha-Navudu, son of Narappa-Nayudu and grandson of Mallappa-Nayudu of Kakallu for worship and |
|   | On a stone lying in the hed of the Munro-tank at Kammayandlapalli, another hamlet of the same          | ;                  | :   | Naja, Vaisakha, su.<br>di. 1, Thursday.  |                           | offerings to the god Venkațēśvara.<br>Records a gift of land to the temple of Kesavadeva at<br>Cherunuru by a certain Srigiri.   |
|   | On a sati-stone lying near the fort at Vanavolu.   | :                  | :   | Saka 1 [3] 27, Farthiva, Kartika, ba. di. 10, Monday.                                | Капагово                  | States that Ganga[sani], daughter of Bayiri-Setti of Pamidi<br>and wife of Ramadeva-Nayaka, son of Kheyideva-Nayaka<br>of Radiri, entered into the fire (i.e., performed sati) at<br>Penugonde where her husband died and that Jippa-<br>Nayaka set un the hero-hand in front of the brindayana  |
|   | On a stone lying in the channel to the north of the same village.                                      | :                  | :   | :  | Telugu                    | (creeded in her name) at Vanavolu. Records the gift of a rice-field to Badu-Viraya of Ranga- samudram by Koduganji Obulaya.  |
|   | On a stone lying in a field near Budidligaddapalli, a hamlet of the same village.                      | :                  | :   | :  | Do                        | In archaic characters. Registers the gift of a tank by Apimana-Gangu Kennaraju of Vapavrölu.   |
|   | On a bonder sear the tank at<br>Jingiravandlapalli, a deserted<br>hamlet of the same village.          | •                  | :   | Śubbakrit, Kartika,<br>śu. di. 1, Friday.  | Капагеве                  | States that Nagi-Sețti, son of Tammi-Setți of Būdali converted the Dumbanahala at Vana[v]diu into a tank.  |
|   | On another boulder in the same   | :                  | :   | Do.  | Do.                       | Damaged. Appears to refer to the facts stated in<br>No. 819 above.   |
|   | On a boulder in a field near the<br>tank of the same hamlet.   | :                  | :   | Śaka 1346, Śobha-kpit, Kārtika, śu.  | Telugu                    | Mentions the vaisya Siriyala-Setti of the Tiru-Kandhinam-<br>hikula and registers the construction of a tank by Tippi.<br>Setti, grandson of Tambi-Setti Nagi-Setti, in memory of<br>his father Nagi-Setti.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1917—conf.

| No.  | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|------|--|--------------------|---|---|---------------------------|--|
| .816 | On a boulder near the tank bund<br>at Kammavaripalli.  | •                  |   | Śaka 1676, Yuva,<br>Margesira, śu. di.<br>16, Thursday.             | Telugu                    | Registers a dasavanda grant of land to a certain Guruvappa by Seshappa, son of Purushottamayya and grandson of Karanam Vallabhayya of Chéluru surnamed Kaumavaripalle and two reddis for having repaired the tank of the village called Egacheruvu which was in ruins. |
| .816 | On a boulder by the side of the road from Gerantla to Gummayyagaripalli.                         | :                  | :   | Bahudhanya,<br>Magha, su. di. 10,<br>Thureday.                      | Do                        | Records that Varanasi Gangaraju granted as charities the mango-grove, well, lamp-stands, lintels, water-sheds and avenues.   |
| 7817 | <u> </u>   | :                  | :   | Tarana, Marga-<br>sira, ba. di. 12.                                 | Do                        | States that Timmapa<br>Nayaka, granted<br>tums and one kufi<br>Rudeli  |
| ·818 | On a slab set up by the side of the road from Gorantla to Kasireddipalli.                        | :                  | :   | Śaka 1[37]3,<br>Pramoduta,<br>Bbadrapada, [ba].<br>di [3]0, Sunday. | Капагеве                  |  |
| 4819 | On a slab set up by the side of the road to the north of Mereddipalli, a hamiet of Mandalapalli. | Vijaya-<br>nagara. | Mahamandaléévara Bukkaraya, son of<br>Vira Harihararaya.        | Saku 12309, Fra-<br>blava, Magha,<br>su. di. 15,<br>Thureday.       | Telugu                    | 呀  |
| 820  | On a slab set up in the court-yard of the Anjaneyasvamin temple at Mallapalli.                   | :                  | :   | <u>:</u>  | Do                        |  |
| 421  | On a boulder below the tank bund at Vadigepalli.   | :                  | :   | Manmatha,<br>Åshadha, ba. di.<br>80,<br>eolipse.                    | Do.                       | Registers a gift of land to Narasayya by Yerama-Nayudu.  |
| 823  | On a slab set up near the chavadi<br>in the same village.  | :                  | <b>:</b>  | Chitrabhanu,<br>Magha, ba. di.<br>13.                               | Капатеве                  | Records the gift of a field at Marulahande to the god Chennakesavadeva for the merit of Apparasayya.   |
| 823  | On a boulder near the Āñjanēya-svāmin temple in the same village.                                | Vijaya-<br>nagara. | Śrirangadeva-Mahara[ya]   | Śaka 1494, Śri-<br>mukha, Āshaḍba,<br>śu. di. 11,                   | Telugu                    | Registers the grant of the village of Vadigepalli as a sarvamanya-agrahara to Trumala-Komara-Tatacharya, of Penugonda for the merit of his (i.e., the king's) mother, Vengalaji: Ammavara.   |
| 624  | On a slab set up in front of the<br>Chennak6gavasvāmin temple in<br>the same village.            | Do.                | Virapratapa Vira Sadasiva-Maharaya<br>'ruling at Vijayanagara.' | Saku 1470, Kilaka,<br>Pushya, bu. di.<br>16.                        | 100.                      | Damagod. Seems to record a grant of money for conducting festivals in the temple of the gods Somesvara and Chennakesvara at Vodigepalli.   |

| 1917—cont.   |
|--------------|
| Ξ            |
| copied       |
| _            |
| inscriptions |
| Stone        |
| j.           |
|              |

| 1917—cont.  |
|-------------|
| п.          |
| oopied      |
| nscriptions |
| -Stone ir   |

| No.            | Place of insoription.   | Dynasty.             | King.                     | Date.   | Language and alphabet.   | Вешагка.   |
|----------------|---|----------------------|---------------------------|---|--|--|
| 98             | On one of the pillars of the Akkanna-Madanna rook-cut cave in the same hill.  | :                    | :                         | :   | Telugu   | In modern obaracters. States that two private individuals, one of whom was a potter of the village Palnru in the Jammalamadugu-jilla, repaired the matha and resided in  |
| 837            | On the front wall and two other   | :                    | :                         | :   | Do   | th. The names Sridharayya, Sri-Uthattipifdagal, and Sri-   |
| 838            | On a pillar lying in a street near the office of the Public Works   | :                    | :                         | Saku 1115   | Ъо   | Gundagosanaltya are engraved in Chalukyan characters. Damaged. Seems to record the supply of ghee evidently for lamps in the temple of Mallosvara-Mahadova by some   |
| 38<br>38<br>38 | On a stone built into the Anjange, temple in the Brahman street in the Bannan street in the Banna willage.              | :                    | i:                        | Śaka 1511, Virōdhi,<br>Bhadrapada, śn.<br>di. 11, Wednesday,<br>Lakshmi-Nūrāyu-<br>na-yoga, | Telnga<br>Sanskrit.  | reddis.  Rates that Akshatala Tirumala-Bhatta of the Bharadvaja- gotra constructed a foot-path on the hill (kuruya) at Bejavada for the favour of (god) Narayaya. The Sanskrit verse at the beginning states that salvation comes by a bath in the vicinity of (god) Nisimha to  |
| 840            | On a stone set up mear the Agasty-<br>esvara temple at <b>Pedana</b> (Ban-<br>dar taluk, same district).                | :                    | :                         |   | Arabic   | the west of Indradri (i.e., Indrakla hil), Records the death of some unnamed person in the Hijra year 1028. His son calls himself Muhammad aga, the slave of the Prince of Baints (Ali). In the beginning, God's blessings are invoked upon lmam Hasan the chosen, Imam Husain, the martyr of Karbata, Imam Ja far the truthful, Imam 'Ali son of Musi Razi and the Imam of mankind, Muhammad at Muhdial-Hadi, the lord of |
|                | On a pillar in the Mukha-mandapu<br>of the kajésvarasvamin temple<br>at West Vipparru (Tanuku<br>valuk, same distriot). | :                    | :                         | Śaka 1221, Jyesh-<br>thao su. di. 1,<br>Saturday.   | Telugu   | this age and time.  Records that a certain [Du]dya Nänninendu gave the north-western pillar in the mandapa of [the temple of] Narondresvara-Mahadova at Vippaggu for the merit of his parents.   |
| 843            | On a second pillar in the same place.   | :                    | :                         | Do.   | Telugu   | Records the gift of the south-western pillar of the same mandaps by a certain [Bikka] pall; Surananendu. for the   |
| 848            | On a third pillar in the same place   | :                    | :                         | Do.   | Do.  | merit of his parents.  Registers the gift of the south-eastern pillar of the mandapa   |
| 844 (          | On the same pillar  | :                    | :                         | Do.   | Do   | by Gautamavoli Gangana for the merit of his parents. (lift of the columns of the castern entrance of the same  |
| )   9187       | On a fourth pillar in the same place  | :                    | :                         | Do.   | Do   | mandapu by Sare [Kajtaya-thakta for the merit of bis parents. Records the gift of the north-east-rn pilar by a certain Muttanna Kofman ha for the coast of the models.   |
| 0 948,         | On the white marble pillar set up in the Jalachise rasvamin temple at Ghantasala, (Divi taluk, same district.)          | Eastern<br>Chajnkya. | Vishpulva]rdhana-Maharaja | :   | Sanskrit in<br>Telagu<br>characters of<br>sbout the<br>9th century | [hma] shu and his father Kapinedu. Much damaged. Seems to record a gift of dwellings made to 2,000 Brahmanas of (?haṇṭa [sala] by the king.  |

B.-Stone inscriptions copied in 1917 -- cont.

|          |   |   |                 |   | the second of th | * ***                            |  |
|----------|---|---|-----------------|---|--|----------------------------------|--|
| No.      | Place of inscription.   | ription.  | Dynasty.        | King.                                       | Date.  | Language and alphabet.           | Кетагка.   |
| 478      | On the same pillar  | :   | СЪб]и           | Rajaraja II                                 | 14th year, Saka<br>1081, Dakshina-<br>yana-Sankranti.  | Telugu                           | Gift of 6 kā jarā ja-mādas by a private individual for a perpetual lamp in the temple of Jaldhisvara-Mahadeva at Ghantasala alias Choda-Vandyavura (i.e., Choda-Pāndya-  |
| 848      | υ°  | :<br>:  |                 | Kalottańga-Chóla II                         | Śaka 1066, 13th<br>year, Пtытауяра-<br>Samkranti.  | Telugu prose                     | pura). Gift of 10 Rajaraja-madas for two perpetual lamps in the shrine of Juladissvara-Mahadera at Ghantaska alias Choda-Vandyavura by Gonita Kommi-setti, the lord of Penugonda and a Vaissa of the Nabela-gotra belonging to   |
| 678      | Do.   | : :   | Velansapoju     | Mahamangalekraru Kuldttungnoboga-<br>Gonka. | da- Lost   | Telugn                           | Verigi, for his own merit and that of his parents Eriyama- setti and Bammama.  Much dannaged and mutilated. Seems to record a gift of money and lands to the temple of Jaladhisva ra-Mahadeva]   |
| 850      | Do.   | :   | ÷               | :   | Circa, 13th century  | Telugn verse<br>and prose.       | at Uningstalin. At the end is recorded a grant of b puttis of land by a certain Puliyana Vijnyapa-Nayaka. States that Avayandi-setti, the son of Chōia, erected the topstratucture of the temple of Jaladhisa, gave, annually a pair of oloths to the god and goddess and that he had an image.  |
| 861      |   | :<br>:  | :               | :   | Kaka 1142,<br>Vikrama Chaitra<br>ha di 15 Thurs-<br>day. Vishu-Sara  | Telngu                           | of Bhrings made on the roof of the mandapa. The engraver of the record was Kunacharya.  Gift of 25 cows and a hull for a perpetual lamp in the temple of Jahahavalra'l-Mahadeva at Chaintasda by Marisetti of the Middhishin-gotta and grandson of Palla Konna fourth of the Middhishin-gotta and grandson of Palla  |
| 852      | On the broke<br>lying in<br>temple in   | ın white marble pillar,<br>the Visvesvarsvanin<br>ihe same village. | [ Velanaņģ 11 ] | Virarajendra-Chôda                          | kränti.<br>Saka 109[8], Mesha,<br>Viehu-Sarhkranti.  | Sanskrit<br>verse and<br>Telugu. | Surasani. Mentious the Sasanadhikarin and Sandhiyigrahm Desanamatya.  Incomplete. Records the gift of a lamp to the god Bhogestvara-Mahadeva at Ghamfassia by Nunkanarya, son of Rajkhujdindi of the Kausika-gotra. The Sanskrit.  |
| 1 863    | On the same pillar  | :<br>:  | Do.             | Kulöttunga-Choqayaraja                      | . I.ost  | Telugn                           | verse praises the greatness of the king, the prosperty of the country Varend nd of Chapses.  Nucl demarged. Seems to record a gift made to some defix at thurstagle he have been defixed to the country.   |
| 854      | On a pillar lying in the Ramslinga-<br>svamin temple at Masulipatam<br>(Bandar taluk, same district).   | ı the Kamalinga-<br>t Masulipatam<br>ıme distriot).                 | :               | :   | Śaka 1069, Kārti-<br>tika, lut. dt. 16,<br>Monday.   |                                  | Ling. Damaged. Seems to theord a gift of 25 cows evidently for a perpetual lamp to the god Jaladhisvara-Mahadora at Chanitasala alias Chōda-Vandvavura.  |
| 865      | On the same pillar  | : :   | :               | :   | Śaka 10 [6]*   | Do                               | Danaged. Seems to record a gift of 5 Kulottunga-madas for a perpetual lamp in the temple of Jaladhisvara-  |
| 856      |   | 10 Ranganatha-<br>in the same                                       | :               | :   | Śaka 1061, św. di. 3,<br>Monday.   | Do                               | Mahadeva at [Uham kasala alias Choda-Vandyavura by<br>Yadavadima Potisethi.<br>Incomplete. Mentione the temple of Visvosvara-Mahadeva<br>at Ghampasala alias Choda-Vandyavura.   |
| 298      | 0   | ar in the same  | :               | :   | Babudhanya,<br>Vaisakha, sa. di.<br>2. Friday.   | Do                               | In modern characters. States that the mukha-mandapa of the temple was built by Pallapotu Sarvésum, at the bidding of the god Rangematha in a dream, to perform this sacred service (kayimkarya).   |
| <u> </u> | The same of the fact that the same of the |   |                 |   |  | :                                | The state of the s |

B.—Stone inscriptions copied in 1917--cont.

| No.              | P ace of inscription.   | Dynasty. |                   | King.    |   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks,  |
|------------------|---|----------|-------------------|----------|---|--|---------------------------|---|
| <b>7858</b>      | On the south wall in the Yndhish-thireseara temple at Mahendra-gilf. (Mandasa etate, Ganjam                           | ÷        |                   | :        |   | :  | Telugu                    | Much damaged. The names Madhurantaka and Eajendra-<br>[Chola] appear at the beginning of the inscription.   |
| .859             |   | :        |                   | :        |   | :  | Mixed characters (Nagari  | Much damaged.   |
| . 860            | On the inner gopura (right of entrance) of the Subrahmanya temple at Tirupparankunram                                 | :        |                   | ÷        |   | tiO  | <u> </u>                  |   |
| . 861            | In the same place, left of entrance.  | :        |                   | :        |   | Saptami, Saturday.<br>Saka 1593, Kali<br>4772, Virodhi-                              | Tamil                     | to the god Kumarasvamin on his way back from Setu (i.e. Ramesvaram) whither he had gone on a pilgrimage. Gives the same genealogy as the above. Registers the gift of a golden palanguin (dandigai) and the provision for |
| /862             | 862 On a slab set up at the mandapa near the hill at Manugalfallal  | :        |                   | <u>:</u> |   | Rrit, Valyası 22,<br>ba. di. saptami,<br>Saturday.<br>1037, Ädi 15,<br>Kumbha, Amri- | Do                        | <u>_</u>  |
| 868              | On the rook within the Ayyanar mala (Koyilpatti taluk, same   | Paṇdya   | Мадай ја да јуз п | :        | : | ta-yōgu.<br>36 + 7th year  | Vattelutu                 | <u> </u>  |
| *,               | district).<br>In the same place   | :        |                   | :        |   | :  | Do                        | nagarattan residing in Tiruchohuriyal. The money was deposited with the residents of Tiruneshohura-Perur.  A portion built in. Mentions Kurandi [Hara-Chandra.  |
| 865<br>to<br>869 | On the Panobapandava beds in the oavern on the Siddharmalai hill at Mettuppatti (Nilakkottai taluk, Madura distriot). | :        |                   | <u>:</u> |   | :  | Brahmi.                   | devar and Guṇakirtti.   |
|                  |   |          |                   |          |   |  |                           |   |

C.—Stone inscriptions copied in 1918.

| Remarks.                  | As the income from the devadana gifts made by Sendanuar Ballar alias frumspalum-udaiyar chief of Vikrama-Chōlanallar alias frumspanday in Tiranarayar-nadu a subdivision of Uyyakondar-valanadu ware not properly collected and was insufficient to meet the requirements of the temple, Sirandan Munaiyadarayan one of the herediary watchmon of the village made a gift of land for worship, offerings, function and supply of flower garlands to the temple of Vikrama-Cholisvara. | dift of lamp to the temple of Vikrama-Cholistaramudaiyar at Vikrama-Cholenallur in Tiruinaraiyur-nadu a subdivision of Uyvakkondar-valanadu, by Arayan Rajarsja-devan alias Munaiyadaraiyan of Gidangil in Vijaiyarajendrandorandu a subdivision of Oyma-nadu a district of Jayangonda-Cholemandalan. | Damaged and incomplete. Mentions Singariraja son of Obujuraja who calls himself Nandyalapuravaladisan. | Records the gift of the image of Pallakkusokkar to the temple of Vikrama-Cholisvara-tembiranar flukkaistchi by a certain Rangayyan agent of Ganapati Ayyan non of Alagappa Ayyan minister of Kattaniraya-Maharayar. | In modern oharacters. States that the length of the red for measuring dry lands was fixed at 16½ feet during the time of Samanta-Nayakkar Ayyan. | Gift of land free of taxes by the great assembly of Vijeya- rajendra-chaturvedimangalam in Tirunagaiyhr-nadu a subdivision of Uyyakkondar-vajanadu to the temple of Ten-Tirukkalatti-Mahadeva at Kulöttungasolanallur for the recitation of Tiruppadiyam. Quotes the 80th year | In modern characters. Records, that the great Saiva saint Tayumanavar obtained his emancipation in Saka 1684, Subhakrit, Iui, Monday, Visakha. | The 11 verses of Devaram sung hy the Saint Tiruffans-sambands in praise of the sacred Vidaivai (i.e., Tiru-vidaivayal) are engraved.         | Gift of money for a lamp to the temple of Tiruvidaivayll-<br>Udaiyar near Pudukkudi in Mangala-nayu a subdivision<br>of Arumolideva-valanadu. |
|---------------------------|---|---|--|---|--|--|--|--|---|
| Language<br>and alphabet. | Tamil   | Do  | Do   |   |  | :<br>:   | Do ::  | Do   | Do. : •   |
| Date.                     | + 1st year, Vaigasi T 12, Briday.   | 85th year, Mina,<br>śa. di. saptami,<br>Monday, Rohipi.   | :  | İsvara, Avani 29  | :  | 4th year   | :  | i i  | 18th year   |
| King.                     | Tribhuvanachakravartin Rajarajadéva   | Tribhuvanaehakravar]tin Tribhuvana-<br>viradeva, 'who having taken [Madurai]<br>(Madura), Karuvur, Jam (Ceylon) and<br>the crowned head of the Pandya, was<br>pleased to perform the ancintment of<br>heroes and the ancintment of  |  |   | :  | Rajak6sarivarman alias Tribbuvana-<br>ohakravartin Vikrama-Ch0ļadēva.  | :  | :  | Tribhuvanachakravartin Rajarajadéva   |
| Dynasty.                  | Okola Along   | Do  | •  | •   | :  | Chola  | :  | :  | Chola   |
| Place of inscription.     | On the south wall of the first (prekars of the Vikrama-Chōlisyara temple at Tukkachchi (Kumbakonam taluk, Tanjore district).  | On the same wall  | On the inner gopura of the same temple, left of entrance.  | In the same place   | On the first gopurs of the same<br>temple, right of entrance.  | On a slab set up in a garden in the same village.  | 5  | (Haumad tauk and district).  On the south wall of the central enries in the Fupyanathasvamin temple at Tiruyllayayal (Nannilam taluk ianjoya | district). On the same wall   |
| No.                       | 11  | R   |  | •   | 143  | 1172, Hor  | ne (Edn.)  | ,∞<br>)—2 <b>8</b>   | 6   |

C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| No. 11 On t in in in in in in in in in in in in in |  | the mass shrines shrin | ed spin  | 0      |   | Kulottunga-Chōla[deva]  Rulottunga-Chōla[deva]  Rulottunga-Chōla[deva]  Farak6sarivarman alias Tavartin] Vikrama-Che Raja[kesarivarman alias kravartin Kulot]tunga-(Tribhuvanachakravartin Fubhuvanachakravartin Foo.  Tribhuvanachakravartin Foo.  Tribhuvanachakravartin Foo. | ra-<br>- ak-<br>- | #th year l'ula, su aptami Thursday, [Ultarashadha].  fth year | Langualanil.  Tamil.  Tamil.  Do | Language and alphabet.  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do | Remarks.  Registers a gift of land for the maintenance of those who looked after the shrine (tiruppalitaria) wherein Tiruntondation, Devaran) was conscorated in the Triuttondation togaiyang-gubsi (cave) and those who had to recite Tiruppality (hymns), by a devotee belonging to the lineage of the Mudaliyar Tiruvanyaradaryar residing in Tirunmaraittewareholevangunai (cave) situated within the monastery (guins) belonging to the lineage of the king (devar) Narasingadeva in the temple of Tiruttonipuran-udaryar-Nayanga at Thrurkallumalam in Kalumala-nadu a buddiyaision of Rajadhiraja-valandu. The Tiruttondatugayar-gubai was founded by Anamangalamudaryan Arabyun Vaquega nada aina Senjawaranyar for the merit of Vandarayar.  Damaged. Gift of money for oil-bath and offerings to the image of Rishabhadeva et up in the temple by a native of Inguadu.  Begins with the introduction yargamer eto. Gift of money for supplying oil to the temple of Tiruvidaivaylmoney tor supplying oil to the temple of Tiruvidaivaylmoney tor supplying oil to the temple of Tiruvidaivaylmoney tor supplying oil to the temple of Tiruvidaivaylmoney tor supplying oil to the temple of Tiruvidaivaylmoney or supplying oil to the temple of Tiruvidaivaylmone and of order. Gift of money for a lamp.  Much damaged. Seems to record a gift of money for burning a hamp.  Gift of money for a lamp by a dancing girl residing in one of the bamlets of Viridatavababayankara-othalumala asubdivision of Arumolideva-valandu.  Incomplete. Meritions Pudarkudi the hamlet of Jayatunga-chaturvedimangalam in Margala-nadu a subdivision of Arumolideva-valandu.  Gift of Its kasa for hurning a twilight lamp in the temple of Tiruvidaivayir-Alvar.  Unfinished. Registers a sale of land by the members of the assembly of Viridatarajabayankara-ohatur et ble temple of Tiruvidainal in Ingal-Emalian of Arumolideva-valandulana subdivision of Arumolideva-valandulana subdivision of Arumolideva-valandulana subdivision of Arumolideva-valandulana subdivision of Arumolideva-valandulana subdivision of A |
|--|--|--|----------|--------|---|---|--|---|----------------------------------|--|--|
| 20 On Has  | On the north wall of<br>mandapa.<br>On the same wall |  | the same | )<br>0 | : | g l   | Kalōttuṅga-  | . <u></u>   | Do.                              | :  |  |

C.—Stone inscriptions copied in 1918—con

|           |   |  |                                       |                        |      |   |                             | Proceedings of  | 201           | •                      |        |  |
|-----------|---|--|---------------------------------------|------------------------|------|---|-----------------------------|---|---------------|------------------------|--------|--|
| No.       | Place of inscription.   | ription.                                 |                                       | Dynasty.               | Bty. | King.   |                             | Date.   |               | Language and alphabet. | ge and | Romarks.   |
| <b>63</b> | On the same wall  | :  | :                                     | . Chola                | :    | Kulottunga-Chojadeva  | :                           | 9th year  |               | Tamil                  | :      | Incomplete. Gift of money for a lamp to the temple by a  |
| 83        | Dø.   | :  | :                                     | Do.                    | :    | Tribhuvanaobakravartin<br>Chōļadēva,                            | Kulottunga-                 | 6th   | :             | Do.                    | :      | washerman in Nedumanal alias Madanamafija[rif-chafur-vedimangalam a brahmadeya in Nemmali-nadu. Gift of money for a lamp by a native of Vidalyapuram alias Virudarajabhayankanapuram in Takkalur-nadu, a and-  |
| *         | po.   | :<br>:                                   | :                                     | Dô.                    |      | Ď.  | do.                         | 40th year, Rishs-<br>hha, ba. di.<br>Wednesday, pafi- | Rishs-<br>di. | Do.                    | :      | division of Arumolideva-valansqu. The money was received by the Sivabrahmana snd the Mahéérara-Aryas.  Incomplete. Sale of land to the temple of Tiruppallisraramnudaiya-Mahadeva by the members of the great assembly of Virudarajabhayahahara-chaturedinangelen.   |
| 32        |   | :  | :                                     | Do.                    | :    | ohakravartin<br>a, 'who   | Kulöttunga-<br>took Madurai | onsmi, mus<br>9th year                                | :             | Po. :                  | :      | a brahmadoya in Inga-nadu a subdivision of Arumojideva-<br>valanadu. Mentions Vijak kojimangalam. Gift of 46 kasu to the temple of Tiruvidavayil-Uqaiyar by<br>a lady of Komannem.   |
| 5 26      |   | :  | :                                     |                        | :    | (magura).<br>Tribbuvanaohakravartin Rajarajadeva                | ijarajadeva                 | Do  | :             | Do                     | :      | Gift of money for a lamp by Ambalattadi Ponnamheleb.   |
| , v       |   | :  | :                                     | Do.                    | :    | sanachakravartin  | Vikrama-Chōļa-              | Do  | :             | Do                     | :      | Ruttan, ohief of Rottin. , Gift of 4 katen for a lamp hy Namanna I   |
| 88        | ϰ.  | :  | :                                     | . Da.                  | :    | ueva.<br>Parakesarivarman alias Udaiyar Rajendra-<br>Choladeva. | iyar Rajendra-              | Do  | :             | Do                     | :      | native of Tiruchcharai in Tirunagaiyar. Annipiqaran, a Records that the Sivabrahmana of the temple received 12 kalam of paddy from a certain Kornyammi and acreed  |
| 53        | D0.   | :<br>:                                   | :                                     | Do.                    | :    | Do.   | do.                         | Do  | :             | Do.                    | :      | to measure annually 3 kuruni of paddy as interest for Sittini.  Sittini.  Records the gift of 28 kalum of paddy by the lady mentioned in 0.28 above for feeding the dancing girls  |
| 80        | Do.   | :  | •                                     | Do.                    | :    | Dô.   | do.                         | Do. ::  | •             | De.                    |        | uning the Stours-Februal. The exponditure had to be interest from the annual interest of Ralam, the rate of interest being three kvynni per Ralam.  Records a point turness to   |
| 81        | Do.   | :  | •                                     | . Do.                  | :    | Do.   | do,                         | 10th year   | :             |                        |        | case the interest was also 3 kurinti per kalam.  |
| 35        | Do.   | :  | :                                     | . Do.                  | :    | Do.   | do.                         |   | . ;           | :<br>:                 |        | Office of models have been as the control of the co |
| 88        | On the left of entrance into the same temple.   | tranoe ii                                | nto th                                | е Do.                  | :    | Tribhuvanaobakravartin Redeva.                                  | a-Chola-                    | 7th ,,  | : :           | . :                    | : :    | offerings to the same temple.  States that the images of Sokkakkutter, Nachohiyar and Truri famencementally.   |
| 73.       | On the east wall of the central shrine in the Kadambavandévara temple at Kadambarkoyil (Kulittalai taluk, Triobinopoly distriot). | of the<br>lambava:<br>adamba<br>, Triobi | oentra<br>ndévare<br>rkoyi<br>inopoly | ) Vijaya-<br>a nagara. | gs   | Viru[ppaņa] son of udalyar.                                     |                             | ŧ   |               | Do                     | ;      | octain merchants of Vidayapuram allus Vindaraja-<br>bhayankarapuram were set up in the temple and provision<br>was made for offerings etc., to these images out of the<br>End lost.  |
|           |   |  |                                       | _                      | -    | ,   |                             |   |               |                        |        |  |

| -con!        |
|--------------|
| OO.          |
| 318          |
| တ            |
| _            |
| Ħ.           |
| ರ            |
| piec         |
| <u>.</u> ق   |
| 6            |
| ŏ            |
| ions         |
| る            |
| <del>.</del> |
| Ħ            |
| ž            |
| Ħ            |
| •—           |
| Φ            |
| ğ            |
| 3            |
| 7            |
| Ĩ            |
| ാ            |
|              |

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.  |
|------|---|--------------------|---|--|------------------------|---|
| 38   | On the south wall of the same shrine.   | :.                 | :   | Saka 1432, Angira,<br>Panguṇi 2.                                       | Tamil                  | Damaged. Seems to record a gift of land in Manattathal to the temple of Tirnkudambandurii udaiya-Tambiranar for   |
| 8    | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.  | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Vira-Krishnadeva-Maharaya                                 | Saka 1444, Chitra-<br>bhanu, Karka-<br>taka, ba. di.<br>dyadaat Sunday | Do.                    | <u> </u>  |
| 18,  | <u> </u>  | :                  | :   | Aruna-yoga,<br>Ardra.  | O.                     | of 1 spikers to lagarinants. Varianally assigned to him, for repairs to the gopurn, to the surrounding walls and the mandapa and for festivals in the temple of Tirukkadambandurai-udaiya-Nayanar.  |
| /38  | or the west wall of the Matalista- rasvamin temple at Madarvelur (Shiyali taluk, Tanjore district). | Chola              | Tribhuvanaohakravartin Rajarajadeva                                   | 19th year, Simha,<br>ba. di. tritiya,<br>Wadhaday                      |                        | whose figure is out above built the stone temple to Vagaivay-Udaiyar. The oharacters may be referred to the 10th century.  Gift of land to the temples of Matulisvaram-Udaiyar and Virrama-Cholisvaram-Udaiyar at Matulisvara alias   |
| 7,39 |   | Do:                | Parakesarivarman alias Rajendra-Chola-deva I.                         | Revail.  ftb year  |                        | Actualistic observation and the series of the great assembly for offerings and repairs.  The conquests extend only as far as Ceylon in the introduction. Gift of gold for a lump by Sembiyan-devaluation and another of Palayetykananyar and wife of Muffair Velleveriver to the terminal of Northerness. |
| .04  | Arcot diskriot). Do.  | Ъо.                | Rajarajak6sarivarman (Rajaraja I)                                     | 18th ,,  | Do:                    | Tirumdukungan-Udaiya-Mahadeya at Paruvir-<br>kugam of Iringolappadi a subdivision of Vadagarai<br>Rajendrasimha-valandu.<br>Incomplete. Gift of Innd by the residents of Negkuppai<br>to the temple of Mahadeya at Negkuppai alias Mudu-<br>kungam in Paruvur-kungam a subdivision of Rajaraja-           |
| 41   | Do.<br>Do.  | Do                 | Esjakssrivarman alise Rajaraja I<br>Esjazajavarman alise Raiarsiodare |  | :<br>:<br>:            | valanadu alias Irungolappadi on the northern bank, for reciting the Tiruppadiyam hymns.  Gift of 90 sheep for a lamp by a certain Miladaiyar Kamaran Maddwadigalar to the same temple.  |
| 4.8  | On the west wall of the same shrine. On the north wall of the same                                  |                    | (Kajaraja 1).<br>Parak6sarivarman alias Raj                           | 4th vear   | Do. : :                | Damagett, Seems to record a gift of paddy to the same temple.  Built in at the bottom. A portion of the historical introduction of Rajendra-Chola I is preserved.  Built in at the hottom. Assume to record a gift of land.   |
| 46   | On the south wall of the mandapa<br>in front of the shrine.   | Do                 | déva I.<br>Rajarajakésarivarman alias Rajarajadéva<br>I.              | :  | Do                     | to the same temple by the residents of Nerkuppai for reading the Thuppadiyam hymns.  A number of persons residing in Manslur in Paruvar.  Kurram a subdivision of Irwine leaves.  |
| \$   | On the same wall  | Ъо.                | Parakésariyarman  | 16th ,,  | Do. :                  | emply annually 4 cloths to the cooks of the temple for covering (P) (vay-kattu) the food.  Giff of money for a lamp by a native of Paravelur.  The money was received by the assembly of Arikulakeari.  chaturvedimangalam for supplying ghee for the lamp.   |

shick Am

C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| No.        | Place of inscription.         | tion. |        | Dynasty. | sty. | King.   | Date.                    | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|------------|-------------------------------|-------|--------|----------|------|---|--------------------------|---------------------------|--|
| 44         | On the same wall              | :     | :      | Chola    | :    | Parekesarivarman  | 12th year                | Tamil                     | Records that the temple (strkeyil), the snapana-mandapa, the gopura, the verandah (suradia) and the shrines for the miner deities were genetructed by Sembiyan. Mahadaviyar, mother of Sri-Uttama-Chōla, daughter of Malaperumanadigis, and queen of Gandaradita-daver and the control of the contr |
| 8          | Do.                           | :     | :      | Do.      | :    | Rajaraja-Rajaksarivarman (Rajarajadsva                        | 15th yoar                |                           | registers the gift of gold ornavients and silver vessels to the temple by Udaiyapirattiyar.  (lift of a head-ornament (fituadi) set with lewels by   |
| 49         | Do. ::                        | :     | :      | Ö.       | :    | 1).<br>Rajarajakêsarivarman (Rajaraja I).                     | 7th year                 | Do.                       | the queen mentioned in No. 47 above. Gift of 90 sheep for a lamp and a lampestand by Malai.  |
| 20         | Do. :                         | :     | :      | ů        | :    | Rajarajakdserivarman alias Bajsrejadeva                       | 26th year                | Do.                       | yavvar-deviyar daughter of Fottappiohohdiar Sattiyarsi-<br>yar and queen of the Irungola Prithipati Amanivallar.<br>Gift of moncy by certain private individuals for reading   |
| 51         | Do                            | :     | . :    | Do.      | :    | Parakesarivarman  | 16th ,,                  | Do                        | gunram-Udaiyar. Irung, subdivision of Rajendrasii Gift of land and cooking ut the evening by Irung.  |
| 23         | On the north wall of mandapa. | f the | 88.738 | Ď.       | :    | Parakssariyarman alias Tribhuyachakra<br>yartin Bajarajadöya, | 6th ,,                   |                           | =  |
| 53         | On the same wall              | :     | :      | :        | _    | :   | 10th ,, and 269<br>days. | Do.                       | same temple.  Records the gift of 35 veli of land as deaddna in Peppa.  Radum alias Madigondasola-tiparen in Morkanadn   |
| 54         | Do                            | :     | :      | Chola    | :    | Parakésarivarman alias Rajéndra-Chöja dôva I.                 | 20th year                | Do. ,                     | subdivision of Virudara, achievanther repairing and Gift of land for monthly festivals, tirue direction festival, prace has you and other requirements of the temple of  |
| 99         | :<br>Dô                       | :     | :      | Da.      | :    | Rajaktsarivarman alias Udaiyar Rajadhi<br>rajadeva.           | 32nd ,,                  | Do.                       | 1. Prumudugungamudaya-Mahadova at Nerkuppai in Parvau-kurgan a subdivision of Iruhgolappadi in the district of Kalondrasingha-valamadu, by Manalurkilavan for the prosperity of Rajendra-Choladova.  Begins with the introduction seesoneser, etc. Gift of 32 Marvatumalai, a native of Vijayapurem in Vijayapure-kurgan of Molkaraikkadu to the temple of Trumadu-  |
| 8          | Do.                           | :     | :      |          | :    | Parakésariyarman  | 12th ,,                  | Do.                       | gungam-Ogayar. The king is surnamed Jayangonda-<br>80lan.<br>Gift of 45 sheep for hulf a lamp to Süryadova of Tirumudu-  |
| <b>2</b> 9 | Do                            | :     | :      | Do.      | :    | Rajakesarivarman  | 3rd ty                   | Do                        | Kulamanan Katan, and a nativo of Norkuppai. Assignment of land to a private individual by the residents of Nerkuppai who had received the same from (king)   |
|            |                               |       |        |          |      |   |                          |                           | Uttama-Choja as a devadam on perpetual tenure for the supply of sandal paste, dammar, and the bath requisites on the uttarayana, dakshinayana and the monthly sahkramana days.   |

1172, Home (Edn.)-24

C .- Stone inscriptions copied in 1918-cont.

| Remarks.                  | Hegins with the historical introduction commencing with the words Hogsackers also. Registers a sule of land by the residents of Vayadar in Partwork Rayman in Inthigolaping in the district of Vadeores Rayman in Uningolaping | to the temple of Tirubrahmisvaramudalya-Mahadeva in the same village. Gift of dry land below the tank by the residents of Nor-kuppai to Saryadova at Tirumudugungam. This land | was subsequency convorted into a wet land by the indi-<br>vidual mentioned in No. 56 above.  Gift of lands free of taxes as a dévadana to the temple ôf<br>Tiramudagungam-Udaiyar of Paruvar-kûrrem in Irun-<br>golappadi. The lands were variously situated in Ediril-<br>60lausliur, a hamlet of Mudizondasõla-chafurvedimatrae. | lam in Merka-nadu, a subdivision of Virudarajabhayah-<br>gara-valanadu, Ilamangalam alias Anapayanallar and<br>Sarruktudal alias Vikranasõjanallar.  Begisters that as the estising dovadan lands of the<br>temple of Tirumudugunam-Uduiyar were inadequate for<br>meeting the expenses of the temple, lands in lieu there-<br>of and for feeding the Mahagarass in the Vikranasõlan-<br>matha wihhin the temple were, at the instangolan-<br>matha wihhin the temple were, at the instange of<br>Solakönar, given over in Sarrukkudular alias Sina-<br>rukan da sarruktudular in paruvur-kürgam in Irungolappadi. | unline.  Gift of 32 cows and a bull for a lamp and a lamp-stand to the temple by a native of Küdalnr in Merka-nadu. | The historical introduction begins with the words year, quar, etc. Records with the same details the transactions referred to in No. 61 above. The king was seated on the seat called Solakon in the private apartment, within the temple at Viranarana-obaturedi- | Damaged. Begins with the same historical introduction. Cift of land for offering pudding-cakes on Sundays. | Cult of 96 sheep for a lamp by a native of Jananatha-<br>ohaturvedimangalam, a brahmadeya of Viluppuram in<br>Panaisur-nadu. | Gift of an ornament (?) tiru-abhishekam by Arayan Sundaruttoludaiyan Küpakarayan, a native of Najkuriabchi in Pandi-mandalum to the tomple of Tirumudugungamuaing-Nayanar in Paruvur-kungam in Lungolappadinadu a subdivision of Merka-nadu in the district of Vadagarai Virudarajabhayankara-vajanadu. |
|---------------------------|--|--|--|--|---|--|--|--|---|
| Language and<br>alphabet. | Tamil  |  | Do   | Do.  | OQ  | Do   | Do   | :  | Do  |
| Date.                     | 5th year   | 13th ,,  | 10th year and 217 days.  | 6th year   | 25th year Kumbba,<br>su. di. trayodasi,   | Stunday, Furen.  | (4th ,,  | 16th year, kishabba,<br>su. di. saptami,<br>Monday, Uttiram.   | 8th year, Tula, su.<br>di. tritiya,<br>Saturday, Kohini.  |
| King.                     | Parakosurivarman alias Udaiyar<br>Rajondradeva.  | Parakûsaviyarman   | Tribhuvanaohakravartin Konerimmai-<br>konday.  | :  | Sakalabbuyanachakrayattin Kō-l'erunjin-<br>gadeya.  | Rajakésarivarnan alias Tribbuvana-<br>obaktuvartin Vikrama-Chéladéva.  | io.  | Бакца бличаласникта vartin Ko-f'erun-<br>jihga deva.   | Tribhuvanachakravartin Vira-Fandyadeva  |
| Dynasty.                  | Chōļa  |  | :  | ;  | Pallava   | Obóļa  | Do   | J.&.]&V.B.   | Pandya  |
| Place of inscription.     | On the same wall Ch  | Do. :  | Do. :: ::  | On the third gopura of the same<br>temple, right of entrance.  | In the same gopma, left of entrance   | In the same place  |  | On the north wall of the kitchen in 1's the same temple.   | On the second gopura of the same Patemple, right of entrance.   |
| No.                       | 28   | 69   | 09   | 19   | 69  | 63   | <b>4</b> 0   | 90   | 99  |

rehalam

C.—Stone inscriptions copied in 1918—conf.

| Language and Remarks. | :   | Doundary of Frumaniar in 1 raturu-parru.  Remission of taxes levied on settis, kuikkolise, and various other castes inmigrating to Tirumudugungam which belonged to the temple. | Gift of 96 sheep for a lump by the hereditary watchman of the temple of Tiromuduguiga-Nayanar. Mentions the | Gift of the village of Nripanarayananallar for worship and repairs to the temple of Thunnudugungelmudaya]-tambiranar by a certain chief Kachchiyarayan who bears a number of hirudas. Mentions a certain Narasuya. | pua  | Do The inscripton begins with an introductory verse in Sanstria in praise of Muppidi-kshmayati, king of Vikramasirha-pattana. Assignment of money levied as taxes from a number of villages for conducting the service established in the temple founded by the elder hother of the king and called after Muppidi-Nāyaka one of the ministers of Kakattyn Prataparudradeva. | Dam-ged and unfinished. Gift of a gold forehead plate set up with jewels to Tiramudugungumudatya. Nayanar by Avani-alappirandan alias Ko-Ferunjingadova of Kudal in Kil-Ambr-nadu a subdivision of Thrumunaippadi-nadu in expiation (of the sin) of [having killed] (b). Kosava, Huribara-Dandunayaka and other Dandannyakus of the Hoysala king in the Eathe field at Porumbular and of having seized by force their ladies and treasure. This ornament was called Avani-alappiandan and was placed on the image of the god with the chanting (f) of the Sanskirt verse.  TREAST FAGRICA ARECHIRAR: [1*] |
|-----------------------|---|---|---|--|--|---|---|
| Langualpl             | Tamil   | Do  | Д°.   | Do.  | Grantha<br>Tamil   | á<br>   | Tamil   |
| Date.                 | 6 + 1st year and 55 days.                     | Śaka 1367, Kro-<br>dhana, Mina, śu.<br>di. dyadaśi  | Thursday, Magha.<br>2nd year, Vrischika,<br>1a. di. trayodasi,  | Baktakahi, Sittirai<br>15.   | 8th yerr and 106 days.   | 13 + 1st year   | 10th year, Simha,<br>sn. di. panchami,<br>Monday, Bevuti,   |
| King.                 | Tribhuvanaohakravartin Könerinmai-<br>kopdan. | Pratapa Devaraya-Maharaya, son of<br>Vira-Vijayaraya-Maharaya.  | Sakalabhuvanachakravartin Kō-Perunjin-<br>gadeva.   | <u>:</u>   | Tribhuvanaohakravattin Koberiymai-<br>koṇḍag Vikrama-Baṇḍyadēva. | Tribhuvanachakravartin Konstin <b>usi</b> -<br>kopdan Sandara-Pandyadsva.   | Sakalabhuvanachakravartiu Ko-Peruñ-<br>jingudeva.   |
| Dynasty.              | :   | Vijayana-<br>gara.  | Pallava   | :  | Paņiya · ·   | .:<br>.:  | Pallava   |
|                       | :   | :   | :   | :  | :  | :   | :   |
| on.                   | :   | :   | :   | <b>:</b> .   | :  | :   | :   |
| Place of inscription. | place   | :   | :   | :  | :  | :   | :   |
| Place                 | In the same place                             | Do  | Do.   | Do.  | Do.  | Do.   | B <sub>0</sub>  |
| No.                   | 19  | 89  | 69  | 70   | 71   | 72  | 22  |

C.-Stone inscriptions copied in 1918-cont.

| -   |                         |                 |          | -          |           |                      |  |                                  |  | -         |                           |  |  |
|-----|-------------------------|-----------------|----------|------------|-----------|----------------------|--|----------------------------------|--|-----------|---------------------------|--|--|
| No. | Place of inscription.   | nsoriptio       | á        |            | Dynasty.  |                      | King.  |                                  | Date.  | Lan       | Language and<br>alphabet. | Remarks  | 18,  |
| 4.  | In the same place       | :               | <b>:</b> | :          | :         |                      | <u>:</u>   |                                  | :  | T. Ban    | Ramil verse               | <u> </u>   | ed by various authors whose train Kadava chiefe. These radittan-gopura (tiruz afall) anan Alappirandan Vira-(one of the verses records A. D., Alappirandan Vira-   |
| 22  | Do.                     | :               | :        | • :        | :         | Tribhuvan<br>Rondan. | Tribhuvanacdakravartin<br>koņāāņ.                                    | Kōṇơriņmai-                      | 4 + 1st your .   |           | Temil                     | Kaoholiyarayan alias Kadavarayan obelonging to Karkadaga-Marayan and also the country of Adiyaman.  Adiyaman.  Offinished. Gift of land free of taxes, in Pagadargudi in Paruvur-paru consisting of thirty shares, in the name of the king, by Tirumalirahjolaiminan alias Malavarayan, the obiet of Mald kurocholi in Savarunkai Sembu-nadu in Pandirandalam. Out of these, 24 brahmans of the arearm. Kulasakhara-chaturvodimangalam reeleved  | varagain destroyed Kudal (yan and also the country of taxes, in Pagalangudi in iir yan alias Malavarayan, in Severinkai Senbu-nadu in Severinkai Senbu-nadu at these, 24 brahmans of sturvodimangalan received   |
| 26  | On the same<br>entrance | <b>g</b> ðpura, | left     | <b>j</b> o | :         | •                    | Ъо.  | do.                              | 6th year and 184<br>days.                                    | 94 Do.    | :                         | one share each, and the Nayanmar two; two were assigned for Veda-vritti, one for Vaidya-vritti, and one for Purana-vritti, and one for the virana-panda probably to do some scrvice for the Virana-Pandyan-dand) by turns of eight. Gift of taxes lovied from the villages of Scinnyanallur alias Rajakkanayanallur and Semballikurichichi alias Marukapai-todada-Pandiyanallur for offerings and for the Hajakkanayan festival instituted in the temple in the name of the king. The document is signed by Dovan Pallavarayan of Adahgarimangalam in Mutthy-kürgam in | ayanmar two; two were or Vaidya-vritti, and one for mas had probably to do some yan-sandi by turns of eight. I see a Scinniyanallar alias hallikuriohohi alias Marufor offerings and for the vited in the temple in the unent is signed by Dovan unent is signed by Dovan unent in Mutthy-kugram in  |
| 77  | In the same place       | :               | :        | :          | :         |                      | Do.  | do.                              | 3rd year and 220<br>days.                                    | 20<br>Do. | :                         | Pandimandalam. Records that a certain private individual was appointed to serve as mandaparkottu in the temple receiving this andalar of suddy arounds.  | ndividual was appointed to<br>the temple receiving thņi  |
| 18  | Do.                     | :               | :        | •          | Рапфув.   | Maruvari             | Maguvarman Parakrama-Paṇḍyadōva                                      | andyndona                        | 14th year, Mesha,  | B, Do.    | :                         | Unfinished.  |  |
| 79  | Do.                     | :               | :        | :          | :         | Tribhuvan<br>koṇḍśṇ. | Tribhuvanaohakravartin<br>koṇḍâṇ.                                    | Kõņēriņmsi-                      | Monday, Rohini.<br>7th year                                  | 1.<br>Do. | :                         | Gift of land in Brumandr in Paravnr-parru for maintaining the Vikrama-Pandyan flower-gurden founded by Mala-   | zuvnr-parru for naintaining<br>-garden founded by Mala-  |
| 80  | Do.                     | :               | :        | <u></u> :  | Pallava . | Sakalabh<br>randāņ   | Sakalahhuvanachakravartin Avanialappirandān alias Kopperunjihgadova. | n Avanialappi-                   | 11th year and 118 kottn days.                                | 18 Do.    | :                         | Gift of a gold forehead plate to Tiramudugungamudaiya- Nayangar by Perumal-pillai alias Solakonar one of the   | ng.<br>to Tiramudugu <u>namudaiya-</u><br>alias Solakõnar one of the   |
| 18  | Do.                     | :               | ;        | -:         | :         | Tribhavan<br>koṇḍâṇ. | Tribhuvanachakravartin<br>koṇḍŝij.                                   | Konorinmai-                      | 5th year and 184<br>days.                                    | 84 Do.    | :                         | Connected with No. 76 ahove. Registers the remission of taxes in the villages of Semiiyanallar and Semballikurichi   | Registers the remission of anallar and Semballikurichi   |
| 88  | Do.                     | :               | :        | :          | Pandyn .  | Magavarn<br>tin Vik  | Magavarman alias Tribhuv<br>tin Vikrama-Paṇdyadeva                   | Tribhuyanachakrayar-<br>jyadéva. | [3]rd year, Mekera,<br>fu. di. trayodasi,<br>Monday, Pushya. | E. Do.    | : .                       | Gift of 32 cows and one bull for a lamp to the temple by Malaipperumal alias Kanakarsyan, son of Kulottunga-volgin, ohief of Mananjeri near Kodikkulam Vadagarai Virudarajanyankara-vajanadu. Mentions the mesure Devastivan   | A.t<br>ovy and one bull for a lamp to the<br>alaipporumal alias Kanakarayan, son of<br>Alan, ohief of Mananjeri near Ködikkulam<br>Virudarajahayankara-valanada. Mentions<br>evastrivan  |
|     |                         |                 |          | -          |           | _                    |  |                                  |  |           |                           |  | And the second state of th |

Salam

| e and   Remarks.   |           | (11st. of land for offerings and flower-garlands in Urruk-kurichehi alias Adamar in Kadal-nadu a subdivision of kurichehi alias Adamar in Kadal-nadu a Subdivision of Viradal Alappinian | Alagnya Siyan Koppernnjingan of Tirumunalphani Au- | Anutrandou.  Gift of lands in and taxes on Tandalaipuliyur for offerings of the service called Kodandaraman sendi after the king at the service called Kodandaraman sendi after serverism for conducting the festival on the day of the seterism for conducting the festival on the far perpetual lamps, Fusiva in which the king was born, for perpetual lamps, for requirs and for maintaining the flower-gardens for maintaining the flower-gardens for maintaining the fallingarenmed by Andar Uyyakkondar on behalf of Kallingar |   | (4)th of land inclusive of all taxes for offerings at the sarvice called Rajakkanayan-sandi after the king. This service called Rajakkanayan-sandi after the king. This in a ved was determined as excess in the ourse of a returney conducted by Solakon in the fith year with reference to certain lands given to certain servants of the temple. | The order was pushed when the Angle was present at Perumbanyahuliyur (i.e., Chidambanam).  Contents almest the same as above The full name (intents almest the same as above The full name (intents almest and solved). | The contents such records the remission of taxes on the macription fundaments of the temple after the | survey.  survey.  survey.  fift of 97 sheep for a perpetual lamp by Cattadevan alass sundara-Pandya Kachehiyarayan. Mentions the measure landara-Rah. | Daniford. Registers that the managers of the femipa-<br>authorised a certain Terayarayar Vinsôkharamudaiya;<br>alias Kachehiyanavar to expend 400 kalams of paddy per-<br>alias out of the firakkavaman. | Records the rates of taxes in grain and money to be leviced Records the kaikkolar, tan litimar and other cartes in cortain villages. The people were assembled in the Vidivitable in truckfavanam. | Uninished and damaged. Secms to record a compact agreed upon by the Valadisal and Idangal castes that agreed upon by the Valadisal and Idangal castes that they would inflict corporal punishment on those who helped the tax collectors of the king and the Brahman landholders in the collection of taxes by cocreive measures and who consented to write the accounts. |  |
|--|-----------|--|--|---|---|---|---|---|---|--|--|---|--|
| Language and   | alphabet. | Tamil .  |  |   | Do:   | . Do  |   | . Do.   | Do.   | a, Do<br>ii.   | a, Do.   | ra, Do.<br>dı.  |  |
|  | Date.     | ha.  | nesday, Mula.                                      | 13 + 1st yen and 237 days, Knur- hha, so. ii. trayodasi, Mon- day, Poshya.  | 3rd year [Simhu],<br>fn. di. dagami,<br>Monday, Pushya. | 5th year and 131 days.  | 5th year  | 5th year and 157 days.  |   | √Sα.   | .X   | da., Uthram. Saka 1351, Summya, Mosha, bu.dı. shashtı, Sunday,  | The second state of the se |
| and the second s | King.     | vannohakravartin Ko-Perunjin-  | gadeva.  | Tribhuvanaohakravartin Kônerimai- 1<br>kondan Sundara-Pandyadeva.   | Sakalubhuvanachakravartin Ko-Peruñ-<br>jingadeva.       | Tribhuvanachakravartin Konerimmi-<br>kondan Vikrama-Pandyadeva.   | Tribhavanachakravartin Kogeriņmui-  | kondan. do.   | i<br>Marayarman alias Tribhuyanachaktavat-  |  | Praudhadevaraya-Maharaya, son of Vura-<br>Vijayaraya-Maharaya.   | Pratapadēvarāya, son of Vira-Vijaya-<br>rāya.   |  |
|  | sty.      | - -:   |  | <u> </u>  | :   | <u>:</u>  |   |   | :   | Vijayana- K  |  | D <sub>0</sub> .  |  |
|  | Dynasty.  | Pallava  |  | Раффув  | Pallava   | Раффун  |   |   |   |  | :  | :   |  |
|  |           |  | :  | :   | :   | :   |   | :   | ; :   |  | :*   | :   |  |
|  | orioino.  | and Ingil  | :  | :   | :   | :   |   | :   | :   | : :  | :  | :   |  |
|  | er de la  | FIROR OI INSULPRIO   | In the same place                                  |   | ő   | no.   |   | Do.   | e G   | . Po.  | Do.  | Do.   |  |
|  | _         | -  | 83 In  | 46  | 90  | 98  |   | 87  | -   | 66 65  | (Fdn   | €<br>\25  |  |
|  |           | No.  |  |   |   |   |   |   |   | 1172, Ho   | me (Edn.   | , - =0  |  |

C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| Remarks.                  | Registers that Kügudaiyan Iranan Ponpurappinan alias Rajaraja Kovalarayan set up the image of Ponparappinalfavan Mayanan, constructed the stone temple, the St-Kailasa of the villings Küguiyür, the arddha-mandapa, the mananan and the snapana-mandapa, the nitta-mandaya, the first prakan and the gopura, the second prakan and the gopura and made a gift of land for offerings and to the Brahmanas | of the temple. Kūgniyūr was situated in Naraiyūr-kūr- ram, a subdīvision of Maladu alias Jananātha-valanadu. Gift of the village Ponparappinanallur free of taves for worship and offerings and the village of Karpūndi alias Tivūāusambandanallur in Ugalūr-kūraun, a district of Vadugaru Kajistinga-valanadu for conducting the festival in the month of Parigani, to the temple of Popparappina- | lévaramudaiya-Nayanar at Kagaiyur. Gift of two coves and a culf for a lamp hy one of the agam- | Representation of the little in the state of the state completed to the state of th | the old practice throughout the Magadai-mandelam. Registers an order of Väsudeve-Nayakar Tirumalai-Nayakar to the people of Magadai-mandalam fixing the length of the rod for measuring the wet and dry lands for the purposes of assessment. The length of the rod from in we weems to have been very small and the neonla | threatened to mixrate elsewhere. The newly prescribed rod is represented on the wall below the inscription. Girteri, hamlet of Tenkarai-strnai by Exmanği Trunkara-Nayaka who was ruling over the said strnai to the temple of Ponparappina-Ohlisvaramudarya-Nayi- | nar of Kagaiyar.  Remission of oertain taxes for worship (Mahapuja) in the temple of Popparaphi-Chölisvarannuqaiya-Nayinar-Tambiranar for the prosperity of Visvanatha-Nayaka hy his | officers.  Damaged. Registers the sale of the privileges of periodical worship to a certain private individual by the managers of the temple of Ponparappina-févaranudaiya-Nayinar at Kügaiyür in Tenkarai Nagsiyu-kürgan, a subdivision of Maladu alisa Jananatha-valanadu. | mandalam. Records a similar transaction to the one in No. 100 above. Mentions Trumalai-Nayakar Ayan and his agent Perumukkil-Nayakar. |
|---------------------------|---|--|--|--|---|--|--|--|---|
| Language and<br>alphabet. | Tamil   | Do   | Do   | Do   |   | Do.  | Do.  | Do   | . :   |
| Date.                     | 6th year, Makara, T<br>su. di. dasamı,<br>Hasta.  | 14th year, Makara,<br>su, di. dasami,<br>Anaradha.   | 29th уент  | Šaka 1886, Rubbanu.<br>expired, Tarapa<br>current, Āṇi 3.  | Saka 1369, Prabba-<br>va, Simha, ba. di.<br>chaturihi, Mon-<br>day, Aévati.   | Saka 14**, Raktak-<br>shi, Vrischika,<br>Amavasya, Wed-  | nesday, Visakha.<br>Śaka 1465, Śobha-<br>krit, Karkataka,<br>ba. di. dasami,   | Yhureday, Rôhini.<br>Saka 1442, Vikra-<br>ma, Kanya, ba,<br>di., dasami, Fri-<br>day, Pushya.  | Saka 1446, Tarana.<br>Sinha, su. di.,<br>prathama, Sun-<br>day, [Makha].  |
| King.                     | Parakesarivarman alias Tribhuv.na-obakravartin Kulottunga.Choladeva, 'who was pleased to take Madurai (Madura) and the crowned head of the Pandya.  | Parakesarivarman, alias Tribhuvanacha-<br>kravartin Kulottunga-Choladeva, 'who<br>was pleased to take Madurai (Madura<br>and the crowned bead [of the Pandya].   | Tribhuyanaohakrayartin Kulottunga-   | Cuotadeva  | :   | ::   | :  | Virapratapa Krishharaya  | Do.   |
| Dynasty.                  | Сћоја   | Do. :  | Do   | :  | :   | :  | :  | Vijayana-<br>gara.   | . Do  |
| Place of inscription.     | On the south wall of the mandapa in front of the entral shrine in the Svargapurisvara temple at Kugalyur (Kallakuriohohi taluk, bouth Arcot district).  | On the same wall   | Do   | Do,  | . :   | On the north wall of the same  | On the same wall   | Do. :  |   |
| No.                       | \$  | 94   | 85   | 96   | 6   | 80   | 86   | 100  | 101   |

Ingoing you

| 2         |  |
|-----------|--|
| ï         |  |
| × 1       |  |
| 918       |  |
| 57<br>T   |  |
| ı.        |  |
|           |  |
| e         |  |
| oopiec    |  |
| ŏ         |  |
| nB        |  |
| oriptions |  |
| P.        |  |
| Ë         |  |
| ins       |  |
| •=        |  |
| ne        |  |
| 걍         |  |
| α         |  |
| 1         |  |
| O         |  |
|           |  |

|            |   |                        |                     |                                   |                                   |       |   | -                       | _                         |  |   |
|------------|---|------------------------|---------------------|-----------------------------------|-----------------------------------|-------|---|-------------------------|---------------------------|--|---|
| -          | to the second   | Dynasty.               |                     | King.                             |                                   |       | Date.   | ጃ<br>                   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |   |
| <br>.j     | Flace of inscription.   |                        | _ -                 |                                   |                                   |       | 13th weer   | T                       | Tandl .                   | Gift of Pullangulam for conducting the service Sundara-  | indara-   |
| 102 C      | On the same wall  | :                      | Tribbuvan<br>kondan | Tribhuvanachakravartin<br>kopdan. | in Kopernaul                      |       |   |                         |                           | Fangyan, sinul carres are Fangyan fautumudaiyar at repairs to the temple of Foijparappina. Isuumudaiyar at repairs to the temple and Foijparappina.  | iyar at   |
| 103        | . :   | :                      |                     | •                                 | ٠                                 | 102   | Saka 1404, Subha-<br>krit expired, Sob-<br>bakrit current,<br>Vaigasi 12. |                         |                           | Records that excessive and unauthorised taxes were being leaved from the people of Tenkarainadu and that on this account the people migrated from the country. On account the people migrated from the country. On representing their grievenees to Chikka Parvata-Nayakran, he settled that the old custom should prevail in future.  | nemg<br>on this<br>r. On<br>Nayak-<br>vail in                           |
| 104        | . :   | Paņdya                 | Rapamu<br>Pand      | Banamukharaman<br>Pandyadsva.     | Perumal                           | Vira- | 21st yeur, Tula, su.<br>di., trayodasi,<br>Rêvati.                        | Tula, su.<br>trayôdasî, |                           | Gift of the brahman village Peru-Nila alias Rapaninguarana-chaturoedimangulam in Vembar-kurram consisting of 26 shares at one share each to 24 Brahmans, one share for the Yajurveda-vritin and is share for the Purana-vritin, by Soluppilan alias Sambuvarayan ot Vettaikudi in Maladu alias Jamanathu-valanadu on the southern hank, a district of Magadai-mandalam. The signature of Kulstekhara Vijupparaiyan appears at the end of the record. | guranna-<br>g of 26<br>nare for<br>ribi, by<br>Maladu<br>distriot       |
| 105        | wall of the Peri<br>nan shrine in   | ya-<br>the             |                     | •                                 | <b>:</b>                          |       | Yuva, Vaigāki 16  | i 15                    | Do.                       | Gift of lands in a number of villages in Teinkarai-Stroai to Rangappayyar brother of Ellamarasay, a son of Bellem-konda Timnayyar for the widday off-rings of Peryammal konda Timnayyar for the widday ar and the residents of goddess) by Sarappayandayar and the residents of  | enkarai-stroai to<br>ca son of Bellem-<br>ige of Perryammal             |
| 106        |   | ine. Vijaya-<br>nagara |                     | ratapa Sudasiv                    | Virapratapa Sudasivudeva-Maharayu | ÷     | Śaka 1483, Durmati,<br>Makara, su. di.                                    | armati,<br>1. di.       | <b>₽</b> 00.              | Tenkarai-strmai.  Gift of the tax talaiyarikkan in Kngaiyur-pettai, for gift of the tax talaiyarikkan in the shrines of Periyammai special worship on Fridays in the shrines of Pengalada in the temple of Ponparaphi-Nayanar and Oppilada Ammii in the temple of Panchakahara-Nayanar at  | ttai, for<br>iyammai<br>Oppilada<br>rinar at                            |
|            |   |                        |                     |                                   |                                   |       | Sadharana, Adi  | Aqi                     | • Do.                     | Kagaiyar, by an agent of Smuppa-Nayakkar. Avyan tor the merit of adigaram Krishrappa-Nayakkar. Damaged. Mentions a gift for the merit of Surappa-Nayake, and Umaya.  | yyan tot<br>Surappa   |
| 107<br>108 | On the western gopura of the same temple, right of entrance.  In the same place | Vijaya-<br>nagara      | ę;                  | Aohyutadera-Maharaya              | <br>178 ya                        | :     | Śaka 146[5  Śobha-<br>krit, Āvaņi 12.                                     | Sobha-<br>ai 12.        | . Do.                     | Giff of raxes levied in Knguiyni, for the great worship (inchaptaja) and repairs in the temples of Poinparappi-Chojisvaranudsiya-Nayinar and Devargal-tamhirahar Sakshinathar at Kugaiyur by an agent of Mallappa-Nayakkar. The name of Achyutadeva is coupled with that of Krishnadeva-Maharaya as ruling in the same   | worship<br>iparappi-<br>inhiranar<br>Mallappa-<br>pled with<br>the same |
|            |   | **                     |                     |                                   | :                                 |       | Saka 1336, Ja   | Java.                   | Do.                       | Pear. Records an order of Narayya-Nayakkar to the people of Records an order of Narayya-Nayakkar to the people of Magadai-mandalem waiving the right of levying Magadai-mandalem wande maren governed by him.  | people of<br>levying<br>by him.   |
| <u>ۃ</u>   | 109 On the same Kopura, contrance.  |                        |                     |                                   |                                   |       | Saka 1872, Vibhava  | Vibhava                 | Do.                       | varuanged. Seems to record the remission of certain taxes.   | in taxes.   |
| 7          | 110 In the same place   | :                      |                     |                                   | :                                 |       | Java. Adi 9   | :                       | Do.                       | Damaged. Seems to record a gift of land for conducting the two temples at Kugaiyur.  | onduoting   |
| -          | 111 On a slab set up in front of the same temple.                               | of the .               |                     |                                   | •                                 |       |   |                         |                           | drugtow.   |   |
|            |   |                        | -                   |                                   |                                   |       |   |                         |                           |  |   |

C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| No. | Place of inscription.  | <b>Dynasty.</b>    | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Ветаткв   |
|-----|--|--------------------|---|--|---------------------------|---|
| 113 | On the south wall of the central shrine in the Pañchaksharestara temple in the same village. | Vіјауа-<br>падаге. | Immadi Sadasivadeva-Maharaya  | Śaka 1468. Virodhi-<br>krii, Pańgani 29,<br>daśami, Śatur-<br>day, and Pańgani<br>28 be. di daśami,<br>Mula, Sańkra- | Tamil                     | (fift of land in Tiruppun-petgal for repairs to the temple of Devan-Tun-birajer Peñchāksharanātha by Uratta Pāpju-Nayakar agent of Venkatappayya Vengappayyan agent of Surappa-Nayakar.   |
| 113 | On the west wall of the same shrine.   | Do.                | Virapratapa Achyutadova-Манагаун                                      | Saka 1463, Vijaya,<br>Kumbha, su. dı.<br>Parmami, Lunar<br>eolipse, Makha,<br>Thuradar                               | 1)0                       | Giff of the village of Mathapara, for the merit of the residents of the country of Tenkarai in Magadai-mands lam to the tripples of Puïchaksharanathar and Dovaga-Tambiranar on the occasion of the lunar colline.  |
| 114 | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.                                 | Do.                | Virapratapa Sadāsivadēva-Maharāya                                     | Saka 1468, Para-<br>bhava, Kumbha<br>ba. di, amavasya,<br>Sunday, Asvati.  | Do                        | Gift of land in Pulavanarks orm in Tephkarai-strinai a subdivision of Maladu alias Janamatha-valanadu in Magadai-mandalam for worship and offerings to the shrine of Ilajva-Nayanar in the temple of Dévargal-Tambinanar in Knesivur, by Valena lat-Navakksa son of Sodi Panna. |
| 116 | On the south wall of the same mandaps.   | Do.                | Triumalaidéva-Maháráya, son of Vira-<br>pratápa Krishyadéva-Maháráya. | Śaku 1446, Tarana,<br>ula, ba. di<br>ekadasi Monday,<br>Hasta.   | Do :                      | Nayakkur agent of Surappa-Nayakkar. Gift of Urattur as a devadana, free of taxes, for the great worship (mahapula), and repairs to the temple of Dévargal l'ambiran l'añchaksharanadan in Kugaiyur ahas l'ambirrankoyil by Mrittyunjaya-Nayakkar for the merit of               |
| 116 | On the same wall   | Do.                | Do. do.   | Śaka 1446, Tarapa,<br>Dhanus, sa. di.<br>paurpai, Ārdra,<br>Sunday.  | Do                        | Giff of land in Pollangolam, on the southern bunk of the Nivo rivor, in Tonkaria Naraiyin kupam in Arapalur strma a district of Maladu alias Jananatha-valanadu in Magadai-mandalam by the same dones who is stated to  |
| 111 | . : : :  | Do                 | . Do. do.   | Saka 1446, Tarana,<br>Dhanus, 6u. di.<br>prathama, Ardra,  | Do                        | have been the agent of Thomala. Nayakkar.  (lift of land to the Kaikkola servants and the dancing girls of the temples of Dovargal Tambirana, and Panchakehanandan at Kugaiyur by the donee mentioned in No. 116  |
| 118 | On the north wall of the same mandapa.   |                    | :   | Saka 1426, Rahta-<br>kahi, Vrischika,<br>amavasya, wed-<br>n-sday Višakha  | Do                        | and<br>kan<br>d P   |
| 119 | On the gopura of the same temple   |                    | : <u>.</u>  | Parabhaya, Mina,<br>ba. di. saptami,<br>Mala, Bunday.  |                           |   |
| 120 | On a slab set up in front of the same temple.  | : '                | :   | :  | Do                        | On the top of the slab 2 fish and a hook are engraved. Records that the temple of Nayanar Bhagavadi-Alvar is under the protection of Minavan Nukkorkila:adigal.   |
| 121 | On the south wall of the ruined Kailasanatha temple in the same village.                     | •                  |   | Śaka 1506, Taraņa,<br>Vrisenika, su. di.<br>. paurņai, Satur-<br>day.  | Do                        | Seems to refer to a gift of land.   |

gaiger

C.—Stone insoriptions copied in 1918—cont.

| -            |  |                    |   |   |                           |   |
|--------------|--|--------------------|---|---|---------------------------|---|
| Z            | No. Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | , Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| Ħ            | 122 On the south wall of the Rajana-rayana-Perumal temple in the same village. | the Sajuva         | Bbujabala Tammaraya (i.e. Dharmaraya).  | Saka 1424, Raudri,<br>Kartigai, 7.  | Tamil                     | 5   |
| Ä            | On the same wall   | :                  | :   | Baudri, Tai 10  |                           | Magada-mandalam for offerings by Annama-Nayakkar in order that Bujabala Tammarayar might rule the earth. Git of land for worship in the same temple and for the festivals of the images of Rama, Raghava, Marayana and Krishna, taken in procession by Pernigondal Tammaya. Nayakkar who repaired the mandapa, set up the stone |
| 5            | On the north wall of the temple.   | 98106              | :   | Śska 1422, Bandri,<br>Tai 20.   | Do. ::                    | pillar and the pinnucle, built the surrending wall and dug the tank. Purchas of Bajanarayana. Vinnagar-Emberuman from the temple of Popparappina-Chōjesvaramudaiyar.  |
| 11:8         |  | am<br>am<br>ight   | :   | Plava, Pirațțasi 29.  | Do. ::                    | Records a gift of land for a flower-garden for the merit of Rangappa-Nayakkar. Sudikkudutta-Nachchiyar-tiruttu appears as one of the boundaries.  |
| -            | <u></u>  | :                  | : .   | Saka 1480, Dun-<br>mati, Makara,<br>Punarvasu, su. di,<br>trayodasi, Sun-               | Tamil vorse               | Damaged. Records that the vimana was repaired and (the image of) Uttara-Rangan was probably reconscorated by a certain Stramaya.  |
| -            | 127 Do   | :                  | :   | Śaka 1653, Śobha-<br>krit, Aņi.   | Tamil                     | Much damaged. Gift of land in Eduttavanullar for supplying the yajñopavita (saor d thread) to the god Ranganathasvanin.   |
| 1172, Home ( | 128 Do   | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa Śrirangadeva-Maharaja,<br>'who having taken every country was<br>pleased to receive tribute from Ceylon.' | Subhany, Pangani<br>29, S4ka 1606,<br>Mtna, sa. di.<br>sapkami, [Friday,<br>Puratṭadi]. | ъ                         | Mentione Emberumänär Ayyan agent of Periyanambi Ayyan agent of Ettor Kumara Tattachariyar Ayyan of Uttara-Tiruvarangam on the southern bank of Pennai (Pennar) and ou the northern bank of Ayin in Korukkaikürgan a subdivision of Meykunga-valanadu in Magadai mandalam and the desandrimuttirai Emberumana-ilyar              |
|              | 129 On the same gopura, left of entrance.                                      | fen. Do.           | Virapratapa Vira-Venkatapatideva-Maha-<br>raya, ruling at Perungondai.  | Śaka 1517, Manma-<br>tha, Purațiasi 18.   | Do. :                     | of Tirakkovalur. Registers that Tiruvengadayyangar Alyun of Anbanur disected the lands given to the servants of the temple of Ranganathasvamin at Uttara-Tiruvarangam to be nirkkylil-sarvananya under orders of lythur Tirumalai Kumara  |
| -            | 130 In the same place  | :<br>D9:           | Virapratapa Sadasivadeva-Muharaya   | Śaka 1482, Raudri,<br>Mesha, ba. di.<br>dvittys, Wodnes-<br>day.                        |                           | tanauarya who bears and birada, Vedamargga-pratish-thacharya and Uhayavedantaoharya and who appears to have prepared the elephant vehicle for the god Damaged and end lost.   |

| 1918—cont.   |
|--------------|
| . <u>च</u>   |
| copied       |
| inscriptions |
| C.—Stone     |

| No.  | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|------|---|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| 131  | On the same wall  | :                  |   | •  | Tamil verse               | A Tamil verse composed by Kalingaraya Unnamulai Ellap-   |
| 182  | Do  | Vijayana-<br>gara. | Sadzsivadova-Vahārava   | Śaka 1482, Sid-<br>dharthi, Mesha,<br>éu. di. paffohami, | Tamil                     | par in praise of the god Vishnu. Damaged. Seens to register a gift of land to a private individual for repairing the tank called Patalasamudram.   |
| 138  | Do. :   | Do.                | Do  | Śravana, Sunday.<br>Saka 1486, Dun-                      | Do                        | Much damaged.  |
| 134  | On the east wall of the mandapa<br>in front of the same temple.                           | Do.                | Virapratapa Srirangadeva-Maharaya 'who having taken all countries was pleased                                       | Saka 1499, Dhatu,<br>[Pańguṇi]25.                        | Do                        | Do.  |
| <136 | <u> </u>  | Chota              | to levy tribute from Ceylon . Rajakesarivarman  | 6th year   | Do                        | Gift of 25 kalafiju of gold for half a lamp to the temple of<br>Tiruvajvarru-paramamahadeva. The gold was deposited<br>with the merchants (nagarattar) of Sivapuri.  |
| 136  | taluk and district). On the same wall   | Do                 | Maduraikopda Parakesarivarman   | 20th ,,  | Do                        | Built in at the end and the bottom. Gift of gold for a   |
| 187  |   | Do                 | До  | 16th ,,  | 1.0                       | diff of 96 sheep for a lamp in the temple of Tiruvaiyaggu-<br>Mahadeva by Nakka Namban of Irufusandanuram on the   |
| 138  | On the west wall of the same shrine.  | Do. '              | Do. do  | 20th ,,  | Do. ::                    | southern bank of the Pennai in Vanagappadi. Built in at the end. Seems to record a gift of land to the temple of Tiruvaiyamu-Mahadéva.   |
| 189  | On the north wall of the same shrine.   | Do                 | Do. do  | 18th ,,  | Do                        | Damaged. Gift of gold for a lamp. Mentions Malsinattu-chobaliya.   |
| 140  | On the south base of the verandah of the second prakara of the same temple.               | :                  | [Tribhuvanacha]kravartin Könerinmai-<br>kondan.   | Lost   |                           | Built in the middle. Seems to register that the danoing girls were to enjoy the lands, given to them for service in the temple of Tiruvajyaguru-Udaiyar in Foygai-nadu a subdivision of Rajaraja-yalanadu, of which they had   |
| 141  | On the same base  | :                  | Do. do.   |  | Do                        | been dispossessed. Damaged. Becords a transaction similar to that in No. 140   |
| 142  | On the west base of the sume pra-<br>kars.  | Сьоја              | Paraksasriverman alies Tribhuvenachak-<br>ravartin Kulo[ttunga-Cho]a]dova Tri-<br>bhuvansohakravartin Könsrimalkop- | 3rd year   | Do. :                     | Dauged. Seems to refer to carpenters' rights and privileges in the temples of Truvalyardalyar, Aluda'yar Nachchiyar, Ulagamadevi-Isvaramudaiyar and Tribhu-  |
| 148  | On a stone built into the east wall of the Sokkattan mandapa in front of the same shrine. |                    | gan.<br>Maduraikopda Parskéssrivarmen   | 39th ,,  | ъ                         | Vanamadovi-levaramudanyar.<br>Seems to record a gift of lamp.  |
| 144  | On another stone in the same place  | Do                 | Madurai[konda Para]kesarivarman   | [40]th ,,  | Do. :                     | I. Seems to register a gift of land for feeding a an with sumptuous meal daily in the temple of ilyarudaiyar by queen Arifijigai, daughter of Ilada-   |
| 145  | On the north wall of the third<br>prakara of the same temple.                             | Do                 | Rajakssarivarman alias Rajarajadeva   | Lost   | Do                        | Laryar.  Daryar.  Dar |

Arrivare 874.



" C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| Photo of interption.   Drawty   Exploration   Drawty |      |   |          |  | -             |          | -                 |  | -                  | And the state of t |
|---|------|---|----------|--|---------------|----------|-------------------|--|--------------------|--|
| On the same wall  | No.  | Place of inscription.   | Dynasty. | King.  |               | Date.    | Ä                 | anguage an<br>alphabet.                | اور                | Кешатке.   |
| On the same built into the western Chois Rajakearivarman alias [Rajandra-Chois Dannged Do Carbbearivarman alias [Rajandra-Chois Dannged Do Ismil verse Carbbearivarman alias Tribhuvanachak carb year Tamil verse Tamil verse Do Parakearivarman alias Tribhuvanachak carb year Do Parakearivarman alias Tribhuvanachak carb year Do Parakearivarman alias Tribhuvanachak carb year Do Parakearivarman alias Tribhuvanachak carb Do Parakearivarman alias Tribhuvanachak carb Do Parakearivarman alias Gajandra-Chois carb Do Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Do Do Do Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Do Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Po Do Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Po Do Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Po Do Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Po Po Parakearivarman alias Udaiyar Rajen Do Po Po Parakearivarman alias Bajarajarajadov Po Po Po Parakearivarman alias Rajarajarajadov Parakearivarman alias Rajarajarajadov Parakearivarman alias Rajarajarajadov Parakearivarman alias Rajarajarajadov Parakearivarman alias Rajarajarajadov Parakearivarman alias Parakearivarman alia  | 146  | :   | :        |  | 14th<br>day   | ear and  |                   |  | :<br>:             | of the Brahman<br>ingalam in Vikram<br>the temple for var  |
| An the same base  | 147  | On a stone built into the western<br>gopura of the same temple.     | Chōļa    | Rajakésarivarman   |               | :        |                   | :                                      |                    | temples. ift of a chauri to the temple of Tiruvaiyarudaiyar by Pañohavan-Madeviyar, queen of Mummudi-Chola.  |
| On the west wall of the same abrine of the same abrine of the same abrine of the same abrine of the same abrine in the same abrine.  On the west wall of the same abrine of the west wall of the same abrine.  On the south base of the Uttara.  On the south base of the Uttara.  On the south base of the Uttara.  On the south base of the Uttara.  Do Parakearivarman alias Tribhuvanachak. 6th ,, Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Do Barakearivarman alias Udaiyar Rajen. 21st ,, Do Do Do Raikearivarman alias Udaiyar Rajen. 21st ,, Do Do Do Raikearivarman alias Udaiyar Rajen. 21st ,, Do Do Do Barakearivarman alias Rajarajarajadeva 24th year Do Do Do Do Do Do Do Bajakearivarman alias Rajarajarajadeva 24th year Do.   | 148  | On the east base of the Dakshina-Kailass ahrine in the same temple. |          |  |               | :        |                   | :                                      |                    | Records in details the various ornaments given to the temple.  |
| On the same wall of the same abrine (hôla Rajakesarivarman alias Tribhuvanachak. 6th year Tamil On the same wall Do Parakesarivarman alias Tribhuvanachak. 6th , Do Tarakesarivarman alias Tribhuvanachak. 6th , Do Do Tarakesarivarman alias Tribhuvanachak. 6th , Do Do Tarakesarivarman alias Rajandra-Chōla. 3rd , Do Do Do Tarakesarivarman alias Udaiyar Rajen. 22nd , Do Do Do Do Parakesarivarman alias Udaiyar Rajen. 21st , Do Do Do Parakesarivarman alias Udaiyar Rajen. 21st , Do Do Do Parakesarivarman alias Rajarajarajandeva.  | 149  | On the same base  | :        | :  |               | :        | <u>.</u>          | mil verse                              | <u> </u>           |  |
| On the same wall  | 150  |   | Chōļa    |  |               | :        | T                 | mil                                    | _ <del></del><br>: | Ayparu.  Gift of 20 kasu for a lamp by Amnangai-Nachchiyar alias Puvananulududaiyal of (?) Vadusathnmangalam to the temple of Ten-Kayrlayam-ndaiyar at Truvanyar in Poygai-nadu a subdivision of Tirupuvanamulududai-  |
| Asilasa shrine in the same fame base  | 161  | On the same wall  | Do.      | Parakesariyarman a   | eth           | :        |                   |  |                    | vajanādu.<br>samaged. Gift of 20 kagu for a lamp in the same temple.   |
| On the same base Do [Parakesarivarman] alias Udaiyar Rajen- 22nd ,, Do  Do Parakesarivarman alias Udaiyar Rajen- 21st ,, Do  Do Rajakesarivarman alias Udaiyar Rajen- 21st ,, Do  Do Do  Rajakesarivarman alias Udaiyar Rajen- 21st ,, Do  Do Do  No  Rajakesarivarman alias Rajarajarajarajadeva 24th year Do  On the west base of the Dharmam- Do Rajakesarivarman] alias Tribhuvalna- 2rd year and 85 Do  bika shrine in the same temple Rajakavartin] Kulo[ttunga-Chola]deva. days.   | 162  | On the south base of the U Kailasa shrine in the temple.            | Do.      | ravarun Kalarajadeya.<br>Parakésarivarman alias<br>deya I. | 3rd           | :        | <del>2</del><br>: | ;<br>;                                 | <del>-</del>       | Gift of seven bronze lamp-stands to the temple of Olöga-mahaderi-fsraramudaiya-Mahadeva at Tiruvaiyaru in Poygai-nadu a enbdivision of Kajendrasinha-vajanadu by Dantisetti-Vitankiyar alias Ológamadeviyar, queen of Kajarajadeva.  |
| Do Do Rajakesariyarman alias Udaiyar Rajen- 21st ,,, Do  Do Rajakesariyarman alias Rajarajarajadeya 24th year Do  (Rajaraja I). (Rajaraja I) (Rajaraja I) (Rajaraja I) (Rajaraja I) (Rajaraja I) (Rajaraja I) (Rajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajaraja II) (Rajarajarajaraja II) (Rajarajarajarajarajarajarajarajarajaraja   | 153  | On the same base  |          | [Parakesarivarman]   |               | :        |                   | : · o(                                 | <del></del>        | uilt in at the bottom.   |
| Do Do Built in at the beginning. Contains for the north, west and south walls Do Rajakēsarivarman alias Rajarājadēva 24th year Do Do Do Built in at the beginning. Contains for the north, west and south walls Do Rajakēsarivarman alias Rajarājadēva 24th year Do Do Do Built in the same shrine.  On the west base of the Dharmam- oblakravartin] Kulo[ttunga-Chola]dēva. days.  On the west base of the ame temple.  On the west base of the ame temple.  Nulagamuļudīdai valamādu. Montione.   | 164  | ρ   |          | alias Udaiyar  |               | :        |                   |  |                    | Gift of gold ornaments set with jewels to the same temple by the same queen as mentioned in No. 152 above.   |
| On the west base of the Dharmam-  On the west base of the ame femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.  On the west base of the Dharmam- bika shrine in the same femple.   | 166  | Do  | Do.      | :  | <del></del> - | <b>:</b> | <b></b>           | ·.                                     |                    | bistorical introduction of Rajaraja"I. Records the gifts of various consuments one of which is said to have been   |
| On the west base of the Dharmam- Do Raja kasarivarnan] alias Tribhuva[na- 2rd year and 85 Do Much damaged. ohaktavartin] Kulo[ttungs-Chola]deva. days. days. days. Usohohiyar of the same temple.   | 166  |   | Do.      |  | <del></del>   | :        | - <del></del>     | ·· · · · · · · · · · · · · · · · · · · | :                  | presented in the 25th year of Rajarajadeva. Gift of land to the stone temple of Olokumadevi-Isvaramudaiyar built by Dantisetti-Vitankiyar alias Olokamadevyar, queen of Rajarajadeva at Tiruvaiyaru, a devadana in Poygai-nadu, a subdivision of Rajendrasimha-vaļanadu.   |
|   | ,167 |   | Do.      | Rajs kssarivarnan<br>obaktsvartin] Knlof                   | 2rd<br>da     | ar and   |                   |  |                    | Inoh damaged. Gift of 10 veli of land in addition to the existing devadans which was found insufficient for conducting worship and offerings of the goddess Ulagudaiya-Nachohiyar of the Tirukkamakkettem in Tiruvaiyaru in Ulagamulududai-valanadu. Mentions Anapayanallar.   |

| -        |
|----------|
| ~        |
| 0        |
| Ö        |
| ī        |
| ı        |
| _        |
| œ        |
| =        |
| 61       |
| $\simeq$ |
| _        |
| _        |
| .∄       |
| •-       |
| _        |
| opied    |
| ୍ଦ       |
| .4       |
| -        |
| 0        |
| Õ        |
| _        |
| 200      |
| ◻        |
| ~        |
| .≍       |
| کند      |
| ۵        |
| -=       |
| -        |
| 2        |
| •        |
| ā        |
| .=       |
|          |
| •        |
| ₫        |
| ᇊ        |
| -        |
|          |
| Ų,       |
|          |
| - 1      |
| ٠.       |
| 7        |
| $\smile$ |
|          |

| , a         | Pleas of insorintion   | Dumont             | : D  |   | Tenomogo ond |  |
|-------------|--|--------------------|--|---|--------------|--|
|             | -  | Lymany.            | . P. III.  | Date.   | alphabet.    | Вепаткв.   |
| ES. A. 7158 | On the south wall of the central shrine in the Brahmapurfévara temple at Brahmadesam (Villupuram taluk, South Arcot district). | Chōla              | Rajakssarivarman alias Tribhuvanachakravartin Kulottuńga-Chojadsva.          | 41st year, and 294<br>days, Rishabha,<br>ba. di<br>Tuesday, Ani-<br>sham. | Tamil        | Incomplete. The introduction commences with the words stable between Parchase of land in Panaiyur, the southern hamlet of this village, in the name of Brehmistern dealers and the warmudaistern by Manadeders by the assembly of the great men at Rajaraja-chuturvedimungalam, a brehmudeya and a faniiyurin. Yurin subdivision of Gangaikonda-sola-  |
| 169         | On the north wall of the same  | Do.                | Do. do.  | elst year   | Do. :        | valanadu. It is stated that the king, was residing in the temple of Rajaraja-Vinnagar-Ajvar which was his tutelary deity along with his subordinate (magunar) Adavallan alias Kulottunga-solamuvendavdian who was governing the place, having consecrated the god (16va-pratichthai), opened sources for water (jala-pratishthai), destroyed the wicked and supported the wise.  Begins with the introduction usus solames etc. Gift of 128  |
| 7           |  |                    |  |   |              | cows for 4 perpetual lamps in the temple of Brahmisvaram-<br>Udaiyar at Rajaraja-chaturvedimangalam by Anjyupura-<br>van Memattan alias Rulottungasola-Muvendaraiyan<br>residing at Tribhuvananaderinallar, the southern hamlet<br>of Rajaraja-chaturvedimangalam, a village unit by itself<br>in Panjaiyur-nadu a subdivision of Gangaikondasola-   |
| 160         | On the same wall   | Do. :              | Parakbariyarman alias Tribhuyanachak-<br>rayartin Vikrama-Choladeya.         | 15th year, su. di.<br>trayodasi, Wed-<br>nesday, Punar-<br>vasu.          |              | puram in explastion of the sin of having killed Ammuri-<br>Fielechan alias Rajendrassera Nilagangaraiyan, one of the<br>ryots of Amur in Uttamassela-valanastu. Incomplete. The historical introduction begins with the<br>words yearstreer. Records the same debuils as No. 159<br>above as far us the charitable disposition of the king is<br>concerned. Herein Panaryir-nadu is stated to be a sub-  |
| 161         |  | Do                 | Parakesarivarman alias Tribhuvanaohak-<br>ravartin Kulottunga-Chōjadéva.     | 12th year and 75 days.  | Do           | Naga-nattu Majarajavhijanatu. Keters to Ketikanaoga Naga-nattu Myryendavelan. Begins with the introduction commencing with the words yuwaruss. Registers that certain Brahmans of the temple of Piramisuramudaiyar at Rajaraja-chaturvedimangalam  |
| 162         | Do. :  | Vijayanaga-<br>ra. | Maharaya, 'who having conquered all countries instituted the elephant hunt.' | Saka 14 * Vi,<br>Tai 3, Kumbha,<br>ha. di. su. di.<br>(sio.) Stavaņa.     | Do. :        | a brahmadeya and a village unit by itself in Panaiyor-nadu a subdivision of Rajaraja-rahandu received 600 kaan from the temple the sury and agreed to burn a perpetual lamp.  Beginning lost. Registers that the Kaikkola community in this territory were not allowed to use the high pillow (dandu) and blow the conch. Aranvalurita-Nayinar having petitioned to a certain Kangarayar they were allowed the pullow and the conch on the suchory   |
| 163         | On a pillar in front of the same<br>shrine.  | :                  | :  | :   | Do           | of the practice in vogue in the provinces of Kanohi, Virunohipurgan and Tiruvadi.  Records that this pillar was set up by Padali-padiyan alias Panaiyurnadalyan a rvot residing in Panaivurnadalyan a rvot residin |
| 164         | On the first prakars.  | Pallava            | Sakalabhuvanachakravartin Kopperufi-<br>jingadeva.                           | 6th year  | Do           | vilägum near Ogür. Gift of 33 oattle (cone, calves and bull) for a lamp in the temple of Brahmieraranudaiya-Nayanar by Nlagangan Ammuri-Kundan Solangadevan of Amur.   |

C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| 6 b on the some wall  | No.        | Place of insoription.    | goriptio | ū.  |      | Dynasty.        | . King.   | Date.   | Language and alphabet. | Каткя  |    |
|---|------------|--------------------------|----------|-----|------|-----------------|---|---|------------------------|--|----|
| Do  | 166        | On the same wall Do.     | : :      | : : |      | _               | Parakésarivarman alias Tribhuvanachakrvartin Kulotunga-Choladeva.<br>Narasinga-Maharaja                   | ks 8.   | Tannil<br>Do           | Gift of money for a twilight lamp to the shrine of Tirnk-karralippillaiyar in the temple of Piranisvaram-Udaiyar. Gift of land, in Mandagappattu in Ilaiyakur Arasavallapura-parru, by the avataram Servan-Nayara servant of Annamarasa Ayyan, to the temples of Piranisvaramudaiya-Nayinar and Tiruppatalisvaran-udaiya-Nayinar and Tiruppatalisvaran-udaiya-Nayinar for worship and repairs. |    |
| Do  | 67         | Do.                      | :        | :   |      |                 | Tribbuvanachakruvartin<br>Choładbva.  | :   | Do                     | Records that Annualyappan Pandi alias Baiarana Sambuvarayan one of the Sengeni chiefs utilized the gold of the two jewelled car-rings (togu) for various services in the   |    |
| Do  | 891        | Do.                      | :        | :   | :    |                 | Parakssarivaruan alias Tribhuvans-<br>ohakravartin Rajarajadeva.  | :   |                        | The introduction begins with the words goden. Cift of 32 cowe for a large to the same temple by Sorudaiyal, wife of Nittavninda Sambuvaravan.  |    |
| Do Pallava Sakalabhuvanachakravartin Kopperuñ . 27th year Vrischika, Tamil and jangadovu Chola  | 691        | Do.                      | :        | :   | :    | Do              | alias Tribbuvana.<br>11ôttunga-Chôladeva.   | •   | Do                     | Begins with the introduction generate. Gilt of 12 shebuffaloes for a lamp to the temple of Brahmisvara at halaraja-chaturvedimangalam by the Sivabrahmanas of the temple.  | •  |
| Do Choja . Rajakesariyarman alias Tribhuvanachakter   | 170        | °°°                      | :        | :   |      |                 | artin Kopperuä-   | 27tb year Vrischika,<br>su. di. saptami,<br>Saturday, Avit-<br>tam. | n tha.                 |  | •• |
| Do Chola Parakesarivarman alias Tribhuvana.  Do Begins with the introduction content Goldens and one bull for a perjetual amp by a dark charactin Kulottunga-Choladeva.  Do Begins with the introduction contents Jenna by a dark charactin Kulottunga-Choladeva.  Thy year, Āvaṇi Do Giff of land, free of taxes, in Ggur-Pagaiyur in Koliyal varian Vikrama-Pandyadeva.  Tribhuvanachakravartin Koneriumai.  Tribhuvanachakravartin Koneriumai.  Tribhuvanachakravartin Koneriumai.  Tribhuvanachakravartin Koneriumai.  Tribhuvanachakravartin Koneriumai.  Thy year, Āvaṇi Do Giff of land, free of taxes, in Ggur-Pagaiyur in Koliyal and after the king.  Giff of land, free of taxes, in Ggur-Pagaiyur in Koliyal and after the king and for proving and for proving and the feetival on the day of asternacy.  Thy year, Āvaṇi Do Giff of land, free of taxes, in Ggur-Pagaiyur in Koliyal and after the king and tor proving and the feetival on the day of asternacy. | 171        | Do.                      | : :      | : : |      | Choja<br>Sajuva | Choladeva.  | Śaka 1892, Vikriti,<br>Panguņi 2.                                   |                        |  |    |
| On the west wall of the same Tribhuvanachakrarartin Kömerinmai- 13 + 1st year, Masi Do G and 238 days.  | 173<br>174 |                          | : :      | : : |      |                 | Parakêsarivarman aliss<br>chakravartin Kulôttunga-C<br>Magavarman aliss Triblu<br>vartin Vikrama-Pandyade | ···<br>Āvaņi  | Do. :                  | Begins with the introduction enter Courbonds as etc. Gift of 32 cows and one bull for a perjetual samp by a danoing girl (devaridiya). Gift of land, free of taxes, in Ogur-Pagaiyur in Koliyapuranallar-paggu for worship and offerings at the service  |    |
|   | 175        | On the west<br>verandab. | wall of  | the | same |                 | Koņeri i ma <b>i-</b>   | 18 + 1st year, Masi<br>and 238 days.                                | Do                     | called Kulasekharan-sandi named after the king. Gift of land, free of taxes, for conducting a service called Kodandaran-sandi after the king and for providing offerings, etc., at the festival on the day of asterism Pushya in which he was berr.  |    |

1172, Home (Edn.)-27

C.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| No. | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Dato.   | Language and alphabet. | Кепатке.   |
|-----|--|--------------------|---|---|------------------------|--|
| 176 | On the east wall of the same verandah.                             | Choja              | Parakssarivarman slias Tribhuvana-<br>obakravartin Kuldtunga-Onöjadsva.   | 4th year Dhanus,<br>śu. di. chaturthi,<br>Friday, Avittam.                | Tamil                  | Gift of land in Nerkuppai, the northern hamlet of the village, by Amnaiyappan Pandinadu-kondan alias Rajaraja Sanbuvarayan for the worship and the procession of the god on the day of the asterism Avittam in which he was  |
| 171 | On the same wall   | Do                 | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-Chojadeva.  | 14th year   | Do                     | born.  Gift of money for burning a lamp in the temple of Brahmi- svarumudalya-Nayanar by Vachenladev, daughter of the Chalintya. (king.) Tribhuvanumilladeva of the Retta  |
| 178 | On the west wall of the kitchen in                                 | :                  | :   | :   | Do                     | rajya.<br>Registers the ujvari of the devadana lands.  |
| 179 | <u>ō</u>   | Ch 6 la            | Rejakésariyarman alias Tribhuyanachak-<br>rayartin Kulottunga-Chôjadéya Tribhu-<br>yanachakrayartin Koṇériṇmaikoṇḍaṇ.                                 | 6th year  | Do                     | The historical introduction commences with the words, blowdenr etc. Registers that the devadana lands belonging to the temple of Brahmisvaramadaiya-Mahadeva and the land given for feeding tapasvins in the Rajanaraya.   |
| 180 | Do. : : :  | :                  | :   | •   | Do. :                  | pan-ingdam within the temple were clubbed together as a new village of all Kulottunga-Cholanullur which was declared free of taxes. Kecords the text of the ulyari of the grant made in No. 179  |
| 181 |  | Choja              | Rajakesarivarman alias Tribhuvanachak-<br>ravartin Kuldtunga-(Iojadeva,   | 3rd year and 1174 days.   | Do                     | above giving the detail description of the lands.  Begins with the introduction ycunements. Refers to the order of the king directing the transaction contained in   |
| 182 | Above the entrance into the same                                   | :                  | :   | :   | Do. ::                 | No. 179 above. Records that the kitchen was called after Vikrama-Chola.  |
| 188 | <u> </u>   | Choļa              | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-Chojadeva.  | 18th year   | Do                     | Becords that the second gopura (tirumaligai) of the Piramis-<br>vara templo was built by Aumaiappan Gandarasuryan  |
| 187 | On the east wall of the Patalisvara<br>temple in the same village. | Vijaya-<br>nagara. | Kampana-Udaiyar, son of Vira-Bukkana-<br>Udaiyar.   | Saku 1286, Krodhi,<br>Mesha, su. di.<br>trittya, Wednes-<br>day, Puradam. | Do                     | alias Sambuvarayan. Remission of taxes, by Goppanangal, on the lands in Kulottunga-solanallor alias Brahmisvarum, which was an unit village in Koliyapura-panu in Panaiyur-nadu, a subdivision of Kajaraja-ralanadu belonging to the temples of Piramisvaramudaja-Nayanar and Tirupagtalesaramu- |
| 186 | On the south wall of the same temple.                              | Chola              | Bajak6sariyarman alins Tribhuyanachak-<br>rayartin Kulottunga-Chōjadê∀a.  | [1]3th year   |                        | daiya-Nayanar at Rajaraja-ohaturvedimangalam which was a brahmadeya and a unit in itself. Incomplete. Begins with the word genewer. Records a gift of 16 ower for a lamp by a certain Alagan for having missed his aim and killed another individual in a hunting                                |
| 186 | Do. do.  | Do. :              | Tribhuvanachakravartin Kulöttunga-<br>Choladeva, 'who was pleased to take<br>Madurai (Madura), Ijam (Oeylon) and,<br>the crowned head of the Pandya.' | 26th ,,   | Do                     | excursion.  Gift of a gold diadem to Patalisaramudaiya-Nayanar at Eajaraja-chaturvedimangalam a brahmarfeya and a village unit in Panariya-nagu, a subdivision of Eajaraja-valandu by a merchant of Ulacamadasimusam, a otte   |
| 187 | Do. do.  | Do                 | Parakssarivarman alias Tribhuvanachak-<br>ravartin Vikrams-Choladsva.   | 14th ,,   | Do                     | (nagaram) in Oyma-nadu. Built in at the bottom. The introduction begins with the words garawson. Seems to record a gift of land.   |

ORDAGS.A)

C.--Stone inscriptions copied in 1918--cont.

| and the state of t | e and Remarks.            | Gift of land for worship and offerings in the temple of Patalisvaranudaiyar by Parantakan Suttamaliyar alias Mukkokkilanudigal for the growth of the arms (bhujam vardhikka) of king Rajendra-Chola. The king was then yosalian in the temple of Wais-raisformundaixar. | End lost and incomplete. Gift of two she buffaloss, one ox and two calves for a lamp in the temple of Patalisraramanaitya-Nayanar by Sengeni majngala migala mityanj Ammanapen Mananain Mitan A pusa alas Cholendrisinga Sunbuyarayan. | Registers that a certain shepherd (mangath) residing in Eydari, the southern hamlet of Rajaraja-chaturvedimangalum of Pansiyur-nadu in Rajaraja-valanadu received 32 cows and agreed to burn a perpetual lamp in the | rempte of thrupparameroquitation in Incomplete. | Begins with the introduction gugastessum, etc. Quotes the 21st year of Kulôttunga-Choladova. Records the girt of land by the assembly for worship to the in age of Aldai-Nachchiyar set up by Irungolar on the day of the Angelon and achidation of the marriage festival. | Ciff of land.   | Do.                                     | Gift of paddy.   |
|--|---------------------------|---|--|--|---|--|---|---|--|
|  | Language and<br>alphabet. | Tamil   | Do.  | Do.  | Do.   | Do.  | Do.   | Do.                                     | Do.  |
|  | Date.                     | 24th year and 230 Tamil days, Mesha, éu. di. Thursday, Puram.   | 16th year  | , dtb  | 18th ,,   | 14th year, Makara,<br>su. di. tritiya,<br>Wednesday, Pur-<br>attadi.   | isth year, Rishabha,  | 29th year and 342                       | th year  |
|  | King.                     | Parakészrivarman alias Tribhuvanachak-<br>ravartin Udaiyar Rajéndra-Choladéva I.  | Choladeva, who was pleased to take Madura, (Madura) and the orowied head of the Pandra)  | Tribbuvanschakravartin Kulottunga-<br>Choladeva.   | Do. do.   | Parakčsarivarman alias Tribhuvanachuk-<br>ravartin Kajarajadėva.   | Parakssarivarman alias Tribbuvauachak-<br>ravartin Vikrama-Choladeva. | Rajakesarivarman alias Rajadhirajadeva. | Rajakesarivarman alias Tribhuvanachak-<br>ravartin Virarajendradeva. |
|  | Dynasty.                  | Сћоја .   | Do   | Do. :  | Do  | Do   | Do  | Do                                      | Do   |
|  | Place of inscription.     | On the same wall C  |  | On the steps leading to the southern entrance of the same temple.  | ō   | Bo. do.  | Do. do.   | On the west wall of the same            | .195 On the north wall of the same temple.                           |
| -  | No.                       | 188   | 189  | 190  | 161   | 182  | 193   | 184                                     | . 195  |

D.-List of photographs taken during 1917-18.

| 1410   | rt.  |              |  |                   |
|--|--|--------------|--|-------------------|
| 141   Do.   A pillar in the same temple   Carvings in relief on the hill-aide near the Kanaka-Durga temple at Bezwada   Chintamani-Durga with a seated image to the right of it.   | Number<br>(continued<br>from the<br>last report) | Locality.    | Description.   | Size of negative. |
| 141   Do.   A pillar in the same temple   Carvings in relief on the hill-aide near the Kanaka-Durga temple at Bezwada   Chintamani-Durga with a seated image to the right of it.   |  |              |  |                   |
| 1412   Do.   A pillar in the same temple   Carvings in relic on the hill-aide near the Kanaka-Durga temple at Bezwada.   Durga    | 440  | Trichinopoly | View of the interior of the rock-cut temple at the foot of the hill. | Full plate.       |
| 142   Bezwada   Chintāmaṇi-Durgā with a seated image to the right of it.   | 4.41   | Do           | A pillar in the same temple  | Do.               |
| 100  | 442  | Bezwada      | Chintamani-Durga with a seated image to the right of                 | Half plate.       |
|  | 443  | Do           | Chintamani-Durga with an elephant surmounted by a                    | Do.               |
| A445   Do.   Prathama-Durgā   Do.   Sumbhāsuramardini-Durgā and Chāmundēšvarī   Do.   Raudra-Mahākālī   Do.   Some faint carvings   Do.   Do.   A48   Do.   Do.   With some inscriptions in Telugu.   Do.   Do.   Phulta   Inscription on a boulder (No. 830 of Appendix B)   Do.   Do.   Phulta   Inscription on a boulder (No. 830 of Appendix B)   Do.   Do.   Do.   Co.   Do.    | 444  | Do. •        |  | Do                |
| 446   Do.   Sumbhāsuramardinī-Durgā and Chāmunḍēśvarī   Do.   Do.   Haudra-Mahākalī   Do.   Do.   Some faint carvings   Do.   Do.   With some inscriptions in Telugu.   Do.    | 445  | Do           | Prathama-Durgā   | •                 |
| Haudra-Mahākāli  | 446  | <b>D</b> o   | Sumbhasuramardini-Durga and Chamundasvari                            | š                 |
| 148  | 447  | ' Th         | Pondes Mohalala  | t .               |
| Do.    |  | D.           |  | 1                 |
| Phulta   | -  | De           |  |                   |
| Palm-leaf manuscript from Tenali (beginning)   Do.   do. (end)   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Rajaraja II.   Do.   do. (another grant)   Do.   do. (another grant)   Do.   do. (another grant)   Do.   Do   | . 1  |              |  |                   |
| Do.   do.   (end)   Do.   Do.  |  | i '          | Poles lost manuscript (NO. 060 of Appendix B)                        |                   |
| Five Brahmi inscriptions  Seals of (a) Rajaraja Chūḍa-Ganga and (b) Chōla Rajaraja II.  The Muñjēru plates of Kokilivarma-Mahārāja Do. do. (another grant) Do. of Mangir Yuvarāja II Do. Do. of Kokuli-Vikramadītya Do. of Kokuli-Vikramadītya Do. of Kokuli-Vikramadītya Do. Holaukya-Bhīma I Do. Holaukya-Bhīma I Do. Seal of No. 462 above  The Garavapādu grant of Kākatīya Ganapati Quarte plate plate Full pl A66 Seals of (a) No. 464 above and (b, Eastern Ganga Rājēndravarma (No. 497 below). The Tāndivada grant of Prithivi-Mahārāja The Niduparu grant of Eastern Chāļukya Vijayaidhau II. Seals of (a) No. 474 below. The Niduparu grant of Eastern Chāļukya Vijayaidhau II. Seals of (a) No. 474 below. The Sēkharambu grant of Eastern Chāļukya Vijayā-dītya I. The Musinikunda grant of Eastern Chāļukya Vijayā-dītya I. The Sekharambu grant of Eastern Chāļukya Vijayā-dītya I. The Same (figures enlarged) A spurious grant of Eastern Chāļukya Vijayā-dītya I. The Same (figures enlarged) A spurious grant of Nētribhanjadēva The Kummadūru grant of Nētribhanjadēva The Mala-Maehada grant of Vidyādharabhanjadēva The Machehada grant of Vidyādharabhanjadēva The Machehada grant of Vidyādharabhanjadēva The Machehada grant of Vidyādharabhanjadēva The Komyāna grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva. The Komyāna grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva The Komyāna grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva. The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva. The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva The Attili grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva The Rāvulapaţi grant of Undirāja The Rāvulapaţi grant of Undirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Half pl Do. Bo. Bola Solo Solo Solo Solo Solo Solo Solo S   | 1  | • •          |  | Full plate.       |
| Seals of (a) Rājarāja Chōḍa-Ganga and (b) Chōṭa Rājarāja II.  The Muñjēru plates of Kokilivarma-Mahārāja  Do. do. (another grant) Do. of Mangi-Yuvarāja II Do. Do. of Mangi-Yuvarāja II Do. Do. of Mokuli-Vikramaditya Hold-461 Hold-461 Hold-462 Hold-463 Hold-463 Hold-463 Hold-464 Hold-465 Hold-465 Hold-466 Hold-466 Hold-466 Hold-466 Hold-466 Hold-466 Hold-467 Hold-468 Hold-468 Hold-468 Hold-469 Hold-468 Hold-469 Hold-469 Hold-469 Hold-469 Hold-460 Hold |  | • •          |  |                   |
| Hajaraja II. The Muñjēru plates of Kokilivarma-Mahārāja JDo. do. (another grant) Do. of Mangi-Yuvarāja II Do. JDo. of Kokuli-Vikramadītya JDo. Ho. of Kokuli-Vikramadītya JDo. JDo. of Kokuli-Vikramadītya JDo. JDo. of Kokuli-Vikramadītya JDo. JDo. of Kokuli-Vikramadītya JDo. JDo. JDo. of Kokuli-Vikramadītya JDo. JDo. JDo. JDo. JDo. JDo. JDo. JDo.   | j  | ••           | Five Brahmi inscriptions   |                   |
| Do.   do.   (another grant)   Do.   do.   (another grant)   Do.   do.    |  | * *          | Rājarāja II.   |                   |
| Do. of Mangi-Yuvaraja II   |  | • •          |  | - Do.             |
| 459 460-461 462 463 464 465 465 466 467 468 468 468 468 468 469 469 469 460 469 460 460 460 460 460 460 460 460 460 460  |  | ••           | - (thousand fitting)   | Do.               |
| Do. of Kokuli-Vikramaditya   Do.   |  | • •          | 0  | Do.               |
| The Garavapādu grant of Kākatiya Gaṇapati Do. Seal of No. 462 above plate  The Tāṇḍivaḍa grant of the Eastern Chālukya Vija- yāditya II. Seals of (a) No. 464 above and (b, Eastern Gaṇa Rājēndravarma (No. 497 below). The Tāṇḍivaḍa grant of Prithivī-Mahārāja   |  | ••           | Do. of Kokuli-Vikramāditya   | Do.               |
| The Garavapādu grant of Kākatīya Gaṇapati Do. Seal of No. 462 above  |  | •            | An incomplete grant of Chalukya-Bhima I                              | Do.               |
| Seal of No. 462 above  | 1  | • •          | The Garavapādu grant of Kākatīva Ganapati                            |                   |
| The Tāṇḍivaḍa grant of the Eastern Chālukya Vijayāditya II.  Seals of (a) No. 464 above and (b) Eastern Ganga Rājēndravarma (No. 497 below).  The Tāṇḍivaḍa grant of Pṛithivī-Mahārāja .  The Niduparu grant of Eastern Chālukya Jayasinha I.  The Musinikunda grant of Eastern Chālukya Vishnuvardhana III.  Seals of (a) No. 472 above and (b) Eastern Chālukya Vijayāditya I, No. 472 below.  The Sēkharambu grant of Eastern Chālukya Vijayāditya I.  The Inungaru grant of Chōla Rājarāja II .  A forged modern plate with figures .  The Same (figures enlarged) .  A spurious grant of Western Chālukya Vinayāditya .  The Karātaha grant of Nētribhanjadēva .  The Mula-Māchehāḍa grant of Nētribhanjadēva .  The Machehada grant of Nētribhanjadēva .  The Machehada grant of Nētribhanjadēva .  The Machehada grant of Nētribhanjadēva .  The Machehada grant of Nētribhanjadēva .  The Komyāna grant of Idaravarmadēva .  The Komyāna grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva .  The Kombaru grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva .  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva .  The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva .  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja .  Seals of Nos. 478, 488 and 495 above .  Half pl   | 463  | ••           | Seel of No. 469 above  | Quarter           |
| Seals of (a) No. 464 above and (b) Eastern Ganga Rājēndravarma (No. 497 below).  The Tandivada grant of Prithivī-Mahārāja  | 464-165  | • •          | The Tāṇḍivaḍa grant of the Eastern Chālukya Vija-                    | Full plate.       |
| The Tāndivada grant of Prithivī-Mahārāja The Nidupagu grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Musinikunda grant of Eastern Chālukya Vishnuvardhana III. Seals of (a) No. 472 above and (b) Eastern Chālukya Vijayāditya I, No. 474 below. The Sēkharambu grant of Eastern Chālukya Vijayāditya I. The Inungagu grant of Chōla Rājarāja II A forged modern plate with figures The same (figures enlarged) The same (figures enlarged) The Augurious grant of Nētribhanjadēva The Kummadūru grant of Sāmbhu-Chōda Do. The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva The Machchada grant of Nētribhanjadēva The Machchada grant of Indravarmadēva The Komyāna grant of Vasabhanjadēva The Komyāna grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva The Kombaru grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Rāvulapagti grant of Undirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Bals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Toda Trien Indra and 10 of Appendix A   | 466  | • •          | Seals of (a) No. 464 above and (b) Eastern Ganga                     | Half plate.       |
| The Nidupagu grant of Eastern Chālukya Jayasimha I.  The Musinikunda grant of Eastern Chālukya Vishnuvardhana III.  Seals of (a) No. 472 above and (b) Eastern Chālukya Vijayāditya I, No. 474 below.  The Sēkharambu grant of Eastern Chālukya Vijayāditya I.  The Inungagu grant of Chōla Rājarāja II  A forged modern plate with figures  The Same (figures enlarged)  A spurious grant of Western Chālukya Vinayāditya  The Kummadūru grant of Sambhu-Chōda  The Arātaha grant of Nētribhanjadēva  The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machohada grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machohada grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machohada grant of Indravarmadēva  The Komyāna grant of Indravarmadēva  The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Atili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulapagti grant of Uṇḍirāja  Seals of Nos. 478, 488 and 495 above  Half pl  Do.  Half pl  Do.  Half pl  Do.  Half pl  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do   | 467-469  |              | The Tandivada grant of Prithing Moharain                             | D . 11 . 1 . A .  |
| Half pl vardhana III. Seals of (a) No. 472 above and (b) Eastern Chāļukya Vijayāditya I, No. 474 below. The Sēkharambu grant of Eastern Chāļukya Vijayāditya I, The Inungagu grant of Chōla Rājarāja II A forged modern plate with figures The same (figures enlarged) A spurious grant of Western Chāļukya Vinayāditya The Kummadūru grant of Sāmbhu-Chōda The Kummadūru grant of Nētribhanjadēva The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva The Machchada grant of Nētribhanjadēva The Amērasinga grant of Indravarmadēva The Amērasinga grant of Indravarmadēva The Komyāna grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva. The Tāmvoddi grant of Eastern Chāļukya, Chāļukya-Bhīma I. The Rāvulaparti grant of Undirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.  Do. Half pl Do.   |  |              | The Niderpary grant of Frederic Chaladaraja                          |                   |
| Seals of (a) No. 472 above and (b) Eastern Chālukya Vijayāditya I, No. 474 below. The Sēkharambu grant of Eastern Chālukya Vijayāditya I. The Sēkharambu grant of Chōla Rājarāja II  |  | • •          | Ine Musinikunda grant of Eastern Chālukva Vishnu-                    | Half plate.       |
| The Sēkharambu grant of Eastern Chālukya Vijayā-ditya I.  The Inungaru grant of Chōla Rājarāja II Do.  A forged modern plate with figures Full pl.  A forged modern plate with figures Do.  The same (figures enlarged) Do.  A spurious grant of Western Chālukya Vinayāditya Do.  The Kummadūru grant of Sambhu-Chōda Do.  The Mula-Māchehāda grant of Vidyādharabhanjadēva Do.  The Mula-Māchehāda grant of Vidyādharabhanjadēva Do.  The Machehada grant of Nētribhanjadēva Do.  The Amērasinga grant of Indravarmadēva Do.  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva Do.  The Komyāna grant of Eastern Chālukya Jayasinha I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Attili grant of Undirāja Do.  Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja Do.  Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  | . 473  | ••           | Seals of (a) No. 472 above and (b) Eastern Chālukva                  | Do.               |
| The İnungaru grant of Chōla Rājarāja II A forged modern plate with figures The same (figures enlarged) Do.  A spurious grant of Western Chālukya Vinayāditya Do.  The Kummadūru grant of Sambhu-Chōda Do.  The Kummadūru grant of Nētribhanjadēva Do.  The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva Do.  The Machchada grant of Nētribhanjadēva Do.  The Amērasinga grant of Indravarmadēva Do.  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva Do.  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva Do.  The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavar madēva.  The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Uṇḍirāja Do.  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Do.  Bols of Nos. 11 and 15 of Appendix A Do.  | 474  | ••           | The Sēkharambu grant of Eastern Chālukya Vijayā-                     | Do.               |
| A forged modern plate with figures  The same (figures enlarged)  A spurious grant of Western Chālukya Vinayāditya.  The Kummadūru grant of Sambhu-Chōda  The Arātaha grant of Nētribhanjadēva  The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machchada grant of Nētribhanjadēva  The Machchada grant of Nētribhanjadēva  The Amērasinga grant of Indravarmadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha  I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva.  The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja  Seals of Nos. 478, 488 and 495 above  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Do.  | 175  |              |  | _                 |
| The same (figures enlarged)  A spurious grant of Western Chālukya Vinayāditya.  The Kummadūru grant of Sambhu-Chōḍa  The Arātaha grant of Nētribhanjadēva  The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machchada grant of Nētribhanjadēva  The Amērasinga grant of Indravarmadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha  I.  The Madhipathara grant of Eastern Gaṅga Anantavarmadēva.  The Tāmvoddi grant of Eastern Gaṅga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  |  | • •          | A forced and an all though Rajaraja II                               |                   |
| A spurious grant of Western Chāļukya Vinayāditya.  A spurious grant of Western Chāļukya Vinayāditya.  The Kummadūru grant of Sambhu-Chōḍa  The Arātaha grant of Nētribhanjadēva  The Mula-Māchehāḍa grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machehada grant of Nētribhanjadēva  The Amērasinga grant of Indravarmadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Kombaru grant of Eastern Chāļukya Jayasimha  I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva.  The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chāļukya, Chāļukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja  Seals of Nos. 478, 488 and 495 above  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Do.  The Malf pl  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A   | . 1  | • •          | The same (farmer plate with figures                                  | Full plate.       |
| The Kummadūru grant of Sambhu-Chōda  The Arātaha grant of Nētribhanjadēva  The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva  The Machchada grant of Nētribhanjadēva  The Machchada grant of Nētribhanjadēva  The Amērasinga grant of Indravarmadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Komyāna grant of Yasabhanjadēva  The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha  I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva.  The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja  Seals of Nos. 478, 488 and 495 above  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Do.  Half pl  Do.  Half pl  Do.  |  | • •          | A spurious grant of W  | Do.               |
| The Arātaha grant of Nētribhanjadēva  The Mula-Māchchāda grant of Vidyādharabhanjadēva The Machchada grant of Nētribhanjadēva The Machchada grant of Nētribhanjadēva The Amērasinga grant of Indravarmadēva The Komyāna grant of Yasabhanjadēva The Komyāna grant of Yasabhanjadēva The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I.  The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva. The Tāmwoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja Seals of Nos. 178, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Do.  Half pl Do.  Do.  Half pl Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.   |  | • •          | The Kymned-  | Do.               |
| The Mula-Māchchāḍa grant of Vidyādharabhaṇjadēva The Machchada grant of Nētribhaṇjadēva The Amērasiṅga grant of Indravarmadēva The Komyāṇa grant of Yasabhaṇjadēva The Komyāṇa grant of Yasabhaṇjadēva The Komyāṇa grant of Yasabhaṇjadēva The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Gaṅga Anantavarmadēva. The Tāmwoddi grant of Eastern Gaṅga Rājēndravarmadēva. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Rāvulaparti grant of Uṇḍirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A   |  | ••           | The Araba and grant of Sambhu-Choda                                  | Do.               |
| 188-489 490-491 492-494 192-494 195-196 1 The Machenada grant of Nětribhanjaděva The Komyāna grant of Yasabhanjaděva The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmaděva. The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmaděva. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Attili grant of Uṇḍirāja Seals of Nos. 178, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  |  | ••           | The Mule Market of Netrobanjadeva                                    | Do.               |
| 188-489 490-491 492-494 192-494 195-196 1 The Machenada grant of Nětřibhanjaděva The Komyāna grant of Yasabhanjaděva The Komyāna grant of Yasabhanjaděva The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmaděva. The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmaděva. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Attili grant of Undirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  |  | ••           | The Machelant of Vidyadharabhanjadeva                                | Do.               |
| The Komyāna grant of Yasabhanjadēva The Kombaru grant of Yasabhanjadēva The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva. The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Rāvulaparti grant of Undirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Do. Half pl Do. Do. Do. Half pl Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do.   |  | ••           | The machenada grant of Netribhaniadeva                               | Do.               |
| The Komyana grant of Yasabhanjadēva The Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva. The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva. The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I. The Rāvulaparti grant of Uṇḍirāja Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A   |  | ••           | The Amerasinga grant of Indravarmadeva                               | Do.               |
| 1. The Madhipathara grant of Eastern Chālukya Jayasimha I. The Madhipathara grant of Eastern Ganga Anantavarmadēva.  The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndravarmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Uṇḍirāja Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  Do.  |  | • e          | The homyana grant of Yasabhanjadeva                                  |                   |
| The Tāmvoddi grant of Eastern Ganga Rājēndra- varmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya- Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 190 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 190 of Appendix A   |  | • 2          | Ine Kombaru grant of Eastern Chālukya Jayasimha                      | Do.               |
| varmadēva.  The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja   | ţ  | ••           | madeva.  | Do.               |
| The Attili grant of Eastern Chālukya, Chālukya-Bhīma I.  The Rāvulaparti grant of Undirāja   | 497-499  | ••           | The Tamvoddi grant of Eastern Ganga Rajendra-<br>varmadēva.          | Do.               |
| The Rāvulaparti grant of Undirāja  Seals of Nos. 478, 488 and 495 above  Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 15 of Appendix A   | 500-501  | • •          | The Attili grant of Eastern Chalukva, Chalukva                       | Do.               |
| 503 504 Seals of Nos. 478, 488 and 495 above Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 20 of Appendix A  | 502  | ••           |  | 35.               |
| Seals of Nos. 11 and 15 of Appendix A  Seals of Nos. 14 and 20 of Appendix A   | 1  |              | Deals of Nos. 478, 488 and 495 ahore                                 |                   |
| 505 Sould of Nov. 14 and 20 of A   | - 4  | ••           | Seals of Nos. 11 and 15 of Annandin A                                | Half plate.       |
| The state of the s |  |              | Seals of Nos. 14 and 20 of Annandia A                                | _                 |
|  |  |              | Brāhmī inscriptions  | Do.               |
| Full pla   |  | •            |  | Full plate.       |

APPENDIX E.- Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18, calculated by the Officiating Epigraphist with the assistance of M.R.Ry. Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal, M.A., B.L., L.L.B., I.S.O.

Note.—The following abbreviations have been employed in these statements:—
1. Su. and ba., respectively, for Suklapaksha and Bahulapaksha, the bright and dark fortnights of the lunar month.
2. The ending moments of tithis and nakshatras are expressed as decimal parts of the day, and in a normal date the first decimal shows the ending moment of the tithi and the second the ending moment of the nakshatra. Thus the

A.D. 1510: Monday, Decr. 30; '94; '50 means that on the day in question the tithi quoted in the inscription ended at '94 of the day, i.e., 56½ ghafikas after mean sunrise, while the nakshatra quoted in the inscription ended at '50 of the day, i.e., 30 ghafikas after mean sunrise. A key to this decimal notation will be found in the book-marker supplied with "Indian Ephemeris" A.D. 1800—2000 by the author.

with "Indian Ephemeris" A.D. 1800—2000 by the author.

When only the tith is quoted, its ending moment is shown by decimal figures next to the day of the month, thus, "A.D. 1289, Monday, Nov. 28, '70' is a convenient way of indicating the fact that a tith ended at '70 of the day (42 ghatikas after sunrise) on 28 Nov. A.D. 1289, which was Monday.

3. When a tith or nakshatra that is quoted in a record only commenced on the week-day quoted in the same record the fact is indicated by the symbols f.d.t. or f.d.n. Thus:

"Wednesday 6 Ap. A.D. 1384; '68; f.d.n. '29' means that the tith quoted in the inscription ended at '68 (= 41 ghatikas after sunrise) on Wednesday, 6 Ap. A.D. 1384, but that the nakshatra quoted in the inscription only commenced on Wednesday and came to end at '29 (= 17½ ghatikas after sunrise) on the following day, Thursday.

Similarly "Friday, Ap. 26; f.d.t. '08; f.d.n. '13' means that the tith and nakshatra quoted were current for the greater part of Friday, but came to end next day at '08 (= 5 ghatikas after sunrise) and '13 (= 8 ghatikas after sunrise), respectively, on Saturday.

4. An asterisk after the figure indicating a Śaka year (e.g. Ś. 1235\*) means, as in Kielhorn's list of dates, that the year is current, not expired.

year is current, not expired.

5. When it is necessary to distinguish the name of a nakshatra from that of a month and generally, as a useful convention, the names of nakshatras are printed between inverted commas, thus "Magha" is the nakshatra, Magha is the month.

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks  |
|--------------|-----------------------------------|--|
|              | <u>'</u>                          | Pallava.   |
|              |                                   | Kōpperuñjiṅgadēva.   |
| <b>191</b> 8 | 62                                | 25th year, Kumbha, śu. di. trayödaśi, Sunday, Pūrva-Phalguni = A.D. 1268, Sunday, January, 29; 45; 88. 'Pūram' is a mistake for Pūśam (Pushya).  |
| **           | 65                                | 16th year, Rishabha, su. di. saptamī, Monday, 'Uttara-Phalgunī = A.D. 1258, Monday, May 13; 28; 63. Saptamī seems to be a mistake for navamī.  |
| "            | 69                                | 2nd year, Vrišchika, ba. di. trayodašī, Sunday, Aśvati = A.D. 1244, Sunday, November 13. Ba. 13 began at 22 and Aśvati ended at 40.  |
| "            | 73                                | 10th year, Simha, su. di. panchami, Monday, Revati = A.D. 1254, Monday, August 3; ba. 5 began at '99 and Revati at '51. The date is unsatisfactory; moreover, the 10th regnal year probably came to end in February—July 1253 A.D.   |
| 77           | 83                                | 6th year, Mīna, ba. di. shashthī, Wednesday, Mūla. No satisfactory equivalent whether regnal year is 6 or 9; i.e. in A.D. 1249 or A.D. 1252.   |
|              | 85                                | l 3rd vear [Simha], śu. di. daśawi, Monday, Pushya. Irregular.   |
| "            | 170                               | 27th year, Vrischika, [su.] di. saptamī, Saturday, Dhanishṭhā. = A.D. 1269, Saturday, November 2; 25; 79.  |
|              |                                   | Chola.   |
|              | l                                 | Rājarājadēv <b>a</b> I.  |
| 1917         | 356                               | 10th year, Rishabha, Thursday, Viśākhā. Details not enough for verification. The nearest equivalent is A.D. 995, May 16, Thursday. In this case however the given nakshatra had ended the previous day at 95.  |
| "            | 362                               | 12th year, Dhanus, Tuesday, Aślēshā. = A.D. 996, December 1st, Tuesday. On this day the nakshatra commenced at 39, ending at 50 the following day. [The tithi was ba. 3 which ended at 13.]  |
|              |                                   | Parakêsarivarman Rājēndra-Chōļa 1.   |
| ,,           | 335                               | 25th year and 112th day, Kanni, ba. di. Thursday, Punarvasu = A.D. 1036, September 16, Thursday 26; 74. [The tithi was ashṭamī.] Reign, according to Kielhorn, began between 27th March and 7th July A.D. 1012. The present  |
| ••           | 341                               | date (112th day) indicates that regnal years changed about May 27th.  30th year and 27th day, Karkaṭaka, ba. di. daśamī, Thursday, Krittikā =  A.D. 1041, June 25, Thursday, f.d.t. 08; f.d.n. 76. The tithi and the  nakshatra commenced on this day at 09 and 76 respectively. By Garga  and Brahma Siddhāntas nakshatra would have commenced about 25 of day.  The beginning of the reign inferred from this date (about May 29) agrees  with that arrived at from the previous date. |
|              |                                   | 1172, Home (Edn.)—28   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18 -cont.

|               | Number            | •   |
|---------------|-------------------|---|
| Year.         | inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|               |                   | CHOLA—cont.   |
|               |                   | Parakēsarivarman Rājēndra-Chōļa I—cont.   |
| 1918          | 188               | 24th year and 230th day, Mēsha, śu. di. Thursday, Pūram = A.D. 1036, April 8, Thursday. On this day the nakshatra commenced at 50. [Tithi was daśami 69.] fd.n. 45. According to this date (230th day) regnal years must hvae changed about August 20.  |
|               |                   | Rājakēsarivarma <b>n Rāj</b> ādhirāja <b>I.</b>   |
| 1917          | 330               | 30th year, Mīna, śu. di. Tiruvādirai, Friday = A.D. 1048, February 26, Friday; Ārdrā ended at 05. [Tithi was śu. navamī 25.]  |
|               | 947               | Rājakēsarivarman Kulöttunga I.  |
| "             | 347               | 30th year and 24th day, Kumbha, ba. di. dvitīyā, Thursday, Uttiram. Thursday is perhaps mistake for Wednesday = A.D. 1099, February 9, Wednesday 93; 79. Regnal year in February A.D. 1099 was not the 30th but 29th. Date is unsatisfactory.   |
| ,,            | 348               | [3]8th year and 50th day, Karkataka, ba. di. shashthi, Saturday = A.D. 1107, July 13, Saturday. [Nakshatra was Revati 49.]. Ba. 6 ended at 32. Regnal   |
| 1918          | 158               | year must have changed about May 24.  41st year and 294th day, Vrishabha, ba. di. [trayō laśī], Tuesday, Anisham. On Tuesday 23rd May A.D. 1111, Nak. "Anurādhā" began at 05. Tithi was śu. 13 which came to end at 07. Beginning of regnal year, indicated by 294th day is August 3. (According to Kielhorn reign began between 14th March and 8th October A.D. 1070).  Vikrama-Chōla.                               |
| 7)            | 160               | 15th year, su. di. trayodasī, Wednesday, Punarvasu. The 15th year corresponds to A.D. 1132-33 and the month intended is Makara. On January 10, Wednesday, Punarvasu.  |
| ,,            | 193               | nesday A.D. 1134 (but this was in the 16th year), Punarvasu commenced at 29; f.d.n. 23. The tithi was trayodasi 52.  15th year, Rishabha, su. di. saptami, Monday, Puram. = A.D. 1132, May 23, Monday, 34; 68. (According to Kielhorn, 15th year would not have commenced till 29th June A.D. 1132.)  |
|               |                   | Rājarāja II.  |
| <b>3</b> )    | 192               | 14th year, Makara, śu. di. tritīyā, Wednesday, Pūratṭādi = A.D. 1160, January 13, Wednesday. On this day the nakshatra commenced at 21, and tithi ended at 65; f.d.n. 27.   |
|               |                   | Tribhuvanachakravartin Rājādhirāja II.  |
| 1917          | 224               | 6th year, Mithuna, śu. di. tritīyā, Saturday, Punarvasu = A.D. 1169, May 30; 91; 39. The week day was Friday and not Saturday. Neither tithi nor nakshatra was current on Saturday, both having come to end on Friday.  |
|               |                   | Kulõttunga-Chō ļa III.  |
| **            | 226               | 11th year, Makara, śu. di. saptamī, Monday, Uttirattādi = A.D. 1188<br>December 26, Monday. During the whole of the day the tithi was saptamī   |
| -27           | 233               | which came to end at '02 on Tuesday nakshatra ended at '25 on Monday. 38th year, Makara, śu. di. ēkādaśī, Saturday, Rōhiṇī = A.D. 1216, January 2, Saturday 46; '76.  |
| • •           | 242               | 9th year, Rishabha, 8, Saturday, Pushya = A D. 1187, May 2 (Rishabha 8) Saturday. The <i>Nakshatra</i> on this day was Dhanishthā and not Pushya.   |
| 11            | 243               | 15th year, Dhanus, ba. di. Wednesday, Hasta. = A.D 1194, December 7. Wednesday. [Tithi was ashṭamī which ended at 17.] f.d.n. 63.   |
| <b>&gt;</b> 3 | 350               | 42nd year and 50th day, Simha, ba. di. ēkādasī, Thursday, Pushya=A.D. 1185. August, 22, Thursday, f.d.t. ·08; f.d.n. ·78. The tithi and nakshatra commenced on this day at ·17 and ·84 respectively. Beginning of nakshatra by Brahma and Garga siddhantas would have been the same. Day of regnative year agrees closely with the beginning of reign as arrived at by Kielhorn (between 6th and 8th July A.D. 1178). |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.    | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|----------|-----------------------------------|---|
|          |                                   | Chola—cont.   |
|          |                                   | Kulōttuṅga-Chō la III—cont.   |
| 1918     | 2                                 | 35th year, Mīna, śu. di. saptamī, Monday, Rōhinī. On Thursday, February 28 A.D. 1213, śu. 7 began at '24 and "Rōhinī" ended at '63. The week day however was not Monday but Thursday.   |
| 31       | 24                                | 40th year, Rishabha, ba. di. Wednesday, pañchamī, Mūla = A.D. 1217, April 26, Wednesday; f.d.t. 69; 33; tithi commenced at 80 on this day. But April 1217 A.D. fell in 39th regnal year according to Kielhorn.  |
| 2)<br>1) | 93<br>94                          | 6th year, Makara, śu. di. daśamī, Hasta. Cannot be verified for want of week-day.  14th year. Makara, śu. di. daśamī, Anurādhā. The date cannot be verified for want of week-day.   |
| 1,       | 176                               | 4th year, Dhanus, su di chaturthī, Friday, Avittam. = A.D. 1181, December, Friday 11, '75; '93.   |
|          | 001                               | Tribhuvanachakravartin Rājarājadēva III.  |
| 1917     | 221                               | [1]3th year, Kanni, ba. di. dvādašī, Thursday, Svāti. The date is irregular. The given details do not work out correctly for the 13th or the 23rd year of Rājarāja III or of Rājarāja II. In A.D. 1229 Kanni, ba. 12 fell on a Sunday and the nakshatra was Makhā.  |
| "        | 231                               | 14th year, Mīna, śu. di. chaturdaśī, Wednesday, Makhā = A.D. 1230, February 27. Wednesday '85. '14.   |
| **       | 245                               | 5 + 1st year, Dhanus, ba. di. chaturdasī, Wednesday, Anusham. There is no date corresponding to this in A.D. 1221, the 6th regnal year.   |
| .33      | 247                               | 21st year, Tulā, ba. di. saptamī, Wedesday, Pushya = A.D. 1236, October 22, Wednesday. During the whole of the day the tithi was saptamī, f.d.n. 77.  |
| 3)       | 250                               | 6 + 1st year, Mēsha, śu. di. chaturdaśī, Saturday, Šittirai (Chitrā) = A.D. 1223, April 15, Saturday; 87; 71.   |
| ,,       | 256                               | 10th year, Simha, śu. di. trayodaśi, Sunday, Śrāvana = A.D. 1225, August 17, Sunday; 88; 72.  |
| "        | 315                               | 4th year, Simha, Wednesday, Pushya, śu. di. trayōdaśi. In A.D. 1220, on Wednesday, July 29 which fell in or immediately after close of 4th year (regnal year began according to Kielhorn between 27th June and 10th July 1216) ba. 13 (not śu. 13) in Simha, ended at 23 and Nak. 'Pushya'  |
| 1918     | 38                                | ended at '94.  19th year, Simba, ba. di. tritīyā, Wednesday, Rēvatī. No suitable date could be found to answer the details; in Simba of the year A.D. 1234-35 corresponding to the 19th year of the reign or in 1251-2, the 16th year.  |
|          |                                   | Rājēndra-Chōļa III.   |
| "        | 10                                | 4th year, Tula, śu. di. saptamī, Thursday, Uttarāshāḍhā = A.D. 1249, October 14, Thursday; 66; 60.  PANDYA.   |
|          |                                   | Raṇamukharāmaṇ Perumāļ Vīra-Pāṇḍyadēva.   |
| "        | 104                               | 21st year, Tulā, śu. di. trayōdaśī, Rēvatī. Date cannot be verified for want of   |
|          |                                   | Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāṇḍya.  |
| 1917     | 249                               | 2nd year, Vrišchika, ba. di. shashthī, Friday, Pushya.  A.D. 1272, November 11, Friday (= Vrišchika 15); f.d.t. 64; 75. This is a possible date for Mār. Sundara-Pāṇḍya, if a king with that name began to reign in A.D. 1271 as conjectured in notes against No. 347 of 1916—Annual Report for 1916-17, page 90.   |
|          |                                   | Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Rājarājaņ Sundara-Pāndya.   |
| 2)       | 248                               | 13th year, Kumbha, su. di. tritīyā, Wednesday, Śadaiyam. In A.D. 1288, which fell in the 12th year of Jatāvarman Sundara-Pāndya (whose reign began in February—March. A.D. 1277—vide page 97, Annual Report for 1915—16), January 7th, Wednesday '90; '99 answers to most of the given details: but the month was Makara, not Kumbha, and regnal year was 12th not 13th. In an inscription at Tiruvarangulam in Pudukköttai State the surname Rājarājan has been found associated with Jaṭāvarman Sundara-Pāndya "Samastajagad, etc." who came to the throne in A.D. 1251: but the present details are not found in that reign. |
|          |                                   | Pandya "Samastajayad, etc." who came to the throne in A.D. 1251:  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year. | Numbe<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomy 2013 2014 the Through a control to the control of the co |
|-------|----------------------------------|--|
|       |                                  | PANDYA—cont.   |
|       |                                  | Tribh <b>uv</b> anachak <b>r</b> avartin Vīra-Pāṇḍya.  |
| 1918  | 66                               | 8th year, Tulā, śu. di. tritīyā, Saturday Rōhinī. The paksha should be bahula not śuddha. With ba. 3, we have an equivalent on Saturday, October 23 (= Tulā 26) A.D. 1260; f.d.t. 03; 29.  The 3rd tithi was current throughout Saturday. In the notes at page 98 of Annual Report for 1915-1916, it was pointed out that the dates of the reign of Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya of llam and Kongu fame pointed, some to A.D. 1253, and others to A.D. 1254, the majority pointing to A.D. 1254. The present date points to A.D. 1253.   |
|       |                                  | Māravarman Tribhuvanachakravartin Vikrama-Pāṇḍya.  |
| 1917  | 426                              | 5th year, Kārttigai, ba. di. tritīyā, Thursday, Rōhinī = A.D. 1254, October 29, Thursday when ba. 3 commenced at 39, f.d.t. 33; 24. But it is very doubtful whether the reign of any Māravarman Vikrama-Pāṇdya began in or about A.D. 1250.  |
| "     | 427                              | 5th year, Aippasi, 30, su. di. paurnamī, Tuesday. In A.D. 1254, on October 27, Tuesday, which was the 30th day of Tula or Aippasi, the paurnamī tithi ended at 51. As a date containing a reference to the day of the solar month this is worth studying side by side with No. 704 of 1916 (Annual Report for 1916-17 page 92); but in the present uncertainty as to the date of commencement of this reign it is useless to speculate further.  |
| 1918  | 82                               | 3rd year, Makara, śu. di. trayōdaśī, Monday, Pushya. On account of the uncertainty of this reign it is not possible to investigate this date with any degree of confidence. It may be noted however that the given details are satisfied in A.D. 1274, Jan. 22 (= Makara 28), Monday on which day śu. 13 and Pushya ended respectively at '07 and '99 of day. If this was the 3rd year A.D. 1284 would be the 13th year for which see No. 704 of 1916, Annual Report for 1916-17 page 92.  |
|       |                                  | Māravarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāṇḍya.   |
| 1917  | 422                              | [2] 3rd year, Rishabha, su. di. pañchami, Wednesday, Pushya = A.D. 1357, Wednesday, May 24 (= Rishabha 29); *83; *01. This reign has to be dated from A.D. 1334—See N.B. on page 90 of Annual Report for 1916-17.  |
|       |                                  | Jaṭāvarman Vīra-Pāṇḍya.  |
| "     | 432                              | 3rd year, Vrišchika, 13, ba. di. shashthi Thursday, Ayilyam = A.D. 1256,<br>November 9, (= Vrišchika 13, Thursday 71; f.d.n. 05. The nakshatra   |
| "     | 437                              | commenced at 10 on this day.  15th year, Vrischika, su. di. panchami, Monday. = A.D. 1267, November 21, Monday. On this day su. 5 commenced at 58, and the nakshatra must be Sravana which commenced at 39, f.d.t. 62; f.d.p. 44.  |
|       |                                  | $m{M}$ ā $_{m{r}}$ avar $m{m}$ an $m{T}$ ribhuva $m{n}$ achak $m{r}$ avar $m{t}$ in $m{B}$ huva $m{n}$ acik $m{a}$ v $m{v}$ īra $m{n}$ $m{K}$ ula $\hat{m{e}}$ e $m{k}$ ha $m{r}$ ad $m{e}$ va $m{I}$ .  |
| n     | 260                              | 22nd year, Karkataka, śu. di. prathamā, Thursday, Pūśam = A.D. 1291, June 28, Thursday 58; 90.   |
| .,    | 263                              | 22nd year, Karkataka, śu. di. prathamā, Thursday, Pūśam. Same as No. 260 above.  |
| [     |                                  | Tribhuvanachakravartin Könerinmaikondān Sundara-Pāndyadēva.  |
| 1918  | 84                               | 13 + 1st year, and 237th day, Kumbha, śu. di. trayōdaśī, Monday, Pushya. = A.D. 12, Monday February 12 (= Kumbha 19); ·89, ·25. This was in the 14th year of the reign which began in February— March 1277 A.D. as noted at page 97 of Annual Report for 1915-1916.  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|-----------------------------------|--|
|       |                                   | PANDYA—cont.   |
|       |                                   | Māravarman Tribhuvanachakravartin Kulaśēkhara I.   |
| 1917  | 483                               | 4th year, Simha, ba. di. navamī, Friday, Rōhinī = A.D. 1271 July, 31, Friday. Ba. 9 commenced at '03 and nakshatra at '23 f.d.t. '02; f.d.n. '24.  |
| ,,    | 636                               | 4th year, Kanni, 22, śn. di, chaturdaśī, Saturday, Uttiraṭṭādi = A.D. 1271, September 19, Saturday 46; f.d.n. 03; the nakshatra commenced at 11 on this day.   |
|       |                                   | Māravarman Tribhuvanachakravartin Kulaśēkhara II.  |
| "     | 415                               | 7th year, Kumba, 13, śu. di. ashṭamī, Friday, Rōhinī. This date has been already calculated by M.R.By. Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal (vide <i>Indian Antiquary</i> Vol. XLII, p. 228). The regnal year has been corrected from 4 in the inscription. The equivalent is A.D. 1321, February 5, Friday, 58; 93.  Vīra-Pāndya.  |
| ,,    | 422                               | 23rd year. Rishabha, su. di. pañchamī, Wednesday, Pushya = A.D. 1445, May  |
| ,,    | 452                               | 12, Wednesday, 12; 28.<br>Śaka 1368, Mesha 15, chaturdaśi, Sunday, Hasta = A.D. 1446, April 10,<br>Sunday, 73; 10.   |
|       |                                   | Arikēsari Parākramadēva.   |
| ,,    | 507                               | Śaka 1374, Vriśchika 16, śu di. dvitīyā, Monday, Mūlā = A.D, 1452, Novem-  |
| ,,    | 518                               | ber, 13, Monday; 58; 89.<br>Śaka 1385, Mīna 10, śu. di. navamī, Friday = A.D. 1464; March 2, Friday, 38; 57.   |
| 33    | 547                               | Śaka 1385, 31 + 1ith year, Karkataka 30, śu. di. trayōdaśī, Thursday, Uttirāḍam = A.D. 1463, July 28, Thursday, 38; 88.  |
|       |                                   | Jaṭilavarman Kulōttuṅga-Pāṇḍya 'born in asterism Jyēshṭhā.'  |
| ,,    | 569                               | 2 + 41st year, Śaka 1388, Vyaya, Mithuna 29, śu. di. trayōdaśī, Thursday, Kēṭṭai (Jyēshṭhā) = AD. 1466, Thursday, June (26 = Mithuna 29), 34; 12.  |
|       |                                   | Kulaśêkharadēva.   |
| **    | 519                               | Śaka 1390, 2 + 37th year, Tulā 13, ba di. ēkādasī, Wednesday, Uttiram = A.D. 1468, October 12, Wednesday, '08; f.d.n. '27.   |
|       |                                   | Jatılavarman Tribhuvanachakravartin Arikêśvaradēva.  |
| ,,    | 541                               | Saka 1[3]90, 2+30th year, Simha, 21, su. di. dvitiyā = A.D. 1468, August 19, Friday, 94.   |
|       |                                   | $Par\bar{a}kra[ma]-P\bar{a}ndya$ $VVa-Panuyaaeoa$ .  |
| "     | <b>54</b> 8                       | Saka 1402, 18th year, Vrišchika, ba. di. dašamī, Sunday, Hasta. On A.D. 1480, November, 26, Sunday, ba. 10 began at 36 and ended at 26 on the following day, while "Hasta" ended at 86 on Sunday.  |
|       |                                   | Jatilavarman Tribhuvanachakravartin Ponnipperumāl Parākrama-Pāndya.  |
| ,,    | 401                               | <ul> <li>Śaka 1202, 5th year, Simha 18. ba. di. ashṭamī, Wednesday, Rōhinī. The date is too early. Calculated for the possible initial dates Śaka 1344, 1389, 1395 and 1402 the details do not work out for the first and the second and the approximate results arrived at for the other two are as follow:— <ol> <li>A.D. 1473, August 16, Monday, '22; '33. But the week-day is Monday not Wednesday.</li> <li>A.D. 1481, August 17 (= Simha 18) Friday (not Wednesday) f.d.t. '03; '99. Ba. 8 was current throughout the day.</li> </ol> </li> </ul> |
|       |                                   | 1172, Home (Edn.)—29   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | Pandya-cont.  |
| •          |                                   | Parākrama-Pāṇḍyadēva.   |
| 1917<br>,, | 520<br>& 521<br>551               | Śaka 1406, 2 + 9th year, Kārttigai 28, śu. di. ashṭamī, Friday, Uttiraṭṭādi = A.D. 1484, November 26, Friday. Uttiraṭṭādi began at 07 on this day. Śaka 1406, 2 + 9th year, Vriśchika 28, śu. di. ashṭamī, Friday, Uttiraṭṭādi. Same as No. 520 above.  |
|            |                                   | Jațilavarman Alagan-Perumāl Parākrama 'born in Avițțam'.  |
| 33         | 664                               | Śaka 1425, 2 + 28th year, Kumba, śu. di. dvādašī, Sunday, Tiruvādirai = A.D. 1504, January 28, Sunday.  |
|            |                                   | Érīvallabha.  |
| <b>5</b> ' | 461                               | Šaka 1355, Rishabha, 14, śu. di. dvitīyā, Mrigašīrsha = A.D. 1433, May 20, Wednesday, on which day śu. 2 began at 19 and ended on the next day at 19 while "Mrigašīrsha" ended at 34 on the same day. Tēdi 14 is mistake for tēdi 24.   |
|            |                                   | Jaṭāvarman Parākrama-Pāṇḍya 'born in Krittikā'.   |
| "          | 502                               | Śaka 1419, 18th year, Simha 2, su. di. tritīyā, Tuesday, Uttiram = A.D. 1497, August 1, Tuesday (= Simha 2); 21; 41.  |
| ,,         | 503                               | Saka 1412, 11th year, Kumbha 18, su. di. pañchamī, Sunday, Asvati = A.D. 1491, February 13, Sunday; '78; '39.   |
| ,,         | 504                               | Śaka 1419, 18th year, Simha, 2, śu. di. tritīyā, Tuesday, Uttiram. See No. 502 above.   |
| ,,         | 505                               | Saka 1421, 20th year, Vrischika 15, ba. di. tritīyā, Wednesday, Asvati. In A.D. 1499 Vrischika 15 fell on Thursday, 14, November. The nakshatra was Asvati which commenced at 98 on Wednesday and ended at 05 on Friday. The tithi was not ba. 3, but su. 12 which ended at 73.   |
| 3,         | 508<br>& 509                      | Saka 1416, 15th year, Pangunī 15, Paurnai, Wednesday, Hasta.<br>Saka 1416, should presumably be read as Saka 1417, and the intended day is<br>A.D. 1495, Wednesday, March 11, (= Pangunī 15); 10; 88.   |
| 45         | 510                               | Saka [14] 19, 18th year, Simha 2, [śu.] di tritīyā, Tuesday, Uttiram = A.D. 1497, August 1, Tuesday; 21; 41.  |
| **         | 516                               | Saka 1422, 21st year, Tulā 3, su. di. dasamī, Friday, Avittam = A.D. 1500, October, 2, Friday (= Tulā 3); ·64; ·95.   |
| >3         | 524                               | Saka 1412, 11th year, Kumbha, 18, su. di. panchamī, Sunday, Asvati = A.D. 1491, February 13, Sunday (= Kumbha 18); '78; '39.  |
| 11         | 527                               | Saka 1424, 23rd year, Simha 12, su. di. ashtamī, Thursday, Anusham = A.D. 1502, August 11, Thursday, (= Simha 12); 45; 43.  |
| >>         | 534                               | Šaka 1423, 22nd year, ba. di. tritīyā, Saturday, Punarvasu, Durmati, Vriśchika, 29 = A.D. 1501, November 27, Saturday; 95; 78.  |
| **         | 618                               | Saka 1429, 28th year, Makara, 15, ba. di. 10, Wednesday, Röhinī = A.D. 1508, Wednesday, January 12, (= Makara 15); su. 10 (not ba. 10) fell on that day, ending at '95; while 'Röhinī' commenced at '48 on that day and ended at '58 on the following day.  |
|            |                                   | Érīvallabhadēva 'who revived the old times'.  |
| 33         | 631                               | Saka 1463, 7th year, Plava, Tulā 23, su. di. pañchamī, Sunday, Mūlā = A.D. 1541, October 23, Sunday. Su. 5, began at 09 on Sunday and ended at 10 on the following day, while the nak. "Mūlā" ended at 32.  |
| ,,         | 650                               | Saka 1456, Jaya, Vaigāši, ba. di. prathamā, Wednesday, Aśvati. In A.D. 1534 (= Śaka 1456 = Jaya), on Wednesday Sep. 23 (= Puratṭāši 24) ba. 1 ended at ·35 and the Nak. "Aśvati" was current the whole of that day, commencing at ·97 on Tuesday and ending at ·07 on Thursday. "Vaigāśi" seems to be an error for "Puratṭāśi." |
| "          | 658,<br>662<br>& 663              |   |

| Year.     | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-----------|-----------------------------------|--|
|           |                                   | Pandya-cont.   |
|           |                                   | Kulaśēkhara alias Parākrama-Pāṇḍyadēva, son of Abhirāma-Parākrama-<br>Pāṇḍyadēva.  |
| 1917      | 386                               | Šaka 1467, 2nd year, Viśvāvasu, Dakshināyana, Karkataka 9, amāvāsyā, Wednesday, Punarvasu = A.D. 1545, July 8 (= 9 Karkataka), Wednesday, 90; 47.  |
| "         | 388                               | Śaka 1468, Rishabha, 23, ba. di. pañchamī, Thursday, Tiruvōṇam (Śravaṇa).  = A.D. 1546, May 20, Thursday; 44.  |
| >>        | 389                               | Śaka 1467, 3rd year, Viśvāvasu, Karkataka 9, amāvāsyā, Wednesday, = A.D. 1545, July 8 (= 9 Karkataka), Wednesday. Same as No. 386 above.   |
| "         | 397                               | Saka 1469, 4th year, Plavanga, Mithuna 12, ba. di. saptamī, Thursday [Pūrattā]di. = A.D. 1547 June 9, Thursday (= Mithuna 11). The tithi and the nak. began  |
| **        | 450                               | on Thursday at '33, and '17, respectively and ended the next day at '24 and '12 respectively — "Mithuna 12" seems to be an error for "Mithuna 11". Saka 1474, * 8th year, Virōdhikrit, Karkaṭaka, 20, ba. di. dvitīyā, Sunday, Aviṭṭam = A.D. 1551, Sunday, July 19 (= Karkaṭaka 20); '68; '22.  |
| ,,        | 451                               | [*S. 1474 current = A.D. 1551].<br>Śaka 1470, Kīlaka, Dhanus 5, Monday, Uttiram. = A.D. 1548, Monday,<br>December 3 (= Dhanus 5); nak. "Uttirādam" (not Uttiram) ended at '45.   |
| ,,        | 466                               | Saka 1473, 8th year, Virodhikrit, Kanni 3, [su. di.] tritīyā [Thursday], = A.D. 1551, Thursday, September 3 ( = Kanyā 3); tithi ended at 19; while Svāti began at 09 and ended on Friday at 02. [Sodi] (Svāti).  |
| 33        | 472                               | Saka 1470, Kīlaka, Kumbha 18, ba. di. dvitīyā, = A.D. 1549, Wednesday, February 13 (= Kumbha 18); ba. 2 ended at 95.   |
| ,,        | <b>47</b> 8                       | Saka 1473,* [Sādhā]raṇa, Kanyā, 28, [śu.] di daśī, Wednesday, Anurādhā. In A.D. 1550 = S. 1472 (= Sādhāraṇa) on Wednesday, June 25 (= Mithuna 28); Su. 12 and "Anurādhā" ended at 85 and 60 respectively. The month Kanyā seems to be an error for Mithuna.  |
|           |                                   | In A.D. 1551 = S. 1473 = Virödhikrit on Wednesday, March 28, (= Mīna 28) ba. 4 and Anurādhā ended at 81 and 88. If it be this year the month Kanyā is an error for Mīna. [* S. 1473 current = A.D. 1550-51].   |
| <b>33</b> | 523                               | <ul> <li>Śaka 1467, 23rd year, Sarvadhāri, Rishabha 22, śu. di. ashtamī, Tuesday, Uttiram.</li> <li>A.D. 1545, May 19, Tuesday. The Śaka year is correctly given in the inscription as 1467. But the regnal year must be 3, not 23 and the cyclic year must be corrected into Viśvāvasu.</li> <li>The tithi began at 27 and ended at 35 on the following day.</li> </ul> |
| "         | 525                               | Saka 1469, 5th year, Plavanga, Simha 28, su. di. trayodasi, Sunday, Tiruvonam.<br>— A.D. 1547, August 28, Sunday; 92; 19.  |
| "         | 531                               | Saka 1470, 6th year, Kīlaka, Vrišehika 28, ba. di. dvādašī, [Monday], Sodi. = A.D. 1548, November 26, Monday. The tithi began at 00 on Monday and ended at 04 on Tuesday, while the nak. "Svāti" ended at 87 on Monday.  |
| "         | 532                               | Śaka 1470, 6th year, Kīlaka, Tulā 25, ba. di. ashtamī, Wednesday, Ayilyam. =A.D. 1548, October, 24, Wednesday; 53; 54.   |
| "         | 1                                 | Saka 14[71], 6th year, Saumya, Mithuna 20, [sap]tamī, Monday. = A.D. 1549, June 17, Monday; 62.  |
| "         | _                                 | Saka 1473, 9th year, Virodhikrit, Sara-ritu, Monday, Tulā 5, su. di. shashthī, Mūlā = A.D. 1551, October 5, Monday; 33; 14.  |
| ,,        |                                   | Śaka 1471, 7th year, Saumya, Karkataka, 21, ba. di. ēkādasī, Saturday, Rōhiņī.  = A.D. 1549, July 20, Saturday; 84; 22.  |
| ,,        | 1                                 | Saka 1471, 7th year, Saumya, Kanni, 8, paurnai, Uttirattādi. = A.D. 1549,<br>September 7, Saturday; '09; '90.  |
| "         | 554                               | Šaka 1472, 7th year, Sādhāraṇa, Makara 7, ba. di. trayōdaśī, Sunday, Mūlā = A.D. 1551, January 4, Sunday. 87; 87. Sādhāraṇa = A.D. 1550 = S. 1472.   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.           | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-----------------|-----------------------------------|--|
|                 |                                   | Pandya—cont.   |
| 1917            | 562                               | Kulaśēkhara alias Parākrama-Pāṇḍyadēva, son of Abhirāma-Parākrama-<br>Pāṇḍyadēva—cont.   |
|                 | 563                               | Śaka 1470, 6th year, Kīlaka, Dhanus 10, su. di. ashtamī [Saturday], Uttiratṭādi = A.D. 1548, December 8, Saturday; '66; '71.   |
| ,,<br>•         | 1                                 | Saka 1472, 8th year, Sādhāraṇa, Simha, śu. di. daśamī, Thursday, Mūls = A.D. 1550, August 21, Thursday; 84; 28.  |
| ،<br>شرهر - ۲۰  | 566                               | Saka 1471, 7th year, Saumya, Tulā 23, su di tritīyā, Wednesday, Kētta = A.D. 1549, October 23, Wednesday; 70; 77.  |
| 12, Sat. 1249.  | ,                                 | -Saka 1470, 6th year, Kīlaka, Simha, 16, śu. di. ēkādaśī, Wednesday, Pūratṭādi<br>— A.D. 1548, August 15, Wednesday: śu. 11 ended at 14, while the nak   |
| 301)            | 567                               | was "Pūrāḍam" (not Pūraṭṭādi) which ended at 14.<br>Saka 1471, 6th year, Saumya, Rishabha 17, ba. di. ṭritīyā, Bhaumavāra, Mūlā  |
| 201)            | 587<br>666                        | = A.D. 1549, May 14 (= 17 Rishabha), Tuesday; '76; '04.<br>Saka 1470, 5th year, Kīlaka, Mēsha 1, ba. di. chaturdasī, Anisham = A.D.<br>1548, March 27, Tuesday. The nakshatra commenced at '22 of day 1 and<br>ended at '33 on Wednesday; chaturthi commenced at '40 and ended at '44<br>next day. Chaturdasī is a mistake for chaturthī.  |
| 30              | 000                               | Śaka 1467, 10th year, Viśvāvasu, Tulā 13, śu. di. pañchamī, Monday, Hasta In Viśvāvasu, "Hasta" in Tulā combined with tēdi 4, ba. chaturdaśī, i.e. Sunday 4th October 1545 A.D.  |
|                 |                                   | $m{T}$ irune $lvar{e}lipperumar{a}l$ $m{K}ulasar{e}khara$ .  |
| "               | 387                               | Saka 1475, 4th year, Pramādīcha, Dakshināyana, Karkataka 9, ba. di. trayōdasī Saturday, Tiruvādirai = A.D. 1553, July 8, Saturday; '54; the nak. was current the whole of this day, commencing on Friday at '91 and ending at '03 on Sunday.   |
| 1)              | 403                               | Šaka 1480, 8th year, Kālayukta, Mēsha 8, ba. di. dvitīyā, Monday [Svā]ti = A.D. 1558, April 4, Monday; 92; 03.   |
| **              | 481                               | Saka 1479, 7th year, Pingala, Mēsha-Ravi, śu. di. ashtamī, Tuesday, Pushya = A.D. 1557, April 6, Tuesday; '79; '85.  |
| 27              | 511                               | Saka 1481, 9th year, Siddhārthi, Uttarāyana, Mithuna 15, su. di. ashṭamī<br>Bhaumavāra, Hasta = A.D. 1559, June 13, Tuesday; '08; '35.   |
| "               | 513                               | Saka 1475, 4th year, Pramādīcha, Dakshiṇāyana, Vrišchika 18, śu. di. dvādašī Friday, Punarvasu = A.D. 1553, November 17, Friday. The nakshatra or this day was Aśvinī (not Punarvasu). Punarvasu in Vrišchika fell on tēd 24, ba. tritīyā, Thursday (= November 23).  The tithi ended at ·08 and the nak. "Aśvinī" ended at ·20. Śaka 1474, 2nd year, Paridhāvi, Mēsha 29, śu. di. dvitīyā, Monday, Rōhiṇī The combination Rōhiṇī with Monday in Mēsha occurred on tēdi 30 (not 29) i.e., 25th April 1552 Å.D. The tithi ended at ·92 on Monday while the nak. was current the whole of that day beginning at ·90 on Sunday and the state of the stat |
| "               | 515                               | ending at 00 on Tuesday.<br>Saka 1485, 13th year, Rudhirodgarin, Uttarayana, Varsha-rittu, Rishabha 25<br>su. di. prathama, Saturday, Rohini = A.D. 1563, May 22, Saturday. On<br>this day amavasya ended at 05; f.d.t. 06; 10.  |
| **              | 529                               | Šaka 1479, 7th year, Pingala, Dakshināyana, Grīshma-ritu, Karkataka 23, ba<br>di. ēkādasī, Thursday, Mrigasīrsha = A.D. 1557, July 22, Thursday; ·14; ·39  |
| •               | 530                               | Saka 1480, 8th year, Kālayukta, Uttarāyaṇa, Grīshma-ritu; Mithuna 6, ba. d<br>dvitīyā, Thursday, Uttarāshāḍhā.<br>In A.D. 1558 on Friday, June 3 (= Mithuna 6) ba. 2 ended at 14 and th<br>nak. Uttarāshāḍhā began at 00 of the day and ended at 11 on Saturday  |
| <b>5</b> 1      | 587                               | Thursday seems to be an error for Friday.  Saka 1484, 12th year, Dundubhi, Dakshināyna, Varsha-ritu, Kanyā, śu. d saptamī [Wednesday], [Jyēsh]thā = A.D. 1562, September 5, Saturday (no Wednesday); 53; 62.   |
| <b>&gt;&gt;</b> | <b>53</b> 8                       | Saka 1477, 5th year, Rākshasa. Uttarāyaṇa, Vasanta-ritu, Mēsha 9, śu. d<br>chaturdaśī, Hastā. = In A.D. 1555, on April 5 the tithi and the nal<br>ended at 89 and 67 respectively.   |

APPENDIX E.- Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18-cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-------|-----------------------------------|---|
|       |                                   | Pandya—cont.  |
|       |                                   | Tirunelvēlipperumāļ Kulaśēkhara—cont.   |
| 1917  | 543                               | Saka 1476, 5th year, Ananda, Uttarāyana, Grīshma-ritu, Mithuna 30, ba. di. trayōdasī, Mrīgasīrsha.  — In A.D. 1554, on June 27, (Wednesday) the tithi and nak. ended at 63 and  |
|       | F 4 C                             | ·88 respectively.   |
| "     | 546                               | Saka 1484, 12th year, Du[ndubhi], Dakshināyana, Varsha-ritu, Kan[ni] 6, Mūlā.  = A D. 1562, September 6, Sunday (= Kanyā 6); nak. ended at 56 and the   |
| "     | 556                               | tithi was śu 8.<br>Śaka 1479, 8th year, Pingala, Uttarāyaṇa, Kumbha 13, Wednesday, amāvāsyā,<br>Śravaṇa.  |
| ,,    | 557                               | This date is irregular.<br>Saka 1475, 3rd year, Pramādi, Mithuna, 5, ba. di. Saptamī, Friday, śa[daiyam]<br>= A.D. 1553, June 2, Friday.  |
| ,,    | 559                               | Saka 1475, 4th year, Pramādīcha, Mārgaļi 20, ba. di. dvitīyā, Friday, Pushya A.D. 1553, December 22, Friday; '09; '03. Tēdi 20 seems to be mistake for 24.  |
| "     | 560                               | Saka 1481, Siddhārthi, Uttarāyaṇa [ba.] di. ashṭamī, Bhaumavāra, Uttirāḍam. In A.D. 1559-60 (= Siddhārthi) on Tuesday, March 19 A.D. 1560 (= Mithuna 23) ba. 8 ended at .55 while the nak. Uttirāḍam began .45 on   |
| ,,    | 561                               | this day and ended at 46 on the following day.  Saka 1481, 9th year, Siddharthi, Vrischika 8, su. di. shashthī, Sunday, Śravana  A.D. 1559 November 5, Sunday. Tēdi 8 is a mistake for 6. The tithi and nak. ended at 47; 96 respectively.  |
| ,,    | 570                               | Saka 1481, 9th year, Siddharthi, Sara[d*]-ritu, Tula, 17, ba. di. prathamā, Tuesday, Bharanī = A.D. 1559, October 17, Tuesday; '43; '32.  |
| "     | 572                               | Saka 1479, 7th year, Pingala, Dakshināyana, Grīshma-ritu, Karkaṭaka 29, amāvāsyā, Saturday [Punarvasu].  — A.D. 1557, July 24, Saturday. On this day amāvāsyā commenced at ·84 (f.d.t. ·75) and the nakshatra was Punarvasu (·26). The week day was also Saturday but the tēdi was 25 not 29.   |
| "     | 575                               | Śaka 1476, 5th year, Ānanda, Uttarāyaṇa, Śiśira-ritu, Mīna 23, ba. di. dvādaśī, Wednesday, [Hasta]. = A.D. 1555, March 20, Wednesday. The nakshatra was not Hasta, but Šatabhishaj (Śadayam) 12; 40   |
| **    | 579                               | Saka 1482, 9th year, Raudri, Uttarāyana, Hēmanta-ritu, [ba] di. dvitīyā, Sunday, Uttiram. In Raudra the only combination of ba. dvitīyā with Uttiram and Sunday was on Kumbha, 7 (= A.D. 1561, February 2, Sunday); 19; 88.   |
| 99    | 591                               | Saka 1491, 9th year, Siddhārthi, Dakshiṇāyana, Varsha-ritu, Kaṭaka 29, ba. di. ēkādaśī, Friday, Röhiṇī. In Siddhārthi in the month Kaṭaka, Röhiṇī combined with ba. ēkādaśī on tēdi 2 Saturday (= A.D. 1559, July 1). On tēdi 29 Friday (= A.D. 1559, July 28, Friday) Röhiṇī commenced at 42 and occurred combined with ba. navamī (not ēkādaśī). f.d.n, 45. The Śaka year was 1481 (= Siddhārthi) and not 1491. |
| ,,    | 592<br>593<br>and                 | Saka :481, 9th year, Siddhārthi, Mīna 25, ba. di. navamī, Wednesday, Uttirādam. = A.D. 1560 March 20, Wednesday; 54; 46. This was on Mīna 24 and not Mīna 25.   |
| **    | 594<br>619                        | Saka 1478, 6th year, Nala, Varsha-ritu, [Maka] ra 29, su. di. ēkādasī, Monday, Pushya. In A.D. 1557 Nala, Pushya combined with Monday on only two   |
|       |                                   | occasions:— (i) Simba 4, ba. trayōdaśī (August 3) and (2) Kanyā 1, ba. dvādaśī (August 31). Makara 29 was Monday, ba. ēkādaśī but the nakshatra was (not Pushya) Jyēshṭhā. It corresponded to A.D. 1556 January 25.  In A.D. 1557 on Monday, January 25 (= Makara 29) ba. 11 began at '26 and ended on the following day at '34. But the nak. was Jyēshṭhā and not "Pushya."                                      |
| ·     |                                   | 1172, Home (Edn.)—30  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18-cont.

| Year.           | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-----------------|-----------------------------------|---|
|                 |                                   | Pandya—cont.  |
|                 |                                   | Tirunelvēlipperumāļ Kulaśēkhara—cont.   |
| 1917            | 620                               | Śaka 1478, 6th year, Nala, Dakshināyana, Tulā 1, trayōdaśī, Thursday, Uttiram = A.D. 1556, October 1, Thursday. Tulā 1 fell on the previous day, i.e., Wednesday on which ba. 12 ended at 35 and Uttiram began at 57.   |
|                 |                                   | Tula 1 seems to be an error for 2 as all other items agreed with Tula 2.  |
| 7)              | 621                               | Śaka 1482, 9th year, Durmati, Varsha-ritu, Kanni 20, śu. di. [ēkādaśī], Monday, Punarvasu. In Durmati, which corresponded to Śaka 1483 (not Śaka 1482), Punarvasu in Kanyā fell on tēdi 5, śu. 10, Thursday = A.D. 1561, September 4).  On Thursday the tithi śu. 10 (not śu. 11) ended at 42 and nak. 'Punarvasu' at |
|                 |                                   | 37.   |
|                 |                                   | $K$ $\hat{o}$ nēr $m{m}$ a $iko$ $n$ d $ar{a}$ $n$ $m{P}$ er $u$ m $ar{a}$ l $m{A}$ bhir $ar{a}$ masa $m{u}$ ndara $m{V}$ aratungar $ar{a}$ ma.   |
| 77              | 590                               | Šaka 1510, Dakshiņāyana, Šarad-ritu, Tulā 10, su. di Anisham (Anurādhā). Anurādhā in Tulā combined with su. dvitīyā which fell on tēdi 12 Saturday (= A.D. 1588, October 12); tēdi 10 must be a mistake for tēdi 12; 03; 85.  |
| 7)              | 605                               | In Vrišchika, of the same year on Saturday November 9 (= Vrišchika 10); šu. 1 and 'Anurādhā' ended at '57 and '19.  Saka 1512, 4th year, Vikrita, Dakshināyana, Śara[d]-ritu, Tulā 9, ba. di. saptamī, Punarvasu = A.D. 1590, October 9, Friday; '82; '88.  |
|                 |                                   | A lagaņ-Perumāļ Ativīrarāma alias Śrīvallabha.  |
| -39             | 405                               | Śaka 1527, 42nd year, Viśvāvasu, Uttarāyaṇa, Grīshma-ritu, Mithuna, 29, ba. disaptamī, Thursday, Uttara-prēshṭhapadā = A.D. 1605, June 27, Thursday; the tithi ended at 58; but the nakshtra began at 20 on this day and ended at   |
| ,,,             | 407                               | ·29 on the following day.<br>Śaka 1492 (= Pramodūta), 7th year, Vibhava (= S. 1490 = 1568 A.D.)<br>Uttarāyaṇa, Mīna, ba. di, pañchamī, Monday, Anisham. The intended day<br>was apparently A.D. 1569, March 7, Monday. Viśākhā ended and Anisham<br>began at ·18 on Monday; Anisha ended at ·14 on Tuesday.           |
| <del>-1</del> ) | 409                               | Saka* 1492 (current) 7th year, Sukla (= S. 1491 = A.D. 1569-70), Uttarāyaṇa, Sisira-ritu, Mīna 3, ba di. dasamī, Tuesday. Mūlā = A.D. 1570, February 28, Tuesday. Ba di. navamī ended at 95 and dasamī began at 95 ending next day at 87. Mūlā ended at 40.   |
| -99             | 410                               | Saka 1507, 23rd year, Parthiva, Vrischika, su. di. ashtami, Friday, Satabhishaj = A.D. 1585, November 19, Friday. Satabhishaj ended at 22 and the tithi ended at 73.  |
| ,,              | 482                               | Saka 1513, 29th year, Mithuna 15, su. di. [pañcha]mī, Sunday [Pushya]. In A.D. 1591, on Sunday, June 13 (= Mithuna 15) su. 2 (not su. 5) ended at 05 and 'Pushya' ended at 77.  |
| **              | 484                               | Saka 1519, 34th year, Durmukhi, Uttarāyaṇa, Siśira-ritu, Mīna 29, śu. di., ashṭamī, Wednesday, Punarvasu = A.D. 1597, March 16, Wednesday. The tēdi must be correctly 19, not 29.   |
| <b>3</b> 1      | 485                               | Śaka 15[1]2, 28th year, Vikriti, Uttarāyaṇa, Śiśira-ritu, Mīna 15, ba. didvādašī, Friday, Avitṭam (Śravishṭhā) = A.D. 1591, March 12, Friday (= Mīna 15); 41; 31.   |
| 33              | 486                               | Saka 1509, 25th year, Sa[rvajit], Dakshināyana, Grīshma-ritu, Āshā[dha], śudi. tritīyā, Saturday, Uttara-Phalguni. In A.D. 1587 lunar Śrāyana (not  |
| <b>&gt;</b> 9   | 487                               | Ashādha), su. 3 and Uttara-Phalguṇī fell on Friday, 28th July; 17; 74. Saka 1495, 11th year, Śrīmukha, Dakshiṇāyana, Śarad-ritu, Vrischika 7, su. di. ēkādasī, Monday, Bēvatī.  In A.D. 1573 Śrīmukha, on Friday, November 6 (= Vrischika 7), su. 12 (not   |
|                 |                                   | śu. 11) ended at ·56; while the nakshatra was 'Rēvatī' which ended at ·52.  |

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip<br>tion. | Address and a late the Development of the late of the |
|------------|----------------------------------|---|
|            |                                  | Pandya—cont.  |
|            |                                  | A lagan-Perumāļ Ativīrarāma alias Érīvallabha—cont.   |
| 1917       | 488                              | Śaka 1498, 14th year, Dhātu, Dakshiṇāyana, Varsha-ritu, Simha, śu. di. trayō-daśī, Wednesday, Tiruvōṇam (Śravaṇa) = A.D. 1576, August 8, Wednesday. Śu. 14 (not 13) ended at ·46 and Śravaṇa nak, ended at ·24.   |
| "          | 489                              | Seventeenth year, Pramādi, Dakshināyana, Varsha-ritu, Simha [25], ba. di. tritīyā, Friday, Āyilyam (Āślēshā).  In A.D. 1579 (= Pramādi) on Thursday (not Friday) August 20 (= Simha 20), śu 13 (not śu. 3) ended at 23 and the nak. "Ayilyam" ended at 66. Śu. 3 is an error for śu. 13: neither the tithi nor the nak. began or ended on Friday.   |
| 2)         | 490                              | Saka 1489, 5th year, Prabhava, Uttarāyaṇa, Hēmanta-ritu, Makara 30, ba. di. trayōdasī, Tuesday, Uttarāshāḍhā. In A.D. 1568 A.D. Makara had only 29 days. Uttarāshāḍhā in this month began at 31 on Monday the 29th of Makara and ended at 21 on Tuesday, Kumbha 1, which corresponds to 27th January, Tuesday and trayōdasī fell on Tuesday. Makara 30 is an error for Kumbha 1, whether Āryasiddhānta or Sūryasiddhānta was followed.  |
| -97        | 491                              | Saka 1488, 3rd year, Kshaya, Uttarāyaṇa, Grīshma-ritu, Mithuna, 9 su. di. dasamī, Thursday, Visākhā, = A.D. 1566, June 27, Thursday; '04; '56.9 must be a mistake for 29 which fell on Wednesday. Su. dasamī began at '00 on Wednesday and ended at '04 on Thursday. Mithuna 9 is an error for Mithuna 30.  |
| 7)         | 492                              | Śaka 1490, 6th year, Vibhava, Uttarāyaṇa, Hēmanta-ritu, Makara 1[6], ba. di. pañchamī, Friday, Uttiram, = A.D. 1569, January 7, Friday, (i.e., Makara 11 not 16); 82; 77.   |
| 2)         | 493                              | Śaka 1495, 11th year, Śrīmukha, Kārttika, 2[7], ba. di. trayōlaśī, Tuesday, Mūlā.   In A.D. 1573 (= Śrīmukha) on Thursday, November 26 (= Kārttigai 27) the   |
| 77         | 494                              | tithi was śu. 2 and not ba 13, but "Mūlā" ended on this day at 03, Śaka 1489, 5th year, Prabhava, Āvaṇi 20, ba. di. tritīyā, Friday, Uttiraṭṭādi, (Uttarabhadrapadā) = A.D. 1567, August, 22, Friday; 90; 06. Āvaṇi 20 is   |
| - 3 3      | 495                              | a mistake for Avaņi 22.<br>Saka 1492, 8th year, Pramodūta, Dakshināyana, Śarad-ritu, Mārgali 15, śu. di.<br>dvitīyā, Thursday, Punarvasu. The combination Punarvasu and Thursday<br>occurred on Mārgali 17 (not 15), ba. (not śu.) dvitīyā, Thursday (= A.D.<br>1570, December 14, Thursday. The tithi and nak. ended at '65 and '16<br>respectively. Šu. is an error for ba.; Mārgali 15 is an error for Mārgali 17.   |
| "          | 496                              | Śaka 149[0], 6th year, Vibhava, Uttarāyaṇa, Hēmanta-ritu, Makara 1[1], ba. di. pañchamī, Friday, Uttiram (Uttara-Phalgunī) = A.D. 1569, January 7,  |
| <b>2</b> 7 | 497                              | Friday (= Makara 11); 82; 79.<br>Śaka 1489, 5th year, Prabhava, Dakshiṇāyana, Varsha-ritu, Simha 13, śu. di.<br>ēkādaśī, Monday, Rōhiṇī. In Prabhava, Rōhiṇī in Simha fell on tēdi 27, ba.<br>ashṭamī, Wednesday (= A.D. 1567, August 27, Wednesday).   |
| "          | 498                              | Saka 1488, 3+4th year, Akshaya, Uttarāyana, Dhanus, 9, śu. di. daśamī, Sunday, Viśākhā. In Akshaya (= A.D. 1566) Viśākhā in Dhanus fell on Sunday, Makara 10 (= 8th December); śu. di. 10 is a mistake for ba. di. 12 ba. 12 ended at 38 and "Viśākhā" at 40.   |
| "          | 499                              | Saka 1493, Prajotpatti, Uttarayana, Mīna, 6, śn. di. dvitīyā, Svāti. = A.D. 1572, March 3, is apparently meant; but it was Mīna 7, not Mīna 6, and ba. 4, not śn. 2. The nak. was "Svāti" which ended at 62.  |
| ,,         | 500                              | Śaka 1493, 9th year, Prajotpatti, Uttarāyana, Mīna 6, śu. di. dvitīyā, Svāti. Vide remarks on No. 499, above.   |
| "          | 501                              | Saka 1488, 3rd year, Kshaya, Uttarāyana, Mithuna 5, su. di. dasamī, Sunday, Visākhā. Su. 13 and "Visākhā" fell on Friday (not Sunday), May 31 (= Mithuna 3, not Mithuna 5) A.D. 1566 (= Kshaya); 63; 25.  |

| Year.       | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------------|-----------------------------------|--|
|             |                                   | Pandya-cont.   |
|             |                                   | A ļagaņ-Perumāļ Ativīrarāma alias Śrīvallabha—cont.  |
| 1917        | 539                               | Śaka 1493, 8th year, Prajōtpatti, Uttarāyaṇa, Vasanta-ritu, Rishabha 15, śu. di. pañchamī, Monday, Rōhiṇī. In A.D. 1571 (= Prajōtpati), Rōhiṇī in Rishabba combined with têdi 26, Wednesday, amāvāsyā (= Wednesday the 23rd of May). But in A.D. 1572 Monday, May 12 (= Rishabha 15) Rōhiṇī ended at 69, and it was śu. 1, and not śu. 5.  |
| "           | 555                               | Saka 94, 9th year, Grīshma-ritu, Mithuna, 23, su di. dasamī, [Friday] = A.D. 1572, June 20, Friday. The Saka year was 1494. The tithi began at 00 on Friday, ending on the next day .01.   |
| 77          | 571                               | Saka 1488, 3rd year, Kshaya, Uttarayana, Grishma-ritu, Mithuna, 23, śu. di. dvitīyā, Thursday, Pushya. Mithuna 23, in Kshaya fell on Thursday but corresponded to śu. tritīyā. Śu. dvitīyā combined with Pushya which fell on tēdi 22, Wednesday (= 19th June A.D. 1566).  The tithi and nak. fell on Wednesday June 19 (= Mithuna 22, not 23) A.D. 1566 ending at 27 and 49 respectively.   |
| **          | 574                               | Śaka 1495, [10]th year, Śrīmukha, Uttarāyaṇa, Śiśira-ritu, Kumbha 6, Svāti = A.D. 1574, February 11, Thursday; tēdi 6 is a mistake for 16 and it was ba. 5.  |
| "           | 580                               | Śaka 1527, [42]nd year, Viśvāvasu, Āni, Sunday, daśamī, Suvādi (Svāti) = A.D. 1605, June 16, Sunday; 24; 47.   |
| >>          | 584                               | Saka 1496, 12th year, Bhava, Dakshināyana, Karkataka, ba. di. pañchamī, Tuesday, Uttiram. In Karkataka of Bhava Uttara-Phalgunī commenced on su. trītīyā, Wednesday, 21st July and ended at 16 on Thursday following (22nd July 1574 A.D.). If the tithi were pañchamī, the nakshatra would be not Uttiram but Uttiraṭṭādi which fell on Friday 9th July A.D. 1574. In A.D. 1574 (= Bhava) on Thursday July 22 (= Karkaṭaka 23) su. 5 (not ba. 5) began at 05, ending next day at 09, while nakshatra "Uttiram" ended at 16 on Thursday. If this be the date, Tuesday must be an error for Thursday. |
| 77          | 585                               | Śaka 149[4], 10th year Āṅgirasa, Dakshināyana, Śarad-ritu, Tulā 7, ba. disaptamī, Monday, Pushya. In A.D. 1572 (= Āṅgirasa) Monday, October 27, (= Tulā 27) ba. 7 began at 14 and ended at 19 on the following day, while "Pushya" ended at 78 on Monday.  |
| 77          | 589                               | Śaka 1490, 5th year, Vibhava, Uttarāyaṇa, [śu. di.] trayōdaśī, Monday, Rōhiṇī. In the Uttarāyaṇa of Vibhava (= Ś 1490 = A.D. 1568) Rōhiṇī combined with Monday on Karkataka 20, ba. di. 10, July 19; 71; f.d.n 05.   |
| . 22        | 595                               | Śaka 1494, 10th year, Āngirasa, Dakshināyana, Hēmanta-ritu, Mārgasīrsha 21, full-moon, Friday, Ārdrā = A.D. 1572, December 19, Friday; 35; 30 and there was a Lunar eclipse.   |
| ,,          | 596                               | Saka 1495, 10th year, Śrīmukha, Uttarāyaṇa, Vasanta-ritu, Mēsha, śu. di. pañchamī, Monday, Rōhiṇī (= A.D. 1573, April 6, Monday). Rōhiṇī ended at 57 on Sunday preceding. Tēdi 15 must be a mistake for 10.  The nakshatra was Mṛigaśirā not Rōhiṇī." The tithi and nakshatra ended at .78 and .57 respectively.   |
| "           | 597                               | Saka 1494; 10th year, Angirasa, Varsha-ritu, Simha 9, su. di. saptami, Thursday, Bharani (= A.D. 1572, July 31, Thursday). <i>Tedi</i> 9 must be a mistake for 1 when ba. 7 (not su. 7) ended at 48 and Bharani ended at 66.   |
| <b>29</b> , | 598                               | Saka 1494, 10th year, Angirasa, Dakshināyana, Varsha-ritu, Simha, 5, ba. di. pañchamī, Monday, Ārdrā. In Simha, 5, combination of Ārdrā with Monday fell on (not ba. pañchamī) ba. ēkādaśī. The date corresponds to A.D. 1572, August 4, Monday; 40; 72.   |
| . 29        | 599                               | Saka 1496, 12th year, Bhava, Dakshināyana, Grīshma-ritu, Karkataka, 23, su. di. pañchamī, Thursday, Hasta (= A D. 1574, July 22, Thursday). A.D. 1574, Thursday July 22; f.d.t 09; f.d.n 22. The tithi and nakshatra began at 05 and 16 on Thursday.   |
| **          | 600                               | Śaka 150[4], 20th year, Chitrabhānu, Dakshiṇāyana, Varsha-ritu, Kanni, 21 [śu. di. ash] ṭamī, Friday, Pūraṭṭādi. On Friday 21 September (= 21 Kanni) A.D. 1582 (= Chitrabhānu) the tithiwas śu. 4 and nakshatra Anilam, which ended at ·16 & ·86, respectively.  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18 -cont.

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-------|-----------------------------------|---|
|       |                                   | Pandya—cont.  |
|       |                                   | Aļagaņ-Perumāļ Ativīrarāma alias Śrīvallabha—cont.  |
| 1917  | 601                               | Saka 1494, 10th year, Āngirasa, Uttarāyaņa, Vasanta-ritu, Mēsha 15, śu. di. pañchamī, Thursday, Pushya. Śu. pañchamī, Thursday was on tēdi 21 (not 15) of Mēsha (= A.D. 1572, April 17) and the nakshatra was Ārdrā, ending at 48. Pushya fell on śu. saptamī, tēdi 23 of Mēsha (= April 19, Saturday). |
| "     | 602                               | Saka 1495, 11th year, Śrīmukha, Dakshināyana, Grīshma-ritu, Mīna 15, śu. di. pañchamī, Monday, Rōhinī. In Śrīmukha, Rōhinī in Mīna coincided with śu. shashthī, Monday (= A.D. 1573, March 9, Monday); tēdi 15 is a mistake for 12; 28; 26.   |
| ,,    | 603                               | Saka [14]95, [11]th year, Śrīmukha, Dakshināyana, Grīshma-ritu, Mithuna 15, śu. di. dvādasī, Friday, Anurādhā (= A.D. 1573, June 12, Friday); 28; the nak. was current the whole of the day commencing at 99 on Thursday and ending at 05 on Saturday.  |
| •,    | 604                               | Saka 1498, 14th year, Dhātu, Āvaṇi 28, śu. di. pañchamī, Wednesday, Rōhiṇī. In Dhātu, Rōhiṇī in Āvaṇi fell on tēdi 18, ba. ashṭamī, Friday (= 17th August A.D. 1576). "Rōhiṇī" ended at 75.   |
| **    | 614                               | Saka 1507, 19th year, Vi[ya] = S. 1508 (Vyaya), Tai 13, śu. di. saptamī, Sunday, Uttiraṭṭādi. In Vyaya, Uttiraṭṭādi in Tai fell on tēdi 7, śu. pañchamī, Wednesday (= (A.D. 1587) January 4, Wednesday); '06; '93.  |
| ,,    | 617                               | Šaka 1483 (= Durmati), 3rd year, Kshaya (= S. 1488), Tai 27, Friday, chaturdasī, Pūsam = A.D. 1567 (= Šaka 1489 not 1483) January 24, Friday: 08: 20.   |
| >>    | 661                               | <ul> <li>Saka 1496 (= Bhava), 17th year, Pramādi (Ś. 1501), Āṇi 3, ba. di. pañchamī, Uttiram.</li> <li>Pramādi corresponded to (not Śaka 1496 but) Ś. 1501. Āṇi 3 in Pramādi fell</li> </ul>  |
|       |                                   | on śu. 7 (not ba. pañchamī) on which day Uttiram began at '77 (= A.D. 1579, June 1, Monday).  In Śaka 1496 (Bhava), Āṇi 3 fell on śu. 12 and the nakshtra was Viśākhā.  The day intended was probably the former.   |
|       |                                   | Māṇavarman Parākrama-Pāṇḍya.  |
| 1918  | 78                                | 14th year, Mēsha, śu. di. tritīyā, Monday, Rōhiņī = A.D. 1349, April 20, Monday, f.d.t. 51; 83. The tithi commenced at 43 of day.   |
|       |                                   | LATER PANDYAS WITH REGNAL YEARS ONLY.   |
|       |                                   | Māravarman Śrīvallabha.   |
| 1917  | <b>46</b> 8                       | 42nd year, Rishabha, śu. di. dvitīyā, Monday, Mrigašīrshā. Several dates between A.D. 1425 and 1478 were examined to satisfy the details given in this record. The following are the years in which the dates regularly correspond to the details:—  (1) A.D. 1434, May 10, Monday, '80; '76.           |
|       |                                   | <ul> <li>(2) A.D. 1451, May 3, Monday, 11; 61, 1454, April 29, Monday, f.d.n., 82, su. 2, current throughout day.</li> <li>(3) A.D. 1461, May 11, Monday, f.d.t., 11; 98, su. 2, commenced at 19 of day.</li> </ul>   |
|       |                                   | (4) A.D. 1478, May 4, Monday, '43; '84.   |
|       |                                   | Jaṭilavarman Tribhuvanachakravartin Perumāļ Parākrama-Pāṇḍya.   |
| "     | 467                               | 31 + 2nd year, Mīna [2]8, śu. di. shashṭhī, Monday, Mṛigaśīrsha = A.D. 1455, March 24, Monday, •70; •50.  |
| "     | 533                               | 31 + 6th year, Mithuna, 16, śu. di. trayōdaśī, Wednesday, Anisham = A.D. 1459, June 13, Wednesday, 95; 58.  |
|       |                                   | 1172, Home (Edn.)—81  |

| Year. | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------|-----------------------------------|--|
| 1917  | 535                               | LATER PANDYAS WITH REGNAL YARRS ONLY—cont.  Jațilavarman Tribuvanachakravartin Perumāl Parākrama-Pandya.  Solution (1975)  31 + 7th year, Makara, 9, śu. di. dvādašīļ = A.D. 1506, January 5. Weekday was Monday and nakshatra was Rōhiṇī. f.d.t. 90. Dvādašī commenced 95 of day. Also = A.D. 1460, January 5, Saturday 60; 88. The nakshatra was Mṛigašīrsha. The former date is not possible as it works out a different year of accession. |
| 9)    | 568                               | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Parākrama, 'born in the nakshatra Mṛigaśira.'  31 + 8th year, Vriśchika 3, ba. di. tritīyā, Saturday, Mṛigaśīrsha = A.D. 1460, November, 1, Saturday, '80; '62. The date of the month is 4, not 3.  Māṛavarman Tribhuvanachakravartin Perumāļ Kulaśēkhara.   |
| "     | 471                               | 2 + 35th year, 23, ba. di. Thursday, Makhā = A.D. 1457, October 22, Thursday 82; 09. Month was Tulā and the tithi ba. 10.  |
|       |                                   | Jațilavarman Tribhuvanachakravartın Kulaśēkhara.   |
| "     | 453                               | 2 + 35th year, Rishabha, 27, ba. di. pañchamī, Saturday, Tiruvōṇam = A.D. 1467, May 23, Saturday, f.d.t. 14; 99, ba. 5 commenced at 19 of day.   |
| ,,    | 477                               | 2 + 36th year, Tula 3, su. di. saptamī, Friday, Anisham. In A.D. 1467  |
| 7>    | 476                               | October 2, Friday, the tithi was chaturthi not saptami; '72; '44.  2 + 3[4]th year, 10, su. di, prathama, Saturday, Anilam = A.D. 1466  November 8, Saturday, f.d.t. 15; '72. Su. 1 commenced at 13 on this day.  The month was Vrischika.   |
| 3,    | 526                               | 2 + 37th year, Tulā, pañchamī, Thursday, Mrigasīrsha = A.D. 1468, October 6, Thursday; '49; '49. The paksha is bahula.   |
| ,,    | 544                               | 2 + 42nd year, Kumbha, 24, śu. di. dvitīyā, Friday, Uttiratṭādi = A.D. 1474, February 18, Friday, 35; 30.  |
| 91    | 640                               | 2 + 38th year, Mēsha, 22, ba. di. dvitīyā, Tuesday, Anusham = A.D. 1470, April 17, Tuesday; 59; 77.  |
| "     | 565                               | 2 + 42nd year, Makara 7, Monday, Punarvasu = A.D. 1474, January 3, Monday; '44; '15. The tithi was paurnamī.   |
| "     | 642                               | Lost, Makara 8, su. di. ashtamī, Thursday, Asvati = A.D. 1468, January 3, Sunday; 30; 36. Date 7 not 8; Sunday not Thursday. No suitable equivalent at all for this date could be found between A.D. 1430 and 1474 which is the range of the king's reign.   |
| "     | 643                               | 2 + 36th year, Mīna, 21, ba. di. saptamī, Mūlā = A.D. 1468, March 16, ·45; ·43. The week-day was Wednesday.  |
| ,,    | 645                               | 2 + 37th year, Mīna 26, śu. di. daśamī, Pūśam = A.D. 1469, March 22, f.d.t. 00; 33. The week-day was Wednesday.  |
| **    | 646                               | 2 + 40th year, Mēsha *2, śu. di. pañchamī, Wednesday, Uttirādam = A.D. 1473, April ·17, ·46; f.d.n. ·82. Nakshatra commenced at ·87 of day. But the week-day was Saturday not Wednesday.   |
| "     | 649                               | 2 + 36th year, Vrišchika, 30, šu. di. dvitīyā, Saturday, Mūlā = A.D. 1467, November 28, Saturday, f.d.t. '06; '20. šu. 2 commenced at '03 of day.  |
| 3,    | 549                               | Parākrama-Pāṇḍya alias Kulasēkhara.  2nd year, Mēsha 27, śu. di. chaturthī, Tirnvādirai (i) = A.D. 1482, April 22; 30; 91. The week-day was Monday. (ii) A.D. 1547 April 23, 51; 99. The week-day was Saturday. The former is probably the date intended.  |
| -     |                                   | Jațilavarman alias Tribhuvanachakravartin Könērmaikoṇḍāṇ Perumāļ<br>Parākrama.   |
| 29    | 657                               | Šaka 67, 3rd year, Viśvāvasu, Kanni, ba. di. daśamī, Tuesday, Pushya. = A.D. 1545, September 29, Tuesday, f.d.t. 57; 46; ba. 10 commenced at 49 of day.  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18-cont.

| Tear.    | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|----------|-----------------------------------|--|
|          |                                   | Jațilavarman Tribhuvanachakravartin Kulaśēkhara.   |
| 1917     | 644                               | 4 + 2nd year, Mārgali, 22, śu. di. trayōdaśī, Monday, Rōhiṇī. The nearest approach to the above is A D. 1401, December 19, Monday. But on this day the tithi was chaturdaśī not trayōdaśī and the nakshatra was Mṛigaśīrsha not Rōhiṇī. Both of these had ended at 75 and 42 respectively on the previous day.   |
|          |                                   | A.D. 1550, December 20, f.d.t. '87; f.d.n. '45. The tithi and nakshatra began at '87 and '41 respectively on this day which was however Saturday not Monday. The other dates examined, but with unsatisfactory results, are A.D. 1435, 1487, 1542 and 1560.  |
|          |                                   | Perumāļ Śrīvallabha, son of Vīraveņbāmālai Kulatēkhara.  |
| 77       | 489                               | 17th year, Pramādhi, Simha, 25, ba. di. tritīyā, Friday, Āyilyam = A.D. 1579, August 25. But the week-day was Tuesday not Friday and the nakshatra was Chitrā not Āyilyam.   |
|          |                                   | Jaṭilavarman Tribhuvanachakravartin Kulaśēkhara.   |
| 2)       | 655                               | 33rd year, Tulā 13, śu. di. tritīyā, Monday, Anisham = A.D. 1645, October 13, Monday. But śu. 3 had ended at ·77 and the nakshatra Anisham at ·72 the previous day.  |
|          |                                   | Hoysala Dynasty.   |
|          |                                   | Ballāļa III.   |
| "        | 738                               | Śaka 1238, Nala, Phalguna, śu. di. 5, Thursday = A.D. 1317, February 17, Thursday.   |
| 71       | 771                               | Saka 1246, Rudhirodgari, Chaitra, su. dasamī, Monday = A.D. 1323, March 18, Friday (not Monday); 27.   |
| "        | 772                               | Saka 1243, Raudri, Bhādrapada, ba. di. 13, Monday = A.D. 1320, September 1. Monday; 52.  |
| ,,       | 780                               | Saka 1262, Vikrama, Bhādrapada, śu. di. 10, Saturday = A.D. 1340, September 2, Saturday. The <i>tithi</i> commenced at 16 on Friday and ended at 06 on Saturday.   |
|          |                                   | Saluva.  |
|          |                                   | Naraśingarāya.   |
| "        | 710                               | Saka 1407, Viśvāvasu [Āśvija] ba. solar eclipse. There was a solar eclipse on ba. amāvāsyā in Śrāvaṇa. The date given will correspond to A.D. 1485, September 9, Friday. ba. 30 ended at 00.   |
| 3)       | 719                               | Saka 1420, Pingala, Chaitra, su. di. 15, Saturday = A.D. 1497, March 18,   |
|          |                                   | Saturday.  Vijayanagaba Dynasty I.   |
|          |                                   | Bukkarāya I.   |
| "        | 779                               | Saka 1289, Plavanga, Prathama-Āshāḍha, śu. di. 14, Friday = A.D. 1367 June 11, Friday. Śu. Chaturdaśī commenced at ·18 on this day and ended at ·08 on the following day.  |
|          |                                   | Kampaṇa-Odeya II.  |
| 1918.    | 90                                | Saka 1295, Ānanda, Rishabha, śu. di. daśamī, Monday, Punarvasu. Śaka 1295 was (not Ānanda) Pramādīcha. In Ānanda śu. daśamī fell on Sunday (21st May A.D. 1374) but the nakshatra was Hasta. In Pramādīcha, Rishabha, śu. daśamī fell on Monday (= A.D. 1373, May 2) but the nakshatra on this day was Pūrva-Phalgunī ending at '09.  The cyclic year seems wrong, probably the date intended was the latter. The nakshatra "Punarvasu" is an error for "Pūram". |
| <u> </u> |                                   | naksnatra " Punarvasu " is an error for " Furam .  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.    | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|----------|-----------------------------------|---|
|          |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY I-cont.  |
|          |                                   | Kampaṇa-Oḍeya II—cont.  |
| 1918     | 184                               | Saka 1286, Krōdhi, Mēsha, śu. tritīyā, Wednesday, Pūrāḍam. Pūrāḍam in Mēsha, in Krōdhi commenced at 04 on Sunday ba. chaturthī and ended at 12 on Monday following (= A.D. 1364, April 21 Sunday and 22 Monday) Śu tritīyā in Mēsha fell on Saturday (April 6) and the nakshatra was Rōhiṇī. In A.D. 1363 on Wednesday April 5, Pūrāḍam ended at 89 and the tithi was ba. śhashṭhī (not śu. 3.)   |
|          |                                   | Šinganna-Odeya.   |
| 1917     | 681                               | Saka 1299, Pingala, Margasira, su. 5, Tuesday = A.D. 1377, November 6, Friday. Tuesday is mistake for Friday. '71.  |
|          | }                                 | Dēvarāya I.   |
| 37       | 803                               | Saka 1304, Sarvadhāri (wrong) Mārgaśira, śu. di. 7, Wednesday. Saka 1304 does not correspond to Sarvadhāri. In Sarvadhāri corresponding to Saka 1330, Mārgaśira, śu. 7 was Sunday not Wednesday (= A.D. 1408, November 25, Sunday). But in Virōdhi following, Mārgaśira śu. 7, fell on Wednesday commencing at 23 and corresponded to A.D. 1409 November 13, Wednesday. In S. 1304 = A.D. 1382 = Dundubhi, Mārgaśira śu. 7, began on Wednesday November 12 at 08 ending next day at 15. |
| 3>       | 804                               | Šaka 10303 (?), [Hē]malambi (wrong) Phālguṇa śu. di. 10, Thursday. Hemalamba in the reign of Dēvarāya I corresponded to Saka 1339. Phālguṇa, śu. daśamī in this year was Wednesday ending at 29 on that day. In Durmukhi preceding (= Śaka 1338) Phālguṇa śu. daśamī commenced on Thursday at 80 and ended at 71 on Friday (= A.D. 1417 February 25, Thursday).   |
|          |                                   | Virupanna-Odeya II.   |
| >>       | 328                               | Šaka 1312, Šukla, = 1311 Kaṭaka, śu. di. Sunday, Mūlā, = A.D. 1389, July 6, Tuesday. Sunday must be a mistake for Tuesday. "Mulā" ended at '78.   |
|          |                                   | Bukkarāya II.   |
| <b>»</b> | 217                               | Śaka 1327, Pārthiva, Mīna, śu. di. ashṭamī, Friday, Mṛigaśīrsha = A.D. 1406, February 26, Friday, 18; 10.   |
| **       | 370                               | Saka 1328, Vyaya, Šimha, śu. di. tritīyā, Tuesday, Hasta = A.D. 1406, August 17, Tuesday, śu. tritīyā and Hasta ended at '01 and '03 respectively on this day.  |
| >>       | 819                               | Saka 1309, Prabhava, Magha su. di. 15, Thursday = A.D. 1388 January 23, Thursday, when su. 15, began at 01 and ended at 00 on the following day.  |
|          |                                   | Dēvarāya II.  |
| »        | 765                               | Saka 1354, Paridhāvi, Kārtika, śu. di. 1, Friday = A.D. 1432, October 24, Friday; śu. 1 commenced at 29 on this day.  Saka 1367, Krōdhana, Mīna, śu. dvādašī, Thursday, Makhā = A.D. 1446,  |
| 1918     | 68                                | March 10, Thursday; 42; 85.   |
| >>       | 91                                | Saka 1352, Saumya. [Karkataka] su. shashthī, Monday, Uttiram. Saka 1352, corresponded to Sādhāraṇa (not Saumya). In Saumya, Karkataka, su. shashthī fell on Thursday (not Monday) i.e., A.D. 1429, July 7, on which the nakshatra was Uttiram up to 15.   |
| >>       | 92                                | Saka 1351, Saumya, Mēsha, ba. shashṭhī, Sunday, Uttiram = A.D. 1429, April 24, Sunday, Uttiram is mistake for Uttirāḍam. Su. 6, ended at 74 and Uttiraḍam at 73.  |
|          | 1                                 | Vijayanagara Dynasty II.  |
|          |                                   | Kṛishṇadērarāya.  |
| 1917     | 210                               | Saka 1439, Īśvara, Pushya, śu. di. paurnimā = A.D. 1517, December 28,   |
| **       | 235                               | Monday.<br>Śaka 1409 (mistake for 1439), Īśvara, Pushya, śu. paurnimā. See remarks on<br>210 above.   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.       | Number<br>of          | Astronomical details, English equivalents and remarks   |
|-------------|-----------------------|---|
| 10          | inserip-<br>tion      |   |
|             |                       | VIJAYANAGARA DYNASTY II—cont.   |
|             |                       | $	extbf{	extit{K}} rishnad ar{e} varar{a} ya$ —cont.  |
| 1918        | 36                    | Šaka 1444, Chitrabhānu, Karkaṭaka, ba. dvādašī, Sunday, Arunayōga, Ārdrā = A.D. 1522, July 20, Sunday, '42; '88.  |
| ,,          | 100                   | Saka 1442, Vikrama, Kanyā, ba. daśamī, Friday, Pushya. In Vikrama, Kanyā, ba. daśamī ended at 71 on Thursday (= A.D. 1520, September 6) the nakshatra on which day was Punarvasu up to 45. Friday following, on which day Pushya lasted till 46 was ba. ēkādaśī (not daśamī) till 69.   |
| ;,          | 101                   | Šaka 1446, Tāraṇa, Simha, śu. prathamā, Sunday, Makhā = A.D. 1524, July 31, Sunday; '75; '78.  Tirumalaidēva-Mahārāya.  |
| "           | 115                   | Saka 1446, Tarana, Tulā, ba. ēkādasī Monday, Hastā. In Tārana, ba. ēkādasī fell on Sunday (= A.D. 1524, October 23) ending at 32 on which day Hastā commenced at 67 and ended at 60 on Monday following.  |
| "           | 116                   | Saka 1446, Tāraṇa, Dhanus, śu. paurṇai, Ārdrā, Sunday. Paurṇami in Dhanus in Tāraṇa ended at '95 on Saturday (= A.D. 1524, December 10) while Ārdrā commenced at '50 on this day and ended at '53 on Sunday.  |
| <b>3</b> 7  | 117                   | Śaka 1446, Tāraṇa, Dhanus, śu. prathamā, Ārdrā, Sunday = A.D. 1524, December 11 Sunday; śu. prathamā must be mistake for ba. prathamā; '96; '53.  Achyutarāya.  |
| 1917        | 261                   | Durmukhi, Tai 20, Makara, su. prathamā, Monday, Sankramana. Su. prathamā in Tai fell on Friday, Makara 16 (= January 12, 1537 A.D.) Sankramana, i.e., Makara Sankramana fell on Thursday ba. prathamā (December 28, A.D. 1536).   |
| "           | 331                   | Saka 1461, Vikāri, Mithuna, su di. panchamī, Punarvasu, Welnesday. In Vikāri, Punarvasu in Mithuna fell on Tuesday (not Wednesday) su. prathamā ending at '05 and dvitīyā ending at '97 (= A.D. 1539, June 17, Tuesday). Panchamī an error for prathamā.  |
| ,,          | 789                   | Saka 1455, Vijaya, Mārgasira, ba. di. 15, Monday = A.D. 1533, December 15,  |
| 29          | 794                   | Monday; '86.<br>Śaka 1459, Vilambi (= Ś. 1460) Māgha, śu. di. [2], Wednesday = A.D. 1539,<br>January 22, Wednesday; '13.  |
| **          | 802                   | Saka 1449, Vikriti, Jyēshṭa, śu. di. 5, Tuesday. Vikriti corresponds to Saka 1452 (not 1449). The details would give correctly A.D. 1530, May 31, Tuesday: :46  |
| 1918        | 113                   | Saka 1453 (= Khara), Vijaya (= S. 1455), Kumbha, su. di. Paurnamī, lunar eolipse, Makhē, Thursday = A.D. 1534, January 29, Thursday. Su. chaturdasī ended at 07 on this day and Makhā commenced at 79 on the same day. The Saka year corresponding to Vijaya was 1445.  |
|             |                       | Sadāśivarāya-Mahārāya.  |
| 1917-<br>18 | No. 5<br>of<br>App. A | Saka 1478, Nala, Śrāvaṇa, ba. di. ashṭamī, Jayanti, Thursday. In Nala Srāvaṇa, ba. ashṭamī ended at '73 on Wednesday. But the nakshatra Rōhiṇī associated with the Jayanti commenced at '11 on Thursday following (=A.D.  |
| 1917        | 332                   | 1556, July 30), and ended at ·04.<br>Saka 1467, Viśvāvasu, Kumba, śu. daśamī, Friday, Hastā. In Viśvāvasu,<br>Hastā in Kumbha commenced at ·39 on Wednesday ba. dvitīyā and ended at  |
| "           | 338                   | 49 on Thursday ba. tritīyā (= A.D. 1546, February 18).<br>Saka 1467, Viśvāvasu, Kanni, śu. daśami, Friday also Sunday=A.D. 1545,  |
| <b>,</b> ,  | 689                   | September 15, Tuesday (neither Friday nor Sunday); '95 Saka 1469 (Plavanga), Parābhava (S. 1468), Māgha, ba. di. 3 [Monday] = A.D. 1547, February 7, Monday; '93  |
| 1918        | 112                   | Saka 1468 (Plavanga), Virodhikrit (S = 1473), Panguni, 29, dasami, Saturday, and Panguni 23, ba. dasami, Mūlā, Sankramana.  |
|             |                       | In Virödhikrit Panguni 29 was panchamī (not dasamī) and Thursday (not Saturday). Panguni 23 was trayōdasī (not dasamī) and the nakshatra was Pūrva-Phalguni (not Mūlā). In Panguni occurring in Phālguna of Virōdhikrit tēdi 29 was amāvāsyā (not dasamī), Friday (not Saturday) and Panguni 23 was ba. dasamī from 05 but the nakshatra was Śravana (not Mūlā) from 07. In Šaka 1468 Panguni 29 was dasamī from 42 which ended on Saturday following tēdi 30 at 33. Panguni 23 was ba. tritīyā (not ba. desamī) with nakshatra Visākhā not Mūlā. |
|             | · '                   | 1172, Home (Edn.)—32  |
|             |                       | 11(6, HOME (EUL.)02   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.       | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details. English conjugators and somewhat   |
|-------------|-----------------------------------|--|
|             | }                                 | VIJAYANAGABA DYNASTY II—cont.  |
|             |                                   | Sadāśiva-Mahārāya—cont.  |
| 1918        | 114                               | Saka 1468, Parābhava, Kumbha ba. amāvāsyā, Sunday, Aśvati. In Parābhava, Aśvati in Kumbha combined (1) with śu. shashṭī, Thursday (= A.D. 1547, January 27) and (2) with śu. Chaturthī, Wednesday (= A.D. 1547, February 23).  |
|             |                                   | In A.D. 1547, Kumbha amāvāsya fell on Sunday February 20 (=Kumbha 25);   |
| 9)          | 130                               | '13; but the nak. on that date was 'Pūratṭādi' (not Aśvati) which ended at '77 Śaka 1482, Raudri, Mēsha, ba. dvitīyā, Wednesday = A.D. 1560, April 12, Friday (not Wednesday). But Mēsha ba. dvitīyā in Durmati following (=Śaka 1483) fell on Wednesday (= A.D. 1561, April 2). In A.D. 1560 Phālguṇa ba. 2 fell on Wednesday, March 13 and it ended at   |
| "           | 132                               | 97. Probably the month Mēsha is an error for Mīna.<br>Śaka 1 82, Siddhārthi, Ś. 1481, Mēsha, śu. pañchamī, Śravaṇa, Sunday. In<br>Siddhārthi, Śravaṇa in Mēsha fell on ba. navami, Saturday 9 (=A.D. 1559,<br>April 1).  |
|             |                                   | But in A.D. 1559 in Dhanus, su. 5, began at '11 on Sunday, December 3, and it ended at '16 on Monday. 'Sravana' also fell on Sunday ending at '26.   |
|             |                                   | VIJAYANAGARA DYNASTY III.  |
|             |                                   | Šrirangarāya II.   |
| 1917        | 697                               | Saka 1506, Tārana, Kārttika, su. di. 15, lunar eclipse = A.D. 1584, November 7, Saturday, 97.  |
| 1918        | 128                               | Svabhānu, Panguni 29, Šaka 1505, Mīna, śu. di. saptamī [Friday, Pūraṭṭādi]. In Svabhānu (= Śaka 1505), Panguni, 29 (= Mīna, śu. chaturdaśī) fell on Tuesday (= A.D. 1583, March, 26). Mīna, śu. saptamī fell on Panguni 23 and the nakshatra on that day was Ārdrā (not Pūraṭṭādi). In this Svabhānu śu. 7 and Pūrva-Bhādrapada combined only in Dhanus—Mārgali, (not in Mīna-Panguni) on a Wednesday = A.D. 1583, Wednesday, December 11; '42; '24                                    |
| 1017        | <b>73</b> 6                       | Venkatapatirāya I.   |
| 1917        | 190                               | Saka 1526, Krōdhi, Pushya, ba. di. [3] Makara-Sańkrānti = A.D. 1604, December 29, Saturday.  |
|             | 1~ 0                              | Venkatapatidēva II.  |
| 1917-<br>18 | 17 of App.                        | Šaka 1555, Šrīmukha, Chaitra, śu. di. pañchamī = a.D. 1633, March 5, Tuesday.  |
| 10          | A                                 | WESTERN CHALUKYA.  |
|             | ļ                                 | Vinayād <b>it</b> ya <b>S</b> atyāśraya.   |
| ,           | 3 of                              | Saka 512, Sādhāraṇa, Māgha, śu. di. trayōdaśī, Monday.   |
|             | App.<br>A                         | Mr. L. D. Swamikannu Pillai remarks:— "In A.D. 590 ( = Saka 512 expired, Māgha sukla 13 fell on Monday as stated". But he is of opinion that "all the same the record may be a forgery; there being no evidence that the Southern Bārhaspatya reckoning according to which the year would be Sādhāraṇa, was in use in the sixth century A.D."  |
|             |                                   | Jagadēkamalla i.e. Taila III.  |
| 1917        | 733                               | Šaka 1091, Virodhi, Šrāvaņa, śu. di. Trayodaśi, Thursday, Uttarāyaṇa-Sankramaṇa = A.D. 1169, August 7, Thursday; 40.   |
|             |                                   | EASTERN CHALURYA.  |
| 16.1-       |                                   | Sarvalokāśraya Vishņuvardhana alias Chālukya-Bhīma I.  |
| 1917-<br>18 | No.<br>14 of<br>App.<br>A         | Saka 814, Mēsha, Chaitra, ba. di. dvitīyā, Monday, Maitra, Mithuna. In Śaka 814, Chaitra ba. dvitīyā did not fall in Mēsha but coincided with tēdi 29 of Mīna preceding and was on a Sunday on which day the nakshatra was Svāti; but on ba. dvitīyā of Vaisākha following corresponding to Mēsha (Chittirai) 27, Monday, the nakshatra was Anurādhā (Maitra) (= A.D. 892, April 17, Monday). The inscription has: "Manuvasusamprāptē shu"] Samkhyēshu Mēshā Mitrā Chaitrā cha Moitrā. |
|             |                                   | khyēshu Mēshē Mitrē Chaitrē cha Maitrē Šasini Šasidinē Krishnapaksha-dvi-<br>tīyē 1, Yugmarkshasy=ödgamēdhāt paṭṭam=āchandra-tāram.'   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.       | Number of inscription.    | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|-------------|---------------------------|--|
|             |                           | Nolamba-Pallava.   |
|             |                           | $No {\it lambadhiraja}.$   |
| 1917        | 734                       | Śaka 934,śu. pañchamī, Saturday. Details not enough for verification.  |
|             |                           | Miscellaneous.   |
| 404         | NT                        | Undirāja of the Solar race.  |
| 1917-<br>18 | No.<br>16 of<br>App.<br>A | Saka 1304, Dundubhi, Māgha, śu. daśamī, Thursday = A.D. 1383, January 14, Wednesday, śu. daśamī ended at 94 on Wednesday. Thursday is an error for Wednesday.  |
|             |                           | $Raghu$ nā $th$ a $T$ oṇḍaɪ $m{m}$ āṇā $m{r}$ .  |
| ,,          | No.<br>22 of<br>App.<br>A | Saka 1687, Kali, 4866, Pārthiva Tai, 4. Friday, śu. pañehamī, Uttara (Uttara-Phalgunī). In Tai, Uttara-Phalgunī fell on ba. Chaturthī, Thursday ending at 35 on that day (=A.D. 1766, January, 30, Thursday); ba. pañehamī ended at 21 on Friday following.  In A.D 1765 on Friday 25, January (16 Tai.)=śu. 5 and Uttiraṭṭādi began at 27 and 25, respectively on and ended at 30 and 30 respectively on Saturday. Probably Tai 4 is an error for Tai 16, and Uttira for "Uttirāṭṭādi."   |
|             |                           | Anonymous.   |
| "           | No. 2 of App.             | Śaka 1665, Rudhirōdgārin, Śrāvaṇa, śu. di. prathamā, Monday. = A.D. 1743, July 11, Monday.   |
| 1917        | 378                       | Śaka 1600, Kollam 853, Kālayukta, Vaigāši 17, śu. di. pañohāmī, Wednesday,   |
| "           | 458                       | Pūśa (Pushya), = A.D. 1678 May 15, Wednesday; 78; 82.<br>Śaka 1333, Kumbha, 13, ba. daśamī Mūlā = A.D. 1412, February 7, Sunday; 99. "Mūlā" began at 06 and ended at 00 the following day.<br>Śaka 1351, Mēsha, ba. prathamā, Viśākhā = A.D. 1429, April 20, Wednesday;  |
| >>          | 459                       | .23.06   |
| ,,          | 463                       | Saka 1353, Tulā, 1, śu. dvitīyā, Monday, Svāti. The combination su. dvitīyā, Monday, fell on Tulā 9, (not 1) and the nakshatra was Višākhā (not Svāti) and the nakshatra was Višākhā (not Svāti) and the nakshatra was Višākhā (not Svāti).  |
| 1917        | 463 &<br>464              | Tulā 1 is an error for Tulā 9. Śvāti had ended on the previous day at '67. Saka 1453, Kollam 707, Makara 17, śu. saptamī, Sunday, Aśvati.  = A.D. 1532, January 14, Sunday. Aśvati began at '01 and ended on the   |
| ,,          | 506                       | next day at, 04.<br>Kollam 685, Simha 9, ba. ashṭamī Rōhiṇī = A.D. 1509, August 8, Wednesday;  |
| "           | 517                       | 15; '90.<br>Śaka 1447, Kollam 701, Kanni, 15, ba. dvādašī, Thursday, Makhā, = A.D.   |
| 93          | 528                       | 1525, September, 14, Thursday; '35; '78.  Saka 1469, Kollam 722, Sittirai, 17, ba. ashṭamī, Wednesday, Tiruvōṇam  = A.D. 1547, April 13, Wednesday; '45; '57.  |
| 3)          | 641                       | 2 + 26th year, Vrischika, 6, su. di. ekadasi, Sunday, Utiraijadi = A.D. 1470,  |
| <b>7</b> 1  | 667                       | Saka 157[4], Nandana, Avani 20, Friday, ba. [dvadasi], Fusilya. = A.D.   |
| 7;          | 668                       | Saka 15[9]4, Kollam 817, Paridnavi, Adi 6, Sunday, Fadi intravasi, Otonadam,<br>= A.D. 1672, July 28, Sunday. Tēdi 6, is mistake for 29. Paurņimāvāsī,   |
| .99         | 715                       | began at 61 on this day.<br>Saka 1521, Vikāri, Pushya ba. di. 7, Friday. = A.D. 1599, December 28,<br>Friday; 89.  |
| <b>37</b>   | 757                       | Śaka 1426, Krōdhana (= Ś. 1427) Chaitra, śu. di. 1, Wednesday. Śaka 1426 (= A.D. 1504-05) corresponded to Rākshasa (not to Krōdhana) in which Chaitra śu. 1 was Sunday. In Krōdhana (= Ṣaka 1427) Chaitra śu. 1, was Thursday the tithi ending at 91 but Chaitra śu. 1, in Ṣaka 1428 (i.e.,) Kshaya Samvat was Wednesday (= A.D. 1506, March 27, Wednesday). Chaitra may mean, Chaitra at the beginning or Chaitra at the end of a year. The inscription refers to Chaitra at the end of Ś. 1427 (= Krōdhana = A.D. 1505 — 06), which would be the same as Chaitra at the beginning of A.D. 1506-07 (= Ś. 1428 = Kshaya Samvat). |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1917-18—cont.

| Year.     | Number<br>of      |  |
|-----------|-------------------|--|
| I ear.    | inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|           |                   | Miscellaneous - cont.  |
|           |                   | Anonymous—cont.  |
| 1917      | 773               | <ul> <li>Saka 1238, Nala, Māgha, ba. di. 5, Thursday. = A.D. 1317, February 2</li> <li>Wednesday (not Thursday).</li> <li>In A.D. 1316 on Thursday, January 15; Māgha ba. 5 ended at .76</li> </ul>  |
| "         | 774               | Saka 1255. Śrīmukha, Ashāḍha, śu. di. 15, Monday = A.D 1333, June 28 Monday; 35.   |
| <b>37</b> | 776               | Saka 1624, Chitrabhānu, Vaišākha, su. di 1, Monday. = A.D. 1702 April, 17 Friday (not Monday). In Saka 1623 (Vrisha) Vaišākha su. 1, was Monday (= A.D. 1701, April 28) and in Tāraṇa (= Saka 1625) Vaišākha su. 1 commenced at 14 on Monday (= A.D. 1703 April 5).  |
|           | ~~~               | Probably the 2nd date is intended.   |
| 27        | 778               | Saka 1418, Naļa, Māgha, śu. Paurņimā Thursday, Lunar eclipse. = A.D. 1497<br>January 18, Wednesday (not Thursday); '72.<br>Thursday is an error for Wednesday.   |
| ,,        | 791               | Saka 1261, Pramādi, Šrāvaņa, ba. di. 5, Monday = A.D. 1339, July 26, Monday; 58.   |
| 33        | 801               | Saka 1474, Paridhāvi, Paushya, ba. di. 30, Saturday = A.D. 1553, January 14, Saturday. There was a solar eclipse on this day though not noted in the inscription.  |
| "         | 809               | Šaka 1[3]27, Pārthiva, Kārtika, ba. di. 10, Monday = A.D. 1405 November 16, Monday; 58.  |
| "         | 814               | Šaka 1345, Šōbhakrit Kārttika, śu. di. 1, Friday. In Šōbhakrit Kārttika, śu. 1 fell on Tuesday but in Šubhakrit preceding (= Śaka 1344) Kārttika, śu. 1 was Friday (= A.D. 1422, October 16, Friday) and it ended at 83.   |
| "         | 815               | Saka 1676, Yuva, Mārgaśira, śu. di. 15, Thursday = A.D. 1755, December 18, Thursday; 66. Yuva corresponded to Saka 1677 (not to 1676).   |
| "         | 818               | Saka 1[37]3, Pramodūta, Bhādrapada [ba.] di. [3]0 Sunday = A.D. 1450 September 6, Sunday; 18.  |
| ,,        | 839<br>841        | Saka 1511, Virodhi, Bhadrapada su. 11, Wednesday = A.D. 1589, September 10, Wednesday. The tithi ended at 46.  |
| >>        |                   | Saka 1221, Jyōshtha, śu. 1, Saturday = A.D. 1299, May 2, Saturday. Šu. 1 ended at 29 on this day.  |
| ,,        | 851               | Saka 1142, Vikrama, Chaitra, ba. 15, Thursday, Vishu-Sankranti. In Vikrama Chaitra ba. 15 was Saturday. But in Vrisha following Chaitra ba. 15, was Thursday (= A.D. 1221, March 25).  |
| >>        | 854<br>860 &      | Saka 1069, Kārttika, ba. di. 15, Monday = A.D. 1147, November 24, Monday when amāvāsyā began at 04 and ended at 02 on the following day.   |
| "         | 861               | Šaka 1593, Kali 4772, Virodhikrit, Vaisākha. ba. di. saptamī, Saturday.<br>= A.D. 1671 Saturday May, 20; 80.   |
| 1918      | 97                | Saka 1369, Prabhava, Simha, ba. chaturthī, Monday, Aśvati = A.D. 1447<br>August 28, Monday, f.d.t. 69; f.d.n. 43.  |
| "         | 98                | Saka 14 * *., Kaktākshi, Vrišchika, amāvāsya, Wednesday, Višākhā. In Śaki 1426, Raktākshi, amāvāsyā, fell on Welnesday and the nakshatra wa Višākhā (= A.D. 1504 November 6, Wednesday, 82. In Raktākshi (= Śaki 1486) Vrišchika amāvāsyā fell on Friday though the nakshatra was Višākhi (= A.D. 1564, November, 3 Friday). |
| "         | 99                | Saka 1465, Sobhakrit, Karkataka, ba. daśamī, Thursday, Röhinī = A.D<br>1543, July 26, Thursday; 48; 35.  |
| **        | 118               | Sāka 1426, Raktākshi, Vrišchika, amāvāsyā, Wednesday, Višākhā. = A.D. 1504, November, 6, Wednesday (vide No. 98 above).  |
| ,,        | 121               | Saka 1506, Tāraṇa. Vrišchika, su. paurṇai, Saturday = A.D. 1584 November 7 Saturday. On this day there was also a lunar eclipse.   |
| ,,        | 126               | Saka 1480, Purmati, Makara, Punarvasu, su. trayōdasi Sunday = A.D. 1562<br>January 18, Sunday; 37; 89. Durmati was Saka 1483, (not 1480).  |
|           |                   |  |
|           |                   |  |

### FART II

An inscription at Phulta (No. 830 of App. B) in the Ganjam district engraved An inscription at Phulta in early characters.

on a rock embedded in the soil near a water-pit has been copied during the year. The villagers report that this pit which was formerly a bigger pond contains a good quantity of water in dry weather when it generally becomes scarce in the neighbourhood. The inscription is written in a mixed script of northern and southern characters. From the formation and slanting position of the letters, from the use of the developed sign for i in consonants and the sign for secondary dha as in later Dēvanāgarī, this record resembles very much the two plates opposite pages 128 and 290 of Dr. Fleet's Gupta Inscriptions. It may have, therefore, to be assigned to about the 6th century A.D. The inscription has been tentatively read and translated as below:—

#### TEXT

Pī]thī-[śu]ddhī-tīrtham (i.e., Pīthī-śuddhi-tīrtham).

# TRANSLATION.

"Pure water for (those that wish to) drink." The other possible translations are—(a) Pure water for horses  $(p\bar{\imath}thi)$  and (b) pure water for the market-place  $(p\bar{\imath}th\bar{\imath}-v\bar{\imath}th\bar{\imath})$ . The first alternative might be a probable interpretation if it is supposed that the water-pond lay near a military camping-ground and the second would suggest that formerly there was in the neighbourhood a market-place or a ground for holding a fair.

#### THE PALLAVAS.

2. No early Pallava inscriptions have been discovered this year. Sakala-Kopperunjingadeva who claimed Pallava descent and bhuvanachakravartin Kōpperuñjinga. was a contemporary of the Chōla king Rājarāja III (A.D. 1216 to 1248) is represented by nine inscriptions from the South Arcot district. In one of these (No. 80 of 1918) he is called Tribhuvanachakravartin Avaniālappirandān Kopperunjingadēva. In No. 73 of 1918 which comes from Vriddhāchalam and which is dated in his 10th year (A.D. 1253-54) we are informed that Kūdal Avaniālappirandān alias Kopperunjingadeva defeated certain Dandanayakas of the Hoysala king in the battle field at Perumbalur (in the Trichinopoly district) and seized the ladies and treasures, and to absolve himself from the sin thus committed he presented to the god Tirumudugungam-udaiya-Nāyanār at Vriddhāchalam a gold forehead plate set with jewels. It is not certain if there was only one chief or more with the name Köpperuñ jinga. In the record under reference Kūdal Avaniālappirandān Köpperuñjingadēva who occupies the position of a donor is probably identical with the Sakalabhuvanachakravartin Köpperuñjinga in whose reign the record is dated. In the Annual Report for 1906, page 63, Mahārājasimha of the Tripurāntakam record has been identified with Kūdal Avaniālappirandān Kopperunjingadēva. In my Annual Report for 1913, paragraph 66, I have shown that Kūdal Avaniālappirandān Kādavarāyar I was identical with Mahārājasimha. As A.D. 1243 is the initial date of Sakalabhuvanachakravartin Kopperunjinga, the Hoysala king referred to must be Vira-Someśwara whose capital was Kannanūr near Trichinopoly and whose regular reign extended from 1233 to 1263 A.D. We have known of open hostilities between Köpperuñjinga and the Chöla king Rājarāja III, the intervention of the Hoysala king Narasimha II on behalf of the Chöla and the defeat of the Pallava. But then Kopperunjinga had no locus standi anywhere as an anointed king or chief and it was only in 1243 A.D. that he was regularly crowned.

No. 83 of 1918 also dated in the 6th year of Sakalabhuvanachakravartin Köpperuñjinga records a gift of land by Kūdal Āļappirandān Alagiya Śīyan Köpperuñjinga. In his Annual Report for 1906, page 63, Mr. Venkayya has identified Alagiyasīyan Avaniālappirandān Köpperuñjinga with the father of Mahārājasimha, i.e., Avaniālappirandān or Kūdal Avaniālappirandān Köpperuñjinga.

1172, Home (Edn.)-33

No. 74 of 1918 which comes from Vriddhāchalam is not dated in the reign of any king but refers to Kādava (i.e., Pallava) chiefs. The record consists of Tamil verses eulogising the family of the Kādavas. They furnish the following genealogy:—

Vaļandaņār alias Kāḍavarāyar. Āṭkolliyār alias Kāḍavarāyar.

Élisaimõgan Kādavarāyan (who conquered the four quarters). Arasanārayanan Kachchiyarayan alias Kadavarayan.

Āļappiraudāņ Vīrašākhara alias Kādavarāyaņ.

It is stated that in Saka 1106 (= A.D. 1186) Āļappirandāņ Vīrašēkhara alias Kāḍavarāyan the last in the geneological table given above devastated Kūḍal (i.e., the modern Cuddalore in the South Arcot district) belonging to Karkata and the Adiyamānāḍu. In one of the verses it is stated that the kings of the north prostrated at his feet. From the introductory sentence in prose it is known that the above chief had the record engraved on stone in the gōpura (called Gaṇḍarādittaṇ-tiruvāśal) of the Vriddhagirīśvara temple at Vriddhāchalam.

# EASTERN CHALUKYAS.

3. Of this dynasty we have not many records in the collection of the year under review. Among the copper-plate inscriptions we have only three pertaining to it. One of them (No. 11 of App. A) belongs to an early king, viz., Jayasimha I whose records are very rare. Another (No. 14 of App. A) belongs to Chālukya-Bhīma I while the third (No. 15 of App. A) is of the later Chālukya king Saktivarman who is called by the characteristic appellation Sarvalōkāśraya Vishnuvardhana. A rare feature of the records of this family secured this year is that there are stone inscriptions for some of its kings.

The first of these sets of copper-plate records has three plates which are rectangular in shape and are hung on a ring which carries a fixed circular seal engraved in relief with the title ' $\hat{Sri}$ -Sarvasiddhi' of this king found also on the seals of his two other grants, viz., the Peddamaddali plates (Ind. Ant. Vol. XIII, p. 137) and No. 7 of App. A to the Annual Report for 1917. The plates measure about  $7\frac{3}{4}$ " in length and  $2\frac{3}{4}$ " in breadth. The ring is about  $3\frac{1}{2}$ " in diameter.

Jayasimha'I. The writing very closely resembles that of No. 5 of App. A of the Annual

Report for 1914, and of the latter of his other two records referred to above record under review unlike all others begins with an invocation and that to the Sungod (Savitri). The dynasty called Chalukya in the other three records of the king is in this inscription called Chālukya. The genealogy given in it commences with Kīrtivarman who is described as the 'elevator of the Chālukyas.' Kubja-Vishņuvardhana I is mentioned under the name Vishnuvarman using the title varman which is not generally seen in Eastern Chālukya names. Kubja-Vishnu is compared in this inscription to god Vishnu in the epithet kārana-Vishnu applied to him. simha I, his son, is mentioned by the title Sarvasiddhi in addition to the proper name Jayasimha-Vallabha. The village granted Kombaru is stated to have been situated in the Kanthēruvāți-vishaya. This vishaya must be the same as the Gandēruvāțivishana mentioned in the record of this king noticed on page 115 of the Annual Report for 1917. This name was corrupted later into Kandēruvāti (ibid.) and Kandravāti as mentioned in No. 94 of 1917 (see paragraph 33, Part II of the same report). The name of the village near which Kombaru lay is given as Vientūru and must be the corrupt form of Velantūru. It is very likely that the village Vellatūru in the modern Repalli taluk of the Guntur district is referred to here and that Kombaru of the inscription is identical with the modern village Komali in the same taluk.

The donee is said to have been a resident of Kukkanūru. This place may be the same as the one of that name in the Nizam's Dominions mentioned very often in later Western Chālukya inscriptions (Bombay Gazetteer Vol. 1, Part II, pages 304, 333,

Kukkanūru.

432, etc.). The place was an important one in the 11th century A.D. as can be

gathered from inscriptional references to it. Though in later times it formed part of the Western Chālukya dominion, at the time of the copper-plate grant now noticed it might have been in the Eastern Chālukya country.

4. The next king of the dynasty, represented in the year's copper-plate inscriptions is Chālukya-Bhīma I. No. 14 of Appendix A belonging to him was sent to me by

Mr. J. Ramayya Pantulu Garu for exa-Chāļukya-Bhīma I. mination. The plates which are three in number measure  $3\frac{3}{4}$  inches in height and  $7\frac{1}{2}$  inches in breadth. They are hung on a ring which bears a seal with the usual emblem the boar and the legend 'Srī-Tribhuvanāmkusa, cut in relief as in the seals of his other grants. This record, in giving the duration of the rule of the several previous kings of this line shows certain variations from the periods given by Dr. Fleet to some of them. Jayasimha I is given a rule of 33 years and not 30 as per Fleet's table, while Vijayaditya I is given 19 instead of 18 years. Vijayāditya II has 40 years in our inscription as against 44 years. king is said to have destroyed together with the Southern Ganga (Dakshina-Ganga) force a certain Bhīma-Salki. This rival of Vijayāditya II is mentioned as his younger brother under the name Bhīma Sāļukki who occupied the Vēngī country for sometime (Annual Report for 1912, page 84). The conquests of Vijayāditya III are mentioned with the same details as are given in No. 1 of Appendix A to the Annual Report for 1914, mentioning his title Tripuramartya-Mahādēva which in our inscription appears in the form Tripuramartya-Mahēśvara. The facts noticed by Dr. Fleet, that Vijayāditya III cut off the head of a certain Mangi in a fight with the Gangas and defeated Krishna, are narrated in and confirmed by this inscription. As has already been pointed out (page 85 of Annual Report for 1914) this Krishna must be Krishna II of the Rāshtrakūta line who was the contemporary and opponent of Gunaka-Vijayāditya

The king is called in the prose portion of our inscription Sarvalokāśraya Vishņuvardhana-Maharaja as in No. 14 of His surname Vishnuvardhana and his corona-Appendix A to the Annual Report of tion in Śaka 814. 1909, with the title Paramesvara and the epithet Paramabrahmanya. Chālukya-Bhīma I is said to have defeated Krishna-Vallabha (i.e., Krishna II). The present inscription is the only one of the king bearing a date and its importance is all the greater when it is observed that it gives the date of the king's coronation as Saka 814 (= A.D. 892), Mēsha, Chaitra, ba. di. 2, Monday, Maitra, Yugmarksha (i.e., Mithunarasi?). The details of the date given do not work out correctly and for further remarks regarding it see page above. This would give a date four years later than that adopted by Dr. Fleet for the king's accession (Ind. Ant. Vol. XX, page 283). The grant made consisted of two plots of land in the village of Attili in the Attili-vishaya to a certain Challava who knew the

gāndharva-vidyā (science of music). The His gift of land to a songstress. village is identical with the one of that name in the Tanuku taluk of the Kistna district which at the time of the grant must have been a more famous place, than what it is now, as the headquarters of a vishaya (i.e., district).

Among the stone inscriptions of this dynasty engraved in Chālukyan characters we have one from Bezwada (No. 833 of 1917) and another from Ghantasāla (No. 846 The former is dated in the 17th year of Vishnuvardhana-Mahārāja of Appendix B).

His stone inscription at Bezwada dated in the 17th year.

III.

Vikramáditya II is not known to ditya. have had any issue. Vishnuvardhana, son of Vikramāditya, of this record must be identical with the king of the copper-plate inscription noticed above who was the son of Vikramāditya I. Calculated from Saka 814 (= A.D. 892) the date of his accession given by the above copper-plate grant, the date of the Bezwada inscription would be A.D. 909. The king is stated in the latter record to have patronized the foundation of the Parttiśvara (i.e., Parthiśvara) temple The record is a further evidence that at on the Indrakila hill by a certain Chattapa. this time the Indrakīla hill was associated

The Parthisvara temple on the Indrakila hill at Bezwada built about A.D. 909.

of the Bezwada record noticed above.

with the puranic hero Arjuna called also Partha (Annual Report for 1910, page 82, The record from Ghantasala is not dated. and Annual Report for 1916, page 149). It is difficult, therefore, to determine who the king called Vishnuvardhana in it was. The characters of the inscription may be assigned to about the same period as those

who is referred to as the son of Vikrama-

5. The only other Eastern Chālukya copper-plate record we have in the collection (No. 15 of Appendix A) belongs to king Saktivarman, the son of Dānārṇava and the elder brother of Vimalāditya. The plates are much damaged and mutilated and the record is incomplete. The ornamental seal, which bears in relief the usual Chālukyan emblems and the well-known legend 'Śrī-Tribhuvanāmkuśu' in bold characters, now carries only four of the plates of the set. The remaining one or two plates are missing. Even the plates extant are so badly damaged that their contents could not be read entirely. Only certain names are legible here and there. The genealogy of the family given in this inscription from the first member Kubja-Vishnuvardhana almost coincides with that drawn up by Dr. Fleet.

Of Vijayāditya III it states that he cut off the head of a certain Mangi. This must be the Mangi who fomented rebellion and opposition among the Gangas as informed by the above noticed copper-plate grant of Chālukya Bhīma I (No. 14 of

Enemies of Vijayāditya III.

Appendix A). Sankila and Baddega are mentioned in connexion with this king. Though Baddiga is known to have been the name of the Rāshṭrakūṭa king Amōghavarsha III (Vaddiga) (See Ep. Ind. Vol. VII, Appendix, Nos. 93, 127 and 130), Baddega of this inscription could not be identical with this Rāshṭrakūṭa king whose reign according to Dr. Kielhorn began only about A.D. 937. It is possible that Baddega was the Western Chālukya prince Baddiga, the grandfather of Arikēsarin who was the patron of the Kanarese poet Pampa who lived about A.D. 940 (Bombay Gazetteer, Vol. II, Part I, page 350). Allowing 25 years on the average for the reigns of Baddiga, his son Yuddhamalla II and his grandson Narasimha (elder brother of Arikēsarin), Baddiga might be placed at about A.D. 860 and might have been a contemporary of Vijayāditya III (A.D. 844–888). Sankila was the friend of Krishna II (See Annual Report for 1914, page 85).

The inscription informs us that a son of Chāļukya-Bhīma I planted a pillar of victory at Viraja. The reference might Pillar of victory at Viraja, i.e., Virajāpurī. be to Kollabhiganda-Vijayāditya IV who is stated elsewhere (Annual Report for 1917, page 118, paragraph 26) to have met with his death in a battle at Virajāpurī. The inscription like a few others refers to the usurpation of the crown of Vijayaditya V by Tala (called sometimes Tada and Tādapa), the son of Yuddhamalla I, its recovery from him by Vikramāditya II the second son of Chālukya-Bhīma I, and his rule of 11 months, the subsequent rule for 7 years of Yuddhamalla II the son of Tālapa, and his defeat afterwards in battle by Bhīma, i.e., Chāļukya-Bhīma II, the second son of Kollabhiganda-Vijayāditya IV, who ruled for 12 years. Ammarāja II, the son of Chālukya-Bhīma II, is stated to have been born with a tissue round his neck which resembled a kanthikā, i e., neck-ornament and that he performed his coronation at the express request of all people. He is also said to have acquired the biruda 'Tribhuvanāmkuśa' by his heroism displayed in the thick of a battle, between elephant-forces. His father is called Raja-Bhīma as in another record noticed by Dr. Fleet on page 269 of Ind. Ant. Vol. XX. Danarnava, his elder brother by a different mother, is, as in other records, said to have ruled for three years and not for 30 years as solitarily stated in No. 23 of Appendix A to the Annual Report for 1917 (see page 118 ibid). In our record for the first time is this king given the title 'Rāja-Nārāyana' already known to us as

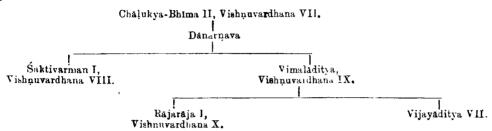
that of Kulöttunga I, his great-grandson (Ind. Ant., Vol. XX, p. 276). The interregnum after his reign is as usual said to have lasted for 27 years, when 'the Āndhradēśa was without a king as the night of the second fortnight is without the moon'. His son Saktivarman born to his wife Āryādēvī is said in the record to have risen to fame even in his youth by his victory in a battle with the Chōlas (Chaulika-rana) (see also Ind. Ant. Vol. XX, p. 272) and put to flight a certain Badyema-Mahārāja and others. This latter chief is not known from any other inscription nor is any specific reference to the fight of Saktivarman or his father Dānārnava with the Chōlas made in any record. A certain Chōda-Bhīma not known from elsewhere is said to have 'met with his death like Rāvaṇa in the hands of this Chālukva-Nārāvaṇa'. It is probable

Śaktivarman I, his titles '*Ohālukya-Nārāyana*', this Chālukya-Nārāyana'. It is probable that Śaktivarman bore the biruda '*Chālukya-Nārāyana*'. His other title '*Chā-lukya-Nārāyana*'.

lukya-Chandra, is noticed by Dr. Fleet (Ind. Ant. Vol. XX, p. 273). In the prose-

portion of our record Saktivarman is called Sarvalökāśraya Vishņuvardhana-Mahārāja with the titles Adhirāja and Paramēśvara and with the epithets Parama-Bhaṭṭāraka, Parama-Brahmanya and Parama-Māhēśvara. The grant is addressed to the officials of Varanāndu, a variant of the name of the territorial division, Velanāndu. The extant portion of the record does not give the date; and the portion mentioning the actual donee is missing.

In consideration of the facts that No. 15 of Appendix A gives the family title *Vishnuvardhana* to Saktivarman and Vimalāditya his younger brother and successor is also called *Vishnuvardhana* (*Ep. Ind.* Vol. VI, p. 350) the numbering of the Vishnuvardhanas of the family in Dr. Fieet's genealogical table will have to be changed as hereunder.



But against this arrangement as well as that given by Dr. Fleet, has to be counted the fact that in some stone inscriptions even so late a king as Kulōttunga-Chōla I, the son of Rājarāja I (Vishnuvardhana X) is called Saptama-Vishnuvardhana, i.e., the seventh Vishnuvardhana (see Nos. 194, 195 and 202 of 1893).

6. The only other stone inscription of this dynasty besides Nos. 833 and 846 of Inscription of Vimaladitya at Ramatirtham in the Vizagapatam district.

Appendix B in the year's collection is from Ramatirtham in the Vizagapatam district (No. 831 of Appendix B). This is a fresh

copy of No. 372 of 1905 made for a further examination of the record. The inscription is engraved on the very rough surface of the wall of the Durgapancha cave in the hill at the village. In my last visit to the place I have read the record in situ. It belongs to the time of an Eastern Chālukya king called Sarvalōkāśraya Vishnuvardhana-Mahārāja who had the birudas Rāja-Mārtanda and Mummadi-Bhīma. It bears no date. Rāja-Mārtanda was also

His titles Rāja-Mārtanda and Mummadi-Bhīma. bears no date. Rāja-Mārtanda was also a title of Chālukya-Bhīma II (Ind. Ant. Vol. XX, p. 269). Mummadi-Bhīma is

Vol. XX, p. 269). Mummadi-Bhīma is already known to have been a title of Vimalāditya (Ep. Ind. Vol. VI, p. 350) to whom the inscription has been referred by the late Mr. Venkayya (Annual Report for 1906, p. 79, para. 41). In the Telugu Mahābhāratam of Nannaya-Bhaṭṭa, Rājarāja I, son of Vimalāditya, is given the title Rāja-Mārtanḍa (Ādiparva, āśvāsa 2, verse 239).

We learn from our inscription for the first time that Vimalāditya adopted Jainism as is evidenced by the mention of a certain Trikāļayōgi-Siddhāntadēva called also

His Jaina guru Trikālayōgi-Siddhāntadēva.

Trikālayōgi-Munīndra, a teacher of the Dēsigana school of Jainism as his guru. From No. 9 of Appendix A to the Annual Report for 1917 we learn that Jainism was patronised by the earliest members of this dynasty. The queen of the early king Kubja-Vishnuvardhana I influenced the grant of a village to a Jaina basti at Bījavada (i.e., Bezwada) (see p. 116 of the same report). Amma II is already known to have made grants to Jaina temples (see Ep. Ind. Vol. VII, p. 185 and Vol. IX, p. 49) and patronised the grant of a Jaina Śrāvakī (lay disciple) by lending his title to a charitable Jaina feeding house called Sarvalōkāśraya-Jinabhavana endowed by her (Ind. Ant. Vol. XX, p. 271 f.). This is one of the very few Kanarese inscriptions in the Telugu country and its existence at Rāmatīrtham suggests that the saint Trikāla-

Eastern Chālukyas and Jainism. yōgi was a Kanarese by birth and that the later Eastern Chālukyan kings too now and then favoured or adopted Jainism, the popular religion of the Kanarese country. It also throws some light on the political condition of the Kalinga country at this time which must have come now under the Eastern Chālukyan rule when the early Ganga rule had declined and the Chōda-Ganga rule had not probably begun under Anantavarman-Chōdaganga whose reign commenced in A.D. 1078.

That Rāmatīrtham was considered a sacred place by the Jainas is testified to by Rāmatīrtham, a Jaina centre.

Rāmatīrtham, a Jaina centre.

the respectful mention made of it in the above record wherein it is called Rāmakonda. That this was a place of Jaina influence and pilgrimage even in early times appears from some Jaina names in Chālukyan characters of an earlier period written in red paint on the ceiling of the Pāndavapancha cave in the neighbouring hill and from No. 832 of Appendix B which is engraved on the pedestal of a broken Jaina image. It records that it was set up by a private individual from Chanudavrōlu in the Omgērumārga which is identical with Chandavōlu in the modern Repalle taluk, Guntur district. Omgērumārga was the name of the division in which also Gumtṭūru (Guntur) lay (No. 83 of 1917).

# THE WESTERN CHALUKYAS.

- 7. The copper-plate record No. 3 of Appendix A received from Mr. J. Ramayya Pantulu while he was the Deputy Collector of Rayadrug, Bellary district, consists of three copper-plates hung on a ring with A spurious grant of Vinayāditya Satyāśraya. a boar-seal and five written sides. characters are Nagari and are very faintly engraved. It begins with the usual eulogy of the Chalukyas mentioning, however, an extraordinarily long list of royal insignia and introduces Pulakēśi-Vallabha-Mahārāja. His son was Kīrttivarma-Mahārāja; his son Vijayāditya who conquered Vanavāsi and other countries; his son Vikramāditya who, after defeating the Pallava king, the destroyer of the Lunar race, took Kanchipura, crushed the (united) Chēras, Chōlas and Pāndyas at that town. Vinayāditya-Satyāśraya-Narēndradēva who defeated the kings of all countries, viz., Konkana, Mālava, Golla, Gūrjara, Kalinga, Vēngī, etc. This king in the presence of the mishayapati, grāmakūtas (see Ep. Ind. Vol. VII, p. 183), yuktakas and mahattara of the Saurashtra-vishaya on the occasion of his coronation (patta-bandha) when coming from his permanent capital Raktapura on the northern bank of the river Malahārī to Kurunda, restored to gods and Brahmans the grants which had been taken away from them by previous kings. The date of the record is Saka 512, Sādhāraṇa, Māgha, śu. 13, Monday and is far too early for this king. In the description of the genealogy it resembles No. 12 of Appendix A to the Annual Report for 1906. The initial date of Vinayaditya according to the other inscriptions is about Saka 600 nearly a hundred The erasures in the grant portion, the numerous mistakes in the language and the differences in the genealogy of kings, taken together, must lead one to the belief that the plates are spurious. For further remarks on the date of this record see Appendix E above.
- S. Of the two records belonging to this dynasty No. 673 and No. 733 of Appendix B, the former dated in the Chālukya-Vikrama year 8, Ānanda, belongs to the reign of Sōmēśvara III who had the biruda Bhūlōkamalla (page 455, Vol. I, Part II of Fleet's Kanarese Dynasties). Chālukya-Vikrama year 8 corresponding to A.D. 1083-84 falls in the reign of Tribhuvanachakravartin Vikramāditya VI. The date of this record must be correctly Chālukya-Vikrama year 58 which corresponds to A.D. 1134-35 (No. 499 of 1915), and coincides with the regnal year 8 of Bhūlōkamalla. The

scribe in this case has evidently given by mistake the regnal year 8 of the king instead of the Chālukya-Vikrama year 58. Another instance of such a mistake is found in No. 480 of 1893 where Ch. Vik. year 59 is intended but the regnal year 9 is quoted. Our record refers to a gift of a garden-land and an oil-mill for the worship, etc., of the god Kēśava set up at Kolmigudi (i.e., the modern Kolimigundla) in the Koilkuntla taluk of the Kurnool district by Muppirati the prabhu of the village. The suffix rați (i.e., modern reddi) may be a reminiscence of the old honorific title rațtagudlu (vide Ep. Ind. Vol. XI, page 342 f.). Mention is made in this of Mahāmanda-lēśvara Vankana Chōla-Mahārāja, a Chōla subordinate ruling over Pedakallu, Kannenādu, Rēnādu . . . from his capital at Nandyāla.

9. The next record No. 733 of Appendix B dated in Saka 1091 belongs to the reign of *Pratāpachakravartin* Jagadēkamalla and falls about the very end of the reign of Tailapa III who ascended the throne in Saka 1072 and whose latest known record dated in Saka 1090 has been noticed in paragraph 14 of Part II of the *Annual Report* for 1917. Taila III who had the distinguishing title *Chālukya-Chakravartin* 

might have adopted the above title after his famous brother and predecessor Jagadēkamalla II in his later days. It has already Pratapachakravartin Jagadēkamalla, i.e., Taila been noticed in paragraph 63 of the report for 1912 and paragraph 49 of the report for 1913, that members of Telugu-Chola family of the Solar race were feudatories of the Western Chāļukyas. Of this family was Jagadēkamalla-Mallidēva-Chōla-Mahārāja, son of Irungōla ruling at Heñjeru, i.e., Hēmāvati, while his Chālukyan overlord Taila III was ruling at Kalyāṇa. The minister and military officer of Mallideva was Hiriya-Tantrupāla (Senior Councillor) Nāmaṇa ruling at Nidugallu. He was the younger brother of Bammana who was the chief minister (vara-mantri) of Mallideva-Chola-Maharaja. His grandfather Ayyapayya belonged to Kottitone which is said to have surpassed in splendour the three towns, Surarajapura (i.e., Amaravati) which is the town of the lord of Suras (i.e., Indra), Alakapura (the town of Kubera) and Dharanendrapura (?). Kottitone is also referred to as Kartti-From Nos. 44 and 45 of 1904 found in the Kumārasvāmin temple at Kudatani (Bellary district) we know that Kottitone described as Karttikëyapura in our inscription was the ancient name of Kudatani and that an image of Skanda (i.e., Kārttikēya) was set up there. ()ur inscription has the same introduction as No. 43, Pāvagada (Ep. Carn. Vol. XII).

# THE BHANJAS.

- 10. A special feature of the collection of the copper-plates for the year is that four of these (Nos. 6 to 8 and 10 of Appendix A) belong to the family of Bhanjas which held its sway over parts of Orissa and of the Ganjam district about the 10th to the 13th centuries A.D. The chiefs of this family are now rulers of the Mayūrbhañj Estate, of the Baud State and of a few other places in Orissa. All the four records have been secured for my examination by Mr. Tarani Charan Rath. Three of these (Nos. 6, 7 and 8 of Appendix A) are of almost the same type as regards the number of plates, their size and the alphabet in which they are written and belong to an earlier time than No. 10, which begins differently from these. None of these grants Mr. Rath says that of these three sets, one was found while digging at the boundary between Kullada, the fort of the late Raja of Goomsur in the Ganjam district and Dhanamjayapura an inam village near it. The other two sets were found while digging under a tree in a mango tope at Gobara, a village in the Goomsur taluk, Ganjam district.
- 11. No. 6 of Appendix A among these consists of three plates (measuring  $6\frac{1}{2}$ " by  $3\frac{3}{4}$ ") with low rims like the other two sets (Nos. 7 and 8) and has five faces of writing only the inner side of the first plate being engraved. These are hung together on a ring which bears a fixed circular seal of about  $1\frac{1}{3}$  in diameter, on the countersunk surface of which are cut, at the top, a lion facing the proper left with profuse mane and the left front paw raised and below it the inscription:-

(1) [Śrī Nē]ttribha-

(b) njadevasya

The seals of the other two grants (Nos. 7 and 8) are much worn out. Only parts of the lion can be seen in the upper halves of these The lower halves must have contained the name of the Nētribhanjadēva. king as in the case of No. 6. The lion on the seal of No. 8 faces the proper left like that of No. 6, while that on the seal of No. 7, which belongs to a different king faces the proper right. Nos. 6 and 8 belong to the same king, i.e., Nētribhanjadēva alras Kalyanakalaśa who was the son of Ranabhanjadeva, the grandson of Satrubhanjadeva and the great-grandson of Silābhanjadēva of the Bhanja family. Another record of this king (No. 657 of Dr. Kielhorn's List of Northern inscriptions, Ep. Ind. Vol. V, Appendix) found at Goomsur in the Ganjam district His surname Kalyāņakalaśa. mentioning only the names of his father

Ranabhanja and his grandfather Satrubhanja has been published in the Journal of the Bengal Asiatic Society, Vol. VI, p. 667 f. The surname Kalyanakalasa is there applied to him as in the two grants of our collection.

12. The genealogy afforded by the three Bhanja records (Nos. 6, 7 and 8 of Appendix A) coupled with that of the grant of Vidyadharabhanja published by Dr. Kielhorn (Ep. Ind. Vol. IX, p. 271 f) give us a tentative genealogy thus:—

Silābhanjadēva
Satrubhanjadēva
Raņabhanjadēva
Digbhanjadēva
Silābhanja
Silābhanja
Mahārāja Vidyādharabhanjadēva
alias Avayyakalaša.

Of the kings referred to, in the genealogical table given by Mr. B. C. Muzumdar, on p. 99 of Ep. Ind. Vol. XI, some have to be referred to a later generation than that to which they have been referred. 'Kottabhañja, his son Ranabhañja, and his son Rājabhañja 'are evidently of a slightly later generation as can be seen from the palæography of the grants of the last two of these published on pp. 164 and 165 of Journal of the Bengal Asiatic Society, Vol. XL. They appear also to have been of a different branch of the dynasty since on the seal of Ranabhanja, son of Kottabhanja (ibid. Plate II) is found the emblem of a bull instead of a lion as on the seals of Nos. 6, 7 and 8 of the Appendix A and on the seal of Vidyādharabhanja (Ep. Ind. Vol. IX, p. 272). To this same branch have to be assigned the later kings Satru-

The later branch of the Bhanjas.

bhañja whose Sonpur record (*Ep. Ind.* Vol. XI, p. 98) and Ranabhañja whose two Baudh grants (*Ep. Ind.* Vol. XII, pp. 322 and 325) have the *bull emblem* on their seals. The introductions to these later grants are different from those of the earlier ones.

Of the two grants of Nētribhanja noticed above both of which are stated to have been issued from Vanjulaka, the first (No. 6 of Appendix A) registers an order addressed by the king to the several officers, i.e., rāja, rājanaka, rājaputra, vishayapati, and dandapāsika and to the vyavahārins, Brāhmanas, Karanas (accountants) and nivāsijanapadas (resident people) of the Vāsudēvakhanda-vishaya that the village Arātaha lying in that vishaya was granted to the Agnihātrins (fire-sacrificers) Gālaśar-

Vāsudēvakhanda-vishaya.

man, Apara-Gōlaśarman and Nānā-A-ichadēva, sons of Janadēva and grandsons of A-ichadēva of the Vājasanēya-charuna, Kanva-śākhā, of the pravara Kauśika-Maitravat-Aghamarshana and the anupravara Viśvāmitra and to the Bhaṭṭas and Agnihōtrins, Ruvada, Vodada, Mahādēva, Śāvada and Nānā, sons of Bhaṭṭa-A-ichula and grandsons of Guhaśarma-Agnihōtrin of the Vatsa-gōtra of the pravara Bhārgavat-Chyvanavat-Ātmana . . . and the anupravara Jamadagni. The Vāsudēvakhanda-vishaya must have been a territorial division of which the modern Vāsudēvapūr in the Goomsur taluk of the Ganjam district was the capital.

13. The other grant No. 8 of Appendix A of this king records the tax-free gift of the village Machchhada in the Machhākhanda-vishaya to a Brahman named Bhatta-Rudada, son of Kēśava and grandson of Charampasvāmin of the Vājasanēya-charana, Vatsa-gōtra, the pravara Āngirasa and of the anupravara Bhārgavat. The dūtika (i.e., messenger or executor) of this grant was Bhata Kakkādēva. The sandhivi-yrahin (minister of peace and war) Kākkaka was the writer of the Goomsur grant of this king referred to above. The village Machchhada is very probably the modern village Mujagodo in the Goomsur taluk. No. 7 of Appendix A belongs to Mahārāja

Vidyādharabhanjadēva.

Vidyādharabhanja who had the biruda Avāyyakalaśa (Avāryakalaśa). Dr. Kielhorn has noticed his other biruda Dharmakalaśa (?) (Ep. Ind. Vol. IX, p. 273). It records the grant of the village of Mula-Māchehhāda in the Māchhādakhandavishaya to the Brahman Bhatta-Purandara, the son of Dēvadaśarman and the grandson of Hariśaśarman of the Vājasanēya-charana, Rauhita-gētra, the pravara Rōhita-Shuka (i.e., Śuka)-Viśvāmitra and the anupravara Viśvāmitravat-Shuka (i.e., Śuka) vat-Rōhitavat. The last of these had immigrated from (the village) Mammānā in the Tadisamī-vishaya belonging to Varēndhi. Varēndhi probably refers to the territorial division Varēndrī mentioned in a copper-plate grant of the Sēna king Lakshmaṇasēna of Bengal (Ep. Ind. Vol. XII, p. 7 and 38).

14. No. 10 of Appendix A reported to have been found at the village Antirigam in the Pubbakhandam division of the Chatrapur taluk, Ganjam district is of a later king of this family named Yasabhamjadēva, the son of Rāyabhamjadēva, the grandson

Yasabhamja. of Virabham

of Vīrabhamjadēva and the great-grandson of Dōva (Dēva?)-bhanjadēva. It

consists of three plates hung on a ring which carries no seal on it but bears a fixed turned knob. The king is called the lord of the entire Khiñjalī country. The town Vanjulaka mentioned in the earlier grants is not referred to in this record as also in the records of the other later kings of this family already mentioned. The title 'the lord of the Ubhaya-Khiñjali' is given to the later king Ranabhañja in a grant of his 26th year (*Ep. Ind.* Vol. XII, page 326) and a grant of his 54th year is addressed

The Khinjali country.

to the officers of the Khinjali-mandala

Ubhaya-Khiñjali-mandala was addressed a grant of the later king Satrubhañja of this family (Ep. Ind. Vol. XI, page 98). Komayāna the village granted might be represented by the modern village Khommonosayi in the Gumsoor taluk. Vanjulaka of Nos. 6, 7 and 8 called Vanjulvaka in a few other grants may have to be identified with either Onjhola in the Kudala taluk of this district or Onchala in the Parlakimedi agency.

EASTERN GANGAS.

15. Of this family we have four inscriptions in the year's collection two of which are the copper-plate records (Nos. 12 and 13 of Appendix A) and the other two are stone records from the Ganjam district (Nos. 827 and 828 of Appendix B). No. 13 is the earlier of the copper-plate records. It consists of three rectangular plates hung together on a ring which bears a fixed circular seal of about one inch in diameter. The plates measure about  $7\frac{3}{4}$  in length and 3" in breadth. The seal bears in relief a bull facing the proper right and seated on a stand resting on a tri-petalled lotus (?) flower opening upward. Above it are the crescent turned downwards and the sun enclosed within its arms. The writing on the plates is very faintly visible. The plates do not appear to have undergone any damage through corrosion, bad preservation or otherwise but the surfaces seem to have been filed off in an attempt to smoothen them to use them subsequently as a palimpsest. The rims, if any, are completely

Rājēndravarman, son of Mahārāja Anantavarman. worn away. The plates record the grant of a village by Rājēndravarman, son of Mahārāja Anantavarman of the Ganga

family. The grant was issued from Kalinganagara. Its introduction resembles that of the other grants of the earlier kings of this dynasty and like some of them the record is expressly stated to have been dated in the 'prosperous year of the rule of the Gāṇgēya family (Gāṇgēya-vaṃsa-pravardhamāna-vijayarājya-saṃvatsara)'. The characters of the inscription resemble a good deal those of the Alamanda plates of the time of the Gaṇga king Anantavarman (Ep. Ind. Vol. HI, page 17 f). The characters of these two inscriptions belong to the 9th century A.D. The donee's name is not quite clear. The son (whose name is not quite distinct in the plate) of a certain Sarva-Aya-Kāmadi is mentioned. A certain Chōla-Kāmadirāja appears in the grant of Vajrahasta (Ep. Ind. Vol. III, page 221) as the actual donor. It is difficult to determine from the bad condition of the letters here whether the Kāmadi of our inscription was also the donor as in the other case. The record was composed by Sandhivigrahin Raṇāmēya, son of Sāmirāja; and the engraving was done by Kanakā-bdhirāja-Guṇḍipilāka, son of Ma-uchandra.

Rājēndravarman, the son of Mahārāja Anantavarman in whose reign the grant was issued is not known from a large number of other records. Combining the genealogy of Anantavarman, son of Mahārāja Rājēndravarman, whose grant referred to was dated in the 304th year of the Gāngēya era with that of our inscription dated in the 342nd year of this same era, we get three successive generations of this dynasty viz., Mahārāja Rājēndravarman, his son Anantavarman (304th year), Mahārāja Anantavarman and his son Rājēndravarman (342nd year). These may have to be arranged as follows:—

Mahārāja Rājēndravarman.

Mahārāja Anantavarman (304th year of the Gangeya era).

Rājēndravarman (342nd year of the same era).
1172, Home (Edn.)—35

Palaeographically these two grants resemble the two of Dēvēndravarman, the son of Mahārāja Anantavarman one dated in the 254th year evidently of the Gāngēya era (Ind. Ant. Vol. XVIII, page 144 f) and the other (Ind. Ant. Vol. XIII, page 275 f) which purports, evidently by clerical mistake, to be dated in the 51st year of this era and the grant of Satyavarman dated in the 351st year of this era (Ind. Ant. Vol. XIV, page 11). These records read together would give us a list of kings thus: (1) Mahārāja Anantavarman, (2) his son Dēvēndravarman (254th year), (3) Mahārāja Dēvēndravarman and (4) his son Satyavarman (351st year).

16. From the practice of the Eastern Ganga records of not giving like the Pallava ones even the three generations including that of the king of the grant we are not in a position to trace the genealogical relationship of the earlier kings of the family by collecting the contents of the various records available. We do not possess any considerable evidence to enable us to connect the kings of this line whose names ended in arnava (See tables 1 and 2 on pages 186 and 187 of Ep. Ind. Vol. IV) with the varman kings, the records of some of whom have been noticed by Dr. Fleet in the volumes of the *Indian Antiquary*. The genealogy given in the fashion of the later Eastern Chālukya copper-plate records, for the Ganga family in the grants of Anantavarman Chōda-Ganga (Ind. Ant. Vol. XVIII, pages 166 and 173) omit the earlier varman kings altogether. We are aware of only four instances giving any connexions between these two, viz., (1) In the grant of Narasimha II (No. 367 of the Dr. Kielhorn's list of Northern inscriptions) Kölähala mentioned as an early ancestor of the arnavas is called Anantavarman (2). The copper-The Varman and the Arnava kings of this plate record No. 4 of Appendix A to the

dynasty. Annual Report for 1914 belongs to Mahārāja Indravarman, son of Dānārnava and is dated in the 149th year, but of course, like the other known records of this period without expressly mentioning that it was the year of the 'prosperous rule of the Gangeyavamsa.' (3) The grant of Devendravarman of the 183rd year (Ep. Ind. Vol. III, page 131) calls him the son of Gunarnava, and (4) the Madras Museum plates (Ep. Ind. Vol. 1X, page 95) of Vajrahasta III of Saka 984 give him the surname Anantavarman. Can it be that the early arnava kings had surnames ending in varman? At present the dates of these several early records serve only as land-marks in the genealogy of the early varnan kings of this dynasty. We have the Mahārājas (1) Indravarman Rājasimha (87th and 91st years), (2) Indravarman (128th and 146th years) (3), Indravarman, son of Dānārnava (149th year), (4) Dēvēndravarman, son of Guṇārnava (183rd year) and (5) Dēvēndravarman, son of Mahārāja Anantavarman (254th year). The records of this family are so meagre that the relationship of these several kings to one another and to the kings mentioned in paragraph 15 above still awaits discovery. It has, however, to be noticed that these earlier varman kings called themselves 'lords of Kalinga' while the later kings called themselves 'lords of Trikalinga.'

17. No. 12 of Appendix A belongs to king Anantavarman of this family. The plates, three in number, are oblong in shape with well-formed rims. They measure 7 inches in breadth and  $3\frac{1}{2}$  inches in height. The first and the last plates are written only in the inner faces. The set is hung together on a ring which carries a fixed circular seal (1 inch in diameter) on the surface of which are cut in relief, in place of the bull usually appearing on the seals of Ganga sovereigns, the crescent at the top, a fish in horizontal position in the middle and an elephant-goad in similar position at the bottom. No legend is engraved on it. The king has the epithets Parama-Māhēśvara, Parama-Bhaṭṭāraka and Paramēśvara. The last of these might be a special royal title or a surname assumed by the king as by the Western Chālukya Satyāśraya after his conquest of Harshavardhana of Uttarāpatha (Ep. Ind. Vol. IX, pages 100 and 101). The record is dated in the Saka year 976 expressed by the chronogram śakāvdanavaśatakasaptarasa and the 15th year and has to be attributed

Anantavarman-Vajrahasta; Śaka 976, and 15th year.

to the Vajrahasta of this dynasty whose coronation took place in Śaka 960 (Ep. Ind. Vol. IV, page 193). It has already been pointed out that Vajrahasta VI of this family had the surname Anantavarman (Ep. Ind. Vol. IX, page 95). The writing very closely resembles that of a record of

this king dated in Saka 967. (Ep. Ind. Vol. XI, page 147). Like this it adopts mixed characters though using more of Grantha letters in addition to Nagari and The fish, prominent on the seal of our record, is not found on that of the Narasapatam plates of this king though both have the elephant-goad. The actual donor in the grant was Kānaka Śrī-Dharmakhēdi, son of Parama-Māhēśvara Pañcha-

His Kadamba subordinate Rāņaka Šrī-Dharmakhēdi.

perous (kuśali) (a term often applied to the king in Eastern Ganga grants) addressed The Panchapatra-Vishaya.

vishayādhipati Mahāmandalēśvara Rānaka Srī-Bhāmakhēdi of the Kadamva (i.e., Kadamba) family who being prosthe order of gift to the pradhana and other subordinates of the king (rājapādōpajīvin)

The connexion of the Kadambas with the governing the Panchapatra-vishaya. Ganga kings is already known to us from the Parlakimedi plates of Vajrahasta (Ep. Ind. Vol. III, page 222) where a certain Ugrakhēdirāja 'the ornament of the spotless family of the Kadambas' figures as an official. A certain Dharmakhēdin is referred to as the maternal uncle of the early king Mahārāja Dēvēndravarman of the 251th year of the Gāngēya era (Ind. Ant. Vol. XVIII, page 145). But since he is not referred to as a member of the Kadamba family we are not in a position to trace this political relationship between the Gangas and Kadambas to this early period. probable that this earlier Dharmakhedin the maternal uncle of Devendravarman was an ancestor of the Dharmakhēdin of our grant, in which case the Kadambas will have to be viewed not only as the subordinates of the Gangas as in the time of Vajrahasta but also as having been matrimonially allied to the Gangas from earlier times. That there was matrimonial alliance between the Gangas and another family of the south, viz the Vaidumbas is already known (Ep. Ind. Vol. IV, page 186 f). This relation-

The Eastern Gangas and the Vaidumbas.

ship between the Eastern Gangas and the Vaidumbas would appear to have begun only a generation previous to Vajrahasta

whose mother was the Vaidumba princess Vinayamahādēvī. Mahēndrabhōga in which Madhipatharakhanda the village granted was situated must refer to a territorial division named after Mahendragiri. Mandasa, the Zamindari headquarters where the plates have been discovered lies within 7 miles from Mahēndragiri. The order of gift is stated to have been brought (ānītam) by Veṭṭikurātha Rāṇaka. This evidently refers to the dūtaka of the grant. Sāmanta Nala-Chendala mentioned at the end might be the person that drafted the grant. A Chandella Samanta of the Ganga king

Anantavarman (Vajrahasta).

The form Nala Chendala must be a corrup tion of Nala-Chandella. The Samanta

must have been a member of the Chandella family.

18. To the reign of Anantavarman Choda-Ganga of this dynasty (A.D. 1078-1142) will have to be assigned the mutilated stone inscription No. 827 of Appendix B.

A stone record of the 15th year of Anantavarman Chōda-Ganga.

The record is much damaged and the 15th year of the king in which it is dated would correspond to A.D. 1093. This is one of the few known Telugu inscriptions in the extreme north of the Presidency.

Another Telugu inscription from this part of the country, No. 828 of 1917, dated in the 2nd year of king Aniyanka-Bhīmadēva, from the characters employed in it, will have to be assigned probably to Vajrahasta II who had the title Aniyankabhīma

(Table I, page 186 of Ep. Ind. Vol. IV).

19. Besides the above-noticed copper-plate records expressly referring themselves to Gangakula there is one (No. 9 of Appendix A) with the introduction usually found in the records of the Ganga kings but without the express mention of the Ganga lineage. The plates, three in number, are oblong in shape with well-formed rims. They measure 7" by 35" and are hung on a ring with a fixed circular seal about 1 inch in diameter on the counter-sunk surface of which is cut in relief the indistinct but discernible form of a seated bull. No legend or symbol is given on it. written in a mixed alphabet employing the northern as well as the southern characters which, according to Buhler's plates, have to be assigned to the 9th century A.D.

The genealogy of the king Mahārāja Indravarman of this grant is not given. He was a devotee of the god Gōkaraṇēś-Grant of Indravarman, lord of Kalinga. 'residing on' the Mahēndra mountain. The grant was issued from Śvētakā-

dhisthāna. We have already had two copper-plate records, one issued from Śvētka (Ep. Ind. Vol. IV, No. 26) and the other from Śvētaka (No. 12 of Appendix A to Annual Report for 1917). The Śvētka of the first of these records is evidently the same as the Śvētaka of the second record noted above and of our inscription. The kings of the two grants quoted above are clearly stated to belong to the family of the Gangas. It is not unlikely that king Indravarman of our grant, was also a Ganga as suggested by the introduction to the record and the bull-emblem on his seal, which generally appears on early Ganga seals though not explicitly described so in the record. The order of gift is addressed to the mahāsāmanta, sāmanta, rājanaka, rājaputra, kumāra, amātya, upariku, dandanāyaka, vishayapati, grāmapati, brahmans, purōhits and others of the Jalamvōra-vishaya. The donee Bhattaputra Janshasvāmisarman belonged to the Vājasanēya-charaṇa, Kanva-śākhā, Jātukarṇa-gōtra with the Vasishtavat-Jātukarṇa-pravara and the Jātukarṇavadd-A[ji]shthavad-Vi[ji]shthavat-anupravara. The record gives near the end a moralising verse on the instability of fortune like that of a water-drop on a lotus petal which is invariably quoted by the records of the Bhanjas noticed above. The dūtaka of the grant was the mahāsāmanta

Mahāsāmanta Nāgakheddi.

Nāgakheddi (see paragraph 17 above).

It was written by the Mahāpratīhāra

Ādityavarman and the king's seal was affixed (lānchhita) by the Mahāsandhivigrahin

Chandapāka. The plates were engraved by the kanšāra (Telugu kamchara, i.e., brazier) Dēvapila.

20. No. 763 of Appendix B refers to the fight of Nītimārga-Vemmadi with Bīra-Nolamba and to the death in it of a certain Nāgaya. The record is not dated.

Western Gangas.

Palaeographically it can be placed, however, about the latter part of the 9th century A.D. The Nolamba-Pallava king who was ruling at this time was Mahēndrādhirāja whose latest date was Saka 817 i.e., A.D. 895 (Vide page 62 Ep. Ind. Vol. X). On page 61 ibid, it has been noticed that this Mahēndrādhirāja entered into hostilities with the Western Gangas and killed in battle Rācheya-Ganga. It is not unlikely that Ereyappa whose initial date, i.e., A.D. 893-4 (Vide the genealogical table given on page 153 of Ep. Ind. Vol. V) falls within the period of Mahēndrādhirāja, might have continued the conflict with the latter. Hence if the Bīra-Nolamba of the record be the same as Mahēndrādhirāja, Nītimārga-Vemmadi may have to be identified with Nītimārga-Kongunivarma-Permānadi-Ereyappa. The other record No. 753 of Appendix B is also not dated. But the characters seem to belong to about the same period.

#### NOLAMBA-PALLAVAS.

21. Only five records belonging to Nolamba-Pallavas (Nos. 716, 731, 742, 767 and 783 of Appendix B) were secured during the year under review. Of these No. Nolamba-Pallava Nolambādhirāja.

731 which was copied at Madhūdi in the Madakasira taluk of the Anantapur district is dated in Śaka 881 and the rest are undated. The king in all these records is known as Nolambādhirāja. Dilīparasa of this family has his latest known inscription dated in Śaka 872 (Annual Report for 1917, part II, paragraph 1). His son Iriva-Nolambādhirāja called also Iriva-Nolamba Nollipaya who has an inscription dated Śaka 885 may be the same king as the Nolambādhirāja of our records. In No. 731, one Kōṭaya the Dandanāyaka of Ballaha is said to have made some gifts of land to a temple of Vishnu (Vishnugriha). This Ballaha has already been identified in the report for last year with the Rāshṭrakūṭa king Kṛishṇa III.

### THE CHOLAS.

22. As usual, a large number of Chōla inscriptions were copied during the year under review. Of these, there are a few which are dated in the regnal years of Parakēsarivarman and Rājakēsarivarman without any distinguishing epithets. Since we

know that the kings of the Chola dynasty bore the titles Rājakēsarivarman and Parakēsarivarman alternately, the mere titles are not sufficient to identify the kings. In certain cases, however, there are slight indications which suggest the possibility of an identification.

As many as 19 records of Parakēsarivarman are registered in Appendices B and C (Nos. 205, 208, 292, 366, 369, 376, 438, 439, 441, 442, 443, 444, 445, 447 of 1917 and Nos. 46, 47, 51, 56 and 59 of 1918). Of these No. 208, dated in the 6th

Parakēsarivarman. year of the king registers a gift by Pirāntakan Purushōttaman who belonged

to a body of Kaikkōlas known by the name of Dānatonga-teriñja-Kaikkōlar. From the title Pirāntakan assumed by the donor, it might be presumed that this record of Parakēsarivarman is one of Parāntaka I and it is also not unlikely that the

Dānatonga (i.e., Dānatunga), a surname of Parāntaka I. king had the surname Dānatonga after which the community was so named. In the Annual Report for 1912 (page 64,

paragraph 16), are noticed three similar groups of men, viz., Samarakēsari-teriñja-Kaikkōlar, Vikramasinga-teriñja-Kaikkōlar, and Vīrasōla-teriñja-Kaikkōlar called probably after the same king. Sōmūr near Karūr which supplies the above record contains inscriptions of Parāntaka I and suggests to some extent that the Kongu country, or at least that part of it, which borders on the Trichinopoly district, should have passed into the hands of the Chōlas either in the reign of Parāntaka I or one of his two predecessors. That this conquest of the Kongu country should have been effected in the reign of Āditya I is made evident by the fact that Parāntaka I

Kongu country conquered by Aditya I.

does not lay claim to it though the territory was under his sway and secondly that the Kongudēśarājākkal attributes the same to Āditya I. No. 292 of Appendix B which is dated in the 9th year of Parakēsarivarman may be one of Parāntaka I as it mentions the temple of Ādityēśvaram-udaiya-Bhaṭṭāraka, probably so called after Āditya I. To the same king might be attributed a fragmentary record from Tiruvāṇḍārkōyil (No. 376 of 1917) which is dated in the 40th year of his reign. The script in which the record is engraved does not militate against this view. At Kuttālam in the Tinnevelly district there are a few Vaṭṭeluttu inscriptions and some Tamil records two of which (Nos. 446 and 448 of Appendix B) are dated in the 24th

Parāntaka I. and 36th years of the reign of Maduraikonda Parakēsarivarman, i.e., Parāntaka

I. Their importance consists in the fact that they are the only two records of the king discovered so far in the interior of the Pāṇḍya country whose capital Madura he is said to have taken. In the Annual Report for 1905, Part II, paragraph 10, an inscription (No. 63 of 1905), dated in the 33rd year of the same king is noticed, as having been found at Āṇaimalai in the vicinity of Madura. But it was doubtful then if the conquest extended far beyond the outskrits of the capital. Now these two records establish beyond doubt the fact of Parāntaka's conquest of the whole of the Pāṇḍya country as

His conquest of the entire Pāṇḍya country confirmed.

detailed in the Udayēndiram grant (South-Ind. Insers., Vol. II, page 379) and the Tiruvālangādu plates. The eight Vatte-

luttu inscriptions of Parakēsarivarman found at Kuttālam, ranging from the 20th to the 35th years of his reign might naturally be attributed to the same king. One of the latter (No. 439 of Appendix B) mentions a certain Dharmasetti alias Sadaiyangavayan belonging to the corporation of Manigrāmam. Manigrāmam is mentioned in the Kōttayam plates of Vīrarāghava along with the anjuvannam and it has been conclusively shown that these refer to corporations (Ep. Ind. Vol. IV, p. 294).

The corporation of Manigrāmam.

Six inscriptions of Parāntaka I Nos. 136 to 139, 143 and 144 of 1918) come from Tiruvaiyāru. One of these refers to a princess named Ariñjigai, the daughter of a certain Ilādarāyar (Lāṭarāyar). No. 47 of Appendix C, which is dated in the 12th year of the reign of Parakēsarivarman is clearly a record of Parakēsarivarman Uttama-Chōla and it will be dealt with in the sequel. Since No. 46 of the same appendix mentions the village of Arikulakēsari-chaturvēdimangalam it may belong either to Parāntaka or to Uttama-Chōla.

23. Five inscriptions of Rājakēsarivarman have been secured in the current year (Nos. 359 and 384 of Appendix B and Nos. 57, 135 and 147 of Appendix C). No. 359

refers to a grant of land to the temple of Tiruvārai Nakkaņkōyil Paramasvāmin at Tribhuvaņamahādēvi-chaturvēdimangalam (Tribhuvani near Tiruvānḍārkōyil).

by the assembly of that village made in the 28th year of Kannaradeva, i.e., Krishna III as compensation for silver and gold jewels which they had taken from the temple and spent for sabhāviniyōga. It also alludes to gifts made in the 14th year of Maduraikonda Parakēsarivarman, i.e., Parāntaka I. As such, it must belong to the time of one of the kings bearing that title who reigned after Parāntaka I. The 28th year of Krishna III corresponds to A.D. 967-968 (Ep. Ind. Vol. VII, pages 142-144 and Annual Report for 1907, Part II, paragraph 44) which is at the same time the initial date of Uttama-Chōļa who was a Parakēsarivarman and whose latest regnal year is 15. It is therefore probable that the Rājakēsarivarman who succeeded Uttama-Chōļa and in whose 5th year our present record is dated must be no other than Rājarāja I who ascended the throne in 385 A.D. and was a Rājakēsari. Since No. 57 of 1918 refers to a grant made by Uttama-Chōļa it is probably a record of Rājarāja I who reigned after him and who was a Rājakēsari. Another inscription of this Chōļa king is No. 147 of 1918 which registers a grant made by Paūchavanmahādēvi, one of his queens. The record states that she was the queen of Mummadi-Chōla, i.e., Rājarāja I who bore this name in the early years of his rule.

24. Only two records referable to the time of Uttama-Chola have been copied during the year (No. 287 of 1917 and No. 47 of 1918). No. 47 is dated in the

Parakēsarivarman Uttama-Chōla.

12th year of Parakēsarivarman and registers the following facts. The temple of Vriddhāchalam, the snapana-mandapa, the gōpura, the covered verandah all round, and the surrounding shrines were constructed by Sembiyan-Mahādēviyār, the mother of Uttama-Chōla and daughter of Malaperumānadigal who was the queen of Gandarādittadēva, the son of 'great Chōla' (i.e., Parāntakadēva). And she made some costly presents to the temple, viz., five copper lamps, and one gold diadem weighing five kalaāju less by one manjādi, one silver salver weighing 389 kalanju, one silver kettle weighing 199¾ kalanju, two gold flowers weighing a kalanju and a half, this mother's building and munificent sifts.

His mother's building and munificent gifts. one gold diadem for the Kuttapperumant (i.e., Natarāja) weighing one kaļanju, one marriage badge for the goddess Umaibhattārakī weighing half a kaļanju with three middle pieces of it and two tālimbam, one sari made of pure gold, one gold plank, the panchasari fastened to the intervening space and one gold flower for the same god. The present record only adds one more to the numerous inscriptions which register the munificent gifts made by the widowed queen of Gandarāditya.

25. Nearly 40 inscriptions of Rājarāja I (A.D. 985—1013) are included in the collection under review and some among them record interesting facts which either go to confirm the information previously known or throw fresh light. No. 199 of

Rājarāja I. 1917, dated in the 17th year of the king's reign (A.D. 1002) states that Tiruvadīgal icer who was in charge of the survey operations, made an inquiry into

Sattan, the officer who was in charge of the survey operations. made an inquiry into the services conducted in the temple of Tirunombalūr-Mahādēva at Dēvanappalli (i e, Sōmūr in the Trichinopoly district) and another record from Kūhūr (No. 285 of Appendix B) dated five years later, i.e., in A.D. 1007 speaks of the excess in measurement noticed in the survey. The officer detected that certain provisions made for the temple had not been utilized for the purpose intended originally. Accord-

Punishment for misappropriating temple, ingly fines were imposed on the persons who were concerned in the misappropri-

ation, and out of the fines so collected a gold plate was made and presented to the temple. The inscription thus records two important facts, viz., that the revenue survey conducted in the reign of Rājarāja I was undertaken and completed in or before the year A.D. 1002 (Annual Report for

Revenue Survey in A.D. 1002.

1913, Part II, paragraph 21) and that inquiries into misappropriation of temple grants were made by State officials. These confirm the information obtained in previous years. No. 260 of 1917 furnishes a curious information about a Rājakēsarivarman that he climbed up a wall and was pleased to be seated on it (madil-ēri-eļundaruliņa). This Rājakēsarivarman may probably be his father Sundara-Chōla.

No. 275 of 1917 refers to the setting up of an image of Nambi-Ārūraṇār (i.e., the Saiva Saint Sundaramūrtti-Nāyaṇār) who had composed the Tiruppadiyam hymns. Images of the saint and his consort Nangai-Paravai are stated in the Tanjore inscription to have been set up in the temple of Rajarajeśvara (South-Ind. Insers. Vol. II, page 152). No. 299 of 1917 registers a grant of land for the conduct of a festival to the same image in the temple at Kühūr in the month of Sittirai. A section of the villagers of the same place called Koliyakkudaiyār having committed certain faults against the king and being fined, found themselves unable to raise the gold required and being unable at the same time to bear the harassing of the officials, sold part of their lands to the temple in order that they might pay the penalty imposed on them (No. 277 of 1917). From No. 362 of 1917 dated in the 12th year of the king and having astronomical details which work out correctly for A.D. 496. December 1. Theodor, we look that the recently the first the recently that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the recently the same that the same time to be a same time to for A.D. 996, December 1, Tuesday, we learn that the assembly of Tribhuvanamahādēvi-chaturvēdimangalam met in a pavilion constructed by Mummadiśōla Umbalanāttuvēlār, who appears to have been an officer under Rajaraja, made a vyavastai (agreement, regarding the village of Mundiyanvellaippakkam granted by Irumadiśōla Mūvēndavēlār by purchase from the assembly to the temple of Tiruvāraiālum-Paramasvāmin which was to the following effect: 'The said assembly shall not levy any other tax than siddhāya, dandāya and Pañchavāra. It shall not be lawful for them to violate it or to levy any kind of tax such as sillirai which are not men-

A resolution regarding the levying of unauthorized duties and the penalties fixed therefor.

tioned in the rates already fixed. In respect of this village the members of 'the Tank Supervision Committee' and 'the Village Supervision Committee' and

'the Uramaiseyvār' working for the year, shall not receive any kind of payment in rice or paddy as amanji. Such of the members of the committee who misappropriated the collection of such taxes and signed the order for levying them shall be liable to pay a fine of twenty-five kalanju of gold which shall be collected by the dēvakanmis (i.e., the managers of the temple). Even after paying the fines, they (the members of the vāriyam) shall be liable to pay a fine to the Dharmāsana (the Court of Justice) at the place they choose and at the rates fixed in the sabhāvyavastai. The accountant of the vāriyam who allowed the unlawful collection shall be asked to pay vetti. Those who say 'nay' to this order and those by whom they are so instigated shall be made to pay a fine of fifteen kulanju to the Dharmāsana by the Dēvakanmis; and they shall thereafter be made to obey the same order.'

In his historical introduction Rājarāja I claims to have conquered Īla-mandalam i.e., the island of Ceylon. The Tanjore inscriptions state that a number of villages in that island paid their revenue towards the services, etc., of the Tanjore temple and thus establish the reality of this conquest (South-Ind. Insers. Vol. II, page 424). In the current year's collection also there is a similar record (No. 454)

Payment of revenue by villages in Ceylon.

of 1917) which registers a grant of land made by the residents of Vinnandai alias Vikrama Pāṇḍiyanallūr, a village in Kōṭṭūr-nāḍu which was a subdivision of Īlamanḍalam, to the temple at Kuttālam in the Tinnevelly district. The above inscription proves clearly that both the Pāṇḍya country and Ceylon were subject to the sway of Rājarāja I.

As already noticed Sembiyanmādēviyār, the mother of Uttama-Chōla, was a munificent donor and a great builder of temples. No. 48 of 1918 states that this queen of Gandarāditya and daughter of Malaperumānadigal presented a costly crown to the god at Vriddhāchalam. The crown weighed—9 kalanju, 9 manjādi and 7 mā; the total weight of silver in the inner

Sembiyanmahādēvi's further donations. the total weight of silver in the inner cover of it was  $206\frac{1}{2}$  kaļanju and 4 manjādi. It was set with 3 mānikkam (rubies) and 36 vayiram (diamonds). To the crown were fastened 1,998 pearls all round.

No. 49 of 1918 introduces a hitherto unknown royal personage in Malaiyavvaidēviyār, the daughter of Pottappichchölar Sattiyaraiyar and queen of Amanimalla, the king of the Irungölas. We have already noticed two Tamil records of Parantaka I and eight others of Parakēsarivarman, probably belonging to the same king, found at Kuttālam in the Tinnevelly district. It is learnt from No. 455 of 1917 that the

temple of Kuttalanatha having become dilapidated, the inscriptions that were previously engraved in Vartam (i.e., Vatteluttu characters) on it were taken down and

re-engraved in Tamil. From this it is Vatteluttu was the alphabet in use before clear that in the Pandya country the the 10th century A.D. in the Pandya country. characters employed in writing Tamil at

the time were mostly Vatteluttu and that this script had gradually given place to Tamil which should have first come into use by the public during the time of Raja-It must therefore be understood that Tamil script was quite unknown in the Pandya country prior to the time of Rajaraja I. All the inscriptions hitherto discovered in that part of the country and assignable to a period earlier than the time of Rājarāja I, i.e., beginning of the 10th century A.D. have been actually found to be in Vatteluttu characters and this is in consonance with the import of the inscription under notice. The Tamil records of Parantaka I found at Kuttalam are therefore copies of older ones in Vatteluttu.

26. Parakēsarivarman Rājēndra-Chōla I was a co-regent of his father Rājarāja I during the last three years of the latter's rule. This seems to be the reason why we do not meet with stone inscriptions dated in the 1st and 2nd years of Rajendra-Chōla's reign. The earliest record of his in the collection (No. 196 of 1917) belongs

Rājēndra-Chōla I.

to the 3rd year of his reign and refers to a grant made by Kadalamgudi Dāmōdara-Bhattan, one of the arbitrators of the time of his father. This officer figures in the Anaimangalam grant of Rājēndra-Chōla I, now preserved in Leyden. There is an inscription at Kuttālam dated in the same year of the reign of Parakēsarivarman Rājēndrasimha which might be attributed to Rājēndra-Chōla I, since the name

Rājēndrasimha figures very often as part of the surnames of villages and subdivisions in Tamil inscriptions of that king, but do Rājēndrasimha, his probable surname. not occur in the records belonging to

As an instance we might refer to No. 44 of 1918 dated in the 4th year Rājarāja I. of Rajendra-Chola I which mentions the territorial division Vadagarai-Rajendrasimha-Valanādu. One of the Vriddhāchalam inscriptions registers a gift made by a lady belonging to a family of kings or chieftains named Sembiyan Devadigalar, the daughter of Palavēttaraiyar and queen of Vallavaraiyan (No. 39 of 1918); and another from Kühür (No. 296 of 1917) refers to a revenue survey which might be the one that was conducted in the reign of Rajaraja I. A record from Tiruvandarkōyil dated in the 10th year of the king's reign (No. 363 of 1917) furnishes the very interesting information that Rājēndra-Chōla I constructed at Madura a huge palace (māligai) by whose weight even the earth became unsteady and anointed his son Chōla-Pāndya as the viceroy of the Pāndyan kingdom at Madura. Though the appointment of Chōla-Pāndya as viceroy is not new to history but is known from other stone epigraphs and from the Tiruvalangadu grant (Annual Report for 1905, paragraph 25, and for 1906, paragraph 17) the construction of a palace by the Chola sovereign,

in the very capital of the Pandya is A palace at Madura constructed by him. surely an additional information. A.D. 1031 i.e., in the 21st year of the reign of Rajendra-Chola, Dantisaktivitanki alias Lōkamahādēvī, queen of Rājarāja I, presented to the shrine of Lōkamahādēvi-Īśvara now called Uttarakailāsa in the Panchanadīśvara temple at Tiruvaiyāru, through the officer Rājarāja-Mūvēndavēļān, certain necklaces of gold, filled inside with lac and set The name of the temple, i.e., Lokawith a number of costly gems (No. 154 of 1918).

mahādēvi-Īśvara suggests that it should The shrine of Uttarakailasa built by Rahave been built by queen Dantisaktivijarāja's queen Lõkamahādēvī. tanki whose surname it was. From a

Tiruviśalūr record we know that this queen performed the ceremony of kēmayarbha 'passing through a golden cow) in A.D. 1013, i.e., in the very last year of the reign of her lord, king Rājarāja I who, on the same day, had his tulābhāra ceremony, performed in the Sivayoganathasvamin temple in the same place. From the present inscription we have to presume that she ought to have lived at least for 17 years after Rājāraja's demise.

Ennāyiram in the South Arcot district seems to have been a place of importance in the Chola times. No. 335 of 1917 is The temples at Ennayiram. dated in the 25th year of Rājēndra-Chōla I

and gives astronomical details which work out correctly for A.D. 1036 September 16. Thursday. It mentions a number of shrines situated in the place. They are: (1) Śrīmūlasthāṇamuḍaiyār; (2) Rājarājaviṇṇagar-Āļvār; (3) Kundavai-Viṇṇagar-Āļvār; (4) Sundaraśōla-Viṇṇagar-Āļvār; (5) Dēvēndra; (6) Sarasvatī; (7) Śrībhaṭṭā-rakī; (8) Mahāmōḍi; (9) Sūryadēva; (10) Saptamāṭṛis, (11) Mahaśāsttā; (12) Durgā; (13) Subrahmanya; (14) Jyeshthā; (15) Devas of the Cheris and (16) Singavelkunrālvār.

27. In some respects South-Indian temples served the purpose of educational institutions in ancient times. Records of previous years have revealed the fact that provisions were made for the recitation in temples of hymns from the i ēvāram, the Nālāyira prabandham and other religious poems and for reading and expounding works

of great merit. Adhyayana (i.e., the Temple as an Educational Institution. chanting of the Vēdas) was one of the many chief objects for which grants were made in former times. A large number of records register grants made for the singing of the Tiruppadiyam and the Tiruvāymoļi hymns. A Sendalai inscription provides for the reading of the Mahāi hārata in the Sundarēśvara temple in that village (Annual Report for 1897, page 4, paragraph 9). A grant of land was made in the 10th century A.D. to one who expounded the Prabhakaram in the Nageśvara temple at Kumbakonam (Annual Report for 1912, page 65). One of the Tiruvorriyūr inscriptions states that as much as 60 vēli of land was given for the maintenance of a mandapa called Vyakaranadana-Vyakhyanamanlapa built in the temple, for the upkeep of the teachers and pupils who studied grammar in that hall and for the worship of the god (Vyākaraṇadāna-Perumāl) who, it is said, was pleased to appear before Pānini-Bhagavan tor 14 days and to teach him the 14 aphorisms. In the same temple Sivadharma and Siddhanta were also taught (Annual Report for 1913, page 110). In a stone inscription from the Venkatēśa-Perumal temple at Tirumukkudal near Conjeeveram (Annual Report for 1916, page 118 f) it is stated that, besides a hospital, the temple maintained a hostel and a college. Instances of this nature which indicate that temples of South India served the purpose of an educational institution in ancient times have already come to our notice. But none of them gave us such details regarding the strength of the teaching staff, the number of the attendant disciples and their maintenance, as the epigraph, No. 333 of 1917, of the time of Rajendra-Chola I found in the year under review at Ennayiram.

28. The record contains interesting information regarding the king's conquest of the northern region, of his stately return march with all the splendour of a conquerer,

Rājēndra-Chōla's expedition against the Northern Powers.

of his wedding the Gangā and hence assuming the title of Gangaikonda-Chōla and building a hall called after that title and feeding a number of people in it.

The wording of the inscription seems to indicate that Rajendra-Chola I was himself engaged in the expedition against the kings of Northern India (Uttarapatha) and it may not be unreasonable to suppose that he did not entrust the management of it merely to his generals as the wording of the Tiruvalangadu plates would, at first The date of the inscription is so completely effaced that it is difficult to make it out; but from the conquests enumerated in the introduction it may be said that it cannot be earlier than A.D. 1023. The record states that, in order to secure success to the arms of the king, the assembly of Rajaraja-chaturvedimangalam, which was the name by which Ennayiram was known, made the following provisions to the

A college fr Vēdic study and a hostel maintained in the temple at Ennayiram.

lord (Paramasvāmin) who 'was pleased to stand with a fierce appearance, in the temple of Rajaraja-Vinnagar, receiving worship and offerings. The charities were mainly intended for maintaining a hostel

and a college for Vedic study as detailed below:-(i) Four persons were appointed for the recitation of the Tiruvaymoli hymns in the temple and they were allowed three kuruni of paddy each per day. To meet this charge, land at Ānāngūr alias Rājarājanallūr, measuring half (a vēli) and two mā

in extent were given. (ii) For feeding twenty-five Śrī-Vaishnavas in the matha attached to the same temple one vēli and four mā of land in the same place were allotted.

1172, Home (Edn.)-37

- (iii) Sixty kalam of paddy and three kalanju of gold were also provided for the Seven-days' festival of Ani-Anulam in order to feed one thousand Vaishnavas and dāsas (devotees) who came to witness it.
- (iv) Half a  $v\bar{e}li$  and two  $m\bar{a}$  of land and some gold were given to meet the cost of taking the god in procession round the village, in a car; for the grant of cloths to the mendicants on the occasion, for purchasing cloth to be put on the deity; for offerings, bath and garlands, for performing certain ceremonies, etc.

The following students were fed in the Gangaikoudaśolan-mandapa:-

- (a) Seventy-five studying the Rig-Vēda.
- (b) Seventy-five studying the Yajur-Vēda. (c) Iwenty studying the Chandoga-Sama. (d) Twenty studying the Talavakāra-Sāma.
- (e) Twenty studying the Vajasaneya.

(f) Ten studying the Atharva.

(g) Ten studying the Baudhāyanīya Grihya kalpa and Gana,

thus making a total of 230 Brahmacharins for studying the above-mentioned (apūrvam) Vēdas which with the forty persons learning the Rūpāvatāra came to 270. Six nāļi of paddy was allotted for each of these per day.

Further there were-

(h) Twenty-five learning (ઉκώμπή) the Vyākaraņa.
 (i) Thirty-five learning (ઉκώμπή) the Prabhākara, and

(j) Ten persons learning the Vēdanta.

For these 70 pupils (sattira) who learnt the ottu (Vēdas) provision was made at the rate of one kuruni and two nāļi of paddy each per day.

One kalam of paddy was given to the nambi who expounded the Vyākarana, one kalam to another who expounded the Prabhākara; and one kalam and one tūni to the third who expounded the Vedanta.

Ten professors were appointed to teach the Vēdas as detailed below:-

Three to teach the Rig-Vēda. ThreeYajus. One Chandōga. " One Taļavakāra-Sāma. " One Vājasanēya. ,,

One Baudhāyanīya grihya and kalpa and Kāthaka.

The teacher who expounded the Rūpāvatāra got 3 kuruni of paddy a day. Thus for a day 30 kalam of paddy measured by the Rajarajan-marakkal were required. The annual requirements came to 10,506 kalam of paddy. The gold required for expenses was as follows: 8 kalanju of gold to the professor of Vyakarana for expounding 8 adhyāyas at one kaļanju per adhyāya, 12 kaļanju to expounding 12 adhyāyas at one kalanju per adhyāya. 6½ kalanju to the 13 professors who taught the Vedas and to the one who expounded the Rupavatara at half a kaļanju each and 35 kaļanju at ½ kaļanju each to the 70 pupils (śāttirar) who learnt the Vyākarana and the Mīmāmsā.

Thus in all for the 61½ kalanju of gold and the paddy that were required, the temple was put in possession of 45 vēli of land situated in Māmbākachchēri alias Pavittiramānikkanallūr forming part of Ānāngūr alias Rājarājanallūr and Mēlak-kūdalūr alias Purushanārāyananallūr.

King Rājēndra-Chōladēva I, having thus directed the assembly of Rājarājachaturvedimangalam ordered, in the presence of Kali Ekamranar, the head of the village, that they should not show in the account books, any more taxes than 1/16 ma and I padakku against the persons residing in the said two villages and cultivating the 45 vēli of land, and this they promised to do taking solemn oaths.

This inscription is of great importance to us as it shows clearly that in ancient temples not only was the regular conduct of worship maintained but also the study of the Vedas, philosophy, grammar and other sciences was encouraged by munificent royal grants. Gifts made for such purposes as these were known as Vedavritti and Adhyayanānga. In some cases where munificent grants such as the one detailed in the record under review had not been made, provision was made for feeding a few persons versed in the Vēdas and Apūrvins.

29. The hostel attached to the temple at Ennāyiram seems to have fed not only teachers and students of the Vēdic college but other men as well. One of the records of the place (No. 343 of 1917) which has unfortunately neither beginning nor end, being built in at either side, refers to the maintenance of a hostel which must be the same as the one connected with the college. Provision was here made for feeding 506 Brāhmaṇas among whom were Brahmans versed in the Vēdas, Brahmans in general and the Śrī-Vaishṇavas. This number might have included the 350 attached to the college, as detailed in the previous paragraph. The rest must have included those who sung the Tiruppadiyam, who formed the gōshti, who recited the Tiruppugal and who uttered Sadyajām. As jātakadakshinā, on the day of Jayantyashtamā (the birthday) of Vennaikūttar (Krishna), it is stated that, those Brahmans who studied to the end the Rig, Yajus and Sāma Vēdas should receive a gold flower and a gold ring. On the merchant class which received money from the markets devolved the duty of supplying excellently husked rice which they were bound to bring to the hostel and measure out at the rate of 2 to 5 of paddy for [feeding?] the 50 Brahmans. The greatmen in charge of the ūrvāriyam, i.e., 'the Village Supervision Committee' had to look after the daily supply of the firewood required for the hostel. The Brahman and Valaājiya mer-

Brahmans also as tradesmen.

Brahmans also as tradesmen.

Brahmans also as tradesmen.

Brahmans also as tradesmen.

Brahman and Valanjiya merchants who traded in the south bazaar were given certain amount of money and they agreed to supply sugar and other things in lieu of the interest on the sum lent. And it is further added that the excess of ghee, milk and curds that remained after meeting the requirements of the temple should be made over to the hostel. There is reference to a similar feeding house, but in a much smaller scale, in No. 323 of 1917 which comes from Paṇaiyavaram. Here provision is made for conducting a hostel (śālai) which fed daily 50 Brāhmanas and 10 Śivayōgins who were also given oil for bathing. The same inscription further provides for a teacher of a free school (dhanma-palli) and for maintaining three water-sheds one in front of the temple of Paravai-Īśvaramudaiyār, another in front of the mandapa of Rājēndraśōlan and the third in front of the temple of Rājēndraśōla-Viṇṇagar-Ālvār. For rendering service in the hostel and the water-sheds Brahmachārins were appointed.

30. Inscriptions of Rājakēsarivarman Rājādhirāja I in the collection are only two (No. 330 of 1917 and No. 55 of 1918). They are dated in the 30th and 32nd years of his reign and mention as usual his conquests. No. 330 gives astronomical details

Rājakēsarivarman alias Rājādhirāja I. which are correct for A.D. 1048 February 26, Friday. It is stated that the assembly of Rājarāja-chaturvēdimangalam, i.e., Ennāyiram met in the pavilion called Mummadiśōlan-mandapa in company with Nripēndraśōla Mūvēndavēlān, the governor of the town and gave effect to an order of the king issued under the signature of his royal secretary Alagiyaśōlan Vilupparaiyar stating that on the lands belonging to the temple of Tiruvāyppādi, only the lowest rate of tax needs be levied as in the case of the lands belonging to the Rājarāja-Vinnagar and Kundavai-Vinnagar. This order of the king dated in the 27th year and 137th day of his reign, reached the assembly on the 30th year and 240th day. It thus appears that for the transmission of the order from the king to the assembly through the intermediate office, it took 3 years and 103 days. On receipt of it, the assembly gave practical effect to it.

The second record, i.e., No. 55 of 1918 contains the short introduction commencing with the words Amusainum, etc., and mentions the conquests of (1) Gangai, His conquests shortly told.

Lankā, Kadāram (Burmah) and Magōdai of the west, (2) the defeat of the king Mānābharana and of the Kūpakas and (3) the destruction of the ships at Kāndaļūr-sālai.

31. Parakēsarivarman Rājēndradēva is represented by three inscriptions in the collection. Two of them (Nos. 318 of 1917 and 58 of 1918), dated in the 6th and 5th years respectively, record his military achievements, viz., the setting up of a pillar of victory at Kollāpuram, his military exploits in the battle on the banks of the

Pērāru (at Koppam) where he captured Āhavamalla's elephant, camel and treasury along with his queen, and the taking possession of Iraṭṭapāḍi One and a Half Lakhs.

32. Nos. 280 and 322 of 1917 copied at Kūhūr in the Tanjore district and at Paṇaiyavaram in the South Arcot district respectively belong to the reign of Parakēsarivarman Adhirājēndradēva whose inscriptions are rarely met with. The introduction does not contain any historical fact. The former record registers a

Parakēsarivarman Adhirājēndra.

gift of land to an individual, for enjoyment by himself and his descendants, ment by himself and his descendants, for reciting twice daily the *Tiruppahyam* hymns in the temple of Tirumāmbalamudaiya-Mahādēvar at Kūhūr. The latter records a gift of land by the residents to the temple of Paravai-Īśvaramuḍaiyār at Paravaipuram (the ancient name of Paṇaiyavaram in the South Arcot district). The temple was probably called so after Paravai, one of the wives of the Tamil saint Sundaramūrtti who was a native of Tiruveṇnainallūr, not far from Paṇaiyavaram.

The portion of the South Arcot district which was situated on the north bank of the Pennai was known by the term Vāṇagappāḍi and it seems to have been termed so because it was included in or formed part of the country of the Bāṇas. None

A portion of the Bana country lay in the South Arcot district.

of the inscriptions at Paṇaiyavaram state that the place was situated in Vāṇagappāḍi though it is not far removed from the

region which was indicated by that territorial division. Parivipuri or Parivi the capital of the Bānas has been identified with Parigi in the Anantapur district (South-Ind. Insers. Vol. II, page 425 and Annual Report for 1912, page 75).

Kulöttunga I.

Kulöttunga-Chola I. They range in date from the 7th to the 42nd year of his

reign. No. 340 registers a grant by Ulagalandān Tiruvarangadēvan of Kulattūr to the temple at Ennāyiram. The first part of the individual's name has perhaps a reference to the revenue survey undertaken by the king. From No. 159 of 1918 we learn that a resident of Tribhuvanamādēvinallūr, the southern hamlet of Rājarājachaturvēdimangalam, i.e., Brahmadēśam in the South Arcot district, having killed a

native of Amūr in Uttamasola-valanādu gave one hundred and twenty-eight cows for maintaining four lamps in the temple

Accidental killing of a man and the punishment awarded therefor.

of Brahmiśvaram in order to expiate the sin incurred by killing a certain individual accidentally. Another record from Brahmadeśam (No. 158 of 1918) gives the 41st year and 294th day of the king and the astronomical details contained in it work out correct for A.D. 1111 April 25, Tues-It speaks of the consecration of temples, opening of irrigation works, punishment of the wicked and protection of the good and the increase of Brahmanism, in which we must trace some reference either to evil times generally or specially in that locality. In this connexion, it is perhaps worthy of note that the god at Ennayiram, quite close to Brahmadēśam, is said to have assumed a fierce aspect (aghōramāyelundaruli) as opposed to a mild form (inidelundaruli) generally met with in inscriptions. This seems to suggest some reference to the specially bad state of the locality to allay which, Chola kings from the time of Rajendra-Chola I to Kulottunga I and his son Vikrama-Chāla contributed towards building of temples, construction of tanks, opening of feeding-houses and the like in this special tract. A single inscription (No. 358 of 1917) with the introduction Annual and is included in the list and it is dated in the 2nd year of Rājakēsarivarman Rājēndra-Chōļa, i.e., Kulottunga I who in his earlier years styled himself Rajendra-Chola (South-Ind. Insers. Vol. III, page 132). Some of the inscriptions without the characteristic historical introduction of Kulottunga I can still be ascribed to him, as for instance Nos. 278, 282, 288, 297, 300, 301 and 314 of 1917 all of which come from Kūhūr

in the Tanjore district and have either the title Rajakosarivarman or are signed by Nārāyaṇaṇ, the Madhyasths of Kāhūr who also figures in a clear record of Kulottunga I. Palaeographical considerations do not militate against this view.

34. Students of Tamil literature know that at a certain time in the history of Southern India there was a strong desire to collect together the sacred utterances of the Saiva saints which were till then only preserved in parts and at different places. These utterances had, during the course of a few centuries since the authors of the hymns had passed away, acquired the sanctity of the Vēdas in the eyes of the Tamils. In the endeavour to wrest them from oblivion, in arranging them in order and in assigning to them their proper tunes the people of the Chōla country and their king took a keen interest. The tradition regarding the rescue of the extant Dēvūram hymns is what is given out by the Tamil hagiologist Sekkilār. According to this authority, during the reign of the Chōla king Rājarāja-Abhayakulaśēkhara, identifiable with Kulōttunga I, there was a devotee Nambi-Āndār-Nambi, belonging to the class of archakas or temple worshippers. His devotion was considered so great,

The Dēvāram hymns, compiled in the time of Kulottunga-Chola I.

it is said, that the god yielded to his request to eat a dish of rice offered by him. Through the miraculous intervention of

this devotee, they came to learn that all the songs, composed by the three authors of the Tamil Scriptures, i.e., Jñanasambanda, Appar and Sundaramūrti were preserved on palm leaves in one of the rooms attached to the Siva temple at Chidambaram, and it was possible to open the door of it only in the presence of the three. Eventually, on opening the room there were found heaps of palm leaf manuscripts, much of which had been eaten by moths. In right oriental fashion, it is narrated that, a voice from above was heard to say that the leaves which had been destroyed by moths were superfluities. Of the three authors of the Devaram Jñanasambanda is believed to have sung 16,000 hymns whereas there are only 384 now preserved. Similarly some of the songs of Appar and Sundarar have not seen the light of day. The belief is very strong that many more hymns were composed by the three authors than what are now printed; and there is certainly room for giving credence to it if we remember the fact that there had been more Siva temples at the time when the authors flourished than are found in their hymns and there is not sufficient reason for The discovery (see above Part I, paragraph 18) last year of a valuable their omission. epigraph (No. 8 of 1918) which is a hymn of 11 verses in Tamil by Jñanasambanda on Tiruvadavāyil, that is not traceable in the printed copy of Dēvāram furnishes direct evidence on the point and lends support to

Eleven new verses of the Devaram in an epigraph. evidence on the point and lends support to this belief. The script in which the epigraph is incised may be roughly

assigned to the 12th century A.D., just the time when the other  $D\bar{e}v\bar{a}ram$  hymns were collected. The method adopted in the treatment of the subject-matter of the hymn is quite characteristic of the saint to whom it is attributed in the inscription, inasmuch as one half of each verse describes the god and the other half furnishes a description of the place.

35. Of the time of his successor Vikrama-Chōla who is indifferently styled Parakēsarivarman (No. 232 of 1917 and Nos. 12 and 160 of 1918) and Rājakēsarivarman (Nos. 6, 63 and 64 of 1918) in the present year's collection, there are eleven inscriptions (Nos. 232, 309 and 311 of 1917 and 6, 12, 20, 27, 63, 64, 160 and

36. Kulottunga II is represented by five records surely attributable to him (Nos. 157, 169, 171, 179 and 181 of 1918) which begin with the introduction 1172, Home (Edn.)—38

Kulottunga II.

Kulottunga II.

Report for 1912 (page 67) that Anapāya was a surname of this king, as it is stated that a village was granted under the new name Anapāyanallūr which should have been so called after the king. It may be noted that the latest regnal year found for the king is only the tenth.

37. Parakēsarivarman Rājarāja II is represented by four records in the collection under review (Nos. 315 and 336 of 1917 and Nos. 52 and 168 of 1918) from one of which (No. 336 of 1917) we learn that Chōļēndraśingha-Mūvēndavēļān was the king's chief secretary (tirumandira-ōlai).

38. Only four records of Rājādhirāja II are registered in Appendices B and C. They range in date from the 6th to the 14th year of his reign and come from Korukkai and Tiruvidavāyil in the Tanjore district (Nos. 224 and 228 of 1917 and 14 of 1918). His conquests of Madura and Ceylon are mentioned. No. 224 of 1917 dated in his 6th year contains astronomical details which have been found on

verification to be correct for A.D 1168, June 8, Saturday but the tithi was dvitīyā not tritīyā as given in the record. The object of the record is to register the fact that the assembly of Kurukkai, also called Vikramaśōla-chaturvēdimaṅgalam, made a tax-free gift of land to the temple of Tiruvīraṭṭāṇamuḍaiyār—one of the eight Vīraṭṭāṇams which had been sung by the Saiva saints—for garlands. There was half a vēli of taxed land which for a period of 50 years was left uncultivated and claimed by none. The assembly paid the taxes due including the kadamai and kudimai all

Land unclaimed for 50 years now granted to the temple exempt from tax. these years. Subsequently it was again lying fallow and the taxes, such as kadamai and kudimai, were not paid, but

were left in arrears. It was therefore decided to make a gift of it to the temple, get it cultivated with paddy and the like crops, and supply from its income one hundred garlands daily of Sengalunir (red-lotus) flowers perpetually as long as the moon and the sun endure, to the temple at the midnight service. For making the land tax-free of the village (mix 4 2000 pad), the assembly received in lieu thereof, from the temple treasury one hundred and sixty  $k\bar{a}su$  which had been collected by donations and deposited in it by Tirujñānaśambanda, a devotee of the temple and agreed to pay all kudimui taxes on this land including antarāya and viņiyoga. The assembly further agreed to pay the said taxes including silvari and peruvari even if at any future time claimants for the land arose and disturbed its exemption from taxes. It is perhaps worthy of note that the liability of the assembly to pay the taxes even after the land had changed hands must have arisen from the fact that they had come in possession of  $160 \ k\bar{a}$  su the capital from which the taxes on the lands had to be paid and secondly that if the transferee had been asked to pay the taxes, there would be a double payment of the same. The change of ownership intended as a hypothetical case in the inscription seems only to refer to the right of cultivation of the land which had been once for all made tax-free and given over to the temple.

39. Fifteen records (Nos. 176, 93, 165, 25 of 1918, 226 of 1917, 161, 94, 189 of 1918, 252, 227 of 1917, 186 of 1918, 219, 225 of 1917, 2 of 1918 and 213 of 1917), of Kulöttunga III, ranging in date from his 4th to 37th year of reign, have been secured in the year under review. Some of these contain his introduction beginning with the words 

| Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind | Wind

(king). In a few records the name Tribhuvanavīradēva is substituted for Kulōttunga. The astronomical details furnished in the inscriptions have been verified and the results noted in Appendix E. The earliest achievement of Kulōttunga III is his conquest of Madura. It is interesting to note that Nos. 167 and 176 of 1918 style a certain chief named Ammaiyappan alias Rājarājasambuvarāyan as the capturer of the Pāndya country. The same chief is alluded to in No. 342 of 1917, which is dated in the reign of Tribhuvanachakravartin Rājarāja III. From this it is almost certain that the chief rendered valuable service in the expedition against the Pāndyas by Kulōttunga III, an expedition which was attended with signal success. From No. 94 of

1918 of the 14th year of the king whose introduction is quite similar to that of a record of his 9th year (No. 86 of South-Ind. Insers., Vol. III, page 210 f.) we gather that there were internal dissensions in the Pāṇḍya country, that Vikrama-Pāṇḍya who was opposed by the combined forces of Vīra-Pāṇḍya or his son and his ally the king of

Ceylon, sought the help of the Chola Civil war in the Pandya country. sovereign and that Kulöttunga espousing his cause invaded the country with a valiant army, inflicted defeat on the allied powers, killed Vīra-Pāṇḍya's son and caused the dispersed Singhalese troops to show their backs and enter the sea. Setting up a pillar of victory in Madura he conferred the kingdom on his protege Vikrama-Pāndya. The title "capturer of the Pāndya country" assumed by Ammaiyappan Rājarāja Sambuvarāya, as early as the 4th year of the king (A.D. 1182) shows that he rendered valuable help to his Chola overlord, by whom he must have been so honoured. It may be noted here that this is one of the earliest references to Sambuvarayan in inscriptions, and the chief that figures herein may be considered as an early member of that family. record under reference gives us a clue to understand the original position held by the ancestors of the Sambuvaraya family as that of the feudatories of the waning Chōla power. The other title Rajaraja might indicate that he was a subordinate of Kulottunga III's father Rajaraja II. During the time of Rajadhiraja II also there

The family of Sambuvarāyas were originally fam feudatories of the Chōlas.

was a feudatory chief of the Sambuvarāya family who stood by the side of his Chōla overlord. Later on we meet with a

Later on we meet with a overlord. member of the same line in the records of Rajaraja III. Thus during the days when the Chola power was gradually sinking, i.e., in the period covered by the reigns of the four successive Chola sovereigns, viz., Rājarāja II, Rājādhirāja II, Kulottunga III and Rājarāja III, Sambuvarāyas held a subordinate position under the Cholas and rendered valuable service to them as the titles 'Pāndinādukonda', 'venrumankonda' 'tanininruvenrān 'which the several members of the family had assumed, clearly indicate. weakest of the Chola kings was Rajaraja III, a king who allowed himself to be taken captive by one of his own supplicants and was in such a miserable plight as to be rescued and re-established on his throne by the neighbouring kings, i.e., the Hoysala Narasimha and the Telugu Choda chief Tikka both of whom claim to be establishers It was after Rājarāja III that the Sambuvarāyas appear as completely independent sovereigns ruling a portion of the Chola dominions, i.e., a part of the ancient Tondai-mandalam. This attempt to gain independence seems to have been made in the latter part of the reign of Rajaraja III. It is perhaps worthy of consideration here that Chola Tikka, who claims to have established the Cholas. claims also to have defeated the Sambuvaraya by which we might gather that on behalf of the declining Cholas, Tikka aimed a blow at the feudatory Sambuvaraya who attempted to throw off the Chola yoke and assert his independence.

40. The reign of Kulöttunga III was noted for building activities and the Tribhuvanam record noticed in the Annual Report for 1908, p. 81, shows the interest evinced by the king himself in that direction. No. 93 of 1918 included in the present year's collection states that a chief named Iranan-Ponparappinan alias Rajarajakovalar-rayan of Kugaiyūr in the South Arcot district built the temple of Srīkailāsam, also known as Ponparappina Īśvara-

also known as Ponparappina Iśvaramudaiya-Nāyaṇār, with its three pavilions the ardha-mandapa, snapana-mandapa and nritta-mandapa together with the two enclosing walls and towers, i.e., the first prākāra and its gōpura. He also constructed a tank called Vīrabhayankaram and gave extensive lands for its upkeep. The endowments to the temple were largely augmented by the gifts of another chief, perhaps of the same family, named Rājarāja-dēvaṇ Poṇparappiṇāṇ alias Vāṇakōvaraiyaṇ of Sirupākkam (No. 94 of 1918). The chiefs bearing the title Poṇparappiṇa which they assumed by virtue of some early member of the family covering the Chidambaram temple with gold were also subordinates of the Chōlas.

A number of inscriptions of Kulöttunga III state that he took Karuvūr. In No. 227 of Appendix B, this item of his achievement is substituted by the conquest of "Kongu alias Vīrasola-mandalam."

Conquest of Kongu.

That the two are not different is quite

apparent and it may be explained by stating that in the first instance the capital is mentioned and that it stands for the territory to which it belonged in the second. Similarly also when the inscriptions merely mention the capture of places such as Madura, we have to understand that the countries in which they were situated were overcome. No. 229 of 1917 refers to his father Rājarājadēvan.

41. About 24 inscriptions of Tribhuvanachakravartin Rājarāja III have been copied in the year. The details of date given in some of these are noted in Ap-

pendix E, with their equivalents. Some of the interesting facts mentioned in a few records of this king are noted below. No. 223 of 1917 gives a list of slaves both male and female, numbering more than a hundred persons, owned by the temple of Vīraṭṭa-nēśvara, having been made over to it by an order of the king, by purchase from several people and by gifts from private individuals in the 9th and 10th years of the reign of Kulōttunga III (A.D. 1187-88)

in the 7th year of Rājādhirāja II (A.D. 1169) and in the reign of Rājarāja III. The circumstances connected with their sale to the temple and the prices paid for them are not stated. In previous years, similar instances have been recorded (Annual Report for 1905, part II, p. 54 and Annual Report for 1913, p. 108). It is worthy of note that all these records belong to the Tanjore district. The king's officers Kālingarāyan and Kāduvetti are mentioned in Nos. 241, 250, 262 and 265 of 1917. One of these fixes arasukūli, and pādikāval at one kalam on each mā of land. In No. 245 of 1917 it is stated that the persons holding the lands belonging to the temple of Kōyil-Tirumālam expressed their inability to pay the taxes at the prevailing rates and requested that these might be revised and fixed for the future. Thereupon the lands were resumed and given over to the same temple perhaps on a favourable tenure or by excusing the payment of the dues altogether. The gift is expressly stated to have been made for the recovery of the king's health and for the prosperity of the village. From Nos. 246 and 247 of 1917 we learn that nearly 5 vēli, 3 mā, 1½ kāmi, 1 mundiri, kīl 4 mā of land were sold for 20,700 kāśu and that 2 vēli, 8½ mā, ½ kāmi, 1 mundirigai, kīl half and 2 mā for 10,000 kāśu.

The only other record of Rājarāja III which is worthy of notice is No. 1 of 1918 from Tukkāchchi. Its date portion is much damaged but can be read as 22 + 1st to suit the details given of it in the inscription, viz., that the 12th day of the month of Vaigāsi of the year fell on Friday. We are informed that the cultivators of the lands given to the temple of Vikrama-Chōlīśvaramudaiyār, for conducting worship, and offerings, for supplying unguents and garlands of sengaļunīr flowers and for meeting other requirements of the temple failed to pay the kadamai when demanded. Seeing this, and realizing perhaps their distressed condition also, Sīrāndan alias Muṇaiyada-

The services rendered by a Kāniyālom during a time of distress and the privileges he was allowed.

raiyan, one of the Kāvalkūniyālar (i.e., the men appointed for leasing out lands and realizing assessment), prevented the defaulting tenants from absconding by

giving them what was required for their maintenance and personally inquired into the daily requirements of the temple, supplemented its funds so that the fixed scale of expenses might be met; set up images of the gods Sani and Brihaspati in order that the god might be taken in procession; appointed a person to perform a number of prostrations to the god in the temple for the welfare of the king; nominated the nambis to perform fire-sacrifices (homa) and ministered to the wants of Brahmans and Vellalas who had inhabited the village from outside. For all these good services he, the kāmyālan was given the privilege of entering the temple armed with a bow, of getting one of the privileges (nimandas) for himself; of receiving half of the emoluments of the persons who had to carry the god in procession; of getting a house in the temple premises and to let it to any person he chooses; and to have this order engraved on stone. He is said to have reappointed the servants and to have managed the lands which were abandoned without being cultivated in previous years, in such a way as to obtain for the temple an income of 2,000 kalam of paddy. inscription is of importance as it seems to show what a responsible kāṇiyālan ought to do in times of distress when lands are liable to be left uncultivated and the gyots are likely to ran away from villages to the detriment of the State interest.

The latest Chola records of the year (No. 10 of 1918 and Nos. 339 and 752 of 1917) belong to the reign of Tribhuvana-Rājēndra-Chōļa III. chakravartin Rājēndra-Chōla III of these (Nos. 10 of 1918 and 339 of 1917) furnish astronomical details whose English equivalents are given in Appendix E. No. 10 of Appendix C, refers to a monastery (guhai) of Tirumurai-Dēvārachchelvar, of the lineage of Narasingadēvar belonging to the matha called Oruchchiragan situated on the northern side of the temple of Tiruttonippuram at Tirukkalumalam (i.e., Shiyali) in Tirukkalumala-nādu, a subdivision of Rājādhirāja-valanādu and registers a gift made by a private in lividual for the welfare of the officer Vāṇādharāyan. The title Mahāmandalēśvaru is prefixed Mayafar to the name of the king for the first time in No. 339 of 1917 and if it could indicate anything, it shows that the Chola king had grown so powerless at the time as to be mentioned with that degrading title.

another Ki Saka 1268 late a peri R.Ch III.

### THE PANDYAS.

42. Two early kings of this dynasty Mārañ jadaiyan and Sadaiyamāran are represented in the year's collection. Their Mārañjadaiyan and Śadaiyamāran. inscriptions (Nos. 480 and 863 Nos. 416, 417, 418 and 440 of Appendix B) are all of them in Vattelutiu characters and come from the Tinnevelly district. No. 863 which is dated in the 35 + 7th year of Māranjadaiyan mentions two groups of men called Tirumalai-vīrar and Parāntukavirar. The latter name suggests that the inscription may probably belong to Parāntaka-Sadaiyan the predecessor of Rājasimha-Pāndya in whose reign the bigger Sinnamanur plates were issued. One of the records of Sadaiyamaran (No. 440 of Appendix B) which is damaged gives the name of an assembly as Pāsupatapperumakkal whose function is not given in the record.

43. We have 11 records of Māravarman Sundara-Pāndya (1216-1235 A.D.) in the year's collection. Of these No. 429 of Appendix B begins with the introduction Māravarman Sundara-Pāṇḍya I. (A.D. 1216 பூம்வர் இருவும் and three others (Nos. 390, -1235). 394 and 627 of Appendix B) give him the epithet "who having taken the Chola country performed the anointment of heroes at Mudigondasolapuram" thus clearly showing that they belong to Maravarman Sundara-Pandya I. In the first the king is stated to have been seated on his throne Malavarayan in his palace at Madura while issuing certain orders to the assembly of Aiññürruppanniruvar which evidently consisted of 512 members. In the Annual

Assembly of 512 members.

Report for 1916, page 122, he is stated to have had a throne by the same name at Pon-Amarāvati. Nos. 430 and 431 of 1917 are also attributable to him since a certain chief Araiyan Dēvachchilaipperumāl alias Nulambādarāyan who figures in these inscriptions is also mentioned in No. 429. For the same reason we may assign No. 428 of Appendix B in which the king is called Könērinmaikondān to Māravarman Sundara-Pāndya I. No. 633 of 1917 refers to a certain Sāttan Nāgapperumāl alias Nandiyarāyan who was a chief of Nāgēri in Sengudi-nādu and the liquid measure called Dēvāśriyan-nāli is mentioned in No. 89 of 1918. The same measure is also mentioned in the records of Kopperunjingadeva.

It is interesting to learn from Nos. 390 and 394 of 1917 which come from Kilappāvūr in the Tinnevelly district of a certain class of men called Munai-edirmogar whose commanders (danda-nāyakam-seyvār) make certain gifts to the two temples there. The term dandanāyakam suggests that they must be a military body, and this is made clear by No. 395 of 1917 of the time of Maravarman Vikrama-Pāndya in which their other name is given as Tennavan-āpattudavigal meaning "the helpers of the Pandya (king) in times of distress" corresponding to "the King's own regiment" of the present day. This body is also mentioned in a record (No. 391 of Appendix B) of Māravarman Kulaśēkhara I and in No. 396 of Appendix B of the time of Māravarman Śrīvallabha. Since all these inscriptions come from the same village we may take it to be a sort of military institution peculiar to the Pāndya country and somewhat similar to the community called Padaikkānarar and Perumnadaivān mantional in the Annual Padaikanarar and Perumnadaivāna padaivāna iyār mentioned in the Annual Report for 1917, page 112. The mention of this military class in the records of the four kings may go to show that these kings may not be far removed from one another in point of time.

- 44. Twelve inscriptions of this king have been secured this year from the South

  Māravarman Vikrama-Pāṇḍya.

  Arcot and the Tinnevelly districts.

  No. 395 of Appendix B which begins

  with the historical introduction tirumayal juyamagal, etc., has already been referred to
  under Māravarman Sundara-Pāṇḍya I. The initial date of this king has been fixed by

  Mr. L. D. Swamikannu Pillai as A. D. 1269-70 (Aunual Report for 1917, page 111).
- 45. Māṇavarman Vikiama-Pāṇdya with the introduction tirumalar mādu, etc., has been mentioned in the Annual Report for 1916, page 123, as making a gift at the request of his brother-in-law, a certain Vikiama-Chōla. No. 469 of Appendix B which is a fragmentary inscription also mentions this chief whose star of nativity as it gives was Satabhishaj. Nos. 426 and 427 of 1917 belong to the same king. They are both dated in his 5th year and the astronomical details supplied by these epigraphs work out correctly for A D. 1254 and thus enable us to fix his initial date at about 1249 A. D. This seems to be partly confirmed by No. 426 of 1917 where a land is assigned on lease to a certain Lakkumaṇaṇ Āṇda-Pillai who is also an assignee of a similar lease in No. 432 of the time of Jatāvarman Vīra-Pāṇdya (A.D. 1253).

Two inscriptions from the South Arcot district (No. 325 of 1917 and No. 71 of 1918) begin with the introduction Samastabhuvanaikavīra, etc., and are therefore referable to that Maravarman Vikrama-Pandya who began to rule in A.D 1283 (Ind. Ant. Vol. XLII, page 224). He is also called Konerinmaikondan in No. 71 of 1918. To the same king may also be attributed Nos. 82 and 86 of Appendix C though they contain no introductions. The former is dated in his 3rd year and gives details of date which satisfy the year A. D. 1286. From the latter in which the king is styled Konerinmaikondan Vikrama-Pandya we learn that he instituted in the temple at Vriddhāchalam a service called Rājākkanāyan-sandi after his own name. From previous records we have known that the surname Rājākkal-Nāyan was borne by a certain Kōnērinmaikondān Vikrama-Pāndya (Annual Report for 1909, page 85) and Māravarman Vikrama-Pāṇḍya (Annual Report for 1914, page 94) and Māravarman Kōnērinmaikoṇḍāṇ Vikrama-Pāṇḍya (Annual Report for 1916, page 127). By calculating the astronomical details given in two of the inscriptions Nos. 287 of 1902 and 124 of 1904 Prof. Kielhorn fixed his initial date at A.D. 1401 and I was led to believe that he must be identical with Jatāvarman Konērinmaikondān Vikrama-Pāndya whose initial date also falls in A.D. 1401 (No. 124 of 1908) and since Rāśākkal-Nāyan occurs as a surname of the king in Nos. 270 and 295 of 1913 and 229 of 1916 all of which belong distinctly to a Māravarman, I suggested that the epithets Jaṭāvarman and Māravarman were indifferently applied to this Vikrama-Pandya (Annual Report for 1916, page 127). The alphabet employed in our present inscription (No. 86 of Appendix C) does not seem to refer to so late a period as the 15th century A.D. but is quite similar to that of No. 82 of Appendix C, which, as I have pointed out above, gives A.D. 1286 as his third year. For the same reason it is equally possible that Nos. 287 of 1902 and 124 of 1904 should be referred to about this period. In fact from Mr. Swamikannu Pillai's Ephemeris I find that the dates given in them also suit very well for A.D. 1290 and 1287, respectively. It now seems to me therefore that the Vikrama-Pandya who had the surname Rājakkal-Nāyan is distinctly a Māravarman and much earlier than Jatāvarman Vikrama-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1401.

46. About seven inscriptions from Vriddhāchalam are dated in the reign of Tribhuvanachakravartin Kōnērinmaikondān.

Kōnerinmaikondān.

Kōnerinmaikondān.

Kōnerinmaikondān.

Kōnerinmaikondān.

Kōnerinmaikondān.

Maļavarāyar established an agrahāra called Kulaśēkhara-chaturvēdimangalam after the king. The inscription also mentions Vikrama-Pāndya. The same officer or chief, is stated in No. 79 of Appendix C to have made a gift of land for a flowergarden to the temple in the name of Vikrama-Pāndya. In Nos. 76, 81, 87 and 88 of 1918 provision is made for a service called Rājākkanāyan-sandi and in the last two of them figures a certain officer called Vikrama-Pāndyachchōlakōn who also figures in No. 86 of 1918, but therein he is merely called Sōlakōn. Hence it may not be

wrong if we assign the record No. 75 of Appendix C to the reign of Maravarman Kulaśekhara I (A.D. 1268-1310), and Nos. 76, 79, 81, 87 and 88 of Appendix C to Māravarman Vikrama-Pāndya mentioned above.

- 47. Nos. 434 and 435 belong to Jatāvarman Vikrama-Pāṇḍya and both are from Kuttālam in the Tinnevelly district. It Jatavarman Vikrama-Pāṇḍya. is not impossible that they belong to Jatāvarman Vikrama-Pāndya referred to in the above paragraph.
- 4. Three inscriptions of Jatāvarman Vīra-Pāndya (Nos. 432, 437 and 665 of 1917) have been secured during the year under review. The first of these (No. 432) which begins with the historical intro-Jatavarman Vīra-Jāņdva. duction கிருவளர்முமே. etc., is dated in his third year. The second (No. 437) is a record of his 15th year which gives him the attribute 'who having taken Ilam, Kongu, Sola-mandalam and defeated Vallan (i.e., Vallāla?) anointed himself at Perumpagrappuliyūr (Chidambaram)'. Both the inscriptions give astronomical details which suit the dates A.D 1256 and 1267, respectively, and thus make him identical with the king of that name who ascended the throne in A.D. 1253(Ep. Ind. Vol. IX, page 227). Both these inscriptions register a transaction between the same individual and the assembly of Tirukkuttalam which is stated to have met together in Tirumukkalvattam. It is not known what it means, but it may refer to a hall where it usually held its sittings. No. 432 of 1917 records that the village assembly bought a piece of land from the people of Sundara-Pandyapuram and let a portion of it on permanent lease to a certain Anda-Pillai in exchange for a fixed annual rent in paddy and money on every  $m\tilde{a}$  of cultivated land. It was also stipulated that the lessee would pay on every  $m\bar{a}$  of waste plot that he brought under cultivation at the rate of 1 mā of achchu and 1 kalam of paddy for the first year, 2 mā of achchu and 2 kalam of paddy for the 2nd year, 3 mã of achchu and 3 kalam of paddy for the 3rd year and 4 ma of achchu and 4 kalam of paddy for the 4th and subsequent This kind of lease with an annually progressing rate of tax corresponds to the modern system of " Cowle."

There are two inscriptions of Vīra-Pāṇḍya in the collection (Nos. 66 and 104 of Appendix C) both of them secured from the South Arcot district. But from the astronomical details given in them no suitable date could be found for him except A.D. 1296 which would make him identical with Jatavarman Vīra-Pāndya Tribhuvanachakravartin Vira-Pāṇḍya. the natural son of Māravarman Kulasēkhara who was defeated by Malik Kafur in A.D. 1312 (Annual Report for 1900, page 6) He styles himself "Ranamukharāma" A.D. 1312 (Annual Report for 1900, page 6) in No. 104 of Appendix C which records the founding of an agrahāra called after his surname The village was divided into 26 parts, 1 part each was assigned to 24 Bhattas (Brahmans), 1 part as a Yajurvēdavritti and 1 part as Purānavritti (see paragraph 28 above) being exempted from all kinds of obligations.

- 49. Of Jatāvarman Srīvallabha we have only one inscription this year (No. 393 of 1917). The introduction commences with words tirumalandar, etc. The king is stated to have made a grant of land to Jatāvarman Śrīvallabha. the temple of Tirukkapālīśvaramudaiyār at Kilappāvūr being seated on his throne called Kalingattaraiyan in the hall Alagiya-Pāṇḍiyan in his palace at Madura east of Māḍakulam. Telingakulakāla-chaturvēdimangalam was the name of the village in which the land was situated and the land itself was re-named Sundara-Pāndya-vilāgam. It looks as though these were called after Jatāvarman Sundara-Pāndya I (1251-71 A.D.). Jatāvarman Švīvallabha may herred belong therefore to about the 18th century A.D. instead of the 11th century A.D. as suggested in the Annual Report for 1917, page 109. The characters also of this inscription do not seem to point to a period earlier than the 13th century. This must therefore be the Jațāvarman Srīvallabha who ascended the throne in A.D. 1291 (Ind. Ant. Vol. XLII, page 225).
- 50. Two inscriptions of Jatāvarman Sundara-Pāṇdya (Nos. 248 and 249 of 1917) are registered in Appendix B. In the former he is called Rajarajan. of date which are given in these inscrip-Jatāvarman Sundara-Pāṇḍya II. tions make him identical with Jatavarman Sundara-Pāṇdya who ascended the throne in A.D. 1276 (Ind. Ant. Vol. XLII,

page 223). No. 248 of 1917 in the course of enumerating the list of lands belonging to the temple, mentions incidentally the temples of Mudubaganārtali-Mādēvar and Avaninārāyana-Vinnagar-Emberumān both of which are referred to in the Tanjore inscriptions of Rājarāja I (South-Ind. Insers., Vol. II, page 282) as being situated at Ambar.

The conquest of the south and the defeat of the Pandya king by Muppidi-Nayaka, the general of Kākatīva Pratāparudra is already known to us (Annual Report for 1909, page 120). But it is not stated who the king was that was defeated by him.

No. 72 of Appendix C from Vriddhacha-Muppidi-Nāyaka contemporary of Jatāvarman lam in the South Arcot district which Sundara-Pāndya. is dated in the 13+1st year of Tribhuvanachakravartin Könerinmaikondan Sundara-Pandya refers to his elder brother, who made provision for a service instituted by the king in the temple called after Muppidi-Nāyaka the minister of Kākatīya Pratāparudra. In the Sanskrit verse with which this inscription opens Muppidi-Nayaka is called "the lord of Vikramasimhapattana." (i.e., Nellore). Another inscription of the same king (No. 34 of 1918) which also comes from Vriddhāchalam provides for a service called Kodandarāmaņ-sandi after We learn that his birthday star was Pushya. This surname Kodandarama is applied to Jatāvarman Sundara Pāndya in No. 123 of 1904 whose date of accession Mr. Swamikaunu Pillai fixes as A.D. 1276 (Int. Ant., Vol. XLII, page 224). The 14th year of this king would fall in 1290 A.D. But Prataparudra had not then ascended the throne and his southern expedition could hardly have taken place at such an early date. The details of dates given in the present inscription (No. 84 of 1918) work out almost correctly for A.D. 1315. If this is accepted, the inscription would then be referable to Jatavarman Sundara-Pandya IV whose initial date has been fixed at A.D. 1302 (Ind. Ant. Vol. XLII, pages 166 and 228). maikondan mentioned in No. 175 of 1918 is said to have been born under Pushya and had a surname Kōdandarāma. The inscription is also dated in 13 + 1st year. Thus he is identical with the Jatavarman Sundara-Pandya referred to above. Another inscription of Konerinmaikondan (No. 102 of Appendix C) from Kugaiyūr (South Arcot) makes provision for a service Sundara-Pandyan-sandi called after the king. It is possible that this may also refer to the same king, since a certain Kālingarāyan who occurs in Nos. 72 and 84 of Appendix C figures in this record as

- 51. Of the three inscriptions (Nos. 637 to 639 of 1917) of Jaṭāvarman Kulaśēkhara, one (No. 638) begins with the introduction at the introduction at the introduction at the introduction at the introduction at the introduction at the introduction introduction at the
- 52. To Māṇavarman Kulaśēkhara belong 13 inscriptions of which Nos. 260 and 263 of Appendix B from Tirumakkōṭṭai both dated in his 22nd year, call him Māṇavarman Kulaśēkhara I.

  Bhuvanēkavīra and record a gift of land by a certain chief (araśu) of Vaṇḍālaināḍu named Mēykkundēvaṇ Śokkanāyaṇ alias Vijayagaṇḍagōpāla who may be the same person as the one mentioned in Nos. 660, 662 and 663 of 1902 belonging to the time of Māṇavarman Kulaśēkhara and Rājarājaṇ Sundara-Pāṇḍya. Of Māṇavarman Kulaśēkhara 'who took every country' there are three inscriptions (Nos. 268, 391 and 425 of 1917). No. 391 mentions the military class Muṇai-edirmōgar referred to under Māṇavarman Sundara-Pāṇḍya I. Nos. 483 and 636 of 1917 which are both dated in his fourth year contain astronomical details which yield A.D. 1271 and thus make him indentical with Māṇavarman Kulaśēkhara I.

In the Annual Report for 1916, page 123, paragraph 28, it was suggested that a certain Jatāvarman Sundara-Pāṇḍya must have borne the surname Venru-mudi-śūdinān. This is confirmed by No. 415 of Appendix B dated in the 7th year of Māravarman Kulaśēkhara in which a certain transaction is made by the temple

authorities of Kuttālam with a native of Vengumudiśūdiya-Sundara-Pāudya-pattanam. On examining the date of this inscription on the spot Mr. Swamikannu Pillai has concluded (Ind. Ant., Vol. XLII, page 223) that it must belong to Māgavarman Kulaśēkhara II who ascended the throne in A.D. 1314. In all the inscriptions of this king (Nos 412, 413, 414 and 415 of Appendix B) provision is made for a service called Kālāmukkaļ-tōļaņ-śandi.

53. An inscription of Māravarman Parākrama from Vriddhāchalam (No. 78 of Māravarman Parākrama-Pāṇḍya.

1918) is dated in his 14th year and the astronomical details work out correctly for A.D. 1349. This king must be the Māravarman Parākrama-Pāṇḍya whose date of accession has been ascertained by Prof. Kielhorn to be A.D. 1335 (Ep. Ind., Vol. IX, page 228).

No. 197 of 1917 which comes from Tirumukkūdal near Karūr in the Trichinopoly district belongs to one of the Kongu-Pāṇḍyas. It is dated in the 15th year of Rājakēsarivarman alias Vīra-Pāṇḍyadēva whose time is already known from No. 445 of 1905 dated in his 15th year which was equivalent to A.D. 1293 according to Prof. Kielhorn's calculation (Ep. Ind., Vol. IX, page 226).

# LATER PANDYAS.

54. The villagewar epigraphical survey of the Tenkasi taluk, Tinnevelly district this year, has been very fruitful in yielding us a large number of inscriptions of this dynasty. As many as about 190 records of the kings of this line have been secured and clearly set forth the relationship that existed between some of them. The earliest inscription of this dynasty known till now is that of Parākrama-Pāṇḍyadēva whose record (No. 203 of 1895) dated in the 31st year and Saka 1337 gives A.D. 1384 as his initial date. No. 408 of Appendix B which belongs to a certain Jatā-

Parākrama and Kulašēkhara.

varman Parākrama-Pāndya combines his 5 + 15th year with Śaka 1309 (= A.D. 1387) thus taking the initial date of the latter further back by about seventeen years than the former. We learn from the inscription that the central shrine and the mandapas of the temple at Kultālam were renovated by this king. No. 458 of Appendix B which is dated in Saka 1333 mentions the founding of a Brahman village in the time of a certain Kulašēkhara who may be identified with Māravarman Kulašēkhara who rebuilt the temple at Ilañji in his 13 + 1st year corresponding to Śaka 1331 (No. 528 of 1911).

Nos. 459 and 461 of 1917 dated respectively in Saka 135[1] and 1355 belong to a certain Srīvallabha. Inscriptions Nos. 457 and 460 which are both dated in the 32nd year of Maravarman Śrivallabha may also belong to the same king. We have not till now come across any inscriptions of this Srīvallabha with these dates. We have however an epigraph of a certain Alagan-Perumal Srīvallabha from Karivalamvandanallur (No. 278 of 1908) dated in Saka 139[3]. In No. 459 of Appendix B the king receives certain epithet, only the latter part of which is preserved in the inscription and reads . . . Rāman. It is doubtful if it could be taken as We know of a Māravarman Vīra-Pāndya of about this time who Kaliyugarāman. had the title Kaliyugarāman (Annual Report for 1905, page 56), and who was a coŚrīvallabha brother of Arikēsari Parākrama.

Report for 1906, page 72 and Annual
Report for 1910, page 100). We can hence take this Śrīvallabha who was a contemporary of Maravarman Vira-Pandya to be his brother and another co-regent like him with Arikesari. And we may not also be wrong in supposing that the Śrīvallabha referred to in the Pudukköttai grant, as an ancestor of the king who covered the Rāmēśvaram temple with copper-sheets should be no other than the Śrīvallabha of In confirmation of this we have three inscriptions published in the Travancore Archæological Series (A, E and F, page 251 f.) from which we learn that Arikesari and himself were brothers. The second record (No. 461 of Appendix B)? refers to a previous gift by Kulasekhara who may be either his brother (another joint ruler with him and Arikesari) or the earlier king of No. 458 of Appendix B, mentioned above.

Māravarman Vīra-Pāṇḍya is represented by two inscriptions Nos. 422 and Māravarman Vīra Pāṇḍya.

452 of Appendix B of which the latter is dated in Saka 1368 and the former gives his regnal year as 23. By taking Vīra-Pāṇḍya as identical with that Kaliyugarāmaṇ Vīra-Pāṇḍya who ascended the throne in Saka 1343 (Annual Report for 1905, page 56), and who was co-regent with Arikēsari Parākrama, his 23rd year would correspond to Saka 1366 and hence out of several dates which could be obtained from the astronomical details given in the record (No. 422) we may choose Saka 1367 as the one intended by the inscription. But the difficulty is that he refers to the rebuilder of the Kuttālanātha temple—the Jaṭilavarman Parākrama whose 5 + 15th year was Saka 1309—as his elder brother (annālvi) which could hardly be possible. We learn that his star of nativity was Jyēshthā. The signatory in this inscription is a certain Tachchanenmēṇi-uḍaiyāṇ who also figures in No. 460 of the time of Śrīvallabha mentioned above

56. No. 547 mentions Vīra-Pāṇḍya and a village which had been founded Arikēsari Parākrama.

in his name. This village has been already referred to in a record (No. 11) of 1912. No. 641 of Appendix B is dated in the 2 + 26th year of a king whose name however is lost in the inscription. Since the details of date work out correctly for Śaka 1372 during the reign of Arikēsari Parākrama we may take this record to be his. A certain Poṇṇṇṇperumāl Parākrama is mentioned as the king's nephew (marumagaṇār) in whose name a service was instituted in the temple at Kaḍayanallūr. This seems to be the same as Jaṭi'avarman Tribhuvanachakravartin Parākrama-Pāṇḍya alias Vīra-Pāṇḍya the sister's son of Arikēsari mentioned on page 251 of Travancore Archæological Series, volume I.

In my Annual Report for 1912, page 74, paragraph 43, I said that there should have been three joint rulers with Arikēsari, viz., Alagan-Perumāļ Kulašēkhara, Vīra-Pāṇḍya and Māṇavarman Vikrama-Pāṇḍya. No. 569 of Appendix B seems to give us a new king if the name given in the record be not a surname of any of those princes. It is dated in Śaka 1388 and the 2 + 41st year of Jaṭilavarman alias Tribhuvanachakravartin Kulōttunga-Pāṇḍya whose initial date will therefore be Śaka 1345. He refers to Parākrama-Pāṇḍya (Arikēsari) who established a village called Mānakavacha-chaturvēdimangalam as his elder brother, (anṇālvi) and is said to Jaṭilavarman Kulōttunga-Pāṇḍya have been born in the asterism Juèshthā

star of birth of Māṇavarman Vīra-Pāṇḍya. But for the fact that his initial date falls in Śaka 1315 instead of 1343 we could indentify the king with this Vīra-Pāṇḍya. We learn from the record that he had as his spiritual guru (parama-āchārya) Mahā-Gaṇapati-Nayiṇār Vāmadēvar of the family of Āmardāśramāchārya, a native of Gauḍarāshṭra to whom he makes a gift of land. From the facts that the teacher of the king was a North Indian whose home was very near Benares and the king building the temple in the south on a grand scale as a very counterpart of the Viśvēśvara temple of the north, it would appear that there is some connexion between the two which is however inexplicable at present.

Two inscriptions (Nos. 471 and 519 of Appendix B) of Kulaśēkhara (Śaka 1351–1395) mentioned above give both the Śaka and the regnal years for this king. The former which is dated in the 2+3[6]th year gives astronomical details which work out correctly for Saka 1380 and registers a gift of land by Sundara-Pāṇḍya at the instance of Kulaśēkhara-Perumāļ for a service in the Kuttālam temple called Sundara-Pāṇḍyaṇ śandi. This Sundara it is needless to say is the same as Śaṇbaka Sundara-Pāṇḍya alias Vīra-Pāṇḍya of No. 10 of 1912 also noticed above. From the latter inscription which is dated in Śaka 1390 which was 2+37th year we learn of a land called Jayavīrarāmappērēri. The first part of this name may perhaps be taken as another surname of Kaliyugarāman Vīra-Pāṇḍya.

57. No. 541 of Appendix B combines Saka 1390 with the 2 + 30th year of Jatila varman Tribhuvanachakravartin Arikēśvara thus giving his initial date as Saka 1358. This must be a different king from Arikēsari-Parākrama who ascended the throne in Saka 1344. Perhaps he was a fifth coregent of Arikēsari. In the Travan-Arikēśvara, a brother of Arikēsari Parākrama. core Archæological Series, Vol. I, we have an inscription of a certain Māravarman Arikēśvara (Inscription A, p. 252) dated in his 2 + 32nd year. The astronomical

details of date which are given there work out quite correctly for Saka 1392 thus giving his initial date Saka 1358 mentioned in our inscription. It may also be noted that they do not satisfy the year Saka 1378 which should be the case if we take him to be identical with Arikesari as surmised by Mr. T. A Gopinatha Rao. Besides in that inscription he clearly calls him his elder brother (annāļvi).

No. 548 of Appendix B, dated in Saka 1402 is a record of the 13th year of king Vīra-Pandya and supplements a previous gift of land in Vīra-Pāndya-chaturvēdimangalam for the recitation of the Vēdas in the temple. This previous gift must evidently be the one of the time of Arikesari-Parakrama registered as No. 547 of Appendix B and engraved immediately above this.

58. We have a curious inscription of this king (No. 664 of Appendix B) which reads from bottom upwards. It is dated in Saka 1425 and the regnal year is given as 2 + 28th. It gives his star of birth as 'Avittam'. Two other inscriptions Alagan-Perumāl Parākrama 'born in Aviţtam.' Nos. 520 and 521 of Appendix B both dated in Saka 1406 and 2 + 9th year of Parākrama are also of the same king. This Alagan-Perumāl Parākrama born in the asterism 'Dhanishthā' is already known to us (Extr. 8 and 12 on p. 46 f. of Travancore Archwological Series). He seems to have been the sister's son of Jatilavarman Kulaśekhara and Arikesari (Travancore Archæological Series, p. 251). But it deserves to be noted that our present inscriptions as well as the extracts 8 and 12 give his initial date as Saka 1395, while inscriptions E., F. and G. of the Travancore Archæological Series (pp. 256 ff.) which speak of him as Arikēsari's nephew, give details of date which do not yield the initial date as Saka 1395 but are all of them correct only for Saka 1389 which is the date given in No. 548 above for Parakra . . . Vīra-Fāṇdya. It is not possible to account for this discrepancy at present. Reference is made in his records Nos. 520 and 521 to a previous order of Kulasēkhara which was now formally put into writing.

Jatilavarman Parākrama alias Kulašēkhara is represented by about a dozen inscriptions ranging in date from his 11th to 28th year of reign. He is also already known to us from No. 197 of 1895 and No. 9 of 1912 as the prince born in the asterism Krittikā aud was probably the son of Kulaśēkhara (Travancore Archwological Series, page 251). He is called Parākrama-Pāndyadēva alias Kulaśēkharadēva in some inscriptions (Nos. 524, 504, 510 and 505 of 1917) with the title Jatilavarman and Tribhuvanachakravartin added to his name in a few (Nos. 502, 503 and 618 of Appendix B) while he is merely called Kulaśekhara in others (Nos. 508, 509 and 516 of 1917). No. 624 of 1917 calls him

alias Kulaśēkhara 'born Parākrama in Maravarman Tribhuvanachakravartin Krittikā. Konermaikondan Perumal Kulasekhara.

No. 503 dated in Saka 1412 refers to two priests Tandaiyunkalumalagiyan Kumarasvāmi and Mi dalivān Parākrama-Pāndya Bhatta who were well versed in the science of rituals (tantra) and of architecture (mana) and under whose direction the building operations of the temple at Tenkāśi were carried out and the consecration ceremony from karshana to pratishthā was performed. They also officiated on all important occasions such as festivals and special worships. After their demise their work in the temple was being done by others for some time after which their sons were appointed hereditarily to look after the service in return for the privilege of receiving the āchārī a-dakshinā and other additional emoluments (aahikāmsa) pertaining to the service. - The same transaction is recorded in No 524 with the same date where the reappointment seems to receive the royal sanction since it is made in the presence of the king. The latest date till now known for this king is 20th year. No 618 of 1917 which is a record dated in Saka 1429 pushes it further by 8 years. This king like his famcus (raternal) uncle Arikēsari seems to have taken a delight in building temples, for we find him in this inscription making a gift of village to the Siva and Vishnu temples of Alagiya-Sokkanar and Varantarum-Perun al both built by him at Kadayanallur.

59. In my Annual Report for 1910, p. 101, I stated that "Irandakā'am edutta Kulasēkhara " and Irandakālam edutta Śrīvallabha were probably connected with each other. Six records in which the kings Śrīvallabha alias Kulaśēkhara 'who revived the " Irandakālam epithet assumed the old times.' edutta" have been secured during the

year under report. In one of these (No. 650 of 1917) dated in Saka 1456 the king

calls himself Kulaśēkhara, son of Āhavarāma and in the other five which combine the Śaka with the regnal years he goes by the name of Śrīvallabha. From these five records it is clear that Śrīvallabha should have commenced to reign in Śaka 1456, the date given to Kulaśēkhara of No. 650. The absence of regnal year in the latter clearly indicates that Śaka 1456 must have been the initial date of Kulaśēkhara but that he assumed the title Śrīvallabha in the later years of his reign. That both the names refer to the same king was also surmised by Mr. T. A. Gopinatha Rao in his Travancore Archæological Series, Vol. I, p. 54. It is curious, however, we do not find his later inscription calling him Kulaśēkhara but invariably by his other name. The earliest inscription of his reign in the collection is No. 650 of Appendix B dated in Śaka 1456 which begins with the Sanskrit introduction Bhuvanaikavīra, etc., which is also commonly found in the records of all the later members of the dynasty. The king calls himself Perumāl Tribhuvanachakravartin Kōnērmaikondān Jatilavarman alias Kulaśēkharadēva 'who revived the old time.' No. 631 of Appendix B dated in his 7th year also gives him all these epithets but calls him Srīvallabha.

60. In my Annual Report for 1916, p. 128, I mentioned two inscriptions (Nos. 583 and 567 of 1915) dated in Saka 1457 and 1463, respectively. The first belongs to Jatilavarman Könērmaikondān Tirunelvēlipperumāl and the latter to Śrīvallabha. In the body of the records mention is made of Tirunelvēlipperumāl 'born in Aśvati.' I took it to refer to the king himself and concluded that Tirunelvēlipperumāl and Śrivallabha were identical and that the king's asterism was Aśvati though it is not definitely stated that Śrivallabha was born in that asterism. A few inscriptions of Śrīvallabha (Nos. 658, 662, 663 and 666 of Appendix B) copied this year also mention this Tirunelvēlipperumāl 'born in Aśvati.' In an inscription of his successor Kulaśēkhara alias Parākrama (No 570 of 1915) prince Tirunelvēlipperumāl

Tirunelvēlipperumāļ 'born in Aśvati.' in Aśvati.' In an inscription of his successor Kulaśēkhara alias Parākrama (No. 570 of 1915) prince Tirunelvēlipperumāļ 'born in Aśvati' is referred to as Abhirāma-Parākrama's son. In several inscriptions of the same Parākrama in our present collection Tirunelvēlipperumāļ 'born in Aśvati' who calls himself Vīravenbāmālai and the son of Abhirāma Parākrama (Nos. 466, 531 and 657 of Appendix B as also Nos. 386, 389, 587, 659 and 660) figures prominently issuing orders about grants etc. to, or the appointments of servants in, the temples in the name of the king. It may be noted also that in two inscriptions (513 and 512 of Appendix B) dated in the reign of Jatilavarman Tirunelvēlippērumāļ Vīravenbāmālai Kulaśēkhara, the king clearly refers to himself as having been born in Aśvati. Thus in the light of these records it seems to me that Tirunelvēlipperumāļ 'born in Aśvati' occurring in these inscriptions should refer to no other than the younger brother of Kulaśēkhara-Parākrama and the second son of Abhirāma-Parākrama who under the name Kulaśēkhara ascended the throne in Śaka 1474 (see No. 508 of 1909) and that till then he was a co-regent with, or rather the chief minister of, his cousin Śrīvallabha 'who revived the old times' and after him his own brother Kulaśēkhara alias Parākrama; and it is probable he issued grants even in their lifetime in his own name (vide No. 583 of 1915).

61. We know from the Pudukkōtṭai grant that after the demise of Śrīvallabha the succession passed to the Abhirāma Parākrama's line through his elder son Kulaśē-Kulaśēkhara alias Parākrama-Pāṇḍya, son of Kulaśēkhara alias Parākrama above referred to who ascended the throne in Śaka 1464. Of this king there are 33 inscriptions in the collection. Some of these call him Kulaśēkhara alias Parākrama (as in Nos. 386, 475, 587, etc.), while in others he is merely called Parākrama without his other name (Nos. 583, 659, 660, etc.). A few inscriptions begin with the usual common introduction Bhuvanaikavīra, etc. (Nos. 586 and 583 of Appendix B). He is identical with No. 13 in the list of later Pāṇḍyas given in p. 100 of the Annual Report for 1910 where, however, he is wrongly supposed to have been the son of No. 11 Śrīvallabha on the score of a slight misapplication of the names in his inscription No. 271 of 1908, instead of No. 10 Parākrama who was otherwise known as Abhirāma-Parākrama.

Reference is made in No. 531 of Appendix B, to Tenkāśikanda-Udaiyavar 'the founder of Tenkāśi,' evidently Arikēsari Parākrama, by whom tax-free gifts of land at Tenkāśi had been made to the temple Since his death the said lands had become

liable to taxation by the Government until Saka 1470, when they were restored to the temple by Tirunelvēlipperumāl and the taxes thus remitted were to be utilized for a service called Vīravenbāmālai-sandi after the prince and for a festival in the month of Āvaṇi on the day of Aśvati, the star of his birth But according to No. 583 of 1915 he is said to have been born in the month of Vaigāśi.

62. Nos. 465 and 389 of Appendix B (the latter of which is damaged) are dated in Saka 1471 and Saka 146[7] in the reign of Jatilavarman Tribhuvanachakravartin Kōnērmaikondān Abhirāma-Parākrama. But these dates are those of Parākrama his son. Thus it is doubtful if it belongs to the father or the son. It is more probable that it refers to the latter whose name might have been omitted by mistake. No. 465 registers a gift of land to a certain Svāmidēva alias Mahā Gaṇapati-Bhaṭṭa of the lineage of the Āchāryas of Āmarddāśrama in Irāḍhāvarēndi (Varēndra in Rāḍhā, i.e., Bengal)-grāma. This sounds very much like the name of the teacher of Kulōttuṅga-Pāṇḍya mentioned in paragraph 56 above and he might be a descendant of that teacher whose family were probably the hereditary teachers of the royal line.

No. 532 introduces us to prince Abhirāmavarman who made a gift of land to the temple. He calls himself the son of Kulaśēkharadēva alias Farākrama-Pāṇḍya. This is no other than Varatungarāma (Ins. No. XII, p. 126; Trav. Arch. Series), the king's younger son, who was afterwards the joint donor with Ativīrarāman Śrīvallabha of the Pudukkōṭṭai grant (see Nos. 272 and 275 of 1908, 528 of 1909 and 594 of 1915).

63. Prince Vīravenbāmālai Tirunelvēlipperumāl Kulaśēkhara ascended the throne in Saka 1472 or 1474 (Annual Report for Tirunelvēlipperumāļ Kulašēkhara. 1910, p. 102). His full name was Jatilavarman Tribhuvanachakravartin Könërmaikondan Pérumal Tirunelvelipperumal Vīravenbāmālai alias Dharmapperumāļ Kulaśēkhara. His records in the present collection range between Saka 1474 (No. 513 of Appendix B) and Saka 1485 (No. 515 of Appendix B). The first inscription records the grant of some lands to the Viśvanātha temple for the sacred bath of the god every month on the day of Aśvati, the star of his birth, and for the festival of Visākhā in the month of Vaigāśi. made in Nos. 387 and 512 of 1917 of a certain Ulagudaiyaperumāl Kulaśēkharakkālingarāyan and Tirunelvēlipperumāļ Kulaśēkharakkālingarāyan, by whom we are informed, the images of the Nayahars (63 Saiva devotees) were set up and provision made for their worship in the Viśvanātha temple at Tenkāśi. He also figures in an inscription of Saka 1493 (No. 500 of Appendix B) during the reign of Ativīrarāma. Srīvallabha wherein his construction of the Rāmānuja-kūdam in the Vishnu temple at Tenkāsi is referred to. He was evidently a chief of some position and is different from his namesake in No. 579 and other inscriptions of the same period.

64. Prince Gunarāman Alagan-Perumāl occurs now for the first time in the king's 5th year (Nos. 538 and 575 of Appendix B) issuing the royal order (on behalf of the king). He is the same as the nephew of the king mentioned in the Pudukkottai grant. In No. 538 he makes some gift of land for a festival called Kudiraiyādu-Purānattirunāl on the day of his natal asterism Mūla in the month of Āvaṇi every year. We do not meet with this prince subsequently and probably we have to assume that he died shortly after or for some reasons took no part in the administration. Prince Abhirāma-Parākraman Alagiya-Sokkanār who made in No. 532 of Appendix B a gift of land to the Tenkāśi temple in his father's time—vide paragraph 62 above—now appears as the royal secretary (Nos. 619 and 620 of Appendix B).

Prince Ativīrarāmaņ Parākrama also called Alagan-Perumāl Ativīrarāmaņ figures as another secretary of the king Tirunelvēlipperumāl Kulaśēkhara (Nos. 403, 481, 511, 591, 592, etc.) and in No. 621 is stated to be his son. He was born in the asterism Punarvasu (Nos. 490, 495 and 529 of 1917) and constructed a shrine for Sokkanātha in the Viśvanāthasvāmin temple and provided for its worship (No. 530 of 1917). He is known to have built the Kulaśēkharanātha temple (No. 535 of 1909). This fact is referred to in three other inscriptions (Nos. 490, 491 and 495 of 1917) copied from the same temple. Nos. 498 and 501 of Appendix B copied from the Vishņu temple of Vinnavar-Embērumāņ in the vicinity of this temple inform us of its construction by the same king under the name Sīvala-Vinnavar-Emberumāņ. His

records copied this year—by far the largest in the collection—number about 54-which range in date between Saka 14×3 and 1527. No. 617 of Appendix B calls Alagan-Perumāl Ativīrarāman Śrīvallabha, the son of Tirunelvēlipperumāl Vīravenbāmālai alias Kulašēkharadēva who was again the son of Abhirāma-Parākrama. The historical introduction of this inscription begins with the word Bhuvanaikavīra but is slightly Alagan-Perumāl Ativīrarāma Śrīvallabha. different in wording from that commonly found in most of the records of these kings. In several of his inscriptions his cousin differently called Abhirāma Saundaravarman (Nos. 595, 597, 596 and 603), Abhirāma Saundara Varatungarāma (Nos. 661, 582 and 584), and Perumāl Alagiya-Šokkaṇār Varatungarāma (No. 604), the son of Parākrama (No. 582) or Kulašēkhara alias Parākrama Nos. (598 and 602), figures either jointly issuing the ōlai with the king (Nos. 595, 597 and 482) or independently making gifts of land by himself. We know his date of accession to the throne was Saka 1509 (Annual Report for 1909, p. 86). Hence we should suppose that even prior to his actual accession he was sharing the royal power with Śrīvallabha, as can be seen also from the Pudukkōtṭai grant which was issued in Śaka 1505.

In No. 484 a gift is made by Alagan-Perumāl Ativīrarāman alias Abhirāma Jatilavarman alias . . . . . born in Sravishthā. This should refer to Varatungarāma whose star of birth is given as Dhanishtā in No. XIII edited in *Trav. Arch. Series*, Vol. I. There are only two inscriptions in the collection belonging to this Varatunga and dated in Saka 1510 and 1512 after his succession. In one of them (No. 590 of Appendix B) he refers to himself as Abhirāma-Saundara-Varatunga and in No. 605 his other name is given as Vīrā-Pāndyadēva.

65. The last king of the dynasty represented in the collection is Varaguna Śrīvallabha also called Kulaśēkharadēva-Yajvā the latter part of which is only a synonym of the word Dīkshitar occurring in No. 597 of 1915 of Śīvalamāran Varaguna Śrīvallabha.

Varaguna Śrīvallabha.

Varaguna whose 26th year is given as Śaka 1537 in which very year his present record (No. 514 of Appendix B) is dated. It informs us that he performed a yajña in this year and having built a temple of Vignēśvara on the site, founded an agrahāra in front of it for the priests who took part in the functions and for whose maintenance he made rich presents of lands in addition. This sacrifice should have established for him a claim to his title Dīkshita. It is not known at present who ruled in the interval between Śaka 1527, the last known date of Ativīrarāman Śrīvallabha, and Śaka 1537, the initial year of this king, and what his relationship was to the former.

#### THE VIJAYANAGARA KINGS.

66. The earliest Vijayanagara inscription in the year's collection (No. 779 of Appendix B) belongs to the reign of Bukka I and is dated in Saka 1289. It records the construction of a kallumaūchige (stone-bench) by the Mahāpradhāna Irugappa-Vodeya, son of Bayicheya-Dannāyaka, ruling at Chelumutūru (i.e., Chelumuttūru in Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka I.

Bukka

67. Of Bukka II (son of Harihara II) there are two records, viz., No. 21 of Appendix A, dated in Saka 1305 and No. 819 of Appendix B dated in Saka 1309. Though the former refers to his rule (ālike) and the latter mentions him as 'ruling the world' with the title Mahāmandalēśvara, he must have been at this time only a viceroy under his father Harihara, whose latest date is Saka 1326, i.e., A.D. 1404 (Arch.

Bukka II.

Surv. Rep. for 1907-1908, page 244).

No. 21 of Appendix A records in detail, the names and emoluments of the servants of certain villages including Madakaśīrya (Madakasira) and the incomes of the police officers (kāvulu-doregalu) of that part of the country. The other record mentions one Pōlināyaningāru, son of the Mahānāyakāchārya Harigi Lakitināyanigāru and refers to the grant of a daśavandam land made by him to the sons of Bayirapōju, for having dug a channel from the river Chīrēru to the tank at Mēdireddipalli. This Chīrēru might be the river Kundēru which flows by the side of the village Mēdireddipalli (i.e., Mēdireddipalli of the inscription). In the Tamil collection, we have two inscriptions, Nos. 217 and 370 of 1917, of this king dated in Saka 1327 and 1328 respectively. From the former of these we learn that the assembly of Tiruvāndārkōyil consisted of 4,000 members, a very unwieldy body for transacting business. Viruppaṇṇa II, son of Harihara, is represented by two records in the current year's collection, Nos. 328 and 375 of 1917,

Viruppaṇṇa II. (= A.D. 1390) registers a grant by a certain Mādappa-Udaiyar who must have been an officer of the king; and the second dated in Bhāva (= 1396 A.D.) mentions the king's prime minister Nañjaṇangal who is said to have issued an order (nirupam) exempting all the dēvadāna lands of the temple of Tiruvāṇḍārkōyil situated in different villages from the payment of taxes such as śūlavari, jōḍi, magamai, vāśalōṭṭu-kānikkai, kāttigai, mērvai, kōṭṭai-kānikkai, talaiyārikkai, nāṭṭuviniyōgam, palavari, puduvari, etc. Probably to the same king belongs also No. 34 of Appendix C. No. 803 of Appendix B relates to the time of

Dēvarāya I. Hiriya-Dēvarāya and No. 804 to Dēvarāya I. rāya, son of Harihara-Mahārāya who was the son of Bukkarāya. The dates as given in both the records are wrong. They have however to be assigned to the time of Dēvarāya I.

68. No. 765 of Appendix B is dated in Saka 1354 in the reign of Vīra-Dēvarāya, i.e., Dēvarāya II and records the remission of marriage tax on all castes at Kotipi. In the same year a similar order was passed in the village of Balālapura (*Ep. Carn.*, Vol. X, Gd. 17). In the Tamil collection of this year there are five records of king Dēvarāya II (Nos. 68, 91, 92, 162 of 1918 and 216 of 1917). In

Dēvarāya II. three of these he is called Pratāpa-Dēvarāya, son of Vīra-Vijayarāya, while the other two call him Vīrapratāpa-Dēvarāya-Mahārāya 'who instituted the elephant hunt.' These inscriptions throw some light on the state of the times to which they relate. No. 92 of 1918 from Vriddhāchalam in the South Arcot district is not in a good state of preservation: but from what remains of it it is ascertained that the members of the Valangai and Idangai sects met together in the courtyard of the temple of Tirumudukunramudaiya-Nāyinār at that village and came to the decision that, since the officers of the king (rājanyas) and the owners of jīvitas oppressed . . . and the kāniyālan and the Brāhmanas took the rājakaram (i.e., taxes), none of the Valangai and Idangai people should give them shelter and that (none of the people of the two sects) born in the country should write accounts for them or agree to their proposals. If any one proved a traitor to the country (by acting against this

Coercive measures of taxation.

Settlement), he should be stabbed

Though the inscription is imperfect it is clear that there was oppression on the part of the officers levying and realizing tax and that the two sects of Valangai and Idangai on whom it weighed heavily formed themselves into a constitutional body to resist the exactions, vowing even to the extent of putting to death those who became renegades

Another record (No. 216 of 1917) of the same king dated in the same year, but found in a different place, i.e., Korukkai in the Tanjore district, confirms the statements made already. It says that the ninety-eight sub-sects of Valangai and the ninety-eight sub-sects of Idangai joined together and

"because they did not tax us according to the yield"

On one mā of wet lands on which dry crops were cultivated and on one  $m\bar{a}$  of dry land on which wet crops were raised,-including the cultivation of plantains and sugar-cane One kalam of paddy on each  $m\bar{a}$ . For dry crops raised on wet lands ... Two tūni of grain on each mā. dry lands One tūni and one padakku on each mā. Half panam. On kaikkolas Half panam on each loom (tari). On sēnarkkudaiyār -Half panam each. On fishermen . . . . Do. On mayrādis ... Half panam on each kudi. On each of the six classes of kudimakkal On oil-mongers Half panam each. On the looms of the paraiyas Quarter panam on each On the kottil of the vettis One-eighth panam on each kottil.

No. 162 of 1918 from Brahmadēśam states that the kaikkōlar of the place who had not till then the privilege of using dandu and conch were allowed to have them like their caste-men of Conjeeveram and Virinjipuram.

69. Of the Sāļuva king Naraśingarāya-Mahārāya there are two records (Nos. 710 and 719 of Appendix B) which mention his subordinates the Tuluva minister and general Narasā-Nāyaka, the *Mahāmandalēśvara* Rāyaparāja, son of Ba[yi]rayadēva-Chōla-Mahārāja and Immadi-Kāchapa-Nāyaka, son of Ādavāni Kāchapa-Nāyaka.

No. 143 of 1915 dated in Saka 1420

Sāluva Narasingarāya and his subordinates.

No. 143 of 1915 dated in Saka 1420 Kālayukta, Mēsha, su. di. 15, Hasta, Sunday, belongs to Dharmarāya-Mahā-

rāya, son of Naraśingarāya-Mahārāya. Naraśingarāya must have therefore been dead subsequent to the date of No. 719 of Appendix B and before the above date, i.e., between A.D. 1497 March 18, Saturday and A.D. 1498 April 6, Friday. Among the several birudas which the last chief bore are Gajapatigalamında and Gāyigōvāla. The first title might have been conferred on him on account of his success in battle against the Gajapati kings. We know that in the time of Mallikārjunarāya the Gajapati king Kapilēśvara attacked the Vijayanagara capital but was resisted and driven back by Sāluva Naraśinga (Arch. Sur. Rep. for 1908-09, pages 164-5). Nos. 368 and 374 of 1917 and Nos. 166 and 172 of 1918 of the collection from the Tamil districts belong to one or the other of Sāluva kings bearing the name Narasimha. Two of these inscriptions are dated in Saka 1392, Vikrita, while the third (No. 374 of 1917) which is in Telugu is undated and incomplete. But all the three refer to gifts made by an officer of Narasimha named Annamarasayya. The

office he held is called avataram in Tamil and avasyara in Telugu. What its exact function was is not known. This must refer to the officer avasaram (i.e. king's representative?) mentioned in No. 14 of 1915. One of the agents of this official was Timma-Nāyaka who figures in the donations made to the temple at Brahmadēśam and Tiruvāndārkōyil in the South Arcot district. No. 166 of 1918 mentions a servant of this Annamarasayya by name Sevvana-Nāyaka. It is worthy of note that in all these cases Narasimha is not expressly stated as ruling the country and this is quite consistent with the fact that during the period he was only the generalissimo of the effeminate princes of the first Vijayanagara dynasty that lived at the time. One other record, probably of the same king, is dated in Saka 1404 (No. 103 of 1918). It registers an order of Chikka-Parvata-Nāyaka, the king's cousin, issued to the residents (nāttavar) of the countries situated on the southern bank (of the Pennai). It was to this effect. The inhabitants of this country (\$\vec{\pi}rmai\$) had formed themselves into a single community and two leases were imposed. The village-taxes such as nallerudu, narkidā, narpaśu and ottiyam were levied at the rate of one in ten and a half in ten. Adigāri-varttanai and nōttavarttanai

Revision of taxes.

Were also taken. The price of the sheep was required to be determined by the price of ghee per measure. Alamani was obtained in excess of the stipulated number. Besides these, there was a rule that the juice of the sugarcanes grown in a village should be pressed out in the same place. By these and other hard conditions imposed on the people, they were forced to leave the country. It was, therefore, decided to remove all the aforesaid disabilities and to enforce only the customary ancient rights; and that with regard to dēvadāyas and brahmadāyas also, the same revision should be adopted. That the officer Chikka-Parvata-Nāyaka who, recognizing the difficulties that the people were labouring under, allowed them to have the old constitution, is not new to epigraphy. He is probably the same as Parvatarāja-Nāyaka who according to a stone inscription dated in Saka 1387 built a mandapa in the temple on the hill at Tirupati (Arch. Sur. Rep. for 1908-09, page 167).

Here, the contents of four other inscriptions, somewhat of an earlier period, Four other inscriptions dealing with remission relating to taxation, similar to the one and revision of taxes.

relating to taxation, similar to the one noticed above, may be considered:—

- (i) No. 259 of 1917:—Seeing that according to an order engraved on stone, the fee 'for the protection of the country' was to be raised only in kind and not in money, it was decided to dispense with the money payment and to obtain only payment in kind so that the practice might be in conformity with the ancient regulations. This inscription seems to indicate that at a certain stage both kinds of payment, i.e., in money and in kind were resorted to and that it was found difficult to realize the former which was accordingly given up.
- (ii) No. 109 of 1918, dated in Saka 1336, Jaya:—Rāyappa-Nāyaka issued an order stating that as the Magadai-maṇdala was given away to the residents of the country (nāṭṭavar) and a certain amount of money was received as subsidy in lump sum (kānikkai) that year, it was unlawful to demand kānikkai in future years.
- (iii) No. 97 of 1918, dated in Śaka 1369, Prabhava:—The settlement made by Vāsudēva-Nāyakkar-Tirumalai-Nāyakkar to the resident of Magadaimandalam:—From early times up to date lands in the Magadai-mandalam were measured by a rod 18 feet in length and assessed. This procedure having affected rājagaram and given room for theft and ruin, it was thought that if two feet more were added to the old measuring rod, the tax would become easy of payment and the cultivators would be in a flourishing condition and be able to answer for the rājagaram. On this representation it was ordered that the length of the measuring rod should thereafter be fixed at 20 feet, by increasing the length of the old rod by two feet; that the lands, both wet and dry, should be measured out again by the new rod; and the changes entailed noted in the account books.
- (iv) No. 96 of 1918, dated in Śaka 1386 Tāraṇa:—The order of Immadi-Rāyappa-Nāyaka-Timmayya-Nāyaka to the residents (nāṭṭavar) of Magadaimaṇḍalam directing, that the taxes kālvāśi and the kaivilai-dhā ayam collected in excess of the

rates that obtained till then and the dues such as anuvarttanai, kōvai-varttanai, adiyāra-varttanai, and taṭṭāyakoi, shall no more be collected that the one kuruni and four nāii shall be added for puraraṭṭam, that daśavandus shall not be demanded, that vāraparru paddy shall be measured into the granary of the villages, that kānikkui shall be obtained at the prevailing rate and that no tax (aut) shall be demanded. At the end on oath on Varadaya-Nāyaka is made. No. 778 of Appendix B dated Saka 1418 which belongs to this time mentions the Mahāprādhāna Tipparasu-Oḍaya of Penugonde who might be the same as that referred to in No. 47 of 1916.

70. A much damaged record (No. 787 of Appendix B) mentions the name of Vīra-Dammarāya-Mahārāya who is the same as Immadi-Nrisimha or Narasimha, the son of Sāluva Narasinga (vide paragraph 64 of the Annual Report for 1916). Two of the inscriptions of Kugaiyūr (Nos. 122 and 123 of 1918) are dated in Saka 1424, Raudrisamvatsara. Though one of these omits the name of the king, the other calls him

Immadi-Narasimha: His other names.

Bhujabala Tammarāya. The first part of the name was corrupted into Buzbal by Nuniz and the second was the original of his Tamarac. In the year quoted, the temple of Rājarāja-Viṇṇagar of the place, having gone out of repair, Penugoṇḍa Tammaiya-Nāyaka built the mahāmandapa, set up pillars and pinnacles, constructed wells, dug tanks and provided for celebrations of festivals to Rāma, hāghava, Nārāyana and Krishva. No. 368 of 1917 is dated in Saka 1425 and the king is simply called Narasimha instead of Immaḍi-Narasimha. According to this record an agent of the Tuluva general Narasā-Nāyaka bestowed on the weavers of the 3 villages Tribhuvaṇamahādēviparru, Naduvukaraipparru and Nenmalipparru, the right to have dandu and sanku on all good and bad occasions as the weavers of the country

Privileges conferred on the weavers. situated on the bank of the Pennai river were privileged to have. It is further added that those who objected to this right should undergo the punishment fixed for it in an inscription engraved at Seliyanganallūr.

71. Two other records in the year's collection attributable to the time of Immadi-Narasimha's rule are Nos. 98 and 118 of 1918 which are dated in Saka 1426 and which come from Kugaiyūr in the South Arcot district. These inscriptions speak of a chief named Eramañchi Tulukkana-Nāyaka "who inspired fear in the Chēra, Chōla, Pāndya and Vallāla kings, who

Eramañchi Tulukkaṇa-Nāyaka.

established the Yādavarāya, who was the enemy of Sambuvarāya and who protected in advance the prestige of the Sultan of Madura." The titles Nāyaṅkarāchārya, Naralōkagaṇḍu and Vaṅginārāyaṇa are given to him. He and another chief of the family named Eramañchi Timmappa-Nāyaka are known to us from other lithic records and from the Tamil work Kōyilolugu (Annual Report for 1914, p. 98, and Ind. Ant., Vol. XL, p. 142). It is worthy of note that all the records of Tulukkaṇa-Nāyaka are dated in Saka 1426 and do not mention his overlord. Nos. 270 and 346 of 1917 also belong to the time of Vīra-Narasimha.

72. No. 717 of Appendix B belongs to the time of Krishnarāya and is dated in Saka 1432, i.e., the second year of his accession which took place in Saka 1431. It Krishnarāya.

Records the remission of the tax on marriages in the Ghanagiri-rājya (i.e., Penugoṇḍa-rājya), Kandanavōlu, Ghaṇḍikōṭa-thala, Sidhavaṭṭa, Siddhāpura-sīma, Chandragiri-rājya, Nāgamaṅgila-sīma, Mula-rājya and Rāyadurga-rājya; other provinces which were benefitted by this order are mentioned in foot-note 5, page 181, Arch. Sur. Rep. for 1908-09.

Two records of the king discovered at Korukkai (No. 235 of 1917) and Perumulai (No. 210 of 1917) in the Tanjore district give a detailed account of his conquests and enumerate the Siva and Vishnu temples in whose favour he remitted taxes amounting to 10,000 varāhas. Both the inscriptions are dated in the cyclic year févara corresponding to Saka 1439 though in the former the Saka date is wrongly engraved as 1409 instead of Saka 1439. Thus to the half a dozen places in the Presidency which we have ascertained in previous years' explorations to have also

enjoyed the benefice of this sovereign we have now to add Korukkai and Perumulai. No. 100 of 1918 mentions the account officer Timmarusayya and refers to the revival of worship for the period of  $7\frac{1}{2}$  days by appointing new persons. Three records of Kugaiyūr (Nos. 115, 116 and 117 of 1918) are dated in Saka 1446 and in the reign of Tirumalaidēva-Mahārāja. This king is said to have been the son of Bhujabala Vīrapratāpa-Krishnadēva-Ma-

hārāya. I have already identified (see my Annual Report for 1912, p. 80) Tirumalaidēva-Mahārāja, with the prince who, according to Nuniz was nominated for succession by Krishnarāya and died soon after his accession. It is worthy of note that the year obtained for him in this year is the same as that in previous records. The surname Bhujabala given to Krishnarāya has been pointed out (vide Annual Report for 1914, p. 98, paragraph 29) to be the equivalent of Nuniz's Busbalrao and adopted for the first time by Immadi Narasimha. It now appears to have been assumed by his successor Krishnarāya as well.

A suspicious record referrable to this king is No. 19 of Appendix A, dated in Suka 1415. The king is mentioned by the title *Mahāmandalēśvara* and is stated to have been ruling at Penugonda. A genuine record of the king (No. 744 of 1917) coming from a village in the Madakasira taluk, in the Kanarese country, dated in Yuva (i.e., Saka 1438) Kārttika records a grant for his merit by the Gajarati prince

Vīrabhadra. Vīrabhadrarāya. The capture of Kondavīdu and of the Gajapati prince Vīrabhadra

which took place in June A.D. 1515 (Arch. Sur Rep. 1908-09, pp. 177 and 178) was followed within four months by the appointment of Vīrabhadra to the governorship of a Kannada province. The two known grants of Vīrabhadra in the Kanarese country (Ep. Carn., Vol. XI, Dg. 107 and No. 74 of Appendix B) are dated in the month of Kārttika of the year Yuva corresponding to Saka 1438, i.e., October A.D. 1515.

73. Of Achyutarāya, there are twelve records ranging from Saka 1453 to 1465. Among these No. 331 of 1917 is of some special interest as it gives Sāluva birudas to Achyuta, and says that he destroyed the army of the Muhammadans, despoiled their ambition, was the Sultan of Orissa, levied tribute from Ceylon and was a Navakōti-Nārāyana (possessor of immense wealth). In general terms it gives us an insight into the military activity of the king against perhaps the Bahmani and the

Gajapati kings and against Ceylon.

No. 108 of 1918 mentions one of his officers Mallappa-Nāyaka who made rich

grants to the temple at Kugaiyūr in Saka 1465. His officer Ayvaparasayya who was in charge of the Ghandikota division (No. 499 of 1907) is mentioned in No. 802 of No. 755 of Appendix B, which was copied at Chalivendala is dated in Excepting the portion giving the boundaries of the village the whole record is written in Sanskrit verse and Kanarese characters. The introduction as well as the genealogy is almost the same as that given in the Unamañjēri plates (Ep. Ind. Vol. III, page 147 f). It records the gift of the village Chalivindla surnamed Achchutendrapura in Roddanādu in the Ghanagiri-rājya (i.e., Penugonda-rājya) for worship and offerings to the god Pāpavināśēśvara at Lēpākshi by the king at the instance of Virupanna, son of Nandi Lakki-setti and Muddamma. From another record copied in the same place he is known to have been the talavāra (talayāri) of Vidyānagara (i.e., Vijayanagara) and the village Cheluvindla is called Komāra-Venkatādripura, evidently after prince Venkatādri or Venkatarāya, the son of Achyuta who did not survive him long (Annual Report for 1912 paragraph 56). No. 781 of Appendix B also refers to the same Virupanna mentioned in the other epigraphs collected at Lēpākshi (Nos. 68 to 90 of 1912). A hitherto unknown subordinate of Achyuta was Salukarāju-Raghupatirājayyadēva-Mahārāja. He must have been a near relation of the king's minister and brother-in-law Salukarāja Tirumalarāja (Annual Report for 1916, page 144, paragraph 69). His subordinate was Mahāmandalēśvara Hanumayadēva-Mahārāja, son of Chintakunta-Siddhayadēva-Mahārāja (No. 680 of Appendix B).

74. A few inscriptions of the current year's collection (Nos. 332 and 334 of 1917 and Nos. 106, 112, 114 and 119 of 1918) which fall into the reign of Sadāsiva

introduce an official subordinate of this king, by name Sūrappa-Nāyaka. This chief is stated to be the younger brother of Sadāśiva. Adappa-Baiyapa-Nāyaka and 18 said to have repaired or re-constructed in Saka 1465 (= A.D. 1543) the temple at Ennayiram which had been originally built by Rajendra-Chola and had become dilapidated (No. 334 of 1917). It is worthy of note Sūrappa-Nāyaka and his brothers Viśvappathat the elder brother of the chief had Nāyaka and Adappa Baiyapa-Nāyaka. served under the great Krishnaraya and had another brother named Vîrappa-Nāyaka who also held an important position under the same king (Annual Report for 1916, page 142). The grant registered in No. 99 of 1918, dated in Saka 1465 was made for the merit of a certain Viśvanātha-Nāyaka who may be identified with Viśvappa-Nāyaka, the brother of Sūrappa-Nāyaka. In Nos. 114 and 119 of 1918 mention is made of a certain Vadamalai-Nāyaka, the son of Södi-Pāppu-Nāyaka who was an agent-of Sūrappa-Nāyaka. Another agent of the same chief was Venkatappaiya noticed in No. 112 of 1918 along with his sub-agent Venkatādri-Nāyaka who made a grant for the merit of Urattu-Pāppa-Nāyaka. Sadāsiva-Mahārāya to the temple at Ennāviram, according to No. 337 is still another officer of the king.

A Vaishnava celebrity of the time named Tirumalai Tāttayyangār of Tiruppērrūr who belonged to the Aghamarshana-gōtra, Āpastamba-sūtra and the Yajuś-śākhā figures in No. 130 of 1918, dated in Śaka 1482. It is not known if he is identical with Kumāra Tirumalai Tāttāchāriyar-Ayyan of Ēttūr who figures with his agent Periya-Nambi-Ayyan and the latter's agent Emberumāṇār-Ayyan in a record of king Śrīranga dated in Śaka 1505. The fact that Tāttayyangār was a native of Tiruppērrūr while Tāttāchārya belonged to Ēttūr would preclude any such possibility of identification.

It has been suggested that the civil war for the Vijayanagara throne between Salakarāja China-Tirumalayyadēva-Mahārāja and his party supporting the cause of Achyuta's son and Rāmarāja who upheld the claims of Sadāsiva must have come to an end by Saka 1465 and Sadāsiva must have been securely installed on the throne by Saka 1466. But No. 800 of Appendix B, dated in Saka 1465, Šōbhakrit, Vaisākha, su. di. 15, enables us to fix the latest date for Sadāsiva's undisturbed accession of the throne. It states that Daļavāyi Krishnappa-Nāyaka, son of Daļavāyi Chennama-Nāyaka, granted the village of Chernūru to the god Chennakēsava in discharge of a vow to the god for favouring this accession of Sadāsiva to the god for favouring this accession of Sadāsiva.

throne. This chief might be identical with Dalavāyi Krishnama-Nāyaka mentioned in No. 590 of 1912.

Rāmarāja, the chief minister of Sadāśiva, is mentioned in the stone record No. 769 of Appendix B. Mahāmandalēśvara China-Timmayadēva-Mahārāja of the Āravīti family ruling the Avuku-sīma (Nos. 671, 674 and 700 of Appendix B), the Mahāmandalēśvara Avubhalēśvaradēva-Mahārāja of the Nandēla (i.e., Nandyāla) family governing the Kōvilakuntla-sīma (No. 690 of Appendix B) and the Mahā-Nandyāla Avubhalēśvaradēva-Mahārāja and Nandyāla Timmayadēva-Mahārāja governing the Ghandi-kōta-sīma (No. 689 of Appendix B) were

his other subordinates. Of these, Mahāmandalēśvara China-Timmayadēva-Mahārāja of the Āravīti family is the younger brother of Vitthala mentioned in paragraph 50 of Annual Report for 1915. A copper-plate record of the king, secured in two batches (No. 24 of Appendix A to the Annual Report for 1917 and No. 5 of Appendix A to this report) refers to the grant of the village Marripūndi in the Valanāndu-vishaya of the Kondavīdu-rājya to a great scholar Sarva-Bhatta of Penumpnali (Penumpnali?). Penumpnali must be the modern village Penumūli in the Guntūr taluk, Guntūr district, where even now exists the temple of god Gökarnēśvara (see No. 121 of 1917) whose devotee the donee is said to have been. Marripūndi which is no other than the

modern village of that name in the Bapatla taluk of this district was granted by the king at the request made by Rāmarāja his minister, on behalf of Mahāmaṇḍalēśvara Raghunātharājayyadēva-Mahārāja. Raghunātharājayyadēva-Mahārāja was the mephew of Rāmarāja and the son of Tirumala I, the younger brother of Rāmarāja. He must have been now governing the Koṇḍavīḍu-rājya. Kandālam Śrīrangāchārya, referred to in No. 801 of Appendix B was the son of Bhāvanāchārya and the teacher of Rāmarāja Kōnēṭi-Timmarāja (paragraph 70 of the Annual Report for 1916).

75. Of Tirumala I there are two records (Nos. 698 and 699 of Appendix B) dated in Saka 1495 and 1493 respectively. In the former his son Śrīraṅga is mentioned with the title Mahārāya applied generally to the ruling Vijayaragara emperor only. At the time of this grant Śrīraṅga who gave the Kōvilakuṇṭla-sīma as nāyaṅkara to the Nandyāla chief Mahāmanḍalēśvara Naraśiṅgarājadēva-Mahārāja must have been associated with Tirumala in the government as Yuvarāja.

Tirumala I must have been only passing for the emperor in name about this period, for Śrīraṅgadēva appears as independent in No. 823 of 1917 dated in Śaka 1494 Śrīmukha. It records the gift of a village to Tirumala Komāra-Tātāchārya by Śrīraṅgadēva-Mahārāya (i.e., Śrīraṅga II) for the merit of his mother Veṅgalāji-Amma. Veṅgalāji-Amma or Veṅgalāmbā was one of the wives of Tirumala I. Tirumala-Komāra Tātāchārya is the same as Ēttūr Tāttāchārya or Kōtikanyādānam Tātāchārya who was the spiritual teacher of Veṅkata I and the supervisor of the Vaishṇava temples at Conjeeveram in the Chingleput district (paragraph 74 of Annual Report for 1916). As already noticed he figures in another record of Śrīraṅga dated in Śaka 1505. It is worthy of note that No. 129 of 1918 calls him Vēdamārgapratishthāchārya and the spiritual teacher of the Vijayanagara kings. This last inscription is dated two years later.

Mahāmandalēśvara Venkaṭādrirāja of the Nandyāla family ruling the Kovila-kunṭla-sīma in Śaka 1506 was a subordinate of Śrīranga II (No. 697 of Appendix B). This Venkaṭādrirāja was the cousin brother of Naraśingarāja, referred to above who was a subordinate of Tirumala I. Mahāmandalēśvara Naraśingarājadēva-Mahārāja mentioned in Nos. 698 and 699 of Appendix B and Mahāmandalēśvara Venkaṭādrirāja mentioned in this grant are two newly known chiefs of the Nandyāla family. The former is the son of Timmayyadēva of Nandyāla and the latter of Kṛishṇamarāja of Nandyāla (vide the genealogical table given on page 201, Arch. Sur. Rep. 1908-09).

76. The earliest notice of the Harati chiefs by Mr. Rice refers to them as the subordinates of the Vijayanagara king Sadāśiva (*Ep. Carn.*, Vol. XI, introduction, page 27f.). No. 721 of Appendix B informs us that these were the subordinates also of Śrīranga II, the predecessor of Venkata

Harati chiefs. The record also states that the chief belonged to the Yanumala family and the Vāmlikā (Vālmīka?)-gōtra, facts not known hitherto. Elsewhere (Nos. 741 and 743 of 1917) a chief of this family is said to have belonged to the Atreya-gotra. The chiefs of the Kāmagētivamśa (Ep. Carn., Vol. XI, page 28) are stated to have belonged to the Vālmīki-gotra. The chiefs also bear the title Bhāshegetappuvarāyaraganda, a title characteristic of the Vijayanagara kings. Mahānāyakāchārya Rangappa-Nāyaka, who was the son of Lakshmipati-Nāyaka, the son of Harati Gundappa-Nāyaka, was a subordinate of Srīranga II and of Venkata I (Nos. 721 and 728 of Appendix B). Immadi-Rangappa-Nāyaka of No. 736 of Appendix B was a later subordinate of Venkata I. The Harati chiefs seem to have shaken off the Vijayanagara yoke about Saka 1615. In a record dated in this year (No. 706 of Appendix B) the chief Harati Sarajarāyapparāja's (son) Rāyapparāja assumes the title of Mahārāja. The later chiefs (Nos. 737, 740, 741 and 743 of Appendix B) appear with the title Mahāmandalēśvara and make no mention of the ruling Vijayanagara kings as their overlords. These should have become independent not long after the Mysore Rājas who shook of Vijayanagara suzerainty about A.D. 1576 (Sewell's List of Antiquities, Volume II, page 194).

1172, Home (Edn.)-43

77. Of the time of Śriranga VI we have only one record (No. 691 of 1917) dated in Saka 1565. He is said to have been Śrīranga VI. ruling at Penugonda-sthala, though in fact his capital was now at Chandragiri. It records that his subordinate of the Hande family named Siddbarāmappa-Nāyaka issued an order that the kāpus who had held any temple or Brahman lands on 'mortgage by possession' (bhōgya-āyakam) should restore these lands to the original A legislation regarding mortgaged temple and owners after 12 years of enjoyment, with-Brahman lands in Mediæval India. out demanding any money from them giving them at the same time written deeds (bhogya-patra) recording the reconvey-The order was issued with the consent of the reddis, karanams and the other people of the place (sthala). The defaulters were to be fined by the palace (nagari), i.e., king (or chief?). The legislation appears evidently to have been made as a remedy against the conveyance by the owners of these lands for long periods to the kāpus in consideration of the loans paid on such usufructory mortgages decidedly favourable to the mortgagee. Even now the temple lands in many cases are mortgaged under similar conditions to the great disadvantage and detriment of the charities intended by their original donors. The Hande chiefs who had for a time been hostile to the Vijayanagara king and even went to the length of combining with the Muhammadans against him about Saka 1506 (No. 70 of 1915) seem to have been reduced to submission in later times as suggested by this inscription and as a result

#### MISCELLANEOUS.

probably of the expedition carried against them as narrated in No. 70 of 1915.

78. A line of kings with the lion for their crest who claimed descent from the quasi-historical Karikāla, were born of the Solar race and bore the title of 'the lord of Oreyūru' has already been noticed in paragraph 5 of the Epigraphical Report for 1905 and in Ep. Ind., Vol. XI. Only one inscription of this dynasty (No. 792 of Appendix B) has been copied during the year in the Hindupur taluk of the Anantapur district. The ruling king is mentioned as Sola-Mahārāja with the usual epithets of the kings of this dynasty, Karikālānvaya, Dinakarakulanandana, Oreyūrpuravarādhīsvara, etc. This chief might be the same as Chola-Mahārāja of the Solar race, the Kāśyapa-yotra and the Karikāla family who was ruling the Rēnādu Seven Thousand country, a part of which lay in the modern Cuddapah district (No. 466 of 1906). But no definite clue is furnished to help us to find out the exact period to which the record belongs. Palaeographically it may be placed in the 10th century A.D. The inscription shows that the power of these kings extended also into the modern Anantapur district.

No. 797 of Appendix B refers to a certain Dantiyamma Mamgu-Chōla who was stabbed to death in the fight by a certain Arivarajama (i.e., Arivarayama, the God of Death to his enemies). In No. 798 Dantiyamma Mamgu-Chōla and Chōla-Mahārāja must belong to some branch of the early Chōlas whose inscriptions have been found in the Cuddappah district as referred to above.

A Chōla chief in the Telugu country.

A Chōla chief in the Telugu country.

Kalidasu Garu, High Court Vakil, Guntur, belongs to a Chōla chief of the Telugu country, hitherto not known, who claims to have ruled over the country between Nellūru and Kāliṅgaka, i.e. (Kaliṅga). The record which now consists only of three copper-plates is incomplete. One or two plates appear to be missing. No seal accompanies the plates though near the centre of the proper right margin of them is the ring-hole. The plates are reported to have been found in the possession of a private person in the village Pachchala-Tādiparru in the Bapatla taluk of the Guntur district. They are rectangular in shape with low rims and measure about 8\frac{3}{4} inches in length and 4 inches in breadth. On the first face of the first plate are carved two

padmas (lotus-designs) one above the ring-hole and the other below it. upper one of these on its proper left is cut a circle representing the sun with the inscription 'Suryamandalam.' The crescent is cut to the proper left of the lower padma with the inscription 'Somamandalam' on its proper left.

The king of this grant, Sambhu-Chōda, who was the son of Râma-Chōda traces

Sambhu-Choda of the family of Kusa and of the Kāśyapa-gotra.

His queen Periyanārchchi.

Chit-Chakravarti. Pīthapurī (i.e., modern Pithāpuram). God Bhairava who is stated to have become almost the king's servant on account of his mantrasakti is reported to have been much pleased with him and appearing before him to have led him by the hand and pointed out a hidden treasure on the summit of the Kotyadri hill. He begot two sons after performing the Putrārthi-yujña (i.e., sacrifice for sons) in the presence of the god Agastyēśvara at Kammēru and of the god Shanmukha at Tāmrapura. They were named Agastīśvara-Chōda (colloquial form of Agastyēśvara-Chōda) and Shanmukha-

His two sons Agastīśvara-Chōda and Shanmukha-Chōda.

his descent from Brahma through his son Kasyapa-Prajāpati and his son Vivasvān (i.e., the Sun). To the family of king Kuśa of this (i.e., Solar) race and to the Kāsyapa-gōtra is the king said to have belonged. His queen was Periyanārchchi (a Tamil name), the daughter of a certain The king is reported to have defeated his enemies in a battle at Chōda respectively after the two deities through whose favour they were evidently

believed to have been born.

In the 50th year of the king's reign in which took place the battle with the king of Kalinga the king installed his two sons as Yuvarājas. The installation most probably preceded the king's march to the battle. The battle with the king of Kalinga is probably the same as the one stated earlier in the inscription to have taken place at Pīthapuri. On the occasion of the said installation the king granted the village of Kummaduru on the bank of

His gifts.

the Tungabhadrā to the god Agastyēśvara at the village Mandara (stated in the inscription to have borne the surname Kammēru) and the god Shanmukha at Tāmrapura, to his purōhita to the servants of the two temples, etc., as detailed in Appendix A. Mandara is identical with the modern village Mandadam in the Guntur taluk, Guntur district, which is also mentioned in an inscription of the time of the Kakatīya queen Rudrāmbā (No. 94 Tāmrapurī was the ancient name of the village Chēbrolu (Chembrolu) in the Bapatla taluk of the Guntur district which was also called Shanmukhapuri, i.e.,

'the city of Shanmukha' (Ep. Ind., Vol. V, page 143). This order of gift was addressed by the king to his chief provincial officers (rāshtrakūta-pramukha) among whom are mentioned Periya-Sambhurāya and Chiriya-Sambhurāya. The king Sambhu-Choda who was a Chola must have got into power in the Telugu country as a result of the Chola conquest of Kalinga in the

His subordinates Periya-Sambhuraya and time of Kulottunga-Chola I and of Chiriya-Sambhurāya. They might have be-Vikrama-Chōla.

longed to the family to which Rajanarayana Sambhuvaraya belonged (South-Ind. Insers., Vol. I, pages 101 and 102, etc.) The Sambhuvarāyas must have accompanied the Chola kings-to the north to help them in the conquest of the Telugu country and continued to rule there subsequently as local officers. The record is not dated but it may be assigned palaeographically to about the twelfth century A.D.

80. In the year's collection there are six records belonging to the reign of Ballala III with whom the Hoysala dynasty Hoysalas. practically came to an end. The records range in date from Saka 1238 to Saka 1265. Ballāla III had a son named Vīra-Virūpāksha Ballāļa IV, also known as Hampayya (Hampa-Vodeya) (Arch. Sur. Rep. 1909-10, page 160). No. 738 of Appendix B, dated in Saka 1238, mentions Vīra-Virūpāksha Ballāļa IV alias Hampayya. another son of Ballala III named Tipparasu-Bhairavadevarasu. Aliya Macheya-Dannāyaka was the Mahāpradhāni as well as the son-in-law of the king. In Saka 1243 he was the Governor of Penugonda which in later times under the Vijayanagara dynasty became an important seat of government. In the period following the Mussalman invasion under Malik Kafur when the power of the Hoysalas became weak, local chiefs seem to have taken the opportunity for attempting to shake off the central authority. From an inscription at Siriyaram in the Hindupur

Troubles in the Hoysala kingdom.

taluk (No. 772 of Appendix B) it is seen that there was a rising of the chiefs of that there was a rising of the chiefs of Gangeya-Nāyaka of Holakallu died in a battle against them. Nos. 780 and 791 of Appendix B mention Vissama-Dannāyaka and Gangidēva-Dannāyaka, sons of Mācheya-Dannāyaka noted above. In Saka 1261 Gangidēva-Dannāyaka was ruling at Penugonda. It is interesting to learn from No. 791 that the village of Sēnagavudanahaļi (i.e., the modern Sānagānapalli in the Hindupur taluk) was granted to a goldsmith Sēdōja-Pōtōja for his having executed a bracelet set with diamonds and rubies.

81. Between Saka 1429 and 1456 there is a break in the inscriptions of the later Pāndya kings. It is exactly during this Travancore chiefs. period that we get many records of the Travancore chiefs in the Tinnevelly district. We know that a major portion of the Pandyan kingdom had been occupied by them having been wrested from their hands. During this time, however, there were two kings Māravarman Konermaikondān Parākrama whose 30th year corresponds to Saka 1457 (No. 4 of 1916) and Māravarman Kōnērmaikondān Sundara whose latest inscription is dated in Saka 1463 which was his 11th year (No. 2 of 1916). It is a significant fact that the inscriptions of these two kings till now secured are found only in Vallanad, Kayattar and Gangaikondan, places very near Tinnevelly and far removed from Tenkāśi, showing that they were pushed far back to the east by their conquerors and were ruling over an insignificant tract. Two kings of the Travancore family are represented in the inscriptions copied in the Tenkasi taluk this year which range in date from Saka 1431 and 1469. Nos. 506 and 517 of 1917 dated, respectively, in Kollam 685 (Saka 1431) and Saka 1447 register the order of Udaya-Marttandavarman, the muttavar of Siraivay and Vīra-Marttāndan, the mūttavar of Śiraivāy regarding some grant of land, appointment

Udaya- or Vīra- Mārttāṇḍavarman.

of servants, etc., in the Teṇkāśi temple. Both these names appear to belong to the same chief. I have also pointed out (Annual Report for 1917, page 130) that Vīra-Mārttāṇḍa should have been a surname of Udaya-Mārttāṇḍavarman. No. 576 is another record of Vīra-Mārttāṇḍavarman, which informs us that he made some repairs to the Teṇkāśi temple and revived the festivals and other services in the temple. In No. 423 of Appendix B we meet with a certain Vīra-Mārttāṇḍaṇ Parākrama-Pāṇḍya-dēvaṇ. It is not clear to whom this refers. But we may suppose that Udaya-Mārttāṇḍa probably assumed this Pāṇḍya name after his conquest and occupation of the Pāṇḍya country.

The other chief Rāmavarman (No. 528 of 1917) calls himself 'the mūttavar of Jayatunga-nādu' and has the titles Śankaranārāyanamūrtti, Venru-mankonda and Bhūtalavīra which we know (Annual Report for 1917, page 128) were also borne by his predecessor Udaya-Mārttānda who assumed them after his conquest of Tinnevelly (Travancore State Manual, Vol. I, page 295). This record of the chief which is dated in Saka 1469 is also from Tenkāsi. It is doubtful how he could have wielded his influence there even so late as Saka 1469, seeing that Śrīvallabha and his successors had already come into possession of their lost territory, as can be seen from the existence of their inscriptions also in the same place. Our record states that Rāmavarman being encamped at Ērupādi (Ēruvādi) ordered the grant of some lands to the Viśvanātha temple for a service called Senbagarāman-sandi.

82. No. 16 of Appendix A is a copper-plate record of a minor chief of the Telugu country who flourished in the 14th century A.D. This is a set of seven plates rectangular in shape, written in Telugu characters. They are hung on a ring which

has a circular seal bearing no emblems or legends. The record belongs to king Undirāja of that branch of the Solar race Undiraja of the Solar race. in which Ikshvāku and Rāma had been

born and of the Harita-yotra. His genealogy is given as shown below:

Devaraja of the Solar race and of the Harita-gotra.

Undīśa m [Bi]mmidēvī.

Tammarāja m Vīramadēvī.

Undirāja m Rudramadēvī of the Mānavyasa-gōtra.

The last of these (Undiraja), the king of this grant, assumes the epithets, Rājavēšyābhujanga, Yodhanandīmēru, Nadagotamalla and Asvadānadīkshāguru. His capital town was Suravaramu which may have to be identified with one of the two villages of this name in the Bhadrachalam taluk of the Godavari district. His queen who belonged to the Mānavyasa-gōtra was probably a princess of Chāļukya blood. In the Saka year 1304 denoted by the chronogram ambodhi (the seas), i.e. 4, viyat (the sky) i.e., o, gunas (qualities), i.e., 3, and indu (moon), i.e., 1, Dundubhi, Māgha, śu. di. dasamī, Thursday, (=A.D. 1383, January 28), the king granted the village Ravulaparti which consisted of 80 shares to Brahmans. The village was on this occasion surnamed Undisapuram probably after the king. More than a dozen other

villages granted as agrahāras by the king His gifts. to Brahmans and named in the record are

Göpavaram, Tvömkapalli, Chervukanma, Kāśapādu, Chintapali, Vipparru, Kātlaparru, Bhandarupalli, Karikarlapalli, Unguturu, Komdruprolu, Kadakatlu, Nidumranuru, Pallivāda, Parumballi, Gūdaparru, Tāmdiparru and the khētaka Tāmdipalli. These are mostly distributed among the Bhimavaram and Tanuku taluks of the modern Kistna district and some lie in the southern part of the Godavari district. The political relationship of king Undirāja to the contemporary Reddi chief Anna-Vēma of Kondavidu who was powerful in this part of the country about the time of this inscription is not known. It has to be noticed however that no reference is made to the Reddi king in the record as the overlord. And the large number of villages granted by Undiraja suggests that he owned a large territory. The record closes with the signatures (vrālu) of Peda Undrāju and Vengu. The former must be the name by which the king was familiarly known.

83. A genealogy of the family of the Chemji (i.e., Gingee) chiefs is furnished by Nos. 860 and 861 of Appendix B. These are dated in Saka 1593 (A.D. 1670-71)

A genealogy of the Chemji i.e., Ginjee chiefs.

the 25th generation prior to this chief. Nāyaka) who belonged to the 12th generation prior to Varadappa-Nāyaka of the

Their immigration from Maninagapura in the Aryāvarta to the south.

allowing 25 years on the average for each generation, may be considered to have taken place about A.D. 1370. The migration of this family in the time of Peda

Further emigration from Vijayanagara to Chemji, i.e., Ginjee.

and belong to Varadappa-Nāyaka of this family. The lists of kings given in the two records are identical and begin with A certain Śirigiri-Nāyaka (i.e., Śrīgiri-

inscription is stated to have migrated from Maninagapura (Manikpur) in the Aryāvarta (northern India) to Vijayanagara, evidently the capital of the Vijayanagara empire. This immigration,

> Krishnappa-Nāyaka from Vijayanagara to Chemji five generations before Varadappa-Nāyaka must have happened about

the middle of the 16th century A.D.

84. No. 18 of Appendix A is a copper-plate grant of the latter part of the 17th century and belongs to the time of the Golkonda king Abdul Hassan, the last of the Kooth Shahi line. His minister Madanna and the latter's brother, the generalissimo of the Golkonda forces, Akkanna have already been brought to notice in the Annual Report for 1915 where are also given plates of the portraits of the king and these two brothers. Another copper-plate record dated in Saka 1608, Prabhava, Vaisākha, śu. di. 15 (= A.D. 1687, April 16, Saturday) referring to a grant by the two brothers

1172, Home (Edn.)-44

to the Sankarāchārya-matha at Kānchīpuram has been brought to notice in the same report for 1915 (No. 6 of Appendix A). Akkanna and Madanna. The record under review, dated in Saka 1602 (= A.D. 1680) happens to be the earliest epigraph referring to these two Brahman officers of the Golkonda king. Madanna-Pandita, as he is called, is stated to have been the chief officer of the king of Bhagnagara. The reference here is to the capital of the Golkonda king at the time of the inscription. A magnificient city called Bhaugnuggur' (laterly called Hyderabad) had been built about A.D. 1581 eight miles from Golkonda after his favourite mistress Bhagmutty, a public singer of whom he was greatly enamoured, by king Muhamad Kooly Kooth Shah (A.D. 1581-86—Brigg's Rise of the Muhammadan Power in India, Vol. III, page 335). The name often assumes the Hindu form Bhagyanagara (i.e., city of wealth) on the analogy of the second name Vidyānagara (i.e., city of learning) of Vijayanagara the capital of the Vijayanagara empire. The Penugonda province which was at this time included within the Golkonda empire Bhāgnagar, ancient name of Hyderabad was under the rule of a certain Lingoji-(Deccan). Pandita who calls himself a subordinate of Akhanna, the younger brother of Mādanna.

The inscription also records a donation made by the several communities and contains incidentally a few interesting statements. The description of the several communities is full of social interest and its abstract appended here would be of value. The several members of the league (samaya-pekkandru) of the lords of Ayyāvali, indigenous (svadēśa), foreign (paradēśa), both (ubhaya), and the itinerants (nānādēśa) among them, who had the hōmkālikā-praśasti, who were the devotees of gods Ganēśvara and Gaurēśvara, the Vaiśyas of the 102 gōtras with the several śettis including Prithvi-Setti Rāyani-Bhāskaranna (vide page 84, paragraph 60, of Annual Report for 1912) who had the grace of the goddess Kamala-Vāsavakanyakā of Vindhyavāsi, who obtained favours from god Nagarēśvaradēva, who were great devotees of (god) Janār-

Prithvišetti Rāyani Bhāskaranna and Bhāskarachārya.

dana-Peruwal and who were favoured with sons, grandsons, riches, gold, materials and vehicles through the blessings of

Bhāskarāchārya (vide Part I, paragraph 53 of Annual Report for 1915), the several matha-mahats, i.e., the great men of the mathas, viz., of Gavi-matha, Halukūri-matha, etc., certain Sāmpradāyikas, the Yajamānas (i.e., Masters), the gavuda (i.e., village headman), the karanams and the Sāmpradāyikas of the Lēpākshi-sthala, the Pattanasvāmi-Sāmpradāyikas of Penugonda-sthala, the several settis of the fifty-six countries including those of that sthala and of the other sthalas, the landowners (bhūmi-prabhu) belonging to the four reddi families, the eighteen sects among Brahmans, Kshatriyas,

The Eighteen Phanas.

Vaisyas and Sūdras together, viz., Vyavahārikas, Pānchālas (five sects of smiths),

Kumbhālikas (potters), tantuvāyins (weavers), vastra-bhēdakas (cloth-dyers?), tila-ghātakas (oil-millers), kuranṭakas (kuraṭakas?: shoemakers), vastra-rakshakas (tailors), dēvāngas, pa[ri]keliti (parikelettēvāru (keepers of pack-bullocks?), gōrakshakas (cowherds), kirātas (hunters), rajakas (washermen) and kshaurakas (barbers) being assembled and being seated on a diamond throne in the mukhamandapa made in the form of a moon (chandra-mandala) in the presence of the deities, Pāpavināśēśvara, Vīrēśvara and Rāghavēśvara (in the temple) at Lēpakshi-kshētra, to the south of the capital Ghanagiri (Ghanagiri-simhāsana) called also Roddhanādu-Penugonda which

A communal grant of the 17th century. was the holiest spot in the entire Jambūdvīpa and was the chief seat (mātristhāna) for the seventy-seven simhāsanas, are stated to have made the gift of certain rates to be paid on shops, looms and on occasions of auspicious ceremonies taking place in their houses. Certain rates on the pack-bullocks both of that sthala and of other sthalas (parasthala) passing through or from the several villages were also granted for offerings and lamps to the god Nañjundēśvara at Lēpākshi.

The prominent feature of this communal grant is the comprehensive character of the assembly which made it. The Ayyāvale merchants, the Vaisyas of the 102 gōtras, the representatives of the several chief Saiva maṭhas, the sāmpradāyikas (caste

leaders?) the members of the 18 sects (phana) the yajamānas, gavudas and karanams of the Lēpākshi-sthala at which the gitt was made, the Paṭṭunasvāmi-sāmpradāyika, the representatives of the four (chief) Reddi families who were landowners (bhūmi-prabhus) (evidently of Lēpākshi) and the members of the eighteen professional classes are represented. In this connexion it may be pointed out that a grant made by a member of the setti community to a temple at Ghantasāla in Śaka 1142 (No. 851 of Appendix B) was placed under the care of the Nakaramu 102 i.e., the (Vaisya) merchants of the 102 gōtras.

85. A record of the time of the Hoysala king Vîra-Ballāla (III?) registers a grant of land made by the pattanasvāmin, the garudas of the nadu and the 18 samayas. The eighteen samayas (leagues?) The Eighteen Samayas and Seventy-four subprobably of the 18 phanas (sects) above divisions of Pānchālas. mentioned figure as a recognized part in the assemblies that met to make gifts (No. 729 above noticed and No. 804 of Appendix B). The latter refers to certain privileges granted formerly to the seventy-four subdivisions of the  $P\bar{a}\bar{n}ch\bar{a}las$  (smiths) by Harihara-Maharaya (i.e., Harihara I), Bhikshāvritti Tātayya, the six darsanas and the eighteen samayas for their having made the entrance-throne (hajāra-simhāsana) of the palace. A record from the Hindupur taluk of the Anantapur district (No. 814 of Appendix B) dated in Saka 1345 refers to a member of the Vaisyu-ramsa with a prasasti (eulogy) which refers to its members as experts in the examination of the nine gems. It states that Agastya was their purōhita, Garuda, the favourite of Kamalāpriya, i.e., Vishnu, was the banner (dhvaja) of a certain Siriyāla-Setti. The title Ayodhyāpuravarēśvara (lord of Ayodhyā, the best of towns) is applied to another member of this sect who is said to belong to the

86. We learn that Ghaṇṭasāla was called Chōḍa-Vāṇḍyavura, i.e., Chōḷa-Chōḍa-Vāṇḍyavura, i.e., Chōḍa-Pāṇḍyapura, about Šaka 1061 and after (Nos. 855, 848 and 847 of Appendix B). Chōḷa-Pāṇḍya was the title of the Chōḷa princes appointed to rule over the Pāṇḍya country as viceroys (see Ep. Ind. Vol. XI, page 292 f). How this title appears in the surname of a village in the Telugu country remains yet to be explained.

Kanva-Rishi-gotra.

87. Among the inscriptions copied during the year in the Madakasira and Hindupur taluks of the Anantapur district are a number of hero-stones (vīragals) a few of which appear also to have been set up as tomb-memorials. A number of other records of this nature from the Madakasira taluk have been noticed already on page 112 of my last Annual Report. In a few instances provision was made for the worship of these memorials as noted below. Some of the deaths recorded in these obituary inscriptions appear to have occurred at tanks (Nos. 805 and 806 of

Hero-stones in the Anantapur district.

Appendix B). These must have been related to disputes about water (for irrigation?) as to cattle in the other cases (No. 746 of Appendix B). A few of these give us the names—and in some cases the titles too—of the heroes, from which could be learnt their connexions. No. 759 of Appendix B mentions a certain Prabhumēru Anniga Dhanañjaya. The titles and names of Bāna chiefs generally, ending in Mēru, this chief may be presumed to be one

A Bāṇa chief named Prabhumēru Aṇṇiga of the Bāṇa family. In the genealogy given on page 21 of the Supplement to the

Southern List of Inscriptions by Dr. Kielhorn, Prabhumeru is mentioned as the son of the Bana king Banavidyadhara. Arivīramēru Ayyapasu mentioned in No. 806 of Appendix B must also be a Bana chief.

Ganga-Trinetra Ani-Bhīma (i.e., Ani-Bhīma, a Bhīma in battle) who fell in an attack against the Kurumas (i.e., Kurum-Gangu.

Ganga-Trinetra Ani-Bhīma and Apimana-Gangu.

attack against the Kurumas (i.e., Kurum-bas?) must be of Ganga origin. Apimana-Gangu (i.e., Abhimāna (?)-Ganga)

Kannarāju who made a gift of a tank at Vaņavrolu (No. 811 of Appendix B) (modern Vānavolu, Hindupur taluk) must have been an early Ganga chief. No. 734 which comes from Madhūdi refers to the death of a certain Mārappa in a cattle-feud at Madivādi (i.e., Madhūdi) in Saka 924 Subhakrit. No. 745 from Narasāmbudhi,

3 miles from Ingalūru, refers to the death of Mādanna, the son of Keradara Belli-Gāvunda, and No. 746 to the death of Keradara Bijayi (i.e., Vijayi), son of Mayinda-Gāvunda, the younger brother of Belli-Gāvunda of Piri-Yingalūru. Land

Gift of land for flower service to a herostone.

put flowers (on the memorial). gift of land for conducting worship to such a hero-memorial is recorded in Nos. 732 and 772 of Appendix B. The former of these in characters of the same period as No. 772 ascribes the death of the hero to the Hoysala invasion (Hoysanadāļi). The latter states that the hero of the record, Hiriya-Bommeya-Nāyaka, son of the Mahāsāmantādhipati Holakalla Gangeya-Nāyaka, met his death in the battle at Hoyikunta in Śaka 1243. It is very Hoysala invasion and the battle at Hoyiprobable that Bommeya-Nāyaka took part

is stated in the latter to have been

granted for the benefit of those who

kunta.

in the Hoysala expedition referred to in No. 732 of Appendix B. 88. No. 809 of Appendix B dated in Saka 1327 refers to the agni-pravēśa made

by Gangāsāni, the daughter of Bayiri-An instance of agni-praiēsa (sati) in the 15th Setti of Pāmidi at Penugonde where her Rāmadēva-Nāyaka husband

praise of her act a vīrakai (hero-hand) was set up at Vānavolu. No. 19 of Appendix A and No. 857 of Appendix B give us the rather rare instances of sacred foundations made on divine directions given in dreams to the donors. Nos. 708, 709, and 711 give a few instances of the favourite deity manifesting Himself before His

#### Order-No. 1172, Home (Education), dated 6th September 1918.

Recorded.

- 2. The Government are glad to observe that the number of inscriptions copied and examined rose from 668 in 1916-17 to 876 during the year, under review, which is the highest on record. Besides the work of collecting copies of inscriptions, the Epigraphical department has to discharge the important duty of making the transcripts of the inscriptions copied available to students and scholars. Government trust that under the arrangements sanctioned in G.O. No. 890, Home (Education), dated the 5th July 1918, the Assistant Archaeological Superintendent for Epigraphy will make a substantial advance in the work of publication of inscriptions. The Assistant Archæological Superintendent is requested to expedite the issue of the volume of "South Indian Inscriptions" already in the Press.
- 3. The Superintendent, Archæological Survey, is requested to submit his views in regard to the conservation of the two monuments referred to in paragraph 19 of Part I of the report.
  - 4. The programme of work for the ensuing field season is approved

(True extract)

R. RAMACHANDRA RAO, Secretary to Government.

```
To the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

the Superintendent. Archæological Survey, Southern Circle.

the Superintendent, Government Museum.

all Collectors.

the Home (Miscellaneous) Department.

the Government of India, Department of Education (with C.L.).

the , of Burma (with C.L.).

the , of Ceylon (with C.L.).

the Director-General of Archæology (with C.L.).
 Editors' Table.
```

# Government



## of Madras

HOME (EDUCATION) DEPARTMENT

## G.O. No. 1003, 16th August 1919

## **Epigraphy**

Recording, with remarks, the progress report of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the year 1918-19.

READ—the following papers:-

Ŧ

Letter—from M.R.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department.

Dated—Fernhill, the 13th/15th July 1919.

No.—445

I have the honour to submit herewith the advance copy (proof) of my Annual Report on Epigraphy for the year 1918-19.

- 2. A duplicate copy with the necessary corrections entered will be submitted to Government, through the Superintendent, Archæological Survey, Madras, within a week.
- 3. One copy each of the photographs secured during the official year is also forwarded.

#### H

Letter—from M.R.Ry. Rao Sahib H. Krishna Sastri Avargal, B.A., Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department (through the Superintendent, Archæological Survey, Madras).

Dated—Madras, the 23rd July 1919.

No.—476.

I have the honour to submit the final stitched proof of my Annual Report on Epigraphy for 1918-19.

- 2. The photographs accompanying the report have been submitted with the advance proof already.
- 3. I request I may be supplied with 20 spare copies of the report for distribution among friends and scholars who are interested in Epigraphy.

#### Ш

Endorsement No. 463, dated 28th July 1919.

Submitted.

A. H. Longhurst, Superintendent, Archæological Department, Southern Circle.

|    |   | ** |   |   |   |   |
|----|---|----|---|---|---|---|
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   | • |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   | , |   |   |
|    |   | •  |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
| •  |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    | • |   |   |   |
|    |   |    | · |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    | • |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
| *. |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    | • | u |   |   |
| •  |   |    |   | • |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   | • |
|    |   |    |   | • |   | • |
|    |   |    |   |   |   |   |
| •  |   |    |   |   |   |   |
| •  | • |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   |   |   |
|    |   |    |   |   | • |   |
|    |   | •  |   |   | • |   |
|    | * |    |   |   |   |   |

# ANNUAL REPORT ON EPIGRAPHY FOR THE YEAR ENDING 31st MARCH 1919.

### CONTENTS.

### PART I.

| Office routine—   |          |      |         |     | LAGE            |
|---|----------|------|---------|-----|-----------------|
| Personnel   |          |      |         |     | 5               |
| Publication   |          |      | • •     |     | 5               |
| Tour of the Assistant Superintendent                                    |          | • •  | • •     | ••• | 6               |
| Tours of the establishment  |          |      | • •     |     | 8               |
| The year's work   |          |      | • •     |     | $\tilde{9}$     |
| Conservation  |          | • •  |         | • • | 10              |
| Conservation  |          |      | • •     |     | 11              |
| Return of stores  |          | ٠.   | • •     |     | 12              |
| Places examined during the year   |          |      | • •     |     | $\overline{12}$ |
| Programme for 1919-20  Appendix A—List of copper-plates examined during | • •      | ·• • |         |     | 13              |
| Appendix A—List of copper-plates examined during                        | 1918-19  |      |         |     | 14              |
| ., B— ,, stone inscriptions copied in 191                               | l8       | • •  |         | • • | 16              |
| ,, C- ,, in 19  | l9 ,.    |      |         |     | 48              |
| " D— " photographs taken in 1918-19                                     |          | • •  | • •     |     | 78              |
| ,, E— " dates calculated  | • • •    | • •  | • •     |     | 79              |
| Part II.  |          |      |         |     |                 |
|   |          |      |         |     |                 |
| Antiquities of the Shiyali taluk—                                       | •        |      |         |     | _               |
| Siva and Vishnu temples   | • • •    | • •  | • •     | • • | 92              |
| Paucity of architectural remains  |          | • •  | • •     | • • | 93              |
| Causes for the absence of early monuments                               |          | • •  | • •     |     | 93              |
| Reclamation of sand-silted lands  | • •      | • •  | • •     | • • | 93              |
| The Pallavas—   |          |      |         |     |                 |
| A Vishnu temple built in the time of Nandivikramava                     |          | • •  | • •     | •   | 93              |
| Grant for the upkeep of a tank during the reign of Ka                   | mpavarma | n    | • •     | • • | 94              |
| The Cholas—   |          |      |         |     |                 |
| Adittan Karralippirāṭṭi, a queen of Parāntaka I                         | • •      | • •  |         |     | 94              |
| Inscriptions of Rajakesarivarman  | • •      | • •  | • •     |     | 94              |
| Kājarāja's queens, elder sister and father                              | • •      | • •  | • •     |     | 94              |
| Sundara-Chola; his surname Ponmāligaittunjinadēva                       |          | • •  |         | • • | 94              |
| Princess Kundavai and her works   | • • •    | • •  | • •     | • • | 94              |
| Rājarāja's surnames Mummudi-Chūla and Parākrama-                        | Chōļa    | • •  | • •     | • • | 94              |
| Gifts of Sembiyan-mādēvi at Tiruvengādu                                 |          | • •  | • •     | • • | 94              |
| Gandarāditya alias Mummudi-Chōla  |          | • •  | • •     | • • | 95              |
| Village assemblies summoned by blowing of trumpets                      | • •      | • •  | • •     | • • | 95              |
| Inquiry into the management of temple-lands and exp                     |          | • •  | • •     | • • | 95              |
| A tax called Eri-ayam   | D        |      | • •     | • • | 96              |
| Provision for Vedic study made in the 11th century A                    | D.       | γŤ   | • •     | • • | 96              |
| Reduction of rents and kadamai during the reign of Ra                   | •        |      | • •     | • • | 97              |
| Rights of women to hold property  | • •      | • •  | • •     | • • | 97              |
| Social laws prevalent in the 12th century A.D.                          | • •      | • •  | • •     | • • | 97              |
| Kulöttung xsölan-charitar-reward for composing                          | • •      | • •  | • •     | • • | 98              |
| Sambuvarāvans as Chōla feudatories                                      | ••       | • •  | • •     | • • | 98              |
| Administration of criminal law in the 13th century A.                   | υ.       | • •  | * *     | • • | 99              |
| The Pandyas—  |          |      |         |     | 40              |
| Attestation of documents in early times                                 | 42.      | • •  | <br>    | • • | 100             |
| Vijaya-Gaṇḍagōpāla, surnamed Adaiyavaļaindāņ,                           | the your | ıger | brother | of  | 400             |
| Malavarāyar,  | • •      | • •  | • •     | • • | 100             |
| Jatāvarman Sundara-Pāndya I  Conflict of the Pāndyas with the Horseles  | • •      | • •  | • •     | • • | 100             |
| Conflict of the Pandyas with the Hoysalas                               | • •      | • •  |         |     | 100             |

#### CONTENTS

œ.

**.** 24.

#### PART I.

#### OFFICE ROUTINE.

2. I availed myself of three months' privilege leave from 3rd April 1918 to 2nd July 1918 during which period Mr. G. Venkoba Rao was appointed to act for me [G.O. No. R. 77, Home (Education), dated 27th March 1918]. The latter also went on privilege leave for sixteen days from 17th October to 2nd November 1918 and the typist and clerk were granted privilege leave for one month and twelve days and three months respectively, the one from 11th November 1918 and the other from 24th February 1919.

#### PUBLICATION.

- 3. One of the important Government Orders that was issued during the year under review is G.O. No. 890, Home (Education), dated 5th July 1918, which has directly brought about a complete change in the system of the working of this office. So far, the main charge of my office consisted in carefully listing the large number of inscriptions collected by the department during the year and drawing up a detailed account of them in the form of a report for Government. The publication work which was necessarily slow was attended to only at the intervals of reporting, by continuing the old series of South-Indian Inscriptions on the lines originally laid The Government had for some time under consideradown by Professor Hultzch. tion the best plan for expediting publication simultaneously with sollection. They found that the complete critical method of editing inscriptions with texts, translations and historical notes as in the Epigraphia Indica and other standard antiquarian journals and the South-Indian Inscriptions as published till now, was a slow and costly process and that supplied with the bare epigraphical material, viz., the transcripts of all inscriptions carefully printed, scholars and students interested in South-Indian antiquities could easily take up the work of the translation and exegesis. was thus that the Government Order under question was issued. It lays down a minimum publication of 2,000 inscriptions each year by this department and the establishment of the office is necessarily also strengthened by sanctioning temporarily for two years a special Assistant on Rs. 200 per mensem, a proof reader on Rs. 40, and a pandit on Rs. 30. The work was taken on hand at once on the receipt of the order and in the nine months from August 1918 to April 1919, 2,121 folio-pages of manuscripts containing the texts of 1,176 inscriptions have been sent to the press. A detailed report has also been separately submitted (vide this office letter No. 230, dated 25th April 1919, on this subject). On account therefore of the heavy publication work and the greater attention paid to it both by the Collection and Publication sections, the report for the year under review has been curtailed to a certain extent in Part II. This same course has already been suggested by one of the Government Orders issued in previous years [G.O. No. 98, Home (Miscellaneous), dated 28th August 1916], when still the question of expediting publication had not been finally settled.
- 4. Speaking of publication work, it may be reported also that Vol. III, Part III, of South-Indian Inscriptions referred to on page 5 paragraph 4 of the last year's report, was read in proof. The printed pages of the 116 inscriptions mentioned.

  1003, Home (Edu.)—2

therein not being found enough to fill up a complete part of the South-Indian Inscriptions the Tiruvālangādu copper-plates which had been proposed to go into Part IV of Vol. III, were included in Part III, thus making up nearly 190 printed pages for this part. It was sent for final stitched proof to the Government Press on 5th March 1919 with 13 illustrative plates and is expected to be in the hands of Government within a month. Material for Part IV which is also being got ready will consist of the two important Pāṇḍya copper-plate inscriptions from Vēļvikuḍi and Śiṇṇamaṇūr. Some minor Chōla copper-plate grants, an index and the historical introduction to Vol. III will close the old series of South-Indian Inscriptions and the continuation of that series in the new form will henceforth be the "(Texts of) South-Indian Inscriptions" now being printed to the same size and form in the Government Press.

- Mr. V. Rangachariyar, Professor, Anantapur College, has also completed his laborious work in connexion with "The topographical list of inscriptions in the Madras Presidency." The Government of India have been pleased to duly award Mr. Rangachariyar an honorarium of Rs. 1,000 for his labours. This encouragement on the part of the Government is sure to be highly appreciated and should, in my opinion, attract many more scholars to volunteer their help in bringing out other such useful epitomes on South Indian Archæology and Epigraphy.
- Dr. F. W. Thomas of London recently suggested to me the preparation of a quinquennial index to the Annual Reports on Epigraphy in the Madras Presidency so that the 'vast amount of useful material well digested' in them may be saved the risk of not being sufficiently used by oriental scholars. The Government while receiving this suggestion favourably, consider that the question of the preparation of a quinquennial index might be conveniently deferred till some progress has been made in regard to the publication of inscriptions ordered in G.O. No. 890, Home (Education), dated the 5th July 1918.

#### Assistant Superintendent's Tour.

- 5. My tours during the year were chiefly in connexion with the publication work of the office. I left Madras on 5th November 1918 and returned on 1st January 1919, visiting in this interval of nearly two months, Hampi (Bellary district), Tāḍpatri (Anantapur district), Avanigaḍḍa, Gaṇapēśvaram, Srīkākulam and Bezwada (Kistna district), Mukhalingam (Vizagapatam district) and Śrīkūrmam and Sālihuṇḍam (Ganjam district). Again I spent a further week at Conjeevaram from 19th March 1919 to 26th March 1919 also in connexion with the publication work.
- 6. Of course though the chief object of my tour was for examining and checking the readings of inscriptions directly from the stone, other items of archeological or epigraphical interest that attracted my attention in these places were also examined and noted. I beg to subjoin the results of a few of them for the information of Government for such action as they may deem necessary to take:—(1) A deserted temple situated north-east of the famous Vitthala temple at Hampi was found to bear the board 'Siva Temple' put upon it by the Archæological Department. On careful examination I saw from the distinctly numerous Vaishnava marks depicted on the pillars, lintels and walls, that the temple must have been one dedicated to Vishnu. Consequently the Archæological Superintendent, if he approves of the suggestion, may be requested to change the board, since it is misleading. So also is the board 'Jaina Temple' which is seen on the wall of a temple on a low rock between the Vitthala and the Kodandarama temples. I know that Mr. Longhurst advances a number of arguments in his Hampi Ruins, page 121 f., in support of his contention that this temple must have been Jaina. There do exist undoubted marks of Vaishnavism, as Mr. Longhurst also admits. Evidently the peculiar style of the gopura on the central shrine—a pile of narrowing rectangles placed one over the other—must have given rise to the notion that the temple is Jaina. In Hampi such a gopura is seen already on the oldest of the Hindu shrines, viz., that of Pampadevi in the Virupaksha The so-called Jaina temples on the rock adjoining the Virūpāksha temple to the south of it, may also for the matter of that, be all of them Saiva shrines of the

pre-Hoysala period. In some of these I even saw broken Nandis. It is unfortunate, however, that none of these temples in question have images in them nor bear sculptures or inscriptions on their walls that would then clearly point to the origin of these ancient monuments.

- (2) Again at Hampi the photographer Mr. Visvanatha Ayyar prepared a careful sketch of a very curious mystic charm (yantra) which is the object of worship in the temple called Yantröddhāraka Hanumān close behind the Kōdandarāmasvāmin temple, to which Rao Bahadur C. H. Gowd of Hospet kindly drew my attention. It consists of jumping figures of the monkey-god each holding the tail of the other and all arranged round another monkey-god seated in the centre of a hexagon. In the interspaces of the whole circle and the hexagon are inscribed letters in Grantha and Kannada characters which were not clearly visible on account of the very scanty light in the shrine where of course no brush, paper and dabber could be used. This yantra is supposed to be a rare one of very great sanctity by the community of the Mādhva Brahmans and is reproduced on the plate opposite to this page. Regarding its interpretation I beg to invite the help of Mādhva scholars who may be interested in the subject.
- (3) The unfinished northern  $g\bar{o}pura$  of the Rāmasvāmin temple at Tādpatri which on account of its exquisite sculptures has been already included in the list of conserved monuments in the Madras Presidency as No. 82, is in great danger of becoming disjointed by the spreading roots of two big pipul trees which now grow on it. These must be removed at once and the Archæological Superintendent may be requested to take the necessary steps. From one of the inscriptions dated in A.D. 1509 in the Rāmasvāmin temple, it is inferred that this beautiful  $g\bar{o}pura$  was under construction in that year.
- (4) The Bhīmēśvara temple at Drākshārāma which is epigraphically the most important of the temples in the Godavari district, if not in the whole of the Telugu country, is No. 14 in the List of Conserved Monuments of the Madras Presidency and is classed as "Private." The present trustee of the temple is the Zamindar of Ramachandrapuram who on account of certain private disputes with the servants of the temple has not been bestowing as much attention on its repairs as it really deserves. The roofs of the Nandi-mandapa and the Kalyana-mandapa of the temple are leaky; the upper storey of the main temple also is in a similar condition and the enclosing compound wall has collapsed in two places. The grand gopura at the western entrance into the temple is a huge and magnificent structure and has at its base sculptures of two royal figures who had evidently a hand in constructing it. From the inscriptions on the temple walls of the Chola period, it is gathered that this western gopura was the main entrance to the temple though now it has ceased to be so on account perhaps of Muhammadan occupation in the neighbourhood, the southern entrance being more commonly used by the people. The temple of Draksharama containing as it does the most representative collection of the records that go to make up the history of the Telugu country, it is highly important that no attempt should be spared in preserving this monument in perfect order and repair.
- 5) Bhīmavaram near Samalkot is another such important place, with two historically interesting temples of Siva (Bhīmēśvara) and Vishnu (Vīranārāyana) in it. These are under the direct supervision of the Zamindar of Pithapuram and are kept in good repair. It is desirable, however, to include them in the list of conserved monuments so that further improvements, if any, made to these temples by the Zamindar, might also have the benefit of expert advice and co-operation. Siva temple is in a style quite similar to the one at Draksharama and if my inference is correct, it must, like the other temple, bear, on its walls and basement which are now covered with a thick coating of plaster throughout, inscriptions of great value and interest though not in very large numbers. I would strongly recommend therefore the removal of the plaster on the walls of this temple right up to the roof and the careful pointing of the crevices between stones with cement or other suitable material as not to interfere with the writings thereon. The peculiarly northern style of the Vishnu temple at Bhimavaram is by itself a strong recommendation for including it in the list of conserved monuments, besides its many inscribed pillars bearing valuable historical records.

- (6) Mukhalingam is a village in the Zamindari of Parlakimedi. ancient place being the site of the old capital of the kings of Kalinga (Ganjam and Vizagapatam) as proved by Rao Saheb G. V. Ramamurthi Pantulu in Epigraphia Indica, Volume IV, pages 187-188. The chief temple here is that of Mukhalinge-There are one or two other temples which are svara which is richly sculptured. much neglected but deserve also protection on account of their historicity and design. Mukhalingam itself is surrounded by evident ruins of a great city and by numerous mounds which are suggested to be sites of buried temples. One of the sculptured lintels in the Mukhalingeśvara temple is plainly Buddhistic and excavations in and around Mukhalingam are expected certainly to reveal more definite evidence as to the existence of Buddhism in this ancient capital town. Again from an examination of certain other sculptured panels, statues and paintings which are preserved in the temple and in the Raja's choultry, I am inclined to believe that Saktaism in one or other of the debased forms of latter-day Buddhism such as the Vajravana, with its blood-thirsty deities and its immoral worship, must have also been once prevalent at The place and its temples richly deserve to be included in the list of conserved monuments and operations for exploration may also be advantageously commenced.
- 7. The Śrīkūrmam temple belongs to the Vizianagram estate. It is in perfect order and requires no precautionary measures on the part of the Government to conserve its antiquities. It is, however, strongly rumoured here that the temple contains within it two strong-rooms (temple treasuries) called Sankhanidhi and Padmanidhi from time immemorial and that these are now hidden by two huge statues of Dvarapalas (guardian deities) placed at the narrow entrance into them on either side of the sacred shrine. Inscriptions of Śrīkūrmam to a certain extent also support this vague tradition, when they state that Padmanidhi was actually the name of the temple treasury. Sankhanidhi, however, is not mentioned in the inscriptions. association of the two names Sankhanidhi and Padmanidhi together to denote the two treasuries of the temple is peculiar and reminds us of the two famous treasuries (nidhi) of which the god of wealth (Kubera) is supposed to be the overload. These are of course mythological treasures represented even to-day in some of the South Indian temples by two dwarf statues (not by Dvārapālas). Still, even, for the possible little truth that may be contained in the popular tradition there appears to be no harm in shifting the Dvārapāla images from their present position and examining the contents of the two bogus nidhis of the temple. The Śri-Vaishnava priests who are in charge of the institution are themselves very eager about it and do not at all seem scrupulous about the shifting of the images. Again there is an equally strong rumour in Śrīkūrmam—but in this case perhaps more reasonably—that a housesite in the main Sanuidhi street opposite to the house of Mr. Tiruvenkata Ramanujacharya being dug up recently for laying foundations for a new house, people discovered the top of the stupi of a buried temple. The attempt of building was at once given up, the diggings were re-filled and the site was declared unfit for a private No attempt, however, seems to have been made since to unearth the old building with which the stūpi was connected. This in my opinion should be done immediately as there is every likelihood of the rumour being proved true and of an ancient Buddhist stūpa being recovered. For, not far from Šrīkūrmam are a range of low hills near Salihundam on the Amidalavalasa-Calingapatam road on which are conspicuous and extensive Buddhist remains and these are intimately connected with Śrīkūrmam by a myth in which a certain Śvētachakravarti and his fortress figure. The Superintendent, Archæological Survey, has been informed of the Buddhist remains at Salihundam and he has promised that he will personally inspect the site in question as early as possible.

#### Tours of the Establishment.

8. Mr. G. Venkoba Rao the Senior Assistant of this office also toured from 1st December 1918 to 19th February 1919 in the Madura, Tanjore, Trichinopoly, South Arcot, North Arcot, Salem and the Coimbatore districts, for recopying or checking on the spot certain damaged inscriptions of earlier years, which are now in the

course of publication. He was accompanied by the Acting Tamil Assistant Mr. A. S. Ramanatha Ayyar and along with his special mission he also carried out a part of the collection programme of copying inscriptions in about a dozen villages. Mr. C. R. Krishnama Achari having accompanied me to the Telugu districts for checking the Telugu inscriptions under publication was not available for finishing the village-war survey of the Tenali taluk and a few other places in the Telugu districts which had been put down for him. Most of the responsibility therefore of carrying out the programme of last year was left solely in the hands of Messrs. K. V. Subrahmanya Ayyar, G. V. Srinivasa Rao and K. R. Srinivasa Ayyangar each of whom toured for about three months in the course of the year between August 1918 and March 1919. During this period they finished examining the villages of the Tenkasi taluk left over from the Programme of 1917-18, the village-war survey of the Shiyali taluk (Tanjore district) and of the Harpanahalli taluk (Bellary district) and examination of 24 other villages noted in the programme printed with G.O. No. 1172, Home (Education), dated 6th September 1918. They also visited a dozen other new villages not included in the programme but had been brought to the notice of this office for urgent action either by the Archæological Superintendent or by other officers. Thus the only items of the programme which had to be omitted for want of time and men were those of the Telugu taluk of Tenali in the Guntur district and some 18 other villages. These are repeated in the current programme for 1919-20 printed at page 9 below.

#### THE YEAR'S WORK.

9. The volume of work done by the office during the year under report has surpassed all expectations. The activity in the publication section and the work in connexion with the publication of South-Indian Inscriptions has been already referred to in paragraph 4 above. It remains only to speak of the collection and other miscellaneous work turned out by the office during the year. The drawing up of the Annual Report for 1917-18 and reading of the proofs thereof occupied the whole establishment almost till the middle of July 1918 when the final copy of it was submitted to Government. In August 1918 the Government Order regarding publication came into operation and tours for collection began. The result of the latter has been the thorough examination of 398 villages and a collection of 900 new inscriptions. Of these, 200 are not included in the lists as these were copied and transcribed on the spot for the volume of South-Indian Inscription Texts now under publication (see above, paragraph 4). All the remaining 700 records have been transcribed for the report; but will have to be carefully revised once again before the end of August 1919, when they will be handed over to the publication section.

In the course of the year Mr. Longhurst, the Superintendent of Archæology, sent for examination four estampages containing 8 inscriptions from Timmalāpuram (Hospet taluk, Bellary district) which are new and historically interesting. These are retained in the office and included in Appendix B of the report as Nos. 300 to 307 of 1918. He again sent two estampages from Chejerla, Guntūr district, one of which contained a very late record of the 18th century and the other corresponded with No. 157 of 1889 which had been already examined by this office. Five photographs of inscribed antiquities from Amarāvati were also examined for Mr. Longhurst.

An inscription found on a small bell from Wesali in the Akyab district, Burma, was sent for examination by Mr. Taw Sein Ko, Archæological Superintendent, Burma. It was an inscription in Gupta characters of about the 8th century A.D. and Buddhistic. The exact nature of the gift was not ascertained on account of the damaged state of the record; but a text and translation of the inscription so far as could be made out was supplied to Mr. Taw Sein Ko. A further communication from the same officer regarding certain interesting events in the life of Kyanzittha, king of Pagan, revealed by some Telaing inscriptions intimately connecting him with Rājēndra-Chōla Kulōttunga I, the Chōla king of Tanjore, led to several important questions which were all duly studied with reference to Tamil inscriptions. It was found that the astounding statements of the Telaing inscriptions, that Kulōttunga resided at

1003, Home (Edn.)-3

Pegu or Kadāram, that he visited Pagan bearing tributes to Kyanzittha, that he presented the latter with a daughter and that he became himself a convert to Buddhism could none of them be corroborated. The historic and epigraphic connexion of Burma with Southern India which is thus being eagerly inquired into by Mr. Taw Sein Ko naturally led him to take up the question of the origin of the script and numerals of Burma. I have given him my opinion that these have closer relation with the Telugu and Kannada than with the Tamil. Five inscriptions in the Kanarese script and one in the Nāgarī were examined for Mr. Yazdani of the Archæological Department of Hyderabad.

#### CONSERVATION.

10. Of the 22 copper-plate records noted in Appendix A of the Annual report for 1918, one set (No. 3) was kindly presented to the Museum by Mr. Muddappa, a ryot of Timmalāpuram, hamlet of Nāgalāpuram, Rayadrug taluk, and four sets were purchased for Rs. 140 by the Superintendent, Government Museum, on my recommendation. The others were returned to the owners as these were not willing to part with their documents.

Twelve copper-plate inscriptions have been secured for examination during the Of these three were sent to me by M.R.Ry. Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal, with the information that they were found in the soil in the field of one Gulam Husain Sahib of Udayagiri (Nellore district) when he was getting it repaired on 13th January 1919.' With the three sets of copper-plates which together contain nine copper-sheets, were also found one broken metal bell, one broken metallic kuja-pot and seven broken plates. These are of the ordinary kind and are not of much interest. The inscribed plates give an elaborate list of the lively achievements of a set of merchants of the Vīra-Balaja community whose eulogy though it may here and there smack much of the impossible and the ridiculous shows still the high ideals that guided the creed of that community. I have referred to many earlier references to the mercantile communities in my former reports. These merchants had evidently an extensively organised guild whose ornaments, as the record says, 'were the numerous virtues (acquired) under the guidance of the five hundred heroes (that controlled it), who were resplendent on account of their truth, cleanliness, religious tradition, noble behaviour, politeness, humility, knowledge, the vow of carrying out the high principles of Vīra-Balanja (religion) and their sacred Garuda banner.'

Six sets of copper-plates collected by Mr. Chilakuri Narayana Rao Pantulu, M.A., L.T., of Chicacole for original research and publication under the guidance of his teacher Rao Sahib G. V. Ramamurti Pantulu of Parläkimedi were very kindly placed at my disposal for preliminary study and inclusion in the Epigraphical Report. Mr. Narayana Rao takes great interest in original epigraphical work and the plates in question will be published in the *Epigraphia Indica* under the joint editorship of himself and his teacher Mr. Ramamurti Pantulu.

All the six sets of plates refer themselves to the Eastern Ganga kings of Kalinga. No. 3 which belongs to the time of Vajrahasta III corresponds in the introductory portion completely with the published inscriptions of Nadagam and Narasapatam and is dated in Saka 971, which is the earliest date for this king known se far. The next inscription No. 4 giving the very same genealogy takes us one step further to Vajrahasta's son Rājarāja surnamed Dēvēndravarman. We are told that Vajrahasta ruled for 33 years and married queen Anangamahādēvī. The date of the coronation of Rājarāja is given in 11. 43 to 46 to be 'Saka 992, Jyaishtha, Ashtami, Simhalegna, Uttara-Phalguni, Thursday, and the bright fortnight.' This date of coronation given for Rājarāja fits in quite correctly with the period of rule, viz., 33 years ascribed to his father Vajrahasta III. A record of the 15th year of his reign combined with the Saka date 976 was noticed in the last Annual Report, Part II, page 138. Still another inscription in the same series now secured (Copper-plate No. 6), gives the regular genealogy of the Gangas down to Rājarāja and states that the latter ruled for 8 years and took for his chief queen Rājasundarī, a daughter of king

Rājēndra-Chōla. This Rājēndra-Chōla has already been identified by Dr. Fleet with Kulōttunga I, who had the other name Rājēndra-Chōla II. Their son was Ananta-varma-Chōdaganga who was crowned in Saka 999.

The three remaining records of Mr. Chilakuri Narayana Rao's collection belong to the earlier Ganga period between which and the later represented by the copperplates mentioned in the previous paragraph, no proper connexion has yet been These earlier ones are generally dated in the Ganga era whose initial established. year is still disputed. The two plates (Copper-plate Nos. 7 and 8) which bear no date refer to king Dēvēndravarman, son of Rājēndravarman and to Anantavarman, son of Devendravarman, and perhaps supply three successive generations, though by no means certainly. In the last Annual Report, Part II, page 137, reference was made to the plates of Rajendravarman, son of Maharaja Anantavarman, which are now in the possession of Sri Raja Sahib of Mandasa. Copper-plate No. 5 is of special interest in that it belongs to the Ganga king Madhukāmārnava, son of Anantavarman and bears the date 526 of 'the prosperous and victorious year of the rule of the Gangas.' This is an abnormally high figure for the Gangeya-Saka the latest of which recorded in Profesor Kielhorn's lists is 359. But if it is correctly given it may give us a sure date for Madhukāmārṇava, the only king of that name that figures in the later Ganga genealogy. But here he is not the son of Anantavarman. The Nandi seal which holds the plates together is not of the usual type. It is a negative mould which pressed on a lump of wax or other soft material gives us the recumbant bull, the ankusa, lamp-stands and the crescent, in high relief.

The two copper-plates (Copper-plate Nos. 1 and 2) received from the District Munsif of Ambāsamudram, Tinnevelly district, are of a very late date issued in the time of the Nāyakas of Madura in Saka 1617.

All the twelve copper-plates registered in Appendix A will be negotiated for, for deposit in the Government Museum and such of the important ones as may not be presented will be recommended for purchase.

- 11. One stone inscription of about the 9th century A.D. which was long lying buried outside the Bhīmēśvara temple at Bhīmavaram, was removed and planted within the compound of that temple, in order to avoid further injury being done to it by cowherd boys and cattle. With this stone which records the suicide committed by a saintly man called Kēdāra-Sakti of evidently the Pāśupata sect were also found two other stones bearing similar figures and these too were removed to the inner court-There are eight small written slabs in the store-room of yard of the same temple. the Drākshārāma temple, which bear inscriptions of the early Eastern Chālukya kings and a bronze elephant which belongs to the 14th century. They would be valuable acquisition to the archæological section of the Madras Museum if the Zamindar of Rāmachandrapuram, the present trustee, could be induced to part with these. are also other fine images in the store-room of the Drākshārāma temple which are not used. These too may be acquired.
- 12. Subjoined is the statement under the main heads of expenditure of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy during 1918-19:—

#### Expenditure.

|                            |                   |       |     |       |     | RS.            | A. | P. |
|----------------------------|-------------------|-------|-----|-------|-----|----------------|----|----|
| Assistant Archæological Su | p <b>er</b> inte: | ndent |     | • •   |     | 6,731          | 7  | 9  |
| Permanent establishment    |                   | • •   | • • |       |     | 8,8 <b>5</b> 0 | 6  | 8  |
| Temporary ,,               |                   | •     |     | • •   | • • | 2,215          | 11 | 1  |
| Officer's travelling       |                   | • •   | • • | • •   | • • | 845            | 14 | 0  |
| Establishment travelling   | • •               | • •   | • • | • •   |     | 2,174          | 12 | 0  |
| Contingencies              | • •               | • •   | • • | • •   |     | 6,133          | 7  | 8  |
|                            |                   |       |     |       |     |                |    |    |
|                            |                   |       |     | Total | • • | 26,951         | 11 | 2  |

## 13. Return of stores of the Epigraphical branch of the Archæological Department, Madras, for the year ending 31st March 1919.

| Name of articles with   |         | ance on 1st<br>pril 1918. | Received<br>during<br>1918–19. | 10                      | otal of<br>and 3 | Written off during 1918-19. | Balance on<br>31st Murch<br>1919 |   |
|---|---------|---------------------------|--------------------------------|-------------------------|------------------|-----------------------------|----------------------------------|---|
| description.  | Number. | (5)<br>Cost.              | Number.<br>Cost.               | Number.                 | Cost.            | Number<br>© Cost            | Number. (9) Cost.                | Remarks. (7)  |
| Watson and Sons' Full plate<br>Camera with six slides, one<br>voigtlander lens with six<br>diaphrams, one view finder,<br>one tripod stand, and one                                       |         | RS. A. P.<br>550 0 0      |                                | 1 Set                   | RS. A. I         | P                           | RS. A. P. 550 0 0                | Vide G.O. Nos. 607,<br>608, Public, dated<br>7th August 1893.   |
| Bush Rapid Applanet lens. Chubb's look with one key  Typewriter (3-14 Underwood). Tent articles (11 bundles)  Mathematical instrument box No. 2 supplied by the Public Works Secretariat. |         | 350 0 0<br><br>36 5 0     |                                | 1<br>1<br>1<br>Set<br>1 | ••               | 0                           | 1 350 0 0<br>1 Set 1 36 5 0      | The price is not known.  Value not known.  Vide G.O. No 2050  W., Public Works Department, dated 3rd November 1915. |

- 14. Stone inscriptions copied at the following places are registered in Appendices  $\cdot$  B and  $\cdot$ :—
- I. South Arcot district.—Chidambaram, Śingavaram, Śembēdu, Avaļūr, Dādāpuram, Markāṇam, Kandādu, Kūnimēdu, Ālattūr, Muṇṇūr, Vēlūr, Olagāpuram and Kiliyanūr.
  - II. North Arcot district.—Tirumālpādi, Madam and Āvūr.
  - III. Bellary district.—46 villages in the Harapanahalli taluk1.
  - IV. Chingleput district.—Chūnāmpēt and Villivākkam.
  - V. Coimbatore district.—Lokkanahalli, Mudigundam and Tagarapura.
  - VI. Canjam district.—Sālihundam.
  - VII. Godavari district.—Bhīmavaram (near Samalkot) and Drākshārāmam.
  - VIII. Guntur district.—Nādeņdļa, Kōtappakonda and Nambūr.
    - IX. Kistna district.—Bezwada, Śrīkākulam.
      - X. Madura district.—Madura, Tirupparangunram, Tirumohur.
- XI. Salem district.—Elavampațți, Kāttuvēppilaippațți,\* Ponnēri, Pulahalli and Bairamangalam.
  - XII. Tanjore district.—Tanjore, Tiruvārūr and 16 villages in the Shiyali taluk2.
- XIII. Tinnevelly district.—Six villages in the Alangulam firka of the Tenkāsi taluk³.
  - XIV. Trichmopoly district.—Trichinopoly, Śrīrangam and Paluvūr.
  - XV. French territory.—Tribhuvani, Tirukkānji.

· Visited but contained no inscriptions.

<sup>1</sup> Hundred and fifty other villages were also visited but contained no inscriptions.

Eighty-five other villages were also visited but contained no inscriptions.

Fifty-one do. do.

# 15. Programme of tour of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the field season of 1919-20.

| Number. | Name of vi                | llage.                                 | Distr                    | ict.    |       | Remarks.  |
|---------|---------------------------|--|--------------------------|---------|-------|---|
| A       |                           |  |                          |         |       | inscription by the Archwological                        |
|         |                           | Supe                                   | rinte <b>n</b> dent or o | otner ; | gentu | emen.   |
| 1       | Adigudi                   |  | Trichinopoly             |         |       | Inscriptioins in a Siva temple.                         |
| 2       | Āyal                      |  | North Arcot              |         |       | Reported to contain inscriptions.                       |
| 3       | Ayyampalayam              |  | Do                       |         |       | Do.   |
| 4       | Bhadrachalam              | .,                                     | Godavari                 |         |       | Do.   |
| 5       | Bollavaram                |  | Cuddapah                 |         |       | Do.   |
| 6       | Chittoor                  |  | Chittoor                 |         |       | Rock inscription.                                       |
| 7       | Chodavaram                |  | Godavari                 | • •     |       | Reported to contain an inscription on a                 |
|         |                           |  |                          |         |       | boulder on the bank of the Godavari.                    |
| 8       | Dēśur                     |  | North Arcot              |         |       | To copy an inscription on a slab in an irriga-          |
| Ì       |                           |  | 1                        |         |       | tion tank.  |
| 9       | Ganapavaram               |  | Kistua                   |         |       | Inscriptions in the Svarnesvara temple.                 |
| 10      | Kalavai                   |  | North Arcot              | • •     |       | Inscriptions on a sluice and in a mosque                |
| 11      | Kattumannarköyil          |  | Trichinopoly             |         |       | Reported to contain inscriptions.                       |
| 12      | Mailavaram                |  | Guntur                   |         |       | Do. do.   |
| 13      | Masulipatam and villages. | surrounding                            | Kistna                   | ••      | ••    | Do. do.   |
| 14      | Melpadi                   |  | North Arcot              |         |       | Contains many inscriptions.                             |
| 15      | Modamidipalli             |  | Cuddapah                 |         |       | Do.   |
| 16      | Mogallu                   | ••                                     | Kistna                   | • •     |       | Reported to contain inscriptions.                       |
| 17      | Muddayya                  |  | Cuddapah                 |         |       | Do. do.   |
| 18      | Mudulūru                  |  | Kistna                   | • •     | • •   | Do. do.   |
| 19      | Nelakota (Ava near l      |  | Godavari                 |         |       | A Buddhist stapa and inscriptions.                      |
| 20      | Nellore                   | ••                                     | Nellore                  | ••      | ••    | Inscriptions in Dharmaraja and Irukalam-<br>ma temples. |
| 21      | Natharamēsvaram an        | d Juthiga                              | Kistna                   |         |       | Reported to contain inscriptions.                       |
| 22      | Niśśańkadurga             | •••                                    | Chittoor                 |         |       | Do. do.   |
| 23      | Pallichchandai            |  | Madura                   |         | • •   | Do. do.   |
| 24      | Pinnaväšal .              | **                                     | Tanjore                  |         | • •   | Inscriptions in a dilapidated temple.                   |
| 25      | Pulal                     |  | Chingleput               |         |       | Reported to contain inscription.                        |
| 26      | Salem                     |  | Salem                    |         |       | Inscription in a houlder in water-supply                |
| 2-      | ó.,                       |  | Ohilament                |         |       | reservoir. Rock-cut cave with inscription.              |
| 27      | Singaperumalkoyil         | •• ••                                  | Chingleput               | • •     | ••    | Inscriptions on a stone image.                          |
| 28      | Singavarapukōta           | ••                                     | Vizagapatam              | ••      | • •   | Reported to contain inscriptions.                       |
| 29      | Taduvayi                  |  | Guntur                   | ••      | ٠.    | Reported to contain inscriptions in an irriga-          |
| 30      | Tennēri                   | •• · · · · · · · · · · · · · · · · · · | Chingleput               | ••      | • •   | tion tank.  |
| 31      | Tiruvarūr                 |  | Tanjore                  | ••      | ••    | To copy inscriptions after removing chunam plaster.     |
| 32      | Tirumalavādi              |  | Trichinopoly             |         |       | Contains many inscriptions.                             |
| 33      | Vasudevapatnam            | •••                                    | Ganjam                   | ••      | ••    | Buddhist images.  |
| 34      | Veligonda                 |  | Nellore                  | •••     |       | Reported to contain inscriptions.                       |
| 35      | Vengalattur               | ••                                     | North Arcot              | ••      | • •   | Do. do.   |

B.-Detailed survey for inscriptions, talukwar.

Conjeeveram—Chingleput. Dărăpuram—Coimbatore. Alur—Bellary. Tenali—Guntur.

| <b>X</b> 0. | from whom received.  | Dynasty.          | King.  | Date.   | Language.                       | Disposal of the original. | Where and by whom to be published.  | Кетаткв.  |
|-------------|--|-------------------|--|---|---------------------------------|---------------------------|---|---|
|             | The District Munsiff of Amba-samudram (Tinnevelly district).                                 | Nayaka            | Vijayaranga.Chokkanatha.<br>Nayaka, son of Ranga-<br>Krishpa-Mutravirappa.Na-<br>yaka and grandson of Chok-<br>hanatha-Nayaka. | Śaka 1617,<br>Kollam 871,<br>Adi 11, sa.<br>di dasami,<br>Thursday,<br>Anurham. | Tamil                           | :                         | :   | Becords earvamanya grants of Vagaikulam, Sergulam, Avisagapperi, Arppanahangulam, belonging to the north-east hamlet of Rajaraja-obaturvedimangalam, lluppanakurich, and others, made by a Pandya king in Saka 1408, corresponding to Kollam 661, Purattadi 20, ba. di. saptumi, 'uesday, Mrigafirsha and during the reigns of Mallikarjuna, Virthaksha, Krisharaya and Viramantanda, ior daily worship, monthly and annual festivals, offerings and other requirements, to the temple of Nayinar-Nagumpun. |
| n           | Ď.   | Do                | Do.  | Dø.   | Tamil and                       | :                         | :   | kondarujiya-Tambirajiar at Dakshinakan<br>alias Putarjunasthala, in Mulli-nadu.<br>Relates to the grants made in No. 1 sbove.   |
| 700         | M.R.Ry, Chilukuri Narayana<br>Bao Garu, M.A., L.T., Teacher,<br>Chicacole (Ganjam district). | Rastern<br>Gańga. | Vajrahasta III   | Saka 97[1]<br>Karkataka,<br>Sukla-paksha<br>Trayödasi,<br>Aunday.               | Leluga.<br>Banskrit<br>Någari). | licturned to the owner.   | In the Epigra- phia Indica by Messrs. (4. V. Rama- murthi Pan- tulu and Chi- lukuri Nara- | Records the gift of the village Sattivada in Erada-vishaya, to Ganapati-Nayaka, the grandson of Ganapati, a resident of the village Valutavuru in Kamchidesa.   |
| ,           | Do.  | Do.               | Devendravarmman Rajarajadeva, son of Vajrahasta III and Ananga-Mahadevi.   | Saka<br>Chaitra,<br>Vishu-Sah-<br>kranti.                                       | Do                              | Do.                       | уала као.   | Beoords the gift of the village Vrilat-Kodila in Varahavartani, to Vasudovasarman of the Vatsa-gotra and Narayanasarman of the Kasyapa-gotra, who were residents of the village Kalipura. The king was orowned in Saka 992, on Jeshtha, Subhra, Ashqani, Simha-lagna, Thursday with Uttara-Phal-  |
| `           | Do.  | Do.               | Madbuks[m]arpayadevs, son<br>of Anantavarms,   | 526th year of<br>the Ganga<br>rule.   | Do.                             | Do.                       | . Do. :   | guni. States that the three villages Fatugrams. Hondarsaydo and Morakhini were together formed into a Vnisys-agrahar and granted to a certain Eraps-Nayaka, the son of  |
| `           | Do.  | Dø .              | Anantavarman-Chodaganga-<br>dava, son of Rajaraja and<br>Rajasundari.  | Śaka 1006   | Do.                             | Do.                       | Do. :   | Manchi-Nayaka of the Vaisya caste. Registers the gift of the village of Sellada in the [Ru]pavartiani-vishuya, to Romarachandra, son of Mannipangu and grandson of Vallanapangu, a resident of Talagrama, for worship, offerings and lamps of the goddess Bhagavati of that (i.e., Sellada) village and for the repair of the temple.   |

A.—List of copper-plates examined during the year 1918-19-cont.

| , ž  | From whom reserved.   | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language.                | Disposal of the original.                  | Where and by whom to be published.  | Кепатке.   |
|------|---|--------------------|--|---|--------------------------|--|---|--|
| 2    | M.R.Ry. Chilukuri Nazayana<br>Rao, Garu, M.A., L.T., Tescher,<br>Chicacole (Ganjam district). | Eastern<br>Gariga. | Dêvêndravarman, son of Rajendravarman.                                   | :   | Sanskrit (in<br>Telugu). | Returned to the owner.                     | In the Epigra- phia Indiaa by Messrs. G. V. Rams- murthi Pan- tulu and Chi- | Records the gift of the village Viriptika in the Pushkaripi-vishaya to four brothers.  |
| 200  | Do.<br>The Collector of Nellore   | Do.                | Anantavarmadéva, son of 1)é<br>[ve*]ndravarma.                           | Lanar eclipse.  | Do,<br>Капагено          | Mill be acquired for the Government Museum | lukuri Nara-<br>yana Rao.<br>Do.  | Appears to record a gift of land in Kantaka-<br>vartani-vishaya.  States that the five hundred Svamis of Ayya-<br>vula granted as sarvanianya, the exemption<br>of the tolls, sunka, magame and birana, on<br>for passages on bullooka, buffalose or assess  |
| 10   | ; Do.   | :                  | ·<br>:   | Saka 1226,<br>Krodhi, Kar-<br>tika, 61, di<br>10, Thure-<br>day.  | Teluga                   | Do.  | :   | ted the temple of Gunnapéssars at Neilair- pattars auranued Abhimaa-Draravati and Chikk-Ayyavole. Grant of the pivilege to trade in certain articles without paying duty, to a certain Puliyama-Setti for having killed Karapaka- la Kati-Nayaka who had become a traitor to the samayas, by the merchant's of the eigh- |
| 1/11 | 190.  | Kakatiya           | Mahamandalesvarn Pratapa-<br>Rudradeva-Maharaja, ruling<br>at Orungallu. | Saka 1244,<br>Dundubhi,<br>Karttika, éo.<br>di. 6. Thurs-<br>day. | Do                       | Do.  | :   | Recordy a grant similar to the above by the same body of merchants to a certain Attena, son of Löhi-Setti for having killed Annamaraja and Singaraja the sunka-karapas (toll-accountants) of Cheruntur in Pedakapti-   |
| 2    | The Deputy Collector of Atmakur, Nellore district.  | Vijsta.<br>nagare. | Krishpadsva-Maharaya   | Śaka 1448,<br>Vybya,<br>Vaisakha, su.<br>di. Purnims,             | Sanekrit (in<br>Nagarl). | Returned                                   | :   | dess.  Unly the second and last plutes of the set are available. Records a grant of the village Kondavasali or Bhandara Penupari surnamed Krishpadeva-Maharayasamudra in Rapiru-sima which helonged to the Nelliruvalita in the Uday&chala-rajya to a number of Brahmans whose names are not given in the record.        |

B.—Stone inscriptions copied in 1918.

|            |  |                      |   |  | Tongue and |  |
|------------|--|----------------------|---|--|------------|--|
| No.        | Place of inscription,  | Dynasty.             | King.   | Date.  | alphabet.  | Remarks.   |
| 106        | COLMBATORE DISTRICT, KOLLEGAL TALUK. On a slab set up near the Maramman temple at Tagarapuram. | Vijaya-<br>nagara.   | Krishnavarmma-Mahadhiraya [i.e., Krishnadeva-Maharaya]. | Saka 1487, Bhava,<br>Chaitra, ba. di. 5,<br>Friday.  | Капагено   | degisters the grant of the village Tagavoru to Somayyadera Odeya, son of Balodeya of Moguru by Saluva. Govindaraja with the consent of his younger brother the Mahapradhana (prime minister) Saluva Timmarasa, under the orders of the king. The king is stated to be the son of Kathari-Saluva Narasimharana-Maharaja, the lord of the Southern Ocean. The dones's grand-the the Someskarashuhaya, also called Malikariuna, was the count of Vree Rada. |
| 791        | On a stone oil-mill set up in a field near the same village.                                   | Ноува ја             | Vi[ra]-Ballaļadēva                                      | Bhava, Srashthi, (Jyeshtha), ba. di. 9, Jivavara     | ро         | Gives the names of several persons that set up a mandipillar and an oil-mill. On the reverse is given the name of Somanna the son of Belaladeva (i.e., the king ?).  |
| <b>198</b> |  | :                    | :   | [1,e., Filday].                                      | Tamil      | Fragment. Refers to a tax-free devadans, to the temple of, addsvaramidajyar Pe[ri]yadesa-Nayaka (by  |
| 499        |  | :                    | :   | :  | Капатеве   | a resident?) of Koljakk alj. Records that a certain Kodanda knocked down his own head and died. Mention is made of a certain Rachanma and  |
| 000        |  | :                    |   | :  | Do         | his wife Kallabel.  In archaic characters. This is the nisidhi set up by Doranma in memory of his father Jaigevale Basavayya who troth the sengals and fulfilled the four vows   |
|            | BELLARY DISTRICT,<br>HARAPANAHALLI TALUK.  |                      |   |  |            | TRACE TROT ON POTTERS OF THE SECTION OF A  |
| <b>*</b>   | On a slab set up near the Afrians-yasvamin temple at Nandl-Be-vuru.                            | Western<br>Chalukya. | Trailokyama[Iladevu]                                    | Saka 976, Jaya.<br>Uttarayuna-San-<br>ranti, Sunday. | Do         | Registers that while Trailokyamulla-Nolamba-Pallaya-Pernanadi was ruling the No Jambuvadi] 32,000, Balla-kunde [300] and Kodambali 1,000, the 120 mahajanas of Rechohru, granted for the workhip of Jina, a garden, a wet field, 5 houses and one oil-mill to a certain Ashio anagain, of Dagica-Gana  |
|            |  |                      |   |  |            | Jagadekamalla-Nolamba-Brahmadhirāja as a unbordinate of the chief mentioned above. On the back of the slab is a partly damaged record of the same period, referring to a great made to Ahtfoleavanimuni at Baihūtu.  |
| 202        | On a beam of the Kallesvarasva-<br>min temple in the same village.                             | •                    | ::  | Saka 1480, Kala-<br>yukti, Vaisakha,<br>ba. di. 12.  | 1)0.       | <u> </u>   |
| 708        | On a slab lying in a field to the north of the same village.                                   | :                    | :   | Nandana, Marga-<br>sira, ba. di. 12,<br>Friday.      | Do.        | Vertic-Ayya by the agent virapa. Odeya immaqi Odeya. Registers gift of land to a private individual by the Mahajanas and others for the construction of a car to the temple of Basavanna.  |
|            |  |                      |   |  |            |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1918-cont.

|   | Remarks.               | gere, and Rajana-Bangevuru, by the Mahamandalachar-ya Khalesyaradsya, the rajaguru (the royal teacher) to the tammadis (Siva-worshippers). The donor is said to have propagated the new Pasupata-samaya and to have been the President of the ?? (?) (saptahattari)  | Kogalise and the chakrayarth of the 7 crore samayas of Kogalise the grift of 18 gadyanas of money and 1 mattar of land by the rajuguru Vubhana Yitavahi (i.e., Hitavahi P) deva-Rameya, to the 12 mahājanas of the agrahara of            | Dyammayanal for a water-ened in the senthe (i.e., market place).  Amaged. Rejeters the gift of the village of Bennevüru to the temple of Virupaksha.  Begisters the gift of the tax muligadore, the taxes on looms, oil mills, the five artisan classes and the taxes on the minor evennutities, by Uttaraka-Heggade and Janayya.   | Heggade for offerings and for feeding Brahmanas in the temple of Virupakehadeva. gristers the gift of a cow and a buffalo, for offerings and lamps and for feeding 12 mahajanas in the temple of virus and the temple of virus and the temple of virus and the temple of virus and the temple of virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus and virus | the keeper (ugrani) of the good buffaloes.  Tripanas, to record a gift to the temple of Virupakea at | Deparevation by the members of the district assembly (maha-nadu) among whom were beggades and samantasteoride that the Mahamandi-désars Jagadekarsalla Vira-Pandyadéva, ruling the Nonambavadi 52,000 from his capital Uohohangi, granted a vritti to the 12 Brahmana of the brahmapuri (Brahman village) of Bennegantru, to the asseties, 'fo., of the temple of Svayambhudéva at the village, while over the Kotțuru 12 and Rogali 500, was ruling from Kotțuru. Mentions in succession the Abhitava-Fashpata feachers Lakulisa, Vidyarski-Pandita,   | of a matha by a chief of Badiered by November of A. Monamber of Sadiered Co., Novembers of Sadiered by Novembers of Sadiered Sadi | eranceta. Menulods & certain<br>be same temple by a certain                                      |
|---|------------------------|--|---|---|--|--|---|--|--|
|   | . Rei                  | Registors gift of lands in the villages Holagundhe, Moringer, and Rajana-Bennevuru, by the Mahamandalacharya Khalesvaradeva, the rajaguru (the royal teacher) to the tammadis (Siva-worshippers). The donor is said to have propagated the new Pasupata-samaya and to have been the President of the 77 (?) (saptahattari) | Kogaji 600.  Records the gift of 18 gadyanas of money and I mattar of land by the rajaguru Vubhana Yitavahi (i.e., Hitavahi P) deva-Raneya to the 12 mahājanas of the agrahara of Records the gift of the 12 mahājanas of the agrahara of | Dyammayanali for a water-shed in the senthe (i.e., market place).  Damaged. Registers the gift of the village of Bennevūru to the temple of Virupaksha.  Registers the gift of the tax muligadeze, the taxes on looms, oil mills, the five artisan classes and the taxes on the minor communities, by Uttaraka-Heggade and Janayya- | Heggaqe for offerings and for feeding Brahmanas in the temple of Vintpakshadeva. Registers the gift of a cow and a buffalo, for offerings and lamps and for feeding 12 mahajanas in the temple of  | the keeper (ugrani) of the good buffaloes. Seems to record a gift to the temple of Virupakela at     | Deprevent by the members of the district assembly (maha-nadu) among whom were heggades and samantas. Records that the Mahamand-désars Jagadékarvalla Vira-Pandyadéva, ruling the Nonambavadi 52,000 from his capital Uohohangi, granted a vritti to the 12 Brahmanas of the brahmapuri (Brahman village) of Bennegantri, to the asceties, 'te., of the temple of Svayambhudéva at the village, while over the Kotturu 12 and Kogali 500, the Mahamandalsévara Nachidévaras, lord of Banavasi was ruling from Kotturu. Mentions in succession the Abhinava-félanpate fachoper Lakullés, Vidyarsái-Pandita, Dharmanasi, Pandita, Allanava-félanpate fachoper Lakullés, Vidyarsái-Pandita, | of the donor.  Damaged. Registers the gift of a matha by a chief of Bada to the temple of Nonabesvaradeva (i.e., Nonambesvara or Nolambesvara).  | Pubbarasa. Registers a gift of land to the same temple by a certain Nonambachakravarti.          |
|   | Language and alphabet. | Kanarese   | Do  | Do  | Do   | Do.  | Kanarese (prose<br>and verse).  | Kanarese   | Do   |
| • | Date.                  | :  | 10th year, Pra-<br>madhi, Phalguna<br>6n, ekadasi,<br>Monday.   | Isvara<br>Pingela, amavasya,<br>Monday.   | Chitrabhanu,<br>Bhadraoada, ba.<br>di.   | Thursday.<br>Chitrabhanu,<br>Rhadranada ama  | vasya, Mond, was vasya, Monday. 11th year, Sukla Chaitra, su sanavase, Monday, Uttarayana-sahkranti.  | 7th year, Baktakehi,<br>Prathama Śra-<br>vapa, Puppime,  | Lunar eolipse.<br>Saka 1 [0*] 95, Jaya,<br>Prathamashada,<br>Śravana, Punnime,<br>Lunar eolipse. |
| * | King.                  | :  | Yadavanarayana Bhojabala Praudha-<br>Pratapuchakravartin Vira-Ramachan-<br>dradeva.   | Mahamandalegrara Vira-Pandyadera,<br>'ruling at Udvohadgi'.<br>Pratapaohakravertin Vira-Ballaladeva   | Yadavangráyapa Prutapachakravartin<br>Vira-Narasimhadéva,  | Do.  | Pratapaohakravartin Jagadekamalladeva   | Jagadekamulladeva  | Do   |
|   | Dynasty.               |  | <b>Үа</b> фа <b>у</b> а   | Hoysala   | Do   | Do.  | Western<br>Chajukya.  | Do.  | Do.  |
|   | Place of inscription.  | On a pillar in the madhya-mandapa of the Pampapatisvamin temple at Bennehalli.   | On another pillar in the same<br>temple.  | On a pullar in the front mandapa of the same temple. On another pillar in the same mandapa.   | On the same slab   | Do   | On a slab set up ir the same temple.  | On a pillar lying near the Kalles-<br>varsevēmin temple at Bada, a<br>hamlet of Bennehalli.  | On another pillar in the same place  |
| - | No.                    | <b>40</b>  | 205   | 206   | 208  | 209  | 1003, Home (Edn.)-  | ' <b>,</b>   | ×13  |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

|           |  | -                    |  |   |                                |  |
|-----------|--|----------------------|--|---|--------------------------------|--|
| No.       | Place of inscription.  | Dynasty.             | King.  | Date.   | Language and alphabet.         | Remarks.   |
| 218       | On a slab set up near the Kalles-<br>varasvamin temple at<br>Kuruvatti.        | Western<br>Chalukya. | Tribhuvanamalladèva  | Ch. Vik. 24, Pramadhi, Jeshka, su. Paurpamashi, Sunday, Lunareolipse. | Kanarese (prose<br>and verse). | Registers grant of land and taxes on grass, firewood, vegetables, fluits and cotton exported to and imported from Kuuvvatti togetha, with money for offerings, festivals and incense and for feeding asceties in the temple of Abhinava-Somesvara by two hundred great men of the village and Kalidasa, its obief. The village and Kalidasa, its obief. The village belonged to the Bennevūru 12 which was ruled by Suicševara-fandita dova. Lakulišvara-fandita whose santana, i.e., spiritual  |
| 22        | On a slab set up in the Mallikarju-<br>nasvamin temple in the same<br>village. | Do.                  | Tribhuvanamalladeva, 'ruling at the capital Kalyāpapura.'                    | Ch. Vik. 29, Tara-<br>na, Vaisakha, su.<br>tadige, Sunday.            | Капагово .                     | descent is given in the record was present at the ceremony of grant States that the machajanas of the regrahara Gandaradityana- Hojalu, having commplained to the emperor (chakravarti) that Manneya Boppeya who cuttured Hojalu was plunder- ing all properties and killing the Brahmanas in the village, the emperor sent for Boppeya, chastised him and took from him an undertaking that the end his successors should groen the government of Holalu. The chief did   |
| <b>84</b> | On a beam in the same temple   | Gutta                | Mahamanjalesvara Vikramadityadeva,<br>' lord of Ujjenipura.'                 | Śaka 1104, Plava,<br>Pushya, ba. di. 3,<br>Friday, Sankra-<br>maņa.   | ъо.                            | accredingly in the presence of the thirty-two thousand (representatives) of Bennevon 12, Nrugunda 2, Hadangili, Mangola, Bidirahalli, Hahmun, Honravatti, Kuruvatti and Balguli and duank water at the temple of 1ripurantakndova.  Record, that, while the chief was governing the Beluhuge 70 and Bennevuru 12, his minister (pradhama) Susagalungayaka, on the sanction of the Mahamandaléévas Vijayu-l'andyarus, renewed, in the presence of the mabajanas of Kuruvatti and Uacharusa of Benneyfuru, the grant of 70 mutter of lands originally mede to the temple |
| 216       | On the same beam   | :                    | :  | :   | Kanarese (prose and verse).    | States that the five hundred evamis of Ayyavale, the nanadesis, the settie, etc., having assembled as maha-nadu at Knynvati granted the Fellinka sax to lokatharapa-   |
| 217       | Do   | Hoysala              | Pratapachakravartin Vira-Ballajadeva,<br>'residing at his palace at Baguji.' | Saka 1117, Ananda,<br>Chaitra, su. Padi-<br>va. (prathama).           | Do                             | Gift, by the king, of the villages Badaland Mukkurabbe in Benney firm 12, to Lokabbarana-Munindra, for repairs, offenines and festivals to the temple of Ahavamalleseara.  |
|           | Do   | Ъо.                  | Pratapachakravartin Rayanaldyana Vira-<br>Ballaladdva,                       | Friday.   | Do                             | Gift of the village Bada and of lands in Benneyura 12, for repairs to the temple of Ahavarrallesvara, by the Mahamanandalesvara Vira-Gamadeva, the subordivate of the king. The donor is described as the lord of Dvaravati  |
| 219       | On another beam  | :                    | ٠  | i   | Kanarese                       | and the moon of the Yadava family. Registors gift, by purchase, of land to the temple of Áhava-<br>mallesvara, by two settis.  |

| 1918—cont. |
|------------|
| ם          |
| copied     |
| ptions     |
| inscri     |
| -Stone     |
| Ħ.         |

| ¥0.                      | Place of inscription.  | Dynasty.             | King,   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
|--------------------------|--|----------------------|---|---|---------------------------|---|
| 830                      | On the wall to the right of the southern entrance into the same temple.                                      | Hoysaļa              | Yadavansrayana Pratapachakravartin<br>Vira-Ballaļadēva. | 16th year, Krodha-<br>na, Jeshta Paur-<br>nami, Sunday,<br>Lunar colipse.                 | Kanarese                  | Registers giff of land to the rajaguru Lokabharapudeva for offerings to the temple of Ahavamalladeva at Hiriya-Kuruvatti surnamed Dakshina-Varansisi by Lhandari Sovarasa, the mahapradhana of the chief queen, l'adumaladevi. The Mahapradhana was in charge of the Guttolala-nadu. Below this, in slightly smallar characters of the same,  |
| 7.5.1                    | On the same wall   | <br>Do.              | Do.   | 7th year, Pingala,<br>Jeshta, su. Punnami,<br>Monday, Lunar<br>olipse, Vyathaat           | ъ                         | Period, is a compressy won-our second.  Registers the gift of taxes on looms, artizans and oil-mills, for lamp and incense to the same temple, by the Maha-prahdanse. Utturakka-Hoggade and Mahadeva-Dannayasaka of Araeiyakaye and the Hoggade Jannaya. The  |
| 222                      | On a slab set up in the courtyard of the Afrjansyasvamin temple at Haluvagalu.                               | :                    | :   | samkramana.<br>Saka Sobha-<br>krit, Aśvija, śu di.<br>16, Wednesday.                      | Do                        | done o is the runguin Lokarinaring-Burdueva.  Damaged. Seems to register the terms of a lease (cowl) in respect of a shop built at Halwagilu. Mentions Mahana-yakacharya Basuwap a-Nayaka of Laguji and his mother Nichelmya (Nichelmyva).  |
| 223                      | On another slab set up in the same place.  | :                    | :   | Śaka 13 [11], Vibha-<br>va, Jeshta, śu. di.<br>1, Friday.                                 | Do                        | Registers the setting up of a Nanni-pillar in the sante-pete (market place) at Halnvagilu by the Aivole settial and the nummuri-dandas of the several places like Hashnavati, Helekere, Harihara, Bada, Hemavati, Karnapura, Behūru, Hariman, Lodon, in the Landanadu.  |
| 124                      | On slab set up in the Kallekvara-<br>svamin temple in the same<br>village.                                   | Yadava               | Pratapaohakravartin Ramaohandraraya                     | Saka 120 [4],<br>Chitrabhanu,<br>Vaisakha, su di.<br>14,<br>Svati, Vyaupata-              | Do                        | Registers grant of land to the schanle Jogarasi, for repairs and offering to the temple of Svayambhu-Kalinatha at Haluvägilu, by Vasadeva, the chief of the village, under orders of Harideva who was the adhikari of Pandi-nadu and a subordinate of the commander-in-phief and Mahapradiana Kannanadeva.  |
| 225                      | On a hero-stone set up in the same temple.   | Do                   | Pratspachakravartin Ramachandradeva                     | yoga.<br>14th year, Sarvajit<br>[Asvija],   | Do                        | <u>×</u>  |
| <sup>'</sup> 226<br>'237 | On a broken slab set up in a field to the north of the same village. On a slab in a private house at Tellgi. | ::                   | : :   | Monuay.  Saka 1263, Paridavi (wrong) Magha, én.di. 6.                                     | Do                        |   |
| · 228                    | On a slab set up near the Haribaréévirasvâmiu temple in the same villege.                                    | Western<br>Chalukys. | Jagadekamalladeva                                       |   |                           | Damaged. Records a gift of land to a gauda at Teligi situated in Bikkiga 70, by Jagadekumalla-Nolamba-Pallava-Permanadi ruling the Nolambavadi 32,000, Kogali 500, Ballakunde 300, Kanividi 30 and Parvai 70.   |
| 8                        | On a slab set up near the févere temple at Duggavatti.   | Do.                  | Tribbuvanamalladēva                                     | Śaka 1049, Para-<br>bhava, Pushya,<br>śu. Padiva, Sun-<br>day, Uttarayaņa.<br>Sankramaņa. | . :                       | Registers gift of land and an oil-mill for a lamp and of tax on arecanut for offerings to the god Mahadeva. by Bammadeva-Nayaka, by the chief of Duggati in Bikkiga 70 near Kōgali 600, Maha-Vaddavvahari Nambigamisetti and others. Also registers gift of money for a lamp by the Mahapradhana Favasi Indirana-Battayya, the officer in charge of the land-tax and the Mahapradhana, Dandanayaka Chodhadara, the officer in charge of the land-tax and the Mahapradhana, hejjunka tax, in Kadambatige 1,000 and Kēgaļi 600. |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—conf.

| Remarks.               | Registers that while Jagadekamalla-Nirmmadi-Nolamba-Pallara-Permanadi was ruling the Kogali 600, [Ballaratudi 300] and Karividi 30 from his residence at Gangati, his subordinate Chandinarya-Nayaka granted lands for offenings to the temple of Mulasthánadora at Tumbi-gere in Bikkiga 70 and to the assectice of a matha in the same place. At the end is another inscription dated in the 6th year of the Chalukya Vikrama era, Durmati, Uttarayana-Sathranti, recording a monthly grant of 1 pen (bundle) of betel loaf for a lamp to the same deity by Chathayya-Nayaka, son of tingguriya Maohiesthi in | charge of the pannaya tax, Dandanayaka Melamayya and Nambiyanna.  Records that this hero-hand (viragai) was granted in memory of the death of a certain Kurula by Sankarasa, an officer of the Mahapradhana and Sarvadhikari Kalidevarasa, the headman and all the inhabitants of the | village.  Damaged. Mentions the Mahanayakacharya Bagaji Basavappa-Nayuka.     | Damaged and mutilated. Mentions the Mahamandalbérara<br>Tribhuranamalla-Pandyadéra, 'Lord of Kuluvipura,<br>who was ruling Nolambaradi 32,000 and Gungaradi<br>96,000. | Registers the grant, of two panas per month out of the valdactuals tax and out of the pannaya tax in Mosajevidu to the god Ratnabhashana-Vinayaka by Herggade Vujjibhattayya under the orders of the Mahaprachana Indarana-Bhattayya in charge of the vaciduravina tax and land-tax of the Nolambavadi 32,000 us the subordinate of the Mahaprachana and Kannada-sandhivigrahi Bhōga-Bhattayya who was enjoying the vaciduravia (tax) of the 7½ hao (country) and Banavase 12,000. Registers also grant of money by the Mahadandanayaka Cholandavati the lord of the Nolambavadi 32,000 and by the members of the Vira-Banafia soct to the same temple. | Records that, while Jagadokamalla-Nanni-Nolamba-Pallava-Permaddidova was ruling the Kögali 600, Kadambalike 1,000, Ballakunde 300 and Kaneyakallu 800, Sövimayya, the ohief of Sattiyūru and Kupparasa of the Yadava family, belonging to Masavadi 140 grunted land for a lamp to the temple of Mahadova at Sattiyūru. |
|------------------------|---|---|---|--|---|--|
| and t.                 | :   | :   | :   | :  | :   | :  |
| Language and alphabet. | Капагеве  | Do.   | Do.   | Do.  | Do.   | Ъо.  |
| Date.                  | :   | Kalayukti, Śravaṇa,<br>ba.di. 1, Wednes-<br>day.  | Saka 1649, Plavan-<br>ga, Phalguna,   | [Ch. Vik.] 10,<br>Krodhi,<br>[Vya]tīpāta.  | Ch. Vik. 59, Pla-<br>vanga, Ashadha,<br>amavasya, Sun-<br>day, Dakshina.<br>yana-Sankra-<br>mapa, Vyatipats.  | Śaka 966, Taraņa,<br>Uttarayaņa-Sań-<br>krānti.  |
| King.                  | <u>:</u>  | ÷   | :   | ladeva   |   | dava   |
|                        |   |   |   | Tribhuvanamallade  | Bhulòkamalladeva  | Traijõkya malladēve  |
| Dynasty.               | Western<br>Chalukya.  | :   | :   | Western<br>Chalukya.   | Do.   | Do.  |
| Place of inscription.  | On a slab set up near the Isvaratemple at Tumbigore.  | On a hero-stone set up near the same temple.  | On a stone set up near the Abjane-<br>yaeramin temple at Ragima-<br>salayada. | On a slab bet up in the ruined Basa-<br>vervara temple in the same<br>village.   | On a slab set up near the ferara temple in the same village.  | On a slab set up near the Kallesva-rasvamin temple at Satfuru.   |
| No.                    | 230   | <b>18</b> >   | 232   | 203  | <b>484</b>  | 286  |

| 1918—cont. |
|------------|
| Ħ.         |
| oopied     |
| iptions    |
| inscri     |
| B.—Stone   |

| Proceed the convertision   Drawley   Nation   Valence    |              |  | -                      | •  | Doto   | Language and | Remarks.  |
|--|--------------|--|------------------------|--|--|--------------|---|
| Solid 986, Principle of Challedystern   Vigya-Pa-dyadova   Valskhu, End.   V   | No.          |  | Dynasty.               | King.                                      | Lago   | alphabet.    |   |
| 287 On a shib set up more the Kallstvare 288 On a broken she set up more the 289 On a broken she set up more the 289 On a broken she set up more the 280 On a pillur in the Anginayaveramin temple of 281 On a pillur in the Anjanayaveramin 282 On a pillur in the Anjanayaveramin 283 On a pillur in the Anjanayaveramin 284 On a broken she set up more the 285 On a pillur in the Anjanayaveramin 286 On a pillur in the Anjanayaveramin 287 On a pillur in the Anjanayaveramin 288 On a pillur in the Anjanayaveramin 289 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a pillur in the Anjanayaveramin 280 On a broken english 280 On a pillur in the Markaveraveramin temple at Nit- 281 On a broken cat up in the ferrar 281 On a broken processor in the Salayaveraveramin temple at Nit- 282 On a cacother here stone in the same 283 On a souther here stone in the same 284 On a broken processor in the same 285 On a souther here stone in the same 286 On a cacother here stone in the same 287 On a place.  288 On a cacother here stone in the same 289 On a cacother here stone in the same 280 On a cacother here stone in the same 280 On a cacother here stone in the same 280 On a cacother here stone in the same 280 On a cacother here stone in the same   | <b>√</b> 236 | On a slab set up near the ruined Mandli-matha at Kanchikere. | [Western<br>Chalukya.] | :  |  | Кипагово .   | Records the consecration of a lings and the grant of land to it by a sandhivigrahi while Bachimayya was ruling Gañchikege under Jugadekamalla-Nanniya-Nolamba-Pallibra-Perminana[4], the overlord of Kögali 500 and |
| 288 On a broken sibt set up near the  280 On a broken sibt set up near the  281 On a broken sibt set up near the  282 On a piller in the same temple at Yarabalan.  283 On a broken sibt set up near the  284 On a broken sibt set up near the  285 On a piller in the Abjanoyaswamin temple in the Abjanoyaswamin temple in the same village.  284 On a broken sibt set up near the  285 On a piller in the Abjanoyaswamin temple in the  286 On a broken sibt set up near the  286 On a broken sibt set up near the  287 On a broken sibt set up near the  288 On a broken sibt set up near the  289 On a broken sibt set up near the  280 On a broken sibt set up near the  280 On a broken sibt set up near the  280 On a broken sibt set up near the  280 On a broken sibt set up near the  280 On a broken set up near the  280 On a broken set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a broken set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a broken set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  281 On a slab set up near the  282 On a slab set up near the  283 On a slab set up near the  284 On a slab set up near the  285 On a slab set up near the  286 On a slab set up near the  286 On a slab set up near the  288 On a slab set up near the  289 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  280 On a slab set up near the  2  | <b>7</b> 237 |  |                        | Vijaya-Pardyadova                          | Saka 1092, Virodhi   | Do.          | Kadamball (1900. Dandandlar, the latter's subordicate Perggade Dasiyanna and Barmadeva.   |
| 243 On a pillar in the Anjaneyaswamin temple at the came visible at up near the came place.  244 On a pillar in the Anjaneyaswamin temple in the same village.  245 On a pillar in the Anjaneyaswamin temple in the same village.  246 On a here-stone set up near the Chajukyn.  247 On a here-stone set up near the Kajawa.  248 On a here-stone set up near the Kajawa.  249 On a here-stone set up near the Kajawa.  240 On a here-stone set up near the Kajawa.  241 On a here-stone set up near the Kajawa.  242 On a here-stone set up near the Kajawa.  243 On a here-stone set up near the Kajawa.  244 On a here-stone set up near the Kajawa.  245 On a here-stone set up near the Kajawa.  246 On a here-stone set up near the Kajawa.  247 On a here-stone set up near the kajawa.  248 On a here-stone set up near the kajawa.  249 On a here-stone set up near the kajawa.  240 On a here-stone set up near the kajawa.  241 On a here-stone set up near the kajawa.  242 On a here-stone set up near the kajawa.  243 On a here-stone set up near the kajawa.  244 On a here-stone set up near the kajawa.  245 On a here-stone set up near the kajawa.  246 On a here-stone set up near the kajawa.  247 On a here-stone set up near the kajawa.  248 On a here-stone set up near the kajawa.  249 On a here-stone set up near the kajawa.  240 On a here-stone set up near the kajawa.  241 On a here-stone set up near the kajawa.  242 On a here-stone set up near the kajawa.  243 On a here-stone set up near the kajawa.  244 On a here-stone set up near the kajawa.  245 On a here-stone set up near the kajawa.  246 On a here-stone set up near the kajawa.  247 On a here-stone set up near the kajawa.  248 On a here-stone set up near the kajawa.  249 On a here-stone set up near the kajawa.  240 On a here-stone set up near the kajawa.  240 On a here-stone set up near the kajawa.  241 On a here-stone set up near the kajawa.  242 On a here-stone set up near the kajawa.  243 On a here-stone set up near the kajawa.  244 On a here-stone set up near the kajawa.  255 On a here-sto | 28           | On a broken slab set up near same temple.                    | :                      | :  | Внаvи, [Јубянфа],<br>Uttarayнци-Sań-<br>киндари.   |              | Damaged. Registers gift of a garden to the villagers of Aragilvada by the Mahamandalesvara Vira-Pandydeva, ruling the Nonambavadi 32,000 and his queen Vijayadevi.  |
| Mullikarjamasvamin temple at Kauchan sleb set up near the Kallskavarasvamin temple at Yarabalu.  241 On another slab in the same place Chalukya.  242 On a pillar in the Ahjansyasvamin temple in the same village.  243 On a pillar in the Ahjansyasvamin temple in the same village.  244 On a broken slab set up near the Kallskarasvamin temple at Yarabalu.  245 On a hero-stone set up near the Kallskarasvamin temple at Yarabalu.  246 On a hero-stone set up near the Kallskarasvamin temple at Yarabalu.  247 On a hero-stone set up near the Kallskarasvamin temple at Kadatt.  248 On another hero-stone in the same  249 On another hero-stone in the same  240 On another hero-stone in the same  241 Do   | 233          | On a hero-stone set up near same place.                      | :                      | :  | Saka 1209, Sarvajit<br>Vaisakha, ba. di.<br>7, [Sunday?].  |              | Records the death of Harnpi-Seith, brother of Bangliga, Singayya of Hojalakere in a fight during the capture of Aragilavada.  |
| On a pillar in the same place Chalukya.  242 On a pillar in the same temple Yadava Pratagaabakravartin Vin. Ramachandin 15th year, Sarvajit, Po.  243 On a pillar in the Anjandyasvamin Po.  244 On a broken slab set up near the Kaljekva.  245 On a pillar in the Anjandyasvamin temple in the same village.  246 On a pillar in the Anjandyasvamin temple in the same village.  247 On a broken slab set up near the Kaljekva.  248 On a slab set up near the Kaljekva.  249 On a hero-stone set up near the Kaljekva.  240 On a hero-stone set up near the Kaljekva Prandhapratapachakravartin Vira-Rama lighty.  240 On a hero-stone set up near the Kaljekva Prandhapratapachakravartin Vira-Rama lighty year, Chitra-hand chandradeva.  248 On a nother hero-stone in the same Do.  Vira-Ramachani dranks ] Prandhapratapachakravartin Vira-Rama Pladat.  Saka 1214, Nan- Do.  Vira-Ramachani dranks ] Pandhapratapachakravartin Vira-Rama Pladat.  Saka 1214, Nan- Do.  On a pillar in the same tup in the favar Prandhapratapachakravartin Vira-Rama Pladat.  Do.  On a pillar in the same place.  Saka 1214, Nan- Do.  On a pillar in the same place.  Do.  On a pillar in the same place.  Saka 1214, Nan- Do.  On a pillar in the same place.  Do.  On a pillar in the same place.  Do.  On a pillar in the same place.  Do.  On a pillar in the same place.  Do.  On a pillar in the same place.  On a pillar in the                              | <b>√24</b>   | On a broken slab set<br>Mallikarjunasvamin<br>Kunchuru       | :                      | :  | śu ashtami, San-<br>day, Utbaiayana-<br>Sankranti.   |              | Muchaeds and incomplete. Registers gare of graders and to [the temple] at Muttamara by Vira-Pandyadeva and Vijayadevi.  |
| 243 On a pillar in the Ahjaneyasvamin Do.  244 On a broken slab set up near the Kaljekvarasvamin temple at Yarabālu.  245 On a hero-stone sct up near the Kaljekvarasvamin temple at Yarabālu.  246 On a hero-stone sct up near the Kaljekvarasvamin temple at Yarabālu.  247 On a hero-stone sct up near the Kaljekvarasvamin temple at Yarabālu.  248 On another hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  Do.  Vira-Ramachanidrarays]  On a nother hero-stone in the same  | ã ∂          | On another slab in the same place                            | <i>≯</i>               | €  |  | Do           | Mutilated and incomplete. Mentions the Mahamanda-<br>lefvara Tribhuvanamalla-[Vira-Pandya]. Registers grant of a ferfora to Kalleya-jiya Haripa-jiya for  |
| 243 On a pillar in the Afijaneyasvamin femple in the same village.  244 On a broken slab set up near the Kallekya.  245 On a broken slab set up near the Same village.  246 On a broken slab set up near the Kallekya.  246 On a broken slab set up near the Chalukya.  246 On a slab set up near the Kallekya.  246 On a slab set up near the Kallekya.  247 On a slab set up near the Kallekya.  248 On a hero-stone set up near the Kallekya.  248 On a nother hero-stone in the same  Do Vira-Ramachanidaratya] Saka 1214, Nun- Do   | ši           | On a plinar and the sound company                            |                        | таун.                                      | яч.<br>ну.   |              | the sarvadhikari Jakkarasa under the orders of Linga-<br>deva-Raņeya, son of Jajjigideva.   |
| Kallesvaraevanin temple in the Chalukya.  244 On a broken slab set up near the Kallesvaraevanin temple in the Chalukya.  245 On a slab set up near the Kallesvaraevanin temple at Yarabalu.  246 On a hero-stone sot up near the Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallesvaraevamin temple at Kallati.  247 On a hero-stone set up in the Isvara Yadava.  Praudhapratapachakravattin Vira-Ramae 121t, Nun-bhan.  Praudhapratapachakravattin Vira-Ramae 121t, Nun-bhan.  Paka 121t, Nun-Bana.  Pon another hero-stone in the same  Pon another hero-stone in the same  Praudhapratapacharagal   | ä            |  |                        | Do   | 10th year, Pramadi,<br>Ashada, ba. di<br>10, Menday.   | Do           | Registers a shingthader devarass  |
| seme village.  2446 On a slab set up near the Kallekva-  246 On a hero-stone sot up near the  Kallekvarasvamin temple at Xadava  247 On a hero-stone sot up near the  temple at Kadati.  248 On another hero-stone in the same  Do Vira-Ramachan[draraya] Saka 1214, Nun-  dana.   |              |  | ≥                      | œ  |  |              | Z   |
| Kallesvarasvamin temple at Nit-  turu.  946  Kallesvarasvamin temple at Nit- turu.  On a hero-stone sct up in the Isvara  temple at Kadati.  248  On a nother hero-stone in the same  Do  Vira-Ramachani draraya]  Saka 1214, Nan- dana.   |              | <u> </u>   |                        | Do. :                                      | Ch. Vik. 47, Šubha-<br>krit, [Pa] shya,<br>su. di. 7, Satur-<br>day, Utarayana-<br>Sankranti, Vyati- | 1)0.         | Registers gift of land for offerings to<br>Mahadeva at Erambalura by Machabova<br>1, while the Mahamandalesvara Tribhuvanam<br>va was ruling the Nolambavadi 32,000.  |
| turu. On a hero-stone set up in the Isvara Yadava Praudhapratap.chakravartin Vira-Rama - 1[2]th year, Chitra. Do temple at Kadati. On another hero-stone in the same Do Vira-Ramachan[draraya] Saka 1214, Nunday. dana.  |              |  |                        | :  | pāta.  |              |   |
| On another hero-stone in the same Do Vira-Ramachan [draraya] Saka 1214, Nun. Do Damaged. Refers to the death of dana.  | 7            |  | Yadaya                 | Praudhapratapachakravartin<br>chandraddva. | 1[2]th year<br>bhanu,<br>ha. di. 5   | Dø.          |   |
|  | 81           |  | Do.                    | Vira-Ramachan [draraya]                    | 1214,<br>a.  | ]            | Damaged. Refers to the death of<br>Godati Chattarss.  |

B.-Stone inscriptions copied in 1918-cont.

| 1   | Place of inscription.   | Dynasty.                    | King.                                      | Date.   | Language and<br>alphabet. | Ветагка.  |
|-----|---|-----------------------------|--|---|---------------------------|---|
| ō   | On a slab set up in the same place.   | <u>:</u> ·                  | Ę  | Saka * * 22, İsvala   | Капагеве                  | Damaged and mutilated. Registers grant of land to a mathla, temple and section by a certain Chikarsas [in the   |
| Ō   | On a nandi-pillar eet up by the side of the road from Gundagatti to   | :                           | :  | Śaka 984, Vaisakha,<br>su. [pañchami],  | Do. • ·                   | presence of Arryssakut-racquu. Damagod. Records gift of lands to Savimayya-Nayaka, or in or of Gundigavatti in Bikkiga 70 for the requirements of the tendon, of Adven  |
| 0   | On a nandi-pillar lying near the<br>Mukteévara temple at Gunda-<br>gatti.   | :                           | :  | Saka 986, Sol hakrit,<br>Paushya, su. di.<br>2, Sunday, Utta-                       | Do. :                     | Much demonstrated Reems to register a gift of land by Chettaya-Nayaka.  |
| 0   | On a broken slab lying near the févara temple in the same village. On a slab set up near the Bhagye-évara temple at Talavagalu, hamlet of Gundagatti. | Western<br>(hajukya.<br>Do, | Jagadèkamalladèva                          | `œ <u>̃</u>   | Do                        | Mutilated. Mentions the Mahamandalesvers Vira-Pandyadese who was ruling the Nonambavadi 32,000.  Registers gift of land for offerings and other requirements to the temple of Bhogesvers at Talavage in Bikkiga 70 which was a district of Kogali 600, by Jagadekamalla [Uda]yaddiyadeve-Nolamba-Pallava-Pernanadi, who was                 |
| Ο,  | On the same slab  | :                           | :  | kranti.<br>Śrimokha, Chaitra,<br>śu. di. 8, Monday.                                 | 1)0.                      | ruling the Nolambayadi 32,000, Kadambalige 1,000, Kogali 600, Ballakunde 300, Harage 70 and Karividi 30. Records that the ethanika of the temple of Bhogsévara having died, Chikka-Gauda, Nema-Gauda, the sixty tenanis and others appointed another man in his place.  |
| 0 0 | On a slab set up in the backyard of a house at Kallahalli.  | :                           | •  |   |                           | Damaged. Mentions Ванатара-Nayaka.  |
| )   | On a riab set up on the site of a Tadava ruined matha at Mannera-Masalavada.  | I adava                     | Fraggedbakfyvarlin Vira-Kadinechandfa.     | Daka 1219, Hema-<br>nambi (Hevilum-<br>bi), Margasira,<br>su. di. 5, Ihurs-<br>day. | .:<br>:                   | Registers gift of land to Vinayachandradeva, disciple of Nemichandra-Egyula of the Postuka-gachchha, Desi-gana and Mula-sangha by the Mubāmaṇḍa-lesvara Ehairavadevarasa, the gaudas and others, for offerings, etc., to the Jina temple at Mosa-levada which was repaired by Kesava-Pandita, son of Savamta-Pandita, the prime-minister of |
| 0   | On a slah set up in the Kallestura-<br>svamin temple in the! same vil-<br>lage.   | Western<br>Chalukya.        | Jagadekamalladeva, 'ruling frem Kal-yaņa,' | :   | Do                        | the Mahamandalestara Saleveya Tikamadeva Raneya. Records the revival of old grants and gift of fresh lands for offerings to the tumple of Molasthanadeva by the Mahamandalestara Vikramadityarasa in oharge of Mosalevada 12. Hoggade Alohana and others while the Mahamunda-lastara.   |
| ő I | On selub set up near the same<br>temple.  | Ъо.                         | Jagudekamulladeva                          | Saka 968, Bhatu,<br>Kārttika, su. Fa-<br>diva, Sunday,<br>Solar eolipse.            | Do.                       |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

|             | - 1  |                      |   |  |                           |  |
|-------------|--|----------------------|---|--|---------------------------|--|
| No.         | Place of inscription.  | Dynasty.             | King.   | Date.  | Language and<br>alphabot. | Romarks.   |
| 7269        | On a hero-stone set up near the Kalletvarasvanin temple at Basarasvani, hamlet of Straitneous hall     | Vijaya-<br>nagara.   | Bukkaraya   | Saka 1295, Patidha-<br>vi, Prathamu-<br>Bhadrapada, ba.              | Капагово                  | Mutilated and damaged. Mentions Keeharidevs.   |
| <b>2</b> 00 | On a slab set up in a field near the tank bund at Hagaranuru.  | Do.                  | Sadasivaraya-Mahataya   | Saka [14] 69, Plu-<br>vanga, Kartika,<br>gu. di. 2, Wednes-          | Do.                       | Registers gift of the village Amera [ger-] in Kolaru-sime to<br>a native of Mayliëra, by Chemma-Nayaka, son of Tamma-<br>rasa-Nayaka for the merit of Krishnar pa-Nayaka, son  |
| × 261       | On a hero-stone set up in the court-<br>yard of the Ramalingasvamin                                    | Hoysaļa              | Pratapaobakravartin Vira-Ballaladeva                                  | Saka 1132, Suklu,<br>Jeshta, su di. 5,                               | Do                        | ot Bayapa-Nayaka.<br>Highly damaged.   |
| 262         | on a slab set up near the Kallos varsavamin temple at Musu-vana-Valleball                              | Vijaya.<br>nagara.   | Acbyuta   |  | Do                        | Records gift of a part of the village of Kalahalli by Rapoji-Nayaka for the merit of the king.   |
| 7263        | <u>5</u>   | :                    | Krisb naddraraga  | Bahudhanya, Asvija,<br>ba dasami, Mon-                               | Do                        | Records gift of land to the shrine of the goddess Honnati  |
| 264         | On a slab tet up near the Rama-<br>lingasvamin temple in the same<br>village.                          | Western<br>Chalukya, | Pratapuchakravatin Jagadekamalla-<br>deva, 'ruling from Kalyapapura.' | Joth year, Prabhava, fan da, 4, Thursday, Uttaray, and krant, Vyuti- | Do                        | Ayara, a close acquantanes of the king Ayara, a close acquantanes are grant in the presence of Vanadova-Papdita, the dissiple of Kalefvara-Papditaleva, of lands for worship and offerings to the temple of Svayambhu-Mulasthana by the 8t manajanas of Alamburu while the mahamanahalefvara Nachledvaras, the sobordinate of the Mahamudaharas. |
| Jane        | (A)  | 7                    | Λ   | 0. b. 4000 Mr. 1   | ģ                         | who was ruing the Nojambayadi 32,000, was in charge of Kogaji 500.   |
| 266         | On a stone lying in a new to the north of the village of Maiduru. On a hero-stone set up in the court- | gara.                | Maharaha vira-venkatapandova-   | Saka 1000, Magna,<br>fu. pañchami.                                   |                           | rigniy damaged. Men'ions Basappa-Nayaka.<br>Much damaged.  |
|             |  |                      |   |  |                           |  |
| 7267        |  | Vijayana-<br>gara.   | Virapratapa Sadasiva. Ma[bara]ya                                      | Śaka 1469, Plaven]-<br>ga, śu. di.                                   |                           | Records the remission of taxes on the burbers of Maiduru in Kotturu-eime.  |
| 7 268       | On a pedestal of the god in the Kumarasvamin temple at   | :                    | :   | :  |                           | Records that the linage of Kumarasvamin was consecrated by Larapa-gradu, the gaudu of Muttage, for the programmer of his family.   |
| 269         | On a slab set up in the same temple.   | Ноуваја              | Pratapachakravartin Vira-Billajadova                                  | Śaka 1136, Bhava,<br>Vaisakhu, su. di.<br>1, Monday, solar           | Do                        | The stab is highly worn out. Reemalto register a gift of land for the maintenance of a water-shed at Muttage in Muttage 30, a subdivision of Kogali 500 by the chief   |
| 7270        | On a slab set up near the Afljaneya-   | Vijayana-            | Sadasivadeva-Maharaya, 'ruling from Vidvanagara.'                     | eolipse<br>Saka 1476. Par-<br>idhawi Karttika                        | Do                        | Dappaya or the village.<br>Much damaged. Mentions a certain Krishņapa-Nayaka.  |
| 1114        | On a hero-stone set up in a field to the west of the village of Kadabagere.                            | Rashtrakuta.         | Nityavareha   | Saka 844, Chitra-<br>bhanu.  | Do                        | Refers to the viotorious death of Maleyya, son of Mududara Devayya, the gavunda of Kalkenevadi, in a fight with Nanniga, son of Yelayya-Pallava of Nolambavadi, while the Mahāsavanta, Bijja[la] was ruling the Kōgaji 500 and Masiyavadi 140.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| ₩.    | Place of inscription.  | Dynasty.            | King.   | Date,  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-------|--|---------------------|---|--|---------------------------|--|
| 272   | On another hero-stone in the same  | Rashtraküta         | Nityavarnha                                     | Śaka 844, Chitra-  | Kanarese                  | Much damaged.  |
| 278   | place. On a slab set up in a field to the north of Kasayanahalli, ham-                         | Vijayana.<br>garu.  | Virapratapa Vira-Venkatupati-Mahadeva-<br>raya. | Saka 1681, Vikari,<br>Phalguna, su. di.  | Do                        | Records gift of land by Baguli Baeavappa-Nayaka to<br>Sibukapa son of Basavayya and grandson of Giremallappa   |
| +235  |  | Do                  | Virapratapa Ramadèvaraya                        | Saku 1583, Plava,  | Do                        |  |
| \$275 | On a slab set up in the Afrianeya syamin' teamle at Nichchayva.                                | :                   | ;   | 5, Saturday.<br>Saka 1650, Saumyu,<br>Jeshta, sa. di. 5.                         | Do                        | nta-Ravus of Arasikere-Mutiga. Ita-Ravus of Arasikere-Mutiga. Itagisters gift of the village Nicholapura by the Mahanayakacharya. Bagaji Basavapa-Nayaka to Subedar  |
|       | nahalli.   |                     |   |  |                           | Linguppa for his valuable service to the state in getting the tribute paid to the Hindu king reduced from 10,000 varahas to 8,000 varahas by obtaining the consent of  |
| 1278  | On a slad set up near the Atjansyn-<br>svämin temple at Hosakote.                              | :                   | :   | Śaka 1434, Pra-<br>jötpatti, Pushys,<br>ba. di. 39,                              | Do                        |  |
| -6277 | On a slab set up in the court-yard of<br>the Isram temple at Gudihalli,<br>hamlet of Hosakote. | Western<br>Chajukya | Ттібапулнати Падбул                             | Amavasya. Ch. Vik. 36, Khara, Pushya, śn. di. 11, Sunday, Utta- rayana-Sankranti |                           | Ramappa-Rahutta, the chief of the Toraga[1u] fort. Registers grant of lands by the Mahasavanta, Singarasa, the son of Kamannipa and Chattabbe, raling Kunigal 800 while l'ribhuvananalla-Pandya was in charge of the Nolambaradi 32,000 for offenings, etc., to the temple of  |
| 87.2  | On another slab in the same place  | Do.                 | Trailokyamailadéva                              | Saka 987, Vistavaen,<br>Paushya, su.<br>saptami, Sunday,<br>Utarayana-San-       |                           | Nolambešvara, for ascetios and for education. The donor's grandfather was Marasimha and the grant was made in the presence of Varesvara-P-nqita a disciple of Vannashti-Panqita whose preceptor was Divyasakti-Panqita. Registers grant of the village of Kadakola in the district of Murtage 30 in Kogali 500 by Bijjaladeva, for worship, offerings, etc., to the temple of Nolambešvara at Arusiyakerg, for feeding ascetics and for education, while |
| 279   | On a tnird slab in the same place  | J,                  | Trihhuvanamalladēva                             | kranti<br>Ch. Vik. 37 Nan-<br>dana, Pushya, su.<br>di. 11 Monday,                | Do                        | Vishnuvarddhana-Maharaja-Vijayadityndeva, ruling Kadambali 1,000, Kogali 500 and Ballakunde 300 was encamped at this place on his way for the conquest of the south, under the orders of the king.  !!ecords the gift of the tax called waddaravula and two gardens, made in the presence of Varestvara-Pandita, for festivals and effenties to the temple of Nolambérvara at Arising the condition of Kolambérvara in Muster.                           |
|       |  | •                   | ,   | ranti, Vyuttpata.  |                           | 500. States that the mahasmantadhipati Anuntapalarys was in churge of the same tax over the 7½ lakhs (country), that his subordinate the mahapradham Madirajaras was in charge of Banavase 12,000, Halsaiga 12,000 and Nojambavadi 32,000 and the latter's subordinate the Dundandanka l'ayannarass was mansging Nojambavadi Syannarass was mansging Nojambavadi   |
|       |  |                     |   |  |                           | 32,000 and that Chamundamayya-Nayaka was, under the orders of the last, in charge of Kadambajike 1,000 and Kogaji 500.   |

| 1918—cont.   |
|--------------|
| Ħ.           |
| copied       |
|              |
| inscriptions |
| BStone       |
| Н            |

|               | Place of inscription.  | Dynasty.             | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Кепагва.  |
|---------------|--|----------------------|---|--|---------------------------|---|
| 082,          | On a pillar in the front mandapa of<br>the same temple.                    | Vijaya-<br>nagara    | Krishparaya-Mahataya  | Saka 1449, Sarvajit,<br>Sravaņa, 60. di.<br>10.  | Капатсво                  | Records that Timmsras, son of Rangadasa, ruling over Arasisere, repaired the slute of the truk in the village, under the orders of Nagarasa who was governing the Kotturu-sime and was the agent of Rayasta Narapapa, son of Tirumarasa of the hing's gold tressury. The last was in charge of Nombhan-Arasisere in Kotturu-sime.       |
| ,<br>281<br>C | On a slab lying in a field to the south of Anijigere.                      | Ноува ја             | Vira-Narasimhadeva, 'who established the Chōṭakingdom.'     | Saka 1146, Chitra-<br>bhanu, Pushya,<br>be. ashtami, Mon-<br>day, Uttarayana-<br>Sankramana. | Do                        | Giff of land for offerings and lamps to the temple of Kalideva at Kachegola in Uchchangi 30, by Pallavasavanta of Asagodu, a subordinat, of the mabaprachana Ammanna-Dannayaka.   |
| 283           | On a slab set up near the lavara   | Western<br>Chalukya  | Pratapachakravartin Jagadekamalladeva                       | Vyatipata. [Pramadi], Kartika, Amavase, Mon-   | Do                        | Much damaged. Records gift of land, for offerings and worship, to the temple of Artesvara at Knohegola by Jacabicamulla-Vira-Pandyadeva.  |
| -283          |  | Vijaya-<br>nagara.   | Vicapratapa Devaraya-Maharaya, 'rnling<br>at Vijayanagara.' | Saka 1341, Vikari,<br>Kartika 6u. di.<br>[1], Sunday   | Do.                       | Records that, under the orders of the king, Hariyappa, con of Lakkappa gave nent-free lands to Singanna, son of Vitharsu and others for having constructed a tank and founded a village called Hariyasamu[dra] to the east of   |
| 1882          | <u> </u>   | :                    | :   | :  | Do                        | Nonabana-Arasiyakere by reolaiming the forest. Mutilated. Refers to the attack made on the fort of Uohchangi and the death of Madava who is said to be of the Yadava family and the mahasamanta of Ballaha. Kafelhani is mentioned.   |
| 285           | On the pedestal of a dhajastambha  | :                    | :   | Saka 1630, Sarva-dhari, Sravana,   | Do                        | States that Sureraya Hiryanna of Tambarahalli set up this lamp-pillar to the goddess Uchohangamma.  |
| 286           |  | Western<br>Chāļukya, | Trailokyamalladova  | faka 986, Krodhi,<br>Chaitra, Paurpi-<br>ma, Sunday.   | Do                        | Records a grant of land and tank in Uchchang; fort made by Bijjaladeva in the presence of Kagesvara-Pandika to the temple of Galagesvara while Vishnuvarddhaua-Makaraju-Vijayadityadeva was ruling Nolambaradi 32,000. Accounts for the origins of the four names Meghanatha,   |
| 287           | On a slab set up near the Kalles-<br>varasvamin temple at Bama-<br>ghatta. | Do.                  | Tribhuvanamallad@va   | Ch. Vik. 48, Subha-<br>krit, Utarayapa-<br>Sankranti.  |                           | Z   |
| 28 <b>8</b>   | On a slab set up near the Afijans-<br>yasvāmin temple at Chatna-<br>halli. | Vijaya-              | Virapratapa Krishparaya-Maharaya                            | Saka 1446, Svabba-<br>nu, Kartika, 60.<br>di. 12, Monday.                                    | Do. :                     | at Trikute. Also registers grant on money for a reary of the Muhammadalesvara Chatțarara and others Registers the grant made on the ranks of the Tungabhadra for the merit of the king, of the village of Chatanahalli situated in the Uchangi-vēņțe which was a nayankars of Visana-ravutta, son of Murkri-ravutta to Narayana-bhatte. |

1008, Home (Edn.)-7

B.--Stone inscriptions copied in 1918-cont.

| No.              | Place of inscrintion.   | Dynasty.             | King.                                  |                   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|------------------|---|----------------------|--|-------------------|--|---------------------------|--|
| 68               | On a slab set up near the Kalledva-ravemin temple in the same village.                                      | Western<br>Chalukya. | Prutapachakravartin Jagadekamalladeva. | ad Okama Had Ove. | 9th year, Keha-<br>ye, Jeshtha, su.<br>di. 16 honday,<br>Lunar eolipse,<br>Vishu Sankramana. | Капатево                  | Refers to the construction of an old agrahars, tank and the temple of hoyyekwars and registers a gift of land made in the presence of the Siva-Brahmin Uyakkondu-Bhatth of Pulpallatu for bath, offerings, presira festivals in the month of Chaitra, lamp, worship and sepairs to the temple, by the Dandanayaka Gajaya-Raya-Pāndyadeva, who was ruling over the Uchohnigi-nadu for his own merit and that of Jagadekamalla-Vira-Pāndyadeva ruling Nojambaradi 32,000. Records also a grant of land for feeding Brahmans in a manha for the merit of land far feeding |
| 7 \$80           | On a slab set up near the Kalles-<br>vareavamin temple at Punaba-<br>gatta.                                 | Do.                  | Trailokyamelladeva                     | :                 | Saka 974, Nandan, Pushys, su, di. 1, Thursday, day, Uttarayana.                              | Do                        | deva and Sovaladevi.  Registers gift of land for offerings to the temple of Mahadeva at Hosagere by Nolamba-Mahadevi, wife of Traidek vanallan-Igiva-Nolamba-Pallava-Permananadi-Narasinghadeva.   |
| 30               | On a slab cet up near the Kalles-<br>versavamin temple at Nandi-<br>kamba, hamiet of the same vil-<br>lage. | Ď.                   | <b>υο</b> .                            | :<br>:            | Sahkranti.<br>Saka 974, Nandana,<br>Magha, Amayas-<br>ya, Sunday,<br>Uttarayana-             | . Do.                     | Records grant of the village of Puliteysghatta made in the presence of Somesvara-Paudita, to the temple of Radambesvara, by Kateya. Nagatyaraa, ruling the Kadambalige 1,600 and born in the family of Maythavaraman.  |
| 865 <sub>c</sub> | On a slab set up in the tank-bed at<br>Eire-Megalageri,   | Do.                  | [Trailokys]malladers                   | :                 | Saka 981, Vikari,<br>Sravana, Pompi-<br>me, Lunar eclipse,                                   | Ъэ.                       | Damaged. Gift of land to the temple of Svayanbu-Kullideval at Meganagege by the Mahlamandalestara Singapader, who was ruling over Uchobangi 30.  |
| 848              | On the mme sigh   | ů                    | Praistkyamalladers)                    | :                 | Vishu-Sanktanti. Saka 9[8]3, Plava, Jehtha, Amsvas. ya, Sunday, Solar eolipse.               |                           | Gift of land to the temple of Svayambhu-Kalidevasvami at Meganangere situated in Kadambalike 1,000, by Pergede-Dandanayaka and Kesimayya-Pandanayaka.  |
| 762              | On another slab in the same place .   | å                    | Jegadekemalisdera                      | :                 | Saka 943, Durmati  | Do,                       | Damaged. Mentions the Mahasamantadhipati Dandana-<br>yaka Polamayya. Below this is a damaged record which<br>mentions the king and the Saka year 956. Srimukha,<br>and which registers a grant of land for offerings and   |
| 8                | On the same slab  | :                    | :                                      |                   | Seka 975, Vijeya,<br>Ashacha, su. di.<br>3, Sunday.  | Po                        | lamps.  Records a gift of land to the temple of Byayambhudeys at Megausgere by Jagadekamalla-Nojamba-Brahmadhi-[raya].   |
| 986              | On a slab set up near the Basavest-<br>varasvanin temple in the same<br>village.                            | <u>:</u>             | :                                      |                   | Khara, Chaitra, su.<br>bidige, Thure-<br>day.  | <b>D</b> o.               | Damaged. Records that while the Mahamandalesvara Vijaya-Pandyaaddun the younger brother of Vira-Pandya and the son of Raya-Pandya by his queen Eomador was ruling over the Nolambavadi 32,000 from his residence at Uchchangi, his subordinate Govindadova-Dandanayaka made a grant of land to the temple at Megana [géri]. Vijaya-Pandya's ohief minister was Vanavannuvenda of Velaiyamlakkam.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—conf.

| , <b>K</b>   | Place of inecription.   | Dynasty.            | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|--------------|---|---------------------|--|--|---------------------------|--|
| 782          | On a hero-stone set up near the Shuharshingasvamin temple at  | Kashtra-<br>kota(P) | Wallabba(P)  | Saka 8 • •   | Kanarese                  | Damaged. Sceme to state that Ayyapayya was ruling Masaradi and Kögali.   |
| 8            | On a slab set up in the same place  | Western the Chaluky | Trailökyamalladera   | Saka 970, Karva-dhari, Magba, su.di. 6. Sunday.<br>Uttarayana.<br>Saokranti. | Do.                       | Becords that while Narasinghadeva was ruling the Kogaji 500, Kadamtajige 1,000, Balakunde 300 and Sindavadi 1,000, Nanniya Butabbarasi, Kekarasa and the 120 mahajanas of Siivelli granted in the presence of Vidyanidhi-Pandita, disciple of Tejonidhi-Pandita, disciple of Tejonidhi-Pandita, land to the temple |
| 300          | On another slab set up in the same  | :                   | :  | Fubbanu  | Do                        | of Sankhatadeva in that village. Incomplete. Records that Aimmadi-Nolumba was ruling   |
| 300          | place. On a slab set up near the Lingalaya well in the same village.  | :                   | :  | Saka 1461, Vikari,<br>Bhadrapada, su.  | Do                        | Rogali and Kadambali countries. Register the construction of the Lingalayya well by Rayakara Ramappayya for the nerit of his son Lingal-   |
| -801         | On the same slab  | :                   | :  | di. 15.<br>Saka 1461, Vikari,<br>Nabhas.                                     | Sanskrit and<br>Kanarese. | Ð  |
| 808,         | On a slab set up near the Gopala-<br>krishpawamin temple at Tim-<br>malapuram (Hospet taluk,<br>Rallary districk) | ·<br>:              | ÷  | Saka 1461, Vikari,<br>Bhadrapada, su.<br>di. 12.                             | Kanerere                  |  |
| 8 <b>0</b> 8 | ō   | :                   | :  | :  | Sanskrit and              | Copy of No. 301 above.   |
| <b>5</b>     | On a slab set up near the Mallikar. jurn temple in the tame village.  | :                   | :  | Saka 1461, Vikari,<br>Bhadrapada, 4u.  | Kanalese .                | Registers the construction of the femile of Mallikanuna by Namassivaya, the officer of Bayakara Ramappaya,   |
| 308          | On the same slab  | :                   | :  | gı. 1 [6].   | Sanskrit and              | tof file own ment. Copy of No. 301 above.  |
| 306          | on a sleb set up near the Siva temple in the same village.  | :                   | :  | Saka 1461, Vikari,<br>Bhadrapada, su.<br>di. 12.                             | Kanarese                  | Registers the construction of the temple of Bachésrens, Annoesvars and Krishnesvars by Bayekars Ramappays for the ment of his uncle Bacherssayn, his aunt  |
| . 807        | T On the same wish TINNEVELLY DISTRICT, TENKASI   | :                   | :  | :  | Sanakrit and<br>Kanarese. | చ్   |
| , 308        | On west wi  | Pandys .            | Jatavar [man] alisa Tribhuvanschu [bra]- 13 + 10th year vartin Kulsse [kharadera]. |  | Tamil                     | Pamaged and stoles missing Registers a gitt of land for offerings, to the tample of Kailsamudaiya Kayanar at Mayantaya nalby albes Vikrama-Pandyapuram in Mulji-   |
| 808          | On the same wall  | Do.                 | Strallabbadeva   | 7th  | .:<br>Do.                 | Recerts that the temple of Srikayilasamudaiyar at Magantayanallur alus Vikrama-Pandyapuna in Mullinaddu, was built of stone by a certain Majar-Amuduh.   |
| 810          | On the north wall of the same shrine.   | Do.                 | Jata[ve]rmen elise Fribhuvenechekre-<br>vertin Kulasekheradeve.                    | ng   | Do                        | oheyda-Mani-Paguvayan of Kiliyur. Registers a gift of money (anai-achehu) ton a lamp, by a mordant and a few other residents of the city of  |
| =            | On the came wall  | . Do                | Do. do.  | [2]ad ,,   | Do.                       | Gift of money for lauge and offerings to the same temple.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| On the south wall of the mandapo Pandya . Magavarman alias Tribhlyana, Johkra . Lost   | No.         | Place of inscription.             | Dynasty.          | King.                                   | Date.               | Language and | Remarks.   |
|--|-------------|-----------------------------------|-------------------|---|---------------------|--------------|--|
| On the south wall of the mapdapa Papays Magavarman alias Tribha(vana)dakm. 6 + lst   |             | 4                                 |                   |   |                     | a puster.    |  |
| In front of the same will  On the west wall of the same  Do. Maravaman alias Tribhuvansohakra-  On the same wall  On the same wall  On the same wall  Do. Maravaman alias Tribhuvansohakra-  Ville  Virtual Sundara-Paddysdva,  Do. Maravaman alias Tribhuvansohakra-  Ville  Virtual Sundara-Paddysdva,  Virtual Sundara-Paddysdva,  Virtual Sundara-Paddysdva,  Virtual Sundara-Paddysdva,  Do. Maravaman alias Tribhuvansohakra-  Ville  Virtual Sundara-Paddysdva,  Virtual Sundara-Paddys | 919         | On the south well of the mandana  | Pandva            | Maravarman alias                        | + 1st               | Tamil        | Stones out of order. Provides for lamns to the shrine of       |
| On the same wall of the same Papaya Sandara-Papayaders Stryest Stryest Sandara-Papayaders Stryest Sandara-Papayaders Stryest Stryest Stryest Stryest Stryest Stryest Stryest Stryest Stryest   | :           | in feach of the same abrine.      |                   | vartin dyadeva.                         |                     |              | Kunramerinda-Pilla   |
| On the west wall of the same  On the same wall  On the same wall of the same  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-1+1st  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-1+1st  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-15 year  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-15 year  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-15 year  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-15 year  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 4-15 year  Do. Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 6-15 year  Do. Sundara-Pandyadera, who took and presented the Onda country.  Natur.  On a stone set up near the dam at the fam at a sone set up in the kamnalar  Natur.  Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 6-15 year  Kaduvetti.  On a slab now worshipped as Magavarman aliar Tribhuvanachakra- year ountry.  Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 6-15 year  Saka 1619 (Ran- 6-16) year  Saka 1619 (Ran- 6-16) year  Magavarman aliar Tribhuvanachakra- 6-15 year  Natur.  Nat   | 318         | :                                 |                   | Parakesarivarman                        |                     | Vațteluttu   | Registers a gift of land for offerings to the temple of        |
| On the west wall of the same  Do Magavarian aliae Pribhuvanachakta.  On the same wall of the same  On the same wall of the same  On the same wall  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  The took and presented the Oncla country.  Westin Salamaga.  On a slone set up near the dam at the tank near Papaga.  Raduvetti.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Raduvetti.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Raduvetti.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Connergy.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian aliae Tribhuvanachakta.  Do Magavarian Benidire Be  |             |                                   |                   |   |                     |              | Tiruna ana-Vinnagar-Perumanadigal at Marandayanallar           |
| Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  On the same wall of the same  On the same wall of the same  On the same wall  Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  Do. Magavarman aliae Tribhuvanachakra-  Lilje ,,  2nd year year year  2nd year   |             | :                                 |                   |   |                     | Thomas       | a trahmadéya in Kajakkudi-nadu,                                |
| On the same wall   | <b>8</b> 14 | of the                            | Fapdya            | Subustrating analysis                   | :                   | ·· IImu      | Stones inlight, deems to register a gift of land for a         |
| Do. Maravaman alias Tribhuvanachakra- [1]se ,  | 215         | 4                                 |                   | Maragraman aliae                        | :                   | Do           | Begins with the introduction unwiference (1:14 of land for     |
| On the same wall   | 9           | 2                                 |                   | vartin fundara-Pand                     |                     |              | offerings to the shrine of Vinayaka-Pillsiyar at               |
| On the same wall   |             |                                   |                   |   |                     |              | Kuruohohi alias Virakera[la]nallur situated to the west        |
| On the same wall  Do. Marevarman alias Tribhuvanachakra.  Jo. Bundara-Pandyadava, who took and presented the Chola country.  Sundara-Pandyadava, who took and presented the Chola country.  On a sinb set up near the same  Nottur.  On a sone set up in the Kammalar  Street in the same village.  On a sone set up in the rained Siva  Marevarman alias Tribhuvanachakra.  Tribhuvanachakra.  Wadasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Do. Jaylavarman alias Tribhuvanachakra.  Wagasami at Kalunirkulam.  Wagasami at Kalunirkulam.  Wagasami at Kalunirkulam.  Wagasami Sura Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Johu Wagasami.  Wagasami Joh | ,           |                                   |                   | Management of ige Tribburganoohabra-    | ;                   | 5.           | of Marandayanallur.  |
| Do. Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Do. Bundara-Pandyrddva, "who took and presented the Chols country."  Do. Bundara-Pandyrddva, "who took and presented the Chols country."  Sulfage.  Do. Bundara-Pandyrddva, "who took and presented the Chols country."  On a stone set up near the same  Validge.  On a stone set up near the dam at the Chols country.  Nottur.  On a stone set up near the dam at the Chols country.  Nottur.  On a stone set up near the dam at the Chols country.  Nottur.  On a stone set up near the dam at the Chols country.  Nottur.  On a stone set up near the dam at the Chols country.  Nottur.  Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and country.  Attrification and country.  Attrification and presented the Chols country.  Attrification and c | 418         | On the same wall                  |                   | vartin Kulasekharadeva, 'who was        | 2                   | ;            | and betel-leaves by the mudalis and nagarattars of             |
| Do Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Do Sundara-Pandyandava, who took and presented the Chola country.  Do Sundara-Pandya, who took and presented the Chola country.  Notitur.  On a stone set up near the dam at Waivilra "Jraman Sivalamagan  Notitur.  Notitur.  Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Stragments in the ruined Siva Pandya.  Watin Sundara-Pandya.  Ativilra "Jraman alias Tribhuvanachakra.  Watin Sundara-Pandya.  Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Watin Sundara.  Watin Sundara.  Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Watin Sundara.  Watin Sundara.  Watin Sundara.  Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Watin Sundara.  Magawarman alias Tribhuvanachakra.  Watin Sundara.  Magawaria Aliakkalangal.  On a slab now worshipped as Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Magawaria Yanin Herman alias Tribhuvanachakra.  Magawaria Aliakkalangal.  On a slab now worshipped as Magavarman alias Tribhuvanachakra.  Magawaria Sunday.  Vasandarii, 16  Magawaria Aliakkalangal.  On a slab now worshipped as Magar-Perumal Aliviraranag alias Vasanday.  Vasandarii, 16  Magawaria Sunday.  Vasandarii, 16  Magawaria Aliakkalangal.  Magawaria Aliakalangal.  Magawaria Aliakalangal.  Magawaria Aliakkalangal.  Magawaria Aliakalangal.  Maga                 |             |                                   |                   | pleased to take every country '.        |                     |              | Vikrama-Pandyapunam to the temple of Kailasamudaiya-           |
| Do Sundara-Paddyadava, who to be at up near the same wall Do Sundara-Paddya, who took and presented the Chola country.  On a stone set up near the same by the Chola country.  Nottur.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up near the same village.  Ativical and street in the same village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  Ativical and street in the same village.  On a stone set up near the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village and street in the same village.  Ativical and street in the same village and street in the same village and street in the same village.  Ativical and street in the same village and street in the same village.  Ativical and street in the street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the same village.  Ativical and street in the street in the same village.  Ativical and str               |             |                                   | ć                 |   | 99md wasn           | ź            | Nayanar at that village.                                       |
| Do Sundara-Pandyae, 'who took and presented the Ohola counity.  On a stone set up near the same village.  On a stone set up near the dam at training the same village.  On a stone set up near the dam at training the same village.  On a stone set up near the dam at training the same village.  On a boulder in the same village.  Fragments in the ruined Siva Marwarman alias Tribhuvanachakrathemple at Kilakkalangal.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakrathemple varin Sundara-Pandyaeldeval.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alias Tribhuvanachakrathemple varin Sundara-Pandyaeldeval.  Adjagan-Perumal Ativiraranan alias Washan, 11th year Yearn, Neahan, 7 ba. di. Adjagan-Perumal Ativiraranan alias Siraaliahadeva.  Adjagan-Perumal Ativiraranan alias Saraaliahadaranan Aritham.   | 212         | Do.                               |                   | Maravarman ali                          |                     | :<br>:       | Stones out of order Revisters a pift of land for morning.      |
| Do Bundara-Pandya, who took and presented the Ohola country.  On a stone set up near the same Do Ativi[ra *]raman Sivalamagan.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a stone set up in the Kammalar street in the same village.  On a boulder in the tank near Pandya Magavarman alias Tribhuvanaohakra.  Kaduvetti.  On a slab now worshipped as temple at Kilakkalangal.  On a slab now worshipped as Do Javivarman alias Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Javivarman alias Tribhuvanaohakra.  Saka 150[8], [2]3rd varna alias Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Javivarman alias Tribhuvanaohakra.  Adasan. Adasan. Adasan. An Do Javivarman alias Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Javivarman alias Tribhuvanaohakra.  On a slab set up near the dam at Kalunirkulam.  Adasan. Perumal Adasan. Penumal Atviraranan alias Tribhuvanaohakra.  Vasantarin, Adasan. Adasan. An Arithurana. An Arithurana. An Arithurana. An Arithura.   | 010         | On the same wan                   | ;<br><del>}</del> | vartin Sunda                            |                     | :            |  |
| Un a stone set up near the same  United Shapes.  On a stone set up near the same  Village.  On a stone set up near the dam at  Nottur.  Nottur.  On a stone set up near the dam at  Street in the same village.  On a boulder in the tank near village.  Bragments in the ruined Siva  On a slab now worshipped as  Do.  Natiavarman alias Tribhuvanachakra- vartin Sundara-Paṇḍyaldeval.  Washarman alias Tribhuvanachakra- vartin Sundara-Paṇḍyaldeval.  Washarman alias Tribhuvanachakra- vartin Sundara-Paṇḍyaldeval.  On a slab now worshipped as  Do.  Natiavarman alias Tribhuvanachakra- vartin Sundara-Paṇḍyaldeval.  Vasanitatin,  Madasami at Kalunirkulam.  Natiavarman alias Tribhuvanachakra- vartin Sundara-Paṇḍyaldeval.  Vasanitatin,  Madasami at Kalunirkulam.  Natiavarman alias Tribhuvanachakra- vartin Sundara-Paṇḍyaldeval.  Vasanitatin,  Madasami at Kalunirkulam.  Vasanitatin,  Madasami at Kalunirkulam.  Agagan-Perumal Ativiraranan alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Madasami at Kalunirkulam.  Vasanitatin,  Agagan-Perumal Ativiraranan alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Madasami at Kalunirkulam.  Vasanitatin,  Agagan-Perumal Ativiraranan alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Madasami at Kalunayananana alias Tribhuvanachakra- vartin Sundary.  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Agagan-Perumal Ativiraranan alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Madasani,  Agagan-Perumal Ativiraranan alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Agagan-Perumal Ativiraranan alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Madasani,  Agagan-Perumal Ativiraranana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Ativanana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Agagan-Perumal Ativiraranana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Ativanana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Agadani,  Ativanana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Ativanana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Ativanana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Ativanana alias  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vasanitatin,  Vas |             |                                   |                   | d presen                                |                     |              | was set up in the temple of Kallasamudaiya-Nayanar at          |
| Do Sundara-Paudya, 'who took and presented the choice country.  Village.  On a stone set up near the dam at street in the same village.  On a boulder in the tank near street in the ruined Siva Do Maravarman alias Tribhuvanachakrater Chola country.  Bragments in the ruined Siva Do Maravarman alias Tribhuvanachakrater Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Do Javilavarman alias Tribhuvanachakrater Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Madadami at Kalunirkulam.  Do Javilavarman alias Tribhuvanachakrater Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Madadami at Kalunirkulam.  Agan-Perumal Ativiraranan alias Tribhuvanachakrater Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Madadami at Kalunirkulam.  Agan-Perumal Ativiraranan alias Tribhuvanachakrater Chola country.  Madadami Sina Do Javilavarman alias Tribhuvanachakrater Chola Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Agan-Perumal Ativiraranan alias Tribhuvanachakrater Chola Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Agan-Perumal Ativiraranan alias Tribhuvanachakrater Chola Chola country.  Madadami at Kalunirkulam.  Agan-Perumal Ativiraranan alias Tribhuvanachakrater Chola                          |             |                                   |                   |   |                     |              | Magandayanallur alias Vikrama-Fandyapuram, by                  |
| Un a stone set up near the same  village.  On a stone set up near the dam at  Nottur.  On a stone set up near the dam at  street in the same village.  On a boulder in the tank near  Kaduvetti.  Fragments in the ruined Siva  On a slab now worehipped as  Madasami at Kalunirkulam.  Madasami at Kalunirkulam.  Alagan. Perumal  Alagan. Perumal  Aritarana alias  Tribhuvanaohakra  Tribhuvanaohakra  Alagan. Perumal  Alagan. Perumal  Alagan. Perumal  Alagan. Perumal  Aritaranan  Aritaranan  Alagan. Perumal  Aritarananan  Alagan. Perumal  Aritarananan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Alagan. Perumal  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritaranan  Aritarananan  Aritaranan  Aritarananan  Aritaranan  Aritaranananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritarananan  Aritaranananan  Aritaranananan  Aritaranananan  Aritaranananan  Aritaranananananan  Aritaranananananananananananananananananana   | 319         | Do                                |                   | Sundara-Pandya, ' w                     | :                   | Do.          | Stones out of order. Seems to register a gift of money.        |
| On a slab set up near the dam at No Ativi[ra _ jrāmsin Sivalamāṣāṇ Ativi[ra _ jrāmsin Sivalamāṣāṇ Ativi[ra _ jrāmsin Sivalamāṣāṇ Rollam p. 902, Plavange, Vai. gadī, 29 Argadī, 29 Argadī, 29 Argadī, 29 Argadī, 29 Saka l[61]6 [Randri] (wrong), Argaments in the tank near Paṇḍya Makavarman alias Tribhuvanaohakra 11th year Makavarman [alias Tribhuvana]ohakra 11th year Mayavarman [alias Tribhuvana]ohakra 2nd Vayra, Maqadami at Kalunirkulam. Alagan-Perumāļ Ativirarānsṃ alias Srivallabhadēva. Ativirarānsṃ alias Srivallabhadēva. Ativirarānsṃ alias Ativiraransa, Ariṭam.   | ,           |                                   |                   | the Chola country.                      |                     |              |  |
| On a slab set up near the dam at street in the same village.  On a boulder in the tank near Pandya Kaduvetti.  Fragments in the ruined Siva Do Magravarman alies Tribhuvanaohakratemple at Killakkalangal.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakratemple at Kalunirkulam.  On a slab now worshipped as Strvallabhadeva.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Jatilavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now worshipped as Do Abalavarman alies Tribhuvanaohakra.  On a slab now wo  | 1820        |                                   |                   | Ativi[ra Jisman Sivalamanan             | :                   | Do. :        | f land in Magandainallur as a                                  |
| On a slab set up near the dam at  Nottur.  Nottur.  Nottur.  On a stone set up in the Kammajar street in the same village.  On a boulder in the tank near Pandya wartin Sundara-Pandyadeva.  Raduvetti.  Fragments in the ruined Siva Do.  Majavarman alias Tribhuvanaohakra-tem On a slab now worshipped as Majavarman aliae Tribhuvanaohakra-tem Saka 150[8], [2]3rd vartin Sundara-Pandyaldeva].  On a slab now worshipped as Do.  Jatilavarman aliae Tribhuvanaohakra-tem yaya, vartin Kone[rmai]koudan Perumal Ottarāyana, Vasantaritu, Mesha, 7 ba. didasmi, Sunday, Sarivallabhadeva.  Agamaranan aliae Tribhuvanaohakra-tem yaya, vartin Kone[rmai]koudan Perumal Ottarāyana, Vasantaritu, Mesha, 7 ba. didasmi, Sunday, Vanjakarana, Aviţtam.   | •           | village.                          |                   |   |                     |              | Nachchivar, for worship and offerings.                         |
| Nottur.  On a stone set up in the Kammalar street in the same village.  On a boulder in the tank near Pandya. Magavarman alias Tribhuvanaohakra dril (wrong). Arpati. 15.  Fragments in the ruined Siva Do. Magavarman falias Tribhuvanalohakra alba now worshipped as Do. Jatiavarman alias Tribhuvanalohakra. Saka 150[8], [2] 3rd varin Sundara-Pandyaldera]. Saka 150[8], [2] 3rd varin Sundara-Pandyaldera]. Saka 150[8], [2] 3rd varin dadaami at Kalunirkulam. Anjagan. Perumal Ativiraranan alias Tribhuvanaohakra. Vasan. Vasania, Sunday, Vasaniakarana, Siva aliabhadera. Avittam.  | 1,821       |                                   | :                 | :                                       |                     | Do           | States that the dam was constructed by a certain Narapap-      |
| On a stone set up in the Kammajar Maravarman alias Tribhuvanachakra-drij (wrong), Arpadi, 16.  Kaduvetti.  Kaduvetti.  Fragments in the ruined Siva Do Maravarman falias Tribhuvana ohakra-who vartin Sundara-Pandyaldeval.  On a slab now worehipped as Do Jatilavarman alias Tribhuvana ohakra-bandyaldeval.  Madasami at Kalunirkulam.  Alagan-Perumaj Ativiraranan alias Tribhuvana ohakra-bandyaldeval.  On a slab now worehipped as Do Jatilavarman alias Tribhuvana ohakra-bandana, Termal Aliarananan alias Tribhuvana ohakra-bandana, Termal Aliaranananananananananananananananananana   |             | Nettur.                           |                   |   |                     |              | payyan a resident of Sokkanadapuram which was a                |
| Street in the same village.  On a boulder in the tank near Pandya.  Kaduvetti.  Fragments in the ruined Siva Do.  a slab now worshipped as Madasami at Kalunirkulam.  Madasami at Kalunirkulam.  Magasam-Peruma alias Tribhuvanaohakra.  Who was pleased to distribute the Chole country.  Magasami at Kalunirkulam.  Madasami at Kalunirkulam.  Alagan-Peruma Aliviraramen alias Tribhuvana Johakra.  Tribhuvana Johakra.  Magasami at Kalunirkulam.  Alagan-Peruma Aliviraramen alias Tribhuvana Johakra.  Medasami at Kalunirkulam.  Medasami at Kalunirkulam.  Alagan-Peruma Aliviraramen alias Tribhuvana Johakra.  Washarana.  Alagan-Peruma Aliviraramen alias Tribhuvana Johakra.  Vasaniakarana.  Alagan-Peruma Aliviraramen alias Tribhuvana, Aliviraramen alias Tribhuvana, Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Aliviraramen alias Ali | 322         | On a stone set up in the Kammalar | :                 |   | Saka 1/6176 Rau-    | Do.          | Records certain restrictions imposed on industrial classes     |
| On a boulder in the tank near Pandya Maratman alias Tribhuvanaohakra. 11th year  Fragments in the ruined Siva Do Maratman alias Tribhuvana ohakra. who was pleased to distribute the Chols country.  Maratman alias Tribhuvanaohakra. who was pleased to distribute the Chols country.  Maratman alias Tribhuvanaohakra. who was pleased to distribute the Chols country.  Maratman alias Tribhuvanaohakra. 2nd ,  Maratman alias Tribhuvanaohakra. who was pleased to distribute the Chols country.  Maratman alias Tribhuvanaohakra. who was pleased to distribute the Chols country.  Maratman alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Maratman alias Tribhuvana ohakra. who was pleased to distribute the Chols country.  Maratman alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana ohakra. 7nd ,  Madasami at Kalunirkulam. Alagan-Peruma alias Tribhuvana alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-Peruma alias Alagan-P   | 3           | street in the same village.       | •                 |   | dri] (wrong),       | :            | inhabiting the street Ativi ra raman-perunderu at              |
| Kaduvetti.  Kaduvetti.  Kaduvetti.  Fragments in the ruined Siva  Variin Sundara-Pandyadeva, 'who  was pleased to distribute the Chols  country.  Wagavarman falias Tribhuvana]chakra.  On a slab now worshipped as  Madasami at Kalunirkulam.  Alagan-Perumal Ativirarana alias  Sirvallabhadeva.  Tribhuvanaohakra.  Wash Jean.  Inth year  2nd ,,  Alagan-Perumal Ativirarana alias  Vasan 150[8], [2]3rd  Vasan 2068, [2]3rd           |             |                                   |                   |   | Arpaffi, 15.        |              | Nettur, in Kurumanaini-nada, by those who had lent money       |
| Raduvetti. Sundara-Fandyadeva, 'who was pleased to distribute the Chols outside the Chols outside the Chols outside the Chols on the ruined Siva Do Matasaman falias Tribhuvana charater Constitution on a slab now worshipped as Do Javilavarman alias Tribhuvana charater Saka 150[8], [2] 3rd Alagan-Perumal Ativiraranen alias Strvallabhadeva. Ativiraranen alias Strvallabhadeva. Ativiraranen alias Strvallabhadeva. Ativiraranen Aritanen.   | 1328        | On a boulder in the tank near     | Pandyn            | Maravarman alias Tribhuvanachakra-      |                     | Do           |  |
| Fragments in the ruined Siva  temple at Kilakkalangal.  On a slab now worshipped as  Madasami at Kalunirkulam.  Madasami at Kalunirkulam.  Alagan-Perumal Ativiraraman alias  Srivallabhadeva.  Srivallabhadeva.  Watia Tribhuvana obhakra.  Jatilavarman alias Tribhuvana obhakra.  Jatilavarman alias Tribhuvana obhakra.  Saka 150[8], [2]3rd  year,  Vasya,  Mesha, 7 ba. di.  Mesha, 7 ba. di.  dasami, Sunday,  Vanjakarana,  Aritam.  |             |                                   | •                 | was pleased to distribute the Chola     |                     |              | Arik6sari-Isvara and Iyelkaţtisvara at Kalakkudi in Kalakkudi. |
| Fragments in the ruined Siva Do Magawarman [alias Tribhuvana]ohakra. 2nd ,, temple at Kilakkalangal.  On a slab now worshipped as Do Jaylavarman alias Tribhuvanaohakra. Saka 150[8], [2]3rd vartin Koneirmai Ativiraraman alias Uttarayana, Vasuntartiu, Alagan-Perumal Ativiraraman alias Srivallabhadeva. Alagan-Perumal Sivantartiu, Mesha, 7 ba. didasami, Sunday, Vanjakarana, Avitam.   | _           |                                   |                   | :<br>:                                  |                     |              |  |
| On a slab now worshipped as Do. Jatilavarman alies Tribhuvanachakra- Saka 150[8], [2]3rd vartin Konsimai]kondan Perumai Ativiraransa alias Grana alias Sirvallabhadeva. Sirvallabhadeva. Ativiraransa alias Sirvallabhadeva. Assami, Sunday, Vasani, Sunday, Vanjakarana.  | 324         | in the ruined                     |                   | Maravarman falias                       | : "                 | Do. :        | Mentions Kullaga-nadu. Another fragment in the same            |
| On a slab now worshipped as Do. Jațilavarman alies Tribhuvanaohakra- Saka 150[8], [2]3rd Madadami at Kalunirkulam. Alagan-Perumal Ativirarămen alias Years, Srivallabhadeva. Srivallabhadeva. Mesha, 7 ba. di.dasami, Sunday, Vasai, Sunday, Varițem.  |             | ombie as pricanatingar.           |                   | المترجية ومستصدية فبنياء المردواء       |                     |              | ing rod called Sundayanandiyan-kol.                            |
| Alagan-Perumal Ativiraraman year, Alagan-Perumal Ativiraraman alias Srivallabhadeva. Nesha, 7 Adesami, Vanjiakan Avittam.  | 1825        | worshipped                        |                   | Jaylavarman alise Tribhuvanachakra-     | Saka 150[8], [2]3rd | Do. :        | Commences with the words Bhuvanaikavire, etc., and             |
| Vasanta<br>Meha,<br>dasami,<br>Vanjiak<br>Vanjiak<br>Avitem  |             | Madasami at Kalunirkulam.         |                   | mai kondan Perumai                      | year, Vyaya,        |              | gift of land in I  |
| Mesha, 7 ba. di. dasami, Sunday, Vanjiakarana, Avițam.   |             |                                   |                   | *************************************** | Vasantaritu.        |              | called Srtvallabhan-sandi institutet in the temple of          |
|  |             |                                   |                   |   | Mesha, 7 ba. di.    |              | Tirukkurralamudajya-Nayinar, by the king who is said           |
| Avittam.   |             |                                   |                   |   |                     |              | to have been born in the asterism Punarvasu.                   |
|  |             |                                   |                   | 1                                       | Aviţţam.            |              |  |
|  | 1           |                                   |                   |   |                     |              |  |

B.-Stone inscriptions copied in 1918-cont.

B.—Stone inscriptions copied in 1918—om!

| ļ            |   | -                                   |             | -<br> |  |                                    | *****                     |  |
|--------------|---|-------------------------------------|-------------|-------|--|------------------------------------|---------------------------|--|
| No.          | Place of inscription.   | lion.                               | Dynasty     |       | King.  | Date.                              | Language and<br>alphabet. | Remarks,   |
| 7840         | On the gopura near the mandapa at Medure, district and taluk. | the Fudu-<br>lura, same             | Маувка      | :     | Virapua-Nayaku, son of Visvanatha-<br>Nayaka.                                | Śaka 1603, Vikra.<br>ma, Ādi, 2.   | Tamil                     | Damaged. The income in the shape of taxes received in the treasuries of the Napaka and Sokkanatha, on account of the Raméweiam temple, having been previously distributed between the temple of Ramanathadeva and the Arver-Pafinhadadeva.   |
| 1841         | ō   | the shrine lemandapa in the at Sri- | Choļa .     | :     | [Rajar]ajadova (I)   | 24th year                          | Do                        | was now decided on the representation of Sandirasegra- gurukkal and his disciple to give 700 pon to the temple. Fragment. Mentions Vemlarrur alias Aveninar[aya*]na- obaturvedumangalam and seems to register a gift of 14 kajanja of gold, by the assembly of Tiruvarangam, for offenings to the temple.              |
| 842<br>843   | district). On the same wall Do                                | ::                                  | Do.         | ::    | Rajurajake [sarivurman] [Rajarāju I] Rajaraja (1)                            | : :                                | Do                        | Fragment. Seems to register a gift of gold for offerings.<br>Do. Seems to register a gift of gold by one of the  |
| 344          | . Do  | :                                   | Do.         | :     | Parakssarivarman alias Rajendra-Choļa  | :                                  | Do                        | generals of the king.  Jo. do.   |
| 346          | 0   | the floor near                      | Do.         | :     | Parakesarivarman, who took Madura and Tlam (Garlon),                         | [40]th year                        | Do                        | Much damaged and worn out.   |
| <b>1</b> 346 |   | the central                         | D <b>o.</b> | :     | Rajakteriverman  | 5th year, Kanni,<br>Lunar eolipse. | Do                        | Registers a gift of land for offerings to the temple of Paramesevara et Tiruppaluvur in Vilattur-nadu, by the  |
| 448          | at Palur (same district and talux) On the same wall           | ot and taluk).                      | D <b>o.</b> | :     | Do   | 8th year                           | Do                        | obiof Mahimalaya-Irukkuvel alias Parantakun Virasolam.<br>Gift of land by a native of Adavattur in Uraiyar-kunram  |
| 848          | Do  | :                                   | Do.         | :     | Do   | 6th year, Kanni,                   | Do                        | for the bathing of the god in the rame temple. Gift of land by the chief mentioned in No. 346, for offerings   |
| 340          | Do. ::  | :                                   | Do.         | :     | Do   | 6th year                           | Do                        | to the same temple.<br>Gift of land by a native of Karaikkudi in Vijattur-nadu for   |
| 860          | On the north, west and south walls of the same shrine.        | d south walls                       | 1)0.        | :     | Rajake arivarman [alina Tri]bhuvana.<br>obakravartin Kullot]tunga-Choledeva. | 39th ,, ,                          | Do                        | singing tirupy adiyam in the same temple. Unfinished and stones missing. Seems to register the gift of the villages of l'aluvur alias Bajendrasolanallur in Vijattur-nade and Enadimangalam alias Raparadinallur, under the orders of Sedirajar, as a brahmadaya to 108 Brahmas. Mentiona Avirataji in Pandrasulasani. |
| 361          | On the west wall of shrine.                                   | of the same                         | :           |       | Tribbuvanachakravartin Könerimel-<br>kopdan.                                 | 21st ,,                            | D <sub>0</sub>            | P-6.   |
| 862          | On the south wall   | of the same                         | Chola       | :     | Parakesarivarman   | 3rd ,,                             | Do                        | Rajagambira-valanadu.<br>Gives a list of lands presented for offerings, to the temple  |
| 853          | Do,   | do.                                 | Do.         | •     | Parakssarivarman, 'who took Madura and Coylon.!                              | <b>4</b> 0th ,                     | Do                        | of Nakkar-Paran esvarar at Pajuvor in Vijattor-nadu. Gift of gold for a lamp to the temple of Paramesvarafat Pajuvur, by the queen Adittan Karrali-vijatti. Men-   |
| 864          | Do.   | do.                                 | Do.         | :     | Rajakesarivarman   | :                                  | Do.                       | =  |
| 385          | Do,   | đo.                                 | Do.         | •     | Parakésariyarman   | 8rd year                           | Do                        | Arifigai, a native of Tiruvellarai.<br>Gift of land for wotship in the same temple.  |
| 857<br>857   | Do.   | do.                                 | Ď.,         | •     | Rajakesarivarnan   | 10th 6th                           | До.<br>По.                | Gift of land to the same temple.<br>Do.  |
|              |   |                                     |             |       |  |                                    |                           |  |

Madwa

mirangase.

Piler

B.-Stone inscriptions copied in 1918-conf.

| ! | Language and Remarks. | Tamil Registers a gift of land for offerings to the same temple, by a native of Karaikkudi in Vijattūr-nadu.  Do. Gift of land for making flower-garlands to the same temple. | Tamil (Gift of land in Kidarangondas6lanallar, the southern hamlet of Sripadaduli-ohatuvvedimangalan, for offerings to the temple of Tiruttonipuramudaiyar and Periyanaohahiyar at Tirutkalumalam, a hrahmadaya in Rainain moh | nadu, by Udaiyañoheydan Taji alia Cholendrasinga- vilupparaiyan of Karuppur.  Begisters a grift of land situated in Mattor, a village of Mattor-nadu which was a subdivision of Uyyakkondar- valandu, for worship to the image of Ajudaiya-Piljaiyar setup in the temple by Uyyavandan Rajaviohadiri, one of the servants of the king. Manitora Timubiatione | Udaiyan of Jayangondaohda-mandalam and states that Cholendrasinga-Muvendavelan was the Koyal Secretary Do. Gift of a gold vessel (vattil) for drinking, to the temple of Tiruttopipuram at Tirukasiunalam, in Tirukkalumala- | Do Built in at the right side. Gift of land for two lamps by a native of Palaiyanur in Jayangondasolar to the | Begisters a girt of land by purchase for a flower-garden, to the temple of Tiruttonipurameduiya. Nayanar at Tirukkalumalarn which was a brahmadeya in Irukkalumalarnadu, a subdivision of Rajadhiraja-valanadu by two ladies who were the daughter and grand-daughter of Kunshallan, a resident of Anahori in Noduchinga. |   | Do. Gift of land for lamps to the same temple. Refers to the revenue revenue on the 16th year of the reign of | Do dift of land in Rajendraga who abolished tolls for the service of Rajakkandan-sand Tirukkalumalan, for the service of Rajakkandan-sand instituted in the name of the king by the chief of Ponjagri in Najuvil-kūgu, a subdivision of Mijajai-kūgan, a district of Pandi-mandalam. Provides also for offerings to the images of Rajakkandanganar and Maratakachkayar, set up by the chief. Refers to the 18th vear of Sundara |
|---|-----------------------|---|--|--|--|---|---|---|---|---|
|   | П                     | ::  | :  |  |  | :   | ·   |   |   |   |
|   | Date.                 | Srd year 6th :,   | 7th year   | 6th year and 198rd<br>day.   | 17th year and 458th<br>day.  | 6th year  | 14th ,,   |   | 9th year and 17cth day.   | :   |
|   | King                  | Parakesariyarman Bajakesariyarman   | Tribhuvanachakravartin Virarajendra-<br>deva.  | Tribhuvanachakravartin Könerinmaikon-<br>dan.  | Tribhuvanaobakravaıtin [Bajara]jadeva.   | Tribhuva nachakra Jvartin Virara jendra-  | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Choladera, 'who was pleased to take<br>Madura, and the orowned head of the<br>Fandya.'  |   | Tribhuvanachakravartin Kulöttunga-<br>Choladeva 'who took Madura.'  | 'I ribhuvanachakravartin Konérinmaikop-<br>dan.   |
|   | Dynasty.              | Chola<br>Do   | Съоја  | :  | Chola  | Do  | Do  | , | <br>Do.   | l'apdya   |
|   | Place of inscription. | On the south wall of the same abrine. On the same wall  |  | On the same wall   |  | Do  | On the north and west walls of the mandapa in front of the same shrine.   |   | On the north wall of the same mandapa.  | On the south wall of the same mandaps.  |
|   | No.                   | 858   | .360.  | 361  | 863  | 80<br>90  | <b>*</b> 98   |   | 90  | 99 <del>9</del>   |



B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

|     |   |                    | d-   |   | •                         |   |
|-----|---|--------------------|--|---|---------------------------|---|
| No. | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| 867 | On a slab built into the floor of the inner circuit in the same temple. | Pallava            | [Saka]labhuvnnachakravartin Peruhjiń-gadeva.     | :   | Tamil                     | Fragment. Gift of land for the recitation of the tiruppadi.   |
| 808 | On another slab built into the same floor.                              | Chola              | Tribhuvanachakravartin Raja[rajadeva P]          | 2nd year  | Do                        | Refers to the 36th year of the reign of Kulottungs-Chola-<br>deva, the temple of Rajarajesvaramudaiya-Nayanar and   |
| 898 | On six other slats in the same place.                                   | •                  |  | :   | Do                        | Linkkalamalam in kaladhiraja-valanadu. One of them refers to Tiruvali alias Mummadisõla-[ohatur-vēdimangalam]. Others refer to gifts of land.   |
| 870 | On the north wall of the platform round the Brahmapurisvara temple.     | :                  | :  | Saka 1813, Pra-<br>japati, Makara,<br>su. di. tritiya<br>Friday, Sadai. | ъ.                        | Gift of land for the Tirujffanasambandan-madam in the same temple.  |
| 871 | On the same wall  | <u>:</u>           |  | Suka 1300 (mistake<br>for 1806) Rudhi-<br>redgari, Kartti-              | Do                        | Damaged and built in. Seems to register a gift of land.   |
| 872 | On the west wall of the same platform.                                  | :                  | :  | Siddharthi, Tula,<br>ha. di. Thursday.                                  | Do                        | Built in, in the middle. Registers a gift of land as a devadana.  |
| 373 | On the same wall  | Vijaya-<br>nagara. | Viruppaņa, son of Harihara                       | -œ  | Do.                       | Allotment of 240 ms of land belonging to Tillsividangs-<br>nallur and situated between the Kollidam and the<br>Kavert, for various temple purposes.   |
| 874 | On the north wall of the .Itane.  |                    | Tribhreonacha bravartin Kul Attuchea             |   | Š                         |   |
| •   | sambanda shrine<br>temple.  |                    | Choladeva.                                       | di. 9, Wednesday,<br>Mrigasirsha.                                       |                           | negoria that the assembly of Iranandangada, in Akkur-<br>nadu, a subdivision of Jayangundasola-valanadu having<br>assembled in the Mummudisolam-perambalam of this<br>village, sold land for offerings to the temple of Aludaiya-<br>Fillalyar. |
| 876 | On the same wall  | До.                | Tribhuvanaohakravartin Rajarajadsva              | 12th year, Meshe,<br>ba. di. Monday,<br>Uttiradam.                      | Do                        | Records a sale of land by the members of Virasolanallur-<br>parigraha, for offerings to the shrine of Mangaiyarkka-<br>rasi-Naohohiyar, in the shrine of Aludaiya-Pillaiyar at  |
| 376 | Do  | Do                 | Tribhuvanachakravartin Virarajendra-<br>deva.    | 6th year, Mina, ba.<br>di. tritiya, Thurs-<br>day, Sittirai.            | Do. :                     | Belates to the exchange of land made by the devakanmis of Aldaiya-Pillaiyar at Tirukkalumalam, a brahmadeya of Tirukkalumala-nadu a subdivision of Rajadhiraja-valanadu with a netivo of Valar in Pumaraja-                                     |
| 277 |   | Do                 | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Choladeva. | 12th year   | Do.                       | a subdivision of Kulottungasola-valanadu. Records a similar exobange of land.   |
| 378 |   | Do                 | . Do. do.  | 17th ,,   | Do                        | Gift of land by the assembly of Kulottungssola-chaturvedinashpalam for offerings and a flower-garden, to the shrine of Aludaiya-Pillaiyst.  |
|     |   |                    |  |   | •                         |   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918--cont.

| Language and Remarks. | Tamil Registers a gift of land for offerings to the shrine of Alud-nys-Pillaivst. by Atkondansysgan Nattapperums the | Do   | Do. Gift of land for setting up images (?) and restoring those that had been already set up and had suffered damage. | Do Gives a list of lands granted to the temple at Tirukkalu- | Do. Gives a list of lands in Tirnmullaivayil, a hamlet of Tiruvalli aline Edirilisola-ohaturvēdimangalam, in Rajadhirala-valanadu, which were purchased at various times for the temple of Aludaiya-Fillaiyar. | i) Fragment. Seems to register a gift of land for offerings to | Do. Records the names of the donors of these pillars. They are | Do. Begisters gift of Jand at Tiwaskur, for offerings, repairs |   | Do Bragments. Gift of money for repairs to the first prakare of Aludaiya-Fillaiyar, by a native of Gangaikondasola- | Do  | Do. Gift of land for a flower-garden by a native of Nalar.     | di. Do. Stones out of order and damaged. Seems to register a gift of land to the temple of [Tiruttoni]puramudaiyar. | Do. Much damaged and stones out of order. The introduction commences with the words Giuaredia state, etc. Seems to record a sale in publicanction of a land situated in | Panangudi a hamlet of Tiruvali alias Mummudisola- | OHRPINE VOLUMENT BOOM IN THE LING BELLEVE BETTER OF THE COLUMN TO THE CO |
|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|---|---|---|--|---|---|---|--|
| Date:                 | 11th year  | 3rd year, Simha,<br>ba. di. Navami,<br>Monday, Pura- | gam.<br>4th year   | :  | 27th year  | :  | :  | :  | 3rd year, Kumbha,<br>ba. di. saptami,                         | Monday, Anilam.<br>2nd year and 219th<br>day.   | 24th year, [Kum]-bha, su dì. pañ-chamī, Monday,                               | Almilam].<br>18th year, Makara,<br>su. di. dasam!<br>Wednesday |   |   |   |  |
| King.                 | Tribhuyanachakrayartin Rajadhiraja 1   | Tribhuvanaohakravartin Kulottunga- 3<br>Choladeva.   | Do.  | ::   | Tribhuyanschakravartin Kulotunga-<br>Choladeva, 'who was pleased to take<br>Madura, Ilam (Ceylon) Karuvur and the<br>growned head of the Pandya'.  | • • • •  | :  | :  | :   | Tribhuvanaohakravartin Rajanajadeva   | <br>Po.   | no.  | Chakravartin Perußjingadeva   | Rajakesarivarman alias [Kajarajadéva]   |   | _  |
| Dynasty.              | Chola  | 1)0.   | Do   | :  | Chōļa  | :  | :  | :  | :   | Chola.  | Do  | Do.  | Pallava   | Chōļa .   |   | _  |
| Place of inscription. | On the south wall of the same Cabrine.   | On the same wall                                     | Do   | On the north wall of the mandapa                             | in front of the same sarine. On the same wall  | On the north wall of the same                                  | mandapa.<br>On three pillars in front of the                   | same mandapa.<br>Right of entrance into the east               | prakara of the same shrine. On the east wall of the same pra- | On the south wall of the same pra-  | On the north wall of the first pra-<br>kara of the Brahmapuriévara<br>temple. | ō<br>——  | On the south wall of the same pra-<br>kara.   | On the east wall of the same pra-<br>kars.  |   |  |
| No.                   | 879  | 380  | 381  | 2882   | 88   | <b>\$88</b>  | 385  | 886  | 887   | 388   | 888   | 390  | 891   | 893   |   |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| , o N       | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks,  |
|-------------|--|--------------------|---|--|------------------------|---|
| 868         | On the same wall   | Chola              | Tribhuvanaodakravartin [188ja]rajadeva            | 7 + 1st year and 817th day.  | Temil                  | Damaged. Records saley, in public auction to 'he temple, of lands belonging to certain persons who proved themeslyes to be traitors. Mentions the Royal Scoretary Negi-   |
| 384         | Do   | Pallava            | Sakalabhuwanaobakrawartin Kopperunjin-<br>gadeva. | 19th year, Makara,<br>fu. di. Chaturdasi,<br>Wednesday.                    | По.                    | yudaiohohola-Murendavelan. Damaged. Built in at the end and atomes missing. Seems to register a gift of land by purohame, by a native of Kndaibr in Jayangondachola-valanadu. Mentions Olai-Kndaibr in is well-mind.  |
| 898         | Do,  | Do                 | Do. do.   | 19th year  | Do                     | yanangalam in ver programmer and a section to the transaction Built in at the end and damaged. Refers to the transaction manitoned in No. 394 shore.  |
| 898         | Bight of entrance into the inner eastern gopurs, of the same temple.             | :                  | . :   | Saka 1410, Kilaka,<br>Tula, ba. di.<br>Wednesday, Ma-<br>kha.              | Po                     | Records that Konstiders. Maharaja made the villages belonging to the temple at Sigali, as sarvamanya. grants in order that worship and offerings may be conducted.  |
| Les .       | Left of entrance into the same<br>gopura.  | Vijayana-<br>gara. | Virapratéps Krisbpadeva-Maharaja                  | Śaka 1433, Prajā-<br>pati, Mesha, śu.<br>di, Tritiya, Fri-<br>day, Asvati. | Po                     | Damaged. Seems to record a sale (i.e., lease) of a certain land and houses, on an annual payment of 10 pon (by the tenants?), to the temple.  |
| 398         | On the right and left sides of the same entrance.                                | Do.                | Venkatadava-Maharaya                              | Saka 1520, Vilam-<br>bi, Simha, su. di.<br>Saptami, Monday,                | Do                     | Built in at the beginning and middle. Seems to register a gift of land to the temple on the coession of the abhisheas of Apadaddharana.   |
| 899         | In the same place  | :                  | :   | Anuradha.<br>Sittirai-Vishu  | Do                     | Records a grant made by Ramappa-Nayaka, son of Kodal<br>Vasayana-Nayaka.  |
| 007         | On the south wall of the platform round the central shrine.                      | Vijayana-<br>gara. | Viruppana-Udaiyar                                 | Śaka 1319, İśvara,<br>Pańguni II.  | Do                     | Built in at the beginning. Seems to register a gift of land to a private individual for hullding a mandapa.   |
| 109/        | In the same place  | :                  | :   | :  | Po                     | Records the birudas of Vitthaladeva-Maharaja. Traces the genealogy of Vitthala from certain mythical kings through the Western Chalukyas, etc., and mentions the  |
| 7,402       | On the south wall of the central shrine in the Andanathar temple at Talarankoil. | Chola              | Tribhuvanschakravartin Rajarajadsva               | 3rd year   | Do                     | conquests of some of his anoestors. Gift of money for a lamp and a lamp-stand, to the temple of Vibbishapisvaramudalyar at Tirukkalumalam in Tirukkalumala-nadu, a sub-division of Rejadhiraja-vala-  |
| <b>4</b> 03 | On the north wall of the central shrine in the Kedaresvara temp's at Pudutturaj. | :                  | :   | 'tgp ''  |                        | Registers ax-free gift of land in Sivapadssekharanallar for the requirements of the temple of Tirukkedsredvaramudaiyar constructed in Vikhirannsselanallar a hanlet of Rdirlisola-ohaturvedimangalam in Tiruckalindu, a sub-division of Rajadhiraja-yajanadu, by a certain Gahagsyaraja of Angavayil in Segua-koggan a sub-division of Kulottungasela-vajanadu. |
| 101         | On the west wall of the same shrine.   | ·                  |   | 15th year and 122nd day.   | Do                     | Relates to the transactions recorded in No. 408, above.   |

Carro

B.—Stone inscriptions copied in 1918—conf.

| No.        | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.  | Date.   | Languege and<br>alphabet. | Remarks.  |
|------------|---|--------------------|--|---|---------------------------|---|
| 907        | On the south wall of the same shrine and mapplapa in front of it.                         | Chols              | Tribhuvanaobakravartin Kuldtuhga-<br>Choladeva.  | .a- 8th year  | Tamil                     | Records that the assembly of Tiruvalislies Edirilisola-<br>clucturredimangalam acquired by purchase and made tax-<br>free certain lands, required for various purposes connected<br>with the temple of Tirukkedaramudaiyar.   |
| 407        | On the north wall of the central shrine in the Banganatha-Perumal temple at Tirunagari.   | Vijayana-<br>gara. | Krishpadevaraya-Maharaya   | Saka 1439, Isvara,<br>Pushya, su. di.<br>Paurnami.                        | Do                        | Refers to the king's conquests and the revission of taxes made by him in favour of a number of Vietuu and Siva temples in the Chôls country.  Gives a list of Brahmans who recited the Veda in the temple of Ulaguyyavigirundaruliya-Nayanar Vaiyalshi-   |
| <b>408</b> | Do  | :                  | :  | :   | Do                        | manavala, and the shares of lands given them.  Gift of land, cows and vessels for offerings to, and a special service conducted in, the templo of Vayslali-   |
| 405        | Do. : :   | Vijeyana-<br>gara. | Viruppapa-Udsiyar, son of Harihararays-<br>Maharaya,   | ya. Śaka 1[3]08, Ksha-<br>ya, Karttigai, śu.<br>di. prathamsi,<br>Sunday. | Do                        | Ringly agir red unit.  Registers a list of sarvamanya grants made to the temple of Vayalali alias Manavajar at Tirunagar alias Vighués-varanallur in Rejadhiraja-vajanadu which comprised the tract of land between the Kaveri and the Koljidam.  |
| J410       | On the south wall of the central shrine in the Tiruttalamudaiyar temple at Tirukkolakkal. | Chota              | Tribhuvanaohakravartin Tirubhuvana- viradeva, 'who having taken Madura and Ilam (Ceylon), was pleased to perform the ancintment of heroes and victors. | na- 3[5]th year   | Do                        | Built in at the end. Seems to record that owing to the default made by a person who held the land belenging to the temple of Tirukkolakkavudaiya-Nayanar in Tirukkalumala-nadu, the income was found to be insufficient to meet the expenses of the temple for the second half-year and that the land was rescoid in favour of a fresh  |
| <b>1</b>   | On the east wall of the first prakara in the Sivalokanatha-svamin temple at Thruppungur.  | Pallava            | Sakalabbuvanaobakravartin Kopperufijih-<br>gadova.   | in- 2nd year, Makara,<br>ba. di. Chatur-<br>dasi, Tburaday,<br>Hasta.     | Do. :                     | Unfinished. Registers a gift of land by a native of Unfinished. Registers a gift of land by a native of Krguchobi in Kiliyur-nadu, a sub-division of Pandikula-san-valanadu, for offerings, bathing, garlanda, etc., to the temple of Sivalokamudaiya-Nayanar at Tiruppunkur in Tiruvali:-nadu, a sub-division of Rajadhiraja-valanadu. |
| 4.3        | On the same wall  | Chola              | [ Tribhu]vanachakravartin [Raja]raja-deva.   | ija- 11th year  | Do                        | Stones out of order. Registers a gift of land to the shrine of Vikkiramasélil savara mudaiya-Nayanaryhuilt on the northern side of the second prakara of the same temple, by a certain Vikkiramasélan alias Vayanatharaiyan of  |
| 418        | Do. : :   | : :                | Tribbuvanaoba[kravattin]   | Vrischika, ba. di.<br>Ashşami, Wed-                                       | Do                        | Agritum.  Built in at the end and stones out of order. Gift of land by purchase for lamps to the same temple.  Built in at the end and stones out of order. Gift of land to the same temple.  |
| 418        | Do:   | Chole              | Tribhuvanachak[ravartin] Kulottunga-<br>Choladova, 'who was pleased to take<br>Madura'.  | ga- Aehtami, Wednes-<br>ake day.  | Do                        | Fragment. Seems to register a gift of land.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918 — cont.

| Dyanety   Mayeka   Achohyutsppa-Nayaka   Saka 1605 Subhauu, Tamil   Inthe wall    |                               |  |          |  |              |   |                           |   |
|--|-------------------------------|--|----------|--|--------------|---|---------------------------|---|
| Nayaka   Nayaka   Achdnyutappa-Nayaka   Saka 1605 Bubhana, Tamil   Ramilos |                               | Place of inscription.  | Dynasty. | King.  |              | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| Do   | On a<br>at                    | slab in the Aiyanar-kulam<br>Perumangalam.   |          |  | :<br>:       | Śaka 1605 Bubhanu,<br>Maśi 8.                                 | Tamil                     | Registers a gift of land and taxes accruing from the village of Perunangalam for the bathing of the god Chidambares bares and Aleganderumal-Pillaifor the   |
| Do   Do   Do   Do   Do   Do   Do   Do  | On a of                       | slab built into the north wall the Marudappar temple at gruyattur.                           | :        | :  |              | :   |                           | king.  Mentions the extent of wet, dry and gurden lands belonging to the temple of Marudisuramudaiyar.  |
| Do   | Ont                           | wo pillars in the same temple  | :        | :  |              | ;   | Do                        | One of them states that the reconstruction and consecration (kumbhabhishèka) of the god was made by a certain   |
| Saka 1692, Kali   Do.   Do   |                               | *  |          |  |              |   |                           | Somesundra-Tambiran belonging to the temple of Velur, on Monday Avani 12, Angirasa. The other mentions Sachohudanan dadesigar, the 16th disciple of the   |
| Gruk-         Saku 1692, Kali         Do.           Thear         Valigasi.         Valigasi.         Do.           Same         Saku 1692, Kali         Do.         Do.           Thear         Wonday, Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chatur Andray.         Chois.         Do.         <  | On the                        | ne steps in front of the Subrah-<br>nya shrine in the Vaidyans-<br>sayamin temple at Vaidis- | :        | :  |              | :   | Do                        | Dharmapuram (mutt). Records that shutter of the sluine at Sattainadapurene measured 35 inches in length and 8 inches in breath.   |
| The Nayaka   The | Righ<br>Fu                    | trankoyii. t of entrance into the Tiruk-<br>lam, in the same temple.                         | :        | :<br>:                                       |              | 1692,<br>1, Vil<br>gasi.                                      | Do                        | Records that the tank, Nachchiyar shrine and its mandapa, were completely renovated when Raddayar was governing the Statilistreal, and dinting the management   |
| the Nayaka Aohchyutappa-Nayaka Saka 1505, Subha- nural Chola Kulottunga-Choladeva 15th year Do Do Kulottunga-Choladeva 38th Do  Do Vikrama-Choladeva 38th Do  Tribhusaneohakravartin Kulöttunga-Choladeva 38th Do  10th Do Tribhusaneohakravartin Kulöttunga-Choladeva 10th Do  Choladeva Tribhusaneohakravartin Kulöttunga- 24th Do   | In th                         |  | :        | ÷  |              | ÷   | Do:                       | the Vaidynathaevamin temple by Vubinklumarasvamitambirain, a desciple of Sivajūanadesika-Sambundar of the Dharmspuram matt. States that the wall of the second prakara, the tirumaligaip patti, the court-yard of the Amman shrine and the tatti-               |
| the Nayaka Aohchyutappa-Nayaka Saka 1606, Subha- Do tem.  Chola Chakravartin Kulottunga-Choladeva 15th year Do  Do Kulottunga-Choladeva 38th Do  10 Chakravartin Kulöttunga-Choladeva 38th Do  the Do Tribhuvanaohakravartin Kulöttunga- 24th Do  Choladeva Chakravartin Kulöttunga- 24th Do   | On a<br>the<br>tem            | slab built into the floor near accountant's seat in the same ple.                            | :        | :  |              | Pingala, Vaignsi, 4,<br>Monday, Chatur<br>dasi, Svati,        | Do                        | Surit-mandain were repaired and completed in the month Avani of the year. Saka 1689, corresponding to Kali 4868 and Barvasichi.  Registers a deed granted to Sankaraharagiri Rengopandilar by Ambalavana-tamb ran, the agent of the temple of Valdvanatharahann |
| Do Kulottunga-Choladeva  | On the Same Shrift shrift ple |  | œ        | Aohchyutappa-Nayaka<br>Chakravartin Kulottun |              | Simha-legna.<br>Saka 1505, Subha-<br>nu, Masi 3.<br>15th year | Do. :                     | Similar to No. 416, above. Registers the gift of taxes accruing from [Ma]unippallam in liruvalipparu. Gift of land for offerings to the image of Chandrasekhara.  |
| 10 Chakravartin Kulöttunga-Choladeva 13rd Do Tribuvanaohakravartin Kulöttunga- 24th Do Choladeva Choladeva   | On th                         | :  |          | Kulottunga-Choladeva                         |              |   | Do :                      | Jillyall-nady, a sub-division of Rajadhiraja-vajanadu, by a certain Sattaii Mapdai one of the pattinavar of Mannaikundaaola-pattinam.  Records the gift of a lamp to the temple of Tiruvelladai-  |
|  | n the                         | ::• <b>4</b>   |          | :-<br>G-                                     | - 829<br>829 | 10th 24th   | :::                       | division of Rajadhiraja-vajanadu  Gift of a lamp to the same tunje by a native of Kiranur.  Gift of sheep for lamps to the same temple.  Do.  |

| 1918—cont.   |
|--------------|
| ᆵ            |
| s copied i   |
| ₽            |
| e inseriptio |
| Ston         |
| B.           |

| 429 On the san 481 On the shrine. 481 On the shrine. 482 On the shrine. 484 On the shrine. 486 On the shrine. |  |                       |          | _        | Amg.  |                       | 1   | i :                                      | alphabet. |  |
|---|--|-----------------------|----------|----------|---|-----------------------|---|--|-----------|--|
| 0 00 0  |  | :                     | Chola .  | - 8      | rman T<br>isdhirajade<br>to take M                  | hakra-<br>was<br>Ilsm | 14th year   | Tamil                                    | :         | Registors an order of the assembly of Triuvali alias Edirilisola-chaturvedimangalam, reducing the rent, both in kind and in money, to be paid by persons holding temple lands.   |
| 00 0  | On the west wall of th   | the same              | Do.      | - A      | (Ceylon).'<br>Rajakesarivarman                      | :                     | 4th ,,  | <u>.</u>                                 | :         | Records remission by the assembly of Poygaikudi, of the taxes due on the lands granted to the same temple.   |
| 9 9 9   |  |                       | Š.       | <u> </u> | sarivarman  | ::                    | 10th ,,   | Ö<br>Ö<br>Ö                              | : -       | Damaged. Feems to register a gift of land.<br>Registers gift of lamps to the temple of Tiruvelladar-Andar  |
| 5   |  |                       |          |          |   | :                     | 16th ,,   | <u>.</u>                                 | :         | Ref. International at Kadalyayii to the same temple, by Registers git of lands at Kadalyayii timmselle. Muyendayels.   |
|   | : :  | : :                   | Ä        | : :      | Do  | :                     | 13th ,,   | ğ  | :         | Registers a gift of land by the donor of No. 433 above, to nine persons for beating drums in the temple of Tire-   |
|   | Do   | :                     | Dø.      | :        | Parak ssarivarman alias C<br>Kulottun ca-Choladeva, | Chakravartin          | +4th ., · · · · ·   |  | :         | velladar-Mahadeva at Irrukkurugavur in Irruvall-naçu. Mentions Kalanivayil in Tiruvalnudur-radu. Gift of paddy by a native of Ilavanteggi alias Sivacharana-gakharanangalam in Venpaiyur-nadu, for offerings to the  |
|   | Do of the mandapa  | <br>mandara           | Do.      | ::       | Udaiyar Rajendra-Choladeva<br>Kulöttunga-Choladeva  | ::                    | 10th ,,<br>13th ,,  | .:<br>Do.                                | ::        |  |
|   | in front of the same shrine.<br>On the same wall                   | rine.                 |          |          | Parakssarivarman alias C<br>Vikrama-Choļadėva.      | Chakravartin          | 6th year Kurkataka,<br>fu. di. Wednesday,<br>Trayodafi, Ut- | , v, v, v, v, v, v, v, v, v, v, v, v, v, | :         | <u> </u>   |
|   | •  |                       |          |          |   |                       | :   |  |           | a sub-division of Autotungasogia-vajande. by met together in the ball called Rajendrasogan-Peram- balam in Mumundisola-obaturvedimengalam, a village in Rajedhiraja-valanadu.  |
| 489<br>On   | th wall  | of the same           | B. Do.   | :        | Tribhavansobakravartin Kajarajadeva.                | ara jadeva.           | 19th year   | <u> </u>                                 | Do        | Fragments. Mention the temple at Tirukkurngavar in Tiruvāli-nadu, a sub-division of Rajadinaja-valnadu.  |
| 1003  | mandapa. Below an innage on the same wall                          | ame wall.             |          |          | ::  |                       | Kılaka, Vaigasi, 28   |  | Do. : :   | Kecords the name lapass veray industry at Gift of land for the midday festival Velvidaiyappar at Tirukkurugavür.   |
| ;   | yaraghavalu Naidu at Edamanal.<br>On the north wall of the central | damena<br>the centra  | <u>å</u> | :        | Rajarajakesarivarman alias Rajarajadeva             | Rajarajadova          | [2]5th year   | <u> </u>                                 | Do.       | Built in at the beginning and middle. Gift of 30 kaku for a lamp by queen Vanavan. Mahadeviyar alias Tribhuvana.   |
| 0   | shrine in the Svetarapy temple at Tiruyenkadu. On the same wall    | aranyesva<br>Bdu.<br> | . is     | :        | Rajaraja-Rajakssarivarman                           | :                     | 16th "  | <del></del>                              | Do        | Manadevivar.  Built in at the beginning. Registers a gift of gold to the temple of SrI-Tiruvenkaqudeva at Nahgur in Vadakarai.   |
| n.)—10  | Do   | :                     | <br>Do.  | :        | Ва јакевагітагнан                                   | :                     | 6th "   | <del></del>                              | Do.       | Mangur-nadu.  Mentions the images made and jewels and vessels presented by Parantakan Madeviyar alias Sembiyan-Madeviyar,  |
|   |  |                       |          |          |   |                       |   | <u></u>                                  |           | Chola and queen of dandardilitys, in the fourth and sixth years of Uttama-Chola, in the fourth year of the reign of Rajakesarivarman, in the third and tenth years of the reign of the tenth years of the country of the |
| -   |  |                       |          |          |   |                       |   |  |           | Farrestiratural and in the second year of capters dityadeva alias Mummudiobójadeva.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| Š          | Place of inscription.                           | saripti | ģ        |             | Dynasty. | <u>i</u> | King.   | Date.      |          | Language and<br>alphabet. | Кетагка,   |
|------------|---|---------|----------|-------------|----------|----------|---|------------|----------|---------------------------|--|
| 45         | On the same wall                                | :       | :        | :           | Chola    | :        | Rejs[rejs]deva  | [8]rd year |          | Tamil                     | Damaged and built in in the middle. Seems to record a gift of money by a native of Kungam in [Venpi]-kungam, for   |
| 977        | Do.   | :       | :        | :           | D9.      | :        | Rajakesarivarman alisa Udaiyar ért-Raja.<br>dhirajadeva.  | [8] 4th "  | :        | Po.                       | the requirements of the temple.  Gift of sheep for two lumps to the temple of Tiruvenkadu- quiyar by Araiyan Nambanangai, the mother of queen Traibkenandayar.   |
| 447        | Jo.   | :       | :        | :           | Do.      | :        | Rajarajukesarivarman alias Rajarajadeva                   | 28th ",    | :        | Do                        | Built in at the beginning. Gift of gold for a lamy to the sume temple by Narkan Lokachintamaniyar, the mother of queen Villean, Methodagiyar.  |
| 448        | Do.   | :       | :        | :           | Do.      | :        | [Rajendra-Chöla I]  | 4th        | :        | Do                        | sub-division of Vadegarai-Ealendrasimha valenadu. Gift of sheep for lamps to the same temple by Rajaraja's queen Vanavanmadavigar alias Tribhuvanamadéviyar,   |
| 677        | å   | :       | :        | :           | Do.      | :        | Rajakesarivarman alias Rajarajadeva                       | 28th ,,    | :        | Do                        | the mount of raileints choise.  Gift of gold for offerings to the image of Adavallar in the temple of Tiuveenkandaiyar, at Nangur in Nangur-nadu, emhdivision of Raisndranius-aslanadu. by   |
| 650        | ్   | it and  | south 1  | ##]]@       | Do.      | :        | Rajakssarivarman alias Udaiysr str. Baja-<br>dhirajadsva. | 30th ,,    |          | Do. :                     | Ruttan Virapiyar, a queen of the king. Built in at the end. Records that Amalan Seyyavayar set up the image of Pichchadevar, gave lands for its requirements presented gold and silver commensus, opened a manufacture of the control o |
|            | 1   |         |          | <del></del> |          |          |   | ,          | •        | ŝ                         | from the king's father, 'who was pleased to take Privades, Gangei and Kidaran.'  |
| 461        | Do.   |         | :        | :           | Do.      | :        | Do. do.   | , all Ju   | :        |                           | var by the donor mentioned in No. 450, above.  |
| 493        | On the west and south walls of the same shrine. | south 1 | walls of | f the       | Do.      | :        | Rajakssarivarman slias Udaiyar srr-Vira-<br>rajendradeva. | 2+1st ,,   | :        | Do.                       | Gift of taxes on certain villages for monthly feetivals and offerings, to the temple of Tiruvenkajudalyar at Nangur in Nangur-nadu, a sub-division of Itajadnizaju-valenadu, to be conduncted on the birthday asterism Adleba of the king. The regnal year "3 + 1" is repeated as "second  |
| <b>468</b> | On the same walls                               | :       | :        | :           | Do.      | :        | Do. do  | 3rd "      | :        | Do                        | year and the 224th day," in the body of the inscription. Gift of gold to the same temple for worship, offerings, festivals and feeding.  |
| 191        | On 1the south we shrine.                        | wall of | the      | вяте        | Do.      | :        | Rajaraja-Rajakssarivarman alias Raja-<br>rajadeva.        | [24]th ,,  | :        | Do                        | Registers a gift of gold for sengaluntr-tiruvasigni (an areola of red-hiles) and gold-flowers to the temple of Tiruven-hadudeva, by the servents (mulaparivara and mulapari-   |
| 455        | On the same wall                                | :       | :        | :           | Do.      | :        | Rajakesarivarman alias Rajarajadeva                       | 1[3]tp "   | <u>:</u> | Do                        | varavitteru) of the king. Gift of money by the officers of the king for festivals in the month of Margali.   |
| 927        | Do.   | :       | :        | :           | Do.      | :        | [Rajakesarivarman alias Rajarajadeva]                     | 26th ,,    | :        | Do                        | Gift of money for offerings and jewels to the image of Vrishbhavehranadeva set up in the same temple by Kolak-   |
| 467        | Do.   | : -     | :        | :           | Do.      | :        | Rajarajakesarivarman alias Rajarajadêva                   | 27th 3,    | :        |                           | Records the setting up of a copper-image of the goddess to<br>Rishabhavahanaders, by certain persons belonging to the<br>Rajaraja-jananatha-terifija-parivara.   |
|            |   |         |          | 1           |          |          |   |            |          | -                         |  |



B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| No.         | Place of inscription.   | _                               | D <sub>3</sub> | Dynasty. | King.   | Date.         | Language and alphabet. | ge and | Кетаткв.   |
|-------------|---|---------------------------------|----------------|----------|---|---------------|------------------------|--------|--|
| 468         | On the same wall  | :                               | Chola          | - ej     | [Rajadhiraja I]   | 29th year     | Tamil                  | •      | Gift of sheep for a lamp to the temple of Tiruvenkadudai-  |
| 697         | Do.   | :                               | <br>Do.        | <u>.</u> | [Parakesarivarman aliae] Rajendra-Chôla-deva,                               | [8]rd ,,      | Ď.                     | :      | yar. Gift of money for offerings, bathing, feeding etc., to the temple of Tiruvenkadadeva, by a gavalier of the king's   |
| 9           | Do. :   | :                               | <br>Do.        |          | [Parakesari]varman alias Rajendra-Chola-                                    | :             | Ď.                     | :      | troop who was a native of Attuppalli-Niyamam. Built in. Seems to register a gift of gold by Udaiyapirat-   |
| 197         | Do  | :                               | <br>Do.        |          | deva.<br>Parakesarivarman aliae [Ra]jendra-Chola-                           | :             | Do.                    | :      | tivar Tribhuvana-Mahadeviyar, the mother of the king. Gift of sheep for a lamp.  |
| 462         | Do  | :                               | :-<br>Do:      |          | de vaj.<br>Parakesarivarman alias Rajendra-Chola-                           | [8]rd year    | Do.                    | :      | Do.  |
| <b>46</b> 3 | ъ.  | :                               | <br>Do.        |          | deva, Do  | 4th ,,        | Do.                    | :      | Gift of sheep for a lamp to the temple of Tiruvenkadudeva,   |
| 707         | Do  | :                               | Do.            |          | Do.   | :             | Do.                    | :      | by a servant of the queen. Damaged. Gift of money for incense etc., by queen   |
| 465         | On a pillar near the north the same shrine.                   | wall of                         | of Do.         |          | Madiraikoņda Parakssarivarman   | 8 + 37th year | Do.                    | :      | Nakkan Kurnkkamandal alias Pañohavan-Madeviyar.<br>Gift of land for offerings to the temple of Tiruwenkattu.<br>Perumal hv a native of Rodnicolly in Malui-nali  |
| 994         | On the same pillar  | :                               | Ď.             |          | Rajak 684 rivat man   | 2nd           | Do.                    | :      |  |
| 494         | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine. | manda<br>ne.                    |                | :        | Tribhavanachakravartia Koņeriņmai-<br>koņdaņ.                               | 6tb ,,        | Do.                    | :      | Gift of land for offerings in connection with a service insti-<br>tuted by a certain Vanadarayar in the temple of Tiru-  |
| <b>4</b>    | On the same wall  | :                               | . Chōla        |          | Tribhuvanaobakravartin Kulottunga-<br>Choļadēva.                            | 46th:         | Do.                    | ;      |  |
| 469         | Do.   | :                               | •              | :        | Rajakesarivarman alias Tribbuwanachakra-<br>vartin f Kulottunga-Cheladsval. | :             | Do.                    | :      | seembly metric the hall called Rajadhiraja-chatussalai in the same village.  Fragmentary. Contains only a portion of the historical introduction of the king and the names of the signs-   |
| 470         | On the west wall of mandapa.                                  | the same                        | ne Chola       | ÷        | Tribhuvanaohakravartin Bajarajadeva   | 16th year     | Do.                    | :      | tories. Gift of land for offerings, flower gardens etc., to the image of Devarganayakadeva in the temple at Tiruvenkadu by   |
| 471         | On the same wall<br>Do  | : :                             | - <del></del>  | . :      | Rajakesarivarman alias Tribhuvanacha-<br>kravartin Kulottunga-Chojadeva.    | 34th ,,       | 5                      | and    | the assembly or Kallyugakanna-chaturvédimangalam in Adiyamangai-nadu.  Fragmont, Fixes the amount of taxes that must be realised from certain temple lands.  Fragment.   |
|             | On the east wall of the mandapa.                              | ь <b>68</b> .<br>В 68.<br>В 68. | Choja          | :        | Parakésariyarman alias Tribbuyanacha-<br>kravartin Vikrama-Chōļadēva,       | 10th ,,       | Canskill.              | :      | Gift of land by purohase in Perundottam alias Kaliyuga-kanna-chaturvėdimangalam in Adiyamangai-nādu, a sub-division of Rajūdhiraja-valanadu, for a matha established in the street called Vikramsolan-tiruvridi. The king was seated on the steps in the south side of temple of Tiruvenkadudaiyar in Nangaranaqua in the temple of Tiruvenkadudaiyar in Nangaranadu, a subdivision of Rajādhiraja-valanadu. Refers to the 44th year of the king's fathor Kulottunga-Choladya. |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| -                        |   |             | -   |   |  |                           |  |
|--------------------------|---|-------------|-----|---|--|---------------------------|--|
| No.                      | Place of inscription,   | Dynasty.    |     | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| +7.4                     | On the west wall of the Dakshina-<br>murti shrine in the same temple.   | :           |     | ::  | Āngirasa, Vaigasi<br>24.   | Tamil .                   | Registers a sarvamanya grant for expenses connected with the service called Nagarasan-sandi instituted by a certain  |
| 476                      | On the same wall  | Chols       | :   | Chakravartin Kulöttunga-Chola   | 32nd year  | Grantha                   |  |
| 416                      | On the north wall of the Chandra-<br>60khara shrine in the same temple. | Vijayana.   | ,   | Vira-Viruppana-Udaiyar, son of Hari-<br>harataya.                                       | Śaka 1315, Śrimuk-<br>ha, Mithuna, śo.<br>dı. dvitiya,<br>Thursday,Pushya. | Tamil                     | rapy6svara by a Brahman named Vyása.  Records tlat the village of Tiruvambalanalhar once granted to the temple of Tiruvaphaquadusiya-Naganav was in ruins and that Mallaress, son of Annamarwa rehabilitated it under the name Viruppanayan-pattinan and set anart the |
| 417                      | On the north wall of the Ganesa shrine in the same temple.              | Chola       | :   | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva   | Srd year   | 1.0                       | nonthly income from it, to the temple.  Gift of money for a lamp to the shrine of Periyapillaiyar by a native of Ilansa[r] in Vela-nadu a sub-division of  |
| 478                      | On the west wall of the same shrine                                     | Do.         | :   | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Choladeva.  | 10th ,,  | Do                        | Kulottungseóla-valanadu.  Gift of land by purchase for offerings to the same shrine, by a native of Ulaguyyakkondasóla-ohaturvedinan-  |
| 419                      | ō   | <b>D</b> 0. | :   | Rajaraja-Rajakesarivarman   | 11th ,,  | Do                        | galam. Begisters a gift of gold by a native of Nangur.   |
| <b>\$</b>                | In the same place   | Do.         | :   | Tribhuvanaohakravartin Komerimmai-<br>kondan.   | 2nd ,,   | Do                        | Damaged. Seems to register the gift of the village of Virasolanullur in Rajadbiraja-vaļunādu for the service of Adajavasalaindan-sandi instituted in the temple at Tiru-   |
| <b>6</b>                 | Do  | Рарфуя      | :   | Jatavurman alias T'ribbuvanachakravur-<br>tin Ellarkku-Nayinar Sundara-Paṇdya-<br>dava. | 7 + 26th ,,  |                           | venkadu. Montions Vijaya-Gandagopala, the younger brother of Majavarayar.  Gift of land in Tiruvenkadu, for servico, festivals, etc, instituted in the name of the king in the same temple.  |
| <b>504</b>               | Do. :   | Chols       | :   | Parakôsarivarman  | 10th   | Do. :                     | Registers a gift of 25 kalabju of gold for a lamp to the temple of Truvenkadudeva, by Sadirayan Uttamesliyar,  |
| 488<br>484<br>484<br>485 | Do. : : :   | :::         | ::: | Do.   | Do: [10]th year  | D                         | wife of Vannadudaiyar.  Registers a similar gift of 25 kalanju of gold for a lamp.  Much damaged. Seems to register gift of a lamp.  Much damaged. Gift of 90 sheep for a lamp to the same   |
| 984                      | Do  | :<br>Do.    | :   | Do  | 8th year   | Do                        | temple by a lady called Arūran Ambalattadigai.  Registers a gift of land for a lamp to the same temple by a queen of Uttama-Chôia.   |
| 487                      | On the mme gopure left side   | Рацдуя      | :   | [Tribhuvana]ohakravartin Köngrinmai-<br>kondan Srivalla[bha]deva.                       | Damaged  | Do                        | Gift of land in Viranarayananallar and other places for the service of Manangattan sandi instituted in the temple of Tiruvenkadudaiyar, by Pichohan Malavarayar.   |
| <b>9</b>                 | In the same place   | Pandya      | :   | Jațararman Tribhuvanachakravartin<br>Kulasskharadsva.                                   | 13   |                           | Begisters a gift of two veli of land and certain taxes, for conducting the service of Valatinvalvittan-sandi instituted in the same temple by Tondamanar, after his own  |
| <b>489</b>               | Do  | . Chola     | :   | Rajaraja-Rajakssarivarman   | day, Asvati. 14th year, Ani, Monday, Tiravō- nam.                          | Do.                       |  |
|                          |   |             |     |   |  |                           |  |

Barrish

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| 1 06#   |  |                    | wing.   | Date.   | Language and<br>alphabet.            | Вешалка.   |
|---------|--|--------------------|---|---|--------------------------------------|--|
|         | In the same place  | Chola              | Parakdsarivarman  | 10th year, Vaigasi                                      | Tamil                                | Gift of 80 kalanju of gold for offerings to the temple of<br>Thuvenkadudeva, by a merchant of Adirayamangalyapura  |
|         |  | Do                 | Кајак бенті уатшин  | 211d your   | ρο                                   | in Merka-nadu.<br>Gift of land by purchase for offerings, to the temple of<br>Tiruvenkadudeva, by a member of the community of   |
| 192     | On the outer east gopure of the                                | Pandya .           | Vikrama-1'andya   | :   | Do                                   |  |
| £93<br> | In the same place  | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa-Krishnadova-Maharaya  | Saka 1436, Bhava,<br>Tula, su. di.<br>Utthana - dvadasi | Sanskrit in<br>Grantha<br>and Tamil. | truvesal. Records the assignment of certain revenues to the temple of Svetaranyanatha, by the king.  |
| 48#     | On the west inner gopure in the sum temple, right of entrange. | Pandya             | Krolne Frankadan  | Monday, Révati.<br>28th + 2nd year                      | Tamil                                | Much damaged. Seems to register a gift of land   |
| 26.7    | •  | Chola              | <u> </u>  | th  | Do                                   | Norms to register gift of gold ornaments by a Kaikkolan. Below this is enguated the letter portion of an inscription which relates to the reclaiming of a certain tenule land and the fresh assignment of it on a higher rate of   |
| 96      | In the same place  | :                  | :   | •   | Sanskrit in                          | rent. Gift of sheep for four lamps to the temple at Svetavana.   |
| 497     | Бо   | Chola              | Parakesarivarman, ' who took the head of the Pandya (king).'                  | 4th year  | Tamil                                | Seems to provide for the maintenance of a flower-garden to the temple of Tiravenkadudeva.  |
| \$ 5.   | Do   | :                  | Tribhuvanachakravartin Könerinmaikon-   | 7th .,  | Do                                   | Gift of land for conducting a service instituted in the temple   |
| 669     | On the outer west gopura in the                                | Chola              | . Rajurajaké[sarivarman] (i.e., Rajaraja I)<br>Triburabakravartin Kulottunga- | oth year  | Do                                   | by Notacekhara Londalmanur Fragment Seems to register a gift of sheep for a lump. Fragment. Gift of land for a lamp.   |
| 109     | On the same gopura: left side                                  | :                  | ••••  | :   | Sanskrit in<br>Grantha.              | R <sub>e</sub>   |
| 209     | On the north wall of the first prikars of the same temple.     | Chola.             | Tribhuvannohakravartin Rajadhirajadeva  | 8th year  | Tamil                                | Kallaga are Alektrefinates  Kegister gifts of money by coveral individuals for bringing under culturation certain temple land, which had been lying woste, the donoes agreeing to meet certain items of expenses such as burning lamps, reciting Vedas during the processions of the god Devaganayan and feeding Apurans in the temple of lituvankadudanyarin Nangar- nada a subdivision of Kajadbiraja-valanadu and also to usy the taxes on the lands. |
| £03     | On the same wall   | Do.                | . do.   |   | Do                                   | Gift of land by purchase, in Tirunzjelvayil for lamps to the senue temple by a native of Vagur a hias Alagiyasola. obaturvezimungalam which was a tanjuur in Vadagarai. Vosalippadi, a subdivision of Naduvil-nadu alias Rajarrajarvalanadu.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| No.    |  | Place of inscription. | tion.        |      | Dynasty. |   | King.  | Date.  | Lang  | Language and alphabet. | Кетаува,   |
|--------|--|-----------------------|--------------|------|----------|---|--|--|-------|------------------------|--|
| £09    | On the same wall                           | :                     | :            | •    | Choļa    | • | Kajakesarivarman alias Tribhuvanaoha-<br>kravartin Kajarajadéva.   | 4th year, Vri-<br>échika, éu. di.<br>daéani, Morday,<br>Révati.                  | Tamil |                        | The introduction commences with the words Greengueniese cto. Registers a gift of land by purchase at Uruppanangadu for lamps to the same temple for the merit of Tiruvenkattunachohiyar, daughter of Arayan Udaiyan chevdan alias Solakonar, the handman of Matter.  |
| 909    | jo,  | :                     | :            | :    | О.       | ; | Parakesarivarman alias Tribhuvanaobakravartin Kulottunga-Choladeva, 'who was pleased to take Madura, Ilam (Geylon) Karuvur and the erowned head of the Pandya. | 26th year, Karka-<br>taka, su. di.<br>Trayodasi, Wed-<br>nesday, Uttira-<br>dam. | Do    | ;                      | wife of Tayilunallaperumal, alias llangovelar of Sendumengalam in Rajendrasola-valanadu.  The introduction commences with the words tustucks to the same temple by a native of Kunzatur in Kunzatur in Runzatur in Runzatur a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunada, a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola va sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan alias Kulottunasola a sub-division of Puliyur-koffan a sub-div |
| 902    | On the west wall of the same pra-<br>kara. | of the                | <b>6am</b> e | prā- | :        | - | Tribhuvanachakravartin Könörirmaikop-<br>dan.  | 18th year and 207th day.   | Do.   | :                      | dasolaring district which was a district of sayingon-dasolaring the assignment to the same temple, of income in kind and money from certain hands which were previously connect to the same temple.  |
| 209    | 7 On the same wall                         | :                     | :            | :    | :        |   | Do. do.  | 36th year, Āvuņi<br>24, Müla.  | D9.   | :                      | were therefore dispossessed of their holdings. Mentions the Royal Seorclary Nerivydaichhola-Muvendavelain. Gift of land in Rajarajanallin, a hamlet of Talaichchangain which was a bushmadeya in the Trastern division of Jayaragondashalandu, for offerings, festivals, processions etc., to the same temple.   |
| ,<br>, | Do.  | :                     | :            | :    | Choļa    | : | Rājakēsarivarman aljas Tribhuvanuoha.<br>kravartin Vikrama-Chōļadēva.  | 4th year   | Do.   | ·<br>:                 | The introduction commences with the words <b>Exaggrave</b> .  Records remission of taxes by the assembly of Iruskalyur, a brahmadeyn in Nanlgur-nadul, a sub-division of Ikajizdhirja-valanadu, on certain lands which were given for a flower-guiden to the temple of Timedoblingmanhalamnadulamn.  |
| 608    | Do.  | :                     | :            | :    | Рардуя   | : | Maravarnan slias Tribbuvanachakravı r-<br>tin Parakrama.Pandyadeva.  | 5th year, bimha,<br>ba. di. Navami,<br>Friday, Rohini.                           | Do.   | :                      | The inscription stops with the details of date.  |
| \$10   | Do.  | :                     | :            | :    | Do.      | : | Tribbuvanachakravaıtin Könerirmsi-<br>kopdan.  | 5th year and 334th<br>day.   | Do.   | :                      | <u> </u>   |
| 611    | Do.  | : ·                   | :            | :    | Do.      | : | Do. do.  | 6th year and 200th<br>day.   | Do.   | :                      | dakravarti. The goddees is called Veyanatoli-Nachchivar.  Jar.  Gift of land for offerings, etc., in connexion with the service of Kaliyugaraman-sandi instituted in the temple, in the name of the king and for the bathing of the god and the Nayanmars at the mouth of the river (Kaveri).  |

B.--Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| The interdediction communities with the corisis questrates   The state of communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction communities with the corisis questrates   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interdediction   The interded   The interded   The interdediction   The interded   The interdediction   The interded   The interdediction   The interded   The interdediction      |      |                               |     | -    |                | -   | T   |                             |                          |          |  |
|--|------|-------------------------------|-----|------|----------------|-----|---|-----------------------------|--------------------------|----------|--|
| On the same will (30.0) a. Presidentivamentalisa Publication connectues with the world scanner will be same better the connectues with the world scanner will be same better the connection of the same and the coronad back of the Resignation of the Resignation and the coronad back of the Resignation and the coronad back of the Resignation and the coronad back of the Resignation and the coronad back of the Resignation and the resignation and the coronad back of the Resign and the coronad back of the Resign and the coronad back of the Resignation and the coronad back of the Resign and the Resignation and the coronad back of the Resignation and the coronad back of the Resignation and the coronad back of th       | No.  | Place of inscriptic           | 'n. |      | Dynasty.       |     | King.   | Date.                       | Language ar<br>alphabet. | <u> </u> | Кетагкя,   |
| On the same wall of the same   Taylarasarchakavarrin Kontrinandibor   2nd year   Dr.   Draget Restreamy Supplication of the late of the kind of the same wall   Dr.   Draget Restreamy Supplication of the late of the kind of the late of | 512  | On the same wall              | :   | :    | Chol a         | :   |   | year,<br>di.<br>nday, l     | Tamil .                  | :        | notion commences with the w<br>Registers a gift of hand<br>two of Kulottungsscila-chatury<br>rumhai-nadu, a sub-division of<br>, for lamps to the temple of Tiru   |
| On the same wall Paodys Perunal Strvellabhaders  | 819  | On the south wall of prakara. | the | amo  | :              | L 7 | or neroes arc victors.<br>Tribhuvanschakravartin Könerinwaikon-<br>dan. | 2nd year                    | Do.                      | :        | Damaged. Seems to register the gift of the village of Abhimuktisuramangalam, made at the instance of the   |
| On the east wall of the same wall  | 614  | On the same wall              | :   |      | <b>Pa</b> ņdya |     | :   |                             | Ďo.                      | :        | the Royal Seoretary Neirjudaicheboja-Müvendarie, mentoors the Royal Seoretary Neirjudaicheboja-Müvendarejän, Unfinished. Rocords that up to the 32rd year of the King (i.e., Strivallabba) coamencing from the time when Roppenningadeva was fighting against the Rannadiyas Roppenningadeva was fighting against the Rannadiyas |
| On the east wall of the sume Chola Choladra, "vho was pleased to take Monia.  Do Rapidura, Tiau (Ceylon) Karurut and Ceylon Raturut and Lie accounted head of the Fapiga-1.  Do  |      |                               |     |      |                |     |   |                             |                          |          | who were obtaining retresses on the north bank of the river Kaveri, the festivals of the temple were not conducted and that they were now ordered to be resumed.  A certain Topqaimanana is stated to be an officer of this  |
| On the same wall Do Rajakesarivarman alias Tribhuvana Choladeva.  Do Vikramu-Choladeva.  Do Papdys Papdys Papdys Papdys Do Makara Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Do Gth Gth Do Gth Gth Do Gth Gth Do Gth Gth Do Gth Gth Gth Gth Do Gth  | 615  | On the east wall prakara.     | the | вато | Chole.         |     | # e   | 26th year,<br>bha,<br>Mula. | Do.                      | :        | king and of Sundara-Pandyadeva.  Gitt of land under the name Kulottungasölan-Pasali, in Tirvali for lanny at the same temple by a native of Pasali in Pasali-nadu, a sub-division of Mayavil- kötţanı which was a district of Jajangondasöla-  |
| 190 100 Vikrama-Chōjadeva 6th 100 1544 of Inid for a lamp to the same temple by a Brahma Do 1544 of Vilyasafendra-charvedimainglan.  | 616  |                               | :   | :    | Do.            | :   | alias<br>11ŏttuṅga-1  |                             | Do.                      | :        | mandalum. Damaged. The introduction commences with the words gravement. Seems to register a gift of land for   |
| Do   | 617  |                               | :   | :    | Do             | :   | Vikrama-Chōļadēva   |                             | Do.                      | :        | innins, to the same temple.  Giff vol land for a lamp to the same temple by a Brakmana   |
| Tribhuvanachakravartin Kaletuniga- 27th year, Sinha Do Ghoja Tribhuvanachakravartin Kaletuniga- Chojadeva, 'who was plassed to take a cowned head of the Pandya.'  Do Do Parakesarivarman alias Tribhuvana- character the sarie temple for lamps, by the cowned head of the Pandya.'  Do Do Parakesarivarman alias Tribhuvana- character the commence with the crowned head of the Pandya.'  Do Do Do Bandya.'  Do Bandya.'  Do Band   | 516  |                               | :   | :    | Раціун         | •   | Jatāvarman alins Tribhuvanachakravartin<br>Sundara-Paṇḍyadōva.          |                             | D°                       | :        | dady of vigyaralgound-contentional galant.  Giff of land by purchase, for a lamp to the temple of Tiruvepkadudaiyar in Rajadhiraja-vajanadu, by a native of Poruvajur in Pathina-kurran anb-division of Geyannanikka-valanadu. Refere to a breach in the Kaveri at Tiruppattur and the consequent silting up of the              |
| Do Darakesarivarman alias Tr.bhuyana- shi year, Meha, lo The introduction commences with the words quasarda, chaken and the crowned head of the Pandya.'  Tiruvankadudaiyar. The introduction commences with the words quasarda, su. di. Pafoham; su. di. Paf         | 516  |                               | :   | :    | Chola          |     | pler<br>Kar<br>Andy   | 22                          | Do.                      | :        | surrounding fields.  Giff of land by purchase to the same temple for lamps, by a native of Kungattur in Kungattur raidu, a sub-division of Puliyur kötţain alias Kulöttungssõla-vajanadu which was a district of Juyangondasõla-mandalam. As the land was lying fallow for many years, the donor paid money                      |
|  | 28.0 |                               | :   | , :  | Do.            | •   | alias<br>Kulō Jttung<br>ased to ti<br>aruvūr ano<br>‡ya.'               |                             | Po-                      | •        | r cultivation. menoes with the womenoes with the wordsee Inppakkun in Pulity iadu which was ndalam for lamps t The donor also  |

B.-Stone inscriptions copied in 1918-cont.

|                           |  |  | a •••  | Đ  | 건강 환경적 공료   | 80 9 E  | * #1* 1 0 0 H   |
|---------------------------|--|--|--|--|---|---|---|
| Вешаткв.                  | Records that the walls of the shrine of the goddess Periyanasham.  Rendaram.  Records the assignment of a fixed quantity of salt from the salt. pans at Mahnalakulakulandam for the requirement of salt, sandal-paste, incense oto, to the temper fixents of salt, sandal-paste, incense oto, to the temper fixent perumanamanamudalya-Mahadéva at Naller in Vennai- | yarnadu, a sub-division of kajadhiraja-valanadu. Mentions the Royal Seoretary Malalyappirayar.  Lions the Royal Seoretary Malalyappirayar.  London The introduction commences with the words  London West Seems to register a gift of land for the expenses of the same tomple.  Much damaged. Seems to register a gift of land formed | inco the new villege called Edirilsolans. In the same temple for the maintenance of a matha.  Built in at the beginning. Refers to the 10th year of Kulöttunga-Choladeva and to a land gift. | Registers an order of the Mahajanas, exempting the temple<br>lands from the payment of sabhaviniyōga | Registers a gift of land by the assembly of Panchvanmadevialias Kulottungsaoja-chaturvedimangalam in Vennayurnadus a sub-division of Rajadhiraja-valanadu, for offerings to Aludaiyapıllai and Sokkiyar and for feeding Apurvine during the service of Apiratkonnurayarandi instituted in the temple of Srif Kayilasamudaiyar of the same place. Refers to the 12th year of Karikala-Chola and the 80th | year of the reign of iribhuvanaviradeva. Registers an order of the king making the lands belonging to the temple of 'lirunallur-Peruma, and any tarfree as previously held. 'The subha met in the treasury-hall of Sri-Kayliasanudayar at Pañchavanmahadevi alias Kulöttungasols-ohaturvedimangalam in Vennaiyur-nadu a sub-division of Vadagarni Rajadhiraja-valanadu. | Gives a detailed list of lands comprising the villages of Tirapperumananallur and Tribhuvanaviramangalam, which were given to the temple of Tirupperumanamudainya-Nayanar. The former village was constituted out of lands separated from Sattamangalam alias Sivacharanasekhananallur, a hamlet of Pañchavanmahadevi and the latter was formed from the lands attached to the same village, in the 30th year of the roign of the king's father (periyadevar) Tribhuvanaviradeva. |
| st.                       | : :  |  | :  | :  | :   | :   | :   |
| Language and<br>alphabet. | Tamil<br>Do.   | Do<br>Do   | Do   | Do   |   | Ъо  | Do. •   |
| Date.                     | Saka 1662, Saumya,<br>Vaigasi 17, Friday.<br>day.<br>1th year and 184th  | 2nd year and 86th  | 8th year, su. di. pafi-<br>chami, Wednes-  | 16+1st year, Risha-<br>bha, su. di.<br>Chaturthi, Satur-   | and year and 46th day.  | 10th year, Makara,<br>śu. di. Navami,<br>Monday, Visakha.   | 18th year   |
|                           | Konerinmaikon-   | :  | vanaohakravartin]  | Rajarajadeva   |   | Kulöttunga  | ı Rajarājadeva  |
| King.                     | Tukkoji-Mahâraja<br>Tribhuvanachakravartin<br>dan.   | Ra[jak6sarivarman]   | [Ma]ravarman [Tribhu<br>Parakrama-Papdya.  | Tribhuvanuohakravartin   | °C .  | Tribhuvanaobakravartin<br>Chojadeva.  | 'Fribhuvanachakravartin Rajarājadēva  |
| Dynasty.                  | Mahratha<br>(of Tan-<br>jore).   |  | :  | •  | :   | :   |   |
| Dyn                       | Mahratl<br>(of<br>jore).   | <br>Choļa  | Papdya   | Chola  | Do.   | Do.   | Ď.  |
|                           |  |  |  | it pra-  | :   | •   | :   |
| on.                       | of the rine of the twalls of Sivalör hapurar   | south walls of the   | he ma<br>shrine.   | the fire<br>ple.   | :.  | :   | :   |
| 180ri pti                 | wall on the shring wall of the shring the shring the shring the shring the shring wall was a wall wall was a wall wall wa  |  | all of t<br>esame  | vall of 1<br>me tem  |   | :   | :   |
| Place of inscription.     | On the west wall of the first prakara of the shrine of the goddess Brahmavidhe. On the north and west walls of the central shrine in the Sivalökatyagar temple at Achchapuram.   | On the west and south walls of the same shrine.  On the south wall of the same   | On the north wall of the mandapa in front of the same shrine.  | On the north wall of the first pra-<br>kars of the same temple.                                      | On the same wall  | љ.  | o(1   |
| No.                       | -621<br>-623   | 523  | 525  | 526  | 627   | 528   | 623   |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| -             |  | _  | 1        | _        |  |   | T :: - :: - :: - :: - :: - :: - :: - :: |  |
|---------------|--|--|----------|----------|--|---|---|--|
| .00           | Flace of inscription.                  |  | Dynasty. | <u>.</u> | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet.               | Remarks.   |
| 630           | On the west wall of the same prakara.  | 88<br>113<br>124<br>135<br>135<br>135<br>135<br>135<br>135<br>135<br>135<br>135<br>135 | Chola    | :        | Tribhuvanaohakravartin Tribhuvanavirudeva, who having taken Madura, Ilam (Ceylon), Karuvar and the crowned head of the Fandya, was pleased to perform the unointment of heroes and viotors.                  | 32nd year and 327th<br>day.                                       | L'amil                                  | Registers a gift of land to the shrine of Tirnkkamakkotta-<br>nudaiya-Nachchiyar constructed in the temple of Tinp-<br>perumannudaiyar, by Chandrassgaran Paffohanedivanan,<br>the headman of Nerkungam in Puliyar-kottam alias<br>Kulottungussala-valanäda, a sub-division of Jayangonda-<br>Chola-mandalam. Mentions the Royal Secretary (Scubsic<br>Carto) Neriyudaicholola-Muvendavotan. |
| 631           | On the same wall                       | :  | Do.      | :        | l'ribhuvanaohakravartin Kulottunga-<br>Chojadeva, 'who was pleased to take<br>Madura and the crowned head of the<br>Paṇdya.'   | 13th year, Vris-<br>chika, ba. di. 26,<br>Wednesday,<br>Pushya.   |   | Registers a gift of land by purobase in Sattamangalam alias Sivashuransfekhuransallur, a hamlet of Pancharanmaderi, for a flower-garden, to the shrine of Aludaiya-Pillaiyar in the same temple, by a resident of Abhaiyamanikka-  |
| 632           | Do. :                                  | :  | Do.      | :        | Tribhuv nachakravartin Kulottungu-<br>Choladeva, 'who was pleased to take<br>Madura, [Ilam] (Ceylon) and<br>the crowned head of the Pandya.'   | 24th year   | Do                                      | Grench in the same village, Records an order of Firadigangaraiyan of Parakkudi presenting lands (purchased) from the inhabitants of Nallur alias Nugaristrapperalam to the shrine of Pangariku-Aduuku in the temple of Tirupperumana.  |
| 633           |  | :  | Dc.      | :        | Tribhuvanaohakrayartin Tribhuvana-<br>viradéva, 'who having taken Madura-<br>Ilam (Ceylon), Karuven and the<br>orowned head of the Paadya, was pleused<br>to perform the anointment of heres<br>and victors, | 30th year, Makara,<br>su. di. Navami,<br>Tuesday, Kartti-<br>gai. | Do                                      | Industyar. Registers a gift of land by purchase for feeding the spurvins who come to worship in the same temple.   |
| 534           |  | :  | Do.      | :        | Vikrama-Chōļadēva  | 3rd year  | Do                                      | Records a gift of land by purchase, by the assembly of Paraknamaéola-chaturvédímaágalam in Vennajur-nádu, for feeding the mahósyaras in the matha called Paradamandam  |
|               |  | :  |          | :        | Tribhuvanaohakravartin Kulottunga-<br>Choladeva, 'who was pleasad to take<br>Madura, Jiam (Ceylon), Karuvar and<br>the crowned of the Pandy,   | 24th ,  |   | Registers a copy of an order issued by Pirudigangaraiyar presenting lands for offerings and worship, to the shrine of Punpsdaikka-Aduvar in the same temple.   |
| S<br>Home (Ed |  | he same  | Рарфун   | :        | Jafavarman alias Tribhuvanachakravarbin<br>Sundara-Pandyadéva.   | 9th year, Tula, su.<br>di. Chaturthi<br>Monday, Makha.            | Do                                      | Records sale of lard to a certain Kandan Solan Solly duranyan of Tandalai in the eastern division of Milalai-kurram which was a district of Pandi-mandalam, by two residents of Rajusurya-chaturvedimangalam in Vennatur-nadu.   |
|               | On the                                 | :  | Do.      | :        | Do. do.  | 9th year, Tula, ba. di. Chaturthi, Monday. Makla                  | Do                                      | Relates to the same transaction as is contained in No. 686, above.   |
| , g           | .:                                     | :  | . Chois  | :        | Rajakêsarivarman alias Tribhuvana-<br>chakravartin Rajadhirajadova, who was<br>pleased to take Madura and Ijam<br>(Crylon).  | <del>-</del>  | Do. :                                   | Commences with the words schools surface. Records an order of the assembly of Pañohavanmahadevi alias Kulottungasõja-chaturvedimangalam reducing the rate of varum and kadamai to be puid on lands by the oultivator and fixing the duties and privileges to be  |
| 689           | 9 On the east wall of the same prakara | prakara  | Do.      | :        | Kajakesarivarroan [Rajadhiraja II]   | :   | Do.                                     | enjoyed by certain clusses of persons. Unfinished and built in.  |

| *             |
|---------------|
| 0             |
| Ö             |
| - 7           |
| 1             |
| - 1           |
| οÒ.           |
| بع            |
| _             |
| 19            |
| 13            |
| _             |
|               |
| iπ            |
| -=            |
|               |
| _             |
| . ∵           |
| •             |
| ٠,            |
| Ω.            |
| $\sim$        |
| $\sim$        |
| O             |
| _             |
| <b>Q</b> Q    |
|               |
| ~             |
| . 🗠           |
| -13           |
| ≍             |
| -             |
| ٠,            |
| -             |
| 0             |
| 20            |
| inse          |
|               |
|               |
| •             |
| ب             |
| •             |
| $\sim$        |
| $\overline{}$ |
| ==            |
| TO .          |
| 7             |
| •             |
| - 1           |
|               |
| $\sim$        |
| _             |

|            |   |                           |                              | •  | •   |                           |  |
|------------|---|---------------------------|------------------------------|--|---|---------------------------|--|
| c.         | Place of inscription.   | Dynasty.                  |                              | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Кепитке.   |
| 079,       | On a slah near the dhyajastambha Mabratha of the same temple.                     | Mabratha<br>(of Tanjore). | Ekoji-Vaharaja               | :  | Saka 1606, Kuli<br>4784, Dundubhi,<br>Sittirai 8, Thurs-<br>day, su, di. Sap- | Tamil                     | Gift of land to the temple of Sivalokatyagar by private individuals.   |
| 179        | on a slab near the village of Puliohohakkadu.                                     | :                         | :                            | :  | cami, rusnya.<br>Saka 1659, Pingala,<br>Masi 5.                               | Do.                       | Records that the Poligars and others decided that the village of Pulichchakkadu was not required to be held by the Mahajanas but must be enjoyed by the temple of  |
| J649       | On the north and south walls of<br>the Arunajatesvera temple at<br>Olaiyamputtur, | :                         | •                            | :  | Śaka 1506, Tarana,<br>Vaigasi 15.   | Do                        | Sattainādapuram.  Stones out of order. Records that the repairs in the temple of Tiru-Arunisuramudaiyar wore executed by Nallafevganperunal, son of Kaliyugarama Jattaraiyar Incherical Deams.   |
| ,879,      | On a slab in the tank at the same   | :                         | •                            | :  | Sarvadhari, Avaņi,<br>30.   | Do                        | Danaged. Records a parivartana given by Vaittiyanada-Appagel, Records a parivartana given by Vaittiyanada-Appagel Danagent O'Jjayaraghava-Nayakkaraiyan to the Mehainna of Olimenahanlan   |
| J644       | At the entrance into the Sundares-  | :                         | •                            | :  | 10th year   | . Do                      | Fragment, Beems to register a gift of land for conducting the service called Vikkiramasõlan-sandi instituted in the 'emple of [Trei] lokkiya-Mahadevisvaramudaiyar.  |
| 645        | <u>ē</u>  | :                         |                              |  | 1   | Do                        | One of the fragments mentions the name of the king Tri-<br>bhuranachakrarartin Kulcitulnga-Chōļadēraļ, two of bers<br>contain part of the historical introduction of Kutottunga-<br>Chōļa I.; and the rest provide for efferings to the temple.  |
| 546        | trance.  On the same wall   | Рардуя                    | Jata[varman]                 | :  | :   | Do                        | ssing in the middle. Registers a gi<br>o a number of persons who had to l<br>oalled Sundarapandiyan-tiruttõppu<br>Eundarapandiyan-tengu-tiruvidi.  |
| 244        | Do. ::  |                           | Maravardan<br>Kula Jedrarade | Trithuvanachak[ravartin<br>va.   | 28th year and 190th<br>day.   | <b>τ</b> :                | King's officers Tennavan-Brahmarayar, Vikramasoga-Brahmarayar, Vikramasoga-Brahmarayar, Jayatunga-Balawarayar, Vilawarayar and Kurukuluttanayar, Jayatunga-Blawarayar, Vilawarayar, Majawarayar, Jayatunga-Stone missing in the middle. Registers an order of Kalingarayan granting lands for the muintenance of certain flower-gardens one of which was called Alyyanen-gabagan-tirunandavanam. |
| 548<br>549 | Do., on the left and right sides Do., on the right side                           | Chols<br>Paṇdya           |                              | Tribhuvanacl akrvartin Rajarajadova [Maravarman] Tribhuavanaobakravartin Vikrama-[Papdyadeva]. | 10th year and 122nd day.  | Do                        | Giff of land for supplying pomegranates and offerings to the gods and goddesses in the temple.  Registers an order of Vangattaraiyan. Gift of land for supplying plantain fruits.  |
| 650        | On six fragments built into the platform forming steps in front of the entrance.  | :                         | -                            |  | :   | Do                        | One of the fragments bears the regnal year 48. The others refer to gift of lands.  |
|            |   |                           |                              |  |   |                           |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1918—cont.

| ,     |  |          |       |       |                           |  |
|-------|--|----------|-------|-------|---------------------------|--|
| No.   | Place of inscription.  | Dynasty. | King. | Date. | Language<br>and alphabet. | Remarks.   |
| 551   | 551 On two other fragments collected from the same place.  |          | :     | ;     | Tamil                     | One of the fragments refers to the 8th year of Parakesarivarman Tribhuva nachakravartin VikTrama-Choladeva (12th century) and monthons Nangur in Nangur nadu and                                     |
| .662  | On a slab kept in the compound of the Union Club at Tanjore and the Union Club at Wr. N. K. Barne. | :        | Ê     | :     | Do                        | another contains a portion of the historical introduction of<br>Rajaraja I, (A. P. 985-1013). In archaic characters. Mentions Killikudi in Kilsengili-<br>nadu and seems to register a gift of gold. |
| . 668 | swami Ayar, On fragments in the Nagaraja temple in the Kamalalayam-tank, at Tirruvarur, (Negapatam | :        | i     | :     | .:                        | Some of the fragments seem to register a gift of land. One of them mentions the name Agaravallaban who was 1robably the donor of the stone.  |
|       | taluk, Tanjore district).  |          |       |       |                           |  |

injort.

C.—Stone insoriptions copied in 1919.

|                           | . NO.   | 1003, HOM  | IR (TUDU  | OWII   | on,  | OTH AUG   | DET 1  | .818  |  |
|---------------------------|---|--|---|--|--|---|--|---|--|
| Remarks.                  | Records gift of the village of Sirramur for offerings, lamps and daily worship to the temple of Tiru-Alagiya-Tambirahiar at Viramisamanaliur, a hamlet of Pakkan in Pakkappariu on the north side of the Pennai (river), in Palakuma-kötham, a subdivision of Jayangondae holaman, dalam, by Surapa-Nayaka and Vaiyappa-Nayaka, the sons of Poddu Nayaka. | Records the lease of certain temple lands to Tinmappa-Nayaka who had repaired breaches in the tank at Sidampattu and constructed shrines for Alagiya. Avanappilityar, Vairava and Chandesvara. | Records a transaction similar to No. 2 above.                                   | Registers gift of taxes by Avazaram Annamarasalyse for | Worship and reparts to the same tempto. Registers a gift of taxes and land for lamps to the same temple by Krishnama-Nayaka. | Seems to register a gift of house-sites and money, for the merit of the king, by the agents of Tiruvesgads-Annayan, to certain private indivituals in order to form a madavilagam and for doing service in the temple of Agastyssava at Avirin. | Seems to register a gift of land for a garden to the temple at Sulgapuram. | Gives a list of vessels and ornaments made of gold, silver and pearls and presented to the temples of Kundavat-Vinnager, Irveikulamanikka-févera and Kundavai-Jinalaya, built by the princess Parantakan Kundavai-pirettiyar, daughter of frommaligaittafinadevar, in the oity of Kajarapuram in Mallur-nadu, a sub-division of Venkuna-kottam. Mentions the office Paraktramafola-Minvendavelar. | Stops with the mention of the king.              |
| Language and<br>alphabet. | Tamil   |  | Do  | Do.  | Do   | Do. ::  | Do   | .:  | Do   |
| Date.                     | Śaka 1469, Plu-<br>vanga, Rishabba,<br>su. di. Punarva-<br>su, Monday.  | Saka 1403 (mistake for Suka 1443), Vrisha, Kumbhu, su, di. [Tri]tiya, Wednesday, Uttirathadi.  | Saka 1401 (mistake<br>for 1441), Mesha,<br>su. di. pafichami,<br>Monday, Mriga- | Vikriti, Masi 21                                       | Saka 1497, Yuva<br>Rishabha, ba. di.<br>Newmoon, Mon-  | Vikriti, Tai 13   | Virodhi, Aqi 30  | 21st your   | 11th year  |
| King.                     | Sadasiyadeva-Maharaya, son of Rangnppa-Nayaka-Udaiyar 'who had received tribute from Ceylon.'   | Virapratapa Krishpadova-Maharaya, 'who instituted the elephant hunt.'  | Do. do  | Narasiagay adova-Maharaja                              | Sadasiva-Maharaya  | Aobyutaiyadeva-Maharayu   | :  | Rajakésarivarman alias Rajarájadova   | Parakesarivarınan alias Rajendra-Chė-<br>ladėva. |
| Dynasty.                  | Vijayana-<br>gare.  | Do.  | Do.   | Saluva   | Vijayana-<br>gara.   | Do.   | :  | Chōļa   | Do   |
| Place of inscription.     | On the north wall of the Sundaresvanavamin temple at <b>Sem-bedu</b> (Gingee taluk, South Arcot district).  | On the same wall   | On the south wall of the same temple.   | On the same wall                                       | On the south and east walls of the same temple.  | On the west and south walls of the Agastyssvar temple at Avalur (same district and taluk).  | On a boulder near a tank at Singa-<br>varam (same taluk and district).     | On the north and west walls of the central shrine in the Vishan temple at Dadapuram (Tindivanam taluk, same district).  | On the west wall of the same shrine.             |
| No.                       | <del>.</del>  | 61   | æ   | 4  | مَ   | ŵ   | <u>,</u>   | 9   | •  |

| 3-cont.      |
|--------------|
| ~            |
| Ξ            |
| ~            |
| _            |
| i.           |
| _            |
| copied       |
| څ.           |
| ~            |
| 8            |
| _            |
| =            |
| insoriptions |
| .≍           |
| ij           |
| .=           |
| Ħ            |
| ဗ္ဗ          |
| 3            |
| -=           |
| •            |
| ă            |
| tone         |
| *            |
| υį           |
| 1            |
| ٠.           |
| <b>7</b>     |

| On the same wall  Do  Do On the south and east walls of the   |   | Chola<br>Do.<br>Do. |       | Ki<br>Rajarajakbarivarma<br>Rajarakesrivarman s<br>deva.<br>Tribhuvanaohakrave<br>ladeva. | King.  Rajarajakésarivarman alias Rajarajadévu  Do. do.  deva.  Tribhuvanaohakravartin Kulottunga-Choladeva i ardéva.  Raisrajakésarivarman alias Rajéndra-Choladeva. | 28th year 28rd ,, tth ,, 7th ,, 28rd | Br      | : : : : | Tamil Tamil Do.                           | habet.    | 15 15 15 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18   |
|---|---|---------------------|-------|---|---|--------------------------------------|---------|---------|---|-----------|---|
| Un the south and east walls of mandapa in front of the shrine.  On the north wall of the mandapa.  On the north and west walls contral shrine in the Manik rasvamin temple in the village.  |   | ·<br>•              | · : : | kajakesanyarna<br>deva.<br>Parakesanyarnan e<br>jendradeva.<br>Rajakesanivarnan a         | an allas Kajarajarajarajarajarajas alias Udaiyar ári-Ra-  | fth ,, Do.                           | : : : : | : : :   | , 0 0 0 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6 6   |           | Frevikulamanikka-fésara and Kundavai-Vinagara-Araba should accompany the god in processions and sing and dance during the hunting festival.  The inscription commences with the introduction force and sing and camera does not seem to the secret hat introduction force and is left unfinished.  Giff of vessels by a dancing girl to the temple of Kundavai-Vinagar-Arar for the secred hath of the god. Mentions I raman Sivasaram alias Solla*] purandara Muvendavain, the defers to the construction of the 3 temples at Rajarajapuram mentioned in No. 8 above, by princess Pirantakan Kundavi-Pirathiyar and records that on receipt of the royal wwit the officer Araran Aravanaiyan alias Parakramasola-Muvendavolan of Panaiyur, in Haiyur-nadu subdivision of Vesslippadi, ordered the temple treasury to be axamined and the presents made engraved on stone in the respective temples. The presents consisted of vessels and ornaments of various descriptions, made of gold, editor and pearl. |
| On the south wall of tashrine.  On the east wall  On the east wall of the mafront of the same shrine.  At the top of the entrance central shrine of the temple called Ahjaneya, the same village.  On a rock behind the Garlona for the same village. | On the south wall of the same shrine.  On the east wall |                     | : ::  | Rajak6sarivarman<br>Parak6sarivarman<br>d6ya.<br>Rajak6sarivarman                         | Rajakêsarivarman alias Rajarajadêva<br>Parakêsarivarman alias Rajendra-Choļadeya.<br>Rajakêsarivarman alias Raja[raja]dēva  | 26th 4th 19th Tarapa                 |         | : : :   | р. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. Б. | : : : : : | Gift of sneep for 10 samps to the temple of Ent-travitual-manika-fsvaramudalyar by the same princess. Refers also to the construction of the temple by her.  Built in in the middle. Gift of sheep for a lamp to the same temple, by Aiyyagan Deviyanar, one of the maid-servants of the princess.  Recoords that the temple of Sri-Lakshmi-Narayana-Perumal was constructed by a certain Elumbödalagiyan, the headman of Pudanir.  In modern characters. Records that the water of the tirukkulam should not be baled out in baskets.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.       | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | Date.  | Lenguage and<br>alphabet. |   |
|-----------|---|--------------------|---|--|---------------------------|---|
| \$        | <u> </u>  | Chōla              | Rajakesarivarman allas Rajarajadėva   | 19th year  | Tamil                     | Registers the gift of salt-pan for providing a lamp to the temple of Sri-Bhumisvaruttalyar at Rajarajapperalam in Manakkanam (which was) a devedana in Fatting-nado, a  |
| . *       | temple at <b>Markanam</b> (same taluk and district). On the same wall | Do                 | Parakssrivarman alias Bajendra-Chola-<br>deva.  | 4th  | Do                        | subdivision of Oyn.a-nadu.  Gift of the taxes on a salt-pan for 2 lamps to the temple of Tirnppumlehohuvaramudaiyar at Manakanam alias Rajarajapperajam. Refers to the gift mentioned in No. 23   |
| 25        | Do  | Saluva             | Tammayadeva-Maharaya, son of Bhuja-<br>kalaraya-Virapratapa Sajuwa Nara-<br>singayadeva-Maharaya. | Śaka 1421, Siddhar-<br>thi, Mesha, su.<br>di., Monday, | Do                        | ubove. Gift of a salt-pan to the temple at Marakkanam alias Kandaradittanallur, in Pattunanadu, a subdivision of Oyma-natu alias Visaiyaradedhiradola-valanadu which  |
| 26        | On the west wall of the same shrine.                                  | Chola              | Rajakesarivarman aliae Chakravartin<br>Kulottunga-Chōļadēva.                                      | 4th year   | . :                       | Was a unsure of saying outpending with the words good being some state of the introduction begins with the words good before of Tire-Bhunisfaramudaiyar. Meutions Eviroattinam alias Vikkiramasõja-obaturvediman-   |
| 72        | On the same wall  | :                  |   | Khara, Purattadi                                       | Do                        | damaged. Seems to reworship to the same to  |
| <b>66</b> | On the west and south walls of the same shrine.                       | Chola              | Rajaraja-Rajakesarivarman   | 17th year  |                           | Nuvender that the officer Ainran Udaiyadiyakaran Arumoli-<br>Muvenderelan of Araisar while stationed at Pathanan in<br>Pathana-nadu, a subdivision of Oyma-nadu, preceived  |
| 80        | On the south wall of the same shrine.                                 | Do. :              | Parakesarivarman alias Kajendra-Chöla-<br>deva.   | 8th:   | Do                        | oomplaint that the expenses of the sample of the devadars dove were not conducted since the grant of the devadars of Manukahan and fixed a fresh scale of expenses after due enquiry. States that the birth-day asterism (\$\oldsymbol{\text{G}} \oldsymbol{e} \oldsymbol{\text{G}} \oldsym |
| 80        | On the same wall  | Do. ••             | Kajakesarivarman Udaiyar ént-Vijaya-<br>rajendradeva.   | 35th ,,  | Do                        | Records a sale of land for flower-garlends, offerings and lamps to the same temple by the assembly of Eyirpattinam which was a hrahmadeya in Pattina-nadu as a sub-   |
| 31        | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.          | Vijayana-<br>gara. | Virappana-Udaiyar, son of 'Vira-Ariyana-<br>Udaiyar.  | Raktakshi, Mar-<br>gelli.                              | ъ                         | uvision of lambitunationola. Valabadu in ergangoupa-<br>chola-mandalau.  Obstructed by images. Seems to record a gift of land for<br>worship and repairs to the temple at Marakkanam slias<br>Kandaradittanallor in Pattina-nadu, a subdivision of<br>Oyma-nadu alias Vijaiyarajandadu. Men-  |
| 83        | On the north wall of the same mandapa.                                | Do.                | Virnppapa-Udaiyar   | su. di. dasami,<br>Friday, Pushys.                     | Do                        | Muttarasar and Samparasar.  Fragmentary. Seems to record a provision for lamps and lotuses to the same temple.  |

enamonic

C.- Stone inscriptions copied in 1919-cont.

|              | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language<br>and alphabet. | Bemarks.   |
|--------------|--|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| the t        | On the west and south walls of the same mandapa.                             | Chola              | nchakravartin Kulottunga-<br>ra, who was pleased to take<br>and the orowned head of the | 16th year  | Tamil                     | Records that a resident of Arampondai having accidentally shot a person, was required by the nadu and the Brahmans to give 12 sheep for burning a lamp in the temple of  |
| n the<br>mag | On the south wall of the same mandapa.                                       | Vijayana-<br>gara. | Fandya.<br>Vira-Kampanna-Udaiyar, son of Vira-<br>Bukkana-Udaiyar.                      | Kilaka, Arpasi 12  | Do                        | Irappumisvaramudanya-Nayanar. Records an order of the pradhani Somaiya-Dannayaka, romitting the taxes in money due by certain classes of people inhabiting the tirumadaivilagan and a new street in Markafanan, in favour of the temple of Tirumenist. |
| 'n th        | On the same wall   | :                  | :   | Vijaya, Tai 1  | Do                        | varamudaiyär, for worship, lamps and repairs.<br>Registers a gift made by lixama-Reddi for the merit of<br>Kamabattar-Ayyan, to the temple of liruppumisu-   |
| н            | Do   | :                  | :   | Kilaka, Adi 1[4]   | Do                        | ramudaiya-fambiranar, for worship and lamps. Dannaged and built in Registers the gift of a lamp. Martions a cartein Machidea. Na wakber A wan  |
| on the Sa    | On the east and north walls of the Sanatemple.                               | :                  | :   | Bahudhanya, Pur-<br>sttadi 20.                                     | Do                        | Built in the middle. Gift of a portion of a salt-pan to a matha, by the Mudalis of Marakkanam, for the merit of Tirumalai-Nayaka.  |
| At<br>ter    | At the entrance into the same temple; left side.                             | :                  | :   | Tarana, Arpusi 20.   | Do                        | Stones missing. Registers a gift of land to the temple of Tiruppaniyappar-Tambiranar by the Mudalis of Marak-bannar for the menion   |
| En et        | In the same place  | Saluva             | Naганій gadeva  | Chitrabhanu (expired) Svabhanu                                     | Do                        | Gift of taxes for worship etc. to the temple by Echchappa-Nayakhar, the agent of the king.   |
|              | Do   | Vijayana-          | Immadi-Achyutaraya  | (ourrent), Ani 15.<br>Vijambi, Tai 7,<br>Arihodava.                | Do,                       | Damaged. Registers a sarvamanya gift of land made for the mert of Tritiarappar, to the same temple.  |
| At 1         | At the entrance; right side  | , Do.              | Aohyutaiyadeva-Mahataya   | Nandana, Ani 4.  | Do                        | Damaged. Gift of a sait-pan to the temple of Tiruvakkiguramudaiya-Nayanar at Velur and another at Kunimedu, by a certain Potti-Keddi and the Mudalis of Marakkanam, for the merit of Kamabaţkaraiyaii.   |
| In t         | In the same place  | Do.                | Mallikarj unarays, son of Eevarays-Maha-<br>raya, 'who instituted the elephant hunt'.   | Śaka 1384, Tarana,<br>Kumbha śu. di.<br>Paurnai, Monday,<br>Makha. | . Do                      | Registers the gift of Vijaiyarayanallur as a devadana to the temple of liruppumisvaramudaiya-Nayanarin Muñingruppagu, by the residents of Olugarai alias Kulottunga-60lanallur in Mattur-nadu.   |
|              | Do   | Do.                | Immadi-Aohyutadera-Maha[raya]   | [Vila]mbi, Tai 6,<br>Ardhodaya.                                    | Do                        | Damaged and built in. Registers the gift of the village<br>Puduppattu, to the same temple, for worship and repairs,<br>by Tittaraiyan for the merit of Ramabattar-Ayyan.   |
| o<br>P       | On the east wall of the rained Siva temple near Kandadu (same and district). | Dο.                | Kṛishņadeva-Maharaya  | Śaka 1445, Tarana,<br>Tai 15, Monday,<br>Pushya.                   | Do                        | Gift of Kavanippakkam, a hamlet of Kandadu as a devadans<br>to the temple of Ekamranatha by. Kalattisuraiyar, son of<br>Tirumalai-Nayakkar.  |
| o<br>T       | On the north wall of the same taluk temple.                                  | :                  | :   | Saumys   | Do.                       | Registers an order of Kakkai Nayaka of Kandadu to a Kaikkola to set up an image of Fillaiyar called Tirukkara-[vel]-Fillaiyar and to receive certain privileges.   |

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.       | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | <b>Date.</b>   | Language and | Idemarks.   |
|-----------|---|--------------------|---|--|--------------|---|
| <b>\$</b> | On the south wall of the same temple.   | ;                  | :   | [Vil]ambi, Margali   | _            | Built in at the beginning. Seems to register the gift of a portion of a salt-pan by the residents [of Kandadu] to the temple of Tiruvakkisura[mudaiya] -Tambiranar at Velnr.  |
| 4         | On the same wall  | :                  | Sakalaloksohakravartin Rajanardyapa<br>Sambuvaraya.                   | 18th year, su, di.<br>prathama, Sadai-<br>yam.                             | Do.          | Ã   |
| 748       | On a granite slab laying in a field at Nochchikulam, hamlet of Kunimedit (same taluk and district).                   | : ,                |   | , <b>:</b>   | Dutoh        | The grave of Maria De Wisser "wife of Gerrit Westrenen, book-keeper in the Company, who died in [A.D.] 1103;" (see Gazetteer of the South Aroot District, Volume I, page 862-) A bove the inscription is engraved a circular seal.  |
| 64        | On a slab set up in front of the inner gopura in the Vettairsyapperunal, temple at Alattur (same taluk and district). | Vijayana-<br>gara. | Sadasivaiyadeva-Chola-Maharaya  | Saka, 1470, Kilaka,<br>Sittirai 10, Utti-<br>ram, su. di.<br>dasami Simha- | Tam il       | like figure.  Damaged. Gift of the right of Kaval of Alattur and other villages to the temple of Vettafyirayan, by a certain Uyyalanallan Timmaiyan.  |
| 09,       | On the east wall of the central shrine in the Adavallesvara temple at Munnur (same taluk, and district).              | Сћоја              | Tribhuvanaobakravartin Tribhuvanaviradeva.                            | lagna, Friday.<br>38th year and<br>261st day.                              | υ₀.<br>      | Records a gift of land at Vanniyanallur by the king, at the request of a certain Vattarayan, for a festival in Avani named after the king and for repairs, to the temple of Adavalla-Nayanar at Muñfur alias Rajanarayana. ohaturedinangalam in Oymā-nadu alias Vijanyarajendravalanādu, a suhdivision of Javanganachalam |
| 51        | On the same wall  | Gajapati           | Dakshina Kapilesvarskumars-Mahapatra,<br>son of Ambira (Hamviradsva). | Saka 1386, Tarana,<br>Mithuna, su. di.<br>tribra, Thuraday.                | Do. ::       | The Royal Seoretary (tirumandiravolai) was Rajana-rayana-Muvendavelan. Registers a gift of land for "Ahamvirabhoga" festival () and repairs to the temples of Tirumnlattanamidaiya-M. had.  |
| 22        | On the east, north and west walls of the same shrine.   | Chōļa              | Tribhuvanaobakravartin Rajarajadova                                   | Pushys.  | Do           | Records a tax-free gift of land by purchase, at Viluvur, by Ammaiyappan Siyan Pallavandan alias Rajanarayana Sambuvarayan to the temple of Adavalla-Nayanar, for  |
| 89        | On the north and west walls of the same shrine.   | Sajuva             | Narasingaraya-Udaiyar   | Śaka 1388, Vyaya,<br>Margaļi 9.  | Do           | ociepzating the hunting festival of the god in the month of Sittirai. Gift of land for offerings, festivals and a flower-garden, to the temple of Mulattanamudaiya-Nayinar at Muffuru, by Tammarasar the agent of Annamarasar, who was the avalaram of the kino   |
| 42        | On the same walls   | Paņdya             | Jatavarman Tribbuvanachakravartin<br>Vira-Papdyadeva.                 | 10thfyear  | Do           |   |



C. -Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| 1                         | ving<br>the   | d hy<br>ι for  | uire-<br>geni   | the  | on Am <b>å-</b><br>Titķiich-  | alūr,<br>for<br>an <b>ār</b>  | , mm.   | ayan<br>for  | giya<br>and-   | anūr<br>yaņ-<br>gave   | land<br>lah <b>a</b> -<br>vara-  | a sub- to the in the so to the turvedi- tank of   |
|---------------------------|---|--|---|--|---|---|---|--|--|--|--|---|
| Копатке.                  | Gift of three lamps by a lady and her two daughters living in Silachintamani-parigiraha in Naduvil-nadu, to the | Built in at the right end. Seems to record a gift of land hy purchase, by an oilmenrer of [Mu]digondasélapuram for | forming a street.  Gift of certain taxes for a flower-rarden and other requirements, to the temple of Mulasthanamudaiyar by Sengeni | Ammaiyappan Kajarala-Sambuvurayan. Built in at the bottom. Gift of land for a lamp to the same temple by a certain Tiruvarangadevan, the headman | frur. Gift of land by purchase. for worship days, to the same temple by a native of | cheri.  (sift of Kodukkanpattu and Nallanji, hamlets of Kilifialin, with their names changed into Sintiramelinaliar, for worship and repairs to the temple of Adwalla-Nayanar | by the people of Nagarankatturnadu.  Gift of four cows for a lamp to the temple of Walasthanamu- daiver, by a naive of Perur in Pulyfur-kottam. | Records the confirmation by Alagiya Pellavan Virarayan alias Kachehiyanayan, cf gifts made ly Alyadevar for worship and repairs to the temple. | A similar confirmation by Kudal-Alappirrandan Alagya<br>Pulavan alias Kadavaraysii, of gifts me de by his grand-<br>father.  | Built in the middle. Records that a native of Kiranur constructed the walls of the mandapa called Madagnishan-mandapa in the second prakara of the temple and gave |  | nudayan, a native of Iralyur in Kunnuradu, division of Unrukhattu-kottam, for offerings image of Udaiya-Pilajar which he had set up temple.  Records a gift by the individual mentioned in No. 6 assembly of Munnur alias Rajanarayana-cha margalam for strengthening the bund of the big the village wherever necessary. |
| pu                        | :   | :  | :   | :  | :   | :   | :   | :  | :  | :  | :  | :   |
| Language and<br>alphabet. | Tamil.  | Do   | Do.   | Do.  | Do.   | $\mathbf{D}_0$  | Do.   | Do.  | Do.  | Po.  | Do.  | Do.   |
| 1                         | :   |  | :   | :  | :   | :   | :   | :  | :  |  | :  | :   |
|                           | :   | :  |   | :  | :   | :   | :   | :  | :  | :  | :  | :   |
| Date.                     | 18th year   | :  | 13th year   | 17th ,,  | 8th "   | 6th ,,  | 18th ,,   | 3rd .,   | 83rd   | •  | 11th year  | 20th ,,   |
|                           |   | :  | :   | :  | rajadeva.   | artin   | :   | ińga-  | Llam<br>wned<br>per-   | unga-<br>take<br>r and   | 7a<br>ac ba-   | Kulottunga.   |
|                           | jadēva  |  |   |  | raja  | հռ <b>k</b> rav   | เลิรณใช้  | Peruñj   | huvans<br>adura,<br>he oro<br>nased to   | Kulottunga-<br>sed to take<br>Karuwur and  | Pand,<br>bhuvar<br>adëva.  | Kulott  |
|                           | Rajars  |  |   |  |   | ıvanao  | ı Rajaı   | rtin ]   | h Trib<br>ken M<br>and the<br>was ple  | rtin Kulottu<br>was pleased to   | ogyoth, maint in and in the Pandya'. alies Tribhuyanacha-  | ď   |
| King.                     | vartin  | ÷  |   | á  | •   | Tribhy<br>va.   | avartir   | akrave   | ravartii<br>ving ta<br>ruvur<br>ndya<br>ntmen  | ravarti<br>7ho wa<br>7Cow  | · * =  | ravarti   |
|                           | Tribhuvanachakravartin Rajarajadéva   | Do.  | De.   | Do.  | ٠   | Jatavarman alias Tribhuvanachakravartin<br>Vira-Paṇdyadôva.   | Tribhnvanaobakravartin Rajarajadsva   | Sakalabhuvanachakravartin Peruñjihga-<br>dêva.   | Tribhuvanachakravartin Tribhuvanaviradeva, 'who having taken Madura, Liam (Ceylon), Karuvir and the orowned head of the Pandya waspleased to perform the ancintment of heroes and of | viotors'. Tribhuvanachakravartin Kulottuhga-<br>Choljadeva, who was pleased to take<br>Madrus Ilom (Carlon) Karnair and  | Rajakasariyama (Cojoni), katuru Kaitka Kanya, Kajakasariyaman alise Tribhuyanan krayartin Kulottunga-Chojadeva.  | Tribhuvanach <b>a</b> kravartin<br>Choladeva.   |
|                           | uvana   |  |   |  | Tribhavana.   | varmar<br>Ira-Par   | havan   | kalabhu<br>deva.   | sva, 'v'<br>sva, 'v'<br>seglon'<br>sed of  | viotors'.<br>ribbuvan<br>Cholade   | the orcal skewing the orcal sk | ibbuvanaol<br>Choļadēva.  |
|                           | Tribh   |  |   |  | Trip  | Jata  |   |  | Ţ.   | <u> </u>   |  |   |
| . t.                      | :   | •  | :   | :  | :   | :   | :   | ;  | :  | <b>:</b> ,   | :  | :   |
| Dynasty.                  | Chola   | Do.  | ė   | Do.  | Do.   | Рарфув  | Chola   | Pallava  | Chola.   | Do.  |  | Do.   |
|                           | lapa  | :  | :   | :  | :   | :   | :   | same maņ-  | :  | :  | ^  | :   |
|                           | mand<br>ine.  | :  | :   | :  | :   | :   | :   | same   | :  | :  | :  | :   |
| ription                   | of the  | :  | :   | :  | :   | :   | :   |  | :  | :  | :  | : ,   |
| Place of inscription.     | wall<br>the sa  | e wall   |   |  |   |   |   | t wall c   | ne wal   |  |  | _   |
| Place                     | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine.   | On the sume wall   | Do.   | Do.  | Do.   | Do.   | Do.   | On the east wall of the dapa.  | On the same wall   | Do.  | Do   | D0.   |
| No.                       | 65  | 99   | 67  | 88   | 9   | 09  | 19  | 63   | 89   | 64   | <b>6</b>   | 99  |
| <b>Z</b>                  | l   |  |   |  |   |   |   |  | 10   | 03. Hon  | ne <b>(E</b> d <b>n.</b> )   | <u>14</u>   |

| 1919—cont. |
|------------|
| ä          |
| oopied     |
| ofi        |
| pti        |
| ingori     |
| tonê       |
| 80         |
| Ö          |

| ×    | Dlone of farming the                             | 1       | T:   | - T  | Language and |   |
|------|--|---------|--|--|--------------|---|
|      | rigos of theoripiton,                            | Lynawy. | Wing.  | Date.  | alphabet.    | Копагка.  |
| 69   | On the same wall                                 | Chola   | Parakésativarman alias Tribhuvanacha-<br>kravartin Rajara[ja*]déva.      | 7th year   | Pamil        | Gift of land in Emapporta alias Madhurantakanallur in Kadaiyur-nadu, for a lamp to the temple of Molasthanamudaiya-Mahaddwa, by a certain Munniyan Mikamappallavanaiyai, a residentof Tirukkovalor in Kurikkai-kuram, a subdivision of Milada alias Janunatha-valendu, in expiation of the sin of an accidental death of a native of Manhakkam, in Vilupparaiva-ndu through the donor's |
| 86 8 | Do,<br>On the north wall of the same<br>mandapa. | Ohola   | Kulottatiga-Choladeva  | Nala, Arpasi 10<br>11th year                                   | . :<br>Do.   | nephew.  Modern. (lift of land by a certain Tirumaku. Nayaku.  Becords a sale of land for 8 kasu by Yajūa-Bhatţa of Pasindipuram, one of the members of the alungana of Muñūur, to certain. Brahmans for maintaining half a   |
| 2    | On the same wall                                 | Do      | Tribhuvanaohakravartin Rajarajadéva                                      | 18th 3 ear   | Do           | Mulathanamudaiya Mahadova.<br>Gift of 16 cows for another half lamp by the grandson of the ~donor mentioned in No. 69. Refers to Kulottunga-(hols   |
| 11   | On the north and west walls of the same mandapa. | Do      | Tribhuvanachakravartin Rajadhiraja-<br>deva.                             | 11th ,,  | Do           | by the name 'Sokkapperumal.' Gift of taxes for repairing the ''Ediraganayan-tirunaligai'' and other structures in the temple and for repairs by Sengen; Ammai-Appan Siyan Pallavandan aline Kajana.   |
| 27   | On the same walls                                |         | Parakesarivarman alias Tribhuvanacha-<br>kravartin Kaja[raja®]deva.      | 16th year, Simha,<br>ba. di. 6kada61,<br>Monday, Tiruva-dirai. | Do           | rayana-Sambuvarayan mentioned in No. 62 above.  The introduction hogins with the words year allowers in etc. Giff of 9 kasu by Ariyan Andan Kunallakura-Bhattan for a lump to the shrine of Visvesvarudeva huilt by him in the western prakara (tiruohohungu) of the temple   |
| 78   | Do. : :  | :       | :  | 6th year   | Do           | of Aludaiyar Sri Molasthanamudsiyar. Gift of land made tux-free, in Shupadi alias Kulottungs- sõlanallor by Styain Pallavandan Edirilisõla Sambuvara- yan, under the orden issued by the king at the instance of Gangsyanayan and others, to the temple of Adavallar.   |
| 7.   | On the west wall of the same mandapa.            | Сьоја   | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva                                      | 16th ,,  | Do           | Montions the Royal Secretary Minavan-Muvendavelan. Gift of land by purchase for offerings and lamps to the image of Viscenaradeva set up in the temple of Mulasthanadaya, by Ariyan Kamalakara-Bhatta; See No.  |
| 76   | On the same wall                                 | Do      | Rajakesarivarman aliss Tribhuvanaoha-<br>kravartin Kulottanga-Choladeva, | 12th year and 130th<br>day.                                    | Do           | 72 above. The introduction begins with the words LCenewr, etc. Records a royal gift of lands at Nagar alias Dinachintamaninaliar constituting them into a new village under the name Kulöttungssolanallur. Mentions the koyal beore-  |
| 92   | On the same wall                                 | Do.     | Parakésarivarman alias Tribhuvana.<br>obakravattin Rajarajadéva.         | 14th year  | Do           | tary Asaiohala Muvendavellan.  The introduction begins with the words user secure.  sto. Gift of money for a lamp to the temple of Molasthamundaiyar at Muffan ralias Rajanarayana.  obaturvedimingalam in Oymanadu alias Vijntyarajedravalandtu which was a subdivision of Jayangondacholamandaklam, by a mative of Rajasinhapuram in Tirumu-  |
|      |  |         |  |  |              | iistypsur-naun, a suburvision or kajarsja-vaisnau.  |



C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No. | Place of inscription.   | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-----|---|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| 2.2 | On the same wall  | Chōla              | Tribhuvanachakravartin Tribhuvana-                              | •4th year  | Tamil                     | Built in. Seems to record a gift of land for a lamp to the temple of Adavalla-Nayanar, by a native of Puttur in  |
| 78  | At the top of the entrance into a vacant shrine in the west prakara of the same termine | :                  | :   | :  | Do                        | Fațțına-nadu.<br>Records that Ariyan Andān Kamalakarabațtan sel up the<br>image of Visvesvaradeva and repaired the temple.   |
| 7.0 | On the west wall of the same prakara (inside).  | Vijayana-<br>gara. | Virapakshadeva-Maharaya, son of Vira-<br>pratapa Deva-Maharaya. | Śaka 13[90],<br>Sarvadhari, [Pań-<br>guni] 20.               | Do                        | Much damaged. Records a gift of land to the tengile of Aduvalla-Nayinar at Muññûr by Annamanasa-Ayyan, the agent of Saluva Narasinganaya-Udanyar, for worship and festivels. Refers to a mendene high, by the managers.  |
| 08  | On the south wall of the same prakara (inside).   | Pallava            | Sakalabhuvanachakravartin Perufijinga-<br>deva.                 | 12th year  |                           |  |
| F.E | On the same wall  | Chola              | Rajarajadeva  | " pu[z]  | ηο.                       | gasola-Muvendavelan of Ambarin Ambar-nadu, a sub-<br>division of Uyakkondar-valanadu in Sola-mandalam. Beoords that a certain Periyanachehiyar of Kayirur set up the image of Periya-Vinayakupillaiyar and gaveland for offeringer and lamer to it. States that she also built the   |
| 82  | On the same wall (outside)  | Sajava             | Narasingayyadeva-Maharaya                                       | Vyaya, Purattadi   | Do                        | eopana-mandapa in front of the Dakshinamuri shrine. Built in at the bottom. Seems to record the appointment of a person by Tammarasa, the agent of Annamarasa, who was the avasaram of the king to look after the lamps in   |
| 83  | Do  | Рарфув             | . Marayarman Tribhuyanaohakrayarin<br>Parakrama-[Paṇḍya]dēya.   | 6th year, Purațțadi.   | Do                        | the same temple. Built in at the beginning. Scems to register a gift of land for worship and offerings to the temple of Adavalla-  |
| 86  | . Do,   | Vіјау па           | Vijay naga   Mallikarjunaraya                                   | Śaka 1389, [Vya-ya], Mithuna, ku di. Monday, dasami, Tiruva- | Do                        | Gift of land by purchase, for a flower-garden, to the same temple by a native of Soladivakananallur alias Tingadupakkam in Urrukkattu-kottam, a subdivision of Jayangondachola-mandalam.   |
| 88  | Do. :   | Pallava            | Sakalabhuvanachakravartin Peruhjinga-<br>deva.                  | dirai.<br>10th year  | Do.                       | Damaged. Secms to record a gift to the temple of Adavallanayanar at Muhhur alias Ikajanarayana-chaturvedimangahan in Oyma-nadu, a subdivision of Jayangcondachola-wandalam, by Kudal-Alappirandan Dovaramalagiyan alias Vanaraya.  |
| 86  | On the same wall Do.  | Choja<br>••        | Tribhuvanaviradeva  | 3 • year and 357th day.                                      | Do                        | Duilt in and intercepted by pillars. Seems to provide for repairs to the temple.  Seems to record the construction of a car and a gift of land to the same to the same to be the same to b |
| 88  | On the east wall of the mined Kamskahi Amman shrine in the same temple.                 | Do.                | Tribbuvanaobakravartin Tribhuvanavira-dêva.                     | 38rd year  | Do                        | nanjadat-Nayaka 101 the mette of ta. of money and land to the temple, by Å addova alias Kaduvetti of Nerkuppai, f the car festival.  |

. C.—Stone inscriptions copied in 1919--cont.

| Ñ.  | Place of inscription.  | Dynasty.           | Name of king.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Вепатка.   |
|-----|--|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| 68  | On the west wall of the same   | :                  | Tribhuvanachakravartin Konérinmai-<br>kopédan.              | 28rd year  | Tamil                     | Gift of land, made tax-free, for the expenses to the shrine of Tirukkamsködtamudaiya Periya-Naobchiyar in the  |
| 06  | On the same wall   | :                  | :   | Pińgaļa, Tai 10  | IJ₀                       | Gift of land, house and house-site to a private individual,  |
| 91  | At the entrance into same temple; right side.  | •                  | :   | :  | Do                        | by the tempts around was (oilled after) Trumalirun-<br>keeords that the entrance was (oilled after) Trumalirun-<br>jolai-ningan Malavarayan of Nalkuruchehi in Pandi-  |
| 86  | On the east and north walls of the deserted Vishnu temple in the same village.                       | Gajapati           | Dakshins-Kapilesvara Kumara Mahapatra<br>son of Ambiradsva. | Saka 1386, Tarana,<br>Mithuna, su. di.<br>tritiga, Thursday, | Do                        | mandanam. A copy of No. 51, above.   |
| 8   | On the north wall of the same temple.  | Paṇdya             | Jatavarman Tribhuvanaobakravartin<br>Vira-Papdyadeva.       | 10th year, Dhanus,<br>far. di. prathama,<br>Monday, Punar-   | Ъо.                       | Records a tax-free gift of Singavanendal, a hamlet of Muñnen with its name changed into Purushöttamanallur, by the people of Oyna-nadu, for worship and repairs to the templo of Purushöttaman alias Sittira-  |
| 40  | On the same wall   | Do                 | Ъо.   | 13th year, Margali 21.                                       | Do                        | meli-Vippagar-Emberumal. Records a tax-free gift of land for worship and repairs to the same temple by Tiruvanantisa-Bhatta-Somayaji of  |
| 96  | Do. :  | :                  | :   | :  | Do                        | Records that some construction or repairs (Bauluss) were executed by Perumappillai, the son of Vilandaippillai   |
| 96  | On the north and west walls of the same temple.  | Saļuva             | Narasingadeva-Maharaya                                      | Vyaya, Karttika<br>30.                                       | Дο                        | legands the appointment of a certain shepherd as a köyil-<br>kudi to the temple of Perumal Sittirameli-Vinnagar-<br>Fribanial In Theorem to the control of the con |
| 26  | On the west wall of the same temple.   | Paṇdya             | Maravarman Tribhuvanachakravartin<br>Bundara-Pandyadeva.    | 13 + 1st year  | Do                        | Vern out and incomplete. Mentions Vikrama-Pandys Mavulyakaryar,  |
| 86  | At the entrance into the same tem-   | :                  |   | :  | Do                        | Records that the doorway (tirunilaikkal) was the gift of   |
| 60, | ()n the west wall of a descrted<br>structure called Sambandapperu-<br>malköyil, in the same village. | :                  | :   | Nala, Tai 6  | Do                        | Records that the work (ie., the construction of the building) was done by Kanjana-Nayaka, son of Timmu-Nayaka, none of the Kannadiya-Nayakas of Marada-  |
| ۷00 | On the south wall of the central shrine in the Tirumukhiffvara temple at Velur (same taluk and       | Vijaya-<br>nagara. | Ктівһрадети-Маћагауа  | Tai 10.  | Do                        | Records the gift of a village as a devadans to the temple of Tiruvakktsurmaudaiya-Nayinar, by a certain Kama-Nayaka in the name of the king. Villavarayar figures  |
| 101 | unsurvet). On the east and north_walls of the same shrine.   | :                  | :<br>:  | :  | Do                        | as a signatory.  Stones missing.  for the morit of Viravasanta-Nayaka, for festivals in the temple of Tiruvakkisuramudaiyar Signed by Villava-   |
| 102 | On the north wall of the same shrine.  | Vijaya-<br>nagara. | Kriebņadēva-Mahārsya  | Vyaya, Tai 6   | Dô                        | rayar. Gift of land for a lamp to the shrine of Ilaya-Nayinar, by Vittoppaa-Nayaka, son of Ellappa-Nayaka, in the name   |
| 103 | On the east wall of the mandaps in<br>front of the same shrine.                                      | Choļa              | Tribhuvanachakravartin                                      | :  | Do                        | Fraguest and the fema to record a gift by Sengent Ammai-yappan, for repairs to the temple.   |

(635 g)

GARDIN

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|                        |   |  |   | LOMER   | (ED COATI  | ON ), 10:   | AUGUST 1  | rata   | 97  |
|------------------------|---|--|---|---|--|---|---|--|---|
| Кошагка                | Gift of a hamlet Mulliyappanagaram as a devadana to the traple by the king. Signed by Kungapperumal and | Stone anisyng at the end. Gift of the village Kuppam as a devadana to the temple by the king for the merit of Saluvakkanakkar. Signed by Tittar-Pillai and Villaya | rayar. Gift of cows made at the instance of the residents of several districts, for a lamp, to the temple of 'lituvagnisvaramudaiya-Mahadova at Velir alias Virudarajabhayankaranallur in Oyma-nadu, by a native of Kaduvanpakkam for having shot his uncle with an arrow mistaking him for | an animal. Fragmentary. Seems to register a gift of lamp to the same temple by a certain Siriyan for a similar accidental death | or an individual, while hunting.  Records that a certain. Titter, a native of Savundiriya.  60, apuram in Asur-nadu, a subdivision of Jayungondoh olamandalam built the nritta-mandapa and Nayakar-tirnviruppu, in the temple of Tiruvakkisuramudaiya-Nayinar at Velur, in order to please Kalahastisvara, his | utelary delicy.  Registers a tax-iree gift of the village of Parangeni in Yeldr-sirmai, for worship and repairs to the temple of liravakktsuramudaiya. Tambiranar, by a certain Nagu-Reddiyar. Records that Viţţhaladeva-Mahāraja was | governing the country. Stones on to 48 sheep made at the instance of order. Bhattas, for a lamp to the temple of 'Uiru-Agnafavaramudaya-Mahadeva at Veliu alias Virudarajabhayankaramallur in Oyma-nāḍu alias Vijayarājāndra-vaļanāḍu, a subdivision of Jayangondachòja-manḍalam by two residents of the village, for having killed a buffalo which had spoiled their crop. | The inscription is exposed only on one side of each pillar, the other sides being covered by the walls. Seems to register a gift of land for worship and offerings, to the temple of Tiru-Agniévara at Velur in Ma[ni]-nadu, a subdivision of Oyma-nadu in Jayangondaohoja-mandalam. | Becords that this mandapa was built by Veriya-Nagu-Beddi, son of Periya-Erama-Reddi. The inscription has been mostly erased by a chisel. Seems to register a gift of taxes. Mentions Muffüngu-pagru in Oyma-nadu alias Virudarajabhayankara-valanadu. |
| and<br>it.             | :   | `:   | :   | :   | :  | :   | :   | :  | : :   |
| Language and alphabet. | Tamil   | Do.  | Do.   | Do.   | Do.  | ,<br>Do.  | Do.   | Do.  | Do.   |
|                        | ·   |  | :   | :   | Aqi 14,<br>Friday,   | asi 5.  | •   | :  | :   |
| Date.                  | Virodhi, Avaņi 20.  | Khara, Adi 1   | 11th year   | 10th ,,   | Hevilambi, Adi 14,<br>Shashthi, Friday,<br>Hasta.  | Sobbakrit, Arpasi 6.  | 19th year   | [20]th ,,  | <br>Saka 1883   |
|                        | :   | :  | ћgа-  | :   |  | :   | ıńga-   | -ոննա-   | ratā-   |
|                        | :   | :  | Kulôttuńga-   | jadeve  |  | :   | Kulottuńga-   | dra-C!   | Virap   |
|                        | :   | :  | ×   | Kajara  |  | :   | <b>×</b>  | s Rajendra-Chola-  | Bon of  |
| King.                  | :   | гаув   | ærtin   | nachakravartin Kajarajadeva   | <b>:</b>   | araya   | gartin  | aliae  | iraya, so<br>haraya.  |
| 25                     | :   | -Mah   | lakrav  | лакгар  |  | а-Мар   | hakra.  | rman   | ı-Mahı<br>ya-M  |
|                        | laraya  | tadēva   | ribhuvanaob<br>Choladova.   | naol  |  | vadeve  | ribhuvanнch<br>Chòļadēva.   | 36ari▼a<br>L.  | allikarjuna-Maharay<br>pa Devaraya-Mahare   |
|                        | Aohyutaraya   | Achyutadbra-Maharays   | Tribhuvanaohakravartin<br>Choladeva.  | :   |  | Sadaétvaddva-Maharay  | Tribhuvanuchakravarti<br>Choļadēva.   | Parakssarivarman alia<br>deva.   | Mallikarjuna-Maharaya, son of Viraprata-<br>pa Dévaraya-Maharaya.   |
|                        |   |  | :   | :   |  |   | :   | :  |   |
| Dynastý.               | Vijayana-<br>gara.  | Do.  | Chola   | Do.   | :  | Vijayana-<br>gara.  | Chō∤s   | Do.  | Vijayana-<br>gara.  |
|                        | :   | вать   |   | ame   | :  | orah-<br>nple.  | walls   | walls  | t the lira-   |
| on.                    | :   | the s  | On the north and west walls of the same mandapa.  | west wall of the same   | :  | n the west wall of the Subrah-<br>manya shrine in the same temple.  | On the north, west and south walls of the same shrine.  | On three pillars built into the walls of the same temple.  | On a wall on the south side of the same temple. On the west and south walls of the central shrine in the liurvirunda-Perumal temple in the same village.  |
| Place of insoription.  | :   | <b>5</b>   | Weelt v   | all of  | :  | all of t<br>the sa  | t and i   | uilt int<br>ple.   | south<br>south<br>ins ii  |
| of in                  | wall  | h wall   | dapa.   | eet w   | wall   | west we<br>shrine in  | h, wes  | lars buse tem)   | on the ole. It and all shr erums  |
| Place                  | ) 89 me   | n the nortl<br>mandapa.  | a the north and<br>same maṇḍspa.  |   | On the same wall   | he we<br>tya shi  | a the north, west an<br>of the same shrine.   | n three pillars built<br>of the same temple.   | as wall on the sc<br>same temple.  1 the west and s<br>the central shriv<br>virunda-Perumal   |
|                        | On the seme wall  | On the north<br>mandapa.   | On the  | On the<br>mandar  | On th  | On the<br>manya   | On the  | On th  | On a gam On the the viru  |
| - No.                  | 104   | 306  | 106   | 107   | 108  | 109   | 110   | 11   | 113   |
| · · · · •              |   |  |   |   |  |   | 1008, Hom   | e (Edn.)—15  | ţ   |

C.--Stone inscriptions copied in 1919-cont.

| No. | Place of inscription.  | Dynasty.               | King.  |                | Date.   | II        | Language and<br>alphabet. | and | Remarke.   |
|-----|--|------------------------|--|----------------|---|-----------|---------------------------|-----|--|
|     | On the west, south and east walls of the mandapa in front of the same shrine.                              | Ohola                  | Tribhavanachakravartin<br>Choladeva,                       | Kuldtunga      | 3rd year  | ·         | Tamil                     | :   | Becords a royal order made at the instance of Villavarayar granting the three villages Manhakker, Kurgur and Navarpakkam olubbed together and re-named Kulottunga-60,analine as atax-free devadana, for meeting the expenses in the temple of Kulottungasola-Vinnagar-Alvar at Velur alias Virudarajahhayankaranaliur, in Oyma-nadu alias Vilayarajandru-valanadu, a suhdivision of Jayangar-Alvar at Velur mandalem. At the time of making the grant the king was seased on his throne which was set up underneath a pearl canopy in the coronation hall of his palace at Vikramasõlapuram. |
| 116 | On the same walls On the same  |                        | Tribhuvanachakravartin K<br>Kopdan.                        | Koneriumai     | Do  | Do.       | :                         | :   | Relates to the same grant as the above. Mentions the officers Kulottungasella-Cangeyarayan and Villavarayan.   |
|     | apdapa.  |                        | :  |                | Sobhakris, Avaņi<br>15.   | ri<br>Do. | :                         | :   | Damaged. Mentions Periya-Nagu-Reddi, son of Enama-<br>Reddi of Tiruchchunavi-Omandur and the temple of Tiru-   |
| 117 | On the cast and north walls of the same mandaps,   | Vіјауапа <b>ga</b> га. | Virapratépa Vira-Bokkaṇṇa-Uḍaiyar, son<br>of Hariharara)s. | daiyar, son    | Śaka 13[2]6, Sva-<br>bhanu, Tula, ba.<br>di. dvadasi, Fri-<br>day, Uttiram. | <u>8</u>  | :                         | :   | Virunda-Ferumaj.  Records that the devadana villages of Navarpakkam, etc., formerly granted to the temple, had been ordered to be brought hack under cultivation and worship and festirals conducted regularly in the temple of Kulottungasola-Vinnagas-Alvar at Velur alias Virudarajahbayankuranallar.   |
| 118 | On the north wall of the same<br>mandapa.  | Saluva                 | Narasinguraya-Uqaiyar                                      | :              | Śaka 1893, Kharn,<br>Makara.  | ,<br>     | :                         | :   |  |
|     | At the entrance into the same temple; right side. On the four faces of a slab set up near the same temple. | ∵<br>Cho∤a             | Tribhuvanaobaktavartin Vikr<br>deva.                       | Vikrama Chola- | lth year  |           | : :                       | : : | (r) (tirtha-vilaya) to the king.  Records that the door-way (tirunilaikkal) and steps were unde by Tiruvachohalin of Karumavor.  Records a sale of land b) the assembly (ar) of Velur alias Virudarajabhnyntkaranallur, to Achohanilaiyan, the headman of Paca.  |
|     | On the same slab   | Do                     | Tribhuvanachakravartin Rajarajudova                        | sjadeva        | 9th ,,  |           | :                         |     | Rajanarayana-Yapagar-Ajyar. Incomplete. Seems to record a sale of land by the assembly of Velur to a native of Korajantaka-ohatnywedimangalam, in Tirunagaiyanaday, a subdybision of Sola-arandalam, for being presented to the termine of Kayaranagai.  |
|     | On a stone set up in the Jaina temple street, in the same village.   | Vijayanagara           | [Aohynia]deva-Maharaya                                     | ::             | Šaka 1463, Virodhi-<br>krit, Kumbha, su.<br>di. trayčdast, Mon-             | å         | :                         |     | Alvar,<br>ed. Seems to register a gif<br>o the temple of Tirnvakki.  |
|     | On another stone in the same .<br>street.  | Do.                    | Aohyutayadêva  |                | uay, Fusnya.<br>Vikriti, Ani 10.  | Do.       | : .                       |     | Much damaged. Seems to register a gift of land by the king to the same temple for the merit of Vira-Vasanta-Nayaka.  |



| No. | Place of inscription.   | tion.                          | Dynasty.           | King.  | Date.                            | Language and alphabet. | Remarks,  |
|-----|---|--------------------------------|--------------------|--|----------------------------------|------------------------|---|
| 124 | At the entrance into the central<br>shrine of the Jaina temple in the<br>same village; left gide. | the central<br>emple in the    | :                  | ::   | • .                              | Tamil                  | In modern characters. Records the renovation of the temple by Jayasena.   |
| 126 | ō   | the central<br>Siva temple     | :                  | :  | :                                | Do                     | Beginning lost. Gift of sheep for lamps to the temple of Arikula[kesari-Isvara] at Olokamadēvijuram which was a city in Thravnr-adu   |
| 126 | uth wall  | of the sime                    | Chôļa              | Ra[jakesarivarman], 'who [destroyed] the ships at Salai.'      | Lost                             | Do                     | Stones missing. Seems to register a gift of land by   |
| 127 | On the same wall  | :                              | Do                 | Rajak6sarivarman   | 7th year                         | Do ,.                  | lamps to the shrine of Terkkil-vasal, fattan.  Built in in the middle. Seems to record a sale of land by the macrastfar of Habonets.  |
|     |   |                                |                    |  |                                  |                        | or insperant of Diskanadovputam in Oyma-nada to Gangan-Amblavin Gandaradi[tta]sola-Vilupparaiyan of Kuvalalum in Gangarasayira, for being presented to the temple for laying out a flower-garden. Mentions  |
| 128 | . Do  | :                              | ou                 | Tribhuvanachakravartin Vikrama.<br>Choladera.                  | 6th ,,                           | Do                     | Kalikantaka-peruvarambu, Gift of oows for a lamp to the temple of Śrtkayilasam. Arikulakesani-Iohohuvarammaniwa-Mahadam.  |
| 129 | Do  | :                              | Dο                 | Rajakesarivarman   | 3rd ,,                           | Do                     | madevipuram, by a merchant.  Gift of sheep for a lamp to the temple of Srikailavatta  |
| 130 | Do  | :                              | I)o                | Rajakésarivarnan alias Udaiyar éri.<br>Rajamahéndradéva.       | Do:                              |                        | Faramaevan.ga, at Ulogamadovipuram a taniyar in Oyma.nadu, by Ambalavan Gandaradittanar, a perundaram of the king, who built the temple.  The introduction commences with the worls was a page of a few results of Ulogan.                              |
|     |   |                                |                    |  |                                  |                        | madevipuram in Peravar-nadu, a subdivision of Ogma-<br>nadu for being presented to the temple of Arikulakesari-<br>Isvaramudaiyar in order to meet the expenses connened  |
| 131 |   | noe into the                   | :                  | :  | :                                | Do                     | with the shrine of Rajendrasiola-vitankar built in it. Records that Puttulan Niguiyan Kulattan of Mayandaput-   |
| 132 | On the south wall of the man in front of the same shrine.   | ne mandapa<br>ehrine.          | Рапфуя             | Jațavarnan alius Tribbuvanachakravartin<br>Sundara-Paṇḍyadeva. | 18th year, Kar-<br>ttigai 11.    | Do.                    | tur in Tirumnnaippadi, presented the agered door. Records the gift of the revenues from the boms maintained in the Tirumadaivilagum, for worship, to the temple of  |
| 133 | On the south and east walls of the same mandaps.  | walls of the                   | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa 1) evaraya-Maharaya                                | Saka 1348, Parahbaya, Mesha,     | Do .                   | purem in Oyma-nadu alias Vijaiya-rajandrasida-rajandarasida-rajandarasida-rajanadu. Gift of land for woiship, offerings and lamps to the temple of Viţtanisuramudsiya-Niginār at Ku[ma]rajnama alias Ulagamadovipurum nin Muñūdru-puru a subdivision of |
| 134 | On the east and north walls of the same mandapa.  | walls of the                   | Choln              | yarakssarivarman Rajendra-Chöladsva                            | Saturday, kévati.<br>[2]4th year | Do                     | Omma-nadu alias Vijayarajendra-valanadu, by Lingama-<br>Nayaka the younger brother of Vițiaiya-Nayaka.<br>Much damaged Secons to record a gift of land by the<br>negarattar of Ulagamadēvipuram in Perayar-nadu, a                                      |
| 136 | On the base of the ball-pitha in<br>front of the same temple.                                     | bali-p <b>itha</b> in<br>iple. | :                  |  |                                  | Ъо,                    | subdivision of Oyma-nadu for feeding 25 Brahmans in a Bean attached to the temple.  Beoords that Solaman alias Vo[m]han Ádavan alias Vidividangan, set up the Sri-pitha.  |

C .- Stone inscriptions copied in 1919-cont.

| ¥.           | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.        | Language and alphabet. | Remarks.   |
|--------------|--|--------------------|---|--------------|------------------------|--|
| 186          | On a stone set up near the same temple.  | :                  | :   | :            | Tamil                  | Damaged. Mentions Villavarayar of Kudalur in Irungolappadi, the agent of Isura-Nayaka and the temple of Arikulakesarisuramudaiya-Nayanar at Ulagamadevi-   |
| 137          | On a side of the platform near a pond called Aykkulam in the   | Ohoļa              | Tribhuyanaobakravartin Vikrama-Choja-<br>deva.                | 10th year    | . Do                   | Gift of 4 cows for a lamp to the temple of Komani-undar, by Arvalangilan Vidividangan Siyanambadigal a merchant  |
| 188          | <u>Ö</u>   | Do                 | Tribbuvanaobakravartin Kulottunga-<br>Choladeva.              | . srd ,,     | . Do                   | 24   |
| 139          | on the north wall of the central shrine in the ruined Vishnu temple in the same village.                           | , Do               | Tribhuvanachakravartin Vikrama-Chola-<br>deva.                | 12th ,,      | . Do. :                | Ulogamadevipuram. Unfinished. Mentions Vaikodam Narayanam Kulungamilai alias Alagiyumanavala and the temple of Arifijiyu-Vippagar-Ajyar at Ulogamadevipuram, a city in Oyma-nadu   |
| 140          | On the north, west and south walls of the same shrine.   | Do                 | Parakssrivarman alias Rajendra-Chola-deva.                    |              | . Do. :                | uns vigyarajendri-vajanaqu. Unfinished. Records grants of lands for offerings and sribali to the temple of Aritinas-Vinasgar-Alvar in Lokamahādevipuram in Persydr-nsdu, which had been  |
| 1 <b>1</b> 1 | On the south wall of the same<br>shrine.   | <br>.:             | ,<br>Rajakesariyarman alias Udaiyar éri-<br>Bajamahendradeva. | :            | Dô,                    | made in previous years but had not been so registered hitherto. Mentions the tanks called Kalikanţakappereri and Gandaraditlappereri. The introduction commonees with the words same force. Records a sale of land by the nagurattar of Uloganadevipuram, to u certain Sattan for being presented to the temple of Anijigai-Viņnger-Virinandaļvar, in order to meet its exnembee. The sale-deed vas drawn un   |
| 142          | On the same wall   | Do:                | Parakssarivarman alias Udaiyar éri-<br>Rajèndra-Chōjadéva.    | 24th ,,      | Do                     | ahu-Aohārya, e<br>f this town.<br>end Mention  |
| 148          | 0  | :                  | :   | :            | Do                     | nattar-velam. Gift of land made by the villagers as a devadana to the shrine of Alagiya-Pillaiyar set up near the well called  |
| 144          | On a slab set up in front of the   | Chōļa .            | Rajakceariyarman, 'who destroyed the ships at Salai.'         | 11th year    | Do.                    | Kadalvappunärkeni.<br>Gift of land for offerings to the shrine of Terkillvasal.<br>Mahasstanar, by the Nagarattar of Ulogamadevipuram.   |
| 1146         | On three sides of a pillar lying in a field called Sattuppattu-kollai, in the same village.                        | Vijayana-<br>gara, | Sadadivadeva-Maharaya   | Karttigai 26 | . Do.                  | Gift of Sattakuppam, a namlet of Ulagamadevipuram, in unfunturaki-Ieuv |
| 2146         | On the south wall of the central shrine in the Agastyestara. svamin temple at Kiliyanur (same taluk and district). | Choja              | · · · · · · kēsarivarman · · · · ·                            | :            | Do. :                  | Timmarasayan for the merit of Eran Timmarasar, the agent of the king.  Built in. Seems to register a sale of land by the assembly, to a certain Gangan Ambalavan Gandaradittan of Kuyatemple of Ambalavan for being presented to the temple of Thruvagaisvaradeva for sirball, etc.  |

arthemann

Dopos

O.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| 117 On the count, east and north well. Ohlle Realestronman aline Udalyst for 18th year. Train I Built in a the and and north well of the same strine.  118 On the east wall of the anne strine.  119 On the east wall of the anne wall.  110 On the east wall of the anne wall.  120 On the east wall of the anne wall.  121 On the east wall of the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall.  124 On the anne wall.  125 On the anne wall.  126 On the east wall of the anne wall.  127 On the anne wall.  128 On the anne wall.  129 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  121 On the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall.  124 On the anne wall.  125 On the anne wall.  126 On the anne wall.  127 On the anne wall.  128 On the anne wall.  129 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  121 On the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall.  124 On the anne wall.  125 On the anne wall.  126 On the anne wall.  127 On the anne wall.  128 On the anne wall.  129 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  121 On the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall.  124 On the anne wall.  125 On the anne wall.  126 On the anne wall.  127 On the anne wall.  128 On the anne wall.  129 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  121 On the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall.  124 On the anne wall.  125 On the anne wall.  126 On the anne wall.  127 On the anne wall.  128 On the anne wall.  129 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  121 On the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall.  124 On the anne wall.  125 On the anne wall.  126 On the anne wall.  127 On the anne wall.  128 On the anne wall.  129 On the anne wall.  120 On the anne wall.  120 On the anne wall.  121 On the anne wall.  121 On the anne wall.  122 On the anne wall.  123 On the anne wall | S.  | Place of inscription. | iption.                           | Dynasty.           | King.   |      | Date.     | ei.       | Lan     | Language and<br>alphabet. | pu. | Remarks.   |
|--|-----|-----------------------|-----------------------------------|--------------------|---|------|-----------|-----------|---------|---------------------------|-----|--|
| 169 On the east wall of the same wall.  160 On the anne wall.  161 On the north wall of the same  162 On the north wall of the same  163 On the north and west walls of the same  164 On the north and west walls of the same  165 On the north and west walls of the same  166 On the same wall.  167 On the north and west walls of the same  168 On the same wall.  169 On the same wall.  160 On the same wall of the same  161 On the same wall.  162 On the same wall of the same  163 On the same wall of the same  164 On the same wall.  165 On the same wall of the same  166 On the same wall.  167 On the same wall of the same  168 On the same wall.  169 On the same wall of the same  160 On the same wall.  160 On the same wall.  161 On the same wall.  162 On the same wall.  163 On the same wall.  164 On the same wall.  165 On the same wall.  166 On the same wall.  167 On the same wall.  168 On the same wall.  169 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  161 On the same wall.  162 On the same wall.  163 On the same wall.  164 On the same wall.  165 On the same wall.  166 On the same wall.  167 On the same wall.  168 On the same wall.  169 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  161 On the same wall.  162 On the same wall.  163 On the same wall.  164 On the same wall.  165 On the same wall.  166 On the same wall.  167 On the same wall.  168 On the same wall.  169 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  161 On the same wall.  162 On the same wall.  163 On the same wall.  164 On the same wall.  165 On the same wall.  166 On the same wall.  167 On the same wall.  168 On the same wall.  169 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  165 On the same wall.  166 On the same wall.  167 On the same wall.  168 On the same wall.  169 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the same wall.  160 On the  | 147 | -                     |                                   | Ch <b>ōla</b>      | alina<br>itova.                                   | ·    | 13th year |           | - Fami  | 1                         |     | al <del>L</del>  |
| On the same wall Do Pernéessivarman [alika] Baje[ndra Cho- 3rd Do Do Do  | 148 |                       | ne same shrine                    |                    |   |      |           | •         | Do.     | :                         |     | lam.  revides for offerings on Amavasya and Sankra ati days to the temple of Tiruvagnitarundaiyar at Kilinallur, a bankra at days at the temple of Tiruvagnitarundain har Parasarun (Twan Kattan                                       |
| 150 On the north wall of the same  151 On the north and west walls of the same  152 On the same walls  153 On the same walls  154 On the same walls  155 On the same walls  156 On the same wall of the same  157 On the same walls  158 On the same walls  159 On the same walls  150 On the same walls  150 On the same walls  151 On the same wall of the same  152 On the same wall of the same  153 On the same wall of the same  154 On the same tample.  155 On the same wall of the same  156 On the same tample.  157 On the same wall of the same  158 On the same tample.  159 On the same tample.  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  151 On the same tample.  152 On the same wall of the same  153 On the same tample.  154 On the same tample.  155 On the same wall of the same  156 On the same wall of the same  157 On the same wall of the same  158 On the same wall of the same  159 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the same  150 On the same wall of the wall of the wall of the wall of the same  150 On the same wall of the wall | 148 |                       | :                                 |                    | Parakesenivarman [a                               | Cho- |           | :         | <br>Do. | ,                         | :   | Drammadela III. Janatukku, J. Lamanani. 1914 Concession amender of the Almagana of the village.  Jamaged. Gift of 90 sheep for a lamp to the same temple by a Rehmana. Jatv.   |
| 162 On the north and west walls of the same abrine.  163 On the same walls Do Udertyer fer-Rajadhirajadeva 29th ,, Do Rajadhirajadeva 29th ,, Do Rajadhirajadeva 29th ,, Do Rajadevarianter Rajadhirajadeva 29th ,, Do Rajadevarianter Rajadhirajadeva 29th ,, Do Rajadevar 17. Hibhuvannohakravartin Kajatharararan Saka 1372, Prajadeva Rajadevarianter 18th year Do Rajadevarianter .  |     |                       | of the same                       |                    | tade va.<br>Parakssarivarmen<br>kravartin Vikrume |      |           | :         |         | :                         | :   | Unfinished. The introduction counnesses with the words general edges, etc. Registers a gift of land by the assembly of Kijinglur alias Ulaguyyawandasola-obaturvediman-  |
| 161 On the same walls in front of the same Do Gaighteniashear. And the same walls in the kitchen of the same walls Do Udatyar far-Rajadhirajadeva 29th Do Rajadearivarman alias Udaiyar far- Rajadhirajadeva 29th Do Rajadearivarman alias Udaiyar 29th Do Rajadearivarman alias Udaiyar. Rajadearivarman Sakn 1372, Pralley Do Bainting in the kitchen of gara. Rajadearivarman Sakn 1372, Pralley Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman 18th year Do Rajadearivarman Rajadearivarm   |     |                       |                                   |                    |   |      |           |           |         |                           |     | galam in Oyma-nadu alius Vijaiyarajendra-valanadu, a<br>subdivision of Jayangondachola-mandalam, for offerings<br>to the temple of Tiruragnisvaramudaiya-Mahadova of the   |
| 163 On the same walls Do Udaryn fri Rajadhiriajadeva 29th ,, Do Rajakearivarman 29th ,, Do Rajakearivarman   | .91 |                       | est walls of the<br>t of the same |                    | Rajakesarivarman alias<br>Rajadhirajadeva.        | f.   |           | ·<br>;    |         | :                         | :   | village.  I'he introduction commences with the words <b>spacear ga</b> , etc. Sale of land by the assembly of Keralantaka-chaturyedimangalam to the temple of 'lituwagnikanamu-danya. Ambadeva, for the maintenance of a feeding house |
| Inapplace.  Inappl | 15  |                       | :                                 |                    | Udalyar fel-Rajaddirajadova                       | :    |           | :         | °C      | :                         | :   | oalled Maravadigal.<br>Records another sale of land by the assembly, for the same<br>purpose.  |
| 164 On a slab lying in the kitchen of Vijayana. Mallikarjunaraya   | 16  |                       | the                               |                    | Tribhuvanaohakrave<br>Jadova.                     |      |           | :         | °a      | :                         | :   | Records that the assembly of Kilinallur alias Ulaguyavandasja-chaturvedimangalam in Oyma nādu alias Vijayarajendra-vaļanādu, made certain lands tax-free in redurn for the interest on money lent to them from the treasnry            |
| 166 On the south wall of the central (chola (c  |     |                       | the kitchen of                    | Vijayana.<br>gara. | Malikarjunaraya                                   | :    |           | 72.<br>Śi |         | :                         | :   | of Piohehadeva in the temple of Tiruvakkisvaram in the same village.  Jamaged. Becords that a certain chief Vijaiya  |
| village.  166 On the same wall (chola Rajaraja-Rajakearivarman 16th ,, Do Radaraja-Rajakearivarman 13th ,, Do Gift of sheep in Rada Vijaiya-Nandivikramavarman 3rd ,, Do Rajaraja-Rajakearivarman Srd ,, Do Rederings, Kijifalari  |     |                       | of the central<br>Vaikuuthavasa-  | :                  | Kajakeerivarman                                   | :    | 18th year | •         | ິດ<br>: | :                         | :   | of Kijiñalar in Oyma<br>from a native of Valu<br>greed to feed daily 5   |
| Do   |     |                       | :                                 | Choja              | Rajaraju-Rajakesari                               | :    |           | :         | °0<br>  | :                         | :   | Records the gift of a kalam by a native of Perumbalamaru-<br>dar in Sola-nadu for convening the assembly of Kili-  |
| Do Pallava Vijaiya-Nandivikramavarman 3rd ,, Do Records a offeringe,   | 7   |                       | :<br>:                            | •                  | Parthivendradhipativarman                         | :    |           |           | °G<br>  | :                         | :   | DEFIUE BENEMBAUGE IN OUTSTRAKE<br>DEFIT OF THE STATE OF A LIBERT OF THE OF T        |
|  | 11: |                       | :                                 |                    | Vijaiya-Nandivikra                                | :    |           | :         | Do      | :                         | :   | Records a gift of 300 sheep for lamps and of land for offeringe, to the temple of Tigaittiral-Vishpugriba at Kijffalfurin Opma-nadu, by Tigaittiralar who had built it.  |

O-Stone inscriptions copied in 1919-cont.

|                     |  |                    |  |   |                           | The second secon |
|---------------------|--|--------------------|--|---|---------------------------|--|
| No.                 | Place of insoription.  | Dynasty.           | King.  | Оасю.   | Language and<br>alphahet. | Remarks.   |
| 169                 | On the north wall of the same shrine. On the same wall   | Chola<br>Do        | Rajakésarivarman alias Tribhuvanacha-<br>kravartin Kulottunga Chojadsva.<br>Parakésarivarman       | 48th year 10th ,,   | Tamil<br>Do               | The introduction commences with the words usy 's see, etc., and s'ops after mentioning the date of the king. Damaked. Seems to register a gift of land by purchase, by Sattan Malladigal of Vesalippadi, for the annual repairs of a tank.   |
| 161                 | On the same wall   | Vijaya-<br>nagara. | Achyutayadeva-Mahatāya, son of Vira-<br>pratapa Vira-Bhujabala Vira-Nara-<br>diposvadeva-Maharaya. | Śaka 1454, Nan-<br>dana, Adi 5.                                       | Do. ,                     | Registers a gift of land and of housestres to certain Vaishnaves, for conducting annual repairs to the temple of Viriunda-Perumal.   |
| 1 <b>6</b> 2<br>163 | On the south wall of the mandapa in front of the same shrine. On the north wall of the same mandapa.         | Chōļa              | [Rajaraja I] Tribhuvanaobakravartin Konerinmai- kondan.  | 3rd year, Âdi   | Do Do                     | Unfinished. The conquests of the king that are noted extend up to Kalingam Gift of the village of Amanyakkam, for worthip and repairs, to the temple of Virgirundar Perunal at Kilinallar alias  |
| 164                 | <u> </u>   | : :                | Rajaparayapan Sambuvarayen   | 14th year   | Do                        | Ungaryyarandasogaronaentryodiniangaram. Records this is the charity of Adittadoram alias Kalingarayar. Records the gift of a vessel by a certain Vedanarayapam.  |
| 166                 |  | •                  |  | :   | Do                        | Records that the steps (sõpsna) were made by Devakula-<br>Parumal alisa Varnadudaivan of Viinivankudi.   |
| 167                 | On the west wall of the prakara of the same temple; inside.  At the entrane into the same temple; left side. | Vijaya-<br>nagara. | Achyutaraya  | Śaka 1453, Khara,<br>Masi 9.<br>Śaka 1452, Vikriti,<br>Adi 2.         | Do Do                     | Gift of land for offerings to the temple, for the merit of the king and Timmappa-Nayaka.  Gift of land for worship to the temple of Virgirunda-Perumal at Kilyannte, by Virappa-Nayaka, the seent of Mannafatana, anayaka, for the merit of the latter. Below  |
| 169                 | On the margin of the platform in the Aivenar femile in the same  | Vijaya-<br>nagara. | [Maha]maqdal66vara Sada6ivad6va-<br>Maharava.  | Saka 1467, Visva-   | Do                        | this is an inscription which states that Tegruvargandan of Ulandei save the tiruchching na pichohei.   |
| 011 <sub>f</sub>    | <u> </u>   | Pandya             | Jatavarman Tribhuvanaohakravartin<br>Vira-Pandyadéva.  | Sravaņa, Friday. 12th year, [Kaṇṇi], ba.di.pra[thama], Monday, Makha. | Do.                       | Gift of money for a lamp to the temple of Thuvagastisula-<br>nudaiya-Nayanar at Villipablem ulias (Jangaikondesola-<br>nallar in Oyna-nadu alias Vijaiyarajendra-valanadu, a<br>subdivision of Jayangondesola-mandalam by a native   |
| 171                 | _ Ö  | Vijaya-<br>nagara. | Vira-Катрара-Udaiyar, son of Bokkapa-<br>Udaiyar.  | Mithuna, su. di.<br>prathamai,<br>Wednesday                           | Do .                      | of Karem slies Tragassmudtanslibt in Mangriffroffem. Much damaged. Mentions Villifrajkkam slies Gangai-kondesólanslibt.  |
| 172                 | On the same wall   | Do.                | Mahamandalesvara Kampanu-Udaiyar   | Pramadi   | Do                        | Much damaged. Seems to provide for a festival to the temple at Villipakkam. The record is signed by  |
| 473                 | On a pillar lying in front of the Zamindar's house, at Chunampet (same talnk and district).                  | D <sub>0</sub> .   | Dharmaraya, son of Virapratapa Narasingayadeva-Maharaya, 'who instituted the elephant hunt.'       | Saka 1424, Dur-<br>mati, Simba,<br>su, di, dasami,<br>Monday, Sra-    | Do                        | The plant.  The inscription reads from buttom upwards. Scems ito record a gift of land by purchase for a matha (?) by Keynrana-Nayaka, son of Narasappa-Nayaka a Kannadiya resident of Mathadupadairdu in Murugaman kalappagin which was situated in Jayangonda-Tondamandalam.   |
|                     |  |                    |  |   |                           |  |

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|                                     | Place of inscription.   | Dynasty.         |   | King.   | Date.  | Language<br>and<br>alphabet. | 1 .  |
|-------------------------------------|---|------------------|---|---|--|------------------------------|--|
| raja-P<br>raja-P<br>vani<br>settlen | rajas-Perana temple at Tribhu-<br>rajas-Perana temple at Tribhu-<br>Vaul (Pondioherry French<br>settlements). | g<br>Cliode      | Paraketarinan a deva (I).                                       | faraketarivarman alias Rajendra-Choja-deva (I). | 6th year   | Pamil                        | "This temple of Naduvil-Viranarayana-Vinnagar at Tribhuvanamahadovi-chatnuvedimangalam, a brahmadaya in Jayahgondachöla-mangalam, sh. 1] be under the protection of the regiments Sri [Vadavur] Inlayalipperumbadai and Rajarajadovar." Begins with the historical introduction Agustalana, etc.   |
| the ethor                           | On the east, north and west walls of the same temple.   | D <sub>0</sub> , | ., Parakésanyarman alias Tribbu ohakravartin Vikrama-Chóļadéva, | alias Tribbuvana-<br>rama-Choļadēva.            | 6th ,  | Do.                          | Damag. d and incomplete. Registers a gut of land for the temple site, a hall, temple premises and flower-garden, to the god. Ardakara-Isvaramdayar set up in the 5th year of Vikrama-Choladova, by Arunbakkilan Madunntakan Pommanbalakkultan alas Porkoyil Tondaimänar residing in Manavil in Manavil-Köttum, a district of Jayangcondenbla-mundalam, for the prosperity of the king (Perumal) and the village. The girt was made at the command of the great assembly who were attending to the  |
| n the                               | On the same walls   |                  | Rajak 68a11varn.an  | aliae Rajadhirajadeva                           | 30th year, Mine.<br>Wednesday,<br>Uttiram.                           | Po                           | duties of the village, of Tribhuvanamadevi-chaturvedimanfgalam, a brahmadeya, from the month of Karkataka. The flower ganden of (the image of) Farantakadeva set up in the terrible fof Kajarajfskuramudaiyar is referred to incidentally. Begins with the historical introduction Registers a pift of land for providing a sumptuons offering called after Rajendra-Ci ola, to the god Naduvil Srr-Viranarayana-Vinuger-Ajvar, by Rajendrasola-Mavali. Vanarajar under the auspices of the great assembly of Tribhuvanamadevi-ch ture definational assembly of the manapapa built by Sembhyan Dinsalam which met in the manapapa built by Sembhyan Dinsalam which met in the for the  |
| in the<br>temple                    | On the north wall of the same<br>temple.  | Do               | Rajakssarivarman<br>Chojatsva I.                                | alias Kulottunga-                               | [6]th year, Simba,<br>ba. di. Ekadasi,<br>Punarvasu,<br>[Tuesday].   | Do                           | obstance of the product of the produ |
| n the                               | On the same wall  | 1.0.             | Rajakésarivarman<br>Uhéjadéva I.                                | aliae Kulottunga-                               | 9th year, Rishabha,<br>[su]. di. Septami,<br>Aslesha, Thurs-<br>day. | :<br>:                       | in the treasury of the temple Begins with the historical introduction using use used, etc. Registers a gitt of hand by purchase, to the god Tire- vayindrapuratu-Alvan. Herein Vilupparaiya-nadu in which Tribhuvanumadori-ohatu-vedimingulam was aitua- ted, is stated to have been a subdivision of Rajendra- valanadu.  |

C-Stone inscriptions copied in 1919-cont.

| Remarks               |  | Begins with the introduction Beast acres, etc. Seems to record a gift of land to the temple of Firavayindrapuratetalvanil. | Begins with the introduction Bosset agala, etc. Registers the order of Pallavan Pallavarniyar the Secretary (tirumandira-o'a), made at the request of Vanadhirajar the commander of the forces (senaputi) that nobody except the residentiary Vellatase of Vakkur should levy or payany kind of dues within the village and that those who do so will be considered to have transgressed the law. This order was engraved while Perunpuliyor-Nambi was inspecting the temple business. | Registers an order of the assembly altering the classification of the land at Puttur alias Jananathanallar which had been already granted for the merit off Udaiyapirathiyar. Firantakan Uogamadeviyar. Refers to the kadai-idu of Villuvarayar Movendavejar, the achikarin who is called "nucle" (amman) and senapati Rajendra-veryingarachcholur. Commences with the historical | Introduction processes to the formulation of the tank at tribbu-<br>states that Avani-alappirandan constructed a temple for<br>Herambi-(Ganapatti) on the banks of the tank at tribbu-<br>vanamadevi. He repaired the embankment, the sluices<br>and the irrigation channels of the tank. | llegins with the introduction Bassa again etc. Gift of land for efferings, we ship etc., to the temple of Virséga-Vinnagar-Alvar by the great assembly of Tribhuvanama-devi-chaturvedimangulam which assembled in the temple of Viranarayana-Vinnagar-Alvar. | Stones out of order Commences with the introduction yabeles year etc. Gift of land free of taxes and two house-sites, for feeding twenty Brahmans with sumptuous meals. The land was called Tribhuvanamadevi after this village. The great assembly met in the mandapa called Uttama-Chola-Vilupparayan-tinnandapam in front of the temple of Srikoyil Vinnagaran- | unaged and incomplete. Commences with the intro-<br>duction <b>Screenes design</b> etc. Mentions the adhikarin<br>Uttama-Chola Vanavarajar and Kuńjaramalla-ohaturvędi<br>mańgalam. |
|-----------------------|--|--|--|---|---|--|--|---|
| <b></b>               | habet.   | Begins wit record a [talvan]   | Begins wif the order mandiza comman the resi kind of will be order w   | :   | St .  | Isegins will land for Vinnage devi-oble of Viral   | Ntones ou yeb che si house-si tuous n sifter tf mandep inapdap   | Damaged a duction of Uttama-Ch  |
| โหกรูเนหรู            | and alp  | Tamil  | Do.  |   | Tenil<br>Grantha  | Tamil  | Do.  | Do.   |
| Date,                 | And the second s | 7th year, Mithuns, bs. di. ohaturthi Thursday, Avit-   | 6th year Vrienika,<br>be, di. trayodus;,<br>lussday, Svati.  | 6th year, Mesha sun<br>di. trayodasi,<br>Hasta, Thursday.   | :   | 7tb year, Kanya,<br>Sunday, Purva-<br>shadha.  | 9th year, Karkataka, ba. di.<br>navami Robiņi,<br>Thureday.  | 3rd year  |
| ·                     |  | aliae Udaiyar 6er-   | do.  | do,   | ·artin Kadavay<br>1 Ko-Peruñjingan.   | alias Udaigar fri-   | .e Kulottunga. Chola-  | s Udaiyar sil-Rajen-<br>lottunga I).  |
| King.                 |  | Parak€sarivorman a<br>Rajendradeva.  | Do.  | Ď.  | Sakalabhuvanaohakra<br>Avani-Alappirandan   | Parakosarivarman a<br>Ikajéndradéva.   | Raja <b>ks</b> sarivarman alia<br>deva.  | Rajakemrivarman aliaa Udaiyar si 1-Rajendra Choladeva (Kulottunga I).   |
| Dynasty.              |  | Събја  | .:   | .:<br>:   | Pallava   | Chola.   |  | Do  |
| Place of inscription. | •  | On the north and west walls of the same temple.  | On the west wall of the same temple.   | On the same wall  | On the south wall of the same temple.   | On the same wall   | . :  | Jo. :   |
| No.                   |  | 176  | 081  | <b>15</b>   | 182   | )<br>  | 184  | 385   |

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.                           | Place of inscription,                                | Dynasty.                          | King.  | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.   |
|-------------------------------|--|-----------------------------------|--|--|------------------------|--|
| 186                           | On the same wall                                     | Choja                             | Rajakesarivarman alias Kulottunga-<br>Chojadeva.   |  | Tamil                  | Begins with the introduction usuabstrums, etc. Registers an order of the great assembly altering the classification of the land which was given to the image of  |
| 187                           | Do. : :  | Do                                | Parakésarivarman alias Udaiyar s<br>Rajendra-Chôladeva.  | fri 20th year, Mithuna, Sanday, Visasha.               | Ъо                     | Viritundalvar in the temple of Srikovil alias Virana. Islana-Vinnagar-Alvar for feeding twenty Brahmans. Begins with the introduction Societalears, etc. Seems to record a gift of land for feeding the Sri-Vaishnavas of the eighteen districts in the Raindars of the madam.   |
| 188                           | On the south and east walls of the same temple.      | Ъо                                | Rajakesarivarman alias Vijaiyarajendru-<br>deva,   | n- S5th year and 93rd day.                             | Po                     | Begins with the introduction Secretes, etc. Gift of land to the Alvar at Tirurayindrapuram, by Perumbuli.  |
| 189                           | On the north side of the base of the same temple.    | Do                                | Parakésarivarnaan alias Uduiyar<br>Kajéndrn-Chôjadéva.   | sti 16th year, Mithu-<br>na, Friday, Utti-<br>rattadi. | Do.                    | July Alloranging the Arabyandin of Streshlamanicholoral televing the classification. Mentions the adhikarin Ahavamalla-Kulantaka-Muvendavolin.  Begins with the introduction \$GGweenlang, ctc. States that the village Varakkur which was a devadana of the temple of Naduvi-Sri-Koyil St-Viranarayana-Vinasgar-Alyan, was apportioned to 48 tenants after dividing the   |
| 190                           | On the same well                                     | Ло,                               | * Kūjakssarivarman alias Triubhuvana- ohakravartin Kulottunga-Chōļadsva.                                   | 18- 49th year  | Do.                    | lands into six divisions generally. It was also stipulated that the tenants are not liable to pay any taxes except those due to the god of Naduvil-Srikoyil and to the tank Kokkijanadippereri.  Commences with the introduction 4¢¢orgedere, etc. Records that the land already given for worship to the temple of 10n, Thruvehgadattemboruman at Tribhuvana madévi-chaturvédimangalam, a brahmadéya in Virayatara. |
| 1003, Home                    | On the north, west and south sides of the same sides | Do Do                             | Rajakeserivarman alias Udaiyar<br>sri Rajadhiraja.<br>Purakesarivarman alias Rajendra-Chola-<br>deyas      | ar 38rd year and 191st day.  a. 6th year               | Do                     | valanddu, a sub-division of Gangaikondasola-valanadu, was inadequate and that additional lands were given. Stones displaced. Commences with the introduction Size for for, etc.  Begins with the introduction Size were etc.   |
| <b>2.</b> ( <b>E</b> du·.)−12 | On the same side                                     | Vijaya-<br>nagura.<br>Caola<br>Do | Choladeva. Viruppana-Ugaiyar Rajendra-Choladeva Rajakesarivnrman, 'who destroyed ships at Kandalar-Salsi.' |  | Do                     | Stones displaced. Seems to record a gift of land to the temple of Vinitunda-Perunal.  Tho Commences with the introduction for until each seems to register a gift of land by purchase, for supplying water and burning a lamp. The tank Kökkijanadippereri figures among the boundaries of the   |
| 197                           | On the south wall of the same mandapa.               | Do                                | Tribbuvangohakravartin Kulottunga-<br>Chojadava,   | a- 6th ,,  | Do                     | land. Commences with the introduction weywers where, etc. Gift of land, free of taxes, for conducting a feetival to the temple of Tirunsgisveramudaive-Paramassvamin.  |

C.—Stone\_inscriptions copied in 1919—cont.

| ge and Remarks.           | Commences with the same introduction as in No. 197 above. Gift of land to [PipaP]rai Tirunarayana-bhathan alias Kavikumudachandu-panditan of Manakulasanichoberi, by the great assembly of Tribinvanamadeu-chatureddinaningalam an independent village and a brahmadeya in Viravatara-valauada, a sub-divasion of Gangaikonda-chola-valanadu as a recompense for having composed Kulotumall. The assembly was required to liston to the kaya as well. | Stones missing and displaced.  (1)0, do. Commences with the introduction using some setc. Seems to record a gift of land for feeding tansawins and Mahessaras. | Much worn out. Begins with the introduction using the utilities of the security and security wathout of lands growing arecupalm. | Stones missing. Commences with the introduction uswars advisor, etc. Gift of land by the assembly of Tribhuvanamiadevi-chaturvedimangalam for feeding sampradsyins, during the festival of the temple of Tirunerkeyil-Alvar, on New-moon days and Vishus and while offsings are made to the Alvar of Merkeyil in the Vedantavedys- | Stones missing. Begins with the same introduction. Seems to register a gift of land for feeding the itinerant Eleganges and Mahesvarse in the Tirunavakkarasa. | Fragments. Begins with the same introduction. Before to the temple of Ten-Tiruvehgadattalvar at Tribhuvana-madevi-chaturvedimangalam. | and llamaged. States that persons who are qualified to do the ecrytes of hhattaritti, kidai, adhippu, kittam, accountancy (kapakku), carpentry (kachohu) and others should take up such services in the village only. Those who engage themselves in these virices beyond this village will be considered to have transgressed the law, to have ruined the village. | Commences with the introduction users saws, etc.                         |
|---------------------------|---|--|--|--|--|---|---|--|
| Language and<br>alphabet. | T <sub>8</sub> mil  | Do.  | Do.  | Do.  | D0.  | Do.   | Tamil<br>Grautha  | Tamil  |
| Date.                     | 27th year, Kaikata-<br>Ka,tu, di, dvitiyai,<br>Fushya, Wedines-<br>day.   | 43rd year  | [28]th year, Meeha, ba. di. trayodasi, Uttiratțedi, Fri-   | Lost   | 48th year  | [4]3rd ,,   | 48rd ,,   | 28rd ,,  |
| King.                     | Rajskesarivarman aliae Chakravartin<br>Kulottunga-Choladeva.  | Rajakéserivarman alias Tribhuvana-<br>obakravartin Kulötunga-Chéjadésa.<br>Rajakésarivarman alias [Kulöttunga]-<br>Chéjadésa.                                  | [Rajakesarivarman aliae] Kulöttunga-<br>Choladeva.   | Rajakssarivaruan alias Tribbavana-<br>ohakravartin [Kulottunga-Choładsva.]   | Rajakesanyarman alisa [Kulottunga]-<br>Choladeva.  | [Rajakesari]varman alias Tribhuvana-<br>ohakravartin Kulottunga-Choladsva.  | Tribluvanachaktuvartin Kulottunga-Choladeva.  | Rajakssarivarman alias Trihhuvana-<br>ohakravartin Kulottunga-Chöjadeva. |
| Dynasty.                  | Chols   | Do. :  | Do   | Do   | Do   | Do  | Do  | Do   |
|                           | :   | 1 walls  | :  | of the   | :  | same  | ÷   | :  |
| Place of inscription.     | On the same wall  | On the south, east and north of the same mandaps. On the east wall of the mandaps.   | On the same wall   | On the east and north walls of the same mandaps.   | On the same walls  | On the north wall of the same mandaps.  | On the same wall  | Do   |
| ž.                        | 88  | ,<br>199<br>200  | 201  | <b>2</b> 03  | 208  | Š   | 202   | 308  |

| 1919-cont.   |
|--------------|
| in.          |
| copied       |
| inscriptions |
| C.—Stone     |

| Кетагки.                  | Commences with the same introduction. Records that the lands belonging to the temple of Emalattu-Durgaiyar Ohkarsaundariyar, situated in the eastern hamlet of this village with the temple flower-garden and tank, were registered as a village gift to the said goddess under class 12. This land was renamed Bhupalasundara-vilages and the demarcating the lands and fixing the bound- | Commonoses with the introduction Herseyears, etc. Gomenoses a gift of land to the weavers for supplying certain cloths to the temple. It is said of these weavers that they were the offspring of a Brahman with a Vaisya (woman) and that as authorized by the Agamas and Smptis, they had the privilege of weaving and supplying cloths to temples and kings. | Commences with the introduction tspers alres, etc. The tax-free lands already granted to the reuple of Udavi Tironapikuli-Mahadeva in Merka-nadu, a sub-division of Virudarajabhayankara-valanadu were found insufficient to meet the daily expenses, incerse, etc.; and the great assembly made an additional grant of tax-free land in the village of Tributyanamadevi-chaturyedimangan. | Commences with the introduction passessign, etc. Gift of land as goldsmith's strvice-inam, to a goldsmith named Arangan Komaran alias Rajadhiraja-penudatian who was required to do the work of a goldsmith for himself and for others within the village and its hambets. | Much damaged.                                     | The big men of the assembly decided that the tax antarayam should be levied on those who cultivated the lands. | :                                    | Fragmentary. Reams to record a gift of land to the temple of Gangaivara-ningar. | Records that the bank of the tunk at Tribhuvanamadeviolaturvedimangalam had hreached and that Bhutanangalamdariyan Griyonam Bhupalasundarim alias Sõlakanudaiyan tad it repaired. The stone revelment was constructed by Salaiyanpiyaraiam Araiyan Tirumalapadi-Udaiyan alias Malaiyanpiyaraiam on behalf of the former. The revetment was called Kulöttungasõlan. |
|---------------------------|--|---|--|--|---|--|--------------------------------------|---|--|
| Language and<br>alphabet. | Tanil .  | .0.1  | Do.  | Do.  | <b>D</b> 0.                                       | Do.  | Do.                                  | Do.   | Do.  |
| Date.                     | 42nd year  | .: .:   | 19th ,,  | Mukara, su. di<br>Wednesday,<br>Ardra.   | 12th year   | 13th year, Simha, ba. di. Monday, ekadasi, Punarva-  | ••                                   | [4]th year, Mithuna,<br>ha. di. Wednes-<br>day.                                 | 40th year  |
| King.                     | Rajakssarivarman alias Tribhuvans. chakravartin Kulotlunga.Chojadsva.  | Parakosarivarnan alias Tribhuvana-<br>ohaktuvartin Vikreina-Chōļadova.  | Rajakssarivarman alias Tribhuvan <sup>a.</sup><br>obakravartin Kulottunga-Chojadsva.   | Rajakesarivarınan alias Udaiyar srı Rajs-<br>dhirajadeva.  | Rajurajakesarivarman, 'who 'estroyed the          | Rajakesarivarnan alias Chakravartin<br>Kulottunga-Choladeva.   | alias Tribhuvaı achakravartin Kulöt- | Tribhuvanchakravartin Parakrama-<br>Pandyadeva.                                 | Rajakesurivarman Kulottanga-Chola I  |
| Dynasty.                  | Chola  | Do  | Do   | Do   | Do  | Do   | :                                    | Рацфуя  | Chola  |
| Place of inscription.     | On the same wall   | On the side of the west verands in<br>the prakara of the same temple.   | On the same side   | On the west side of the ruined mandaps opposite the same temple.   | On a stone lying by the side of the same mandans. | 0  | On fragments lying round the same    | <u> </u>  | <u> </u>   |
| No.                       | 207  | 208   | 308  | 210  | 311   | <b>12</b>  | <b>4913</b>                          | 214   |  |

| 1919—cont.  |
|-------------|
| :           |
| copied      |
| asoriptions |
| C.—Stone in |

No. 1003, Home (Education), 16th August 1919

|  | Remarks.                  | Records the gift of Tirumugakkani to Amarakonar Rulandai-Andar, one of the Kalikolars of the temple of Tiruvagniskaramudaiya-Mahadeva. Nacholnyar and his elder sister paid a visit to Davasara. | Maharaya and procured this gift.  Gift of the two villages Mala-nru and Kodandapuram for the Festival in the month of Ani, worship and other expenses in the tumple of Tiruvagnisvaranndaiya-Mahadaya at Kulatter in Pennagara-nadu a sub-division of Pelakening-kottam a district of Jayangondachöla-mandalam, | by the readding, Agambadiyars, Agambadi. Mudaliars and Pannadquare of Annanangalapparu of this district.  Records that Champa who was called Rajendra-Choja gave a Brahman-village, free of taxes, to 24 Brahmans for | reciting the Vedas in the presence of Agnisa.  Built in. Gives the genealogy of the king from Sangama.  Records a gift of land to the temple by the king at the | request of Aramajatta-Nachoniyar. Registers the appointment of Meykaval in the temple referred to in No. 230 above. | Gift of land for daily offerings to the temple of Agnisvara at Kulattür, by Syngeni Nalayiravan Ammaiyappan alias | Rajendra-Chōla Sambnvarayan. Middle portion lost and surface worn out. Seems to record a sale of land to the temple by the residents of Kulattur. Mentions Ammayappan alias Rajendrasolachohambu. | Gift of the village of Majavur to the temple of Aguisvaramudaiya-Mahadeva. Synd Triam-Christian Varamudaiya-Mahadeva. Synd Majavur to the temple of land to a resident of Salukki by the residents of | Kujattur on behalf of the same temple. Incomplete. Gift of additional land for sandal-paste, to the temple of Tiruvagnisvaranudaiya-Mahadeva at Kujattur in Tempagnis-nadu a sub-division of Palakunga-kottam, a district of Javantoondashalam. | Sengebi Ammaiyappan Attimallan alius Rajendrasonach. ohambuvarayan. Sale of land for a lamp to the temple of Kulandai-Andar at Kulattur in Tennagurar-nadu, by a native of Naduvil. | nadu. Gift of the village of Aliyur for daily worship and festivals in the temple of Agnisvaramudaiya-Mahadeva at Kujattur. |
|--|---------------------------|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
|  | ge and<br>bet.            | :  | :   | cd cd   | a and   | :   | :   | :   |   | :   | •   | :   |
| ont.                                       | Language and<br>alphabet. | Tamil  | ,<br>У  | Grantha   | Grantha<br>Tamil.   | Tamil   | Do.   | Do.   | Do.   | Do.   | Do.   | Do.   |
| 919—6                                      |                           | Prama-<br>umbha,<br>dasami,<br>Tiru-   | avana).   |   |   | rear, Mesha<br>di. trayōdasi<br>dnesday, Utti-  | :   | :   | Pra-  | :   | :   | :   |
| pied in 19                                 | Date.                     | Śaka 1355, Prama-<br>droba, Kumbba,<br>su. di. dasami,<br>Monday,, Tiru-   | võņam (Sravana).<br>7th year  | Śaks 1406   | :   | 7th year, Mesha<br>su. di. trayōdasi<br>Wednesday, Utti-  | ram.<br>5th year  | 44th ,,   | Saka 1829,<br>madi.<br>6th year   | 4th ,,  | 3rd ,, ,  | 13th "  |
| C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont. | King.                     | Viraprataya Devaraya-Mahacaya  | Maravarmun Tribhuvanachakravartin 7<br>Vikrama-Papdyadeva.  | Chumper   | Devaraya-Maharaya   | Sakalalokachakravartin Rajanarayanan Sambuvaraya.   | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Choladeva.  | Kulöttunga-l'holadeva   | Vira-Bukkana-Uduiyar, son of Vira<br>Hariyana-Uduiyar.<br>Parakesarivarman alias Tribhuvanacha-<br>kruvartin Vikrama-Choladeva.   | Tribhuvanaobakravartin Rajarajadeva   | Tribhuvanuohakravartin Rajadhirajadeva  | Jatavarman alius t'ribhuvanaohakravurtin<br>Bundara-Paṇḍyadêva.   |
|  | ety.                      | œi   | A .   |   | Vijayanagara  |   | :   | :   | ara.  | :   | :   | z   |
|  | Dynasty.                  | Vijaya-<br>nagara.   | Paṇḍya  |   |   | •   | Chola   | Do.   | Vijaya-<br>nagara.<br>Chōla   | Do.   | Do.   | Paṇḍya  |
|  | Place of inscription.     | On the same wall   | Do. : :   | On the west and south walls of the same shrine.   | On the same walls   | On the scuth wall of the same shrine.   | On the east wall of the mandapa in front of the same shrine.  | On the same wall  | Do. : : .   | On the north wall of the same mandapa.  | On the same wall  | On the north and west walls of the same mandaps.  |
| -  | No.                       | 556  | 530   | 231   | 282   | 283   | 234   | 235   | 2002 Here   | 788   | 586   | 240   |

1003, Home (Edn.)-18

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|          |   | -        |                      | -            | C. C. COUNTY OF THE COUNTY OF |   | 1-                        |  |
|----------|---|----------|----------------------|--------------|---|---|---------------------------|--|
| <b>.</b> | Place of inscription.   |          | Dynasty.             |              | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | d Remarks.   |
| 1) 241   | 11 On the same walls  | :        | Choļa .              |              | Tribbuvanachakravartin Kulottunga-  | 5th year  | Tamil                     | Damaged. Gift of paddy' for the midnight service in the anne temple.   |
| 7        | 242 Do  | :        | Do.                  | ; <u>;</u>   | Unojadova.<br>Vikrama-Chojadeva   | 8rd ,,  | Do.                       | Built in. Gift of land for feeding the devotees in the femule of Agnisyarumdaiye-Mahadeva, by a Brahman  |
|          | · ·   |          | Α::                  | <del>}</del> | Communa Maiver son of Vira Bokkens.   | Parabhava. Dha-   | Do.                       | regiding in Vikramasola-chaturvedinangalam, an independent village in Padurur-koltam. Registers the sesignment of the scrvice of the accountant  |
| <u>~</u> | 243 On the west wall of the mandapa.                                  | the same | v 1ja) a.<br>nagara. | ž<br>        | daiyar.<br>Udaiyar.   | nus, ba. di.  |                           | of the tem ple of Kulandai-Andar, on one of the Mahee-   |
| 23       | 244 On the south wall of the same                                     | same     | :                    | <b>8</b>     | Sakalalokachakravartin Rajanarayana 🕠   | Sodi (Svati). 6th year, Adi                                   | Do                        | Assignment of the appointment of accountant of the interior section of the ame temple.   |
| ă        | mandapa On the same wall  | :        | :                    | - g          | Sakalalokachakravartin Rajanarayana.<br>Sambuvaraya.  | 6tl   | Do.                       | , Records a similar transaction in the temple of Agulsvaran-<br>udaiya-Mahadeva.   |
| ž        | 246 Do  | :        | Pandya.              | T            | Tribhuvanachakravartin Könërinmai   | 13 + 2nd year   | Do.                       | Gift of land for worship and daily expenses in the same temple.  |
| 3,       | 247 Do  | :        | :                    | M            | kopan Sunaara ayo saca<br>Marayarman Tribhuvanachakrayartin<br>Vira-Pandyadéya.   | :   | Grantha .                 | This inscription is engraved below No. 246 above and records that it was engraved at the instance of Hasti-  |
| 77       | 248 On a slab lying inside the same                                   |          | Pandya.              | <u>.</u>     | :   | Doubtful  | Tamil .                   | naile.<br>Danaged.   |
| 54       | mandaph On the south wall of the Svayam-bhulingam shrine in the first | a yazh-  | :                    |              | :   | •   | Do.                       | This is the gift of pradhani Vittappar, son of Apparasar.  |
| 250      | prakara of the same ten<br>On the north wall of<br>prakara.           | the same | Рапфуа               | <u> 3</u>    | [Manavarman] Tribhuvanachakravarlin<br>Vira-Pandyadeva.   | 4th year  | Do.                       | Danninged. Gift of puddy and money for offerings and lamps to the image of Puvananayakesuramulaiya-Nawanar act un by one of the Knikkolars of the village.   |
| 261      | On the south wall of the same prakara.                                | ваше     | Vijaya-<br>nagara.   | Ha           | Hariyana-Udaiyat  | Saka 1305, Rudhi-<br>rodgari, Mina, su,<br>di. purnai, (paur- | Do                        | Unfinished. Gift of land for worship by Uttama-Nambi<br>Karunjiruttanayan of Siru-Pulor in Viranarayana alias<br>Sundara-Pandya-chaturedimangalam in Sola-mandalam,  |
| 362      | On the east wall of the prakarn.                                      | eame     | Cboļa                | : E T        | Tribbuvanacbakravartın Rajadlıraja-<br>deva.  | nami), Monday,<br>Utlitan.<br>11th year, Masi                 | ρο.                       | to the shrine of Naptamatris set up by him in the temple of Kulandai-Andar.  Suilt in in the middle. Registers a political compact entreed into the wen Sengeni-Minday Siyan Pallarandan enias Sambuvarayan, on one side and Sengeni Attiu allan                           |
| 253      | On the same wall  | :        | Do                   |              | <br>  Tribhnyanachaknavartin Rajarajadeva   3rd<br>  (111).   | 8rd ,,  |                           | alias Rajóndraéola-Sumluvaraya and Oduvan alias Rajagambirachdhambuvaraya on the other, by which it was agreed that they would not break the ferms of the compact. Gift of 82 cows. for lamp to the temple of Tiruvagnis-Varanuckaiya-Mahadeya at Kuluttur, by a nasiye of |
| 254      | Do  | :        | Do. :                |              | ranachakravartin Kulottunga-  | 11th ,,   | . Do                      | Venkaj pakkam in Mondur-natu a sub-uivision of Amur-<br>kottam a distriot of Jayah gondssola-mandalam.  Registers a compact similar to that of No. 252 above<br>between Kuthi-Anasmanayanan Alappignidan alias   |
| į        | ,   |          |                      |              |   |   |                           | AT.  |

(or is (A.)

Just

# C.—Stone inscriptions copied in 1919—conf.

| No.        | . Place of inscription.  |             | Lynasty.           | King.  |                      | Date.  | Language and alphabet. | Белатка,   |
|------------|--|-------------|--------------------|--|----------------------|--|------------------------|--|
| 255        | On the same wall   | Choļa       | пр                 | Tribhuvanachakravartin<br>Chojadova.             | Kulottunga-          | 2[6]th year  | Tamil                  | Gift of land in Kodandapuram in Injipedu-nadu s sub-division of Palakuna-kottam for lamp to the temple of Titus  |
| 256        | Do   | Do.         | :                  | Rajarajadova                                     | :                    | 10th ,,  | Do                     | Gitt of cows for a lamp to the temple of Kulandai-Appar at Kulattar by Sendanaraikkannan Solakon, a vellala of   |
| 257        | Do   | ·           | Vijaya.<br>nagara. | Vıra-Bokkanna-Udaiyar, son<br>Hariyanna-Udaiyar. | of Vira-             | δ <u>ς</u>   | Do                     | Untukkadu. (iift of two houses to a certain individual who was assigned as a servant in the temple of Kulandai-Andar.  |
| 258        | Do   | :           | :                  | :  |                      | day, Sadaiyam.<br>Parthiva, Ani  | Дο                     | te to Bhuvaněkabahudě  |
| 528        | Do   | Choja       | )ja                | Tribhuvanachakravartin<br>Chōladéva.             | Kulöttunga-          | 46th year  | 1)0                    | Built in below and at the end. Seems to record a gift of and to the temple of Agnisvarannedalyar for opening a face of the form of the for |
| 260        | Do. :  |             | Vijaya-<br>nagara. | Vira-Bukkana-Udaiyar, son<br>Hariyana-Udaiyar.   | n of Vira-           | Saka 1326, Syabba-<br>nu, Mesha, su.<br>di. dasami, Mon-<br>day, Sadaiyam. | Do                     | Divergation and digging a reson-water and playing of fift of the village of Malayur free of faxes, by Vina-Puliyarraya Udaiyar, son of Vina-Bukkana-Udaiyar, to the temple of Agnistaramudaiya-Mahadeta, for an offering, two perpetual ampa, twilight lamp, for festivals, worship, sonira and forcer-anden   |
| 261        | On the east wall of the maha-  | -pa-        | :                  | dova-Maharaja                                    | :                    | Āngira, Karttigai  | Do                     | Built in at the end. Seems to record a gift of land.   |
| 762        | mandapa in the sume temple. On the cast wall of the Brihanna- yaki-Amman shrine in the second              |             | Do.                | Vira-Bckkanna-Udaiyar, [se                       | [son of] Vira        | Śaka 132°, Parthiva,<br>Makara-Sańkrán-                                    | Do                     | Gitt of land for a lump to be burnt at the service called Gangeyan-sandi after the donor Rajarajan Gange, an.  |
| 263<br>264 | prakara of the same temple. On the same wall On the west wall of the kalyana- mandapa in the same prakara. | -Bus-       | ::                 | <b>:</b> :                                       |                      | u.<br>Śukla, Kartigai 21.  | Tamil verse<br>Tamil   | Assignment of Sidari-kanjyaţohi (sorvice) on a certain individual with the gift of land and distribution daily of the cooked noe attached to that office.  |
| 765        | On the south wall of the sume mandaps.   | time        | :                  | Sakalalokaolakravartin<br>Sambararaya.           | Rajanacayuna         | 12th year  | Do                     | Records that the mandapa was constructed by a dancing girl of the temple of Kujandai-Andar.  |
| 266        | On the wall of the ruined shrine on<br>the south side of the same pra-<br>kara.                            | <u>&gt;</u> | Vijaya-<br>nagata. | Kampana-Udaiyar                                  | :                    | Vistaka, Kar-<br>kataka, bu di.<br>Tritya, Sunday,<br>Avittam (Dhani-      | Do.                    | Registers the services of thrukkalyottiand singing before the god in the name of certain devotees in (the temple of) Thrumuduguijiaan.   |
| 267        | On the left side of the outer gopura of the same prakara.  | pura        | 1)0.               | Kampana-Udaiyar, son of V<br>Udaiyar             | son of Vira-Bokkana- | Saka 1286, Veresthikiti. Sokkakeit   | . Do                   | Records that the gopura called Gandaragulpharayanayak-kan-trugopuran in the second prakara in the temple of Tiruvagnisvaranndaiya-Mahādēva at Kulattur was the gift of Gandaragulimaraya-Nayakkan, son of Somaya-  |
| 268        | On the right side of the same gopun.   | 9me         | Do.                | Кашрарна   | :                    | ÷  | Tamil verse            | Dennayekkar on the occasion of the capture by him of vengumenkonda-Sambuvanayar and Rajagambiran-malai. Veree in praise of Bukkana, Kampana and Somaya-danua. yaku. Seems to record the construction of the gopura by Gandaragali.   |

| 1919-cont    |
|--------------|
| i.           |
| copied       |
| insoriptions |
| CStone       |

| _  |                        |                                 | 110  | . 100   | o, 1  | LUMIS                | (mu)  | CATI                 | on J                              | , .                  | UTE | 1 Д  | Մ <b>ԳՄ</b> :  | 31   | 191   | . <del>U</del>   | ,                         |   |
|--|------------------------|---------------------------------|--|---|---|----------------------|---|----------------------|-----------------------------------|----------------------|-----|--|--|--|---|--|---------------------------|---|
|  | Remarks.               | This connection of the document | Arrular.  Giff of certain taxes to the temple of Tiruvagnisvaramudaiya-Mahadeva for conducting the mahapaja. | Records that the walls of the second r            |   |                      | Panalyurangu ay Jananasuran natahan in Ranyanpakkan in Ranyanyarangu for having killed by mistake with an arrow while aiming at a deer Ponnan Achchiruvan of Sangaranbakkan in Oyna-nadu. | to an accider        | lamp. Damaged.                    | Montions the         | 4   | Refers to an accident in a deer hunt as in No. 273 above | and records a gift of 1 lamp to be burnt in the Agnist varam-Udaiyar temple. | correction with the state of th | Define with the introduction yeurs where Seems to record a gift of lamp to the same temple. | Registers that Chemaya Krishnaya built a shrine for                | ar at Kuļandai.           | (strpatti). States that this pond was dug by a certain Tiruppani. Nachchiyar, a dancing girl of the temple. |
|  | Language and alphabet. | Tamil                           | Do   | Do  | Do  | Do                   |   | До                   | Do                                | Do                   | Do. | Do   | Ē  | :  | : :   | Tamil verse  | Tamil                     |   |
| MOO TO THE MOID OF THE STATE OF | Date.                  |                                 | Saka 1462, Vikriti,<br>Rishabha su. di.<br>dasami, Monday,   | Vana). Krodhi, Aippasi                            | 2*th year   | 43rd ,,              |   | 40th ,,              | 41st ,,                           | 49th ;;              |     |  | 88th   | :  | 2nd your  | [Śaka] 1422, Raudri  | 26th year                 | Ānands, Āģi   |
|  | King.                  |                                 | Virapratāpa Achyutayudēva-Maharaya   | Kampana-Udaiyar, son of Vira-Bokkana-<br>Udaiyar. | :   | Kulottunga-Chojadeva |   | Kuldttunga-Choladeva | Ohakravartin Kulottunga-Choladeva | Kulottunga-Choladeva | Do  |  | Do   | : :  | rman alias Rajendra-  |  | Vijaya-Kampavikramavarman | Kumara-Kampana  |
|  | Dynasty.               | :                               | Vijaya-<br>nagara.   | Do.   | :   | Chola                |   | Do                   | Do                                | Do                   | Do  | . Do   | Do   | Do   | Do  | :  | Pallava                   | Vijaya-<br>nagara.  |
|  | Place of insoription.  | On the same side,               | On a slab set up by the side of the same gopura.   | On the south wall of the same pra-<br>kara.       | Over an image of Durga out on the<br>boulder called Rajakkal to the | <u> </u>             | •   | Do                   | Do                                | ъ                    |     | Do   | Do   | , Do   | Do  | On the side of the verands of the ruined mandaps in a field to the |                           | On a rook, near a pond called Vengalamma-kuttai in the same village.  |
|  | No.                    | 595                             | 270  | 271   | 272   | 273                  |   | 472                  | 275                               | 276                  | 211 | 278  | 878  | 280  |   | 282  | 283                       | 284   |

| 94   |
|------|
| 2    |
| Č    |
| ş    |
| 1    |
| 19   |
| 916  |
| 0    |
| _    |
| _    |
| Ŗ    |
|      |
| פַי  |
| opie |
| .ছ   |
| ō    |
| ō    |
| -    |
| ä    |
| ~    |
| ٠,   |
| ☆    |
| .=   |
| -    |
| 2    |
| 2    |
| inac |
|      |
| 2    |
| 꾶    |
| 꿃    |
| άŌ   |
| 77   |
| (    |
| `•   |
| Ç,   |
|      |

|                       | cks.      | nnava - Krishnava for humise                  | four lamps and for fetching a potful of water for the sacred bath.   | 7   | idn and Adappattur lakkappar. Seems to record a gift of land to the temple   | Sengunga-uadu of Vangeapuedi on the northern hank of Pennar a subdivision of Rajardia-valendu. Records an order of Mallaya-Dandandakkar. (lift of land | temple of livuvegattisvaram-Udaiyar at Avur in Singamalaiparu. Incomplete. Mentions Manatharama incomplete. Mentions             | Settygrayn and Truvagattisurumadaiya-Nayansr.  nfinished. Seems to record a gift of the image of Astructva by the oil merchans (vanigar), who are           | us utues, to the temple of Nayanar of Avur in Sedi-<br>bank of Pennar, | off in the middle. Seems to  |  | haturedibhattas and to the temple of transit.                | Scens to record a gift of a Brahman village called Sonana. thapura-chaturvedimangalam in Sungamalanem in Sedinangaman in Segunga-nada in VanaRopadi on the |
|-----------------------|-----------|---|--|---|--|--|--|---|--|--|--|--|--|
|                       | Remarks.  | Beoords a gift of land by Sennaya . Krishnaya | four lamps and for fetching a potful of w bath.  Damaged. Seems to record a gift of land.                        |   | Hoysala-nadu and Adappattur flakkaphar. Incomplete. Seems to record a gift of land of Tiruvagattissrammdato. Named | Senguing-nadu of Vanaga<br>Ponnar a subdivision of R<br>Records an order of Mallaya-   | tor connecting a feetival on the day of P temple of Liruvagattisvaram-Udaiyar Banagamalaiparru.  Danagod and incomplete Mentions | Settyarayar and Tirnvagattfauranddaiya-Nayanar. Unfinished, Seems to record a gift of the imag Astrudya by the oil merchants (vanigar), who introduced with |  | Incomplete. Damaged and stone taken off in the middle. Tregister a gift of land. Damaged Gift of land. | Much damaged,  | number of C<br>[Vikrama]-Per<br>Records a criff of           |  |
| Language and          | alphabet. | Tamil .                                       | Do.  | Do  | ηο.  | Do,  | Do   | Do:   | transft.   | Tamil  |  | Do.  | Do.  |
| Doto                  | Date.     | Śaka 14[9]4,                                  | 22nd year, Avani 31  | :   | Saka 1193, Dhanus,<br>su. di. prathama,<br>Frider, Meil  | sth year, Panguni.   | 82nd year, Mesha,<br>6u. di. prathama.   | [Monday], Firu-<br>vadirai (Ardra).<br>3[5]th year, Tula,<br>6a. di. pañohami,<br>[Thursday], Mola.   |  | BB,  | Mithana, su. di.<br>chaturthi,<br>Sunday, Pushya.<br>Vikrama, Vrischi- | ka, su. di, chaturdasi, Friday Āsvati.<br>[20]ih year, Tula, | ba. di. trittya,<br>Monday, Rohint.<br>Saka, 12[74], [Nan-<br>dana], Kanya, su,<br>di. [Purnai]<br>(Paurnam), Mon-   |
| King,                 |           | :   | <b>:</b> .   | Tribhuvanachakravartin Konerimel-             | •  | Tribhuvanachakravartin<br>maikopdan Vikrama-Papdyadsva,  | Sakalabhuvanachakravartin [Peruñjinga-<br>dé]ya,   | Sakalabhuvanaolakravartin Kopperuñ.<br>Jiñgadeva.   | Vira-Ballaladeva   | negrvaritati i fiodavanaodakravartin Ko-<br>nerimelko[ngan]<br>Vira-Kampapa-Uqaiyar                    | :  | Marayarman Tribhuvanachakrayartin<br>Kulasakharada           | Kampapa-Udaiyar, son of Vira-Bukkaņa-<br>Udaiyar,  |
| Dynasty.              |           | :   | :  | :   | :  | Paņdya   | Pallaya  | Do  | Hoyeala<br>Pandya  | :  | •  | Paņdya   | Vijayana-<br>gara.   |
| Place of inscription. | 0.000     | Annamalayan-kuttai in the same village.       | On the north wall of the central shrine in the ruined Siva temple at Avgli (Tiruvannamalai taluk, same district) | On the same wall On the west wall of the same |  | On the southwall of the same shrine.   | , Do.  | On the east wall of the mandapa in<br>front of the same shrine.   | On the same wall   |  | On the same wall   | Do:  | On the west wall of the same<br>mandapa.   |
| No.                   | 186       |   |  | 288   |  | <b>38</b> 0  | 088  | 291   | 293  | ₹<br>1003, H   | ome (Edn   | 86<br>1.)–19   | A  |

Army (Mit)

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No  | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Bemarks.  |
|-----|--|--------------------|--|--|---------------------------|---|
| 808 | On the same wall   | Vijayana-<br>gara. | Kampana-Udaiyar  | Śaka 128[8], Pa-<br>rabbaya, Maka-<br>ra, śu. di. Wed-<br>nesday, Mrigasir-    | Tamil                     | Registers a gift of land to a Brahman residing in Kudalur alias Poyyai Studhara-chaturvedimangalan for adhyayana on special days and during the festival in the temple of Tirnyagattistaramudaiya-Nayanar at Avur of Sedimanda-   |
| 688 | On the south wall of the same mandapa.                                 | Pandya             | Jatavarman Tribhuvanachakravartin Vira-<br>Pandyadeva.   | 4th year, Makara,<br>6u. di. pañobami,<br>Mondey Rayeti                        | Do                        | and alias Singamalalpparry. Records the rate of taxes fixed on the various crops grown on the lands.  |
| 300 | On the same wall   | Pallava            | Sakalabhuvanachakravartin Perunjinga-<br>deva.   | 32nd year, Mesha,<br>fu. di.prathama,<br>Sunday Mala                           | До                        | Gift of land for supplying sandal-paste and scented powder for bath to the same temple.   |
| 801 | 1 Do   | :                  | :  |  | Do                        | Records a gift of white chauri by Sundara-Pandyakovala-   |
| 802 | 12 Do  | Pandys             | Jațavarman alias Tribhuvanaohakravartin<br>[Sundara]-Papdyadeva.                                 | 12th year  | Do                        | Fixes the taxes to be levied from the ryots residing in the village on the lands cultivated by them.  |
| 808 | _5   |                    | Vira-Pandyadeva  | 11th ,,  | Do                        | This is the sacred mandapa of Kudinayanar Narasingadevar.   |
| 304 | mandapa.  On the north wall of the Ganapati shrine in the same temple. | Vijayana-<br>gara. | Kampana-Udaiyar, son of Vira-Bokkana-<br>Udaiyar.  | Vilambi, Kumbha,<br>ba di. Friday,   | До                        | Records the gift of the village of Kuvakkoli as a hamlet of the village of Somanathapura-chaturesdimangalam.  |
| 306 | On the west wall of the same shrine.                                   | Do.                | Do. do.  | Vilambi, Kumbha,<br>ba. di. navami,<br>Friday, Mala.                           | .:<br>Do:                 | Registers that Visvestranders of Periyamadam at Tiruvan-<br>namalni made a gift of the village of Erpakkam to the<br>medajanas of Varypini alias Somanathapura-chaturedi-   |
|     |  |                    |  |  |                           | mangalau, an agranara in Singamalappargu, in explante<br>for Kurakkoli which belonged to him as the mahajanas<br>secured an order of the king assigning the latter as a<br>hamlet of Khurakhanura.  |
| 806 | 6 On the south wall of the same shrine.                                | :                  | Sakalaldkachakravartin Rajanarayapan   | 23rd year, Ádi   | Do                        | Gift of land free of taxes to a certain Brahman for conducting the worship in the temples of Vaippur-Kuvakkeli, the hamlet of Somanathapura-otheruvedumangalam,   |
| 307 | On the north, west and south walls of the same shrine.                 | Chola              | Rajaraja-Rajak 688 rivarman alias Raja-<br>rajadova.   | 24th year  | Do                        | difference to limappanar profileeringly (of the kingly).  Giff of land for offerings to the temple of Tirumadapparate Udaiyar at Avur in Vanagappadi on the northern bank of the Pennar at the request of Nallagan Vinni Atlinallan hine har resistable reares and the Fairerablar and the second of the Painar at the request of Nallagan Vinni Atlinallan hine Rajaraja |
|     |  |                    | ٠  |  |                           | Chida<br>Chida  |
| 308 | 6 On the south wall of the Amman<br>shrine in the same temple.         | Vijayana-<br>Kara. | Mallikarjuna-Maharaya, son of Devaraya.<br>Maharaya, 'who instituted the elephant<br>hunt.'      | Saka 1871, Pramoduta, Makara, su. data, Makara, su. da. dwadasi, Mondan, Santi | Do                        | Jift of land free of taxes to Vanadarayar by the temple of Tiruvagattisvaramudaiya-Nāyaṇar at Āvūr.   |
| 309 | 9 On the west wall of the same shrine.                                 | Do.                | Devaraya-Maharaya, son of Mallihar-<br>junadeva-Maharaya, 'who instituted<br>the siephant hunt'. | Saka 1406, Sobha-<br>krit su.<br>di. saptami,<br>Pushya.                       |                           | Middle stone completely peeled off. Seems to record gift of taxes to Vanadarayar as srasinkaval-vari.   |
|     |  |                    |  |  |                           |   |

Ani (MA).

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.       | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-----------|--|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| 810       | On the east wall of the same shrine.   | Saluva             | Narasingadeva-Maharaya                                  | Saka 1893, Vikriti,<br>Aippasi 13, trayo-<br>dasi, Monday,                 | Tamil                     | Built in. Mentions Annamarasar agent of the king and the temples of Tiruvagattisvaranuqaiya-Nayanar and Añjalenra-Perumal at Avur and refers to Oddivan  |
| 118       | On a boulder in the central shrine in the ruined Vishnu temple in  | Chois              | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva                     | . <del>.</del>   | ъ.                        |  |
| -312      | on arook in a field at Pujaripatti, hamlet of Ilayampatti (Umalur talok, Salem district).                                  | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa Érirangadèva-Maharaya                       | Kaliyuga 4756,<br>Saka 1577, Man-<br>matha, Āṇi, 10,<br>Panromi            | Do                        | Gift of the village of Iluvampatti which was renamed Kallasanathapuram for conducting festivals in the temple of Srikallasanaths and Ammai Srakami ar Taramanga-   |
| \$18<br>\ | On a slab near a Mariyamman<br>temple in the same hamlet.<br>On the reverse of the same slab                               | :                  | :   |  | Do                        | community of Vanangamudi.Mudaliyar, a memper or the community of Vanangamudi.Mudaliyars of the place. Gift of thirty kalanju of gold to (the temple of) Pulalurdeva by a private individual.   |
| . 816     |  | :                  | : <b>:</b>  |  | Do                        | The same god by a private individual individual.  First section of the inscription is very much damaged. Records that certain portions of the temple were reconstructed and that certain images were set up and  |
| . 316     | <u> </u>   | Mysore             | Chikkadévaráya  | Kaliyuga 4780,<br>Siddharthi, Sit-<br>tirai 10, Monday,<br>saptami, Punar- | Do. :                     | undi-Mudaliyar community. Mudaliyar of the Venangar-<br>mudi-Mudaliyar community.  Records that Kempayya, the gen of Sanayya of Mysore, and the agent of the king set my and conscerated the images of Subrahmanya and the Aruvatumuyar in the temple.   |
| 317       |  | Vijayana-<br>gara. | Vira-Bukkaraya  | vasu.<br>Parabhava   | Do                        | Records that the hamlet of Ponneri was given by Rama-<br>nayan, a local chief of Iugador-nadu in Edirilisola-man-<br>dalam for (the temple of) Ponnakkuttar.   |
| ~318      | ŏ  | Ноува]а            | Vira-Ramanathadeva                                      | :  | Do                        | Fragment.  |
| -/319<br> |  | Do. :              | Tribhuvanachakravartin Vira-Ramanatha-<br>deva.<br>Vira | 31st year Karttigai<br>Saka 1303, Dun-<br>mati, Tai 12,<br>trayodasi, Fri- | Do                        | Mentions that Annan alai, son of toruvalan, was killed by a tiger in a hunt. Much damaged.   |
| 188, /    | On a pillar in the mandapa at the northern entrance into the Mellévara temple at Bezwada (Bezwada taluk, Kistna district). | :                  |   | Magha-<br>chatur-<br>nesday.   | Telugo                    | Gift of 26 cows for a perpetual lamp to the god Mallifvara-Mahadova (of) Bejavada by Malli-Desati, son of Proli-Desati, of the fourth caste a descendant of Ghadikota Gunda, lord of Tumburu-nandu and a devotee of the god Johi-Siddaratesvara. The boyi that was to supply the daily ghee was granted I puții of land. |

S. E

C.—Stone inscriptions copied in 1919--cont.

| 822 On the same pillar  |                                  | _ -  |                                 |   |
|---|----------------------------------|--|---------------------------------|---|
| On the same pillar  |                                  |  |                                 |   |
| Do  |                                  | Saka 1055, Uttara. yana-samkranti.                 | Telugu                          | Damaged. Records that a certain setti of the Parvatala family made provision for a perpetual lamp in the tem-   |
| Do  |                                  | Saka 1075  | Do. (verse).                    | ple of the same god.  Gift of 55 sheep for a perpetual lamp to the same god by Kardamma who was the paternal aunt of Nagarjuna, the   |
| On a pillar near the same entrance. Vijayanagara.  On a mutilated pedestal stone in the same temple.  On the east face of the Nandi-pillar set up in front of the Mulaathangara temple at Nadendla (Narearappet taluk, Guntur district).  In the same place   | :                                | Saka 1163, Sivarat-                                | Sanskrit (verse)<br>and Telugu. | research (diamenty saving of the goldess Gauri for the god.  who set up an image of the goldess Gauri for the god.  Registers the gift of 25 cows for a perpetual lamp to the same deity by the Vaisya Puruya Anni-setti of Gonthru who was 'a lord of Penugonda' and belonged to the |
| On a mutilated pedestal stone in the same temple.  On the east face of the Nandi-pillar Ekondapaduset up in front of the Milasthan-set up in front of the Milasthan-set up in front of the Nadendia (Narasaraopet taluk, Guntur district).  In the same place | Krishnadova-Maharaya             | Yuva, Phalguna su. 5, Thursday.                    | Telugu                          | Pendinkula-gorra. Damaged. Refers to an edict set up under the orders of the king N Rayasam Kondamarusu with reference to the Exagonal is and Kondawidu micraricas (raiva).   |
| On the east face of the Nandi-pillar set up in front of the Mulasthan- set up in front of the Mulasthan- set up in front of the Mulasthan- set up in front of the Mulasthan- trict).  In the same place   |                                  | :  | Sanskrit (verse)                | Fragment. Mentions a chief named Bada.  |
| In the same place   | Malla, son of Manda and Kundamba | Saka 1069  | Do.                             | Records the king's provision for a perpetual lamp in the temple of god Siva at Natingla. The king was the lord of 'Giriprattohi (i.e., Kondapadumara) which comprised 73 villages'.   |
| On the left door-jamb of the northerm entrance into the mukhamandapa of the same temple.  On the right door-jamb of the same mandapa.  On the south-east pillar in the Kalyana-mandapa of the Trikotisvara temple at Kotappakonda (same taluk and district).  | :                                | Saka 1072, Uttara-<br>yaņa-samkranti.              | Telugu                          | Gift of sheep by Kunda [ma], the wife of Mahamandales-  |
| On the right door-jamb of the same mandapa.  On the south-east pillar in the Kalyana-mandapa of the Trikotisvara temple at Kotappakonda (same taluk and district).  On the north-west pillar in the   | :                                | Śaka 1055, Uttera-<br>yaņa-sarikranti.             | Do. (verse and prose).          | number.  Gift of 12 biruda-gadyas for a perpetual lamp in the same temple by Strama, wife of Buddanaboyi. The five phjaris of the temple receipted the money and provided the money was provided.   |
| On the south-east pillar in the Kalyana-mandapa of the Trikottsvara temple at Kotappakonda (same taluk and district).   | :                                | Śaka 1078, Uttarā.<br>yaņa-eamkranti.              | Telugu (verse<br>and prose).    | Registers the gift of 56 sheep made for a perpetual lamp in the same temple by Narayan, the brother-in-law of [Ba]-deya Nagaraja, who was the son of Velanturi-Dandanayaka Vemi-Nayaka, a Brahman of the Mulaghatika  |
| On the north-west pillar in the   | :                                | :  | Telugu                          | family and the Bharadvaja.gotra. In the damaged vorse portion is mentioned Gonka-Bhupati. Damaged. Seems to register the kilf of a lamp to the god Trikotisvara-Mahadeva. of Kavura by Dandanāyaka. Mumma [ha]-Nayaka of the Chaturtthakula.  |
| same place.   | • • •                            | Śaka 1[0]75, Vishu-samkranti.                      | Do                              | Gift of a perpetual lamp to the same deity by Datyana-<br>Pregada Somana the mudiseli of Mahamandalika Bod-   |
| Ass On a slab set up near a well at Nambur (Guntur taluk, same district).   | :                                | Śaka 1448, Vyaya,<br>Chaitra, śu. 15,<br>Thursday. | Do.                             | Registers the ferms of the settlement of the land under the donative-tank (dharma-cheruvu) dug by Kommaraja at Nambūru.   |

C.—Stone inscriptions copied in 1919—cont

| Kemarks.                  | Damaged. Seems to register a gift of land made for a lamp to the god Srivallabha, Srikakolann by a certain Mall. Nayaka. | States that the king, while ruling from his throne at Kaṭaka (i.e., Cuttaak) having conquered the Gauda (country) giving promise of favour to the Gauda king, and having performed the pearl tulapurusha and other donations at the Ganga(?) (Ganges), remitted the duites on the matripages in the matrix | See an the twelly seven substant accacaed to talamanent dravaram. Incomplete.                              | Incomplete. Records gift of a perpetual lamp to the god<br>Chalukya-Bhimisvara. Mentions Udayar sir-Rajendra. | Fragment. Seems to refer to some acharyopadhyays.   | All these give the usual Buddhist formula beginning 'Yedharmma hetuprabhava', eto. |
|---------------------------|--|--|--|---|---|--|
|                           | Dams<br>Jan<br>Ma  |  | dra<br>Inooi   | Incor   | Frag  | All Y  |
| Language and<br>alphabet. | 'felogu  | Do. ::   | Do   | Do  | Nagari  | :  |
| . Date.                   |  | loth year, Makara,<br>di. 5, kri, (i.e.,<br>Krishna) 7, Thurs-<br>day, Akshaya,<br>Pushya ba, 7,<br>Thursday.  | 26th year, Vrisohi-<br>ka-sankranti,<br>Sunday.  | [6]5th year, Dha-<br>nus, lunar eclip-  | 9   | :  |
| . King.                   |  | Vita-Mukunda-Gajapati Mahadéva   | Sarvalokastaya ser-Vishpuvardhana-<br>Maharaja,  | Do  | :   | <b>:</b>   |
| Dynasty.                  | :  | Gajapati   | Eastern<br>Chalukya.   | Do.   | :   | :  |
| Place of inscription.     | To the left of the entrance into the mandapa before the central entrine in the Srikakujewara temple at Srikakujam (Divi  |  | On the upper tier in the east wall of the Bhimesvara temple at Bhimavaram (Cocanada taluk, same district). | On the same tier  | On a mutilated image lying near the Buddhist ruins in Sallhundam (Ohiseoole taluk, Ganjam | On the prabhas of four Buddhist images set up in the same village.                 |
| No.                       | J334   | 4335   | ,886   | .837  | ~338  | 339<br>342   |

1003, Home (Edn.) -20

D.-List of photographs taken during 1918-19.

| Number<br>(continued<br>from the<br>last report) | Locality.          | Description.  | Size of negative. |
|--|--------------------|---|-------------------|
| 508  | Hampi              | Stone lion in the Pampāpati temple                                      | Half plate.       |
| 509  | Do                 | Krishnaraya and his two consorts (?) in the same temple.                | Do.               |
| 510  | Do.                | Stone image of Sūryanārāyana in the same temple                         | Do.               |
| 511  | $\mathbf{D}_{0}$ . | Do. Bhīma (?) at the entrance into one of                               | Do.               |
|  |                    | the Palace-gates.   | 20.               |
| 512  | Tāḍpatri           | Sculpture in relief of a pig and a dagger in the Rāmēś-<br>vara temple. | Do.               |
| 513  | Avanigadda         | Pillars of front gopura within the Vishnu temple                        | Do.               |
| 514  | Ganapēśvaram.      | Stone image of Bhairava in the Siva temple                              | Do.               |
| 515  | Bezwada            | Sculptural ornament of a group of women playing at                      | Do.               |
| į  |                    | kõlātļam in the Mallēsvara temple.                                      |                   |
| 516  | Drākshārāma        | View of the Siva temple and the tank                                    | Do.               |
| 517  | Do                 | Another view do   | Do.               |
| <b>51</b> 8                                      | $\mathbf{D_0}$     | 101   | Do.               |
| 519  | Do.                | T-1 (9) -1 1 17:  | Do.               |
| 520  | Do                 | View of the west gopura of the same temple                              | Do.               |
| 521  | Do                 | Details from the same gopura  | Do.               |
| 522  | Do                 | Stone image of Subrahmanya (?) (two serpents                            | Do.               |
| İ  |                    | entwined) in the same temple.   |                   |
| 523-524  | Do                 | Bronze image of an elephant in the same temple                          | Do.               |
| 525  | <b>D</b> o         | Do. Natarāja in the same temple   | Do.               |
| 526  | $\mathbf{Do.}$     | Do. three other deities (?) in the same temple                          | Do.               |
| 527  | Do.                | Stone inscriptions ,, ,,  | Full plate.       |
| 528  | Do                 | View of the central shrine  | Do.               |
| 529  | <b>D</b> o         | Do. verandah round the central shrine                                   | Half plate.       |
| 530  | Bhīmavaram         | Stone image of a Yakshī (?) in the Siva temple                          | Do.               |
| 531  | Do                 | Stone model of a temple in the same temple                              | Do.               |
| 532  | Do                 | View of Dhvajastambha outside the same temple                           | Do.               |
| 533-534  | Do                 | Stone pillar with an image and inscription placed within the temple.    | Do.               |
| 535  | Do                 | Stone image of Lakshmi-Nārāyaņa in the Vishņu temple.                   | Do.               |
| 536  | De                 | Stone image of Garuda-Nārāyana in the same temple.                      | Do.               |
| 537  | Do                 | View of the base of the central shrine of the same temple.              | Do.               |
| <b>53</b> 8                                      | Makhalingam        | Full view of the gopura of the Somesvara temple                         | Do.               |
| 539-541  | Do                 | Detail of sculptures from the same temple                               | Full plate.       |
| 542  | Do                 | Gateway of the second entrance of the Mukhalinges.                      | Do.               |
| 1  |                    | vara temple. Stone image of Tāṇḍavamūti in the same temple              |                   |
| 543  | Do                 | 1 TO 4.31 a.1   | Half plate.       |
| 544<br>545                                       | Do                 | Do Matangi do   | Do.               |
| טדט  | 20,                | Do. matangi uo.   | Do.               |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1918-19, calculated by M.R.Ry. Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal, M.A., B.L., LL.B., I.S.O.

Note.—The following abbreviations have been employed in these statements:—
1. Su. and ba., respectively, for Suktapaksha and Bahulapaksha, the bright and dark fortnights of the lunar month2. The ending moments of tithis and naksh tras are expressed as decimal parts of the day, and in a normal date
the first decimal shows the ending moment of the tithi and the second the ending moment of the nakshatra. Thus the

A.D. 1510 Monday, Decr. 30; '94; '50 means that on the day in question the tithi quoted in the inscription ended at '94 of the day, i.e., 56½ ghatikas after mean sunrise, while the nakshatra quoted in the inscription ended at '50 of the day, i.e., 30 ghatikas after mean sunrise. A key to this decimal notation will be found in the book-marker supplied with "Indian Ephemeris" A.D. 1800—2000 by the author.

When only the tithi is quoted, its ending moment is shown by decimal figures next to the day of the month, thus, "A.D. 1289, Monday, Nov. 28, '70" is a convenient way of indicating the fact that a tithi ended at '70 of the day (42 ghatikas after sunrise) on Nov. 28 A.D. 1289, which was Monday.

3. When a tithi or nakshatra that is quoted in a record only commenced on the week-day quoted in the same record the fact is indicated by the symbols f.d.t. or f.d.n. Thus:

"Wednesday 6 Ap. A.D. 1384; '68; f.d.n. 29" means that the tithi quoted in the inscription ended at '68 (= 41 ghatikas after sunrise) on Wednesday, 6 Ap. A.D. 1384, but that the nakshatra quoted in the inscription only commenced on Wednesday and came to end at '29 (= 17½ ghatikas after sunrise) on the following day, Thursday.

Similarly "Friday, Ap. 26; f.d.t. '08; f.d.n. '13" means that the tithi and nakshatra quoted were current for the greater part of Friday, but came to end next day at '08 (= 5 ghatikas after sunrise) and '13 (= 8 ghatikas after sunrise), respectively, on Saturday.

4. An asterisk after the figure indicating a Śaka year (e.g. Ś. 1235\*) means, as in Kielhorn's list of dates, that the year is current, not expired.

the year is current, not expired.

5. When it is necessary to distinguish the name of a naksharra from that of a month and generally, as a useful convention, the names of naksharras are printed between inverted commas, thus "Magha" is the naksharra, Magha is

| Year.     | Number of inscription. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-----------|------------------------|---|
|           |                        | Cholæs.   |
|           | ,                      | Rājakēsarivarman.   |
| 1918      | 346<br>and             | 5th year, Kanni, Lunar eclipse.   |
|           | 348                    | Details not enough for verification.  |
|           |                        | Rājakēsarwarman Rājarāja I.   |
| ,,        | 489                    | 1[4]th year, Āṇi, Monday, Tiruvōṇam = Monday, 5th June A.D. 999, which fell within the 14th year of the reign of Rājakēsarivarman Rājarāja I, as determined by Kielhorn. Reign commenced between 25th June and 25th July A.D. 985. (Ep. Ind. Vol. IX, page 217.) On this day nakshatra Śravaṇa or Tiruvōṇam ended about 38 ghatikas after mean sunrise. |
|           |                        | $m{P}am{r}am{k}ar{e}sarivam{r}man$ $m{R}ar{a}j$ ēnd $m{r}a-Char{o}la$ .   |
| 1919      | 187                    | 29th year, Mithuna, Sunday, Viéākhā.  = Sunday, 22nd June A.D. 1040. On this day Viéākha nakshatra commenced at 7 ghatikas after sunrise, ending next day at 6 ghatikas after mean sunrise.   |
| ۲۶        | 189                    | 16th year, Mithuna, Friday, Uttiratṭādi.  In Mithuna, A.D. 1027, at the beginning of 16th year, Uttiraṭṭādi commenced on Tuesday 27th June and ended on Wednesday 28th June. In Mithuna, A.D. 1028, at the end of the 16th year, the same nakshatra began on Sunday 16th June and ended on Monday 17th June. The date seems irregular.                  |
|           |                        | Rājakēsarivarman Rājādhirājadēva I.   |
|           | 176                    | 30th year, Mîna, Wednesday, Uttiram.  = Wednesday 2nd March A.D. 1048. In Mîna A.D. 1047-48, which was the 30th year of this reign, nakshatra Uttiram or Uttara-Phalguni began on Wednesday 2nd March A.D. 1048 at 13 ghațikas after mean sunrise and ended   |
| <b>77</b> | 210                    | next day at 12 ghatikas after sunrise. Year lost, Makara, su. di. Wednesday, Tiruvadirai (Ārdrā). Details cannot be verified for want of regnal year. Every three or seven years, Wednesday in any month would be a day of "Ārdrā."   |

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|--------------|-----------------------------------|---|
|              |                                   | Cholas—cont.  |
|              |                                   | Parakēsarivarman Rājēndradēva.  |
| <b>19</b> 19 | 179                               | 7th year, Mithuna, ba. di. 4, Thursday, Avittam.  The day intended was apparently Thursday, 3rd June A.D. 1059, on which day nakshatra "Avittam" or "Sravishtha" ended at 20½ ghatikas after mean sunrise. But the tithi was ba. 5 and not ba. 4 and it ended at 27½ ghatikas after mean sunrise.   |
| 23           | 180                               | Norg.—Ba. 4 probably an error for ba. 5 6th year, Vrišchika, ba. di. 13, Tuesday, Svāti. In 1057 A.D. which fell in the 6th year of the reign, Tuesday 25th November (= Vrišchika) was a day of "Svāti," which nakshatra began at 3½ ghatikas after sunrise ending next day at 2 ghatikas after mean sunrise: but the tithi was the beginning of the 12th, not of the 13th in Bahula-paksha.  |
| ור           | 181                               | 6th year, Mēsha, śu. di. 13. Hasta, Thursday.  =Thursday, 9th April A.D. 1058, on which day Śukla 13 ended at 36½ ghatikas after mean sunrise and nakshatra "Hasta" at 41½ ghatikas.  |
| 7)           | 183                               | 7th year, Kanyā, Sunday, Pūradam (Pūrvāshāḍhā).  = Sunday, 27th September A.D. 1058, on which day nakshatra "Pūrva-Āshāḍhā" ended at 29 ghaṭikas after mean sunrise.  |
|              |                                   | Tribhuvanachakravartin Virarājēndradēva.  |
| "            | 376                               | 6th year, Mîna. ba. di. 3, Thursday, Sittarai.  = Thursday, 12th Mar. A.D. 1069 on which day ba. 3 began at 54½ ghațikas after mean sunrise and nakshatra "Chitra" ended at 21 ghațikas after mean sunrise. The tithi was properly ba. 2 and not ba. 3.   |
|              |                                   | $R$ äjak $	ilde{e}$ sar $	ilde{v}$ arman $K$ u $l$ õ $t$ tu $\hat{n}$ ga- $C$ h $	ilde{o}$ $l$ a.   |
| <b>?</b> ?   | 177                               | [6]th year, Simha, ba. di. 11. Punarvasu, [Tuesday].  Perhaps Tuesday, 8th September A.D. 1075, when Simha ba. 11 ended at 58 ghatikas but the day was one of Pushya (ending at 22 ghatikas), Punarvasu having ended on previous day.   |
| 733          | 178                               | 9th year, Rishabha, śu. di. 7 Aślēsha, Thursday.<br>= A.D. 1079, 9th May, Thursday; f.d.t. 31; 63.  |
| 7)           | 184                               | 9th year; Karkataka, ba. di. 9, Rõhini, Thursday.<br>= A.D. 1079, 25th July, Thursday; 38; 93.  |
| "            | 186                               | Sth year, Mithuna, ba. di. 3, Thursday, Pūrattādi. Mithunā, Pūrattādi was a Monday in A.D. 1078 and a Saturday in A.D. 1079. The date seems irregular.  |
| 7)           | 198                               | 27th year, Karkataka, su. di. 2, Pushya, Wednesday.<br>No suitable date in A.D. 10 96, 1097 or 1098   |
| 1)           | 201                               | [2]8th year, Mēsha, ba. di. 13, Uttiraṭṭādi, Friday.<br>  = A.D. 1098, 2nd April, Thursday; 48; 60.   |
| ,,           | 212                               | 13th year, Simha, ba. di. Monday, Ekādasi, Punarvasu. In A.D. 1083, Simha ba. 11 and Punarvasu fell on Saturday; but in A.D. 1082, Simha ba. 11 and Punarvasu fell on Monday ending at 79 and 48 respectively.  |
| 70.0         |                                   | Tribhuvanacha kravartın Kulöttunga-Chöla.   |
| 1918         | 374                               | 10th year, Māśi, śu. di. 9, Wednesday, Mrigasirsha.<br>  = Wednesday, 27th January A.D. 1143; 22; f.d.n. 30.<br>  3rd year, Simha [ba.] di. 9, Monday, Pūradam.   |
| "            | 380<br>528                        | =Monday, 19th August A.D. 1135; 35; f.d.n. 62.<br>10th year, Makara, su. di. 9, Monday, Visākhā.  |
| "            | 920                               | = Monday, 11th January A.D. 1143; '62; '42.  Note.—It is note worthy that these three epigraphs, as proved by their dates, should belong to the reign of Kulöttunga-Chola II whose dated inscription, have so far occurred only in Telugu districts (vide the article on this reign by the present writer in Epigraphic Indica, Vol. XI, page 287).  There are no dates satisfying the given details in the reign of either Kulöttunga-Chola I or Kulöttunga-Chola III.  The blank in No. 380 of 1918, which has been read conjecturally as "bahula" should be "sukla," while "pūrvapaksha" or "sa. di." in No. 528 of 1918, which is quite clear in the impression, is clearly an error for "apurapaksha" or "ba. di.," the combination of su. 9 and nak. "Visākha" in Makana month not being possible except in aparapaksha. See the present writer's |
|              |                                   | Eye-table.  Parakēsarivarman Vikrama-Chōla.   |
| . >>>        | 438                               | F2 1 4 1 4 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1  |

| regnal year 4 seems to be an error for 2.  **Kulōttuṅga-Chōṭa III.**  26th year, Karkaṭaka, śu. di. 13, Wednesday, Uttirāḍam.  = A.D. 1203, July 23, Wednesday, 60; f.d.n. 35.  37th year, Mēsha, ba. di. 3, Sunday, Mulā.  The day intended was presumably Sunday, 19 April, A.D. 1215, on which day Nak. "Mulā" ended at 14 ghat. after mean sunrise; but the tithi was ba. 4 not ba. 3.  26th year, Rishabha, Monday, Mūlā.  = A.D. 1204, May 17, Monday, Nak. "Mula" ended at 26 ghat. after mean sunrise.  27th year, Simha, ba. di. 13, Tuesday, Āyilyam.  = A.D. 1204, August 24, Tuesday; 91; 72.  26th year, Mēsha, śu. di. 5, Wednesday, Punarvasu.  The day intended was perhaps Wednesday, 7 April, A.D. 1204, on which day Nak. "Punarvasu" began at 13 ghat. after mean sunrise, ending next day at 9 ghat; but the tithi was ú. 6 not śu. 5.  13th year, Vṛiśchika, ba. di. 26. Wednesday, Pushya. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except in A.D. 1195; f.d.n. '17.  36th year, Makara, śu. di. 9, Tuesday, Kārttigai.  = A.D. 1214, January 21; Tuesday; f.d.t. '08; '62.  **Tribhuvanachakravartin Rājarāja (III).  24th year, Kumbha, śu. di. 5, Monday, Anisham.   | Year. | Number of inscription. | 1  |
|--|-------|------------------------|--|
| 1915  1916  1917  1918  1919  1919  1919  1919  1919  1918  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  1919  192  1940  1 |       |                        | Chola—cont.  |
| 505   26th year, Karkajaka, su. di. 13, Wednesday, Utirādam.   | 1918  | 504                    | 4th year, Vrischika, su. di. 10, Monday, Rēvati. In A D. 1148, on Monday 22 November su. 10 ended at ·85, while the nakshatra Rēvati began at ·10 of day and ended at ·03 on the following. The  |
| A.D. 1203, July 23, Wednesday, 60; f.d.n. 35, 37th year, Mesha, ba. di. 3, Sunday, Muls. The day intended was presumably Sunday, 19 April, A.D. 1215, on which day Nak. "Mula" ended at 14 ghat. after mean sunrise; but the tithi was ba. 4 not ba. 3   |       | 505                    | · ·  |
| The day intended was pressmably Sunday, 19 April, A.D. 1215, on which day Nak. "Mula" ended at 14 ghat. after mean sunrise; but the tithi was ba. 4 not ba. 3.  26th year, Rishabha, Monday, Mula.  — A.D. 1204, May 17, Monday, Nak. "Mula" ended at 26 ghat. after mean sunrise.  27th year, Rishabha, ba. di. 13, Tuesday, Åyilyam.  — A.D. 1204, August 24, Tuesday; 91; 72.  26th year, Mésha, su. di. 5, Wednesday, Punarvasu.  The day intended was perhaps Wednesday, 7 April, A.D. 1204, on which day Nak. "Punarvasu" began at 13 ghat. after mean sunrise, ending next day at 9 ghat. but the tithi was su. 6 not su. 5.  13th year, Vrischika, ba. di. 26. Wednesday, Punaryasu. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except A.D. 1195; £d.n. 17.  36th year, Makara, su. di. 9, Tuesday, Karttigai.  — A.D. 1214, January 21; Tuesday; f.d.t. '08; '62.  Tribhucanachakravartin Rājarāja (III).  24th year, Kumbha, su. di. 5, Monday, Anisham.  Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239–40.  18th year, Makara, su. di. 10, Wednesday; [Röhini].  A.D. 1234. January 11, Wednesday; '6; f.d.n. '20.  16 + 1st year, Rishabha, [su.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. '40; f.d.n. '39.  The PANDYAS.  Jajāvarman Kulasškhara.  1918  488  19th year and 267th day, Mina, su. di. 2, Wednesday, Aśvati.  — A.D. 1208. March 19, Wednesday; f.d.t. '28; '77.  Jajāvarman Kulasškhara.  2nd year, Makara, su. di. 13, Friday, Mṛigaširsha. A.D. 1305, Jan '8; Friday; f.d.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. '58; '52. The first is the fact. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. '58; '52. The first is the fact. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. '58; '52. The first is the probably intended as it fell in the second year of Jajavarman Sundara-Pandya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  "Makhā "cannot combine in Tulā month.  "A.D. 120, sundara pandara panda |       | {                      | = A.D. 1203, July 23, Wednesday, 60; f.d.n. 35.  |
| 26th year, Rishabha, Monday, Mūla.  27th year, Sishabha, Monday, Nūla.  27th year, Sishab, ba. di. 13, Tuesday, Āyilyam.  27th year, Sishab, ba. di. 13, Tuesday, Āyilyam.  26th year, Mēsha, šu. di. 5, Wednesday, Punarvasu.  The day intended was perhaps Wednesday, Punarvasu.  The day intended was perhaps Wednesday, Punaryasu.  The day intended was perhaps Wednesday, Punaryasu.  The day intended was perhaps Wednesday, Punaryasu.  18th year, Vrischita, ba. di. 26. Wednesday, Pushya. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except in A.D. 1195, the 18th year, and that date is Wednesday, 22nd November, A.D. 1195; f.d.n. '17.  36th year, Makara, su. di. 9, Tuesday, Kārttigai.  24th year, Kumbha, śu. di. 5, Monday, Anisham.  Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40.  18th year, Makara, su. di. 10, Wednesday, [Röhinī].  2A.D. 1234, January 11, Wednesday; [6d. '08', '68. 16th year, Rishabha, [su.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  2A.D. 1230, August 5, Monday, Tiruvadirai.  2A.D. 1230, August 5, Monday, Tiruvadirai.  2A.D. 1230, August 5, Monday, f.d.t. '08; '52. The first is the day of solar month day in the 24th year of this reign A.D. 1305, Jan 8; Friday; f.d.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. '85; '52. The first is the day of solar month day in the 24th year of the reign and the probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pandya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  356  367  368  369  370  389  389  389  389  389  389  389  38  | "     |                        | The day intended was presumably Sunday, 19 April, A.D. 1215, on which day Nak. "Mūlā" ended at 14 ghat. after mean sunrise; but the tithi was ba. 4  |
| 27th year, Sinha, ba. di. 13, Tuesday, Āyilyam. = A.D. 1204, August 24, Tuesday; 91; 72. 26th year, Mēsha, su. di. 5, Wednesday, 7 April, A.D. 1204, on which day Nak. "Ponarvasu" began at 13 ghat. after mean sunrise, ending next day at 9 ghat; but the fithi was \$u. 6 not \$u. 5\$.    31   | 27    | 515                    | 26th year, Rishabha, Monday, Mūlā.<br>= A.D. 1204, May 17, Monday, Nak. "Mūla" ended at 26 ghat. after mean.   |
| 28th year, Mēsha, šu. di. 5, Wednesday, Punarvasu. The day intended was perhaps Wednesday, 7 April, A.D. 1204, on which day Nak. "Punarvasu" began at 13 ghat. after mean suurise, ending next day at 9 ghat.: but the tithi was śu. 6 not śu. 5. 13th year, Vrišchika, ba. di. 26. Wednesday, Pushya. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except in A.D. 1195, the 18th year, and that date is Wednesday, 22nd November, A.D. 1195; f.d.n. '17. 36th year, Makara, śu. di. 9, Tuesday, Karttigai. = A.D. 1214, January 21; Tuesday; f.d.t. '08; '62.  **Tribhuvanachakravartin Rājarāja (III). 24th year, Kumbha, śu. di. 5, Monday, Anisham. Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40. 18th year, Makara, śu. di. 10, Wednesday; [Rōhiṇī]. = A.D. 1234, January 11, Wednesday; '6; f.d.n. '20. 16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu. = A.D. 1233, May 14, Saturday; '93; '66. 15th year, 5 inha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai. = A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. '40; f.d.n. '39.  **The Pandyas.  Jatāvarman Kulašēkhara.  19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati. = A.D. 1208, March 19, Wednesday; f.d.t. '28; '77.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mṛṇgašīrsha. A.D. 1305, Jan '8; Friday; f.d.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan. '7, Friday, f.d.t. '58; '52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara- Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  **Sh.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explacation of similar errors found in other dates.  1919 182  184 by ear, Tulā, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Panaryasu" cannot combine in Dulaus month.  **J.B.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth | ,,    | 519                    | 27th year, Simha, ba. di. 13, Tuesday, Ayilyam.  |
| Nak. "Punarvasu" began at 13 ghat. after mean sunrise, ending next day at 9 ghat. ; but the tithi was su. 6 not 5u. 5.  13th year, Vrischika, ba. di. 26. Wednesday, Pushya. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except in A.D. 1195; f.d.n. '17.  36th year, Makara, su. di. 9, Tuesday, Karttigai.  = A.D. 1214, January 21; Tuesday; f.d.t. '08; '62.  **Tribhuvanachakravartin Rājarāja (III).  24th year, Kumbha, su. di. 5, Monday, Anisham.  Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40.  18th year, Makara, su. di. 10, Wednesday; [Rōhinī].  = A.D. 1234. January 11, Wednesday; [Rōhinī].  = A.D. 1233. May 14, Saturday; '93; '66.  15th year, Rishabha, [su.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  = A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. '40; f.d.n. '39.  **The Pandyas.**  Jatāvarman Kulašēkhara.  1918  488  1918  488  1918  488  1919  518  518  518  518  519  526  526  537  538  538  538  548  549  549  558  558  558  558  55  | >>    | 520                    | 26th year, Mēsha, śu. di. 5, Wednesday, Punarvasu.   |
| 13th year, Vrischika, ba. di. 26. Wednesday, Pushya. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except in A.D. 1195; td.n. '17.  3533 36th year, Makara, śu. di. 9, Tuesday, Kārttigai.  = A.D. 1214, January 21; Tuesday; fd.t. '08; '62.  **Tribhuvanachakravartin Rājarāja (III).  24th year, Kumbha, śu. di. 5, Monday, Anisham.  Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40.  18th year, Makara, śn. di. 10, Wednesday, [Rōhinī].  = A.D. 1234, January 11, Wednesday; '6; fd.d.n. '20.  16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  = A.D. 1233, May 14, Saturday; '93; '66.  15th year, Simha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai.  = A.D. 1230, August 5, Monday; fd.t. '40; fd.n. '39.  **The Pandyas.**  Jajāvarman Kulašēkhara.  19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati.  = A.D. 1208. March 19, Wednesday; fd.t. '28; '77.  Jajāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāṇḍya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mṛigsāirsha. A.D. 1305, Jan '8; Friday; fd.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, fd.t. '58; '52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Paṇḍya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  3th year, Tulā, śu. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jatāvarman Trubhuvanachakravartin Vēra-Pāṇḍya.  10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  |       |                        | Nak. "Punarvasu" began at 13 ghat. after mean sunrise, ending next day at 9  |
| 389   36th year, Makara, śu. di. 9, Tuesday, Kārttigai. = A.D. 1214, January 21; Tuesday; f.d.t. '08; '62.  **Tribhuranachakravartin Rājarāja (III).** 24th year, Kumbha, śu. di. 5, Monday, Anisham. Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40. 18th year, Makara, śu. di. 10, Wednesday, [Rōhinī]. = A.D. 1234, January 11, Wednesday; '6; f.d.n. '20. 16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu. = A.D. 1233, May 14, Saturday; '93; '66. 15th year, Finha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai. = A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. '40; f.d.n. '39.  **The Pandyas.**  **Jajāvarman Kulašākhara,**  1918   488   19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati. = A.D. 1208, March 19, Wednesday; f.d.t. '28; '77.  **Jajāvarman Trubhuvanachakravartin Sundara-Pāṇdya.**  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigašīrsha. A.D. 1305, Jan '8; Friday; f.d.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday; f.d.t. '58; '52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jajāvarman Sundara-Pāṇḍya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  536   9th year, Tulā, śu. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  537   7the two inexciptions presumably found near each other are both erroneons. They are worth studying as they may furnish an explaration of similar errors found in other dates.  18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  **Jajāvarman Trubhuvanachakravartin Vīra-Pāṇdya.**  18th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  | ,,    | 531                    | 13th year, Vrischika, ba. di. 26. Wednesday, Pushya. If '26' means the day of solar month then there is no suitable date in the present reign except in A.D. 1195, the 18th year, and that date is Wednesday, 22nd November, A.D.  |
| 24th year, Kumbha, śu. di. 5, Monday, Anisham. Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40. 18th year, Makara, śu. di. 10, Wednesday, [Röhinī].  A.D. 1234. January 11, Wednesday; 6; f.d.n. 20. 16 + 1st year, Rishabba, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  A.D. 1233, May 14, Saturday; 93; 66. 15th year, Fimha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai.  A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. 40; f.d.n. 39.  The Pandyas.  Jatāvarman Kulašākhara.  1918 488 19th year and 267th day, Mina, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati.  A.D. 1208. March 19, Wednesday; f.d.t. 28; '77.  Jatāvarman Tribhuvanachokravartin Sundara-Pāndya. 2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigasīrsha. A.D. 1305, Jan 8; Friday; f.d.t. 70; 52. A.D. 1278, Jan 7, Friday, f.d.t. 58; '52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  9th year, Tulā, śu. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  **M.B.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explaration of similar errors found in other dates.  18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  **Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  | 27    | <b>53</b> 3            | 36th year, Makara, su. di. 9, Tuesday, Karttigai.  |
| Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday in the 24th year of this reign A.D. 1239-40.  18th year, Makara, śu. di. 10, Wednesday, [Rōhinī].  A.D. 1234. January 11, Wednesday; '6; f.d.n. 20.  16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  A.D. 1223, May 14, Saturday; '93; '66.  15th year, Simha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai.  A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. '40; f.d.n. '39.  The Pandyas.  Jatāvarman Kulašēkhara.  19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati.  A.D. 1208, March 19, Wednesday; f.d.t. '28; '77.  Jatāvarman Tribhuvanachokravartin Sundara-Pāṇḍya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigašīrsha. A.D. 1305, Jan '8; Friday; f.d.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan '7, Friday, f.d.t. '58; '52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāṇḍya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  35d  35d  35d  35d  35d  35d  35d  3   |       | 222                    | •  |
| 18th year, Makara, śu. di. 10, Wednesday, [Rōhinī].  = A.D. 1234. January 11, Wednesday; 6; f.d.n. 20.  16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  = A.D. 1233, May 14, Saturday; 93; 66.  15th year, Fimha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai.  = A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. 40; f.d.n. 39.  The Pandyas.  Jatāvarman Kulašēkhara.  19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati.  = A.D. 1208. March 19, Wednesday; f.d.t. 28; 77.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigašīrsha. A.D. 1305, Jān '8; Friday; f.d.t. '70; 52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. '58; 52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  9th year, Tulā, śu. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  N.S.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  1919 132 132 134 year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  10th year, Dhanus, šu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  | "     | 389                    | Should be ta. 5; but even this did not combine with "Anusham" on a Monday  |
| 1919 72 16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu.  = A.D. 1233, May 14, Saturday; 93; 66. 15th year, Simha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai.  = A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. '40; f.d.n. '39.  THE PANDYAS.  Jatāvarman Kulašškhara.  19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati.  = A.D. 1208, March 19, Wednesday; f.d.t. '28; '77.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigašīrsha. A.D. 1305, Jān '8; Friday; f.d.t. '70; '52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. '58; '52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Śaka date was recently found.  3th year, Tulā, śu. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  3tatāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  | ,,    | 390                    | 18th year, Makara, śu. di. 10, Wednesday, [Röhini].  |
| 1918   72   15th year, \$imha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai. = A.D. 1230, August 5, Monday; f.d.t. 40; f.d.n. 39.  The Pandyas.  Jatāvarman Kulašēkhara.  19th year and 267th day, Mīna, šu. di. 2, Wednesday, Aśvati. = A.D. 1208, March 19, Wednesday; f.d.t. 28; 77.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, šu. di. 13, Friday, Mrīgašīrsha. A.D. 1305, Jan 8; Friday; f.d.t. 70; 52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. 58; 52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  9th year, Tulā, śu. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  N.B.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  1919 132   134 | ,,    | 526                    | 16 + 1st year, Rishabha, [śu.] di. 4, Saturday, Punarvasu.   |
| 1918 488 19th year and 267th day, Mīna, śu. di. 2, Wednesday, Aśvati.  = A.D. 1208. March 19, Wednesday; f.d.t. 28; 77.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigasīrsha. A.D. 1305, Jan 8; Friday; f.d.t. 70; 52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. 58; 52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  9th year, Tulā, śu. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  N.B.—These two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  1919 132 18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  98 10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.   | 1919  | 72                     | = A.D. 1233, May 14, Saturday; '93; '66. 15th year, Simha, ba. di. 11, Monday, Tiruvādirai.  |
| 1918 488 19th year and 267th day, Mīna, su. di. 2, Wednesday, Aśvati.  = A.D. 1208, March 19, Wednesday; f.d.t. ·28; ·77.  Jatāvarman Tribhuvanachokravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigašīrsha. A.D. 1305, Jan ·8; Friday; f.d.t. ·70; ·52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. ·58; ·52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jatāvarman Sundara-Pāndya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Śaka date was recently found.  9th year, Tulā, śu. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  N.B.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  1919 132 18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jatāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  193 10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.   |       |                        |  |
| 318 = A.D. 1208. March 19, Wednesday; f.d.t. 28; 77.  321dāvarman Tribhuvanachokravartin Sundara-Pāndya.  2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigašīrsha. A.D. 1305, Jon 8; Friday; f.d.t. 70; 52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. 58; 52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Śaka date was recently found.  319  | 10:0  | 400                    |  |
| 2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigaśīrsha. A.D. 1305, Jan 8; Friday; f.d.t. 70; 52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. 58; 52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Saka date was recently found.  3th year, Tulā, śu. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Tulā, ba. di. 1, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  3th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  3th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  3th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.   | 1919  | 488                    |  |
| 9th year, Tulā, śu. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because śu. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month. 9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  N.B.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jaṭāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāṇdya.  10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  | >>    | 518                    | 2nd year, Makara, śu. di. 13, Friday, Mrigaśīrsha. A.D. 1305, Jan 8; Friday; f.d.t. 70; 52. A.D. 1278, Jan. 7, Friday, f.d.t. 58; 52. The first is the date probably intended as it fell in the second year of Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya who ascended the throne in A.D. 1303 and for whom a Śaka date was |
| 9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and "Makhā" cannot combine in Tulā month.  N.B.—There two inscriptions presumably found near each other are both erroneous. They are worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jaṭāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāṇdya.  10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.   | ,,    | 536                    | 9th year, Tulā, su. di. 4. Monday, Makhā. Irregular, because su. 4 and   |
| worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  18th year, Kārttigai, 11. Details insufficient for verification.  Jaṭāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  10th year, Dhanus, śu, di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.   | "     | 537                    | 9th year, Tulā, ba. di. 4, Monday, Makhā. Irregular, because ba. 4 and   |
| Jaṭāvarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya.  " 93 10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.   |       |                        | worth studying as they may furnish an explanation of similar errors found in other dates.  |
| ,, 93 10th year, Dhanus, śu. di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because śu. 1 and "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  | 1919  | 132                    | •  |
| "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month. "13th year, Mārgaļi 21. Details not enough for verification.   | "     | 93                     | 10th year, Dhanus, su, di. 1, Monday, Punarvasu. Irregular, because su. 1 and  |
|  | ,,    | 94                     | "Punarvasu" cannot combine in Dhanus month.  13th year, Mārgali 21. Details not enough for verification.   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1918-19—cont.

| Year.         | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|---------------|-----------------------------------|---|
|               |                                   | THE PANDYAS—cont.   |
|               |                                   | Jatāvarman Tribhuvananchakravartin Vīra-Pāṇdya—cont.  |
| 1919          | 170<br>299                        | 12th year, Kanni, [ba. di.] 1, Monday, Makhā. Irregular: neither su. 1, nor ba. 1, can combine with "Makha" in Kanni month. 4th year, Makara, su. di. 5, [Monday, Rēvati].      |
| "             | 230                               | = A.D. 1257, January 22, Monday; '42; '53.  |
| 4040          |                                   | Māravarman Tribhuvanachakravartin Kulaśēkhara.  |
| <b>19</b> 18  | <b>3</b> 39                       | 42nd year, Karkataka, su. di. 6, Sunday, Hasta.<br>= A.D. 1309, July 13, Sunday; .76; .47.  |
| 1919          | 296                               | [20]th year, Tulā, ba. di. [3], Monday, Rōhinī. The details do not satisfy the 20th year of his reign, A.D. 1187-1188.  |
|               |                                   | Māravarman Tribhuvanachakravartin Parākrama-Pāndya.   |
| 1918          | 509<br>52 <b>5</b>                | 5th year, Simha, ba. di. 9, Friday, Rōhinī.<br>= A.D. 1339, July 30; 90; f.d.n. 26. It was the 1st day of Simha.<br>8th year, su. di. 5, Wednesday, [Pushya].                   |
| <b>&gt;</b> > | 020                               | In A.D. 1343, Wednesday, 30th April was a day of "Pushya" but the tithi was 6th, not 5th in the bright fortnight.   |
|               |                                   | Tribhuvanachàkravartin Parākrama-Pāṇḍya.  |
| 1919          | 214                               | [4]th year, Mithuna, ba. di. Wednesday. Details not enough for verification, the more so because it is not stated whether the king was a Jaṭāvarman or a Māravarman.            |
|               |                                   | LATER PANDYAS.  |
|               |                                   | Perumāļ Kulaśēkhara.  |
| 1918          | <b>32</b> 6                       | Śaka 148[1], [9]th year, Siddhārthi, [Tai, 17].<br>Day intended was probably Sunday, 14th January A.D. 1560—no week-day.  |
|               |                                   | Alagan-Perumāl Ativīrarāma Ērīvallabha.   |
| ,,            | <b>3</b> 25                       | <ul> <li>Šaka 150[8], [2]3rd year, Vyaya, Uttarāyaṇa, Vasantaritu, Mēsha 7, ba. di. 10, Sunday, Aviţtam.</li> <li>A.D. 1586; April 3, Sunday; 55; 62.</li> </ul>                |
| ,,            | <b>3</b> 28                       | Saka 1[4]9 [2], 8th year, Pramoduta, Tai 10.  Day intended was probably Sunday, 7th January A.D. 1571; but there is no  |
|               |                                   | week-day in the inscription. SALUVAS.   |
|               |                                   | Narasingarāya.  |
| 1919          | 39<br>53                          | Svabhānu, Ani, 15. Details not enough for verification.<br>Šaka 1388, Vyaya, Mārgali, 9.  |
| "             |                                   | No week-day in inscription. Day intended was probably Sunday 7, December, A.D. 1466.  |
| ,,            | 82                                | Vyaya, Pūrattādi 24. Not enough for verification.   |
| -99<br>-99    | 96<br>310                         | Vyaya, Karttika, 30. Not enough for verification.<br>Saka 1393, Vikrita, Aippasi 13, Trayōdasi, Monday, Asvati.   |
| .,,           |                                   | The given details are not found in S. 1393 current = Vikrita = A.D. 1470-71.  |
|               |                                   | Tammayadêva-(Dharmarāya)-Mahārāya.  |
| 77            | 25                                | Śaka 1421, Siddhārthi, Mēsha, śu. di. Monday, Uttiram, Dvādaśi.<br>= A.D. 1499, April 22, Monday; 86; 19.   |
| <b>3</b> 3    | 173                               | Saka 1424, Durmati, Simha. su. di. 10, Monday, Sravana. Apparently irregular.   |
|               |                                   | VIJAYANAGARA I.   |
|               |                                   | Kampa.  |
| 2)<br>29      | 171<br>228                        | Mithuna, śu. di. Wednesday. Not enough for verification.<br>Śaka 1285, Śōbhakrit, Tulā, śu. di. 13, Friday, Rēvati.<br>= A.D. 1363, October 20, Friday; f.d.t. '41; f.d.n. '58. |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1918-19—cont.

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|--------------|-----------------------------------|---|
|              |                                   | VIJAYANAGARA I—cont.  |
|              |                                   | Kampa—cont.   |
| 1919         | 243                               | Parābhava, Dhanus, ba. di. 11, Sunday, Svāti.<br>= A.D. 1366, December 27, Sunday; f.d.t. '75; '09.   |
| >\$          | 266                               | Viśvāvasu, Karkataka, ba. di. 3, Sunday, Avittam.<br>= A.D. 1365, July 6, Sunday; ·86; ·25.   |
| "            | 294<br>297                        | Rākshasa, Mithuna, śu. di. 4, Suuday, Pushya. Irregular.<br>Saka, 12[74], [Nandana], Kanyā, śu. di. [Pūṇai], Monday, [Rēvati].<br>= A.D. 1352, September 24, Monday; '36; '67.                        |
| "            | 298                               | Saka 128[8], Parabhava, Makara, su. di. Wednesday, Mrigasirsha.  A.D. 1367, January 13, Wednesday; Nak. ended on this day at 17.  |
| 21           | 304                               | Vilambi, Kum bha, ba. di. 9, Friday, Mūlā.<br>= A.D. 1359, February 22; Friday; 51; 29.   |
| "            | 305                               | Do. do. do.   |
|              |                                   | Harihara.   |
| "            | 251                               | Saka 1305, Rudhirōdgari, Mīna, su. di. Pūrņai, Monday, Uttiram. = A.D. 1383; March 7, Monday; f.d.t. 32; f.d.n. 13.   |
|              |                                   | Viruppana.  |
| 1918         | 373                               | Śaka, 1315, Śrīmukha, Mārgaśira, śu. di. 5, Kārttigai 25, [Friday].<br>In Śaka 1315 = Śrīmukha, i.e., A.D. 1393-94, Kārttigai 25 was Saturday by<br>Sūrya and Ārya-Siddhānta and the tithi was ba. 3. |
| **           | 400                               | Saka [13]19, İśvara, Panguni, 11.  Day intended was probably A.D. 1398, March 6, Wednesday. No week-day in inscription.   |
| "            | 409<br>476                        | Šaka 1[3]08, Kshaya, Kārttigai, śu. di. 1, Sunday.<br>Irregular. Kārttigai, śu. 1 in Saka 1308, Kshaya = A.D. 1386 was a Friday.<br>Saka 1315, Śrīmukha, Mithuna, śu. di. 2, Thursday, Pushya.        |
| **           |                                   | = A.D. 1393, June 12, Thursday; 37; f.d.n. 01.  |
| •            |                                   | Bukka.  |
| "            | 259                               | Saka 1295, Paridhāvi, Prathamā, Bhādrapada, ba. di. 12. Details not sufficient for verification.  |
| <b>1</b> 919 | 117                               | Saka 13[2]5, Subhānu, Tulā. ba. di. 12, Friday, Uttiram.<br>= A.D. 1403, October 12, Friday; f.d.t. 21; f.d.n. 42.  |
| 57           | 257                               | Saka 1325, Evabhānu, Mēsha, ba. di. 13, Monday, Sadayam.<br>In this year, Mēsha, Sadayam, Monday (April 16, A.D. 1403) was ba. 10, not  |
| "            | 260                               | ba. 13.<br>Śaka 1325, Svabhānu, Mēsha, śu. di. 10, Monday, Śadayam.<br>Should be ba. di. 10; see note on last date. Tithi and Nak. ended respectively   |
| >9           | 262                               | at ·75 and ·74.<br>Saka 132 •, Pārthiva, Makara-Samkrānti. Details not enough for verification.   |
|              |                                   | Dēvarāya.   |
| 22           | 283                               | Saka 1[3]41, Vikāri, Kārttika, śu. di. 1, Sunday.<br>A.D. 1419, November 19, Sunday was śu. 2, not śu. 1.   |
| >>           | 133                               | Saka 1348, Parābhava, Mēsha, ba. di. 14, Saturday, Lievjati.  |
| **           | 229                               | Saka 1355, Pramādīcha, Kumbha, šu. di. 10, Monday, Tiruvoņam. Irregular.  |
|              |                                   | Mallikārjuna.   |
| ,            | 42                                | Saka 1384, Tāraṇa, Kumbha, śu. di. Paurṇai, Monday, Makhā. Tāraṇa is S. 1386, not S. 1384. The day intended is apparently A.D. 1465 (= Tāraṇa), February 11, Monday; 42; 16.                          |

| In A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) su. 3, began at ended at 72 on the following day, but the Nak. was Püratṭādi and (raṭṭādi) which began at 20 on Wednesday and ended at 21 on the ing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, su. di. 5, Monday, Mṛigasūrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; 38; 34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.   | 1010-10-0006.  | PPENDIA I       |              |
|---|--|-----------------|--------------|
| Mallikārjuna—cont.  | 5.   | of inscrip      | Year.        |
| 1919  |  |                 |              |
| 1919  |  | 1               |              |
| 154   308   Saka 1372, Pramödūta, Makara, su. di. 12, Monday, Svati. Pramödūta = S. 1372 = A.D. 1450-51. In A.D. 1449, (=\$. 1371   January 6, Monday; \$u. 12, ended at '06 while the Nak. Mṛigasīn not Svāti), ended at '26.   Virūpākshadēva.  | fell on Monday,  | 19 84           | 1919         |
| \$\frac{309}{309} Saka 13[90], Sarvadhāri, [Panguni] 20. Details not enough for verification of the complete of the compl | 1371 expired),   | 308             |              |
| Saka 1405, Söbhakrit, śu. di. 7, Pushya.  | :C:  | 70              |              |
| Saka 1405, Söbhakrit, su. di. 7, Pushya. In A D. 1483 = (Söbhakrit) on April 14, Monday, su. 7, ended at the Nak. "Pushya" was current the whole of that day. The date of verified.    VIJAYANAGARA II.   Krishnarāya.  | r vermeation.  | ,   '9          | "            |
| In A D. 1483 = (Sōbhakrit) on April 14, Monday, \$u. 7, ended at the Nak. "Pushya" was current the whole of that day. The date of verified.    VIJAYANAGARA II.   Kṛishṇarāya.  | •  | 000             |              |
| 1918-   12  | ed at .54, while a date cannot be                      | ,   309         | "            |
| 1918- 19  |  | Ì               |              |
| App. A  | •  |                 | 1            |
| 1918   196   Šaka 1437, Bhāva, Chaitra, ba. di. 5, Friday. In A.D. 1514 (= Bhāva) Chaitra ba. 5 fell on April 14, Friday and end Bahudhānya, Aśvija, ba. di. 10, Monday. In A.D. 1518 (= Bahudhānya), Aśvini, śu. 10 (not ba. 10) began on September 13, at '71 and ended at '61 on the following day. Saka 1449, Sarvajit, Śrāvaṇa, śu. di. 10. In A.D. 1527 (= Sarvajit) Śrāvaṇa, śu. 10 fell on August 7, Wedner ended at '27 of day. Saka 1446, Svabhānu, Kārttika, śu. di. 12, Monday. Saka 1446 = A.D. 1524 = Tāraṇa (not Svabhānu) = A.D. 1524, Now Monday; f.d.t. '05. The tithi was current the whole of the day as '96 on Sunday and ended at '05 on Tuesday. The cyclic year seems error. Saka 1433, Prajāpati, Mēsha, śu. di. 3, Friday, Aśvati. In A.D. 1511 (= S. 1433 = Prajāpati), śu. 3, feil on Monday and 'fell on Sunday ending at '04. But śu. 13 fell on Friday April 1 1511, and the Nak. was "Hasta." Saka 1439, Iśvara, Pushya, śu. di. Paurṇamī. There are two Paurṇamis in this month one on Monday, 28 Decemi 1517 and the other was on Tuesday, 26 January, A.D. 1518. The one of the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday and the other was on Tuesday (Kumbha 3) śu. 3, began at '50 and "Bēvati" ended at '97. Utthāna-dvādašī will fall Kārttika śu. 12. Saka 1403 (for 1443), Vrisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Uttin A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at '72 on the following day, but the Nak. was Pūraṭṭādi) which began at '20 on Wednesday and ended at '21 on the ing day. Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛṇgašīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; '38; '34. Saka 1445, Tāraṇa, Tāi, 15, Monday, Pushya.              | iday ending at   | 8- 12<br>App. A |              |
| In A.D. 1514 (= Bhāva) Chaitra ba. 5 fell on April 14, Friday and end Bahudhānya, Āśvija, ba. di. 10, Monday.  In A.D. 1518 (= Bahudhānya), Aśvini, śu. 10 (not ba. 10) began on September 13, at 71 and ended at 61 on the following day.  Saka 1449, Sarvajit, Śrāvaṇa, śu. di. 10.  In A.D. 1527 (= Sarvajit) Srāvaṇa, śu. 10 fell on August 7, Wedner ended at 27 of day.  Saka 1446, Svabhānu, Kārttika, śu. di. 12, Monday.  Saka 1446 = A.D. 1524 = Tāraṇa (not Svabhānu) = A.D. 1524, Now Monday; f.d.t. 05. The tithi was current the whole of the day as 96 on Sunday and ended at 05 on Tuesday. The cyclic year seems error.  Saka 1433, Prajāṇati, Mēsha, śu. di. 3, Friday, Aśvati.  In A.D. 1511 (= Ś. 1433 = Prajāṇati), śu. 3, feil on Monday and fell on Sunday ending at 04. But śu. 13 fell on Friday April 1 1511, and the Nak. was "Hasta."  Saka 1439, Iśvara, Pushya, śu. di. Paurṇamif.  There are two Paurṇamis in this month one on Monday, 28 Decemi 1517 and the other was on Tuesday, 26 January, A.D. 1518. The control of week day.  Saka 1436, Bhāva, Tulā, śu. di. Utthāna-dvādašī, Monday, Rēvatī.  A.D. 1514, October 30, Monday (= Vrišchika 1 and not Tulā) śu. at 50 and "Bēvati" ended at 97. Utthāna-dvādašī will fall Kārttika śu. 12.  Saka 1403 (for 1443), Vrisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Utthana. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at 72 on the following day, but the Nak. was Pūratṭādi and (rratṭādi) which began at 20 on Wednesday and ended at 21 on thing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛigaśīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; 38; 34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.   |  | 8 196           | <b>1</b> 918 |
| September 13, at '71 and ended at '61 on the following day.  Saka 1449, Sarvajit, Śrāvaṇa, śu. di. 10.  In A.D. 1527 (= Sarvajit) Śrāvaṇa, śu. 10 fell on August 7, Wedner ended at '27 of day.  Saka 1446, Svabhānu, Kārttika, śu. di. 12, Monday.  Saka 1446 = A.D. 1524 = Tārana (not Svabhānu) = A.D. 1524, Now Monday; f.d.t. '05. The tithi was current the whole of the day as '96 on Sunday and ended at '05 on Tuesday. The cyclic year seems error.  Saka 1433, Prajāpati, Mēsha, śu. di. 3, Friday, Aśvati.  In A.D. 1511 (= S. 1433 = Prajāpati), śu. 3, fell on Monday and "fell on Sunday ending at '04. But śu. 13 fell on Friday April 1 1511, and the Nak. was "Hasta."  Saka 1439, Iśvara, Pushya, śu. di. Paurṇamī.  There are two Paurṇamis in this month one on Monday, 28 Deceml 1517 and the other was on Tuesday, 26 January, A.D. 1518. The one be verified for want of week day.  Saka 1436, Bhāva, Tulā, śu. di. Utthāna-dvādaśī, Monday, Rēvatī.  = A.D. 1514, October 30, Monday (= Vṛiśchika 1 and not Tulā) śu. at '50 and "Rēvati" ended at '97. Utthāna-dvādaśī will fall Kārttika śu. 12.  Saka 1403 (for 1443), Vṛisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Ut In A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at '72 on the following day, but the Nak. was Pūratṭādi and (r raṭṭādi) which began at '20 on Wednesday and ended at '21 on thing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛigaśīrsha.  = A.D. 1519, April 4, Monday; '38; '34.  Saka 1445, Tārana, Tai, 15, Monday, Pushya.  |  | , 263           | <b>)</b> >   |
| ended at '27 of day.  Saka 1446, Svabhānu, Kārttika, śu. di. 12, Monday.  Saka 1446 — A.D. 1524 — Tarana (not Svabhānu) — A.D. 1524, Nov Monday; f.d.t. '05. The tithi was current the whole of the day as '96 on Sunday and ended at '05 on Tuesday. The cyclic year seems error.  Saka 1433, Prajāpati, Mēsha, śu. di. 3, Friday, Aśvati.  In A.D. 1511 (— Ś. 1433 — Prajāpati), śu. 3, feil on Monday and "fell on Sunday ending at '04. But śu. 13 fell on Friday April 1 1511, and the Nak. was "Hasta."  Saka 1439, Iśvara, Pushya, śu. di. Paurnamī.  There are two Paurnamis in this month one on Monday, 28 Decembration of the verified for want of week day.  Saka 1436, Bhāva, Tulā, śu. di. Utthāna-dvādaśī, Monday, Rēvatī.  — A.D. 1514, October 30, Mondaý (— Vrišchika 1 and not Tulā) śu. at '50 and "Rēvatī" ended at '97. Utthāna-dvādaśī will fall Kārttika śu. 12.  Saka 1403 (for 1443), Vrisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Uttlin A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at '72 on the following day, but the Nak. was Pūratṭādi and (raṭṭādi) which began at '20 on Wednesday and ended at '21 on the ing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mrigaśīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; '38; '34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.  | •  | 280             | ,,           |
| Saka 1433, Prajāpati, Mēsha, śu. di. 3, Friday, Aśvati. In A.D. 1511 (= Ś. 1433 = Prajāpati), śu. 3, feil on Monday and " fell on Sunday ending at 04. But śu. 13 fell on Friday April 1 1511, and the Nak. was "Hasta." Saka 1439, Iśvara, Pushya, śu. di. Paurņamī. There are two Paurņamis in this month one on Monday, 28 Deceml 1517 and the other was on Tuesday, 26 January, A.D. 1518. The of not be verified for want of week day. Saka 1436, Bhāva, Tulā, śu. di. Utthāna-dvādaśī, Monday, Rēvatī. A.D. 1514, October 30, Mondaý (= Vṛiśchika 1 and not Tulā) śu. at '50 and "Rēvati" ended at '97. Utthāna-dvādaśī will fall Kārttika śu. 12. Saka 1403 (for 1443), Vṛisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Utt In A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at '72 on the following day, but the Nak. was Pūraṭṭādi and (r raṭṭādi) which began at '20 on Wednesday and ended at '21 on th ing day. Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛigaśīrsha. A.D. 1519, April 4, Monday; '38; '34. Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.   | 24, November 7,<br>day as it began                     | 288             | <b>3</b> 7   |
| Saka 1439, Iśvara, Pushya, śu. di. Paurṇamī. There are two Paurṇamis in this month one on Monday, 28 Deceml 1517 and the other was on Tuesday, 26 January, A.D. 1518. The one to be verified for want of week day.  Saka 1436, Bhāva, Tulā, śu. di. Utthāna-dvādaśī, Monday, Rēvatī.  A.D. 1514, October 30, Monday (= Vriśchika 1 and not Tulā) śu. at ·50 and "Rēvati" ended at ·97. Utthāna-dvādaśī will fall Kārttika śu. 12.  Saka 1403 (for 1443), Vrisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Utt In A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at ·72 on the following day, but the Nak. was Pūraṭṭādi and (rraṭṭādi) which began at ·20 on Wednesday and ended at ·21 on the ing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛigaśīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; ·38; ·34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.  | and "Aśvati"<br>April 11. A.D.                         | 397             | "            |
| not be verified for want of week day.  Saka 1436, Bhāva, Tulā, śu. di. Utthāna-dvādašī, Monday, Rēvatī.  A.D. 1514, October 30, Monday (= Vrišchika 1 and not Tulā) śu. at '50 and "Rēvati" ended at '97. Utthāna-dvādašī will fall Kārttika śu. 12.  Saka 1403 (for 1443), Vrisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Utt In A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at '72 on the following day, but the Nak. was Pūratṭādi and (rraṭṭādi) which began at '20 on Wednesday and ended at '21 on the ing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛigašīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; '38; '34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.   | December A.D. The date can-                            | 406             | 27           |
| Kārttika śu. 12.  Saka 1403 (for 1443), Vrisha, Kumbha, śu. di. 3, Wednesday, Uti In A.D. 1529, January 29, Wednesday (Kumbha 3) śu. 3, began at ended at 72 on the following day, but the Nak. was Pūratṭādi and (rraṭṭādi) which began at 20 on Wednesday and ended at 21 on the ing day.  Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mrigaśīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; 38; 34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.  | tī.<br>lā) śu. 12 ended                                | 493             | "            |
| 3   Saka 1401 (for 1441) Mēsha, śu. di. 5, Monday, Mṛigaśīrsha.  A.D. 1519, April 4, Monday; 38; 34.  Saka 1445, Tāraṇa, Tai, 15, Monday, Pushya.   | ny, Uttira ttādi.<br>egan at ·74 and<br>and (not Utti- | 2               | 1919         |
| " = A.D. 1519, April 4, Monday; 38; 34.<br>\$\text{Saka 1445}, T\text{\text{Tarana}, Tai, 15, Monday, Pushya.}  |  | 3               |              |
| 44   Saka 1440, Larana, Lar, Lo, Monday, Fusnya.  |  |                 | "            |
| "= A.D. 1524 = Tarana = S. 1446. In A.D. 1525, January 9, Monday 13 not 15) Pushya ended at 86. The Saka 1445, seems to be an enterprise 1446 and the date 15, seems to be an error for 13.   | Monday ( = Tai<br>be an error for                      | 44              | "            |

| Year.    | Numbe<br>of<br>inscrip<br>tion. | Astronomical data D. Fr. 1911  |
|----------|---------------------------------|--|
|          |                                 | VIJAYANAGARA II—cont.  |
|          |                                 | Achyutarāya.   |
| 1919     | 6                               | Vikriti (S. 1452), Tai 13. Details not enough for verification.  |
| 27       | 40                              | Vilambi (8, 1461), Tai 7. Details not enough for verification.   |
| 7)<br>7) | 41 43                           | Nandana (S. 1454), Ani 4. Details not enough for verification. Vilambi (S. 1461), Tai 5, [Ardh]ōdaya.  |
| ,        |                                 | In Vilamba = A.D. 1538-39, Ardhōdaya was Tai 22, Sunday, when there was a combination by day-time of Pausha Amāvāsyā with Nak. "Śravaṇa" on Sunday.      |
| ,,       | 104                             | Virodhi (S. 1451), Avani 20. Details not enough for verification.  |
| **       | 105<br>122                      | Khara (S. 1453), Adi 1. Details not enough for verification.   |
| "        | 120                             | Saka 1453, Virodhakrit, Kumbha, śu. di. 13. [Monday, Pushya].<br>Ś. 1453 was Khara, but Virodhākrit = Ś. 1473 = A.D. 1551.                               |
| •        | Í                               | = A.D. 1552, February 8, Monday, (=Kumbha 13); 43; 33. Saka 1453   |
|          | 123                             | seems to be an error for 1473. Vikrita (Š 1452), Āni 10. Details not enough for verification.  |
| );<br>); | 161                             | Saka 1454, Nandana, Adi 5. Details not enough for verification.  |
| ,,       | 167<br>223                      | Saka 1458, Khara, Māśi 9. Details not enough for verification.   |
| "        | 223                             | Saka 1458, Durmukhi, Mithuna, śu. di. [Karttigai]. Details not enough for verification.  |
| "        | 270                             | Saka 1452, Vikrita, Rishabha, śu. di. 10, Monday, Tiruvoņam.   |
|          |                                 | Su. 10 and Tiruvonam did not combine in the whole of A.D. 1530 = Vikrita = \$. 1452, on a Monday. But in Tulā A.D. 1530 October 1, Saturday, su.         |
|          |                                 | 10 began at .05 of day and ended at .07 on the following day while the   |
|          |                                 | nak. Sravana ended at 45 on Saturday.  |
|          |                                 | Sadāśiva.  |
| 1918     | 260                             | Saka [14]69, Plavanga, Kārttika, śu. di. 2, Wednesday.   |
| i        |                                 | In A.D. 1547 (=Plavanga), lurar Kārttika su. 2 fell on Saturday and solar Kārttigai, su. 2 fell on Monday.   |
| 1919     | 1                               | Saka 1469, Plavanga, Rishabha, su di. Punarvasu, Monday. In A.D. 1547  |
|          |                                 | (= Plavanga) in the month of Rishabha, the Nak. "Punarvasu" fell on Sunday, May 22.  |
| ,,       | 5                               | Saka 1497, Yuva, Rishabha, ba. di. New-moon, Monday.   |
|          | 40                              | = A.D. 1575, May 9, Monday: f.d t. 20.   |
| "        | 49                              | Saka 1470, Kīlaka, Šittirai, 10, Uttiram, su. di. 10, Simhalagna, Friday.<br>In A.D. 1548 (= Kīlaka = S. 1470), Chittirai 11 (and not 10) was on Friday. |
|          |                                 | and on this day the tithi was ba. 13 and the Nak. was "Uttirattadi" and  |
|          | 109                             | not Uttiram. (The date seems to be irregular.)<br>Sõbhakrit (S. 1466), Arpasi 5. Details not enough for verification.                                    |
| ,,       | 108                             | VIJAYANAGARA III.  |
|          |                                 | Venkaţadēva-Mahārāya.  |
| 1918     | 398                             | Śaka 1520, Vilambi, Simha, śu. di. 7, Monday, Anurādha.  |
|          |                                 | = A.D. 1598, August 28, Monday (= Simha 28); 78; 48.   |
|          |                                 | Śriraṅgadēva-Mahārāya.   |
| 1919     | 312                             | Kaliyuga 4756, Śaka 1577, Manmatha, Āni 10, Paurņamī, Friday, Mūlā.<br>= A.D. 1655, June 8, Friday (= Āni 10); 84; f.d.n. 20.                            |
|          | ]                               | $Rar{a}$ mad $ar{e}$ var $\hat{a}$ y $ar{a}$ .   |
| 1918     | 274                             | Śaka 1583, Plava, Mārgaśira, śu. di. 5, Saturday.  |
| }        | 1                               | = A.D. 1661, November 16, Saturday; 80.  |
| ĺ        | 1                               | Venkatapati.   |
| 99       | 265                             | Saka 1666, Māgha, śu. di. 5.   |
| 1        |                                 | In A.D. 1744 Māgha, śu. 5 fell on Monday, January 9. In A.D. 1745, Māgha śu. 5 fell on Saturday, January 26, but the date cannot be verified             |
|          |                                 | for want of week-day.  |
| "        | 273                             | Saka 1581, Vikari, Phālguna, su. di. 3, Friday.<br>= A.D. 1660, February 3, Friday; '66.   |
| }        | 1                               | - 11,2, 1000, Eustains of Litting, our   |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1918-19—cont.

| Year.              | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|--------------------|-----------------------------------|---|
| ,                  |                                   | Pallavas.   |
|                    |                                   | Peruñjingadeva.   |
| 1918<br>1919<br>,, | 411<br>290<br>300                 | 2nd year, Makara, ba. di. 14, Thursday, Hasta. Irregular. 32nd year, Mēsha, śu. di. 1, [Monday], Tiruvādirai. Irregular. 32nd year, Mēsha, śu. di. 1, Sunday, Mūlā. Irregular.  |
|                    |                                   | Sambuvarayas.   |
|                    |                                   | Sakalalōkachakravartin Rājanārāyaṇa Śambuvarāya.  |
| Mrong (;           | 47<br>233                         | 18th year, su. di. 1, Sadaiyam. Not enough for verification. 7th year, Mēsha, su. di. 13, Welnesday, Uttiram. According to note to No. 871, Kielhorn's South-Indian Inscriptions (App. to Vol. VII, Ep. Ind.), the 17th year of his reign coincided with S. 1261 = A.D. 1339-40; and May 1323 must have fallen in its 1st year. Reckoning by these indications, we have, as   |
| ,                  | 245                               | the equivalent of the present date Wednesday, April 12, A.D. 1329 when su. 13 ended at 54; but it was a day of "Hasta", Nah. "Uttiram" having ended at 61 on the previous day. 6th year, Simha, su. di. 1, Sunday, Makhā. Proceeding as above, we have, as the equivalent of the present date, Sunday, August 7, A.D. 1328, on which day su. 1 ended at 18; but here again the Nakshatra "Makhā" had ended at 68 on the previous day. We might suppose a different system of reckoning Nakshatras: but neither Garga nor Brahma-siddhānta yelds a different result. |
|                    |                                   | Gajapati,   |
|                    |                                   | Dakshina-Kapılēśvara Hambīra-Mahāpāt <b>r</b> a.  |
| "                  | 51<br>& 92                        | Śaka 1386; Tāraṇa. Mithuna, śu. di. 3, Thursday, Pushya.<br>= A.D. 1464, June 7, Thursday; f.d.t. 21; f.d.n. 25.  |
|                    |                                   | Kakatiya.   |
|                    |                                   | Pratāparudradēva.   |
| "                  | 11<br>App. A                      | Śaka 1244, Dundubhi, Kārttika, śu. di. 5, Thursday. In A.D. 1322 (= Dundubhi), Kārttika śu. 5 fell on October 15, Friday, and it ended at 96 of day. Thursday seems to be an error for Friday.  |
|                    |                                   | Eastern Gangas.   |
| 1918–<br>19.       | App. A                            | 10 July A.D. 1048 at 60, ending next day at 68; while in A.D. 1049-50 (= S. 971 expired) the same tithi ended on Sunday 30 July, A.D. 1049,   |
| ,,                 | 4<br><b>A</b> pp. <b>A</b>        | at 34. In both cases paksha was 'bahula', not 'Sukla'.  Saka 998, Chaitra, Vishu-Sankrānti; Crowned in Saka 992 on Jyēshtha, su. 8,  Simha-lagna, Thursday, Uttara-Phalgunī.  = A.D. 1070. Jyaishtha su. 8 fell in this year on Thursday, May 20, the tithi ending at 35; Nak. Uttara-Phalguni began on the same day at 28 and ended at 20 next day.  |
|                    |                                   | WESTERN CHALUKYAS.  |
| _                  |                                   | Jayadêkamalla.  |
| 1918               | 210                               | 11th year, Sukla, Chaitra, śu. (?) Amāvāsya, Monday, Uttarāyana-Sankrānti.  A.D. 1027 = Sukla (N. cycle). The Chaitra Amāvāsya at the beginning of this year fell on a Sunday (9 Apr. A.D. 1027) while that at the end of the year fell on a Thursday.  |
| **                 | 211                               | 7th year, Raktākshi, Prathamā, Srāvaṇa, Punṇame, Lunar eclipse.  A.D. 1022 = Raktākshi. On Śravaṇa Paurṇami in this year, Monday 16 July,   |
| ,,                 | 228                               | there was a luuar eclipse.  Saka 959, Pramādhi, Uttarāyaṇa-Sankrānti.  The reckoning of Pramāthin is by northern cycle. A.D. 1037 = Pramāthi (N. cycle).  |

APPENDIX E.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1918-19—cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|------------|-----------------------------------|--|
|            | 1                                 | Western Chalukyas—cont.  |
|            |                                   |  |
| 1918       | 253                               | Jagadēkamalla—cont.  Saka 955, Bhāva, Paushya, śu. di. 1, Wednesday, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti. Bhāv (N. cycle) = A.D. 1032-33 = Ś \$55 current. In this year, Pausha śu. fell on Wednesday, December 6, A.D. 1032. Tithi ended at 51.  |
| ,,         | 257                               | 4th year of Kalachurya Bhujabalachakravartin Rāyanārāyana Ahavamalladēva Sōbhakrit, Jyēshtha, Puṇṇami, Lunar eclipse. In A.D. 1061-62 = Śōbhan (N. cycle), there was no lunar eclipse in Jyēshtha.   |
| *?         | 258                               | Saka 958, Dhātu, Kārttika, su. di. Padiva, Sunday, solar eclipse. A.I. 1034-35 (= Saka 956) was Dhātri by N. cycle, but there was no solar eclipse on Kārttika Amāvāsya of this year nor did the Amāvāsya or Pratipād coincide with a Sunday.  |
| "          | 264                               | 10th year, Prabhava, Paushya, śu. di., Thursday, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti, Vyatī<br>pāta. A.D. 1025 was Prabhava by N. cycle, but Pausha śu. 4 in that yea<br>was Sunday 26th December, not a Thursday.  |
| 2 <b>9</b> | 282                               | Pramādi, Kārttika, Amāvāsya, Mondav, Solar eelipse.  Neither in Pramāthin = (A.D. 1037) nor in Pramādi (= A.D. 1071) was there a solar eclipse at Kārttika Amāvāsya, and neither Amāvāsya fell on Sundav   |
| ,,         | 289                               | 9th year, Kshaya, Jyēshṭha, śu. di., 13, Monday, Lunar eclipse, Vishu-Sari kramaṇa.  A.D. 1024 = Kshaya (N. cycle); but in this year, Jyēshṭha śu. 13 fell o Sunday, 24th May. Of course śu. 13 cannot be a lunar eclipse day There was a lunar eclipse in Ashāḍha of this year not in Jyēshṭha.   |
|            |                                   | Trailōkyamalladēva.  |
|            | 901                               | Śaka 976, Jaya, Uttarayana Sankranti, Sunday. Not enough for verification.   |
| "          | 201<br>235                        | Saka 966. Tārana. Uttarāyana-Sankrānti. Not enough for verification.   |
| 17         | 286                               | Saka 986 Krādhi Chaitra, Paurnima, Sunday.   |
| "          | 290                               | = A.D. 1064 (= Krōdhin), April 4, Sunday; Paurnima ended at 22.<br>Śaka 974, Nandana, Pushya, śu. di. 1, Thursday, Uttarāyaṇa-Sankrānti.<br>In A.B. 1052 (= Nandana), on Thursday, December 24 (= Makara 1), śu. began at 05 of the day and ended at 11 on the next day. Makara-Sankrān  |
| "          | 291                               | was at '83 on Wednesday.  Saka 974, Nandana, Māgha, Amāvāsya, Sunday, Uttarāyana-Sankrānti.  In A.D. 1052 (= Khara) on Sunday, February 2; ba. 15 began at '50 of da and ended at '47 on the next day. It was not a day of Uttarāyan Sankrānti.  |
| <b>,</b> , | 292                               | Saka 981, Vikāri, Srāhe, Srāvaņa, Puņņima, Tuesday, [Vishu]-Sankrānti, Lun eelipse = A.D. 1059, July 27, Tuesday; 54. There was a lunar eelipse.   |
| "          | 293                               | Saka 9[8]3, Plava, Jyështha, Amāvāsya, Sunday, Solar ecupse.<br>In A.D. 1061 (= Plava), Jyështha, Amāvāsya fell on Wednesday (not Sunday) and there was a solar eclipse on that day.   |
| ,,         | 298                               | Saka 970, Sarvadhāri, Māgha, śu. di. 5, Sunday, Uttarayaṇa-Sankranti.<br>In A.D. 1048 (= Sarvajit), Māgha śu. 5 was on Saturday but ba. 5 was o<br>Sunday ending at 42 of day.   |
|            | 1                                 | Tribhuvanamalla.   |
| ,,         | 213                               | Chālukya Vikrama year 24, Pramāthi, Jyēshṭha, śu. Paurṇamāsi, Sunda<br>Lunar eclipse.<br>= A.D. 1099 (= Pramāthin) 5th June; Sunday; 67; and there was   |
| 19         | 214                               | Lunar eelipse on that day.<br>Chālukya Vikrama vear 29, Vaišākha, šu. di. tadige, Sunday.<br>In A.D. 1104, on Sunday, April 10, Vaišākha šu. 13 (not 3) ended at 1   |
| ?>         | 229                               | Tadige seems to be an error for Trayōdasi.<br>Śaka 1049, Parābhava, Pushya, śu. di. padiva, (?) Sunday, Uttarayaṇa-Saṅkra<br>maṇa A.D. 1127 (= \$ 1049) = Plavanga and not Parābhava. A.D. 1127<br>25th December, Sunday, was a day of bahula pañehami and it was a day<br>Uttarāyaṇa-Saṅkrānti. The cyclic year seems to be an error.   |
| >>         | 245                               | Ottara, aka Ottara |

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | WESTERN CHALUKYAS—cont.   |
|            |                                   | ${\it Tri}$ bhu ${\it vanamalla}$ — ${\it cont.}$   |
| 1918       | 277                               | Chālukya Vikrama year 56, Khara, Paushya, su. di. 11, Sunday, Uttarāyaṇa-Sankrānti.   |
| "          |                                   | = A.D. 1111, January 22, Sunday; 57. The cyclic year was Vikrita and not Khara.   |
| 37         | 278                               | Šaka 987, Viśvāvasu, Paushya, śu. di. 7, Sunday, Uttarāyana-Sankrānti.<br>In A.D. 1065 (=Krōdhin), on Sunday; January 16, Makara śu. 7 ended at 90.<br>Chālukya Vikrama year 37, Nandana, Paushya, śu. di. 11, Monday, Uttarāyana-  |
| ,,         |                                   | Sankrānti, Vyatīpāta.<br>— A.D. 1112, December 30, Monday; 98.  |
| "          | 287                               | Chālukya Vikrama year 48, Šubhakrit, Uttarāyaṇa-Saṅkrānti. In A.D. 1123 ( = Subhakrit), Uttarāyaṇa-Saṅkrānti fell on December 25, Tuesday.  |
|            |                                   | $	extbf{\it Bhar u}$ lõ $	extbf{\it k}$ amalla.   |
| "          | 234                               | Chālukya Vikrama year 52, Plavanga, Āshādha, Amāvāsya, Sunday, Dakshinā-<br>yana-Sankramana, Vyatīpāta.   |
|            |                                   | In A.D. 1127, on Sunday, 10th July, Ashādha Amāvāsyā began at ·27 of day and ended at ·29 on the following day.  Jagadēkamalla.   |
| <u>ټ</u> ۳ | 212                               | Saka 1[0°.]95, Jaya, Prathamāshādha, Śrāvaṇa, Puṇṇama, Lunar eclipse. = A.D. 1173, June 27, Wednesday; 13; f.d.n. 72. There was a lunar eclipse on that day.  |
|            |                                   | Yadavas.  |
|            |                                   | Gutta Vikramāditya.   |
| ,,         | 215                               | Saka 1104, Plava, Pushya, ba. di. 3, Friday, Sankramana.  = A.D. 1181 (= Plava), December 25, Friday; f.d.t ·09. The tithi began on Friday at ·02 of day and ended at 09 on the following day. The Saka year referred to here is expired.  **Rāmachandra.**   |
|            | 205                               | 10th year, Pramathi, Phalguna, su. di. 11, Monday.  |
| <b>"</b>   | 224                               | A.D. 1280 (10th year of Yādava king Rāmachandra according to Mr. Rangachani's Madras Inscriptions, Vol. II, p. 286), Monday, February 12, when su. 11 ended at 56 ghat. after mean sunrise.  Saka 120[4], Chitrabhānu, Vaišākha, su. di. 14, Monday, Svāti, Vyatīpāta-yōga. In A.D. 1282 = Chitrabhānu, on April 23, Thursday, Vaisākha, su. 14 ended at 30 and the Nak. Svāti ended at 68. The week-day Monday is an error for |
|            | 225                               | Thursday.  14th year, Sarvajit, Āśvija, Monday. Details not enough for verification.  |
| "          | 242                               | 15th year, Sarvajit, Srāvana, śu. di. 15, Monday.<br>15th year of Ramachandra's reign was A.D. 1285, while Sarvajit was A.D.  |
| •          | 243                               | 1287-88. In A.D. 1286, on Monday August 5, Śrāvana śu. 15 ended at ·84. 10th year, Pramāthi, Āshādha, ba. di. 10, Monday. In A.D. 1279 = Pramāthi, Āshādha ba. 10 fell on Wednesday. In A.D. 1280, the same tithi fell on Sunday; and in A.D. 1281 on Saturday.   |
| >>         | 247                               | 12th year, Chitrabhānu, Vaísākha, ba. di. 2, Sunday. In A.D. 1282 (= Chitrabhānu), on Sunday, April 26, Vaisākha ba. 2 ended at 55.   |
| **         | 256                               | Saka 1219, Hemanambi, Margasira, su. di. 5, Thursday. In A.D. 1297, Margasirsha su. 5 fell on Wednesday, November 5, and it ended at 83; but in A.D. 1296 (= Durmukha) Adhika Margasirsha, su. 5 felli on Thursday, November 1 and it ended at 73.  |
|            | 1                                 | Mysore Chiefs.  |
| 1919       | 316                               | Chikkadēvarāya.  Kali 4780, Siddhārthi, Šittirai 10, Monday, Saptami, Punarvasu.  = A.D. 1679, April 7, Monday (= Chittirai 10); ·37; ·42.  |
|            |                                   | Hoysala.  Vīra-Ballāļadēva.   |
| 1918       | 197                               | Bhāva, [Jyēshṭha], ba. di. 9, Jīvavāra (Friday).<br>In A.D. 1314 = Bhāva, Jyēshṭha ba. 9 fell on Tuesday, not Friday.   |

| Year.         | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|---------------|-----------------------------------|--|
|               |                                   | Hossala—cont.  |
|               |                                   | $oldsymbol{V}$ ira- $oldsymbol{Balla}$ lad $ar{e}$ va—cont.  |
| 1918          | 207<br>217                        | Pingala, Amāvāsya, Monday. Not enough.<br>Saka 1117, Ānanda, Chaitra, su. di. padiva (prathama), Friday.<br>Ś 1117 = A.D. 1195 = Rākshasa and not Ānanda. In A.D. 1194 (= Ānanda),<br>on Friday. March 25, su. 1 ended 09.   |
| ,,            | 220                               | 15th year, Krōdhana, Jyēshṭha, Paurṇami, Sunday, Lunar eclipse. In A.D. 1205 Krōdhana, Jyēshṭha, Paurṇami was not Sunday.  |
| ,,            | 221                               | 7th year, Pingela, Jyeshtha, śu. di. Punname (Full-moon), Monday, Lunar eclipse, Vyatīpāta-Samkramaņa. In A.D. 1197 = Pingala, Jyeshtha, Paurnami was neither Monday nor a day of  |
| "             | 261                               | lunar eclipse.<br>Śaka 1132, Śukla, Jyēshtha, śu. di. 5, Sunday.<br>Ś 1132 = A.D. 1210 was Pramōdūta and not Śukla. Ś. 1131=A.D. S. 1209<br>was śukla In A.D. 1209 (= Śukla) Jyēshtha śu. 5 fellon Sunday, May 10,<br>and it ended at *80.   |
| **            | 269                               | Śaka 1136, Phāva, Vaišākha, śu. di. 1, Monday, Solar eclipse.  In A.D. 1214 which was Bhāva, lunar Vaišākha śu. 1 was on Saturday, but solar Vaigāši śu. 1 fell on Monday and there was no solar eclipse. But in A.D. 1213 which was Śrīmukha, lunar Vaišākha śu. 1 began on Monday, April 22, at '44 of day and ended at '39 on the following day and there was a solar eclipse on Monday.  Vīra-Narasimha.   |
|               | 208                               | Chitrabhānu, Bhādrapada, ba. di. 8, Thursday.  |
| . "           | 209<br>281                        | Chitrabhānu, t hādrapada, Amāvāsyā, Monday.<br>Saka 1145, Chitrabhānu, Pushya, ba. 8, Monday, Uttarāyana-Samkramana,<br>Vyatīpāta-yōga.<br>Ś 1144 was Chitrabhanu. In A.D. 1122 (= Chitrabhānu), on December 26,<br>Monday, Pushya ba. 8 began at 52 and ended at 44 on the following day.   |
|               |                                   | It was a day of Makara Sankranti.  |
| •             |                                   | Nayakas (Madura).  |
|               |                                   | Virappa-Nāyaka, son of Viśvanātha.   |
| "             | 340                               | Saka 1503, Vikrama, Adi, [2]. The date cannot be verified for want of week-day.  |
|               |                                   | Vijayaranga-Chokkanātha-Nāyaka.  |
| 1918-<br>1919 | 1 & 2<br>App.A                    | Śaka 1617, Kollam 871, Āḍi 11, śu di. 10, Thursday, Anusham.<br>= A.D. 1695 (= Kollam 871) July 11, Thursday (= Āḍi 11); 47; 99.   |
|               |                                   | Nayakas (Tanjore).<br>Achyutappa-Nāyaka.   |
| 33            | 416                               | Saka 1505, Subhānu, Māśi 8. The date cannot be verified for want of week-day.  |
| **            | 423                               | Do. do. Masi 5.  |
|               |                                   | MAHRATHAS.   |
| 1918          | . 540                             | Ékōji-Mahārāja.  Šaka 1605, Kaliyuga, 4784, Dundubhi, Šittirai 8, Thursday, śu. di. 7, Pushya. Šaka 1605 = A.D. 1683 = Kali 4784 = Rudhirōdgārin (not Dundubhi) In A.D. 1683, April 5, Thursday (= Chittirai 8), the tithi was ba. 4 (and not śu. 7) and the nak. was Jyōshtha (and not Pushya). In this year, śu. 7 and Pushya combined on April 23, Monday and it was Chittirai 26. But in A.D. 1682 (= Dundubhi), on Chittirai 8 (= April 5, Wednesday), the tithi was śu. 8 and the nak. was Pushya. |
|               | 1                                 | 1003. Home (Rdn.)—23   |

|             | 1 ,               | Duck from Appearance 1, 2 and 1 of the Lamber 10, 2010 in the lamb 10, 2 |
|-------------|-------------------|--|
| Year.       | Number<br>of      | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
| 1601.       | inscrip-<br>tion. | Horionomen deman, Engine equivalent and romainor   |
|             |                   | Tukkōji-Mahārāja.  |
| 4010        | F 21              |  |
| 1918        | 521               | Saka 1652, Saumya, Vaigāśi 17, Friday.<br>S. 1652 = A.D. 1739 = Sādhāraṇa and not Saumya.  |
|             |                   | = A.D. 1730 May 15, Friday (= Vaigāsi 17). The cyclic year Saumya seems to be an error for Sādhāraṇa. Saumya Vaigāsi 17 was on Thursday.   |
|             |                   | Miscellaneous.   |
| 1918-       | 1                 | Śaka 1408, Kollam 661, Pūrattādi 20, ba. di. 7, Tuesday, Mrigasīrsha.  |
|             | App. A            |  |
|             |                   | Kanya or Purattāsi, and on this day ba. 7 commenced at '34, ending next  |
|             |                   | day at .25, while Nakshatra Mrigasīrsha ended the same day at .76. But kollam 661 must have come to end before this date and kollam 662 commen-  |
|             |                   | ced in North Malabar with Simha month on 31 July and in South Malabar  |
| 7010        | NT 10             | with Kanya month on 3! August.   |
| 1918-<br>19 | Ann. A            | Šaka 1225, Krōdhi, Kārttika, śu. di. 10, Thursday.<br>Ś. 1225 was Śōbhana and not Krōdhi = A.D. 1303. Ś. 1226 was Krōdhi =   |
| 10          | PP                | A.D. 1304. In A.D. 1304, on Thursday, October 8, Karttika śu. 10 began   |
|             | 200               | at 33 and ended at 30 on the following day.  |
| 33          | 202               | Saka 1480, Kāļayukti, Vaišākha,ba. di. 12.<br>In S. 1480 — Kālayukta, Vaišākha ba. 12 was on Sunday. The date cannot   |
|             |                   | be verified for want of week-day.  |
| 7)          | 203<br>222        | Nandana, Mārgasira, ba. di. 12, Friday. Not enough for verification.   |
| 27          | 222               | Saka, Sōbhakrit, Aśvija, śu. di. 15, Wednesday.<br>  == A.D. 1842, October 19, Wednesday; 40. The cyclic year was Śubhakrit  |
|             | 020               | and not Sobhakrit.   |
| "           | 223               | Saka 1311, Vibhava, Jyeshtha, su. di. 1, Friday. S. 1311 was Sukla and not Vibhava. S. 1310 was Vibhava = A.D. 1388. In A.D. 1389 = S.   |
|             | 1                 | 1311, neither su. 1 nor ba. 1 was on Friday. But in A.D. 1388 (= \$  |
|             | 1                 | 1310), on May 22, Friday, ba. 1 (not su. 1) ended at .75. Su. 1 was on   |
|             | 227               | Thursday. Su. 1 seems to be an error for ba. 1.<br>Saka 1253, Paridhāvi (wrong) Māgha, śu. di. 5.  |
| **          |                   | S. 1253 = A.D. 1331 = Prajāpati. In A.D. 1331 Māgha su. 5 fell on Friday   |
|             | 991               | but it cannot be verified for want of week-day.  |
| "           | 232               | Kāļayukti, Šrāvaņa, ba. di. 1, Wednesday. Details not enough for verification Šaka 1649, Plavanga, Phālguņa, šu. di. 5.  |
| ,,          |                   | In A.D. 1727 = Plavanga = \$.1649, Phalguna su. 5 fell on Sunday, 4th  |
|             | 236               | February, A.D. 1728. But it cannot be verified for want of week-day.<br>Saka 986, Pramādi, Vaisākha, Samkrānti. Details not enough for verification.   |
| 3)<br>))    | 238               | Bhāva, Jyeshtha Uttarāyaṇa-Sankramaṇa. Details not enough for verification.  |
| "           | 239               | Saka 1209, Sarvajit, Vaisākha, ba. di. Sunday.   |
|             |                   | In A.D. 1287 = Sarvajit = S. 1209, Vaišākha ba. 6 and ba. 13 fell on Sunday 4th and 11th May respectively.   |
| "           | 250               | Saka 984, Vaisākha, su. di. 5, Sunday.   |
|             |                   | In A.D. 1062 (= S. 984) Vaisākha su. 5 fell on Tuesday, April 16. The weekday Sunday seems to be an error for Tuesday.   |
| 79          | 251               | Šaka 985, Šobhakrit, Paushya, su. di. 2, Sunday, Uttarā yana-Samkrānti.  |
| "           |                   | In A.D. 1063 = Söbhakrit = S. 985, on December 24. Wednesday (not  |
|             |                   | Sunday), both lunar Pausha and solar Pushva su. 2 occurred: and Uttarayana-Sankranti fell on this day at 69 of day. Week-day Sunday seems to be an   |
|             |                   | error for Wednesday. But su. 12 fell on Sunday, January 4, A.D. 1064.  |
| 97          | 275               | Saka 1650, Saumya, Jyeshtha, su. di. 5. The date cannot be verified for want   |
|             | 276               | of week-day.<br>Saka 1434, Prajotpatti, Paushya, ba. di. 30, Amāvāsya. The date cannot be  |
| "           |                   | verified for want of week-day.   |
| 1918        | 295               | Saka 975, Vijaya, Ashāḍha, śu. di. 3, Sunday.<br>= A.D. 1053, June 20, Sunday; f.d.t .59.  |
| 27          | 296               | Śaka 1213, Khara, Chaitra, śu. di. 2, Thursday.  |
| "           |                   | In A.D. 1292, on March 20, Thursday, Chaitra su. 1 (not su. 2) began at :35  |
|             |                   | and ended on Friday at 30. Su. 2 seems to be an error for su. 1.   |
|             |                   |  |

| Year.     | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-----------|-----------------------------------|---|
|           |                                   | M iscellaneous- cont.   |
| 1918      | 300                               | Saka 1461, Vikāri, Bhādrapada, śu. di 15.   |
| ,,        |                                   | =A.D. 1539, August 29, Friday; 38. Details not enough for verification for                            |
|           | 000                               | want of week-day.   |
|           | 302                               | Saka 1161, Vikāri, Bhādrapada, śu. di. 12. Details not enough for verification                        |
| **        | 304                               | for went of week-day<br>Saka 1461, Vikāri, Bhādrapada, su di. 13. Details not enough for verification |
|           | 504                               | for want of week-day.   |
| "         | 306                               | Saka 1461, Vikāri, Bhādrapada, su. di. 12. Details not enough for verification                        |
|           | ,                                 | for want of week-day.   |
| ,,        | 321                               | Kollam (?) 902, Plavanga, Vaigāśi, 29. Details not enough for verification.                           |
| "         | 327                               | Saka 1480, Kalayukti, Karttigai. Details not enough for verification.                                 |
| **        | 370                               | Saka 1313, Prajapati, Makara, su. di. 3, Friday, Sadayam.   |
|           |                                   | = A.D. 1391, December 29, Friday; 22; f.d.n. 22. The Nak. "Sadayam"                                   |
| -         | 071                               | began on Friday at '14 and ended at '22 on Saturday.  |
| 7)        | 371                               | Saka 1300 (for 1306) Rudhirōdgārin, Kārttigai, 16. Details not enough for verification.               |
|           | 396                               | Saka 1410, Kīlaka, Tulā, ba. di. Wednesday, Makhā.  |
| "         | 0.00                              | = A.D. 1488, October 29, Wednesday. On this day, the tithi was ba. 9 and the                          |
|           | 1                                 | Nak. was "Pūrva-Phalguni", Makhā having ended on the previous day at                                  |
|           |                                   | •93 of day.   |
| >>        | 541                               | Šaka 1659, Pingala Māśi, 5. Details not enough for verification.                                      |
| . 7 6 7 6 | 542                               | Saka 1505, Tarana, Vaigāši 15. Details not enough for verification.                                   |
| 1919      | 168                               | Saka 1452, Vikrita, Adi 20. Details not enough for verification.                                      |
| "         | 288                               | Saka 1193, Dhanus, su. di. 1, Friday, Mūlam.<br>  = A.D. 1271, December 4, Friday; 93; 44.            |
|           | 295                               | Vikrama, Vrišchika, šu. di. 14, Friday, Asvati. (About 14th century.) In                              |
| "         | 200                               | A.D. 1340 (= Vikrama) on November 3, Friday, the tithi su. 14 was current                             |
|           |                                   | th, whole of that day and nak. Asvati ended at 13.  |
|           |                                   |   |

### PART II.

Excluding the 200 stone inscriptions newly copied this year but not included in the appendices to the report, since they had been taken up for immediate publication, most of the remaining 700 records are assignable to specific dynasties of kings. Two hundred and seventy-four epigraphs belong to the Chōlas, 60 to the Pāndyas, 89 to Vijayanagara, 38 to the Western Chālukyas, 14 to the Pallavas, 15 to the Hoysalas, 12 to the Sambuvarāyas and 8 to the Yādavas. Besides these, there are some records of the Rāshtrakūtas, the Eastern Chālukyas, the Nāyakas of Madura and Tanjore, the Mysore Chiefs, the Gajapatis, etc. About 160 miscellaneous inscriptions in the collection cannot be definitely ascribed to any particular dynasty.

2. Shiyali, one of the taluks selected for village-war inspection during the year 1918-19, was important in ancient times in more respects than one, and it may be

Antiquities of the Shiyali taluk.

said, that few tracts could compare with it in point of antiquarian interest. Here was Kāvirippūmpaṭṭiṇam, the once richest city of Southern India and the capital of the Chōla empire for some time. It was picturesquely situated at the mouth of the river Kāvērī and foreign ships laden with rich cargo touched at this important port. In its best days it contained several massive structures of various descriptions. The description of the city as given in the Tamil classical works, such as, Paṭṭṇappālai composed about the time of Karikāla in the 6th century A.D., Sīlappadigāram assigned to A.D. 756 by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai, etc., shows the prosperity it once enjoyed, its wealth and industrial activity. According to some, it is the Chabaris Emporium mentioned by Ptolemy in the 1st century A.D. The inscriptions secured from the modern Kāvērippaṭṇam and its vicinity leave no doubt as to its identity with Kāvirippūmpaṭṭṭṇam alias Pugār, though the monuments of Pallavanīchcharam and Sāyāvanēśvara are not of such early date as could be expected.

3. Other places in the taluk which contain ecclesiastical monuments of the 7th

century A.D., celebrated in the pious Saiva places. hymns of Jñānasambanda and which were visited during the year under report are (1) Tirunallurperumanam, (2) Tirumahēndrapalli, (3) Tentirumullaivāyil, (4) Tirukkalikkāmūr, (5) Tiruvenkādu, (6) Kīlai-Tirukkāttuppaļļi, (7) Tirukkurugāvūr-Velladai, (8) Sīrgāli (Shiyali) which bore 12 other names, (9) Tirukkōlakkā, (10) Tiruppullirukkuvēļūr now known as Vaidīśvarankōyil and (11) Tiruppungūr. Of these eleven places which are situated on the banks of the Kāvērī, Tirunallūrperumanam now called Achchāpuram, Shiyali and Tirukkōlakkā are closely connected with the life of the Saiva saint Jāanasambanda. It was at Shiyali that this devotee of Brahman parentage who is said to have lisped in numbers even from his third year was born and brought up; and Tirukkölakkä, which is almost a suburb of Shiyali, marks the spot where he obtained a pair of gold cymbals as a reward for the devotional songs which he composed and as an incentive for the prosecution of his life-work, i.e., the spread of Hindu religion. His images are largely worshipped in Saiva temples in the south under the name Aludaiya-Pillaiyar and are distinguished from those of other saints by a pair of cymbals which they are made to hold in their hands. At Tirunallurperumanam the saint was, on the direction of his parents, wedded to the daughter of the pious Nambandarnambi and, strange as it may appear, entered godhood on the very day of the marriage celebration together with all his relatives who had gathered on the spot. In all these three places, Jñānasambanda receives prominent worship, and annual or monthly festivities, are conducted in his honour even to this day. Also the inscriptions of these places record munificent grants made for the purpose. The name of the consort of Jñānasambanda is not given in the Periyapurānam which describes the lives of the Saiva saints, but from No. 527 of Appendix B it looks as if her name was Sokkiyar. Though none of the eleven places mentioned above has been omitted in the Dēvāram hymns of our saint, by far the largest number amounting to very nearly 700 verses has been sung in praise of the god at Shiyali and ten stanzas each have been contributed to Tirukkolakkā and Tirunallūrperumanam.

- 4. Besides the above-mentioned Siva temples, the taluk contains as many ancient Vishņu temples celebrated in the hymns of the Nālāyiraprabandham. These are Vaishņava places celebrated in the Nālāyiraprabandham. These are found in and around Nāngūr. They have been mostly sung by Tirumangai-Āļvār whose birth-place is believed to be Kuraiyūr, a hamlet of Tiruvāli-Tirumangai, a village in Tiruvāli-nāḍu. The saint having flourished in the 8th century A.D., it is certain that the following eleven temples viz., (i) Tirumaṇimāḍakkōyil, (ii) Tiruvaigunḍa-Viṇṇagaram, (iii) Tiru-Arimēya-Viṇṇagaram, (iv) Tiruttēvanārtogai, (v) Tiruvanpurushōt'amam, (vi) Tiruchchemboṇśeykōyil, (vii) Tirutterriyambalam, (viii) Tirumanikkūḍam, (ix) Tirukkāvalampāḍi, (x) Tiruvellakkalam and (xi) Tirupārthaṇpaḷḷi should have been in existence prior to that date.
- 5. Thus though the taluk is studded with ancient shripes celebrated in the hymns of the Devaram and the Nalayira pra-Paucity of architectural remains. bandham and is remarkable as containing the birth-places of two of the greatest religious reformers of the 7th and 8th centuries A.D. who have earned immortal fame by their works, it is strange that the very places where the scene of their activity was laid should be so poor in respect of any architectural remains worth the name. The only structure that could be cited as an example of antique art is the Svētavanēśvara temple at Tiruvenkādu which according to the lithic records engraved on the walls of its central shrine cannot be taken further back than to the end of the 10th century A.D., as, at best, the temple could have been constructed only in the days of Rajaraja I. A few other structures such as those at Shiyali, Vaidīśvarankōyil, Tiruppungūr and Tirumullaivāyil have been thoroughly renovated in modern times leaving no trace of their antiquarian remains, and sometimes without even a notice to this department. It is a striking feature, quite peculiar to this tract, that many of the ancient shrines, mostly Vaishnava and a few Saiva, remain to this day as brick structures, while only a few have been built of stone in later times.
- 6. Among the causes for the absence of early stone monuments may be mentioned. in the first place, the absence of hills in the vicinity of the taluk to supply the necessary material and, secondly, the encroachment of the sea on this side of the Coromandel coast which could be inferred from the Tamil literature to have occurred several times and which in consequence must have washed away at one sweep such of the ancient buildings as may have existed. In Silappadigāram, canto xxviii, we find an account of an inundation which resulted Causes for the absence of early monuments. in the destruction of the ancient Chola capital Kāvirippūmpattiņam. It may be noted that this encroachment did not confine itself solely to the coast towns and villages but extended, on one occasion, as far as Shiyali which is 12 miles from the coast. This is evident from the writings of Jāānasambanda and some stone epigraphs which describe the incident poetically that "Kalumalam (i.e., Shiyali) floated when the sea carried away (all the surrounding parts)".
- 7. Another result of these inundations was that most of the lands in the taluk got Reclamation of lands in Tiruvenkādu.

  Submerged and silted up with sand and had to be reclaimed at much cost. Nos. 504 and 505 of Appendix B acquaint us with the cost of converting such land into fields fit for cultivation. In one case (No. 504 of 1918), while the cost of six mā of land was 2,000 kāśu, the cest of reclamation was 3,000 kāśu. Other epigraphs show that many lands which were originally given to temples had to remain uncultivated perhaps under similar circumstances.

### THE PALLAVAS.

8. Only two inscriptions of Pallava kings were secured during the year under review. Of these No. 158 of Appendix C, dated in the 3rd year of the reign of Vijaya-Nandivikramavarman, states that the temple of Tigaittiral-Vishnugriha at kramavarman.

Kiliñalūr in Ōymā-nādu was built by a

1003, Home (Edn.)-24

Grant for the upkeep of a tank in the time of Kampavarman.

the reign of Vijaya-Kampavikramavarman, records that a private individual of Kulattūr in Tennārrūr-nādu, a subdivision of Kunra-kōṭṭam, purchased some lands and presented them as ērippaṭṭi, evidently for keeping the tank at Madam in proper repair.

## CHOLAS.

- 9. As has been already pointed out, the largest number in the current year's collection belongs to the Chōlas. The earliest of these (No. 353 of 1918) introduces a hitherto unknown queen of Parāntaka I, named Adittan Karralippirātti.
- 10. Of the inscriptions of Rājakēsarivarman, without any distinguishing marks of identification, copied during the year, none could be safely attributed to Āditya I. Nos. 346 and 348 of Appendix B are dated in the 5th year of a Rājakēsarivarman when a sōmagrahana occurred in the month of Kanni and register gifts by Mahimālaya Irukkuvēl alias Parāntakan Vīrasōlan. The latter part of the chief's name suggests that he must have been originalized.

Rājakēsarivarman.

Rājakēsarivarman of these inscriptions must, therefore, belong to one or the other of the only two Rājakēsarivarmans, i.e., Gandarāditya or Parāntaka II that followed him prior to the succession of Rājarāja I. No. 349 of 1918 provides for the singing of the Tiruppadiyam in the temple at Paļūr, while No. 491 mentions a body of weavers called "Pārthivasēgaratterinja-Kaikkōlar" who might have been so named after Rājarāja I.

11. Sure records of Rājarāja I with the introduction "Tirumagalpōla" are not few and some of them are interesting. We learn from Nos. 442 and 448 of Appendix B that Vāṇavaṇmahādēvi alias Tribhuvanamahādēvi was one of his queens and the mother of Rājēndra-Chōla I. A record of the latter (No. 460 of 1918) also states that Tribhuvanamahādēvi was his mother. No. 443 refers to the treasures which Rājarāja's queens, elder sister and father.

Rājarāja I had taken from the Chēra

king and No. 449 mentions another queen of his, viz., Kūttan Vīrāniyār. Rājarāja's elder sister, Kundavai, is distinctly spoken of in the inscriptions of Dādāpuram as the daughter of Ponmāligaiyirrunjinadēva Ponmāligaittuniinadēva is Sundara-Chōla thus clearly settling the identification of

Poņmāligaittunjinadēva is Sundara-Chola.

Sundara-Chola Parantaka II with Ponmāligaittunjinadēva. From the Tanjore inscriptions published in Volume II of South-Indian Inscriptions we know the active part played by this lady in the munificent gifts made to the temple of Rājarājēśvara built by Rājarāja I. The Dādāpuram

Princess Kundavai's works.

records state that she built three temples at that place, one to Siva called Ravikulamanikka-Īśvara, another to Vishņu named Kundavai-Vinnagar-Āļvār and a third to Jina called Kundavai-Jinālaya and made costly gifts to them. No more instances are necessary to show the religious toleration of the times. The Siva and Vishņu temples built by this princess exist at present, but there is no trace of the Jina shrine.

- 12. The names of two of the officers of the king, viz., Sēnāpati Mummudisōla-Rājarāja's surnames Mummudi-Chōla and Parākramasōla-Mūvēndavēlān (No. 17 of Appendix C) suggest that Rājarāja I bore the surnames Mummudi-Chōla and Parākrama-Chōla.
- 13. No. 444 of 1918 from Tiruvenkādu which is dated in the 6th year of Rāja-kēsarivarman is probably also a record of Rājarāja I, who in the earlier years of his reign was known chiefly by that title. The object of this inscription is to engrave on stone the grants made by Parāntakan Mādēvadigaļār alias Sembiyanmādēviyār, the queen of Gandarādityadēva and the mother of Uttama-Chōla. In the body of the inscription, she is stated to be the daughter of Malavaraiyar or Malavarkōn. The grants consisted of copper vessels, ornaments and images made of gold and silver set with precious stones, such as pearls rājāvindam, mānikkam, pavalam, kuppi,

vayiram, maratakam, etc., presented by the lady at different times. The inscription commences by saying (1) that in the 4th year of the reign of Uttama-Chola, she presented certain copper vessels and that in the 6th year of the same king she gave gold ornaments set with a number of gems. In the 6th year of Rajakesarivarman, the same queen is stated to have given a gold pot probably for the pinnacle, a gold image of Chandraśekhara of great weight and a large number of gold and silver ornaments also set with several precious stones. Incidentally the inscription says that in the same year the queen of Uttama-Chola named Settansorambaiyar alias Tribhuvanamādēviyār presented a silver pot and then enumerates other gifts made by the queen Sembiyanmadevi in the same year and in the 10th and 11th years of Parakesarivarman. Then after referring to some more gifts made in the 4th year of Uttama-Chōla, the record says that in the 6th year of Rājakēsarivarman, the assembly of Nangur in Nangur-nadu who had received in the 2nd year of Gandaradityadeva alias Mummudi-Chōladēva, 400 kāśu presented by Parāntakanmādēvigalār alias Sembiyanmādēviyār, the queen of Gandarāditya, the mother of Uttama-Chola and the daughter of Malavaraiyar for bathing the god on all the monthly samkrantis, not having made the required land provision at that time, now allotted lands in the southern hamlet of the village.

14. This inscription is of some interest as showing the religious bent of mind of the widowed queen of Gandarāditya in undertaking costly charitable works, about which references have already been made in previous epigraphical reports. From this record we learn, for the first time, that there was on the Chōla throne a ruling king who bore the name Gandarāditya and the surname Mummudi-Chōla. Since the inscription is dated in the 6th year of Rājakēsarivarman and refers to the reign of Uttama-Chōla, it is fairly certain that it is one of Rājarāja I, who, it may be remarked, was the first sovereign after Uttama-Chōla to assume the title, Rājakēsarivarman. In this connexion, it may also be said that palæographical considerations do not militate against this view. Still, it is not easy to determine who the new king mentioned in it is. In the first place it is very doubtful if the record in question enumerates the presents made by Sembiyanmādēvi in any chronological order at all. If it does, it should not, after enumerating the gifts made in the 4th and 6th years of Uttama-Chōla and the 3rd year of Rājakēsarivarman (i.e., Rājarāja because Uttama-Chōla's queen figures as donor in it), revert back to the 10th and 11th years of

Gandarāditya alias Mummudi Chōla.

Parakēsarivarman and again to the 4th year of Uttama-Chōla and then again to the 6th and 2nd years of Rājakēsarivarman. As such, anything said about the identity of the new king must be purely conjectural. Mummudi-Chōla known so far is one of the recognized surnames of Rājarāja I. If, however, we suppose that the reference in the inscription is actually to Gandarāditya, the second son of Parāntaka I, it follows that he must have had the hitherto-unknown surname of Mummudi-Chōla which like Irumudi-Chōla, the surname of his father Parāntaka I, indicated probably the third great ruling king of the revived Vijayālaya line of the Chōlas.

15. One of the inscriptions of the year's collection (No. 156 of Appendix C), dated in the 16th year of Rājarāja I (A.D. 1001), reveals to us the fact that the members of a village assembly were called together by the blowing of a trumpet and that the herald was entitled to get daily

2 soru from the village. Another interesting information regarding village assemblies is that the members met together and transacted business even during night (Nos. 180 and 186 of Appendix C), though in the generality of cases, it is found that business was conducted during day time.

16. A record of the 17th year of Rājarāja I states that one of the officers called Ārūran Udaiyadivākaran Arunmoli Mūvēndavēlār of Araišūr while camping at Pattinam in Pattina-nādu, a subdivision

An officer who inquired into the management of Oymā-nādu, made inquiries as to the villages that were owned by the temple of

Bhūmīśvara and on the report of the dēvakanmis that since the time when Marakkāṇam was assigned as dēvadāna to the temple, no scale of expenses had been fixed for it, he at their request called before his presence, all the dēva-kanmis and the farmers who cultivated the temple lands, ascertained the produce of the dēvadāna land and drew up in detail a scale of expenditure for the temple. The inscription under reference

shows that in the 11th century A.D. a responsible officer was appointed to conduct inquiries into the lands owned by temples, to see whether the provisions made were regularly met and if not to fix a scale of expenses for them. In previous reports it has been pointed out that Madhurāntakan Gandarādittan and Tiruvadigal Sāttan were such important state officials who discharged similar functions and even went to the length of imposing fines on defaulters (A.R. for 1918, p. 142).

17. Some of the inscriptions of Rājēndra-Chōla I record a few fresh facts. From No. 464 of Appendix B we learn that Nakkan Karukkamarndāl alias Pañchavaṇmādēvī was his queen. The name Kalikaṇthaka occurs for the first time in the records of Rājēndra-Chōla I (No. 140 of 1919) and as such might be supposed to be a surname of that king. No. 192 of Appendix C states that the great men of the village of Tribhuvanamādēvi-chaturvēdimangalam made an order to the effect that every six  $m\bar{a}$  of land situated within a specified locality and irrigated by the tank

Ēri-āyam. called Madhurāntakappērēri must pay 1 kalam of paddy as ēri-āyam and that the

great men in charge of the tank supervision committee of the year ought to collect the dues and maintain the tank in proper repair. Thus, besides private donations as *ērippaṭṭi* (vide paragraph above) the income from which went to meet the cost of repairs of tanks, there was also a regular tax called *ēri-āyam* collected for the same purpose. This is again illustrated by an inscription from Muṇṇūr (No. 66 of 1919) which records that a private individual purchased the right of collecting 1 tūni on each mā of wet land and 1 tūni on the dry lands, kaļani-punjai and kāṭṭu-punjai and gave it over to the assembly of the village for strengthening the tank bund wherever necessary.

18. No. 176 of Appendix C from Tribhuvani in the South Arcot district called Tribhuvanamahādēvi-chaturvēdimangalam is dated in the 30th year of the reign of the Chola king Rajakesarivarman Rajadhiraja I (A.D. 1018-1050). The details of the date given in the record work out correctly for Wednesday, 2nd March, A.D. On this day the great assembly of the village met together in the pavilion erected by Sembiyan Umbalanāttuvēlār and purchased lands in the name of the god Vîranārāyana-Vinnagar-Āļvār to meet all the requirements of the charity known as Rājēndraśōlan-uttamāgram established in the temple by the general (sēnāpati) Rē jēndrasola-Māvali-Vāṇarāja, in order to secure the health of king Rājēndra-Chōla. Evidently, the charity was instituted while yet the king was living and was named after him. Land also was purchased to the extent of 72 vēli which could yield an annual rental of 12,000 kalam of paddy, which quantity was required annually to conduct the charity in all its details. Besides providing for offerings, worship, etc., on a grand scale to Vīrrirunda-Perumāl Alagiyamaņavāla and Narasinga-Ālvār, for conducting the festivals of Māśi-tiruppunarpūśam, Jayantyashtami, Mārgali-tiruvēķādasi, for Uttarāyaṇa, Dakshiṇāyaṇa, Aippasi and Sittirai Vishus, for feeding the Srī-Vaishnavas and for reciting the Tiruvaymoli-all of which required 2,475 kalam of paddy annually—the grant made further provision also for (i) 3 teachers of the Rig-

Provision made for Vedic study in the 11th century.

Vēda, 3 of the Yajur-Vēda, one each of Chhandōgasāma, Talavakārasāma, Āpūrva, Vājasanēya, Bōdhāyanīya and Satyāshta-(āḍha) sūtra, thus making a total of 12

(āḍha) sūtra, thus making a total of 12 teachers with a daily allowance of 4 kalam of paddy; (ii) for one person each for expounding the Vēdānta, Vyākaraṇa, Rūpāvatāra, Śrī-Bhārata, Rāmāyaṇa, Manu-Ṣāstra and Vaikhānasa-Ṣāstra, (iii) for sixty students each of the Rig-Vēda and Yajur-Vēda, twenty of Chhandōgasāma and fifty of other śāstras, thus making a total of 190 persons with a daily ration of 11 kalam, 10 kuruni, 4 nāļi; and (iv) for 70 other students of the Vēdānta, Vyākaraṇa and Rūpāvatāra. The provision thus made for feeding the teachers and students detailed above consisted of 9,525 kalam of paddy. In all, the total requirements for the year came to 12,000 kalam which were ordered to be measured out by the holders of the 72 vēli of land purchased and given for the purpose. It was stipulated that the taram (i.e., the class) of the land should not be altered even when the general classifications were undertaken; that on this land, except ēri-āyam, pādikāval, and ēri-amaāji, no other taxes or obligations should be imposed and that the teachers who gave instruction in the Vēdas, the Bhattas who expounded the śāstras and the students who learnt the Vēdas, etc., were also exempted.

from certain payments or obligations. The rest of this huge record is damaged. Nevertheless, it adds to the already-collected vast amount of epigraphical evidence to show that temple charities were not exclusively meant for ceremonials in the temple but also for scientific (śāstraic) and religious (Vēdic) education.

19. Two inscriptions dated in the 14th year of Rājakēsarivarman Rājādhirāja II (Nos. 429 and 538 of Appendix B) 'who was pleased to take Madura and Ceylon' are quite similar in respect of their contents and are worthy of notice here. They

Reduction of rents.

register a reduction in the rate of rents to be paid on varisaipparru and vārapparru

lands held under lease from the temple, through the great men forming the assembly of Panchavanmādēvi (i.e., Āchchāpuram) by the cultivators residing in the hamlets of Purpaṭṭanallūr, Alaganallūr, etc.

The changes effected in the quantity of rents to be paid are shown in the following table:—

| Up to t       | he year of | the recor | d. | $\mathbf{From}$ | the year of | the reco | rd. | Red     | uction. |
|---------------|------------|-----------|----|-----------------|-------------|----------|-----|---------|---------|
| 80            | • •        |           |    | 70              | • •         |          | )   |         |         |
| 75            |            |           |    | 65              |             |          | >   | 10 k    | alams   |
| 70            |            |           |    | 60              |             |          |     |         |         |
| <b>60–4</b> 5 |            |           | 5  | 55–35           | • •         |          |     | 5       | 27      |
| 40-30         |            |           | 5  | 35-25           |             |          |     | 5       | "       |
| 25            |            |           |    | $21\frac{1}{2}$ |             |          | • • | 31/2    | 39      |
| 20            |            |           |    | 18              |             |          |     | $2^{-}$ |         |

The following further reforms were also made: -

Farmers cultivating lands which do not come under varisaipparru or vārapparru but are classed as vellānparru, dēvadāna and purapparru shall take 2/5 of the yield and those who cultivate under kudiparru shall be entitled to a third of the produce. For lands cultivated with water baled from a source, the cultivator shall reserve half the produce (sevvāram) and pay the other half to the owner. For lands cultivated with payaru, the quantity that is usually paid shall continue. On such cultivable lands as are left uncultivated, if green pulse and sesamum are sown broadcast, the cultivator shall have a right for sevvārum. The charges for taking out the paddy for being measured during kār, shall be borne by the cultivators. The amount of money required for the kundigai during kār and pašān shall be met from the sale of paddy. Half the senzel produce which forms the share of the perungudi shall be conveyed by the farmers, the incidental charges such as the wages of those who carry being borne by themselves.

For lands cultivated with dry crops and for lands which had hitherto to pay a Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kadamai.

Reduction of kad

At the time of realising the *kadamai* so settled, the state officials shall not enter any dwelling houses nor levy fines. One cultivator shall not be made liable for the revenue dues of another. Those persons who do not agree to the above-mentioned rates of *kadamai* and *vāram* should be moved from their tenancy, and in their places, persons agreeing to the altered conditions should be secured.

From the 14th year, it shall be a rule that a woman who is wedded to a person, shall, on the demise of the latter, become the owner of the lands, slaves, jewels or other valuables and the cattle of her deceased husband. But if before his death, he had made default and his lands had been sold, the purchaser shall have the right over the lands and slaves that belonged to the deceased. Brahmans shall not till lands with bulls yoked to the plough. Those classes that are engaged as labourers shall not become vēl and araśu. Kāvidis, potters, drummers, weavers and barbers shall not keep locks of hair. During their mournings and joyous occasions big drums (bērigai) shall not be beaten; and they shall not have sway over slaves, i.e., shall not keep

any slaves. Bullocks grazing near the 1008, Home (Edn.)—26

village channels shall be impounded in pens erected for the purpose. Cattle-stands or house-sites of the village shall not be permitted to be converted into paddy fields. Potters who make and sell small lamps and pots shall wear an upper-cloth.

Though this interesting inscription does not record the reason for reducing the rents and rates, and for fixing the rights and duties of certain classes of people, it may be said that the war of the Pāndya succession which was waged at the time and which set the entire south in utter confusion reducing it to very straitened circumstances as revealed by the Ārapākkam and the Tiruvālangādu epigraphs of the same king (A.R. for 1906, p. 70) might have, as a necessary consequence, brought about a paucity of cultivating men, the difficulty of obtaining labour, resulting in a complete want of competition. The wording of the record leaves enough room to think that the cultivators were subjected to harassment by officials and had to bear the burden of heavy customary obligations imposed by landlords. The rigidity of caste regulations should also have relaxed to certain extent and brought relief to sufferers.

20. No. 198 of 1919 dated in the 27th year of the reign of Kulottunga I is of special interest as it records that the Reward for a literary composition. assembly of Tribhuvanamahādēvi-chaturvēdimangalam met in a pavilion erected in front of the temple of Vīra-Nārāyana-Vinnagar-Alvar in obedience to a royal order which required them to adjudge the merit of a work, probably in verse, composed by the poet Tirunarayanabhattan alias Kavikumuda-chandrapandita of Mānakulāśanichchēri, in the name of the king (Perumāl) and called Kulottungasolan-charitai. The work was accordingly heard and the author, as a reward for his composition, obtained half a vēli and two mā of land to be enjoyed in perpetuity. Students of Tamil literature may find here a lingering literary tradition of the more ancient Dravidian sangam established in Madura to scrutinise the works of Tamil poets and advance the cause of Tamil literature. The composition under reference, i.e., Kulottungasolan-charitai must have, as its name denotes, been a highly interesting historical work very much like the Tamil Kulottungasõlan-ulā of the same period and its discovery if made must lead to a flood of light being let in for the elucidation of Chola history.

21. From the latter half of the 12th century A.D. the central Chōla power was becoming weaker and weaker and there were also evident signs of decay amongst the Pāndyas who had allowed internal dissensions to creep in into their family. Thus the two chief powers of southern India were in a rather miserable plight. In the Pāndya territory even the succession of the legitimate king was disputed and foreign aid had to be called in to play one party against the other. As a result, the whole country including the Kongu was thrown into utter confusion and was convulsed in a civil war, the like of which the country had never witnessed before. Foreign

armies thirsting for blood overran the Sambuvarāvans as Chola feudatories. country from one end to the other, causing destruction everywhere and making life and property insecure. The times were therefore particularly favourable for feudatory families with mushroom growth to come into prominence. One such parvenu was the family of the Sambuvarayas who held a subordinate position under the Cholas and rendered signal service to them during the days of the four successive sovereigns Rājarāja II, Rājādhirāja II, Kulōttunga-Chōla III, and Rājarāja III, when Chōla power was on the decline and who now tried to assert themselves. In the current year's collection there are a number of inscriptions of Chola kings which introduce some of the members of the Sambuvaraya family. Nos. 71 and 252 of Appendix C are both dated in the 11th year of Rājādhirāja and register gifts made by Sengēni Ammaiyappan Śīyan Pallavāndān alias Rājanārāyana Sambuvarāya and Sengēni Mindan Pallavan alias Rājēndrasola Sambuvarāyan. In the records of Tribhuvanachakravartin Kulõttunga III (Nos. 234, 235 and 254 of Appendix C) figure Sengēni Nālāyiravan Ammaiyappan alias Rājēndrasola Sambuvarāyan and Sengēni Vīrasolan Attimallan alias Kulottungasola Sambuvarāyan. Ammaiyappan Attimallan alias Rājēndrasola Sambuvarāyan, Ammaiyappan Sīyan Pallavāndān alias Rājauārāyana Sambuvarāyan and Sengēni Ammaiyappan Rājarāja Sambuvarāyan held subordinate positions under Rājarāja III (Nos. 238, 52 and 57 of the same Appendix). As has already been said, the times were troublous when these chiefs flourished. No. 254 of Appendix C dated in the 11th

year of Kulottunga-Chola III registers a political compact between Kūdal Araśanārāyanan Āļappirandān alias Kūdavarāyan and Sengēni Vīrasolan Attimallan alias Kulöttungasola-Sambuvarayan whereby both swore that they should not do anything that would be detrimental to the interests of either; that the latter should not form any alliance with Alappirandan Edirilisola Sambuvarayan; that he should confine himself to certain specified tracts of country which if he transgressed, the mudalis would send up arms and horses and cause him injury; that if Alappirandan Edirilisola Sambuvarāyan inflicted any trouble on Kulottungasola Sambuvarāyan, Kādavarāyan would support him; that in case Alappirandān Edirilisola Sambuvarāyan ran away from his hill (residence) leaving behind him all arms, Kulöttungaśōla Śambuvarayan should have possession of them subject to the condition that he would not shelter or form any alliance with the other and that if Kādavarāyan allied himself with the relatives of Kulottungasola Sambuvarayan and with Alappirandan Ediriliśola Sambuvarāyan against the interests of Kulottungaśola Sambuvarāyan, he (Kādavarāyan) would demean himself to the position of carrying the sandals of his enemies and of eating the chewed betel leaves thrown out from their mouths.

22. Administration of criminal law in the 13th century A.D. for which there appears to have been much occasion is illustrated by the following six cases Administration of criminal law in the 13th which occurred during the reign of

Kulõttunga III and Rājarāja II:-

century A.D.

- (i) While hunting, a native of Arumbondai aimed an arrow at another mistaking him for an animal. By the effect of the shot, he was laid up in bed for some days and died. The Brahmans and nāṭṭār assembled together and decided that as days and died. the two were not on inimical terms before, the death was only accidental and that, on behalf of the deceased the accused must provide for a lamp in the temple of Bhūmīśvara at Marakkānam (No. 33 of Appendix C).
- (ii) A certain Sedirayan caused the death of one Eran by some indiscreet act The uncle of the murderer, in order to expiate the sin gave lands for a lamp to the temple of Mülasthanamudaiya-Mahadeva at Munnur (No. 67 of Appendix C).
- (iii) While hunting on horseback, a certain individual killed another by On the direction of the nāttār, 48 sheep were given for burning a lamp in the temple of Tiruvagnīśvara at Kulattūr (No. 273 of 1919).
- (iv) Two persons went ahunting on horseback. A deer running between them, one of them aimed an arrow which missing the animal killed the man. Periyanāttār ordered gift of sheep for burning a lamp (No. 279 of Appendix C).
- (v) Two persons beat a man who had allowed his buffalo to enter the fields of the former and spoil the crop. By the effect of the beating the man died. The two asked the Bhattas and they advised them to present a lamp which they did by giving 48 sheep (No. 110 of 1919).
- (vi) Thinking that it was an animal, perhaps in a hunting expedition, a man shot his uncle. The people of the several districts assembled together in the mandapa of the temple and decided that a lamp must be maintained in the temple (No. 106 of 1919).

From the above, one may perhaps be led to think that the offenders were let off cheaply and that the punishment meted out was not adequate to the enormity of the crimes committed; and this clemency has only to be explained by the fact that the offences were purely unintentional or the result of mere accidents.

## THE PANDYAS.

23. Many inscriptions of the medieval Pandyas have been copied during the year These do not supply us with any historical or chronological data for constructing a regular genealogy of the Pandyas of this period; yet they are of interest and value to the student of village economics and administration. No. 299 of Appendix C of the time of Jatāvarman Vīra-Pāṇḍya, for instance, gives us the details of the kadamai assessment for different crops fixed on a specified land of given We find a similar settlement (44 un 0) recorded in No. 302 of Appendix C which affected a whole district.

24. The word solve found at the beginning or the end of many of the Pāṇdya inscriptions copied this year clearly suggests that the engravings on stone and copper of the edict issued by the king were compared carefully with the original documents on palm leaves (ōlas preserved in the

Attestation of early documents.

Imperial office of Registry, and were so attested by the word solve evidently in the name of the king himself (see e.g. No. 510 of Appendix B).

25. An undefined Pāṇḍya king with the titles Tribhuvanachakravartin and Kōnērinmaikoṇḍāṇ appears in No. 480 of Appendix B from Tiruveṇkāḍu. The minister that issues the grant here is Vijaya-Gaṇḍagōpāladēva surnamed Aḍaiya-vaļaindāṇ, the younger brother of Malavarāyar. The latter name is familar in Pāṇḍyan records of the time of Māṇavarman Sundara-Pāṇḍya I who ruled from A.D. 1216–1235.

Vijayagandagopāla surnamed Adaiyavalaindān the younger brother of Malavarāyan.

The relationship Vijaya-Gandago

The relationship herein mentioned of Vijaya-Gandagōpāladēva to Malavarāyar is highly interesting, since nothing has

been certainly known as yet of the connexions of this chief whose records are largely found in the South Arcot district, directly or indirectly with the ruling family or its ministers.

26. Again, Tribhuvanachakravartin Kōnērinmaikondān, the king who figures in No. 366 of Appendix B and, in whose name was instituted in the temple at Shiyali (Tirukkalumalam) a shrine for the god Rājākkaṇāyaṇār and the goddess Maratakachokkiyār, was evidently also a Pāṇḍya king, since in the body of the record reference has been made to a land which had been lying as an uncultivated waste up to the 18th year of the king's elder brother (annālvi) Sundara-Pāṇḍyadēva. Perhaps the Tribhuvanachakravartin Kōnērinmaikondān of this inscription has to be identified with Māṇavarman Kulaśēkhara I who was the earliest of the Pāṇḍya kings that held the title of Rājākkaṇāyaṇ (see Annual Report for 1917, page 127). But we do not know of any Sundara-Pāṇḍya that was his elder brother. It is interesting to note that in a record of Jatāvarman Sundara-Pāṇḍya of his second year, we are casually informed of a new Latāvarman Sundara-Pāṇḍya of his second year, we are casually informed of a new Latāvarman Sundara-Pāṇḍya of his second year, we are casually built on

Jaţāvarman Sundara-Pāṇḍya I. the side of the Kāvērī river, the old one having evidently breached and covered with sand the neighbouring lands under culti-The record coming as it does from Tiruvenkadu in the Shiyali taluk of the Tanjore district, the reference must evidently be to an embankment on the Coleroon which branches off from the Cauvery near Trichinopoly. No. 481 of Appendix B attributes to this same king Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya I, the special title Ellārku-Nāyanār which means "the lord of all" and corresponds to Ellandalaiyan, a recognized surname of Sundara-Pāndya I. As it is the case even to-day, the popularity of this great king was in the 13th century commemorated by the inauguration of several religious and civic charities. A record from Chidambaram (No. 546 of Appendix B), for example, registers the establishment of a grove and a street of cocoanut trees (planted on either side of it), for the recreation and habitation of the people. The repairs to the Cauvery (Coleroon) embankment above referred to, were recognized to be of so much importance at the time, that even a small cess seems to have been raised on this account. It is called காவேரிக்கரைத்தேவைமன்ற in No. 510 of Appendix B.

27. The contents of No. 514 of Appendix B give us a clue to the probable period to which we may have to assign the kings Perumāl Śrīvallabhadēva and Perumāl Sundara-Pāṇdyadēva who appear to have been ruling together. It is stated that since the time when the king Peruñjingadēva being opposed to the Kannadiyan (i.e., the Hoysala Vīra-Narasimha II) raised a fortification on the north bank of the river Kāvērī until the 32nd year of Perumāl Śrīvallabhadēva the festivals in the temple of Tiruvenkādu had been stopped and that these were now revived in the 33rd year. The date of Peruñjinga who was the enemy of the Hoysala is known from his inscriptions to be the beginning of the 13th century A.D. Perhaps Śrīvallabha and Sundara also belonged to this period and in his

Conflict of the Paṇḍyas with the Hoysalas.

Swamikannu Pillai refers also to a Jaṭāvarman Śrīvallabha who ascended the throne in A.D. 1291 (vide Annual Report for 1918, page 155, paragraph 49). I have identified a Jaṭāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāṇḍya in one of whose records a reference has been made to an earlier grant by Peruñjingadēva, with Jaṭāvarman Sundara-Pāṇḍya II (A.D. 1276-1290) (Annual Report for 1910, page 97, paragraph 34).

28. The damaged inscription No. 293 of Appendix C which is dated in the reign of Māravarman Tribhuvanachakravartin Kōnērimēlkondān and refers to the delimitation of boundary (stones) made previously in the reign of the king's elder brother (annāļvi) Šrīvailabhadēva is perhaps to be attributed to Perumāl Sundara-Pāndyadēva mentioned above as a joint ruler with Śrīvailabha. No. 525 of Appendix B supplies astronomical details for a date in the 8th year of Tribhuvanachakravartin Parākrama-Pāndyadēva and refers incidentally to the 10th year of the king Kulōttunga-Chōladēva. The characters are not very old and the king Kulōttunga-Chōla referred to here might therefore be presumed to be the third of that name in the Chōla genealogy, whose initial date was A.D. 1178.

## WESTERN CHALUKYAS OF KALYANI.

29. The Harpanahalli taluk of the Bellary district which was epigraphically surveyed during the year has brought to light was understand the part of this dynasty, the many inscriptions of this dynasty, the earliest of which is dated in Saka 943 (No. 294 of 1918) and belongs to the reign of Jagadēkamalla who must be identified with Jayasimha II whose full name occurs in No. 228 of 1918. One of his Pallava subordinates was Jagadēkamalla-Nolamba-Pallava-Permānadi also called Jagadēkamalla-Nolamba-Pallava Permānadi Udaiyādityadēva (see Annual Report for 1915, page 87, paragraph 5). The latter was in charge of the districts of Nolambavādī 32,000, Kadambalige 1,000, Ballakunde 300, Paravi 70 and Karividi 30 in Saka 955 and 959. Nolamba-Pallava-Permānadi mentioned in No. 258 and the Dandanāyaka Polalamayya mentioned in No. 294 of 1918 were other subordinates of the king.

30. Jayasimha II was succeeded by Trailokyamalla Ahavamalla Somēśvara I. called in his inscriptions only by the Trailokyamalla Āhavamalla Somēśvara I. title Trailokyamalla. Of his reign there are records ranging from Saka 966 (i.e., the year of his accession) to Saka 987. The reign of this king was a period of continual war with the Cholas who were trying to re-conquer Nolambavadi and other provinces which had been overrun by the Chölas during the time of Rājarāja I and Rājēndra-Chōla I. That Sōmēśvara was also taking retaliatory measures is borne out by the fact that prince Vishnuvardhana-Vijayādityadēva who was in charge of Kōgali 500, Ballakunde 300 and Kadambali 1,000 in Saka 987 was encamped at Arasiyakere on his way to the conquest of the south under the orders of the king (No. 278 of 1918). No. 286 of 1918 which was copied at Uchehangidurga is dated in Saka 986 and states that Vishnuvardhana-Vijayādityadēva was ruling Nolambavādi 32,000. He is here given the title 'Āhava-mallanankakāra' while No. 278 of 1918 referred to above gives also the titles 'Vēngī-maṇḍalēśvara' and 'Chāļukya-Māṇikya.' A certain Bijjaladēva is stated to have granted a tank in Uchchangi fort to the temple of Galageśvara. No. 139 of 1899 which was copied in the same place mentions perhaps the very same Mahāmandalēśvara Bijjaladēva. No. 286 of 1918 further gives the origin for the different names in the different yugas to this Uchchangidurga as follows:
Being the residence of a Rākshasa by name Mēghanāda in Krita-yuga, it received the name of Mēghanāda-parvata. In Trēta, it was the abode of Hiranyaka and Nārāyana having killed him lost all thirst for gold (kanaka or hiranya). It was therefore named Kanakagiri. In Dvapara, it was the hermitage of Uttungamahā-rishi. Hence the name, Uttungaparvata. In the Kali age, Uchchangiyabbe and two other Brahman maids performed penance and attained salvation by the grace of the god Isvara. The place was called after them Uchchangiya-parvata. This Uchchangidurga which is in the Harpanahalli taluk of the Bellarv district was the capital of Nolambavadi 32,000 and was the seat of government of the Pandya feudatories of the later Western Chalukyas. It must have surely been a powerful stronghold; for No. 284 of 1918 states that it withstood attack for 12 years (?) and finally fell into the hands of one Mādava of the Yādava family and a sāmanta of Ballaha. Rudrabhatta, the author of Jagannāthavijaya in commemorating the conquests of Vīra-Ballāla describes 'the fort of Uchchangi which was hitherto considered impregnable' (Lives of Kannada Poets, Vol. I, page 212).

Of Somēśvara's other subordinates may be noted Kateya Nāgātyarasa of the family of Mayūravarmma ruling Kadambalige 1,000 in Saka 974; Jagadēkamalla

Nambi-Nolamba-Pallava-Permmādidēva ruling in Saka 966, the districts Kadambalige 1,000, Kōgali 500, Ballakunde 300 and Kaneyakallu 30.

31. Records of Vikramāditya VI Tribhuvanamalla who succeeded Sōmēśvara II, range in date from the 6th year of his reign to Śaka 1049 which is the latest date found for him till now. No. 245 of 1918 which is a damaged record mentions the conquest of the king over the *Drāvidas* and the *Pāūchālas*. In No. 214 of 1918 we find the king chastising his own subordinate, a certain *Mannaya* Boppaya, who capturing Gaṇḍarādityanaholalu (also called Gaṇḍarādityana-chaturvēdimangala; A.R. for 1915, page 29, paragraph 8) had plundered private property and killed Brahmans. Vikramāditya ordered him to forfeit all claims for the *mannaya* of the village.

One of the feudatories of the king was Tribhuvanamalla-Pāṇḍyadēva who held the titles of the 'punisher of the Parichchēdins' and 'vanquisher of the hopes of the Chōla king Rājiga-Chōla.' In Śaka 1049 (No. 229 of 1918) he was ruling Nolamba-vādi 32,000 from his residence at Bēlūru which might be the same as Beltūru in the Dāvaṇagere taluk of the Mysore state (Ep. Carn. Vol. XI, Intr. page 11). No. 227 of 1918 gives the genealogy of another subordinate the mahāsāvanta Singarasa of the Bāyara-vaṃśa, and states that he was the son of Kāmanripa and grandson of Bhūpa, whose father was Mārasinga, the son of Subhaga and grandson of Beneganga. Still another subordinate of the king was the Mahāsāmantādhipati and Prachauda-dandanāyaka Ananta-Pālayya in charge of the Vaddarāvu'a tax of the  $7\frac{1}{2}$  lakh country.

32. Only one record (No. 234 of 1918) in the year's collection belongs to the Bhūlōkamalla Sōmēśvara III and his subordinates.

Bhūlōkamalla Sōmēśvara III and his subordinates.

reign of Sōmēśvara III who held the biruda of Bhūlōkamalla and had for his subordinates the Mahāpradhāna, Kannadasandhinates the Mahāpradhāna, Kannadasandhinates the Mahāpradhāna, Kannadasandhinates the Mahāpradhāna and had sandhinates the

vigrahi and Dandanāyaka Bhōga-Bhattay ya and the Mahāpradhāna and Dandanāyaka Chōlanda or Chōladēva ruling the Nolambavādi 32,000 province.

33. Sömēśvara III was followed by Jagadēkamalla II and had the distinguishing Pratāpachakravartin Jagadēkamalla II and his subordinates.

title Pratāpachakravartin. Of his subordinates Jagadēkamalla-Pāndyadēva was ruling the Nolambavādi 32,000 in the 10th year of the king and in the 9th and 11th years, the same province was under Jagadēkamalla Vīra-Pāndyadēva who was evidently the same. No. 210 of 1918 states that this Vīra-Pāndya was ruling from his capital at Uchchangi. Sōmēśvara's other subordinates were the Mahāmandalēśvara Nochidēva who had the title of 'lord of Banavāse' and the Mahāmandalēśvara Nochidēva who had the

Sōmēśvara's other subordinates were the Mahāmaṇḍalēśvara Nochidēva who had the title of 'lord of Banavāse' and the Mahāpradhāna and Hirayadandanāyaka Vatsarasa of the Kamme-kula. One of the donees in the record was Chandrarāśi-Paṇḍita, the disciple of Dhammaráśi Munipa whose teacher was Vidyārāśi-Paṇḍita of the Lakulīśa-Pāśupata sect and of the Simha-Parshaſd] school. To the same school belonged Divyaśakti-Paṇḍita (No. 278 of 1918), Vīrēśvara-Paṇḍita and Vāmaśakti-Paṇḍita (No. 277 of 1918) and Rājaguru Kālēśvaradēva who is called Elukōti-chakravartin of Kōgali 500 (No. 204 of 1918). The names of some more teachers belonging to the Simha-Parsha[d] school have already been mentioned on page 88 of my report for 1915.

34. No. 257 of 1918 is dated in Śōbhakrit, the 4th year of Rāyanārāyaṇa Āhavamalla who was one of the sons of Kala-Jagadēkamalla in A.D. 1183. churya-Bijjala  $\mathbf{a}\mathbf{n}\mathbf{d}$  $\mathbf{held}$ the titles Kalachurya-Bhujabala-chakravartin and Vīra-Nārāyana. His first year is already known to be A.D. 1179-1180 (Dynasties of the Kanarese districts, page 488). the 4th year of his reign would be A.D. 1183-84. But Jagadekamalla is stated in our inscription to have then been ruling at Kalyani. In the genealogy given on page 428 (ibid) there is a break of 20 years between A.D. 1163, the latest date of Taila III and A.D. 1183, the earliest date of Someśvara IV and this period is ascribed to the usurpation of Kalachuryas. In the case of the records of the Pandya chiefs which are dated after A.D. 1163 and in which the ruling king is given as Taila III, Dr. Fleet states that these chiefs entertained hopes of the restoration of the Chalukyan suzerainty. In the report for 1917, the latest date for Taila III was given as Saka 1090 (1168 A.D.). In the report for 1918 it was suggested in the case of a record dated in Saka 1091 (A.D. 1169) and belonging to the reign of Pratapachakravartin

Jagadēkamalla, that Taila III might have assumed the title of Jagadēkamalla in his later days. If the present record is also to be attributed to Taila III, his reign has to be extended to the very commencement of that of Sōmēśvara IV, thus leaving no gap between him and his son for the usurpation.

35. No. 296 of 1918 the date of which is damaged gives the genealogy and a long eulogy of the Mahāmandalēśvara Vijaya-Pāndya. The genealogy runs as follows:—

Vishņu Brahman Atri Moon

Yadava, in whose family was born

Pandya
Chetaraja
|
Palatta
|
Iruakavela

Rāya-Paṇdya married Sovaladēvī

Pandita-Pandya

Vira-Pāṇḍya

Vijaya-Pandya

From this it is seen that the Mahāmandalēśvara Vijaya-Pāṇḍya was the younger brother of Jagadēkamalla Vīra-Pāṇḍya, the feudatory of Jagadēkamalla II referred to above and the son of Tribhuvanamalla Rāya-Pāṇḍya for whose merit a grant is made in No. 289 of 1918. In the report for 1914, it has been pointed out that Tribhuvanamalia Rāya-Pāṇḍya was the grandson of Palatṭa-Pāṇḍya. Tribhuvanamalla-Pāṇḍya mentioned in No. 233 of 1918 is probably Irukkavēļa, the father of Rāya-Pāṇḍya (see genealogy given on page 16 of the introduction to Epigraphia Carnatica Vol. XI).

#### VIJAYANAGARA.

36. Of the first Vijayanagra dynasty we have inscriptions to represent almost every king, in the year's collection. Of these No. 305 of 1919 which comes from Āvūr in the North Arcot district is dated in Vilambi and refers to the time of Kampaṇa-Udaiyar (i.e., Kampaṇa II) son of Vīra-Bokkanṇa-Udaiyar. The earliest date for this chief hitherto known is Saka 1283 (see genealogical table on page 86 of Annual Report for 1907). The cyclic year Vilambi of this record corresponding to Saka 1281–1282, gives us an earlier date for Kampaṇa. No. 267 of 1919 dated in Saka 1285 (Sōbhakrit) states that Gandaragūli Māraya-Nāyaka the son of Sōmaya-Dandanāyaka who was the pradhāni of Kampaṇa, defeated and took captive Veṇrumaṇkoṇda Sambuvarāya. This suggests that the early Vijayanagara conquerors in the south met with opposition not only from the Muhammadans of Madura but also from the local Hindu chiefs of the Chōla country.

37. No. 260 of 1919 dated in Saka 1325 refers to a certain Vīra-Puliyarāya-Bukka II Udaiyar as a son of Bukkaṇa-Udaiyar. It is not impossible that this chief is identical with Vīra-Bhūpatirāya whose initial date is Saka 1331 (see genealogical table on page 86 in the Annual Report for 1907). If this is proved to be correct, our present record would give him a fresh initial date earlier by half a decade.

38. The only inscription of Devaraya II in the year's collection (No. 229 of 1919) is dated in the Saka year 1355 and refers to an illuminating incident of a lady personally interviewing the king on behalf of a temple and securing a copper-plate grant from him, making the sarvamānya gift of a village. This lady was Aramvalatta-Nāchchiyār, the elder sister of a Kaikkōla attached to the temple of Agnīśvara at Madam. In return for her services, the Kudra Māhēśvaras of the temple granted the Kaikkōla lady one padakku of grain every day and two panam of money per mensem.

39. Mallikārjuna is represented by less than half a dozen records of which No. 113

Mallikārjuna.

of Appendix C dated in Śaka 1383 refers
to his subordinate Dēvachōļa-Mahārāja,
perhaps of Chōļa origin. We have known of local Chōļa chiefs figuring as subordinates of the Vijayanagara kings Krishnarāya and Achyutarāya. The link of Chōļa
vassalage to Vijayanagara emperors is extended backward by this record to another
century before Krishnarāya. In No. 154 of 1919, the king bears the title of 'destroyer of Muhammadan forces' (Tulukkadalavibhālan). This must refer to the
resistance of the expedition led by the Gajapatis and the Muhammadans in combination, which is mentioned in the drama Gangādāsapratāpavilāsa (Annual Report for
1906, page 81 f). The inscription incidentally records that a severe storm raged on
the 15th day of the month Chittirai in the cyclic year Pramōdūta corresponding to
Saka 1372 (A.D. 1450-51).

- 40. Two inscriptions of the Sāluva king Narasingarāya (Nos. 4 and 53 of Appendix C) respectively dated in Śaka Sāluva Narasingarāya.

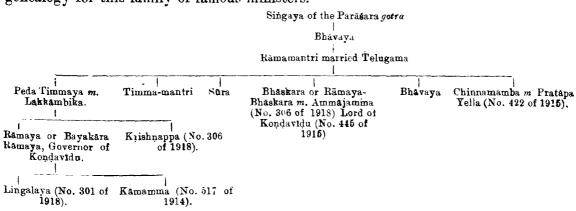
  1388 and 1393 refer to his avasaram (officer?) Annamarasayya who is also mentioned in No. 374 of 1917. No. 4 of 1919 informs us that Narasingarāya made over certain revenues, in favour of the temple at Śembēdu (South Arcot district) for the restoration of worship which had ceased for some time. It may be noted that the charity was made on a Sivarātri day and the author of the Telugu poem Jaimini Bhāratam of which our king was the patron, says that Narasinga was deeply devoted to the observance of this festival. No. 39 of 1919 mentions Echchappa-Nāyaka as subordinate of the king.
- 41. Narasinga's son Dharmarāya is represented by two inscriptions in the year's collection, viz., Nos. 25 and 173 of 1919. Tammarāya (i.e, Dharmarāya), son of Sāluva

  Narasingarāya.

  The latter which is dated in Saka 1424 refers to the foundation of a town made by his officer Gaurana-Nāyaka.
- Krishnarāya is represented by about 10 inscriptions in the year's collection of which No. 196 of 1918 and Nos. 2 and 3 of 1919 give him Sāļuva titles. Similarly No. 40 of 1919 mentions the king Achyuta also with Sāļuva titles. Inscriptions in the southern districts also in some cases give the Sāļuva titles to these Tuļuva sovereigns of Vijayanagara. No. 196 of Appendix B calls him Krishnavarma-Mahāraja, son of Narasingavarma-Mahārāja and registers the grant of a village to Sōmayyadēva-Vodeya, son of the scholar Bālodeya of Mōgūru who was himself the son of Sōmēśvarāchārya. The latter who was a yati is stated to have borne the surname Mallikārjuna, whose disciple was king Vīra-Rudra of Orungallu. It is highly doubtful if Vīra-Rudra of our inscription is identical with Pratāparudra of Warrangal for the latter flourished nearly a century earlier. No. 406 of Appendix B describes his conquests in the east in the usual order and records his gift of jōdi amounting to 10,000 varāhas to the Siva and Vishnu temples (most of these are named) in the Chōla country comprising the provinces called Puvanagarpattana-śīrmai, Rājarājēśvara-śīrmai, Taājāvūru-śīrmai, Paṭṭa-śīrmai, etc. The gift was made at the shrine of god Anantaśayana at Undavilli on the banks of Krishnavēni (i.e., Krishnā).
- 43. No. 401 of Appendix B gives a genealogy in corrupt Sanskrit, of Vitthaladēvamahārāja who extended the Vijayanagara
  dominion into the south to the very end
  of the peninsula during the reign of Achyutarāya. The ancestry is traced from
  Vishņu through Brahmā, Atri, Chandra, Budha, and Purūravas to Pāndu, his son
  Arjuna and his son Abhimanyu. The line is then continued through Uttungabhuja
  and his son Nanda-chakravartin whose coronation is stated to have taken place
  according to Parāśara 1050 years after Parīkshit, the son of Abhimanyu. From
  Naramēdhadat, the eldest son of Nanda-chakravartin, the race passed through his
  son Sahasrānīka, his son Satpurusha, his son Dēvadhīra and his son Ahavamalla.
  Āhavamalla's son was Tribhuvanamalla whose son was Chalukka. Chalukkā's son
  was Chālukka-Nārāyana, whose son and grandson were Vimalanidhi and Rājanarēndra respectively. Rājanarēndra's son was Chālukka-Bhīma. In this line was

born Upēndra and the eighth after him was Kalyāna-Bijjala. Bijjala's son was Hōmallarāya and his grandson was Vīra-Hēmādri who begot Sōma. From Sōma the chain was made up of Pinna Hemma, Rāghavēndra and Tātapinnama, the well-known ancestor of the Āravīti chiefs, with whom the genealogy corresponds regularly to that given on page 201 of the Archæological Survey Report for 1908-09. Speaking of Vitthala's nephew Timma or Nalla-Timma, the record says that a certain Kandāla-Śrīrangārya of the Vādhūla-gōtra and the Yajus-śākhā was the guru of the family. Vitthala's conquests, devastations and foundations of villages are all mentioned to have taken place in the Madhura-mandalam. He is stated to have defeated Tumbichehi, etc., of the Pāndya country in connexion with the conquest of the Tiruvadi-bhūmi. We know that Tumbichchi-Nāyakan and Sāluva-Nāyakkan were brought into subjection by Achyutarāya (Annual Report for 1907, page 85).

44. Numbers 301, 303, 305 and 307 of 1918 which are four copies of a single inscription dated in Saka 1461, belong to the reign of Achyutarāya and were copied by the Archæological Superintendent Mr. Longhurst. These refer to the charities made by Bayakāra Rāmappa or Rāmaya who was an officer of Achyuta ruling the Kondavīdu province. Two other copies of this same record were copied at Magimāvinahalli in the Bellary district in 1914 (Nos. 514 and 517 of that report). The present record as usual describes the manifold works of philanthropy carried out by this minister and the only thing it adds to what has been already known in this connexion is that the foundation of the town and temple of Gōpinatha at Kondavīdu there ascribed to Bhāvaya is here attributed to Rāmaya-Bhāskara as in No. 445 of 1915. Putting together the contents of all the records, we arrive at the following genealogy for this family of famous ministers.



45. The last king of the second Vijayanagara dynasty, Sadāśiva is represented by about half a dozen inscriptions. Of these No. 5 of 1919 from Sembēdu in the South Arcot district dated in Saka 1497, Yuva, carries his reign to a period of four years beyond the last date hitherto accorded to him, viz., Saka 1493 (Copper-plate No. 1 of 1912-1913). This only suggests the continuance of the nominal rule of Sadāśiva even after Tirumala I had practically assumed the reins of government in Saka 1493. No. 1 of 1919 calls the king Oddiyadalavibhāta, Tulukkadalavibhāta, Īlamtiraikondaperumāl, Sagaram tirai-konda-perumāl, Dakshinasurattāna and Navakōtinārāyana. Some of these epithets have been found already applied to Achyuta (Annual Report for 1918, page 167). They only establish that at this period the complete lordship of the Vijayanagara crown over the southern peninsula was a recognized fact.

## MISCELLANEOUS.

46. The later Pallava king Kō-Perunjingadēva is represented by 12 inscriptions, Kō-Perunjingadēva.

four of which, Nos. 367, 391, 394 and 395 of 1918 coming from the Shiyali taluk of the Tanjore district on the south bank of the river Coleroon establish for the first time that his dominion encroached southward beyond that river even into the Tanjore district. Reference has been already made to the fortifications on the northern bank of the Kāvērī built by Perunjinga during his encounters with the Kannadiyas (i.e., Hoysalas). It is not impossible that the march of the king to the south of the river and his eventual occupation of the country there as suggested by the presence of his inscriptions at Shiyali was the result of the encounter with the Hoysalas.

47. Two inscriptions of the Gajapati chief Kapilēśvara have been found in the village Munnūr in the South Arcot district (Nos. 51 and 92 of 1919). are dated in the Saka year 1386 (A.D. 1464-65) and epigraphically confirm the statement about the southern invasion of the Orissa king noticed on page 84 of the Annual Report for 1907. Ferishta again mentions a conquest of Rajahmundry and Condapilly by the combined armies of Golkonda and Orissa, the latter being led by Ambur Ray in A.D. 1471 (Brigg's Rise of the Muhammadan Power, Vol. II, pages 487 and 488). Our inscription clearly proves that this southern conquest by the combined It establishes also that armies was an event that happened about six years later. the earlier conquest by Gajapati was not a passing inroad only but almost an occupation of the southern country right up to Tiruvārūr in the Tanjore district and Trichinopoly. Kapilēśvara-Kumāra Mahāpātra, as the chief is called, was the son of Ambiradeva and is stated by both the records to have been previously the Pariksha (Viceroy) of Kondavidu and Dandapada; but that (now) he was in the position of the Parīksha of Kondavīdu, Kondapalli, Addanki, Vinukonda, Dandapāda, Padaivīdu, Valudilampattu-uśāvadi, Tiruvārūr, Tiruchchilāpalli (Trichinopoly) and Chandragiri. Kapilēśvara is evidently the son of Ambur Ray mentioned by Ferishta.

Another Gajapati inscription comes from Drākshārāma in the Gōdāvarī district (No. 335 of 1919) and is dated in the 10th year of Vīra-Mukundadēva. The king is stated to have conquered the king of Gauda (i.e., Beugal). This is evidently the Mukunda mentioned in Mr. Sewell's List of Antiquities Vol. II page 208, in whose time certain disturbances with the Muhammadan king of Bengal took place.

# Order-No. 1003, Home (Education), dated 16th August 1919. Recorded.

- 2. The Government note with satisfaction that the number of inscriptions copied and examined increased from 876 in 1917-18 to 900 in 1918-19. The Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy is requested to push on with the publication of Part IV of the South Indian Inscriptions so as to secure the completion of the old series as early as possible. The instructions separately issued in this regard should ensure a steady progress. The "Topographical list of the inscriptions of the Madras Presidency," prepared by M.R.Ry. V. Ranga Achariyar, Professor, Anantapur College, which forms a valuable contribution to the study of South Indian History was published during the year under review.
- 3. The attention of the Superintendent, Archæological Survey, is invited to the remarks in paragraphs 6(1),6(3) and 6(4) of Part I of the report and he is requested to consider the propriety of taking action on the lines suggested. He should also, after personal inspection, offer his remarks on the question of the conservation of the temples referred to in paragraphs 6(5) and 6(6) and on the suggestion referred to in paragraph 7 of the report regarding the unearthing of Buddhist remains at Salihundam.

The attention of the Superintendent, Government Museum, is invited to the suggestion in paragraph 11 of Part I of the report relating to the acquisition of certain written slabs and of the images in the store-room of the Draksharama temple.

4. The programme of work for the ensuing field season is approved.

(True extract)

R. RAMACHANDRA RAO, Secretary to Government.

```
To the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy.

" the Superintendent, Archæological Survey.

" Government Museum.

" all Collectors.

" the Home (Miscellaneous) Department.

" the Government of India, Pepartment of Education (with C.L.).

" the " of Burma (with C.L.).

" the " of Ceylon (with C.L.).

" the Director-General of Archæology (with C.L.).

Editors' Table.
```

HOME (EDUCATION) DEPARTMENT.

## G.O. No. 985, 31st August 1920

## **E**pigraphy

Annual report for the year 1919-20 of the Assistant Archæological Superintendent for—Southern Circle—Recorded with remarks.

READ—the following papers:

I

Letter—from M.R.Ry. G. Venkoba Rao Avargal, Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department.

Dated—Madras, the 6th August 1920.

No.—557.

In continuation of my telegram No. 478, dated the 15th July 1920, I have the honour to submit herewith the advance copy (proof) of my Annual Report on Epigraphy for the year ending 31st March 1920 received from the Press only to-day.

2. A duplicate copy with the final corrections and Appendix F now under preparation by M.R ty. Diwan Bahadur L. D. Swamtkannu Pillai Avargal will be submitted through the Superintendent, Archeological Survey, Madras.

## II

Letter—from M.R.Ry. G. Venkoba Rao Avargal, Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle.

To—the Secretary to Government, Home (Education) Department (through the Superintendent, Archæological Survey, Madras).

Dated—Madras, the 22nd September 1920.

No.—694.

In continuation of my letter to Government No. 496, dated the 15th July last, I have the honour to submit herewith the final copy of my Annual Report on Epigraphy for the year ending 31st March 1920 with the final corrections carried out therein and the plates inserted duly. The delay in its submission for so long was due, as already explained by me, to the fact that the Superintendent, Government Press, was, owing to the strike difficulties, unable to send certain portions of the proof of the report in time. On this account it has not been possible to read as usual a second proof before this final copy was submitted.

- 2. I request I may be supplied with 20 spare copies of the report for distribution among friends and scholars interested in epigraphy.
- 3. The photographs taken during the year under report are also submitted berewith.

Endorsement No. 516, dated 23rd/28th September 1920.

Submitted.

A. H. Longhurst, Superintendent, Archæological Survey.

-

.

.

•

.

.

•

•

.

.

# ANNUAL REPORT ON EPIGRAPHY FOR THE YEAR ENDING 31st MARCH 1920.

## CONTENTS.

## PART I.

|                                    |                  |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | PAGE      |
|------------------------------------|------------------|---------------|----------|----------|------------------|------------|---------|---------|------|------|-----------|
| Office routine —                   |                  |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 5         |
| Personnel                          |                  | • •<br>• •    | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 5         |
| Assistant Superinte                |                  | tour          | •        | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 7         |
| Tours of the establi               | sninent          |               | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | •         |
| The year's work—                   |                  |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 0         |
| Publication                        | • •              | • •           | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 8         |
|                                    |                  | • •           | • -      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 8<br>9    |
| Expenditure                        |                  | • •           | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 9         |
| Receipts                           |                  | • •           | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 9         |
| Return of stores                   |                  |               |          |          | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 9         |
| Places examined                    | during 1         | the yea       | ar       | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 10        |
| Programme for 1                    | 920-21           | 7.1           | • •      |          | ••<br>           | 10 20      | • •     | • •     | • •  | • •  | 11        |
| Appendix A—List                    | or coppe         | er-plate      | es exam  | imed di  | . 1010           | 919-20     | • •     | • •     | • •  | • •  | 13        |
| В— ,,                              | stone            | inscrip       | otions e | opied in | - 1000           | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | <b>52</b> |
| " <u>C</u> — "                     |                  | 1.            | ) )<br>  |          | n 1920<br>1910 9 |            | • •     | • •     | • •  | • •  | <b>78</b> |
| , <b>D</b> - ,,                    | photo            | grapns        | taken    | during   | 1010 9           | )()<br>)() | • •     | • •     | • •  | • •  | 80        |
| " <u>E</u> "                       | drawi            | ngs pr        | epared   | during   | 1313-2           | ,0         | • •     | • •     | • •  | • •  | 81        |
| ,. F— ,,                           | dates            | calcula       | atea     | ••       | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | ••   | 01        |
|                                    |                  |               |          | PAR      | r II.            |            |         |         | •    |      |           |
| Copper-plates-                     |                  |               |          |          |                  |            |         |         |      |      |           |
| Damodaravarman                     | of the           | Ānand         | la-aôtre | ,        |                  |            |         |         |      | • •  | 95        |
| Raņabhīta Rājas                    | imba H           | activar       | man—     | an early |                  |            |         |         |      |      | 96        |
| Bāṇa kìng Vikrai                   | māditva          | IT            |          | ••       |                  |            |         |         |      |      | 97        |
| -                                  | щачтоум          |               |          | • •      |                  |            |         |         |      |      |           |
| Vishnukundins-                     | /TT\             |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 97        |
| Mādhavavarman                      | (11)             |               | • •      |          | • •              |            | • •     | • •     |      | • •  | 98        |
| The Vishnukundi                    | ins in ch        | ironoto       | gical o  | raer     | • •              | • •        | • •     | r ·     | • •  | • •  | 00        |
| Eastern Chālukyas-                 |                  |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 99        |
| [Jayasimha] Val                    | labha            | • •           | 1.11.    | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | ••   | • •  | 100       |
|                                    |                  |               |          |          |                  |            |         | • •     | • •  | ••   | 100       |
| Rāshtrakūtas, West                 | ern Cha          | lukyas        | sana 1   | .auavas  | or Dev           | agni       |         |         |      |      | 100       |
| Amōghavarsha 1                     |                  |               | lain ann | of TRada | ··<br>·mi in t   | ha Bal     | lary d  | istrict | • •  | • •  | 100       |
| Amoghavarsha I<br>Early records of | the Chai         | ukyan         | kings    | or Daus  | COLL TIN C       | ше рет     | iai y u | 1001100 | ••   | • •  |           |
| The later Chālukya                 | n kings          | of Kal        | lyāņi—   |          |                  |            |         |         |      |      | 100       |
| Somēšvara I                        | • •              |               | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 100       |
| Vikramāditya VI                    | [                |               | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 101       |
| Sõmēśvara İII                      |                  |               | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  | 101       |
| [Perma]-Jagadēl                    | c <b>a</b> malla | II            | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  |           |
| The Yadavas of De                  | vagiri           |               | • •      | • •      |                  |            | • •     | • •     | • •  | • •  | 101       |
| The Chōlas—                        | 0                |               |          |          |                  |            |         |         |      |      |           |
| Parakēsarivarma:                   | n                |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 101       |
| Ilangon Pichchi,                   | uuoon o          |               | rāja T   | ••       | • •              |            |         | • •     | • •  | • •  | 102       |
| Rājēndra-Chōļa 1                   | quech of         |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 102       |
| Kulottuna III                      |                  | • •           |          |          | • •              |            |         |         |      | • •  | 102       |
| Explanation of the                 | porini           | • •<br>anurān | am sei   | ilntures | in th            | e temp     | ole at  | Dārāśu  | ıram | near |           |
| Kumbhakōṇam                        |                  |               |          | ••       |                  |            |         | • •     | • •  | • •  | 102       |
|                                    |                  | • •           | • •      |          | • -              |            |         |         |      |      |           |
| The kings of Kongr                 |                  |               |          |          |                  |            |         |         |      |      | 108       |
| Dhārāpuram in le                   |                  | -1            | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     |         |      |      | 108       |
| Kalimürkha Viki                    |                  |               | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     | ••      | • •  |      | 108       |
| Abhimāna Chōla                     |                  |               | • •      | • •      | • •              | • •        |         | ••      | • •  |      | 109       |
| Rājādhirāja Utta                   | ma-∪ho           | ia            | • •      | • •      | • •              | • •        |         |         |      |      | 109       |
| Uttama-Chōla Vi                    | iranaray         | aņa           | • •      | • •      | • •              | • •        | • •     |         | • •  |      | 109       |
| Kulöttunga-Chöla                   |                  |               | , ,      | • •      | • •              | • •        |         |         |      |      | 109       |
| Vîrarājēndradēva                   | . 7              | • •           | • •      | • •      | • •              | • •        |         |         |      |      | 110       |
| Successors of the                  |                  |               | • •      | • •      | • •              |            | • •     | • •     |      | • •  | 110       |
| Vīra-Pāṇḍy <b>a</b>                | • •              |               | • •      | • •      |                  | • •        | • •     | • •     | • •  | • •  |           |

|                            |         |         |                 |         |           |        |         |       |     |       | PAGE |
|----------------------------|---------|---------|-----------------|---------|-----------|--------|---------|-------|-----|-------|------|
| The kings of Kongu         |         |         |                 |         |           |        |         |       |     |       | 110  |
| Sundara-Pandya             | • •     | ; , , , | ,, O            |         | 77 - L    | , • •  | • •     | • •   | • • | • •   | 110  |
| Varaguna-Paranta           | ika, pi | obably  | the Cr          | iera ki | ng Kor    |        | Ü       | • •   | • • | • •   | 110  |
| Tentative list of the      | ie Koi  | igu ki  | ngs so t        | ar kno  | wn        | • •    | • •     | • •   | • • | • •   | 110  |
| The Vijayanagara k         | ings-   | •       |                 |         |           |        |         |       |     |       |      |
| Sāyaņa-Udaiyār             |         | • •     | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     |       | • • | • •   | 111  |
| <b>A</b> •                 | •       |         | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     | • •   | • • | • •   | 111  |
| Harihara II                |         |         |                 |         | • •       | • •    | • •     | • •   |     | • •   | 112  |
| Harihara III               | • •     |         | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     | • •   |     | • •   | 112  |
| Kumāra-Mallikārj           |         |         |                 |         |           |        | • •     |       | • • | • •   | 112  |
|                            | • •     |         | • •             | • •     |           |        |         |       |     |       | 112  |
| Vīra-Narasingadē           | ra-Ma   | hārāya  | <b>.</b>        |         |           | • •    |         |       |     | • •   | 112  |
| Krishņarāya                |         |         | • •             | • •     |           |        |         |       |     |       | 112  |
| Achynta                    | 2 ·     |         | . •             |         |           |        |         |       |     |       | 113  |
| Sadāśiva                   |         |         |                 | • •     | • •       |        |         |       |     |       | 114  |
| Śrīranga II                |         |         | • •             | • •     | • •       |        |         |       |     |       | 115  |
| Venkata I and Tā           | tāchār  | ya      | • •             |         | • •       | • •    |         |       |     |       | 115  |
| Venkata II                 |         |         |                 |         |           |        |         |       |     |       | 116  |
| Miscellaneous-             |         |         |                 |         |           |        |         |       |     |       |      |
| Gaņdagōpālas—              |         |         |                 |         |           |        |         |       |     |       |      |
| Tribhuvanachakra           | vartir  | Allm    | ntikka-l        | Mahārā  | iia Gan   | dagānā | iladēva |       |     |       | 116  |
| Madhurāntaka               | Potta   | ppiche  | hölan           | Mann    | masitta   | raśan  | Tirnkl  |       |     | alias |      |
|                            |         |         | • •             |         |           |        |         |       | ••• | • •   | 117  |
| Madhurantaka Po            | ttanni  | -Chāla  | Rāja-(          | andac   | รถิทธิโลส | ēva    | • •     | • • • |     |       | 117  |
| Conjeeveram stree          | ts and  | Bude    | Thist $ abla i$ | hāras   | o parac   | ••     | • •     | •     |     |       | 118  |
| Vijaya Gandagõp            |         |         |                 | • •     | • • •     | • •    | • •     | , .   | • • |       | 118  |
| Vīra-Gaņdagopāla           |         | • •     | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     | • •   |     |       | 119  |
|                            | •       | • •     | ••              | ••      | • •       | • •    | ••      | • •   | • • | • •   |      |
| The Hoysalas—              | т       |         |                 |         |           |        |         |       |     |       | 119  |
| Vīra-Narasimha I           | .1.     | • •     | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     | • •   | • • | • •   | 119  |
| Vîra-Rāmanātha             |         | • •     | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     | • •   | • • | • •   | 119  |
| •                          | • •     | • •     | • •             | • •     | • •       | • •    | • •     | • •   | • • | • •   | 119  |
| The Reddis—                |         |         | •               |         |           |        |         |       |     |       |      |
| Vēmaya-Reddi               |         | • •     | • •             | • •     | • •       | • •    |         |       |     |       | 120  |
| Anna-Vēma                  | • •     |         | • •             |         |           | • •    | • •     |       | • • |       | 120  |
| Anna-Vēma The poet-king Kō | mati-   | Vēma    | ΰ¥              | • •     | • •       |        |         |       | • • |       | 120  |
| The Ummattur chi           | efs     | • •     | • •             | • •     | • •       |        | • •     | • •   | • • |       | 121  |
| Lālā Tödaramalla           |         | • •     | ••              |         | . • •     |        | • •     |       |     | • •   | 121  |
| Three statues in th        |         |         |                 |         |           | ram    | • •     |       |     |       | 122  |
| An old water-supp          | ly pro  | ject fo | r Conje         | overan  | ı         | • •    |         | • .   |     |       | 123  |

## PART I.

## OFFICE ROUTINE.

- M.R.Ry. K. V. Subrahmanya Ayyar, B.A., the permanent Junior Assistant and Temporary Special Publication Assistant of this office, was transferred to foreign service as Superintendent of Archaeology, Travancore, for three years under G.O. No. 445, Public (Political), dated the 20th August 1919, and was relieved of his duties on the afternoon of the 15th September 1919. Mr. K. R. Srinivasa Ayyangar, the probationary Kanarese Epigraphical student, accepted the appointment of the first clerk (Rs. 50-5-75) in the office of the Kannada Translator to Government inasmuch as his pay as probationer, viz., Rs. 50, could not be raised to Rs. 75 unless he graduated and entered into a bond of service with Government. He was an intelligent student of Kanarese and did good work so long as he was in this The vacancies thus caused were filled up by promotions given to juniors in the office both in the Collection and the Publication sections. The Kanarese student's place was temporarily offered to Mr. Rangaswami Sarasvati, an outsider. The Tamil Reader in the Publication section not being found enough to cope with the Telugu and Kanarese work of that section, a new Telugu-Kanarese Reader on Rs. 50 per mensem was sanctioned on the Temporary Publication staff by G.O. No. 23, Home (Education), dated the 5th January 1920, and Mr. T. T. Sharman from Bangalore was selected for the new post. The Tamil Reader Mr. V. Venkatasubba Ayyar being promoted as Tamil Epigraphical student, in the chain of vacancies caused by the transfer of Mr. K. V. Subrahmanya Ayyar to Travancore, the services of Mr. P. V. Jagadisa Ayyar, Manager of the office of the Archæological Superintendent, were temporarily transferred to this office by the Government Order quoted above. Mr. P. V. Jagadisa Ayyar is posted as Tamil Reader in the Publication section. Mr. A. S. Ramanatha Ayyar, under G.O. No. 1346, Home (Education) Department, dated 1st November 1919, was appointed provisionally permanent Epigraphical student (Telugu) and was thus entitled to draw Rs. 75, having completed his one year's probation on 28th September 1919.
- 2. The Senior Assistant Mr. Venkoba Rao was absent on privilege leave for 1 month and 15 days from 1st August 1919; Mr. V. Venkatasubba Ayyar, the probationary Epigraphical student (Tamil), for 21 days from 11th March 1920 and the Pandit Mr. V. Vijayaraghavachari for one month from 19th December 1919.

## ASSISTANT SUPERINTENDENT'S TOUR.

3. I was on tour in the Guntūr and the Gödāvarī districts for nearly 3 months (January to April 1920) with my Assistant Mr. C. R. Krishnamachari in connexion, particularly, with the publication work but did not, however, miss the opportunity of examining also some places mentioned in the programme for the year. At Bhadrāchalam, a famous place of pilgrimage on the Upper Gödāvari, I expected to find some ancient and interesting documents, at least, those of the time of Göpanna Rāmdās, a nephew of the famous Golconda ministers Akkanna and Mādanna of the 17th century A.D., who by popular tradition is intimately connected with the place and is said to have lent celebrity to it by his unswerving piety and devotion. The visit was, however, void of any discovery worth the name,—the only chief inscription pointed out (No. 304 of 1920) being one of the 19th century A.D., of a namesake of Rāmdās called Varada-Rāmdās who secured for the temple gifts of a large number of villages in the Nizam's Dominions. A modern document, though it may be, the

985, Home (Edn.)-

circumstances under which this rich gift was made are interesting enough. stated that the (original) sāsana on stone in which were copied the maintenance gifts to Gods and Brāhmanas and the details of processional requirements of the blessed Sītā-Rāmachandra at Śrī-Bhadrāchala, which the holy Rāmadāsugāru had previously secured with the consent of the Tanisha, having been chiselled away by a vandal during an interregnum (?) when the God himself was on exile at Polavaram, no opportunity had been afforded to the people to know what the great Rāmadāsu had himself done for the God. The vandal too who destroyed the sasana perished with his sons, friends and family. Now, in Saka 1754, Nandana, Chaitra, su. 9, Monday, there came to Śri-Bhadrādri from the town of Kānchī a devotee named Varada-Rāmadāsu who was an incarnation of the great Rāmadāsu. He and his wife gave to the temple all the jewellery and money they owned and, with the approval of Rāmadāsu's mother Rangamma, the pious pair continued to serve in the temple, the lady members doing the sweeping and cleaning work and the male members singing His While thus engaged, the God of Bhadrachalam appeared in a dream to Chandū Lālā, a nobleman (of Hyderabad) in the court of Nāsaruddaulā, and told him that this Varada-Rāmadāsu was an incarnation of the earlier Rāmadāsu, that, consequently, the administration of the pargana of Hasanabada was to be entrusted to Varada-Rāmadāsu under His own seal and that maintenance gifts to Gods and Brāhmaņas, which in the period under the rule of evil kings had fallen into complete desuetude or had been conducted only intermittently, must now be restored in full. On this Chandū Lālā whose devotion was great, in complete obedience to the orders of the God, fixed 71,000 current rupees as the total revenue of the (taluk) Hasanabāda pargana, excluding Brahman villages and maintenance gifts to temples and other charity-institutions but including 55 amani villages, 11 sarabastas (?), sayar Of this amount, Rs. 32,000 were settled to be paid in cash to the Sartār; Rs. 8,000 to be disbursed as annual pay to the 100 armed servants to be placed in the service of the God; Rs. 18,500 to be spent on the requirements for the worship and the balance Rs. 12,500 to be spent on administration and staff salaries.

- 4. With this settlement, the pargana was placed in the hands of Varada-Rāmadasu and it was thus that the latter came to record on this stone the names of the several villages enjoyed by the temple together with the numerous details connected with its upkeep. Although the facts mentioned in this interesting prologue explain in a way the reason for the absence of earlier documents in the temple contemporaneous with the great Rāmadāsu of the time of Tānīsha, a detailed search made for other written fragments in the temple brought to light a broken pillar with weather-worn characters of the 17th century A.D. in the lower court-yard near the mirror-chamber. It registers that a lady—whose name is not possible to make out on the stone—the daughter of . . . the mother of Sūrappa-Viśvanāyadu, wife of Mutyam Akkamappangāru, a Padmanāyaka of Vipparla-gōira, caused to be made the mukha-mandapa and the prākāra of the Raghunāyaka temple at Bhadrāchala and made provision also for daily offerings, festivals and servants. On another face of the same pillar is registered that Appalammangāru, a daughter of this Mutyāla Rāmakka—evidently meant to be the name of the lady mentioned immediately above—set up a shrine for Nammalvar. Another lady of the same family whose name was Akkam . . . built the Bhogamandana for Raghunāyaka. These three ladies herein mentioned as having made charities of buildings in the temple of Bhadrāchalam in the beginning of the 17th century A.D. may be considered as the elder contemporaries of the great Rāmadāsu, and one or the other of them must have been intended also by the tradition in the popular story which attributes the building of the original small shrine of Ramabhadra at Bhadrachalam to a Sūdra lady called Dammakka.
- 5. The disappointment caused by the absence of old inscriptions at Bhadrā-chalam was, however, more than compensated for by the discovery of about twelve new inscriptions at Pattisam and Mahānandi, two island-temples very picturesquely situated in the bed of the Gōdāvarī river near Pōlavaram. The former is a fine old monument with good sculptured images. The records in both these temples belong to the period between the 12th and the 15th centuries of the Christian Era and bring to light the name of a fresh dynasty of kings of the Malias (Malayamandala).

- 6. More than a month and a half was spent at Simhachalam where imperfect transcripts of 125 inscriptions prepared from ink-impressions made in the year 1899 had now to be checked with the original stones and completed. 363 fresh inscriptions besides, were discovered, copied and transcribed on the spot for publication, thus exhausting, without further necessity for another visit, all the inscriptions of Simhāchalam excepting perhaps a very few of the most damaged and built in fragments. The Uriva inscriptions too of which 30 were found in that temple were copied in duplicate and a complete set forwarded to Mr. Ramadas Pantulu, B.A., Jeypore, for interpretation and transcription in modern Uriya characters. These latter will be printed along with the others of Simhāchalam in the forthcoming volume of South-Indian Inscriptions (Texts), Volume V, and Mr. Ramadas Pantulu's assistance shall be duly acknowledged therein. It may be observed as a result of experience of my work at Simhachalam that in the matter of correct and complete deciphering of inscriptions which are indifferently engraved on undressed and uneven slabs-and particularly too, where the characters are found to be small and faintly cut-the inked estampages, however carefully and scientifically prepared they may be, are as a rule useless showing as they do white blotches with practically no impression of existing letters in the deeper parts of the stone as contrasted with deep dark spots covering up with ink, even the few traces of visible letters in the projecting portions of the surface. In such cases at least, though not in all, an examination of the original stone in situ would enable the epigraphists to arrive at a safely correct reading. The method adopted consists (1) in thoroughly cleaning the stone and (2) in applying carefully with a brush any colouring matter, white or red, mixed with water into a liquid of The colour running into the groves of letters gives in good and medium consistency. favourable light a clear outline of the letter whether it be cut in depths, projections or margins of the stone where brush and raper cannot easily reach. In the publication of inscriptions which is now being pushed through by this office under Government Orders, the above method has been found to have largely helped in the correct reading of the texts which the impressions alone could not have done.
- 7. With the sanction of Government accorded in G.Os. Nos. 1276 and 1306, Home (Education) Department, dated 21st and 28th October 1919, respectively, I and Mr. C. R. Krishnamachari attended the First Oriental Conference that was held at Poona, in which I read a paper on the old Brāhmī inscriptions in the caverns of Southern India.

## TOURS OF THE ESTABLISHMENT.

8. The activities of the Assistants in the search for and the collection of fresh epigraphical material have been quite satisfactory. Mr. V. Venkatasubba Ayyar, Tamil Reader in the Publication section who was recently posted as acting Tamil Epigraphical student, was out on camp duty for more than four months and the acting Telugu Epigraphical student Mr. A. S. Ramanatha Ayyar, for almost five months, part of his time being spent in company with Mr. Venkatasubba Ayyar at Conjeeveram and part independently in the talukwar survey of the Dharapuram taluka of the Coimbatore district. Mr. K. R. Srinivasa Ayyangar, the Kanarese Epigraphical student, finished the talukwar survey of the Alūr tāluka of the Bellary district in two months, while the Senior Assistant and Manager Mr. Venkoba Rao spent about three weeks on tour giving the necessary training to Mr. Venkatasubba Ayyar at Conjeeveram and Tiruvārūr. The work of copying inscriptions in the places of the Telugu districts noted in the programme for the year and the talukwar survey of Tenāli in the Guntur district were entrusted to Mr. C. R. Krishnamachari, my assistant in the Publication section, and Mr. Rangaswami Sarasvati. They had finished part of this work, when I had to take Mr. C. R. Krishnamachari with me to further north. Mr. Sarasvati, who was left in camp alone for about four months, returned only on 5th May 1920. Being quite new to his work he has not been able to finish all that was entrusted to him. His collection remains to be checked and examined and consequently it has been reserved to be included in the report for the next year. Mr. T. T. Sharman, the newly entertained Telugu-Kanarese Reader in the Publication section, joined my camp at Simhāchalam on 5th February 1920 and returned to headquarters on 6th April 1920. The photographer Mr. P. Viswanatha Ayyar was deputed on an independent tour in the Madura and Tinnevelly districts and the Pudukkottai State to take photographs of all the natural

caverns with Brāhmī inscriptions so far discovered and note down full particulars about them. He toured for more than two months from 3rd December 1919 to 21st February 1920 and took 94 photographs and 5 sketches.

## THE YEAR'S WORK.

#### Publication.

9. In paragraphs 3 and 4 of Part I of my report for last year I had referred to the progress made in the work of Publication. Since then the correcting of Press proofs of South-Indian Inscriptions (Texts), Volume IV, and the preparation of manuscripts for Volume V which, by G.O. No. 961, Home (Education) Department, dated 12th August 1919, is fixed at 3,000 folio pages, have been going on simultaneously. Galley proofs pages 1-277 so far received have been corrected and sent to Press. Pages 278 to 293 are being checked and will be sent to the Press shortly. Further galleys have not been received, and the Superintendent who was addressed regarding the delay writes to me that he has to suspend work on Volumes IV and V of South-Indian Inscriptions (Texts) until South-Indian Inscriptions Volume III, Part III, has been struck off and issued. Hence Volume IV (Texts) for 1919 has not been progressing beyond galley proof page 293. The Government have, in anticipation of its quick issue, ordered 600 copies to be struck and have fixed its price at Rs. 4. They have also prepared a preliminary free distribution list of 60 private individuals and institutions. Manuscript pages 1 to 2998 for Volume V for 1920 have been already sent to the Government Press. The texts of Cevlon inscriptions ordered to be issued with this volume [G.O. No. 1284, Home (Education) Department, dated 23rd October 1919] have been taken up and will be included in the next volume. The publication staff has worked throughout with great zeal and energy. South-Indian Inscriptions Volume III, Part III, mentioned in paragraph 4 of my last year's report, has been printed and issued (G.O. No. 71, dated 16th January 1920).

#### Collection.

- 10. The collection work during the year has also been quite satisfactory. The talukwar survey of Ālūr (Bellary district), Dhārāpuram (Coimbatore district) and Tenāli (Guntūr district) has been finished. In the Conjeeveram taluk which was also put down in the programme, it was possible only to finish the Varadarāja temple in the town of Little Conjeeveram within the limited time allotted for it. Of the remaining 35 villages mentioned in the programme only 13 were visited, since, after finishing the talukwar survey, very little time was available for examining the other places. As a result of the long tours of my assistants and myself noticed in paragraphs 3, 6 and 8 above, about 150 villages (excepting those of the Tenāli taluk) have been visited and 721 fresh inscriptions copied and transcribed. To these must be added also the 363 new inscriptions from Simhāchalam sent to the Press for publication (see above paragraph 6), thus bringing the total of inscriptions transcribed and examined during the year to 1,084—a figure which has not been reached since the birth of this department in 1886.
- 11. All these inscriptions except the 363 of Simhāchalam have been registered in Appendices B and C. Appendix A contains the list of 14 copper-plate inscriptions examined during the year and in Appendices D and E are registered the 94 photographs taken and the 5 sketches prepared by the photographer Mr. P. Viswanatha Ayyar. The contribution on date calculations contained in Appendix F has as usual been made by Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal. A good portion of it was, however, done in my office with the help of his *Ephemeris* of which only four volumes (A.D. 700 to A.D. 1399) have hither to been received in this office.
- 12. The copper-plates secured for examination are historically valuable and interesting. The more important of these will be fully described and their contents discussed at their proper place in Part II below. No. 4 from Tirumalavādi secured by my Assistant Mr. Venkatasubba Ayyar is dated in Saka 1654 (= A.D. 1732) Paridhāvi and registers (1) a grant of land by Sukadēvayyan for the marriage festival in the temple of Vaidyanātha at Tirumalavādi, (2) a gift of money for Annābhishēkam, vis., heaping up cooked rice over the Siva-linga as a part of daily worship, (3) a gift

of certain tolls and taxes for maintaing a flower-garden and (4) a gift of money and gingelly-seeds for lamps. The inscription ends with two Tamil verses in praise of Šiva of Māmaļu, i.e., Tirumaļavādi. Also in Šaka 1666 (= A.D. 1744) Siddhārthin, some settis and pillais granted on all articles such as reddle, clearing-nuts, arecanuts, pepper, jaggery, sugar, bengal-gram, wheat, gingelly, ghee, and iron coming into or going out of the village of Tirumanallur near Tirumalavadi, certain fixed tolls (magamai) in order to maintain a lamp.

13. Subjoined is the statement under the main heads of expenditure of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy during 1919-20.

## Expenditure.

| Assistant Arch<br>Establishment<br>Local Allowand | ••• | - |     | dent<br> |            | •••   | ••• | RS.<br>6,001<br>12,234<br>638 |    | 6       |
|---|-----|---|-----|----------|------------|-------|-----|-------------------------------|----|---------|
| Travelling<br>Contingencies                       | ••• |   | ••• | •••      | •••        | •••   |     | 2,421<br>6,140                |    | 6<br>11 |
|   |     |   |     |          |            | Total |     | 27,437                        | 11 | 6       |
|   |     |   | E   | eceip ts | <b>:</b> . |       |     |                               |    |         |
| Sale of garden<br>Sale of photogr                 |     | • | ••• | •••      | •••        | •••   | ••• | 95<br>32                      | 0  | 0       |
|   |     |   |     |          |            | Total | ••• | 127                           | 0  | 0       |

Return of stores of the Epigraphical branch of the Archæological Department, Madras, for the year ending 31st March 1920.

| Name of articles with   |                      | ance on 1st<br>pril 1919.    | Received<br>during<br>1919-20 | //2       | Total of and (3).     | Written<br>off<br>during<br>1919-20. | Balance on<br>31st March<br>1920. |   |
|---|----------------------|------------------------------|-------------------------------|-----------|-----------------------|--------------------------------------|-----------------------------------|---|
| description.  | Number.              | Cost.                        | Number.                       | Number.   | (4) Cost.             | Number.                              | Number. (9) Cost.                 | Remarks.  |
| Watson and Sons' full plate camera with six slides, one voigtlander lens with six diaphrams, one view finder,   |                      | ня. <b>А. Г.</b><br>550 О О  |                               | l<br>Set  | BS. A. P.<br>550 0 0  |                                      | RS. A. P.<br>550 0 0              |   |
| one tripod stand and one Bush Rapid Applanet lens. Chubb's lock with one key Typewriter (3-14 Uud-rwood). Tent articles (11 bundles)  Mathematical instrument box No. 2 supplied by the Public Works Secretariat. | 1<br>1<br>1<br>Set 1 | 350 0 0<br><br>36 <b>5</b> 0 |                               | 1 1 1 Set | 350 0 0<br><br>36 5 0 | •• ••                                | 1 350 0 0 0 1 Set 1 36 5 0        | Price not known.  Value not known.  Vide G.O. No. 2050  W., Public Works Department, a dated 3rd November 1915. |

- 14. Stone inscriptions copied at the following places are registered in Appendices B and C:-
  - I. Bellary district.—Eighty-one villages' in the Ālūr tāluka.

II. Chingleput district.—Conjeeveram.
III. Coimbature district.—Forty-three villages in the Dhārāpuram tāluka and Kodivēri, in the Gopichettipālayam tāluka.

IV. Cuddapah district.—Bollavaram and Modamidipalli.
V. Godavarı district.—Bhadrāchalam, Polavaram and Nelakota-Āvas

VI. Guntur district.—Mailavaram. VII. Kistna district.—Mudunūru and Ganapavaram.

VIII. Madura district.—Pallichchandai.
IX. Nellore district.—Nellore.
X. Tanjore district.—Tiruvārūr and Pinnavāśal\*.

XI. Trichinopoly district.—Ādigudi and Tirumalavādi.

# 15. Programme of tour of the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy, Southern Circle, for the field season 1920-21.

| mter. | Name of place        | e.      |     | Distric                          | t.                                      | ļ     | Remarks.   |
|-------|----------------------|---------|-----|----------------------------------|---|-------|--|
| A     | Places omitted from  |         |     | ort or reported<br>rintendent or |   |       | n inscriptions by the Archæological lemen.               |
| 1     | Álangudi             | ••      | • • | Tanjore                          | ••                                      | ••    | To copy the inscriptions not copied un                   |
| 2     | Áyal                 |         |     | North Arcot                      |   |       | Reported to contain inscriptions.                        |
| 3     | Avyampālayam         |         |     | Do.                              | • | • • • | Du.  |
| 4     | Chittoor             | • •     | , . | 01.11                            | • • •                                   | ••    | Rock inscription.  |
| 5     | Dēśūr                |         | • • | North Arcot                      | •••                                     | •••   | To copy an inscription on a slab in                      |
|       | Desur                | • •     | • • | , MOLIN MICOL                    | ••                                      | •     | irrigation tank.   |
| 6     | Kalavai              |         |     | Do.                              |   |       | Inscriptions on a sluice and in a mosque.                |
|       |                      | • •     | • • | South Arcot                      |   | • •   |  |
| 7     | Kāttumannārkovil     | • •     | • • |                                  | ••                                      | • •   | Reported to contain inscriptions.                        |
| 8     | Konthagai            | • •     | ••  | Madura                           | • •                                     | • •   | D <sub>0</sub> .   |
| 9     | Kottapalli           | • •     | ••  | Do                               | ••                                      | • • • | To copy inscriptions in the Narasiml svamin temple.      |
| 10    | Maṇimurthēśvarapura  | n.,     | ••  | Tinnevelly                       | • •                                     | • •   | . To copy inscriptions in the Vighnesvatemple.           |
| 11    | Melpādi              |         |     | North Arcot                      |   |       | Contains many inscriptions.                              |
| 12    | Melur                |         | ••  | Chingleput                       | ••                                      | • • • | To copy inscriptions in the Siva temple.                 |
| 13    | Minjar               | ••      | • • | Do.                              |   |       | Do.  |
| 14    | Mõgallu              |         | • • | 17: .1                           | • •                                     | ••    | Reported to contain inscriptions.                        |
| 15    | Nattarāmēsvaram and  | Juttiga |     | T)-                              | • •                                     | • •   | Do.  |
| 16    |                      |         |     | South Arcot                      | • •                                     | ••    |  |
| 10    |                      | ••      | •   |                                  | ••                                      | ••    | To copy inscriptions on a rock near tank.                |
| 17    | Nissankadurga        | • •     |     | Chittoor                         | • •                                     | • •   | Reported to contain inscriptions.                        |
| 18    | Peraņamalūr          | ••      | ••  | North Arcot                      | ••                                      | ••    | To copy inscriptions in the Sribarisva temple.           |
| 19    | Pulal                |         |     | Chingleput                       |   | ••    | Reported to contain inscriptions.                        |
| 20    | Punnam               | ••      | • • | Trichinopoly                     |   | • •   | To copy inscriptions in the Pushpavanal theswara temple. |
| 21    | Raghunāthasamudram   | ••      |     | North Arcot                      | ••                                      | ••    | To copy inscriptions in the Ramachand perumal temple.    |
| 22    | Śalukkai             |         |     | Do.                              |   |       | To come intended in the Ten of the                       |
| 23    | Şembalivaram near Ku | danākb  | • • | Chingleput.                      | • •                                     | ••    | To copy inscriptions in the Isvara temple                |
|       | Singaperumāļkoyil    |         |     |                                  | • •                                     |       | To copy inscriptions in a ruined temple.                 |
| 24    |                      | • •     | • • | Do                               | • •                                     |       | Rock-cut cave with inscriptions.                         |
| 25    | Tadavayi             | • •     | ٠.  | Guntur                           | • •                                     | : .   | Reported to contain inscriptions.                        |
| 26    | Tennêri              | ••      | • • | Chingleput                       | • •                                     | •••   | To copy inscriptions in an irrigation tank               |
| 27    | Vasudevapatnam       | • •     | • • | Ganjam                           | • •                                     | •••   | Buddhist images.   |
| 28    | Veligonda            |         |     | Neliore                          | • •                                     | • •   | Reported to contain inscriptions.                        |
| 29    | Vengalattur          |         |     | North Areot                      |   | ;     |  |

B.—Detailed survey for inscriptions, talukwar.

Conjeeveram—Chingleput. Gutti—Anantapur.

Gudiyattam-North Arcot.

Of these forty-eight villages did not contain any inscriptions.
 Of these fifteen villages did not contain any inscriptions.
 Visited but did not contain any inscriptions.

APPENDIX.
A.—List of copper-plates examined during the year 1919-20.

| and by Remarks.     | ihed.      | Gives a genealogy for five generations from Nandivarman. Records the gift of the village of Viprapitha free of all taxes to a number of Brahmans. | Gift of the village of Kangura free of all taxes to Brahmans of various gotras. The king only hinself a devotee of Buddha. The grant was issued from Vijuya-Kandanapura. | Registers the gift of 2, halz of land which was purchased from the residents of the agrahdrika village of Hondevaka in Kröshtuka-vartani as an agrahdra to Jayasarman of Vatsa-goira, a resident of Urannila (i.e., the modern Urlan). The king is called Rajasingha and Ranabhta. | Records a gift of hand in the village of Gandaradittan for conducting various tervices, for lamps and flower-gardene, to the femple of Tirumajavadi. Nayanar by Sukadovayyan. | Mutilated at the end, Registers gift of certain lands in the villages of Chimakurti, Bhimosvaram, Pulikonda, Mailavaram and Kumarapuri, to Chittameri Timmana Bhatta. The village of Rameturtham in the Ammanavahroli-sima in the Srisaila-Bhumi was also given to the tane individual as agrahara. | Gives the genealogy of the Reddi kings up to Anna-Veina. Records the grant of the village of Pacohani-Tandipagu by the king to the scholar Peddi who was "the crest jewel among astronomers". |
|---------------------|------------|---|--|--|---|---|---|
|                     | published. | corres.   |  | the  |   | •   | •   |
| Disposal of the     | •          | Under<br>pondence<br>purohase   | Do.  | Beturned to owner.   | Do.   | Do.   | Do.   |
| Language.           |            | Sanskrit in<br>Grantha and<br>Tamil.  | Sanskrit in<br>Telugu,   | Do. :  | Tamil   | Telugu  | Sanskrit and<br>Telugu in<br>Telugu.  |
| Date.               |            | :   | [2]nd year,<br>Karttika, śu.<br>di., trayōdaśi.  | 80th year,<br>Karttika, ba.<br>8.  | Śaka 1654,<br>Paridhavi,<br>Pariguņi, 8,<br>Tueeday,<br>trittya, Re-  | Saka 1267,<br>Yava, Kart-<br>tika, sa., di.,<br>12, Thurs-<br>day, Man-<br>vadi.  | Saka 1296,<br>Nabhasya,<br>Bhadrapada,<br>Purnima,<br>Wednesday,<br>Lunar colipse,  |
| King.               |            | Vikranaditya  | Mahārāja Damodaravarman<br>of Ānanda-götra.  | Maharaja Hastivarman   | :   | Vemaya Reddi  | Аппа-Vēma   |
| Dynasty.            |            | Вара  | :  | Mastern<br>Gańgs.  | :   | Reddi   | Do.   |
| From whom received. |            | Mr. Raghavayya, trustee of<br>the Kalahasti and Gudi-<br>mallam temples, Chittoor dis-<br>triot.  | The Tahaildar of Nellore   | The Raja of Urlam through Mr. K. Nagesvara Bao Pantulu, Editor, 'The An- dhra Patrika', Madras.  | Mr. Subbayyar, trustee of the<br>Vaidyanatha temple at<br>Tirumalavadi, Trichinopoly<br>district.   | The Karnam of Chimakurti,<br>Ongole taluk, Guntur<br>distriot.  | M.R.Ry. Divi Hannmachar,<br>Kodi-Tadipagu, Tenali<br>taluk, Gunur diskriot,<br>through Mr. A. Rangaswami<br>Saresvati.  |
| No.                 |            | -   | c1   | *  | •   | NO.   | •   |

A.-List of copper-plates examined during the year 1919-20-cont.

| Language. Dieposal of the whom to be original. published. | makrit and Returned to the Registers the gift, by the king, of the village Rudravaran to a number of Brahmars. Telugu in owner. The last verse of the inscription says that Srmatha, the Vidyadnikari of king Vense composed the inscription which | Do.  10.  11.  12.  13.  14.  15.  15.  16.  16.  16.  17.  17.  18.  18.  18.  18.  18.  18 | in Do Dy   | Mangi Tuvuraja.  Records the grant, on the occasion of a Sankranti, of 20 klandhkas of paddy-growing land in the village dalamura lying in the Plandhadu-wishaya, to a Brahman named Kösuvasarının of the Africya-goiru and Hivanyakesi-sütra. A house-site and a flower-garden were also given to lin on | Do. • Registers the grant of the village Vilembel li] in Gaddati-visbaya to the brahman Agni sarman of the Vatar gotra by the king for | Do. Do. (The plates are much worn away. They record the grant of the village Mutonukaliki to two pious Brahmana. | Do. Records the grant of the virlage Kalvavamulu in the Trilinga-vishaya and Khandavaku-subala by the king to the Brahman Peddi-Yajvan of the Harita-gotra, who was a | Begintonomer.  Regintors the grant of the village Nandamuru in the same vishaya to the same Brahman. |
|---|--|--|--|---|--|--|---|--|
| Date. Lan   | Śaka 1341, Sanskrit<br>Vikarin, Telugo<br>Margasira, Telugo<br>Dbanns.   | :  | Sanskrit<br>Telugr   | 23rd year I   | 37th year, Summer, 7th fortnight, di, 15.  | Spring, 7th forright, di.  | Saka 1326, Ta-<br>rapa, Pausha.   | Saka 1383, D<br>Khara, Mar-<br>Sasira, su.<br>di.,trayôdssi,<br>Dhanus                               |
| King.   | Vôma, son of Kômați  | Kômați-Vêma  | [Jayasimba]-vallabba Maha-<br>raja.  | Vishnuvardhana Maharaja,<br>son of Vijayasiddhi.  | Maharaja Śri Madhavavarman, son of Maharaja Śri Govindavarman.   | ivavarman, son of<br>man and grandson<br>itaja Sri Madhava-  | varman.<br>Pedda Komați-Vema Ś  |  |
| Dynasty.  | Reddi  | Do   | Eastern Chalukya.  | Do.   | Vishnukuņ-<br>ģin.   | Do,  | Reddi   | Do   |
| From whom received,                                       | M.B.Ry. Divi Hanumaohar,<br>Kodi-Tadipagru, Tenali<br>taluk, Guntur district,<br>through Mr A. Rangaswami<br>Sarasvati.  | M.R.By. Ponukupsti Ramay-<br>ya through Mr. A. Ranga-<br>swami Sarasvati.                    | M.R.By. Brindavanam Go-palacharyniu, İpur, same taluk and district, through Mr. A. Kangaswami Sarasvati. | Do. do.   | Do. do.  | Do, do.  | The Tahsildar of Tenali   | Do. do.  |
| No.   | 7  | <u> </u>   | <u> </u>   | 0   | 11   | <u>.</u>   | 13  | *  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919 (continued from last Annual Report).

| Conjecycram, Conjectaluk, Chinglepput district.  The same wall  Do  Do  Do  Do  Do  Do | ### ### ### ### ### #### ############# |   | Chola Do. Palikva | Tribhuvanne paladeva paladeva paladeva ribhuvanae delval, 'w (Ceylon), heat of the form the anointmen Tribhuvana Ohōjadeva Madurai (the Pand) Tribhuvana Sakulabhuvana | nchakravartin V achekcavartin V who having tak W Karavar an a anointment of ent of victors.  nachakravartin ya, wa i anointment of ent of victors.  nachakravartin hachakravartin hachakravartin hachakravartin hachakravartin |             | Bhanus, asaunt, Revati.  Revati.  Kaykat- unday, pra- r, Vras- Monday,            | Tantil  Do  Do  Pamil  Do  Do  Do  Do  Do  Do  Do |                | Gift of 33 cattle for a perpetual lamp by a native of Maiainandulam to the temple of Araiala-Perumal who was pleased to take his stand in Tiruvattiynr. Mentons the inquid measure Atjanmarallan-nali, total cone-eighth perpetual hamp by Golhapmadi Devi-Nayakan residing in Sirunanani in Pakka-nadu to the same temple. The trastess of the temple took charge of the lamp.  Gift of 33 cattle for a perpetual lamp and a lamp-stand by Pittura. Dovik kamanyan, one of the servants of Maduraliakan Jovik kamanyan, one of the servants of Maduraliaka Perumal.  Gift of 33 goals and sheep for 12 perpetual lamps by Rama Rama of Moranotramanyahan in Valluva-nadu, a district of Mahai-mandalam to the temple of Arailala-Perumal.  A Sanskrit verse in praise of Tatacharya, who celebrated 100 marriages every day.  A Sanskrit verse in praise of Tatacharya, who celebrated 100 marriages every day.  Ferumal at Tirrvatiyar in the city of Congewerum in Evig-kotiam, a district of Jayangondasola-mandalam.  Unfinished. Gift of 18 sheep for hall a lump to the temple of Alyar at Atliyur in Eynl-kotiam, a district of Jayangondasola-mandalam. By Machiadevi, daughter of Bahrings Abarbandalam. Dy Machiadevi, daughter of Bahrings-Nayaka of Dorsangalam for offerings |
|--|--|---|-------------------|--|--|-------------|---|---|----------------|--|
| :  | :                                      | : | Ch <b>ô</b> ļa    | gadeva.<br>Tribhuvar   | gadera.<br>Prildbuvanachaktavartin Rājarajadēva  | ijarajadeva | ha. di., trittya, Friday, Mala. 7th yeur, Rishabha, su. di., dvittya,             | Ъо  | <del>_</del>   | and repairs in the same temple by Kedakkan alias Nilagenigaraiyan.  Gift of 12 buffaloes for a perpetual lamp to the temple of Arufala-Perumal by Alva[n]k0[n], son of Pandavadatan  |
| :  | :                                      | : | Do.               | :  | Do.  | ·           | Wednesday,<br>Ārdra.<br>29th year, Kunya,<br>6n. di., pañchami,<br>Thursday, Anú- | Do  | :              | Valvadarnyakon of Fattur. Mentions the liquid measure<br>Arumolinangai-nah.<br>Gift of 33 cattle for a perpetual lamp to the temple of<br>Arulaiu-Perumal by Kommanappangaru of Mottuppaili.   |
| :  | :                                      | : | l'sllava          | Kopperui   | Kôpperuñjińgadóva .,   | :           | —————————————————————————————————————   | Do.   | <del></del>    | Built in at the beginning. Gift of 44 cows for a perpetual lamb to the same tunnels by Chanda, and to the desired  |
| :  | ÷                                      | : | :                 |  | :  |             | Saturday.<br>Pramoduta  | Grantha   | <del>- 1</del> | Hali in Nelliurandu.  Records the construction of a Vimana by Tatacharva at  |

| 1919—cont.   |
|--------------|
| .¤           |
| popied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |

|            |                       |       |       |    | -        |               | 3  | ^ ~ ~   |                  |   |
|------------|-----------------------|-------|-------|----|----------|---------------|--|---|------------------|---|
| No.        | Place of inscription. | Deori | tion. |    | Dynasty. | ÷.            | King.  | . Date.   | Language and     | Кепатка   |
| 398        | On the same side      | :     | :     | :  | Chole    | :             | Tribhavanachakravartin Rajarajadeva  | 7th year  | Tamil            | Gift of 32 oows and one bull for a perpetual lamp to the  |
| 356        | Ŋ.                    | :     | :     | :  | Pallava  |               | K funerustiin as dows  | 7   | •                | seme temple by Paramekvaramangalamudanyan Silamba-<br>ni dan Ambalakkutan Sediyarayan of Paramekvara-<br>ni dan Lilas Solakulatilaka-dhaturvedinangalam in<br>Sembur-kotann.  |
| 1000       | Ě                     |       |       |    |          |               | •• · · · · · · · · · · · · · · · · · ·   |   | Do.              | Gift of 16 Nellar-maddi coins for maintaining a perpetual lamp in the same temple by Sevankkal, sister-in-law of  |
| 3          | ·                     | :     | :*    | :  | <u>:</u> |               | :  | :   | Do.              | Gift of land in the village of Karanai for worship at the service called chandagopal. 1.8 and repairs etc. in the   |
|            |                       |       | •     |    |          |               |  |   |                  | Lemple of Arnjala-Perunal at Thuvattivur in Kañohyu-<br>ram in Cyir-kottam, a district of Jaya ikondasola-manda-<br>lam by Madmantaka Pottappichoja Manumasidarasan   |
| 358        | Do.                   | :     | :     | :  | Choj∎    | :             | Tribhavanachakravartin Rajarajadeva  | 8   | Do.              |   |
| 859        | Do.                   | :     | :     | :  | Do.      | :             | Do.  | da<br>ye  | Do.              | Nulaphyarrulan Narayanananin Damodaran, one of the Kelvi-Mudalis of Gandagoyaladeva.  |
| 360        | Dα.                   | :     | :     | :  | Po.      | :             | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Chojadéva, 'who was pleased to take  |   | Do               | same tempt by Maharajan tajadovin, a fendatory of the king. The chief bears menty hinder, cift of 10 Buyabalan-madai for burning a lamp in the same   |
| 361        | 1)0.                  | :     | :     | :  | Do.      | :             | Madura and the crowned head of the Pandya. Tribhuvanachakravartin Tribhuvanayira-  | <u>~</u>  | Do.              | Giff of 53 certile for a leave by   |
|            | á                     |       |       |    |          |               | ueva, who having taken thadin, I am (beylon), Karuvur and the orowned head of the Pandya, was pleased to perform the anointment of heroes and the anointment of victors. | Sravana.  |                  | Vellappa-nadu, a district of Mahi-mandalam.   |
| <u> </u>   |                       | :     | :     | :  | :        |               | •  | į   | Do               | lift of land in Kavirippakkam alia. Vikrama-Choja-chatur-vedinangalam in Paduvir-kottam for festivals, workin   |
| 363<br>364 | Do                    | ·     | ; :   | :: | Сьоји    | <del>[+</del> | Tribbuvanachakravartin Rajarajad6va  | 6th year  | Grantha<br>Tamil | ar our service called Gandagopalan, sandi and repairs, in the temple by Madu anthak Pottuppichoholan Manumasiddurasin Trunkalatuidevin alias Gandagopalan in the Sanskrit verse in praise of Tlanyadosiku.  |
| 365        | Do.                   |       | :     | :  | Pallava  | - ##<br>:     | Sakalabbuvanachakravartin Kopperunjin-   | ar, Kanyā,  | Do.              | Vayirappa-Nayakkui the Mahapradbana of Padiyari Pottapichcholan alias Ersiddarasan of Madurantaka (iff of Misheen and   |
| 366        |                       |       | :     | :  | Chola.   | <u>.</u>      | Farera.<br>Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva   | fu. di., Tharsday, panchami, Vigakha, 22nd year Mina, ba. di., triti[ya], |                  | by Arunagir-Perumal, one of the some femple by Arunagir-Perumal, one of the some of Pañchanadivana Nilagangaranyar who is called pillanyar (som).  Gift of 33 cattle and a lampedand for a perpebual lamp to the same among her very constructions. |
|            |                       |       |       |    |          |               |  | Friday, Svati.  |                  | piliai-Pandanayaka of Aranaiparan, one of the ministers of Iloysala Vira-Soméévaradévaran.  |

| . •  |
|--|
| ~≃   |
| ~  |
| 0  |
| Ģ  |
| 1  |
| ರಾ   |
| <del>,                                    </del> |
| ග  |
| -  |
|  |
| in   |
|  |
| Ö  |
| copie  |
| ٦.   |
|  |
| õ  |
| 9  |
| 780  |
| ons  |
| Ξ  |
| .0   |
| :3   |
| ਨ.   |
| .=   |
| -  |
| 0  |
| 00   |
| Q  |
| -  |
|  |
| a  |
|  |
| con  |
| تب   |
| 葱  |
| -7   |
| - 1  |
| ٠,   |
| $\sim$   |
| -  |
|  |

|     |                       |            |    |   |              |                     |   |  | ,                                       |   |
|-----|-----------------------|------------|----|---|--------------|---------------------|---|--|---|---|
| No. | Place of inscription. | necriptio. | ć. |   | Dynasty.     | -                   | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet.               | Кешатке.  |
| 367 | On the same side      | :          | :  | : | Chōļa        | : Tri               | Tribhuyanachaktavartin Kajarajadesa   |  | Tamil                                   | Gift of 33 eattle and one lumpstand for a lamp to the same temple by Konn Nayakui, one of the mudalis of Madurantha Tottappi chola Tirukkalattidova Gandagopala   |
| 898 | Do.                   | :          | :  | : | Do           |                     | . Do. :   | F. 6   |   | Gift of 33 eattle for a lamp to the same temple by Vellappegada Kani pilrakolu Gandani Irannan alian Purusha-   |
| 698 | Do.                   | :          | :  | : | Do.          |                     | . ·   | Saturday, Revail. 20th year, Mina, ha.   | . • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | naanlaka-setti. Giff of 11 cows for providing milk at the midnight service by Polaly-Dandsnayakan, one of the ministers   |
| 370 | Do.                   | :          | :  | : | Vіjауапаgага |                     | Virapratapa Krishnadéva-Maharaya  |  | De                                      | of Hoysuja Vira-Sonosyaratovirasi, Gift of the village of Pulumbaktam in Vadap[aj-nadu, a subdivision of Puttamir-kettera, a district of Padaivido- mira, in Layar condendialinimalialam, tor celebrating the   |
| •   |                       |            |    |   |              |                     |   | di., panchami,<br>Thursday, Svati.   |   | fegival in the month of Again, by Vyaga-Firtha a Madh-<br>fegival in the month of Again, by Vyaga-Firtha seems<br>vagaru), disciple of Brahmanya-Tirtha. Vyaga-Tirtha seems<br>to have out the village as a gift from Krishnaraya and the   |
|     |                       |            |    |   |              |                     |   |  |   | feetival was instituted in his name Vyasa-Trtha also made a gift of the serpent-vehicle to be carried in procession on  |
| 871 | J)o.                  | :          | :  | : | :            | <u></u>             | Tribhuvanachakravartin Konorinnaikon-<br>dan.   | 17th year, 353rd day.  | Do                                      | the \$10 day of light liberach. Gift of the village of Arpakham in Magaral-nada for conducting the daily expenses in the same temple. Garakharayan, Nigarilisolaphallavaraiyan sud. Nigarilisolaphallavaraiyan sud. Nigarilisolaphallavaraiyan sud.   |
| 872 | Do.                   | :          | :  | : | Choja        | - <del>!</del><br>: | Tribhuvanachakravartin [Kulo]ttouga-<br>Choladeva, 'who was pleased to take<br>Madura and the crowned bead of the<br>Pandya', | 17th year  |   | yen figure among the expandonce. Registers the total yield of paddy received from the lands of Arpakkam which was grantes to the same temple. The lands seem to have included those belonging to The lands seem to have included those belonging to Knigankian Volan. Atkondavilli which were separated from Anjalekam under the name Periya-Perumal-vilagam. |
| 373 | . Do.                 | :          | •: | : | Vijayanagara |                     | Virapratapa Achyutaraya-Maharaya  | Śaka 1461, Vikari,<br>Makara, su. di.,<br>pañohami, Wed-                                       | Grantha and<br>Tamil.                   | <u> </u>  |
| 110 |                       | :          | :  | : |              | :                   | Virapratapa Achyutadora-Maharaya  | nesday, Uthara. Bhadrapada. Saka 146 P2, Vikriti, Karkara. ka, ba. da, dasami, Rohiai, Wednes. | Jamii                                   | hardynnesty of the constant of the same individual for meeting the exponses on the [9] Ekanasi days and on the Kausi, ing the exponses on the [9] Ekanasi days and on the Kausi, hearing the Maria the endiurmasa (4 months) after hearing the Kausika Pirana. The fitchs of exvendiure included the presentation of a cloth to Van Satagopa-                 |
| 376 | 6 Do.                 | :          | :  | : | Do.          | :                   | V trapratapa Krishnadéva-Mahataya   | Gak. Saka 1446.<br>Tarana Rishabha, 1 Kridaw   | . Do.                                   | Jyar who seams to have read the Kausika-Purans.  (sift of land for efferings to the god Per-Arajajar by the king. The gaft was registered in the name of Sripati-Ayyan by the temple authorities.   |
| 376 | 6 De.                 | :          | :  | • | :            |                     | :   |  | Telnga                                  | . (diff of the village l'upaluru-agrabara for certain festivals to be conducted in the temple.  |
| 377 | 7 Do.                 | :          | :  |   | :            |                     |   | Saka 1649, Plavan-ga, Tai, 21, Friday, Uttara-Phalguni.  | . Do.                                   | Records certain privileges in the temple given to survivilyaya. Tirtha, a Madhya guru of Uttaradi-matha.  |
| 1   |                       |            |    |   |              | ٠                   |   |  |   |   |

| 9-cont.   |
|-----------|
|           |
| Ç         |
|           |
| e.        |
| ರ         |
| Ō,        |
| opie      |
| 6         |
| Ö         |
| <b>60</b> |
|           |
| .9        |
| <u>ت</u>  |
| Ta.       |
| '교        |
| nsor      |
| 8         |
| .=        |
| •         |
| ă         |
| Ö         |
| $\approx$ |
| 7         |
| ~:        |
|           |

| :   | 1                             | }        | ;     | į |                               |   | odboa sa casa  |                        | endersten en de en en en en en en en en en en en en en   |
|-----|-------------------------------|----------|-------|---|-------------------------------|---|--|------------------------|--|
| No. | Plane of inscription.         | ısoripti | ion.  |   | Dynasty.                      | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Кепыткв.   |
| 878 | On the same side              | :        | :     | : | Chois                         | Trfl huvannebakravartin Rajarajadeva                                      | 6th year   | Tamil                  | Records a gift of 32 cows and one bull for a perpetual lamp and 2,000 kn is of land for rearing two flower-gardens by Fadiyare Vaiynappa-Nayaka, one of the ministers of Madurantaka i Pottapparelogism alias Erasidad-Arasim of Nollar tas the correct of the correc |
| 379 | ľo.                           | :        | :     | : | <b>Vijay</b> an <b>s</b> garu | Virapratapi Venkațapatideva-Maharaya                                      | Saka 1527, Visv a. vasu], Karkataka, ba. di, dyadasi, Unesday, Rahim.        | Po                     | Registre an exchange of villages effected by Ettur Tiru-<br>malai Kumara-Tafacharya  |
| 380 | Do.                           | :        | :     | • | Do.                           | Virapratapa Śritangadeva-Mahataya   | Saka 1193, Angi-<br>rasa, Makara, su,<br>di., trayodasi.<br>Monday, Punar-   | Do. :                  | Registers a gift of 5 villages by the temple authorities for conducting the festival in the month of Nagazi for the merit of Achymapa-Nayaka, son of Adappun Sinns Sevvappa-Nayaka   |
| 381 | Do.                           | :        | :     | : | Do.                           | Viraprutapa Venkat-patideva-Madaraya, 'who instituted the elephant hun'.' | Saka 1814, Yanda-<br>ua, Rishabha, ba.<br>di, trittya, Müla,                 |                        | Gift of the village of Puttara partu to Ettar Trumalai Kumara-Tataoharya for conducting certain festivals in the month of Ari while the good was taken to the yagasala (within the templa of the not construct the templa of the not construct the Arrich have sent for  |
| 387 | Do.                           | :        | :     | : | Do.                           | Do.   | Saka 1617, Mumma-<br>tha, Simha, śu,di,<br>Taurņina, Sra-<br>vishtha, Satur- | Do                     | Registers a gift offand for ceitain festivals in the 16 pillared mandapa situated in the Visva-pandua-foppu to Visva-pandua-foppu to Visva-pandua-foppu to Visva-pandua-foppu to Visva-pandua-foppu to Visva-bandua-fopu agent of Etim Tirumalai Kamara-Tatacharya for the manit, state 18 for the manit, state the post to the for the manit, state the post to the for the manit of the for the manit as the left of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the for the manit of the forth of the fo |
| 88  | å                             | :        | :     | : | ů                             | Virapratapa.Srirangadêva-Mahārāya   | Saka 1496, Bhava,<br>Makara, su di.,<br>travodasi. Mon-<br>day, Punarrasu.   | Do, ::                 | Records the sale of certain services and the celebration of certain features along testivals in the temple to Tiruvengudesingkar along services. The property of the temple at Tiruppullari in Paudi-mandalah, by lytur Tirumalai Kumara-Tatacharya and others of the temple. There was another appointed but the order was enucelled sobsequently in frequent of the alove individual by Venkapari-   |
| 384 | ϰ.                            | :        | :     | : | . Do.                         | Virapratapa Aohyutayadeva-Maharaya  | Saka 1451, Virodbi,<br>Kumbha, su. di.,<br>Paurnima, Mriga-                  | Do                     | Gift of 14 villages by the king's own ment. In the temple for the king's own ment.   |
| 385 | On the south side of the same | de of    | the t |   | Choja                         | Tribhuvanachakravartin Rajarajadēva                                       | 14th year, Mine, ba. di., dvadasi, Vodnesday, Satabbishai.                   | Do                     | Gift of 10 Gandagopālan-madai for a lamp by Pothidevaya-<br>Nayaka, one of the servants of pillaiyar (son) Ganda-<br>göpala.   |
| 386 | On the same wall              | :        | :     | : | . :                           | Tribbuvannehakravartin Allum Tikka-<br>Maharaja Gandagoyaladeva.          | 6th year, Simha, su. di., Ashtamı, Wednesday, Anti-                          | Do                     | Gift of 25 made for a lump by a native of Kollmann (Kollam?) in Mel-mandalam. Refers to the 2nd year of the chôle (?) king and gives 39 panum as equivalent to 4 made.   |
| 387 | Do.                           |          |       |   | •                             | :   | 20+1st year  | Do                     | Records an order of Madurāntaka Pottappiehebidum. Registers the exemption of taxes on the lands forming the flower-garden of Arnhahamatha in Padaiyona alias Devapperumilablor in Ugentkatta köttum. Rajagundagopabun igunes as the signatory in the end.  |

| 22                    |  |
|-----------------------|--|
| Š                     |  |
| -cont.                |  |
| in 1919               |  |
| <u>ت</u>              |  |
| 5.                    |  |
| _                     |  |
| Д                     |  |
| -                     |  |
| $\Xi$                 |  |
| · <u>ặ</u>            |  |
| 5                     |  |
| Ō                     |  |
| o inscriptions copied |  |
| 5                     |  |
| Ť                     |  |
| ۵.                    |  |
| 7                     |  |
| 8                     |  |
| ä                     |  |
| c                     |  |
| Ξ                     |  |
| 40                    |  |
| BStone                |  |
| 1                     |  |
| ~:                    |  |
| -                     |  |
|                       |  |

| 8 On the south side of the same C 'rook'. 9 On the same wall   | \· X         |             | Place of inscription. | ription. |            |          | Dynasty. |          | King.                                | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|--|--------------|-------------|-----------------------|----------|------------|----------|----------|----------|--------------------------------------|--|---------------------------|--|
| Bo   Direction wall   Direction   Rajarkjadeva   Chib wat   Direction   Dire | 388          |             | south side            | of th    | . SATE     |          | оја      | _ [5]    |                                      | Za rd year, Sunha,<br>ha. di., dvadasi,<br>Wednesday, Push-  |                           | Gift of coas for half a lamp by a lady residing in Vadavür in the templa of Aralyla-Perumal at Kanchipuram in Pyinkotjann, a dattict of Layangon desigano undalam.   |
| 14th Year, Macha,   15th Year, Macha,   15th Year, Macha,   15th Year, Macha,   15th Year, Macha,   15th Year, Macha,   15th Year, Macha,   15th Year,   15th Y | 6 <b>8</b> 8 |             | same wall             | :        | •          | <u> </u> |          |          |                                      | ya.  |                           | Gift of hand in Strikango itagam ir. I bagalanda-Cholana<br>im, a bandet of Rajenda-Chol schreaevedin chealam, fe  |
| Discrete  | 390          |             | Do.                   |          | •          |          |          |          | :                                    |  | 1)0                       | manutally of magnetic theory of the continuous of the continuous of the continuous of the continuous of the continuous continuous of the continuous contin |
| 10   10   10   10   10   10   10   10  | 391          |             | Do.                   | •        |            |          | :        |          | :                                    | dassun, Dhanistha,<br>Dhanus, bar di., tra-<br>yodasi, Wednes-<br>day, Jyeshtha.   | Do                        | Paragraphy of the form of Aggraphy of the femper of Aggraphy of the by Metherstrands Pottepps  |
| 903         Do.         Tribhuvanachkravartin         Vijnyn-Gaede-         8th year. Kumiha, Numbar. Kumiha, Numiha, Numbar. Kumiha, Numiha, Numiha, Numiha, Numiha, Numiha, Numiha, Numiha, Numi   | 397          |             | Do.                   | :        | :          |          |          |          | ibhuvanachakravartin Rajarajudeve    | 18 ltb year, Mina, bat, di., pañebarni,  | :                         |  |
| Book    | <b>6</b>     |             |                       | :        | , <b>:</b> | :        | :        | <u> </u> | a                                    | - <del>2</del>   | :                         |  |
| 10   10   10   10   10   10   10   10  | 63           |             | Do.                   | :        | :          |          | :        |          |                                      | Monday, Pushya.  | Do                        | (iith of the village of Uhk J abus Vikremabharana-chaft vedimongalam for conducting the service called Gang constant-send), fegurals and repairs in the same temple  |
| 396         Do.         Chola         Tribhuvanachakravartin Rajatajadova         22nd year, Vride ohika, ba. di., saptan¹, Makba.         Do.         Gift of a samp by Ira saptan² devan.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Do.         Gift of a samp by Ira saptan²         Do.         Do.         Do.         Do.         Do.         Do.         Do.         Do.         Do.         Do.         Co.         Co.         Co.         Co.         Co.         Co.         Co.         Co.         Co.         Co. </td <th>ž</th> <td>10<br/>0</td> <td>Do.</td> <td>:</td> <td>:</td> <td>:</td> <td>:</td> <td></td> <td><b>:</b></td> <td>:</td> <td></td> <td>the chief mentioned in No. 252 above. The giff was ma<br/>in the Joth vear of Rajarajadeva.  Giff of the village of Padacpenya alias Devappernanallar in Kainyan-ketiam for conducting the service calliable in Kainyan-ketiam for conducting the service calliable. Activities and repons by Madaur taka Pottappichrolan Masamasiddarseau. Tirukkalaliable Pottappichrolan Masamasiddarseau. Tirukkalaliable in Ansamasiddarseau.</td>  | ž            | 10<br>0     | Do.                   | :        | :          | :        | :        |          | <b>:</b>                             | :  |                           | the chief mentioned in No. 252 above. The giff was ma<br>in the Joth vear of Rajarajadeva.  Giff of the village of Padacpenya alias Devappernanallar in Kainyan-ketiam for conducting the service calliable in Kainyan-ketiam for conducting the service calliable. Activities and repons by Madaur taka Pottappichrolan Masamasiddarseau. Tirukkalaliable Pottappichrolan Masamasiddarseau. Tirukkalaliable in Ansamasiddarseau.  |
| 397         Do.         Gift of (the vellege branch)           397         Do.         Taylatari, Makha, Tai 2         Do.         Taylataring of the vellege branch bright of dayly brings and branch brighted branch.         Chôla         Triphayanachakarantia Rajarajadéva.         Saka 1590, Pringala.         Do.         Tanil         Trail of (the vellege branch) branch.         Tanil <th< td=""><th>a</th><td>90</td><td>Do.</td><td></td><td>:</td><td>:</td><td>Сhõla</td><td></td><td>l'ribhuvanachskravartin RajaiBjadova</td><td>year, y</td><td></td><td></td></th<>   | a            | 90          | Do.                   |          | :          | :        | Сhõla    |          | l'ribhuvanachskravartin RajaiBjadova | year, y  |                           |  |
| \$98         Do.          Choila          Tribhuyanachukravartin Kajarajadéva         \$5aka 1599, Pingala, Sn. di., Pamil.         Grantha and Records The Pulying Srmilar  |              | 161         | Do.                   | :        | :          | :        | :        |          | :                                    | r, Na  | Do.                       |  |
| 899 Do Chôla Trìthhuyanachaktevatin Rajardjadéva 22nd yeat, Makara, Valluva-nadu, a dis Nadhara, Valluva-nadu, a dis Valluva-nadu, a di          |              | . 86<br>••• | Do.                   | :        | :          | :        | :        |          | :                                    | Saka 1599, Pingala,<br>Kartugan, su. di.,  | Grantha<br>Tamil.         | Records the purpleges given to Strangacharya, son<br>Vadibbik na Srinivaseguru of Srivatea-gelta, in<br>temple of Beverppe unal.   |
| 400 Do  |              | 868         | Do.                   | :        | :          | :        |          |          | Pribhuyanachakravartin Kajardadeva.  | day, Stavane<br>22nd vent, Makara,<br>ba di, panchami  |                           |  |
|  |              | 00          | Do.                   | :        | :          | :        | Do.      | :        |                                      | venterally we will the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of the transfer of transfe |                           | Gift of ? lamps by<br>Peramal.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| :                   |                       |        |          |                  |                |     |  |  | orte.                  |   |
|---------------------|-----------------------|--------|----------|------------------|----------------|-----|--|--|------------------------|---|
| No.                 | Place of insoription. | insori | otion.   |                  | Dynasty.       | ty. | King.  | Date.  | Language and "Iphabet. | Remarks.  |
| 401                 | On the south          | side   | of<br>th | side of the same | Hoysaja        | :   | Vire-Vallejadeva III                         | Bhavaka, Tai, 2  | Tamil                  | Records that Kampaya-Dannayaka agreed to conduct cortain festivities in the grove called Ninattadumuditta-  |
| 402                 | On the same wall      | :      | :        | :                | :              | _   | Tribhuvanaohakravartin Konerinmaikon-<br>dan | 26th year, 79th day.   | Do                     | Forumal-Unritoppu instituted by Bohchaya-Dunnayakkar<br>while Vira-Vallaladeva was camping at Kańchipuram.<br>diff of land free of tuxes in the village of Solamangalam   |
| 403                 | Do.                   | :      | :        | :                | Chola          | :   | Chakravartin Kulottunga-Chöladeva            | က်   | Do                     | the expenses of the Arnalda-Porumal lemble.  Gift of land as developed in the Arnalda-Porumal lemble.   |
| <b>4</b> 0 <b>4</b> | Do.                   | :      | :        | :                | Do.            | :   | Tribhavanachakravartin Rajarajadeva          |  | Do                     | Alvar. Ciff of the village of Tirayalam in Blavar-nadu, a sub-  |
| 405                 | Do.                   | :      | :        | :                | :              |     | Tribhuvanaobakravartin Vijaya-Gandago-       | 21st vear, Kumbha,   | Do                     | urvision of Fritingia by Inapdinagopa Jugadobbaganda Goppaya-Pandanayaka, son of Malla-Dandanayaka, one of the feudatories of Vishanuvardhena Vina-Narashingadova.  Gift. of lamp by Gunda Singapperamal alias Abbinava-Bang Artis-Bang of Velichcheri. |
| 406                 | Do.                   | :      | :        | :                | Chola          | :   | :  | Sunday, Fushys.  | 1)o                    | with the historical introduction ' uses   |
|                     |                       |        |          |                  |                |     |  |  |                        | and for that the maintenance of a matha in the temple of Arujaja-Perumal. The record hears an introductory remark that it registers a gift of land for feeding Srivalshayawa Brihmanawho cancer withous man the manifest of Maria.                      |
| 407                 | Do.                   | :      | :        | :                | Do             | :   | Tribhuvanachakravariin Rajarajadeva          | 27th year, Mins, su. di., ashtami, Saturday, Mriga-                      | Do                     | Strilango alias Valeran Muvendavelan.  (liff of 33 cattle and two lamp-stands for a lamp by a native of Inuadikkulal Mallaippalli in Maiai-mandalam to the same town.)  |
| 408                 | Do.                   | ;      | :        | :                | Do.            | :   | Do   | struha.<br>14th year, Mina, Su.  | Do                     | 3   |
| 403                 | Do.                   | :      | :        | :                | :              |     | Tribbuvanachakravartin Vijaya-Gandago-       | day, Pushya.<br>23rd year Richabha.<br>su. di Saturday.                  | Do                     | Dapdanayaka, the minister of Hoyeala Vishinvardhana Vira-Narasingadova. Gift of 33 cattle and a lamp stand for a lamp by a native of  |
| 410                 | Do.                   | :      | :        | :                | C <b>b</b> 5]8 | :   | Pribhuvanachakravartin Rajarajaddva          | shadsai, Hasta.  | Do,                    | Chiffe of 23 worlds, evel a boson committee of the  |
| 411                 | Do.                   | :      | : .      | :                | Vijayanagara   |     | Virapratapa Krisbņadēva-Mabāraya             |  |                        | Karatyapul) (Van Sedagopapuran to turning canadae   |
| 412                 | Dø.                   | :      | :        | •                | Ďo.            | :   | Do   |  | Telogu                 | for offerings and for Biahmanas by Appā-Piljai, This land seems to have been handed over to have by Narasinga-raya-Maharaya.  Gift of silver ve sals for efferings and bath.  |
| 418                 | Do.                   | :      | :        | :                | Do.            | :   | Do   | śu. di., Friday,<br>Sravana.<br>Saka .446, Tarana,<br>Mārgasira, ba.di., |                        | Gift of a jewelled pendant by Rayasan Srhutayya.  |
|                     |                       |        |          |                  |                | -   |  | Monday, Sravana  |                        |   |

| 1919-cont.   |
|--------------|
| in.          |
| pied         |
| 9            |
| tions        |
| e inscriptic |
| Ε.           |
| Stone        |
| $\infty$     |

| On the sume wall  | Z           | Place of in  | o the inte |        |             | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , | ***  |   | Longitude                                 | :  |
|---|-------------|--------------|------------|--------|-------------|---------------------------------------|--|---|---|--|
| On the same wall Chôta Trìbu ramohakravarin Rajarajadera 17th sea. Visichia, sa. di., Januila, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. Visichia, 17th sea. 17th sea. Visichia, 17th sea. 17th sea. Visichia, 17th sea. 17th   | 5           | Tr to pont t | orad rost  | ji.    |             | Lynasty.                              | King.  | Date.   | alphabet                                  | . Көшаткя,   |
| Do Chôle . Trìbu ranachakravartin Kajarajadera . 17th lear Vrischika, Dr  | <b>717</b>  |              | of the sa  | me 'ro | ) ok        | •                                     | :  | Saka 1419, Vyaya, Ashadha, su, di.,                           | Telugu                                    | Gift of 10 made by Narapparasayya, agent of Ravagam  |
| Do Chôta Tribuvanchakravarin Kajarajadera 17th tear Vriechka, Dr 65 (15 kg  | 415         |              | :          | •      | :           | :                                     | :  | 6, Monday.  | Temil                                     | Records the gre of the village of Tradition Madurantaka Fortappichehola Trukkalattire a alias Gandagogaladees  |
| Do. Triburanchaktravarlin Kajarajadora 17th, eer. Vrjechka, Du. Ckdiss, Do. Triburanchaktravarlin Tribuvanavna 35th ver. Vrjechka, Du. Ckjelon, Karuvur and the crowned head day. Virght for the Padyla, was pleased to perform the anoitment of heroes and the smoint the anoitment of victors.  Do Vijeyansgara Virapratapa Krishnadova-Maharaja Siska 1449, Sarra-Do Di. Du. Di. Di. Di. Di. Di. Di. Di. Di. Di. Di  | •           |              |            |        |             | •                                     |  |   |   | for otherness and working to the god and for repairs to the temple of Kalamegha-Perimal in Kandaravity, ettai alias Gandagopala ilmaturcedroairax in in the district of the district of the district of the district of the other in the district of the other in the district of the other in the district of the other in t |
| Do Do Tribhuvanavhn. 35th year, 205th Do  | <b>4</b> 1  |              | :          | :      |             |                                       | Tribuvangchakravartin Kajarajadera   | 17th 16ar. Vrischika,<br>ba. di., okadasi,<br>Wedneeday, Has- | Do  | one 2-in year of rajurajanova. Giff of two Junip-stands and T. cows and one bull, by Tyrgasundrepatayar Bhuranasa, one of the madalis of Madagaranas a fortameheliolan Tirnkhaldtillova alias  |
| Do Vijayanagara Virapratapa Krishnadora-Maharaja Saka 1449, Sarva Do Vijayanagara Virapratapa Krishnadora-Maharaja Saka 1449, Sarva Do  | <b>21</b> # |              | ••         | :      | :           |                                       | Tribhnvanchaktavartin Trikbuvanavhadeva, who having taken Madura, i lam (Ceylon), Karuvur and the crowned head | ta.<br>35th year, 205th<br>day.                               | Do  | Gandagopaladava for a perpeta il lan.p. Records the git of houses and lands to 200 persons who serve the god and who are called 'Tribhuvanavirage podyvian.  |
| Do.   1973 sing gara   1184 prata pa   1718 | 418         |              |            |        |             |                                       | of the Fandya, was pleased to perform the anointment of heroes and the anointment of victors.                  | ,   |   | •  |
| Do  |             |              | :          | :      |             | vijayanagara                          | virapratapa Kiishnadova-Maharaja   | Saka 1449, Sarva-   | Do  | Gift of money for the daily sample, for use in the founde of   |
| Do Vijayanagara Vrapratapa Venkatapatideva. Maharoya, Saka 1513, Khara, Do D  | 416         |              | ;          | :      |             |                                       |  | pt. Mina, su. di.,<br>suttami, Wednes-<br>day, Robini.        | i   | two snoot threads (vii) jope 11.7, champaka flowers and one lime fruit to adhikaran Na apparasaya, a by Kayasan Ayyaparasaya, son of Gottimbkhil Thomasas.   |
| Do Vijayanugara Virapratapa Venkatapatideva-Maharaya, Sako 1513, Khara, Do U.  Who instituted the elephant lunt. dviitya, Tuesday, V.  Tuehya, Tuesday, V.  Virapratapa Achyutayadeva-Maharaya. Saka 1459, Hevi. Do Gijannhi, Ohanua, fu. dviitya, Tuenday. Pushya.   |             |              |            | :      |             | •                                     | •  |   |   | Records an order of Madurantal a lentapiologian and the gift, free of all taxes, of the village of Trikinikunal in   |
| Po. Vijayanagara Vrapratapa Venkatapatideva-Maharaya, Śaka 1513, Khara, Po. Who instituted the elephant lunt. Dhanu, ba. di., dvitya, Tuceday, Pushya.  Do. Virapratapa Achyutayadeva-Maharaya. Śaka 1459, Hevilon. Johanus, śudhya.  | 42(         |              | :          | :      | :           |                                       |  |   |   | Nivelur-nade in the district of Uprubbattu-köttam for conducting the Arpan-festival and the service called Rajagandagog alan-sandi.  |
| Po. Vijayanagara Vrapratapa Venkataputideva-Maharaya, Śaka 1513, Khara, Po. Uhanur, ba. di., dvittya, Tuesday, Puehya.  Ilo. Virapratapa Achyutayadeva-Maharaya., Śaka 1459, Hevi. Do. ianih, Ohanus, 60. di., trayodasi., Monday, Pushya.  |             |              |            |        | <del></del> |                                       | :  | :   | <br>• • • • • • • • • • • • • • • • • • • | Damagod at the end. Records in order of Madurantaka-<br>Jortappichologia, Giff of the a talage of Atlantius, free<br>of trace, in Navialmental in the James of the less.   |
| 10. Do. Virapratapa Achyutayadera-Maharaya Śarka 1459, Hevi- Do. ianihi, Dhanue, 6u. di., trayodasi Monday, Pushya.   | 42          |              | :          | :      |             | Vijayanugara                          | Virapratapa Venkatapatideva. Nahareya,   | Saka 1513, Khara,   | Do  | kottem for conducting the Act-lestival and the service cilled Rajagandagoptlan-sandi.  Oift of land in the Brahman viilige of 3 arganether alias   |
| 110. Trapratapa Achyutayadēva-Maharaya Śaka 1459, Hevi. Do Gilanhi, Uhanus, sa. di., trayodasi. Monday, Pushya.   |             |              |            |        |             |                                       |  | dvittya, Puenday,<br>Puehya,                                  |   | Edwardiadrap new for conducting the festivals fini-<br>vedlyanan-indaryavansnappu and Ulagamunds-pennyayan-<br>shapp in the month of Margali to Nallanmangan, a fis-   |
| 170. Virapratāpa Achyutayadēra-Maharāya Saka 1459, Hevi. Do Jan.hi, Dhanus, su. di., trayodasi, su. di., trayodasi, Monday, Pushya.   | 422         |              |            |        | <del></del> | ć                                     |  |   |   | of Anman Ap sayyangar, son o Pattangi Periya-Perumaj<br>by Vista-Pandidar, agent of Patin Tramadar Kumara-<br>Halacharya, o se of the managers of the Arnbaba-Panmaj<br>Femile.  |
|   |             |              | :          | :      | :           |                                       | ' irapiatapa Achyutayade <b>ra-M</b> aharaya   |   | •   | Gift of money for offerings to be offered when the god is seated in the mandapa of the Hamman temple in the Samuchi street by Kandadai managi Kareanuja Avven.   |
|   |             |              |            |        | <u>i</u>    |                                       |  | Moddey, Pushys.   |   | gat for the merit of Periya Tremnalaiya-Mahāvaya, who is oalbed Mahamundalesvara Chelukkarāja.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont

| 1            |                                     |          | suond resemble to some till some of                 | concernstations copied in 1919—cont  | 7111             |  |
|--------------|-------------------------------------|----------|---|--|------------------|--|
| N.           | Place of inscription.               | Dynasty. |   | Dute.  |                  |  |
| 423          | On the south well of the            |          |   | 1  | alphabet.        | Romanks  |
| -            |                                     | :        | :   | 0. ~2  | (fam)            | In modern characters. Records that Govindacharya, son of Pra'tyadibhayankana kengacharya, is enteled to receive  |
| 424          | On the same wall                    | :        | Alangher 2ndsha Mahamadsa of Delhi                  | day. Saka 1645, Soblia-<br>krit. Bishabu.  | υ <sub>ο</sub> . | femple, In modern changed Scene to recover the transfer of the transfer of the transfer to the transfer to the transfer  |
| 425          | On the west wall of the same 'rook' | :<br>:   | :   | Monday, su. di.,<br>Saptuni, Makha.<br>Saka 1636, Jaya,  | Grandha          | rapser Stakkonoray or<br>the Sarva-totha and<br>Sadullakhan Bahadar w  |
| 426          | On the same wall                    | :        | Pribhuvamachakravartin Vijaya Ganda-<br>gobaladova. |  |                  | = 3  |
| 427          | Do.                                 | Сһојн    | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva                 |  | :<br>-<br>-      | of Vehrenach.  |
| 428          | . Bo                                | :        | <br>  | su. di , janjohani,<br>Friday, Revati,<br>9th year, Dhanas,<br>su. di., ckadasi,<br>Sunday, Bharani, |                  | Giff of land to the temple by a native of Panaragudi in<br>Vallivale-kurrani, a sub-division of Aremoldeva-vala-<br>natdi, a district of Saliz-mandalan.<br>Giff of 17 dandisopalan-madal come, then current, to the<br>some temple by Vallifunal Apparaga, son a Endonna-   |
| 687          | Do                                  | :        | Do.   | 20th year, Kumbha.   | ģ                | for of Tyagasamudrappattar. The money was held in thus by the residents of Amaria Tempary ar-kettem, a district of dramgened solis-mandalam.   |
| 430          | Do                                  | :        |   |  | :                | terit of 33 cathe for a bring by a native of Malaiya-<br>mandalam.   |
| 431          | Do                                  | Choja    | Tribliavatachakuavarim Ratarasadas                  |  | Tanil verse      | Records the gift of gold (yajhopavita) thread and ten-<br>perpetual langs to the cod Vishin of Attryuchy Kalingar-<br>kõn.   |
| 433,         | 1)0.                                |          |   | Zhd year T   | Tanil            | Registers that a lady Porarnialan Kopyi, daughter of Setta-<br>ha Pennian of Kuttanin nade a will that 100 kull of<br>land purchased by the sale of her jewels will be in her<br>enjoyinent during her life time and that it will belong to<br>the temple after her demise.  |
|              |                                     |          |   | ·<br>·   | Do               | of Madurantske-chaturedgalam, the northern hamlet of Madurantske-chaturedjanapadam, to conducting the festivals in the months of Adu and Puratics and the service called Gandrelandsmessard, and a very contract of the conductive and the service called Gandrelandsmessard; and a very contract of the conductive and the conductive and contract of the conductive and the conducti |
| <b>4.</b> 33 | Do                                  | Chôla    | Tridunyanachakravartin Rajarajadeva 91              | 9th year   | ;<br>;           | of Rajarajadov c. C. Manumasidarasan in the 15th year of Rajarajadov c. Ciff of Sanomasidarasan in the 15th year (fift of 96 sheep and a rain for a lamp by a native of Varagu alas Magyasoly-charary chinaing dam, an independent y llage (fanyum) in Yadoo of Varagu.  |
|              |                                     |          |   |  |                  | a sub-division of Nadavu-nedu dass Rajarajasv denadu,  |

| 1919—cont.  |
|-------------|
| in          |
| opied       |
| ptions      |
| inscription |
| -Stone      |
| B           |

| ļ   |                                       |                    |   |  |                        |   |
|-----|---------------------------------------|--------------------|---|--|------------------------|---|
|     | Place of inscription.                 | Dymaty.            | Ring.   | Date.  | Language and alphabet. | Кетатки.  |
| 10  | On the south wall of the same · rook' | :                  |   |  | Tamil                  | Gift of the village of Vayabuyarranchuding Paduchoberi, free of tax.s, for conducting the festivals in the months of Adi and Purathadi and the service called Gandagopalanganti by Machunantaka Pottappichebeia Manumassidarasan Triukkalattidevan Gandagopalan in the 15th year of Ranarajadéva. |
| 0   | On the same wall                      | Chōla              | Tribhuvanachaktavartin 'Tribhuvanavira-<br>deva, 'who having taken Madurai, Jaum<br>(Ceylon), Karuvūr and the crowned head<br>of the Pandya, was pleased to perform<br>the anointment of heroes and the anoint- | 36th year, Kanya,<br>12, Sunday,<br>Mrigasirsha, sap-<br>tami.         | Do.                    | Gift of 13 cattle for a lamp to the same tempte   |
|     | Do.                                   | Do                 | ment of victors.  Parakésarivarman alias Tribhuvana- chakravartin-Vikrama-Choladeva.  | 9th year   | :<br>â                 | Begins with the historical introduction 'yor grammer', etc. (lift of 96 sheep for a lamp by a native of Signamor in Vallanadu, a muddivision of Venkujiga-köğğanı.  |
|     | Do.                                   | Do. :              | Tribhuvanachakravartin Kajarajadéva   | 20th year, Mina,<br>ba. di., ēkādusi,<br>Wednesday,                    | Do. :                  | Gift of 12 buffaloes for hand by a native of Nelbrin<br>Pattalya-nadu.  |
|     | 1)0.                                  | :                  | :   | סרוי אחת.  | Do                     |   |
| 887 | Ъо                                    | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Krishnadéva-Maharaya  | Saka 1449, Sarvajit,<br>Dhanus, Su. di.,<br>paurmami, Satur-           |                        | tift of money for offerings and for Dhanumasa worship in the month of Margali, by Vengadattar, mother of Muñjai Raghava Panditar.   |
| 071 | Do.                                   | Chola              | Parakésarivarman alias Tribhuvanu-<br>chakravartin  |  | 1)0.                   | Incomplete. Begins with the words 'gorgeterr', etc., the historical introduction of Vihranne-Chôla. Records a sale of land, free of taxes, for offerings, in the villages of Ariasimalian separated from Peynambakkam and Vagamanniakkam, the northern hamlets of Madurantaka.                    |
| #   | Do.                                   | :                  | Tribhuvanachukravartin Allantikka-<br>Maharaja Gundagopaladova.   |  | . Do                   | chaturvedimangalam. Gift of 1,750 Nellin-padu-nadar coins for purchase of land for offerings by a merchant of Karayappalli in Malaimandalam.  |
| 443 | 01                                    | :<br>              | :   | Uttarāsbādbā.  | Do.                    | Records an order of Madurantaka Pottappicholan declaring a gift of 18 veli of land stipulating that such of the land as can be converted into a flower-garden should be so a can the remaining northern being enjoyed free of   |
| 448 | . Do.                                 | Vijayu-<br>nagara. | Virapratspu Sadasivadeva-Maharaya   | Saka 1484, Dun-<br>dubhi, Mithuns,<br>bu. di., trayo-<br>dasi, Monday. |                        | taxes by the devotees in charge of the flower-garden. Gift of the four villages. Nedwigal, Karumbakkam, Mambakkam, and Saikaricharyaporan alias Suruțțil by Alagiyamaņavaļa-Jīvai, the kelvi of Periyakoyil.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|     |   |                    |   | -  |                           | The state of the s |
|-----|---|--------------------|---|--|---------------------------|--|
| No. | Place of inscription.                         | }ynasty.           | King.   | Date.  | Language and<br>alphahet, | Вепаткв.   |
| **  | On the west wall of the same, ook             | :                  | :   | [19th year], Mina,<br>su. di., panchami,<br>Wednesday,<br>Rovatt.                      | Grantha and<br>Tamil.     | 2  |
| 415 | On the same wall                              | Chola              | Rajurajudova  | 20th year. Adi, 12,<br>saptani, Mon-   | Tanil .                   | Records the gift of 128 cows and 4 hulls by Kalingesvara-Aniyang, Bhimudeva Rahuttu for four perpetual lamps in  |
| 446 | Do.   | :                  | Ga <b>ņ</b> da <b>g</b> ōpāla   | day, Asvad. Saka 1163, Mithuna, ba. di , panchami, Sunday, Dhani- shtha.               | Grantha and<br>'I are II. | _35  |
| 447 | Do.   | Vіјауа-<br>падвга. | Virapratāpa Sadābivadova-Vahaiaya   | Saka 1480, Kala-<br>yukti, Karkataka,<br>ba. di., saptami,                             | Tamil                     | Gandagopalan, Records a gift of land by Alagiyanaanavala Jiyar mentioned in not 443 ahore for offerings. Mentions the shine of Tondaradippout. Alyar and Pratapadevarajendram  |
| 448 | Do.   | 1)0                | Do.   | Thursday, 'Revail.<br>Sake 1482, Bandri,<br>Tula, su. di.,                             | Do                        | Alias/Fitralapurum  Records a gift of land tor offerings by the same individual.  Mentions the shrines of Alagiyasingar and Truppa-palarar.  |
| 419 | On the west and south walls of the same rock? | Dα.                | Virapratapa Achyutayadeva-Maharaya  | Sravana.<br>Saka 1462, Vikriti,<br>Karkataka, su. di.,<br>navami, Visakha,<br>Monday.  | Grantha and<br>Tamil.     | <u> </u>   |
| 450 | On the north wall of the same Pallava 'rook'. | Pallava .          | Sakalabbuvanachakiavartin Köppe<br>ruñjińgedeva.  | illjth year, Karka-<br>faka, 6u. di., pañ-<br>chami, Monday,                           | Tamil                     | Chandragur-rajya.<br>Gift of a lamp by a Nayaka of the Malai-mandalam.   |
| 451 | On the same wall                              | Choja              | _ <del>[</del>  | Uttara-Fnarguni.<br>37th year, Kumbha,<br>23. pañchaol,<br>Sunday, Purva.<br>Phalguni. | Do                        | Gift of a lamp and a lamp-standito the same temple by Eranjyakka Manavatan of Karāyapalji in Makai-manda-lam.  |
| 452 | Do.   | Do                 | <u> </u>  | 26th year, Chittirni.  | Do                        | Gift of 32 cons and one, bull for a lamp to the san e temple by a native of Airjurnallappadi'in Sengunra-nadu, a subdivision of Kalattur-köttan, a district of Jayangonda-   |
| 458 | Do.   | Do                 | Pandya.' Tribhuvanachakravartin Kulöttunga-Choladera, who was pleased to take Madula, Ilam (Ceylon), Karuvur and the arowned head of the Pandya'. | 30th year, Karka-taku, 22, Asvati,   | Do                        | 60.14-mandalum<br>Gift of 15 Blujabalan-Annanarigakāraņ-madai (coin) for a<br>kunp by Pokaņi [Pu]doli Reddi of Śavukkaņseruvu in<br>Muņda-nādu, a subdivision of Nellar-nadu.  |
|     |   |                    |   |  |                           |  |

B.--Stone inscriptions copied in 1919--cont.

| No.        | Place of inscription.                 | Dynasty. |             | King.   | Date.   | Language and alphabet. | pu . | Remarks.  |
|------------|---------------------------------------|----------|-------------|---|---|------------------------|------|---|
| 197        | On the north wall of the same 'rook'. |          |             | :   | :   | Tamil                  | :    | Giff of the villages of Amedinallur alias Anavaratasundara-<br>chaturvedinangalum and Akkaramérpakkam in Payyur-<br>kéttum for conducting the service called Gandagépalan-<br>sandi and for festivals in the temple by Madurantaka<br>Pottuppichélan Manumasiddarusang Tirukkajatideva alias<br>(sandugépala, in the 18th year of Rajarajadeva,<br>It is also si tied at the end that in the 14 + 1st year of<br>Permaal Sundara-Pandyadeva, the village Akkaramer-<br>pakkam was exclusively assigned for the honefit of the |
| 455        | On the same wall                      | Choia.   | Tribh       | Tribhuvanaohakravartin Rajarajadeva   | 18th year, Makare,<br>fu. di, navami,<br>Tuesday, Krittika. | Do.                    | :    | Ferninal. Gift of 132 sheep for a lamp to the same temple by Siddappa-Nayaka of Vingamalai in Pattai-nadu of Vingamalai in Pattai-nadu of the same is of Gandagalar of Tyagasamudrapattai, one of the sanda   |
| 456        | ъ.                                    | Do.      | Tribl       | ohakravartin Kulottunga-<br>t, 'who was pleased to take<br>nd the orowned head of the | 2[9]th year   | 100.                   |      | Usir income of anymeter for a lamp by Peddarasan, son of Madurantaka Pottappieholan Nalkasiddarasan to the same temple.   |
| 197        | Do.                                   | Do.      | Pa<br>Tribl | Pandya.,<br>Tribhuvanaobakruvartin Rajarajadeva                                       | 16th year, Pu-<br>rattadi, 110, Sun-                        | Do                     | :    | Gift of 71 sheep, 31 goats and one ram for a lamp by a native of Segatific in the Nellore district.   |
| 458        | ъо.                                   | :        |             | :   | day, Uttarashadha.  | Do.                    | •    | Gift of the village of Madagammedu, a hamlet of Ukkal in<br>Kaliyur-kottan, for conducting the service called Ganda-<br>gopalan-sandi and for certam festivals in the temple by<br>Maduzuntaka Pottappicholan Manumasiddranisan Tiruk-<br>kalattidevan alias Gandagopala in the 18th year of  |
| 459        | Ъо.                                   | Chôla    | Trib        | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva   | 8th year  | Do                     | :    | Rajarajadéva. Gift of 32 cows, I bull and a brass lamp-stand for burning a lamp in the same temple by a native of Urukkadu in   |
| 097        | Do.                                   | • Do     | <u> </u>    | Do.   | 17th year, Makara,<br>fa. di., trayôdasi,<br>Sunday, Mriga- | Do                     | :    | Office of the control of the control of the control of the control of Nakkampandai of the weaver caste in Mayilappur, for burning a lamp.   |
| 461        | Do.                                   | :        |             | :   | sireha.<br>   | 1)0                    | :    | Gift of the village of Paiying alias Rajakean-chaturvedinangalam in Amur-köttam for conducting the service called Ganguagopatun-sandi, for feetivals and repairs by   |
| 462<br>463 | , O O                                 | D        | ::          | : :   | <u>:</u> :  | Grantha<br>Tamil       | ::   | Reductational conseppending in the 17th year of Rajarajadeva. Vers. in praise of Tatayadesika. Giff of the village of Mavandur including Erusevagaohobsti in Eriki, andu, a usb-division of Kaliyar-kettum, for conducting the service called Gapdagopstan sand repairs by the chief mentioned in No. 461 above in the 16th year of Rajarajadeva.   |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|      |                                       |                    |   | *   |                           | enter de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya de la companya  |
|------|---------------------------------------|--------------------|---|---|---------------------------|---|
| No   | Place of inscription.                 | Dynasty.           | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
| 464  | On the north wall of the same 'rook,' |                    | :   | :   | Tamil                     | Registers the gift of the village of Pudur including Vallaivayil, the northern hamlet of Madurantaka-chaturvedinangalum. The object of the grunt and the donor  |
| 294  | On the same wall                      | Chōļa              | Bajarajudeva  | 3rd year  | Do                        | are one same as in No. 203 at ove 1 he gift was made in the 16th year of Rajaraja down.  Unanaged at the end. Begins with the historical introduction in the Agarega of etc. (lift of 96 sheep for a lamply a   |
| ₽9₹  | .: .:                                 | :                  | į   | :   | Do. :                     | private individual.  Gift of the village of Manimangulam alias Gramskikhamani- chaturvedinangalam in Pulyur-kottam. The chject of the grant and the donor are the same as in No. 362 shove.   |
| 467  | Do.                                   | :                  | ÷   | :   | Do                        | Quotes the 16th year of Kajarajadova. Gitt of the village of Kundiyanortandalam in Kaliyur- kottam. The object of the grant and the donor are the same  |
| 468  | Ъо.                                   | Cholu              | Tribhuvansobakravartin Rajarajsedova                                  | (7th year, Mina, su.di., Pauraima, Saturday Uttara.                       | De                        | as in No. 362 above. Quotes the 16th year of Kajarajadeva. Cift of the village of Karanai in Kachohiyar-nadu for offerings in the temple by a private individual.   |
| 469  | Do                                    | :                  | ***   | Phalguni.   | Do                        | Gift of the village of Tiruningavar alias Virudarajabuyan.<br>kara-chaturvedinangalam in Pular-kotiam. The object   |
| 470  | Do                                    | ÷                  | :   | :   | Do. ::                    | of the grant and the name of the donor me the same as in No. 363 above. Quotes the 18th year of Rajarajadeva. Gift of the village of Vayabai [Far jvur in Eyil-köttann. 10. Orotom to 16th women.]  |
| 471  | Do                                    | Сьоја              | Parakesariyarman alias Tribhuyanacha-<br>krayartin Vikrama-Choladeva, | 17th year   | 100.                      | Quotes die 19th year of nathragatewe.  Quotes die 19th with a the historical plintroduction  'you quar , etc. Seems to record a gift of land for hathine with 81 not-fuls of water, the good Arulala.   |
| 472  | Ъо,                                   | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Aohyutadeva-Мићагаул                                      | Śaka 1454, Nanda-<br>na, Makara, 6u.<br>di., daśami, Mon-<br>day, Robini. |                           | Ferninal who was pleased to take his stand of Thinvistingin in Eyil-nadu, a subdivision of Eyil-kuthan, a district of Jayangcunda-solumendalam. Records an sgreenest by the trustees of the temple to Kanappa-settiyar, son of P ingaptas settiyar of the Vannikar-gofra to provide centum succeed efficient to the good on particular occasions for an amount of 100 |
| 47.9 | Do                                    | :                  | :   | :   | Grantha                   | pon deposited by him in the temp's treasury.  Records the construction by an individual, probably a king, mentioned as "Nardokayra", of the kitchen rooms, a mandan and the preham wells, the setting up of a   |
| 474  | ηο                                    | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Krishpadeva-Maharaya                                      | Śaka 1428, Dhatu,<br>Pushya, Pa. di.,<br>dvitiya, Wednes-<br>day.         | 'Pelugu                   | of a gol<br>and lun<br>mention<br>of 1,50   |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| ?                         | I ಕಿನ್≋ಾ   |   | the<br>the<br>the<br>coes<br>is<br>33  | चु भू भ   | 9 % P 7 5 7  |   |
|---------------------------|--|---|--|---|--|---|
| Remarke,                  | Records that the worshipful Kamulanandana Tatayya con-<br>structed all the necessary (wibana) vehicles for the god,<br>that he coven of the Kalyanaköti and Punyaköti vimanas<br>with thick cold ulates and that he day, a tank called | Devarajurnay for the god's delight. Gift of money for offerings on certain testival days. | Becords the assignment of all the taxes accraing from all the villages, except fifty per cent, of the local develant lands in Salukkippargu in Venkunga-kottam to provide for the expenses amounting to 3,000 pen required for the services called Virekoralan-sandi and Naravanna Anantan alias Sundara-Pandya Zalinganayan-sandi and for feeding 33 and 12 Brahmans respectively. Inanyacutta-nadu in Pāṇḍi-maṇḍulum and Tiruyāṇḍapuram are mentioned. | Given in Sanskrit verse the genealogy of the king and records in Panil that for the merit of his father Narasanayaka-Udaiyar and his mother Nagajianman he had the Punyakottevinana of the god gill with pure gold. | Registers an agreement given by the treasurers of the temple and the manager Fttur Tirumslai Kumara Tatacharya-ayyan to Toppur Tirumslai-Nayaka, the dalavay (military commender) under Mahammadalesrara Ramaraju Venkatapatidova-Maharaju, to provide certain offerings and worship to the gods Perarulalar, Ashtabhajat- | temberumân, Sonnava mamésydaperunal, the goddesses Perundeviyar and Sorakulavalli-nachebiyar and for certain Afars on certain festival days in return for 50 poin of gold which was the income derivable from the two villages, kavutanallar in Nagariyil-sirnai in Padaivilares, kavutanallar in Nagariyil-sirnai in Padaivilares, kavutanallar in Nagariyil-sirnai in Padaivilares, a subdivision of Jayunigoada-solumnidalam alias Tondai-mandalam and Senkupettuvar in Sengalumirabethu-sirnai in Chandragiri (-rafya).  The Sanskii verse praises the king's munificence to poets and the Tarii verse desoribes his prowess.  Records that Narusayya of Soluippakkam, son cf Virdpaksha Danayaka of ruhattur assigned to the temple authorities the income of the village of Palliohiruppakkam for conducting certain offerings to the god and also made porision for the supply of a portion of the prasada to hie son Chitamaraja. |
| and<br>t.                 | :  | :   | :  | and   | :  | a nd  |
| Language and<br>alphabet. | Grantha  | Tanil   | 00   | Grantha<br>Tumil.   | Tamil  | Grantha<br>Tamil<br>Tamil   |
|                           |  | 34, Angi-<br>Mina, su.<br>paurnima,<br>y, Hasta.  | 62]nd  | hava,<br>u. di.,<br>ednes-  | . Chitra-<br>Rishabha,<br>shashthi,<br>Makha.  | Khara,<br>a, éu.di.,<br>Friday,   |
| Date.                     | :  | ıka, 1434, Ang<br>rasa, Alna, su<br>di., paurnims<br>Sunday, Hasta.                       | a <b>r</b> , [1  | Mrthun, su. di.,<br>dasum, Wednes-<br>day, Uttira-l'hal-  | guni.<br>ika 1504, Chitra-<br>hhanu, Kishabha,<br>fu. di., shashthi,<br>Sanday, Makha.   | <br>ka 1463, Khara,<br>Ka <u>r</u> kutaka, su. di.,<br>desami, Friday,<br>Mūla.   |
|                           |  | Saka, 1434, Angirasa, Mina, éu.<br>di., paurnima,<br>Sunday, Hasta.                       | 4th year, [162]nd<br>day.  | Śaka, 1436, Bhava,<br>Mithum, śu. di.,<br>daśumi, Wednes-<br>day, Uttira-l'hal-   | gun.<br>Saka 1504, Chitra-<br>hbanu, Rishabba,<br>su. di., sbashthi,<br>Sanday, Makha.   | <br>Saka 1463, Khare,<br>Karkataka (u.di.,<br>dasami, Friday,<br>Mule.  |
|                           | <del>-</del>   | :   |  | *   | :  | raya  |
|                           |  | агауа   | Konérinmaikop-   | ya-Maharaya   | :  | Maharay   |
|                           |  | va-Mał  |  |   | :<br>gs  | ••<br>ad⊕va-  |
| King                      | ÷  | shpade  | ravarti  | ів ўпа ге   | [aharay  | a<br>dyntay   |
|                           |  | pa Krii   | асћа <b>к</b> т  | lps Kr  | deva-M   | sēkhare<br>Šps. A o'  |
|                           |  | Virapratapa Krishnadeva-Maharaya  | Tribhuvanachakravartin<br>den.   | Viraprat <b>a</b> pa Krishnare  | Śrirangadsva-Maharsy   | Virakulasekhara   |
| ~ <del>~</del> .          |  |   | Ē .  | <u>5</u>  | ν <u>α</u>   |   |
| Dynasty.                  | :  | Vijayana-<br>gara.  | :  | Vijayanu-<br>gara.  | Do.  | <br>Vijayena-<br>gara.  |
| Ω                         |  | · Vije  | :  | :<br>   | :  |   |
|                           | e 'rook  | :   | ·<br>:   | :   | :  | ·· •••••••••••••••••••••••••••••••••••  |
| iption.                   | (hе вып  | :   | ·<br>:   | :   | :  | . ee<br>. ee<br>. a ~   |
| Place of inscription.     | vali of t  |   |  |   |  | Do<br>On the base of the east<br>round the 'rook',  |
| Plage o                   | aorth w  | 8 <b>9</b> m <b>9</b> 1   | G  | Do.   | 0  | Do.<br>b base   |
| <i>(</i> -1               | On the north wall of the same 'rook'   | On the same wall  |  |   |  | On the  |
| No.                       | 475  | <b>4</b> 76   | 477  | 878   | 479  | 480<br>481  |
| , ;                       | 1  |   |  |   |  | 985, Home (Edn.)-7  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|             |   |                  |                    | -   | -   |                           |  |
|-------------|---|------------------|--------------------|---|---|---------------------------|--|
| i z         | Place of inscription.                                       | ion.             | Dynasty.           | King.   | Date.   | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| 783         | On, the base of the east<br>round the 'rook.'               | esst verandah    | Vijayana-<br>gara. | Virapratapa Sadasivaraya                                      | Saka 1470, Kilaka,<br>Simba, ba. di.,   | Tamil                     | End much damaged. Records the gift, by purchase, of the village Kadalir agrahatum by Sarappa nayaka, son of patta, who he is graphed.  |
| #<br>#<br># | On the same base  | :                | Рардув             | Jațavarman Tribhuvanaobaltravartin.<br>Vita-Paņdyadsve.       | nesday, Revatı.<br>8th year, Tula, ba.<br>di.,sbashthi, Wed-<br>nesday, Pushya. | ло                        | Topputational festivals.  Registers sale of one veli of land to: 200 pon to Nayanar Topputational festivals.  Topquinanar of Chakrapaninallur, in Servirar-nadu, a district of Fangli-mandalan, which was then presented by him to one Samutanarayanan for rearing a flower-garden for the god. The measuring rod nadu-alakkum-kol is mentioned. |
| <b>787</b>  | χο.<br>:  | :                | Vijayans-<br>gara. | Virapratapa. Sadā <b>di</b> var <b>a</b> ya-Maharaya          | Śaka 1466, Krodhi,<br>Vrisobika, ha.di.,<br>chaturdaśi,<br>Tbursday, Svati.     | . Do                      | Records a gift of gold by Chennayyangar, son of Timmay-yangar of Lallipadu, for certain repairs to a ruined tank called Poryamarnikhulam and for offerings to the god to be made in the garden adjoining, on four festival days.   |
| 485         |   | :                | Papage             | Tribhuvanachakravartin Sundara-Pandya-deva.                   | 13 + 2nd year   | Do                        | neut of Raja Ramaraja Ayan. Records gift, by purchases, by Madhusudanan Apateahayan alias Ramachandradeva, a resident of Servanuadevi in Pandi-unaquialan, of the village of Kauhanipangal alias Apateahayanallar in Shilukkipperin, a subdivision of Anabantangal alias Raturandini in Vanduria-katurana a district of Raturana.                |
| <b>4</b>    | .:<br>.:  | :                | Do. :              | •<br>Jakavarman Tribhuvanachakravartin<br>Sundara-Paņdyadēva. | 13 + 2nd yeur,<br>Chittirei.  |                           | Juyangopoda-solamandalam, to a matha for rearing a flower-garden and supplying daily three garlands to the god.  Damaged. Seems to record a gift of money by [Tri]parikkön Tayandala alias Viluppadarayan, a mangadi of liruna-valur in Timunnyan padi-nadu, a district of Naduvin-valur.  |
| 187         | On the base of the south verendah<br>round the same 'rook.' | th verandah<br>, | :                  | Tribhuvanachakravartin Könsrinmai-<br>kondan.                 | 13 十 let year and<br>76th day.  | Do. ::                    | in the good.  Becords the gift, free of taxes, of the village of Alattur in Uttanumentrangul, a subdivision of Iranbeda-nadu in Venkunga-koţtan by Ilaialyan Kalingarayan of Neţtur, for offerings to the god every month on the asterism of   |
| 887         | On the same base  | <b>:</b><br>:    | Papdya             | Jatavarman Tribhuvanachakravartin<br>Sundara-Papdyadera.      | 5th year, Makara,<br>su, di., trayo-<br>dasi. Monday.                           | Do                        | Chitra in which he was born and for worship, etc., to the image of Tiruvali-alvar consecrated by him.  Incomplete. Mentions only the name of the donor, viz., Torpolyaningial Tamatandan alias Soliyadaraiyan of Melankodumatur. Attamusandan analyan in Vada.   |
| 687         | Do.   | :                | :                  | :   | Mola.   | Do. :                     | talai Sembiya-nadu, a subdivision of Pandi-nadu.  Records the gift as survananya of the village of Tindurai in Amarur-nadu, a subdivision of Pulal-koțtan by Madurantaks. Pottapiebolan Rājsgandagopula for offerings  |
|             |   |                  |                    |   |   |                           | hatting Sankarandrayanan-sandi. Cuotes the 8th year (persumably of Rajanajadova).  |

R.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.                 | Place of inscription.                                    | Ω .         | Dynasty.           | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|---------------------|--|-------------|--------------------|--|--|---------------------------|--|
| 067                 | On the base of the south verandah round the same 'rook'. | <u> </u>    | :                  |  | •  | Tamil .                   | Ratification of the order contained in No. 489 above by the  |
| <b>4</b> 81         | On the same base   | •           | :                  | Tribhuvanaobakravartin Vijuya Gaņģa-<br>göpāladēva.                          | [1]8th year, Makara,<br>su. di, paurpami,<br>Wednesday                 | Do                        | Reduction 1 indurat.  Records the gift of 32 cows and 1 bull by Jäanumperran. Villavarayun Tiruvekamba-Udaiyan, a desavellala of Vaicarri in Irambesta, 1944.  |
| <b>367</b>          | Do   | •           | :                  | Do.  | Hasta.<br>20th year, Mithuna,<br>6u. di., saptamı,<br>Sunday, Satabhi- | Do                        | for a posterial lamp and milk to the god.  Becords gift of cown by a private individual of Narayanapuram for a perpetual lamp to the god.  |
| <b>6</b>            | Do.  | :           | :                  | Tribhuvanachakravurtin Konstinmai-<br>kondan                                 | • shaj.<br>13 + 1st year and<br>76th day.                              | Do                        | Records gift, by Haryalyan Kaltingarayar of Nettur, of the taxes of the villages of Sirukoli and Perunkoli in Ultaranelurpurur for the expenses, connected with the offerings to the god Nayanar Embermanar consecuented by him, repairs to the temple, phashyanguli for expounding  |
| 767                 |  | :           | :                  | Tribhuvanachakravartin Konstimel-<br>kondan.                                 | 12th year, 222nd<br>dsy.   | Do                        | the Annahulabhana and the feeding of certain jiyars in the temple matha. Recovid the gift, by Mahabalivana and the village of Kulottunga-vilagam in the castern portion of Urmakatinkottam, free of taxes, for offerivgs, daily workhip, lamp,   |
| 496                 | Do.  |             | :                  | į  | Śaka 1475, Prama-<br>dioha, Rishabha,<br>ba, di., pańchami,            | Do                        | garund and other things required for the god Pagaiyar-mudishdumperumal set up by him in the temple.  Registers an agreement by the temple trustees and the manager Alagiyamanavalanyar to provide certain offerings to the god on certain days from the income of Vallatings to the god on extent days from the income of Vallatings to the god on extent days from the income of Vallatings to the god on extent days from the income of Vallatings to the god on extent days from the income of Vallatings and the content of Vallatings and the content of Vallatings and the content of Vallatings and values are successful to the content of Vallatings and values are successful to the content of Vallatings and values are successful to the content of Vallatings and values are successful to the content of Vallatings and values are successful to the content of Vallatings and values are successful to the content of Vallatings and values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values and values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values are successful to the content of values ar |
| <b>9</b> 6 <b>7</b> | Do   | <br>Russian | Vijaya-<br>nagara. | Vitupratapa Sadasivadeva-Maharaya  | Śaka 1474, Paridhapi, Makara,  | Do                        | par, son of Shruthinnahayanga of Tajaprakkan.  Registers an agreement given by the temple authorities to Periyetirumalaiyangar, son of Annamai, angar and Smuttirumalaiyangar, son of Annamai, angar and Smuttirumalaiyangar, son of Peniyatirumalaiyangar of Tajapnak.  |
| 404                 | Do   | :           | ;                  | į  | Luesday, Makha.  | Grantha                   | kam for providing certain offerings to the god and for conducting certain festivals at specifical scales of expenditure.  One of the verses records the giff of the village Sardula, paken (Pulipukkam) in Toqda, natural by Kodanda, records the the seconds.   |
| 807                 | . :  | •           | •                  | . :  | Khara, Tai, 22   | Grantha and<br>Tamil.     | the good. Another is a benedictory verse in prage god and the third praises the king's prowess.  Incomplete. Records the gift made by Kumara Danayaka, of talayarinanya to the s   |
| 667                 | ъ. ::  | it V        | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Venkatapatideva-Maharaya,<br>'who instituted the elephant hunt'. | Sakatrayodasi,<br>Thursday, Mala.                                      | Tamil                     | Valsaniayas of the temple, for the merit of Rayasam Ayapiparsfayyan and Narasayyan of Sal-ippakkam. Built in. Giff of money for meeting the expenses on certain festival days. The grant was registered in the name of Poregra Naymar, son of Urunvirtun Tinvencedaira, he   |
|                     |  |             |                    |  |  |                           | Periya Tirumalainambi Chakkararayar, agent of Ethur Tirumalai Kumara Tatacharya Ayyan, manager of the temple.  |

## No. 985, Home (Education), 31st August 1920

| 1919cont.         |
|-------------------|
| Ħ.                |
| pied              |
| 8                 |
| ptions            |
| insori            |
| Stone             |
| $\mathbf{\alpha}$ |

| No.          | Flace of inscription.                   |           | Dynasty.           | Клев.   | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.   |
|--------------|---|-----------|--------------------|---|---|------------------------|--|
| 200          | Ou the west verandah round same 'rook'. | round the | :                  | Tribhuvanachakravartin Vijaya Ganda-<br>gopaladeva. | 31st year, Kanya,<br>su. di., tribiya,<br>Thursday,   | Tamil '                | End built in. Records gift of cows by a private individual for a perpetual lamp to the god.  |
| 901          | On the same verandah                    | :         | :                  | Do.   | 21st year, Kumbha,<br>su. di., pañohami,  | Do                     | <u> </u>   |
| 203          | Ď.                                      | :         | Vijaya-<br>nagara, | Virapratapa Venkatapatidora-Maharaya                | Saka 169, Chitra-<br>bbanu, Vaisakha,<br>ba. di., 30,   | Telugu                 | ~  |
| 503          | ő                                       | :         | :                  | Tribhuvanaohakravartin Vijaya Ganda-<br>gopaladeva. | 21st year, Kumbha,<br>for. di., dvittya,<br>Friday, Uttiraț-  | Tamil                  | <u> </u>   |
| <b>\$</b> 04 | Do.                                     | :         | Vijaya-<br>negara. | Virapratapa Sadasivadeve-Mabarsyu                   | Éaka 1473, Virôdhi-<br>krit, Dhanus, su.<br>di., pañohami,<br>Wednesday,<br>Stavishtha.                   |                        | Gift of money, accruing as income from a village, for offerings on testival days and for a flower garden. The amount was entrusted with Rangayadevasola Maharaja, son of Chalikyadeva-Chola Maharaya.  |
| 909          | Do.                                     | :         | :                  | :   | :   | Telugu                 | x e  |
| 208          | On the north verandah round the         | round the | :                  | :   | :   | Tamil                  | Bhapati, son of Chinna Krishna. Beginning built in. Mentions Truncalai-nambi Kamanu-   |
| 209          | On the same verandah                    | :         | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Sadasivaraya-Maharaya                   | Saka 1470, Kilaka,<br>Makara, su. di.,<br>pauraami,<br>Pusbya.  | Do                     | Jaysangar and Mannada Anahatanari. Giff of money which accorded from the village Pambündi alias Krishnapunan which was assigned by Mahananda-leśvara Ramardju Chirna Timmayadeva-llahaiaja to Muhamandalósvara Vallahhayadeva-Maharaja who had to conduct the charities. |
| 808          | D <b>o:</b>                             | :         | :                  | :   | 28th year   | Do                     |  |
| 609          | Do.                                     | :         | Vijaya-<br>nagara. | Virapiatápa Sadasivadevaraya-Maharaya.              | Saka 1473, Virodhi-<br>krit, Vrisohika,<br>su. di., dvitya,   | ъ                      | <del>5</del>   |
| 510          | Do.                                     | :<br>:    | :                  | :<br>:  | faring, Alutada.<br>fara 1436, Bhaya,<br>Ashadha, Gu.<br>di., dasmi, Wed-<br>nesday, Uttira-<br>Phalguni. | Капатово               | End built in. Seems to record the fact that Krishnaraya (name not mentioned) gilt the Punyakohi-vinana with fine gold for the merit of himself, his father Narasananayaka Vodeya and his mother Nagaladevi.  |

|   | 1 |   |
|---|---|---|
|   |   |   |
|   | - |   |
|   |   |   |
| 320   |   |   |
| 1   |   |   |
| <u> </u>                                    |   | - |
| <u> </u>                                    |   | - |
| copie                                       |   |   |
| tions                                       |   |   |
| R _ Stone inscrintions copied in 1919—confe | - |   |
| 4000  |   |   |
|   |   |   |
| α   | 7 |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |

| The same verses are Kanarese. Nagari Records that king the Mukta-ulabha Varadanbikadevi a tadrı gave naumfici Built in at the beg panditava yanıı ol invested on land providing cutain cocasions.  Same as number 178  Records gift of on deviyar, one of the perpetual lamp. Eginming built in. a seacy. of Pall petual lamp. Eleginming built in. a seacy. of Pall petual lamp. Eleginming and end inirroduction "Eleginming and end inirroduction "Eleginming and end inirroduction "Eleginming are of the forth framanasvani or knimasvani or knimasvani or knimasvani in Kunonplete. Frag Elegina with the ble gift of laconplete. Frag Elegina with the ble gift of Ayyang-festlin naliar in Kunul an naliar in Kunul maliar in Kunul maliar in Kunul  |             |  |              | The same of the sa |   | Language and | Remarks   |
|--|-------------|--|--------------|--|---|--------------|---|
| 1 On the mosth werendth round the Vijeyungers Addyste factor. Strates of the same version the Vijeyungers Addyste factor for the same version the Vijeyungers Addyste factor fact | -           | Place of instription.  | Dynasty.     | King.  | Date.   | alphahet.    |   |
| On the same vacuada by the same are not the same vacuada by the sa |             | On the north verandah round the  | Vijayanagara | :  | , <del>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </del>                   | ba.          | The same vorses are re-engraved above this inscription in Kunarese. Nagari and Telugu characters respectively. Records that king Achyutariya, son of Narasa, performed the Mukla unlabham even mony of himself and his queen Varadambisalevi at Kafichi and that his sen China Venka-   |
| On the bear of the east, south and bo.  Let of entrance into the Same  Let of entrance into t | 2           | On the same verandah   | Do.          | Virapratapu Krichyadeva-Maharaya   | Viro-<br>su di.,<br>Sun   | Tsmil        | tadri gave numificient gifts to Brahmins.  Built in at the beginning. Records gift by Ramanuja- panditar avyan of 60 panam of gold which was to be panditar avyan of 40 panam of gold which was to be invested on land and the income therefrom utilized for providing critain efferings to the god on certain specified occasions.           |
| Left of surrance into the Nam. Chole Tribbuvancelskreartin Eajarsjudes   10th year   10th  | 113         | On the base of the east, south and west verandats round the same 'rook.' | Do.          | Do.  | Saka 1136, Bhava, Ashadba, su. di dasami, Wednes-day, Uffara-Phal-  | esa.         | Same as number 178 above.   |
| temple.  In the same place  (the parameter of the paramet | 614         |  | Chola        | Tribburanachakravartin Rajarajudera .  | guni<br>10th year, Mithuna,<br>ba. di., dasanni,<br>Tuesday, Revati | Tanil .      | Records gift of one lamp-stand and cows by Keltennaladeviyar, one of the wives of pillayar Gandazopular for a perpetual lamp to the god.  |
| Tribhuvanachikravarin Vikruma-Chola-  On the sight wall, inside the same  Do. Tribhuvanachikravarin Maider  Do. Tribhuvanachikravarin Udaiyar fri Hajalhi [3]2nd ,   | 615         |  | :            | :  | 10th year   | Do.          | Seems to record gift of ?<br>purum in Puliyur-köțham<br>unarayaņam is mentioned   |
| On the right wall, inside the same  On the right wall, inside the same  On the large the same wall  On the large the large the same wall  On the large the large the same wall inside the same  On the large t | <b>6</b> 16 |  | Chols        | 'Tribhavanachukravart 111<br>deva.   |   |              | measure.  Beginning and end built in. Begins with the historioal Beginning and end built in. Seems to record wift of introduction "([gurg]ear,") etc. Seems to record with 1972 kalanju of gold of 9g marru fineness tested by the temple touchstone (köyijkal) for a bathing versel (sahasratan) to the God Srivalgasayi alias Vikramassola- |
| On the same wall Do. Rajakesarivarman Udaiyar for Rajadhi- [3]2nd ,).  On the same wall Do. Rajakesarivarman Udaiyar for Rajadhi- [3]2nd ,).  Do. Rajakesarivarman Udaiyar for Rajadhi- [3]2nd ,).  Rajadeva I. Begins with the historical introduction "Specafor" of shoop perpetual lamp to the good Tiruvartivar-Alvar by propetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by a horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar-Alvar by horpetual lamp to the god Tiruvartivar by lamp and a self-god Tiruvarivar lamp in Triyor alass Rajakes.  On the left well, inside the same Do. Tribuvanachakravartin Vikrama-Chols- 10th Do. Gift of land end a self-gon in Triyor alass Rajakes haine.   | 61          |  |              | ing ts   | 173 lth   | <br>Do.      | unand, are performed in the temple by Kanjarap Vasishtan vipasgar-perpending in the military in the line of Timbestta. Records gift of land in the melturdam of Timbestta kottom, tree of taxes, for the expenses of the service called Kulottungsscian-sardi and for offerings to the god Vanduvaraveta-virguirundam Paluvaraven of Mutturn- |
| On the left wall, inside the same Do Tribhuvanschakravartin Vikrama-Chôle- 10th , 10c B  | <u> </u>    | On the same wall   |              | was pleased to po of heroes and the; to Chakuwartin Vikra Rajakesarivarman iajadeva I.   | 10th<br>[3]2nd  | Do : :       | kniram in Fragment. Incomplete. Fragment. Begins with the historical introduction "SharCorleg" etc. Regins with the historical introduction "SharCorleg" etc. The inscription is highly damaged and is incomplete. Records the gift of an ear-ornament and of sheep for a perpetual lamp to the god Tiruyatthyin-Alvar by Setti-              |
|  | io io       |  |              | Tri bhuvanaobakravartin<br>deva.   |   |              | Rajumantkatar and a numentary, 11, of Ayan-settiyar, the headman of Kolava imang in Arumolideva-valanadu. Her full name is give Jayangonda-sola Viranulambamadeviyar. Begins with the historical introduction "Lucguer," etc (ifit of land and a salt-pan in Tuiyur alas Rajakesarinallar in Kuuili-natu in Amur-kottam.                      |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.               | King.  | Date.   | Language and<br>alphatet. | Remarks.  |
|-------|--|------------------------|--|---|---------------------------|---|
| 621 ( | On the left wall, inside the same shrine.                      | Своја                  | Trithuvanachakravarin Tribhuvana-<br>viradora, 'who having taken Madura<br>Ilam (Coylon), Karuvur and the<br>crowned head of the Pandya, was<br>pleased to perform the anointment of | S2nd year, Mina, dva. dasi. Monday,   | favil                     | Seems to ratify the grant recorded in No. 520 above.  |
| 822   | On the left wall or the gopurs in<br>front of the same shrine. | · ·                    | heroes and the anointment of viotors.' Alajakësseriyarmen Udaiyär fri Rajendre-<br>Chojadëva (Kulottunga 1)  | · 3]rd year   | Do                        | Damaged. Isogine with the historical introduction ". Againment and an entire of land by the assembly  |
| 623   | On the right of entrance into the first prakara.               | Сіја унпи <b>к</b> аза | Sayapa-Udayar  | 14th year, Tula su<br>di., pañohami.<br>Thursday, Mola.                                   |                           | Records the gift of the village and working. Records the gift of the village of Melaivilagem in Vada-karai Manavil-kotţem for supplying a garland to the temple and for a flower-garden by one of the servants of Sarayan Thairs.   |
|       | entrance in  | :                      | · Sakulaloknobakravartir<br>Sambuvaraya.   |   | Po                        | Gift of 300 kuli of land in l'enkarai Tirachcholai for a flower-garden.   |
| 929   | On the east wall of the second prakars.                        | V гјаучпа <b>дата</b>  | VIrapratapu Sadanivadovu-Манагали  | Saka 1467, Visva-<br>vasu, Mi. a, ba.<br>di., dvittya, Pri-                               | Do. :                     | Registers the gift of the vilings acykavillar in Fullyurkottan in Tiruttani-strmai for daily offerings.   |
| 929   | On the same wall   | Do                     |  | Saka 1475, Ananda,<br>Saka 1476, Ananda,<br>Pañchani, Sata-<br>bhishaj, Wednes-           | ъ                         | Gift of land for a flower-garden to the temple by Saluva Timmaraja, son of Saluva Vijayadeva-Maharaja who was a feudatory of the king.  |
| 827   | Do   | Do                     | <br>O  | Saka 1409, Pla-<br>variga, Pushya,<br>ba. di , Thursday,                                  | Те)ики                    | Gift of the village of Vadakānipākkam for offerings to the god by Gopinayaningaru, the agent of Ramaraju Chinna Timmayadēva-Mahāraya for the merit of the latter.   |
| 87 9  | . :  | Do.                    |  | Saka 1400, Krodhi, Muthuna, ba. di., dakemi, Saturday, Asceti                             | Yemil                     | Records gift of money by Mattili Varadaraja, son of Mattili Somarajn Potturaja for providing daily offerings, to the god dor epecial offerings on his natal-star day.  Mattili Vorsdarajn bears, number of hinds.   |
| 529   |  | Do.                    | Ď.   | Saka 1467, Visya-<br>vasu, vrisohika,<br>su. du. dasami,<br>Friday, Uttara-<br>Rhud, mada |                           | Gift of money for offerings. The money was deposited for interest with Madabosi Ugrapi rayar.   |
| 580   | :  | B                      |  | Saka 147t, Sumya,<br>Rishabha, ba, di,<br>truya, Tuesday,<br>Uturashadha.                 |                           | Registers that Vallabhayadova-Maharaya, son of Sömavamádhisvara áriman Mahamandalesvara Ramarajaraya Varadanaja of Atróya gotra, made a girt for the merit of his mother Krishnamaa, of a garden and left it in the possession of Uttandarayar to be utilized as a flower-garden and for conducting the garden fetival and leased out permanently to Narasayya, son of Samkirtana Ramanujayya, the village of Siffananjayin the Poliyursimai, the income from which was to be utilized for sonducting the topur-tirunal festivals of the god. |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|              |   |         |                  |           |                        | •   | •   |                        |   |
|--------------|---|---------|------------------|-----------|------------------------|---|---|------------------------|---|
| No.          | Place of inscription.                   | ription |                  |           | Dynasty.               | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.  |
| 189          | On the east wall of the second prakars. | of th   | 36 <b>866</b> 01 |           | V іјауапа <b>д</b> аги | Virapratapu Vonkatapatirajadevu-<br>Maharayu.       | Śaka 1609, Barvajit,<br>Karkataka, su. di.,<br>dasmi, Thursday,<br>Muls.              | Tamil                  | Records the gift of the village of Paruttiputtur in Tiruttani-<br>firmit for offerings by Tirumalainambi Chakrarayar, the<br>agent of scharya-Ayam of Etter, Tirumalai, Kumbha-<br>kopan and Tirumaliruijolai. The gift was inscribed in<br>the name of Aramulaiyar, grandson of Kidambi Srinyaa. |
| .583         | On the same wall                        | :       | :                | :         | Do.                    | Virapratapa Sadasivaraya-Maharaya                   | Saka 1471, Saumya,<br>Vaisakha, ba. di.,  | Teluga                 | Ayyangar and others.<br>Same ин No. 530 above.  |
| 583          | Do.                                     | :       | :                | :         | Do.                    | Virapratapa Krishnadeva-Nahataya                    | trittya, Tuesday.<br>Saka 1438, Dhatu,<br>Pushya, ha. di. 7,                          |                        | Same us No 174 above.   |
| <b>\$</b> 34 | Do.                                     | :       | :                | <u></u> : | 100.                   | Viripretapu Sadasivadeva-Maharaya                   | Wednesday. Saka 1483, Dhun-<br>nati, Tula, ba.  | Tamil                  | Becords the assignment, on intreest, to Rayasam Venkatadri, son of Mosalin adugu Tinmaralia, of the mome of neatrain villagest for moverding offshings 4, the cond  |
| <b>9</b> 88  | Do.                                     | :       | :                | :         | Do.                    | Do. :   | rday<br>1480<br>i,<br>di.,  | Do                     | Records the assignment of the income of certain villages to Ramardia, son of Mahamandaldevara Chikkaraja of Araviti P for conducting the annual festivals of the god and for providing certain offerings and cakes.   |
| 836          | Do.                                     | :       | :                | :         | . Do                   | Viraprakapa Achyuteraya-Maharayu                    | Śaka 1457, Dhur-<br>mukhi, Vrischi-<br>ka, śn. di, New-<br>moon, Monday,<br>Anuradha. |                        | Giff of certain lands for providing cakes to the god.   |
| 637          | On the sooth wal                        | jo {[RA | the sa           | 68 LD 6   | :                      | Tribhuvanachakravartin Vijayn Gupdu-<br>göpäladeva. |   | Do                     | Giff of cows and a lamp-stand by Mayyur Ramannadevan, a member of the Nayakannar of Malai-mandalem, for a perpetual lamp in the temple.   |
| 8            | On the same wall                        | :       | :                | :         | :                      | De.   | shaj.<br>6th year, Kanya,<br>6u. di., prathama,                                       | Во                     | Gift of cows for a perpetual lang to the temple by, Sitku-<br>maran, a nearber of the Nayakanmar of Malai-mandalam.   |
| 984          | Do.                                     |         | :                | :         | •                      | Do.   | Monday, Chitra.<br>14th year, Kanya,<br>ba.di, pañohami,                              | Do                     | Gift of 32 come and a bull by Tiruvattiyurkorri of Tiruvayp padi for a perpetual lamp in the temple.  |
| 940          | Do.                                     | :       | :                |           | :                      | :   | ay,<br>582<br>itra<br>Ii.,  | Մ e lugu               | Records the repair of prakar: walls in the Varadaraja temple at Kanchi, by the sen of Deddayacharya.  |
| 541          | Do.                                     | · :     | :                | :         | Vijayanagara           | Aodyutertyu-Maharaya                                | dasi, Sunday,<br>Hasta.<br>Saka 1454, Nandana,<br>Jyeshtha, ba. di.,                  | Kanares                | Same as No 50 of 1900.  |
| 843          | Do.                                     | :       |                  |           | Do.                    | Do  | ıž, Thursday.<br>Do.  | Telugu                 | Same as No. 541 above.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| Properties seemed will of the second will certain the second   Vilyarangen   Adoptinaty-Mohateys   Sake   1464,   Teaml   Adoptinaty   Mohatem     | ,          |                  |       | -    |              |  |                         |          |    |  |                          | the second contract of the speciment of the second of the |  |
|--|------------|------------------|-------|------|--------------|--|-------------------------|----------|----|--|--------------------------|---|--|
| On the same wall of the second   Vijeyanagara   Aobystarsya-Mahanya   Saka 1464   Saka 1464   Tamil   And the same wall   Do   Do   Do   Do   Saka 1464   Saka 1464   Nanian   Do   Ranarea   Do   Do   Do   Saka 1464   Nanian   Do   Ranarea   Do   Do   Do   Saka 1464   Nanian   Do   Ranarea   Ra   | No.        | Place of inscrip | tion. |      | Dynasty.     | Kin  | bit                     |          |    | Date.  | Language ar<br>alphabet. | -   |  |
| Muln.   Pake   Line   Do.   Do.   Do.   Do.   Bake   146f-f.]   Main   Do.   Bake   Light,   Main   Do.   Bake   Light,   Main   Do.   Do.   Do.   Do.   Bake   Light,   Do.   Do.   Bake   Light,   Do.   Do.   Bake   Light,   Do.   Do.   Bake   Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Bake   Do.   | £          |                  |       | puoo | Vijayanagarı |  | 88                      | :        | :  | ndana, .   | Tamil                    | Assignment of the income of 17 cillages t providing special offerings at the insta when he visited the terming and word and   | the temple for   |
| Do.   Do.   Do.   Do.   Do.   Saka   1464, Telegu   Ba.  | 544        |                  | :     | :    | Do.          | ર્લ  | :                       | :        | :  | でご.  | Do. :                    | Renords that in company with his wife Varadar Kumaru Venkatadri-Udayar and made at Records that in the year Virodhi on the bahula-pafabam, on the occasion of his Adyntaradya directed Saluva-Nayaka to the formules of Varadarais and Flaconi.   | or 1 de l'action de la company de la 1,000 cows. It of 1,000 cows. It of 1 de la company de la compa |
| Parketter   Park   | 545        | -                | :     | :    | Do.          | Aohutayaraya                               | :                       | :        | :  | 1454,  | Telugu                   | to Ekamlunatha, Achyutaraya hearin to Ekamlunatha, Achyutaraya hearin the number of villages by redistribution Same as No. 544 above.   | anaom equany<br>ska gave more<br>this equalised  |
| Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do. Do.  | 548        | Fig              | :     | :    | ρ°           | Š.   | :                       | :        | :  | Phalguna, ba. di., 4, (Saturday). Saka1464, Nandana, Sravana, ba. di., | Kanarese                 | Registers gift of villages and lands to the translation of the tulable  | ple of Varada-   |
| Do. Do. Do. Do. Grief blug.  Do. Trippristage Sadasivadeva-Maharaya Saka 144, Kandana Kanasee in Same as No. 547 alose.  Jeghtha.  Do. Triphuvanachakravarin Rajarajadeva Do. Bo. Sakaharaya Sakaharaya Sakaharaya Chola Do. Tribhuvanachakravarin Rajarajadeva Do. Chola Do. Chola Tribhuvanachakravarin Allantikka Do. Chola Tribhuvanachakravarin Rajarajadeva (17th b. Choladeva Balia Maharaya) Sakaharaya Sakaharaya Sakaharaya Sakaharaya Sakaharaya Sakaharaya Do. Chola Do. Tribhuvanachakravarin Allantikka Balia Do. Chola Tribhuvanachakravarin Allantikka Balia Do. Chola Tribhuvanachakravarin Rajarajadeva (17th b. Do. Choladeva Balia Maharaya Balia | 249        | Do               | ;     | :    | Do.          | Do.  | :                       | :        | :  | 12, Sunday.<br>Saka 1455, Vijaya,<br>· Phalguna, ba.                   | Do.                      | the king.  Registers grant of certain villages to Varse Reambaranaths somally on the conssion of  | rajasvannn and   |
| Do. Triphuvanachakravarin Rajarajadeva. Maharaya (Saka and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an and an analysis and an and an analysis and an and an analysis and an and an analysis and an an analysis and an an analysis and an an analysis and an anal | 548<br>649 |                  | ::    | ::   | Dộ.          |  | ::                      | ::       | :: |  | <b>9</b> .c              | ගී ගී   |  |
| On the west wall of the same wall of the same wall of the same wall of the same wall of the same wall  | 929        |                  | :     | :    | Do.          | Virapratapa Sadasivad                      | leva-Mah                | åråya    | :  | Thursday.<br>1472,<br>harana, [su],                                    | Tamil                    | Assignment of centain lands granted for priduring the time of Krishparaya by Vadan  | iding offerings<br>dei-annan and   |
| On the same wall Do Ghby oar, Mesha, Do Gift of 33 cattle for Pully ar-koţţam.  Tribhuvanachakravartin Allantikka- 3rd year Do Ghoļa Geva.  Tribhuvanachakravartin Kulottunga- I[1]th Do Ghoja deva.  Tribhuvanachakravartin Kulottunga- I[1]th Do Ghoja deva.   | 651        |                  | the   |      |              | Tribhavanschukravart                       | in <b>Raja</b> ré       | ıjadeva  |    | di., saptami,<br>Rohiņi.<br>i6th year, Mikara,<br>ba. di., Thursday.   | :                        | - 5   | _  |
| Tribhuvanachakravartin Allantikka. 3rd year Do Choja Tribhuvanachakravartin Kulottunga. 1[1]th , Do  | 552        | On the same wall | :     | :    |              |  |                         |          | :  | eaptami, Haeta. 18th year, Mēsha, ba. di., dasami, Thursdav, Śravi-    |                          | Gift of 33 cattle for a lamp by a native Pully ar-kottam.   | of Puliyar in  |
| Do Chola Tribhuvanachakravartin Kulottunga- 1[1]th, Do   | 653        |                  | :     | :    | ;            | Tribhuvanachakravarti<br>Maharaja Gandaoon | in 2<br>Us <b>dav</b> s |          |    | : :  |                          | Records a gift of 4 cows for 1 lump.  |  |
|  | 4<br>4     |                  | :     |      |              |  | n<br>A                  | alôttuńę |    |  | <br>                     | Gift of 32 cowe and a bull for a lamp and conducting worship and offerings at the Uhanmaparipalangindiand for feeding the temple by liveranginandaryan Anlaiyarayan alias Dannaparipalan, son rayan alias Kulottingasõja Valaiyaray Malai-Mudalia residing in Tirunedumbir Malai-Andalia residing in Tirunedumbir mading andalia sealectivica of Magania batter.  | f 120 kaéu for<br>service called<br>ve devotees in<br>18 Rajadhiraja<br>of Munaiyada-<br>in, one of the<br>in Perumûr-   |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| On the west wall of the second Glode Tricharandabkravarile Bajarajadeva 220a year, Allan Chair and the second Glode Tricharandabkravarile Bajarajadeva 220a year, Allan Chair and the conversion of the sease wall of the second Glode Tricharandabkravarile Bajarajadeva 220a year, Kamiha 20a year, Yangiha 20a year, Kamiha 20a year, Yangiha 20a y |     | Place of inscription.       | nscrip | tion. |       | Dyn           | Dynasty.         | King.                              |  | Date.  | Langnage and<br>alphabet. | ge and<br>abet. | <del></del>     | Вешагкв.   |  |
|--|-----|-----------------------------|--------|-------|-------|---------------|------------------|------------------------------------|--|--|---------------------------|-----------------|-----------------|--|--|
| Do. Chola Tribhuvananbakravatin Rajarajadova . 26th year, Kumbha. Do   | , – | On the west w               | all of |       | puose | _             |                  |                                    | n Rajarajadeva                                     | year, Mina,  | Tamil                     |                 | - <del></del> - | ift of 33 cattle for a lamp by Kondu Nagadevaraja alias Gopa[la] Perumal of Nattapadi-nadu.  |  |
| Do.   Chole   Priblavanachaktavartin Rajarajadove   26th year, Kambha   Do.   Chole   Chole   Afart   Thibhavanachaktavartin   Kulottenige   Rajaraja   Thibhavanachaktavartin   Kulottenige   Rajaraja   Thibhavanachaktavartin   Rajarajadova   Rajaraja   Rajaraja   Do.   Choledeva   Vivo was planed to the Padis   Tribhavanachaktavartin   Rajarajadova   24th year, Mesha   Do.   Padaya   Tribhavanachaktavartin   Rajarajadova   24th year, Mesha   Do.   Padaya   Tribhavanachaktavartin   Rajarajadova   24th year, Mesha   Do.   Tribhavanachaktavartin   Rajarajadova   Rajaraja   Do.   Tribhavanachaktavartin   Rajarajadova   Tribhavanachaktavartin   Allantikka   Chi year, Rishabha   Do.   Tribhavanachaktavartin   Allantikka   Chi year, Rishabha   Do.   Tribhavanachaktavartin   Rajanatayacha   Rajarajahart   Sakalalokachaktavartin   Rajanatayacha   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tribhavanachaktavartin   Tajarajacha   Tribhavanachaktavartin   Tajarajacha   Tribhavanachaktavartin   Tajarajacha   Tribhavanachaktavartin   Tajarajacha   T   |     | prakara.<br>On the same wal |        | :     | :     |               | :                | • •                                | •  | Saturdey, Aslesha.   | Do.                       | :               | <u></u> -       | egisters an order of Mudurantaka Pottappiohodolyan stating that the ussembly of the people of Jayangondusionannakum remitted six kalum of puddy per veli of  |  |
| Do.   Tribhuvanachakrvartin   Kalotunger   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Kalotunger   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Kalotunger   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Kalotunger   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Mahariya   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Mahariya   Staka   Habita   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Alluntikka   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Alluntikka   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Alluntikka   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Alluntikka   Stavati   Do.   Tribhuvanachakrvartin   Gaqdagopalad   Gay   Ga   |     | - É                         |        |       | :     |               |                  |                                    | :  | 6th year, Kumbha,  | Do.                       | :               | <u>_</u><br>:   | Inite granted as devadanan, tiruvidaiyātķām, pullich-<br>chandam, agara-pagu, madapparu, jivita-paigu, padai-<br>pagu, and vaimiya-pagu.<br>pagu, and vaimiya-pagu.  |  |
| Do   |     |                             | :      |       |       | <u> </u>      |                  |                                    | Kulôttuńga-  | di.,<br>ui, Thur<br>ati.<br>year,  | Do.                       | :               | <del></del>     | kotpan, a district of Jayungonda-solamandalam, by Periya-perumal alias Perumaldasan to 58 Brahmans for reciting the Vaishnaw hymn trumolt.  The first of the puffaloes for a lamp by a native of Urrukkadu lift of 16 buffaloes for a lamp by a native of Urrukkadu  |  |
| Do.         Do.         Trinhurangenanaran natural magarahan naturangan naturan   | Ě   |                             | •      | •     |       |               |                  |                                    | pleased to take<br>rned head of the<br>Rainsinders |  | Do.                       | :               | :               | gills najaraja-chabul vaninanganal magami sahila hajaraja sahila najaraja sahila najaraja naj |  |
| Do.         Do.         Do.         Ор. <td>629</td> <td></td> <td>•</td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td></td> <td>:</td> <td>su. di., ekadasi,<br/>Wednesday, Pur-<br/>vaphalguni.</td> <td>. ;</td> <td></td> <td></td> <td>potual lamp in the temple by a native of verywarum in Sengatur-nadu, a sub-division of Sengatur-köttum, a district of Layangounda-sõljamandalum.</td> <td></td>   | 629 |                             | •      |       |       |               |                  |                                    | :  | su. di., ekadasi,<br>Wednesday, Pur-<br>vaphalguni.                                  | . ;                       |                 |                 | potual lamp in the temple by a native of verywarum in Sengatur-nadu, a sub-division of Sengatur-köttum, a district of Layangounda-sõljamandalum.   |  |
| Do Vijayanegara Virapratapa Śudasivaraya-Maharaya Saka dula Saka dula  | _   |                             | •      |       |       |               |                  |                                    | :  | 21st year, Kumbha,<br>ba, di, dvadasi,<br>Thursday, Pürva-                           | Do                        | :               | :               | mentioned in No. 557 above.  |  |
| Do          Tribhuvanachakravartin         Alluntikka-         6th year, Rishabhs, Do         Do            Ф         Do          Do          Ino             Ф         Do          Ino                Ф         Do <th< td=""><td></td><td></td><td></td><td>:</td><td>:</td><td></td><td><b>аувпя g</b>н</td><td></td><td>varayu-Naharaya</td><td>252</td><td></td><td>:</td><td>:</td><td>Giff of 80 pon for offering cakes on the festival days in the months of Ani, Puraitadi, Masi and Vaigasi, out of the 9 pon and 6 papun accraing as interest every year at 1 panum per cent. Ituring one of the festivals the god had to be taken to the temple of Sonnavannanseyda-perumal.</td><td></td></th<>   |     |                             |        | :     | :     |               | <b>аувпя g</b> н |                                    | varayu-Naharaya                                    | 252  |                           | :               | :               | Giff of 80 pon for offering cakes on the festival days in the months of Ani, Puraitadi, Masi and Vaigasi, out of the 9 pon and 6 papun accraing as interest every year at 1 panum per cent. Ituring one of the festivals the god had to be taken to the temple of Sonnavannanseyda-perumal.  |  |
| O         Do.          2nd year, Sinha,su.         Do.            O         Do.          Sakalalôkachakravartin Râjanārāyaṇai!         Plava pratama, Monday, Ravati.         Do.            Do.           Tribhuvanachakravartin (łapdagopsła- [3]rd yeati.         Do.            Do.           Mithusha.         Do.            Ina.           mi, Wednesday, Hasta.         Ina.         Mydnesday, Hasta.   | *2  |                             |        | :     | :     | - <del></del> | :                | Tribhuvanachakra<br>Maharaja Gupda | ad 6vu.  | 6th year, Rìsbabha,<br>ba. di., dasamı,<br>Friday, Réveti.                           |                           | :               | :               | on two days and cakes offered.  Gift of land by Allafagamundan, Viragamundan, Sitrangagamundan, and Cavundaiyan, the pradhani-Mudalis of Idai-nadu in Poykala rajya, for supplying cardamon the the temule.  |  |
| Do Sakalalokachakravartin Rajanarayanan Plava prathama, Monday, Royali.  Tribhuvanachakravartin (łapdagopska- [3]rd year, Mithu- Do na. śu. di., daśa- deva. mi, Wednesday, Hasta.   | -   | •                           |        | :     | :     | :             | :                |                                    | D <sub>2</sub> .                                   | 2nd year, Sinha, su.<br>di., pañcharl,<br>Saturday, Hasta                            |                           | :               | :               | Gift of 11 buffaloes for a perpetual lamp by Tondai-mandala Guruhularayan, a native of Velichoheri alias Silasikhamani-chaturvēdimangalam in Pullyur-kotfam.   |  |
| Tribhuvanuohakravartin (łapdagopsła- [3]rd year, Mithu- Do   | ~   |                             |        | :     | :     | :             | :                | Sakalalokachakrav                  | artin Rajanarayanan                                | Plava<br>prathama, Mon-  |                           | :               | :               | Unfinished. Records the guit of the village of Strupully ur<br>in Ukkal-paggu by Kathari Saluvan.  |  |
|  | -3  |                             |        | :     | :     | :             | :                | Tribhuvanaohakre<br>deva.          |  | day, kevali.<br>[3]rd year, Mithu-<br>na, su. di., dasa-<br>mi, Wednesday,<br>Hasta. |                           | :               | •               | <u></u>  |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—conf.

| è          | Place of inscription.         | op.        | Dynasty.     | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Вешагкь.   |
|------------|-------------------------------|------------|--------------|--|---|---------------------------|--|
| 90         | On the west wall of prakata.  | the second | Choļa        | Tribhavanaohakravartin Kajurajadeva                | [2]9th year, Karka-<br>kaka su. di., pañ-<br>chami, Monday,<br>Pushya.  | Tamil                     | Regards a gift of land in Perunagai in Perunagar-nadu, a sub-division of Venkunja-kettemi, dustrict of Jayangouda-66Jamandalum v Viraperunaj Pedirilisoja Sambuvara, yun Alppijandanayan alias Rajaraja Sambuvarayan, grandson of Sengéni Viragaran Amusiappan for offerings and worship at the service called Alappirandan sandi following the sarvice called Chapqurandan sandi donor made a gift of land in Paranicalathania. The donor made a gift of land in Paranicalathania, a hamba  |
| 567<br>568 | On the same wall<br>Bo        | : :        | : :          | Tribbuvanuobakravartin VijayaGandu-<br>gopaladeva. | Śaka 16[8]1, Vijam-<br>bi, Tai, [18].<br>16th year, Rishabha,<br>ha. di., dasami,<br>Friday, Uttara-<br>Bhadrapade. | Telugu                    | of Okkal for the supply of flower-garlands to the gardinos of Okkal for the supply of flower-garlands to the gardinos of Dharmayya of Krottapalli.  Giff of land in the villages of Pernanbarlar with its hamlets Molaipattu, Kottappalkam, Pafeladipattu, Payvaniyapattu, Kusaputta and Kachohipattu for conducting the service Rabutarayan-sand called after the donor Nallas siddarasa, who bears various birudas and who is stated to have been born of the Palara family and of Bharadraja.   |
| 669        | Do. :                         | :          | Vijayanagara | Virapratapa KrishpadevaMaharaya                    | Saka 1436, Bhava,<br>jyeshtha, su. di., 10,   | Telugn .                  | gotru. Same as No. 498 above.  |
| 570        | ро •                          | :          | :            | deva   | Wednesday, 24th year, Makara, su. di., dvitiya, Wednesday, Sra-   | Tamil                     | Built in at the beginning. Records the gift of 32 cows and 1 bull by one of the handmaids (speckup. Quest Qu |
| 173        | On the north wall of prakars. | the same   | •            | Vijeya Gandugdpaladera                             | vana.<br>7th year, Kanya,<br>su. di., dasumi,<br>Wednesday,   | Do                        | Gift of land in Eriyagaram, a hamlet of Kuttanur alias Rajadbiraja-chaturvedinangalam, by a native of the latter village for maintaining a flower-garden for   |
| 672        | On the same wall              | :          | :            |  | Mula. Mithuna, su. di., Shasthi, Wednes- day, Uttara-Phal- guni.  | Do                        |  |
| 578        | . <u>0</u> 0                  | :          | :            | :  | Ρο.   | Do. :                     | a certain Karambiohottu Narseningu-bhattan who appears to have been an approved devotee of god.  Records the assignment of all taxes, levied on the village of Murukkambakkam belonging to the temple to a servant (name lost) of Saluva Mangu-Maharaju made on an   |
| 674        | :<br>°°0                      | :          | :            |  | Vikari, Mosha, su.<br>di., prathams,<br>Friday, Asvati.   | . :                       | Records that the god invested the title of Brahmatantra- surventra liva on Vaishnavadasa and directed that a matha should be established for him with the lands neces- sary for its maintenance, that the books procured by him should be left with him and that towards the propagation   |
|            |                               |            |              |  |   |                           | of Ramanuja-dersana by him and his absolptes arrer num, all disciples of Ramanuja and other devotees of the god should take him in their community. The constant the grant is the same as that mentioned in No. 572 above.   |

| *         |
|-----------|
| ~         |
| ₹         |
| δ.        |
| Ţ         |
| - 1       |
|           |
| <u>~</u>  |
| ٠.,       |
| _         |
| 6         |
| 1918      |
|           |
| ם.        |
| .뭐        |
| •         |
| $\sim$    |
| opie      |
| ۳.        |
| -5        |
| _         |
| Q         |
| 0         |
|           |
| -         |
| я         |
| 0         |
| •==       |
| ج         |
|           |
| •         |
| -         |
| 0         |
| •         |
| ₫         |
| ٠=        |
| -         |
| •         |
| ◩         |
| ~         |
| حد.       |
| ×Ω        |
| ÷         |
| - 1       |
| 1         |
|           |
| <b>PQ</b> |
| -7        |
|           |

| No.      | Place of inscription.                    | 180riptio | .u.     |     | Dynasty.      | King.                                  | Date.  | Lunguage and<br>alphabet. | Remarks,  |  |
|----------|--|-----------|---------|-----|---------------|--|--|---------------------------|---|--|
| 919      | On the north wall of the second prehars. | ill of t  | ре весо |     | Vijayanagara  | Virapratapa dohyutaraya-Maharaya       | Saka 1460, Vilambi,<br>V pisobika, ba, di,   | Tamil                     | Gift of the village of Tirunukkadal in Salaipakkam-sirmai   | Salaipakbam-sirmai<br>ed from Meduranta-   |
| 676      | On the same wall                         | :         | :       | :   | Do.           | Do. :                                  | <b>≠</b> •€  | Do                        | Actual for other ing south the read of the read development of the find development.  Becords that the wing directed that, out, of 1200 poin assigned by him, in the year Vikitif, for offerings to the fample, 150 poin should be transferred in the mame of   | eriya Tirumalanya-<br>of the king.<br>out, of 1200 pon<br>for offerings to the<br>erred in the name of   |
| 677      | Ď  | :         | :       | :   | Do,           | Do                                     | Śuka 1462, Plava,<br>Mesha, su. di.,   | Do                        | Chaktavati Simayyangat, who was to receive the of the of the offerings as such.  Gitt of 120 pon for offerings to the temple of kaghunatha in Vegavati. The money was deposited on interest with  | r Urupputtur Nallan<br>to receive ith of the<br>uple of Raghunatha<br>ted on interest with   |
| 578      | Do.                                      | :         | :       | ; • | :             | :                                      | paurpami, San-<br>day, Svati.<br>Thursday, Hæta  | Do                        | Rama-bhatta, son of Bhatanatha Chitti<br>Stones missing and mutilated. Seems<br>similar to that contained in No. 572<br>Vindukan.   | thi-bhatju.<br>18 to record a gift<br>2 above to a certain   |
| 924      | Do.                                      | :         | :       | :   | Vijayanagara. | Virapratapa Aohyutaraya-Muharayu       | Śaka 1460, Vilumbi,<br>Karkstaku, 6u.<br>di., ekadasi, Jyesb-<br>ţha, Monday.                    |                           | Gift of 100 panam for celebrating the day of Sujayamt festival on which Sri Krishna was born. In making provision for worship and offerings, it was particularly noted that the image of Krishna should be represented as a child drinking milk placing the conch at the month. The gift was engraved on stone in the name of Varia Circuschenial, as, the koyil-kelvi, who was the disciple of Paravasin Nayinar Ayyangar at the mattance of | be day of Sujayamti s born. In making i, it was particularly id be represented as conch at the month. The name of Vana ho was the disciple at the matance of |
| 580      | Do                                       | :         | :       | :   | Do.           | Virapratapa Sudasivadsva-Maharaya      | Saka 1473, Virodhi-<br>krit, Makara, sq.   | Do                        | Narranger of the managers of the managers of Gift of land for offerings by Uiruppadings for the merit of his father Mahamandalösvara Saluva Chinnayadeva-   | of the managers of taja for the merit of ave. Chinnavadeva-  |
| 581      | Do.                                      | :         | :       | :   | Do.           | Aohyutaraya-Maharayu                   | Sake 1456, Jaya, Rumbhy, ba. di.,  | Do                        | Nadaraju of the lunar race and of a garden for the nerit of his daughter Akkamma.  Built in at the beginning. Giff of the village of littirasolai in Damal-kottenn by Tirnvengada Anpan, son of Bhattadi.   | sarden for the nierit<br>illage of Uttirasolai   |
| 582      | Do                                       | :         | :       | :   | Do.           | Virapratapa Sadasivadevaraya-Maharaya. | Monday, Sravana. Saka, 1472, Sadha- rana, Kumbha, fu. di., dvilya, Salmday Iffaru.               | Do                        | Leftani or struntputtur.  Boginning built in. Gift of the village of Sittananjori by Ramabhatta, son of Bhatanatha Clutțachiațiu for offerings to the god Vegavati Ragbunathan.   | s of Sittananjeri by<br>chhatlu for offerings  |
| <b>8</b> | Do.                                      | :         | :       | ·   | Do.           | Virapratapa Aobyutayadeva-Mabaraya     | Bhadra puda.<br>Śaka 1468, Dur-<br>mukhi, Kumbha,<br>dradasi, Wednes-<br>day, Uttartshe.<br>dhe. | $\mathbf{D}^{a}$          | Records that Narayana-settiyar son of Penyanagu-settiyar of the Nedunkumara-gofra, gave 530 gold coins to the god, the interest from which was ordered to be utilised for sacred offerings on certain festival days. Mentions also a temple and a matha dedicated to Tirukkuchinambi, the Vaishnava devotee.  | Periyanagn-settiyar gold coins to the god, ed to be utilised for s. Mentions also a rukkuchinambi, the   |

No. 985, Home (Education), 31s1

289

587

586

588

689

069

169

| ı: <b>A</b> ugus   | r 1920  |  |   |
|--|---|--|---|
| oneet the expense out of the interest accraing on the morey-income of the village.  Records that Sivaganga of the Ganga dynasty built the Anantalyar shrine with stone. It mentions Cholence shink as his father's name and gives him the birdas | Ruvalalaputaparumosvara, Ganga-kulothhava and Sirainthaperumal.  Records that the king-set up in the temple the image of Vikramaebola-vinnagar-Alas and for its daily worship | made a gift of land, as devadana, in the village of Vilvalum, which was renamed Akalankanallar, in Kaliyarnadu, a sub-division of Kalivar-koţţan.  (ift of the village of Merpakkan near Anjar in Sengalanirpatta-sirmui which belonged to Dalavay Timmaraja, the agent of Mahamandalösvara Ramaraja. Vithalarajacho akana Timmaraja-Pappu Timnayadeva-Maharaja. The village was handed over to Dalavay Timmaraja on lease for providing offerings to Aruļaja-Perumāj. |   |
|  | :   | :  |   |
| Grantha<br>Tamil.  | Tamil   | :<br>Ĝ   |   |
| Tribbuvana. 3'th year, Suka 1134 Grantha ken Madura the Paidya andidya   | of Ilth year  | Śaka 1473, Virodhikrit, Dhuss, śu.<br>du., ekadast, Tuesday, Asvati.   |   |
| sdura<br>sudya   | t of  | :  |   |
| Tribhuvannchakravartin Tribhuvann-<br>viradeva, 'who having taken Madura<br>and the growned herd of the Pandya<br>was placed to navform the anniment   | of heroes and the anointmen viotors. Chak:avartin Vikrama-Chojadeva   | itapa Kudasivaddva-Maharaya  |   |
| Tribhu<br>virad<br>and 1   | of h<br>viotos<br>Chakta  | Virapra  |   |
| Сћоја  | Do  | 7.jayanagara   | _ |
| On the base of the south wall of Chola the Anantalvar shrine in the same prakara.  | Inside the Karumanikkavareds shrine in the same prakara.  | On the base of the south wall of Vijayanagara Virapratapa Sadativadeva-Maharaya the same shrine.   |   |
| - Ö  |   | o o  | _ |

| 1_    | Place of insorintion.                                      | ion.                 |          | Dynasty.      | King.  | Date.   | Language and<br>alphabet. | Nellin no.   |
|-------|--|----------------------|----------|---------------|--|---|---------------------------|--|
| 692 O | On the base of the no                                      | the north wall of    |          | Vijayanagara  | Viripistaps Sadasivadeva-Mahstays  | Śaka 1471, Saumya,<br>Karkataka, śu.<br>di., paffohami,<br>Friday, Rēvati.  | Tamil                     | Records the assignment of the village of Itaiyur, the income from which, amounting to 120 pon, was ordered to be from which, amounting to 120 pon, was ordered to be utilised for saored offerings, garlands and butter for the god by Dajavay Koppu-nagakar, the agent of Mahamanda-Jégwara Ramaraja Thomacraja Chumatunmayadéva. for the |
| 598 C | On the east wall of the Abhish inandaps in the same temple | Abhisheka-<br>temple | 9кв-     | :             | :  | 2nd year, Ani   |                           | merit of his master.  Records the gift of 30 cow, and a hall for a perpetual lamp in the temple of Stablamachandra-Perumal in Vidius-nadular in Valenandalan by the managers of the vigius-nadular powers of the control Powers of the Canter Powers.  |
|       | On the same wall   | :                    | :        | Chóļa         | Iribhuvanachakravartin Rajaraja leva   | 18th year, Vrischika,<br>gu. di., trayodasi,<br>Tuesday, Asvati.            | . Do                      | (lift of 33 outle and a limp-stand for a perpetual lamp by a limpidate of 33 outle and a limp-stand for a perpetual lamp by a limpidate of the limitant of Gandagopaladev.  Records the building of the mandaps by limbilakatta  |
| 969   | Do   | : .                  | : :      | міочо         | Tribharanschaktsvartin Rajknazedera  | 21st year, Makara, sa. di., prathama.                                       | . :<br>5                  | Nayakar. Gift of 33 cattle for a perpetual lamp by a native of Muran- ottamangalam in Valluva-nadu in Malai-mandalam.  |
| ¥03   | 1.00   | :                    | :        | Do.           | D  |   |                           | Gitt of 33 outtle and one lamp-stand for a perpetual lamp by Kandan Branaubi residing in the city of Kujamitkku in Malai-mandalam.   |
| 803   |  | • :                  | :        | 150.          | . Do   | 11th year, Sumha,<br>ba. di., [tritiya],<br>Sunday. Uttara-                 |                           | Iyakkan Ayyanam'i, a native of Karayappalli in Malai-mandalam.   |
| 200   | Do.  | :                    | :        | Vijayanagara  | is Virapratapa Krishnadeva-Maharaya  | ≈ 3C 4m   | Do                        | Incomplete. Gift of 100 panam for offering caket during certain festivals  |
| 600   | Do   | : :                  | : :      | Do.<br>Sajuva | Virapratápa Aehyutaraya-Maharaya Mahamandaleśvara Bujabala Viru Nara- singadeva-Maharaya.                  | Tuesday. Saka [1462] Sanday, Saka   | Do. ::                    | Gift of money for offerings by a native of Kadavarayan-pattu. Gift of 3,000 panam for offering cakes. The money was deposited with a native of Narsandgarayapuram.   |
| 603   | On the south wall mandaps.                                 | 5                    | the same | :             | Вошобувля  |   | Granthe<br>Tamil.         | and Ring Somesavara was descended from the lamily of the Yadus and that Devika born of the Chalukya family was his chief queen.  |
| 603   |  | : :                  | : :      | : :           | ·fribhuvanachakravartin Vira Gaṇḍa-<br>•gopāladēva.<br>Saķalalokachakravartin Rājanārāyaņa<br>Sambuvarāya. | la- ard year, Kumbha, ba. di., tridya, Saturday, Hasta. 7th year, Agi, 30th | Tamil                     | Gift of 33 entile and a lamp-stand for a per etast lamp by a native of Pajarajapuram, a sub-division of Venkunga-köttam.  Enumerates the localities to which the (image of the) god may resort to after it was carried in procession on the elephant, horse and garada vehicles respectively and after                                     |

B.—Stone insoriptions copied in 1919—cont.

| ,   |                           |            |          |               |              |              |  | •   |            |           |  |
|-----|---------------------------|------------|----------|---------------|--------------|--------------|--|---|------------|-----------|--|
| Ŋ.  | Place of inscription.     | oription   | ند       |               | Dynasty.     |              | King.  | Date.   | Language a | and<br>f. | Ветагки.   |
| 909 | On the south wall madepa. | <b>*</b> 0 | the same | j             | Ohola        | :            | l'ribbuyanachakravartin Rajarajadeva   | 21st year, Kumbha,<br>en. di., ohstur-<br>dasi, Tuesday,                          | Tamil      | :         | Gift of 33 cattle for a perpetual lamp in the brine of (Periyapirathiyar), the senior consort of Arulala-perumal by a native of Tirumannapipadi-nadu in Naduvil-   |
| 909 | On the same wall          | :          | :        | :             | Do.          | <del>:</del> | .:<br>Do.  | Makha. 24th year, Vrisobika, 6u. di., pafichaul, 'I nesday. Porva-                | Do         | :         | mandelam.<br>Gift of four cows for one-eighth lamp by a native of Saral in<br>Veli-nadu.   |
|     | å                         | :          | :        | :             | :            |              | <u>:</u>   | shadha.<br>26th year, Margalli  | Do.        | :         | Refers to an order of Madarantaka Pottappiobeholang according to which taxes were levied on all oil merchants in Mummudoholappenunderava in Conjecveram. Sandharalli is mentached as one of the places exemuted  |
| 808 | Ğ.                        | :          | :        | :             | :            |              | Tribhuvangohakravartin<br>Maharaja Gandugöpaladsva.  | 6th year, Tula,   | Do         | :         | from this tax. Stones with the insignia of Gandagopala were set up to mark the jurisdiction. Gift of 97 cows and one bull for three perpetual lamps by Kön Kațtai, an, a minister of Ganapatidova.   |
| 000 | đ                         | :          | :        | :             | :            | <del></del>  | ::   | 25th year   | Do         | •         | Refers to the order of Maduzantaka Pottsppioheholan. Records a grant similar to that contained in No. 607 above. The tax was levied herein on weer-hands, Saliya wevers and other people residing in the streets of Arumolidevupperunderwy, Rajanajappe underuvu, Niguriliseljapperun-   |
| 619 | Do.                       | :          | :        | <del></del> ; | Chela.       | :            | Tribhuvanschakravartin Kajarsjadeva  | 26th year, Makara,<br>ba, di., dasami,  | Po         | +         | deru alias Candugopalapperunderuru and Kuraivanjapperunderuru.  Git of come and sheep for a pefpetual lamp by a servant of Gandagonala.  |
| 611 | <u>å</u>                  | :          | :        | :             | Do.          | <del></del>  | Do   | lay, S<br>ear, E<br>di., ch   | Do. :      | :         | Giff of 33 cattle for a perpetual lamp by Mallaya Dunda-<br>nayaka, son of Appaya Dundanayaka, brother (?, of the<br>mahapradhani Dandinagopa.   |
| 818 | 300                       | :          | :        | :             | . Do.        | <del></del>  |  | 24th year, Mecha,<br>ba. di., pañobami,   | .:         | •         | Gift of 33 outile for a perpetual lamp by Kesava Danda-nayaka, son of the individual mentioned in No. 611  |
| 613 |                           | :          | :        | :             | Vijayanagara |              | Viraprutapa Virupakahadeva. Maharaya, son of Devaraya. Maharaya, who instituted the elephant hunt. | Thursday, Mols. Sake 1393, Khare, Makare, bu. di., ohaturihi, Wed-                | Do         | :         | above.<br>Incomplete. Mentions a king with Saluva birudae whose<br>name is lest.   |
| 614 | å                         | :          | :        | •             | Do.          |              | Virapretapa Achyutszaya-Maharaya   | nesday, Hartu. Saka 1464, Subha- krit, Mithuna, su. di., trayohasa, Sunday, Mula. | Do         | ;         | Gift of 250 papam for offering cakes on ekadasi duys atter<br>the return of the god from procession. The money was<br>deposited on interest with the mangadan of linuvatinur.  |
| 616 | <b>Å</b> .                | :          | :        | :             | Chola.       | :            | Tribhuranachakravartin Rajarajadéva  | 24th year, Rishabha,<br>ba. di. pañohami,<br>Saturday, Ultara-<br>Phalguni        | <br>Do.:   |           | Cift of 83 cattle for a perpetual lemp by Goppaya Danda-<br>nayaku, younger brother of Mallaya Pandanayaka, son<br>of Appaya Dandanayaka.  |
|     |                           |            |          |               |              | -1           |  |   |            |           | The commencement of the transformation of th |

| 1919—cont. |
|------------|
| я.         |
| copied     |
| otions co  |
| inscri     |
| Stone      |

| NO.        | Place of inscription,                     | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.  |
|------------|---|----------|--|---|------------------------|---|
| 616        | On the south wall of the same<br>mandapa. | Chela    |  | 20th year, Simhu,   | Tamil                  | Gift of a flower-garden by purchase hy Madayya Danda-navaka for surplying flowers and carlanda  |
| 617        | On the same wall                          | ъ.<br>:  | Tribhavansobakravartin Rajarajadera                      | day,<br>Do  | Do. :                  | Gift of 33 eatile for a nernefuel lamn by mahanradhani  |
| <b>618</b> | . : :                                     | :        | :  | :   | Do                     | Dandinagopa Madaya Dandanayaka. Beginning built m. Gift of land and cows by Taluvak-kulaindan Vanadaraya of Permisurambur for sarlanda  |
| 618        | On the west wall of the same              | Chols    | (Tribhuva]nachakravartin Rajarajudeva                    |   | Do. ::                 | sacred offerings and perpetual leng to the god. The come were left with Gerudannel-alagiyar of the nambi case and the possession of the land was given to Uttana-vold-alagiyar for retring a flowen graden.  (34f of 38 of the for a marginal lann by a market.   |
| 930        | On the same wall                          | Do       | Kulettunga-Chelade<br>to take the ord<br>Pandyal and Mad | Saturday, person of the chami. 13th year, Merican 11, 11 purson 11, 11 purson 11, 11 purson 11, 11 purson 11, 11 purson 11, 11 purson 11, 12, 13 purson 11, 12, 13 purson 11, 13 purson | Po                     | . I   |
| 189        | :   | Do.      | Tribhuyanachakray  | Ashtamı. 21st year, Simba, 6u. di., dasami, Wednesday.  | Do                     | Kappudalpperumal alias Vikrana-(hola Sambuvatayan, Gift of the village of Kükkulam, a sah-division of Vada Payirkothum, a distriot of Jayangonda-solamandalam for worship and offerings to the good Alagar at Tiramaliz-  |
| 628        | :<br>:                                    | Do. :    | Ď₀.  | ar,<br>Ji.,   | Do. ::                 | unjolai in Pangi-mendalam by Maduranteka Pottappion-<br>obolan Manumakudarasan Trinkahattuderun alias<br>Gugdyagopalan, at Haservico (singil oailed atter him.<br>Gift of the village of Vallwappakkam in Urrukattu-<br>kottam, a district of Jayangonga-solamangalam for the   |
| 828        |   | :        | Tribbuyanaobaktayartin Kolerinmai-                       | daei, Sunday,<br>Sravishtha.  | . :                    | maintenance of Minvaliparappinan-hatten who had to recite sindu (ode) in the temple of Arujalaperumal by the individual mentioned in No. 621 above. Unfinished. Registers that the cows and sheep belonging to the temple may free y graze on certain lands in a large number of villages in Toqui-mangalam whose manes are |
| 189        | . : :                                     | :        | Tribhuvanuchakravartin Vira (Janda.                      | 4th уенг  | Tamil mose and         | enumerated and that no tax will be levied on them by the Owners.  Unmared Sagme to wood a site of 1   |
| 626        | Do  | :        | ٠  | •   | verse.                 | refer to the king as belonging to the Palava family.  Much damaped. Quotes the order of Madurantala Pottappicheholan and records the assignment of extant assets.   |
| 626        | . :                                       | Chola    | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-Choladeva.             | 1 * уеаг  | Dο                     | Gift of land in the village of Alagiyasolanallur for daily worship by Ammai Appan Pändinagu-kondan alias Ira.   |
| 627        | On the north wall of the same<br>mandaps. | :        | :  | :   | Do                     | Registers the gift of the two villages Kallunjanulr and Aiyyankuluttar in Kaliyur-kottam by Naduranaka Po'tappichebojan Manumasiddanskan Tirukbalattideva Gandasonalnan in he 19th ven of Rajankindas   |

| 1919—cont.   |
|--------------|
| Ŗ.           |
| copied       |
| inscriptions |
| B.—Stone     |
|              |

| No     | Place of inscription.                  | Dynasty.     | King.   | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.  |
|--------|--|--------------|---|--|---------------------------|---|
| 628    | On the north wall of the same mandaps. | :            | :   |  | Tamil                     | Records gift of land in the village of Kaliyur in Kaliyur-kottam for a flower-garden by the individual mentioned in   |
| 629    | On the same wall                       | :            | :   | :  |                           | No. 627 above and refers to the 19th year of Rajardjadova. Gift of land in Kalhyur for forming an agaram, to the bhattas of the temple of Gundagopala-Vingagar Emberu-  |
| 680    | Do                                     | :            | :   | :  | Do                        | man at Kaliynr in the 24th year of Kajuraj devu. Keffrs to the order of Maducantaka Pottappichelogian.  Beovels the order of Madurantaka Pottappichelogian fixing the share of the produce which the occupiers of the arecurant and here or ardans helomene to the temple had to set  |
| 631    | On the east wall of the gopura in      | Chola        | Bajakesarivarman Kulottunga-thola-                                | 36th year  | Do                        | apart and granting certain special privileg.s to be enjoyed by the owners on the lands.  Incomplete. Begins with the introduction "qsparg," etc.  |
| 8      | 0                                      | Do. :        | 점   | 45th year, 190th day.  |                           | Begins with the historical introduction "upeberg", etc. Gift of money for offerings at the early morning service by Vangāmulaiyur-Udaiyan Araiyan Mummudi-60lan alias Anukkappallavaraiyan of Manni-nadu, a subdivision of Virudarajabhayankaru-valamadu, a district of   |
| 889    | On the left wall of the same gopura.   | Vijayanagara | Viraprataps Krishpadsve-Maharsys                                  | Saka 1450, Sarva-dhari, Mithuna, ba. di., pañohami, Sunday, Sata-  | Grantha and<br>Tamil.     | Solu-mandalum.<br>Incomplete. The record stops with the date.   |
| 74     | On the same wall                       | :            | :   | Saka 1869, Pingala,<br>Mithuna, Thure-<br>day, Sravapa.            | Do.                       | Records that Visuntarays, son of Anapot Nayska and biother of Singa-Nayska made a git of the four d'arapala images Thanda and Piachanda at the second and third gopuras respectively and the two pinnacles of gold  |
| 9<br>9 | :<br>:<br>                             | Chole        | Rajakesariyarman alias Chakravartin<br>Kulottunga-Chojadeya,      | radav], , [Thu-radav], Uttara<br>Phalguni.                         | Tamil                     | lor the car.  The commencement of each line is very much damaged.  Begins with the historical introduction "usibers", etc. Registers a sale of land, free of raxes, by the prople of Vaidavor in Urrukkadu-nadu, a sub-division of Urrukkadu-kottam, a disfrict of Jayahgońda-Solamandaham to the Mahamuni of Periyakoyl who, was feeding the Brahmans versed in the sacred lore ut Ailkestvan-mutha situated on the north bank of the sacred tunk (Tiruppoigut), of Arul-alapetumal. |
| 989    | <u> </u>                               | :            | :   | Kilaka, Adi  | Do                        | Bailt in. Records the a signment of certain taxes from the village of Nallalam in Vayalamor-pagra A certain   |
| 687    | temple, On the same wall               | :            | Tribbavanachakrsvartin Vijuya Gandu. 21st<br>gopaladsva. dv<br>dv | 21st year, Vri-<br>dohike, su di.,<br>dvadasi, Tuesday,<br>Asvati, | Do                        | foopsanin figures as the signatory. Remission of taxes, for supplying sacred garlands to Periyapirathiyar, on osettain lands in Padai-nadu alias Dorapperamplantur in Kaliyur-kotham which was given for flower-garden, by Siddarasa.   |

| 9—cont.     |
|-------------|
| -           |
| C           |
| 1919        |
|             |
| Ħ.          |
| oopied      |
| ptions      |
| inscription |
| -Stone      |
| B           |

|                           | ift of money hy<br>eriya Timmaraja<br>of Sri ivasa alias<br>ipnpil the ohief-<br>back the image of<br>rpajayam and tet   | vaperunalnallur<br>by Tirukkaletti-<br>ltalva, manalur in<br>am alias Vikrama-<br>da-sol, mandalam,   | cn of the goar.  Sva-M. haraya was ges for the floating at he constructed at temple and for  | the cans should take Congardyan assignished to the stor burning two chebiyar Péraruja-ands presented to  | etual lamp. Attip-<br>n. is menticned.<br>wives of the head-<br>Tirumalarso, paid  | pold for burning a run-perunal. The Repistus an'agree- Kandadai Rima uriot the Kamanuja- of the Kamanuja, certain offenings to Penru-ed. A supplemental of Rayssum Ayrasun deferings is also   |            |
|---------------------------|--|---|--|--|--|--|------------|
| Rетагка.                  | Built in at the beginning. Records a gift of money by harnsadeviast, wife of K munardia Periya Timmaraja Udaiyar for daily officines to the gol.  Records that in compliance with the order of Sri ivasa alias attan Tiruyehgana Ramanuja Jiyar, his popil the chieftain Ramanuja Jiyar, his popil the chieftain Ramanuja brought back the image of Varedaraja and his consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyarpajayam and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from Udaiyana and tet the consorts from the consorts from the consorts from the consorts from the consorts from the consorts from the consorts from the consorts from the consorts | Records a gift of land, by purchase, in Devaperunalnallur a padalippage, in Urruklattu kottum, by Tiruklaletti-Udaiyar, the headmen (bilaven) of Ambelve, manalur in Pujal andu, a ath-divuson of Fulal-Pottam alias Vikremes solu-valanadu, a district of Jayinkonda-solumandulam, | for the purpose of rearing a Hower garden to the governable Built in. Stries that while Krishnadeva-Muharaya was camping at Karbeli, he granted two villages for the floating camping at Karbeli, he granted two villages for the floating festival of god Ekambaranatha and that he constructed two small gast for the Vinakyaku in that temple and for two small case to Powmal temple and also specifis the | Ryshma in the features with temple caus should take routes which the Siva and Vishnu temple caus should take on the respective festival days Nambi Kongarayan sssig-Registers that Tunai-irundan Nambi Kongarayan sssigned certain indiveduals as trunandavilakuhudi to the nea certain indiveduals as trunandavilakuhudi to the temple and exempted them fr. in taxes for hurning two perpetual lamps in the shirings of Nachchiyar Ferarula-lar and Peruddeyiyar in the lamp stands presented to | the temula by the king.  Seems to record a gift of gold for a perpetual lamp. Attip- barra, a sub-dvision of Padaivian-rajya is mentaned.  Records tat Ventamma and Janaki, the wives of the head- man of Alampalli, son of Venkatapati Thramslarso, paid a visit to the temple. | Built in. Records gift of 64 panam of gold for burning a twilight lamp to the god Varantarune-perunal. The doner's name is elliterated.  Built in at the beginning and incomplete. Registers arisagrement by the temple trustees given to Kandadan Remaniayyangar, the sgent of the charities of the lamanum kotta-macham in the Sannadhi street, that for 2,600 chukram gold coins d losit d in the temple treasury, certain specified feetivals, procreations and Mahal-kahm will be conducted. A supplemental later and Mahal-kahm will be second determined a Ayyanarasayan for kome other feetivals and offerings is sheep. | neutioned. |
| and et.                   |  | •   | :  | :  | : :  | : :  |            |
| language and<br>alphabet. | Tamil Sanskrit verse in Pelugu   | Tamil   | Do. :  | Do.  | Do<br>Telugu   | Tamil 100.   |            |
| Date.                     | Pra-<br>isba,<br>dy.<br>Vi-<br>juna,<br>atur-  |   | Saka 1439, İsvara,<br>Mesha, su. di.,  | Saumya, Masi,<br>28th.   | Tai, 10 Ynva, Margasira, su. di., 15.  | Śaka 1873, Fra-<br>moduta,<br>15.<br>Śaka 1462,<br>Karkutaka, śu, di,<br>trita, a. Wedne s-<br>day, Utara-<br>Phalguni.  |            |
| King.                     | raya.  | Maravarman Tribhuvanachakravartin<br>Farakrama-Pandyadeva.  | Virapratapa Krishpadeva-Maharayu   | Καπραφθ Մζαίνατ  | : :  | Mallikarjuna-Maharaya, son of Devaraya-<br>Malasaya, 'who instituted the elephant<br>bunt.' Virapratapa Achyutayadeva-Maharaya   |            |
| I)ynasty.                 | Saluva   | Paṇdya  | Vijayanagara   | Do.  | : :  | Vijayanagars<br>Do.  |            |
| Dlace of incomption.      | anoe<br>same<br>t the  | On the wall to the left of entrance into the same whine.  | On the same wall   | 2 On the wall above the steps leading to the same shrine, right of entrance.   | On the same wall   | In the mandapa in front of the sune shrine, left of entrance.  6 On t'e north wall of the same shrine.   |            |
| 2                         | 688  | 640   | 641  | 642  | 986<br>643<br>644  | 5 Home (Edn.) 11   |            |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| On the west wall of the same shrine.  On the west wall of the same shrine.  On the west wall of the same shrine.  On the same wait, and south walls of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same shrine.  On the same wait of the same same same shrine.  On the same wait of the same same same same shrine.  On the same wait of the same same same same same same same sam   |          |  |                               | 1.0                               | 7.0   | Language and               | 7   |
|--|----------|--|-------------------------------|-----------------------------------|---|----------------------------|---|
| On the west wall of the same shrine.  On the west and each wall of the same shrine.  On the west and each wall of the same shrine.  On the west and each wall of the same shrine.  On the west and each wall of the same shrine.  On the wase and each wall of the same shrine.  On the wase and each wall of the same shrine.  On the wase and each wall of the same shrine.  On the wase and each wall of the same shrine.  On the wase and each wall of the same shrine.  On the wase and each the same wall in the wall of the same shrine.  On the wase shrine.  On the wase shrine.  On the wase wall in the wall of the same shrine.  On the wase shrine | o<br>Z   | Place of inscription.  | Dynasty.                      | Ning.                             | Date.   | alphabet.                  | Kemarks.  |
| On the west and south walls of the gairs Strandgesty-Malarsy signs and coult walls of the Assignment of the Assi         | 279      | On the west wall of the same shrine.   | ;                             | :                                 | :   | 1                          | Same as No. 347 above.  |
| On the same will of the hindred. They make the form western has of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will of the hindred. They make the form of the same will be | 9        | On the west and south walls of the same shine.   |                               | :                                 | 1409, Pla-  | Grantna.<br>Tamil          | Becords that Virupakeha-dapayaka, the son of Ganggahara of the Asrayana-2dra, and a Vasal-maharridhana of   |
| On the same wall Granths and Tamil verse.  On the same wall Granths and On the same wall of the third pre-  On the western base of the hundred. Pijsyanegers Viraprataps rays size 1491, bs. di., drittys, lineday, Uttara-Phalguni.  On the west wall of the third pre- kars, right of entrance.  On the same wall Do. Viraprataps Sadssivadeva-Maharays Sake 1477, Rakha- drittys, Sunday, di., dr., di., dr., di., dr., di., dr., di., dr., dr., dr., dr., dr., dr., dr., dr  |          |  | ·                             |                                   | di.,<br>Sunday, Pushys.   |                            | Narasingaraya Maharaya, made a present of money for the reconseonation (!) oeremony of the images of Machchiyar Perarulalar and Perandeviyar in the temple and that he formed a new town called Virupakahadanayakapuram and that having dug an irrigation canal in the temple lands and planted groves all around, ordered that from the pro  |
| On the same wall Gala 1636, Ananda, Grantha Gala 1636, Ananda, Grantha Gala 1636, Ananda, Grantha Gala 1636, Ananda, Grantha Gala earne shrine.  On the western base of the hundred. Vijayanagara Virapratapa Virapratapa raya Saka 1491. ba. di. Tamil Gala 1477, Kakala. Gala in the second kara, right of entrance.  On the west wall of the third pra. Do. Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya Saka 1477, Kakala. Gala itying sunday, Uttara-Phalguni. Gala itying sunday, Uttara-Phalguni. Gala itying sunday, Uttara-Phalguni. Gala itying sunday, Do  | <b>9</b> | On the south wall of the shrine.   | ÷                             | :                                 | :   | <b>6</b>                   | due of these lands certain offerings were to re made to these images and that a fourth of these offerings should be given to the Ransanijakuta-mathum.  States that i stactarya repuired and regilt the Punyakötivinana which was originally erected by Krishnaraya and which had become dilapidated and that he also erected the Kalyanakòti-vimana and had it also gilt with gold.  |
| On the west rail of the third pra- base of the hundred- pillared mandapa in the second pillared mandapa in the second kara, prakara of the same temple.  On the west wall of the third pra- base of the hundred- pillared mandapa in the second prakara of the same temple.  On the west wall of the third pra- base of the hundred- prakara of the same temple.  On the same wall   | 00       | On the same wall   | :                             | :                                 | Saka 1536, Ananda,<br>Mesha, su. di., 3,<br>Saturday, Robint,<br>Kataka lagna.  |                            | Refers to the same events as in No. 649 above, and gives the details of the date on which these consucrations took place.   |
| On the same wall   | 12       |  | :                             | <u>:</u>                          | ·<br>:  | Sanskrit verse in Granths. |   |
| On the west wall of the third pra.  No. Virapratapa Sadadivadeva-Maharaya Śaka 1477, Kakeha- 110  dvitya, Sunday, Uttara-Phalguni.  On the same wall   | 23       | On the western base of the hundred-<br>pillared mandapa in the second<br>prakara of the same temple. | <b>V</b> іјауапа <b>g</b> аra | •                                 | Saka 1491. bs. di.,<br>dvittya, Tuesday,<br>Uttara-Phalguni.                    |                            | Seems to record a gift of and offerings.  |
| On the same wall Fanchami, Sunday, Do B  | იე       | On the west wall of the third pra-kara, right of entrance.   | G                             | Virapratapa Sadasivadova-Maharaya | Śaka 1477, Kakeha-<br>ea, Sitha, Au, di,<br>dvitya, Sunday,<br>Uttara-Phalguni. |                            | Registers a gift of land, by purchase, in Agaram Navettiku-<br>lattor and Agaram Devarayamuharayapuram alas Foi-<br>gaippakkam by Faradaya Alagiyasingar, son of Mudum-<br>bai Appilai Annayyangar of virunarayamipuram and of<br>the Silvatsa-gotra, for cake offerings to the god on the<br>birth-days of certain Alvare and Acharyapurashas and<br>on certain other festival days. |
|  | *        | On the same wall   | :                             | <u>:</u>                          | Psüchamı, Sunday,<br>Mala.  | :                          | Built in at the beginning. Gift of 8,500 kuli of land houses and house sites, by Allumtirukkalattideva Mahataya-Gandagopaladeva for the construction of the temple and its prakara walls and for growing a flower-garden adjoining it.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|                       |  |                                | •   | 4  |                               |  |
|-----------------------|--|--------------------------------|---|--|-------------------------------|--|
| No.                   | Place of inscription.  | Dynasty.                       | King.   | Date.  | Language and alphabet.        | Летатка.   |
| 655                   | On the west wall of the third pra-<br>kara, right of entrance.                     | Vіјауапа <b>g</b> аг <b>ь</b>  | Virapratapa Achyutayadeva-Maharaya                            | Saka 1457, Manma-<br>tha, Mina, su. di.,<br>saptumi, Monday,<br>Mrigasireha.         | Tamil                         | Begisters an agreement between the temple treasurers and the temple ugent Ramarujaya Tiruppanipilai on the one hand and the temants of the temple lands on the other to the effect that as the areas, coconnut and mange trees growing on these lands had withered on account of   |
| 9<br>9                | On the same wall left of entrance  | :                              | ÷   | ÷  | Sanskrit verse<br>in Grantha. | drought, fresh trees should be planted, the share in the produce which the tennnt should reserve for himself being reakyed on an improved basis.  Refords that Ramanaya ordered the repair of the stone steps of the tank called Anantasaras and made some gifts to the Ekamranatha and Vanderaja temples. Gives the grnsalogy of the carlier members of the Ramata dynasty. The composer of the verses is one Obbah-diskihts of |
| 667                   | On the south wall of the third pra-<br>kara, opposite the Udaiyavar san-<br>nidhi. | :                              | :   | Śubbakrit, Āṇi,<br>28.   | Tamil                         | Krishnapurana. Registers a gift of land in Kuvataivedu by Rayasam Timmakkan for certain testivals and for singing the Timppallandu-hymus of Periyalyar, which function was being parallandu-hymus of Periyalyar, which function  |
| \$9\$<br>\$           | On the wall of a dilupidated mandapa next to the Manavalar sannidhi.               | Vija <b>y</b> ∘па <b>g</b> ага | Virapākshadēva, son of Virapratāpa Prat.<br>Spidēva-Mahātāya. | Saka 1389, Sarvajit,<br>Simba, ba. di,,<br>obaturthi, Wed-<br>needay, Asvani.        | . :                           | Resords that two pieces of land, which belonged to the temple in padaippagu alias Toberumalnallar and which remained unautivated on account of its non-irrigalle high level were purchased as Unauklani by the treasury of Trumelissaliavity, recisined and brought under oultivation and that these lands were leased out for 200 papam of gold per year by the temple.   |
| 699                   | On the left wall of the stable-man-  | Do.                            | Virapratapa Krishnadeva-Mahazaya                              | Saka 1438, Dhatu,<br>Kumbha, su. di.,<br>dvadesi, Wednes-                            | Do                            | Records gift of land, by purchase for 170 pansms of gold, for offerings to the god on particular festival days by Vengayar Kajastinetha of Paramosyar municalum, the firuppa-  |
| 999                   | On the right wall of the same<br>mandapa.  | Do.                            | Do  | day, Svati. Saka 1438, Dhatu, Kumbha, ba. di., pañchami, Wed- nesday, Svati.         | Do                            | nivassii kanakkui in die tempie. Reends gift of land by purchase for 50 panams of gold by Kamaiyan, son of Uttarumender-udaiyan, Anarapadikattur Nallappar, Periya Eraphan Chinna Frappan and Angandai for eake-offerings to the god on five particular fertival   |
| 661                   | On the wall of the outermost gopura, right of entrance                             | · Ω                            | Mahamangalesvara Harihararaya                                 | Śika 1326, Chitra-<br>bhānu, Kumbha,<br>ba. di., saptami,<br>Wednesday,<br>Anuradha. | Do                            | Lade momercial mortals. The gift, by Obhiladeva-End much demagate. Records the gift, by Obhiladeva-Indancial, of 32 cows and a full for maintaining a perpetual lamp in the temple. A large number of high-sounding birutas are mentioned to Philaivar Podukkam Aubaladeva-Manarah, who appears to be the father of the  |
| 662                   | On the same wall   | Do.                            | Vira Kempana Udaiyar  | Śaka 12[96], Anan-da, Karkataka, su. di., chaturda, fi. Wednesday, Śatabhishaj.      | Do. :                         | agonor of the gill.  Records the using ment, free of taxes, of Uttamacholanallar alias Kelijakkam, a village in Brahmsdesappurru in Virpedu-radu, in the sub-division of Kaliyur kottem, by Konappa, son of Muddappar for worship and daily offerings to the god. Arumbagundan and Bashaikkatappura-rayaragandan are mentioned as birudas of Muddappar.  |
| and the second second |  |                                |   |  |                               |  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| No.                       | Place of inscription.   | Dynasty. | King.   | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.   |
|---------------------------|---|----------|---|---|------------------------|--|
| 868                       | On the wall of the outermost gopura, left of entrance.  | :        | :   |   | Tamil verse            | Contains two laudatory verses in praise of one Ramanujayya of liruppulani, who is stated to have undertaken some extensive repairs to the temple at Conjecveram and to   |
| 664                       | On the same wall, right of entrance   | :        | :   | :   | Do                     | have attained to great fame and beatitude. Records that ling Krishnaraya covered the Punyakoti- vimens of the end with sold plate.   |
| <b>665</b><br><b>6</b> 66 | Do. left of entrance . On the east base of the same gopure, left of entrance.                 | ::       | : :   | Suka 1408, Vyaya,<br>Tula, su. di.,<br>dyadasi, Friday,       | Tamil<br>Do            | In modern obstacles. States that Raghavan and Chellaperumal, the agents of Tirumalai-nayaka made, on the occosion of Sathirama-punyakala, errangements with ocrtain individuals of Dusi  |
| 667                       | On the same base, right of entrance   | Saluva   | Nагавіндага уз-Марага уз  | Saka 1408, Parabha-<br>va, Simha, su. di.,<br>tritya, Friday, |                        | that regiged of the vayantanavarious, and the post of the god. Regis ers an agreement by Ayiamman and Isvarappen to hurn a lamp before the god for the ment of the king.   |
| <b>7</b> 668              | On the west base of the same gopura, left of entrance.  | :        | :   | Pushya.<br>Saka 1413, Para-<br>bhava (wrong),<br>Tai, 16.     | Do. :                  | Records the employment of certain individuals in Padai-<br>viqu, under the charge of Karutrajiyar as tiruvilakku-<br>kudi, granted by Egapps-nayaka Intumalar-nayaka for   |
| đ99 <i>)</i> ~            | On the south wall of the Tyagaraja shrine, Yagarajasvamin temple, Tiruyarur, Negapatan taluk, | Chola    | Parakésarivarman alias Rajéndradéya                                     | 3rd year  | Do                     | Isope to the god.  Begins with the short introduction " grimming with the short introduction of the quantity of god which was used for plating and gilding the different   |
| . 670                     | Tanjore district. On the south wall of the same shrine.                                       | Do       | Rajakésanivarman alias Vijayarajéndra-<br>déva.                         | 31st ,  | Tamil verse            | parts of a golden pavilion (pominin-irumandapann). Commences with the introduction "single-generates," etc. Becords that in compliance with the Ling's order Venka- dan Tymnlynkanthan alias Adhikari frumudisélamu-   |
|                           |   |          |   |   |                        | vendavellan utilised cerusin gold and silver vessuls in the temple tressury for the crection of a golden pavilion for the dod Udalyar. Vidivitankadeva of Thruvana in Tiruvarant-kariem, a sub-division of Adhirajaraja-valuadja, i he four verses engraved in continuation refer to several   |
| 671                       | On the same wall  | љ        | Rajakesarivarman alias Tribhuvanachakra<br>vartin Kulottunga-Chōļadeva. | 24th  | Tamil                  | gifts of golden ornaments by Kūttan Senchiyan Vêndavelan of Pūpdi.  Begins with the introduction " usbanbelume", etc. theords gift of 3 kalany, manishi and 1 kunni of gold of standard weight and fineness and equal to Rajarajih madai by Armoli-Rajarajih madai by Armoli-Rajarajih madai by Armoli-Rajarajih   |
| 672                       | Do  | Do       | Do.   | વર્ગ[ક્ટ]   | . :                    | the temple a seembly in purobasing and leasing out 450 kuji of tax-free land for the expenses connected with the sacred bath of the gcd.  Segias with the introduction "quodebeyer", etc. Built in at the end. Gift of 96 sheep for a perpetual lamp to the temple of Mulakti anam-Udaiyar of Turuyarut, in Tiruyarut-kurem, a sib-daisino of Goya-Manikka-valenadu by one Narayana Singalattanaiyan, a portion of whose |
|                           |   |          |   |   |                        | full name 18 obliterated.  |

| 1919—cont.   |
|--------------|
| in           |
| copied in    |
|              |
| ptions       |
| inscriptions |
| -Stone       |
| œ            |

| 1919—cont    |
|--------------|
| ij           |
| copied       |
| inscriptions |
| BStone       |

| -                      | _   |                                | The interior copied in 1918—conf.                                      | copied in 1918—C   | ont.                      |  |
|------------------------|---|--------------------------------|--|--|---------------------------|--|
| Ż                      | No. Place of inscription.   | Dynasty.                       | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| <b>9</b>               | 680 On the same walls   | Chola                          | Parakésarivarman alias Rajéndra-Choja-<br>déva.                        | 20th year  | Tamil                     | Incomplete. Begins with the introduction "Bondenderr" etc. Gives a detailed list of the gifts of Rajendra-()hôja-dêya and his serent (?) A metric of the control of the serent (?)   |
| , 681                  | On the west wall of the Valmikans-<br>tha shrine, same temple.  | ·                              | . :  | huka 16-8, Prujor-<br>patti, wrong<br>Chittrai 5.          | . :                       | pleting and gilding certain portions of the temple, of Arumolikuttain aliae Lokan: argayan of pearls and ooral wreaths and of several other gitts of precious stones and oran lamps to the god. Rajarajan-kasu-nigai-stal is mentioned as a standard weight of gold. States that the jowel-ohesis of the hig temple at Timvardr and Valmikinatha which were in the custody of one individual were now left in the joint churge of two men Brahmarayar and Vijuppadurayar and Myluppadurayarayar and Myluppadurayarayar and Myluppadurayarayar and Myluppadurayarayarayarayarayarayarayarayarayaray |
| 6%<br>80<br>90         | On a slab lying in the Gopalasvamin temple at Bollavaram, hamlet of Froddaturu, Cuddapah distriot.                        | Vізаувпа <u>в</u> ять.         | Virapratapu Viru-Sadasivadeva-Mahatayu, i<br>'ruling at Vijayanagara.' | Sobhakrit, Nija-<br>Sra[vaņa].                             | Telugu                    | accounts if the seals of the poppandaravasal were miss-handled.  Registers the grant of tolls in the pel miga at Bollavaram in Guddaluri-sma which he held as a nayankara, by the Mahamandalesarar limnaraju of the Atreas eggina and born of the Lunar race, for offening to the Atreas gard  |
| <del>တို့</del><br>ဆို | On a slab in a field on the northern side of Modimidapalli, another hamlet of Proddspru.  ALUE TAIUE, BEL- LART DISTRICT. | :                              | :  | Saka 1438, Dhatu,<br>Ashacha, su. di.,<br>18, Thursday.    | Do. :                     | Gopikanatha-Perumal on the day of Krishnashtanut.  Danugged. States that the Garuda-pillar was set up by Valayya, son of Konidi-Seti.  |
| 684                    | S P. P.   | :                              |  | Durmati, Śruvaņa,  | Kanarese                  | Mutilated. Registers the grant of the village of   |
| . 686<br>              |   | Vіја <b>у</b> апч <b>g</b> ага | Virepratapa Krishnedevaräya S  | Śaka 1432, Prumō-<br>dūtu, Maghu, ba.<br>di., 2, Thursday. | Do                        | Langueringally to the Jya of that village for cooking and worship, by Mahamandales are Sri-Raim.  Langued. Mentions Jakke-Nayaka and the village of Hatti-yabelagally. Seems to record a market-regulation.  |
| <b>989</b>             | On a slab lying near the Virabhadrasvamin temple at Nema-kallu.   | :                              | :  | Saka 1484, 19un-<br>dubhi, Magha,<br>ha. di., 14.          | Telugu                    | Registers the grant of 10 mads of gold levied on the members of the Vira-Saiva community in the village of Nenmiskallu, Ramanuam, Saimesammen.   |
| 687                    | On a stone lying near the Basa.<br>vappa well at Belficona.   | V і јаум пады <b>г</b> а       | Virayratspa Vira-Venkatapatideva-Mahs- É                               | Saka 1514, Nanda.<br>na, Vaisakha, su.<br>di., 15.         | Капатеве                  | Belu do na, Timnapanan and Nala-Timmapuran ly Ajati Vira-Saiva Siddia Bhikshavritti-Ayvavaru for a perpetual lamp in the temple of Virabhadra at Nemnikallu. The gift was made on the cocusion of Sivalatri. Registers a grant of land as tax free to five persons for having repaired and restored the well named Madigondana-thavi, hy Kachi Rahuta-Lingappa-Nayaka, the paruputya of Chippagiri-sune and agent of the Mahamandalesvara Ajiya-kaghunatharajiyadova-Maha-arasu.   |

8.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| Š    | Place of inscription.  | Dynasty.              | King.   | l'ate.   | alphabet.                 | •  |
|------|--|-----------------------|---|--|---------------------------|--|
|      |  | •                     |   |  |                           | The state of the s |
| 489, | On a stone set up near the Affisheys   | :                     | :   | Vishu, Magha, ba.  | Капагеве                  | Registers the gift of the village Kundalaguppa surnamed Devalapura to Gurunurfi Linguagadhya-Oderu by  |
|      | temple at Kundalagurti.  |                       |   |  |                           | Maharajadhiraja Handeya Dévappa-Nayaka.  |
| 689  | On a slab in the Kesavasvamin  | :                     |   |  | Telugn                    | neglators the construction of the construction of under it, for offerings and festivals in the temple of persons of the construction of the constr |
|      |  |                       |   | di., 16, Saturday.   |                           | Institute of the Brahmans serving in the temple, by Mahamandalesvara Tumnsyyadeva-Maharaja, son of Kandanavoji Ramuyyedeva-Maharaja and grandson of Āravti Bukka, yadeva-Maharaja. Chippagiri was situated in Madanati-sma which was held as a nayankara by the  |
| 909  | On a slad set up in the Bhogesturn temple in the same village.                                     | Vіја. увля gan        | Virapintapa Achyutudévя   | :  | Sanskrit and<br>Konarese. | donor.  Mobin worn out. Scens to register a grant of land to the Mobin worn out. Scens to chira Tinnaappaya to certain temple by a certain Chika Tinnaappaya to certain Brahmanus doing service in the temple. Adavant is mentioned. Another grant dated in Ananda which is  |
| 691  | On a stone lying in the same temple  | . Western<br>Chalnkte | Vijayaditya Batyasraya Śn Prithivi-                               | Lost   | Do.                       | also damaged is given al. the end of the record.  refers to Tirumalayyadeva Maha-arasu. In archaic letters. Gift of 50 mattar of land for a dower-garden Bhayatharmai Bhayarka Nerabōja is men-  |
| 985  | ő  | Vijayanager           | Virapratapa Krisbpadovaraya-Maharaya.                             | Śaka 1450, Sarva-<br>dbāri, Vaisakha,<br>ha di 30. Mon-                        | Do.                       | thomed, the grant of land for offerings etc., to the temple of Presentar Venkutadri at Unippagiri in Mudanada-sime belonging to Arakersya-venthe.  |
| 909  | the same village.  On a siab set up near the Sunk- lamma temple in the same village.               | : .                   | :   | day, Solar colipse. Saka. 1474, Paridhavi, Pushya, bu. di., 30, Solar eclipse. | Kanarose                  | Registers the grant of rice for offerings, to the temple of Surkedeskatte Vinayskuleva at Chipitairi by Negapsa the sett of Thomarasadeva, the officer in charge of the tolls (sufka) of Adavant-sine and the agent (kanyatolls (sufka) of Adavant-sine and the agent (kanya-  |
| 694  | <u>ō</u>   | :                     | •   | :  | <br>Do.                   | Rarta) deva-A Records raid.  |
| 989  | Mancheria<br>Nancheria<br>On a size lying in the court-yard<br>the Bhimésvara temple<br>Ramadurga. | Western<br>Chalukys   | Ebulokamalladeva, 'ruling at Kalyana-<br>jura'.                   | 8th year. An Ashacha, Amayase, day, Vyst                                       | . Do.                     | Registers the grant of lands, garden, a house-site and an oil nill for conducting offerings, testivals, repairs, etc. in the temple of Bhucetvara situated on the lanks of the Turgathhadra in Sindavali (Thousand by the Mahamanlaletvara hhadra in Sindavali (Thousand by the Mahamanlaletvara).   |
| 969  | On a slab lying near the Bhôge svara temple in the same village.                                   | Do.                   | Fratapachakrarartin Jagadekamalladeva<br>ruling at Kalyanapura '. | 46   | 00                        | Viria Irung ogga-Cuoja manuala, who was a role promoter the temple was founded by a certain Beviaetti. Registers the grant of the village of Honanali for offerings, etc., in the temple of Svayambhu-Bhögewaradeva at Indavali in Sampavaja situated in Adavani 500, by the Dandanayaka Chiyamarasa who was the bergade of Sindavadi 1000, under the orders of his father, the herilalasandhivigradin Kesimayya who was ruling Manedegenadu, Migitt-nadu Kelinayya who was ruling madu and Kallakelagu.nadu.  |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

| 697 On a third slab set up in the same place.  698 On a slab lying near the Hanumans- dope in the same village.  700 The Anian Spara and the courtyard of the Anian Spara and the Anian Spara and the Anian Spara and the Anian Spara and the Anian Spara and the Anian Spara and the Anian Spara and the Anian Spara and Ton a slab set up near the Maramman temple at Eaminahalu.  703 On a slab set up near the Maramman temple at Eaminahalu.  704 On a slab lying near the Timma. | On another slab in the same place  On a third slab set up in the same place.  On a slab lying near the Hanumansdope in the same village.  On a slab set up in the courtyard of the Anianeyasvamin temple at Hetherivi. | Western<br>Chalukya, |   | ,  |          |  |
|--|--|----------------------|---|--|----------|--|
|  | set up in the same near the Hanumans- me village. in the courtyard of svamin temple at i.  | •                    | Tribhuvanamalladeva   | Chalukya Vikrama<br>4th year, Siddhar-<br>thi, pushya,             | Капагове | Registers the grant of land, by the Mahamandalbévara desimayymas for offerings and a perpetual lamp in the femple of Someward emergence has been seed to be a someward on the lamp in the same as the second of the lamp in the same as th |
|  | me village. mithe courtyard of in the courtyard of it.   | Kāshţrakûţa          | Duddhayye, son of Amoghavarsha  | Amavasye,<br>Thursday, Uttara.<br>yapa-Sankranti.                  | Do       | In archaic charucters. Records the remission of taxes sere,  |
| <u> </u>   | in the courtyard of svamin temple at   | Western<br>Chalukya. | Bholokamalla  | 8th year, Ananda, Jygahtha, su. tudige, Friday.                    | Do       | suddhayn etc. on 12 mandelis including Indravali by Ballahu. Registers the grant of 4 matter of land, 'oil-mills, a house-site and a flower garden to Malli-Pandita of Hernkennahala on conducting somethis; is, the terminal of the matter.   |
|  |  | Vijayกทอยูลเล        | Sadasivarāya  | :  | ւրյացո   | consecuted by Gaingtonda Garada-setti of Indravoli and that of Parama-Bhagavati.  Registers the grant of lands in the village of Aligera for a feeding-house for the itinerant Brahmans and Budans who resorted to the temple of Chennak Seava at Halabarivi.  |
|  | ; in the same place.   | Western<br>Chalukya. | Pratupschakravartin Jagadékamallu   | 6th year, Rudhirod-  | Капы ене | The grant was made at the request of Aliya Ramappaya by the king.  Registers the grant of black land, 2 oil-mills and garden to the team of a black land.  |
|  | On a slab set up near the Maramman , temple at Kaminahalu.   | :                    | Ajare-Khane Khoda Yivamda Amadali Ayana-Sana-malki jam Akarama-mulki Abdrle Reb. Sa | Kaka 1573 Nandana,<br>Vaisakha, su. di.,                           | 130.     | Chyanur of Arrya cannagruege by the Indianayaka Chyanur . The demple was built by two gravedas. Records the grant of land free of taxes to a gaveda of Kavmahálu which belonged to Adavani district.   |
|  | On a pillar in the Lakshmi temple Gulya.   | Vijayanagara         | nadevaraya-Maharaya   | Saka 143[0],<br>Sukla, Sravana,<br>su, di., 10, Thors-             | De. :    | Registers grant of lands in the village of Virupasamu dru with the produce of a man, o graden, to a temple whose central shrine, subsantasi and ranga-mandapa were constructed by a certam Narasamb. The donor was of  |
| pps temple at  | On a slab lying near the Timma.<br>ppa temple at Virupapura.   | :                    | :   | Saka 14[7]9, Pin-<br>gala, Chaitra, ba.<br>di., 12.                |          | the Kaundinya götra and Yajus-gakha and hore the title this lord of Yejura in Gandikota 'sane'. Registers the grant of one kash per hera (bullock-pack) on the heras that come into the market at Virupapura, for the temple of Tiruva ngalaratha by I'alavaya Gangapahatha, the agent of the mahamandaleswara Gobrif Tirumalarajayadeva-Mahatrasa.  |
| 706 On another slab in the same place  | n the same place   | :                    | :   | Siddharthi,<br>Vaisakhu, su, di                                    | Do.      | odys and the   |
| " 706 On a slab lying ne   | On a slab lying near a well in the same village.   | :                    | :   | 13.<br>Saka<br>Nandana,  | Do.      | Records a grant of land by Badekhan Nayaka Saheb to  |
| 707 On a pillar set up near the Basaves-<br>varasvamin temple at Bolagoti.   |  | Vijayanagara         | Krishnadeva Maharaya  | Kartika, su. di., 5.<br>Saka 1448, Vrisha,<br>Chaitra, su. di , 1. | Ъо.      | future up-keep. The grant portion is lost. Mentions Kajage Kamapa-Nayaka, governor of Adavani-durga.   |

| R. Stone inscriptions copied in 1919 - cont. |   |
|--|---|
|  |   |
| ın.  |   |
| ~  |   |
| 8  |   |
| ٠ặ   |   |
| -  | Ì |
| 2  |   |
| J  |   |
| ptions                                       |   |
| - 🚎  |   |
| neor   |   |
| -  |   |
| tone   | ֡ |
| U)   | Ì |
| 1  |   |
| - 1  |   |
| نہ   | ١ |
| -  |   |
|  |   |

| -       | Dise of internition.   | Dynasty.             | King.                                      |                         | . Date.   | alphabet. |  |
|---------|--|----------------------|--|-------------------------|---|-----------|--|
| 708     | asvaroin   | Western<br>Chalukya. | Tribhuvanamallıdera. 'rn'<br>Kalyanapura'. | ruling at Cb.           | at Ch. Vik. 50, Vikva. K. vasu. Magha su. di., Friday, Solar coline.                              | Kanarese  | Registers the grant of land, a garden, a well and an oil-mill for offerings, worship and repairs in the temple of Brahnessvaradeva at Holalukonde by the Mahamandalesvara Dasavarannadevarae of the Resyapa-golfra who bore the  |
| 404     | On a gaddigekallu lying near the cliavadi at Kanchagara-Bela gallu.  | :                    | :  | , s                     | Śaka 1639, Hema-<br>lambi, Kartika,<br>baturday, Rohiņi,<br>Amrita-Siddha-                        | .:        | the lord of Alfringeneric and the construction of the Records the commencement of the construction of the temple of Blogesvara, of a well, a tank on the road to Ādavani and the gift of land by Alyvans, son of kulakarni Rayapa Narasumma of Kanchagara Belagallu.                 |
| 01.2    | On a slub lying near the Anjaneya- Western evamin temple in the same Chaluk village.   | Western<br>Chalukya. | Abavamalladēra                             | · čč.                   | yoga, Taitula-<br>karana.<br>Saka 903 Vikram <sup>a</sup> ,<br>Vaisakhu, su. di.,<br>5, Lhursday. |           | Records the revival of the former grants of land made to the temples of Puñoribéévara, etc., and also registers the gift of lands to Kalapriyadéva and two Vishuu temples by Dharevaladévi, wife of Vira. Nolamba Pallava-Pemrosnadiova of the Pallava family who had the title 'the |
| •117    | On a boulder called ' Bachc-gundu'   | <b>.</b>             | Trailokyamalladova                         | :                       | Saka 909, Sarvajit,<br>Vaisakba,<br>Amavasye,   | Do.       | lord of Kanchipura'. Registers a grant of land, to the temple of Vishnudeva of Raganoju, by the Mahamandalesvara dandaradityarasa who had the title 'the lord of Mahishmatipura' and who was ruling the Sindavadi 1000, Bennevaru 12 and [Nujguda.                                   |
| 712     | 12 On a boulder near the entrance into   | :                    |  | `##                     | kolipse.<br>Saka 1549, Prabhave, Chaitra,   | Do.       | Damaged. Seems to register a gift of land and well. Mentions the Mahanayakacharya Kondapu-Dayaka and the villages Sirugunipe and Kambhagara-Felugala.  |
| 718     | 0  | - ;                  |  |                         | Saka 1[6]63, Pramô-<br>duta, Kartika,<br>śu. dia, 13,   | Do.       | Begisters a gift of land to four individuals to maintain a flower-gauten and a well. Mentions Yellapa Nayaka, the agent of Makhasahi of Gajahala, who was again the agent of Makhasaheb, Killedar of Adavani.  |
| · 714   | 14 On a stone set up in the Byadaru-<br>keri at Vandavagilli.  | :                    |  |                         | Eunday.<br>Khara, Sravana, su.<br>di., 10.  | Do.       | Mutilated. Records the Jease of Ishin Kranbul in the Separation of Variation of Chennagasen and the citizens of Vandavagila by Chennagasen Asyaka, the agent of Timmapa-Nayaka, the son of Virupana-Nayaka,  |
| (Edn.)— | 715 On a slab lying in a field to the west of the village of Hebbettam.  |                      |  |                         | Saka 1517,<br>Manmatha, Wasakha, ba.  |           | Records the grant on lating to a privace marginal and a gauda, senabova, talayara and the ayagaras of Hebbeta for having constructed a tank when there was scarcity of water for eathle in the village.  water for eathle in the village.  |
|         | 716 On a stone set up near the Bhogse-syarasvamin temple in the same village.  717 On a slab set up near the Kalla-sarva temple at Navaniki. | 6-<br>6-<br>Усдача   | Yadava-Narayana Praudha I                  | bs Pratapaoba-<br>deva. | <u> </u>  | r, Dc.    | تقدیع ہے   |

B.—Stone inscriptions copied in 1919—cont.

|       |   |                      | TOTAL STORES  | Course their purctis copied in 1919—6014.                                 | eont.                     |  |
|-------|---|----------------------|---|---|---------------------------|--|
| No.   | Place of inscription.   | Dynasty.             | . King.   | Date.   | Language and alphabet.    | Кетагке.   |
| 718   | On a slab set up near the Sunk-<br>lamma temple in the same<br>village. | Yadava               | Iadava-Narâyaņa Praudha Pratāpaoba-<br>kravartin Kamachandradēva. | Saka 1209, [1]7th<br>Year, Sarvajit,<br>Stavaņa 6u. di.,<br>15, Thureday. | Sanekrit and<br>Kanarese. | Records the gift of two panas on every ten pack bullooks by the merchants of Vira Narayanapura Tumbula-pattana to the Mahanayaskacharya Nageya-Nayaka, son of Kammeya-Nayaka. Mentions the king's subordinate Devarane, and  |
| -719  |   | :                    | :   | Paridhāvi   | Do.                       | the villages granted to Nagaya-Nayaka in Sindaradi-iadu. Mutihted. In archaic chanactors of about the 11th century.  |
| 720   | ō   | :                    | :   | ;   | Persian                   | Mentions the names of some gavantas.   |
| · 721 | <u>ō</u>  | : -                  | :   | Hemalambi, Jyesh-<br>ta, su. di., 15.                                     | Kanarese                  | Fixes by lease the rent and due to Lingarasa, the agent of Bacharasaya, from the gauda and the people ofthe village of Knewind; for having reconstituted the village rained  |
| 723   | <u> </u>  | :                    | :   | Manmatha, Magha,<br>su. di., 12,  | Do                        | by Madayya.  Records the appointment on contract, of Linga-jiya Nandi- iya for worship in the temple of Bhimésvaradéya at  |
| 7.88  | <u> </u>  | Vijayanagara         | Virapratapa Sadasivaraya  | Thursday.<br>Saka 1466, Krodhi,   | Do.                       | Kurukunde by Kondapaya, the agent of Bacharasayu. Registers the remission of certain taxes on harbers at Kuru-   |
| - 724 | <u> </u>  | Western<br>Chajukya. | Kictivarma Satyasraya Prithvivallabba                             | Magha, ba. di., il.<br>Lost   | Do                        | kundi situated in Adavāni-slme.<br>Mutilated. In archaic characters of about the 9th century.  |
| 726   | <u> </u>  | ··<br>Vijayanagara   | Sadasivaraya  | Śaku 1420, Kalayu-<br>kti.  | Do<br>Telugu              | Begisters a grant of wet and dry lands to a private individual by Gullya Kavapa-Nayaka for having constructed a tank. Records the grant of the village of Tunmulabidu for effective to the translated for the state of the construction of the contraction of the co |
| 727   |   | :                    | :   | Saka 1463, Plava,<br>Bhadranada, su.                                      | Капагесе                  | Hullyahidu situated in the Hente-sine which was best-<br>owed on damaraju-Köneti-limunraja. Registers the grant of land to certain bövas for the construction of a rank man decrease and the maken thereof   |
| 728   |   | Western<br>Chalukya. | [Tribha]vanamalla   |   | Do                        | by Mallapa-Nayaka. Mutilated. Mentions the Mahamandalesyara Sekaradeva. Seems to record a grant of land, a garden, an oil-mill and   |
| 729   | Kuruvalli. On a slab built into the wall of                             | :                    | :   | a 1479, Pingala,<br>artika, ba. di.,                                      | Telugu                    | a house-site. Dannaged. Records a grant of land to certain artisans attached to the temple of Cheunak stranders for the merit  |
| 730   | on a slab set up near the Anjaneya-<br>svamin temple at Hallgera.       | ljayanagara          | Sadasiya raya   | :   | Po                        | of Nidhiraja Srirangarajayndeva-Maharaja. Registers the grant by the king of the village of Aligers to the the temple of Chembrekeyara, at Halahari and to the choult which which the second to be the Parameter of the the Parameter of the the Parameter of the the the Rechause tensors.  |
| 731   | On another slab in the same place .                                     |                      | Virapratapa Sadasivaraya-Maharaya,<br>'ruling at Vidyanagara.'    | Śaka 1482, Raudri,<br>Margasira, śu. di.,<br>12.                          | Do                        | Ing by the military route (dangdovs).  Mutilated und damaged. Seems to register the money and grain income in the village of Hafigera belonging to Adayani-durga which was hold by the Mahamandalesyare Srirangwaraja, son of Siddhiraja, Aubalianja sa namara-numbuli et et ha temple of Kasaya, Ponnad at Hallahariya.   |
|       |   |                      |   |   |                           |  |
|       |   |                      |   |   |                           |  |

| ļ     |  |                       |   | •                                 |  |                           |   |
|-------|--|-----------------------|---|-----------------------------------|--|---------------------------|---|
| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.              | King.                                   |                                   | Date.  | Language and<br>alphabet. | . Remarks.  |
| J 732 | On a slab set up near the İsvara<br>temple at Nagaruru.  | Yadava                | Yadava-Narayana Prati<br>Kannaradeva.   | Pratapachakravurtin               | Śaka 1176, Ananda,<br>Āshacha, su. di.,<br>11, Monday.                       | Капагеве                  | Begisters the revival of the previous grant of land to the choultry of Somanath: deva by the Mahaprachana and Sarvachikari Jogana-Rahuta who was ruling the Sinda-  |
| 733   | On the same slab   | Do.                   | ρ°°                                     | :                                 | Śaka 1177, Ra-<br>kshaea, Ashadha,<br>śu di., 11, Mon-                       | 1)0.                      | vadi-nadu.  Damaged. Seems to register a gift of land to the temple of Siddha-Somanathadova at Naganuru by a certain Papagideva.  |
| 784   | On another slab in the same place  | Western               | Śriditya Bhatara                        | :<br>:                            | day.   | Do.                       | Seems to record a grant of land in Nagamangalu. Mentions  |
| 736   | On the Garuda-kambha set up in front of the Chennakésvara-<br>erann temple at Chinna-          | <br>                  | :                                       |                                   | Rudhirodgari,<br>Magha.  | Do.                       | Tondaiman Muttarasa and a Chairya temple.  Seems to provide for offerings in the temple of Adikosava- natha consecrated by Prutapa Harihararaya.  |
| 786   | On the wall to the left of the ettanos into the Lakshminara-yansavamin temple at Fedda-Hofmin. | :                     | :                                       |                                   | Śaka 1463, Płava,<br>Kartika, su di.,  | Kanarese i<br>Nagari.     | in Records the gift of land for offerings in the temple of Lakshminarayanadeva at Sangamapuram.   |
| 137   | On the Garuda-kambba set up in front of the Añjaneyasvamin temple in the same village.         | :                     | :                                       |                                   | Saka 1681, Prama-<br>thi, Sravana, ba.<br>di., 8, Friday,                    | Ка патеве                 | Records that the Garuda-kamba was set up by Machiredi. The village is called Hire-Hoturu.   |
| 738   | On a stone pillar set up at the entrance into the village of No decondance                     | •                     | :                                       |                                   | Rohiņi.<br>Svabhanu, Ashadha,<br>su. di., 10.                                | Do.                       | Boords the gift of a Vinayaka-pillar (benakana kamba) by Devarusa, son of Kereya-Naganna of Nagaradone.   |
| .739  | On a slab lying near the Kallesvara-<br>evamin temple at Suluvayi.                             | Vijayan <b>a</b> gara | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya       | :                                 | Śaka 1486, Dur-<br>mati, Sidvaņa,  | Do, .                     | Damaged. Records the gift of some land and cash income to Kalinathadeva by Mahamandalešvara Tirumalaraja Rama-  |
| 740   | On the south wall of Arjunslinges. vara temple at Pallichchandal, Madnra district.             | Pandys.               | Maravarman alias K<br>'who was pleased' | Kulasekharadeva,<br>to take every | 6a. di., 15.<br>23rd year, Michuna,<br>6u., di., tritiya,<br>Friday, Pushya. | Do.                       | Records that the images of Kuttaduvar and his consort set up in the temple in the 22nd year, were conscrated and that provision was made for worship by Kulpa Jazrayar,   |
| 141   | On the north, west and south walls of the same shrine.   | Do                    | D <b>o.</b> do.                         | :                                 | 20-1st year, Karka-<br>taka, 8, ba. di.,<br>ekadesi, Rohiņi.                 | ъо.                       | devi-ohaturvedinanigalam, a brahmaduya below Velurku- lam in Madurodaya-valanahu, a brahmaduya below Velurku- lam in Madurodaya-valanahu, a devadana of Mudivalan- gu-Fandiya Isvaramudaiya-Nayanar.  Damaged. Seems to register a sale of land by the assembly meritioned in No. 740 above to Kuttan Tennadan alias Tribhuvanasingadova residing in Kannanür in Malai- mandalam. Mentions the temple of Musugunattiruva- ramisuram-udaiya-Nayalnar]. |

|     | Place of inscription.   | ption.    |  | Dynasty. | sty.   | King.                     |               |           |   | Date.                               |      |               | alphabet. | <u></u> | A COLUMN TO THE STREET STREET STREET   |
|-----|---|-----------|--|----------|--------|---------------------------|---------------|-----------|---|-------------------------------------|------|---------------|-----------|---------|--|
| 1,  | On the north wall of the central shrine in the Vaidyanatha temple at Tirumalayadi (Uda- | the Vaidy | the central<br>Vaidyanatha<br>layadi (Uda- | 6        | :      | Parak6sarivarman          | :             | :         |   | 10th year                           |      | Tsmil         | nil       | :       | Records the gift of a silver salver for betel offerings to the temple of Tirumalavadi-Udsiyar by the queen (?) Nakkan Tillaialagiyar alias Solamadeviyar. Mentions the standard weight called Vaiyagattarkkal. |
| 61  | yarpajayam taluk, district).  |           | Groden:                                    | Do.      | :      | 24                        | , <b>₹b</b> o | conquered |   | 17th "                              |      | <del></del>   | Do        | :       | *  |
| m   |   |           | :  | Do.      | :      | Madura. Parak 6sarivarman | :             | :         |   | 6tk "                               |      | <u> </u>      | Do        | :       | Poygai-nadu.   |
| *   | Do  |           | :  |          |        | :                         |               |           |   | -                                   | •    | <u> </u>      | Do        | :       | Gift of a gong to the temple of Tirumalavadi-Alvar by a private individual.  |
| 42  | Do.   | •         | :  | Chōla    | :      | <u> </u>                  | oum,          | conquered |   | 19th year                           | 5    | :             | Do        | :       |  |
| 9   |   | •         | :  | Ď.       | :      |                           | :             | :         | : | 1[7]th                              | :    | <del>:</del>  | Do        | :       | Records a gift of a lamp to the te   |
| 1   |   | :         | :  | Do.      | :      | Parak6sarivarman          | :             | :         |   | 1[6]th                              | •    | :             | Do        | :       | Unfinished. Records the gift of a copper-inning of the religious deva and a silver plate for betel at the silval offerings.  |
| • • |   | :         |  | Do.      | :      | . Do.                     | :             | :         | : | 3rd                                 | 2    | :             | Do        | :       | Registers a gift of land by purchase, for a lamp to the temple by a certain Arinjigalkeni, daughter of 'Mutta-   |
| đ   | ć   | •         | •  | Ď<br>D   | :      | Do.                       | :             | :         | : | 4th                                 | £    | :             | Do        | :       | Udanyar.  Giff of shelep for a lamp to the same temple by a native of Kilsandellandu.  |
| 10  |   | : :       |  |          | :      | . Do.                     | :             | :         | : | 10th                                | :    | :             | De. :     | •       | A similar gift of sheep for a perpetual lamp. Tirumala-vadi is said to be a devadana in Miypi [la]gu which was a   |
| :   |   |           | the same                                   |          | ;      | :                         | :             |           |   |                                     | :    |               | Do        | •       |  |
| T 6 | shrine.   |           |  | Cboja    | :<br>: | . Parakesarivarman .      | :             | :         | : | 3rd y                               | year | <del></del> - | Do        |         | othe god<br>idayinth   |
|     |   | · ·       | •  |          | :      | Do.                       | :             | :         | : | 10th                                | 2    | :             | Do        |         | Fragment. Seems to register a gift for a lamp. Mentions<br>Porakkadu in Arkkattuk-kurram.  |
| 7   |   | :         | •  | Do.      | :      | Rajakesarivarman .        | :             | :         | : | 27th year,<br>Saturday,<br>Bharani. |      | Tula,         | Do. •     |         | Stones displaced at the right end. Records a gift of money for a lamp to the temple of Tirumajuvadi-Perumanadi-gal by Ijungon Picholi, the senior queen of "Solapperu-gal by Ilungon Franchica of Valumanajuva |
| 16  | Å.  | :         | :  |          | •      | . — . —                   |               | :         | • | 27th year                           | :    | :             | Do.       | •       | Gift of land for a lamp to the same temple by a certain Parisaikilan Nakkan Singdidvan of Privandatturai in Arkkatturkirran, who purchssed it from the assembly  |
| 16  | Jo.   | :         | :  | <br>     | •      | Pa[ra]kesarivarman.       | :             | :         | : | 7th ,,                              | :    | :             | Do        | •       | of Marapidigu-chaturychinangyani. Intercepted by pillars. Cift of sheep for a lamp to the same temple by a native of Tanjavur.   |
| 17  | Do.   | :         | •  | Do.      | •      | Parakésarivarman          | •             | :         | : | 6th ,,                              | :    | :             | Do        | •       |  |
| 18  | Do.   | :         | :  | <br>Ö.   | •      | [Ra]jakésarivarman        | ٠             | •         | : | 23rd ,,                             | :    | :             | ů.        | :       | Registers a gift of land, by purchase, to the temple of 'Tirumalaradi-Mahadara by a certain Ayiraran Bhadh, the headwan of Arkand in Porakkadu, as unbediviation of  |
|     |   |           |  |          | ,      |                           |               |           |   |                                     |      |               |           |         | Arkaţuk-karram. Mentions Vattauārkudi, a brahma-<br>deya in Poygai-nadu.   |

| 30cont.   |   |
|---|---|
| <u> </u>  |   |
| yeal  |   |
| the   |   |
| :.<br> -  |   |
| C.—Stone inscriptions copied in the year 1920—rone. | • |
| C.—Ston   |   |

|             |   |          | June 1                                   |   | Language and | Remarks.  |
|-------------|---|----------|--|---|--------------|---|
| N.          | Place of inseription.   | Dynasty. | King.                                    | Date.   | alphab.t.    |   |
| 19          | th walls  | Chole    | Raja, naobakravatiu Katoringa-Chejadeva. | Kulot- (14 th year  | ramil        | Built in at the heginning Begins with the introduction or george is good to the tepisters the appointment by royal order of a certain the indrabledown Blatta for an additional Saivacharyakkani in the temple at Tiruwaka vadi in Poygai-nadu a sub-division of Pavenpamilude.   |
| 22          | ()n the north wall of the Utsava-<br>vigraha shrine adjoining the<br>contral shrine in the same temple. | Hoy sala | Sarvabhaumachakrevartin Vira-Ramu-       | na. 19th year, Meshs bs. di pratha-<br>ma, Monday, Anuratha.                  | :<br>:       | deffyn predamadu. Register a gift of land, by purchase, to a certain individual Registers a gift of land, by purchase, to a certain individual for for bringing a pol of water from the Remote at hirmagapadi the sacred bath of the mage in the temple at hirmagapadi in Poygai medu, a sub-day sion of Edyrrag-valenada, by one of the andars hving to the same villace.  |
| 12          | On the same wall (inside)   | Do.      | Do.                                      | 16th year, Vithuna.<br>ba. di., ökadası,<br>Friday Bharani.                   |              | Records a similar gift of land for the same marpose by a brother-milaw of Viraixa Bandanayaka the Mahapusedhani of the king.  |
| 22          | On the north and west walls of the same shrine.   | Chōia    | Tribhuvanachaktavartin Kajarajadovu      |   | Do           | Another gift of land by purchase for the same purpose by Farantanguate alias, so nakon who had the kayalkani of Firumajayadi alus Juachutanemunilu. which rise a dovadana of the temple Records also some previous gitts up the same Ierson of a brass vessel purpose gitts up the same Ierson of a brass vessel purpose gitts by the same Ierson of a brass vessel purposed (annuakkondi), a kalem, two sounding norms, a bamboo timusudatandu, a mairrot, scannding conch and five lamps. |
| 64          | 23 On the west wall of the same   | Ноуна]и. | Sarvabhaumanghukravartin Vira-Kamuna-    | - :   |              | Another gift to hand for providing a pot of water daily from the Kaveri for the sacred bath of the god by a certain Pananya-Nay-har.  |
|             | shrine.   | Chūja    | Tribhuvangohakravartin Rajarajadeva      | Hasta.<br>14th. yea   |              | Unfinished. (aft of land by two residents of Nerknigam in Point-tadia, a sub-division of Pubyurk-kottan alias Kulottunga-kota-valanada in Jayangonda-kottamandalam.   |
|             | On the west and south walls of the same shrine.   | D.       | Do do.                                   | 26 + 1st year, Kar-<br>kataba, ba. di<br>trayodafi, Sun-<br>day, Punarvasu.   | . Do         | Bull in at the right end. Records a tax-free gift of land by a near-heat of bianpuran in Malai-mandulm for maintaining a well, a wafer-trough and a servant for drawing water in the south gate of the third prakara for devotees to wash their feet before entering the temple.  |
| 985, Home ( | 26 On the south wall of the barae   | :        | :  | Saka 1409, Playan-go, Dhanus, ba.<br>di., tritiya, Monday, Pushya.            |              | Registers a gift of land to a damaing women for service in the temple, by Koncrideva-Maharaja   |
| (Edn.)—14   | on the same wall  | Choja    | Tridhuvanasdakravartin Rejalsjadeva      | eva . 5 + 1st year, liishe-<br>bha, su. di.,<br>pañohann, Mon-<br>day, Chira. | De           | Giff of land by purchase for two lamps to the removes. Trums lapadi Udaiyar by a resident of Krighr in Kunjat-kariam, a sub-division of Uttungstungs-valunadu.  |
| }           |   |          |  |   | _            |   |

.-- Stone inscriptions copied in 1920-cont.

| į           |  |          | O.—Stone mser   | nptions on      | Stone inscriptions copied in 1920—com  | mr.                       | +   | - Brownian and Common Common and Common and Common  |
|-------------|--|----------|---|-----------------|--|---------------------------|-----|--|
| <b>X</b> 0. | Place of inscription.  | Dynasty. | King.   |                 | Date.  | Language and<br>alphabet. | pu. | Вешаткя.   |
| 28          | on the right wall of the Ganapati shrine in the same temple.                             | Choja    | Rajakesarivarman  | :               | 6th year   | ľamil                     | :   | Beords gift of gold for the stibali offerings by a certain Parisaikijan Ayiravan Padaiyalan of Parivandattugai in Agrattuk-kurram on the southern bank (of the Kavert).  |
|             | On the west wall of the Junésvara<br>shrine in the sanc temple.                          | 1)0.     | Tribhuvan achakravartin Rajendra-Chola-deva,                          |                 | 3rd year, V pischika,<br>su. di., chaturdasi,<br>Sunday, Asvati.   | Do                        | :   | Giff of land in Rajagambiramangalam separated from Nittavimotarallm. for a pot of Karent-waver for the sacred bath of the lord of Trumalayadd by the wife of Arasur Nanjami Kanda-Blatkan of Gandaraditta-   |
| 30          | On the east, north and west walls of Chandesvara shrine in the same temple.              | Do       | Parakésarivarman alias Kajèndi<br>déva.                               | Kajendra-Chola- | 23rd year  | Do                        |     | chturvetunangalam. Beginning toka, 'scene to record a grit of land by certain Brahmans of Macurantaka-chaturvethirangalam, a brah- madēya, to Clandesvaradova a. Finumalavādi,a devadāna in Poygat-ja du, a sub-division of Vadagarai Rajendra-  |
| 41          | In the third gopur leading into<br>the central shrine, left of<br>entrance, same temple. | Paṇḍya   | Jatavarnan alias Tribhuvanachakravartin<br>Sundara Pandyadeva.        |                 | 3rd y-ar, Vrischika,<br>ba di, dvilita,<br>Saturday, Rohiņi.   |                           | :   | singa-valua in. Gitt of land for fedeling two pot fuls of water daily tron the Kaven for the stored bath of the loid of Trum davadi by Arayan Deivachenhayan this Edinbakai Alegiyan of Valunat alos Vembanathar in Kaver-kuran, a   |
| 32          | On the same gopura, right of entrance.   | Choja    | Rajakosarivarman alias Tribhuve<br>chaktavartin Kulöttunga Chöladeva. | 118-            | 29th year  | Ъ°. :                     | :   | district of Paulemmudutum, "yegong adame", the lift begins with the introduction, "yegong adame", the lift of a falle femper of Thumalway, in Poygar nadi, a sub-division of Geyavinoda-valemadu by a native   |
| 69          | 110.   |          | Paraksarivarman alias Rajendra-Chōla-deva.                            |                 | 2[6]th year, Risha<br>bha, Sunday,<br>Anaradha.  | Do                        | -   | of Threelphur in Kavriadu.  End build in Segius with the introduction, "Sgresseners", etc. Records remission of cont on taxes on lands granted for teaching in the Gangalkondan-salat in the temple by the great assembly of Gandaraditae-chalmengalem, a hadmadey in Poygai-nadu, a sub-division of Rajondan-singa-valana tu who nost at the hall called Utlamasõjan-   |
| 76          | .1)0.  | Pandys . | Jatavarmun alius Tribhuvonuchukuvartin<br>Vira-Papdyadeva.            |                 | 6th year, Karkataka,<br>ba, di, dvadasi,<br>Sunday, Mrga-<br>strsha.   | Do                        | :   | unadagam<br>Gift of land a Nithavinodam agalam for two pots of<br>Kaven-wert for the sarend-hath of the lond of<br>Yan malayad by Finbalaryan Irssingadevin, ene of the<br>Kaikkolars of Tendamahar-aparam in Karanguda-nada,  |
| 35          | Do.  | Сhōja    | Rajakésarivarman alias<br>chakravartm Kaloituñga-C                    |                 | th year 137th day  | Do                        | :   | a cub division of Pandi-mandulam.  The its ription begins with the introduction, gasegorgenerge 2, etc. (ift of 90 sheep for a pappetual lamp to the temple of Trumal-radiu forgan-radiu, a sub-division of Trubhavanan-dadudai-valanadu by Truvegambannado, effigagasandar, danghter of Nalamba.  |
| 36          | Do.  | Do       | Parakesarivarman alias Rajendia-Choladeva.                            |                 | olst year  |                           | •   | Begins with the historical introduction. 'Scienceleart", etc. Giff of 96 sheep and a lampe tand for a perpetual lamp to the Lord of Trunallavädi, in Porgai-nadh, a seb division of Rajendrashuga-valaradh by Ulagadiyal, daughter of Pelandaran. Dendaráshan Kutkan Janaiathan alias Valavannarayar. Marasiyan Kutkan Janaiathan alias Kannarahan alias tananathan alias t |
|             |  |          |   | -               | and the second s |                           | - 4 | response mattered with Fig. 1. S. Ja. 1.   |

| C Stone inscriptions copied in | l in 1920—cont. |
|--------------------------------|-----------------|
| Stone inscriptions copied      | ın              |
| Stone inscription              | copied          |
| Stone                          | ptions          |
| Stone                          | insori          |
|                                | Stone           |

| -        |  |                    |  | Deta   | Language and | Ілетанів.  |
|----------|--|--------------------|--|--|--------------|--|
| No.      | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.  | Date.  | alpha bet.   | 10 (c. 10 (c. 10 c |
| 37       | On the same gopura, right of entrance.                               | Сћоји              | Parakēsarīvarmın alias Rajendra-Choladeva.   | 20th year  | Tamil .      | Begins with the historical introduction of government, see Gitt of paddy for offerings to the image of Pilliyar Firenjifanasambandadigal. Themayukkaraiyadéya and Firenjifanasambandadigal. Themayukkaraiyadéya and Firenjifanasambandadigal. Nampi Arnandr set up in the transperse Timmalandigan. Nampi Arnandr set up in the transperse for an analysis of the production of the page of the production of the page of the  |
| 38       | On the east and north walls of the first prakars of the same templo. | Do                 | Tribhuvanuchaktavattin Rajarajadova  | 29th, ear. Mithuna,<br>ku di, tritiya.<br>Mcuday, Pumervahu.           | :<br>å       | aline Trauppathitanappeding and his refering the fluid in at the cost, to the black in Nadoring dam on the hander of Gonderaditya channel who had to fring a pot of mandenance of the person who had to fring a pot of water from the Kavon for the stored-bath and officings water from the Kavon for the stored-bath and officings water from the Kavon for the stored-bath and officings we the image of blackmaps.   |
| 39       | On the north wall of the same prakara.                               | Do. :              | Do. do   | 20th year. Karka-<br>taka, br. di,<br>puñchadasi, Mon-<br>da), Pushyu. | 100.         | temple.  Built mat the end, dift of la d by parchase for a perpetual lamp to the temple of Thru nahava'd in Poygan-radu, tan lamp to the temple of Thru nahava'd in Poygan-radu, a sub-distion of bajaraha-valanaan by Vallaya Dunda-nayakan of Aranaphanayaka, van thu parahanaya (Yhra-Nausainhadeva) puram, one of the pradhants of Vhra-Nausainhadeva.   |
| 40       | In the third gopura leading into                                     | :                  | . : 3  | :  | Teluga       | who was a great parlanthopost to the peor and the  |
| 4        | Out  | Ноуваја            | . Vira-Ra[manatha]deva   | [1] 3 Mesha, su. di.,<br>say tani., Satur-<br>day, Asièsha.            | 'l'amil      | poods.  But at the heginning. (init of lard for the namber-and to the person bringing water to the secretable of the god at Thunnalayadi by Dovannen alias Devapperuthe god at Thunnalayadi by the variety of the followers mal, son of Kalayanda, a Dovannen one of the followers   |
| 42       | On the same wall   | :                  | Lost   | day), Biaraņi.   |              | of Mahappradu nu Vita Congornal and for the mainten-Built in ar the legimung. (lift of lend tor the incomitien ance of the jerson bringing a pot of water from the Ravers to the sacred-bath. Mentions the Mahapradham Viraiya Dandanayaka.  |
| 4        | 43 Do.   | Choļa              | Tribhuvanachakravartin Rajarajadova .  | Mns gu. dt., obaturlasi, Monday, Uttara-Phalguni.                      |              | Gift of lane in Bajarajamangalam which was separated from a thramasolarallur, a hambet of translathya-chaturvedinangalam for the mannes of the person burging a pot of kaverrwater for the sacred-bath of the lord of Thramajavach in Poygan-nach, a sub-chvisson of Rapanjaradawach, by Pasim Vikramadukan Vallaya Nayakan, a native of Manchhanaganallur of Tuluraliya.  |
| <i>*</i> | 44 Do.   | Vіјаун-<br>падыга, | Pratapadevarāya  | Saku 1866, Prama-<br>dicha, Mithum,<br>an, di, dyilya,<br>Friday Pusha | a, 100       | Beginning not engraved on the Nail. Security of gift of lond by purchase for effecting cakes to the image of Alagiya-pillaryar set up in the temple by one of the kapinalars.  |
|          | . Do.  | Ноувија            | Sarvabhaumachakravartin Vira-Kams-<br>nathaceva.   | <u> </u>   | Do. :        | Damaged. Registers a gift of land for the manuforance of the person bringing one pot of water for the sacred-bath of the lord of Trumajavadi.  |
| ,        |  |                    | To the state of th |  |              |  |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—cont.

|   |                                |   |          |                     | 4   |  |                        |      |  |
|---|--------------------------------|---|----------|---------------------|---|--|------------------------|------|--|
| Z.  | Place of                       | Place of inscription.   | Dynasty. |                     | King.   | Date.  | Language and alphabet. | pui. | Ветагья,   |
| 46  | On the north well prakara.     | wall of the same  | Hoyesk   | :                   | Sarvabbaumachakravartin Viva-Rama-                          | 18th year, Rishabha,<br>bu. di., pañchami,<br>Monday, Uttara-<br>shadha. | Tamil                  | ! :  | Gift of land by purchase in Pomannenvilagam by Knamannan, son of Kasapan Kallannagal for a perpetual lamp to the temple of the lord of Tranalavadi. Mentons the liquid measure 'Sembyan-Mahadevi.'   |
| 4   | On the west<br>prakera.        | wall of the same  | å        | :                   | Do.   | 19th year, Kishabha,<br>su. di., dyiliya,<br>Wednesday,<br>Misafiraha.   | Ъо                     | :    | Giff of land in Ponnarmonivilagam separated from Unguyyavan lanallur a hamlet of Guadauaditya-chatar-vedimangalan for one pot of Kachi-water for the same about of the control of the cont |
| <b>4.8</b>  | On the same wall               | : :   | D.       | <del>-</del> :      | Do.   | 1[5]th year  | Do                     | :    | Records a gift of the first of  |
| 4.<br>Or  |                                | On the east wall of the mandapa<br>hetween the 2nd and 3rd gopuras. | •        |                     | :   | Śaka 1412, Sadhu-<br>18pa, Kartigui,<br>10th day.                        | Бо                     | :    |  |
| 50  | On the south wall mandaps.     | wall of the same  | •        |                     | :   | Vıjuya, Kartigai,  | Do                     | :    | varadhisana, etc. Records a gutt of land in Udayan and Aminanigalam for offerings by Sevvapp. Malavarayasolagai. Refers to an  |
| 19  | On the west<br>mandaps.        | wall of the same  | :        | -                   | :<br>:<br>  | Saka (14]14,<br>Paridhaji, Avani,<br>26.                                 | Do                     | :    | earlier gitt of land for offerings to Aravattimuvar (63 Saiva devotees).  Kittel land in Per-Arasar as a devadina to the (images of)  Nayamar set up in front of the temple after paying certain amount anto the resure, of Konendeva-Maha.  |
| 62  | On the left wal                | On the left wall of entrance of the kitchen room, same temple.      | Pandya   | - <del>Z</del><br>; | Mayvarman alius Tribhuvana ohakzavertin<br>Kulnsökharadöva, | Su. di., chatur-   | Do. :                  | :    | raju. Demaged. Gutt of land by porchase in Nittavinoda-<br>nanggalan for offering to the image of Bhishatacadova   |
| <b>re</b><br>≳  | In the second<br>temple, right | In the second gopurs of the same<br>temple, right of entrance.      | Ноуваја  | vã<br>:             | Вагтарын шыкен ктатат tin Кашапаты<br>дөтн.                 | Hasta. ["rd] year, Kārtti. gai.  | Ъо                     | :    | For up in the tample by A. Rapphil-Chargan Arayandu<br>Portya Nayan ahas Nayattennayirananbi.<br>Giff of land in Kulotteiga selamilur for the mintenance<br>of the person bringing one pot of Navertwater for the  |
| 54  | In the same place              | ;<br>;  | :        |                     |   | Saku 1409, Pla-<br>vanga, Tai, 24  | Do.                    | :    | eacred bath by Velür Kijaran Rajarayadəvan. Remission of taxes on lands belonging to the temple Pe Lisya Passayasirkarı Konerideva-Alahanya who barra the Findas petarkartarı. etc. The amount remitted had  |
| 55  | Do.                            | left of entranee.   | Сћојн    |                     | Tribhuvanachaktavattin Rajarajadeva                         | 3l'st year, Mesha,<br>su. di., chaturthi,<br>Wednesday,                  | њ                      |      | to be utilised for the great worship (Mahapuja) and repairs in the temple.  Beginstern lands brought under cultivation for perpetual light s given to the temple. Mention, the liquid measure 'Sembyanmadeve'.   |
| 50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>50<br>5 | Do.                            | :<br>:  | Hoysala  |                     | Sarvabhaumschaktavartin Vira-Rams-<br>nathadova.            |  | Do                     | :    | Gift of land by purchase for one pot of Kaven-water daily for the sacret-bath of the lord of Triumalavadi by Devanagan alias Devapperumal.   |
|   |                                |   |          | -                   |   |  | •                      | - !  | The state of the s |

C .-- Stone inscriptions copied in 1920-cont.

|                           | intenance of<br>laily for the<br>Singulatia-  |                                      | ndanayaha at<br>(tiruppajji-   | iosintsining<br>srant of the<br>valunadu.   | the introduc-<br>nd vessels for<br>unalayadi, in<br>figa-valar adu<br>amupichchan,<br>the 31st year  | Booshear, hayan Kovan<br>di, a brahme-<br>i, in Poygai-<br>trasimba-vala-  | <b>. Doorstang '</b> ''  | ' <b>Agotame ''</b><br>jalür Madova  | " <b>Sgotsleeg</b> "<br>intanàrayanan<br>ub-division of   | brahwadeya of<br>n '' <b>Handalanas''</b><br>erte individual of   |
|---------------------------|---|--------------------------------------|--|---|--|--|--|--|---|---|
| Romarks.                  | Gift of land in Commannenivilagam for the maintenance of<br>the person bringing a pot of Kavent-water daily for the<br>secret-bath of the lord of Trumalaradi by Singatuta. | Panyged. Records a similar grant.    | Danaged. Gift of land by purchase by a Landanayaka at the service of rousing the god from sleep (tiruppallieguebeht), for the merit of the king. | Muthated in the beginning. Oift of land for maintaining a flower garden by the wife of a Brahman servant of the temple of Trrukkaja-Udaiyar in Nitavinodu-vajunadu. | Much damaged. The inscription begins with the introduction "Gaussian "etc. Giff of 14 hasn and vessels for early morang-offerings in the temple at Timunalayadi, in Toygin-inde, a sub-division of Kajendrashiga-vala adu by Timunal Arangen alans Imaginalitationichemi. Below the, is another inscription dated in the 31st year of the same of the same king referring to a cut of paddy for the same | offerings.  The inscription begins with the introduction 'Bacathaarr'' etc. Sale of land to the temple by Magnayan Kovan Savaran hararavikhaanaeledrei Karikudi, a buhmubayar in Gundaradilya-chatauvedimangalam, in Poygainagu, a sub-division of Vadagaran Rajendrasimba-vala- | nadu.<br>The inscription begins with the introduction " <b>Boastasser"</b> "<br>etc. Sale of land to the temple by a Brahman lady. | The inscription begins with the introduction " Basesauer" etc. Sale of land to the temple by Vargalür Maddon | Dashpuriyan. The ingeription begins with the introduction " <b>Squistages</b> " The ingeription begins with the introduction " <b>Squistages</b> of she of land to the temple by 'tosi Anantanarayanan of Mahumabhananaeheheri Kandiyu, a sub-division of | Gandaraditya-chaturvedimangalam, a mahmadeya of Vadagurul Kafendrasimha-valamadu.  The inscription begins with the introduction "Bauthauge" etc. Sale of land to tho temple by a private individual of Alattur. |
| and st.                   | :   | ;                                    | :  | :   |  | :  | ;  | ;  | :   | :   |
| Language and<br>alphabet. | (Lami)  | Do.                                  | Do.  | Do.   | 1)0.   | Do.  | Do.  | Ъо.  | Do.   | ů.  |
|                           |   | a,<br>ttha-<br>iday,                 | arka-<br>nday.   | dithuna,<br>chatur-<br>Sunday,  | :  | :  | ;  | ;  | :   | -   |
| Late.                     |   | Mina,<br>i., [prat                   | Asvatı.<br>5]th yeur, Karka<br>taka, su. di.,<br>suptani, Sunday   | sear, Mith<br>di , ch<br>i, Sur<br>nini   | year   | \$   | z.   | 2  | <u>.</u>  | 2   |
| 7                         | 12th year,<br>ba. di.,<br>Monday,   | ып. di., [pratha-<br>mā], Monday,    | Asvati.<br>[15]th year, Karka-<br>taka, su. di.,<br>suptani, Sunday.   | 36th yaar, Mithuna,<br>ba. di , chatur-<br>dasi, Sanday,<br>Rohini  | [26]th year  | 12th   | 8th  | 7th  | [8]th   | 8th   |
|                           | Rajarajadeva  | Vira-Rama-                           | Vira-Ramanathadova   | ralus (Tribhuvaua-<br>Trilhuvanaviradeva, who<br>Madura, Ilam (Ceylon),<br>the crowned head of the<br>pleased to perform the<br>heroes and the anointment           | . Udai, ar Rajendra-   | φ <b>ο</b> ,   | do.  | do.  | do.   | do.   |
| King.                     | Tribhuvanachaktavartin B  | Sarvubhaumacdukravarin<br>nathadova. | . Vira-lkar  | of Red  | of victors.'<br>Parakesariyarmon alias U<br>Choladeva.   | Do.  | Do.  | Do.  | . Do.   | Do.   |
| ·.                        | :   | :                                    | :  | ;   | :  | :  | :  | :  | :   | :   |
| Dynasty.                  | hõla  | Ноуваļи                              | Do.  | Ch <b>oia</b>   | D9.  | Do.  | <br>Do.  | Do.  |   | Dô.   |
|                           | 10e.   C  |                                      |  |   | l pra-   | :  | :  | :  | :   | •   |
| ģ                         | f entra   |                                      |  |   | <b>веоо</b> пд<br>сө.  | :  | •  | :  | ;   | :   |
| Place of inscription.     | 57   On the same gopurs, left of entrance.   Chole  | D0.                                  | Do.  | Do.   | On the east wall of the second pra-<br>kāra, right of entrance.  | On the same wall   | .:<br>00   | f Do   |   | . :   |
| C.W.                      | 35  | 89                                   | 0.<br>10   | 09  | 61   | 6.5  | 63   | 9  | .)—15   | 99  |

C.—Stone Inscriptions copied in 1920-cont.

|              |                                      |          |   | 4  |   |             |                           |  |
|--------------|--------------------------------------|----------|---|--|---|-------------|---------------------------|--|
| . <u>°</u> 2 | Place of inscription                 | Dynaety. |   | King.  | Date.   | Langualph   | Language and<br>alphabet. | Remarks  |
| 67           | On the same wall, left of antrance   | Chola    | : | Parakésarivarnan alias Udaiyar Kajèndra-   13th year<br>Chòpadóva. | 13th year   | Tsmil       | :                         | The inscription begins with the introduction "Bourdary" etc. Gift of 80 sheep for burning a perpetual lamp in the temple of Vidyanathadeva at Tirumajavadi, by a   |
| 89           | D.,                                  | Do.      | : | Do. do.  | Lost  | Do,         | •                         | shepherd Vein ango at alias Ottamagolakkon. The inscription hegins with the introduction "goneshwor"! eto. Gift of land for offering milk at the early morning service by a servant of the king.   |
| 69           | Do.                                  | Do.      | : | Do. do.  | 17th year   | Do.         | :                         | The inscription begins with the introduction " <b>Bosefleer</b> ", etc. Gift of a gold ornamen set with jewels to the temple at Themalayadi by a Budman lady of Maruhghr. Records also the gift of a lewelled ornament and a gold-   |
| 70           | Ď.                                   | Do       | ; | Do. do.  | 26th ,,   | <b>D</b> e. | :                         | Hower in the 19th year of the king. Unfinished The inscription begins with the introduction of foreign and The inscription of the silver armour (kayacham) to be used at the three sacred-laths and 30 kasu for one perpetual lamp by Anukkisürri[ya] Pañchavan Madevi.  |
| 12           | Do.                                  | Do.      |   | Rajakesarivarman ulias Kajadhırajudeva<br>! I].                    | 2[9]th year, 102nd<br>day.  | Do          |                           | Gift of a pearl nubrella to the god at l'inumajavadi, a dèvadana in Peygal nado, a ent-division of Kajéndra-singa-valanada by Madarantakadevan Arumojimvingaiyar alias l'iranat, daughter of Rajia dra Choladeva.  |
| 7.6          | r.o.                                 | Do       | : | Tribhuvan achakravartin [Vijayarāja-<br>Chojadēva].                | 2nd year, l'ula, be.<br>di., [dva] da6i,<br>Esturdey, Mryga-<br>efreda. | χ.<br>      | :                         | Gift of land by purchase for is ching a jot of water from the Kaven for the sacred-bath of the god in the temple at Timmel as in Poygai-nadu, a sub-division of Vadagara, Rajaisla-valanadu by a lady of Aragalur m Arrur karran.  |
| 1.           | 1.0.                                 | Do       | : | Parakosarivarman alias Udaiyar [Ra-<br>jond.a-Choladeva].          | Lost  | Do.         | :                         | Much danuaged and built in at the lottom. The inscription begins with the introduction " generalment" etc. Makes provision for ceeding rivayogins and Mahesenings on the days of Masi-bashthi and Thruvan-rahtani festivals.   |
| 7            | On 11 , same wall, right of entrance | Do       | : | Parakesnivarman alias Udaiyar Rajenčra.<br>Chojadeva.              | 318; уект   | Do.         | •                         | Much danaged. The inscription begans with the increduc-<br>tion. " Government" etc. (office 30 kass and two lamp-<br>stands for burning a perpetual lamp in the temple of<br>Thumslevade.  |
| 15           | Do.                                  | Do.      |   | Do. do.  | Lost  | å           | :                         | Built in at the betten. The inscription begins with the introduction "foresistant" etc. Mentious the lands lying waste until the zise year, but I rought under cultivation to I fe ding Sivayogins and Tajasyins on the eccession of the anidaryof erings, by a servant of Rajendua-(Toladavanamed Virasoa Nellundayaja Nanuguwan Vanasama of Virasobalan all'irrakajamada addu, a sub-division of Rajen (rasta ga-valanada.   |
| ,            |                                      |          |   |  | -   |             |                           | the same of manufacture and the same of th |

| 19:20—cont. |
|-------------|
| Ë           |
| copied      |
|             |
| eriptione   |
| inseri      |
| -Stone      |
| $\circ$     |

| Remarks.              | Begins with the his orieal introduction "Greated dgreat" ret. Gift of land for offenings, festivals and flowergallands to the unnes of Aladaiya Pillais ar in the temple of Tiurnalawidi. Udanar by Vanderayan, grandson of Pattanudais an Arayan, Uttarachola Gadgeyariyan of Avar-kürren in Nittavineda-valurada. | Damaged, Gift of land for providing two pots of water for the sacred-both. | Much dannaved Seems to be a cony of the old reo rd. Begins with he introduction " Baccorneg" etc. Gift of land for daily worship of the unages of Jayankondas Sola-vitankan and his consort, etc up by one of the managers of the temples of Mara-Vishau and his cone it as an a sembly of translandition. | chature of the property of the property of chature of the property of the charles of the property of the prope | Unfinished and demaged. Begges with the introduction of Interest in Signature, vol. of the family as grove of trees for the g. of Tinne, a ward-Infanyar to stop in after sanotity ng the water in the Raven. | GH of 91 shop for burning a perpetual lamp in the templo | Begins with the introduction "quoserage size Eige" etc. (lift. of 10 sheep for a perpetual lamp by a native of Idaiyayeur in Pandi-radu. | I amaged. Rec rds a gift of had by a merchant of Uma-<br>chintamentics far for the cense cration and worship of the<br>image of Bhitsahayanadeva set up by his father who died<br>before consecuting it. | Unfinished Records that the gift of 198 sheep for 2 lamps ordered in the 15th year of Polishedevar Kulchtungs-Cholndeva, who abolished talls was englaved en stone now. | Damaged and unfinished. Gift of 90 sheep for landing a jemp in the temp's by Tyagaen, dari, daughter of Nujambar. | Begins with the introduction " Besonts etc." (lift of land for a percetual lamp by Araiyan Jayangondasoliyar alias Pañoharamadoviyar, wife of Solarallahhadova, who is colled son (jiljaiyar). |
|-----------------------|---|--|--|--|---|--|--|--|---|---|--|
| Languago and alphabet | Tauni   | Do   | ٠. ٠.  |  | Do. :   | Po   | Do   | Do.  | Do. :   | Do  | Do   |
| llate.                | 3rd .ea., Maketa, T<br>su. di , ekadasi,<br>Saturday, Robini.   | [10]th year, Tula,<br>ba. di., sharhti,                                    | Fr day Pushya<br>38rd yey, Kumbha,<br>[Sun day, Asymi.   |  | th year, Siriha,<br>ta di, ashtemi,<br>Mendar, Rohini.  | [6]th year   | 4th year, Tula,<br>ba di, trittya,   |  | and year  | 4th ,,  |  |
| King.                 | Rajukesarivarman Tribbuvanachakravartin<br>Kajurajadéva.  | Tribhuvanschakravartin Rajarajadeva  | Vırarajendıavarmen alise Kajadhiraja-<br>deva.   |  | Rajskêsarivarman sijas Tribbuvans-<br>chakravstin Kajarajsdeva.   | Tribhuvanachakravartin Virarajendra-<br>deva.            | Parakesarivarman alias Tribhuvana-<br>ohakravartin Ku'ottunga Choladeva.   | Parakésarivarman alias 'ribhuva: a-ohakusvartin Kulöttunga-'hojadeva, 'who was pleased to tuke Madura and the orowned head of the Papaya.'   | <u> </u>  | Kulottunga-Chojadeva  | Rajakésarivarman alise Rajadhirajadeva<br>L  |
| Dynasty.              | Сћоја   | Do   |  |  |   | Do   |  | :<br>  |   | De.   | Dö.  |
| necrit-tion.          | the same  | :  | do.  |  | <b>до.</b>  | do   | do.  | do.  | do,   | do.   | ф  |
| Place of inscription. | On the north wall of prakare.   | On the same wall   | Ρο.  |  | 100.  | F.0.   | 110.   | Do   | Do.   | Do.   | Do.  |
| No.                   | 76 On   | 77   | 18   |  | 62  | 80   | 8.1  | 83   | 88  | &<br>4,   | 10<br>80   |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—cont.

| No.       | Place of inscription.                                       | Dynasty. | King.  | Date.   | Language and alphabet. | Remarks.  |
|-----------|---|----------|--|---|------------------------|---|
| \$2<br>&£ | On the north wall of the same<br>prakara.                   | е Сћеји  | Tribhuvannohakravartin Kulottunga-<br>Choladeva, 'who took [Madu]ra, Jiam<br>(Ceylon)' and the crowned head of the<br>Faudya.                  | 22nd year   | Tamil                  | Records that Kansiyandovan Kattan alias Gandarallita Bhattan, one of the Sivabrahmanas of the temple took charge of certain lamps including the one given by Tiruvegambamudaiyar alias Tyagasundari in the 4th year of Kalotaniga-Chéladeva. The price of one sheep   |
| 22        | On the same wall  | . Do     | Lost   | 21st year, Mithuna,<br>sa. dl., ashţami,<br>Sunday, Hasta.            | Do                     | Mutilated. Contains a portion of the introduction of Kulöttuiga-C'hôla III. Gift of land for a perpetual lamp to the temple by a native of Urattai-kurgan in Konadu   |
| 88        |   | <br>Do.  | Tribhuvanachakravartin Kulottunga-<br>Choladeva, 'who was pleased to take<br>Madurai (Madura), Karuvūr<br>and the orowned head of the Pandya.' | [2]4th year   | Do                     | <u> </u>  |
| 8         |   | Do       | Tribhuvanachakravartin Rajarajadeva  | 10th year, Kumbba,<br>ba. di., trittya,                               | Do                     | The inscription stops with the name of the king and the date.   |
|           | On the west wall of the same pra-<br>kars.                  | Do       | Tribhavanachakravartin Rajadhirajaddva (II).   | Strvaniu.   | I.o                    | Refers to the lamps given during the reigns of Rajendra-Choladeva, 'who abolished tolls.' Seems to provide for maintaining the lamps given during the therips given during the therips of the sheep died and their assigness ould not eigher be found not on a manch of the anger.  |
|           | On the same wall  | Do       | Tribhuvanachakravartin Rajarajadėva  | 6 + 1st year, Kum-<br>bha, ba. di.,<br>chaturthi, Mon-<br>day, Svati. |                        | Records The gift of a house at "Introduction to Kurrural daily and "Enji Periyan alias Ediniisõlanuvõndavelar who owned lands in Kunra-kūnrun alias Uttungatonga-valazadu but who was required to reside in Thrumalavadi guarding the place. He appears to have extended the temple and certain mandapas as the space within them   |
| 65        | Do  | Do       | Rajakêsariyarman alias Tribhuvangobakravartin Kajarajadeva   | 4th year, Sinhe,<br>hı. di., ashtani,<br>Monday Rohiņi.               | Do                     | Regins with the historical introduction "Fixed Gordon" Begins with the historical introduction "Fixed Gordon" lete. Records the registoring of the devadana lands purchased from the tenants for arreas of rent. The devadana included also other lands given to the image of Vayichchiyanadiswaran-udaiya-Nayaniar set up in the temple by Enrichalkhilaiyan Embiran rambandar, one of |
| 86        | On the south wall of the second prakara of the same temple. | Do       | Rajakésarivarman alias Chakravatin<br>Kulottunga-Choladéva.  | 15th year, 147th<br>day.  | Do.                    | Unfinished. Begins with the introduction "496666644 year?" ctc. Evems to register the number of sheep given and the quartity of ghee to be measured out for the 3? perpetual lamps given to the temple of Thrumalayada. Usurahadeva in Povgamada, a sub division of Kulottunga.   |
| E         | On the same wall  | Do       | Parakesarivarman alias [Rajendra-Chola-deva].  | Lost  | Do                     | 65]u-valanadu.<br>Much damaged. Sale of land for a flower-garden and its<br>maintenance.  |

| 1920-cont.          |
|---------------------|
| 11                  |
| copied              |
| inscriptions copied |
| -Stone              |
| O                   |

| On the same wall of the same Chôla Tribhuva on the same wall Do Parakêsa charine in the same temple.  On the south wall of the Sundarambal.  On the same wall of the Sundarambal.  On the same wall of the same temple.  On the same to the north of the same temple.  Cholashine of the goddess in the same temple.  On the first gopura of the same temple.  Tribhuv dada.  Tribhuv deer. | Fibhuvanachakravartin Rajarajadéva 17  Parakesarivarman alias Tribhuvana- 11  Chakravartin Rajarajadéva.  Tribhuvanachakravartin Kulottunga- Chojadéva, 'who was pleased to take Madura, Ilam (Ceylon), Karuvür and the crowned head of the Pandya.'  Rajakesarivarman | 17th year, Makara, Taba, di., 6kadasi, Anuradha. Anuradha. 18th year, Dhanus, 6kadasi, Wednesday, Mila. | Tamil       | Gift of 90 sheep for a perpetual lamp to the temple at "Yrumalavadi in Poygai-nadu, a tub-division of   | _        |
|---|--|---|-------------|---|----------|
| of the same Chola Tri fthe Sundaram- Do Tra same temple. of the ruined Do Ra of the same less in the same Pandya Tra mandalice.   | Rajarajadéva déva.  Kulottunga- s pleased to take on), Karuvûr and he Pandya.  |   | :           | Gift of 90 sheep for a perpetual lamp to the temple at Thrumalayadi in Poygai-nadu, a tub-division of   |          |
| of the Sundaram-  be same temple.  In of the ruined Do Fr.  The bandes in the same of the same Pandya Tr.  The feature.   | alias Tribhuvana-<br>jarajadeva.  Kulottunga- to was pleased to take (Ceylon), Karuvar and d of the Pandya.  |   |             |   | I        |
| Do Fi   | Kulottunga-<br>s pleased to take<br>m), Karuvūr and<br>se Paudya.'   |   | Do          |   | No. 980, |
| Do R. Pandya T  | d of the Pandyu.   | 2[9]th year, Tula, su. di., trayodasi,  | Do          |   | LOME     |
| Paṇdya  |  | 3rd year  | Do          |   | ( ניטונ  |
| Digital of constants  | vanachakravartin Vira-Paņdya-  | 7th year, Kanya, ba.<br>di., navami, Fridasy, Punarvasu.  | Do          |   | CATION), |
| In the same place Do Marava   | Maravarman alias Tribhuvanaobakra-<br>narin Parakrama-Pandyadésa.  | 6th year, Kumbha,<br>su. di., navami,   | Do          | valanaged and built in at the end Seems to register a gift of land to the temple  | 0121     |
|   | Do. do.  | Sunday, Mula. *2nd year, 206th day [8]th year, 163rd  | Do          |   | U        |
| : :   | Marevarman Tribhuvanachakıavartin<br>Kulassekharudeva.   | day<br>2nd year, Makara,<br>su. di., saptami,<br>Friday, Revati.  | Do          | Records an assignment of certain taxes for conducting repairs to the temple. Thrumalavadi was situated in Poygai-nadu, a sub-division of Vadagarai Rajaraja-vajanaju. Sundara-Pandya Majavarayan figures as one of  | JUL 10.  |
| a A thu county  | :  | :   | Grantha     |   |          |
| Chola   | Madiraikonda Parakēsarivarman  | [2]7th year   | Tamil<br>Do | Gift of land for the sucred bath of Murchhelunda-Nayanar. Gift of land for a perpetual lamp by a rative of Anbli, a brahmadeya in Kilahuru, a sub-division of Kilar-korru to  |          |
| Do:   | Рагак двагі у агглан   | 3rd   | Do.         | the temple of Tiruwaniakui. Gift of land, for feeding 25 Brahmanas on the seven festival days in the month of Mass, to the temple of Isvara- Bhattaraka at Tiruvadikudi, a brahmadaya in Kil-kuru, a sub-division of Kalara-kuru, a district of Vadagarai Maja- |          |

C.—Stone insoriptions copied in 1920—cont.

|      |   |             |   | one interiprions copied in 1920—cont        | .,                        |  |
|------|---|-------------|---|---|---------------------------|--|
| No.  | Place of inscription.   | . Dynasty.  | King  | Date.                                       | Language and<br>alphabet, | Remarks.   |
|      | COIMBATORE DISTRICT.<br>Dharapuram Taluk.   |             |   |   | 1                         |  |
| 108  | On the base of the north and west walls of the central chrine in Vinuirainda-Perumal temple at Koduvay. | Ummattûr    | Mahamandalefraru Viranafjaraya Udai-<br>yar.  | Saks 1411, Sadha.<br>rana, Kartigai,<br>12. | Tamil                     | Eccords that the inhabitants of Pongalurkka-nadu repaired the ruined temple of Vinnirainda-Ferumal and re-ergraved on its walls the old defaced inscriptions of Chola and Obsa kings recording the gift of two vellages for daily worship. Offerings and repairs in the temple. Mentione |
| 109  | On the base of the south wall of the same shrine.   | :           | Do. do.                                       | Do.   | Do                        | also Valippukka-nadu. Records that the residents of Koduvsy gave some land in Velampundi to the priest of the Perunal temple to pro-   |
| 110  | On a pillar inside the ardha-<br>reandapa in the same temple.   | Końgu-Chola | Viraziendredeva alias rada-                   | - [20]th year                               | Do                        | vide (kambn-) food for Brahman travellers. Damaged. Seems to record that the pillar on which the inscription is ongraved was set up by Viranajendra  |
| 111  | Behind the image in the central   | Do.         | Virasola Kalimur[khadsva]                     | 14th ,,                                     | Vatteluttn                | Uttama-Narayanadeva. Damaged. Seems to record the digging of a well in the   |
| 112  | <u> </u>  | :           | :   | Kali 4825, Sobha-<br>krit, Arpasi, 16.      | Tamil                     | teenple. Records that Chinnayya. Kayandan, n resident of Nilali, reconstructed in stone the Siva temple which had formerly been built of brick and wood and had consequently gone  |
| 113  | On the wall of the mandapa at the partrance into the same temple,                                       | :           | ::  | Kali 4835, Virodhi-krti (wrong),            | Do                        | to ruins. Records that the individual mentioned in No. 112 above built the mandapa at the entrance of the temple.  |
| 114  | <u> </u>  | :           | :   | Do. Do.                                     | Do                        | Records that Sengamianmal, wife of Chinnayya Kavandan mentioned in No 112 above, huilt some portions of the  |
| 118  | <u> </u>  | :           | ÷   | Angira, Panguni, 18.                        | Do                        | temple. Records that Virabhadra Mudaliyar built of stone the Subrah-<br>roanyasvamin shrine in the same temple.  |
| 7116 | On a slab set up out side the Rasi  | :           | ::  | Khara                                       | Do                        | Records gift of land for the maintenance of a methe and for feeding Saivite ascetice.  |
| 417  | 0   | Kongu-Chola | Virarajendradeva                              | 11 + 1st year                               | Do.                       | Records the gift of one acchu of gold by the manaiskilatti of the Kudimichchi caste for a twilight lamp to the god.  |
| 118  | On the east wall of the same shrine   | 1)0.        | Do. :   | [24]th ,,                                   | Do                        | Damaged and incomplete Records a gift of gold for a lamp to the god by one Ko-Kandara Pallavara-van cantain of a thousand foot-soldiers statumed at  |
| 119  | On the same wall  | Do.         | Tribhuvanachakravartin Virarajendra-<br>déva. | 16th ,,                                     | До                        | Fulambara . kkottai. Built in. Records a dep eitfof goldifor a lamp 'to the god, Tirunilaia jagiya-pillaiyar by a resident of Kurundakku- lattu-karai in Kalavaji-nadu, in [Pandi]-mandalam.   |
| 120  | Do  | :           | ••••  | Do  | ъо.                       | Beginning built in. Records gift of gold to certain Brah-<br>mans for burning a twilight lamp to the god.  |

| 0-cont.        |
|----------------|
| Ñ              |
| òò             |
| 1920           |
| s copied in 18 |
| 7              |
| Ð,             |
| 'ದ.            |
| 5              |
| ŏ              |
| -              |
| ã              |
| 6              |
| Ġ              |
| ā              |
| . 5            |
| e inscription  |
| -              |
| .3             |
|                |
| 2              |
| one            |
| ¥              |
| Stone          |
| J              |
| •              |
| 7              |
| J              |
|                |

|      |   | _                        |                                 |               |                 | Con Singram |  |
|------|---|--------------------------|---------------------------------|---------------|-----------------|-------------|--|
| Zo.  | Place of insoription.                                       | Dynasty.                 | King.                           | <b>-</b> -    | DAVO.           | alphabet.   |  |
| -    | On the east wall of the same shrine                         | :                        |                                 |               | :               | Tamil       | Beginning damaged., Records gift of gold for a lamp to the god by Sattan-Sridevi, a member of the Malayakatta ceste.   |
|      | On the south wall of the same   R                           | Kongu-Chola              | Virarajendradeva                | : :           | :               | Do          | Çec<br>ca]   |
|      | shrine. On the same wall                                    | Do.                      | Do                              | :<br>:        | [29] + 6th year |             | to the god. Records gift of gold for a lamp to the god by an escetic (reyrizagi) of Virasolam-tirumadaivilagam in Rajavich-ohadirapuram in Naraiyamur-nādu.  |
| 124  | Do  | Do.                      | .:<br>:                         | : :           | 44th ,,         | Do.         | Records gift of gold by Ulagairs lampandan to certain temple pricate for burning a lamp to the god.  Damaged. Seems to record gift of gold for providing oil   |
| 125  |   | :                        | :                               |               | :               | :<br>       | for anointing the god on Wednesdays.   |
| 126  | . : :   | Kongu-Chola              | Tribhuvanachakravartin<br>dava. | Virarajendra- | - [45]th year   | 1)0         |  |
| 127  | On the west wall of the same shrine, inside the store-room. | Kongu-<br>Pandys.        | Vira-Paņdya[dēva]               | :<br>:        | . 11th ,,       | Do          | Built in at the beginning. Records guit of gold on we member of the Vellala caste for lamps to Vaduga-rillaryar and to god Avudaalyar] Konga-Vitanka[110-  |
| 128  | On the doorjambs of the entrance into the central shrine.   | Do.                      | Virginara                       | :             | 15 + 5th ,,     | . Do.       | Rau danyar. Records the order of the assembly of Kundolam to set apart for the requirements of worship and repairs to the temple of Vadugapillalyar, a certain percentage of the profits on the sales of woven cloth, yarn, salt, ctc. |
| 000  | On the right door-post of the                               | Kongu-Chola              | Virarajendradeva                | ·<br>:        | 6th ,,          | . Do        | Records that the maha-mandapa of the temple was uncharitable gitt of the Vanjvars of Kundodam.   |
| 130  |   |                          | ngu-Choladeva                   |               | 10th            | Do          |  |
| 131  | or in it  | Do.<br>Kongu-<br>Papdyn. | Kundara-Pandyadera              |               | 24tb            |             | Records that the doorposts of the mandaps were erected by certain Vaniyars of Kundodam and that a lamp was also agreed to be burnt by them there.  |
| 133  | 5   | Do.<br>Kongu-Chola       | Virarajendradeva                | ::            | 15th ,,         | Do          |  |
| .135 | Ö   | Vijaya-<br>nagara.       | Vira-Kam paņs. Udaiyā           | :<br>:        | . Pramadicha    | . Do        | <u>~</u>   |
| -136 | <u> </u>  | Do.                      | Do.                             | :             | lith year       |             | Records that the same individual reconstructed the 'temple of Vadugapillaiyar at Kuraiyar after its defilement by the Muhammadaus.   |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—cont.

| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.  |                | Date.   | Language and<br>alphabet. | Кетагкв.   |
|-------|--|--------------------|--|----------------|---|---------------------------|--|
| , 137 | On a beam in the mandapa of the Visvanathasvamin temple at   | Kongu-Chola        | Kongu-Chola [Vik]rama-Chōladeva                      | :              | 20th year   | Tamil                     | Records that the beam in the temple of Tirumarududaiyar was the gift of a gold-smith of Kadagger.  |
| 138   | Konspuram On another beam in the same place  | Do.                | Vikrama-Choladeva                                    | :              | Do  | Do.                       | Records that the beam was the gift of Idangainayaka-   |
| 139   | On the base of the west and south walls of the central shrine, Vin-  | •                  | Tribhuvanaohakravartin Kone<br>dan.                  | Konsrinmaikop- | 26th year and 306th day.  | Do.                       | Records the gift of certain three to the god in lieu of lands enjoyed by certain persons in Vira-Pandya-chatur-vedimangalam in Narayanur-nadu. The God is stated to bave been consecrated by Gangarayan for the merit of |
|       | заше VIII&е.   |                    |  |                |   |                           | Sundara-Pandya. Pirantakapuram alias Kajarajapuram is<br>mentioned and the signatory's name is given as Araiya-<br>nelagan alias Vanadhiraja of Siru-maranallur in Kanjai-<br>irukka:                                    |
| 140   | On a beam in the mandapa in front<br>of the kitoben in the same temple.                                      | Kongu-Chola        | Vikrama-Chōladeva                                    | :              | 30th year   | Do.                       | Records that the beam was the gift of n, Vellala by name Udayamanikasila-Se(ti. The title of Setti to a Vellala is somewhat peculiar and denotes probably the Vellala-   |
| 141   | On another beam in the same  | Do.                | Do   | :              | Do  | Do                        | Setta sect.<br>Records that Sivapadasékhara-Muvéndavéján gave one<br>bonn  |
| 142   | mandapa.<br>On a pillar in the same mandapa  | Do.                | Do   | :              | 26th year   | Do                        | Records that the pillar was the gift of Avinasi Araisan-<br>Namiyila-Udaiyar, a merchant of Edarrur to the god<br>Tisumorandairar, The nillar annears therefore to have  |
| 475   |  | •                  |  |                | :   | Do.                       | former declaration of the Sive temple and to have been subsequently brought to the Perumal temple.] Mentions that Tirunlakanthen alias Tillaivalum-andans.   |
| 1     |  | :                  | :  |                | :   | Do.                       | nambi gave the pillar as a gift. Mentions that the pillar was the gift of Paradayan Sika- sineran Nilaindayan  |
| 146   | temple.  (i)n two detached stones in the south wall of the Krishnasvamin temple                              | Vijaya-<br>nagara. | Virapratapa Sadasivadeva-Maharaya                    | ıaraya         | Saka 1471, Saumya,<br>Vaisakha, ba. di.,                                | Kanarese .                | Incomplete. Seems to record gift of a village by Sivanappa-<br>Pandita to Vira-Pandita.  |
| 146   | to the south of the same temple. On a slab set up in front of the Tillapurianman temple in the same village. | :                  | :  |                | SO. Kali 1150, Śaka 1125, Kalayukti (wrong.) Wednes-day, paffolami, Ut. | Tamil .                   | In modern characters and mutilated. Mentions the names of Konguyanji, Vilataruram and Rajarajapuram. The Kali and Saka eras given are incorrect.   |
| 147   | On the south wall of the mandapa<br>in front of the Utfaraviraraghava-<br>perumal temple in the 'Fort' of    | Nayaka             | Virappa-Nayaka                                       | :              | tiradam, Mina lagna.<br>Kali 4416, Angirasa,<br>(wrong), Margali, 6     | %                         | Incomplete and stones out of order. States that Tambigu<br>liar pillai was the agent of Virappa-näyaka.  |
| 148   | the same village. On the west wall of the verandah behind the same temple.                                   | Kongu-Chola        | Rajakssarivarnan alias<br>obakravartin Virarajendra. | Tribbuyana-    | 15 + 1st year   | Do                        | Stones out of order and incomplete. Seems to record gift of land for rice offerings to the goddess Perunkarunai-   |
| 149   | On two detached stones in the north wall of the sixteen-pillared mandaps in the same temple.                 | Vijaya-<br>nagara. | Virspratsps Sadssivadeva-Maharaya                    | ıârâya         | Śaka 1473, Virodhi-<br>krit, Bhadrapada,<br>śu.di.,12,Thursday.         | Капагеве                  | Records gifts of rice, etc., and money for the god Vishnu at Dharapura.  |

|            |   |                   | And the second s |                            | Language and | R.marks.   |
|------------|---|-------------------|--|----------------------------|--------------|--|
| ,          | place of inscription.   | Dynasty.          | King.  | Date.                      | alphubet.    |  |
| 150<br>150 | Cn de   | Kongu-Chola       | Rejeksenrivarnun alies Tribhavans- 2<br>shakravartin Visrajendradevs.  | 28rd year                  | Tamil        | Incomplete The stones probably belonged to a Siva temple and seem to record some gift by Amittimppallavaragen for offerings to Subrahmanya in the femile of Aludaryar frimmething to Subrahmanya. Menticos Karaivali nadu.   |
| 161        |   | Kongu-<br>Pandya. | tm Vire-Pëndysdeva   | eth                        | Do           | Frequency and stone, nussing. Mention, Kaladinialareluturvehmangalam, as a lathmadaya in Naraiyanur chutunian vehmangalam, as a Mentions the gift of certain gelling.  |
| 152        | Do. west wall   | :                 | :  | 11th ,,                    |              |  |
| 163        | <u>5</u>  | Końgu-Chola       | Virkiājendradeva   | 18th ,, ·· ··              |              | Chadrichurd  Records the gift of the lion-pillar by a merchant' of its 'erryn'r.  gur.   |
| , 164      | ō   | Do                |  | " the                      | Po           | Records gift of two kalaniu of gold by tunganuaryan in Teling madu-udaiyan for a twilight lamp to the god Tirufmalrai-pdaiyar of Nalanporur.   |
| 156        |   | :                 | Tribhuvanachakravartin Konetinmai-<br>kondün.  | Soth year and 51st day.    | Do           | Records gift of six ma of land, free of all tarks in Annaham pallam alias Amar, pluy, enhancing main a Anar, pluy, and a six manufacture of the control of the goldess. Thunkkamakottatta-nachchiyar worship to the goldess Thunkkamakottatta-nachchiyar worship to the goldess Thunkkamakottatta-nachchiyar worship to the goldess Thunkkamakottatta-nachchiyar   |
| 158        | <u>`</u>  | :                 | Dø,  | 30th year and 56th day.    | Do           | Records another gift of 24 ma co land in Vnasojamanjingat, Kumanavyanpagra and Kulottungasojamanjiagai to the same godayas.  |
| 791 .      | On the base of the wasme shrine.  |                   | Do. Tribhuyanachakra-  | [29]th year and 235th day. | Do           | Records gift of 3/16 velt of land free of certain taxes to and god Alagiyasokkanatin the same temple.  Liamaged. Seems to record gift of gold for a twilight lamp to the Pidariamban called Nanudesa-nangat.   |
| 985, 1     | Ö Ö   | Pandya.           | vatin Sundara-Paṇḍyadeva.<br>[Sun]dara-Paṇḍyadeva  | 27th year, Vaigūsi,        | i, Do        | Records the deposit of gold vith certain temple priests for providing efferings to the Nucle hydr concernted for the providing effectings to the hydralings and the mother by Alaganda, daughter of Kana-iniyanentic of her mother by Alaganda, a temple servant residing permits of the price of t |
| Home (Edu. | Alangiyam. temple a Alangiyam.  | :<br>:            | Vira-[Sundara], 'who was pleased to take   | [7]51st year [Ag]-         | ]-<br>Do     | in Madakkula-kil-madurai. Gift of land, free of taxes, hy Devan Sivandakal Perumal, a Vellala of Ultamaschinadhar alias Alangyam in Ten- a Vellala of Ultamaschinadhar alias Alangyam in Ten- pongularya-nadu, for the maintenrore of a matha of Pongularya-nadu, for the maintenrore of a matha of Nayanal Janaa matha of Mayanar.  |
|            | 161 On two detached stones set up in the ruined wall of the north prakata of the same temple. | in Kotgu-Chōļa    | a Tribhavanaobakravartin Vira. Chōļadēva   | 2nd year                   | Do           | Incomplete. Cift of land for orderlyngs and worst, wany and on the Vishu and Ayana Samkranti days to and on the Vishu and Ayana Samkranti days to adulmpilaty area up in the temple of Kaliyuga Kannés varamudatyar by Serummai, wife of Tamayan Ajayandan, alias Virarajendra Adiyaman, a mudali of Alangiyam.  |
|            |   |                   |  |                            |              |  |

C .- Stone inscriptions copied in 1920-cont.

| No. | · Place of insoription.   | Dynasty.          | King.  | Date.  | Language and<br>alphabet. | Ind Remarks.   |
|-----|---|-------------------|--|--|---------------------------|--|
| 162 | On the ruined wall of the south prukara, same temple.   | Końgu-Ohola       | Virarajendradeva   | 10 + 1st year  | Temil                     | Damaged. Seems to record gift of land free of taxes by Siruppilaiviran alias Virarajendra Adivaman for daily   |
| 163 | On several displaced stones in the same wall.   | Do.               | До   | 16 + 1st ,,  | Do                        | offerings to the god.  Reords gift of one timi of land by Virurajendra Adiyaman to supplement the inadequate gift of land made by Virudarkur in the lander by the contract of  |
| 164 | On the same wall inside the   | :                 | Tribhuvanachakravartin Könerinmaikop-                            | 2[6]th   | . Do                      | pudiyadu) to the god.  Beginning built in. Records gift of land, free of all faxes,  |
| 165 | ő   | Końgu-Choja       | Rajakeniyarman alias Kulottunga-<br>Obojadeva.                   | 3rd "  | Do                        | Dy Athyungiran Agnichit Sarvakrituyaji to the temple.  Gitt of 2 ma of land by Sundarum Nilaindanya Perumal, alias Kulottungachole Anutkirappallavarayam for rice offerings to the god Lasinpstis armunisiyar in Kolgen  |
| 166 | On the same base  | Do.               | Tribbuvanachakravartin Vira[rajen]dra-deva.                      | 17th ,,  | . Do                      | Beginning and middle built in Pongalurka-nadu.  Beginning and middle built in. Seems to record gift of land for offerings to the god. Mentions Vadarasa.   |
| 167 | Do.   | Do.               | , Da.  | 11th   | . Do                      | nadu and Perunbilinallur.  Records gift of gold for a twilight lamp to the god by  |
| 168 | On the south wall of the same shrine.   | Do.               | Do.  | 7th ,,   | . Do                      | rillandevan, a Veilala of the Sattandai sect.  Records gift of gold to a temple priest by Sattiperri alias Taruvijakku Pichchi, a dancing girl of Kongur for   |
| 169 | On the same wall  | Do.               |  | Lost   | . Do                      | barning a twilight lamp to the god.  Damaged and incomplete. Seems to record gift of gold by   |
| 170 | On the base of the north wall of the maha-mandapa in the same                                     | Do                | Do.  | 7th rear   | . Do                      | a purate individual for a lamp.  Records gift of gold by a private individual for a twilight lamp to the god.  |
| 171 | On the left doorjamb of the entrance into the same mandapa.                                       | Do.               | Kulottunga-Choladeva   | 10th ,,  | Do                        | Damaged at the end. Records that the two madalis, Suttan Adiya60,an alias Virsingled frungolan and Aluvandan Yalyallan alia s Kulottanga60,a. [raiyan] agreed to measure out certain quantities of rice  |
| 172 | On the beams of the mandapa attached to the south side of the same temple.                        | Kongu-<br>Pandya. | Tribhuvanachaktuvartin Könerinwsi-<br>kopday Sundara-Papdyadeva. | 27 + 1st year, Āḍi,<br>7.  | Do                        | for daily offerings to the god,  Records gift as devadana, free of taxes, of the village of Mahamandala Vanarayunallur, a newly founded village in the suburbs of Kongur for the expenses connected with the daily worship and offerings to the god fushpatisfars, mudailer at d topuirs to the femple. Mentions as  |
| 178 | On a pillar in the same mandapa. On a door-post lying in the temple compound.                     | Końgu-Chōļu       | Tribhuvanachakravurtin Virarajendrudeva                          | 16 + 1st year.<br>Saka 1634, Subba-<br>krit, Avani.  | .:<br>Do:                 | . 2 -  |
| 710 | On the base of the west wall of the central shrine of the Pidarianman temple in the same village. | Kongu-Chole       | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·                            | 13tb year  | . Do                      | Saka 1634 is a mistake for 1644.  Built in at the beginning. Seems to record that Yalvallan Attalaichebev gan, a modali of Khanur in Pongalurkanadu engraved on stone and coppet the gift of land made by his grandfather Somanathadeevar alias Anittirappallavaraiyar for offerings to the goodess Radgapidariyar.  |
|     |   |                   |  | The state of the s |                           | The second secon |

| )—cont.  |
|--|
| ≍  |
| 1920   |
| <del>,                                    </del> |
| .=   |
| ರ  |
| opied  |
| Ď,   |
| ွ  |
| _  |
| inscriptions o                                   |
| 8  |
| :2   |
| Ω,   |
| Έ,   |
| စ္ဆ  |
| ਕ  |
|  |
| 9  |
| ton  |
| 芝  |
| גיט  |
| -  |
| -:   |
| _  |

|                           |   |  | ). <i>2</i> 00,   |  |  |   |  |   |  |   |                                     |
|---------------------------|---|--|---|--|--|---|--|---|--|---|-------------------------------------|
| Ветикк.                   | one stone is missing in the middle. Records gift of one scools of gold by a temple prest for a twilight lamp to the god Chennissearam-udaiya-Nayanar of Kograndr in Tenkara-nadh. | Paraged and incomplete. Mentions Rajendrassia, as the name of a goldsmith in Rogenity. | Built in in the middle. Records gitt of 5 ma of land situated in Udalvapiratti-chaturvednangalam in Naraiyanurnadu provide daily offerings to the god Aphamésvarame Udalvan of Korwanin in Proparaisada | Danaged in several places. Records gift of 2 ma of land in Kannayanhan. aluas [Vinasola-chaturvedimangulum] in Figharai [Vitasola-vehandu] for offerings to the god Channockuraundaivar of Korraudu in Tankarainadu. | Built in at the beginning. Read-ds a tax-free gift of 8 ma of land situa ed adjacent to the land of the Milapperurtemple for offerings to the god. Aludaiyar & prancesvara-Udaiyar of Kogganiur in Tenjkarai-nadu. Ellamvallasola- | Muvendavela i figures as a signatory. Records a tax-free gift of 7 ma of land for measuring out 24 kalams of saddy by the Raj-Besari-marakkal required for the result of the Raj-Besari-marakkal required | Records gift of 8 annulain at helm of gold by a merchant in Virasangada-Jantarvelinanigalam, a biahmudeya in Tenjkara-nadu, for offerings to Kehetrapalappillaiyar in the femole of Plaxar Thravananar | in the same village.  Records deposit of 55 kalanju of gold with the assembly for providing meals for 3 Brahnans daily in the temple.  Parakosanikki l-tulai-nirgi-sembon amears to have been | the standard of fineness and weight of gold and Parake- garikkal a standard measure.  Records that.  vedimingulan set up the innere of the god's consort (pallygrainan hebits are) in the temple in honour of his mistre. Radarkhurichohi-arvar. wife of | deva and presented some gold to the village assembly through a certain Anandahūtian for providing offerings on certain occasions.  Records that Nikkam Vitankam alias Vikramagolapulla vaduratynin of the perumal perundanaturniyar gave 16 | - 12                                |
| e and                     | :   | :  | :   | :  | •  | :   | :  | :=  | :  | . ;<br>=  | j,                                  |
| Language and<br>alphabet. | Tumil   | Do   | Do. :   | Do.:   | Do   | J)o   | Do   | <b>Vatte</b> juttn  | Tamil  | "<br><b>*</b><br>**********************************   | Temil                               |
|                           | :   | :  | :   | sa.<br>hta.  | pue  | :   | :  | :   | ;  | :   | :                                   |
| Date.                     | :   | :  | :   | Paridhæpi, Tulæ, su.<br>di., Monday,<br>dasami, Sravishta.   | 15 + 4th year and<br>12th day.   | :   | ;  | :   | :  | :   | :                                   |
| Ã                         | 42nd year   | th ,,  | Lot   | tridhspi, Tuls<br>di., Monday,<br>dasami, Sravi  | + #th<br>12:h du   | 17th year   | 14th "   | <b>4</b> 2nd ,,   | *<br>**  | 42nd "  | бth "                               |
|                           |   | 4th  |   |  |  |   |  | <u>.</u> .  | -8.  |   |                                     |
|                           |   | ,  | ·<br>•  | Mahamandalesrara Nañjaraya Udaiyar   | Коцвтіптяі-  | :   | V Irarajendra-   |   | Virarājendra-  | :   | Tribhuvana-<br>3va.                 |
|                           |   | :  | :   | aya Ud   | Kon  | :   | Vлга   | Chōladēva   | Vira   | Chõladeva   | , g                                 |
| King.                     |   | a.   | :   | Nañjar   | artin  | . Q. V.   | artin  | ոռ-Сեծ  | rartin   |   | <i>ælias</i><br>1ræjendr            |
| ×                         | 1   | ndradeva   |   | 36vara   | Tribbuwanaohakravarti<br>kondan:   | Kulottuṅga-Chōladevs  | Tribhuvanaobakravartin<br>deva,  | Kalimürkba Vikrama-(  | Tribhuvanschakravart<br>døvs.  | Kalimurkha Vikrama-   | Rajakésariyarman<br>chakrvartin Vir |
|                           | endrac  |  | Vira-Ballajadova  | րոր դող  | ibbuvanao <br>kopdanı.   | tuṅga-  | uvanac<br>8.   | a <b>ürkba</b>  | iuvense  | nürkba  | késariv<br>akr <b>v</b> art         |
|                           | Virarajêndradêva  | •  | Vira-E  | Mahar  | Tribbi<br>kon  |   | Tribbu<br>deva,  | Kalin   | Tribhu<br>devs   | Kalir   | Raja                                |
| ly.                       | J   | :  | :   |  |  | Chola   |  | ė   | ċ  | á   | Do.                                 |
| Dynasty.                  | Końgu-Choļa   | Do   | Hoysala   | Ummattür   | :  | Kongu-Chole   | Ŋ,   | Do.   | 1)0.   | Do.   | Q                                   |
|                           |   |  |   |  | 11 of  | :   | ntra]<br>amin  | :   | •  | •   | :                                   |
| ដ្                        | On the inner wall of the mandapa forming the entrance into the Chemistransvamin temple at   | On a pillar in a ruined mandapa in the east prakara of the same                        | temple.<br>bund the belt of the central<br>shrine, Apramesvaresvanin tem-<br>ple at Maravapalayam.  | Round the base of the same shrine  | On the base of the north wall of the same shring.  | :   | On the north wall of the central shrine Trevalsfiglinathasvamin temple at Piramiyam.   | :   | :  | :   | :                                   |
| Place of inscription.     | l of the<br>atrance   | nined m  | of the sylparates   | the s  | he nor   | :   | all of<br>anjulin<br>amiye   | :   | :  | Do  | Do                                  |
| e of in                   | er wal  | in a ri<br>praka   | e belt<br>.pram⊖<br><b>arav</b> a   | base of  | se of t<br>skrinc  | ne base   | orth w<br>Firuval<br>at <b>Pir</b> e   | ine wa.   | Do.  | Ğ   | Q                                   |
| Plac                      | the inner wall of the forming the entrar Chemissarasvamin   | pillar<br>east   | temple. Round the belt of the ecshrine, Apramesvaraevanin ple at Maravapalayam.   | nd the   | the base of the  | On the same base  | the north wall of the<br>shrine Truvaledjulinath<br>temple et <b>Piramiyam</b>   | On the same wall  |  |   |                                     |
|                           | 5   |  | <u> </u>  |  |  |   |  | 183 On  | 184  | 185   | 186                                 |
| No.                       | )176  | ) 177  | J <sub>178</sub>  | 179  | 180  | 181   | 182  | 1   | -  | •   | _                                   |

| 1920—cont.   |
|--------------|
| ij.          |
| copied       |
| insoriptions |
| C.—Stone     |

|       |   |             |  | ar marJan ar |  |  |
|-------|---|-------------|--|--------------|--|--|
| No.   | Place of inscription.                             | 1) упявtу.  | King.  | Date.        | Language and<br>alphabet.  |  |
| 187   | On the west wall of the same shrine.              | Kongu-Chōle | Kōnatķaņ Vikrama-Chōja   | 20th         | Vațbuletta   | Records gift, of 12 kalanju of gold by the king to the vilugers of Vellana, a handet in Vellakal in Kangayanadu for previding oil for a perpetual lamp ordered to the temple by Vikranasolyin, Solomadeviyar, farakesariulakku is mentioned asa slandard measure and Kôsavan Sugrivan alias Sembiyan Müvendavelan appears as a   |
| 188   | On the same wall                                  | . Do        | Virarajendradeva   | 8th ,,       | Tamil .  | signatory.  Begords gift of 2 kalañja of gold by Arayapêsan, son of Sankaran for a twilight lann to the god.   |
| 189   | On the base of the south wall of the same shrine. | De.         | V1[rasola] Kalinaurkhapperumal   | 1[3]th ,,    | Vație juttu  | Demonstrating to a restriction of the fraching character of land exempted from taxes by a payment of 16 kalanju of gold and presented it to the temptate to need the expenses connected with the second-buth and anothered of the  |
| 190   | On the same base                                  | Ωο. ::      | Kalimürkha Vikrama-Chōļadēva   | 82nd ,,      | Do.  | god. Majanadu and Ayirur are mentioned. Records a deposit of 12 kajanju of gold with the ausembly of Virasirigada-chaburvedinaingalam by Anakkan Sendan alias Griyum Vitan[ka]-setti of Manikanda-   |
| . 161 | Do.   | . Do.       | Virsrajendradēva   | 19th ,, ,    | Do   | layur-kuram, a sullamp to the god. of gold by Trumalapait ail kolas for offening   |
| 192   | Do.   |             | Rajadhiraja Vira-Choludeva   | 5 + 1st year | Do   | Necords that certain land belonging to a Brahman of Viraganguda-ohaturvedinangalam was confiscated by the  |
| 808   | Do.   | Do          | Tribbuvanachakravartin Virarajendra-<br>deva.  | 7th ,        | .e.  | king on account of treason and that the saue hind was purohased by Perivan Solan alias Vnasolakkangusan, one of the feudatories of the king on payment of 30 pon into the feudatories of the king on payment of 30 pon into the treasury and was prace 'ted to the teruple. Records gift of 2 kalanjin of gold by Andal, the senior wife of Nambyalyi, a son of Passilai Tiruvalippokka alias Virarajendra Rahanadaraya of Srr Udduyapirațio-baturredinnangalem in Nanayandra-adu for a twilight lamp to the |
| 194   | Do.   |             | Rajakesarivarman Tribhuvanachakra-<br>vertin Kulottanga-Choladeva.   | 11th .,      | Tamil  | god for her own merit.  End missing. Records that the assembly of [Viresungaduchaturvediman]gulam took from Udaryar Viranarayana [Maba]livananayar 20 kajañju of gold and invested it  |
| 195   | Do.   | Do          | Tribhuvenachakravartin Virarajendra-<br>deva.  | :            | Do. :  | an thirty kuli of land for the temple.  Records gift of one anal-achehu and one kitti of gold by a metolhant of Virasangda-chaturvedimangalam for offering and moned-hoth to the gold.   |
| 961   | Do.   | Do          | Parakesarivarman Tiruohohiggambala-<br>mudaiyan Vikrama-Obola.   | 13th year    |  | Records gift of 28 kalanja of gold together with one knightly due as tax on the brahmadoya for the supply of sunday nade to the cool throughout the vopply of  |
| 197   | Do.   | Do          | <u>-</u> -   | " ча о ї     |  | Records gift of 2 kalanju of gold by a nerohant for a twilight lamp to the god.  |
| 198   | Do,   | Do          | deva.<br>Rajadhiraja Uttama-Choladeva  | 8th ,,       | Do.  | Records that Keralakearri Arnarabhayankara Kōtpuliyar of the Penunal-valilar gave ; kalanju of gold for the daily supply of three pot-fuls of water for the god's somed hath.  |
|       |   |             | redit veginne er en en en en ege planningskrip, om en skin omkriptigdingt (organ sjörgkrip sign) er en en gest |              | and the second s | **************************************   |

| C.—Stone inscriptions copied in | 1920—cont. |
|---------------------------------|------------|
| e inscriptions copied           | 9          |
| e inscriptions                  | opied i    |
| i e                             | 8          |
| C.—Stone                        | ineori     |
|                                 | C.—Stone   |

| N.              | Place of inscription.   | Dynasty.     | King.   | . Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|-----------------|---|--------------|---|--|---------------------------|--|
| 180             | _:_ <u> </u>  |              | Virarajendradeva  | 8th year   | Vattejuttu                | Records gift of two kalanju of gold by a Brahman lady<br>Periyandachchani for a twilight lamp to the god.  |
| 200             | same abrine.  | Do.          | Do  | 13th ,,  | . Do                      | Records gift of two kalanju of gold for a twilight lamp to the god.  |
|                 |   | Do.          | Kulottunga-Choladeva  | 9th ,,   | Do.                       | Incomplete. Records gift of 2 kalanju of gold by Sola-<br>narayana Pullavarniyan-Alagani Somapinan alias Ganga-<br>madaganan the kino's samanta of Rajarajapuram for   |
| 707             |   | Do.          | Abbimanachöla Rajadbirsjadeva   | 10th .,  | Do. :                     | Legislation of the god Records that Silambanadaikkalavan, a kavalan (guard;?) Records that Silambanadaikkalavan, a kavalan (guard;?) residing in Virasanigada-Chatunvedi-mangalam, covered the eeiling of the Mukha-mandapa of the tample with stones for the merit of Eduptan Nilam Silamban. |
| 208             | 8 On the south base of the ruined platform of the same temple.  | Do.          | Rajakésarivarman alias Tribhuvanaohakra-<br>vartin Vi[ra]rajéndrádéra | :  | Do                        | Records gift of one kalanju of gold by Prantohaso an alias Vira mjendra Nittapallavarniyani, a drummer (uvachohakani udaiyan) for a twilight lamp to the god.  |
| 707             |   | 1)0.         | Virasõla-Kalimürkhapperumāļ   | 24th year  | Do.                       | to the assembly by mattan precipits.   |
| 205             | temple.  On a door-post standing in front of the same temple.   | Do.          | Rajadhiraja Uttama-Choledera  | . 17 + 156   | Tamil .                   | End damaged. Mentions one Kandugan Annunanasola. Rajadhira[ja] as one of the relatives (urimalyar), of the fendatories (samantas) of the king.   |
| 206             | 6 On a similar post in the same place   | Dē.          | Vira-Rajendradeva   | . 19th ,,  |                           | The inscription stops with the name of the donor and one rest is much dinneged.  |
| 207             | On the left doorjamb of the entrance into the central shrine.   | :            | :   | :  | Vattejuttu                | of the temple was built in the name of Viehchadiran by Vilupparaiyan, the naphew or son-in-law (acres) of  |
|                 | 208 (In a slab in a field I mile to the some temple.  | Chera?       | Sarvadbaums Varaguņa Parantaka  | . 6+9th yeur   | °°                        | Semhiyan Vikramscolly Jajavan.  Much damaged. Seems to record gift of land by Vaduhan-kodai, wife of Puttur-kilâng Ullungamapan and daughter of Kadalallan for offerings, anointnent and festivals to the god. The king beers the hinda of Chandraditya-                                       |
| , Home          | 209 In the same place   | :            | :   | 6 + 1[6]th   | . Do.                     |  |
| ( <b>B</b> dn.) | ı.  | Kongu-Chôla  | Virarajondradeva  | 15 + 18t ,,  | <del></del>               |  |
| -18             | Lakmanayakanpacu.  11 On a slab set up in the prakara of the Kulamayikkesvarayauin remple at Turambadi. | :            | :   | :  | Ģ                         | on modern characters. Contains are might be a rame. Valayar to the god Nanjundalinga will be a sinner. The engraver's name is given as Rāmaņa Osan.  |
| -213            | 12 On the base of the west wall of the Perumal shrine at Nanjai-talaiyur.                               | Vijayanagara | . Mahamandelosvara Vira[pratapa]Kumara<br>Mallikarjunaraya.           | Rishabha, su. di.,<br>Rishabha, su. di.,<br>saptami, Husta,<br>Monday, | i, Do.                    | Incomplete and damaged. Scens to reford a git of land in the time of Kampanayaka Udaiyar, for daily worship in the temple.   |
|                 |   |              |   | -  |                           |  |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—cont.

|               |  |              | avot m nordo grandivani oman                  |   | •                         |  |
|---------------|--|--------------|---|---|---------------------------|--|
| No.           | Place of inscription.  | Dynasty.     | King.   | Date.   | Language and<br>alpharet. | Вешагка.   |
| 218           | Round the central shrine of the Valdyanathasvamin temple at Mayilrangam.   | Vijayanagara | Vijayanagara Krishnadeva-Maharaya             | Kuli, 4633, Viya<br>(mistuke for Vi-<br>jaya), Tui, 12,<br>paff(chanij, day | Tamil                     | Built in at several places. Records gift of 150 kuli of hand by the agent of the king for offerings and worship to the god Trannativite-tambinans of Mayllangum and the provision of & pon each to the gods Kamimadaispps and Chellapijiaiyar. Rajarajapman is mentioned as the  |
| , 31 <b>4</b> | On a slub set up in front of the Perumal temple in the same  | °°a          | Aohyutaisys                                   | Kali 4635, Jaya,<br>Chitra, 2.  | Do. :                     | captral of Kongu-uningdann.  Barnaged at the end. Records the assignment of land near Madavilagun by adhikari Avinasinipur, the ugent of Ra- ghupatideva-Maharaja who wus himselfur agent of Maha- mundalesvara. Valniyadëva-Maharaja. for conducting  |
| 215           |  | Kongu-Choja  | Kalimarkha Vikrama-Chojadeva                  | 27th year   | Veţţeluttu                | worship, to the god Tiravina the tambirand. Damaged and incomplete.  |
| 918,          | In the Styn temple at In ulanur. On the base of the north wall of the maha-mandapa of the Parakramus-(hojestar. temple at Vellakoyil.  | Vijayanagaru | Malikarjun raya, son of Devaraya<br>Udaiyar.  | Pramoduta, Vai-<br>gasi, 29   | Tamil                     | Mutilated at the end. Records that during the regime of Kampayanayan, the nattarar of Kangayanada made a gift of 6 pon, the income from the village of eholesvananallar in Vellakal in Kangayanadu for daily worship and offerings to the god Panakrama-Cholesvara   |
| 716           |  | :            | Tribhuvanachabravartin Konsripmai-<br>kopdsp. | 14 + 16t year   | Do                        | and Karunaikātļiya-piļļaiyār.  Damaged and incomplete. Sceme to record gift of land of the village of Virapandiyanailur, as devadāna for worship in the temple of Mandisvara.  |
| 8 17          | Alectupalayam. On the base of the north wall of the central shrine, Vikrams-Cholsers temple at Kanna. puram.   | Końgu-Chola  | Vicarajendza[deva]                            | 16 + 1st ,,   |                           | Records that in response to the request of the magarattar of Abbirnamsolapuram and Vikramsolapuram, the king ordered that the amount securing from land taxes from the two villages should be equally divided and assigned for expenses to the two temples. Among the names of   |
| 918           | On the same base   | Do.          | Virarajendradeva                              | 16 + 1st  | Do                        | the signatories are found Ellamvalla Sola Murendavelan, Vaparayadevan, Tyagavinodadevan, Munayadarayan, Chedirayadevan, Kaduveyti, Kalappalarayan and Vilatasingudevan.  Becords gift of one achehu of gold by Munayadarayan and Tyagavinodadeva, the headman of Vilatio for a first of the headman of Munayadarayan and Tyagavinodadeva, the headman of Minter for a first of the headman of Minter for a first of the headman of the headman of the headward |
| 220           | On the south wall of the same  | Do.          | Do. : : :                                     | 15 + 1 + [1] + 1st<br>year.   | Ло                        | yanar. Damaged at the end, Seems to record gift of one achobu of gold for a twilight lamp to the god by a merchant of Villuvannaddevi alias Vikramasolas [purem].  |
| 22.1          | On the same wall   | o°.          | Virarkjendra                                  | 17th year   | 110                       | Fragment.  |
| 323           | On the north and west walls of the   | Do.          | Do  | 5th   | Do                        | Do.  |
| 873           |  | Do.          | manachola Rajadhirajadeve                     | 3rd   | Do. :                     | Bailt in and incomplete. Seems to refer to some feeding obarity by Arayan Soman.   |
|               | The second secon | -            |   |   |                           | The second secon |

C.—Stone innoriptions copied in 1920-cont.

| -            | A THE PARTY OF THE |               |  |                         |                        |   |
|--------------|--|---------------|--|-------------------------|------------------------|---|
| No.          | Place of insoription.  | Dynasty.      | King.  | Dute.                   | Language and alphabet, | Remarks.  |
| -124         | On the north wall of the Subrah-<br>manyasvamin shrine in the sume   | Końgu-Chola   | Parak6ssrivarman Tribhavanschaktavar-                  | 13th year               | Таші]                  | Records that a merchant of Villavanmadevi alias Vikrama-<br>obdiupurum in Kangaya-nada set up the images of the   |
| 1225         | On the Ardm<br>Kapalisvaravamin temple at<br>Madavilagum.  | Vijayanagere  | Mahawapdalesvaran Hariyardya Udaiyar.                  | Sarvadhari, Tai,        | Do                     | two consorts of Kungamerinja-pillanyar, i.e., Subrahmanya. Records gift of 5 ma of land in Alambadi and Karrayan-kani alias Virusola-obaturvedimangalam in Virasola-valanadu for daily worship and afferings to the god |
| 926          | On the south wall of the same  | :             |  | :                       | Tamil-verse            | ogalyar l'achenotic-avudatyar of l'appart in kangaya-na-du.<br>Au. Mentions Uttamasola, the chisf of Karri, (i.e., Nattaika-  |
| 227          | On the same wall   | Vijayanagera  | Mahamandaldsvaran Hariyaraya Uduiyar, son of Devaraya. | Barvadhari, Tai,<br>25. | Tamil                  | raiyur).<br>Registers an agreement given by the natitar of Kangeya-nadu<br>regarding No. 225 above. Deverayon (** 19x ?) and a tax  |
| 228          | Do   | :             | Rajakssarivarman 'fribhuvanachak                       | [1]2th year             | ou                     | of one panam per village are mentioned.  Beginning built in. Records gift of one achelia of gold for a twilight lamp to the god Vinayakapillayar in the north   |
| . 229        | On the base of the west wall of the same temple.   | Kongu-        | Rejaksearivarman alias Tribhuvannoha-                  | :                       | Do                     | of the village of Pariani in Rangaya-nadu by the king's relative (Permu-irimaiyar) of Rajuajupuram. Much damaged. Seem. to record gift of a lamp to the   |
| 280          | On the dovrjamh of the entrance into the Jayangondanathasvamin   | · · ·         | ימימינים אינס-ג מיתלאותפעים.                           | Sake 1360               | Бо                     | god.<br>States that the door-posts and two steps were the gift of a<br>resident of Karaiyar.  |
| 231          | On a pillar inside the mandapa in front of the same shrine.  | Vijayanagara  | Mahamandalesvara Mallikarjunaraya                      | Prabhava, Vaigasi,      | Do                     | Built in at the end.  |
| 283          | On another pillar in the same place  | ;             | :  |                         | Do                     | States that the pillar was erected by Kongaveladaraiyar,  |
| 238          |  | :             | :  | :                       | 1)0                    | in Kangaya-nadu. States that the pillar was the gift of Alagan Uttamasola Gamindan Kariyan Uttamasola Gamindan of the Vallala   |
| 284          | Do.  | Vijayana.gara | Mahamandalesvaru Mallikarjunaraya                      | Prabhava, Vaigasi,      | Do                     | caste. Raini the pillar was erected by a resident of Karai.   |
| 786          | Do.  | o°.           | Do. do.  | [23]. Do.               | Do                     | yur.<br>Records gift of a pillar by Kongaveladaraiyan Iraksha-peru-   |
| 336          | Do.  | :             | :  | :                       | . Do                   | mal, a Velialapayirar of Karaiyar. States that a pillar and a corbel were given by a private  |
| 287          | On a beam of the ceiling in the came place.  | :             | :  | :                       | Do                     | individual of Tingalur in Kuruppu-nadu.  Records the gift of three ceiling beaus and four corbels by a merchant of Tribbuvananadevicuran alias Karaivar   |
| 238<br>- 939 | On another beam in the same place<br>On a slab lying in the south pra-<br>kara of the same temple.   | ::            | Bamadeva Maharaya                                      | ,<br>Sa.<br>Jurma       | Do. ::                 | in Narkaviri-uadu.  Records a similar gift by a merchant of Karaiyur.  Becords gift of certain pieces of land to the god Jayangon-danatha Tambiranar by Nallattambi-Jaundar Viéranatha                                  |
|              | •  |               |  | Panguni, 6,<br>Sunday.  |                        | Chakkarai Utfamakkaminda Mangadiyar, a Vellalapayirar of Karaiyur in Kangeya-nadu during the time of Mutturlgappa-nayaka, the agent of Ramadeva. Kanohingi appears to have been the other name of the Noyyal            |
|              |  |               |  |                         |                        | Net.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—cont.

| I     |  |                    |   |                              |                           |  |
|-------|--|--------------------|---|------------------------------|---------------------------|--|
| No.   | Place of inscription.  | Dynasty.           | King.   | Date.                        | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|       | On a slab set up in the compound of the Pattisvarasvamin temple at Marudurai.                    | Vіја увна Бига.    | Krishnaraya   | Dhatu, Vaigasi<br>22.        | Tamil                     | In modern characters. Mates that during the regime of Kondamarasar, the agent of the king, the residents of Marudurai in Kangaya-nadu assigned certain lands to the Rod Andaya-tambitanar Pattyrapas and to Alala. |
| 241   | On the base of the north wall of the central shrine in the Agastyes-varavemin temple at Akhilan- | Da.                | Mahamandalsevara Vira Seyana Udniyar.               | Dundubhi, Karti-<br>gui, 18. | De                        | ž  |
| 343   | Capuram.   | :                  | :   | :                            | Do                        | Udanyar.<br>Records the charity of a stone Nirmal, a-trough by a Vellala   |
| 243   | On the base of the west wall of the same temple.   | Kongu-Pan-<br>dya. | Sundara-Pandyadeva                                  | 8th year, Ani                | Do                        | ã  |
| 244   | On the base of the same temple. On the same base   | :                  |   | : :                          | Do                        | Nurumolijar of Fațțăli. Built în at the end. Records Ardba-mandapa by a Vellin Built în în the middle Seem   |
| 9766  |  | Vijevanagare       | Vijevanagaru   Mahamandalesvara Achyntaraya-Mahara- | ×                            | :                         | eentral shrine.  Damaged. Seems to rec   |
| 1.347 | <u> </u>   | -úṛĄ-              | ук.<br>У 172-Рацдуа дотн                            |                              | De. :                     | Nangayam to the god Agariyesvara in the time of Valayadeva-Maharaja, the right-hand of Timma-Vanayas, the agent of the king. Records that Periyaarasu Alagiyapillai, a chief of Klaik-                             |
| 248   |  | фя.<br>Do          | Kulasskharadeva                                     |                              |                           | karai erected two door-posts in the temple of Aludaiyar Adinathestaram-Udaiyar in Kiranur in Kangaya-nadu. Records the gift of two door-posts to the temple by Urali of  |
| 846   | <u>.</u>   | Kongu-Chōļa        | Kajadhirajadsva                                     | 3rd                          | Do                        | the Sokkenraliyar the chief of Melaikkarai.  Records an order of the king making a tax-tree gift of land as devadana for daily offerings and worship to the god.   |
| 250   | temple. On a pillar inside the Amman shrine in the same temple.                                  | Do.                | Virazajendradeva                                    | loth                         | Do                        | Records the erection of the nayaka-kal (pullar) in the Tiru-<br>mandeta of the temple by Haiva Sevaraivan alias Inji-  |
| 261   | On the door posts of the Perumal   | :                  |   | Vikyiti, Tai. 6              | Do                        | velan of Kiranur. Slightly damaged and in modern characters. Records gift of a lamp to the god Viranrayana-perumal by Todan  |
| 252   | On the hase of the north wall of<br>the Vinayaka temple in the same                              | Койди-Своја        | Vīrarajēndkadēva                                    | 20th year                    | Do. :                     | Incomplete and damaged. Seems to record gift of nine asohohu of gold by Chirranoli, a goldsmith of Kiranur for   |
| 263   | wall   | Kongu-             | Vira-Pandyadeva                                     | 2nd ,,                       | Do                        | offerings and lamp to the god Idahgai-vinayaka-pillaiyar.  Records that the Uharmapadai in the Vinayaka temple was constructed by a blackemith.  |
| 251   |  | Kongu-Chola        | Kongu-Chola Tribhuvanaviradeva                      | ,, bu2                       | Do                        | Damaged and incomplete. Seems to record gift of rice and kambu for offerings to god. Sollyanali is mentioned as  |
| 265   | On the south wall of the same temple.  | Do.                | Virarajandradēva                                    |                              | Do                        | a standard measure.  Damaged. Seems to provide for the supply of kambu grain for offerings to the god.   |

| 1920—cont. |
|------------|
| Ħ.         |
| copied     |
| 00         |
| stions     |
| nscript    |
| ä          |
| -Stone     |
| O          |

| No.              | Place of inscription.   | Dynasty.    | King.                             |             | l)ate.                  | Lankuage and<br>alphabet. | Remarks.   |
|------------------|---|-------------|-----------------------------------|-------------|-------------------------|---------------------------|--|
| 7266             | On the base of the north wall of the central shrine in the Palvannes- | Końgu-Chōla | Kongu-Chola Viktuna.Choludevu     | :           | 9+!at year              | Tamil                     | Records gift of one kelanju of gold to a certain Frahman in the temple by a merchant hang in Irattarimolisolapperunderivu in Kabchituvattundam for a twilight lamp to the  |
| 257              | palayam.<br>On the same base  | Do.         |                                   | :           | 21st ,,                 | Do                        | pod Lalvannesvaran - datyar, Records gift of one kalanju of goll by Kaji Kaji, a Kavalanmannan of Ravinallur, for huming a twilight  |
| 898              | Do  | Do.         | Do                                | :           | 6th ,,                  | Do                        |  |
| 769              | On the buse of the west and south walls of the same shrine.           | :           | Tribhuvanachakravartin<br>kondan. | Konerimel-  | 20th year, 60th day     |                           | achem of gond which was rused belonging, perhaps, to the temple Registers an order of the king, assignifrom Karrayan-Rant drass Virasola in Virasola-valanadu, tor the proviand worship to the god Parvannese vinage of Nachchiyar, his omsort, was a charten of Nachchiyar, his omsort, was the contractions of Nachchiyar, his omsort, when the contractions of the contract |
| 260              | On the same walls   | :           | Tribhuvanachakravartin<br>Kondan. | Konstinmai- | 4 + 4th year, 80th day. |                           | figures as a signatory. Incomplete. Records gil service called Viranajo. vojan Vannagardava,   |
| 261              | Do  | Kongu-Chōļa | Virarajendradeva                  | :           | 29th + 7th year         | Do                        | Hre men notice as signatures. Records wift of 10 actions for efferings to god Palvanase. varanz Diatos. Mentions the measure Pounday-18 ii.  |
| 262              |   | Do.         | Vikrama-Chōļadēva                 | :           | 6th .,                  | Do                        | Records gift of one kagañjn oi gold by Kutlan Ivalyallan Hariyasinoadwan, a member of the Pennandanial stor  |
| 263              | On the base of the south wall of the same shrine.                     | e Do.       | Virarajondradeva                  | :           | 13th ,,                 | Do                        | a twillight lamp to the god. Incomplete. Records a gift of money by Eutfan Valavandan of the Ravalan Kurumbillan of Patfali to the residents of Nallur alias Amarabhuyankara-chaturoèdi-   |
| Home<br>80       | On the same base  | Do.         | Vikrama-Chōļadēva                 | :           | 20th ,,                 | Do                        | mangalam in Valuppnekka-nadu for supplying paddy to the temple for the Sivaratin fertival  Records gift of two Rajanju of gold by certain private indusinals for two twolubit familia in the temple.   |
|                  |   | le Do.      | Virarajendra[deva]                | :           | 4+4th                   | Do                        | Records gift of one kal in the feather than the tennels by the law soliand of Kadaver in Kangava-nadu.   |
| , ( <b>Ed</b> n. |   | n Do.       | Kulottunga-Chōjadeva              | :           | 9th                     | . Do                      | Records the erection of the mandaps by Kuttan Kuttan alias Adiyaman, a member of the Kavalan-kurumpillars of Pattali   |
| 197<br>)—19      | <u>ō</u>  | h Do.       | Virarajendradeva                  | :<br>:      | 18th .,                 | Do                        | Records gift of one kalanju of gold for a twilight lamp to the god by a private individual.  |
| 268              | <u> </u>  | Do.         | Vikrama-Chōļadēva                 | :           | 19th ,,                 | Do                        | Incomplete. Mentions Virantappallavaraiyan.  |
| 269              | On the same base  | Do.         | Do                                | :           | т                       |                           | Incomplete. Records gift of gold for a twilight lamp by Sengutta[1], wife of Sonappallavaraiyan of Virakeralam.  |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—conf.

| No.             | Place of insortption.   | Dynasty.    | King.   | Date.  | Language and alphabet. | Remarks.  |
|-----------------|---|-------------|---|--|------------------------|---|
| 270             | On the base of the east wall of the Maha-mandapa.   | Kongu-Chola | Vikrama   | 19th year  | Tamil                  | Incomplete. Records gift of gold for a twilight lamp by a private individual of the Kavalan-kurumpillars.   |
|                 |   | on<br>T     |   | 12th   | Do                     | Records gift of gold for a twilight lamp by the wife of a private individual.   |
| <b>2</b>        |   | :           | :   | Kali 4894, Śaka<br>1715, Pramadi-                      | Do                     | In modern obaracters and much dsmaged. Mentions Uttama Gaminga Mannadyar.   |
| <sup>2</sup> 73 | 9 On the north and west walls of the central shrine, in the Nanmanis-varavamin temple at Kattan-gani. | Ноуваја     | Vira Vallaļadēva  | Dhatu, Kanni, su, di., trayo, dasi, Friday, Sravana.   | Do                     | Records a deposit of gold with the temple priest by Visva-<br>mitran Trunara, an apurattu-pillai Jagannatha Brahmada-<br>rayan, a resident of Udanyapiratti-chaturvedimanga-<br>lam, a brahmadeya in Virarailendra-valanadu. a subdivi-                     |
| 274             | Round the belt of the same shrine   | :           | Konstinmaikopdaņ  | [14th] year  | Fo. ::                 | sion of Naraiyanur-nadu for a twilight lamp to the god<br>Nanmanswaren-Udaiyar in the temple at Kamayankani<br>alias Viraelia-ohsturvedimangalam in Viraelia-valanadu.<br>Damaged. Seems to record a gift of land free of taxes to<br>the temple.           |
| 275             | Do.   | Końgu-Chōļa | Rajakesnivarman slias Tribhuvana-<br>obaktavartin Kulôttunga-Chôjadeva. | . 10th ,,  | Do                     | Of the invention as that of Viral and and of the invention as that of Viral and and an order of Viral and invention as that of Viral and invention as refer to record an order of Viral and invention a ranking a rift of sold for rice                     |
| 276             | On the door-posts of the entrance   | Do          | Uttama Chôla Viransirayana  | 2nd ,,   | Do                     | offerings to the god and for five perpetual lamps.  Damaged and incomplete. Seems to record a gift of land  |
| 277             | õ   | Hoyeala     | Vira Vallaļadēva  | di., Mon-  | Do                     | for daily offerings and worship in the temple. Incomplete. Records gift of gold by Bharadvaji Ariyaporul Vinduvarapperumal alias Vikrama-Pandya Brahmarayar   |
| 278             | On a slub lying outside the same temple.  | Ummattür    | Nafijanaraya, son of Pratara Harihara-<br>raya.                         |  | ъ                      | and his son Singaperomal Allalanatha for offerings to the god on certain festival days.  In modern characters. Records that during the regime of Neyinar Rabuttaperumal, son of Tribhuvanatturajakkal lamiertahar Parakrama-Pandvandeva. a grift of sertain |
| 279             | Round the base of the Sokkaperu-<br>mal temple in the same village.                                   | :           | Konerimelkoņdaņ   | 7th year, 300th day                                    | Do                     | taxes was made to the temple. Viktamapandya Brahms-raya is mentioned as a signatory.  Built in and incomplete. Reems to record gift of land, for offerings to the god Kuittingal hongager. Alvar.   |
| 280             | On the door-posts of the same shrine  | Kongu-Chola | Kulottunga-Chojadeva  | 3 + 1st year   | Do                     | Erabmapallavarayar, Jayangonda Muvendavelda, 2nd Virasola-Muvendavelda, figure as signatories.  Becords gift of gold by a private individual the interest from which was utilized for effection; the cold Files.  |
| 1281            | On the rook at Vattamalai   | Ивувка      | Mahamandaldévara Vijayarangs Muttu<br>Krishna Chokkanatha-nayaka.       | Saka 1630, [Sarva]-dhari, Chittirai, 7, Sunday, Hasta, | До                     | tungasola-vinnagar-emberuman on certain days.  Records that, while Vengi Alagiri-Nayaka, the agent of Vengi-Minakshi nayaka who was the agent of Schka-natha, was holding court at Kancavam, he preserted on matha.   |
| 7882            | On the fouth wall of the central shrine in the Tirunakhisvara.  | Ummatter    | Vira-Nahjataya-Udaiyar  | _  | ъ                      | of land to the temple and left it under the supervision of Amaravati Kangayamannadiyar.  Records gitt of 5 ma of land for off-rings and worship to the god Tirunakkisvaramudaiya-lambiranar at Aratoluvu in Kangaya-nadu.                                   |

| 1920—cont. |
|------------|
| ij.        |
| copied     |
| ptions     |
| insori     |
| J.—Stone   |
| _          |

|       |  |              | J                                   |                                       |                           |  |
|-------|--|--------------|-------------------------------------|---------------------------------------|---------------------------|--|
| No.   | Piace of inscription.  | Dynasty.     | King.                               | Date.                                 | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
| 283   | On the same wall   | ·            | Vira Pāņdyadeva                     | 11th year                             | Tamil                     | Records gift of gold by a private individual for a twilight  |
|       | •  | ya.          | ;                                   | :                                     | Do                        | Records the erection of two door-posts in the central shrine   |
| 284   | :  | :            |                                     |                                       |                           | of the temple by Kavalan Punnagariyan Viran.   |
| 285   | On the door-posts of the entrance                                    | Do.          | Do                                  | 4th year                              | Do                        | Damaged. Seems to refer to the effection of two pinars in the ardha-mandupa by a kavalan (name obliterated).         |
| 286   | into the same shrine.  | Vijayanagara | Mahamandalesvaran Vira Krishnaraya- | Kali 4628, Viya,                      | Do                        | Specifies that during the time of Valaraya, the agent of   |
| }     | same temple.   | •            | Maharaya.                           | Arpası.                               |                           | offerings to the god and repairs to the temple of Paob-  |
| 1     |  |              |                                     | Saka 1675. Kali                       | Do                        | onottu-avuquiyar at maqaivijakam.<br>In modern characters. Refers to the building of the temple                      |
| 787   | On the north wall of the central shrine in the Varaduraja-Perumaj    | :            | •                                   | 4, Srimu                              |                           | by a Brahmin.  |
| 88    |  |              | :                                   | Masi, 16.<br>Do.                      | Do                        | In modern characters. Refers to the building of certain  |
| 3     | shrine.  |              |                                     | A .L. 1st moon                        | Do.                       | l steps, etc., to the temple by a translation.   Damaged. Refers to the gift of the achebu of gold by a              |
| 289   | Ö  | Kongu-Chota  | Tribhuyanaviradeya                  | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |                           |  |
|       | temple at Kadaivur.  |              | ı                                   |                                       | č                         | daiyar Kadavur-Andar. Registers the against mant by the residents (mar) of Kada-                                     |
| . 290 | 0  | Vijayanagara | Mahanadalusvara Vira Krishnadeva-   | <u>n</u>                              |                           | vir, of a third of the yield of certain wet lands in   |
|       | temple.  |              | Molal aya.                          | gasi, 9, shashthi,                    |                           | Strukadavůr tor offerings, etc., to the gods Kadavůr-  |
| 2     |  |              |                                     | Koli 4804 Saka                        | Do.                       | Refers to a gift of 15 vellam of dry land in Kadaiyar by   |
| 7 291 | On a slab placed in front of a Vi-                                   | :            | ::                                  | 1716, Framadicha,                     |                           | Uttama Gaminda, Manradiyar for the midday  |
|       | palayam.   |              |                                     | Chittirai.                            | Telnen                    | Onerings to the god Sivanibally anglevat at Sivalish.  Recisters that Sivalenka Nissankanathavva nurchased some      |
| 7.582 | On a stone at the northern entrance in othe Siva temple of Mahanandi | •            | :                                   | dhari, Nija-Vai-                      | 300                       | land from a Brahman of Koppaka for the god Maha-   |
|       | on the island near Polavaram,  |              |                                     | 6akha, su. di., 15,                   | ,                         | nanuisvara of manananuskiilinga  |
| 9     | (  |              |                                     | Saka 1330, Sarva-                     | Do                        |  |
| 9     | OH OHE BELLIE STORE  |              |                                     | dhari, Nija-Vai-                      |                           | devaraga, son of Choga-Bhanding and granted to the temple of Mahanandigiri-lings and its sthangpati Nissanka-        |
| •     |  |              |                                     | Monday.                               | ć                         | Kamaya.  |
| 767   | On a pillar at the southern entrance                                 | :            | •                                   | yana-Sankranti.                       | •••                       | tolls on pack-bullocks and cartloads for providing daily   |
|       | temple at Pattisam; another  |              |                                     |                                       |                           | oblations to the god lengaramisvara at dallaramu.  |
| 3     | island near <b>Polavaram.</b>  |              | :                                   | Saka 1151, Marga-                     | Do                        | Unfinished. Gift of land by purchase at Ventavrolu to the  |
| 28    | On the Name pulser   | :            |                                     | fira, su.[tra]yodasi,                 |                           | temple of lenteranisvara at (raj) tramu, for maintaining a nernetual lamp by a certain Lenka Ballana-Navaka.         |
| 906   | ءَ   |              |                                     | Saka 1223, Vaisakha,                  | Do                        | 4  |
|       |  | :            |                                     | án. di., 10, Thursday                 | De :                      | Records some grants of land and n entions Rajala-Mahadevi.   |
| 297   | On a pillar at the southern entrance of the same temple.             | :            | Malayamu Mabadevaraja               |                                       |                           |  |
| 298   | Do.  | :            | Do                                  | Saka 1169, Phal-                      | . Do.                     | Registers that Adapa Mavena-Perggada, minister of the king granted land at various places to the god Ishtahamisvara. |
|       |  |              |                                     |                                       |                           |  |
|       |  |              |                                     |                                       |                           |  |

C.—Stone inscriptions copied in 1920—cont.

| -             |   |          |          | o o o o o o o o o o o o o o o o o o o                         | •                                   |  |
|---------------|---|----------|----------|---|-------------------------------------|--|
| Z o.          | Place of inscription.   | Dynasty. | King.    | Date.   | Language and<br>alphabet.           | Кепитка.   |
| 568           | On a pillar at the southern entrance of the same temple.  | :        | :        | Saka 1187, Śresta (Jyeshta), śuddha-                          | Felugu                              | Grant of land by Andaluni Pionisetti for the maintenance of a perpetual lamp in the temple of Islitakamisvara at   |
| 300           | On the same pillar  | :        | :        | Saka 1212, Marga-<br>Sira, su di., 13,                        | Do                                  |  |
| 301           |   | :        | :        | Monday.   | Do.                                 | Incomplete. Fulligy of the god Bhimesvara of Suryanara-  |
| 302           | On the same pillaf  | :        | :        | Saka 11[1]7, Uttara-<br>yaņa-Sunkranti.                       | I)o.                                | Agriculture the grant of 6 gold madas by the lady Anyama. Also records grants of land to Bhinanathadeva of dunfala   |
| -130 <b>3</b> | On another pillar in the same place   | :        | :        | :   | Do                                  | by several persons. Incomplete. Provides for the various items of worship and oblations on the three periods of the day.   |
| -804          | On two pillars to the south of the Alvar shrine behind the sanctum of Sri-Ramabhadra temple at Bhadrachalam, Bhadrechalam taluk, Godavari district. | :        | <b>:</b> | Saka 1764, Nandana,<br>Chaitra, su. di., 9,<br>Sunday.        | Ъо                                  | <u> </u>   |
| 3005          | On a mutilated pullar lying near the<br>mirrcr-chamber in the same tem-<br>ple.   | :        | :        | Śaka 1646, Raktak-<br>sbi, Pbalguni, su.<br>di., 5, Thureday. | Do.                                 | Exalted fighness the Nizam's Stute) in the time of Nawado Rasauddand and conferred a large part of the meome of Intaganaou the temple and the Brahmans who were connected with it. Numerous other details concerning the establishment, festivale, wership, oblutions, e.g., of the temple are also registered.  Damsged. Records that a certain lady devotee of Rachundavaka of Bladdachara, the wise of Mutyam Akkamappa, a Padmanayaka born in the Vipparla-gora cansed the mukha-nandapa and the piakara to be built as her charity in the temple and gave the whole of the village of Gundal-for providing festivals and servants.  Another part of the in-cription records that a daughter of Mutyala Ramakka, ranned Appalamma, built and conscorated the shune of Manmalyar; and her daughter, |
| 308           | On a slab set up near the old villagesite at Mailavaram, Ongole taluk, Guntur distriot.   | :<br>:   | :        | :   | Telugu in<br>archaic<br>oharacters. | 23   |
| 7802<br>7     | On a Nandi-pillar set up in front of the Raualingasvamin temple at Mudunuru, Gannavaram Kistna dietriot.  | <u>:</u> | :        | :   | Sanskrit and<br>Telugu.             | <u> </u>   |
|               | _   | -        |          | _   |                                     |  |

C .- Stone inscriptions copied in 1920-cont.

| On a pillar in the Svargefvaruse.  Mahhanagdaledvara Golvaraje, son of Sake 1096, Asha min temple at Ganagayaram.  Mahhanagdaledvara Golvaraje, son of Gake 1096, Asha min temple at Ganagayaram.  Mahhanagdaledvara Kolani-maqdalika So. Saka 1177, Uterator Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.  Do.   | No.  | Place of inscription.  | Dynasty. | King.                | Date.  | Language and<br>alphabet. | Remarks.   |
|--|------|--|----------|----------------------|--|---------------------------|--|
| On the same pillar   | ,308 | On a pillar in the Svarnésvarusva-<br>min temple at Ganapayaram,<br>Bhinayaram taluk, same district. |          | Goltaraje,<br>Vengi: | Saka 1096, Asha-<br>dha, Krishna-eka-<br>dasi, Wednesday,<br>Dakshināyana- | :                         | Gift of '0 cows for the maintenance of a perpetual lamp in<br>the temple of Svarpédvara at l'adminipura.   |
| Do.     Kolani Kâţama-Nâyaka     Śaka 1073, Uttara   Do.     Saka 1073, Uttara   Do.     Saka 1165, Uttara   Do.       Do.   Do.     Do.   D | 308  | On the same pillar   | :        | 89.                  | Samkranti.<br>Saka 1117, Uttara-<br>vana-Samkranti.                        | Do                        | d.   |
| Do   | 910  | :  |          | Kolani Katama-Nayaka | Saka 1073, Uttara  |                           |  |
| On another pillar in the same tem-        10.        10.        10.        10.         10.   | 118  |  | :        | :                    | Saka 1165, Uttara.<br>yana-Samkranti.                                      | Do.                       | Dameged. Mentions Mahamandulesvara Kolani-mandalika<br>Mangayadevaraja, hisesvant Bnumadala Anuma-Nayaka   |
| Do Do Do Do Bajaraja Saka 1087, [2]0 th Do year.   | 312  | On another pillar in the same tem-   |          | :                    | :  | Do.                       | States that the temple was built by Siddh [na Johari, son of Freederi Mandachari.  |
| Do Bajaraja Saka 1087, [2]0 th Do  | 313  | ple.<br>On the same pillar `   | :        | :                    | :  | Do                        | Damaged. Registers a gift of 50 sheep for a perpetual lamp in the temple of Nurnessvara at Padminipura.  |
| Do Rajaraja Saka 1087,  2]o th Do year.  | 814  | Do.  | :        | :                    | :  |                           | Fragment. Registers a gift of 150 sheep for three perpetual lamps evidently in the temple of Svarassara at   |
|  | 315  |  | ::       | Rejersje             | Saka 1087, [2]0 th<br>year.  | Do                        | Fadminjura.  Do. Records a gift of sheep for perpetual lamps.  Damaged. Registers a gift of land for worship and services in the temple of Svarnesvara at Padminipura. |

# No. 985, Home (Education), 31st August 1920

### D.—List of photographs taken during 1919-1920.

| 548 549 Kiliy 550 Mara 551  552 553 554 555 556 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 60 571 572 Kum 573 574 575 576 577 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 583 584 Ummi 583 584 Ummi 586 587 588 I   | ocality.           | Description.  | Size of negative.          |
|--|--------------------|---|----------------------------|
| 548  549  549  550  551  Mara  552  553  554  555  556  556  557  558  569  560  561  562  563  564  565  566  567  570  Pudu  571  572  Kum  573  574  575  576  577  578  579  580  581  Tirup  xan  582  Ill  Ill  Ill  Ill  Ill  Ill  Ill  I   | ım                 | General view of the rained Siva temple                                | Half-plate.                |
| 549 Kiliy 550 551 Mara 552 553 554 555 556 556 557 558 559 560 561 562 Dādā 563 564 565 566 Āvūr 567 569 569 60 571 572 Kum 573 574 578 579 580 581 Tirup xan 582 Tirup xan 582 Tirup xan 583 584 Tirup xan 582 Tirup xan 583 584 Tirup xan 583 584 Tirup xan 588 Tirup xan 588 Tirup xan 588 Tirup xan 588 Tirup xan 588 Tirup xan 588  | <u>D</u> o         | Do. do  | Do.                        |
| 550 551 Mara 551 Mara 552 553 554 555 556 556 557 558 559 560 561 563 564 565 566 567 569 60 571 572 Kum 573 574 Sittar 573 Sittar 574 Sittar 575 576 577 588 579 580 581 Tirup xan 582 Tirup xan 583 584 Umma 586 Mutter 587 588 II   | Do                 | Sculpture in relief of Durgā on the rock opposite to the same temple. | Do.                        |
| 551 Mara 552 553 554 555 556 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 60 571 572 Kum 573 574 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 583 584 Tirup ran 582 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588  | anur               | View of the central shrine of the Siva temple                         | Do.                        |
| 552 553 554 555 556 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 60 571 572 Kum 573 574 572 Kum 573 574 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup ran 582 I 583 584 J 585 J Mutte 587 588 I I I I I I I I I I I I I I I I I I   | Do                 | View of the mandapa in front of the Vishnu temple                     | Do.                        |
| 553 554 555 556 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 60 571 572 Kum 573 574 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup xan 582 Tirup xan 583 584 585 586 Mutte 587 588   | kāṇam              | Do. entrance (ruined) of the Siva temple, (exterior).                 | $\mathbf{D}_{\mathrm{o}}.$ |
| 554 555 556 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 69 69 69 69 71 572 Kum 573 574 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 583 584 585 Umma 586 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588  | Do                 | Do. entrance (ruined) of the Siva temple (interior).                  | Do.                        |
| 555 556 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 60 571 572 Kum 573 574 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Tirup ran 583 584 Tirup ran 582 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588 Tirup ran 588   | <b>D</b> o         | Do. central shrine (top portion)                                      | Do.                        |
| 556 Olage 557 558 559 560 561 562 Dādā 563 564 565 566 Āvūr 567–568 569 (a) 570 Pudu 571 572 Kum 573 574 Sittar 575 576 577 578 579 580 581 Tirup ran 582 I  | Do                 |   | $\mathbf{D_0}$ .           |
| 556 Olage 557 558 559 560 561 562 Dādā 563 564 565 566 Āvūr 567–568 569 (a) 570 Pudu 571 572 Kum 573 574 Sittar 575 576 577 578 579 580 581 Tirup ran 582 I  |                    | shrine of the same temple.  |                            |
| 557<br>558<br>559<br>560<br>561<br>562<br>563<br>564<br>565<br>566<br>567–568<br>569<br>569 (a)<br>570<br>Pudu<br>571<br>572 Kum<br>573<br>574 Sittar<br>575<br>576<br>577<br>578<br>579<br>580<br>581 Tirup<br>ran<br>582 Umma<br>583 Mutter<br>584 Umma<br>584 Umma<br>585 Umma<br>586 Mutter<br>587 Mutter<br>587 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutter<br>588 Mutte | Do                 | Bronze image of Sivakāmi-amman in the same temple                     | $\mathbf{Do}$ .            |
| 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 569 569 570 Fudu 571 572 Kum 573 574 575 576 577 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Umma 583 584 585 Umma 586 Mutte 587 588   | āpuram             | South-east view of the ruined Siva temple                             | Full plate.                |
| 559 560 561  562 Dādā 563 564 565 566 567 569 569 570 Pudu 571 572 Kum 573 574 575 576 577 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Umma 583 584 585 Umma 586 Mutte 587 588   | $\mathbf{p}_{o}$   |   | Do.                        |
| 560   561   562   Dādā   563   564   565   566   Āvūr   570   Fudu   571   Kum   573   574   Sittar   575   576   577   578   579   580   581   Tirup   ran   582   Tirup   ran   584   Jās   584   Jās   586   Muttu   587   588   I  | Do                 | linga, in the same temple.  | Do.                        |
| 561  562  563  564  565  566  567–568  569  569  570  Pudu  571  572  Kum  573  574  575  576  577  578  579  580  581  Tirup  ran  582  Ill  583  Jan  Jan  Jan  Jan  Jan  Jan  Jan  Ja   | Do                 | General view of the ruined yopura, Vishnu temple                      | Do.                        |
| 562 Dādā 563 564 565 566 Āvūr 567-568 569 (a) 570 Pudu 571 572 Kum 573 574 Sittar 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup ran 582 Tirup ran 582 Umma 583 584 585 Umma 586 Mutte 587 588  | Do                 | Do. central shrine of the same temple.                                | $\mathbf{Do}$ .            |
| 563   564   565   566   Āvūr   567-568   569   570   Pudu   571   572   Kum   573   574   Sittar   575   576   577   578   580   581   Tirup   ran   582   Tirup   ran   584   585   Umma   586   Mutter   587   588   I   | <b>D</b> o         | temple.   | Half-plate.                |
| 564<br>565<br>566 Āvūr<br>567–568<br>569 (a)<br>570 Pudu<br>571 Kum<br>573 Sittar<br>575<br>576 577<br>578 579<br>580 581 Tirup<br>ran<br>582 I<br>583 I<br>584 J<br>584 J<br>585 Mutter<br>586 Mutter<br>587 J<br>588 I   | puram              | General view of the central shrine of the Vishnu temple.              | Do.                        |
| 565<br>566   | Do                 | Sculpture in relief of Kundavaipirāttiyār in the same temple.         | Do.                        |
| 566 Avur<br>567-568 Avur<br>569 (a) Pudu<br>570 Pudu<br>571 Sittar<br>575 576 577 B<br>578 Sittar<br>579 580 B<br>581 Tirup<br>ran<br>582 Umma<br>583 Umma<br>584 Umma<br>586 Mutter<br>587 B  | Do                 | General view of the mandapa of the Siva temple                        | Do.                        |
| 567-568  569 569 (a) 570 Pudu 571  572 Kum  573 574 575 576 577 578 578 579 580 581 Tirup xan 582 Tirup xan 582 Umma 584 585 Umma 586 Muttu 587 588  | Do                 | Do. central shrine of the same temple                                 | Do.                        |
| 569 (a) 570 Pudu 571 Sittar 575 576 577 Sittar 580 581 Tirup gan 582 Umma 584 Umma 586 Mutter 587 588 II   |                    | Do. ruined Vishnu temple  | Full plate.                |
| 569 (a) 570 Pudu 571 Sittan 572 Kum 573 Sittan 575 576 577 578 Sittan 579 S80 S81 Tirup 582 Tirup 582 Umma 584 Umma 586 Mutte 587 S88 II   | <b>D</b> o         | Sculpture in relief of Vishnu and his attendants in the above temple. | Do.                        |
| 570 Pudu  571    572 Kum  573 Sittan  575 576    577    578    579    580    581 Tirup  xan  582    583    584    585 Umma  586 Muttu  587    588    I   | Do                 |   | Do.                        |
| 571 Kum  572 Kum  573 Sittan  575 576 577  578 579 580  581 Tirup  582 I  583 I  584 J  585 Umm  586 Mutte  587 J  588 I   | Dc                 | Ruined mandapa in the same temple                                     | Do.                        |
| 572 Kum  573 574 Śittan  575 576 577 578 579 580 581 Tirup xan 582 I 583 584 585 Umma 586 Muttu 587 588  | tturai             | South-east view of the central shrine of the ruined Siva temple.      | Half-plate.                |
| 573<br>574<br>575<br>576<br>577<br>578<br>579<br>580<br>581<br>Tirup<br>ran<br>582<br>1<br>583<br>584<br>585<br>Ummi<br>586<br>Mutter<br>587<br>588  | Do                 | Back view of the central shrine of the ruined Siva temple.            | Do.                        |
| 574 Sittai 575 576 577 578 579 580 Tirup 582 Tirup 583 584 585 Umm 586 Mutte 587 588 I   | bakōṇam ,          | North wall of the central shrine of the Nageśvara temple.             | Do.                        |
| 575   576   576   577   578   579   580   Tirup ran 582   I 583   584   585   Umm 586   Mutter 587   588   I 588   I   | Do                 | Another view of the same shrine                                       | $\mathbf{D_{0}}.$          |
| 576   1   577   578   1   579   1   580   Tirup   ran   582   I   583   584   1   585   Umn   586   Mutter   587   588   I   588   I   | nn <b>avaé</b> al  | General view of the rock-cut temple                                   | $\mathbf{\tilde{D}_{o}}$ . |
| 577   578   579   580   Tirup ran 582   I 583   I 584   585   Umm 586   Mutter 587   588   I 588   I   | Do. ,,             | Sculpture in relief of a Jaina image in the same temple.              | $\overline{\mathbf{D}}$ o. |
| 578<br>579<br>580<br>581<br>Tirup<br>281<br>582<br>1<br>583<br>584<br>585<br>Umn<br>586<br>Mutte<br>587<br>588   | <b>D</b> o         | Another in relief of a Jaina image in the same temple                 | Do.                        |
| 579   1   1   1   1   1   1   1   1   1  | Do                 | View of the rock showing eladipattam on the way to the cavern.        | Quarter plate.             |
| 579   1   1   1   1   1   1   1   1   1  | Do                 | Interior view of the cavern from the southern end                     | Do.                        |
| 581 Tirup  | Do                 | Do. do. northern end  | Do.                        |
| 582   ran<br>583   I<br>584   I<br>585   Umpa<br>586   Muttu<br>587   I<br>588   I   | Do                 | Do. do. south-eastern end   | Do.                        |
| 582   I<br>583   I<br>584   I<br>585   Ump<br>586   Mutte<br>587   I<br>588   I  | parankun-<br>n.    | View of the hill and the cavern                                       | Half-plate.                |
| 584   I<br>585   Umn<br>586   Mutti<br>587   I<br>588   I  | Do                 | Interior view of the cavern   | Quarter plate.             |
| 584   I<br>585   Umn<br>586   Muttu<br>587   I<br>588   I  | Do                 | <b>Do.</b> do   | Do.                        |
| 586   Muttu<br>587   1<br>588   I  | Do                 | Do. do  | $\mathbf{p}_{0}$ .         |
| 587   1<br>588   I   | āmalai             | View of the cavern with beds  | Half-plate.                |
| 588 I  | upațți             | East view of the cavern containing beds                               | Do.                        |
|  | Do                 | South view of the same cavern showing Jaina images                    | Do.                        |
| 590 I T  | <b>2</b> 0         | West view of the same cavern  | Do.                        |
| 369 1  | Do                 | Sculpture of a Jaina image placed within the cavern                   | Quarter                    |
|  | ar-Poli-<br>kulam. |   | plate.<br>Half-plate.      |
| ( yan  | ъпіаш.             |   | -                          |

### No. 985, Home (Education), 31st August 1920

### D.—List of photographs taken during 1919-1920—cont.

| Number<br>(continued<br>from the<br>last report) |                            |  | Size of               |
|--|----------------------------|--|-----------------------|
| Number<br>(contingual from last rej              | Locality.                  | Description.   | negative.             |
| No the   | į                          |  |                       |
|  |                            |  | 1                     |
| 591  | Kongar- Puli-<br>yankulam. | View of the cavern containing Brahmi inscriptions  | Quarter plate.        |
| 592  | Tirumogūr                  | Front view of the stone image of Sudarsana. (Chakradeva).  |                       |
| 593  | Do                         | Back view of same  | Do.                   |
| 594  | Karungalakkudi             | General view of the hill with three caverns  | Do.                   |
| 5 <b>95</b>                                      | Do                         | General view of the cavern containing the Brahmi ins-  | Do.                   |
| <b>5</b> 96                                      | Do                         | cription and beds. Another view of the same showing the Jains image on                             | Do.                   |
| <b>3</b> 80                                      | D0                         | the opposite hill.   | 25.                   |
| 597  | <b>D</b> o                 | Another cavern on the top of the above   | Do.                   |
| 598  | Kīļavaļavu                 | General view of the first cavern with beds   | Do.                   |
| 599  | Do                         | Do. do. second do.   | Do.                   |
| 6 <b>0</b> 0                                     | Do                         | South-east view of the third cavern with beds and the Brāhmī inscription.                          | Do.                   |
| 601  | Do                         | Sculptures in relief in the same cavern  | Do.<br>Do.            |
| 602  | Do                         | View of the beds and the overhanging boulder, in the same cavern.                                  | <b>1</b> 00.          |
| 603  | Arițțăpațți                | View of the first cavern containing Brāhmī inscriptions.   | Full plate.           |
| 604  | Do                         | View of the second cavern over the top of the above  | Do                    |
| 605  | Do                         | Do. third do. do   | Do.                   |
| <b>6</b> 0 <b>6</b>                              | Do                         | Another view of the same   | Quarter               |
|  | 1                          | a 1:   | plate.<br>Full plate. |
| 607  | Alagarmalai                | General view of the cavern with beds and inscriptions View showing the fountain, end of the cavern | Quarter               |
| 608  | Do                         | y lew showing the fountain, end of the cavern  | plate.                |
| 609  | Do                         | Do. right end opening of the cavern  | Do.                   |
| 610  | Āṇaimalai                  | General view of the cavern with beds and the Brāhmī inscriptions.                                  | Full plate.           |
| 611  | Siddarmalai                | General view of the cavern with beds and the Brāhmī inscriptions.                                  | Quarter<br>plate.     |
| 612  | Do                         | Interior view of the same, right side  | Do.                   |
| <b>61</b> 3                                      | Do                         | Do. do. left side  | Do.                   |
| 614  | Do                         | Do. showing the cave within the cavern View of the cavern from the north end                       | Do.<br>Do.            |
| 615  | Marugaltalai               | Do. do. south end  | Full plate.           |
| 616<br>616 (a)                                   | Do. Do.                    | View of the cavern showing the northern end  | Do.                   |
| 617-618  | Maidūru                    | Hero-stones  | Quarter               |
| 01, 010  |                            |  | plate.                |
| 619-620  | Nandi-Bēvūr                | $\mathbf{p}_{0}$   | Do.                   |
| 621-622  | Chirasthahalli             | Do   | Half-plate.           |
| 623  | Do                         | Stone image of Sūrya-Nārāyana in the Śiva temple   | Do.                   |
| 624<br><b>6</b> 25                               | Haluavagalu<br>Kuruvatti   | $\mathbf{D}_{0}$ do  | Do.                   |
| 626-627  | Do.                        | Sculptures in relief placed over the pillars at the  | Quarter               |
|  |                            | entrance of the same temple.   | plate.                |
| <b>628</b>                                       | Do                         | Sculpture in relief of a man reading palm-leaf manus-<br>cript, his consort and three attendants.  | Do.                   |
| eoc  | Do                         | Sculptum of Gananati in the same temple  | Do.                   |
| 629<br>630                                       | Do Nilagunda               | III and atoms  | Do.                   |
| 631-632  | Kadabagēri                 | Do   | Do.                   |
| 633  | Gudihalli                  | Stone image of Sarasvati   | Do.                   |
| 634  | Karadidurga                | Sculpture in relief of a bull worshipping the Siva-  | Do.                   |
|  | F2 - 7 3 11 - 1            | Linga sculptured over the top of an inscribed slab.  | Do.                   |
| 635  | Kāňchikēri                 | 1 a  | Do.                   |
| 636<br><b>63</b> 7                               | Hire-Mealagiri<br>Kadatti  | Hero-stone   | Half-plate.           |
| 001  | Tradustr                   |  | -                     |

### E.—List of drawings prepared during 1919-1920.

| Kumber<br>(continued<br>from the | Locality. | Description.                           |
|----------------------------------|-----------|--|
| 214<br>215<br>216<br>217<br>218  | Do        | Do. Tengalai-Jīyar in the same temple. |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20, calculated with the assistance of M.R.Ry. Diwan Bahadur L. D. Swamikannu Pillai Avargal, M.A., B.L., LL.B., I.S.O.

Note. - The following abbreviations have been employed in these statements :-

- 1. Su. and ba., respectively, for Suklapaksha and Bahulapaksha, the bright and dark fortnights of the lunar month.
- 2. The ending moments of tithis and nakshitras are expressed as decimal parts of the day, and in a normal date the first decimal shows the ending moment of the tithi and the second the ending moment of the nakshatra. Thus the result -
- A.D. 1510: Morday, Decr. 30; 94; 50 means that on the day in question the tithi quoted in the inscription ended at 94 of the day, i.e., 56\frac{3}{2} ghatikas after mean sunrise, while the nakshatra quoted in the inscription ended at 50 of the day, i.e., 30 ghatikas after mean sunrise. A key to this decimal notation will be found in the book-marker supplied with "Indian Ephemeris" A.D. 1800—2000 by the author.

  When only the tithi is quoted, its ending moment is shown by decimal figures next to the day of the month, thus, "A.D. 1289, Monday, Nov. 28, '70' is a convenient way of indicating the fact that a tithi ended at '70 of the day (42 ghatikas after funrise) on Nov. 28 A.D. 1289, which was Monday.

3. When a tithi or nakshatra that is quoted in a record only commenced on the week-day quoted in the same record the fact is indicated by the symbols f.d.t. or f.d.n. Thus:

"Wednesday 6 Ap. A.D. 1384; '68; f.d.n. '29' means that the tithi quoted in the inscription ended at '68 (= 41 ghațikas after sunrise) on Wednesday, 6 Ap. A.D. 1384, but that the nakshatra quoted in the inscription only commenced on Wednesday and came to end at '29 (=  $17\frac{1}{2}$  ghațikas after sunrise) on the following day, Thursday.

Similarly "Friday, Ap. 26; f.d.t. '08; f.d.n. '13" reans that the tithi and nakshatra quoted were current for the greater part of Friday, but came to end next day at '08; = 5 ghațikas after sunrise) and '13 (= 8 ghațikas after sunrise), respectively, on Saturday.

- 4. An asterisk after the figure indicating a Śaka year 'e.g. Ś. 1235\*) means, as in Kielhorn's list of dates, that the year is current, not expired.
- 5. When it is necessary to distinguish the name of a nokshatra from that of a month and generally, as a useful convention, the names of nakshatras are printed between inverted commas, thus "Magha" is the nakshatra, Magha is the month.

| Year.        | Number of inscription. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|--------------|------------------------|--|
|              |                        | Pallava.   |
|              |                        | $K 	ilde{o}$ pper $u 	ilde{n} j$ i $n$ gad $ar{e}$ va.   |
| 1919         | 350                    | 15th year, Rishaba, ba. di., tritīyā, Friday, Mūla = A.D. 1257, May 3rd; 23; 22. The week day is Thursday, not Friday.   |
| ,,           | 353                    | 11th year, Rishabha, 2, Mūla, Saturday = A.D. 1253, May 16; 61; 53. The  |
| ,,           | 365                    | 19th year, Kanyā, śu. di., Thursday, pańchami, Viśākhā = A.D. 1261, September 1 · · · 28 · · · 28  |
| ,,           | 450                    | 11th year, Karkataka, su di., pañchami, Monday, Uttiram = A.D. 1254, July 20. Sukla-pañchami commenced at 35 of day and nak. Uttiram ended at                          |
|              |                        | ·37.   |
|              |                        | $Tr$ i $bhuva$ nacha $kr$ a $v$ ar $t$ in $R$ $ar{a}$ j $ar{e}$ ndra- $C$ h $ar{o}$ ļad $ar{e}$ $v$ a ( $I$ ).   |
| 1920         | 29                     | 3rd year, Vrischika, śu. di., chaturdaśi, Sunday, Aśvati = A.D. 1014, November 7. Śukla-chaturdaśi commenced at 66 and nak. Aśvati ended at 27 on Sunday.              |
|              |                        | Tribhuvanachakravartin Vijayarājēndra-Chōļadēva (Rājādhirāja I).   |
| 12           | 72                     | 2nd vear, Tulā, ba. di., dašami, Saturday, Mrigašīrsha. Irregular: ba. 10 and nak. Mrigašīrsha can combine in Karkataka month, not in Tulā.                            |
|              |                        | Rājarāja II.   |
| ,,           | 76                     | 3rd year, Makara, śu. di, ēkādaśi, Saturday, Rōhiņi = A.D. 1148, January 3rd; '70; '83.  |
| "            | 79<br>& 92             | 4th year, Simha, ba. di., ashtami, Monday, Rohini = A.D. 1148, August 9;   |
| ,,           | 96                     | 18th year, Dhanus, ēkādasi, Wednesday, Mula = A.D. 1103, December 25. The tithi was bahula-trayodasi (13) which ended at 40 and the nak. Mūla ended at 92 on that day. |
| •            |                        | Kulottunga 111.  |
| <b>19</b> 19 | 346                    | 35th year, Karkataka, 5sth, Sunday, pushya, prathamā = A.D. 1212, July 1st ·32; ·30. The day was the 6th and not the 5th. The tithi was suklaprathamā.                 |

# APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20—cont.

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|--------------|-----------------------------------|---|
| -            |                                   | CHOLA—cont.   |
|              |                                   | Kulottunga IIIcont.   |
| 1919         | 348                               | 23rd year, Vrišchika, 4th, Monday, Pushya = A.D. 1200. October 30. The day was the 4th solar day in the month of Kārtika and the nak. Pushya ended at 17.   |
| "            | 361                               | 34th year, Mithuna, 24th, Monday, Śravaṇa = A.D. 1212, June 18; 07; 68. The tithi was bahula-dvitīyā.   |
| "            | 390                               | 14th year, Mēsha, ba. di., Friday, dašami, Avittam = A.D. 1191, April 19; f.d.t. 59; 24.  |
| "            | 435                               | 36th year, Kanya, 12th, Sunday, Mrigasīrsha, saptami = A.D. 1213, September 8; 88; 93.  |
| 33           | 451                               | 37th year, Kumbha. 23rd, pañchami, Sunday, Pūram = A.D. 1215, February 15; f.d.n. 01. The pañchami tithi appears to be a mistake for pañchadasami, Paurnimā.  |
| >9           |                                   | 30th year, Karkataka, 22nd, Aśvati, Wednesday = A.D. 1207, July 18. The tithi was bahula-saptami.   |
| "            | 521                               | 82nd year, Mīna, dvādaši, Monday, Maghā = A.D. 1210, March 8; f.d.t. 00; f.d.n. 44. The week-day was Monday, on which day dvādaši was current throughout the day and the nak. Maghā began at 34.                        |
| ,5           | 558                               | 18th year, Mīna, ba. di., Tuesday, Śravana = A.D. 1196, February 27. The tithe was dvādaši which ended at 59.   |
| »            | 620                               | 13th year, Mēsha, 11th, Thursday, Pushya, śu. di., ashtami = A.D. 1191, April 4; '10; '20.  |
| 1920         | 60                                | 36th year, Mithuna, ba. di., chaturdasi, Sunday, Rōhini = A.D. 1214, June 8; ·79; ·24.  |
| "<br>27      | 81                                | 4th year, Tulā, ba. di., tritīyā, Sunday, Kārtika = A.D. 1181, September 27. The <i>tithi</i> tritīyā ended at 73 and the nak. Kārtika was current all day and ended at 02 on the following day, Monday.                |
| **           | 82                                | 11th year, Dhanus, ba. di., daśami, Thursday, Viśākhā = A.D. 1188, December 15; ba. 10 ended at 35 and nak. Viśākhā began at 25, ending next day at 18.   |
| ,,           | 97                                | 29th year, Tulā, śu. di., trayōdaśi, Monday = A.D. 1206, October 16. The nak. was Rēvati which ended at 88 of the day.  |
|              |                                   | Rājarāj <b>a</b> III.   |
| <b>191</b> 9 | 351                               | 7th year, Rishabha, śu. di., dvitīyā, Wednesday, Ārdrā = A.D. 1224, May 22; ·03; ·03. This was the 5th year, not the 7th.   |
| "            | 352                               | 29th year, Kanyā, śu. di., pañchami, Thursday, Anusha = A.D. 1244, September 8; nak Anusha commenced at 34 of the day.  |
| "            | 358                               | 21st year, Tulā, śu. di., chaturdaśi, Sunday, Rēvati = A.D. 1237, October 4; "Rēvati" commenced at 34 of the day. Trayōdaśi ended at 01 on Sunday and chaturdaśi commenced ending at 91 the same day.                   |
| ,,           | 359                               | 14th year, Simha, 29th, ranchami, Sunday, Visākhā = A.D. 1229, August 25. On this day panchami ended at 72 and nak. Svāti at 10 and "Visākhā."  |
| "            | 366                               | began; but the week day was Saturday and not Sunday.  22nd year, Mīna, ba. di., tritīyā, Friday, Svāti = A.D. 1238, March 5; 56; 86.  |
| 33           | 367                               | Saka 1154, 16th year, Makara, su. di., prathamā, Friday, Śravana = A.D. 1232, January 23; prathamā commenced at 94 and continued the whole of next  |
|              |                                   | day. Nak. Śravana ended at '45. There can be no doubt about the date because the Śaka year is quoted: but it is noteworthy that prathamā which began so late as '94 of the day should have been cited and not amāvasya. |
| ,,           | 368                               | 23rd year, Makara, śu. di., shashti, Saturday, Rêvati = A.D. 1238, January 23; nak. Rêvati had ended at 63 the previous day.  |
| "            | 369                               | 20th year, Mīna, ba. di., tritīyā, Friday, Svāti = A.D. 1235, March 9; 47; 44.  |
| ,,           | 385                               | 14th year, Mīna, ba. di., dvādaśi, Wednesday, Śatabhishaj = A.D. 1249, March 21; bahula-dvādaśi was current the whole day and the nak. Śatabhishaj ended at 91 of the day.  |

APPRIDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20-cont.

| Year.      | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks   |
|------------|-----------------------------------|---|
|            |                                   | Chola-cont.   |
|            |                                   | $Rar{a}jarar{a}ja$ III—cont.  |
| 1919       | 388                               | 23rd year, Simha, ba. di., dvādasi, Wednesday, Pushya = A.D. 1240, August 15; bahuļa-dvādasi and nak, Pushya commenced respectively at 42 and 71 of the day.  |
| "·         | 392                               | 18th year, Mīna, ba. di., pañchami, Tuesday, Jyēshtā = A.D. 1234, March 27, when bahula 5 and nak. Jyēshtā ended respectively at 67 and 90 of the day.  |
| 73         | 396                               | 22nd year, Vrišchika, ba. di., saptami, Maghā. Details not enough for verification for want of week-day.  |
| **         | 399                               | 22nd year, Makara. ba. di., pañchami, Wednesday, Uttiram = A.D. 1238, January 6, when ba. 5 commenced at 17 of the day; nak Uttiram ended at 98.  |
| "          | 400                               | 21st year, Mithuna, śu. di., pañchadasi Wednesday, Mūla = A.D. 1237, June 10: nak Mūla ended at 16 of the day.  |
| "          | 407                               | 27th year, Mîna, su. di., ashṭami, Saturday, Mrigasīrsha = A.D. 1243, February 28: 86: 47.  |
| **         | 408                               | 14th year, Mīna, su. di., ēkādasi, Monday, [Pushya] = A D. 1230, February 25; 06; 23.   |
| >>         | 416                               | 17th year, Vrišchika, ba. di., ēkādaši, Wednesday, Hasta = A.D. 1232,<br>November 10; 30; 12.   |
| **         | 427                               | 16th year, Kanyā, śu. di., pañchami, Friday, Rēvati. Irregular: śu. 5 and "Rēvati 'cannot combine in Kanyā month. Eren ba. 5 and "Rēvati"   |
| ,,         | 437                               | eannot combine in that month.  20th year, Mīna, ba. di., ēkādaši, Wednesday. Śravaṇa = A.D. 1236, March 5; bahula-ēkādaši and nak. Śravaṇa ended respectively at '46 and '48 of the   |
| ,,         | 455                               | day.  18th year, Makara, śu di., navami, Tuesday, Kārtika = A.D. 1234, January 10; nak. Kārtika was current the whole day ending at '08 the next day.   |
| "          | 457                               | 16th year, Purattāsi, 10th, Sunday, Uttirādam = A.D. 1231, September 7; 82; 83.   |
| "          | 460                               | 17th year, Makara, su. di., trayodasi, Sunday, Mrigasīrsha = A.D. 1232<br>December 26. Su. 13 commenced at 06 of the day and nak. Mrigasīrsha<br>was current the whole day.   |
| ,,         | 468                               | 26 · · · 09 · · · 54.   |
| <b>37</b>  | 514                               | 10th year, Mithuna, ba. di., daśami, Tuesday, Rēvati. The year and month indicated are A.D 1225 June which would be the beginning of the 10th year of the reign but in that year ba 10 and nak. Rēvati combined, not on a Tuesday but on Sunday, June A.D. 1225. In A.D. 1226 the tithi and nak. quoted did not combine on any day of the week. |
| 22         | 551                               | 26th year, Makara, ba. di., Thursday, saptami, Hasta = A.U. 1241, December 26   |
| ,,         | 552                               | 26th year, Mēsha, ba. di., daśami, Thursday, Avittam = A.D. 1242, March 27. Nak Avittam commenced at 03 on Thursday.  |
| "          | 555                               | 22nd year, Mîna, śu. di., dvādaši, Saturday, Ayriyam = A.D. 1238, February  |
| ,,         | 557                               | 26th year, Kumbha, śu. di., pañchami, Thursday, Asvati = A.D. 1242, February  |
| ,,         | 559                               | 24th year, Mēsha, śu. di., ēkādaši, Wednesday, Puram = A.D. 1240, April 4;  |
| ,,         | 560                               | 21st year, Kumbha, ba. di., dvādaši, Thursday, Furvasnadha = A.D. 1236, February 5 · 96 · 25 The week-day was Tuesday and not Thursday.   |
| "          | 566                               | [31] st year, Karkataka, su. di., panchami, Monday, [Purva-Phalguni] = A.D. 1247, July 8; nak Pürva-phalguni had ended at 74 on the previous day and nak Ultara-Phalguni commenced then, ending at 76 on this day.  |
| ,,         | 594                               | 18th year, Vrišchika, šu. di, trayodasi, Tuesday, Asvati = A.D. 1233,   |
| <b>3</b> 3 | 596                               | 21st year, Makara, śu. di, prathama, Tuesday, Śravana = A.D. 1236, December 30; nak. Śravana commenced at 22 of the day.  |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20-cont.

| Year.    | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|----------|-----------------------------------|--|
| -        |                                   | CHOLAcont.   |
|          |                                   | $Rar{a}jarar{a}ja$ III $-\mathrm{cont.}$   |
| 1919     | 597                               | 18th year, Makara, ba. di., daśami, Monday, Svāti. The year indicated is A.D. 1233 but in that year Makara, ba. 10 and nak. Svāti combined, not on a Monday but on Tuesday, 27th December A.D. 1233; 96, 99. The week-day is probably wrongly cited by one day.  |
| ,,       | 598                               | 11th year, Simha, ba. di., tritīyā, Sunday, Uttara-Bhādrapadā = A.D. 1227<br>August 1; nak. Uttara-Bhādrapadā commenced at 33 and ba. 3 ended at 76 of the day.  |
| **       | 606                               | 24th year, Vrišchika, šu. di., panchami, Tuesday, Purvāshāḍhā = A.D. 1239<br>November 1. Šu. 5 commenced at 65.  |
| 23       | 610                               | 26th year, Makara, ba. di., daśami, Friday, Svāti. The year indicated is A.D. 1241, but in that year Makara ba. 10 and nak. Svāti combined, not on a Friday, but on Saturday 28th December A.D. 1241; f.d.t. 26; 30. It will be noticed that the details are identical with those in No. 597 of 1919 but regnal year and week-day are different. |
| 77       | 611                               | 24th year, Kumbha, ba. di., chaturthi, Sunday, Chitra = A.D. 1240, February 12. Chaturthi commenced at 08.   |
| **       | 612                               | 24th year, Mēsha, ba. di., pañchami, Thursday, Mūla = A.D. 1240, April 12, when ba. 5 and nak. Mūla ended respectively at 10 and 72.   |
| "        | 615                               | 24th year, Rishabha, ba. di., panchami, Saturday, Uttara-Ashādha = A.D. 1240, May 12; 78; 20.  |
| ,1       | 617                               | 20th year, Simha, su. di., dasami, Monday, Mūla = A.D. 1237 August 3; ·16; ·79. The regnal year would, however, be not the 20th but the 22nd, a difference of two years.   |
| ;;       | 621                               | 21st year, Simha, śu. di., daśami, Wednesday, Mūla = A.D. 1236, August 13: 80; 61.   |
| 33       | 622                               | 21st year, Simha, śu. di., chaturdaśi, Sunday, Avittam = A.D. 1236 August 17; 49; 44   |
| 1920     | 22                                | 26th year, Kumbha, śu. di., saptami, Wednesday, Rēvati. Irregular; śu. 7 and nak. Rēvati cannot combine in Kumbha month. In A.D. 1242, January which is the month indicated by the regnal year they combined on Thursday, 9 January A.D. 1242; f.d.t. 25; 44.  |
| 23       | 24                                | 24th year, Kanyā, ba. di., pañchami, Monday, Rōhini = A.D. 1239, September 19; 67; 83.   |
| "        | 25                                | 26 + 1st year, Karkataka, ba. di., trayodasi, Sunday, Punarvasu = A.D. 1242, July 27; 28; 19.  |
| "        | 27                                | 5 + 1st year, Rishabha, su. di., pañchami, Monday, Chitra. Irregular: Su. 5 and nak. Chitra cannot combine in Rishabha month.  |
| **       | 38                                | 29th year, Mithuna, śu. di., tritīyā, Monday, Punarvasu = A.D. 1245, May 29, Monday; f.d.t. 23; 75.  |
| "        | 39                                | 20th year, Karkataka, ba. di., pañchadaśi, Monday, Pushya = A.D. 1235, July 16; .75, .62.  |
| ,,       | 43                                | 28 + 1st year, Mīna, śu. di., chaturdaśi, Monday, Uttara-phalguni = A.D. 1245, March 13. Nak. Uttara-phalguni commenced at 21.   |
| 3)       | 55                                | 31st year, Mēsha, su. di., chaturthi, Wednesday, Rōhini = A.D. 1247, April 10. Su. 4 and nak. Rōhini ended respectively at '75 and '01 of the day.   |
| 77       | 57                                | 12th year, Makara, ba. di., tritīyā, Monday, Maghā = A.D. 1227, December 27; 49; 97.   |
| ,,       | 77                                | 10th year, Tula, ba. di., shashti, Friday, Pushya = A.D. 1225, October 24; nak. Pushya was current all day and ended at '04 next day.  |
| <b>»</b> | 89                                | 10th year, Kumbha, ba. di., tritīyā, Śiavaṇa. Cannot be verified for want of week-day.   |
| "        | 91                                | 6 + 1st year, Kumbha, ba. di., chaturthi, Monday, Svāti = A.D. 1223, February 20. On the same day nak. Chitra ended at 04 and nak. Svāti at 99.  |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20—cont.

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|--------------|-----------------------------------|--|
| •            |                                   | Pandya.  |
|              |                                   | Jaṭāvarman Tribhuvanachakravartin Sundara-Pāṇḍyadēva.  |
| 1919         | 488                               | 5th year, Makara, śu. di., trayōdaśi, Monday, Mūla. Irregular; in Makara   |
| 1920         | 31                                | month su. 13 cannot combine with nak. Mūla.  3rd year, Vrischika, ba. di., dvitīyā, Saturday, Rōhiņi = A.D. 1253, November 8, Saturday; f.d.t. 01, 00.   |
|              | 4                                 | $Jat$ āvarmun $Tribhuvan$ achakravartın $V$ īra- $m{P}$ ānd $y$ adēva $[II]$ .   |
| <b>19</b> 19 | 413                               | 8th year, Tula, ba. di., shashti, Wednesday, Pushya = A.D. 1260, October 27, Wednesday; 25, 66 or A.D. 1287 October 29, Wednesday; 37; 70.   |
| 1920         | 34                                | 6th year, Karkataka, ba. di., dvādaši, Sunday, Mrigašīrsha = A.D. 1258, July 28, Sunday; f.d.t. 30; 02 or A.D. 1285, July 29, Sunday; f.d.t. 56; 16.   |
| ,1           | 99                                | 7th year, Kanyā, ba. di., navami, Friday, Punarvasu = Friday, 12th September A.D. 1259; 80; 89; or Friday, 13th September A.D. 1286; f.d.t. 00; 99.  |
|              |                                   | N.B.—All the three dates of Jatavarman Vira-Pandya of this year support A.D. 1253 or A.D. 1280 as the date of commencement of the reign. This is the one important reign among the Pandyas of the 13th century which still presents material for doubt.  |
|              |                                   | Over twenty dates are now available for this reign, to which may be added some six dates from Indukkota State. Roughly about half of these dates point to A.D. 1253 (July) as the date of accession and about half to the year A.D. 1254 (end of April). When a like difficulty presented itself in the reign of Jatavarman Sundara-Pandya (fl. 1292 A.D.) the writer conjectured that there were two kings of this name, one of whom began to reign in A.D. 1277 (February-March) and the other in A.D. 1303 (April-May)—vide page 97 of Epigraphical Report (M.dras) for 1915-16, and this conjecture was subsequently confirmed by the discovery of a Saka date (12th year—Saka 1236 = A.D. 1314) for the Sundara-Pandya of A.D. 1303. Reasoning from analogy, one might infer that there was a Jatavarman Vira-Fandya whose reign began in July 1253 and another whose reign began about May A.D. 1281; but this inference is not yet established by indubitable proof. [L.D.S.] |
|              |                                   | $m{M}$ āravar $m{m}$ an $m{T}$ rı $m{b}$ huvanacha $m{k}$ ravar $m{t}$ in $m{K}m{u}$ la $m{s}$ ē $m{k}$ harad $m{e}$ va $m{I}$   |
| 1919         | 740                               | 23rd year, Mithuna, śu. di., tritīyā, Friday, Pushya = A.D. 1291, June 1; '11; '57.  |
| 1            |                                   | Māravarman Tribhuvanachakravartin Kulaśēkharadēva [II].  |
| "            | 741                               | 20 + 1st year, Karkaṭaka, 8th, ba. di., ēkādaśi, Rōhiṇi = A.D. 1336, July 5. The week-day was Friday. Nak. Rōhiṇi commenced at ·02 and ended at ·95  |
| 1920         | <b>5</b> 2                        | on Friday.  Mēsha, śu. di., chaturdaśi, Friday, Hasta. The details given correspond to 7th  April A.D. 1335. The regnal year to be supposed is apparently 21.  |
| ,,           | 103                               | April A.D. 1333. The legitar year appears and year, Makara, su. di., saptami, Friday, Rēvati = A.D. 1316, January 2; 47; 42.   |
|              |                                   | $m{M}ar{a}$ ravar $m{ma}$ na $Tribhuva$ nachak $m{ravartin}$ $Parar{a}$ k $m{rama}$ - $Par{a}$ ndy $m{a}$ d $ar{e}$ va.  |
| 1919         | 640                               | 6th year, Vrišchika, šu. di., tritīyā, Monday, Anisha. The nearest date is A.D. 1341, November 12, Monday; 62; but the nak. was Mūla which ended at '07 and not "Anisha".  |
|              |                                   | N.B.—It is scarcely possible for su. 3 and nak. Anisha to combine on any date in the solar month of Vrischika.   |
| 1920         | 100                               | 6th year, Kumbha, śu. di., navami, Sunday, Mūla. Apparently Sunday, 11th February A.D. 1341; but the tithi should read ba. 9 and not śu. 9. Tithi ended at 14 and nak. at 68.  |
|              |                                   | 985, Home (Edn.)—22  |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20—cont.

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|--------------|-----------------------------------|---|
|              |                                   | Saluva.   |
|              |                                   | Narasingarāya.  |
| <b>1</b> 919 | 638                               | Śaka 1415, Pramādīcha, Mēsha, śu. di., Monday. Details not enough for verification.   |
| "            | 648<br>667                        | Saka 1409, Plavanga, Mēsha, śu. di., saptami, Sunday, Pushya — A.D. 1487, April 29; 93; 27. The month was Rishabha and not Mēsha. Saka 1408, Parābhava, simha, śu. di., tritīyā, Friday, Pushya. Śu. 3 and nak. Pushya cannot combine in Simha month. |
|              |                                   | Vijayanagara I.   |
|              |                                   | Sāyana-Udaiyār.   |
| **           | 523                               | 14th year, Tulā, śu. di., pañchapmi, Thursday, Mūla = A.D. 1363, October 12; 91; 89.  |
|              |                                   | Kampana II.   |
| 2)           | 662                               | Saka 12[96], Ananda, Karkataka, ba. di., chaturdasi, Wednesday, Sadayam. Ba. 14 and 'Sadayam' cannot combine in Karkataka month.  |
|              |                                   | Harihara II.  |
| **           | 661                               | Šaka 1325, Chitrabhānu, Kumbha, ba. di., saptami, Wednesday, Anisha = A.D. 1403, February 14; 29; 49.   |
|              |                                   | Dēvarāya II.  |
| 1920         | 44                                | Saka 1355, Pramādīcha, Mithuna, su. di., dvitīyā, Friday, Puehya = A.D.   |
|              |                                   | 1433, June 19; 38; 50. <i>Mallikārjuna</i> .  |
| 27           | 212                               | Saka 1381, Pramādi, Rishabha, su. di., saptami, Hasta, Monday. Su. 7 and nak. Hasta cannot combine in Rishabha month.   |
|              |                                   | Virūpāksha II.  |
| <b>19</b> 19 | 613                               | Śaka 1393, Khara, Makara, ba. di., chaturthi, Wednesday, Hasta = A.D.   |
| ,,           | 658                               | 1472, January 29, Wednesday; '76; '92.<br>Śaka 1389, Sarvajit, Simha, ba. di., chaturthi, Wednesday, Aśvati = A.D.<br>1467, August 19; '16; '66.  |
|              |                                   | Timmayyadēva-Mahārāya.  |
| 27           | 689                               | Śaka 1430, Vibhava, Vaisākha, su. di., 15, Saturday = A.D. 1508, April 15; .59. The nak. was Svāti which ended at .66 of the day.   |
|              |                                   | Vijayanagaba II.  |
|              |                                   | Vīra-Narasingayyadēva-Mahārāya.   |
| 3,           | 601                               | Saka 143[1], Mēsha, ba. di., trayödasi, Tuesday, Rēvati = A.D. 1509, April 17; 18, 47.  Krishņadēra-Mahārāya.   |
| ,,           | 370                               | Saka 1433, Praj[ot*]pati, Simha, śv. di., pañchami, Thursday, Svāti = A.D 1511, July 31. The tithi was not pañchami, but shashti which ended at 17  |
| 3)           | 375                               | on Thursday. Nak. Svāti ended at 85. Saka 1446, Tāraṇa, Rishabha, 1, Friday = A.D. 1524, April 27. On the 1st of Rishabha the week-day was Wednesday, not Friday.   |
| >>           | 411                               | Saka 1431, Sukla, Mīna, su. di., dvitīyā, Monday, Rēvati = A.D. 1510, March   |
| **           | 412                               | 11; śu. 2 commenced at ·08 and nak. Rēvati ended at ·39.<br>Śaka 1443, Vrishu, Bhādrapadā, śu. di., trayōdaśi, Friday, Śravaṇa = A.D.<br>1521, August 16; ·10; ·24.   |
|              |                                   | `   |

APPENDIX F.-Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20-cont.

| Year.      | Number<br>of .<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|------------|-------------------------------------|---|
|            |                                     | VIJAYANAGARA II—cont.   |
|            |                                     | $	extit{Krishna}$ dē $v$ a-Mah $\hat{a}$ r $ar{a}$ ya — $\mathrm{cont.}$  |
| 1919       | 413                                 | Śaka 144[6], Tārana, Mārgaśīra, ba. di ēkādaśi, Śravaṇa, Monday. Ba. 11, and "Śravaṇa" cannot combine in Mārgaśira month  |
| "          | 418                                 | Saka 1419, Sarvajit, Mîna, su, di., saptami, Wednesday, Röbini. Su. 7 and 'Röbini' did not combine in Mîna month in the year quoted, but they combined in Kumbha month on Wednesday 26th February, A.D. 1528; 68; 58.               |
| 2)         | 439                                 | Saka 1449, Sarvajit, Dhanus, śu. di., paurnami, Saturday, Mrigasīrsha = A.D. 1527, December 7; 83; 68.  |
| <b>3</b> 3 | 474                                 | Saka 1438, Dhātu, Pushya, ba. di., saptami, Wednesday. In the year quoted ba. 7 and "Pushya" combined on 18th October A.D. 1516; but the weekday was Saturday not Wednesday.  |
| **         | 476                                 | Saka 1434, Angīrasa, Mīna, su. di., paurņami, Sunday, Hasta = A.D. 1513, March 20; Paurņama and "Hasta" commenced at 42 and 34 on Sunday and ended at 42 and 36 respectively the next day.  |
| 73         | 478                                 | Saka 1436, Bhava, Mithuna, śu. di, daśami, Wednesday, Uttiram = A.D. 1514, May 31 Wednesday was a day in Mithuna month and a day of Uttiram (ended 60) but it was śu. 8, not śu. 10.  |
| ,,         | 512                                 | Saka 1451, Virodhi, Tula, śu di., paurn mi, Sunday, Aśvati = A.D. 1529, October 17. There was a lunar eclipse on Sunday. Paurnami and "Aśvati" ended at 25 and 02 respectively on Sunday.   |
| ,,         | <b>59</b> 9                         | Saka 1448, Sarvajit, Mesha, su. di., dasami, Pushya, Tuesday. The details given work out correctly for 12th March A.D. 1527; but the month was Mina and not Mesha. The Luni-Solar year Sarvajit commenced on 3rd March A.D. 1527.   |
| <b>31</b>  | 633                                 | Saka 1450, Sarvadhāri, Mithuna, ba. di., pañchami, Sunday, Sadayam = A.D. 1528, June 7; 43; 25.   |
| **         | 641                                 | Saka 1439, Iśvara, Mēsha, śu. di., Ayilyam. Details not enough for verification.  |
| "          | 659                                 | Šaka 1438, Dhātu, Kumbha, śu. di., dvādaši, Wednesday, Svāti. Šu. 12 and "Svāti" cannot combine in Kumbha month.  |
| ,,         | <b>6</b> 60                         | Šaka 1438, Dhātu, Kumbha, ba. di., pañchami, Wednesday, Svāti = A.D. 1517, February 11; 36; 6l.   |
| ,,         | 685                                 | Saka 1432, Pramodūta, Māgha, ba. di., dvitīyā, Thursday. The details given work out correctly for A.D. 1511, January 16; 21. The nak. was Māgha which ended at 22 (= 13 Ghatikas after sunrise).                                    |
| 1,         | 692                                 | Saka 1450, Sarvadhāri, Vaisākha, ba. di., 30, Monday, Solar eclipse = A.D. 1528, May 18, on which day there was a Solar Eclipse.  |
| • ,,       | 703                                 | Saka 143[1], Sukla, Sravana, su. di., dasami, Thursday = A.D. 1509, July 26; 94.  The nak. was Anurādhā which ended at 29 and then "Jyeshta" commenced.   |
| **         | 707                                 | Šaka 1443, Vrisha, Chaitra, su. di., prathamā. Details not enough for verification  |
| 1920       | 213                                 | Kali 4633, Vijaya, Tai, 12, pañ[chami], [Wednes]day, Vellipoludu. Vijaya was A.D. 1533-34, while Kali 4633 must be either A.D. 1532-33 or A.D. 1531-32. In A.D. 1533, Tai 12 was Wednesday, January 8; but it was su. 12 not su. 5. |
| "          | 286<br>290                          | Kali 4628, Vyaya, Arpasi. Details not enough for verification. Saka 1449, Kali 4[6]28, Sarvajit, Vaikāsi, 9, Monday, Pushya, shashṭi = A.D. 1527, May 6; 54. The tithi was shashṭi which ended at 84.                               |
|            |                                     | Achyutarāya-Mahārāya.   |
| 1919       | 373                                 | Śaka 1461, Vikāri, Makara, śu. di., pańchami, Wednesday, Uttara-bhādrapadā = A.D. 1540, January 14; 44; 43.   |
| "          | 374                                 | Saka 14[5:2, Vīkriti, Karkataka, ba. di., dašami, Rōhini, Wednesday = A.D. 1530, July 20 Dašami <i>tithi</i> ended at 91 on the previous day. Nak. Rōhini ended at 23 on Wednesday.   |
| **         | · 384                               | śaka 1450, Virodbi, Kumbha, śu. di., paurnami, Mrigasirsha. Month Kumbha in the cyclic year Virodbin fell in Śaka 1452 and in this month Śukla-paurnami and nak. Mrigasirsha did not combine.                                       |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20—cont.

| Year.         | Number<br>of<br>inserip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|---------------|-----------------------------------|--|
| _,,==         |                                   | VIJAYANAGARA II—cont.  |
|               |                                   | Achyutarāya-Mahārāya—cont.   |
| 1 <b>9</b> 19 | 422                               | Śaka 1459, Hēvilambi, Dhanus, śu. di., trayōdaśi, Monday, Pushya. Śu. 13 and nak. Pushya did not combine in the month of Dhanus.   |
| "             | 449                               | Śaka 1452, Vikriti, Karkataka, śu. di., navami, Vaiśākā, Monday = A.D. 1530, July 4; '04; '99.   |
| <b>;</b>      | 472                               | Šaka 1454, Nandana, Makara su. di, dasami, Monday, Röhini = A.D. 1533, Januany 6; su. 10 ended at 17 and nak. Röhini commenced at 23.  |
| **            | 481                               | Saka 1453, Khara, Karkaṭaka, śu. di., daśami, Friday, Mūla. In Śaka 1453 = Khara, śu. 10 and "Mūla" did not combine in the month of Karkaṭaka.   |
| 33            | 511                               | Saka 1455, Nandana, Śravana, ba. di., Sunday, dvādaši = A.D. 1533, August 17; 38 The nak. was Pushya which ended at 83.  |
| 23            | 536                               | Saka 1457, Durmukhi, Vrišchika, su. di., amāvāsya, Monday, Anūrādhā = A.D. 1536, November 13; .65; .80. Su. di. appears tobe a mistake for ba. di.   |
| ••            | 541                               | Šaka 1454, Nandana, Jyēshṭa, ba. di., dvītīya, Thursday. In Śaka 1454 = Nandana = A.D. 1532-33, ba. 2 in Jyēshṭa lunar month was Tuesday, 21st   |
| ×             | 543                               | May A.D. 1532. The week-day Thursday should be Tuesday.<br>Saka 1454, Nandana,, śu. di., ēkādaśi, Sanday, Mūla = A.D. 1533,<br>January 20. Su. 11 commenced at 18 and "Mūla" at 66 on Monday. The          |
| "             | 544                               | week-day Sunday is probably a mistake.<br>Saka 1454, Nandana, Phālguṇa, ba. di., chaturdasi. Details not enough for<br>verification.   |
| "             | 545                               | Śaka 1454, Nandana, Phālguṇa, ba. di., chaturthi, Saturday. In Śaka 1454 = Nandana = A.D. 1532-33, Phālguṇa, ba 4 was Friday, 14th March A.D. 1533, not a Saturday.  |
| ,,            | 546                               | Śaka 1454, Nandana, Śrāvaṇa, ba. di., dvādaśi, Sunday = A.D. 1532, July 28; ba. 12 commenced at 50 on Sunday and the nak. Mṛigaśīrsha ended at 28 and then Ārdrā commenced.                                |
| **            | 547                               | Saka 1455, Vijaya, Phālguṇa, ba. di., chaturthi, Sunday = A.D. 1534, February 1. The <i>tithi</i> chaturthi commenced at 81 on Sunday and the nak. Hasta at 66.  |
| ,,            | 549                               | Saka 1454. Nandana, Jyēshṭa, ba. di., dvādaśi, Thursday = A.D. 1532, May 30. The tithi commenced at 67 and nak. Bharani at 63.   |
| 37            | 575                               | Saka 1460, Vilambi, Vrišehika, ba. di., pañehami, Monday, Pushya = A.D. 1538, November 11; '27; '64.   |
| ,,            | 577                               | Saka 1462, Plava, Mēsha, śu. di., paurņamī, Sunday, Svāti = A.D. 1541, April 10; paurņami ended at 54 and nak. Svāti commenced at 05 on Sunday.  |
| 23            | 579                               | Šaka 1460, Vilambi, Karkataka, śu. di., ēkādaśi, Jyēshta, Monday = A.D. 1538, July 8. The nak. ended at 82 on Monday. Ekādaśi appears to be a mistake for dvādaśi, which was current throughout on Monday. |
| **            | 581                               | Saka 1456, Jaya, Kumbha, ba. di., chaturdasi, Monday, Sravana = A.D. 1535, February 1; '47; '45.   |
| 33            | 583                               | Šaka 1458, Durmukhi, Kumbha, ba. di., dvādaši, Uttirāshādhā, Wednesday = A.D. 1537, February 7; 37; 65.  |
| ,,            | 584                               | Saka 1455, Vijaya, Karkataka, ba. di., tritīyā, Wednesday, Satabhishaj = A.D. 1553, July 9; '46; '84.  |
| 37            | 600                               | Saka 1462, Sunday, Hastā. Details not enough for verification.   |
| "             | 614                               | Saka 1464, Subhakrit, Mithuna, su. di., trayōdasi, Sunday, Mūla — A.D. 1542, June 25. The <i>tithi</i> ended at 34 and nak. Mūla commenced at 23 on Sunday.  |
| ,,            | 646                               | Saka 1452, Karkātaka, su. di., tritīyā, Wednesday, Uttara-phālguni = A.D. 1530, July 27; 37; 98.   |
| 27            | 655                               | Saka 1457, Manmatha, Mīna, su. di., saptami, Monday, Mṛigaśīrsha = A.D. 1536, February 28. The tithi ended at 32 and the nak. commenced at 10 on Monday.   |

# APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1:119-20—cont.

| Year         | Numb<br>of<br>inscrip<br>tion. | Action control details. Constitute and the second   |
|--------------|--------------------------------|---|
|              |                                | VIJAYANAGARA—cont.  |
| ٠            |                                |   |
|              |                                | $A chyutar ar{a}ya$ -Mah $ar{a}rar{a}ya$ -cont.   |
| 1919         | 727                            | Saka 1463, Plava, Bhādrapadā, śu. di., dvādaši. Details not enough for verification.  |
| **           | 736                            | 101 1 100 501 50  |
| <b>192</b> 0 | 214<br>246                     | Kali 4635, Jaya, Chitra, 2. Details not enough for verification.  |
|              | -                              | Sadāsivadēva-Mahārāya.  |
| 1919         | 443                            | Śaka 1484, Dundubhi, Mithuna, ba. di., trayōlaśi, Monday = A.D. 1562, June 29; 35. The nak. was Mrigasīra which ended at 47 on Monday.  |
| ,,           | 447                            | Saka 1480, Kālayukti, Karkataka, ba. di., saptami, Thursday, Rēvati = A.D. 1558, July 7. The tithi was current throughout the day and the nak. Rēvati ended at 90 on Thursday.  |
| ,,           | 448                            | Ś.ka 1482, Raudri, Tula, śu. di., saptami, Friday, Śravana = A.D. 1569, October 25; 7; f.d.n. 05.   |
| ,,           | 482                            | Saka 1470, Kīlaka, šimha, ba. di., panchami, Wednesday, Rēvati = A.D. 1548, August 22; ba. 5 appears to be a mistake. Nak. Rēvati ended at 38 on Wednesday.   |
| ,,           | 484                            | Saka 1466, Krōdhi, Vrišchika, ba. di., chaturdasi, Thursday, Svāti = A.D. 1514, November 13. The tithi commenced at 17 and the nak. Svāti ended   |
| >>           | 495                            | at 18. The tithi and the nak. coincided for only 15 minutes. Saka 1475, Pramādīcha, Rishabha, ba di., pañchami, Aviţṭam. Not possible of verification for want of week-day.   |
| "            | 496                            | Saka 1474, Parītāpi, Makara, ba. di., pañchami, Tuesday, Maghā. In Saka 1474 = Parītāpi = A.D. 1552-53, Maghā nak. in Makara ended at 20 on Tuesday, 3rd January A.D. 1553; but the tithi was ba. 3 not ba. 5.  |
| `11          | 504                            | Saka 1473, Virodhikrit, Dhanus, śu. di., pañchami, Wednesday, Aviṭṭam = A.D. 155, December 2; 50; 79.   |
| **           | 507                            | Saka 1470, Kīlaka, Makara, su. di., paurņimā, Pushya = A.D. 1549, January 13, Sunday; 60; 60.   |
| .,,          | <b>5</b> 09                    | Šaka 1473, Virodhikrit, Vrišchika, šu. di., dvitīya, Friday, Anusham = A.D. 1551, October 30; f.d.t. 07; 57.  |
| 3)           | 525                            | Šaka 1467, Višvāvasu, Mīna, ba. di, dvitīyā, Friday, Svāti = A.D. 1546 March 19; 59; 95.  |
| ,,           | <b>5</b> 26                    | Saka 1475, Ananda, Rishabha, ba. di., pañchami, Saduyam, Wednesday. In Saka 1476 = Ananda = A.D. 1554-55, "Sadayam" in Rishabha month ended at 65 on Wednesday 23rd May A D. 1554, but the tithi was ba. 7 not ba. 5. In Saka 1475 current and Saka 1475 expired neither week-day nor |
| ,,           | 527                            | nak. can be found as per inscription.  Saka 1469, Plavanga, Pushya, ba. di., tritīyā, Thursday = A.D. 1547, December 29; 37. The nak. Maghā was current till '90 (= 54 ghaṭikas after   |
| ,            | 528                            | sunrise) on Thursday.<br>Śaka 1466, Krōdhi, Mithuna, ba. di., daśami, Saturday, Aśvati = A.D. 1544,   |
| ,,           | 529                            | June 14; 93; 70.<br>Śaka 1467, Viśvāvasu, Vrišchika, śu. di., daśami, Friday, Uttiratṭādi = A.D.  |
| "            | 580 &<br>532                   | 1545, November 13; '76; '93.<br>Śaka 1471, Saumya, Rishabha, ba. di., tritiyā. Tuesday, Uttirādam = A.D.<br>1549, May 14. On Tuesday, nak. Mūla was gurrent till '04.   |
| ,,           | 534                            | Śaka 1483, Dunmati, Tulā, ba. di., dvitīyā, Saturday, Rohin = A.D. 1561,  |
| ,,           | 535                            | Oetober 25; 27; 67.<br>Śaka 1480, Kalayukti, Makara, śu. di., daśami, Thursday, Mrigaśīrsha = A.D.<br>1559, January 19; 05; f d n., 15.   |
| ,,           | 550                            | Saka 1472, Sādhāraṇa, [śu.di.], saptsmi, Rôhiṇi. Cannot be verified for want of week-day.   |
|              |                                |   |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20—cont.

| Year.    | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|----------|-----------------------------------|---|
|          |                                   | VIJAYANAGARA—cont.  |
|          |                                   | Sadāśivadēva-Mahārāya—cont.   |
| 1919     | 561                               | Saka 1469, Plavanga, Dhanus, su. di., dvādasi, Friday, Rohiņi = A D. 1547,  |
| ,,       | 580                               | December 23; ·78; f.d.n. ·11.<br>Śaka 1473, Virōdhikṛit, Makara, śu. di., saptami. Sunday, Rēvati = A.D. 1552,<br>January 3; ·32; ·38   |
| "        | 582                               | Śaka 1472, Sādhāraṇa, Kumbha, śu. di., dvitīyā, Saturday, Uttiraṭṭādi = A.D. 1551, February 7; '75; f d.n. '68.   |
| ,,       | 591                               | Šaka 1473, Virodhikrit, Dhanus, śu. di., okadaśi, Tuesday, Aśvati = A.D. 1551,  |
| "        | 592                               | December 8; 86; 19.<br>Śaka 1471, Saumya, Karkataka, śu. di., pañchami, Friday, Rēvati. Śu. 5 and<br>'Rēvati' cannot combine in the month of Karkataka.   |
| ,,       | 652                               | Saka 1491, ba. di, dvitīyā, Tuesday, Uttara-Phalguni. Perhaps A.D. 1570, February 21 is the probable date for the details given above. The tithicommenced at 68 and the nak. Uttara-Phalguni ended at 83 on Tuesday. The month then must be Kumbha.   |
| "        | 653                               | Śaka 1477, Rākshasa, Simha, śu. di., dvitīyā, Sunday, Uttiram = A.D. 1555, August 18; f.d.t., 20. The nak. was current throughout the day.  |
| ,,       | 693                               | Saka 1474, Paridhāvi, Pushya, ba. di, 30, Solar eclipse = A.D. 1553, January 14, Saturday. There was a solar eclipse on Saturday.   |
| 1,       | 704                               | Saka 1479, Piñgala, Chaitra, ba. di dvādasi. Details not enough for verification.   |
| 33       | 723                               | Śaka 1466, Krōdhi, Māgha, ba. di., ēkādasi. Details not enough for verification.  |
| 9;       | 731                               | Śaka 1482, Raudri, Mārgašīra, ba. di., shashti. Details not enough for verification.  |
| ,,       | 739                               | Saka 1485, Durmati, Śravana, śu. di., 15. Details not enough for verification.  |
|          |                                   | . ŚrīraṅgadēvaMahārāya.   |
| 79       | 380                               | Śaka 1493, Angīrasa, Makara, śu. di., Monday. Punarpūśam. The details are erroneous in some respects.  In Makara of Śaka 1493 current = A.D. 1570—71 = Pramōdūta, śu. 13 and "Punarvasu" combined on Tuesday.  In Makara of Śaka 1493 expired = A.D. 1571—72 = Prajōtpatti, śu. 13 and "Punarvasu" combined on Sunday.  In Makara of Śaka 1494 expired = A.D. 1572—73 = Angīrasa, śu. 13 and "Panarvasu" combined on Files. |
| 17       | 383                               | "Punarvasu" combined on Friday.  Saka 1496, Bhava, Makara, śu. di., trayōdaśi, Monday, Punarpūśam = A.D.  |
| **       | 479                               | 1575, January 24; 47; 49. Saka 1504, Chitrabhānu, Rishabha, su. di, shashti, Sunday, Makara = A.D. 1582, May 27; 69; 97.  |
| ,,       | 586                               | Sika 1505, Subhānu, Tulā, ba. di., tritīyā, Rōhiņi, Tuesday = A.D. 1583, October 22; f.d.t. 62; f.d.n. 30.  |
| 23       | 588                               | Saka 1504, Chitrabhānu, Tulā, śu. di., pañchami, Sunday, Mūla = A.D. 1582, October 21; 88; 31.  |
| ` 29     | 729                               | Saka 1479, Pingala, Kartika, śu. di., dvādaši. Details not enough for verification.   |
|          |                                   | . Venkaṭapatidēva Mahārāya.   |
| ,,       | 379                               | Śaka 1527, Visvāvasu, Karkataka, ba. di., dvādaši, Tuesday, Rōhiņi = A.D. 1605, July 2; '95; '69.   |
| "        | 381                               | Saka 1514, Nandana, Rishabha, ba. di., tritīyā, Mūla, Thursday = A.D. 1592, May 18; f.d.t. 41; 35.  |
| ,,       | 382                               | Saka 1517, Manmatha, Simha, śu. di., paurnimā, Aviţtam, Saturday = A.D. 1595, August 9; 85; 72.   |
| <b>»</b> | 421                               | Saka 1513, Khara, Dhanus, ba. di., dvitīyā, Tuesday, Pushya = A.D. 1591, December 21; f.d.t. '02; f.d.n. '03.   |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20—cont. .

| Year.         | Number-<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|---------------|------------------------------------|--|
|               |                                    | VIJAYANAGABA—cont.   |
|               |                                    | Venkaṭapatidēva-Mahārāya—cont.   |
| 1919          | 531                                | Śaka 1509, Sarvajit, Karkataka, śu di., daśami, Thursday, Mūla. In Śaka 1509 = Sarvajit = A.D. 1587 -88, śu 10 and "Mūla" combined on Thursday, 3rd August A.D. 1587; 51; f.d.n. 30; but the solar month and day   |
| ,,            | 587                                | were Simha 3rd, not a day in Karkataka.<br>Saka 1510, Sarvadhāri, Simha, su. di., pañchami, Saturday, Chitra = A.D.<br>1588, August 16; 97; 52. The week-day was Friday and not Saturday.  |
| ,,            | 687                                | Saka 1514, Nandana, Vaisakha, su. di., 15. Details not enough for verification.  |
|               |                                    | $m{R}ar{a}mm{a}dar{e}va$ .   |
| <b>3</b> 7    | 239                                | Kali 4722, Śaka 1543, Dhunmati, Panguni 6, Sunday = Sunday, 3rd March, A.D. 1622. This was the 6th day of Panguni.   |
|               |                                    | V enkatapatidēva-Mahārāya.   |
| "             | 502                                | Śaka 1564, Chitrabhānu, Viśākha, ba. di., 30. Details not enough for verifi-   |
|               |                                    | Western Chalukyas.   |
|               |                                    | Āhavamal la.   |
| "             | 710                                | Śaka 903, Vikrama, Vaiśākha, śu. di., pañehami, Thursday = A. D. 980, April 22; 40. The nak. was Punarvasu which ended at 68 of the day.   |
|               |                                    | Trailōkyamalla.  |
| <b>&gt;</b> 1 | 711                                | Śaka 969, Sarvajit, Vaiśākha, amāvāsya, Friday, Solar eclipse — A.D. 1047, March 29. There was a solar eclipse on this day, but the week-day was Sunday and not Friday.  |
|               |                                    | Tribhuvana $malla$ .   |
| "             | 697                                | 4th year, Siddhārthi, Pushya, amāvāsya, Thursday, Uttarāyana-Samkrānti — A.D. 1079, December 26. There was a solar eclipse on this day.  |
| ,,            | 708                                | 50th year, Viśvāvasu, Māgha, śu. di., prathamā, Friday, Solar eclipse. There was no solar eclipse in the cyclic year Viśvāvasu. There was a solar eclipse in Parābhava in the lunar month Jyēshṭha (i.e., A.D. 1126, June 22, Tues-  |
|               |                                    | day).  Bhūlōkamalla.   |
| ,,            | 695                                | 8th year, Ānanda, Āshāḍha (śu. di.,) amāvāsya, Monday, Vyatīpāta-Samkrānti, Solar eclipse = A.D. 1134, July 23. There was a solar eclipse on this day  |
| **            | 699                                | and the nak. was Aslēsha which ended at 48.  8th year, Ānanda, Jyēshṭha, śu. di., Tritīyā, Friday.  There was an adhika-Jyēshṭha as well as a nija-Jyēshṭha in this year. Ānanda= Śaka 1056 = A.D. 1134-35; and there were three sukla — tritiyās any of which could have been meant; but none of them fell on a Friday. They were:— |
|               | **                                 | Saturday, 28th April, A.D. 1134; '96.  Monday, 28th May, A.D. 1134; '29.  Tuesday, 26th June, A.D. 1134; '57.  |
|               |                                    | <b>J</b> agadékamalla.   |
| "             | <b>6</b> 96                        | 5th year, Dundubhi, Māgha, paurnimā, Monday, Lunar eclipse, Uttarāyaṇa-Samkrānti = A.D. 1143, February 1; 74.  |
| <del></del>   | 1                                  | 985 Home (Edn.)24  |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20-cont.

| Year.        | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.   |
|--------------|-----------------------------------|--|
|              |                                   | YADAVAS,   |
|              |                                   | Kannaradeva.   |
| <b>19</b> 19 | 732                               | Śaka 1176, Ānanda, Āshāḍha, śu. di., ēkādaśi, Monday — A.D. 1254, June 28. The week-day was Sunday and not Monday. On Sunday the tithi was current till 15.  |
| >>           | 733                               | Saka 1177, Rākshasa, Āshādha, śu. di., ēkādaśi, Monday — A.D. 1255, June 16, Wednesday. Here also the week-day given in the inscription appears to be a mistake.   |
|              |                                   | Rāmachandra dēva.  |
| .99          | 717                               | Saka 1198, 5th year, Dhātu, Chitra, śu. di., prathamā, Tuesday = A.D. 1276<br>March 17. Śu. 1 commenced at 12 on Tuesday and the nak. was Rēvati.<br>Saka 1209, 17th year, Saravajit, Śravana, śu. di., paurnimā, Thursday = A.D.  |
| ***          | . 20                              | 1267, July 25; 1.d.t. 31. The week-day was Friday and not Thursday.  |
|              |                                   | Gandagopalas.  |
| :            | -                                 | $m{A}$ lluntikka- $m{M}$ ahar $m{a}$ ja- $G$ aņ $m{d}$ ag $m{o}$ ņ $m{ar{a}}$ lad $m{ar{e}}$ va.   |
| -99          | 386                               | 6th year, Simha, su. di., Ashtami. Wednesday, Anusha = A.D. 1255, August 11. Su. 8 commenced at 27 on Wednesday and the nak. Visakha ended   |
| "            | 441                               | at '00 or A.D. 1228, August 9, Wednesday; f.d.t. '18; f.d.n. '09.  5th year, Makara. ba. di., trayōdasi, Wednesday, Uttirāḍam - A.D. 1256, January 26; (the details work out correctly for the month of Kumbha) or A.D. 1229, January 24, Wednesday; '94; f.d.n. '17; the day was the 1st  |
| ,,           | 562                               | of Kumbha, not a day in Makara.  6th year, Rishaba, ba di., dasami, Friday, Rēvati = A.D. 1256, May 20; f.d t. '21; f.d.n. '57. The week-day was Saturday not Friday or A.D. 1229, May 10 Saturday 192; f.d.n. '25.  |
| **           | 608                               | May 19, Saturday; 92; f.d.n. 35.  5th year, Tulā, śu. di., prathamā, Monday, Višākhā.  = A.D. 1255, October 4; the tithi was dvitīyā, not prathamā; 31; 59 or A.D. 1228, October 2; the tithi was dvitīyā, not prathamā; 22; 60.  N.B.—These dates with the corrections noted above indicate as a probability that the reign began between 27th January and 20th May 1251 or between 25th January and 19th May 1224. |
|              |                                   | Madurāntaka Pottappichchōlu Manumasiddaraiśa Turukkāļattidēva alias<br>Gaņdagōpāladēva.  |
| >9           | 391                               | Dhanus, ba. di., trayadośi, Wednesday, Kēttai. Details not enough for verification.  |
| ,1           | 446                               | Saka 1153, Mithuna, ba. di., pañchami, Sunday, Avittam = A.D. 1230, June 2; 92; 90.  |
|              | 343                               | Vijaya-Gandagōpāladēva.  |
| ,,<br>,,     | 393                               | 8th year, Dhanus, śu. di., daśami, Sunday, Rēvati = A.D. 1257, November 18; 42; f.d.n. 06. The solar month must be Vriśchika and not Dhanus. 8th year, Kumbha, śu. di., tray odaśi, Monday, Pushya = A.D. 1257, January  |
| ,,           | 405                               | 21st year, Kumbha, śu. di., travodaśi Sunday Probus - A D 1974 I   |
| **           | 409                               | 25. Su. 13 ended at 56 and nak. Pushya commenced at 27. 23rd year, Rishabha, su. di, Saturday, ékādasi, Hasta = A.D. 1273, April 29; 29; 91.   |
| 11           | 428                               | 9th year, Dhanus, śu. di., ēkādaśi, Sunday, Bharani = A.D. 1258, December 8; 31; 53.   |
| "            | 429                               | 20th year, Kumbha, ba. di., tritīyā, Monday, Hasta<br>= A.D. 1270. February 10: .67 · .66  |
| 91           | 491                               | 18th year, Makara, su. di., paurnimā, Wednesday, Hasta. Paurnimā and "Hasta" did not combine in the month of Makara.   |
| <b>3</b> 1   | 492                               | 20th year, Mithuna, śu. di., śaptami, Sunday, Śadayam = A.D. 127!, May 31; śu. 7 commenced at '52 and nak. Śadayam ended at '80 on Sunday. Śu. di., is a mistake for ba di.  |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20-cont.

| Year.           | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-----------------|-----------------------------------|---|
|                 |                                   | GANDAGOPALAS—cont.  |
|                 |                                   | Vijaya- Gaṇḍagôpāladēva—cont.   |
| 1919            | 500                               | 31st yeār, Kanyā, śu. di., tritīyā, Thursday, Viśākha, = A.D. 1281, September 18; *83; 39. Šu. 3 must be śu. 4.   |
| <b>&gt;&gt;</b> | 501                               | 21st year, Kumbha, śu. di., pañchami, Monday, Aśvati = A.D. 1270, January 27. Śu. 5 commenced at '05 and nak. Aśvati at '77.  |
| 97              | 503                               | 21st year, Kumbha, śu. di., dvitīyā, Friday, Uttiraṭṭādi = A.D. 1271, February 13: 13: 34.  |
| "               | 537                               | 18th year. Simha, 10, ba di., prathamā, Sunday, Sadayam = A.D. 1267, August 7; .49; 40.   |
| ,,              | 588                               | 5th year, Kanyā, śu. di, prathamā, Monday, Chitra = A.D. 1254, September 14; 50. On this day nak. Chitra which commenced at 08 of the day was current throughout the remaining day.                       |
| <b>.</b> "      | 539                               | 14th year, Kanyā, ba. di., pañchami, Sunday Sravaṇa. Ba. 5 and "Sravaṇa" did not combine in the month of Kanyā.   |
| "               | 565                               | 3rd year, Mithuna su. di., dasami, Wednesday, Hasta = A.D. 1254, May 27. Su. 10 commenced at 47 and nak. Hasta was current till 88.   |
| "               | 568                               | 16th year, Rishabha, ba. di., dasami, Friday, Uttiratṭādi = A.D. 1267, May 20: 26: 80. The nak. was Rēvati and not Uttiratṭādi.   |
| "               | 570                               | 24th year, Makara, śn. di., dvitīyā, Wednesday, Śravana = A D. 1274, January 10; Śu. 2 began at .86 and nak. Śravana was current till .47.  |
| • ,,            | 571                               | 7th year, Kanyā, śu. di., daśami, Wednesday, Mūla = A.D. 1257, September 19; śu. 10 was current till 92 and the nak. Śravaṇa (not Mūla as cited in the inscription) was current throughout the day.       |
| ,,              | 637                               | 21st year, Vrišchika, šu. di., dvādaši, Tuesday, Ašvati = A.D. 1270, November 25; Dvādaši commenced on this day at '08 and nak. Ašvati was current till '31.  |
|                 |                                   | Vīra-Gaṇḍāgôpāladēva.   |
| - ,,            | 603<br>                           | 3rd year, Kumbha, ba. di, tritīyā, Saturday, Hasta. = A.D. 1294, February 13; ba. 3 commenced at 79 and the nak. Hasta at 48.   |
|                 |                                   | HOYSALA.  |
|                 |                                   | $Var{\imath}ra	ext{-}Rar{a}$ man $ar{a}$ tha.   |
| 1920            | 20                                | 19th year, Mēsha, ba. di., prathamā, Monday, Anisha = A.D. 1274, April 23.  Nak. Anisha commenced at 13.  |
| ,,              | 21                                | 16th year, Mithuna, ba. di., ēkādasi, Friday, Bharani = A.D. 1271, June 5;  |
| . <b>.</b>      | 23                                | 25th year, Vrischika, ba. di., dasami, Saturday, Hasta = A.D. 1279, November 30 Nak Hasta had ended at 78 on the previous day.  |
| "               | 41                                | 13th year, Mēsha, śu. di., saptami, Saturday, Ayilyam = A.D. 1268, April 21; 13; 83.  |
| <b>,,</b>       | 46                                | 18th year, Rishabha, ba. di., panchami, Monday, Uttara-Ashādha = A.D.   |
| ,,              | 47                                | 19th year, Rishabha, su. di., dvitīyā, Wednesday, Mrīgasirsha = A.D. 1274,  |
| -92             | 56                                | [17]th year, Mēśha, ba. di, trayōdaśi, Mūla. Ba. 13 and even su. 13 does not combine with "Mūla" in Mēsha month.  |
| "               | 59                                | 10th year, Karkataka, su. di., saptami, Sunday. In the absence of the nak. verification does not yield a satisfactory result.   |
|                 | <br> -<br> -                      | Vīra-Ballāļa.   |
| n               | 273                               | Dhātu, Kanyā, śu. di., trayōdaśi, Friday, Śravaṇa. Dhātu was apparently A. D. 1336-37; but in that year śu. 13 and "Śravaṇa" combined in Simha month not in Kanyā, on Tuesday, August 20; f.d.t. '00; 60. |

APPENDIX F.—Dates from Appendices A, B and C to the Annual Report for 1919-20-cont.

| Year.                 | Number<br>of<br>inscrip-<br>tion. | Astronomical details, English equivalents and remarks.  |
|-----------------------|-----------------------------------|---|
|                       |                                   | Ummattur Chief.   |
|                       |                                   | Nañjarāya-Uḍaiyār.  |
| 1920                  | 179                               | Parīdāpi, Tulā, su. di., Monday, dasami, Avittam = A.D. 1492, October 29; f.d.t. 77; 08.  |
|                       |                                   | NAYARA.   |
|                       |                                   | Tirumalai-Nāyaka.   |
| 1919                  | 666                               | Šaka 1448, Vyaya, Tulā, śu. di., dvādaši, Friday, Pushya. Šu. 12 and "Pushya" cannot combine in Tulā month, but they do so in Kumbha.   |
|                       |                                   | $ar{m{E}}$ ka $m{p}m{p}m{a}$ - $m{N}ar{m{a}}m{y}m{a}m{k}m{a}$ .   |
| ,,                    | 668                               | Śaka 1413, Parābhava, Tai 16. Details not enough for verification.  |
|                       |                                   | Śokkanātha-Nāyaka.  |
| 1920                  | 281                               | Śaka 1630, Sarvadhāri, Chitra 7, Sunday, Hasta, daśami, Simha-lagna.<br>In Śaka 1630 expired = A.D. 1708-09, Chitra 7 fell on Sunday, April 4, A.D. 1708; but the nak. was Dhanisthā, not Hastā. The tithi was ba. 10 which ended at 77 of the day. |
|                       |                                   | Reddi.  |
|                       |                                   | Anna-Vēma.  |
| 191 <b>9</b> –<br>20. | C.P.<br>No. 6                     | Saka 1296, Nabhasya, Bhādrapada, paurnimā, Wednesday, Lunar eclipse = A.D. 1374, August 22, when there was a Lunar eclipse. The tithi Paurnimā ended at 75; the week-day was however Tuesday and not Wednesday.                                     |
|                       |                                   | Pēdda Kômati-Vēma.  |
| 37                    | " 14                              | Śaka 1333, Khara, Mārgasirshā, su. di., trayōdasi, Dhanus. Cannot be verified for want of week-day.   |

#### PART II.

Of the more important records of the collection registered during the year in Appendices A, B and C, the copper-plates Copper-plates. of Appendix A form, as usual, the most interesting.

First in order comes a set of five copper-plates (No. 2 of Appendix A) strung together on a ring bearing a much worn-out seal. They were kindly forwarded to me by the Tahsildar of Nellore at the request of my Assistant Mr. C. R. Krishnama The plates are extremely thin and are  $6\frac{3}{8}$  long by  $1\frac{1}{2}$  broad. The first and last plates are written only on their inner sides. Each written side contains two lines of clear legible writing, a ring-hole on the right margin and the numerical symbol representing the number of the plate marked near this ring hole. The plates, ring and seal together weigh  $30\frac{1}{3}$  tolas. The ring was not cut when the plates reached me.

The writing is in antique characters of the type of the Guntur district plates of Rāja Attivarman born in the family of king Kandara (Indian Antiquary, Vol. IX, p. Our record is dated in the victorious year [2], Karttika, sukla-trayodasi and is issued from Vijaya-Kandarapura. It states that the Mahārāja Dāmōdaravarman of the Ananda-gotra ordered the residents of the village Kangura informing them that this village was given to the Brāhmanas "for elevating (to the higher worlds) my ancestors for seven (successive) generations." Three groups of Brāhmana donees with their respective gōtras are mentioned, viz., 11 of the Kondinna (i.e., Three groups of Brāhmana Kaundinya)-[qōtra]; 5 of the Kassava (i.e., Kāśyapa)-[gōtra]; 1 of the Vatsa-[gōtra] and 1 of the Āgasti (i.e., Agastya)-[gōtra]. As in the case of the gōtras the names of the donees also are given in their Prākrit forms, e.g., Ruddajja (Rudrārya), Khandajja (Skandārya), Aggijja (Agnyārya), Savarajja (Sabarārya), and Bhaddajja (Bhadrarya).

Although the exact date of the document is not possible to fix from the materials supplied, still it may safely be inferred from the Prakrit forms used, that it could not be very far away in point of time from the Prakrit plates of the early Pallava kings of the third and fourth centuries of the Christian Era. King Kandara after whom the

victorious Kandarapura was evidently Dāmōdaravarman of the Ānanda-gōtra. named and the Ananda-gotra to which both the Rāja Attivarman of the Guntur district plates and the Mahārāja Dāmōdaravarman of our plates belonged, are found mentioned also in an early inscription from Chezarla No. 155 of 1899 in the Narasarowpet taluk, Guntur district which by its early type of the Pallava-Grantha character alone must be referred to about the 3rd century A.D. ()ne point, in the present record is of great interest and that is the attribute Samyak-Sambuddhasya pādānudhyātasya which is given to the Mahārāja Dāmodaravarman. This might be understood in the sense that the king was a devotee of the Buddha or that he was the successor of a certain Samyaksambuddha, if explained in the usual way. Perhaps the former is what is more probably meant and if so this statement strongly supports the view lately expressed by the Archæological Superintendent Mr. Longhurst that the Siva temple at Chezarla must have been once a Buddhist Chaitya.

2. The next copper-plate record in chronological order is No. 3 of Appendix A. It was received for examination from Mr. K. Nagesvara Rao, Editor of the Andhra Patrika, who states that it is the private property of the Raja of Urlam, Ganjam dis-The inscription consists of three copper-plates strung together on a ring the seal of which is now missing. The ring had been cut when the plates reached me, evidently by those who first examined the document. Mr. T. Rajagopala Rao, the Editor of the South-Indian Research, has given in his journal for July 1919 the text of the inscription. The plates measure  $7\frac{1}{2}$  in length and  $2\frac{1}{2}$  in breadth and with the existing ring weigh 42 tolas.

The record begins with the introduction with which the early Kalinga copperplate inscriptions usually begin and states that ' from the victorious Kalinganagara, the worshipper of the divine feet of Gökarnasvāmin, he, that acquired the sovereignty over the whole of the country by wielding the sharp edge of his sword, the establisher

985 Home (Edn.) -25

of the spotless race of the Gāngas, the great  $M\bar{a}h\bar{e}svara$ ,  $Mah\bar{a}r\bar{a}ja$  Hastivarmā purchased from the residents of the Brāhman village  $(agrah\bar{a}ra)$  of Hondevāka in the district of Krōshṭukavartanī (a translation of the more common Varāha-vartanī?), land to the extent of  $2\frac{1}{2}$  halas and converting that into an  $agrah\bar{a}ra$ , exempted it from all taxes and conferred the same on a certain Jayaśarman, a native of Urāmalla (the modern Urlam), of the Vatsa- $g\bar{o}tra$  and a student of the Vājasanēya-[charana], for the merit of himself and his parents, on the eighth day of the dark fortnight of the month Kārttika in the victorious year of reign 'eighty'. It is further stated that this edict of Rājasimha (or of the lion among kings) was, under the direct orders of the king, written by Vinayachandra, son of Bhānuchandra. On the outer face of the third plate is engraved a eulogistic Sanskrit verse in praise of the unopposed prowess of Ranabhīta, which was evidently also a surname of our king Hastivarman.

3. Inscriptions dated in the Gāngēya-Saka have been noted in Prof. Kielhorn's *Lists of Northern Inscriptions*, Nos. 676 to 684. Excepting No. 682 whose date appears doubtful, the earliest noted is the Achyutāpuram plates which is dated in the Gāngēya Era 87 and is a record of the Ganga-Mahārāja Indravarman Rājasimha.

Raṇabhīta Rājasimha Hastivarman—an early Ganga king.

The next in Prof. Kielhorn's list (No. 677), dated in the Gāngēya Era 91 might also belong to the same king. King

Hastivarman of our plates whose year was the Gāngēya Era 80 and who was also known by the surnames Rājasimha and Raṇabhīta, was evidently therefore an immediate predecessor of Indravarman Rājasimha whose Achyutāpuram plates were also written by Vinayachandra, son of Bhānuchandra. It must be noted that among the distant ancestors of Mādhavavarman of the Buguda plates (*Epigraphia Indica*, Vol. III, p. 41) figures a certain Raṇabhīta who need not necessarily be identical with the Raṇabhīta Hastivarman of our plates.

4. No. 1 of Appendix A is the next record in chronological order. It was received from the trustee of the temple of Gudimallam at the instance of Mr. P. V. Jagadisa Ayyar, Manager of the Archæological Superintendent's Office, Madras. The record consists of five copper-plates with slightly raised rims, strung on a plain ring which was not cut when the plates reached me. They measure  $7\frac{1}{4}$  in length and  $3\frac{3}{8}$  in breadth and bear writing on the inner side of the first plate and on both sides of the other plates—the second side of the fifth plate bearing only one line of writing. The ring and plates together weigh 133 tolas.

This is the second Bana copper-plate grant hitherto discovered. one of Vikramāditya (II) published by Prof. Kielhorn in Epigraphia Indica, Vol. III. p. 75 ff. The plates under notice also form a record of Vikramāditya II. bear no date but may be referred to the beginning of the tenth century A.D. as suggested by his Udayendiram plates referred to above. The inscription on the plates is written in Grantha characters of about the period to which they belong and in Sanskrit proce and verse except the last sentence which is in Tamil proce and says that "the puravu (revenue assessment) of the granted (village) is five hundred kādis of paddy and ten pon." The Sanskrit portion is corrupt and defective. It commences with a number of verses in praise of Siva (called variously Vṛishēśa, Rudra, Bhīma and Sambhu) and then introduces king Bali, the chief of the Demons who granted the whole earth to Krishna (Vishnu in his Trivikrama-avatār). In Bali's race was born Nandivarmman whose son was Vijayāditya I; his son was Malladēva; his son Jayamēru Vikramāditya I; his son Prabhumēru Vijayāditya II and his son Vikramāditya The latter conferred a renewal charter of the village of Viprapitha on a number of Brāhmanas who were well-versed in the three Vēdas and the Sāstrus, who (lived on) Brahmadeya for generations, understood the dharma and performed Vedic sacrifices without a break. The record closes with the names of the composer Sivatama, son of Siva-Bhattaraka and of the scribe Parahitachari and the amount of the revenue assessment fixed on the village as already stated.

5. The genealogy given differs from that of the Udayendiram fragmentary plates. The first name Nandivarman of the former is of course the same as Jaya Nandivarman of the latter; Vijayāditya I and Malladeva who follow also correspond correctly. The next name, viz., Vikramāditya I Jayamēru of our plates occurs in the other plates

two generations later, the intervening names being those of Bāṇa-Vidyādhara and
Bāṇa King Vikramāditya II.

Prabhumēru both of which are evidently general titles and not proper names.

After Vikramāditya I came Vijayāditya II who receives the title Prabhumēru in our plates and the Tamil title Pugalvippavarganda in the Udayēndiram plates. The last king Vikramāditya II, the donor in both the grants, had the surname Vijayabāhu as we learn from the Udayēndiram plates. Thus we see that in the new grant two generations of kings are omitted and instead of the 8 names of the Udayēndiram grant we have here only 6. It cannot be decidedly stated whether this omission is only incidental and due to a mistake or that it is intentional. Nor could it be said which of the two is correct unless we have outside evidence to confirm the genealogy of either the one or the other. The inference of Mr. Venkayya that Vikramāditya I and Vijayāditya II must have been known by the surnames Jayamēru and Prabhumēru is confirmed by the clear statements to that effect made in our present record.

Tamil stone inscriptions of Vikramāditya Jayamēru and of Vijayāditya Prabhumēru dated in Saka 820 and 827 from Gudimallam have been published both by Mr. Venkayya and Mr. T. A. Gopinatha Rao in *Epigraphia Indica*, Vol. XI, and *Indian Antiquary*, Vol. XL, respectively. In these the village of Gudimallam receives the name Vippirambēdu which is found in our present inscription in the Sanskritised form Viprapītha. Vikramāditya II, the donor of the grant, was a contemporary of the Rāshṭrakūṭa king Kṛishṇa II in the last decade of the 10th century A.D.

- 6. Mr. A. Rangaswamy Sarasvati while touring in the Tenali taluk of the Guntūr district spared no pains to secure a good number of old copper-plate inscriptions which had been locked up hitherto in a Vishnu temple at the village of Kōdi-Tādi-parru and in the house of Mr. Brindavanam Gopalacharlu of Ipūr village in the same taluk. All credit is due to Mr. Sarasvati for having brought these to light with much tact and energy which are required in the discovery of such documents often deposited as heirlooms in orthodox families.
- 7. Nos. 11 and 12 thus secured are particularly interesting and valuable belonging as they do to the Vishnukundins—a family of kings of whom only two records (of about the 8th century A.D.) have been

Vishnukundins. so far published with facsimile plates by Prof. Kielhorn and Dr. Hultzsch in Epigraphia Indica, Vol. IV, pages 193 to 198 and Ibid., Vol. XII, pages 133 to 136, respectively. Of the two new plates now discovered No. 12 is the earlier in point of time while both Nos. 11 and 12 appear very much earlier than the published Chikkulla Plates of Vikramendravarman and the Ramatirtham plates of Indravarman. The characters in which No. 12 is written and which unfortunately are very faint and worn out, are almost similar in script to those of the early Pallava inscriptions and cannot therefore be referred to a period later than the 5th century A.D. The record consists of three thin copper plates strung together on a ring about 3" in diameter which was not cut when the plates reached me. The plates measure 7" by  $1\frac{1}{2}$ ". The outer sides of the first and last plates are blank. A circular seal attached to the ring bears on its much worn-out surface the legend Sri-Mādhava[varmma] engraved in two lines below a cross-bar over which, however, is seen something which may have possibly been the symbol of the lion as seen on the Chikkulla and the Rāmatīrtham plates or the figure of a Lakshmī or svastika as found The weight of the plates with ring and seal is on the seal of No. 11 noted below. The grant was issued from Amarapura and the first king introduced is Mahārāja Mādhavavarman who had performed eleven horse-sacrifices and a thousand

Mādhavavarman (II).

Agnishtōma sacrifices and who had many dependent kings to worship his lotusfeet. The son of this Mādhavavarman was the powerful Dēvavarman and his grandson was the overlord of the Trikūṭa-Malaya country, the worshipper at the feet of the glorious god of Śrīparvata (mountain), the Vishnukundin Mādhavavarman (II). The grant portion of the inscription with the possible date [30] 7 vā. pa. 7 di. 7 in 113 is extremely doubtful on account of the damaged condition of the plates.

8. No. 11 of Appendix A which comes from the same place consists also of three this and small plates without rims, strung together on a copper ring 3" in diameter

which too was not cut when the plates reached me. The writing which is in excellent preservation occupies the inner sides of the first and last plates and both the sides of the second. The plates measure  $6\frac{3}{4}$  by  $1\frac{3}{4}$ . The circular seal on the ring,  $1\frac{1}{4}$  in diameter, bears the legend  $\hat{Sri}$ -Mādhavavarma in two lines, below a cross linewhich divides the surface into two equal sections. In the upper section is seen in relief the figure of a Lakshmi or a svastika on a pedestal flanked by lamp-stands, the sun (?) and the crescent. The weight of the plates with seal and ring is 30 tolas. The alphabet in which these plates are written is somewhat later than that of the previous record and may be referred to about the 6th century A.D. The inscription refers first to the Vishnukundin Mahārāja Śrī Gōvindavarman, a devotee of the God of Śrī-Parvata, and then to his son Mahārāja Mādhavavarman who receives a long list of attributes. Among these are many similar in sense to those that occur in the Chikkulla and the Rāmatīrtham plates. Mādhavavarman is stated to have had his capital at Trivaranagara and to have performed a thousand Agnishtoma sacrifices. From his victorious camp (vijayaskandhāvāra) at Kudāvāda, he informs the residents of Vilembali in the district of Guddādi-vishaya that that village has been granted to the Brāhmana Agnisarman of the Vatsa-gotra, in the victorious year of reign 37, on the 15th day of the 7th fortnight of the Summer season. The Executor  $(\bar{a}\bar{m}\bar{a})$  of the royal gift was the 'dear son' Manchyanna-Bhattāraka.

- 9. We know still of another Vishnukundin grant which has not, however, been hitherto published. It is noticed on page 102 of the Epigraphical Report for 1914, The alphabet in which it is written is of a much later type than those paragraph 35. of all the others mentioned above; and the names of the kings referred to therein are in order of descent (1). Vikramahēndravarman, Gövindavarman and Mahārāja Mādhavavarman also called Janāśraya-Mahārāja who 'crossed the river Gōdāvarī with a desire to conquer the Eastern region.' This Mādhavavarman was the latest of the Vishņu-kundin kings known so far. The earliest is, as we have stated above, the Maharaja Madhavavarman of No. 12, the grandfather of Madhavavarman who issued his grant from Amarapura. Taking all together we have a number of names of this important family who must have ruled in the Telugu country further north of the Pallava dominion contemporaneously with the Śalankāyanas, the Brihatphalāyanas and the early Kalinga rulers.
  - 10. These in chronological order are—

### From No. 12 of App. A.

- (1) Mahārāja Mādhavavarman I., who performed the eleven horse-sacrifices;
- (2) his son Devavarman;
- (3) his son Mādhavavarman II., who was the lord of the Trikūta-Malaya country;

# From No. 11 of App. A.

- (4) Mahārāja Gōvindavarman;
- (5) his son Mādhavavarman III (?), who had his capital at Trivaranagara and performed a thousand Agnishtoma-sacrifices;

## From the Chikkuila Plates.

- (6) Mādhavavarman (IV) of the Vishņukundins who performed elevenhorse-sacrifices;
- (7) his son (born of the Vishnukundin and the Vākātaka families) Vikramēndravarman;
- (8) his son Indrabhattarakavarman, 'who conquered the east' (Epigraphia Indica, Vol. IV, p. 195, note 2);
  (9) his son Mahārāja Vikramēndravarman (II);

## From the Ramatirtham Plates.

- (10) Mahārāja Mādhavavarman of the family of Vishnukundins;
- (11) his son Rāja Vikramēndra;
- (12) his son Rāja Indravarman who gained victories in the eastern direction. (Epigraphia Indica, Vol. XII, p. 134);

# FROM No. 7 OF APPENDIX A OF 1914.

(13) Vikramahēndra;

Plate I.

North Wall.



1. Avanāsiyāņdār Mudalaivāyppiļļai.



2. Tirumurug inpündiyil perrapadı.



3. Udaiyanambiyai Vēdar-valiparittapadi.



4. Udaiyanambikku ölai venrarulinapadi.



8. Iśaiñāniyār.



5. Uda yanambiyai andukond rulinapadi.



9. Śadaiyaņār.



6. . . . vaņa-ôlai kāttiņapadi.



10. Tirunīlakaņdapperumbāņār.



7. Udaiyanambi elundarulugirar.



11. Ko-Śeńgapperumil.

|   |   | • |
|---|---|---|
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
|   |   |   |
| • |   |   |
|   |   |   |
|   | • |   |

(14) his son Gövindavarman;

(15) his dear son *Mahārāja* Mādhavavarman or Janāśraya-*Mahārāja* who crossed the Gödavari to conquer the East.

The Chikkulla and the Rāmatīrtham plates together supply only four names, for Nos. 6 to 8 are identical with Nos. 10 to 12 as proved by Professor Hultzsch. Nos. 13 to 15 were the successors of Vikramendravarman (II) of the Chikkulla and the Ramatirtham plates is established by the palæography of the plates, No. 7 of Appendix A of 1914, and by the title Janāśraya-Mahārāja applied to Mādhavavarman which does not occur in the earlier inscriptions which mention that king. No connexion can be established between the kings mentioned in copper-plates Nos. 12 and 11 of Appendix A since the latter must at least be a century later than the former, as already stated. But Mādhavavarman III (No. 5 above) and Mādhavavarman IV (No. 6 above) may possibly be identical. The Trikūta-Malaya country and the town Trivaranagara which are mentioned with reference to the early kings Mādhavavarman II (No. 3 above) and Mādhavavarman III (No. 5 above) respectively must be looked for to the north of the Godavari. We have perhaps to connect them with Trikūta and Tripura of the Traikūta kings mentioned at page 179 of the Bombay Gazetteer, Vol. I, Part II. Trivaranagara is perhaps the same as Tripura or Tripuri which has been identified with Tevar near Jubbalpur (*Epigraphia Indica*, Vol. VIII, p. 285) and Trikūta-Malaya is Trikūta mentioned in the Bālāghat plates of the Vākātaka king Prithivishēna II. These identifications, if correct, confirm only my original suggestion (Annual Report for 1909, page 110) that the Vishnukundins 'must have been a distinctly northern family.'

11. Copper-plates Nos. 9 and 10 which also belong to the collection of Mr. Brindavanam Gopalacharlu of Ipur village (Tenali taluk, Guntur district) are, again, two valuable old documents of the Eastern Chalukya kings [Jayasimha]-Vallabha Sarvasiddhi and Vishuuvardhana (III)-Vishamasiddhi (?). Both the sets consist of three plates each of four written sides with slightly raised rims. They are strung on a ring bearing a circular seal. The plates of No. 9 measure a little over 8" in length and over  $2\frac{1}{2}$  in breadth. Their ring is 3" in diameter and the seal a little over  $1\frac{1}{2}$ ". The latter bears on a counter-sunk surface the legend Srī Sarvasiddhi engraved in old Telugu characters with a lotus below and a crescent above. In the case of No. 10 the plates measure  $6\frac{1}{2}$  by about  $2\frac{1}{2}$  in the broadest part at the margin, the ring is 3" in diameter and the seal  $1\frac{1}{2}$ ." The latter bears on a counter-sunk surface the legend Sri Vishamasiddhi. Below the legend is an expanding lotus flower of seven petals and above it are the crescent and a star. The plates (in both cases) with seal and ring weigh 35 tolas. The rings of both the sets were not cut when they were received for examination in this office.

# EASTERN CHALUKYAS.

The writing on plates No. 9 though very regularly formed is much worn, so much so that the name of the donor-king on the first face of the second plate is extremely doubtful. But the genealogy given commencing as it does with the name Kīrtivarman, his son Vishņuvardhana Mahārāja and his son the great Bhāgavata.

vallabha-Mahārāja and combined with the legend Sarvasid thi on the seal, makes it certain that the plates belong to Jayasimha-Vallabha, the eldest son of Vishnuvardhana I. Mangi-yuvarāja is

[Jayasimha]-Vallabha. mentioned in l. 12 as the master of the donee Mandasarman and we know that this prince was the grandson of Jayasimha-Vallabha's younger brother Indra-Bhattaraka. It is not impossible that Mangiyuvarāja was already a grown-up prince during the last years of the reign of Jayasimha-Vallabha.

12. Plate No. 10 is in clear and legible characters and is very similar to that of the Edēru plates of Vijayāditya II (Epigraphia Indica, Vol. V, p. 120 and plate). The kings mentioned are Vishnuvardhana-Mahārāja II, his son Vijayasiddhi (i.e., Mangiyuvarāja) and the latter's son Vishnuvardhana-Mahārāja (III). A grant of 20 khandikas of paddy-land was made in the 23rd year of this king's reign by the princess Prithivipēri daughter of Śrī-Maghinduvarāja to a Brahman named Kēśavaśarman. The relationship of Prithivipori to king Vishnuvardhana III is not made clear by the wording of the inscription. Records of Vishnuvardhana III (A.D. 709 to 746) are rather rare. The surname Vishamasiddhi which he must have borne, as distinctly

1985, Home (Edn.)--26

Vishnuvardhana III-Vishamasiddhi.

We know of three other records of this king which have been hitherto discovered. These are:—(1) No. 9 of Appendix A in the Report for 1914 from which we learn that his queen was Vijaya-Mahādēvī who, it may be hazarded, could possibly be identical with Prithivipōri of our inscription; (2) the Māvinthipalli grant noted at page 90, paragraph 10 of the Annual Report for 1915 and (3) the Musinikunda grant made to the Jaina temple at Bezwada (Annual Report for 1917, page 116, paragraph 21). From this last it appears that the Vishamasiddhi seal which we find attached to the present plates may, as in the other case, be possibly also one of Kubja-Vishnuvardhana I who bore the surname Vishamasiddhi, since Vishnuvardhana III is not known to have possessed this title from any of his own inscriptions.

## THE RASHTRAKUTAS, WESTERN CHALUKYAS AND YADAVAS OF DEVAGIRI.

13. In the collection of Kanarese inscriptions from the Ālūr tāluka of the Bellary district, there are, one Rāshtrakūṭa record of the time of Amōghavarsha I, eleven of the early Western Chālukya kings of Bādāmi and of the later Western Chalukya kings of Kalyāni and four of the Yādava kings Kannara and Rāmachandra. The Rāshtrakūṭa record is not dated; but it must be one of Nṛipatunga Amōghavarsha I who ruled between A.D. 814-15 and 877-78. The name Duddayya referred to in

No. 698 Appendix B as a son of the ruling king is not known from other inscriptions. Perhaps he was not in the direct line of ruling kings. The settlement, however, which this non-descript prince conferred on the twelve revenue divisions (viz.,) Indavali, etc., is interesting. It is stated that these were required to pay only the siddhāya-tax and that pullulvu, bālavana and the māyiladere taxes were remitted till earth and sun lasted, as a gift of Ballaha (Vallabha), i.e., his father Amōghavarsha I. The imprecation at the end calls upon the six gāmundas and the twenty-five mahāyana-[Ba laājigas to protect the charity.

14. Three records (Nos. 691, 724 and 734 of Appendix B) belong to the early Chālukya kings of Bādāmi whose names Vijayādītya Satyāśraya, Kīrtivarma Satyāśraya and . . . . . ditya Bhatāra are clear on the impression. In the last of the records where the king's name is not clear, a feudatory chief called Tondamāna Muttarasa is mentioned as having captured Nāgamangala and conferred certain privileges on the gāmundas, residents and accountants (karana) of that village. The kings Vijayādītya Satyāśraya and Kīrtivarma Satyāśraya are in all probability identical with Nos. 7 and 9 on the genealogical table given opposite page 336 of Dr. Fleet's Kanarese dynasties in Bombay Gazetteer, Vol. I, Part II.

15. The eight remaining western Chālukya records belong to Trailōkyamalla Āhavamalla Sōmēśvara I (A.D. 1044 and 1068), Tribhuvanamalla Vikramāditya VI (A. D. 1076 to 1126), Bhūlōkamalla Sōmēśvara III (A.D. 1126 to 1238-39) and [Perma]-

The later Chāļukya kings of Kalyāṇi.

Jagadēkamalla II (1138-39 to 1149). Ā subordinate of Somēśvara I in Śaka 969, Sarvajit, was Gandarādityarasa, the lord of Māhismatīpura and the ruler of the Madhyadēśa, who was then in charge of Sindavādi one thousand, Bennavūr twelve and the

sōmēśvara I.

sōmēśvara I.

of Appendix B). Another subordinate of the same king was the Pallava chief Vīra-Nolamba Pallava-Permānadidēva whose wife Oharevaladēvī, is stated in No. 710 of Appendix B to have made a grant to the Siva temple of Kālapriya and the Vishņu temple at Kañchagāra Belgali, i.e., the present Belagallu.) Vīra-Nolamba Pallava Permānadi is already referred to in paragraph 40, Part II of my Annual Report for 1916. Of the three records which belong to the time of Tribhuvanamalla Vikramāditya VI, two are in good preservation, i.e., Nos. 697 and 708 of Appendix B, and belong respectively to the 4th and the 50th year of the Chālukya-Vikrama Era. They mention the feudatory chiefs

Vikramāditya VI.

Jōgimayya and Daśavarmadēvarasa. The latter who is hitherto unknown to epigraphists was the lord of Miriñje (Miraj) and Gōkāvi (Gokak), born in the Solar race

and the Kāśyapa-gōtra, whose distinguishing musical instruments were the Permatti and the kettle-drum and who bore the emblems of a tiger and an antelope. Jōgimayya may be identical with Jōyimayyarasa mentioned at page 131 of the Annual Report on Epigraphy for 1916 as a feudatory of Vikramāditya VI. To Bhūlōkamalla Sōmēś-

vara IlI, the successor of Vikramāditya, Somēsvara III. belong two records (Nos. 695 and 699 of Appendix B) both of which are dated in the 8th year (Ananda) of Bhūlōkamalla-varsha. It was noticed in the Annual Report for 1918, page 134, paragraph 8, that the Chālukya-Vikrama years 8 and 9 given for a Bhūlōkamalla Sōmēśvara III in two records from the Bellary district, were respectively to be restored into 58 and 59. But as Bhūlōkamalla had started an Era of his own called Bhūlōkamalla-varsha, which commenced with the last year of Vikramāditya VI, it will be easier to assume that the mistake in this case is in the name Chālukya-Vikrama which must be changed into Bhūlōkamalla-varsha than in the figures of the regnal years. Vira-Nolamba Irungola-Cholamaharaja who held the titles 'the lord of Oreyur', etc., is mentioned as a feudatory of Bhūlōkamalla Sōmēśvara III in No. 695, and prominence is given in this as well as in No. 699 to a merchant named Saudhare Gangonda Garudi-setti who was occupying the position of the chief minister in charge of the administration of the State. Pratapachakravartin Jagadekamalla or Perma-Jagadekamalla II who succeeded Someśwara III on the Chalukya throne is represented by two records, viz., Nos. 696

[Perma]-Jagadēkamalla II. and 701 of Appendix B. The former refers to the Mahāpradhāna, Śrīkarana, Herilāla-sandhivigrahi and the sēnādhipati Kēsimayya, son of Kamma-Nāya[ka] who was the hergade of Manedade-nādu, Mi[diri]-nādu, Kosage, ... [lū]lūru-nādu, Kallakelagu-nādu, Kolipāke-nādu and Sindavādi-nādu. His son the Dandanāyaka Chīyamarasa was ruling the Sindavādi-nādu under his father. The records are dated in the 5th and 6th years respectively of the Jagadēkamalla Era, whose first year according to Dr. Fleet was the Siddhārtin Samvatsara=A.D. 1139 (Dynasties of the Kanarese Districts, page 457).

16. Of the Yādavas of Dēvagiri we have four records, viz., two of Kannara or Kamharadēva (Nos. 732 and 733 of Appendix B) and two of Rāmachandra (Nos. 717 and 718 of the same appendix). A Mahāpradhāna of the former was the Sarvādhikārin Jōgama-Rāhutta ruling the Sindavādi country. One of the latter's subordinate in

The Yādavas of Dēvagiri.

the 17th regnal year Sarvajit, was Rājakulada-rāya son of Dēvarāņe who gave four villages in the Sindavāḍi-nāḍu to a certain Nāgeya-Nāyaka, son of Kammeya-Nāyaka who held the titles of Nāyaharāchārya, Ekāngavīra, Svayambhu-khanḍeya-rāya, etc. Another subordinate officer of Rāmachandra in his 5th year Dhātri was Lakhumi-dēva-Nāyaka (son of?) Vāsudēva not mentioned in other records of the king, known so far.

#### THE CHOLAS.

17. During the year under report the ancient Siva temples of Tiruvārūr in the Tanjore district, Tirumalavādi in the Trichinopoly district and the Vishnu temple of Arulālapperumāl at Conjeeveram which contain a very large number of inscriptions, were visited with the sole object of securing the records left uncopied in previous years.

In Tiruvārūr, the Tyāgarāja shrine was completely covered with chunam plaster; and special arrangements had to be made through the Collector of Tanjore to have the plaster removed by the trustees of the temple. Many records of the time of the early and medieval Chōlas were secured from Tiruvārūr and Tirumalavādi. An inscription of Rājarāja I found in the latter place (No 92 of 1895) records an order of the king that the central shrine of the Vaidyanātha temple should be rebuilt and that before pulling down the walls, the inscriptions engraved on them should be copied down to be re-engraved on the renovated wall of the building. The fact is borne out by the form of the characters employed in the re-engraving of the early inscriptions.

18. No. 1 of 1920 dated in the 10th year of Parakēsarivarman who cannot be identified refers to the gift, by the queen Nakkan Tillai Alagiyār alias Śōlamādēviyār,

Parakēsarivarman. of a silver spittoon (pingalam) for the betel leaf offered to the temple of Tirumalavādi-

Udaiyār which is referred to in No. 98 of 1920 as Punalvāyil Śrī-Kōyil on account of its close proximity to the river Kollidam, a branch of the Kāvērī.

19. No. 14 of 1920 is dated in the 27th year of Rājakēsarivarman but from the astronomical details it is attributable to Rājarāja I who ascended the throne in 985 A.D. It records a gift of land by Ilangōn Pichchi, queen of Rājarāja I.

Ilangōn Pichchi, the senior queen (mūrta dēviyār) of Rājarāja I.

20. No. 680 of 1919 copied from the Tyāgarāja shrine at Tiruvārūr and dated in the 20th year (= A.D. 1030) of Rājēndra-Chōla I records a long list of gifts made to the god Vīdi-Viṭaṅkar, another name of Tyāgarāja, by Anukkiyār Paravai Naṅgaiyār, by Arumolikūttan Lōkamārāyan and by Iśanaikkurai-uḍaiyār Nakkan Orri between the regnal years 16 and 13 of the king, in which period the shrine seems to have been built of stone by Anukki Paravai Naṅgaiyār and the gifts engraved on the

walls in the 20th year. It is stated that Rājēndra-Chōla I. between the 38th day and the 199th day of the 18th year the same lady covered the shrine of Vidi-Vitankar (Tyāgarāja) with golden tiles mentioning the different weights of gold used in each set whose number is The other parts of the shrine besides the central vimana appear to have been covered by copper the total weight of which is also noted. The long list of endowments include amongst others, gold ornaments set with jewels, pearls, necklaces, ornaments for images set up in the temple, gold utensils for bathing the god and a large number of lamp-stands. One of the lamp-stands had to be lit at the place where the king Rajendra-Choladeva and Anukkiyar Paravai Nangaiyar took their stand in the temple. The above endowments were not recorded in the registers of the temple treasury until the 20th year. During the time of Rājēndra-Chōla's successors, viz., Rājādhirāja I and Rājēndradēva more ornaments and utensils appear to have been given and additional parts of the temple constructed.

- 21. No. 456 of 1919 dated in the 29th year of Kulöttunga III, records a gift of lamp by Bētarasa, son of Madurāntaka Pottappichehōla Manumasiddarasa to the temple of Arulālapperumāl at Conjeeveram. No. 589 of 1919 copied in the same temple and dated in the 35th year of Kulöttunga III records that the shrine of Anantālvār was built by Sīya-Gangan son of Chōlēndrasimha, lord of Kuvalālapura and born of the Ganga family in Saka 1134 (A.D. 1212).
- 22. In his Annual Report for 1908 paragraphs 65 and 66, Mr. Venkayya has Kulōttunga III.

  Rundhakōnam which was constructed by Kulōttunga III. The north, west and south walls of the central shrine which contain a belt of these sculptures represent scenes from the lives of the Saiva devotees as related in the Periyapurānam. Sketches were prepared in subsequent years by Mr. P. Visvanatha Ayyar, the artist and photographer of my office, and these scenic representations of the 13th century are now reproduced in plates I to VI. Detailed descriptions of the scenes seriatim are appended below to help easy identification of the sculptures.

# PERIYAPURANAM SCULPTURES IN THE TEMPLE AT DARASURAM NEAR KUMBHAKONAM.

#### North Wall.

- 1. Avanāsiyāndār Mudalaivāyppillai—(No. 1 on the north wall). Here a crocodile disgorges a male child which is being received by a woman, evidently the mother of the boy in accordance with the tradition relating to this incident. Sundaramūrtti Nāyaṇār, by singing a hymn in praise of the god, makes the crocodile in the tank in front of the temple at Avanāsi (in the district of Coimbatore) vomit forth the child which it had swallowed while the mother was bathing therein. The father of the child is close by, uplifting his hands in an attitude of worship.
- 2. Tirumuruganpūndiyil perrapadi (No. 2 on the same wall). Enroute to Tiruvarūr from the Chēra country and very near Tirumuruganpūndi the treasure which Sundaramūrtti had obtained from the king was carried away by the pseudo-robbers sent by the god. At this he approached the deity in the temple at Tirumuruganpūndi when the god commanded the wealth to be restored to him. The thieves are seen piling up the wealth in front of Sundara.

- 3. Udaiyanambiyai vēdarvaliparittapadi (No. 3 on the same wall).—This refers to the above incident. The thieves are seen molesting the men that accompanied the treasure and carrying it away.
- 4. Udaiyanambikku ölai venrarulinapadi (No. 4 on the same wall).—Herein the sculpture refers to a quite different story altogether from what is understood by the label above. There was a young woman by name Sangili who was leading a life of celibacy spending her time in the service of the god at Tiruvorriyūr. At the time when Sundaramūrtti visited the temple at Tiruvorriyūr he was enamoured of her and the god arranged to get them united in marriage but stipulated that Sundara should take an oath, as desired by Sangili, "never to part". As it was sacrilegious to take oath in a temple Sundara prayed that the god should absent himself from the temple temporarily and stop below the way tree. But the god instructed Sangili to insist on the oath being taken below the tree under which he would stop. She points out the tree in the sculpture. Every year a grand festival is conducted in commemoration of this event under that particular tree.
- 5. Udaiyanambiyai āndukondarulinapadi (No. 5 on the same wall).—When the marriage of Sundara was arranged, God in the form of an aged Brahman suddenly appeared before him and proved by documentary evidence that he was his vassal from his grandfather's time. When asked to point out his residence the old Brahman entered the temple at Tiruvennainallūr and there miraculously disappeared into the linga while Sundara observed.
- 7. Udaiyanambi elundarulugirār (No. 7 on the same wall).—This sculpture cannot be identified clearly. Probably this refers to the birth of Ālālasundara, one of the beloved devotees of God Siva. On one occasion Ālālasundara while collecting flowers for God met by chance the two celestial women Aninditai and Kamalini who also came there to gather flowers for Pārvatī. There was mutual admiration. Siva on this account directed Ālālasundara and the two ladies to be born on the earth in order that they might live together as husband and wives. Ālālasundara was born as Sundaramūrtti and the ladies as Sangili and Paravai both of whom married Sundaramūrtti.
  - N.B.—The above 7 scenes relate to the miracles in Sundarar's life.
- 8. Isaināniyār (No. 8 on the same wall).—The woman who brought forth the great Sundarar.
  - 9. Sudaiyanār (No. 9 on the north wall).—The father of the famous Sundarar.
- 10. Tirunilakandapperumbānār (No. 10 on the same wall).—This bhakla (devotee) is reputed for playing on a harp the songs in praise of the Almighty. Here he is seen in front of the temple at Madura with the instrument then in vogue. His devoted wife is holding a pair of jālara (cymbals) to sound with the same in order to help her husband to keep time.
- 11. Kō-Śengapperumāl (No. 11 on the same wall).—This is a Chōla king who, by his great devotion, attained to the rank of Saints (Nāyaṇārs). As a king he is represented with a crown.
- 12. Nēśāndār (No. 12 on the same wall).—This weaver of Kampili was so devoted to Śaivas that all the cloths and underwears he turned out daily in his loom he gave away as presents to the deserving and thus obtained salvation. He is seen disposing of his cloths.
- 13. Pāndimādēvī (No. 13 on the same wall).—She was the wife of the Pāndya king Nedumāran. She was the daughter of a Chola king. She went by the name of Mangaiyarkkarasiyār. When the king favoured Jainism she with the help of Sambandar, who then visited Madura, got him converted to his former religion—Brahmanism. Sambandar is seen seated on a stool.

- 14. Appālum-adichehārnda-adiyār (No. 14 on the same wall). This general name refers to those living beyond the three ancient kingdoms of Chēra, Chōla and Pāṇḍya, who were staunch devotees of Siva. Only three are represented in worshipping attitude in front of the temple.
- 15. Mulunīru-pūsiya munivar (No. 15 on the same wall). This applies to those that smear holy ashes over the whole of the body as laid down in the Agamas. Six of these are shown worshipping God in front of a temple.
- 16. Mukkālam-tirymēņi-tīnduvār (No. 16 on the same wall). Those that perform  $p\bar{u}j\bar{a}$  (worship) to the linga thrice a day—dawn, midday and evening—according to the Āgama rules are counted amongst Saiva devotees. Three devotees are seen worshipping the linga and of these the one on the right has a conch placed on a tripod and a bell which probably denotes the morning service.
- 17. Tiruvārūr-pirandār (No. 17 on the same wall). Those born in the holy city of Tiruvārūr in the district of Tanjore are counted amongst the Saiva devotees. Four devotees are seen in front of a temple and on the other side is a tree with a bull under it.
- 18. Paramaṇaiyē-pāduvār (No. 18 on the same wall).—This refers to the devotees that entertain the idea that Śiva alone is the greatest of the gods and sing His praise. Three such female devotees are seen with jālaras (cymbals) in the hand in the act of singing the God's praise. The Śiva temple here has a seated bull in front.
- 19. Pattaraiyē-panivār (No. 19 on the same wall).—The devoted of the devotees are honoured as Nāyaṇmārs. In this group several are seen in the attitude of worshipping the Saiva devotees.
- 20. Kōtpuliyāndār (No. 20 on the same wall).—This Nāyaṇār of Tirunātti-yattāngudi in the Tanjore district was a commander-in chief under a Chōla king. When going to serve in the army, he left instruction for the paddy stored by him being made use of only for the God but during a famine his relations used the grain themselves. On return he murdered them for the sin thus committed without even sparing a baby. This pleased the Almighty very much who appeared with his consort on a bull and admitted him amongst his retinue (ganas).
  - 21. Pugaltunaiyār (No. 21 on the same wall).—This gurukkul (temple priest) of Śrīvallipputtūr was faithfully worshipping the linga of the place even during the famine days. On account of the poor food he had then and the consequent weakness in his health the brass pot containing water shipped over the linga while bathing it and in his anxiety he fell into a stupor but the Almighty appeared to him in his dream and made him understand that under the bali-pītha there would appear a coin daily with which he could have his daily needs satisfied. In the illustration not only the individual is seen bathing the God but the bali-pīthā also.
  - 22. Seruttunaiyāndār (No. 22 on the same wall).—He was a native of Tanjore. While worshipping the god in the temple at Tiruvārūr, the Nāyaṇār observing the wife of Kalarśingar, a devotee who was present then, smelling the flowers intended for the God, could not put up with this sacrilegious act and cut her nose with the sword. We find another in a sitting posture preparing garlands out of the flowers given by a lady.
  - 23. Idangaliyāndār (No. 23 on the same wall).—He was a king of Kodumbālūr. A thief who stole the paddy in the granary was produced before him to be punished and he inquired into the cause. On ascertaining that in order to feed the Saiva devotees the paddy was stolen, Idangaliyāndār not only released him but also made it public that anybody in need of wealth to feed bhaktas may freely make use of his granary and his treasury. While he is seated another standing below is seen tomtoming.
  - 24. Kalarsinganār (No. 24 on the same wall).—This Kādava (Pallava) king who subdued other kings and repaired all Siva temples found fault with his wife who took out a flower intended for the God and smelled the same thinking that it was a stray flower and was not intended for the God. Seruttunai Nāyanār (No. 22 above) who saw this cut the nose of the lady. The king who came to the spot

# Plate II. North Wall—cont.



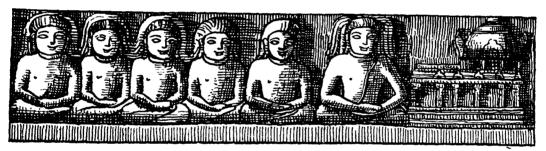
12. Nésandar.



13. Pāndimādēvi.



14. Appalum-dichcharnda-adiyar.



15. Mulunirupūšiya Munivar.



16. Mukkalam-tirumenitinduvar.



17. Tiruvārūr-pirandār.



18. Paramanaiye-paduvar.

•

.

Plate III.

North Wall—cont.



19. Pattaraiyē-paņivār



20. Kötpuliyandar.



21. Pugalttuņaiyār.



22. Śeruttuņaiyandar.



23. Idangaliyandar.



24. Kalarsinganar.



25. Munaiyaduvar.

# Plate IV. West Wall.



26. Vayilar.



27. Nedumāraņār.



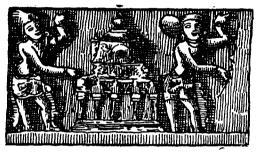
28. Kāriyār.



29. Śirappuliāņdār.



30. Kaņampulāņdār.



31. Aiyadigal Kādavarkonār.



32. Sattiyandar.



33. Kaliyanar.



34. Kalikkambandar kadai.



35. Adipattar kadai.

|   |       | • |
|---|-------|---|
|   |       |   |
|   |       |   |
|   |       |   |
|   |       | , |
|   |       |   |
|   |       |   |
|   |       |   |
|   |       |   |
|   |       |   |
| • |       |   |
|   |       |   |
|   |       |   |
| 1 | · · · |   |

immediately was much offended at this, but on Seruttunai Nāyaṇār informing him what had happened, he cut her two hands as they were directly responsible for the sacrilegious act as shown in the illustration.

25. Munaiyaduvār (No. 25 on the same wall).—This native of Nīdūr in the Chōla country helped all weak parties in battle, by receiving wages and utilized the income for feeding the Saiva devotees.

## West Wall.

- 26. Vāyilār (No. 1 on the west wall).—This Nāyaṇār of Mailāppūr is one of those that truly worshipped God Siva by meditation. He is shown in a sitting posture with a beard and rosary under a tree.
- 27. Nedumāraņār (No. 2 on the same wall).—This refers to the Pāṇḍya king Kūṇ-Pāṇḍya who favoured Jainism, but advised by Maṅgaiyarkkaraśi his wife and Kulaśirai his minister, he was able to go back to Hinduism on the occasion of Sambandar's visit to his place. His hunch-back was straightened and he was consequently called Nedumāraṇār or Niṇraśīrnedumāraṇ in full. The king is seated on a pedestal and the other attendants are seen below.
- 28. Kāriyār (No. 3 on the same wall).—This native of Tirukkadayūr (Māyavaram taluk, Tanjore district) was highly proficient in Tamil literature and was the author of *Tirukkāvai*. He obtained plenty of wealth from the three famous kings—Chēra, Chōla and Pāndya—but spent all in renovating Siva temples. At last he reached Mount Kailās. In the illustration he is seen approaching the Holy Mount.
- 29. Sirappuliandar (No. 4 on the same wall).—Born at Ākkūr in the Tanjore district he spent his time in worshipping the Saiva devotees giving them money and feeding them. He is shown as making presents to his fellow devotees.
- 30. Kanampulāndār (No. 5 on the same wall).—He was born at Irukkuvēlūr (Vaidīśvarankōyil) in the district of Tanjore. He was in the habit of regularly burning lamps in temples. Once, in Chidambaram, when he could not get money to buy ghee he began to collect grass from the sale-proceeds of which he was burning the lamps. On a certain day when the grass collected could not find a sale he burnt the grass itself. But finding that the grass was not sufficient to keep the fire burning until the required hour he set fire to his own lock of hair. In the illustration he is seen burning the hairs in the fire. His wife behind is holding the grass bundle (torch?).
- 31. Aiyadigal Kādavarkōnār (No. 6 on the same wall).—This Pallava king of Conjeeveram was a bigotted Śaiva and relinquished his kingdom in favour of his son and went abroad renovating the Śiva temples.
- 32. Sattiyāndār (No. 7 on the same wall).—A native of Variājiyūr in the Chōla kingdom. He was in the habit of cutting the tongue of those that spoke ill of Śaiva devotees. Here he is seen in the act of actually cutting the tongue of one with a sickle in his hand.
- 33. Kaliyanār (No. 8 on the same wall).—This wealthy oil-monger of Tiruvorri-yūr after he had spent away his wealth in burning lamps in temples was in the habit of obtaining his wages for pressing oil and utilize the same for burning lamps in the temple. On a certain day when he could not get his wages he began to cut his head and used the blood instead of oil to burn the lamp. The Nāyaṇār is seen in front of the temple in the act of severing his head to obtain blood for the purpose.
- 34. Kalikkambāndār kadai (No. 9 on the same wall).—This bhakta was in the habit of feeding the Saiva devotees daily. One day before meals while about to wash the feet of one who appeared as a bhakta he found his wife hesitating to pour water as the individual turned out to be their old servant. This roused his anger and he cut her hand with the sickle. Piles of pots with food are heaped up. Three persons are seen sitting at meals. Siva and Pārvati appear seated on their rishaba (bull) to give salvation to them.
- 35. Adipattar kadai (No. 10 on the same wall).—This fisherman of Negapatam was in the habit of dedicating the best of the fish he got daily from the sea to the god of the place. One day when he secured an only golden fish he willingly

offered it to the god. Siva with Pārvati appeared on a *rishaba* (bull) and gave him salvation. The Nāyaṇār is seen holding the fish in one hand and others drawing the net spread out in the sea.

- 36. Narasinga-munaiyaraiyar (No. 11 on the same wall).—This king was giving presents to all wearing holy ashes especially on the days of Ārdrā asterism. On such a day even when a pseudo-Śaiva appeared before him he extended his generosity to him by paying double the amount. The king is shown with a beard, seated with his queen behind. Six others are seen in front receiving the present.
- 37. Pugalehehölanār (No. 12 on the same wall).—This Chōla king who was ruling at Uraiyūr (Trichinopoly) once ordered his army to proceed against Adigan, a chieftain who failed to pay his tribute. On returning from thence they brought the heads and wealth of the enemies' army. On noticing in the milst of the heaps of heads one with matted hair, and finding it to be one of a bhakta, he became compunctious and entered the sacrificial fire with that head placed over his in a gold plate. Then Siva and Pārvati appeared before him as is shown in the illustration.
- 38. Poyyadimaiyillāda pulavar (No. 13 on the same wall).—This refers to the poets of the last sangam (learned assembly) of Madura who were staunch Saivites. Nine of them are seen in the illustration between a shrine and a mandapa.
- 39. Kūrruvanār (No. 14 on the same wall).—This devotee conquered many chiefs and acquired enormous wealth. He had all the paraphernalia of an anointed king except the crown. When the Brahmans of Tillai (Chidambaram) refused to crown him king saying they would crown none but the Chōla king, he prayed to God Naṭarāja to crown him with his holy feet. God blessed him accordingly. His vāssals are seen paying homage to him.
- 40. Gananādāndār kadai (No. 15 on the same wall).—This devotee of Shiyali (Tanjore district) was in the habit of daily instructing all who approached him in the matter of performing several kinds of services to God—raising flower-gardens, bringing water for the sacred bath, decorating temples, lighting lamps and reciting sacred hymns. At last he reached heaven. In the illustration he is seen instructing the several disciples who are standing on either side in front of the Almighty.
- 41. Śēramān-Perumāl kadai (No. 16 on the same wall).—This is another name of Perumākkōdaiyār who was king of the Chēra country. As directed by God in a dream, he gave plenty of wealth to poet Bānapattirar of Madura and with Sundara reached Kailās in his last days. In the illustration he is seen getting down the elephant and worshipping poet Bānapattirar.
- 42. Siruttondar kadai (No. 17 on the same wall).—This devotee of Tiruch-chengāttāngudi in the district of Tanjore was a military officer at the beginning and led a successful campaign against Vātāpi (the modern Bādāmi in the Bombay Presidency). He would not eat his daily meals unless he found one to partake of the same in company. Later on he was residing in his own village and doing service to the God, who in the disguise of a Bhairava mendicant commanded him to cook the flesh of his only son for him, which he did. But then the God in disguise would not eat in the house of a childless couple. When the husband and wife were perplexed, the mendicant Bhairava commanded them to call for the boy who immediately came running. Thus he attained salvation. The boy as received by the mother in her arms is shown in the illustration.
- 43: Sākkiyaṇār (No. 18 on the same wall).—This devotee first adhered to Jainism. Finding it to be untrue he went back to Saivaism and spent his days in the worship of the linga. In the act of worshipping he forgot himself so much in his devotion that he took the bricks that were lying by and threw them over the linga without perceiving what he was doing. Thinking that this act of his should have been at the instigation of Siva, he continued to do the same. Siva was much pleased with this form of worship.

#### South Wall.

44. Eyarkön Kalikkāmāndār (No. 1 on the south wall).—He was a hereditary military officer but became in his later years a true devotee of Siva. He executed

Plate V.

West Wall—cont.



36. Narasingamunaiyaraiyar.



37. Pugalehehölanar.



38. Poyyadimaiyillada pulavar.



39. Kürruvanar



43. Sakkiyanar.



40. Gaņanādāņdār kadai.



41. Sēramān-Perumāļ kadai,



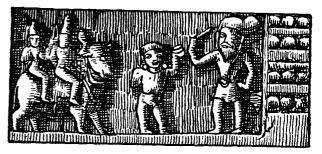
42. Siruttondar kadai

|   |   |   | • |
|---|---|---|---|
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   | • |   |
|   |   |   |   |
|   |   | • |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
| • |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   | · |   |   |
|   |   |   |   |
|   |   |   |   |
|   | • |   |   |

# Plate VI. South Wall.



44. Eyarkön Kalikkāmāndār



45. Āludziyapıļlaiyār.



46. Nammandi digal.



47. Seyñalor-pillaiyar kadai.



48. Tirukkurıpputtondar.



49. Tirrnāļaippövār.



50. Ilaiyamarangudi Marar kadai.

|   |   | • |  |
|---|---|---|--|
|   |   |   |  |
|   |   | • |  |
|   |   |   |  |
|   |   |   |  |
|   |   |   |  |
|   |   |   |  |
|   |   |   |  |
|   |   |   |  |
| • |   |   |  |
|   |   |   |  |
|   | • |   |  |

repairs to the temple at Tiruppangūr near Vaidīśvaranköyil. On learning that God acted as mediator between Sundaramūrtti and his wife Paravai he got offended with Sundarar. In order to show to him what a true devotee Sundara was, God made him suffer from paralysis and sent Sundara to cure him of it. Being displeased at the idea of getting cured at Sundara's hands he killed himself. When Sundara approached the house he was informed that the Nâyaṇār was sleeping on the cot. On approaching the cot, Sundarar recognized the true state of affairs and attempted to commit suicide. Thereupon Kalikkāmānāyaṇār was brought to life and prevented Sundarar from killing himself.

- 45. Aludaiya-pillaiyār (No. 2 on the same wall).—This is the boy-devotee Sambandan. While yet a child, his father left him on the bank of the tank within the temple at Shiyali. When the child felt the need of mother's milk, God asked Pārvati to feed him with the same. He was thus favoured with it in a golden cup. On completing the bith, the father finding a cup of milk before his boy began to chastise him and asked him from whom he got it. The youth pointed out the God and Goddess on the pishaba (bull). We find the boy holding a cup in his hand and the father in the act of punishing him with a cane in his hand.
- 46. Naminundi-adigal (No. 3, same wall).—He was a native of Émappērūr near Tiruvārūr. He was desirous of burning a lamp in the shrine of Aranēri within the temple at Tiruvārūr. On the Jainas residing near the temple refusing to let him have some ghee for the purpose he was much perplexed, when there arose an ærial voice directing him to burn the lamps with the water of the tank close by which he did to the astonishment of all. He is seen in the act of carrying water in a pot on the left side and lighting the lamp in front of the shrine on the right.
- 47. Sēyāalūr pillaiyār kadai (No. 4, same wall).—This is Chandēśvara who is seen in all Siva temples. When he was devoutly worshipping the linga his father scolded him and kicked the pot containing the milk intended for the sacred bath. For causing this obstruction Chandēśa cut his father's leg with the axe. Pleased with this high devotion Siva made him the head of all the devotees and also crowned him with a garland. Both the acts of cutting the father's leg and his being crowned with a garland are seen in the illustration.
- 48. Tirukkuripputtondar (No. 5, same wall).—This washerman devotee of Conjeeveram was in the habit of getting the clothes of all bhaktas washed. To test his sincerity God Ékāmbaranātha in the disguise of an old Brahman gave his torn rag for being washed and returned before dusk the same day and at the same time brought on a heavy storm and darkness soon after. Unable to fulfill his promise, this Nāyaṇār attempted to dash his head against the stone, which God prevented and gave him salvation. To the left Siva appears as an old Brahman holding a stick and in his front this Nāyaṇār with the torn cloth on his shoulder.
- 49. Tirunāļaippōvār (No. 6, same wall).—This is the famous: Pariah saint Nandaņ who joined the Nāyaṇārs by the grace of God Naṭarājā at Chidambaram. When he was precluded from entering the temple being an outcaste, God Naṭarāja directed him to get himself purified by entering the sacred fire. This he did as seen in the illustration.
- 50. Ilayamārangudi Mārār kadai (No. 7, same wall)—This bhakta was fond of feeding all pure devotees of Siva At a time when he had no food-grains, Siva as an aged Brahman went to him at midnight and asked for food. He collected the paddy seeds sown in the field in the morning and had the food ready. Then he woke up the aged Brahman who was pretending to be asleep. The Brahman manifested himself into Siva with Pārvati on a bull. The Nāyaṇār is seen on the left in the act of holding a basket and the Brahman sitting in the middle; while on the left on a bull the God and Goddess are seen.
- 23. Of the large number of inscriptions of Rājarāja III secured during the year, No. 91 of 1920 copied from Tirumaļavādi and dated in the 7th year (= A.D. 1233) deserves notice. A certain Kūrrūrudaiyān Terri Periyān alias Edirilisõļa Mūvēndavēļān repaired the nritta-mandapa in the temple of Tirumaļavādi-Udaiyār, the Vishnu 985, Home (Edn.)—28

sāmanta of the king, Telinganādudaiyān by name, is the donor figuring in No. 154 Kongūr was called Jayangondaśolanallūr and it is not unlikely that Jayangondasola was the surname of Vīrarājendra or his predecessor Parakesarivarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Chōla, both of whom claimed to have ruled the two Amudan-achchu mentioned in No. 182 of 1920 seems to have been a standard coin of currency of those times in addition to anai-achchu and undi-achchu noticed in paragraph 20 of the Annual Report for 1915-16. 'Rājakēsari-kāl' (No. 181 of 1920) and 'Parakesari-kāl' (No. 183 of 1920) were evidently the names of the standards measures of quantity and 'Parakesari-kal' occurring in the latter, the name of the touch-stone for testing the standard fineness of gold; and a gold bar of the royal standard of purity seems also to have been kept for purposes of test and verifica-" பரகெசரிக்கவ் the expression **து ளே கி ை**ற செ**ம்**பொன் ஆணி tion-compare ஓடெர[ப்\*]பது '' in No. 186 of 1920.

31. In the Annual Report for 1905-06 it has been pointed out that there were two Vikrama-Chōlas who succeeded Vīrarājēndra, one probably a Parakēsari with a reign of at least 8 years from 1255 A.D. and the other a Parakēsarivarman Tribhuvanachakravartin whose reign began in 1273-74 A.D. and extended to at least 27 years (No. 6 of the list in paragraph 39 of the Annual Report for 1909-1910). Several inscriptions of Vikrama-Chōla have been discovered this year with regnal years ranging even to so high a figure as 30; but it is not possible to identify to which of the two kings they belong. Only this much can be inferred therefrom that the reign of one of them, presumably the latter, extended to 30 years. No. 196 of 1920 is a record of the 13th year of a still another Vikrama-Chōla, with the epithets Parakēsari Tiruchchirrambalamudaiyān.

32. The date of Rājakēsarivarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāṇḍya whose reign has been fixed in the Annual Report for 1905-06 to have begun in 1265 A.D. vīra-Pāṇḍya.

vīra-Pāṇḍya.

and to have continued for at least 16 years still remains the same.

Sundara-Pāṇḍya is represented by some inscriptions of which the highest regnal year is 28 as against 37 in previous years' collections; but in the absence of any specific data, his place in the Kongu chronology continues indefinite. No. 160 of 1920, a record of Alangiyam alias Uttamachōlanallūr, mentions a gift of land for Sundara-Pāṇḍya.

Sundara-Pāṇḍya.

Jāānamūrttidēvanāyaṇār made in the reign of a king whose name has tentatively been read as Emmandalamum-kondaruliya

Vīra-Sundara in the [7]51st year, Arpasi month. It is not understood who this king is and to what era the date belongs.

33. No. 208 of 1920 is the only inscription of this year's collection which mentions a Chēra king. It is in much damaged Vatteluttu characters and is dated in the

Varaguṇa Parāntaka, probably the Chēra king Kōkkaṇḍaṇ.

6 + 9th year of Kō-Varaguṇa Parāntaka who bears the characteristic Chēra title of Chandrādityakulatilaka and also calls himself a Sārvabhauma. His name which is composed of the names of the Pāṇḍya king Varaguṇa (862 A.D.) and the Chōla king Parāntaka (A.D. 907) leads to his probable identification with Kōkkaṇḍaṇ-Vīranārāyaṇa or Kōkkaṇḍaṇ Ravi, the contemporary Chēra kings of the time who had entered into political relations with the Pāṇḍya Varaguṇa and the Chōla Parāntaka as surmised on page 59 of the Annual Report for 1910-11 and on page 61 of the Annual Report for 1911-12 or with some other immediate successor in the Chēra line. It may also be remem-

34. With the additional information now available, the following may be taken as a tentative list of the Kongu kings so far known:—

bered that Parantaka I married a daughter of Kökkandan-Ravi, S.I.I., Vol. II, p. 386.

Konāṭṭāṇ Vikrama-Choladēva probably also called Ko-Kalimūrkha Vikrama-Choladēva from 1[00]4 to at least 1046 A.D.

Parakēsarivarman Abhimānachōļa Rājādhirāja from 108 \* to at least 1100 A.D. Rājakēsarivarman Rājādhirāja Uttama-Chōļa with a reign of at least 17 years. Rājādhirāja Vīra-Chōļa from 1118 for at least 5 years.

Perumāļ Vīrachōļadēva or Vīraśōļa-Kalimūrkha-Pērumāļ with a reign of at

least 24 years.

Rājakēsarivarman Uttama-Chōla Vīranārāyaṇa, probably also called Rājakēsarivarman Tribhuvanachakravartin Vīranārāyaṇa and Kōnēriṇmaikoṇḍāṇ with a reigṇ of at least 10 years.

Rājakēsarivarman Kulōttunga-Chōladēva from about 1149 to about 1183 A.D. Parakēsarivarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Chōla 'who ruled the two Kongus', also called Kōnēriņmaikoṇdāṇ with a reign of at least 23 years.

Rājakēsarivarman Tribhuvanachakravartin Vīrarājēndradēva also called

Konerinmaikondan from 1207 to at least 1252 A.D.

Parakēsarivarman Vikrama-Chōla from 1255 to at least 1263 A.D. Rājakēsarivarman Tribhuvanachakravartin Vīra-Pāndya from 1265 to at least 1281 A.D.

Parakēsarivarman Tribhuvanachakravartin Vikrama-Chōla from 1273 to at least 30 years.

35. The kings whose place in the Kongu line has yet to be fixed in the light of future researches are—

Rājarāja Karikāla-Chōladēva perhaps also called Rājarāja (12th year), who must have been a very early king of this line if not identical with Rājarāja the Chēra feudatory of Jaṭāvarman Sundara-Chōla-Pāṇḍya (page 294 of *Epigraphia Indica*, Vol. XI), Sundara-Pāṇḍya whose latest year is 37, and several unspecified and unidentifiable Rājakēsarivarman Kōnērinmaikoṇḍāṇs and Parakēsarivarman Kōnērinmaikoṇḍāṇs.

### THE VIJAYANAGARA KINGS.

36. Conjeeveram, the queen-city of the south, which has passed through many vicissitudes and whose possession was coveted by successive dynasties of kings with varying degrees of success, was taken up first in the talukwar survey arranged for the field-season and the work of copying was started in the Varadarajasvāmin temple at Little Conjeeveram, the result being a yield of over 300 inscriptions exclusive of those copied in previous years.

A pretty fair proportion of the inscriptions are records of the later Chōlas, and their feudatories Gaṇḍagōpāla and Vijayagaṇḍagōpāla. These latter have been dealt with separately under 'Miscellaneous dynasties'. More than fifty per cent belong to the Vijayanagara kings from Vīra-Sāyaṇa Uḍaiyār down to Venkaṭa II, who despite their general religious toleration as evidenced by their charities to both Siva and Vishnu temples, seem, however, in later times to have developed a special predilection to Vaishnavism and to have made the Varadarāja temple an object of their special adoration. The inscriptions are not, however, historically fruitful and do not add to the knowledge we already possess about these kings and their times. They record mostly gifts for offerings and cakes for the god appending monotonous and exceedingly detailed grocer's lists of the ingredients required for the preparation of the cakes and the ratios of their distribution to the temple servants and others.

37. The earliest Vijayanagara king represented in this year's collection is Vīra Sāyana Udaiyār. The astronomical data furnished in the inscription for his 14th year work out correctly for Saka 1285 (October 12, 1363 A.D.); and as we know from No. 188 of 1903 that the 15th year of Vīra-Sāyana Udaiyār, son of Kampana I, corres-

Sāyana Udaiyār. ponded to Saka 1285, we are enabled to identify the king of the present inscrip-

tion with that same son of Kampa I. Another inscription (No. 241 of 1920) of the Mahāmandalēśvara Vīra Sāyana Udaiyār discovered at Kāngayam in the Coimbatore district is dated in the cyclic year Dundhubi corresponding probably to Saka 1304 (roughly A.D. 1382-83) and belongs therefore to the son of Bukka I.

38. In a record (No. 662 of 1919) of Kampana II dated in Saka 12[96] figures the donor, Kōnappa, a son of Muddappa, who vaunts the Vijayanagara titles of Arumbakandan and Bāshaikkuttappuvarāyagandan. Two records of the same king (Nos. 135 and 136 of Appendix C) dated in Pramādīcha (corresponding to Saka 1295)

Kampana II.

copied in the Dharapuram taluk (Coimbatore district) are the earliest Vijayanagara records hitherto discovered in Kongu and they state that the temple of Nāgīśvara-mudaiyār which was defiled and devastated during the Muhammadan raids ( $Tulukka-v\bar{a}nam$ ) was restored by a certain Āvudaiyarājā, a local chieftain. This leads to the not improbable conclusion that Kongu was at this time a Vijayanagara viceroyalty.

39. In No. 661 of 1919 belonging to Harihara II in Saka 1325, the donor Obhaladëva Mahārāya, son of Pillaiyār Podukkamūr Siddharasar is mentioned with a

Harihara II. long string of Sanskrit epithets, such as Vrishabhalānchana, Bhāradvājagōtrapavitra, Mailāpurandhara, Mallāpuravallabha, Pallavāditya, Jagadēkabhairava, Bhuvaninārāyaṇa, Rūpakandarpa, etc.

40. Harihara III is also represented by an inscription in the same tāluka (No. 227 of 1920) dated probably in Saka 1330, which mentions that a village called Alambādi was permitted to be colonised by ryots for cultivation purposes and that gifts of

Harihara III. Dēvarāyapon (same as the Dēvarāyapagodas mentioned on page 85 of the Annual Report for 1910-11) and a tax of one panam per village were given to the temple for its expenses.

41. Of Kumāra Mallikārjuna this year's collection gives only one inscription in Conjeeveram and about half a dozen in Dharapuram. In No. 212 of 1920, Kampayanāyaka is mentioned as the king's Amain and the king's Amain and the king's agent or viceroy (kāriyattu-kadavar) in No. 216 of 1920.

42. No. 658 of 1920, a record of Virūpāksha II, son of Dēvarāya Mahārāya, contains some interesting information in regard to the facilities afforded to tenants for bringing waste lands under cultivation and mentions that a piece of land, situated in the middle of certain temple property in Padaiparru alias Tēperumālnallūr, which was, on account of its high level, unirrigable and was therefore lying waste from time immemorial (anādikarambu) overgrown with heath and other wild shrubs, was purchased as ulavukkāni, that its profitless level was tackled and that it was then

Virūpāksha II. made irrigable by means of a new channel and that the income accruing from the land, as thus improved, was distributed between the Varadarāja and Tirumaliśaiālvār temples in a certain ratio.

43. In No. 601 of 1919 issued in the reign of Bhujabala Vīra-Narasingadēva Mahārāya in Saka 143[1 ta Setti of Narasingarāyapuram provides, among other things,

Vīra-Narasingadēva-Mahārāya.

for offerings to Tirukkacchinambi, the Setti saint of Conjeeveram and a contemporary of Rāmānuja, whose memory is now seen perpetuated in the name of the Tirukkacchinambi street (the present Chetti street) and in a small shrine in it dedicated to him.

44. Inscriptions belonging to Krishnarāya have mainly been copied at Conjeeveram, while Ālūr in Bellary and Dhārāpuram in Coimbatore have also contributed a small number. Of these, two copies of the same inscription (Nos 474 and 533 of 1919) copied at Conjeeveram give a complete list of Krishnarāya's conquests prior to Śaka 1438 and contain so far as the historical introduction is concerned the same informa-

Kṛishṇarāya.

tion as in No. 574 of 1902 (Tamil inscription at Kālahasti), a portion of which has been summarised on page 7 of the Annual Report for 1902. The second series of the king's conquests were that with a view to subdue the country of Kalinga, he started again for Bezwada, laid siege to the fort of Kondapalli and captured alive the (Oriya) chiefs Praharāju-Siraschandra Mahāpātra, Bōdajana Mahāpātra, Bijilikhan and others who were assembled within that fort and promising them pardon proceeded further storming the Telingāna forts of Anantagiri, Undrakonda, Aruvapalli, Jallipalli, Kandikonda, Kappaluvāyi, Nallakonda, Kambamettu, Kanakagiri, Sankagiri and other fortresses on the way, and marched to Simhādri and after erecting a pillar of victory at Pōtṭunūru in

the very heart of the Kalinga country he performed certain Mahādānas in company with his consorts who had accompanied him in his campaigns and thence returned to Vijayanagara via Rajahmundry. Certain discrepancies between the accounts of these campaigns as culled from lithic records and as collected from Telugu literature are noticed on page 180 of the Director-General's Annual for 1908-09. The king then made a religious tour in the south and halting at Conjeeveram on the way made to the Varadarāja Perumāl at Vishnu-Kānchi a present of the Punyakōti-vimāna which he gilt with gold for 1,000 varāhas. This gift of the king which is mentioned as having been made for the merit of his father Narasanayaka and his mother Nagaladevi is again recorded in three trilingual (Tamil, Kanarese and Telugu) inscriptions (Nes. 478, 513 and 569 of 1919) which begin with the usual historical introduction in Sanskrit that is generally found in his copper-plate grants (vide Epigraphia Indica, Vol. I, p. 362) giving the genealogy of the Tuluva dynasty from Isvara down to Krishnaraya, while No. 664 of 1919 records the same bare gifts in Tamil verse and No. 510 of 1919 in Kanarese prose. When three months later, the king again camped at Conjeeveram and had granted two villages for the floating festival of Ekamranathasvāmin at Big Conjeeveram, No. 641 of 1919 informs us that a deputation consisting of the trustees and other employees of both the Siva and Vishnu temples waited on the king and after some representations made on either side in regard to the boggy nature of the soil near Sippiyar-madu that lay on the car-track the parties came to an agreement, fixing the routes to be followed by the cars and vahanas of the two temples in their festive rounds. The king also with a characteristic display of liberality availed of this occasion to present a car each to the Vināyaka and Krishna images of the two temples.

- 45. In No. 370 of 1919 we get the information that the Mādhva teacher Paramahamsa Parivrājakāchārya Vyasa-Tīrtha, the disciple of Brahmanya-Tīrtha, secured from the king, the village of Pulambākkam in Padaivīdu-rājya, for conducting the Āvani festival, in his own name, of god Varadarāja and also got the king's sanction for presenting a Śēshavāhana of gold which had to be used as a vehicle of the god on the fourth day of all festivals.
- 46. In No. 418 of 1919, Rāyasam Ayyapparasa is mentioned as the son of Gottimukkil Timmarasa of the Bhāradvāja-gōtra, and the Āśvalāyana-sūtra, while in No. 53 of the Nellore Inscriptions he is stated to be the son of Vēmarasayya and the subordinate of Rāyasam Timmarasayya and on page 192 of the Director-General's Annual Report for 1908-09, he is mentioned as the son of Kondamarasayya.

From the Dhārāpuram inscriptions (Nos. 286 and 290 of 1920) we learn that Kondamarasayya and Timmā-Danāyaka Udaiyar were the agents of the Vijayanagara kings in their southern dominions at this period and that one Vālayadēva-Mahārāja was the trusted sub-agent 'the right hand' in Kongu under them till Saka 1454. In No. 214 of 1920 the latter is himself promoted to the ('hief agent's place with the title of Mahāmandalēśvara and has a sub-agent under him in the person of Raghupatidēva-Mahārāja.

- No. 213 of 1920 is dated in Kali 4633, Viya, evidently a mistake for Vijaya, corresponding to Saka 1454-55 in the reign of Krishnadēvarāya; but as we know that Krishnarāya died in Saka 1452 and was succeeded by his half-brother Achyutarāya in the same year, there seems to be some mistake either in the name of the king mentioned or in the date given in the record.
- 47. Achyutarāya is represented by a fairly large number of inscriptions ranging from Śaka 1450 to 1463 although his regular coronation took place at Tirupati in Śaka 1452. Two inscriptions (Nos. 511 and 543 of 1919) mention that he performed the tulābhāra of pearls and No. 543 of 1919 refers to Mahādānasahasragōdāna and other ceremonies performed by him at the time of his visit to the Varadarāja-

svāmi temple in company with his wife Varadādēvī and his son Chinna Venkatādri. Two epigraphs (Nos. 374 and 373 of 1919) dated in Śaka 1452 and 1461 respectively, relate to offerings to the god during the Chāturmāsa-Ēkādaśi days and on the Kauśika-Dvādaśī day and for the reading of the Kauśika-purānam instituted in the temple by Parānkuśa-jīyar, the disciple of Śrīmat Vēdamārgapratishṭhā-

chārya Paramahamsa Parivrājakāchārya Vēdāntācharya alias Śrīman Nārāyaṇa jīyar, who were evidently the third and second pontiffs of the Ahūbalam mutt; but the dates of their assumption of the gādi, viz., 1473 and 1458 A.D. as given in the Sannidhi-Guruparamparai are ante-dated by nearly a cycle of sixty years. Śālaippākkam Narasayya, the king's agent in the reigns of Krishnadēvarāya and Achyuta, is mentioned in No. 481 of 1919 as the son of Virūpāksha-Daṇṇāyaka and had himself a son called Sitamaraśar (No. 648 of 1919). In No. 498 of 1919 Kumāra-Daṇṇāyaka, who is praised to have excelled Rama himself in having harassed (the sea of) Kāñchī and whose relationship to Virūpāksha-Daṇṇāyaka is not known, is mentioned as having made some gifts to the Varadarāja temple for the merit of the latter's son, Rāyasām Narasayya.

48. No. 584 of 1919 is somewhat interesting in that Sāluva-Nāyaka, who was deputed with the work of dividing equally, between the Ekāmranātha and Varadarāja temples, the villages which were granted by the king at the time of his coronation in the year Virōdhin (1529-30 A.D.) failed in his trust and with pardonable partiality allotted a bigger portion to the Siva temple and that, when this irregularity on the part of his agent was brought to the king's knowledge while he was camping at Conjeeveram, he ordered a revised allocation to be made and had the necessary documents drawn up in his presence.

A cursory insight into the system of leasing temple lands in those days is furnished by No. 655 of 1919, which records that the mēlvāram on areca, cocoanut, mango and other trees grown on the tiruvidaiyāṭṭam lands of the temple was formerly three-fourths of the yield, the remaining one-fourth going to the cultivator and that when in a severe drought the above trees withered, the tenants were asked to plant fresh trees and pay up mēlvāram in the reduced ratio of two-thirds and that, in the case of sesamum, green-gram and sugar-cane, the rates obtaining in adjacent villages were adopted and in cases where betel, plantain and other quick-yielding crops were reared side by side in newly planted areca and cocoanut groves, the mēlvāram was fixed at three-fourths of the old rates.

Kandādai Rāmānujayyangār, Paravastunayinār and Vada Tiruvengada jīvar are some of the names occurring in the inscriptions of this king's reign and the distinguishing prefixes of Kandādai and Paravastu are found among the family names of important Śrī Vaishnava families like the Tātāchāryas of Conjeeveram.

49. The inscriptions of this king collected during the year are, as usual, studded with the names of a number of influential men, royal kinsmen and others who flocked round the throne of the last puppet monarch of the Tuluva line, watchful of every opportunity to filch more and more power into their own hands. Many of them have already been noticed in the reports of previous years—such as—Rāmarāja-Timmarāja-Chinna Timmarāja, and his brother Rāmarāja-Timmarāja-Viṭṭhala, the able general of Sadāśiva, and their relatives Rāmarāja-Varadarāja-Vallabhayyadēva and Rāmarāja-Viṭṭhalarāja-Chinna Timmayyadēva, and the latter's son Bāppu-Chinna Timmayyadēva all of the lunar race, and of the Ātrēya-gōtra and the Āpastamba-sūtra. In No. 504 of 1919, the donor is one Raṅgayyadēva-Chōla Mahārāja, son of Manumapalli Salukkayyadēva-Chōla Mahārāja of the Kāśyapa-gōtra, Āpastamba-sutra and of the solar race and bearing the birudas Mahāmandalēśvara and Appratīkamalla.

The Mattli chief Varadarāja, son of Sōmarāju Pōtturāju figures in No. 528 of 1919 and he is distinguished by the birudas of Kāvērī-vallabha, Katikasurāhāra, Ōttētturājulattigunaganda and Gajasimha. He is evidently the son-in-law of Krishnadēvarāya and the same individual as is mentioned in No. 434 of 1911. Sūrappa Nāyaka is mentioned in No. 482 of 1919 as the son of Pōttu-Nāyaka of the Kāśyapa-gōtra and is probably the same as the individual figuring in another inscription of Sadāśiva's reign (No. 391 of 1912) where he is stated to have made some presents for the merit of one Krishnappa-Nāyaka.

In No. 729 of 1919 dated in Śaka 1479 figures one Siddhirāju Srī Rangarāya who is perhaps identical with the agent of Yara Tirumalarājayya, who was enjoying the jūghir

of Kondavīdu—vide Director-General's Annual Report for 1911-1912, p. 180; and it is not unlikely that Nāgarāj referred to in No. 550 of 1919 as the son of Kadappai Siddhirāja of the Ātrēya-gotra and of the lunar race was a brother of his.

Four generations of a branch of the Tālappākkam family of poets are given in Nos. 495 and 496 of 1919, viz., Annamayangār, his son Periya Tirumalayyangār, his grandson Chinna Tirumalayyangār and his great-grandson Tiruvengalappangār.

50. The epigraphs belonging to this king in this collection are only five in number and one of these, No. 380 of 1919, is dated in Saka 1493 and it may be surmised that it was the year of his accession to the throne since the latest record of his predecessor Sadāśiva is dated in Saka 1492 and Tirumala I's short de-jure reign has also to be located between these two reigns. Achyutappa-Nāyaka, the son of Adappam Chinnadēvappa-Nāyaka of Vēppambattu is mentioned as the donor therein and Tōppūr Tirumalai-Nāyaka figures in No. 479 of 1919 as dalavāy of Mahāmandalēšvara Rāmarāju Venkatapatidēva Mahārāja, who is presumably Venkata I who must have continued in a subordinate viceroyalty in Saka 1504 during his brother's regimé till the time of his own accession in Saka 1508.

No. 383 of 1919 records the information that the right of supervising the repairs and the items of service in the Varadarāja temple which was in the hands of one Rāmayya, was cancelled at the instance perhaps of Kumāra-Tātāchārya, the manager of the temple affairs and was ratified by the order of Venkatapatidēva, that the contract was thereafter conferred, for a lump sum of 500 pon which was credited into the temple treasury, in favour of Tiruvengadasirukkan alias Parānkuśa Tirupanipillai of Tiruppullāni of Pāndi-mandalam, a probable partisan of the all-powerful Tātāchārya, that the lessor was allowed to enjoy the perquisites of his office such as prasāda, cakes, fees, house-site, etc., and that the items of the nirvāha (superintendence) were the arrangements for the Srījayanti-uriyadi, the floating festival and the supply of civet, champaka oil, clothes, etc., for the god on certain occasions. Two Tamil verses in No. 663 of 1919 praise a certain Rāmānujayya who is stated to have hailed from the same Tiruppullāni and attained to undying fame in his devoted service and tiruppani to god Varadarāja.

51. The next king of the Karnāta line, Venkatapatideva-Mabārāja is represented by half a dozen records ranging in dates from Saka 1509 to Saka 1527 and in all of them one Vēdamārgapratishṭhāchārya Ubhayavēdāntasthāpanāchārya Ēttūr Tirumalai Kumāra Tātāchārya finds prominent mention as the manager-general of the temple affairs (śrī-kārya-durandhara) with a staff of subordinates under him, while in some of the later records of Srīranga II, he figures with his single name of Kumāra Tā-

tāchārya without the resounding Vaishnavite titles tagged on to it. This, in Venkata I and Tātāchārya. itself, shows that he basked in the sun of royal favour of king Venkatapati, to whom he was the spritual Guru who officiated at his coronation, and who in his excess of admiration for his āchārya is said to have offered the whole kingdom to him. this Kumāra-Tätāchārya who was also known as Lakshmīkumāra and Kōtikanyakādānam Tātāchārya, lived in kingly splendour at Conjeeveram at the latter part of his life is evidenced by the large number of inscriptions engraved on the temple He is mentioned in No. 354 of 1919 to have gilt the vimana of God Venkatēśa on the Phanipatigiri (i.e., Sēshāchala—Tirupati) with gold in the year Promoduta corresponding presumably to Saka 1492 and in No. 363 of 1919 to have weighed himself separately against gold and silver and ito have used all that wealth in the service of Varadaraja in erecting the Kalyanakoti-vimana in gold for the goddess Lakshmi in the same temple. In the Sanskrit verses contained in No. 475 of 1919, his gifts of all the necessary vāhanas (vehicles) in gold and silver, of the elephant, the horse, the snake, the Garuda, Hanuman, the palanquin, the swan and the lion and of certain other costly jewels and ornaments to the god, his founding of beautiful agrahāras for Brahmins and the digging of a tank called latasamudram are mentioned in glowing terms. No. 650 of 1919 which is dated in Saka 1536 expressed by a chronogram, Ananda, refers to the erection by him of the Kalyanakōti-vimāna to the goddess perhaps in emulation of the Punyakōti-vimāna set up by Krishnadevaraya, which Tatacharya is stated in No. 649 of 1919 to have repaired

and regilt as it got defaced and weather beaten in the course of a century. No. 651 of 1919 is an inscription containing the *Hanumadvimsati*, a poem of twenty verses composed by Tātāchārya in honour of God Hanumān, whose image he set up in the temple on the bank of the tank called Tātasamudram (Ayyankulam) which was dug by himself.

52. No. 502 of 1919 is dated in Saka 1564 in the reign of Venkata II, 'who was seated on his jewelled throne at Ghanagiri' and records a gift by Tam-

mappa-Nāyadu, son of Pāchada Chinna Krishnappa-Nāyaka.

# MISCELLANEOUS.

53. No less than sixty new inscriptions of the chiefs bearing the name or surname Gandagōpāla and distinguished by the epithets Vijoya, Vīra, or Rāja, have been copied in the Varadarāja-Perumāl temple at Conjeeveram. These feudatories of the Chōlas, sometimes wielding independent authority, have been often met with in

Gaṇḍagōpālas.

records coming from the districts of North Arcot, Chingleput, Nellore and part of Guntur. Rai Bahadur V. Venkayya has given a detailed account of them and their Telugu origin (as evidenced by the Telugu prefixes, tammu, allu and manuma or manma which very frequently occur along with their names) in his Annual Report on Epigraphy for 1900, pp. 17 to 20. And again in reviewing the Nellore Inscriptions of Messrs. Butterworth and Venugopal Chetti he has discoursed on the same subject in the light of the numerous inscriptions of that dynasty included in the Nellore volume. Following Mr. Venkayya's remarks and the valuable information supplied in this connexion by the two inscriptions of Tiruvālangādu and Tiruppāśūr published by Dr. Lüders in Epigraphia Indica, Vol. VII, pp. 119 ff., we may see what additional matter could be derived, if at all, from the new inscriptions at These include among them four records of (1) Tribhuvanachakravartin Alluntikka-Mahārāja Gandagopāladeva supplying dates from the 3rd to the 6th year of his reign with the required astronomical details for verification; twenty-two records of (2) Madhurāntaka Pottappichchölan Manumasiddarasan Tirukkālattidēvan alias Gandagopāla with rarely any astronomical details of date but invariably the regnal years (15th to 22nd) of a king Rājarāja who is perhaps identical with the Chola Rajarāja III (A.D. 1216 to 1243); nine records of (3) Madurantaka Pottappichchōlan who signs his name as Rāja-Gandagōpāla or Allālanātha padalānchchhuna and issues orders under royal writ (கிருமுகம்) in the 2nd to 25th year of an unknown king; nineteen records of (4) Tribhuvanachakravartin Gandagōpāladēva or Tribhuvanachakravartin Vijaya-Gandagopaladeva with the regnal years 3rd to 31st of his own reign with full details of date and two records of (.) Tribhuvanachakravartin Vīra-Gandagopāladēva with the regnal years 3 and 4 of perhaps his own reign.

54. The identification of these chiefs and the exact period of their rule could be fixed only tentatively. The first was as per statements made in his own records a Telugu-Chōla king of Nellore (cf. also the gift of 1,750 gold pieces called *Nellūr-pudu-mādai* made to the temple of Arulālapperumāl in No. 441 of 1919, Appendix B). He must have been evidently also a contemporary of the Kākatīya king Ganapati

Tribhuvanachakravartin Alluntikka-Mahārāja Gaṇḍagōpāladēva.

(Saka 1120 to 1182) one of whose ministers Kōṇ Kāṭṭaiyaṇ is mentioned in No. 608 of Appendix B as making a donation to

the same temple. The title *Tribhuvanachakravartin* which he uses in all the five records and the mention of regnal years as in the case of established dynastic rulers, prove beyond doubt that he was an independent sovereign. His initial date, however, is to be fixed from the astronomical details supplied for his 3rd, 5th and 6th years (vide p. 92 of App. F).

55. Madhurāntaka Pottappichehōļaņ Manumasiddarasaņ Tirukkālattidēvaņ alias Gandagōļāla whose records are comparatively numerous appears to have been a powerful subordinate of the Chōlā king Rājarāja III. Mr. Venkayya identifies him with Chōda-Tikka mentioned in Tikkana-Sōmayāji's Nirvachanōttara-rāmāyaṇamu (see also Annual Report on Epigraphy for 1908, p. 85). He was a great devotee of the

God Varadarājapperumāl as already known to us by No. 53 of 1893. He provided for a permanent service in the temple called Gaṇḍagōpālaṇ-śandi as will be seen in the sequel. No. 446 of Appendix B supplies a big Sanskrit introduction for him and like the Tiruppāśūr, Tiruvoriyūr, Tiruvālangāḍu and the Nandalūr inscriptions, it mentions Vishnu, Brahmā, Marīchi, Kaśyapa, Sun, Manu, etc., among the ancestors of the Chōla family to which the chief belonged and after giving the Puranic names of Ikshvāku, Kakutstha, Māndhātā, Sagara, Bhagīratha, Hariśchandra, Śibi, etc., it mentions Karikāla, who constructed the Kāvērī-banks and in battle pulled out the third eye of [Trilōchana]-Pallava. In this family after many important kings had

Madhurantaka Pottappiehehōlan Manumaśiddaraśan Tirukkālattidēvan alias Gandagōpāla. passed away was born Vijjana and in his family was Erasiddhi whose son Manmasiddhi married Śrīdēvī. The son of Manmasiddhi was Gandagōpāla "the

cataclysmic fire to the ocean, viz., Kalyānapurī (the capital of the Chālukyas), the sole hero of the world who cut off the head of Prithvisvara (the Velanandu king), who crushed the pride of the Seuna king and was the supreme lord of Vikramasimhapurī (i.e., Nellūr)." This description of Gandagopala suitably fits in with the identification made by Mr. Venkayya. For, it is further stated of this Gandagopala, later on called by his full name Madhurantaka Pottappichcholan Tirukkalattidevan alias Gandagopala, that having acquired his ancestral kingdom in due succession, he captured the wealth of all princes who were self-willed, shook the southern quarter, killed the kings of the south, took Kānchī and was ruling there after making it his own." The inscription registers that he established the service called Gandagopālan-sandi in the Varadarāja temple in Saka 1153 (A.D. 1231) which corresponds to the 15th year of Rājarāja (III). It may also be noted that in two other instances (Nos. 385 and 514 of 1919 dated in the 14th and 15th years of Rājarāja III), a certain Gandagopāla is mentioned with the title 'Pillaiyār'; while in No. 367 of 1919, a record of the 16th year of the same Chola king dated in Saka 1154, the same title is applied to Madhurantaka Pottappichcholan Tırukkalattidevan In the 18th year of the same king he granted some villages for the maintenance of the sandi which had been established by him in his 15th year (No. 454 of Appendix B). In continuance of this same record is one of the 14th + 1st year of Perumāl Sundara-Pāṇdyadēva in which a re-adjustment was made of the villages referred to above. The position of the Pandya inscription suggests that the 14+1st year of Perumāl Sundara-Pāndya was not very far removed from, if it was not actually identical with, the 18th year of Rajaraja. The frequent change of hands and the co-existence of the Pandya and Chola rule together with that of powerful subordinate chiefs taking one side or the other about this period of history in the Tondai-mandalam is a matter not unknown to history.

56. The third Telugu-Chōda chief mentioned in the inscriptions is one Madhurāntaka Pottappi-Chōla who in the sign-manual fixed at the end of his records, calls himself Rāja-Gandagōpāladēva. His orders are issued under the mandate (Action of the king and thus he could not have been an independent chief properly so called. He established in the temple of Arulālapperumāl a service called Rājagandagōpālansandi after his own name and being a great devotee of that god, he calls himself at

Madhurāntaka Pottappi-Chōļa Rāja-Gaṇḍagōpāladēva. Rāja-Gaṇḍablessed Aruļālam

the end of some records (the servant) who bears the stamp of the feet of the blessed Arulālanātha (śri-Arulālanātha-

pada-lānchhanasya) or Allādanātha, in place of the usual signature Rājagandagōpāla (see Nos. 556, 607 and 609 of Appendix B). In a Tiruvorriyūr record he signs his name as Mānavijaya (No. 241 of 1912). It may be noted that the first two records which come from Conjeeveram, supply the names of many of the public streets of that town, its community of merchants known as Vāṇiga-nagarattār and its Bauddha-ppalli (Buddhist vihāra). Some of the street names were Mummudichōla-perunderuvu, Arumolidēva-perunderuvu, Nigarili-chōla-perunderuvu, Gandagōpāla-perunderuvu, and Kūrai-vāṇiya-perunderuvu evidently so called after the ruling kings and governors even as many important roads and suburbs are called to-day. The existence of a Bauddhappalli at Conjeeveram cannot but be of much corroborative interest since successful investigation in this direction had been already made by the

late Mr. T. A. Gopinatha Rao and the opinion expressed that the present image of Kāmākshi itself may have been one of the Buddhistic goddess Tārādēvī. the figure of a full-sized standing Buddha within the temple of Kāmākshī-now lying in some unused corner of it—there Conjecteram streets and Buddhist Vihāras. is nothing else either in the structure of the Kāmākshī temple or in the existing methods of daily ceremonial to justify such a conclusion. The truth, however, remains that the later debased forms of Saktiworship were introduced into Hindu temples chiefly through Mahāyānic Buddhist influence and that the powerful Advaita philosophy of Samkaracharya was the only force that successfully stemmed its evil effects. The strange traditions too that are said to be connected with the Kāmākshī temple and its revival by Śamkarāchārya whose image is seen established within that temple, may be compared with the similar story remembered of the temple at Tiruvorriyur near Madras (Annual Report for 1912, pp. 67 and 68). Rāja-Gandagōpāla must have been also like Madhurāntaka Pottappichchōlan Manumaśiddaraśan Tirukkālattidēvan ahas Gandagōpāla, a subordinate of Rājarāja III (No. 198 of 1912). He was a powerful deputy. The incoming and outgoing bags (of grain?) in certain villages granted by him to the temple of Arulālapperumāl were impressed with the Gandagopālan-seal for purposes of tolls (No. 609 of Appendix B).

57. The next king whose records may be noticed are those of Tribhuvanachakravartin Vijaya-Gaṇḍagōpāladēva. In his Annual Report for 1900, p. 20, paragraph 51, Mr. Venkayya remarked that "with the little that we know of his history at present we cannot safely identify him with any particular king. In the Tamil country his inscriptions have been found ranging from the 3rd to the 22nd year of

his reign." As seen already the latest Vijaya-Gandagopāla. date for him found in the present collection is the 31st year (No. 500 of Appendix B). It has been stated on the authority of three inscriptions copied at Conjeeveram in previous years (Nos. 27, 35 and 36 of 1890) that he succeeded to the throne in Saka 1172 and was a member perhaps of Branch C of the Telugu-Chola genealogy printed at page 17 of the Annual Report on Epigraphy for 1900. Evidently he was an independent sovereign. The coin Gandagōrāla-mādai current at that time was perhaps issued by him (Nos. 385 and 428 of He seems to have had a Telugu-Pallava subordinate named Appendix B). Nallasiddarasar who held the imperial titles Mahārājādhīrāja, Rājaparamēsvara, The wording of the Pallavakulatilaka, Mukkanti-Kāduvettivamšāvatāra, etc. inscription leaves us in doubt as to the exact status of Nallasiddha with reference to Vijaya-Gandagopāla. It almost appears even as if Nallasiddha was the real name of the ruling king while Vijaya-Gandagopala was only his titular surname. No. 39 of 1893, also coming from Conjeweram, refers to Tribhuvanachakravartin Gandagōpāla (i.e., Vijaya-Gandagopāla) and his subordinate Nalu-Siddharasar of the Pallava family. No. 228 of the collection for 1910 refers in more definite terms to Nallasiddarasan of the Pullava lineage as a subordinate of Tribhuvanachakravartin Vijaya-Gaṇḍagōpāla-A different Vijaya-Gandagopāla also of Pallava descent is again mentioned in the Tripurantakam inscription No. 272 of 1905, and still another in a record from the Atmakur taluk (Nellore Inscriptions A. 25) where this Pallava king is stated to have had a Chola feudatory. It appears therefore clear that there existed two chiefs by name Vijaya-Gandagopala, one a Telugu-Chola in the south and another a Telugu-Pallava in the north, both ruling almost contemporaneously in the central Tamil and Telugu districts of the Madras Presidency. In this connexion, it may be noticed that, in No. 624 of Appendix B, a damaged inscription partly in Tamil verse, a Vīra-Gandagopāla is mentioned as born of the Bhāradvāja-gotra in the illustrious Pallavakula. The southern Vijaya-Gandagōpāla calls himself a Chōla in the Conjeeveram copper-plate published by Professor S. V. Venkatesvara Ayyar (*Epigraphiu Indica*, Volume XIII, page 194 ff). If its date is correct it supplies for him the latest. date, viz., the 42nd year which, as Mr. Ayyar says, tallies with the year of accession of Raja-Gandagopala whose 9th year corresponded to Saka 1221 (No. 194 of

The successor of Vijaya-Gandagōpāla was therefore a Rāja-Gandagōpāla different of course from the one mentioned in the preceding paragraph as a contemporary and

subordinate of Rājarāja III. But from a record of Vīra-Gaṇḍagōpāla copied at TirupVīra-Gaṇḍagōpāla.

Solve pukkuli near Conjeeveram (No. 179 of 1916) it becomes clear that Vīra-GaṇḍaGaṇḍagōpāla was the actual successor of Vijaya-Gaṇḍagōpāla. It is possible that VīraGaṇḍagōpāla had also the surname Rāja-Gaṇḍagōpāla. Nos. 603 and 624 of Appendix B are two inscriptions of a Vīra-Gaṇḍagōpāla who is perhaps the same as the Vīra-Gaṇḍagōpāla who succeeded to the throne in Śaka 1212 or roughly A.D. 1290-91.

58. The Hoysalas are represented in this year's collection by 16 inscriptions, four of which are dated in the reign of Vīra-Ballāla and the rest in that of Vīra-Rāmanātha. A few other inscriptions from Conjeeveram (Nos. 408, 611, 612, 615, and 617 of 1919) dated in the regnal years from 14th to 24th of Rājarāja (III) (1216-1243 A.D.), though they cannot be called Hoysala epigraphs proper, are however records of gifts made by certain important Mahāpradhānas and Sāmantas of the contemporary

Vīra-Narasimha II.

Hoysala king Vishnuvardhana Vīra-Narasimha II (1217 A.D). The names of the individuals figuring in them are the two brothers (?) Paramaviśvāsirāya-Daṇḍanātha Daṇḍinagōpa and Appaya-daṇāyaka and the former's son Mādappa and the latter's three sons Kēśava, Goppayya, and Mallayya. Another inscription, No. 404 of 1919, mentions a Daṇḍinagōpa Jagadobbagaṇḍa Goppayya, the son of Mallayya; and Vālayya-Daṇḍanāyaka, son of Dūtapiḷḷai-daṇḍanāyaka figures in No. 39 of 1920 from Tirumalavāḍi. It may be noted that the Tiruvēndipuram inscription (up. Ind. Vol. VII, p. 161) refers to the two famous generals of Vīra-Narasimha II, named Appaṇa and Samudra Goppaya.

All the inscriptions of Vīra-Rāmanātha, the Viceroy of the southern Hoysala dominion, come from Tirumalapādi in the Trichinopoly district and are dated in regnal years running up to 25, which is, at present, the highest date found for him

Vīra-hāmanātha.

in the Madras Epigraphical collection. They uniformly record private gifts of land or gold for providing for the sacred bath of the god Tirumalapāḍi Uḍaiyār, an unfailing supply of potfuls of Kāvērī water, which seems to have acquired special sanctity at this place on account of the northward deflection of the river's course (utlaravāhinā), and the temple is itself very picturesquely situated at the river's bend being called ' புணல்வாயில் ஸ்ரீகோயில்' in No. 98 of 1920. Mahāprathāni Vīrayyadannāyaka, who was probably a subordinate of the king is mentioned in No. 21 of 1920, and his sons figure as donees in Nos. 41 and 56 of 1920.

9. No. 401 of 1919, a record of Vallāladēvar is dated in the cyclic year Bhāva(ka), corresponding in all probability to Šaka 1256 (= 1334-35 A.D.) which falls into the reign of Ballāļa III (A.D. 1292-1342). It mentions the fact that, when on the second day of the month of

Pallāla III. Tai in that year, the king was encamping tat Kanchipuram, one Kampaya-dannayaka, bestowed some presents to the Varadaraja-Perumāl temple for the merit of one Yechchaya-dannāvaka. Mallappa-dannāyaka is the name of another subordinate mentioned in No. 397 of 1919. This visit of the king to Conjeeveram was perhaps also the occasion when he presented to the same temple a throne called ' Viravallalan' which was placed in the Abhisheka-mundana under a canopy (pandal) called 'Ariyannavallan' to seat the god on the festival days, when Tiruvāymoļi (Sadagopan-pāṭṭu) was chanted in His presence and honours and presents granted to deserving persons for meritorious service rendered to the temple. The four inscriptions (Nos. 572 to 574 and 585 of 1919) which detail the above incidents contain, though not dated in particular cyclic years, sufficient astronomical data and references to the famous Sāluva Mangu-Mahārāja to justify their dates being fixed between the years Saka 1280 and 1283. Three inscriptions of Ballala III found in the Dharapuram taluk in the Coimbatore district in the cyclic years corresponding presumably to Saka 1256 and 1258 testify to the fact that, after the disintegration of the Hoysala dominion in about 1310 A.D. by the series of victorious Muhammadan raids under Malik Kafur, Vīra-Ballāļa retired south but still managed to nurse his waning greatness in a corner of the Kongumandalam.

60. The collection of copper-plate inscriptions for the current year (Appendix A) includes six grants of the Reddi kings viz., one of Vēmaya-Reddi (No. 5), one of Anna-Vēma (No. 6) and four of Kōmaṭi-Vēma or Pedda-Kōmaṭi-Vēma (Nos. 7, 8, 13 and 14). All the plates have been secured from the Guntur district, where the kingdom of the Reddis of Kondavīdu chiefly lay. An attribute of Vēmaya-Reddi, the first Reddi king and the founder of the family, states that he planted different kinds of gardens

The Reddis.

near many a town. This special administrative measure speaks highly of the

cultured tastes of this ruler of the 14th century and of the sanitary principle which he inculcated nearly 600 years ago, in laying out such gardens for the benefit of the citizens. Kōmaṭi-Vēma, Prōlaya-Vēma or Anna-Vēma as he is called in the Telugu work Harivamśamu (Epigraphia Indica, Vol. VIII, p. 9 ff) is stated to have defeated the Gujjaras, to have captured kāchūri-durga (the Raichur fortress), to have built sacred steps in the famous temples of Śrīśailam and Ahōbalam, to have played in the waters of (i.e., to have extended his dominions so as to include) the Kundiprabhā (the river Gundlakamma) (Epigraphia Indica, Vol. VIII, p. 10), Sahyajā (Cauvery)

Vēmaya-Reddi.

and the Gautamī (Gōdāvarī), to have crushed the pride of Kalingarāya, to have

hunted like beasts the kings of Manniya (i.e., the chiefs of the hill tracts), shattered the chief of Jantarnādu and to have been a terror to the Pāṇḍya king. The plates quoted above also mention Vēma's conquest of the Mlēchchas (Muhammadans) who had taken back all the agrahāras of the Brahmans. Our present record refers to the revenue and survey settlement made by him in Rāmatīrtham and five other villages in the Śrīśaila country and the Ammanambrōlu district. The year Saka 1257, Yuvan, which is herein supplied for the king is the earliest date known so far for Vēmaya-Reḍḍi, his Madras Museum plates being dated only in 1267. He was the patron of the jelugu poet Errā-Preggaḍa who wrote the Harivamśamu.

61. The copper-plates (No. 6) of Anna-Vēma which are dated in Śaka 1296 supply the information that his kingdom extended from the eastern slopes of Śrīśailam right up to the eastern ocean and record that the king on this date conferred on Peddividvān who was a great astronomer (daivajnachūdāmani), the son of Guṇḍayārya, grandson of Pēti-Bhaṭṭa, great grandson of Bhīmēśvara-Sēmayājulu and great-great grandson of Nṛisimha, a lion to the crowd of elephants, viz., disputants, the village Pachchani Tāṇḍipaṇru. The statement made in lines 32 to 35 of the text that "the matchless king Anna-Vēma being crowned to rule the kingdom of his paternal estate

Anna-Vēma.

after (the death of) his brother, makes and confirms gifts to Brāhmanas bestowed

by the old kings, his father and his brother "suggests that the year Saka 1296 might have been the actual year of his accession to the throne. Accordingly also we do not find any records of Anna-Vēma dated prior to the Saka year 1296. Anna Vēma's favourite surname was Pallava-Trinētra which occurs at the end of the inscription in his sign-manual. It may be interesting to note that the composer of the grant was the court poet Bālasarasvati whose identity could not be traced in Telugu literature.

62. The four remaining copper-plate records belong to the time of the poet-king Kōmati-Vēma whose Phirangipuram inscription has been published with a facsimile plate by Mr. J. Pamayya Pantulu in *Epigraphia Indica*, Vol. XI, p. 313 ff. Evidently his great learning earned for him the title *Sarvajūacha ravartin* which is

The poet-king Kōmati-Vēma.

given to him in No. 7 of Appendix A, text line 27. The first of the donees mentioned in this grant to Brāhmanas of the village of Rudravaram in Kōta-bhūmi (i.e., the country round Dharanikōta) in Saka 1341, Vikāri (= A.D. 1419), is the astronomer Rāmachandra, a son of Peddiyajvan, who, as we have seen already, was the recipient of the gift recorded in the plates of Anna-Vēma (No. 6 of Appendix A). It is stated of Pōtaya-Bhatta, the great grandfather of this Rāmachandra, that he was the master of the mysteries explained in the Brahma, Sūrya and other Siddhāntas (astronomical works). The composer of the grant was the famous poet Śrīnātha who is already known to us from the published grants to have been the Director of Education (vidyādhikāri) under king Kōmati-Vēma Vīranārāyana. Two other grants of Kōmaţi-Vēma made to this same family of astronomers are recorded

as Nos. 13 and 14 of Appendix A, the recipient in both being Peddiyajvan who received the grant of Pachchani Tāndiparru in the time of Anna-Vēma and who had set up sacrificial posts on the banks of the Gōdāvarī river and had mastered like his grandfather Pōtaya-Bhatta, the mysteries of the Brahma, Sūrya and other Siddhāntas. The genealogy of this learned family as supplied by these two grants is the same as that supplied by the plates of Anna-Vēma. No. 8 of Appendix A, which is a single plate, the last of a bigger set of plates now lost, contains at the end a verse which by way of resume says:—"the donor (of the grant) is king Kōmati-Vēma, the donee who received (the grant) is the teacher Śamkara, the village given is Pinapādu, the composer is the poet Śrinātha-Bhattāraka, the time, the sacred occasion of Śivarātri and the witness the great (god of) Śrīgiri." Thus we see that of the four copper-plate records of Kōmati-Vēma three relate to grants made to the family of Astronomers, and one to the teacher Śamkara and that all the four were composed by the poet Śrinātha.

63. The Māhāmandālēśvara Vīra Nañjarāya Udaiyār of Ummattūr whose reign extended according to Mr. Rice (Epigraphia Carnatica, Volume IV, Introduction; page 27) from 1482-94 A.D., figures in four inscriptions from the Dhārāpuram taluk which are dated in Śaka 1411, Sādhāraṇa and in Paridhāpi corresponding to Śaka 1414.

Ummattūr chiefs.

In one of these, No. 108 of 1920, it is mentioned that the king rebuilt the ruined Perumāl temple at Koduvāy which had previously suffered severe damage at the hands of the Muhammadan iconoclasts, celebrated its reconsecration and reengraved on its walls the obliterated inscriptions of the Chēra and Chōla kings, which had recorded their respective donations to the temple. No trace of these copies is, however, now in evidence. In another inscription of the same king, No. 109 of 1920, a charity was instituted in the same temple by the residents of Koduvāy, so that itinerant Brahmans passing that way may not go away hungry but may have a sumptuous meal of millet (amy), and this may perhaps indicate that Koduvāy was, as now, situated on an important artery of traffic.

Another Nañjarāya, son of Pratāpa Arihararāya, is mentioned in No. 278 of 1920 dated in Bahudhānya corresponding to 1518-19 A.D. and he is evidently identical with Nañjarāya Udaiyar (1512-40 A.D.) a later scion of the same family who figures also in No. 208 of 1909. If this identification is correct Immadi Dēpaṇṇa Udaiyar, his father, must have had the other name of Pratāpa Harihara. One Rāhuttaperumāl, son of Parākrama-Pāṇḍyadēvar, who is mentioned in this inscription, must have been a subordinate chief under Nañjaṇarāya holding sway over Karrāyangāṇi, a portion of Kājarājapura-nādu in the Kongu-maṇḍalam. Irājākkal-tambirānār which is a title mentioned for this chief was also borne by the Pāṇḍya, vide paragraph 21 of the Annual Report for 1913-1914.

64. In front of the Tāyār shrine in the Varadarājasvāmin temple at Conjeeveram is set up a well-dressed slab of stone bearing an inscription on both its sides (No. 639 of 1919) and embellished at its top with the Tengalai Vaishņavite mark flanked on either side by a conch and a discus. The Tengalai sect of Vaishņavites in general and that of the temple employees in particular attach great importance to it as it advertises the prominent part played by

Lālā Toḍaramalla.

regeneration, and is also one of the twelve items within the temple which bear this mark as distinguished from the Vadagalai, which is the recognized caste-mark of the temple and the god therein.

The inscription under reference consists of two Sanskrit verses in the Sārdūlavi-krūdita metre engraved in Telugu script, followed by a translation in Telugu prose and 12 lines in Nāgarī and records that in the year Saka 1632, Virōdhin (1710 A.D. and not 1799 as calculated by Mr. Crole in his Chingleput Manual, page 117) Rāja Kālā Tōdaramalla brought back at the request of Srīnivāsa alias Āttān Tiruvengada Rāmānu ja Jīyar, the image of Varadarāja from its place of retreat in the jungles of Udayārpālayam and reconsecrated it in its own temple at Kānchī. Mr. A. R. Sarasvati in his Telugu article in the Ānthrasāhityaparishad Patrikā, Vol. VII, part 5, thinks that 'Tōdaramalla' was an honorific biruda bestowed on proficient

men, substantiated and supplemented perhaps by the gift of a badge as the word 'Todara' in Kanarese which means 'a chain or other badge of honour' and its shortened form of Toda in Famil meaning 'an armlet of gold,' would seem to imply. This view has yet to be substantiated by further research. There have been several individuals bearing this title. In No. 342 of the Epigraphical collection for 1899, one Todaramalla Ranganātha is mentioned and Todaramalla Timma, a later member of the same family was the author of a work entitled Svaramelakalānidhi (vide page 1684 of Rangacharya's 'Inscriptions of the Madras Presidency'). Todaramalla of the present inscription has, on account of the similarity in his name, been sometimes erroneously identified with the famous financier of Akbar's court who flourished quite a full century prior to the date of this record. As a matter of fact our Todaramalla was a general under Sa-ādat-Ullāh Khān, the Nawāb of the Karnatic, who led the attack against, and finally stormed the impregnable fort of Gingee (South Arcot district) killing the refractory chief Desingaraja of ballad fame. The historic incidents that led up to the events recorded in this inscription were that the Delhi Emperor Aurangzeb fitted out an expedition in about 1688 A.D. against the Mahrattas of the South, and Conjecveram, in common with several other important centres of South-India, felt the shock of this iconoclastic invasion. The temple authorities of the three premier temples of that city thereupon apprehending desecration at the profane hands of the invaders, disguised the images of the temple gods and conveyed them secretly out of the town, the Vishnu temple images finding an asylum in the jungles of Udayārpāļayam in the Trichinopoly district. But when the danger was past and Conjeeveram was considered safe, the local chieftain of Udayarpalayam, who was much enraptured at the image of the god Varadarāja refused to restore it to its original abode at Kānchī, with the result that, at the special intercession of Srīmat Paramahamsa Parivrājakāchārva Attan Jiyar, his disciple Lala Todaramalla terrorised the chief with a strong contingent of troops at his back and safely brought back the image and reinstated it in the temple with great pomp and splendour. This incident is even to-day commemorated in an annual festival called the Udavārpālayam festival. An exact parallel to the above restoration is furnished by Śrīrangam the image of which temple, Śrī Ranganātha, had to be restored by Goppana, the famous Brahman general of Kumāra Kampana in Saka 1293 (Epigraphia Indica, Vol. VI, p. 322).

The party who was instrumental in the above restoration, viz., Śrīnivāsadāsa or Āttāṇ Jīyar as he is called, has in the Telugu article by Mr. Sarasvati referred to above, been identified with a relative of Akkanna and Mādanna of Golkonda fame, who fled south when Aurangzeb's force sacked Gōlkonda and killed the two able brothers. In a copper-plate grant deposited in the Madras Museum (page 41 of the Catalogne of Copper Plate grants by Mr. R. Sreenivāsa Rāgava Aiyangār, Ma.) the same Śrīnivāsadāsa, who is there mentioned as the protege of Tōdaramalla, is said to have granted five villages to the temple of Śrīmushnam near Chidambaram, in the Śaka year 1636 (1714-15 A.D.), four years later than the Conjeeveram inscription, and in the regime of the Delhi Emperor Farrukhsīyar and the Karnatic Nawab Saādat-Ullāh Khān.

65. A set of three statues, probably those of Todaramalla, his father and mother in the Varadarāja temple at Conjeeveram is, at present, left uncared for in a small lamp-room in the recess of the gopura called the Tondaradippodi-vāśal. From the fact that the statues have been set up here, one may perhaps guess that the original

Three statues in the temple.

name of the gōpura was Tondarmallanvāśal and that this designation in course of time became corrupted into its present variant, and was connected with the name of the Vaishnava saint Tondaradippodi-ālvār. The statues seem to be of bronze and in the uncomfortable crampedness of their habitation, it is not possible to examine them at close quarters, to see whether, as works of art, they have thrown away the shackles of conventionalism and have any pretentions to be called portraits and whether they bear on them any labels that could lead to the confirmation of the popular belief that they represent a family group of Lālā Tōdaramalla. On page 5 of my Annual Report for 1913, I referred to three sketches that were prepared of the busts of the copper statues of Tōdarmall and his two wives in a small shrine at Tirumalai which bore labels containing the names Tōdarmall, Mātā Mōhanadēvī

and Pitā Bibi. On closer examination it may perhaps be found that the statues of Conjeeveram also contain the very same labels. The group consisting of father and mother and Tōdarmall, as noted down by my Assistant Mr. A. S. Ramanatha Ayyar, requires further examination inasmuch as my examination of similar statues at Tirumalai, proved that Mātā Mōhanadēvi and Pitā Bibi on either side of Tōdarmall were more likely his two wives than his father and mother as probably suggested by the words mātā and pitā.

Steps will be taken to release these statues from their present cage and to have them removed to a prominent place. This treatment they ought surely to have deserved at the hands of the temple authorities not only as specimens of South Indian bronzes, but also from a feeling of gratitude for the valuable service rendered by Tōdaramalla, but for whose heroic recovery of the images from Udayārpālayam, the temple may not be enjoying its present prosperity.

66. In another interesting but completely corrupt record (No. 424 of 1919), which is dated in Saka 1645 (1723 A.D.), Sobhakrit, in the time of the Delhi Emperor Alangir Bācha Muhammad Shāh (son of Jahān Shāh and grandson of Bahadūr Shāh, who ascended the throne in 1729 A.D.), when the Karnātaka Sabhā Diwān Sa-ādat-Ulläh Khan Bahadur was wielding his An old water-supply project for Conjecveram. viceroyalty in Urrukkāttu-kōttam Tandakanadu-nādu, a district of Jayangondasola-mandalam, one Rāyar Sitakkonirāyar who was the deputy-in-charge at Conjeeveram started a water-supply project by digging an underground aqueduct from the magnificent tank of Sarvatīrtham on the one side and the Vishnu temple tank Anantasaras on the other which could catch up the spring water percolating from the river-hed near the village of Ambi and feed many of the tanks with which the town of Conjeeveram is dotted. Traces of this ruined aqueduct are still here and there visible. It is curious to note that the Muhammadan Emperor has, in the usual Indian style, been burdened with a number of birudas, such as, Mahāmandalēsvara, Mēdinimīsara, Anēkadurgādhipati, Getimanniyasuratrāna, Nāvalaņ, Peruntīvu-navamanivēndaņ and the lord of the east, south, west and northern (!) oceans.

## Order-No. 985, Home (Education), dated 31st August 1920.

Recorded.

- 2. The publication of volumes IV and V of the South Indian Inscriptions (Texts) should be pushed on as rapidly as possible.
  - 3. The programme of work for the ensuing field season is approved.

(True extract)

R. RAMACHANDRA RAO, Secretary to Government.

To the Assistant Archæological Superintendent for Epigraphy.

the Superintendent, Archæological Survey.

the Superintendent, Government Museum.

all Collectors.

the Home (Miscellaneous) Department.

the Government of India, Department of Education (with C.L.).

the Government of Burma (with C.L.).

the Government of Ceylon (with C.L.).

the Director-General of Archæology (with C.L.).

The Publicity Officer.

Editors' Table.





- (60-years eycle) -

| ( )        | o puis eque |           |
|------------|-------------|-----------|
| Prathava   | Sawaje      | Plaverte  |
| Vibhava    | Sarvaolari  | Vormy     |
| Sukla.     | Vinsta.     | Sasherma  |
| Ramodrita  | White       | unshikis  |
| Majotpatti | Kham        | Parishavi |
| hyriasa    | Naudana     | Romaticla |
| Irimukha   | Vijaga      | manda     |
| Bhave.     | 202-        | Rekshasa  |
| ywa.       | Manmatta    | Ma        |
| that.      | Durmukhi    | Ponjala   |
| Isvara     | Heri/ambi   | Keliznkli |
| Bakuthanga | vilanti     | JESKAK:   |
| Aramadi.   | Vikari'     | Randri    |
| tikrama    | favorn'     | Dormsti   |
| virkur.    | Plan        | Dandushi  |
| The habban | Sittakis    | Ruskindpi |
| watham.    | 60 tent     | Rakfaki   |
| Tavana.    | kushi       | Krochame  |
| rancio.    | Vijoavan    | Hestaga   |
| vyaya.     | Planty      |           |
|            |             |           |

16ml no. 12 inders, com lines in this 12 some — 3472.

\*4

ŕ

.

.

.

•

Central Archaeological Library,

NEW DELHI

Call No. 417.4354/I.D.A.

India, Deptt. of Author-Archaeology.

Title\_Annual report on Epi-graphy 1916-20.

Date of Issue Date of Return Borrower No.

